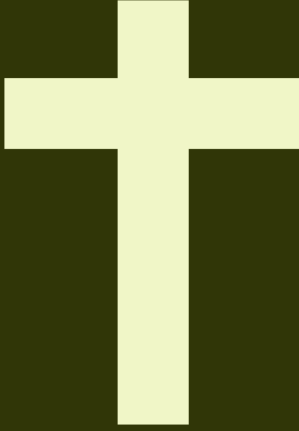


परमेस्वर को सच्चो
वचन ख जाननू



The New Testament in the Halbi language of India, Devanagari

script: परमेस्वर को सच्चो वचन ख जाननू (Bible)

परमेस्वर को सच्चो वचन ख जाननू

The New Testament in the Halbi language of India, Devanagari script: परमेस्वर को सच्चो वचन ख जाननू (Bible)

copyright © 2023 The Word for the World International and Mehra Bhasha Samiti, Betul, (M.P.)

Language: (Halbi)

Contributor: The Word for the World South Asia

परमेस्वर को सच्चो वचन ख जाननू

The New Testament in Mehra Language

The Word For The World

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

You include the above copyright and source information.

If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2025-05-03

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 2 May 2025 from source files dated 3 May 2025
b036077f-beaf-5619-9637-15e54a92b10b

Contents

मत्ती	1
मरकुस	58
लूका	94
यूहन्ना	151
प्रेरितो	194
रोमियो	247
1 कुरिन्थियो	270
2 कुरिन्थियो	292
गलातियो	308
इफिसीयो	316
फिलिप्पियो	325
कुलुस्सियो	331
1 थिस्सलुनीकियो	337
2 थिस्सलुनीकियो	343
1 तीमुथियुस	347
2 तीमुथियुस	354
तीतुस	359
फिलेमोन	363
इब्रानियो	365
याकूब	383
1 पतरस	390
2 पतरस	397
1 यूहन्ना	402
2 यूहन्ना	409
3 यूहन्ना	411
यहूदा	413
प्रकासितवाक्य	416

मत्ती के द्वारा लिखा सुसमाचार मत्ती को दुवारा लिखो सुसमाचार भूमिका

मत्ती को हिसाब से भलो संदेस नयो नियम की चार किताब हुन म से एक हैं जो यीसु मसी को जीवन को वर्णन करा हैं। ओमन से हर एक ख “भलो समाचार।” बोलो जाय हैं, जेको मतलब हैं भलो “समाचार।” वी यीसु की माऊत को बाद, मत्ती, मरकुस, लूका अर यूहन्ना दुवारा लिखया गयो रहा। मत्ती को हिसाब से भलो-समाचार कब लिखो गयो होये, एकी सही तारीक लिखन वाला हुन ख नी मालूम हैं, लेकिन या लगभग मसी को जनम को करीब 60 साल बाद को बखत हतो रहा एको अलावा, यू किते लिखो गयो रहा, यू मालूम नी हान, लेकिन कई इंसान हुन अनुमान लगावा हैं कि या फिलिस्तीन म अर सायद यरूसलेम सहर म भी लिखो गयो रहा।

लिखन वालो मत्ती हैं, जो यीसु मसी दुवारा अपनो चेला बनन को लाने कहन से पहले एक लगान वसूल करन वालो हतो रहा ओखा लेवी को नाम से भी जानत रहा। मत्ती बारा चेला हुन म से एक हतो रहा अऊर ओ ना यहूदी पढ़न वाला हुन को लाने लिखो रहा ऐखा पुरानो नेम ख सुध्दसास्र को 60 जादा वचन हुन को दुवारा साप-साप तरीका से देखो जा सका हैं। उ यू दिखान कि कोसीस करत रहा कि यीसु ही मसीहा हतो रहा, परमेस्वर को चुनियो वालो उद्धारकर्ता, जेको बारे म भविष्यवानी करी गई रहा। मत्ती न परमेस्वर को राज्य को बारे म भी बेजा कुछ लिखो।

यहूदी हुन ख उम्मीद हती कि मसी एक राजनीति राज्य को राजा बने। मत्ती परमेस्वर को संसारीक राज्य को वर्णन कर ख उ भरोसा ख चुनोती देन को लाने बेजा जादा सावधानी बताई हैं। मत्ती को हिसाब से भलो-समाचार पुरानो नेम ख सभी वचन हुन को कारन नयो नियम ख सुरू करन को लाने एक अच्छी किताब हैं। या दो वसीयत नामा जोड़ा हैं। ग्यानवान हुन न यू भी सला दियो हैं कि मत्ती मूसा की किताब हुन को जसो लिखन को नकल करन कि कोसिस करत रयो होए, जो पुरानो नेम कि पहली पाँच किताब होए। पहाड़ पा यीसु को सिखानो 5—7 को मिलान परमेस्वर दुवारा मूसा को कानुन देन से करी जा सका हैं। व्यवस्था 19:3—23:25

रूप रेखा

1. मत्ती म यीसु मसी को जनम अर ओकी सेवकाई को सुरूवात को बारे म बता ख भलो समाचार ख सुरू करा हैं। 1—4
2. आगे मत्ती म यीसु की सेवा को बारे म अऊर ओकी कई ग्यान सिखानू को बारे म बतावा हैं। 5—25
3. मत्ती को आखरी भाग यीसु कि माऊत अर फिर से जिन्दो होन को बारे म सेवकाई कसी बड़ी ओको बारे म हैं। 26—28

~~~~~  
(~~~~~ 3:23-38)

1 अब्राहम की अवलाद, दाऊद की अवलाद, यीसु मसी को खानदान।

2 अब्राहम से इसहाक पैदा भयो, इसहाक से याकूब पैदा भयो, याकूब से यहूदा अर ओखा भई हुन पैदा भया,

3 यहूदा से तामार, तामार को वजे से फिरस अऊर जेरह पैदा भयो। पेरस से हेस्रोन पैदा भयो। हेस्रोन से एराम पैदा भयो।

4 एराम अम्मीनादाब को बाप हतो, अम्मीनादाब से नहसोन, नहसोन से सलमोन पैदा भयो,

5 सलमोन से राहाब, राहब को वजेसे बोअज पैदा भयो, बोअज से रूत अऊर रूत से ओबेद पैदा भयो, ओबेद यिसै को बाप हतो।

6 अर यिसै से राजा दाऊद पैदा भयो। सुलैमान दाऊद को पोरिया हतो जो वा बाईचारा से पैदा भयो रहा जो पहले उरिय्याह की घरवाली हती।

7 सुलैमान रहबाम को बाप हतो, अर रहबाम अबिय्याह को बाप हतो। अर अबिय्याह से आसा को पैदा भयो।

8 अऊर आसा यहोसाफात को बाप भयो, अऊर यहोसाफात से योराम, अऊर योराम से उज्जियाह को जनम भयो,

9 उज्जियाह योताम को बाप हतो, अर योताम आहाज को, आहाज से फिर हिजकिय्याह पैदा भयो,

10 अऊर हिजकिय्याह से मनस्सिह को पैदा भयो, मनस्सिह आमोन को बाप भयो, अर आमोन योसिय्याह को।

11 फिर इस्राएल ख इंसान हुन ख बंधी बना ख बेबीलोन ले जान को बखत योसिय्याह से यकुन्याह अऊर ओखा भई हुन को पैदा भयो।

12 बेबीलोन म ले जान को बाद यकुन्याह सालतिएल को बाप बनयो, अऊर फिर सालतिएल से जरूबाबिल।

13 अर जरूबाबिल से अबीहूद पैदा भयो, अबीहूद इल्याकिम को अर इल्याकिम अजोर को बाप बनयो।

14 अजोर सदोक को बाप हतो। सदोक से अखीम, अखीम से इलीहूद पैदा भयो,

15 इलीहूद इलियाजार को बाप हतो अर इलियाजार मतान को, अर मतान याकूब को बाप बनीयो।

16 याकूब से यूसुफ पैदा भयो, जो मरियम को घरवालो हतो, मरियम से यीसु पैदा भयो, जे मसी कहलावा हैं।

17 असो तरीका से अब्राहम से दाऊद लक कुल चऊदा पीढ़ी हुन भई। अऊर दाऊद से लेखा गुलाम बना ख बेबीलोन पहुँचायो जानो लक की चऊदा पीढ़ी हुन, अऊर गुलाम बना ख बेबीलोन ले जान को बखत से मसी को पैदा होन लक चऊदा पीढ़ी हुन अऊर भई।

~~~~~

(~~~~~ 1:26-38; 2:1-7)

18 यीसु मसी को जनम, असो तरीका से भयो। ओकी माय* मरियम कि मंगनी यूसुफ से भई रहा, पर असो भयो कि उनको एक संग रहनो से पहले ही मरियम सुध्द आत्मा की ओर से गर्भवती हती रा।

19 ओको घरवालो यूसुफ धीरे से मरियम ख छोड़ देन को विचार करत रहा, काहेकि उ धर्मी इंसान हतो रा। अऊर मरियम ख बदनाम नी करन की सोचत रा।

20 जब उ असी बात हुन कि सोच ही म हतो ते प्रभु को स्वर्गदूत ओखा सपना म दिखाई दियो अऊर कहन लग गयो, “अरे यूसुफ! दाऊद को अवलाद, तू अपनी ओरत मरियम ख अपनो इते लेखा आन से मत डरा, काहेकि जो ओकी कोक म हैं, उ सुध्द आत्मा की तरफ से हैं।

21 वा एक पोरिया ख जनम देहे अर तुम ओको नाम यीसु रखनो, काहेकि उ अपना इंसान हुन ख उनका पाप हुन से छुटकारा देहेगो।”

22 यू सब एकोलाने भयो कि भविष्यवक्ता को मुंडो से प्रभु न जो बोल्यो रहा, उ पूरो हो जाहे:

23 “देखनो, एक कुंवारी पोरी गर्भवती होए अऊर एक पोरिया ख जनम देहे, अऊर ओको नाम इम्मानुएल, रखो जाहे,” जेको मतलब हैं, परमेस्वर हमरो संग म हैं।

* 1:18 माता

24 तब यूसुफ नींद से जग ख प्रभु को दूत को कहेना को हिसाब से अपनी घरवाली ख लेखा अपनो यहाँ ले आयो;

25 अर जब तक उ पोरिया पैदा नी भयो तब लक उ मरियम को जोने नी गयो: अऊर ओ ना ओको नाम यीसु रखयो।

2

~~~~~

1 यीसु को जनम यहूदा प्रदेस को बैतलहम सहर म भयो। उ बखत राजा हेरोदेस हतो। यीसु को जनम को बाद तारा ख देख ख बतावन वाला (ज्योतिर्सी हुन) पुरब कि तरफ से यरूसलेम सहर म आया।

2 “अऊर असा बोल्या, यहूदी हुन को नयो राजा किते हैं? काहेकि हमना पुरब की तरफ ओको तारा ख देखयो हैं अऊर ओखा पाय पढन ख आया हैं।

3 यू सुन ख राजा हेरोदेस अऊर ओको संग पुरो यरूसलेम घबरा गयो।

4 राजा न पुरा बड़ा-बड़ा याजक हुन अऊर समाज ख सब सासतिरी हुन को ग्यान रखन वाला हुन कि पंचायत बुला ख बैठाई अऊर उनसे पुछियो, मसी किते पैदा होऐ?”

5 उनना जुवाब दियो, यहूदिया प्रदेस को बैतलहम सहर म; काहेकि भविष्यवक्ता हुन न ऐको बारे म असो लिखो हैं;

6 “अरे, बैतलहम, यहूदा प्रदेस को सहर!

तू यहूदा प्रदेस ख पुरा सहर म कोई से छोटो नी हाय;

काहेकि तोमन से एक अधिपति निकलेगो,

जो मोरी प्रजा इस्राएल कि रखवाली करे।”

7 हेरोदेस न बाद म ज्योतिर्सी हुन ख चुप चाप से बुलायो अऊर उन से पूछताछ कर ख यू मालूम कर लियो कि उ तारा ठिक किती घड़ी उनका दिखई दियो रहा।

8 फिर ओ ना उनका बैतलहम सहर भेज दियो, अऊर उनसे बोल्थो, “जाव, पोरिया को सही-सही पता लगाव अर जब तुम ख मिल जाहे ते मोखा खबर बतावो, ताकि मी भी जा ख ओखा पाय पड़ू।”

9 जब वी राजा की बात मान ख चल दिया। उनना जो तारा ख उगते देखयो रहा, उ उनको आगे-आगे चलते जात रा, अऊर जहाँ पोरिया हतो, वा जगा को ऊपर पहुँच ख रूक गयो।

10 उ तारा ख देख ख वी बेजा खुस भया।

11 घर म भीतर जा ख उनना पोरिया ख ओकी माय मरियम को संग देखियो, अर ओको पाय पढ़ियो। फिर अपनी-अपनी पेटी खोल ख उनना ओखा सोना, लोबान अऊर गन्धरस की भेट दिया।

12 उन ख सपना म या खबर मिली कि तुम हेरोदेस को जोने फिर से मत जानु, एकोलाने वी दूसरो रस्ता से अपनो देस ख चल दिया।

~~~~~

13 उनको चल देन को बाद प्रभु को दूत यूसुफ ख सपना म दिखई दियो अर असो बोल्थो, “उठ, उ पोरिया ख अऊर ओकी माय ख लेखा मिसर देस ख भाग जा। अऊर जब लक मी तोसे नी कहूँ, तब लक उतेइच रैयजो; काहेकि हेरोदेस यू पोरिया ख मार डालन को लाने ऐका ढूँढा हैं।”

14 तब यूसुफ रातम रात उठ ख पोरिया अर ओकी माय ख लेखा मिसर देस ख चल दियो,

15 उ हेरोदेस कि माऊत तक उतेइच रयो, जसो भविष्यवक्ता को मुंडो से जो प्रभु न बोल्थो रहा, उ पूरो हो जाय: “मिना मिसर देस से अपनो पोरिया ख बुलायो।”

16 हेरोदेस ख असो देख ख बेजा घुस्सा आयो कि, तारा हुन ख देख ख भविष्य बतान वाला (ज्योतिर्सी हुन) न मोखा धोका दियो हैं। ओ ना सिपई हुन ख भेजियो अऊर बैतलहम अर ओखा आजू बाजू का गाँव हुन म वी सभी पोरिया हुन ख मरवा डाल्यो, जो ज्योतिर्सी हुन को हिसाब से पता लगा गयो बखत को हिसाब से दो साल का या ओसे कम उमर का हता।

17 तब भविष्यवक्ता यिर्मयाह को दुवारा कह्यो गयो यू वचन पूरो भयो;

18 “रामाह म एक बडी जोर कि आवाज सुनाई देवा हैं,

रोनो अऊर बडो बिलकनो;

राहेल अपना पोरिया हुन को लाने रोवत रा,

अऊर सान्त ही नी होत रा,

काहेकि वी अब नी रया।”

~~~~~

19 राजा हेरोदेस कि माऊत को बाद प्रभु को दूत मिसर देस म यूसुफ ख सपना म दिखई दियो,

20 अऊर असो बोल्यो, “उठ! पोरिया अर ओकी माय ख लेका इस्राएल देस ख चल दा, काहेकि जो पोरिया की जान लेन कि सोचत रहा, उ अब खतम हो गयो हैं।”

21 यूसुफ उठियो, अर पोरिया अर ओकी माय ख लेका इस्राएल देस आ गयो।

22 पर जब ओ ना सुनायो कि अरखिलाउस अपनो बाप हेरोदेस कि जगा पर यहूदा प्रदेस म राज कर रयो हैं, तब उ उते जान से डर गयो अऊर सपना म सुन ख गलील प्रदेस चल दियो।

23 अर उ उते नासरत नाम सहर म जा ख बस गयो। असो तरीका से भविष्यवक्ता हुन को वचन पूरो भयो: “उ नासरी कहलायगो।”

### 3

~~~~~

(~~~~~ 1:1-8; ~~~~~ 3:1-18; ~~~~~ 1:19-28)

1 वी दिन म यूहन्ना बपतिस्मा देनवालो यहूदा प्रदेस को निर्जन प्रदेस म आयो, अऊर वहाँ असो प्रचार करन लग गयो:

2 “मन फिराओ, काहेकि स्वर्ग को राज नजीक आ गयो हैं।”

3 यूहन्ना उईच व्यक्ति आय जेको बारे म भविष्यवक्ता यसायाह न बोल्यो रहा।

“जंगल म एक हाका देन वालो कि आवाज सुनाई देवा हैं

प्रभु के यहाँ जान को रस्ता तैयार करो;

ओकी रोट ख सिधो करो।”

4 यूहन्ना ऊँट को रुआ को कपडा पहिनियो हतो, अर कमर म चमडा को पट्टा बाँधी हतो रहा ओको खाना टिड्डी हुन अर जंगल म की मोऊरस हती।

5 तब यरूसलेम सहर अर पुरो यहूदिया प्रदेस ख, अर यरदन नदी को आजू बाजू का सब सिवाना से इंसान हुन यूहन्ना को जोने आत रा।

6 अर उनना अपना-अपना पाप हुन ख मान ख यरदन नदी म ओसे बपतिस्मा लियो।

7 जब ओ ना ढेर सारा फरीसी हुन अर सदूकी हुन ख बपतिस्मा को लाने अपनो जोने आते देखियो, ते ओ ना उनसे बोल्यो, “अरे साँप को पोरिया हुन, तुम ख कोना जता दियो कि आवन वालो गुस्सा से भागो?”

8 एकोलाने मन फिराव को लायक फल लाओ।

9 अर अपनो मन म यू मत सोचो कि हमारो बाप अब्राहम की अवलाद आय; मी तुम से कहू हैं कि परमेस्वर इन पत्थर हुन से अब्राहम को लाने अवलाद पैदा कर सका हैं।

10 अब कुल्हाडी झाड़ हुन की जड़ पा रख्यो हैं, एकोलाने जे-जे झाड़ चोखो फल नी देवा हैं, वी काट ख अर आगी म झोका दियो जाएगो।

11 “मी तो तुम इंसान हुन ख पानी से पस्चाताप करन को बपतिस्मा देऊ हैं; उ मोसे जादा सक्तिसाली हैं। मी ओको जूता उठान को भी कबील नी हैं। उ तुमका सुध्द आत्मा अर आग से बपतिस्मा देहे।

12 ओको सूपडा ओको हात म हैं, अऊर उ अपनो खल्ला चोक्खो तरीका से सफा करेगों, अऊर अपनो गहूँ ख तो बखारी म जमा करेगों, पर भूसा ख वा आगी म जलायगो जे बुझन की नी।”

~~~~~

(~~~~~ 1:9-11; ~~~~~ 3:21-22; ~~~~~ 1:31-34)

13 वी बखत म प्रभु यीसु यूहन्ना से बपतिस्मा लेवन को लाने गलील प्रदेश से यरदन नदी को किनार म पहुँचियो।

14 पर यूहन्ना ओखा असो बोल ख रोकन लग गयो, “मोखा तो तोरो हात से खुद बपतिस्मा लेन कि जरूरत हैं। अऊर तू मोरो जोने आयो हैं?”

15 पर यीसु न ओखा जुवाब दियो, “अब तो असो ही होन दा, काहेकि हम ख असोई तरीका से सब धार्मिकता ख पूरो करने उचित हैं।” येपर यूहन्ना न यीसु कि बात मान ली।

16 अर यीसु बपतिस्मा ले ख तुरत पानी म से ऊपर आयो, अऊर देखनो, ओको लाने आकास खुल गयो, अर ओ ना परमेस्वर की आत्मा ख कबूतर को जसो उतरते अऊर अपनो ऊपर आते देख्यो।

17 अऊर देखनो, स्वर्ग से असी आवाज सुनाई दी, “यू मोरो सबसे अच्छो पोरिया आय, जसो मी बेजा खुस हैं।”

## 4

~~~~~

(~~~~~ 1:12-13; ~~~~~ 4:1-13)

1 वा बखत आत्मा यीसु ख निर्जन प्रदेश को जंगल म ले गयो कि इब्लीस सैतान ओकी परीक्छा ले।

2 अर यीसु चालीस दिन, अर चालीस रात, निराहार उपास करते रयो, तब ओ ख भूख लगी।

3 ते परख न वालो न ओको जोने आका ओसे बोल्यो, “अदि तू परमेस्वर को पोरिया आय, ते कह दा, कि यी पत्थर रोटी हुन बन जाय।”

4 यीसु न जुवाब दियो, “सुध्द सास्र म असो लिख्यो हैं: ‘अदमी सिरप रोटी ही से जिन्दो नी हैं। बल्कि उ परमेस्वर को मुँडो से निकलन वालो हर एक वचन से जिन्दो रहवा हैं।’”

5 तब इब्लीस सैतान यीसु ख सुध्द सहर म ले गयो अर ओखा मन्दिर की चोटी पर खडो कर दियो,

6 अऊर इब्लीस न बोल्यो कि, “अदि तू परमेस्वर को पोरिया आय, ते अपनो तुम ख निचू गिरा दे” काहेकि लिख्यो हैं;

“वी तोरो बारे म अपना स्वर्गदूत हुन ख हुकुम देहे,

अर वी तो ख हातो ही हात उठा लेहे;

कई असो नी होए कि तोरो पाय हुन म पत्थर से झट लगे।”

7 यीसु न इब्लीस से बोल्यो कि, “यू मी सुध्द सास्र म लिखो हैं: ‘तू प्रभु अपनो परमेस्वर कि परिकछा मत लेजो।’”

8 फिर इब्लीस सैतान यीसु ख एक बेजा ऊँचो पहाड़ पा ले खा गयो अर दुनिया ख सारो राज्य अऊर उनको वैभव दिखा ख।

9 अऊर इब्लीस सैतान न बोल्यो, “अदि तू मोरो सामने पाय टेके ख मोरी भक्ती करे, ते मी तुम ख यू सब कुछ दे हूँ!”

10 तब यीसु न जुवाब दियो, “दूर हो जा, सैतान! काहेकि सुध्द सास्र म लिखो हैं: ‘तू प्रभु अपनो परमेस्वर ख आराधना अऊर सिरप ओकी ही उपासना करे।’”

11 तब सैतान यीसु ख छोड़ ख चल दियो, अर देखनो, स्वर्ग दूत आय ख ओकी सेवा करन लग गया।

~~~~~

(~~~~~ 1:14,15; ~~~~~ 4:14,15,31)



- 12 जब यीसु न यू सुन्यो कि यूहन्ना पकड़ा गयो हैं, ते उ गलील प्रदेश ख चल दियो।
- 13 ते उ नासरत सहर ख छोड़ ख, कफरनहूम सहर म रहन लग गयो। यू सहर जबूलून अर नप्ताली कुल हुन को सिवाना म झील को किनार म बसीयो हैं।
- 14 असो तरीका से भविष्यवक्ता यसायाह को यू वचन पूरो भयो:
- 15 जबूलून अर नप्ताली को देस कुल हुन की जमीन को सिवाना!  
समुंदर को रस्ता पर, यरदन को ओनो पार,  
गैर यहूदी हुन को गलील!
- 16 अर जो लोग अंधेरा म बठिया हता,  
उनना बड़ो उजेलो ख देखियो;  
अर जो माऊत को देस अर छाया म बठिया हतो,  
उनको पा उजेलो चमकियो।
- 17 उ बखत से यीसु प्रचार करन अर या खबर सुनान लग गयो, “मन फिराव, काहेकि स्वर्ग को राज्य नजीक आ गयो हैं।”

???? ???? ???? ? ? ? ? ? ? ? ?

(???? 1:16-20; ???? 5:1-11; ???? 1:35-42)

- 18 जब यीसु गलील कि झील को किनार म फिरत रहा। उनना दो भई हुन ख देखयो समोन, जो पतरस कहलावा हैं, अर ओको भई अन्द्रियास ख। वी झील म जाल डालत रहा काहेकि वी ढिमर हता।
- 19 यीसु न ओसे क्यो, “मोरो पीछे चलो आव, ते मी तुम ख अदमी हुन ख पकड़न वाला बनावूँ।”
- 20 वी तुरत अपनो जाल छोड़ ख ओको पीछे चल्या गया।
- 21 वहा से आगे बढ़ ख, पर यीसु न अऊर दो भई हुन ख देखा जबदी को पोरिया याकूब अर ओको भई यूहन्ना ख। वी अपनो बाप जबदी को संग नाव म अपनी जाल हुन ख सुधारते रहा। यीसु न उनका बुलायो।
- 22 वी तुरत नाव अर अपनो बाप ख छोड़ ख ओको पीछे चल दिया।

???? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ?

(???? 6:17-19)

- 23 यीसु पूरो गलील प्रदेश म फिर-फिर ख ओको प्रार्थना घर हुन म सिखाते रयो अऊर राज्य को सुसमाचार प्रचार करते, अर इंसान हुन की कई तरीका कि बीमारी हुन अर कमजोरी हुन ख दूर करते जात रहा।
- 24 अर ओको नाम पूरो सीरिया देस म फैल गयो। अऊर इंसान हुन सब बीमार हुन ख जो कई प्रकार कि बीमारी म अऊर दुख म जकड़ियो हता, अर जेमा भूत-भात हता, अऊर मिर्गी वाला अऊर लकवा ख रोगी हुन ख ओको जोने लाया अऊर ओ ना उनका अच्छो करयो।
- 25 गलील प्रदेश, दिकापुलिस, यरूसलेम, यहूदा प्रदेश अर यरदन नदी को ओनो पार से आयी वाली एक बड़ी भीड़ यीसु ख पिछ्छो हो ली।

## 5

???? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ?

- 1 यीसु बड़ी भीड़ ख देख ख टेकड़ा पर चढ़ गयो, अऊर जब उ वहा पर बठ गयो। ते ओखा चेला ओको जोने आया।
- 2 अऊर उ उनका यू कह ख उन ख सिखान लग गयो:

???? ? ? ? ?

(???? 6:20-23)

- 3 “भलो हैं वी, जो मन का सीधा हैं

काहेकि स्वर्ग को राज उनको ही हैं।”

4 “भलो हैं वी, जो दुख ख ध्यान करा हैं;  
काहेकि उन ख सान्ति मिलेगो।”

5 “भलो हैं वी, जो नम्र हैं,  
काहेकि वी धरती का हकदार होए।”

6 “भलो हैं वी, जो धर्म को लाने भूका अऊर प्यासा हैं;  
काहेकि वी संतुष्ट हो जाहे।”

7 “भलो हैं वी, जो दया करने वाला हैं;  
काहेकि उन पर दया करी जाहे।”

8 “भलो हैं वी, जिनको मन सुध्द हैं;  
काहेकि वी परमेस्वर को दर्शन करेगो।”

9 “भलो हैं वी, जो मेल-जोल कराने वाला हैं;  
काहेकि वी परमेस्वर की अवलाद कहलाएगो।”

10 “भलो हैं वी, जो धर्म का काम हुन करने को वजे से दुख तखलीप सहा हैं;  
काहेकि स्वर्ग को राज उनको ही हैं।”

11 “भलो हैं तुम, जब इंसान मोरो वजे से तुमरी बेज्जती करा हैं, तुम पा अत्याचार करा अऊर  
द्वेर सारा झुटा आरोप लगावा हैं।

12 तब हसनो अर मगन होनो, काहेकि तुमारो लाने स्वर्ग म बडो फल हैं। एकोलाने कि उनना वी  
भविष्यवक्ता हुन ख जो तुम से पहले हता यूईच तरीका से सतायो रहा।”

ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂⓂⓂ

(ⓂⓂⓂⓂ 9:50; ⓂⓂⓂⓂ 14:34,35)

13 तुम धरती को नमक आय; पर अदि नमक को स्वाद बिगड़ जाहे, ते उ फिर कोन सचीज से  
नमकीन करियो जाहे? फिर उ कई काम को नी, अकेलो एकोलाने कि बाहर फेका जाहे अर व्यक्ति  
हुन को पाय हुन से नीच रदा दियो जाहे।

14 तुम दुनिया को उजाला आय। जे सहर टेकड़ा पर बसो रवह हैं। उ छिप नी सका।

15 अऊर इंसान हुन दीया जला ख दिया ठानी को नीचु नी पर दिया ठानी को ऊपर रखा हैं, जिते  
से उ घर का सबरा इंसान हुन ख उजाला देवा हैं।

16 असोई तरीका से तुमारो उजेलो भी इंसान हुन को सामने चमकते रैय, जसो वी तुमरा भला  
काम हुन ख देख ख तुमारो स्वर्ग म रहने वालो परमेस्वर बाप की बड़ाई कर सके।

ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂ

17 असो मत समझनो कि मी मूसा को नेम ख या भविष्यवक्ता हुन की लिखी वाली बात हुन ख  
हटान आयो हैं। मी उनका हटान को लाने नी पर पुरो करने आयो हैं।

18 अर मी तुम इंसान हुन से सच कहूँ हैं, आकास अर जमीन भले ही टल जाहे, पर लिखो वालो  
नेम म से एक मात्रा अर एक बिन्दु भी बिना पुरो भयो नी मिटे।

19 एकोलाने जे कोई यी छोटा से छोटा आदेस हुन म से एक का भी टोडा हैं अऊर दुसरा ख  
असो ही करने सिखावा हैं, उ स्वर्ग को राज म सबसे छोटो समझो जाहे। पर जो उनको पालन करा  
हैं अऊर उनका सिखावा हैं, उ स्वर्ग को राज म बडो समझो जावा हैं।

20 काहेकि मी तुम इंसान हुन से कहूँ हैं, कि अदि तुमारी धार्मिकता सासतिरी अऊर फरीसी हुन  
कि धार्मिकता से बढ़ ख नी होए, ते तुम स्वर्ग को राज म कभी नी जा सकन का।

ⓂⓂⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂ

21 “तुम इंसान हुन न सुन लियो हैं कि पुरानो जमाना ख अदमी हुन से बोलो गयो रहा कि ‘माऊत  
मत करना।’ अऊर जो कोई माऊत करे, ते उ कचेरी म सजा को काबिल होए।

22 पर मी तुम से कहूँ हैं, कि जो कोई अपना भई पर घुस्सा करे, उ कचेरी म सजा को लायक होए, अर जो कोई अपना भई ख निकम्मा बोले उ बड़ीसभा म सजा को लायक होए; अर जो कोई बोले 'अरे मूरक' उ नरक कि आग को सजा को लायक होए।

23 एकोलाने अदि तू अपनी भेट वेदी पा लाहे, अऊर वहाँ तोखा याद आहे, कि मीना मोरो भई ख कुछ बुरो बोल दियो हैं,

24 ते अपनी भेट वही वेदी को जोने छोड़ दा, अर जा ख पहले अपना भई से मेल मिलाप ला अऊर तब आका अपनी भेट चढ़ा।

25 "जब लक तू अपना दुसमन को संग रस्ता ही म हैं, ओसे तुरत मेल-जोल कर ला कई असो नी होए कि तोरो बेरी तोखा न्याय करन वालो ख सोपे, अर न्याय करन वालो तोखा सिपाई ख सोपे देहे, अर तोखा जेल खाना म डाल दियो जाहे।

26 मी तो से सच बोलू हैं, कि जब लक तू दमड़ी-दमड़ी भर नी देन को तब लक वहा से छुट नी पावन को।"

~~~~~\*

27 "तुम न सुन लियो हैं कि बोलो गयो रहा, गलत काम मत करनो।"

28 पर मी तुम से असो कहूँ हैं, कि जो कोई, कोई ओरत ख बुरी नजर से देखे, उ अपना मन म ओखा संग गलत काम कर चुकियो।

29 एकोलाने अदि तोरी जेवनी तरफ की आँख तो ख ठोकर खलाहे, ते ओखा निकाल ख फेक दा; काहेकि तोरो लाने यूईच भलो हैं कि तोरो सरीर म से एक अंग कट जाय अर तोरो पुरो सरीर नरक म नी डाल्यो जाहे।

30 अदि तोरो जेवनो हात तोखा ठोकर खलाहे, ते ओखा काट ख फेक देजो; काहेकि तोरो लाने यूईच भलो हैं कि तोरो सरीर म से एक अंग कट जाय अर तोरो पूरो सरीर नरक म नी डालो जाहे।

~~~~~

(~~~~~ 19:9; ~~~~~ 10:11,12; ~~~~~ 16:18)

31 "असो भी बोलो गयो रहा, 'जो कोई अपनी घरवाली ख छोड़ छुट्टी देन की सोचे, ते ओखा छोड़ छुट्टी दे।' "

32 पर मी तुम से असो कहूँ हैं कि जो कोई अपनी घरवाली ख गलत काम को अलावा कोई अऊर कारन से छोड़-छुट्टी देहे ते उ ओसे गलत काम करह हैं; अऊर जो कोई वा छोड़ी वाली से सादी करे, उ गलत काम करह हैं।"

~~~~~

33 फिर तुम इंसान हुन न सुन लियो होए कि पुराना जमाना ख इंसान हुन से बोलो गयो रहा, झूठी कसम मत खानो, पर प्रभु को लाने अपनी कसम ख पुरी करनो।

34 पर मी तुम से यू कहूँ हैं कि कभी कसम नी खानो; न तो स्वर्ग कि, काहेकि उ परमेस्वर को सिंहासन आय;

35 न धरती की, काहेकि वा ओको पाय को नीचु को पिडा को समान हैं न यरूसलेम कि, काहेकि उ महाराजा को सहर आय।

36 अपनी मुंडी की भी कसम मत खाजो काहेकि तू एक बाल का भी न सफेत, न कालो कर सका हैं।

37 पर तुमरी बात हाव की हाव, अऊर नी कि नी होनो हो; काहेकि जो कुछ येसे जादा होवा हैं ओसे बुराई ही पैदा होवा हैं।

~~~~~

(~~~~~ 6:29,30)

\* 5:26 व्यभिचार

38 “तुम इंसान हुन न सुनियो होए कि बोलो गयो रहा, आँख को बदला आँख, अर दाँत को बदला दाँत।

39 पर मी तुम से असो बोलू हैं कि बुराई को सामना मत करना; पर जे कोई तुम्हारो जेवनो गाल पा चाटा मारे, ओको अर ओर तरफ दूसरो भी फेर देजो।

40 जो कोई तोखा डरा धमका ख जबरन तोसे कुरता ले लेहे, ते ओखा दुसरो भी ले लेन दा।

41 जो कोई तोखा कोस भर जबरन लेखा जाहे, ते ओको संग दो कोस चल देजो।

42 जे कोई तोसे मागे, ओ ख दे; अऊर जो तोसे उधार लेन कि सोचे, ओसे मुंडो मत फेरजो।”

~~~~~

(~~~~~ 6:27,28,32-36)

43 “तुम न सुन चुको होए कि कह्यो गयो रहा, अपनो पड़ोसी से प्रेम रखनो, अऊर अपनो बैरी से बैर।”

44 पर मी तुम से असो कहू हैं कि अपनो बैरी हुन से प्रेम रखनो अऊर जो तुम ख सतावा हैं उनको लाने बिनती करनो,

45 जसो तुम अपनो स्वर्ग म रहन वालो परमेस्वर बाप कि अवलाद ठहरोगो काहेकि उ भली अऊर बुरा दोई पर अपनो सूरज ख उगावा हैं, अऊर धर्मी अऊर अधर्मी दोई पर अपनो सूरज ख उगावा हैं।

46 काहेकि अदि तुम अपनो से प्रेम रखन वालो ही से प्रेम रखा हैं, ते तुमरो लाने का फायदा कि बात हैं? का कर लेन वालो भी असो नी करा?

47 “अदि तुम केवल अपना भई हुन ख ही नमस्कार करे, ते कोन सो बडो काम करा हैं? का गैर-यहूदी का भी असो नी करा हैं?

48 एकोलाने चाहू हैं कि तुम नेक बनो, जसो तुमारो स्वर्ग म रहन वालो परमेस्वर बाप सुध्द हैं।”

6

~~~~~

1 “सतर ख रहेनो! तुम इंसान हुन ख दिखान को लाने अपना धर्म को काम मत करना” नी ते अपनो स्वर्ग म रहन वालो बाप से, कुछ भी फल नी पान का।

2 “एकोलाने जब तू दान करे,” ते अपनी जादा डोंडी मत पिटजो, जसो कपटी हुन, प्रार्थना घर म करते जावा हैं, ताकि इंसान हुन उनकी बड़ाई करे। मी तुम से सच कहू हैं कि उन न अपनी मेहनत को फल पा लियो।

3 पर जब तू दान करे, ते जो तोरो जेवनो हात करा हैं, ओखा तोरो डाकरियो हात नी जाननो चाहिए।

4 ताकि तोरो दान गुप्त रहे, अर तब तोरो बाप जो गुप्त म देखा हैं, तोखा मेहनत को फल देहे।

~~~~~

(~~~~~ 11:2-4)

5 “जब तू बिनती करे,” ते कपटी हुन को जसो मत करजो, काहेकि इंसान हुन ख दिखान को लाने प्रार्थना घर हुन म अऊर रोटा कि चऊक हुन म बिनती करनो उनका अच्छो लगा हैं। मी तुम से सच बोलू हैं की वी अपनी मेहनत को फल पा चुकिया हैं।

6 पर जब तुम बिनती करे, “ते अपनी कोठरी म जाव,” अऊर दरवाजा बंद कर ख अपनो बाप से जो गुप्त म हैं बिनती कर। तब तोरो बाप, जो गुप्त म देखा हैं, तोखा तोरी मेहनत को फल देहे।

7 बिनती करते बखत गैर-यहूदी वाला को समान बक मत करना, काहेकि वी समझा हैं कि उनको बेजा बोलनो से उनकी सुनी जाहे।

8 एकोलाने तुम उनको जसो मत बननो, काहेकि तुमरो बाप तुमरो माँगनो से पहले ही जाना हैं कि तुमका कोन-कोन सी चीज कि जरूरत हैं।

9 एकोलाने तुम असो तरीका से बिनती करनो:

अरे हमरो स्वर्ग म रहन वालो परमेस्वर बाप!

तोरो नाम सुध्द मानो जाहे।

10 तोरो राज आहे। तोरी मर्जी जसी स्वर्ग म पूरी होवा हैं,

उसी ही या धरती म भी पूरी होय।

11 हमरी दिन भर की रोटी आज हम ख दे।

12 अर जसो तरीका से हमना अपना बैरी हुन ख माप करयो,

वसो ही तू भी हमरी अपराध हुन ख माप कर।

13 अर हमका परीक्छा म मत ला,

पर बुराई से बचा। काहेकि राज्य अर पराक्रम अर महिमा सदा तोरो ही हैं। आमीन

14 एकोलाने अदि तुम इंसान हुन का पाप माफ करेगों। ते तुमरो स्वर्ग म रहन वालो परमेस्वर बाप भी तुमका माप कर देहे

15 अऊर अदि तुम इंसान हुन की अपराध माप नी करन का, ते तुमरो बाप परमेस्वर भी तुमरी गलती माफ नी करन को।

~~~~~

16 “जब तू उपास करे, ते कपटी हुन को जसो तुम्हारो मुँह पर उदासी \* नी छाई रहे, काहेकि वी अपनो मुँह बनायो रखा हैं, काहेकि अदमी उन ख उपास जाने। मी तुम से सच कहूँ हैं कि वी अपनो इनाम पा चूको।

17 पर जब तू उपास करे ते, अपनो सिर पर तेल लगा अर मुँह ख धो ले,

18 काहेकि अदमी हुन ख नी अऊर तोरो बाप जे अकेलो म, तोखा उपास जाने। ते तोरो बाप जो अकेलो म देखा हैं, तोखा इनाम देहे।”

~~~~~

(~~~~~ 12:33,34)

19 “अपनो लाने धरती पर धन इकट्ठा नी कर। काहेकि ओखा कीड़ा अऊर जंग लग ख खत्म कर देवा हैं। जहाँ चोर मालूम कर ख ओखा चुरा सक हैं।

20 जब अपनो लाने स्वर्ग म धन इकट्ठो करो, वहा नी ते कीड़ा अर नी कोई बिगाड़ा हैं, अर जहाँ चोर नी संध लगे रहव अर नी चुराते हैं।

21 काहेकि जहाँ तोरो धन रहे वा तोरो मन भी लगे रहे।”

~~~~~

(~~~~~ 11:34-36)

22 सरीर को दिया तोरी आँख हैं; एकोलाने अदि तोरी आँख चोक्खी हैं, ते तोरो पुरो सरीर भी उजरो† रहे।

23 अऊर अदि तुमारी आँख हुन बुरी हैं, ते तुमारो पूरो सरीर भी आन्धियारो होय; एकोलाने अदि तुमारो भीतर कि उजालो ही अन्धकार होए, ते यू कितो जादा अन्धकार होगो।

~~~~~

(~~~~~ 16:13; 12:22-31)

24 कोई भी दास दो मालिक हुन की सेवा नी कर सकह हैं काहेकि उ ते एक से बुराई करे अऊर दुसरो से प्रेम रखनो। या एक से मिल्यो रहेगो अऊर दुसरो ख संग म तुच्छ जानेगो। तुम परमेस्वर अऊर धन कि अऊर दोई कि एक संग म सेवा नी कर सकह।

* 6:16 नाराज † 6:22 उजियला

25 एकोलाने मी तुम से बोलू हैं की अपनो जिन्दगी को लाने यू चिन्ता नी करनो कि हम का खाएँगो अर का पीए अर नी अपनो जिन्दगी ख लाने कि, का पहिने, का जिन्दगी खान से अर सरीर कपड़ा से बढ ख नी हाय?

26 बददल को पक्छी हुन ख देख वी नी वोवह हैं नी काटा हैं अर नी बखारी हुन म बटोर हैं, ते भी तुम्हरो स्वर्गीय बाप उन ख खिलावा हैं, का तुम उन से कई जादा किमती नी रहता?

27 तुम म कोन हैं जे चिन्ता कर ख अपनी उमर म एक घड़ी भी बढ़ा सकह हैं?

28 “अर तुम अपनो कपड़ा ख लाने काहे चिन्ता करह हैं? जंगल का फूल हुन पर याद कर कि वी कसो बढ हैं वी नी ते मेहनत करिये हैं नी काटा हैं।

29 तेवी मी तुम से कहू हैं कि सुलैमान भी, अपनो पूरो धन महिमा म उन म से कोई ख जसो कपड़ा पहिनो भयो नी हतो।”

30 एकोलाने जब भी परमेस्वर म बररा कि घास ख जे आज हैं अर कल आगी म डाली जाहे, असो कपड़ा पहिना हैं, ते अरे कुछ दिन ख विस्वासी हुन, तुम का उ इत्ता बढ ख काहे नी पहिना हे?

31 एकोलाने तुम चिन्ता करा ख यू नी कह जो कि हम का खाएँगो या का पीवा हे, या का पहिने।

32 काहेकि गैर यहूदी हुन ख इन सब चीज हुन ख खोज म रवह हैं, पर तुमारो स्वर्गीय बाप जान हैं कि तुम ख इन सब चीज हुन कि जरूत हैं।

33 एकोलाने सबसे पहले परमेस्वर को राज अर ओको धर्म की खोज कर ते यू सब चीज हुन भी तुम ख मिल जाहे

34 अब कल कि चिन्ता नी कर, काहेकि कल को दिन अपनो चिन्ता खुद ही कर ले; आज को लाने आज ही को दुख ढेर सारो हैं।

7

~~~~~  
(~~~~~ 6:37,38,41,42)

1 “दोस नी लगा, जेसे तुम पर भी दोस नी लगा जाहे;

2 काहेकि जे तरीका से तुम दोस लगावा हैं, उही तरीका से तुम पर भी दोस लगायो जाहे; अर जे नाप से तुम नापत हैं, उही नाप से तुमारो लाने भी नापो जाहे।”

3 जब तुम ख खुदी ही आँख को कचरा ख पता नी, ते तुम अपनो भई बहिन कि आँख को कचरा काहे देख हैं?

4 जब तू खुद की ही आँख म लट्टा हैं, ते तुम खुद कि भई बहिन से कसो बोल सक हैं। कि आ मी तोरी आँख से कचरा निकाल दे हैं?

5 अरे “कपटी पहले तू अपनी आँखी म से लट्टा निकाल ले, फिर ते तू अपनो भई बहिन कि आँखी से कचरा अच्छो से देख ख निकाल सका हैं।”

6 “सुध्द चीज हुन कुत्ता हुन ख नी दे अर अपनी मोती डुक्कर हुन को सामने नी डाल असो नी हो कि वी उन ख पाय म रउदे देहे अर पलट ख तो ख फाड डाले।”

~~~~~  
(~~~~~ 11:9-13)

7 “अऊर माँगो, ते तुम ख दियो जाहे; ढूँडे ते तुम पाहेगो; खटखटाओ, ते तुमारो लाने खोलो जाहे।”

8 काहेकि जे कोई माँगे हैं, ओ ख मिला हैं; अर जे ढूँढा हैं, ओ ख मिला हैं; अर जे खटखटाऊ हैं, ओको लाने खोलो जाहे।

9 तू म से असो कऊन सो व्यक्ति हैं, “कि अदि ओको पोरिया ओसे रोटी माँगे” ते उ ओ ख पत्थर देहे?

10 अर मच्छी माँगे, ते ओ ख साँप देहे?

11 एकोलाने जब तुम बुरा होय ख, पोरिया-पारी ख अच्छो चीज देनो जाना हैं ते तुमारो स्वर्ग म बाप अपना माँगन वाला हुन ख सुध्द चीज देहे काहे नी देहे।

12 हर बखत दूसरा हुन से अपनो लाने जसा व्यवहार करनो चाहत हैं, तुम भी उनको लाने वसो ही व्यवहार कियो कर; काहेकि नेम धरम म अऊर भविष्यवक्ता हुन कि ऊईच ग्यान हैं।

~~~~~  
(~~~~~ 13:24)

13 सकेत रस्ता से भीतर जाव। चऊडो हैं उ रस्ता अर लम्बो हैं रस्ता, जो नरक कि तरफ ले जाय हैं। ओपर चलन वाला कि गिनती जदा हैं।

14 पर संकरो हैं उ दुवार अर कठिन हैं उ रस्ता, जे जिन्दगी कि तरफ ले जाय हैं। जे ओ ख पा हैं, ओकी संख्या कम हैं।

~~~~~  
(~~~~~ 6:43,44,46; 13:25-27)

15 “झूटा भविष्यवक्ता से सतरक रह, वी जे भेड को सकल म तुमारा नजीक आय हैं, पर वी भीतर म वी फाइनवाला भेडी हैं।

16 उनका फल हुन से तुम उन ख पहिचान लेहे। का लोग हुन झाडी से अंगूर, या ऊँटकटार हुन से अंजीर तोड़ हैं।

17 असो तरीका से हर अच्छो झाड़ अच्छो फल देवा हैं अर बुरो झाड़ बुरो फल देवा हैं।

18 अच्छो झाड़ बुरो फल नी ला सक, अर नी बेकार झाड़ अच्छो फल नी लाय सका हैं।

19 जे झाड़ अच्छो फल नी लाय सक हैं, ओ ख काट ख अर आगी म झोको जाय हैं।

20 यू ईच ही उन ख फलहन से तुम उन ख पहिचान लेहे।”

21 जे लोग मोखा, प्रभु! प्रभु! कह ख बोल हैं, ओ म से सब का सब स्वर्ग को राज म भीतर नी आहे। जे मोरो स्वर्गीय बाप कि इच्छा ख पूरी कर हैं, ऊईच स्वर्ग राज म भीतर करे।

22 ऊईच दिन बेजा से लोग मो से कहे प्रभु, प्रभु का हम नी तोरो नाम से भविष्यव्दाणी नी करी, अर तोरो नाम से दुस्टात्मा हुन ख नी निकाल, अर तोरो नाम से बेजा सो हैंरान नी करियो

23 तब मी उन ख खुल ख कह देहु, “मी न तुम लोग हुन ख कभी नी जाना। अरे बुरो काम करन वाला, मोरो नजीक से चलो जा।”

~~~~~  
(~~~~~ 6:47-49)

24 “एकोलाने जे कोई मोरी यी बात हुन सुन ख उन ख माना हैं,” उ हुसयार अदमी को सामन रहे जेन अपनो घर टेकडा पर बनायो।

25 अऊर पानी बरसो, अर नदी म बाढ़ आई, अर धुंद फाफट चली, अर उ घर से टकराई, ते भी उ घर नी गिरो, काहेकि ओकी नीव पट्टान पर डाली गई हती।

26 “परन्तु जो कोई मोरी यी बात सुन हैं अऊर ओपर नी चला, उ मुख को जसो रह जेन अपनो घर रेता पर बनायो

27 अऊर पानी बारिस अऊर नदी हुन म बाढ़ आई, अऊर हवा-तूफान चली, अऊर ओको घर से टकराई। अऊर उ गिर ख अर सब बरबाद होय गयो।”

28 ते यीसु न अपनो यू प्रचार खत्म करियो, ते जनसमूह उनको ग्यान सुन ख हैंरान हो गयो;

29 काहेकि यीसु उनका सासतिरी हुन कि समान नी अर अधिकार ख संग उन ख सिक्छा देत हतो।

## 8

~~~~~  
(~~~~~ 1:40-45; ~~~~~ 5:12-16)

1 “अर यीसु टेकडी पर से उतरियो, ते एक बड़ी इंसान हुन भीड़ ओको पीछु हो ली।

2 उ बखत, एक कोढ़ से बिमार ओको नजीक आयो अऊर ओ न यू कहते हुए ओखा पाय पढियो, प्रभु! तू चाहे ते मोखा सुध्द कर सका है।”

3 यीसु न हात बढ़ा ख ओ ख छु, करियो अर बोल्यो, “मी चाहूँ हँ, कि तुम अच्छो हो जा।” अर उ ही बखत तुरंत कोढ़ जुड से सुध्द हो गयो।

4 यीसु न ओ से बोल्यो कि, “सतरक कोई से कई नी कह, जा ख अपनो तुम ख याजक ख दिखा अर मूसा दुवारा निर्धारित दान चढ़ा जेसे पूरो लोग हुन ख पता होय जाहे कि तुम अच्छो हो गया हैं।”

22 222222 22 22222222
 (2222 7:1-10)

⁵जब यीसु कफरनहूम सहर म भीतर कर ही रयो हतो कि एक रोमन को सतपति न ओको नजीक आ ख, अऊर ओ न ओसे यु विनती करी,

⁶ प्रभु, “मोरो सेवक घर में पड़ो हुयो हैं ओखा लकवा को रोग होय गयो हैं अऊर उ बेजा पीड़ा सहन रयो हैं।”

⁷यीसु न ओ से बोल्यो कि, “मी आँख ओ ख अच्छो कर देहु।”

⁸ सतपति कय्हो दियो कि, “प्रभु, मी यी लायक नी हें कि तू मोरो घर म आहे, पर तू एक ही सब्द कह देजे अर मोरो सेवक चोक्खो हो जाहे।

⁹मी भी पराधीन अदमी हूँ अऊर सेना हुन मोरो अधीन म हैं। ते मी एक से कहूँ हैं, 'जा!' ते उ जाय हैं। अऊर दुसरो से 'आ!' ते उ आय हैं; अऊर अपनो दास से, 'यु कर!' ते उ करिये हैं।"

10 यीसु यु सुन ख अचम्बा होय गयो, अऊर, उनना अपनो पिछ्छु आवन वाला से कय्हो, “मी तुम लोग हन से सच कहूँ हँ। कि इस्राएल म मीन कोई म इतो मजबूत विस्वास नी देखियो।

11 म तुम से कहूँ है। सारा लोग पूरब अऊर पच्छिम से आय ख अब्राहम अऊर इसहाक अऊर याकूब का संग स्वर्ग राज को जोवन म सामिल होए।

¹²पर राज कि अवलाद ख बाहर अंधेरा म फेक दियो जाहे: वहा रोनी अर दाँत को पिसनो हुए।”

13 अर सतपति से यीसु ख बोल्यो कि, “जा, तुम न जसो विस्वास करियो हैं। वसो ही तुमारो लाने हो जाहे।” अर ऊईच बखत ओको सेवक अच्छो हो गयो।

2222 2222 222222 222 22222 2222
 (22222 1:29-34; 2222 4:38-41)

¹⁴ते यीसु पतरस को घर पहुँचो, ते उनन देखो कि पतरस की सास ज़ुड़ म पड़ी भई हैं।

15 उनना ओको हात छुवो करियो अऊर ओको जुड उतर गयो, अऊर वा उठ ख ओकी सेवा आदर करन लग गई।

16 ते रात होन पर लोग बेजा से भूत ग्रस्त व्यक्ति हुन ख यीसु को नजीक ले आयो। यीसु न सब्द को दुवारा उन आत्मा हन ख निकालो अर रोगी हन ख अच्छो कर दियो।

17 ऊईच परकार भविष्यवक्ता यसायाह की कही बात पूरो भयो: “ओ ना खुद हमारी कमजोरी ख सैय लियो अऊर हमारी बीमारी हन ख उठा लियो।”

██████ ███ ██████ █████ ██████████ (████████)
(████████ 9:57-62)

18 यीसु न अपनो चारो-तरफ एक बड़ी भीड़ दिख ख यीसु न झील को उ पार जाना को हुकुम दियो।

¹⁹ ऊईच बखत एक सासतिरी आ ख ओसे कहयो, प्रभु जिते कही भी तू जाहे, मी तोरो पिछ्छु-पिछ्छु चलंगो।

20 यीसु न ओसे कहयो, “कि लोमड़ी हुन ख लाने गुफा हुन हैं अर आकास कि पक्छी हुन ख गुड्डा हुन हैं; पर इंसान को पोरिया ख लाने मुडी* लुकान की भी जगह नी आय।”

21 चेला हुन म से कोई न ओ से कहयो कि, “प्रभु, मोखा पहले अपनो बाप ख गाड ख लाने जान दे।”

22 ते यीसु न दास से बोल्यो कि, “तू मोरो पीछु चलो आ, अर मुर्दा हुन का अपनो मुर्दा गाडन दे।”

(***** 4:35-41; ***** 8:22-25)

23 जब यीसु नाव पर चढ़ियो, ते ओखा चेला ओखा पीछु चल हो लियो।

24 उ बखत झील म एक असो बड़ो तूफान उठो कि नाव लहर से ढकन लगे, अऊर यीसु नींद लेत रह हतो।

25 ते चेला हुन नजीक आ ख ओको जगायो अऊर बोल्यो कि, “अरे प्रभु, हम ख बचा, हम नास होव जाय हैं।”

26 ओ ना उन से बोल्यो कि, “अरे कुछ दिन ख विस्वासी, काहे डर हैं?” तब ओ ना उठ ख आँधी को अऊर पानी ख डाँटियो, अर सब थम गयो।

27 अऊर वी अचमभा कर ख कहन लग्या, “यू कसो इंसान हैं कि तुफान अर पानी भी ओको कहना माना हैं।”

(***** 5:1-20; ***** 8:26-39)

28 जब यीसु उ पार गदरेनी सहर हुन को देस म पहुँचियो, ते दो इंसान जेमा बुरी आत्मा हती रह मरघट † से निकलत भई ओ ख मिली। वी इत्ती सक्तिसाली हती कि कोई उ रस्ता से जा सकत रह।

29 वी चिल्ला उठायो, “परमेस्वर को पोरिया, हम से तुम ख? का तू बखत से पहले हमका दुख देन ख इते आयो हैं?”

30 ओ से कुछ दूर पर ढेर सारी डुक्कर हुन को एक झुण्ड चर रयो हतो।

31 बुरीआत्मा हुन न यीसु से कह ख विनती करी, “अदि तू हम ख निकला हैं, ते डुक्कर हुन को झुण्ड म भेज दे।”

32 यीसु न उन से कह, “जा ते बुरी आत्मा न उन व्यक्ति हुन से निकल ख डुक्कर हुन म समा गई अर पूरो जात हुन म जल्दी से ढाल पर से झील की तरफ झपट ख अर पानी म डूब ख मर गयो।

33 “डुक्कर ख चरान वाला भगीया” अर गाँव म जाय ख यू सब बात अऊर जिनमा बुरी आत्मा हुन हती उनको पूरो हाल कह ख सुनायो।

34 ते पूरा सहर का अदमी हुन यीसु से मिलन ख लाने आयो, अऊर ओखा देख ख विनती करी कि हमारो सिवाना से बाहर चलो जा।

9

(***** 2:1-12; ***** 5:17-26)

1 ते यीसु नाव म चढ़ ख पार गयो, अऊर अपनो सहर म आयो।

2 उ बखत कुछ लोग हुन खटिया पर पड़िया हुए लकवा को एक बीमार ख उनका नजीक लायो। उनको विस्वास देख ख यीसु न लकुवे को बीमार से कय्हो कि, “पोरिया धीरज रख तुमारो पाप माप होय गयो।”

3 ये पर कई सासतिरी हुन न सोचियो, “यु ते परमेस्वर को बुराई करा हैं।”

* 8:20 रखन † 8:28 कब्रो

4 यीसु न ओके मन की बात समझ ख क्य्हो, तू अदमी अपनो-अपनो मन म बुरो विचार काहे कर रया हैं?

5 जादा सही का हैं, अऊर यू कहनो, तुमारो पाप माप हो गयो हैं अऊर यू कहनो, उठ अर चल फिर?

6 पर एकोलाने कि तुम जान लेनू कि इंसान को पोरिया को धरती पर को पाप माप करन को हक हैं। तब ओ ना लकवा को बीमार वाला से कहयो “उठ, अपनो खटिया उठा, अर अपनो मकान म चलो जा।”

7 अऊर लकवा को बीमार उठ ख अऊर अपनो घर चल गयो।

8 यू देख ख व्यक्ति डर गया अऊर परमस्वर कि बड़ाई करन लग गयो, जेना व्यक्ति हुन ख असो अधिकार दियो गयो हैं।

~~~~~

(~~~~~ 2:13-17; ~~~~~ 5:27-32)

9 यीसु वहा से आगे बढ़ ख यीसु न मत्ती नाम को एक अदमी ख कर घर म बठियो देखो, अर ओसे क्य्हो कि, मोरो पीछु हो ला उ उठ ख यीसु पीछु चलो गयो।

10 ते यीसु घर म खाना खान का लाने बठियो हतो ते बेजा सा कर लेन वालो अर पापी आय ख यीसु अर ओखा चेला हुन ख संग खाने बटो।

11 यू देख ख फरीसी हुन न ओखा चेला हुन से बोल्यो कि, तुम्हारो स्वामी कर लेन वालो अर पापी हुन को संग काहे खाय हैं।

12 यीसु न यू सुन ख ओसे बोल्यो कि, “वैध अच्छो भलो को लाने नी पर बिमार हुन ख लाने जरूरी हैं।

13 एकोलाने कि तुम जा ख ऐको मतलब सीख लेव म बलिदान नी पर दया चाहूँ हैं। काहेकि म धर्मी ख नी, पर पापी हुन ख बुलान आयो हूँ।”

~~~~~

(~~~~~ 2:18-22; ~~~~~ 5:33-39)

14 तब यूहन्ना को चेला आयो अऊर बोल्यो कि, “का कारन हैं कि हम अऊर फरीसी ढेर सारो उपास करा हैं, अर तोरो चेला उपास नी करा हैं?”

15 यीसु न ओसे क्य्हो, “जब तक दुला संग म हैं का बाराती हुन दुख मना नी सका हैं?” अऊर वी दिन आहे जब दुला उनको बीच म से अलग करो जाहे, उत्ती बखत से वी उपास करनो सुरू करे।

16 कोरो कपडा को थेगडा पुरानो कपडा अर कोई भी नी लगवा हैं, काहे कि उ थेगडा उ कपडा से कुछ खीच लेवा हैं, अर उ जादा फट जावा हैं।

17 अर लोग नयो अंगूर को रस पुरानो चमडा म कोई नी भरा हैं, काहेकि असो करनो से चमडा हुन फट जावा हैं। अऊर अंगूर को रस बह जावा हैं अऊर चमडा नास हो अर जावा हैं; “अऊर नयो अंगूर को रस नयो चमडा म भरो जावा हैं अर वी दो ही बचो रवह हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 5:21-43; ~~~~~ 8:40-56)

18 यीसु बीमार हुन से यू बात हुन बोल ही रयो हतो, कि एक मुखिया आय ख मुखिया न यीसु ख सामने पाय टेक ख यू बोल्यो, “कि मोरी पोरी कि अभी मरी हुई।” ते वी खुद चल ख पोरी पर हात रखे अऊर पोरी जिन्दी होय जाए।

19 यीसु उठ ख अपनो चेला हुन को संग ओको पिछु चल दियो।

20 तब देख, एक ओरत न जे ख बारा साल से खून बहिन को बीमार हती, वी पिछु से आ ख यीसु को कपडा ख छू लेहूँ ते अच्छी हो जाऊ।



3 फिलिप्पुस, अऊर बरतुल्लै, थोमा, अऊर कर लेन वालो मत्ती, हलफई को पोरिया याकूब अर तद्दै,

4 समोन कनानी, अऊर यहूदा इस्करियोती जेन यीसु पकडवा भी दियो।

~~~~~

(~~~~~ 6:7-13; ~~~~~ 9:1-6; 10:4-12)

5 यी बारा हुन ख यीसु न यू कहना देख ख भेजियो, “कि गैर यहूदी हुन ख, अर नी जानु, अर सामरी हुन ख कोई भी सहर हुन म भीतर नी करनो।”

6 जब इस्राएल कि भी घरानो ही कि खोई भई भेड़ी हुन को नजीक जानु।

7 अऊर चलते-चलते यू खबर कर, स्वर्ग को राज निकट म आय गयो हैं।

8 बीमार हुन ख अच्छो करो, मुर्दा हुन ख जिन्दो कर ख कोढ़ी हुन ख सुध्द कर, दुस्तात्मा ख निकाल ख। तुम, फिरी म मिलो हैं फिरी म दे दे।

9 अपनो थैला हुन म नी ते सोना, अऊर नी पैसा अऊर नी ताँवा रखनो;

10 रस्ता को लाने नी झोला रख, नी दो कुरता, नी जूता अऊर नी लाठी ले, काहेकि मजदूर ख ओको खाना मिलनू चाहिए।

11 जे कोई सहर अर गाँव म जाओ, ते मालूम कर कि वहा कोन लायक हैं। अर जब तक वहाँ से नी निकले, ओको ही यहाँ पर रहनो।

12 घर म भीतर आते बखत ओ ख आसीस दे जो।

13 अदि उ घर को अदमी लायक होए ते तुमरो ख सान्ति उन पर मिले पर अदि वी लायक नी हो ते तुमरो सान्ति तुमरो नजीक लउट आह।

14 जे कोई तुम ख आदर नी कर अऊर तुम्हारी बात हुन नी सुने, ते उ घर अर उ सहर से निकलते बखत अपनो पाय हुन कि धूल झाड़ दे।

15 मी तुम से सच कहूँ हैं कि न्याय को दिन उ देस कि दसा से सदोम अऊर अमोरा को सहर हुन कि दसा जादा सहन लायक होए।

~~~~~

(~~~~~ 13:9-13; ~~~~~ 21:12-17)

16 “देख, मी तुम ख भेड़ी हुन को जसो भेड़ी हुन को बीच म भेजू हूँ, एकोलाने साँप हुन को जसो समझदार अऊर कबूतर हुन को जसो भलो बनो।”

17 पर इंसान से सतर का रहनो, काहेकि वी तुम ख बड़ी प्रार्थना घर हुन म सोपेगो, अऊर अपनी पंचायत हुन म तुमका कोडा मारेगो।

18 तुम मोरो लाने अधिकारी हुन अर राजा हुन को समाने तुम ख लायो जाहेगो, जसो मोरो बारे म तुम उनका अऊर गैर यहूदी हुन ख गवाई दे सके।

19 जब वी तुमका पकडवायगो ते या फिकर मत करनो कि हम कसो तरीका से या का कहेगो, काहेकि जो कुछ तुमका कहनो होए, उ उत्ती बखत तुमका बता दियो जाहे।

20 काहेकि बोलन वाला तुम नी हाय, पर तुमरो बाप को आत्मा तुम म बोला हैं।

21 भई, भई का, अऊर बाप पोरिया ख, मार खलान को लाने सोपेगो, अऊर पोरिया पारी माय बाप को बारे म मार डालन को लाने उठ ख उनका मरवा डालेगो।

22 मोरो नाम को वजैसे सब इंसान हुन तुम से बैर रखेगो, पर जो आखरी लक धीरज धर ख रहे ओको ही उध्दार होए।

23 जब वी तुम ख एक सहर म सताहे, ते दूसरो सहर ख भग जानो। मी तुम से सच बोलू हैं, तुम इस्राएल देस ख पूरा सहर हुन नी धुम पानी का कि इंसान को पोरिया आ जाहे।

24 “चेला अपनो गुरू से बड़ो नी होवा; अऊर न दास अपनो मालिक से।

25 चेला को गुरू को, अर नउकर को मालिक को बराबर होनो ही बेजा हैं। जब उनना घर को मालिक ख सैतान बोल दियो। ते ओको घरवाला ख का कुछ नी बोलन का?

???? ? ? ?  
(???? 12:2-7)

26 “एकोलाने इंसान हुन से मत डरनो; काहेकि कुछ ढाको नी हाय कि जो खोलो नी जाहे, अऊर न कुछ छिपो हैं। जो जानो नी जाहे।

27 जो मी तुम से अंधेरा म कहू हैं, ओखा तुम उजेलो म सुनाव; अर जो कान ही कान म सुना हैं, ओखा छत पा से प्रचार करा।

28 जे सरीर ख नुकसान पहुचावा हैं, पर आत्मा ख नुकसान नी पहुचा सका, ओसे मत डर; पर ओसे ही डरो, जो आत्मा अर सरीर दोई ख नरक म नास कर सका हैं।

29 का एक पैसा म दो गऊरैया नी बाकी हैं? तेभी तुमरो बाप कि मर्जी को बगैर उनमा से एक भी जमीन पा नी गिडा।

30 तुमरी मुंडी का बाल भी सब गिनिया वाला हैं।

31 एकोलाने डरनो मत; तुम डेर सारी गऊरैया से बढ ख हैं।

???? ? ? ? ? ? ? ?  
(???? 12:8-9)

32 “जे कोई अदमी हुन ख सामने मोखा मान लेहे, ओखा म भी अपनो स्वर्गीय बाप ख सामने मान लेहू।

33 पर जे कोई अदमी ख सामने मोखा मना करे, ओ ख म भी अपनो स्वर्गीय परमेस्वर बाप ख सामने मना करू।

???? ? ? ? ? ?  
(???? 12:51-53; 14:26,27)

34 “असो नी समझ कि म जमीन प सान्ति ले कर आयो हैं; म मिलान करन नी, पर तलवार चलान आयो हैं।

35 मीते आयो हूँ कि इंसान का ओको बाप से, अर पोरी का ओकी माय से, सर बहू को ओकी सास से अलग कर देहू;

36 इंसान को दुसमन ओखा घर का ही इंसान होऐ।

37 “जे माय अर बाप ख मोसे प्रेम करा हैं, उ मोरो लायक नी हैं; अऊर जो पोरिया अऊर पोरी ख मो से जादा प्रेम करा हैं। उ मोरो लायक नी हैं

38 अऊर जो अपनो सूली लेख मोरो पिछु नी चले उ मोरो लायक नी हैं।

39 जे अपनो जान ख बचावा हैं, उ ओ ख खोएगो; अर जे मोरो कारन अपनो जान देवा हैं, उ ओखा मिले।

????  
(???? 9:41)

40 “जे तुम ख सम्मान कर हैं, उ मोखा सम्मान कर हैं; अऊर जे मोखा स्वीकारा कर हैं उ मोरो भेजन वालो ख स्वीकारा कर हैं।

41 जे जोतिस ख भविष्यवक्ता मान ख ग्रहण करा हैं, वी भविष्यवक्ता हुन को बदला मिले; अऊर जे धर्मी ख धर्मी समझ ख स्वीकारा करा, वी धर्मी को बदला मिले।

42 जे भी कोई यी छोटा म से एक ख मोरो चेला समझ ख केवल एक लोटा ठंडो पानी पिलाहेये, ते म तुम से सच कहू हैं, उ कोई भी तरीका से अपनो इनाम नी खोए।”

## 11

~~~~~  
(~~~~~ 7:18-35)

1 अपना बारा चेला हुन ख यू कैय देन का बाद यीसु वहाँ से चलो गयो, अऊर उ यहूदी हुन को सहर हुन म सिखान लग गयो अऊर अच्छी खबर को बारे म परचार करन लग गयो।

2 यहून्ना न, जेल खाना म मसी को काम हुन की खबर सुनियो अर अपना चेला हुन से यू पूछन ख भेज्यो,

3 “का आन वालो तूईच आय, कि हम अऊर कोई को रस्ता देखे?”

4 यीसु न उनका बोल्यो, “जे कुछ तुम सुना हैं अऊर देखा हैं, उ सब जा ख यहून्ना से बोल देव,

5 अंधा देखा हैं अऊर लंगाडा हुन चला फिरा हैं, अऊर कोढ ख रोगी हुन सुध्द होते जावा सुध्द हैं, अर बहिरा हुन सुनते जावा हैं, मुर्दा हुन ख जिन्दो करो जाय हैं, अर गरीब हुन ख सुसमाचार सुनायो जावा हैं।

6 अऊर भलो हैं उ, जो मोरो वजेसे ठोकर नी खान को।”

7 जब वी वहा से चल दिया, ते यीसु यहून्ना को बारे म लोग हुन से कह न लग गयो, “तुम जंगल म का देखन ख गया हता? का हवा से हलते हुए सरकण्डा ख? नी

8 ते फिर तुम का देखन ख गया रहा? का बड़िया कपड़ा पहिनिया वाला इंसान हुन ख? देखनु, जो बड़िया कपड़ा हुन पहिना हैं, वी राजा को महल म रहवा हैं।

9 ते तुम फिर काहे गया रहा? का कोई भविष्यवक्ता ख देखन ख? हाँ मी तुम से कहूँ हैं कि भविष्यवक्ता से भी बड़ो ख।

10 यू उईच आय, जेको बारे म ग्रंथ लिखो हैं, ‘परमेस्वर बोला हैं: देखनो, मी अपनो दूत ख तुमरो आगे भेजू हैं, जो तोरो आगे तोरो रस्ता तैयार करेगों।’

11 मी तुम से सच कहूँ हैं, कि जे बाई चारा हुन से से पैदा भया हैं, ओमा से यहून्ना बपतिस्मा देन वालो से कोई बड़ो नी भयो। फिर भी, पर जो स्वर्ग ख राज म सबसे छोटो हैं, उ यहून्ना से बड़ो हैं।

12 यहून्ना बपतिस्मा देन वालो को बखत से अबा लक स्वर्ग ख राज म बेधडक आनो जानो होते रयो हैं, अऊर बलवान ओखा छीन लेवा हैं।

13 काहेकि सब भविष्यवक्ता अर नेम यहून्ना को बखत लक भविष्यवानी करते रया हैं।

14 अर चाहे तुम माने ते मोरी बात ख मान लेव कि एलिय्याह जो आवन वालो हतो, उ युईच आय।

15 जेका कान होय, उ सुन लेहे।

16 “मी इ दुनिया कि तुलना कोसे करू?” वी बजार म बैठिया वाला पोरिया हुन क जसा हैं जो अपना संगी हुन ख हाँका लगा-लगा क बोलत होए:

17 हम न तुमारो लाने बाँसुरी बजाई अऊर तुम नी नचीया; हम न दुख मनायो पर तुम न दुख नी मनायो।

18 काहेकि यहून्ना न खाते आयो, न पीते, अऊर वी कहत रा “ओमा दुस्तात्मा हैं।”

19 इंसान को पोरिया आयो। उ मामूली इंसान को जसो खावा पीवा हैं अऊर इंसान हुन बोला हैं: देखो, यू इंसान भूकड अर पेटू हैं। कर लेन वालो को संगी अधिकारी अर पापी हुन को दोस्त हैं।

~~~~~  
(~~~~~ 10:13-15)

20 तब यीसु वी सहर हुन ख धितकारन लग गयो जिनमा ओ ना सामर्थ्य ख ढेर सारा काम करिया रहा, पर वहा का रहन वाला न यी सामर्थ्य को काम देख ख भी मन नी फिरायो करयो रहा।

21 यीसु न कय्हो, धितकार तोखा, खुराजीन! धितकार तोखा बैतसैदा! जो सामर्थ्य को काम तोमा करिया गया रहा हैं, अदि वी सूर अर सैदा म किया जाता, ते बोरा टाट ओढ ख, अर राँक म बैठ ख वी कब का मन फिरा लेता।

22 एकोलाने मी तुम से कहूँ हैं कि, न्याय को दिन तोरी दसा से सूर अर सदोम कि दसा कही जादा सहन करन को लायक होए।

23 अरे, कफरनहूम, का तू स्वर्ग लक ऊँचो करो जाएगो? तू ते अधोलोक लक नीचे गिरा दियो जाहे; काहेकि जे सामर्थ्य को काम जो तोमन काम करया गया रा, अदि वी सदोम म करा जाता, ते उ आज लक बनो रहतो।

24 एकोलाने मी तोसे कहूँ हैं कि न्याय को दिन तोरी दसा से भली सदोम देस कि दसा कई जादा सहन करन को लायक हैं।

???? ???? ?? ?? ????? ???? ????  
(???? 10:21,22)

25 वा बखत यीसु न कय्हो, “बाप! स्वर्ग अर जमीन को प्रभु! मी तोरी बड़ाई करूँ हैं; काहेकि तुना यी सब बात हुन ख ग्यानी अर समझदार हुन से छुपा ख रखयो; पर बाल-बच्चा हुन पा परगट करयो हैं।

26 हाँ, बाप! यूइच ही तोखा अच्छो लगियो।”

27 मोरो बाप न मोखा सब कुछ सोपियो हैं। अर पोरिया ख कोई नी जाना, पर सिर्फ पोरिया; अऊर न कोई परमेस्वर ख जाना हैं, पर सिर्फ बाप; अर नी कोई बाप का जाना सिर्फ पोरिया अर उ जेपर पोरिया ओखा प्रगट करनो चाहे।

28 “अरे सब हरा-थकिया वाला बोझ से दबिया वाला इंसान! मोरो जोने आव। मी तुम ख आराम देहु।

29 मोरो बोझ अपनो ऊपर ले लेव अऊर मोसे सिखो; काहेकि मी सुभाव से मन म नम्र अर दीन हैं। असो कर ख तुम मन म सान्ति पायगो,

30 काहेकि मोरी बोझ सहज हैं अऊर मोरो बोझ हलको हैं।”

## 12

???? ?? ??? ?? ???? ? ????  
(???? 2:23-28; ???? 6:1-5)

1 यीसु कोई छुट्टी को रोज गहूँ की खेत हुन से हो ख जात रा। ओखा चेला हुन ख भूक लगी अऊर वी गहूँ की बाली टोड़-टोड़ ख खान लग गया।

2 यू देख फरीसी हुन न यीसु से कय्हो, “देखो, जो काम छुट्टी को रोज करनो मना हैं, तोरा चेला उईच कर रया हैं।”

3 यीसु न उनसे बोल्यो, “का तुम इंसान हुन न यू नी पढ़ियो कि जब दाऊद अऊर ओखा संग ख इंसान हुन ख भूख लगी, ते दाऊद न का करियो रा?

4 उ परमेस्वर को घर को भीतर गयो अऊर अपनो संगी हुन को संग भेंट की रोटी हुन खाई, जिनका खानो ओखा अऊर ओखा संगी हुन ख मना हतो। भेंट कि रोटी सिरप पूजारी हुन ही ख सकत रा।

5 अर का तुम इंसान हुन न मूसा को नेम म नी पढ़ियो कि पूजारी छुट्टी को रोज मन्दिर म आराम करन को दिन को उल्लंघन करनो पर भी दोसी नी ठहरा?

6 पर मी तुम से से कहूँ हैं कि पर इते उ हैं जे मन्दिर से भी बड़ो हैं।

7 मी बलिदान नी, पर दया चाहूँ हैं अदि तुम इंसान हुन न या बात को मतलब समझ लियो होतो, ते बिनकसुर ख दोसी नी ठहराता।

8 काहेकि इंसान को पोरिया तो हफ्ता को दिन या छुट्टी को रोज को भी प्रभु हैं।”

॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥ ॥३॥ ॥३॥

(॥३॥ 3:1-6; ॥३॥ 6:6-11)

9 यीसु वहाँ से आगे बढ़ियो अर उनको प्रार्थना घर म आयो ।

10 वहाँ एक अदमी हतो, जेको हात सूख गयो रहा । उनना यीसु पर दोस लगान ख लाने ओसे यू पुछियो, “का छुट्टी को रोज अच्छो करना नियम को हिसाब से सही हैं?”

11 यीसु न उनसे बोल्यो, “तुम म असो कोन हैं जेकी एक ही भेड होय, अऊर उ छुट्टी को दिन गडडा म गिर जाय, ते उ ओखा पकड ख हेड नी ले?

12 इंसान तो भेड से कई बढ ख हैं! एकोलाने छुट्टी को रोज भलई करनो नेम को हिसाब से उचित हैं।”

13 तब यीसु न उ अदमी से क्य्हो, “अपनो हात ख बढा।” ओ ना अपनो हात बढायो, अऊर उ फिर दूसरो हात को जसो अच्छो हो गयो ।

14 ऐपर फरीसी हुन सभा घर से बाहर निकलिया, अऊर उनना यीसु को बारे म सला करी कि हम ओखा कसो तरीका से खतम करे।

॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥

15 यू जान ख यीसु वहाँ से चल दियो। अऊर ढेरसारा इंसान हुन ओको पिछे चलन लग गया, अऊर ओ ना सब ख अच्छो करियो,

16 अऊर उन ख जतायो कि मोरो बारे म कोइ ख मत बतानो,

17 असो तरीका से भविष्यवक्ता यसायाह को वचन पूरो भयो:

18 “यू मोरो सेवक आय, जेका मी न चुनियो हैं;

यू मोरो अच्छो को पोरिया आय,

जेसे मोरो मन बेजा खुस हैं: मी ऐका अपनी आत्मा देऊगो,

अऊर उ गैर यहूदी हुन का न्याय की खबर देहे।

19 उ न तो लडई झगडा करेगो, अऊर न हाँका लगायगो,

अऊर न कोइ चऊक म कोइ ऐकी आवाज सुनेगो।

20 यू न तो कुचलियो वालो सरकण्डा ख नी टोडन को,

अऊर न धुवा देन वाली बत्ती ख बुझायगो,

जब तक उ न्याय ख जीत नी लेन को।

21 एको नाम पर सब गैर यहूदी आसा रखेगो।”

॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥

(॥३॥ 3:20-30; ॥३॥ 11:14-23)

22 तब इंसान हुन एक अधो-गूंगो ख जेमा भूत-प्रेत हतो, यीसु को जोने लाया; अऊर ओ ना ओखा अच्छो करियो, अऊर उ गूंगा बोलन अऊर देखन लग गयो।

23 येपर सब इंसान हुन हईरान हो ख कहन लग गया, “कई यूई तो दाऊद को गोत को नी आय?”

24 पर फरीसी हुन न यू मुन ख बोल्यो, यू तो दुस्तात्मा को मुखिया बालजबूल कि मदत को बगर भूत-प्रेत ख नी निकाला सका।

25 यीसु न ओकी मन कि बात जान ख ओसे क्य्हो, जे कोई राज्य म फूट होवा हैं, उ उजड जावा हैं; अऊर कोई सहर अर घराना जेमा फूट होवा हैं, बनो नी रहन को।

26 अऊर यदि सैतान ही, सैतान ख निकले, ते उ अपनो, ही बैरी हो गयो हैं; फिर ओको राज कसो बनो रैय सका हैं?

27 भलो हैं, अदि मी बालजबूल दुस्तात्मा कि मदत से दुस्तात्मा ख निकालू हैं, ते तुमरी खानदान कोकी मददत से निकाला हैं? एकोलाने वीडिच ही तुमरो फैसला करे।

28 पर अदि मी परमेस्वर कि आत्मा कि मददत से दुस्तात्मा ख निकालू हैं, ते परमेस्वर को राज तुमरो जोने आ गयो हैं।



29 “या फिर, कसो कोई इंसान कोई बलवान को घर म घुस ख ओको घर को माल लूट सका हैं”, जब लक कि पहलो उ घर धनी ख बाँध नी लेन को? तब जा ख उ ओको घर को माल लूट सका हैं।

30 जे मोरो संग नी हैं, उ मोरो विरोध म हैं, अऊर जे मोरो संग नी बिना उ बिखरावा हैं।

31 एकोलाने मी तुम से कहूँ हैं कि इंसान को सब तरीका को पाप अऊर बुराई छमा करी जाहे। पर सुध्द आत्मा की बुराई की छमा नी करी जाहे।

32 जे कोई इंसान को पोरिया को खिलाप म कुछ बात कहे, ओखा यू अपराध छमा कियो जाहे, पर जे कोई सुध्द आत्मा को खिलाप म कुछ काहे, ओको अपराध, नी तो यू लोक म अऊर नी परलोक म छमा कियो जाहे।

~~~~~  
(~~~~~ 6:43-45)

33 “अदि तुम कोई झाड़ ख अच्छो माना हैं”, ते ओको फल ख भी अच्छो मानो, अऊर अदि झाड़ ख बुरो माना हैं, ते ओको फल ख भी बुरो मानो; काहेकि, “झाड़ तो अपनो फल से ही पहिचानो जाय हैं”।

34 अरे साँप ख बच्चा हुन तुम बुरा हो ख कसी भली बात कह सका हैं? काहेकि जो मन म भरो हैं, उईच मुंडो पर आवा हैं।

35 भलो इंसान मन को भलो भण्डार से भली बात हुन निकाला हैं अऊर बुरो इंसान बुरो मन को भण्डार से बुरी बात निकाला हैं।

36 अऊर मी तुम इंसान हुन से कहूँ हैं कि जो-जो बेकार कि बात हुन इंसान बोले, न्याय को दिन वी हर एक बात को लेखा देहे।

37 काहेकि, “तू अपनी बात हुन को वजे से बेकसूर, अऊर अपनी बात ही को वजेसे दोसी ठहरायो जाहे।”

~~~~~  
(~~~~~ 8:11,12; ~~~~~ 11:29-32)

38 येपर कुछ सासतिरी अऊर फरीसी हुन न ओसे कय्हो, “अरे गुरू, हम तोसे एक चिखान देखनो चाहवा हैं।”

39 यीसु न उनका जुवाब दियो, यू जमाना का अऊर बुरा अऊर छिनाला वाला इंसान चिन्ह ढूँढा हैं परन्तु योना भविष्यवक्ता को चिन्ह का छोड़ कोई अऊर चिन्ह उनका नी दियो जाहे।

40 योना तीन रात दिन पानी म रहन वाली मच्छी को पेट म रयो वसो ही इंसान को पोरिया भी तीन रात दिन जमीन को भीतर रहे।

41 नीनवे का इंसान न्याय को रोज यू जमाना का इंसान हुन को संग उठ ख उनका दोसी ठहरायगो, काहेकि उन ना योना को प्रचार सुन ख मन फिरायो; अऊर देखनो, यहाँ उ हैं जो योना से भी बड़ो हैं।

42 दक्खिन की रानी न्याय को दिन यू जमाना ख इंसान हुन को संग उठ ख उनका दोसी ठहरायगो, काहेकि वा सुलैमान को ग्यान सुनन को लाने धरती को छोर से आई; अऊर देखनो, यहाँ उ हैं जो सुलैमान से भी बड़ ख हैं।

~~~~~  
(~~~~~ 11:24-26)

43 जब बुरी आत्मा इंसान को अंदर म से निकल जावा हैं। ते सुकी वाली जगा म ठिकाना ढूँढते फिरा हैं अऊर ओखा जगा नी मिला।

44 तब बोला हैं, मी अपनो उईच घर म जहाँ से निकली रा, लउट ख चल देहु। अऊर लउट ख ओखा सुनो अऊर साफ-सुतरो अऊर सिंगरो-सिंगरायो मिला हैं।

45 तब वा जा ख अपनो से अऊर सात बुरी आत्मा हुन ख अपनो संग म लेका आवा हैं, अऊर वी ओमा बैठ ख रहन लग जावा हैं, अऊर उ इंसान कि दसा पहले से भी जादा बिगड़ देवा हैं। यू जमाना ख बुरा इंसान हुन की दसा भी असीच होयगो।

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥

(॥॥॥॥॥ 3:31-35; ॥॥॥॥॥ 8:19-21)

46 जब यीसु भीड़ से बात कतर ही रहा, तब ओकी माय अऊर भई बाहर खड़ा हता अऊर ओसे बात करन की सोचत रहा।

47 कोई न यीसु से क्य्हो, “देख, तोरी माय अऊर तोरा भई बाहर खड़ा हैं, अऊर तोसे बात करन करन की सोचा हैं।”

48 यू सुन ख यीसु कहन वाला हुन से बोल्यो, “कोन आय मोरी माय? अऊर कोन आय मोरा भई?”

49 अऊर अपनो चेला हुन कि तरफ अपनो हात बढ़ा ख क्य्हो, “देखो, मोरी माय अऊर मोरो भई हुन यी आय।

50 काहेकि जो कोई मोरो स्वर्ग म रहन वालो परमेस्वर बाप कि मर्जी पर चला हैं, उईच ही मोरो भई, अऊर मोरी बहिन, अऊर मोरी माय आय।”

13

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 4:1-9; ॥॥॥॥॥ 8:4-8)

1 यीसु उईच दिन घर से निकलियो अऊर झील को किनार म बठ गयो।

2 अऊर ओको नजीक असी बड़ी भीड़ इकट्ठी भई कि उ नाव पर चढ़ गयो, अऊर सारी भीड़ किनार म खड़ी राई।

3 अऊर यीसु न ओसे उदाहरन म बेजा सारी बात कही:

“एक बोवन वालो बीज बोन निकलो।”

4 बोते बखत कुछ बीज रस्ता का किनार म गिड़िया अऊर चिड़िया हुन न आय ख उनका बीन लियो।

5 कुछ दाना पत्थर वाली जमीन पर गिड़िया, जिते ओखा जादा मिट्टी नी मिली अऊर जादा मिट्टी नी मिलन को वजे से उ दाना जल्दी उग आयो।

6 पर घाम निकलनो पर वी मुर्झा गया, अऊर जड़ नी गहरी लम्बी होन को कारन से सुख गया।

7 कुछ दाना झाड़ी हुन म गिड़ियो अर झाड़ी हुन न बढ़ ख उनका दबा दियो।

8 पर कुछ दाना अच्छी जमीन पा गिड़ियो, अऊर ओमन दाना लगियो, कोई म सब गुना अऊर कोई म साठ गुना अऊर कोई म तीस गुना।

9 “जेका कान होय उ सुन ले।”

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 4:10-12; ॥॥॥॥॥ 8:9,10)

10 यीसु का चेला हुन न नजीक आका ओसे क्य्हो, “तू सब इंसान हुन से उदाहरन म काहे बात करा हैं?”

11 ओ ना जुवाव दियो, तुम ख स्वर्ग राज को भेद जानन कि समझी दी गई हैं, पर उनका नी।

12 काहेकि जेको जोने हैं, ओखा अऊर भी दियो जाहे, अऊर ओको जोने ढेर सारो हो जाहे। पर जेको जोने कुछ भी नी हाथ, ओसे जो कुछ ओको जोने हैं, उ भी ले लियो जाहे।

13 मी उनका उदाहरन म ग्यान सिखाऊँ हैं, काहेकि वी देखनो पर भी देखा अऊर सुननो पर भी नी सुना न समझा हैं।

14 ओको बारे म यसायाह कि या भविष्यवानी पूरी होऐ हैं:

31 यीसु न ओखा सामन एक अऊर उदाहरन दियो; स्वर्ग को राज राई को एक दाना को जसो हैं, जेको कोई अदमी न लेख अपनो खेत म बो दियो।

32 उ सब बीज हुन से छोटो ते होय हैं, पर जब बढ़ जाय हैं ते सब सब्जी भाजी से बडो होय हैं, अऊर असो झाड़ होय जाय हैं, कि आकास को चिड़िया आँख ओकी डाली हुन पर बसेरा करत हैं।

~~~~~  
(~~~~~ 13:20,21)

33 यीसु एक अऊर उदाहरन उन ख सुनायो: “स्वर्ग को राज खमीर को जसो हैं जोकी कोई बाई न लेख तीन पसेरी आटा म मिला दियो अऊर होय-होय उ सब खमीरा होय गयो।”

~~~~~  
(~~~~~ 4:33,34)

34 यी सब बात यीसु न उदाहरन म अदमी हुन से क्य्हो। अऊर बिना उदाहरन उ ओसे कुछ नी कहत रहा,

35 कि जे वचन भविष्यवक्ता को दुवारा क्य्हो गयो हतो, उ पूरो हो; म उदाहरन कह ख लाने अपनो मुँह खोलूंगा

मी उन बात हुन ख जे दुनिया कि आरम्भ से छुपा रयो हैं प्रगट करूँ।

~~~~~  
~~~~~

36 ते उ भौड़ ख छोड़ ख घर म आयो, अऊर ओको चेला न ओखा नजीक आँख क्य्हो, “खेत ख जंगली बीज को उदाहरन हम ख समझा दे।”

37 यीसु उन ख कहयो दियो, “अच्छो बीज को बोन वालो इंसान को पोरिया आय।

38 खेत दुनिया आय, अच्छो दाना राज को खानदान हैं, अऊर जंगली बीज बुराई ख खानदान आय।

39 जे दुसमन न उन ख बोयो उ सैतान आय, कटनी जमाना ख अन्त हैं अऊर काटनवालो स्वर्गदूत आय।

40 अब जसो जंगली दाने बिनो जाहे हैं अऊर जलायो जाहे हैं असो ही दुनिया को आखरी म होय।

41 इंसान को पोरिया अपनो स्वर्गदूत हुन ख भेजे, अऊर उ ओको राज म से सब ठोकर को कारन हुन ख अऊर बुरो काम करन वाला को एक जुट करे,

42 अऊर उन ख आग को कुण्ड म डालो जाहे, जहाँ पर रोन् अऊर दाँत पीसना होय।

43 उ बखत धर्मी अपनो बाप को राज म धूप को जसो चमकेगो। जेका कान हैं, उ सुन ले।

~~~~~  
~~~~~

44 “स्वर्ग को राज खेत म छुपा हुयो धन को जसो हैं, जे कोई अदमी नी पायो अऊर छुपा दियो अऊर मरे खुसी ख जाख अपनो सब कुछ बेच देहे अऊर उ खेत को खरीदो ले लियो हैं।

~~~~~  
~~~~~

45 “फिर स्वर्ग को राज एक खरीदेन को जसो हैं, जे अच्छो मोती हुन कि खोज म हतो।

46 जब ओ ख एक बेजा किमती मोती मिले ते ओ न जा ख अपनो सब कुछ बेच डालो अऊर ओ ख खरीद ले लियो हैं।

~~~~~  
~~~~~

47 “फिर स्वर्ग को राज उ बडो जाल ख जसो हैं जो समुंदर म डालो गयो, अऊर सब तरीका कि मच्छी हुन ख इकट्ठा कर लियो।

48 अऊर जब जाल भर गयो, ते मच्छी हुन ओ ख समुंदर को किनारा पर खीच लायो, अऊर बैठ ख चोक्खो-चोक्खो ते टोपली म एक जुट करी अऊर बेकार फेक दियो।

49 दुनिया को आखरी म असो होय। स्वर्गदूत आँख बुरा काम दुस्त हुन ख धर्मी हुन से अगल करिये,

50 अऊर उन ख आग को कुण्ड म डालो जाहे। जहाँ रोनू अऊर दाँत पीसना होय।

51 “का तुम लोग यू सब बात समझ गया?” चेला हुन कय्हो “हव”।

52 यीसु न उन से कय्हो, “एकोलाने हर एक सासतिरी जे स्वर्ग को राज को चेला हुन बन हैं, ते उ घर को जसो हैं, जे अपनो भण्डार से नयो अऊर पुराना चीज हुन निकाल हैं।”

(***** 6:1-6; ***** 4:16-30)

53 जब यीसु यू पूरो उदाहरन ख कह चुको, ते वहा पर से चलो गयो।

54 अऊर अपनो सहर म आँख उन ख प्रार्थना घर म उन ख असो ग्यान देन लगो कि वी अचम्भा हो ख कहन लगो, “ऐका यू ग्यान अऊर सामर्थ्य को काम कहा से मिलो?

55 का यू बडाई को पोरिया नी? अऊर का ऐकी माय को नाम मरियम अऊर ऐका भईहुन को नाम याकूब, यूसुफ, समोन अऊर यहूदा नी?

56 अऊर का ऐकी सब बहिन हमारा बीच म नी रहत हती? फिर ऐको यू सब कहाँ से मिलो?”

57 यी तरीका से लोग हुन ओको कारन ठेस खाई।

पर यीसु न उन ख कय्हो, कि भविष्यवक्ता ख अपनो देस अऊर अपनो घर ख छोड़ अऊर कही अपमान नी होय।

58 अऊर ओ न वहाँ उनको अविस्वास ख कारन सारो सामर्थ्य को काम नी करियो।

14

(***** 6:14-29; ***** 9:7-9)

1 उ बखत चरुथाई सहर को राजा हेरोदेस न यीसु को बारा सुनो,

2 अऊर अपनो सेवक हुन से कय्हो, “यू यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो आय! उ मरो हुयो म से जिन्दो होय ख उठो हैं, एकोलाने ओकी सामर्थ्य को काम दिखा होव हैं।”

3 काहे कि हेरोदेस न अपनो भई फिलिप्पुस कि घर वाली हेरोदियास का कारन, यूहन्ना ख पकड़ ख बाँधो अऊर जेल घर म डाल दियो हतो।

4 काहे कि यूहन्ना न ओसे कय्हो हतो कि ऐको ख रखनो तोरो लाने अच्छो नी हैं।

5 एकोलाने यूहन्ना ख मार डालनो कि मर्जी हती, पर अदमी हुन से डर हतो काहेकि वी ओ ख भविष्यवक्ता मानत हतो।

6 पर जब हेरोदेस को जनम दिन आयो, ते हेरोदियास कि पोरी न पोगराम म नाच दिखा ख हेरोदेस ख खुस कर दियो।

7 एकोलाने हेरोदेस न कसम खा ख वादा दियो, “कि जे कुछ भी तुम माँगे, ओ ख म तोखा दा हूँ।”

8 अर वा अपनी माय ख उचकानो से बोली, “यूहन्ना बपतिस्मा देनेवालो को सिर कोपर म ऊईच मो ख मँगावा दे।”

9 राजा उदास हुयो, पर अपनो कसम ख, अऊर संग म बैठने वालो का कारन, कहना दियो कि दे दियो जाहे।

10 अऊर हेरोदेस न जेल घर म सैनिक हुन ख भेज ख यूहन्ना की मुण्डी काट दियो;

11 अऊर यूहन्ना को मुण्डी ख * कोपर म लायो गयो अऊर पोरी ख दियो, जेको वा अपनी माय ख नजीक ले आई।

12 तब यूहन्ना को चेला आया ख अऊर यूहन्ना को लास ख ले जाय ख गाड़ दियो, अऊर जाख यीसु को खबर दियो,

* 14:11 सिर

॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥ ॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 6:30-44; ॥॥॥॥॥ 9:10-17; ॥॥॥॥॥॥ 6:1-14)

13 जब यीसु न यू सुनो ते उ नाव पर चढ़ ख वहा से सुनसान जगह पर, अकेला म चलो गयो। व्यक्ति यू सुन ख सहर-सहर म से पैदल ही ओके पिछे चलो गयो।

14 यीसु न निकल ख एक बड़ी भीड़ देखी अऊर उन पर तरस खायो, अऊर यीसु न बीमार हुन ख अच्छो कर करियो।

15 जब रात हुई ते ओखा चेला न ओखा नजीक आँख बोल्यो, “कि यू सुनसान धरती हैं अऊर बखत होय रयो हैं; लोग हुन ख भेज दियो जाये कि उ महोला हुन म जाख अपनो लाने खान खरीद ले।”

16 पर यीसु न ओ न से क्य्हो, “ओ ख जानो जरुरी नी हैं! तुम ही इन ख खान ख दे।”

17 उनना ओसे क्य्हो, “यहाँ हमारो पास पाँच रोटी अर दो मच्छी हुन ख छोड़ अर कुछ नी हैं।”

18 ओ न क्य्हो, “उन ख यहाँ मोरो नजीक ले आ।”

19 तब ओ न अदमी हुन ख घास पर बैठन ख क्य्हो, अऊर उन पाँच रोटी हुन अर दो मच्छी हुन ख लियो; अऊर स्वर्ग को तरफ देख ख धन्यवाद करियो अऊर रोटी हुन लेख तोड़-तोड़ ख चेला ख दियो, अर चेला न व्यक्ति हुन ख।

20 अर जब सब न खा भरपूर हो गयो, ते चेला न बचो भयो टुकड़ा से भरी हुई बारा टोकनी हुन उढायो।

21 अर खान वाले बाई हुन अर पोरिया हुन ख छोड़ ख पाँच हजार अदमी हुन ख लगभग हता।

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 6:45-52; ॥॥॥॥॥॥ 6:15-21)

22 तब ओ न जल्दी अपनो चेला ख नाव पर चढ़न को लाने बाध्य कियो कि उ ओ ख पहले पार चलो गया आय, जब तक वी अदमी हुन ख भेज दियो।

23 उ अदमी हुन ख विदा कर, विनती करन को अलग पहाड पर चलो गयो, अऊर रात ख उ वहाँ अकेलो हतो।

24 उ बखत नाव कि झील को बीच लहर से हिल रही हती, काहेकि हवा सामना कि हती।

25 अऊर यीसु रात ख चऊथ पहर झील पर चलत भयो उन ख पास आयो।

26 चेला हुन ओ ख झील पर चलते हुए देख ख घबरा गयो। अऊर कहन लगो, यू भूत ते नी अर डर ख मोरे चिल्लान[†] लगो।

27 “ते यीसु न जल्दी से उन से बात करी अर क्य्हो, हिम्मत रख म हूँ, डर नी!”

28 पतरस न ओ ख बोल्यो दियो, अरे प्रभु, तू आय, ते मो ख अपनो नजीक पानी पर चल ख आवन ख लाने कह दे।

29 यीसु न क्य्हो, “आ” ते पतरस नाव पर से उतर ख यीसु का नजीक आन का लाने पानी पर चलन लगो।

30 पर हवा को देख ख डर गयो, अऊर जब डूबन लगो ते पुकार ख क्य्हो, “अरे प्रभु मोखा बचा!”

31 यीसु न जल्दी हात बढ़ ख ओ ख पकड़ लियो अऊर ओ ख क्य्हो, “अरे कुछ दिन ख विस्वासी, तू न काहे सक करियो?”

32 जब उ नाव पर चढ़ गयो, ते हवा रूक गई।

33 यू पर उन ख जो हता नाव पर हता ओ ख पाय पढ़ ख क्य्हो, “सच मुच तू परमेस्वर को पोरिया आय।”

॥॥॥॥॥॥॥ ॥ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 6:53-56)

34 वी पार उतर ख गन्नेसरत जगह म पहुँचिया।

† 14:26 पुकारा

³⁵ वहाँ का अदमी हुन ओसे पहचान लियो अऊर आस पास को पूरा देस म खबर भेजो, अऊर सब बीमारो ख ओखा नजीक लायो,

36 अऊर ओसे विनती करन लगो कि उ उन ख अपनो कपड़ा को पल्लू ही ख छुवन दे; अऊर जितनो न ओ ख छओ उ चोक्खो होय गया।

15

□□□□ □□ □□□□□

(7:1-13)

¹ तब यरूशलेम से कुछ फरीसी अऊर सासतिरी यीसू का नजीक आयो ख कहन लग्यो,

2 “तोरो चेला सियाना हुन को रीति रिवाज हुन ख काहे मान नी हैं, कि बिना हात धोए रोटी खावा हैं?”

3 यीसु उन से कह्यो दियो, तू भी अपनो रीति रिवाज ख कारन काहे परमेस्वर को आदेस का टाला
हैं?

4 काहे कि परमेस्वर न कय्हो हैं, अपनो बाप अऊर अपनी माय ख आदर करनु अऊर जे कोई बाप अर माय ख बरो कहे, उ मार डालो जाहे।

5 पर तुम कवह है, कि यदि कोई अपनो बाप अऊर माय से कहे, जे कोई तोसे मोखा से फायदा पहुँचाए सक है ते, उ परमेस्वर ख दान दे जा चुका,

6 ते उ अपनो बाप ख आदर नी करे, यू तीरका तुम न अपनो रीति रिवाज का कारन परमेस्वर को वचन टाल दियो।

⁷ अरे कपटी हन, यसायाह न तुमारो बारे म यी भविष्यवानी ठीक करी हैं:

8 “यी पर अदमी होठ हन से ते मोरो आदर करा हैं,

पर उनको मन मोसे दर रहवा हैं।

9 अऊर यी बेकार* मोरी भक्ती कर हैं,
काहे कि अदमी हन कि विधि हन ख धर्मोपदेस कर ख सिखाव हैं।”

????? ???? ???? ????

(7:14-23)

¹⁰ तब यीसु अदमी हन ख अपनो पास बुला ख उन ख कय्हो, “सुन, अऊर समझ:

11 जो मुन्डा† म जाय है, उ अदमी हुन ख बेकार नी कर, पर जे मुँह से निकल हैं, उही अदमी हुन ख असध्द करा हैं।”

12 तब चेला हुन न आय ख यीसु कय्हो, “कि का तू जाना हैं कि फरीसी हुन न यू वचन सुन ख ठोकर खायो हैं?”

¹³यीसु बोल्यो दियो, “हर पऊधा जे मोरो स्वर्गीय बाप न नी लगायो, उखाड़ जाहे।

14 अऊर उनख जान दे; वी अंधा रस्ता दिखावा हैं अऊर अंधा अगर अंधा का रस्ता दिखाए, ते दोई ही गड़ा म गिर पड़े।”

15 य सन ख पतरस न उन से कय्हो, “य उदाहरन हम ख समझा दे।”

16 **यीस कह्यो, “का तम भी अब तक नासमझ हैं?**

¹⁷ का तम नी जाना हैं कि जे कुछ मँह म जाय हैं उ पेट म पड़ हैं, अर संडास से निकल जाय हैं?

18 पर जे कुछ मँह से निकल हैं, अऊर उ मन से निकला हैं, उही अदमी हन ख बेकार कर हैं।

19 काहेकि बुरा विचार, हत्या, पस्तरीगमन, गलत काम, चोरी, झूठो गवाही अऊर बदनामी मन ही से निकल हैं।

20यी आय हैं जे इंसान ख असुध्द करा हैं, परन्तु हात बिना धोए खाना करनो इंसान ख बेकार नी कर।”

* 15:9 व्यर्थ † 15:11 मूढ

1 फरीसी हुन अऊर सद्की हुन न यीसु जोने आ ख यीसु ख परखन को लाने ओसे बोल्यो, “हमका स्वर्ग को कोई चिन्ह दिखा।”

2 यीसु न जुवाब दियो, “साम ख तुम बोला हैं, भोउसम अच्छो रहे, काहेकि आकास लाल हैं।”

3 भूसारो होनो पा बोला हैं, “आज हवा चलेगो, काहेकि आकास लाल अर बददली से ढकियो हैं।” तुम इंसान हुन बददल ख लक्छन तो पहिचान लेवा हैं, पर बखत का लक्छन नी निसान सका हैं।

4 यू जमाना ख बुरा अऊर छिनाला इंसान हुन चित्र ढूँढा हैं, पर योना का चित्र ख छोड़ उनका कोई अऊर चिन्ह नी दियो जाहे।” अऊर यीसु उनका छोड़ ख चल दियो।

~~~~~

(~~~~~ 8:14-21)

5 चेला हुन झील को ओ नो पार पहुँचिया। पर वी अपनो संग म रोटी लेनो भूल गया रा।

6 एकोलाने जब यीसु न उनसे बोल्यो, म “देखनो, फरीसी अऊर सद्की हुन को खमीर से सतर ख रैनो।”

7 ते वी आपस म कहन लग गया, “हमना रोटी नी लाया, एकोलाने उ असो कहा हैं।”

8 यू जान ख यीसु न उनसे बोल्यो, “अरे जरा देर का विस्वासी, तुम आपस म असो काहे विचार हैं, कि हमारो जोने रोटी नी हाय।

9 का तुम अवा लक नी समझीया? का तुमका वी पाँच हजार कि पाँच रोटी हुन याद नी हाँय, अर न यू कि तुम न किती टोकनी हुन उठई रहा?

10 अऊर न वी चार हजार कि सात रोटी हुन, अऊर न यू कि तुमना किती टोकनी हुन\* उठई रहा?

11 तुम काहे नी समझीया कि मी न रोटी हुन को बारे म असो नी बोल्यो, पर फरीसी हुन अऊर सद्की हुन को खमीर से सावधान रहन ख बोल्यो रहा।”

12 तब चेला हुन समझ गयो कि यीसु न रोटी को खमीर से नी, पर फरीसी हुन अऊर सद्की हुन कि ग्यान से सतरक रह ख बोल्यो रहा।

~~~~~

(~~~~~ 8:27-30; ~~~~~ 9:18-21)

13 जब यीसु कैसरिया फिलिप्पी को परदेस म आयो, तब ओ ना अपना चेला हुन से पुछियो, “इंसान को पोरिया ख का बोला हैं?”

14 चेला हुन न जुवाब दियो, “कुछ इंसान हुन बोला हैं यहून्ना बपतिस्मा देन वालो कोई बोल हैं, अऊर कोई एलिय्याह भविष्यवक्ता, अऊर कोई यिर्मयाह भविष्यवक्ता अऊर कोई भविष्यवक्ता हुन म से कोई एक आय कहाँ हैं।”

15 पर यीसु न उनसे बोल्यो, “पर तुम मोखा का बोला हैं?”

16 समोन पतरस न जुवाब दियो, “तू जिन्दो परमेस्वर को पोरिया मसी आय।”

17 ये पर यीसु न ओसे बोल्यो, “अरे समोन, योना को पोरिया, तू भलो हैं; काहेकि कोई असो ही इंसान न नी, बल्कि मोरो स्वर्ग म रहन वालो परमेस्वर बाप न तुम पर यू परगट करयो हैं

18 अऊर मी भी तोसे कहू हैं कि तू पतरस आय, अऊर यू पत्थर पा अपनी कलीसिया बनाऊँगो, अऊर अधोलोक का फाटक ओपर भारी नी पढ़न का।

19 मी तो ख स्वर्ग को राज कि चाबी हुन देहु: अऊर जे कुछ तू धरती पा बाँधूँगो; उ स्वर्ग म बंध जाहे अऊर जो कोई तुम जमीन पर खोले, उ स्वर्ग म खुल जाहे।”

20 तब यीसु न चेला ख जतायो कि कोई से असो मत कहजे कि मी मसी आय।

~~~~~

(~~~~~ 8:31-33; ~~~~~ 9:22)

\* 16:10 टोकरी

11 उत्तीच बखत से यीसु अपना चेला हुन ख बतान लग गयो कि “भोखा पक्को मालुम हैं, कि मोखा यरूसेलेम ख जानो जरूरी हैं सियाना अऊर पुजारी हुन को अऊर तारा हुन ख देख ख भविष्य बतान वाला सासतिरी के हात से बेजा दुख उठाऊ; अऊर मार दियो जाऊ; अऊर तिसरो दिन फिर से जिन्दो हो ख ऊटु।”

12 येपर पतरस यीसु ख अलग ले जा ख डाँटन लग गयो, “अरे प्रभु परमेस्वर असो नी करे कि! तोरो संग असो कभी नी होय।”

13 येपर यीसु न मुड़ ख, पतरस से बोल्थो, “मोरी आँख को सामने से दूर हो जा, सैतान! तू मोरी रस्ता म ठोकर बन रयो हैं। तुम परमेस्वर की बात नी, बल्कि इंसान हुन कि बात हुन पा मन लगा हैं।”

मत्ती 16:21-27  
(मत्ती 8:34—9:1; मत्ती 9:23-27)

14 तब यीसु न अपनो चेला से क्य्हो, “अगर कोई मोरो पिच्छु आन की सोचे, ते उ अपनो खुद को इनकार करे अऊर अपनो सूली ख उठायो, अऊर मोरो पीछु चलन लग जाय।

15 काहेकि जो कोई अपनी जान बचान कि सोचा हैं, उ ओखा बचा नी सकन को; अऊर जो कोई मोरो लाने अपनी जान देहे, उ ओखा बचा लेहे।

16 अदि इंसान ख ऐसे का फायदा अदि उ पुरो संसार ख हासिल कर लेहे, लेकिन अपनी जान ही गवा देहे? अपनी जान को बदला म इंसान का देहेगो?

17 इंसान को पोरिया अपना स्वर्गदूत हुन को संग अपनो परमेस्वर बाप कि महिमा म आएँगो, अऊर उत्तीच घडी, उ हर एक ख ओखा काम हुन को हिसाब से फल देहेगो।

18 मी तुम से सच कहूँ हैं कि जो इते खड़ा हैं, उनमा से कुछ असा हैं, कि बी जब तक इंसान को पोरिया ख ओको राज्य म आते हुए नी देख ले, तब तक माऊत को सवाद कभी नी चखन को।”

## 17

मत्ती 17:1-27  
(मत्ती 9:2-13; मत्ती 9:28-36)

1 छे दिन को बाद यीसु न पतरस, याकूब अऊर ओको भई यूहन्ना ख अपनो संग म लियो, अऊर उ उनका अकेलो म कोई ऊँचो टेकड़ा म लेखा गयो।

2 वहाँ उनको समाने यीसु को रूप बदल गयो। अऊर ओको मुंडो सूरज को जसो चमकन लग गयो अऊर ओखा कपड़ा उजरो को जसो चका-चक चमकन लग गया।

3 अऊर उते उनका मूसा अर भविष्यवाणी एलिय्याह उनको संग बात चित करते हुए उनका दिखई दियो।

4 तब पतरस न यीसु से क्य्हो, “अरे प्रभु! हमारो यहाँ रहनो किन्नो भलो हैं कि हम इते हैं। तू कहे मी तीन मण्डा यहाँ बनाहे: एक तोरो लाने, एक मूसा का लाने, अऊर एक एलिय्याह को लाने।”

5 उ बोलत ही रहा कि एक सफेदफट बदल न उनका घेर लियो, अऊर उ बदल म से असो अवाज सुनाई दियो: “यू मोरो अच्छो पोरिया आय जसो मी खुस हैं: येकी सुनो।”

6 चेला यू सुन ख मुंडो को बल गिड़ गया अऊर बेजा डर गया।

7 यीसु न जोने आ ख उन ख छियो, अर बोल्थो, “उठ जाव मत डरो।”

8 तब उनना अपनी आँखी उठई अऊर यीसु ख छोड़ अऊर कोई ख नी देख्यो।

9 जब बी टेकडी पर से उतारती रहा ते तब यीसु न उनका असो हुकुम दियो, “जब लक इंसान को पोरिया मुर्दा म से जिन्दो हो ख नी उठन को, तब लक जे कुछ तुमना देख्यो हैं कोई से मत कहनू।”

10 येपर ओखा चेला हुन न ओसे पुछियो, “फिर सास्र ख जानन वाला सासतिरी काहे बोला हैं कि एलिय्याह को पहले आनो जरूरी हैं?”

11 यीसु न जवाब दियो, “एलिय्याह जरूर आहे, अऊर सब कुछ सुधारे।

12 पर मी तुम से कहूँ है कि एलिय्याह आ गयो हैं, अऊर इंसान हुन न ओखा नी पहिचानियो; परन्तु जसो सोचियो वसो ही ओको संग करयो। असोई तरीका से इंसान को पोरिया भी उनको हात से दख उठाए।”

<sup>13</sup> तब चेला हन न समझो कि ओ ना हमसे यूहन्ना बपतिस्मा देनवालो को बारे म बोल्यो रहा ।

████-██████ ██████ ██████████ █ ██████████ █████  
(██████ 9:14-29; ██████ 9:37-43)

1 उत्तीच बखत चेला हुन यीसु को नजीक आय ख पूछन लग गयो, “स्वर्ग को राज म बड़ो कोन हैं?”

2 येपर यीसु न एक पोरिया ख जोने बुला ख उनको बीच म खड़ो करियो,

3 अऊर क्य्हो, मी तुम से सच कहूँ हैं कि जब तक तुम मन नी फिराए अर पोरिया हुन को जसो नी बने, तुम स्वर्ग को राज म भीतर नी जा सकन का।

4 जे कोई अपनो तुम ख यू पोरिया को जसो छोटो बनाएगो, उ स्वर्ग को राज म बड़ो होए।

5 अर जे कोई मोरो नाम से एक असो पोरिया ख अंगीकार करा हैं उ मोखा अंगीकार करा हैं।

\*\*\*\*\*

(मत्ती 9:42-48; मत्ती 17:1,2)

6 “अऊर जे कोई यी छोटो म से जे मोरो पर भरोसा करा हैं एक का ठोकर खलाए, ओखा लाने भलो होतो कि बड़ी घट्टी को पाट ओखा गला म लटकायो जातो अऊर उ गहरो समुंदर म डूबायो जातो।

7 ठोकर हुन को वजे से दुनिया पर धितकार! ठोकर हुन को लगनो जरूरी हैं; पर धिक्कार उ अदमी पर जे को व्दारा ठोकर लग हैं।”

8 “अऊर तोरो हात अऊर तोरो पाय तो ख ठोकर खिलाये, ते ओ ख काट ख फेक दे; दुण्डा अऊर लगडा होय ख जिन्दगी म भीतर करनो तोरो लाने असो चोक्खो हैं कि दो हात अर पाय रहे ते तू अनन्त आगी म डालो जाहे।

9 अदि तोरी आँखी तो ख ठोकर खिलाहे, ते ओ ख निकल ख फेक दे; काना होय ख जिन्दगी म भीतर होनो तोरो लाने ऐसे चोक्खो हैं कि दो आँखी रह हुऐ तू नरक कि आगी म डाल्यो जाहे।”

\*\*\*\*\*

(मत्ती 15:3-7)

10 “देख, यी छोटो म से कोई ख बेकार नी जान; काहेकि म तोसे कहूँ हैं कि स्वर्ग म उन को स्वर्गदूत मोरो स्वर्गीय बाप ख मुँह हमेसा देख हैं।

11 काहेकि इंसान को पोरिया खोयो हुयो ख बचान आयो हैं।”

12 तुम का सोच हैं? अगर कोई इंसान कि सब भेडी हुन होय, अऊर ओ म से एक खो जाहे, ते का उ निन्यानवे ख छोड ख, अऊर टेकाडा पर जाख, ओ ख खोई हुई भेड ख नी दूढे?

13 अऊर अगर असो होय कि ओ ख मिले, ते म तुम से सच कहूँ हैं कि उ उन ख निन्यानवे भेडी हुन ख लाने जो खोई नी हती, इत्तो खुसी नी करे कि जितनो यी भेड ख लाने करे।

14 असो ही तुमारो बाप कि जो स्वर्ग म हैं यू इच्छा नी हैं कि इन छोटो म से एक भी खत्म\* नी होए।

\*\*\*\*\*

15 “अऊर तोरो भई तोरो विरुध्द पाप करा, ते जाय अऊर अकला म बात चीत कर ख ओ ख समझा; अऊर उ तोरी सुन हैं ते तू अपनो भई ख मिल।

16 अदि उ नी सुन हैं, ते एक अऊर दो इंसान का अपनो संग अऊर ले जा, कि हर एक बात दो अऊर तीन गवाह हुन का मुडा से पक्को करो जाहे।”

17 यदि उ ओकी भी नी माने, ते कलीसिया से कह दे, अऊर यदि उ कलीसिया कि भी नी माने ते तू ओ ख गैर-यहूदी अऊर कर लेन वालो समान जान।”

\*\*\*\*\*

18 मी तुम से सच कहूँ हैं, कि जे कुछ तू धरती पर बाँधे, उ स्वर्ग म बाँधे अऊर जे कुछ तू धरती पर खोले, उ स्वर्ग म खुले।

\* 18:14 नास

19 “फिर मी तुम से सच कहूँ हैं कि अदि तुम म से दो इंसान धरती पर कोई बात का लाने एक मन होय ख ओ ख माँगे, ते उ मोरो बाप कि तरफ से जे स्वर्ग म हैं, उन का लाने हो जाहे।

20 काहेकि जहाँ पर दो अऊर तीन मोरो नाम से इकट्ठा होय हैं, वहाँ म उन का बीच हूँ।”

~~~~~

21 ते पतरस न नजीक आय ख प्रभु से क्य्हो, “अरे प्रभु, अदि मोरो भई पाप करा हैं, ते म किती बार ओ ख माप करू? का सात बार तक?”

22 यीसु न ओ से क्य्हो, मी तो ख से यू नी कहूँ हैं कि सात बार तक पर सात बार का सतर गुना तक।

23 एकोलाने स्वर्ग का राज उ राजा का जसो हैं, जेमा अपनो दास हुन से हिसाब लेन चाहे।

24 जब उ हिसाब लेन लगे, ते एक इंसान ओखा सामने लायो गयो जे दस हजार तोडा का कर्जदार हतो।

25 अर जब चूकान को ओखा नजीक कुछ भी नी हतो, ते ओखा मालिक न क्य्हो, यी अऊर ऐकी ओरत अऊर पोरिया पारी अर जो कोई एको हैं सब बेचो जाहे, अर कर्ज चूका दियो जाहे।

26 यी पर ओ ख दास न गिर कर ओ ख पाय पढ़ियो, अऊर क्य्हो, अरे स्वामी धीरज रख, म सब कुछ भर दा हूँ।

27 ते ओ न दास का मालिक न तरस खा ख ओ ख छोड़ दियो, अऊर ओको कर्ज भी माप कर दियो।

28 “अऊर जब वी दास बाहर निकलो, ते ओखा संगी दास हुन म से एक ओ ख क मिलो जे ओको सब दीनार को कर्जदार हतो; ओ न ओ ख पकड़ कर ओको गला घोट अर क्य्हो, ‘जो कुछ तो पर कर्ज हैं भर दे।’

29 यी पर ओखा खुद को दास गिरकर ओसे विनती करन लगो, ‘धीरज रख, म सब भर देहु।’

30 अर ओ न नी मानो, पर जा ख ओ ख जेल खान म डाल दियो कि जब तक कर्जदार कर्जा भर नी दे हे, तब तक वही रहे।

31 अऊर ओको खुद दास यू जे भयो हतो देख ख बेजा नाराज हुए, अर जा ख अपनो मालिक ख पूरो हाल बता दियो।

32 तब ओखा मालिक न ओ ख ख बुला ख ओसे क्य्हो, ‘अरे बुरो दास, तू न जो मोखा से विनती करी, ते मी न तोरो उ पूरो कर्ज माप कर दियो।’

33 एकोलाने जसो मी न तो पर किरपा करी हैं, असो ही का तोखा भी अपनो स्वयं को दास पर दया करनो नी चाहयो हतो?”

34 अर ओको मालिक न गुस्सा म आकर ओ ख सजा देनवालो का हात म सोप दियो, कि जब तक उ सब कर्जदार कर्जा भर नी दे हे, तब तक उन का हात म रह।

35 “यी तरीका अगर तुम से हर एक अपनो भई को मन से माप नी करेगों, ते मोरो बाप जे स्वर्ग म हैं, तुम से भी वसो ही करे।”

19

~~~~~

(~~~~~ 10:1-12)

1 जब यीसु यी बात क्य्हो चूका, ते कि गलील सहर से चलो गयो; अर यरदन का पार यहूदी हुन को दूसरा सहर म आयो।

2 तब बड़ी भीड़ ओखा पीछे चल गयो, अऊर ओ न वहाँ उन ख अच्छो कियो।

3 तब फरीसी ओको परखन करन लाने नजीक आय क कहन लगो, “का हर एक कारन से अपनी घर वाली ख छोड़नो चोक्खो हैं?”

4 यीसु न क्य्हो दियो, “का तुम नी पढो कि जेना उन ख बनायो, ओ ना सुरू से अदमी अऊर ओरत बना कर क्य्हो,

5 “यी कारन अदमी अपनी माय-बाप से अलग होय ख अपनी घर वाली का संग रहे अऊर वी दो एक सरीर होऐ?”

6 अब वी दो नी, पर एक सरीर होए। एका लाने जे कोई परमेस्वर न जोडो हैं, ओ ख अदमी अलग नी कर।”

7 अर उनना यीसु से कय्हो, “फिर मूसा न यी काहे ठहरायो कि छोड़ छुट्टी\* देकर ओ ख हुकुम दे ख छोड़ दे?”

8 अर यीसु न कय्हो, “मूसा न तुमारो मन कि कठोरता का कारन ही तुम ख घरवाली ख छोड़ देने ख हुकुम दियो हैं, पर सुरु से असो नी हतो।

9 अऊर मी तुम से बोलू हैं, कि जे कोई भी छिनाला ख छोड़ अऊर कोई भी कारन से अपनी घरवाली ख छोड़ दूसरी से सादी करे, उ गलत काम करह हैं; अऊर जो ओ ख छोड़ी हुई से सादी करे, उ भी गलत काम करह हैं।”

10 अर चेला हुन न यीसु कय्हो, “अदि अदमी को बाई को संग असो सम्बन्ध हैं, ते सादी करनु चोक्खो नी हैं।”

11 यीसु न उन से कय्हो, सब यी वचन अंगीकार नी कर सक हैं, अकलो वी जीन यी वरदान दियो गयो हैं।

12 काहेकि कोई ते नपुंसक असा हैं, जे माता का पेट ही से असो पैदा हुऐ अर कोई नपुंसक असा हैं, जीन ख अदमी न नपुंसक बनयो हैं; अर कोई नपुंसक असा हैं जीन न स्वर्ग को राज ख लाने अपनो तुम ख नपुंसक बनायो हैं जे ऐको अंगीकार कर सक हैं, उ अंगीकार कर।

*Matthew 19:10-12*

*(Matthew 10:13-16; Matthew 18:15-17)*

13 उ बखत लोग यीसु ख नजीक पोरिया हुन ख लायो, जे ख उ उन पर हात रख अऊर प्रार्थना करे, पर चेला हुन न उन ख डाँटियो।

14 यीसु न कय्हो, “पोरिया हुन ख आवन दे, अऊर उन ख मान नी कर, काहेकि स्वर्ग को राज असा ही को हैं।”

15 अऊर उ पोरिया हुन को माथा पर हात रख ख वहाँ से चलो गयो।

*Matthew 19:13-15*

*(Matthew 10:17-31; Matthew 18:18-30)*

16 एक अदमी यीसु का नजीक आय ख अऊर कय्हो, “अरे प्रभु, मी कोन सो भलो काम करूँ कि अनन्त ज़िन्दगी पाऊँ?”

17 यीसु न कय्हो दियो, “तू मो से भलाई का बारा म काहे पूछ हैं? अच्छो ते एक ही हैं, पर अदि तू ज़िन्दगी म भीतर करनो चाहे हैं, ते आदेस हुन ख मान कर।”

18 ओ न ओ से कय्हो, “कोन सो कहना हुन?”

यीसु न कय्हो, “यी कि माऊत नी करनो, गलत काम नी करनो, चोरी नी करनो, झूठी गवाही नी देजो,

19 अपनो बाप अऊर अपनी माय को सम्मान करनो, अर अपनो पड़ोसी से अपनो जसो प्रेम रखनो।”

20 उ जवान न ओसे कय्हो, “इन सब ख ते मी न मानो हैं; अब मोखा म कोन सी बात कि कम हैं?”

21 यीसु न ओसे कय्हो, “अदि तू सिध्द होनू चाहे हैं ते जा, अपनो दऊलत बेच ख भिखारी हुन ख दे, अऊर तोखा स्वर्ग म धन मिले; अऊर आँख मोरो पीछे चलो आ।”

22 यी बात सुन ख उ उदास होय ख चलो गयो, काहेकि ओखा नजीक बेजा धन सम्पत्ति हती।

23 ते यीसु न अपनो चेला हुन से कय्हो, “मी तू से सच कहूँ हैं कि धनवान को स्वर्ग का राज म भीतर करनो मूसकिल हैं।

\* 19:7 तलाक

24 तोसे फिर कहूँ हैं कि परमेस्वर का राज म धनवान का भीतर करन से ऊँट को सुज्जी का नाका म से निकलू जानो मूसकिल हैं।”

25 यी सुन ख चेला हुन न बेजा अचम्भा होयख कय्हो, “फिर कोको उध्दार हो सका हैं?”

26 यीसु न उनकी तरफ देख ख कय्हो, “अदमी से ते यी नी होय सक हैं, पर परमेस्वर से सब कुछ हो सक हैं।”

27 यी पर पतरस न यीसु से कय्हो, “देख, हम ते सब कुछ छोड़ ख तोरो पीछे चलो आयो: ते हम का मिले?”

28 यीसु न ओसे कय्हो, मी तू से सच कहूँ हैं कि नई धरती म जब इंसान को पोरिया अपनी महिमा को सिंहासन पर बैठ, ते तुम भी जे मोरो पीछे चलो आय हैं, अर बारा सिंहासन पर बैठ ख इस्राएल को बारा गोत हुन को नीनय करे।

29 अऊर जे कोई न घर हुन, अऊर भई हुन, अऊर बहिन हुन अर माय अर पोरिया-पारी हुन, अर खेत हुन का मोरो नाम ख लाने छोड़ दियो हैं, ओको सव गुना मिले, अऊर उ अनन्त जिन्दगी को हक्कदार होऐ।

30 परन्तु बेजा हुन से जे पहलो हैं, पीछे हो गयो; अर जे पिछ्छ हतो पहलो हो गयो।

## 20

~~~~~

1 “स्वर्ग को राज कोई घर मालिक को जसो हैं, जे सबेरे निकलो कि अपनी अंगूर की बारी म मजदूर हुन ख लायो।

2 ओ न मजदूर हुन से एक दीनार रोज पर रखो अऊर उनख अपनी अंगूर कि बारी म भेजो।

3 फिर नव बजिया उ बाहर निकल ख अर ओ न दूसरा हुन चऊक म बेकार खड़ा देखो,

4 अऊर ओ न कय्हो, तू भी अंगूर कि बारी म जा, अर जे कुछ उचित हैं, तुम ख देहु। अब वी भी गया।

5 अऊर वी वहा से गया। करी बन बारा बजिया अऊर तीन बजिया भी ओ न बारा निकल ख असो ही करियो।

6 उ रात पाँच बजिया फिर बाहर निकल ख ओ न वी पर कुछ अर मजदूर हुन ख खड़ो देखियो। उ ओ न कय्हो, तू काहे यहाँ दिन भर बेकार खड़ो रयो हैं?

7 उनना से कहयो दियो, ‘एकोलाने कि कोई न हम ख मजदूर हुन म नी लग गयो। ओ न उन से कय्हो, तू भी मोरो अंगूर कि बारी म जा।’ ”

8 रात ख अंगूर कि बारी को मालिक न अपनो भण्डारी से कय्हो कि मजदूर हुन ख बुला ख पिछ्छला से लेख पहलो तक उन ख मजदूरी दे दे।

9 जब वी मजदूर आया, जे रात पाँच बजिया तक काम पर लग गया हता, ते उन हुन ख एक एक दिन कि दीनार मिलो।

10 यी पर मजदूरी म जो पहलो लग गयो हतो, ते जब वी आया ते उनना समझो कि मजदूर हुन न समझो कि हम ख जादा मिले, पर मजदूर हुन ख भी एक-एक दिन कि दीनार मिलो।

11 जब मिलो ते वी घर स्वामी पर कुड़कुड़नो ख कहन लगो।

12 इन पिछ्छला मजदूर हुन न एक ही घंटा काम कियो, तेभी तू न उन ख हमारो बराबर कर दियो, जिनना दिन भर कड़ी मेहनत कर हैं अर धूप सहते रयो?

13 ओ न ओमा से एक ख कय्हो दियो, अरे दोस्त मी तोसे कुछ बुरो नी करूँ हैं। का तू न ही मोसे एक दिन कि दीनार ठहरा हतो?

14 जे तोरो आय, उठा ले अर चलो जा; मोरी या मर्जी हैं कि जित्तो तो ख दूँ उत्तो ही यी पिछ्छे म आया वाला ख देहु।

15 जे मोरो हैं, का यी ठीक नी कि मी अपनी धन दोलत से जो चाहूँ वसो करूँ? का मोरो अच्छो होन का लाने तू बुरी आँखी से देखे हैं?

16 यू ईच से जे पिछला हैं, वी पहले होए; अऊर जे पहले हैं, वी पिछला होए।

[\[मत्ती 20:15-16\] \(मत्ती 10:32-34; मत्ती 18:31-34\)](#)

17 यीसु यरूसलेम को जाते हुए बारा चेला हुन क अकला म ले गयो, अऊर रस्ता म उन से कहन लगो,

18 'देख, हम यरूसलेम ख जाय हैं; अऊर इंसान को पोरिया याजक हुन अर सासतिरी को हात पकड़वायो जाहे, अर वी ओ ख मारन ख लायक ठहराएगो।

19 अऊर ओ ख गैर यहूदी को हात दे दियो जाहे, कि वी ओको मजाक उड़ायो, अऊर ओखा कोडा लगाया अऊर सूली पर चढ़ाय; लेकिन उ तीन दिन बाद उ फिर से जिन्दो हो ख उठेगो।"

[\[मत्ती 20:17-18\] \(मत्ती 10:35-45\)](#)

20 तब जबदी को पोरिया हुन कि माय न, अपनो पोरिया हुन का संग यीसु को जोने आय ख नमस्कार करियो, अऊर ओसे कुछ माँगन लगी।

21 यीसु न ओसे कहयो, "तू का चाहे हैं?"

उ ओ ख बोली, "यी वचन दे कि मोरो यी दो पोरिया तोरो राज म एक तोरो दाहिनी अऊर एक तोरो बाएँ बटे।"

22 यीसु न ओको पोरिया हुन से कय्हो, तुम नी जान कि का माँगन रहे हो। जे कटोरा म पीवन पर हूँ का तू पी सक हैं उनना

ओसे कय्हो, "पी सक हैं।"

23 ऐपर यीसु न उनसे कय्हो, "तू मोरो कटोरा ते पीहे, पर अपनो दाहिनी अऊर बाएँ कोई ख बठानू मोरो काम नी हैं, पर जेका लाने मोरो बाप कि तरफ से तैयार करियो गयो, उन ख लाने हैं।"

24 यी सुन ख दस हुन चेला उन दोई हुन भई हुन पर गुस्सा भयो।

25 यीसु न अपनो चेला हुन ख अपनो नजीक बुला ख ओ न कय्हो, "तू जाना हैं कि दुनिया को मुखिया हुन ख अपनी सेना पर निरंकुस सासन कर हैं अर उनका सत्ताधारी उन पर अधिकार रख हैं।

26 अऊर तुम म असो नी होए: पर जे कोई तुम म बड़ो होनू चाहे उ तुमारो दास बने;

27 अऊर जे तुम म मुखिया होनू चाहे हैं, उ तुमारो दास बने;

28 जसो कि इंसान को पोरिया; उ एकोलाने नी आयो कि ओकी सेवा टहल कि जाहे, पर एकोलाने आयो कि स्वयं सेवा कर, अऊर बेजा हुन ख छुड़ान का लाने अपनो जान देहे।"

[\[मत्ती 20:19-20\] \(मत्ती 10:46-52; मत्ती 18:35-43\)](#)

29 जब यीसु अऊर उनका चेला यरीहो सहर से निकल रयो हतो, ते एक बड़ी भीड़ यीसु का पीछे चली आई।

30 अऊर दो अंधा, जे रस्ता का किनारा बैठो हतो, यू सुन ख कि यीसु जा रयो हैं, बुला ख कह लगो, "अरे प्रभु दाऊद कि पोरिया, हम पर दया कर।"

31 अदमी हुन* न उन ख डाँट कि चुप रह; पर उ अऊर भी चिल्ला ख बोल्यो, "अरे प्रभु दाऊद कि पोरिया हम पर दया कर।"

32 ते यीसु न खडो होय ख उन ख अर बुला ख कय्हो, "तू का चाह हैं कि मी तुमारो लाने का करूँ?"

33 उनना ओसे बोल्यो, "अरे प्रभु, यू कि हमारी आँखे खुल जाहे।"

* 20:31 मनुष्य

34 यीसु न तरस खा ख ओकी आँखी ख छूई, अऊर उ जल्दी से देखन लग गयो; अर ओको पीछे चलो गयो।

21

~~~~~ 2 ~~~~ ~~~~~

(~~~~~ 11:1-11; ~~~~~ 19:28-40; ~~~~~ 12:12-19)

1 अऊर वी यरूसेलेम ख नजीक आयो अऊर जैतून टेकाड़ा अर बैतफगे को नजीक आया, ते यीसु न दो चेला हुन ख यी कह ख भेजो,

2 “सामने को गाँव म जा। वहाँ जाते ही एक गदही बाँधी हुई, अर ओको संग बच्छा तुम ख मिले। उन ख खोल ख मोरो नजीक ले आ।

3 अदि तुम से कोई भी कहे, ते कहजो कि प्रभु ख ऐकी जरूत हैं, तब उ तुरत उन ख भेज दे हे।”

4 यी एकोलाने भयो कि जे वचन भविष्य को बतान वालो का अर क्यहो गयो हतो, उ पूरो होए:

5 “सिय्योन सहर से कह्यो,

देख, तोरो राजा तोरो नजीक आयो हैं:

उ सिधो हैं, अर वी गदही पा बैठो अऊर बच्छा पर बेठो हैं;

पर लादू को पोरिया पर।”

6 दोई चेला हुन चलो गया, यीसु न जसो हुकुम दियो, उनना वसो ही करियो।

7 अर वी गदही अऊर बच्छा ख ला ख, उन पर अपनो कपड़ा डालो, अर उ ओपर बैठ गयो।

8 अर भीड़ हुन म से बेजा सा अदमी हुन न अपनो चादर को कपड़ा रस्ता म बिछा दियो, अर कई अन्य अदमी हुन झाड़ हुन से डाली हुन काट ख रस्ता म बिछायो।

9 यीसु को सामने-सामने अर उनका पीछु-पीछु आत हती, आवाज ख बोलत हती, “दाऊद कि पोरिया कि होसाना, धन्य हैं उ जे प्रभु को नाम से आय हैं, बादल म होसाना।”

10 अऊर यीसु न यरूसेलेम नगर पहुँच ख म भीतर करियो, ते सब सहर म हड़बड़ी मच गई, अऊर लोग हुन कहन लग गया, “यी कौन आये?”

11 अऊर लोग हुन न क्यहो, “यी गलील सहर को नासरत को भविष्य को बतान वालो यीसु आय।”

~~~~~ 22 ~~~~~ ~~~~~ 23 ~~~~~ ~~~~~

(~~~~~ 11:15-19; ~~~~~ 19:45-48; ~~~~~ 2:13-22)

12 यीसु न परमेस्वर को मन्दिर म जान ख उन पूरो ख, जे मन्दिर म लेन देन कर रयो हतो, निकाल दियो, अर सराँफो को टेबल अऊर कबूतर बेचनेवालो की चोकियाँ पलट दियो;

13 अऊर उन से क्यहो, “सुधे सास्र म लिखो हैं, मोरो घर परमेस्वर को घर प्रार्थना को घर कहलाहे अऊर तुम लोग डाकू हुन को अड्डा बना हैं।”

14 अऊर अंधो अऊर लगडो, यीसु को नजीक मन्दिर म आयो अऊर यीसु न उन ख अच्छो करियो।

15 पर जब प्रधान याजक हुन अर सासतिरी न इन हईब का काम हुन, जे ओ न करियो अर पोरिया हुन ख मन्दिर म दाऊद को खानदान को होसाना पुकार हुए देखे, ते वी घुस्सा होए

16 अऊर वी यीसु से कहन लग गया,

“का तू सुन रयो हैं कि यी का कैय रया हैं” यीसु न उनका क्यहो, हाव सुन रयो हैं; का तुम इंसान हुन न ग्रंथ म नी पढियो; कि बालबच्चा अर दूध पीवन वाला पोरिया-पारी हुन को मुंडो तुना अपनो गुन गान करायो?

17 तब यीसु उन ख छोड़ क सहर को बाहर बैतनिय्याह सहर ख गयो अऊर वहाँ रात गुजारी।

~~~ ~~~~~ ~~~~~ ~~~~~ ~~~~~

(~~~~~ 11:12-14,20-24)

18 सुबह ख जब उ सहर ख वापस आ रयो हतो ते यीसु ख भूख लगी।

19 अऊर उनना रस्ता को किनारा अंजीर को एक झाड़ देख ख। उ ओको नजीक गयो, अऊर पत्ता हुन ख छोड़ ख ओमा अर कुछ भी नी पा ख यीसु न झाड़ से कय्हो, “अब से तोम फिर कभी फल नी लगे।” अऊर अंजीर को झाड़ तुरंत सूख गयो।

20 यू देख ख चेला हुन ख अचम्भा भयो अर उन ख कय्हो, “यू अंजीर को झाड़ तुरत कसो सुख गयो?”

21 यीसु न उन ख कय्हो दियो, “मी तुम से सच कहूँ हैं, अदि तू विस्वास रखे अऊर सक\* नी करे, नी अकेलो ते यी करे जे यी अंजीर को झाड़ से करी गयो हतो, पर अदि यू टेकड़ा से भी कहे ते, उखड़ जा ते, अऊर समुंदर म जा पड़, ते यू हो जाहे।

22 अऊर जे कुछ तुम प्रार्थना म विस्वास से माँगे ते उ सब तुम ख मिले।”

~~~~~

(~~~~~ 11:27-33; ~~~~~ 20:1-8)

23 जब यीसु मन्दिर म जा ख उपदेस देत रयो हतो, ते मुखिया हुन याजक हुन अऊर अदमी हुन का सियाना हुन न ओको नजीक आ ख पूछो, “तू यू काम कोके हक्क से कर है? अर तोखा यू हक्क कोन न दियो हैं।”

24 यीसु न उन ख कय्हो दियो, “मी भी तुम से लोग हुन से एक बात पूछ हैं; अदि उ मोखा बता हे, ते मी भी तुम ख बताऊँ कि यू काम कोन अधिकार से करू हूँ।

25 यूहन्ना ख बपतिस्मा कहाँ से हतो? स्वर्ग कि तरफ से या अदमी हुन कि तरफ से?”

अर ते वी आपस म लड़ाई करन लगो, “अदि हम कहे ‘स्वर्ग कि तरफ से’ ते उ हम से कहे हे, ‘फिर तुम न यूहन्ना पर विस्वास काहे नी कियो?’

26 अऊर यदि कह: ‘अदमी हुन कि तरफ से,’ ते हम ख भीड़ को डर हैं, काहेकि वी सब यूहन्ना ख भविष्यवक्ता मानत हैं।”

27 एकोलाने उन हुन यीसु ख कय्हो दियो, “हम ख नी मालूम हैं।” ओपर यीसु न उन से कय्हो, ते मी भी तुम अदमी हुन ख नी बता कि मी कोकी अधिकार से काम कर रह हैं।

~~~~~

28 “तुम अदमी हुन को का सोच हैं? कोई अदमी को दो पोरिया हता; ओ न पहले का नजीक जाय ख कय्हो, ‘अरे पोरिया आज अंगूर कि बाड़ी म काम कर।’

29 ओ न कय्हो दियो, ‘मी नी जाऊ,’ पर बाद म ओ ख पछतावा भयो अर उ गयो।

30 ते बाप न दूसरो पोरिया ख नजीक जाख यू कय्हो। ओ न कय्हो दियो, जी हाव हूँ, अऊर उ नी गयो।

31 यी दोई मी से कोन बाप कि मर्जी पूरी करी?”

उनना कय्हो, “पहले न।” यी पर यीसु न ओसे कय्हो,

मी तुम से सच कहूँ हैं कि कर लेन वालो अऊर वेस्या हुन तुम लोग हुन से पहले परमेस्वर को राज म अन्दर कर रैया हैं।

32 एकोलाने यूहन्ना धर्म को रस्ता दिखाते हुए तुमारो नजीक आयो, अर तुम न ओको विस्वास नी करियो; पर कर लेन वालो अर वेस्या हुन न ओको विस्वास करियो: अर तुम यू देखन को बाद म भी नी पछतावा कि ओको विस्वास कर ले।

~~~~~

(~~~~~ 12:1-12; ~~~~~ 20:9-19)

33 “एक अऊर उदाहरन सुन: एक घर मालिक हतो, जेन अंगूर कि बाड़ी लगाई, ओखा चारो तरफ बागड बाँधयो ख। ओ न ओमा रस को कुण्ड खोदो अऊर गुम्मत बनायो, अर किरसान हुन ख ठेका देख ख दूसरा सहर ख चलो गयो।

34 जब फल को बखत नजीक आयो, ते ओ न अपनो दास हुन ख ओखा फल लेवन का लाने किरसान हुन ख नजीक भेजो।

35 पर किरसान हुन न ओखा दास हुन ख पकड़ ख कोई ख पीटा, अर कोई ख मार डालो, अर कोई पर पत्थर हुन कियो।

36 फिर ओ न पहले से जादा अऊर दास हुन ख भेजो, अऊर किरसान हुन न दास हुन संग वसो ही करियो।

37 अऊर आखरी म ओ न यी सोच ख अपनो पोरिया ख उनको नजीक भेजो कि वी मोरो पोरिया ख सम्मान करे।

38 अऊर पोरिया ख देख ख किरसान हुन न एक दूसरा हुन से कय्हो यू ते हक्कदार हैं, आव हम ऐखा मार डाले अऊर ऐकी धन सम्पत्ति पर हक्क कर ले।

39 अऊर उनना ओ ख पकड़ अऊर अंगूर कि बाड़ी से बाहर निकल ख मार डालियो।

40 “एकोलाने जब अंगूर कि बाड़ी को मालिक आहे, ते उन किरसान हुन ख संग का करे?”

41 अऊर उनना ते यीसु से कय्हो, “उ बुरो अदमी का बुरो रीति से नास करे; अऊर अंगूर कि बाड़ी को ठेका दूसरा किरसान हुन ख देगो, जे बखत पर ओ ख फल दियो करे।”

42 यीसु न ओसे कय्हो, का तुम न कभी सुध्दसास्र म यू नी पढ्यो:

जो पत्थर ख राजमिसतिरी न बेकार ठहरा हे,

उई कोना को सिरा ख पत्थर हो गयो?

यी प्रभु कि तरफ से भयो,

अर हमारो देखन म बेजा चोक्खो हैं।

43 एकोलाने मी तुम से लोग हुन कहूँ हैं कि परमेस्वर को राज तुम से ले लियो जाहे अऊर असी जाति ख जो ओको फल लाहे, दियो जाहे।

44 जे यू पत्थर पर गिरेगो, उ चूर हो जाहे; अऊर जेपर उ गिरे, ओखा पीस डाले।

45 अऊर जब मुखिया याजक हुन फरीसी यीसु उदाहरन हुन का सुन ख समझ गयो कि उ हमारो बारे म कह रयो हैं।

46 अऊर उनना ओ ख पकड़नू चाही, पर अदमी हुन से डर गयो काहे की वी यीसु ख भवित्यव्यक्ता माना रह हता।

22

????? ?? ???? ?? ???????

(???? 14:15-24)

1 यीसु फिर उन से उदाहरन* म कहन लगो,

2 स्वर्ग को राज उ राजा को समान हैं, जेना अपनो पोरिया को सादी म जोवन करियो।

3 अऊर ओ न अपनो दास हुन ख भेजो कि नेवता दिया वाला अदमी हुन ख सादी को खाना म बुलाव; पर उनना आनो नी चाहयो।

4 ते ओ न अर दास हुन ख यू बोल ख भेजो, नेवता अदमी हुन से कहयो: देख, मी खानो तैयार कर चुको हैं, मोरो बईल अर पालो वालो हुयो जानवर मर गयो हैं, अर सब कुछ तैयार हैं सादी को खानो म आ।

5 अऊर जो राजा न निवता दियो रहा वी मिजवान हुन न ओको निवता को अपमान कर ख कोई खेत म चल दिया कोई, कोई तो अपनो धंदा देखन ख।

* 22:1 उपमा

6 दूसरा मिजवान हुन न राजा को दास हुन ख पकड़ ख उन ख लज्जित† करियो अऊर उन ख मार डालो।

7 तब राजा ख घुस्सा आयो अऊर ओ न अपनी प्रजा भेज ख उन हत्यारो ख नास करियो, अऊर उनको सहर ख जला दियो।

8 तब राजा न अपनो दास हुन से कय्हो, सादी को खाना तैयार हैं, पर नेवता अदमी हुन लायक नी रैया।

9 एकोलाने चऊक हुन पर जाओ अर जितना भी अदमी मिले जाहे, सब ख सादी को खाना ख लाने बुला लाओ।

10 अब उन दास हुन न रस्ता पर जा ख का बुरो का भलो, जितनो मिले, सब ख जमा करियो; अऊर सादी को घर मिजवान हुन से भर गयो।

11 “जब राजा मिजवान हुन ख देखन भीतर आयो, ते ओ न वहाँ एक अदमी ख देखो, जो सादी को कपडा नी पहिनो हतो।

12 ओ न ओसे पूछो “अरे दोस्त, तू सादी को कपडा पहिनो बिना यहाँ काहे आ गयो?” ओको मुँह बंद हो गयो।

13 तब राजा न दास हुन से कय्हो, ऐको हात पाय बाँध ख ओ ख बाहर अंधेरा म डालो दे, वहाँ रोनु अर दाँत पीसनो होए।”

14 काहेकि बुलाए हुए “ते जादा हैं, पर चुनीया हुयो थोडा हैं।”

~~12:13-17; 20:20-26~~

(~~12:13-17; 20:20-26~~)

15 ते फरीसी हुन न जाय ख आपस म विचार करियो कि ओ ख कोई तरीका बात हुन म फसाए।

16 अतः उनना अपनो चेला हुन ख हेरोदियो न को संग ओखा नजीक यू कह ख भेजो, “अरे प्रभु, हम जान हैं कि तू सच्चो हैं, अऊर परमेस्वर को रस्ता सच्चो से सिखावा हैं अऊर कोई ख परवाह नी कर हैं, काहेकि तू अदमी हुन को मुँह देख ख बाते नी करू।

17 एकोलाने हम ख बात तू का सोच हैं? कैसर को लगान देनू चोखो हैं कि नी।”

18 यीसु न उनको बुरी जान ख कय्हो, “अरे कपटी हुन, मोखा का। हे परख हैं?

19 अर लगान को सिक्का मोखा दिख”

तब वी ओको नजीक एक दिन कि मजदूरी दीनार ले आयो।

20 यीसु न उन से पूछ, कि “यी छाप अऊर नाम कोन आय?”

21 उनना ओसे कय्हो, कैसर को।

तब यीसु ओ से कय्हो, “जो कैसर को आय उ कैसर ख दे; अऊर जो परमेस्वर को आय उ परमेस्वर ख दे।”

22 यी सुन ख उनना को अचम्भा भयो, अऊर यीसु छोड़ ख चलो गया।

~~12:18-27; 20:27-40~~

(~~12:18-27; 20:27-40~~)

23 उ ईच दिन सद्की जे कह हैं की मरो हुयो ख जिन्दो होनू हैं ही नी, यीसु नजीक आयो अऊर ओ ख पुछियो,

24 “अरे प्रभु, मूसा न बोल्यो हतो कि यदि कोई अदमी ख बिना अवलाद को मर जाहे ते ओको भई ओकी घर वाली से बिहाव कर ख ख अपनो भई को लाने खानदान पैदा करे।

25 अब हमारो यहाँ सात भई हता; पहले को बिहाव कर ख ख मर गयो, अऊर अवलाद नी होनू का कारन अपनी घरवाली ख अपनो भई ख लाने छोड़ गयो।

26 यू तरीका दूसरो अऊर तीसरो न भी कियो, अऊर सात हुन तक यू ही भयो।

27 सबको बाद म उ ओरत भी मर गई।

28 अऊर जिन्दो होनु पर वा भी वी सात हुन म से कोकी घर वाली होऐ? एकोलाने वा सब कि घर वाली होय चूँकि हती।”

29 यीसु न उन ख कय्हो दियो, “तुम ते सुध्दसास्र‡ ख अऊर नी परमेस्वर कि सक्ति ख नी जान; यी कारन भूल म पडिया हैं।

30 एकोलाने जिन्दो होनु पर वी बिहाव करे अऊर नी बिहाव म दियो जाहे पर स्वर्ग म परमेस्वर को स्वर्गदूत हुन का जसो होए।

31 अऊर मरिया वालो को हुया ख जिन्दो होनु को बारा म का तुम न यू वचन नी पढियो जे परमेस्वर न तुम से कय्हो हतो:

32 भी अब्राहम को परमेस्वर, अऊर इसहाक को परमेस्वर अऊर याकूब को परमेस्वर आय? उ मरे हुयो को नी, पर जिन्दो हुन को परमेस्वर आय।”

33 यू सुन ख लोग यीसु का उपदेस से आचम्भ भयो।

~~~~~

(~~~~~ 12:28-34; ~~~~~ 10:25-28)

34 जब फरीसी हुन न सुनो कि यीसु न सद्की हुन को मुँह बन्द कर दियो, ते वी इकट्ठा भयो।

35 अऊर ओमा से एक व्यवस्थापक न यीसु ख परखन का लाने ओसे पुछियो,

36 “अरे प्रभु, नेम हुन म कोन सी आदेस बड़ी हैं?”

37 यीसु न ओसे कय्हो, “तू परमेस्वर अपनो प्रभु से सारो मन अऊर अपनो सारो जान अऊर अपनो सारी बुध्द का संग प्रेम रख।

38 बड़ी अऊर खास आदेस ते यू हैं।

39 अऊर ओकी को जसो यी दूसरो भी आय कि तू अपनो पड़ोसी से अपनो जसो प्रेम रख।

40 यू ही दो आदेस हुन सारो नेम अर भविस्य बतान वालो को आधार हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 12:35-37; ~~~~~ 20:41-44)

41 जब फरीसी इकट्ठा हते, ते यीसु न फरीसी हुन से पुछियो,

42 “मसी को बारे म तुम अदमी हुन का सोच हैं? उ कोन पोरिया आय?” उन न ओसे कय्हो “दाऊद को।”

43 यी पर यीसु न ओ से कय्हो, “ते दाऊद आत्मा म हो ख ओ ख प्रभु काहे कह हैं?”

44 “प्रभु न, मोरो प्रभु से कय्हो

कि तू मोरो दाहिनी ओर बैठे,

जब तक कि मी तोरो दुसमन हुन ख तोरो पाय हुन का नीचु नी कर दूँ।”

45 “भलो, जब दाऊद ओ ख ‘प्रभु’ कह हैं, ते उ ओको पोरिया कसो रयो?”

46 ऐको जवाब म कोई भी एक बात नी बोल सको। उ दिन से कोई ख भी फिर ओसे कई भी पूछन को हिम्मत^S नी भयो।

23

~~~~~

(~~~~~ 12:38,39; ~~~~~ 11:43,46; 20:45,46)

1 तब यीसु न भीड़ से अपनो चेला हुन से कय्हो,

2 सास्त्रि अर फरीसी मूसा कि गदी पर बटे हैं;

3 एकोलाने वी तुम अदमी हुन से जे कुछ कहे ओ ख करनो अर माननो\*, पर उनको जसो काम मत कर जे; काहे कि वी बोल हैं पर करनो।

4वी एक असो भारी बोझ ख जेका उठानू मूसकिल हैं, बाँध ख उनका इंसान हुन को कंधा हुन पर रखा हैं; पर खुद ओ ख अपनी उंगली से भी सरकान की नी सोचा हैं।

5वी अपनो सब काम अदमी हुन ख लाने करिये हैं वी अपनो ताबी हुन ख चऊड़ो कर अर अपनो कपडा हुन कि कोर बढ़ हैं।

6अर खाना खान म चोक्खो-चोक्खो जगह, अर प्रार्थना घर म चोक्खो-चोक्खो सरल हैं,

7अऊर बजार हुन म अर नमस्कार, अर अदमी म हे गुरू कहलाये उन ख भाव हैं।

8पर तुम हे गुरू नी कह जो, काहे कि तुमारो एक ही प्रभु हैं, अर तुम सब भई आय।

9धरती पर कोई ख अपनो बाप नी कहजो काहेकि तुमारो एक ही बाप हैं। जे स्वर्ग म हैं।

10अर स्वामी भी मत कहजो, काहेकि तुमारो एक ही स्वामी हैं उ मसी आय।

11जो तुम म बड़ो हो, उ तुमारो दास बने।

12जो कोई अपनो खुद ख बड़ो बनाहे उ छोटो करियो जाहे; अर जे कोई अपनो तुम ख छोटो बनाहे, उ बड़ो कियो जाहे।

~~~~~

(~~~~~ 12:40; ~~~~~ 11:39-42,44,52; 20:47)

13 “अरे कपटी सासतिरी हुन अर फरीसी हुन, पर धितकार! तुम अदमी हुन को लाने स्वर्ग को राज का व्दार बन्द कर दे हैं, नी ते खुद ही ओ म भीतर कर हैं अर नी ओ म भीतर करनो दे हैं।

14अरे कपटी सासतिरी हुन अर फरीसी हुन, तुम पर धिक्कार! तुम विधवा हुन ख घरों का खा जाव हैं, अर दिखा का लाने बड़ी देर तक बिनती कर रहा हैं। एकोलाने तुम ख ढेर सारो सजा मिले।”

15अरे कपटी सासतिरी हुन अर फरीसी हुन, तुम पर धितकार! तुम एक अदमी ख अपनो फायदा म लान ख लाने सारो पानी अर थल म फिर हैं, अर जब उ फायदा म आ जाव हैं ते ओ ख अपनो से दूगनो से नारकीय बना दे हैं।

16 “अरे अंधा अगुवा हुन, तुम पर धितकार! जे कह हैं अदि कोई मन्दिर को कसम खाए ते कुछ नी, पर अदि कोई मन्दिर को सोने कसम खाए ते ओ ख बंधो जाहे।

17अरे मूर्ख हुन अर अंधा हुन कोन बड़ो हैं; सोना अऊर उ मन्दिर जेन सोना सुध्द होव हैं?

18फिर कह हैं कि पर कोई वेदी कि कसम खाए ते कई नी, पर जे दान ओपर हैं, पर कोई ओकी कसम खाए ते फस जाहे।

19अरे अंधा हुन, कोन बड़ो हैं: भेट अर वेदी‡ जसो दान सुध्द होव हैं?

20एकोलाने जो वेदी को कसम खाव हैं, उ ओकी अर जो कुछ ओ पर हैं, ओकी भी कसम खाव हैं।

21जो मन्दिर कि कसम खाव हैं, ओकी अर ओ म रहनवालो कि भी कसम खाव हैं।

22जो स्वर्ग को कसम खाव हैं, उ परमेस्वर को सिंहासन को अर ओ पर बठनवाला कि भी कसम खाव हैं।”

23हे कपटी सासतिरी हुन अर फरीसी हुन, तुम पर धितकार! तुम पुदीने, अर सोप, अर जीरो का दसवां अंस ते दे हैं, पर तुम न नेम ख गम्भीर बातहुन ख असो कि न्याय, अर दया, अर विस्वास ख छोड़ दियो हैं; चाहनो थो कि इन ख भी कर रहनो अर उन ख भी नी छोड़

24अरे अंधा अगुवा हुन, तुम मच्छर ख ते छान डाल हैं, पर ऊँट ख निगल जाव हैं।

25 “अरे कपटी सासतिरी हुन, अर फरीसी हुन, तुम पर धितकार! तुम टाटी हुन ख ऊपर-ऊपर से ते मांजा हैं। पर वी भीतर अन्धेरो अर असंयम से भरो हुयो हैं।”

26अरे अंधा हुन फरीसी, पहले थाली ख भीतर से मांजा कि वी बाहर से भी साफ होऐ।

27 “अरे कपटी सासतिरी हुन, अर फरीसी हुन, तुम पर धितकार तू चुनो फिरी भई सामधी हुन ख जसो हो जे ऊपर से ते चोक्खो दिखाई देवा हैं पर अन्दर मुर्दा हुन ख हड्डी हुन अर पूरो तरीका को मलिनता से भरो हैं।

28 यू ही रीति से तुम भी ऊपर से अदमी हुन ख धर्मी दिखाई देवा हैं, पर भीतर कपट अर अधर्म से भारो पड़ियो हैं।”

?????? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ????
(???? 11:47-51)

29 “अरे कपटी सासतिरी हुन अर फरीसी हुन, तुम पर धितकार! तुम भविष्यवक्ता हुन कि सामधी हुन सुधार हैं अऊर धर्मी हुन कि समसान बनाव हैं,

30 अर कह हैं, पर हम बापदादा हुन का दिन हुन म हता ते भविष्यवक्ता हुन कि खून म उनको संग नी हता।

31 ऐसे ते तुम अपनो पर खुद ही गवाई देवा हैं कि तुम भविष्यवक्ता हुन ख खून हुन कि अवलाद आय।

32 अब तुम अपनो बापदादा हुन को पाप ख मटका पूरो तरका से भर दा।

33 अर अरे साँप हुन, अरे करैत हुन ख पोरिया हुन, तुम नरक को सजा से कसो बचे?

34 एकोलाने देख, म तुमारो नजीक भविष्यवक्ता हुन अर समझदार हुन अर सासतिरी हुन ख भेजू हैं; अर तुम ओमा से कई ख मार डाले अर सूली पर चढ़ा, अर कई ख अपनो प्रार्थना घर म कोडला मरे अर एक सहर से दूसरो सहर म भगात फिरे।

35 जेना धर्मी हाबिल से ले ख बिखियाह को पोरिया जकरयाह तक जेना तुम न मन्दिर अर वेदी ख बीच म हत्या डालो हतो, जितना धर्मी हुन को खून धरती पर बह गयो हैं उ सब तुमारो सिर पर पड़े।

36 मी तुम से सच कहूँ हैं यी सब बात हुन यी बखत का अदमी हुन पर आ पड़े।

?????? ???? ???? ????
(???? 13:34,35)

37 “अरे यरूसलेम, अरे यरूसलेम! तू भविष्यवक्ता हुन ख मार डाला हैं, अर जो तोरो नजीक भेजो गयो, उन पर पत्थर हुन मार हैं। किन्ती ही बार मीन चाय्हो कि जसो मुर्गी अपनो पोरिया हुन ख अपनो पंख हुन को नीच इकट्ठा कर हैं, वसो ही मी भी तोरो पोरिया हुन ख इकट्ठा कर लेहूँ, पर तुम न चाय्हो।

38 देखियो, तुमारो घर तुमारो लाने उजाड़ छोड़ो जाय हैं।

39 काहे कि म तुम से कहूँ हैं कि अब से जब तक तुम नी कहे, “धन्य हैं उ, जो प्रभु को नाम से आय हैं” जब तक तुम मोखा फिर कभी नी देख।”

24

?????? ???? ???? ????
(???? 13:1,2; ???? 21:5,6)

1 अऊर जब यीसु मन्दिर से निकल ख जा रह रयो, ते ओखा चेला ओ ख मन्दिर ख कसो बनना ख दिखा ओखा नजीक आयो

2 अर यीसु न उन से कय्हो, “तुम यी सब देख रया हैं नी! मी तुम से सच कहूँ हैं यी पत्थर पर पत्थर भी नी छुटेगो ते ढायो नी जाहे।”

??? ????
(???? 13:3-13; ???? 21:7-19)

3 जब यीसु जैतून का टेकड़ा पर बटो हतो, ते चेला हुन न सुनसान म ओखा नजीक आयो अर बोल्यो, “कि हम ख बता कि यी बात हुन कब होऐ? तोरो आवन का अर दुनिया को आखरी को चिन्ह का होगो?”

4 यीसु न उन ख कय्हो दियो, सतरक रहनु कुई तुम ख कोई नी बहकाऐ,

5 काहेकि बेजा हुन से असो होऐ जो मोरो नाम से आ ख कहे, मी मसी आय अर बेजा हुन ख बहकाऐ नी।

6 तुम झगड़ा हुन पर झगड़ा हुन की बारे म सुनेगो, ते घबरा मत जानू काहेकि इन को होनू जरूरी हैं, पर उ बखत अन्त नी होऐ।

7 काहेकि जात पर जाति अर राज पर राज चढ़ाई करेगों, अर धरती-धरती पर अकाल पड़ेगो, अर भूकम्प होगो।

8 यी सब बात हुन दुख हुन को सुरू से होऐ।

9 अऊर ते वी दुख देन ख लाने तुम ख पकड़वाएगो, अर तुम ख मार डालेगो, अर मोरो नाम को कारन सब जाति हुन ख अदमी तुम से बुराई रखेगो।

10 एकोलाने बेजा हुन ठोकर खाएँगो, अर एक दूसरा ख पकड़वाएगो, अर एक दूसरा से बुराई रखेगो।

11 अर बेजा हुन झूटा भविष्यवक्ता उठ खडो होगो, अर बेजा हुन ख बहकाऐ।

12 अर अधर्म को बड़नो से बेजा हुन को प्रेम ठण्डो पड़ जाएगो,

13 पर जो अन्त तक धीरे धीरे रहेगो, ओको ही को उध्दार होगो।

14 अर राज को यी अच्छो समाचार सारो दुनिया म प्रचार करो जाहे, काहेकि सब जाति हुन पर गवाई होऐ, तब अन्त आ जाएगो।

~~~~~

(~~~~~ 13:14-23; ~~~~~ 21:20-24)

15 “एकोलाने जब तुम सुध्द जगह म नास करनवाली धृति चीड हुन ख जेकी बारे म दानिय्येल भविष्यवक्ता हुन को अर भई हती, सुध्द जगह म खड़ी भई देख जे पढ़, उ समझ,

16 एकोलाने जो यहूदी हुन म हैं उ टेकड़ा हुन पर भाग जाऊ।

17 जो छत पर होऐ उ अपनो घर म से सामायन लान ख लाने नी उत्तर

18 अर जो खेत म होऐ, उ अपनो कपड़ा लेन ख पीछे नी लउट।

19 उ दिन हुन म जो पेट से अर दूध पिलाव हैं। उन ख लाने धितकार, धितकार।

20 विनती कियो कर पर तुम ख जाड़ा म अर छुट्टी को दिन भोगनु नी पड़े

21 काहे कि उ बखत असो भारी दुख होगो, जसो दुनिया ख सुरू से नी अब तक भयो अर नी कभी होगो।

22 अर उ दिन घटायो नी जातो ते कोई सरीर नी बचावत, पर चुनो भयो को कारन उ दिन घटायो दियो जाहे।”

23 उत्ती बखत पर कोई तुम से कहे, देख, मसी यहाँ पर हैं! अर वहाँ हैं! ते विस्वास\* नी करनु।

24 काहे कि झूटा मसी अर झूटा भविष्यवक्ता न उठ खडो होगो, अर बड़ो चिन्ह, अर अदभुत काम दिखागो, कि अदि हो सक ते चुनो भयो ख भी बहका देहे।

25 देख, म न पहले से तुम से यी सब कुछ कय्हो दियो हैं।

26 एकोलाने पर उ तुम से कहे ख, देख, उ जंगल म हैं, ते बाहर नी निकल जानो; अर देख, उ कोठरी हुन म हैं ते विस्वास नी करनु।

27 काहेकि जसो बिजली पूर्व से निकल ख पस्चिम तक चमक हैं, “वसो ही इंसान को पोरिया को भी आनो होगो।”

\* 24:23 विस्वास



28 “अर जिते कही दोर मरियो होए उते चील इकट्ठी होए।”

~~~~~  
(~~~~~ 13:24-27; ~~~~~ 21:25-28)

29 “उ दिन हुन म दुख को जल्दी बाद सूरज अन्धरा होए जाएगो, अर चन्द्रमा को उजालो जाते रहे, अर तारा हुन आकास से गिर पड़ेगो अर आकास कि सामर्थ्य हिलायी जाहे।

30 पर इंसान को पोरिया ख चिन्ह आकास म दिखियो देगो, अर तब धरती ख सब गोत हुन को अदमी छाती पीटेगो; अर अदमी को पोरिया ख बड़ी सक्ति अर महिमा को संग आकास ख बदल हुन पर आते देखे।

31 उ तुरही का बड़ो आवाज को संग अपनो स्वर्गदूत हुन को भेजेगो, अर उ आकास ख यी तरफ से उ तरफ तक, चारो दिसा हुन से ओ ख चुनो भयो ख एकजुट करे।”

~~~~~  
(~~~~~ 13:28-31; ~~~~~ 21:29-33)

32 “अंजीर को झाड़ से यू उदाहरन सीख जब ओकी डाली हुन नरम हो जाय हैं अर पत्ता हुन निकल न लग हैं, ते तुम समझ ले हे, कि गर्मी को दिन नजीक आ गया हैं।

33 यी तरीका से जब तुम इन सब बात हुन ख देख; ते समझ ले कि यी उ नजीक हैं, कोई दरवाजा ही पर हैं।

34 म तुम से सच कहूँ हैं कि जब तक यी सब बात हुन पूरी नी हो जाहे, ते तब तक यी पीढ़ी को अन्त नी होगो।”

35 आकास अर धरती† मिट जाहेगो, पर मोरो बात कभी नी मिटगो।

~~~~~  
(~~~~~ 13:32-37; ~~~~~ 17:26-30,34-36)

36 “उ दिन अर उ बखत को बारे म कोई नी जान हैं नी हैं, न स्वर्ग दूत अऊर न पोरिया; पर सिर्फ परमेस्वर बाप।”

37 जसो नूह को दिन म हते, वसो ही इंसान को पोरिया आन वालो भी होगो।

38 काहेकि जसो पानी प्रलय पहलो ख दिन हुन म, जे दिन तक कि नूह नाव पर नी चढ़ो, उ दिन तक अदमी हुन खात पीत रयो हतो, अर ओमा बिहावा होत रयो हतो।

39 अर जब तक पानी प्रलय आय ख उ सब ख बहा नी ले गयो, तब तक उन ख कुछ भी मालूम नी पड़ो; वसो ही इंसान को पोरिया को आन भी होए।

40 उ बखत दो अदमी हुन खेत म होगो, एक ले लियो जाएगो अर दूसरा ख छोड़ दियो जाएगो।

41 दो बाई हुन चक्की पीसते रहे, एक ख ले ली जाहे अर दूसरी ख छोड़ दी जाहे।

42 एकोलाने जगते रहनु, काहेकि तुम नी जान हो की तुमारा प्रभु कोई दिन आहे।

43 पर यू समझ ले कि पर घर को मालिक जान हैं कि चोर कोई बखत पहर आएँगो ते जागते रहते, अर अपनी घर म चोरी हो नी देतो।

44 एकोलाने तुम भी सावधान रह, काहे कि जो बखत को बारे म तुम विचार भी नी हैं, उ बखत इंसान को पोरिया आ जाहे।

~~~~~  
(~~~~~ 12:41-48)

45 ते अब उ भरोसा योग्य अर समझदार, दास कोन हैं, जेना मालिक न अपनो नऊकर-चाकरो पर मुखिया रूको कि बखत पर उन ख खाना देहे?

46 भलो हैं वी दास, जेका ओको मालिक आय ख असो ही करत पायो।

47 “मी तुम से सच कहूँ हैं वी ओ ख अपनी सारी धन-संपत्ति पर हक रहे।”

- 48 पर यदि उ बुरो दास अपनो मन म कहयो कि मोरो मालिक ख आन म देरी हैं,  
 49 अर अपनो दोस दास हुन ख मरन लगो, अर पीवन वालो को संग खाए-पीए।  
 50 ते उ दास ख मालिक असो दिन आएँगो, जब उ ओकी रस्ता नी देख हैं, अर असी घड़ी जेख उ नी जान हैं।  
 51 तब उ ओ ख भारी सजा देगो अर ओको भाग कपटी हुन ख संग ठहराएगो: वहा रोनु अर दाँत पीसनु होऐ।

## 25

~~~~~

- 1 "ते स्वर्ग को राज उ दस कुंवारी हुन ख जसो होगो जो अपनी मसाले लेख दूल्हा से मिलन करू ख निकली।
 2 ओ म* पाँच बेवकूप अर पाँच समझदार हती।
 3 अर बेवकूप हुन न अपनी मसाल हुन ते ली, पर अपनो संग म तेल नी लियो;
 4 परन्तु समझदार हुन न अपनी मसाल हुन ख संग अपनी कुप्पी हुन म भी तेल भर लियो।
 5 जब दूला ख आन म देर भई, ते वी सब ऊगन लगी अर सो गई।"
 6 "आधी रात ख धूम मची; देखियो, 'दूला आ रह हैं! ओसे भेट करन का लाने चलो।'
 7 तब वी सब कुंवारी हुन उठ ख अपनी मसाल हुन सुधार करन लगी।
 8 अर बेवकूप न समझ दार हुन से क्य्हो, 'अपनो तेल म से कुछ हम ख भी दे, काहेकि हमारी मसाल हुन भुझी जाय रही हैं।'
 9 पर समझदार हुन न क्य्हो दियो, 'कभी भी हमारो अर तुमारो लाने पूरो नी हैं; अच्छो ते यू हैं कि तुम बेचन वालो का नजीक जा ख अपनो लाने खरीद ले।'
 10 जब वी खरीदन लेन ख जाय* रही हती ते दूला आ पहुचो, अर जो तैयार हती, वी ओखा संग बिहाव का घर म चली गई अर दरवाजा बंद कियो गयो।"
 11 "एको बाद वी दूसरी कुंवारी हुन भी आय ख कहन लगी, अरे मालिक, अरे स्वामी, हमारो लाने दारवाजा खोल दे!"
 12 ओ न क्य्हो दियो, म तुम से सच कहू हैं म तुम ख नी जानू हूँ।
 13 एकोलाने जागते रह, काहे कि तुम नी उ दिन ख जान हैं, नी उ बखत ख।

~~~~~

(मत्ती 19:11-27)

- 14 "काहे कि यू उ अदमी को जसो दसा हैं, जे न दूसरो देस म जाते बखत अपनी दास हुन ख बुला ख अपनी धन संपति उन ख दे दियो।  
 15 ओ न एक ख पाँच तोड़ा, दुसरा ख दो अर तीसरा ख एक: असो कि हर एक ख ओकी सक्ति ख अनुसार दियो, अर तब दूसरो देस चलो गयो।  
 16 तब जेका पाँच तोड़ा मिलो हतो, ओ न परन्तु जाय-ओ न लेन-देन कियो, अर पाँच तोड़ा अर कमायो।  
 17 यी तरीका से जे ख दो मिलो हतो, ओ न भी दो अर कमायो।  
 18 पर जे ख एक मिलो हतो, ओ न जाय ख जमीन कि मिट्टी खोदी, अर अपनो मालिक ख पैसा छुपा दियो।"  
 19 "बेजा दिन हुन का बाद वी दास हुन ख आँख मालिक उनसे हिसाब लेहे।"  
 20 जे ख पाँच तोड़ा मिलो हतो, ओ न पाँच तोड़ा अर लेख क्य्हो, हे मालिक, तू न मोखा पाँच तोड़ा दियो हतो, देख, मी न पाँच तोड़ा अर कमायो हैं।

\* 25:2 ओमन † 25:10 जा

21 ओखा मालिक न ओ से कय्हो, धन्य हे भलो अर विस्वास योग्य दास, तू थोडा म भरोसा योग्य दास, तू थोडा म विस्वास लायक रहे; म तोखा बेजा चीज हुन को अधिकारी बनाऊँ। अपनो मालिक ख खुसी म सामिल होऐ।

22 अर जे ख दो तोडा मिलो हतो, ओ न भी आय ख कय्हो, हे मालिक तू न मोखा तोडा दियो हतो, देख म न दो तोडा अर कमायो।

23 ओखा मालिक न ओ से कय्हो, धन्य अरे भलो, अर विस्वास लायक दास, तू थोडा म विस्वास लायक रयो; मी तोखा बेजा चीज हुन ख अधिकारी बनाऊँ। अपनो स्वामी ख खुसी म सामिल हो।

24 तब जे ख एक तोडा मिलो हतो, ओ न आय ख कय्हो, अरे मालिक, म तोखा जान हतो कि तू पक्को‡। अदमी हैं तू जहाँ कही नी बोव हैं वहा से काट हैं, अर जहाँ पर नी फेक हैं वहाँ से सकल हैं।

25 एकोलाने म डर गयो अर जाय ख तोरा तोडा जमीन म छुपा दियो देख, जो तोरो हैं, उ यू आय।

26 ओखा मालिक न ओ से कय्हो दियो, हे बुरो अर आलसी दास, जब तू यू जाने हतो कि जहाँ म नी बोव वहा से काट हूँ, अर जहाँ म न नी फेक वहा से सकल हैं;

27 ते मोखा चाहियो हतो कि मोरो पैसा सर्राफो ख देते, तब मी आय ख अपनो धन-दूगनो संग ले हूँ।

28 एकोलाने उ तोडा ओ से ले ले, अर जेका नजीक दस तोडा हैं, ओ ख दे दे।

29 काहेकि जे का कोई का नजीक हैं, ओ से अर दियो जाएगो; अर ओखा नजीकीक बेजा हो जाएगो: पर जे का नजीक नी हैं, ओ से उ भी जो ओखा नजीक हैं, ले लियो जाएगो।

30 अर यी बिमार हुन दास ख बाहर को अंधेरा म डालो दो, वहा पर रोनु अर दाँत पीसनु होगो।

२२२ २२ २२२

31 “तब इसान को पोरिया माहिमा म आएँगो, अर सारो स्वर्गदूत हुन ओखा संग आएँगो, ते उ अपनी महिमा का संग सिंहासन पर बंटे होऐ।”

32 अऊर सारी जाति हुन ओको सामने एकजुट करो जाहे: अर जसो कि चरानवाला भेड़ी हुन ख बकरी हुन से अगल कर दे हैं, वसो ही उ उन ख भी एक-दूसरा से अगल करेगो।

33 उ भेड़ी हुन ख अपनी दाहिनी तरफ अर बकरी हुन ख बाई तरफ खडो करे।

34 तब राजा अपनी दाहिनी ओर को लोग हुन से कहेगो, मोरो बाप ख किरपा पस हुन आ अर उ राज को अधिकारी हुन बनो, जे दुनिया को सुरूवात से तुमारो लाने तैयार करियो गयो हैं।

35 काहेकि म भूको हता, अर तुम न मोखा जोव ख नी दियो; मी प्यासो हतो, अर तुम न मोखा पानी नी दियो, म परदेसी हतो, अर तुम न मोखा अपनो घर म रखो;

36 म नंगो हतो, अर तुम न मोखा कपडा पहिनायो; म बीमार हतो, अर तुम न मोरी देख भाल करी, म जेल म हतो, अर तुम मोखा मिल आयो।

37 ऐपर धर्मी ओ ख से कहेगो, अरे प्रभु हम न कब तो ख भूखो देखियो हतो? अऊर हम न कब प्यासो देखियो अर पानी पिलायो?

38 हम न कब तोखा दूसरो देस देखो अर अपनो घर म ठहरयो? अर नंगो,§ देखियो हतो अर कपडा पहिनायो?

39 हम न कब तोखा बीमार अर जेल घर म देखियो अर तो से मिलन आयो?

40 तब राजा उन ख उत्तर देगो, म तुम सच कहू हैं कि तुम न जो मोरो इन छोटा हुन से छोटा हुन भई हुन म से कोई एक का संग कियो, उ मोरो ही संग कियो।

41 तब उ बाई तरफ वाला से कहेगो, अरे पापी अदमी हुन, मोरो सामने से उ अनन्त आग म चलो जा, ते सैतान अर ओखा दूत हुन ख लाने तैयार कियो गयो हैं।

42 काहेकि म भूखो हतो, अर तुम न म खान ख नी दियो; म प्यासो हतो, अर तुम न मो ख पानी नी पिलायो;

43 मी दूसरो देस हतो, अर तुम न मोखा अपनो घर हुन म नी रखो; म नंगो हतो, अर तुम न मोखा कपडा नी पहिनायो; म बीमार अर जेल घर म हतो, अर तुम न मोरी खबर नी ली।

44 “तब वी उत्तर देगो, अरे प्रभु हम न तोखा कब भुखो, अर प्यासो, अर दूसरो देस अर नंगो, अर बीमार, अर जेल घर म देखियो, अर तोरी सेवा देखभाल नी कि।

45 तब उ उन उत्तर देगो, “मी तुम से सच कहूँ कि तुम न जो इन छोटो से छोटो म से कोई एक को संग नी कियो, उ मोरो संग भी नी करियो।”

46 अर यू अनन्त सजा भोगे पर धर्मी को अन्त जिन्दगी म भीतर करेगों।”

## 26

~~~~~

(~~~~~ 14:12; ~~~~~ 22:1,2; ~~~~~ 11:45-53)

1 जब यीसु यी बात हुन ख कह चुकियो ते अपनो चेला हुन से कहन लग गयो,

2 “तुम जाना हैं कि दो रोज को बाद फसह को तिहार आनवालो हैं, अर इंसान को पोरिया सूली पर चढ़ा दियो जान को लाने पकड़ा दियो जाहे।”

3 अऊर तब काइफा नाम को मेन पुजारी को महल म अऊर भी दुसरा बड़ा पुजारी हुन अऊर समाज ख सियाना इंसान हुन एक जुट भया।

4 अर उनना आपस म सला मसुरा करयो कि हम कसो तरीका से यीसु ख चतुरई से पकड़ाहे अऊर ओखा मार डाले।

5 पर वी कहत रहा, “तिहार को बखत म नी। कई असो नी होय कि जनता म लडई झगड़ा हो जाय।”

~~~~~

(~~~~~ 14:3-9; ~~~~~ 12:1-8)

6 जब यीसु वैतनिय्याह म समोन कोद्री को घर म हतो,

7 ते एक बाई न संगमरमर को बर्तन म महेंगो वालो इतर लेखा आयी अऊर जब उ खाना खात ही रहा कि ओ ना ओकी मुंडी पा इतर डाल दियो।

8 यू देख ख ओखा चेला हुन गुस्सा हो गया अर कहन लग गया, एको काहे सत्यनास करयो?

9 एका ते अच्छी किमत म बेच ख गरीब-नलचार हुन ख बाट दियो जा सकत रहा।

10 यू जान ख यीसु न उनसे बोल्यो, “तुम या बाई ख काहे परेसान करा हैं? ओ ना मोरो संग भलाई करी हैं।

11 गरीब हुन तो हमेसा तुमरो संग म रहवा हैं पर मी तुमरो संग हमेसा नी रहन को।

12 ओ न मोरी सरीर पर जो यू इतर डालो अरे, उ मोरो गाड़ो जान का लाने कियो हैं।

13 म तुम से सच कहूँ कि पूरी दुनिया म जहाँ कही यू अच्छो खबर प्रचार कियो जाहे, वहा ओखा यू काम को बारा म ओखा याद म कियो जाहे।”

~~~~~

(~~~~~ 14:10,11; ~~~~~ 22:3-6)

14 तब यहूदा इस्क्रियोती न, जो बारा चेला म से एक हतो, याजक हुन को नजीक जाय ख कय्हो,

15 “पर म ओ ख तुमारो हात पकड़वा दू ते मो ख का दे हे?” उन ख ओ से तीस चाँदी को सिक्का नाप ख दे दियो।

16 अर उ उही बखत से ओ ख पकड़ ख मऊका खोजन लगो।

~~~~~

(~~~~~ 14:12-21; ~~~~~ 22:7-13,21-23; ~~~~~ 13:21-30)

17 अखमीरी रोटी को तेवार को पहले दिन, चेला यीसु का नजीक आय ख पुछन लगे, “तू कय्हो चावह हैं कि हम तोरो लाने फसह खान कि तैयार करे?”

18 ओ न कय्हो, “सहर म बेकार अदमी का नजीक जाय ख ओ से कय्हो, ‘प्रभु कह हैं कि मोरो बखत निकट हैं। म अपनो चेला हुन ख संग तोरो यहाँ तेवार फसह ख मनाऊ।’”

19 तब चेला हुन न यीसु कि आग्या मानी अर फसह तैयार कियो।

20 जब साम भई ते वी बारा हुन का संग खानो करन ख लाने बटो।

21 जब वी खा रहे हते ते ओ न कय्हो, “मी तुम से सच कहू हैं कि तुम म एक मो ख पकड़वाएगो।”

22 ऐपर वी बेजा उदास भयो अर हर एक ओ से पुछन लगे, “अरे प्रभु का उ मी हूँ?”

23 ओ न कय्हो दियो, “जेन मोरो संग थाली म हात डालो हैं, उ मो ख पकड़वाएगो।

24 अर ईसान को पोरिया ते जसो ओखा बारा म लिखो हैं जाय हैं: पर उ अदमी पर धितकार हैं जेको व्दारा अदमी को पोरिया पकड़वा जाय हैं: पर उ अदमी को पैदा ही नी होतो, ते ओखा लाने अच्छो हतो।”

25 “यीसु ओको पकड़वालो यहूदा न कय्हो, अरे गुरू का उ मी आय?” ओ न ओसे कय्हो “तू कह चुको हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 14:22-26; ~~~~~ 22:14-20; 1 ~~~~~ 11:23-25)

26 अर जब वी खा हते ते यीसु न रोटी ली, अर आसीस माँग ख तोड़ी अर चेला हुन ख देकर कय्हो, “ले, खा; यू मोरो सरीर आय।”

27 ते ओ न कटोरा ले ख धन्यवाद कियो, अर उन ख दे ख कय्हो, तुम सब इन म से पीओ,

28 काहेकि यी वादा को मोरो उ खून आय, जो बेजा हुन का पाप हुन ख छुमा का लाने बहायो जा रहा हैं।

29 “म तुम से कहू हैं कि मी अंगूर को यू रस उ दिन तक कभी न पीऊ, जब तक तुमरो संग अपनो बाप को राज म नयो नी पीऊ।”

30 अऊर वी भजन गान को बाद यीसु अर उनको चेला जैतून टेकड़ा पर चल गयो।

~~~~~

(~~~~~ 14:27-31; ~~~~~ 22:31-34; ~~~~~ 13:36-38)

31 उ बखत यीसु न चेला हुन से कय्हो, “आज ही रात ख मोरो बारा म तुम सब का विस्वास को इनकार होऐ; काहेकि धर्म सास्त म यू भी लिखो हैं: मी चरनवालो ख मारू, अर झुंड ख भेड़ी हुन तितिर बितर हो जाहे।

32 पर मी मोरो जिन्दो होन को बाद तुम से पहले गलील ख जाऊ।”

33 यी पर पतरस न यीसु से कय्हो, “चाहे तुम ख बारा म सब को विस्वास ख नास हो जाहे; पर मोरो विस्वास को नास कभी नी होऐ।”

34 यीसु न ओसे कय्हो, “मी तो से सच कहू हैं कि आज ही रात को मुर्गा का बाँग देना से पहले ही, तुम तीन बार मोसे से इनकार करे।”

35 पतरस न ओ से कय्हो, “अदि मोखा तोरो संग चाहे मरन ही काहे नी पड़े, मी तुम ख कभी इनकार नी करू।” यू तरीका दूसरा सब चेला हुन नी भी कय्हो।

~~~~~

(~~~~~ 14:32-42; ~~~~~ 22:39-46)

36 तब यीसु अपनो चेला हुन का संग गतसमनी नाम एक जगह म आयो उ उन से कय्हो, “तुम लोग हुन यहाँ बैठ, मी तब तक वहाँ विनती कर जाऊ हैं।”

37 उ पतरस अर जबदी को दुई पोरिया हुन ख अपनो संग ले गयो, यीसु नाराज अर व्याकुल होन लगे।

38 अर ओ न उन से कय्हो, “मोरो मन बेजा जादा उदास हैं, यहाँ तक कि मोरी जान निकल जा रयो हैं। तुम यही रूको अर मोरो संग जागते रहनु।”

39 अऊर यीसु थोड़ीदर आगे बढ़ ख अर उनना धरती पर मुँह को बल गिर ख, यू विनती करी, “अरे मोरो बाप अदि हो सक, ते यू कटोरा मो से हटा दे, ते भी जसो म मोरी नी, पर तोरी मर्जी पूरी होऐ।”

40 ते ओ न चेला हुन ख नजीक आय उन ख सोते देख ख अर पतरस से कय्हो, “का तुम मोरो संग एक बखत भी नी जाग सका?”

41 जागते रह अर विनती करते रह कि तुम परीक़्छा म नी पड़ो; आत्मा ते तैयार हैं, पर सरीर कमजोर हैं।”

42 उ ते दुसरी बार गयो अर उनना यी विनती करी, “अरे मोरो बाप, अदि यू कटोरा मोरो पीवन बिना नी हट सक हैं ते तोरी ही मर्जी पूरी हो।”

43 ते ओ न आय ख उन ख फिर सोते देखियो, काहेकि उनकी आँख नींद से भरी हती रह।

44 अर यीसु उन ख छोड़ ख उ ते चलो गयो, अर उन ख आवाज म ते तीसरी बार विनती करी।

45 अऊर ऐको बाद उ अपनी चेला हुन ख नजीक आय ख अर ओसे कय्हो, “अब सोते रह, अर आराम कर रयो हो; देखियो, उ बखत नजीक आ गयो हैं, इंसान को पोरिया पापी हुन न को हात पकड़वायो जा रयो हैं।

46 उठो, चलो! देखो, मोरो पकड़ान वालो नजीक म आ गयो हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 14:43-50; ~~~~~ 22:47-53; ~~~~~ 18:3-12)

47 अऊर यीसु कह ही रह हतो कि यहूदा जे बारा हुन म से एक हतो कि आयो, अर ओखा संग मुखिया हुन याजक अर अदमी को सियाना हुन कि तरफ से बड़ी भीड़ तलवारे अर लाठी हुन लियो भई आय।

48 अऊर ओ ख यू पता दियो रह कि जोको; “जे ख म चुम लूँ उई हैं; ओ ख पकड़ लेनो।”

49 अर तुरंत यीसु का नजीक आय ख कय्हो, “अरे गुरू नमस्कार!” अर ओ ख बेजा चूमा लियो।

50 यीसु न ओसे कय्हो, “अरे दोस्त, जे करन आयो हूँ, ओ ख कर ले।”

ते लोग बढ़ आयो अर उनना यीसु पर हात डाले अर उन ख पकड़ लेनो लियो।

51 ऐपर यीसु को एक दोस्त हुन म से एक न हात बढ़ ख अपनी तलवार खीच ली अर बड़ो याजक को दास पर चल ख ओको कान उड़ा दियो।

52 अऊर यीसु न ओ से कय्हो, “अपनी तलवार म्यान म रख लो काहेकि जे तलवार चलाय हैं वी पूरा तलवार से नास कियो जाएगो।

53 का तू यू समझ हैं कि मी अपनी बाप से मददत नी मांग सक? का उ यी पल भर मोरो लाने स्वर्गदूत हुन कि बारा से भी अधिक सेना हुन नी भेज देहु?

54 पर सुध्द सास्र को हिसाब कसो पूरो होगो, जेकी समान असो होनो जरूरी हैं?”

55 उती बखत यीसु न भीड़ से कय्हो, “का तुम तलवार हुन अर लाठी हुन ले ख मोखा डाकू का जसो पकड़न ख लान निकला हैं? म हर दिन मन्दिर म बटो ख सिखात देवा रयो हतो, अर तुम न मोखा नी पकड़ियो।”

56 यी सब एकोलाने भयो कि भविष्यवक्ता हुन ख वचन पूरो भयो। ते सब चेला ओ ख छोड़ ख भाग गयो।

~~~~~

(~~~~~ 14:53; ~~~~~ 22:54,55; ~~~~~ 18:13,14,19-24)

57 तब यीसु ख पकड़वालो ओ ख काइफा नाम बड़ो पुजारी का नजीक ले गयो, जिते सासतिरी अर सियाना हुन एक जुट भया हता।

58 पतरस थोड़ी दूर पर यीसु को पीछु-पीछु गयो, उ मुखिया याजक को घर को आँगन तक गयो, अर नतिज्जा जान ख लाने भीतर जाय ख सिपाई हुन का संग बैटो गयो।

59 मेन याजक अर पूरी बड़ी सभा यीसु ख मार डालन को लाने ओखा विरोध म झुटी गवाही को खोज म हता,

60 पर उ मिलो नी अगर बेजा से झूठे गवाह हुन का आयो आखरी म दो गवाह आँख कहे,

61 अर कय्हो, “ये न कय्हो हैं कि म परमेस्वर को मन्दिर ख गिरा सकू हूँ अर ओ न तीन दिन म बान सक हूँ।”

62 ऐपर पर मुखिया बड़ो याजक न खडो हो ख यीसु से कय्हो, “यी लोग तुमारो खलाप जे गवाह दे रयो हैं, “का ऐको जवाब तुमारो नजीक नी हैं?”

63 ऐ पर यीसु चुप रयो। तब मुखिया बड़ो याजक न ओ से कय्हो, “म तोसे जीवित परमेस्वर कि कसम दे हूँ कि तू परमेस्वर को पोरिया मसी हैं, ते हम से कह दे।”

64 यीसु न ओ से कय्हो, “तु न तुम ही कह दियो; पर मी तुम से यू भी कहू हैं कि अब से तुम इंसान को पोरिया ख सर्व सक्ति को दाहिनी ओर बैठे, अर आकास ख बादल हुन पर आते देखे।”

65 यू पर बड़ो याजक न अपनो कपड़ा फाड़ अर कय्हो, “ये न परमेस्वर कि बुराई करी हैं, अब हम गवाह हुन का प्रयोजन देख, तुम न अभी यी बुराई सुनी हैं!”

66 तुम का सोच हैं?”

उनना कय्हो दियो, यू माऊत होन का लायक* हैं।

67 तब उनना यीसु को मुँह पर थुको अर, उन ख मुक्का मारिया। अर कई थप्पड़ मारते हुयो यू कय्हो,

68 “अरे मसी अदि तू भविष्यवानी कर, ते हम ख बता कि तोखा कोन मारो?”

~~~~~

(~~~~~ 14:66-72; ~~~~~ 22:56-62; ~~~~~ 18:15-18,25-27)

69 पतरस अभी नीच आँगन म ही बाहर बटो हतो कि एक दासी पतरस नजीक आई अर बोली, “तू भी ओकी गललीली यीसु का संग हतो।”

70 पर ओ ना सब को जोने इनकार करते हुए बोलयो, “मी नी जानू कि तू का बोल राई हैं।”

71 अऊर ऐको बाद पतरस बाहर भीतर दुवार पर चलो गयो, पर एक दूसरी दासी न पतरस ख देख लियो अर वहाँ खडो हुयो व्यक्ति हुन से कय्हो, “यू व्यक्ति यीसु नासरी ख संग हता।”

72 अऊर पतरस न कसम खा कर फिर इनकार कियो: अर कय्हो, “मी ओ ख अदमी ख नी जानऊ।”

73 थोडा देर बाद अदमी हुन न जो वहाँ खडो हता,<sup>†</sup> पतरस ख नजीक आय ख ओ से कय्हो, “सचमुच तू भी ओ म से एक हैं, काहेकि तोरी बोली तोरो छुपो राज खोल हैं।”

74 तब पतरस खुद ख धिक्कार अर कसम खान लगे: “मी उ अदमी ख नी जानऊ।”

तभी मुर्गा न बाँग दी।

75 तब पतरस ख यीसु कि बात याद आई “तब मुर्गा ख बाँग देना से पहले ही तू मो ख तीन बार इनकार करे।” अर पतरस बाहर जा ख फूट-फूट कर रोन लगे।

## 27

~~~~~

(~~~~~ 15:1; ~~~~~ 23:1,2; ~~~~~ 18:28-32)

1 जब सबेरे भयो ते सब याजक मुखिया हुन अर अदमी हुन ख सियाना हुन न यीसु ख मार डालन कि सला मसुरा करियो।

* 26:66 योग † 26:73 थे

2 अऊर उनना यीसु ख बाँध अर उन ख ले जा ख राजपाल पिलातुस ख सोप दियो।

~~~~~  
(~~~~~ 1:18,19)

3 जब यीसु को पकड़वाने वालो यहूदा न देख्यो कि उनका सजा मिली हैं, तब ओखा पछतावा भयो अऊर बड़ा याजक हुन अर धरम का सियाना हुन को जोने चाँदी का तीस सिक्का वापिस लऊटाने ख लायो, अऊर बोलयो,

4 अर कय्हो, “मी न बिन कसुर वालो ख मरवाने को लाने पकड़ा ख पाप करयो हैं।”  
उनना बोलयो, “हमका येसे का! तुइच जान।”

5 ऐपर यहूदा न चाँदी को सिक्का हुन ख मन्दिर म फेक दियो अर वहाँ से चलो गयो। ते जा ख ओ न फासी लगा ली।

6 अऊर मुखिया याजक हुन न चाँदी को सिक्के उठा ख कय्हो, इन ख खजाना म इकट्ठा करनो चोखो नी हैं, यू ते खून को दाम हैं।

7 तब उनना सलाह कर ख उन सिक्का हुन से दुसरो देस को गाड़ जान ख लाने कुमार को खेत खरीद ले लियो।

8 यी कारन हैं की उ जगह आज तक खून को जगह कहलाव हैं।

9 अऊर जो वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता हुन ख व्दारा कय्हो गयो हतो उ पूरो भयो: “उनना वी तीस सिक्का असो कि उ ठहरायो हुए दाम ख (जेको इस्राएल कि खानदान म से कई न ठहरायो हतो) ले लियो,

10 अर उन ना यी सिक्का हुन कुमार को जगह का लाने दा दियो, जसो कि प्रभु न मोखा हुकुम दियो हतो।”

~~~~~

(~~~~~ 15:2-5; ~~~~~ 23:3-5; ~~~~~ 18:33-38)

11 अऊर जब यीसु हाकिम का सामने खडो हतो ते हाकिम न उन से पुछो, “का तू यहूदी हुन को राजा आय?”

यीसु न कय्हो दियो, “तुम खुद ही यू कह रैया हैं।”

12 ते मुखिया पुजारी अर सियाना हुन ओ पर दोस लगो रह हते, ते ओ न कुछ जवाब नी दियो।

13 यी पर पिलातुस न यीसु से कय्हो, “का तू नी सुन्यो कि यू तुमारो विरोध किती गवाही हुन दे रह हैं?”

14 पर यीसु न पिलातुस ख कोई भी बात को कोई जवाब नी दियो। पिलातुस ख ऐपर बेजा हैरान भयो।

~~~~~

(~~~~~ 15:6-15; ~~~~~ 23:13-25; ~~~~~ 18:39; 19:16)

15 अऊर फसह को तिहार को मऊका पर हाकिम को नियम हतो कि उ कोई भी एक बन्दी ख, जेको भीड़ चाह हती, उनको लाने छोड़ दियो कर हतो।

16 अऊर उत्ती बखत बरअब्बा नाम को एक बदनामी अदमी बन्दीगृह म हतो।

17 अऊर पिलातुस न इकट्ठा भयो अदमी हुन से कय्हो, “तुम का चाह हैं कि म तुमारो लाने कोसे छोड़ दू? बरअब्बा ख या यीसु ख जे मसी कहलाव हैं?”

18 काहेकि उ जानत रह कि उन ख यीसु ख बुराई से पकड़वायो हैं।

19 जब उ न्याय कि राज गद्दी पर बटो भयो हतो ते ओकी घर वाली न ओ से कहला भेजो, “तु उ धर्मी ख लाफड़ा म हात नी डालनो, काहे कि मी न आज सपना म ओखा कारन बेजा दुख उठायो हैं।”

20 अर मुखिया हुन अर पुजारी अर सियाना हुन न अदमी हुन ख बहका दियो कि वी बरअब्बा ख छोड़े अर यीसु ख खत्म करे।



21 अऊर हाकिम न लोग हुन से फिर पूछो “तुम का चाह हैं? दोई म से कोई ख तुमारो लाने छोड़ दू?” उनना कय्हो दियो, “बरअब्बा ख।”

22 अर पिलातुस न ओ न से पुछो, “फिर यीसु ख, जो मसी बोल हैं, का करू?” सब न ओसे कय्हो “उ सूली पर चढ़ायो जाए!”

23 अर पिलातुस न पूछो, “काहे, इन से कऊन न पाप करियो हैं?”

पर वी अर भी जोर से चिल्ला चिल्ला ख कहन लगियो, “यीसु ख सूली पर चढ़ायो जाहे।”

24 जब पिलातुस न देख्यो कि यीसु ख बचानु म मऊका न मिलत हाय, बल्कि हल्ला अऊर भी बढ़ते जावा हैं, ते ओ ना पानी माँग ख इंसान हुन को सामने हात धोयो अर, कय्हो, “मी यू इंसान को खून को गुनागार नी हाय। तुम इंसान हुन जानो।”

25 सब अदमी हुन न जवाब दियो, “ऐको खून से हम पर अर हमारो खानदान पर होए।”

26 यी पर पिलातुस न उनको लाने बरअब्बा को छोड़े ख दियो अर यीसु ख कोडा लगवा ख सूली पर चढ़ान को लाने सिपाही हुन ख हात म सोप दियो।

~~~~~

(~~~~~ 15:16-20; ~~~~~ 19:2,3)

27 अऊर एकोबाद हाकिम हुन ख सिपाही यीसु ख किला ख अन्दर ले गया अर उनना यीसु को पास पूरा पलटन को झुंड इकट्ठा कर लियो।

28 अर यीसु को कपड़ा ख उतार ख ओ ख लाल रंग को कपड़ा को कुरता पहिनायो,

29 काटा को मुकुट गूथ ख ओकी मुंडी पा धर दियो अर ओको जेवनो हात म सरकण्डा थमा दियो। तब ओको जोने टांगरीया टिका-टिका ख उनना यू बोल-बोल ख ओको मजाक उडायो, “यहूदी हुन को राजा प्रणाम!”

30 अर उनना उन पर धूको अर सरकण्डा लेख उनको सिर पर मारियो।

31 जब वी ओको मजाक उडा चुकिया, ते वी कुरता ओपर से उतार ख फिर ओकईच कपड़ा ओखा पहिनाया, अर सूली पर चढ़ान को लाने ले गया।

~~~~~

(~~~~~ 15:21-32; ~~~~~ 23:26-43; ~~~~~ 19:17-27)

32 बाहर जाते हुए उन ख समोन नाम एक कुरेनी अदमी मिलो। उनना ओसे बेगार म पकड़ो कि ओको सूली उठा ख ले चलो।

33 अऊर वी जगह पर जे गुलगुता पर कि खोपड़ी को जगह पर बोल हैं पहुँच ख

34 अर वहाँ लोग हुन न यीसु ख पित्त मिलो हुयो अंगूर को रस पीवन ख दियो, पर यीसु न ओ ख चखो पर ओ ख पीनो नी चाय्हो।

35 अऊर न यीसु ख सूली पर चढ़ा ख अर चिट्ठी डाल ख उनको कपड़ा आपस म बाँट लेहे,

36 अर वहाँ बैठ ख ओको पहरा देन लगे।

37 अर यीसु को सिर को ऊपर उनको दोसपतर लटकायो, दियो गयो। उ यू तरीका हतो “यहूदी हुन को राजा यीसु हैं।”

38 तब यीसु संग दो डाकू एक दाहिनो अर एक बाहियो, सूली पर चढ़ायो गयो।

39 आनो-जानो वाला सिर हिला-हिला ख ओकी बुराई करत हते,

40 अर यू कह हतो, “मन्दिर को मिटान वालो अर तीन दिन म बनावन वालो, अपनो स्वयं ख ते बचा! यदि तू परमेस्वर को पोरिया हैं, ते सूली पर से उतर आ।”

41 यी रीति से मुखिया पुजारी भी सासतिरी हुन अर सियाना मिल ख ठट्ठा ख कर ख कवह हते,

42 “यी इन से दूसरो ख बचायो, पर यू अपनो ख नी बचा सक। ते यू इस्राएल को राजा हैं। अब यू सूली पर से उतर आय, ते हम ऐपर विस्वास करे।

43 ओ न परमेस्वर पर विस्वास रखो हैं; पर उ यी ख चावह हैं, ते अब ऐसे छुड़ा ले, काहेकि यी न कय्हो हतो, मी परमेस्वर को पोरिया हूँ।”

44 यी प्रकार डाकू भी जो ओखा संग सूली पर मर गयो हते, ओकी बुराई करत हते।

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 15:21-32; \*\*\*\*\* 23:26-43; \*\*\*\*\* 19:17-27)

45 दोपहर से लेख तीन पहर तक उ पूरो देस म अन्धरा छाियो रयो।

46 अऊर करीब तीन पहर तक यीसु न बड़ो आवाज से बुला ख कय्हो, “एली, एली, लेमा सबक्तनी?” याने “अरे मोरो परमेस्वर, अरे मोरो परमेस्वर, तू न मोखा काहे छोड़ दियो?”

47 जो वहाँ खड़ा हता, ओ म से कितना न यी सुन ख कय्हो, “उ ते एलिय्याह को पुकार हैं।”

48 उन म से एक जल्दी दऊड, ख अर स्पंज ले ख सिरका म डुबायो, अर सरकण्डा म लगा ख यीसु ख पीवन ख दियो।

49 अऊर कई लोग हुन न कय्हो, “रहन दो, देख एलिय्याह ऐख बचान आय हैं कि नी।”

50 तब यीसु न फिर बड़ो जोर से\* चिल्ला ख जान ख छोड़ दियो।

51 अर देख मन्दिर को परदा ऊपर से नीचु तक फट ख दो टुकड़ा हो गयो; अर जमीन डोल गई अर चट्टान तडक गई,

52 अर समसान खुल गई अर सोए हुआ सुध्द इंसान हुन ख बेजा से मरो सरीर जिन्दो हुयो,

53 अर यीसु जिन्दो उठनू का बाद बी समसान म से निकल ख सुध्द सहर म गयो अर बुहत हुन ख दिखाई दियो।

54 अऊर ते सतपति अर जे ओको संग यीसु को पहरा दा रयो हतो, भूकम्प अर जे कोई भेयो हतो ओ ख देख ख बेजा डर गया अर कय्हो, “सचमुच म यी परमेस्वर को पोरिया हतो!”

55 वहाँ पर बेजा सी बाई हुन जे गलील से यीसु की सेवा करती हुई ओखा संग आई हती, दुर से यी देख रही हती।

56 उन म मरियम मगदलीनी, अर याकूब अर यूसुफ कि माय मरियम, अर जबदी को पोरिया हुन की माय हती।

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 15:42-47; \*\*\*\*\* 23:50-56; \*\*\*\*\* 19:38-42)

57 जब रात हो जान पर अरिमतियाह सहर को एक धनी सज्जन आयो, ओको नाम यूसुफ हतो, उ खुद यीसु ख चेला बन गयो हतो।

58 ओ न पिलातुस का पास जाय ख यीसु को लास माँगो अर पिलातुस न हुकुम दियो कि सरीर ओ ख दे जाहे।

59 यूसुफ न लास लेख ओ ख सुध्द सफेद चादर म लपेटा

60 अर ओ ख अपनी नई समसान म रख दियो, जे ओ न चट्टान म खुदावायो हतो, उ कबर म पर बड़ो पत्थर लुढ़का ख चलो गयो।

61 मरियम मगदलीनी अर दुसरी मरियम वहाँ सामधी का सामने बैठी हुई हती।

\*\*\*\*\*

62 दुसरो दिन पर सुक्रवार को बाद आराम दिन पर, पूजारी अर याजक हुन अर फरीसी हुन न पिलातुस ख पास एकजुट हो ख कय्हो,

63 “अरे मालिक हम ख बहकान वालो न ते उ जीवित हतो, कय्हो, ‘भी तीन दिन को बाद जिन्दो हो जाऊ।’

\* 27:50 सब्द

64 अर काहेकि तीसरो दिन तक सामधी कि देखभाल को हुकुम दियो जाहे। कही असो नी हो कि ओको चेला ओ ख चुरा ख ले जाए अर अदमी हुन से कह कि, 'उ मरो हुयो म से जिन्दो उठो हैं।' यू पिछला छल से ते पहले से भी बुरो होगो।"

65 पिलातुस न कय्हो, "तुमारो पास सिपाही हुन ते हैं। जा, अर जसो चोक्खो, रक्छा ख रखवाली कर।"

66 अऊर जब वी सिपाही हुन ख संग ले ख गयो, अर पत्थर पर मोहर लगा ख सामधी कि देख भाल की।

## 28

~~~~~

(~~~~~ 16:1-10; ~~~~~ 24:1-12; ~~~~~ 20:1-10)

1 छुट्टी को दिन को बाद हफ्ता को पहिलो दिन भुनसारो* होती ही मरियम मगदलीनी अर दुसरी मरियम सामधी ख देखन आई।

2 अर एकदम से बडो भुकम्प भयो अर प्रभु एक दूत स्वर्ग से उतरियो। उ सामधी को जोने आयो अर पत्थर लुटका ख ओको ऊपर बठ गयो।

3 ओको रूप बिजली ख जसो अर ओको कपडा स्वर्ग दुत को जसो सफेद हतो।

4 अऊर दूत ख देख ख सिपाही हुन थर न लग गया अर मरिया जसा हो गया।

5 स्वर्गदूत न बाई हुन से कय्हो, "मत डर, म जानु हूँ कि तुम यीसु ख जो सूली पर चढ़ायो गयो हतो दूढन हैं।

6 उ यहाँ नी हैं, उ जीवित उठ गयो हैं, जसो की उनना कय्हो हतो। आ अर उ जगह देख ले, जहाँ उ रखो गयो हतो।

7 अर जल्दी जाख ओखा चेला से कय्हो कि उ मरिया हुयो म जिन्दो उठ गयो हैं, अर उ तुम से पहले गलील ख जाय हैं, वहाँ ओ ख सपना पाहे! देख जो, म न तुम से कह दियो।"

8 अऊर ओरत जल्दी ही समसान घाट को नजीक से चली गयी अर डर अर बडो खुसी को संग उनका चेला हुन ख यू समाचार सुनान दऊडी।

9 तब यीसु उन ख मिलो। कय्हो, "नमस्कार"। उनना पास आय ख अर ओखा पाय पकड़ ख ओ ख नमस्कार कियो।

10 तब यीसु न ओ से कय्हो, "डर नी, जा अर मोरो भई हुन ख यू सन्देश दे कि वी गलील सहर ख जा, वहाँ वी मोरो सपना करे।"

~~~~~

11 उ जा ही रह हते कि सिपाही हुन म से कोई न सहर म आय ख पुरो बात मुखिया पुजारी हुन से कह सुनायो।

12 तब उनना सियाना हुन ख संग एक जुट हो ख सलाह विचार कियो अर सिपाही हुन ख बेजा चाँदी दे ख कय्हो,

13 "अऊर लोग हुन से कहनो कि रात ख जब हम सो हुयो हतो, ते यीसु को चेला आँख ओ ख चुरा ले गयो।

14 अर यदि यी बात हाकिम ख कान पड़ गयी, ते हम उन ख समझा दे अर तुमारो लाने चिन्ता करी कोई बात नी होऐ।"

15 अब उनना पाय हुन लेख जसो सिखायो गयो हते वसो ही कियो। यी बात आज तक यहूदी हुन म प्रचलित हैं।

~~~~~

(~~~~~ 16:14-18; ~~~~~ 24:36-49; ~~~~~ 20:19-23; ~~~~~ 1:6-8)

* 28:1 सुबह

16 ते ग्यारह चेला गलील सहर म ओ ख टेकड़ा पर गयो, जान ख यीसु न उन ख हुकुम दियो हतो।

17 अऊर उन न यीसु ख देखे, ख उनकी बड़ाई करी, परन्तु कोई कोई ख सक भी भयो।

18 ते यीसु न उन ख नजीक आय ख कय्हो, “मोखा स्वर्ग म अर धरती को सारो अधिकार दियो गयो हैं।

19 एकोलाने तुम जाय ख, सब जाति हुन ख अदमी हुन ख चेला बना; अर उन ख बाप, अर पोरिया, अर सुध्द आत्मा को नाम से बपतिस्मा दे,

20 अऊर मी न तुम ख जे-जे हुकुम दियो हैं, उन ख पालन करनो उन ख सिखा। सुन, मी दुनिया को आखरी† तक हमेसा तुमारो संग हूँ।”

मरकुस के द्वारा लिखा सुसमाचार मरकुस को दुवारा लिखो सुसमाचार भूमिका

मरकुस को अनुसार भलो-समाचार (सुसमाचार) नयो नेम कि चार किताब म से एक हैं जो यीसु मसी को जीवन को बारे म बतावा हैं। ओमन से हर एक ख भलो-समाचार बोली जाय हैं जेको मतलब हैं भलो-समाचार वी मत्ती, मरकुस, लूका अर यूहन्ना दुवारा यीसु कि माऊत को बाद लिखो गयो रह। मरकुस को अनुसार सुसमाचार चारी सुसमाचार म से सबसे छोटो हैं। असो भी मानो जाय हैं की यू भी यीसु मसी को जनम को 65-70 साल हुन को बीच कुछ बखत का सभी समाचार हुन को पहिले लिखो गयो हैं। कई ग्यानवान हुन को माननो हैं कि यू रोम म रोमन मसी हुन ख उनको होसला बडान को लाने लिखो गयो रहा।

मरकुस जेखा यूहन्ना मरकुस को नाम से भी जानो जाय हैं, चेला पोलुस अर बरनबास को लाने दोस हतो, लेकिन ओको मन ख टेस लग्यो हतो जब उ अपनी सेवकाई 13:13को अनुसार ओको संग छोड दियो। बाद म मरकुस को संग फिर से मील गयो 15:37-39 मरकुस भी पतरस 5:13 को हिसाब से एक करीब ख दोस को रूप म पहिचानियो गयो रह हालाकी मरकुस यीसु को जीवन को एक आँखी से देखो वालो गवाह तो नी हतो ग्यान-वान हुन को माननो हैं कि मरकुस पतरस कि गवाही से बेजा कुच लिखो गयो हैं अर हैं कि सुसमाचार को लाने एक निसानी हैं। सुसमाचार म मरकुस आखरी को बखत म हैं अर यीसु को ग्यान (सिक्छा) से जुडो हैं।

रूप रेखा

1. मरकुस को किताब म परिचय। 1:1-13
2. यीसु गलील म लोग हुन की सेवा करा हैं। 1:14—9:50
3. गलील से यरूसेलेम तक यीसु को यातरा को बारे म बतावा हैं। 10:1—12:44
4. यीसु को दुवारा भविष्य को बारे दियो खबर। 13:1-37
5. यीसु को मरनो अऊर जिन्दो होनू अऊर महान आदेस। 14:1—16:20

??????? ???? ??????? ??? ????? ?? ?????
(????? 3:1-12; ???? 3:1-18; ??????? 1:19-28)

- 1 परमेस्वर को पोरिया, प्रभु यीसु मसी को सुभ समाचार कि सुरूवात।
- 2 जसो यसायाह भविष्यवक्ता को सुसमाचार म लिखो हैं:

“देख, भी मोरो दूत ख तोरा आगु भेजूगो,

जो तोरा लाने रस्ता सिधो करेगों।”

³ जंगल म एक हाका देन वालो की आवाज सुनाई देवा हैं, कि

प्रभु को राज म जान की रस्ता; सिधी करो, अर ओकी रोट ख सिधो बनाओ।”

⁴ एकोलाने यूहन्ना आयो, जे जंगल म बपतिस्मा देवा, अर पाप कि छमा को लाने मन फिराव को बपतिस्मा को प्रचार करत रहा।

⁵ पुरो यहूदिया प्रदेस ख, अर यरूसेलेम सहर ख सब रहन वाला निकल ख यूहन्ना को कने गया अर अपना पाप हुन ख मान ख यरदन नदी म ओसे बपतिस्मा लियो।

⁶ यूहन्ना ऊँट को रूआ को कपडा पहिनो अर अपनी कम्मर म चमडा को पट्टा लपेटो हतो रह अर हरो वालो टिड्डी हुन अर जंगल म की मोऊरस खावत करत रह।

7 अर असो प्रचार * करह हैं, “यूहन्ना न इंसान हुन से कय्हो मोरो बाद उ आवन वालो हैं, जे मोसे जादा सक्तिसाली हैं; मी यू लायक नी हाय कि झुक ख ओको जूता की बददी छोट सकू।

8 मी न तो तुम ख पानी से बपतिस्मा दियो हैं पर यीसु तुम ख सुध्द आत्मा से बपतिस्मा देहे।”

Matthew 3:13—4:11; Mark 3:21,22—4:1-13)

9 वी दिन म प्रभु यीसु न गलील प्रदेश को नासरत नगर से आ ख यरदन नदी म यूहन्ना से बपतिस्मा लियो।

10 जसो ही यीसु पानी म से डुपकी लगा ख ऊपर निकलियो, ते तुरत ओ न आकास ख खुल्यो अर आत्मा ख कबूतर ख जसो अपनो ऊपर उतरते देख्यो।

11 अर असी आकास से आवाज सुनाई दी†, “तु मोरो सबसे अच्छो पोरिया आय, तोसे मी बेजा खुस हैं।”

12 परमेस्वर कि आत्मा न तुरत ओ ख जंगल कि तरफ भेज्यो।

13 जंगल म चालीस रोज तक सैतान न ओकी परीक्छा लियो; अर उ जंगल ख जानवर हुन ख संग रयो; अर स्वर्ग दूत ओकी सेवा करत रह।

Matthew 3:13—4:11; Mark 3:21,22—4:1-13)

(Matthew 4:12-17; Mark 4:14-15)

14 यूहन्ना का पकड ख जेल खाना म डाल दियो जानु को बाद प्रभु यीसु न गलील प्रदेश म आका परमेस्वर को राज को सुभ समाचार को प्रचार सुनायो,

15 अर कय्हो, “बखत पुरो भयो, अर परमेस्वर को राज्य नजीक आ गयो हैं; बुरा काम हुन से मन फिराव अर सुसमाचार पर भरोसा करो।”

Matthew 4:18-22; Mark 5:1-11)

(Matthew 4:18-22; Mark 5:1-11)

16 गलील कि झील को किनारा-किनारा जाती बखत, ओ न समोन अर ओको भई अन्द्रियास ख झील म जाल डालते देखो; काहेकि वी द्विमर होता।

17 प्रभु यीसु न ओसे कय्हो, “मोरा पिछु आव; मी तुम ख मच्छी पकडन की जगा म अदमी हुन ख परमेस्वर को राज म लावन वालो बनाऊँगो।”

18 वी तुरत जाल हुन ख छोड़ ख ओको पीछु चल्या गया।

19 थोडो आगे बढ़ ख, यीसु न जबदी को पोरिया याकूब, अर ओको भई यूहन्ना ख नाव पर जाल हुन ख सुधारते देख्यो।

20 ओ न तुरत उनका बुलायो; अर वी अपनो बाप जबदी ख मजदूर हुन को संग नाव म छोड़ ख, यीसु को पीछु जान लग गया।

Matthew 4:31-37)

(Matthew 4:31-37)

21 तब वी कफरनहूम नगर म आया, अर उ तुरत छुट्टी करन को दिन प्रार्थना घर म जाय ख सिक्छा देन लग गयो।

22 एकोलाने इंसान ओको बतानु से भय चक्का हो गया; काहेकि उ उनका सासतिरी हुन को जसो नी, पर अधिकारी को जसो सिक्छा देत रह।

23 उती बखत, उनको प्रार्थना घर म एक अदमी आयो हतो, जेमा एक बुरी आत्मा समायो हतो रह।

24 ओ न चिल्लाया ख कय्हो, “अरे यीसु नासरी, हमका तोरो से का काम? का तू हमका नास करन आयो हैं? मी तोखा जानु हैं, तू कोन आय? परमेस्वर को सुध्द जन!”

25 प्रभु यीसु न ओखा डॉट ख कय्हो, “चुप रहो; अर ओमा से निकल जा।”

* 1:7 उपदेस † 1:11 आकासवानी

26 तब भूत कि बुरी आत्मा ओखा मरोडत ख, अर बडी जोर से चिल्लाया ख ओमा से निकल गई।
 27 ये पर सबरा जन हाईब कर ख एक दुसरो से बहस करन (वाद विवाद) लग गया, “या कसी बात हैं? यु तो कोई नयो सिखावा हैं! उ हक को संग बुरी आत्मा ख भी कहा हैं, अर वी ओकी बात ख माना हैं।”

28 अर ओको नाम को बारे म तुरत गलील को आजू-बाजू सीवाना पुरो सी नाम फैल गयो।

मरकुस 8:14-17; लुकास 4:38-41

29 जसो ही उ तुरत प्रार्थना घर[‡] म से निकल ख, याकूब अर यूहन्ना को संग समोन अर अन्द्रियास को घर ख आयो।

30 समोन की सास जुड म पडी हती, अर उन न तुरत ओको बारे म यीसु ख बतायो।

31 तब ओको जोने म जाका ओको हात पकड ख ओखा उठायो; अर ओको जुड उतर गयो, अर वा उनकी सेवा-चाकरी करन लग गई।

32 संझा कि घड़ी जब दिन डुब गयो ते अदमी सबरा बीमार हुन ख अर, उनका जिनमा भूत हुन (दुस्तात्मा) समाया हता रह यीसु को कने लाया।

33 अर पुरा नगर ख सबरा अदमी उ दुवार को सामे जुड गया।

34 ओ न बेजा सारा ख जे हर एक तरीका की बिमारी से दुखी हता, अच्छो करयो, बेजा सारी दुस्तात्मा ख निकालो, अर भूत हुन ख बोलन नी दियो, काहेकि वी ओखा जानत रह।

मरकुस 4:42-44

35 भुनसारो ख दिन नीकलनु से बेजा पहले, यीसु उठका निकलो, अर एक जंगल वाली जगह म गया अर बिनती करन लगो।

36 फिर समोन अर ओखा संग म रहन वाला यीसु ख ढुढन गया।

37 जब उ मिलो, ते यीसु से क्य्हो, “सबरा झन तोखा ढुढा हैं।”

38 यीसु न उनसे क्य्हो, “आब अपुन अऊर कही आजू बाजू कि बसती म जाहे, कि मी ओमा भी प्रचार करू, काहेकि मी एको लाने निकल्यो हैं।”

39 ओको बाद यीसु पुरो गलील म उनको प्रार्थना घर हुन म जा-जा ख प्रचार करत रह अर दुस्तात्मा ख निकालते रहयो।

मरकुस 8:1-4; लुकास 5:12-16

40 एक कोड वाला इसान ओको कने आयो, ओको सामे बिनती करी, अर ओको सामे टोगरिया टेक ख ओसे क्य्हो, “अदि तू चाहे ते मोखा सुध्द कर सका हैं।”

41 ओ न ओपर तरस खा का हात बढ़ायो, अर ओखा छीका क्य्हो, “मी चाहूँ हैं तू सुध्द हो जा।”

42 अर तुरत ओको कोड चल दियो, अर उ सुध्द हो गयो

43 फिर यीसु न ओखा जता ख ओखा तुरत बिदा करयो,

44 अर ओसे क्य्हो, “देख, कोई से कुछ मत कहजो, पर जा ख अपनो तुम ख याजक ख बता, अपनो सुध्द होन को बारे म जो कुछ मूसा न ठहरायो हैं ओखा भेट चढ़ा कि उन पर भी गवाई होए।”

45 पर उ बाहर जा ख या बात का बेजा प्रचार करन लग गयो अर असो तक फैलान लग गयो कि यीसु फिर अकेलो सहर म नी जा पायो पर बाहर जंगल वाली जगाम रहयो अर चारी तरफ से अदमी ओको कने आवत रह।

2

~~मरकुस 2:1-8; मरकुस 5:17-26~~
(~~मरकुस 9:1-8; मरकुस 5:17-26~~)

1 कई दिन को बाद यीसु फिर कफरनहूम नगर (सहर) म आयो, अर इंसान हुन ख मालुम भयो कि उ घर ख आयो हैं।

2 फिर इत्ता झन इक्टा भया कि दुवार को जोने जगा नी हती; अर उ उनका परमेस्वर को बारे म सुसमाचार बतान लग गयो।

3 अर अदमी एक लकवा को बीमार ख चार अदमी हुन से उठा ख यीसु को जोने लेखा आया।

4 पर वी जब भीड़ को मारे ओको नजीक नी पहुँच पाया, ते उन न उ घर को खपरा हटाका जोको नीचु यीसु हतो, उन न उधेड दियो; अर जब उन न ओखा उधेड दियो, ते वा खटिया ख जेमा लकवा को बीमार पड़ो हतो, लटका दियो।

5 प्रभु यीसु न उनको भरोसा देख ख उ लकवा को बीमार से क्य्हो, “पोरिया, तोरा पाप माप हो गया।”

6 ओको बाद कई नेम का गुरू *सासतिरी जे वहाँ बठिया हता, अपनो-अपनो मन म विचार करन लग गया,

7 “यु अदमी असो काहे ख बोल्थो? यु तो परमेस्वर की बेज्जती करा हैं! परमेस्वर को अलावा अऊर कोन पाप माप कर सका हैं?”

8 प्रभु यीसु न तुरत अपनो मन म परख[†] लियो कि वी अपनो-अपनो मन म असो विचार काहे सोच रया हैं,

9 सहज का हैं? का लकवा को बीमार से यू कहनू कि तोरा पाप माप भया, या कि असो कहनू कि उ अपनी खटिया उठा ख घूम फिर?

10 पर जसो तुम जान लेहे कि इंसान को पोरिया[‡] ख दुनिया म पाप माप करन को भी हक हैं। ओ ना उ लकवा को बीमार से क्य्हो,

11 “मी तो से कहू हैं, उठ अपनी खटिया उठा ख अपनो घर चलो जा।”

12 उ तुरत उठियो अर खटिया उठा ख सबको सामे से निकल ख चल दियो; यु देख ख सब दंग रह गया, अर परमेस्वर कि बड़ाई कर ख कहन लग गया, “हम न असो कभी नी देखो।”

~~मरकुस 9:9-13; मरकुस 5:27-32~~
(~~मरकुस 9:9-13; मरकुस 5:27-32~~)

13 यीसु गलीली की झील को किनार म फिर से गयो, अर पुरी भीड़ ओको कने आई, अर यीसु उनका सिक्छा देन लग गयो।

14 जाती बखत यीसु न हलफाई को पोरिया लेवी ख कर घर[§] कि कुर्सी पर (चुंगी कि चऊकी) बठियो देखो, अर ओसे क्य्हो, “मोरो पीछु हो ला।” अर उ उठ ख ओको पीछु हो लियो।

15 जब यीसु लेवी को घर म खाना खान गयो, ते बेजा सारा कर लेन वालो अर पापी, प्रभु यीसु अर ओखा चेला हुन को संग खाना खान बठियो; काहेकि वी बेजा झन हता, अर ओको पीछु हो लियो हता।

16 सासतिरी हुन अर फरीसी* हुन न यु देख ख कि उ तो पापी हुन अर कर लेन वालो को संग खाना खा रहयो हैं, ओखा चेला हुन से क्य्हो, “उ तो कर वसुल करन वाला अर पापी हुन को संग खावा पीवा हैं!” उ असा अदमी हुन को संग काहे खावा पीवा हैं, यु असो काहे करा हैं?

17 प्रभु यीसु न आसो सुन कर उनसे क्य्हो, “अच्छो भलो ख वैध की जरूरत नी हाय, पर जेका जुड आवा हैं ओको लाने हैं। मी धर्मी हुन ख नी पर पापी हुन ख बुलान आयो हैं।”

* 2:6 साख † 2:8 जान ‡ 2:10 मनुस्य का पोरया यीसु स्वयं के विसय मे बोल रहा हैं § 2:14 चुंगी * 2:16 धर्म के काम करने वाले

॥२२२२॥ २२ ॥२२२२२॥ (२२२२२॥
 (२२२२२॥ 9:14-17; २२२२॥ 5:35-39)

18 यूहन्ना को चेला, अर फरीसी उपास करत रह हता; ते उन न आका यीसु से आसो कय्हो, “यूहन्ना ख चेला अर फरीसी हुन ख चेला काहे उपास करा हैं, पर तोरा चेला हुन काहे उपास नी करा हैं,”

19 प्रभु यीसु न उन ख कय्हो, जब तक दुला बरात को संग म हैं, का वी उपास कर सका हैं? अतः जब तक दुला बराती हुन को संग म नी रहवा हैं; तब तक वी उपास कर सका हैं? एको मतलब जब तक दुला उनको संग म हैं। तब तक वी बराती हुन उपास नी कर सका।

20 पर वी दिन आहे जीनमा दुला उनको बीच से अलग करो जाहेगो उत्ती बखत वी उपास करे।

21 “कोरो कपड़ा को थेगड़ा जुन्नो कपड़ा म कोई नी लगावा; नी ते उ थेगड़ा उनमा से कुछ खीच लेहे, येको मतलब नयो, जुन्नो से अर उ पहलो से जादा फट जाहेगो।

22 नयो अंगूर को रस ख पुरानो चमड़ा को झोला म कोई नी रखा, नी ते अंगूर को रस चमड़ा को झोला ख फाड़ देहे, अर अंगूर को रस अर चमड़ा को झोला दोई बेकार हो जाहे; पर नयो अंगूर को रस नयो चमड़ा को झोला म भरो जावा हैं।”

॥२२२॥ २२२ २२ २२२ + २२ २२२२२॥
 (२२२२२॥ 12:1-8; २२२२॥ 6:1-5)

23 असो भयो कि उ छुट्टी करन को दिन गहूँ को खेत को किनार म से होका जात रह हतो, अर ओखा चेला चलती बखत गहूँ की वाली टोड़ टोड़ ख दाना खान लग गया।

24 तब फरीसी हुन न ओसे कय्हो “देख; यी छुट्टी करन को दिन तोरा चेला उ काम काहे करा हैं जो उचित नी हाय?” जो हमारो नेम को हिसाब से नी हाय।

25 ओ न उनसे कय्हो, का तुमना यू कभी नी पढियो कि जब दाऊद ख जरूरत पड़ी, अर जब उ अर ओखा संग म रहन वाला भूका हता, तब ओ न कसो करियो हतो रह?

26 ओ न कसो अबियातार बड़ो पूजारी (याजक) को बखत म, “परमेस्वर को घर म जा ख भेंट कि रोती संगी हुन को संग खायो, जोका खानु पुजारी हुन का छोड़ अर कोई ख भी लाने ठीक नी हाय, अर ओ न अपना संग वाला ख भी दियो?”

27 तब यीसु न उनसे कय्हो, छुट्टी करन को दिन अदमी हुन ख लाने बनायो गयो हैं न कि अदमी आराम करन को दिन ख लाने।

28 येखा लाने ईसान को पोरिया छुट्टी करन को दिन को भी प्रभु (स्वामी) हैं।

3

॥२२२॥ २२२ २२२२ २२२२ २ २२२२२२ २२२२॥
 (२२२२२॥ 12:9-14; २२२२॥ 6:6-11)

1 जब फिर यीसु प्रार्थना घर म गयो; वहा एक अदमी हतो जेको हात सुख गयो हतो,

2 अर कुछ फरीसी यीसु पर आरोप लगान ख लाने ओकी ताक म लगया हता कि देखे, यीसु छुट्टी करन को दिन लकवा को बीमार ख चोक्खो करा हैं की नी।

3 यीसु न सुखो हात वालो अदमी ख बोल्यो, “बीच म खडो हो।

4 अर यीसु न कय्हो, का छुट्टी करन को दिन भलो करनो अच्छो हैं या बुरो करनु, जान ख बचानो या मारनो?” पर वी चुप रया।

5 ओ न उनको मन को द्रिट पन की कठोरता को लाने नराज होका, उनका गुस्सा से चारी तरफ देख्यो, अर उ अदमी से कय्हो, “अपनो हात आगे कर।” ओ न आगे बढ़ायो, अर ओको हात चोक्खो हो गयो

† 2:22 यहूदियों के विसराम करने का दिन

6 तब फरीसी बाहर जा ख तुरत हेरोदियो को संग म यीसु कि दुसमनी को बारे म सला-मसुरा करन लग गया कि ओखा कसो तरीका से खतम करे

~~~~~

7 प्रभु यीसु अपना चेला हुन ख संग झील कि तरफ चल दियो: अर गलील से एक बड़ी भीड़ ओको पिछ्छु हो ली;

8 अर यहूदिया, अर यरूसलेम, अर इदूमिया अर यरदन को ओ नोपार, अर सूर अर सैदा को सिवाना से एक बड़ी जात भीड़ यु सुन ख कि उ कसो अचम्भा को काम करा हैं, ओको कने आई

9 ओ न अपना चेला ख कय्हो, “भीड़ को लाने एक छोटी नाव मोरो लाने तैयार रखो ताकि वी मोखा दवान ख नी”

10 काहेकि ओ न बेजा ख चोक्खो करी रह, येका लाने जिता झन बिमारी रोग म हता, ओखा छिवन ख लाने इंसान हुन पर गिरत-पड़त रह

11 बुरी आत्मा भी, जब ओखा देखत रह, ते यीसु को सामे गीड़त-पड़त रह अर चिल्लाया ख कहत रह कि तू परमेस्वर को पोरिया आय।

12 अर ओ ना उनका बेजा जतायो कि मोखा उजागर मत करनु।

~~~~~  
(~~~~~ 10:1-4; ~~~~~ 6:12-16)

13 फिर उ पहाड़ पर चेंग गयो अर जीन ख यीसु चाहवत रह उनका अपनो सामने बुलायो, अर वी ओखा कने आया

14 तब ओ न बारा प्रेरित हन ख चुनियो कि वी ओको संग-संग म रहे अर उ उन ख भेजे की वी सबरा ख प्रचार सुनाया,

15 अर दुस्टात्मा ख निकालन को हक रखे

16 वी यी आय: समोन जो को नाम ओ न पतरस रखो,

17 अर जबदी को पोरिया याकूब अर याकूब को भई यूहन्ना, जेको नाम ओ न बुअनरगिस ये को मतलब गरजन को पोरिया रखो

18 अर अन्द्रियास, अर फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई को पोरिया याकूब, अर तदै, अर समोन कनानी,

19 अर यहूदा इस्करियोती जो न ओखा पकड़ा भी दियो रह।

~~~~~

(~~~~~ 12:22-32; ~~~~~ 11:14-23; 12:10)

20 ये ख बाद म यीसु घर ख आयो, अर इत्ता सारा झन जुडिया कि वी रोटी नी खा सक्या

21 जब ओखा कुटुम्ब ख न असो सुनियो, ते वी ओखा पकड़न ख लाने निकलियो, काहेकि वी बोलत रह, ओको दिमाक ठिकाना म नी हाय

22 सासतिरी भी जब यरूसलेम से आया हता, असा कहत रहा, “ओमा बालजबूल भूत हैं,” अर “उ भूत हुन को मुखिया बाल जबुल की मदत से भूत हुन ख निकला हैं।”

23 येका लाने यीसु उनका नजीक म बुला ख उनसे उदाहरन हन म बोलन लग गयो, सैतान कसो सैतान का निकाल सका हैं?

24 अदि कोई राज्य म लड़ाई चले ते उ राज्य कसो बसो रह सका हैं?

25 अर कोई को घर म लड़ाई हो जाय, ते उ घर कसो बसो रहे?

26 येका लाने अदि सैतान अपनो ही बैरी होका अपनो म लड़ाई करे, ते उ कसो चोक्खो से रह सका हैं? ओको तो नास ही होनो भलो हैं।

27 पर कोई इंसान कोई बलवान को घर म घुस ख वहाँ को माल नी लूट सका, जब तक कि उ पहले उ बलवान ख बाँध नी लेन को, अर जब उ बाँध लेहे तब ओको घर को माल लूट लेहे।



13 फिर यीसु न उनका कय्हो, “का तुम यू उदाहरन को बारे म नी समझीया? ते फिर अऊर उदाहरन ख कसा समझो?

14 बोन वालो वचन (परमेस्वर को वचन) बोवा हैं,

15 जो रस्ता को किनार ख हैं, जे न परमेस्वर को बारे म सुनियो हैं, यी वी आय कि जब उन न सुनियो, ते भुत (सैतान) न आका वचन ख उनका जो बतायो रह, ओसे बहका दियो

16 वसो ही जो पत्थर वाली जमीन म बोयो गयो हैं, यी वी आय जो वचन ख सुन ख जल्दी से खुस होका मान लेवा

17 पर उन न अपनो भीतर म जड़ नी पकड़न ख लाने वी कुछ दिन ख लाने होवा हैं, एको बाद जब वचन को कारन उनका दुख अर सताव होवा हैं, ते वी तुरत ठोकर खावा हैं,

18 जो झाड़ी म बोया गया हैं वी यी आय जिन्ना वचन सुनियो

19 अर दुनिया भर की चिन्ता अर धन को धोका, अर बेजा सारी चीज को लोभ उनमा समा ख परमेस्वर को वचन ख दबावा अर उ परेसान हो जावा हैं,

20 अर जो अच्छी जमीन म बोया गया हैं, यी वी आय जो वचन ख सुन ख मान लेवा अर फर लावा हैं: कोई तीस गुना, कोई साठ गुना अर कोई सव गुना।”

~~~~~

(मरकुस 8:16-18)

21 यीसु न उनका कय्हो, “का दिया ख एको लाने लावा हैं कि दिया ठानी अर खाट को नीचु रखो जाय? का एको लाने नी कि दिया ठानी म रखो जाहे?

22 काहेकि कोइ चीज लुकि नी हाय पर एको लाने कि सब दिखे, अर कुछ नी लुकि रहे, पर ऐको लाने की सब दिखे,

23 कोई का सुनन को कान होये ते वी सुन लेहे,

24 एका बाद यीसु न उनका कय्हो ध्यान से सुननो कि का सुना हैं। जे नाप से तुम नापा हैं उयी नाप से तुमरो लाने भी नापो जाहे अर ओसे भी जादा दियो जाहंगो।

25 काहेकि जोको पास म हैं, ओखा दियो जाहे; अर जोको पास म नी हाय, ओसे उ भी जो ओको पास म हैं ले लियो जाहे।”

~~~~~

26 फिर यीसु न कय्हो, “परमेस्वर को राज असो हैं जसो कोइ अदमी अपनी जमीन म बीज बोवा हैं,

27 अर रात ख सोयो अर दिन म जागियो अर उ बीज असो बढ़न लगीयो कि उ नी जाना।

28 जमीन खुद अपनो तुम म बड़ावा अर फल लावा हैं, पहलो कोम फिर बाल, अर फिर बाली म तैयार दाना।

29 पर जब फसल पक जावा हैं, ते उ तुरत दराती लगावा हैं, काहेकि कटनी आ गई हैं।”

~~~~~

(मरकुस 13:31,32,34; लुका 13:18,19)

30 फिर यीसु न कय्हो, “हम परमेस्वर को राज को बारे म कसो बताहे, अर कोन सो उदाहरन से ओको बारे म बताहे?

31 उ राई को दाना को जसो हैं: जब उ जमीन म बोयो जावा हैं ते जमीन कि सब चीज से छोटो होवा हैं,

32 पर जब बोयो गयो, ते उ उग ख सब हरी-सब्जी से बडो झाड़ हो जावा हैं, अर ओकी असी बडी डगियान हुन निकला हैं कि आकास चिड़िया ओकी छाया म बसेरा कर सका हैं।”

33 यीसु उनका असा का बेजा सारा उदाहरन देका उनकी समझ को अनुसार वचन परचार करत रह,

34 अर बिना उदाहरन को उनका कुछ भी नी बतात रह; पर अकेलो म अपनो बनाया चेला हुन ख सब बात हुन समझात रह।

॥॥॥॥ १ ॥॥॥ ११ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 8:23-27; ॥॥॥॥॥ 8:22-25)

35 उर्यो दिन जब साम भई, ते यीसु न चेला हुन का क्य्हो, “आव अपुन झील को ओ नो पार चलेहे।”

36 अर वी भीड ख छोट का जसो वाहा हतो रह, वसो ही यीसु ख नाव पर ले गयो; अर ओको संग म अऊर भी नाव हती रह।

37 एकदम बड़ी जऊर से हवा चलन लग गई अर पानी की लहर यहाँ तक चलत रह कि नाव पानी से भरन लग गई।

38 पर यीसु खुद पिछु को भाग म सिरानी धर ख सोते रह। तब उनना यीसु का जगा ख ओसे क्य्हो, “अरे प्रभु का तोखा हमरी चिन्ता नी हाय कि हम मरन पा हैं?”

39 तब यीसु न उटका आँधी ख डांटियो, अर पानी से क्य्हो “सान्त रह, रुक जा!” अर हवा रुक गई अर बड़ो चैन आयो;

40 अर यीसु न उनका क्य्हो, “तुम काहे ख डरा हैं? का तुमका अबा तक भरोसा नी हाय?”

41 वी बेजा डर गया अर आपस म बोलन लग गया, “यू कऊन आय कि तुफान अर पानी भी ओको कहना माना हैं।”

5

॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥ १ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 8:28-34; ॥॥॥॥॥ 8:26-39)

1 यीसु जब झील को ओ नो पार गिरासेनी हुन को देस म पहुँचियो

2 जब उ नाव पर से उतरो ते तुरत एक इंसान जेमा बुरी आत्मा लगयो हतो रह, मरघट की गुफा म से निकल ख ओसे मिलियो।

3 उ मरघट म रहत रह हतो अर कोइ ओ ख साँकल हुन से भी नी बाँध सकत रह,

4 काहेकि उ बार-बार बेड़ी हुन अर साँकल हुन से बाँधी गयो रह, पर ओ न साँकल हुन ख टोड़ दियो अर बेड़ी हुन को टुकड़ा-टुकड़ा कर दियो हतो, अर कोई भी इंसान ओखा बस म नी कर सकत रह काहेकि उ बेजा सक्तिशाली हतो।

5 उ लगातार रात दिन मरघट अर पहाड़ हुन म चिल्लावा अर खुद ख पत्थर हुन से मारते जात रह अपनो आँग म खत्ता-गुम्मा उठात रह।

6 उ यीसु ख दूर से देख ख दऊडियो, ओको सामने आका पाय मोढ़ ख झूक गयो,

7 अर बड़ी जोर से चिल्ला ख क्य्हो, “अरे यीसु, परमप्रधान परमेस्वर को पोरिया, मोखा तोसे का काम? मी तोखा परमेस्वर कि कसम देऊ हैं कि मोखा दुख मत देवा।”

8 काहेकि यीसु न ओसे क्य्हो रह, “अरे बुरी आत्मा कि आत्मा, यू अदमी म से निकल ख आ!”

9 यीसु न ओसे पुछियो, “तोरो का नाम हैं?” ओ न ओसे क्य्हो, “मोरो नाम सेना हैं; काहेकि हम बेजा सारा हैं।”

10 अर ओ न ओसे बेजा विनती करी, कि “हमका यू सिवाना* से बाहर मत भेजा।”

11 वहाँ टेकड़ी कि उतार हती वहाँ पर डुक्कर को एक झुण्ड चरत रह हतो।

12 भुत कि आत्मा न यीसु से विनती कर ख क्य्हो, “हम ख वी डुक्कर हुन म भेज दा कि हम उनको भीतर जाए।”

13 ओको बाद यीसु न क्य्हो अर बुरी आत्मा न ओकी बात मान लियो अर निकल ख डुक्कर हुन को भीतर समा गई अर झुण्ड, जे कोई दो हजार को हतो रह, कड़ाडे म से दऊड ख झील म गिडियो अर डुब मरियो।

* 5:10 छेस

14 उनका चरान वाला न दऊड ख नगर अर गाँव हुन म खबर सुनायो, अर जो भयो रह अदमी हुन ओखा देखन आया।

15 यीसु को कने आ ख वी ओखा जेमा भूत हुन समाया हता, एको मतलब जिनमा सेना समाई हती रह, कपड़ा पहिनिया अर चुप चाप बैठियो देख ख ढेर पुरा झन डर गया।

16 देखन वाला हुन न ओको, जेमा भूत हुन समायो हतो, अर डुक्कर हुन को बारे म उनका पुरो हाल कैय ख सुनायो।

17 तब वी ओखा विनती कर ख बोलन लगीया कि हमारो सिवाना से चलो जा।

18 जब यीसु नाव पर चड़न लग गयो ते उ जेमा पहले भूत हुन समायो हतो रह, ओखा विनती करन लग गयो, “ओखा तोरो संग म रहन दा।”

19 पर यीसु न मना करो, अर ओसे कय्हो, “अपनो घर म जा ख अपना माय बाप ख बता की तोपर दया कर ख प्रभु न तोरो लाने कसो बड़ो काम करियो।”

20 उ जा ख दिकापुलिस† म या मान्दी ख प्रचार करन लग गयो कि यीसु न मोरो लाने कसो बड़ो काम करियो; अर सब अदमी हाईब करत रह।

9:18-26; #### 8:40-56

21 जब यीसु फिर नाव से ओनो पार गयो, ते एक बड़ी भीड़ ओको कने जुड़ गई। जब उ झील को किनारा ही म हतो कि

22 याईर नाम को प्रार्थना घर को मुखिया हुन म से एक आयो, अर ओखा देख ख ओको पाय हुन को पास म गिड़ियो,

23 अर असो बोल ख ओखा बेजा विनती करी, “की मोरी छोटो पोरी मरन पर हैं: तू आका ओपर हात धर कि वा अच्छी होका जिन्दा रहे।”

24 तब यीसु ओको संग गयो; अर बड़ी भीड़ ओको पिछु जान लग गई, यहाँ तक कि इंसान ओ पर गिड़त रह।

25 एक बाई हती, जेका बारा साल से खून बहिन को रोग हतो।

26 ओ न बेजा वैध हुन से बेजा ज्यादा दुख उठायो, अर अपनो सब माल खर्च करनो पर भी ओखा कुछ फायदा नी भयो, पर अऊर भी जादा बिमार हो गई हती

27 वा यीसु को बारे म सुन ख भीड़ म ओको पिछु से आई अर ओको कपड़ा ख छी लियो,

28 काहेकि वा बोलत रह, “अदि मी ओको कपड़ा हीका छी लेहूँ, ते अच्छी हो जाहूँ।”

29 अर तुरत ओको खून बगरनो बन्द हो गयो, अर ओ न अपनो सरीर म जान लियो कि मी या बीमारी से अच्छी हो गई हैं।

30 यीसु न तुरत अपनो मन म जान लियो कि मोरो म से सकित निकली हैं, अर भीड़ म पिछु घुम का पुछियो, “मोरो कपड़ा कोना छियो?”

31 यीसु ख चेला हुन न ओसे कय्हो, “तू देखा हैं कि भीड़ तोपर गिड़ा-पड़ा हैं, अर तू बोला हैं, कि कोना मोखा छियो?”

32 तब यीसु न ओखा देखन को लाने जेना यू काम करियो रह, चारी तरफ नजर घुमायो

33 तब वा बाई असी समझ ख कि मोरी कसी भलाई भई हैं, डरते अर कापते अई, अर ओको पाय हुन पर गिड़ ख ओ ख सब हाल सच्ची-सच्ची बता दियो

34 यीसु न ओसे कय्हो, “बेटी तोरो भरोसा न तोखा चोक्खो कर दियो हैं: सान्ति से जा, अर अपनी या बीमारी से बची रैय जे।”

35 यीसु यू कहत रह कि प्रार्थना घर को मुखिया को घर म से अदमी हुन न आका बोल्यो, “तोरी बेटी तो मर गई, अब गुरू ख काहे दुख दे रयो हैं?”

† 5:20 एको मतलब दस गाँव को छेस

36 जो बात वी बोलत रह, ओखा यीसु न अनसुनी कर ख, प्रार्थना घर को मुखिया से कय्हो, “मत डरा; सिर्फ भरोसा रख।”

37 अर यीसु न पतरस अर याकूब अर ओको भई यूहन्ना ख छोड़, अर कोई ख अपनो संग म नी आन दियो।

38 प्रार्थना घर को मुखिया को घर म पहुँच ख, यीसु न अदमी हुन ख बेजा रोते अर चिल्लाते देखो।

39 तब यीसु न भीतर जा ख देख ख उनसे कय्हो, “तुम काहे दुख मनावे अर रोवे हैं? पोरी मरी नी हाय पर सोवा हैं।”

40 अदमी हुन न ओकी हँसी उड़ायो, पर ओ न सबका निकाल ख पोरी को माय-बाप अर अपनो चेला हुन को संग भीतर, जहाँ पोरी हती रह, गयो।

41 अर पोरी को हात पकड़ ख ओसे बोल्हो, “हे तलीता कूमी!” जोको मतलब हैं “पोरी मी तोसे बोलू हैं, उठ!”

42 अर पोरी तुरत उठका चलन फिरन लग गई; काहेकि वा बारा साल कि हती। असो देखनो पर अदमी हुन बेजा चकित भया।

43 फिर यीसु न उनका जता ख आदेस दियो कि या बाद कोई ख पता नी होनू चाहिए अर कय्हो, “येका कुछ खान ख देव।”

6

????? ? ????? ???? ?? ???????
(????? 13:53-58; ????? 4:16-30)

1 वहा से निकल ख यीसु अपनो गाँव नासरत, म आयो; अर ओ ख चेला भी ओको पीछु चल दिया

2 आराम* करन को दिन यीसु प्रार्थना घर म सिक्छा देन लग गयो, अर बेजा सारा झन चकित भया अर कहन लग गया, येका या बात कहा से आवा हैं? यु कोन सो ग्यान आय जो ओखा दियो गयो हैं? कसा सक्ति को काम एको हात हुन से होते जावा हैं?

3 का उ लकड़ी को काम करन वालो (बड़ाई) को पोरिया नी आय जो मरियम को पोरिया अर याकूब अर योसेस, यहूदा अर समोन को भई आय? का ओकी बहिन हमारो बीच म नी रहत आय, एकोलाने खातिर उन न ओको बारे म ठोकर खायो;

4 यीसु न उनका कय्हो; “भविष्य जानन वालो (भविष्यवक्ता) ख अपनो देस अर अपनो कुटुम्ब ख अर अपनो घर ख छोड़ अर कही पर भी बेज्जती नी होवा।”

5 यीसु वहा सक्ति को काम नी कर पायो, लेकिन थोड़ा सा बीमार पर हात रख ख उनका चोक्खो कर पायो।

6 अर यीसु न उनको अविस्वास करनो पर हाईब की बात सोची (अस्वर्च्य) भयो, अर उ चारी तरफ को गाँव म सिखाते फिरियो।

???? ???? (????????) ? ?????
(????? 10:5-15; ????? 9:1-6)

7 ओ न बारा हुन ख अपनो कने बुलायो अर उन ख दो-दो कर ख भेजन लग गयो; अर उनना बुरी आत्मा कि आत्मा हुन पर हक दियो

8 ओ न उन ख हुकुम दियो रस्ता को लाने लाठी ख छोड़ अर कुछ मत लेनो; न ते रोटी, न थैला न बटवा म पैसा,

9 पर चप्पल पहनो अर दो-दो कुरता मत पहिननो

10 अर यीसु न उनका कय्हो, “जे कोई को घर म तुम उतरे, जब तक उ घर से चला नी जान ख तब लक उ घर म रुख ख रहनु

* 6:2 सप्त

11 जे घर का अदमी तुम ख नी बुलान ख अर तुमारी नी सुनन ख वहा से जान को बखत अपनो पाय को धुरा भी झाड़ देनो कि उनको विरोध म गवाई होए”

12 तब जाय ख उन न प्रचार चालू करो कि वी बुरा काम हुन से मन फिराव ।

13 अर ढेर सारी भूत की आत्मा हुन ख निकायो, अर ढेर सारा बीमार हुन पा तेल मलें अर ख उनका चोक्खो करो ।

Matthew 14:1-12; Mark 9:7-9

14 हेरोदेस राजा न भी ओकी चर्चा सुनी, काहेकि ओको नाम फैल गयो रह, अर ओ ना कय्हो, “यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो मुर्दा म से जिन्दो भयो हैं, येको लाने ओसे या सक्ति (सामर्थ्य) ख काम परघट होवा हैं ।”

15 दुसरा अदमी न कय्हो, “यु एलिय्याह आय”

पर कोई दुसरा न कय्हो भविष्यवक्ता हुन को बारे म बतान वालो म से कोई एक आय

16 हेरोदेस न असो सुन ख कय्हो, “जे यूहन्ना कि मुड़डी मी न कटवायो रह, उयी जिन्दो भयो हैं?”

17 हेरोदेस न अपनो भई फिलिप्पुस कि घर वाली हेरोदियास को लाने जो से ओ न बिहाव कर ली रह, अदमी हुन ख भेज ख यूहन्ना ख पकडवा ख जेल खाना म डाल दियो रह जो यहूदी नेम को अनुसार चोक्खो नी हतो;

18 अर यूहन्ना न हेरोदेस से कय्हो रह अपनो भई की घर वाली ख रखनो तोखा सोभा नी देवा, काहेकि यू हमारो नेम को हिसाब से चोक्खो नी हाय

19 येको लाने हेरोदियास ओसे गुस्सा करत रह अर असी सोचत रह की ओखा मरवा देनू हैं पर असो नी हो सकियो,

20 काहे कि हेरोदेस यूहन्ना ख धर्मी अर सुध्द (सुध्द) अदमी जान ख ओसे डरत रह, अर ओखा वचा ख रखत रह, अर ओकी बात सुन ख बेजा घबरात रह, पर मन लगा ख सुनत रह हतो

21 आखीर सही बखत मील गयो जब हेरोदेस न अपनो जन्म दिन ख आपना मुखिया (प्रधान) ख अर सेनापति हुन ख अर गलील ख बड़ा अदमी हुन को लाने खानो बनायो

22 ते हेरोदियास कि पोरी भीतर आयी अर नाच ख हेरोदेस राजा को अर ओको संग म बठन वाला को मन ख खुस करियो तब राजा न पोरी ख कय्हो तू जो चाहे मी तो ख देहु, तू मोसे माँग, मी तो ख देऊगो

23 अर ओकी कसम ख का, “कय्हो मी तो ख आधो राज तक जो कुछ तू मोसे माँगे मी तोखा देऊगो”

24 पोरी न बाहर जाका अपनी माय ख पुछो “मी का माँगू?” माय न बोली, “यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो कि मुण्डी”

25 वा तुरत राजा को कने भीतर गयी अर ओसे बोली कि, मी चाहूँ हैं कि तू अब्बिन यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो की मुण्डी एक कोपर म मोखा मँगवा दा,

26 तब राजा बेजा दुखी भयो पर अपनी कसम देन को लाने अर संग म बैठन वाला मिजवान हुन को वजे से ओकी बात ख टाल नी पायो

27 अतः राजा न तुरत एक सिपाई का कैय (आग्या) ख, भेजियो कि, अर यूहन्ना की मुण्डी काट ख लाव ओ न जेल खाना म जा ख

28 ओ न जेल खाना म जा ख यूहन्ना की मुण्डी ख काटियो अर एक कोपर म रख ख लायो, अर पोरी ख दियो पोरी न ओकी माय ख दियो

29 असो सुन ख यूहन्ना को चेला आया, अर ओकी लास ख ले गया, अर मरघट म धरीयो

Mark 14:13,14; Luke 9:10

30 प्रेरित हुन न यीसु को सामे इकट्ठा हो ख, जे कुछ उन न करयो अर सिखायो थो, सब यीसु ख बतायो,

31 फिर यीसु न उनका क्य्हो, “आव अब अपुन सब अलग कही सान्त जगह म जा ख थोडो आराम करो।” काहेकि बेजा झन आत-जात रह अर उनका खान को भी बखत नी मिलत रह,

32 येको लाने वी नाव म चड ख सुनसान जगह म अलग चला गया।

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥

(॥॥॥॥ 14:15-21; ॥॥॥॥ 9:11-17)

33 बेजा इंसान न यीसु अर चेला ख जाते देख ख पहिचान लियो, अर सब नगर से इकट्ठा होका वहाँ गंगा पाय दऊडिया अर यीसु अर चेला को से पहले जा पहुँचिया

34 यीसु न उतर ख वहा बडी भीड देखियो, अर उन पर तरस खायो, काहेकि वी, वी भेड को जसा हैं, जिनका कोई चरान वालो नी हाय; अर यीसु उन ख बेजा सी बात सिखान लग गयो।

35 जब दिन बेजा ढल गयो, ते यीसु ख चेला ओको सामे आ ख कहन लगया, “यहाँ पर सुन सान जगह हैं अर दिन बेजा ढल गयो

36 अदमी हुन ख भेज कि चारी तरफ को गाँव हुन अर बस्ती हुन म जाय ख अपनो लाने, कुछ खान ख मोल लेका आहे।”

37 यीसु न जवाब दियो, “तुम ही उनका खान ख देव।” उन न यीसु से क्य्हो, “का हम सब दिन की दीनार की रोटी मोल लेका आहे, अर उनका खलाहे?”

38 यीसु न उनका क्य्हो, “जा ख देखो तुमरो पास म किती रोटी हुन हैं?” उन न मालुम कर ख क्य्हो, “पाँच रोटी अर दो मच्छी भी।”

39 तब यीसु न आग्या देका क्य्हो कि सब ख हरी घास म एक लाइन से बिठाल देव

40 वी सब-सब अर पचास-पचास कर ख कतार म बैठ गया

41 यीसु न वी पाँच रोटी ख लियो अर स्वर्ग की तरफ देख ख परमेस्वर से धन्यवाद दियो, अर ओको बाद फिर दो मच्छी ख लियो अर परमेस्वर कि तरफ धन्यवाद देका चेला हुन ख देते गयो, कि वी सब अदमी हुन ख परोसे,

42 सब न भर पेट खाना खायो

43 अर चेला हुन न बची रोटी को टुकडा से बारा टोकनी हुन भर ख उठायो, अर कुछ मच्छी को टुकडा से भी।

44 जिन न रोटी खायो वी पाँच हजार इंसान हता वी खान वाला म सिर्फ इंसान हुन कि गिनती करी।

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥

(॥॥॥॥ 14:22-33; ॥॥॥॥॥॥ 6:15-21)

45 तब यीसु न अपनो चेला हुन ख नाव पर चडन को लाने बेबस करियो, की वी ओसे पहले उपार बैतसैदा ख चल देहे, जब तक कि यीसु अदमी हुन ख बिदा करे,

46 इंसान हुन ख भेज ख यीसु सान्त जगा पर बिनती करन ख गयो

47 जब सॉम भई, ते नाव झील को बीच म हती, अर उ अकेलो जमीन म हतो,

48 जब ओ ना देख्यो की वी नाव चलाते-चलाते पस्त हो गया हैं, काहेकि हवा उनको सामने कि तरफ से चलत रह, ते रात को चऊथो पहर को करीब यीसु झील पा चलते उनको पास आयो; अर उनसे आगु चल देनु चाहत रह

49 पर उन न यीसु ख झील म पानी को ऊपर पर चलते देख ख समझीया कि उ भूत आय, अर चिल्लान लग गया:

50 काहेकि सब इंसान यीसु ख देख ख घबरा गया, पर यीसु न तुरत उनको से बात करी अर क्य्हो, धीरज धरो मी आय: डरनू मत

51 तब यीसु उनको कने नाव पर गयो, अर हवा रुख गई: अर वी बेजा हाईब सोचन लग गया।

52 वी इंसान, पाँच रोटी हुन को बारे म नी समझीया हता, काहेकि उनको मन कठोर हो गयो रह,

XXXXXXXXX 2 XXXX XXX 2 XXXXXXX XXXX
(XXXXX 14:34-36)

53 यीसु अर ओखा चेला वी पार उतर ख गन्नेसरत को झील जगह म पहुँचिया, अर नाव ख घाट पर लगायो।

54 जब वी नाव पर से उतरियो, ते अदमी हुन न तुरत पहिचान ख

55 आस-पास को सबरो छेस्र म दऊडिया, अर बिमार हुन ख खटिया म डाल ख, जहाँ-जहाँ खबर मिले की यीसु वहाँ पर हैं, वी वहाँ पर बिमार हुन ख वहाँ-वहाँ ले लेका फिरया।

56 अर जो वी गाँव, नगर, बस्ती म यीसु फिरत रह अदमी बिमार हुन ख बाजार हुन म ले जाय ख ओसे विनती करत रह की यीसु उनका अपनो कपडा को छेडा ख ही छिन देहे: अर जित्ता ओखा छूवा रह, सबरा अच्छी हो जात रह।

7

XXXX XXXXX XXXX XX XXXXXXX
(XXXXX 15:1-9)

1 तब फरीसी अर कुछ मोसे को नेम का सासतिरी जो यरूसलेम से आया हता, यीसु को कने डकट्टा भया, हात धोन की रीति रिवाज।

2 अर उन न यीसु ख कुछ चेला हुन ख असुध्द एको मतलब बिना हात धोयो रोटी खाते देखो,

3 काहेकि फरीसी अर सब यहूदी हुन, सियाना कि रीति रिवाज पर चला हैं। अर जब तक चोक्खो से हात नी धो लेवा, तब लक नी खाय:

4 अर बाजार से आय ख, जब लक आँग नी धो लेवा, तब लक नी खाय; अर ढेर सारी अऊर भी बात हैं। जे उनको कने मानन ख लाने पहुँचाई गयी हैं, जसा, बटका, अर चरु हन, अर तामा को बर्तन हुन ख धोनो-माजिनो।

5 येका लाने वी फरीसी हुन अर मूसा को नेम का सासतिरी हुन न ओसे पुछियो, “तोरा चेला काहे सियाना इंसान कि रीति रिवाज (परम्परा) पर नी चला, अर बिना हात धोयो रोटी खावा हैं।”

6 यीसु न उनका कय्हो, यसायाह न तुम कपटी हुन को बारे म बेजा अच्छी भविस्वयानी करी; जसो लिखो हैं:

“यी अदमी मोरो मण्डो को सामे तो मोरी बड़ाई करा हैं,

पर उनको मन मोसे दूर रहवा हैं,

7 यी बेकार म मोरी भक्ती करा हैं,

काहेकि इंसान हुन को नेम हुन ख धरम कि सिक्छा कर ख सिखावा हैं।

8 काहेकि तुम परमेस्वर को आदेस ख टाल ख अदमी हुन कि रीति रिवाज ख माना हैं।”

9 यीसु न उनका कय्हो, तुम इत्ता चतुर हैं की तुम अपनी रीति रिवाज (परम्परा) ख मानन ख लाने परमेस्वर को आदेस ख कसो चोक्खो तरीका से टाल देवा हैं!

10 काहेकि मूसा न कय्हो हैं, अपनो बाप अर अपनी माय कि सेवा करनु, अर जे भी माय अर बाप ख बुरो कहे, ओखा सच्ची म मार डालो जाहे।

11 पर तुम बोला हैं, कि जो कोई अपनो बाप अर माय ख बोले जो कुछ तोरी मोसे सेवा बन सकत रह, वा अदा कर दियो एकोमतलब पुरो कर दियो।

12 ते तुम ओखा ओको बाप अर ओकी माय कि कुछ सेवा नी करन दे

13 असो तरीका से तुम न अपनी रीति रिवाज हुन से जीनका तुम न ठहरायो हैं, परमेस्वर को वचन (वचन) टाल दे हैं; अर असा-असा ढेर सारा काम करा हैं।

मरकुस 7:14-20

(मरकुस 15:10-20)

- 14 तब यीसु न भीड़: ख अपनो कने बुला ख उनका कय्हो, तुम सब मोरी सुननू, अर समझनो।
 15 असी कोई भी चीज नी हाय की जो इंसान म बाहार से जा ख ओखा असुध्द करे; पर जो चीज इंसान को अन्दर से बहार से नीकला हैं, वही ओखा असुध्द करा हैं।
 16 “या आयत पुरानी किताब म नी हैं अदि कोई ख सुनन ख कान होए ते वी सुन लेहे”
 17 जब यीसु भीड़ को कने से घर गयो, ते यीसु ख चेला न यू उदाहरन को बारे म ओसे पुछियो।
 18 यीसु न उनका कय्हो, का तुम भी असा न समझ हैं? का तुम नी समझा कि जो चीज बाहार से अदमी को अन्दर जावा हैं वा ओखा ख असुध्द नी कर सका?
 19 काहेकि वा ओको मन म नी पर पेट म जावा हैं अर हगन ख जाय हैं ते नीकल जावा हैं संडास? असो बोल ख यीसु न सब खान कि चीज ख सुध्द ठहरायो।
 20 फिर यीसु न कय्हो, “जो इंसान को मन म से निकला हैं वही इंसान ख असुध्द करा हैं।
 21 काहेकि अन्दर म से मतलब इंसान को मन से, बुरा-बुरा विचार, गलत काम चोरी, हत्या, दुसरो कि घर कि ख रखनो,
 22 लोभ, बुरो काम, दुस्टता, छल लुचपन, बुरी नजर, बुराई, घमंड अर गन्दी बात, निकला हैं।
 23 यी सब बुरी बात इंसान को अन्दर से निकला हैं अर इंसान ख असुध्द करा हैं।”

मरकुस 15:21-28

(मरकुस 15:21-28)

- 24 फिर यीसु ओमा से उठ ख सूर अर सैदा नाम को सिवाना म आयो; अर एक घर म गयो, अर चाहत रह, कि कोई नी जानन ख; पर यीसु छिप नी पायो।
 25 अर तुरत एक बाई जोकी छोटी पोरी (बेटी) म बुरी आत्मा हती, ओको बारे म खबर सुन ख आई, अर यीसु को कने गिड़ी।
 26 या यूनानी अर सुरुफिनी की जात की हती; ओ न यीसु से हात जोड ख विनती करी की, मोरी पोरी म से भूत (दुस्तात्मा) ख निकाल दे।
 27 यीसु न ओसे कय्हो, “पहले पोरिया हुन ख खान दा, काहेकि पोरिया हुन कि रोटी लेखा कुत्ता हुन को सामे डालनो अच्छो नी हाय।”
 28 ओ न यीसु ख जवाब दियो, “सही हैं प्रभु; ते भी कुत्ता हुन भी तो टेबल को नीचु पोरिया हुन कि रोटी को झुटन-काटन खा लेवा हैं।”
 29 यीसु न ओसे कय्हो, तोरो भरोसा को कारन अब तू चल दा भूत (दुस्तात्मा) की आत्मा तोरी पोरी म से निकल गई हैं।
 30 ओ न अपनो घर ख आ ख देखियो कि पोरी खटिया म पड़ी हैं, अर भूत कि आत्मा चली गई।

मरकुस 15:29-31

- 31 फिर यीसु सूर अर सैदा को देसु से निकल ख दिकापुलिस से हो ख गलील को सिवाना कि झील पा पहुँचियो।
 32 ते कुछ अदमी हुन न एक बहिरो ख जो तोतलो भी बोलत रह, यीसु को कने लाय ख ओसे विनती की कि अपनो हात ओपर धरे।
 33 तब यीसु ओखा भीड़ म से अलग ले गयो, अर अपनी उगली हुन ख ओको कान म डालियो अर धूक ख ओकी जीभ ख छियो।
 34 स्वर्ग कि तरफ देख ख लम्बो साँस!, लियो, अर ओसे कय्हो, “इप्फत्तह।” एको मतलब खुल जा।
 35 अर ओखा कान खुल गया, अर ओकी जीभ कि बन्धन भी चली गई, अर उ चोक्खो-चोक्खो बोलन लग गयो।

36 तब यीसु न उनका जतायो कि कोई ख मत बतानू, पर जित्तो यीसु न उनका चितायो उत्तो जादा ही उन न प्रचार करो।

37 वी बेजा हईरान हो ख बोलन लगिया, “यीसु न जे कुछ करयो सब चोखो करियो हैं; यीसु बहिरो ख सुनन को अर गुंगा ख बोलन कि सक्ति देवा हैं”

8

मरकुस 15:32-39
(मरकुस 15:32-39)

1 वी दिन म जब बड़ी जात भीड़ इकट्ठा भई, अर उनको जोने म कुछ खान का नीहतो, ते यीसु न अपना चेला ख पास म बुला ख कय्हो,

2 “मोखा या भीड़ पर तरस आवा हैं, काहेकि या मोरो संग म तीन दिन से हैं, अर उनको पास म कुछ भी खान ख नीहाय।

3 अदि मी उनका भूको घर भेजू, ते रस्ता म थक ख रह जाहे; काहेकि इनमा से कोई बड़ी दुर से आया हैं।”

4 यीसु का चेला न यीसु ख जवाब दियो, “यहाँ जंगल म कोई इत्ती सारी रोटी कहाँ से लाहे कि इनको पेट भरे?”

5 यीसु न उनसे पुछियो, “तुमरो जोने किती रोटी हैं,?” उनना बोल्यो, “सात।”

6 तब यीसु न अदमी हुन ख जमीन पर बिठालन की बोलयो, अर वी सात रोटी लियो, अर परमेस्वर से दुवा कर ख (धन्यवाद) रोटी टोड़ियो, अर अपना चेला ख देते गयो कि उनको आगे परोसे; अर उन न अदमी को सामे रोटी परोसियो।

7 उनको पास म कुछ छोटी मच्छी भी हती; यीसु न परमेस्वर ख धन्यवाद कर ख उनका भी अदमी को सामे परोसन ख कैय दियो।

8 उन न पेट भर खायो अर चेला हुन न बचियो टुकड़ा से सात टोकनी भर ख उठायो।

9 अर अदमी चार हजार को लग-भग हता; तब यीसु न उनका अपनो घर बिदा करियो,

10 अर यीसु तुरत अपनो चेला हुन को संग म नाव पर चढ़ ख दलमनुता प्रदेश ख चल गयो

मरकुस 16:1-4
(मरकुस 16:1-4)

11 फिर फरीसी आका यीसु से बात-बात म ऊर्झन लग गया, अर ओ ख परखन को लाने यीसु से कोई स्वर्ग को चित्र (चिन्ह) मांगियो।

12 यीसु न अपनो मन म लम्बो दम भर ख कय्हो, “या बखत म अदमी काहेको चित्र दुदा हैं? मी तुमका सच्ची बोलू हैं, की या बखत ख अदमी हुन ख कोई चिन्ह नी दियो जाहे।”

13 अर यीसु फरीसी हुन ख छोड़ ख फिर से नाव म चढ़ गयो, अर ओनो पार चल दियो।

मरकुस 16:5-21
(मरकुस 16:5-21)

14 चेला हुन रोटी लेनो भूल गया रा अर नाव म उनको पास एक ठिया रोटी हती।

15 यीसु न उनका चितायो, “देखो, फरीसी हुन को अऊर हेरोदेस को खमीर से सतर ख रहनू”

16 वी एक दुसरो म विचार कर ख असा कहन लग्या “हमारो कने रोटी नीहाय”

17 यू जान ख प्रभु यीसु न उन ख कय्हो, “तुम काहे आपस म विचार करा हैं, की हमारो जोने रोटी नीहाय? का अब तक नी जाना अर नी समझा? का तुमरो मन कठोर हो गयो हैं,

18 का आँख रहनू पर भी नी देखा अर कान रहनू पर भी नी सुना? अर तुम ख याद नीहाय

19 की जब मी न पाँच हजार इंसान को लाने पाँच रोटी टोड़ी रह, ते तुम ना टुकड़ा से किती टोकनी भर ख उठायो?”

उन न यीसु कय्हो, “बारा टोकनी हुन।”

20 “अर जब चार हजार को लाने सात ठिया रोटी हती ते तुम न टुकड़ा कि किक्ती टोकनी भर ख उठाया हता?”

उन न जवाब दियो “सात टोकनी?”

21 यीसु न उनका क्य्हो, “का तुम अभी तक नी समझीया?”

~~मरकुस 8:20-21~~

22 तब यीसु अर चेला बैतसेदा म आया; अर अदमी हुन एक अँधा ख ओको कने लेका आया अर यीसु को विनती की कि ओखा छी ।

23 यीसु उ अंधा को हात पकड़ ख ओखा गाँव को बाहार ले गयो, अर ओकी आँख म थूक ख ओपर हात रखियो अर, ओसे पुछियो, “का तू कुछ देखा हैं”

24 ओ न आँख उठा ख क्य्हो, “मी अदमी हुन का देखू हैं, वी झाड़ को जसा चलते दिखा हैं”

25 तब यीसु न दुसरी बार ओकी आँख म हात रखियो अर अंधा न ध्यान से देखियो उ चोक्खो हो गयो, अर सब साप-सुतरो दिखन लग गयो ।

26 यीसु न ओखा असो बोल ख घर भेजियो, “यू गाँव को भीतर मत जाजो ।”

~~मरकुस 8:22-26~~

~~(मरकुस 16:13-20; मरकुस 9:18-21)~~

27 प्रभु यीसु अर ओखा चेला कैसरिया फिलिप्पी को गाँव हुन को आजू बाजू को गाँव चल दिया । रस्ता म ओ न आपना चेला हुन ख पुछियो, “लोग मो खा का बोला हैं?”

28 उन न जवाब दियो, “यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो; पर कोई-कोई एलिय्याह, आय कोई-कोई भविष्य को बारे म जानन वालो (भविष्यवक्ता) हुन म से एक होए बोला हैं ।”

29 यीसु न उनका पुछियो, “पर तुम मोखा का बोला हैं” पतरस न जवाब दियो; “तू परमेस्वर कि तरफ से आयो वालो मसी आय ।”

30 तब यीसु न उनका जता ख क्य्हो की मोरो बारे म असो कोई ख मत कहनो ।

~~मरकुस 8:27-30~~

~~(मरकुस 16:21-23; मरकुस 9:22)~~

31 तब यीसु उनका सिखान लग गयो: ईसान को पोरिया को लाने जरुरी हैं, कि उ जादा दुख ख भोगे अर पुराना सियाना अर सबसे बड़ो पुजारी (प्रधान याजक), अर सास्र का जानन वाला सासतिरी ओखा बेकार को जानन को लाने मार डाले, अर उ तीन-दिन को बाद जिन्दो होयगो ।

32 यीसु न उनसे या बात साफ सुतरी कह दियो । ये पर पतरस ओखा अकेलो म ले जाका डाँटन लग गयो;

33 पर यीसु न घुम का अपनो चेला हुन कि तरफ देख्यो, अर पतरस का डाँट ख बोल्यो, “वोय सैतान मोरो सामे से चल दा; काहेकि तू परमेस्वर कि बात हुन पर नी, पर अदमी हुन कि बात हुन पर मन लगावा हैं ।”

~~मरकुस 8:31-33~~

~~(मरकुस 16:21-28; मरकुस 9:23-27)~~

34 यीसु न भीड़ ख अपना चेला हुन को समेत नजीक बुला ख उनका क्य्हो, “जे भी कोई मारो पिछु आन ख होए, उ अपनो खुद को इंकार करे अर अपनो सूली उठा ख उ मोरा पिछु चले ।

35 काहेकि जो अपनो जान बचानो चाहे उ ओखा खोयगो, पर जे भी कोई मोरो अर सुभ समाचार को लाने अपनो जान खोयगो; उ ओ ख बचाएगो ।

36 अदि अदमी पुरो संसार ख पा लेहे अर अपनो जान कि हानि उठाहे, ते ओखा का फायदा होए?

37 अदमी अपनी जान को बदला का देहे?

38 जे भी कोई या छिनाला अर पापी जात को बीच मोसे अर मोरी सिक्छा से अर मोसे लजाहे; ईसान को पोरिया भी जब उ सुध्द स्वर्ग दूत हुन को संग अपनो बाप कि सक्ति सहित आहंगो; तब ओसे भी लजाहे ।”

9

1 यीसु न उनका कय्हो, “मी तुमका सच्ची कहूँ हैं, कि जे वी यहाँ पर खड़ा हैं, उनमा से कोई-कोई असा हैं, कि जब तक परमेश्वर को राज ख सक्ति (सामर्थ्य) समेत आयो वी नी देख लेन का, तब तक वी नी मरन ख।”

(***** 17:1-13; ***** 9:28-36)

2 छे: दिन ख बाद प्रभु यीसु न पतरस अर याकूब अर यूहन्ना ख संग म लियो, अर सुनसान जगा म कोई ऊँचो टेकड़ा म ले गयो। वहाँ उनको सामे ओको मुँह बदल गयो,

3 अर ओखा कपड़ा असा चमकन लग गया अर असो तक उज्जलो भयो, कि दुनिया को कोई भी धोबी वसो उज्जलो नी धो सका

4 अर तीन चेला हुन न मूसा को संग म एलिय्याह दिखो; वी प्रभु यीसु ख संग म बात करत रह,

5 ये पर पतरस न प्रभु यीसु से कय्हो, “गुरू, हमारो यहाँ रहनु चोखो हैं, येका लाने हम तीन मण्डा बनाहे; एक तोरा लाने, एक मूसा ख लाने, अर एक एलिय्याह को लाने,”

6 काहेकि पतरस नी जानत रह, कि का जवाब दे हे, येका खातिर वी बेजा डरा हता

7 तब एक बदल न उनका आका घेर लियो; अर उ बदल म से असो आवाज सुनाई दियो यू मोरो सबसे अच्छो पोरिया आय, “येकी सुननो”।

8 तब उनना एकदम से चारी ओर देखियो अऊर यीसु को अलावा अपनो संग म कोई ख नी देख्यो।

9 जब वी टेकड़ी पर से उतारती बखत यीसु न चेला हुन ख कैय दियो कि जब लक इंसान को पोरिया मरिया वाला हुन म से जिन्दो नी उठन को, तब लक जो कुछ भी तुम न देखो हैं उ कोई से मत कहनू।

10 उन न या बात ख याद रखो, अर एक दुसरो से बात करन लग गया, “मरीया वाला हुन म से जिन्दो होनु को का मतलब हैं,”

11 अर उन न यीसु से पुछ्यो, सासतिरी काहे ख बोला हैं, कि एलिय्याह को पहले आनो जरूरी हैं?

12 पर यीसु न उनका जवाब दियो; एलिय्याह सही म पहले आ ख सब कुछ सुधारे, पर इंसान को पोरिया को बारे म असो काहे लिखो हैं? कि उ बेजा दुख उठायगो, अर नीच गीनो जाहे?

13 पर मी तुम से कहूँ हैं, कि एलिय्याह तो आ गयो, अऊर जसो ओको बारे म लिखो हैं, उनका जो चोखो लगो उन न ओको संग म करो

(***** 17:14-21; ***** 9:37-43)

14 जब यीसु अर ओखा तीन चेला हुन को संग दुसरा चेला को कने आयो, ते देखो कि उनको चारी तरफ बड़ी भीड़ लगी हैं, अर सासतिरी उनको संग म बात-बात म बहस करत रह,

15 यीसु ख देखते ही सब झन बेजा ही आस्वर्च करन लग गया, अर ओकी तरफ दऊड ख ओखा पाय पड़्या।

16 यीसु न चेला हुन ख पुछ्यो, “तुम इनको संग म का बात को बखेड़ा मचावा हैं?”

17 भीड़ म से एक न कय्हो, “गुरू, मी अपनो पोरिया ख, जेमा गुँगो भूत समा गयो हैं, तोरो कने लायो हतो

18 उ भूत ओखा जिते भी पकड़ा हैं, वही पर ओखा पटक देवा हैं अर ओको मुण्डो म सफेद फेस आ जाय हैं, अर दाँत कटरा, अर दुबलो होते जावा हैं। मीना तोरा चेला हुन से कय्हो कि तुम ओ ख निकाल देव पर वी ओखा नी निकाल सक्या,”

19 यू सुन ख यीसु न उनसे जवाब देखा कय्हो “अरे अविस्वासी अदमी, मी कब तक तुमरो संघ म रहू? अर कब लक तुम ख झेलू? ओ ख मोरो कने लाव।”

20 तब वी ओखा ओको कने ले गया; अर जब यीसु न ओखा देख्यो,

ते उ भूत न जलदी ओ ख मरोड़ियो; अर उ जमीन म गिरो, अर मुँह म से फेस निकलन लग गयो अर लुढ़कन लग गयो।

21 तब यीसु न ओको बाप से पुछियो; ऐकी या दसा कित्ता दिन से हैं?

“ओ न क्य्हो, छोटो पन से।

22 ओ न ओखा खत्म करन को लाने किती बार कबी आग अर कबी पानी म गिरायो; पर तू कुछ कर सका हैं, ते हम पर रहम कर ख हम पर तरस ख।”

23 प्रभू यीसु न ओसे क्य्हो, “अदि तू कुछ कर सका हैं? या कसी बात आय! भरोसा करन वाला को लाने सब कुछ हो सका हैं।”

24 पोरिया को बाप न तुरत हात पाय जोड़ ख बोलयो “अरे प्रभु मी भरोसा करु हैं, मोरो अविस्वास को उपाय हुद।”

25 जब यीसु न देखो कि अदमी हुन दऊड ख भीड़ लगावा हैं, ते यीसु न बुरी आत्मा ख असो कैय ख डांटियो “अर गुँगी अर बहरी आत्मा मी तोखा कहू हैं, ओमा से निकल ख बहार आ अर ओको आँग म फिर कभी मत आजो।”

26 तब वा चिल्लाया ख अर ओखा बेजा मुरोड़ ख निकल ख आ गई पोरिया मरो जसो हो गयो अर अदमी कहन लग गया की उ मर गयो

27 पर प्रभु यीसु न ओको हात पकड़ ख ओखा उठायो; अर उ खडो हो गयो।

28 जब उ घर ख आयो, ते ओखा चेला हुन न अकेलो म ओसे पुछ्यो, “हम ओखा काहे नी निकाल पाया?”

29 यीसु न उन ख क्य्हो, “असो तरीका को भुत बिना प्रार्थना को कोई अऊर उपाय से नी निकल सका।”

~~~~~

(~~~~~ 17:22,23; ~~~~~ 9:43-45)

30 फिर यीसु अर ओ ख चेला वाहा से चलिया, अर उ गलील म से हो ख जावा। उ नी चाहवत रह, की कोई ओखा पहिचाने

31 काहेकि उ अपनो चेला हुन ख सिखावत अर उन ख कहत रह, “इंसान को पोरिया, इंसान हुन को हात म पकड़वा दियो जाहे, अर वी ओखा मार डालेगो; अर उ मरन को तीन रोज बाद म जिन्दो होयगो।”

32 पर या बात उनका समझ म नी आई, अऊर वी ओसे पुछ्नो से डरत रह।

~~~~~

(~~~~~ 18:1-5; ~~~~~ 9:46-48)

33 वी फिर कफरनहूम म आया; अऊर घर म आका यीसु न चेला हुन से पुछ्यो, “कि रस्ता म तुम का बात पर उझंत रह?”

34 वी चुप चाप रया, काहेकि वी रस्ता म या बात पर उरझीया रह, कि हम म से बडो कोन हैं,

35 तब यीसु न वी चेला हुन ख बुला ख अर उनसे क्य्हो, “अदि कोई तुम म से बडो बननू चाहवा हैं, ते सबसे छोटो बन ख अर सबको सेवक बननो पढे।”

36 अर यीसु न एक पोरिया ख लेका बीच म खडो कर ख, अर ओखा कोरा म लेका उनसे क्य्हो,

37 “जो कोई मोरो नाम से असो पोरिया म से कोई एक ख भी मोरो नाम से अपनाहे, ते वी मोखा अपनावा हैं जे कोई मोखा अपनावा हैं ते उ मोरो भेजन वालो ख अपनावा हैं।”

~~~~~

38 ते फिर यूहन्ना न ओसे क्य्हो, “अरे गुरू, हम न तोरो नाम से एक अदमी ख भूत हुन निकालते देख्यो हैं; अर हमना ओखा मना कर दियो काहेकि उ हमारो संग म नी चलत रह।”

39 ते फिर यीसु न क्य्हो, ओखा मना मत करो; काहेकि असो कोई नी हाय जो मोरो नाम से सक्ति से अचम्भा को काम करे, अर जल्दी से मोखा बुरो बोल सका हैं।

<sup>40</sup> काहेकि जो हमारो दुसमन नी उ हमारो तरफ हैं।

<sup>41</sup> जे भी कोई एक लोटा पानी तुमका एको लाने पिलाहे कि तुम यीसु मसी का सेवक आय, ते मी तुम से सच्ची-सच्ची कह हैं, कि उ अपनो भक्ती को फल कभी भी नी खोवन को।

??? ?? ??? ??????? ?? ?????

([18:6-9](#); [17:1,2](#))

42 जे भी कोई यी छोट्टा म से जो मो पर भरोसा करा हैं। कोई ख ठोकर करे ते, ओखा लाने या भलाई कि बात हैं एक बड़ी घट्टी को पाट ओको गरदन म टांगो जाय अर ओखा समुंदर म फेक दियो जाय।

43 अदि तोरो हात तोखा ठोकर खलाहे ते ओखा काट ख फेक देजो । ठोकर खलाहे ते टोटो होका स्वर्ग को जीवन म जाझे तोरो लाने ये से भलई कि बात हैं, कि दो हात रहनु पर नरक कि आग म डालो जाहे, जो कबी बझन कि नी ।

44 जहाँ पर उनको कीड़ा नी मरा अर आग नी बुझा

<sup>45</sup> अदि तोरा पाय तोखा ठोकर खलाहे ते ओखा काट डाल। लंगडो होका स्वर्ग को जीवन म पहुँच जो तोरा लाने येसे भलई कि बात है, कि दो पाय होनो पर नरक म डाल्यो जाय,

<sup>46</sup> जहाँ पर उनको कीड़ा नी मरा अर आग नी बुझा।

47 अदि तोरी आँखी तो ख ठोकर खिलाहे ते ओ ख निकल देजो। काना हो ख परमेस्वर को राज म जाजो तोरो लाने येसे भलो हैं, की दो आँखी रहनो पर भी तू नरक म डाल्यो जाहे।

48 जहाँ पर उनको कीड़ा नी मरा अर आग नी बुझा ।

49 काहेकि हर एक झन ख आग से नोन को जसो खरो बनायो जाहे ।

50 नोन चोक्खो हैं, पर अदि नोन को सुवाद बिगड़ जाहे, ते ओखा काय से खरो बनाहे?

अपनो म नोन पन रखो, अर आपस म मिल जुड़ ख रहनु ।

## 10

\_\_\_\_\_

([Leviticus 19:1-12](#); [Leviticus 16:28](#))

<sup>1</sup> फिर यीसु वा जगह से उठ ख यहूदिया कि हद अर यरदन नदी को जोने गयो। भीड़ ओखा सामे जामा हो गई, अर यीस अपनो नेम को हिसाब से उन ख फिर बतान लग्यो।

2 तब कुच फरीसी हुन न ओको सामे आ ख ओकी परिक्रिया लेन ख लाने ओसे पुछियो कि, “का य ठीक हैं का, कि अदमी अपनी घर वाली ख छोड़े?”

<sup>3</sup>यीसु न उन ख बतायो, “भुसा न तुम ख का हकम दीयो हैं?”

<sup>4</sup>उन न कही, “मसा न छोड़ छड़ी लिखन अर छोड़न को नेम दियो हैं।”

<sup>5</sup> यीस न उनका कही, “तमरो मन की डीट पन को वजे से ओ न तमरो लाने य आदेस लिखो

6 पर 'सस्ति' को सुरू से परमेस्वर न अदमी अऊर ओरत कर ख उनका बनायो हैं।

7. येको लाने अदमी अपनो माय-बाप से अलग होका अपनी घर वाली को संग म रहे

<sup>8</sup>इ प्रकार से अब वी दो नी बल्कि एक सरीर आयें।

<sup>9</sup>येको लाने जोका परमेस्वर न जोड़ियो हैं, ओखा अदमी हन अलग नी करन का।”

10 जब यीसु घर म पहुँचियो ते चेला हन न ओको बारे म ओसे अकेलो म फिर पछ्यो।

11 यीसु न उनका क्यहो, “जो कोई अपनी घरवाली का छोड़ ख दुसरी ओरत से बिहाव करहे ते वाह पहली घरवाली की नजर म गलत काम करह है.

12 अर यदि घर वाली अपनो घर वालो का छोड़ ख दुसरो से बिहाव करे ते वहा गलत काम करह  
अई।”

?????? ???? ? ???? ???????

([\[?\] \[?\] \[?\] \[?\] \[?\] 19:13-15](#); [\[?\] \[?\] \[?\] \[?\] \[?\] 18:15-17](#))



13 फिर अदमी हुन छोटा पोरिया पारी हुन का ओको जोने लावन लग्या, कि उ उन पर हात धरे, पर चेला हुन न उनका डाँटियो।

14 यीसु न असो देख ख घुस्सा होका उनका क्य्हो, “पोरिया-पारी हुन ख मोरा पास म आवन देव अर उनका मना मत करो, काहेकि परमेस्वर को राज असो ही हुन को हैं।

15 मी तुम ख सच्ची बोलू हैं। कि जे भी कोई परमेस्वर को राज का, छोटा पोरिया को जसो नी समझन ख वी परमेस्वर को राज म कभी भी नी जान को।”

16 अर ओ न उनका कन्ना म लियो, अर ओ न उनको पर हात धर ख उनका आसीर्वाद दियो।

*~~~~~*  
(~~~~~ 19:16-30; ~~~~~ 18:18-30)

17 जब यीसु वहाँ से निकल ख रस्ता म से जात रह, ते एक अदमी ओखा पास म दऊडत आयो; अर ओको सामे टोगरिया मोढ ख ओसे पुछ्यो; “अरे अच्छो गुरु अनन्त जीवन पान ख लाने मी का करु?”

18 यीसु न ओसे कही, “तू मोखा चोक्खो काहे बोला हैं कोई अच्छो नी, केवल एक परमेस्वर।

19 तू आदेस ख जाना हैं कोइ ख मारजे मत, गलत काम मत करजे, चोरी मत करजे, झुटी गवाही मत देजो, छल-कपट मत करजे अपनो बाप अर माय को आदर करजे।”

20 ओ न ओसे कही, अरे गुरु इन सब ख तो मी छुटपन से मानते आयो हैं।

21 यीसु न ओखा ध्यान से देख ख ओसे प्रेम करियो; अर ओसे कही, “तो म एक बात कि कमी हैं। जा जे कुछ भी तोरो हैं ओखा बेच ख गरीब-लचार (कंगाल) हुन म बाट दा, अर तोखा स्वर्ग म धन मिल जाहे, अर आका मोरो पिछु हो जा”

22 या बात (मान्दी) से ओको मन न नराजी सी आय गई अर उ मुण्डो लटका ख चल दियो, काहेकि उ जादा धनी हतो?

23 यीसु न चारी तरफ देख ख अपना चेला हुन से कही, “धनवान को परमेस्वर ख राज म जानो किन्तो कठिन हैं।”

24 चेला हुन यीसु कि बात से चकित रह गया ये पर यीसु न फिर उनका कही “अरे पोरिया हुन, जो धन पर भरोसा रखा हैं, उनको लाने परमेस्वर को राज म जानो कसो कठिन हैं

25 परमेस्वर को राज म धनवान ख भीतर जानु से ऊँट को सुज्जी को छेद म से निकल जानु सहज हैं।”

26 वी बेजा ही अचम्भा म पड ख आपसी मे कहन लग्या, “ते फिर कोन को उध्दार हो सका हैं?”

27 यीसु न उनकी तरफ देख ख क्य्हो, “अदमी हुन से तो यू नी हो सका, पर परमेस्वर से हो सका हैं, काहेकि परमेस्वर से सब कुछ हो जाय हैं।”

28 पतरस ओसे कहन लग गयो, “देख, हम तो सब कुछ छोड ख तोरो पिछु चला हैं।”

29 यीसु न कही, “मी तुमका सच्ची कहू हैं, कि असो कोई नी; जेना मोरा लाने अर सुभ समाचार ख लाने घर का या भई हुन ख या बहिन हुन ख या माय-बाप ख या पोरिया-पारी हुन ख या खेत हुन ख जेना छोडया होए;

30 अर अब या बखत सव गुना नी पायो होए, घर हुन अर भई हुन अर बहिन हुन अर माय हुन अर पोरिया पारी अर खेत हुन ख, पर सतायो जानो को संग या दुनिया म। अर स्वर्ग म अनन्त काल को जीवन।

31 अर बेजा सारा जो पहले से हता, पिछे होयगो, अर जो पीछु हैं वी पहले होए।”

*~~~~~*  
(~~~~~ 20:17-19; ~~~~~ 18:31-34)

32 जब यीसु अर चेला हुन यरूसेलम ख जाति बखत रस्ता म हता, अर यीसु उनको सामे-सामे चलते जात रह, चेला हुन अचम्भा म हता अर जे ओखा पिछु पिछु चलत रह वी डर गया जसा का

हता रह। तब उ फिर बारा हुन ख लेका उनसे वा बात बोलन लग गयो, जे ओको ऊपर आन वाली हती रह,

33 “देखो अपुन यरूसलेम ख जाय हैं, अर इंसान को पोरिया बड़ा पुजारी हुन अर सासतिरी हुन को हात म पकड़वा दियो जाहे। अर वी ओखा सुली पर चढ़ान को योग्य ठहराहे अर दुसरी जात अधिकारी हुन को हात म सोप दियो जाहे।

34 अर वी ओको मजाक उड़ाहे, ओको पर थुकेगो; ओखा कोडा मारेगो अर वी ओखा मार डालेगो, अर तीन दिन को बाद उ मुर्दा म से जिन्दो होयगो।”

~~~~~  
(~~~~~ 20:20-28)

35 तब जबदी को पोरिया याकूब अर यूहन्ना न यीसु को पास म आका कय्हो, “गुरू जो कुछ वी हम तोसे माँगे, उ तू हमारा लाने कर।”

36 यीसु न उन ख कय्हो, “तुम का चाहवा हैं की मी तुमरो लाने कर?”

37 उन न यीसु से कय्हो, “हमका असी सक्ति दे की तोरो राज म जब तू सिंहासन पर बटे ते हम म से एक तोरो दायो हात बाजू अर दुसरो तोरो बायो हात बाजू बटे।”

38 यीसु न उनका कय्हो, “तुमका नी मालूम कि तुम का माँगा हैं? जो दुख को कटोरा मी पीवन पर हैं, का तुम पी सका हैं; अर जो बपतिस्मा मी लेन पर हैं, का तुम ले सका हैं?”

39 उन न यीसु से कय्हो, “हम से हो सका हैं।”

यीसु न उनका कय्हो, “जो कटोरा मी पीवन पर हैं, तुम पीहे; अर जो कूस को बपतिस्मा मी लेन पर हैं, ओखा लेहे। अर उ कटोरा ख तुम ख पिनो पड़ेगो।

40 पर जेको लाने परमेस्वर न तैयार करयो हैं, उनका छोड़ का अर कोई ख अपनो आजू-बाजू बिठालन मोरो काम नी हाय।”

41 असो सुन ख दस हुन याकूब अर यूहन्ना पर घुस्सा करन लग गया,

42 ते यीसु न उनका पास म बुला का उनका कय्हो; “तुम जाना हैं कि जो दुसरी जात अधिकारी हुन समझा जावा हैं, वी उन पर अधिकार जतावा हैं।

43 पर तुम म असो नी हाय, पर जो कोई तुम म बड़ो होन चाहवा हैं, उ तुमरो सेवक बने;

44 अर जे कोई तुम म बड़ो होन चाहवा हैं। उ सबको नउकर बने।

45 काहेकि इंसान को पोरिया येको लाने नी आयो कि ओकी सेवा टहल करी जाय, पर येको लाने आयो कि उ स्वयं सबकी सेवा चाकरी करे, अर बेजा झन ख छुड़ान ख लाने अपनी जान देहे।”

~~~~~  
(~~~~~ 20:29-34; ~~~~~ 18:35-43)

46 वी यरीहो म आया। अर जब उ अर ओखा चेला हुन, अर एक बड़ी जात भीड़ यरीहो म से निकलत रह, तब तिमाई को पोरिया बरतिमाई, एक अंधा भिखारी ख, रोट को किनार म बठियो हतो

47 ओ न असो सुन कर कि यीसु नासरी आय, चिल्लाया-चिल्लाया ख कहन लग गयो, “हे दाऊद कि गोत को; यीसु मोरा पर दया कर।”

48 ढेर सारा न ओखा डाँटियो कि चुप चाप रवा, पर उ अऊर भी आवाज देन लग गयो “हे दाऊद कि संतान मोरो ऊपर दया कर।”

49 तब यीसु न ठहर ख कय्हो, “ओखा बुलाव।”

अर अदमी हुन न उ अँधो ख बुला ख ओसे कय्हो “धीरज धर! उठ उ तोखा बुलावा हैं।”

50 उ अपनो कपड़ा हुन ख फेक ख कुदते हुए, अर यीसु को पास म आयो।

51 ये पर यीसु न ओसे कय्हो, “तोरी का इच्छा हैं, कि मी तोरा लाने कर?” अंधा न ओसे बोल्यो, “हे गुरू असो कि मी देखन लग जाऊ।”

52 यीसु न आसो कय्हो, “चल जा, तोरा भरोसा न तोखा चोक्खो कर दियो।”  
उ तुरत देखन ख लग गयो, अर रस्ता म ओको पिछु जान लगियो

## 11

~~~~~ 2 22 22 22 (222-22222)

(22222 21:1-11; 2222 19:28-40; 2222222 12:12-19)

1 जसा ही वी यरूसलेम ख नजीक म, जैतून नाम को पहाड़ पर बैतफगे अर बैतनिय्याह नगर को आजू बाजू आया। ते ओ न अपना चेला हुन म से दो का यू बोल ख भेजियो,

2 “सामे को गाँव म जाओ। अर ओमा जा ख एक गधी को बच्छा ख, जो पर कभी कोई नी बठिया; बाँधियो तुम ख मिले। ओखा छोड़ ख लाव।

3 अदि तुमका कोई पुछे, असो काहे करा? ते कहनु प्रभु का येको काम हैं, अर उ जल्दी से ओखा यहाँ भेज दे हे।”

4 उन न जा ख अर उ बच्छा ख दुवार को बाहर चऊक को सामे बाँधियो देखो, अर ओ ख खोल ख लान लग्या।

5 उनमा से जे वहाँ पर खड़ा हता, कोई-कोई कहन लग्या, “यू का करा हैं? गधी को बच्छा ख काहे छोड़ा हैं?”

6 जसो यीसु न उन ख कय्हो रह, वसो ही उन न उन ख बता दियो; तब जाय का अदमी हुन न उनका जान दियो,

7 उन न बच्छा ख यीसु को सामे लाय ख ओपर अपनो कपड़ा डालियो अर यीसु ओपर बठ गयो

8 तब बेजा झन न अपनो कपड़ा रस्ता म बिछाियो अर कई झन न तो खेत हुन म से छिन्द का फंटा (कि डगियान) काट काट ख बिछा दियो।

9 जो ओको आगु आगु अर पिछु पिछु चलते जात रह, चिल्लाया ख कहत रह, “होसाना हे प्रभु हम ख बचाय ला, धन्यवाद होवा ओको जो प्रभु को नाम से आवा हैं!

10 हमारो दादा दाऊद को राज जो आवन वालो हैं! धन्यवाद होय ओको ऊँचो बादल म ओकी बड़ाई होय (जय जय कार) होसाना।”

11 यीसु यरूसलेम नगर पहुँच ख मन्दिर म गयो; अर चारी तरफ सब चिज का देखियो बारा चेला हुन को संग म बैतनिय्याह गयो; काहेकि साम हो गई रह।

22 22 22222 2222 22222 22 2222

(22222 21:18; 19)

12 दुसरो दिन वी बैतनिय्याह म से निकलिया ते यीसु ख भुख लगी।

13 ओ न दुर से अंजीर को हरो झाड़ का देख ख ओको पास म गयो कि का जाने ओमा कही मिले पर पत्ता ख छोड़ ओमा कही नी मिलियो काहेकि फल को बखत नी हतो रह

14 ये पर ओ न झाड़ से कय्हो, “अब से कोई तोरा फल कभी नी खान का!” अर ओखा चेला सुनत रह,

222222222 222222 2 22 2222 222 2222 2 22222222

(22222 21:12-17; 2222 19:45-48; 2222222 2:13-22)

15 पर वी यरूसलेम ख आया, अर उ मन्दिर म गयो; अर वहाँ पर जे लेनो देनो करत रह, उनका बाहर निकालन लग गयो; अर सबसे बड़ा सासन करन वाला को पिढा अर कबूतर बेचन वाला कि चऊकी हुन ख उलट दियो,

16 अर मन्दिर म से कोई का बरतन लेका आन-जान नी दियो।

17 अर सिखाया का उन से कय्हो, “का यू नी लिखो हैं कि मोरो घर परमेस्वर को अऊर सब देस का लोग हुन को लाने बिनती (प्रार्थना करन) करन को घर कहलाहे? पर तुम न येका डाकू हुन को घर बना दियो।”

18 यू सुन ख सबसे बड़ो पुजारी अर सासतिरी ओखा मार डालन को मऊका ताकन लग गया। काहेकि वी ओसे डरत रह, येको लाने कि सब झन ओको बतानु से सोच म पड़ गया रह।

19 साम होते ही वी नगर से बहार निकल गया।

~~~~~  
(~~~~~ 21:20-22)

20 फिर सुबेरे उठ ख जब वी उते से जात रह, ते उन न उ अंजीर को झाड़ ख ऊपर से नीचु जड़ तक सुकियो देखो।

21 पतरस ख वा बात याद आ गई, अर ओ न ओसे कही, “गुरु, देख! यू अंजीर को झाड़ ख जेखा तुना बददुवा दियो रह, सुख गयो हैं।”

22 यीसु न ओखा कय्हा, “परमेस्वर पर भरोसा रखो

23 मी तुमका सच्ची बोलू हैं, कि जे कोई यू टेकड़ा से कहे ‘तु उखड़ जा, अर समुंदर म गिड़ जा,’ अर अपनो मन म सक नी करन को पर भरोसा करे कि, जे बोलू हैं। उ हो जाहे, ते ओको लाने उयी होयगो।

24 येको लाने मी तुम से कहू हैं। कि जे कुछ भी तुम बिनती कर ख माँगे, ते भरोसा कर लेनू कि तुम ख मिल गयो; अर उ तुमारी लाने होयगो।

25 जब कभी तुम खड़ा हो ख बिनती करा हैं ते अदि तुमारा मन म कोई ख बारा म गुस्सा होए; ते माप करनु; येको लाने कि तुमरो स्वर्ग म रहन वालो परमेस्वर बाप भी तुमरो पाप माफ करे।

26 अर अदि तुम माफ नी करन का ते तुमारी बाप जे स्वर्ग म रहवा हैं। तुमरी गलती माफ नी करन को।”

~~~~~  
(~~~~~ 21:23-27; ~~~~~ 20:1-8)

27 यीसु अर चेला फिर यरूसेलम ख आया, अर जब उ मन्दिर म फिरत रह, बड़ो बलिदान कि भेट चड़ान वालो पुजारी अर सासतिरी अर सियाना *ओको पास म आय ख पुछन लग गया,

28 “उन न ओसे पूछो यू काम कोन को हक से करा हैं? अर यू हक तोखा कोना दियो हैं, कि तू यू काम करे?”

29 यीसु न उनसे कही, “मी भी तुम से एक बात पिछु; मोखा बताहे ते मी तुमका बताऊँ की यू काम कोन को हक से करू हैं।

30 यूहन्ना को बपतिस्मा का स्वर्ग कि तरफ से हतो या अदमी हुन कि तरफ से हतो रह, मोखा बताव।”

31 तब वी एक दुसरो से बात-बात म ऊर्झन लग गया कि अदि हम बोले स्वर्ग को तरफ से ते उ बोले, फिर तुमना यूहन्ना को भरोसा काहे नी करयो?

32 अर का हम असो बोले, अदमी हुन को तरफ से, ते अदमी हुन को डर हैं, काहेकि सब जाना हैं कि यूहन्ना सही म भविष्यवक्ता हतो।

33 एकोलाने उन न यीसु क कही, “हम नी जाना।”

यीसु न उनका कही, “मी भी तुमका नी बताऊँ कि यू काम कोन को हक से करू हैं।”

12

~~~~~  
(~~~~~ 21:33-46; ~~~~~ 20:9-19)

1 फिर यीसु मसी उदाहरन म उनसे बात करन लग गयो; “कोई अदमी न अंगूर को बगीचा लगायो (दाख की बारी) अर ओको चारी तरफ बागड लगायो अर रस को लाने कुण्ड खोदियो, अर बड़ो ऊँचो गुम्मत बनायो, अर किरसान हुन ख ओको ठेका देखा दुसरो सहर म चल दियो।

\* 11:27 बुजुर्ग

2 फिर फल को बखत म ओ न किरसान हुन को पास म एक नउकर ख भेजियो कि किरसान हुन से अंगूर कि खेत को फल हुन को हिसाब लेहे ।

3 पर उन न ओखा पकड़ ख पिटियो अर खाली हात लउटा दियो

4 फिर ओ न एक अऊर नउकर ख उनको पास म भेज्यो; उन न ओकी मुण्डी का फोड़ डालियो अर ओकी बेज्जती करी

5 फिर ओ न एक अऊर सेवक ख भेजियो, उन न ओखा भी मार डाल्यो । तब ओ न अऊर बेजा झन ख भेज्यो; उनमा से उन न कोई ख पिटियो, अर कोई ख मार डालियो ।

6 जब एक ठिया ही रह गयो रहा, जे ओको सबसे अच्छो पोरिया हतो रह; आखरी म ओ न ओखा भी उनको जोने यू सोच ख भेज्यो कि वी मोरो पोरिया कि इज्जत करे ।

7 पर वी किरसान हुन न आपस म सोचियो, आव अपुन एका मार डाले, अर सबरो धन दऊलत अपनो हो जाहे ।”

8 अऊर उन न ओखा पकड़ ख मार डाल्यो, अऊर अंगूर को खेत को बाहर फेक दियो ।

9 “येको लाने अंगूर की खेत को मालिक का करे? उ आका वी किरसान हुन ख नास करेगो, अऊर अंगूर की खेत दुसरो किरसान हुन ख दे देहेगो ।

10 का तुम न सुध्द सास्र म यू वचन नी पड़ो?

“जो पत्थर ख राज मिसतिरी हुन न बेकार हैं अलग करियो रह ।

उयी कोना को सिरा हो गयो;

11 अर यू प्रभु कि तरफ से भयो;

अर हमारी नजर म अदभुत हतो ।”

12 जे यहूदी अदमी हता वी यीसु ख पकड़न की कोसिस करत रह; काहेकि समझ गया हता कि ओ न हमारो बारे म यू उदाहरन कय्हो हैं । पर वी अदमी से डरा अऊर ओखा छोड़ ख चल दिया ।

~~~~~

(~~~~~ 22:15-22; ~~~~~ 20:20-26)

13 तब उन न ओखा बात म फसान को लाने कुछ फरीसी हुन ख अऊर हेरोदियो ख ओको पास म भेज्यो ।

14 उन न आका ओसे कही, अरे गुरू, हम जाना हैं कि तू सही बोला हैं अऊर कोई कि चिन्ता नी करा; काहेकि तू अदमी हुन को मुण्डी देख ख बात नी करा, पर परमेस्वर तक जान को रस्ता सच्ची-सच्ची बतावा हैं । ते का कैसर ख लगान* (कर देना) देनु ठीक हैं कि नी?

15 “हमका देनु हैं या नी देनु हैं?” ओ न उनको कपटी पन जान ख उनसे कय्हो, “मोखा काहे परखा हैं? एक रोज कि दीनार लेका मोरो कने लाओ, कि मी ओखा देखु ।”

16 वी लेका आया अऊर ओ न उन ख कय्हो, “यू छापियो छाप अर नाम कोन को आय?” उन न कही, “कैसर को ।”

17 यीसु न उन ख कही, “जे कैसर राजा को हैं, उ राजा ख, अऊर जे परमेस्वर को हैं परमेस्वर ख देव ।” तब वी ओपर बेजा अचम्भा करन लग गया ।

~~~~~

(~~~~~ 22:23-33; ~~~~~ 20:27-40)

18 फिर सद्की हुन न भी जो बोला हैं कि मरीया वाला हुन को जिन्दो होनु हैं नी हाय, ओको कने आका ओसे पुछियो,

19 “अरे गुरू, मूसा न हमारो बारे म लिखियो हैं । कि अदि कोई को भई बीना अवलाद को मर जाहे अर ओकी घर वाली रह जाए ते ओको भई ओकी घर वाली से बिहाव कर ले, अर अपनो भई को लाने अवलाद पैदा करे ।

20 सात भई हता रह । पहलो भई बीना अवलाद को मर गयो ।

\* 12:14 चुंगी

21 तब दूसरो भई न ओसे बिहाव कर लियो अर बीना अवलाद को मर गयो अर वसो ही तीसरो न भी करियो।

22 अर सात से ओ न बिहाव करो साती से अवलाद नी भई अर सब को बाद म वा ओरत भी मर गयी।

23 अब: बता सब अदमी जिन्दो होनू को बाद म वा उनमा से कोन कि घर वाली होए? काहेकि वा साती कि घर वाली बन गई रह।”

24 यीसु न उन ख कय्हो, “का तुम असो करनो से भुल म पड़िया हैं, कि तुम न तो सुध्द सास्र ख जाना हैं; अर न ही परमेस्वर कि सक्ति ख?

25 काहेकि जब बी मरीया वाला हुन म से जिन्दा होए, ते बी बिहाव नी करेगों, अर न बिहाव म दियो जाएगो, पर स्वर्ग दूत हुन को जसो हो जायेगो।

26 मरीया वाला हुन को जिन्दो होनू को बारे म काहे तुम न मूसा को किताब म झाड़ी कि कायनी म नी पढियो कि परमेस्वर न ओसे कय्हो, “मी तुमरो खानदान अब्राहम को परमेस्वर, अर इसहाक को परमेस्वर, अर याकूब को परमेस्वर आय?”

27 परमेस्वर मरीया वाला हुन को नी पर जिन्दा वाला हुन को परमेस्वर हैं; अब: तुम बड़ी भुल म पड़िया हैं।”

ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂ

(ⓂⓂⓂⓂ 22:34-40; ⓂⓂⓂⓂ 10:25-28)

28 मूसा को नेम ख सासतिरी म से एक न आका उनकी निन्दा करते सुनियो, अर यू समझ ख कि ओ न उनका चोक्खो रीति से जवाब दियो, ओसे पुछियो, “सबसे मेन आग्या कोन सो हैं?”

29 यीसु न ओखा जवाब दियो, “सब नियम हुन म से यू मेन हैं: ‘अरे इस्राएल सुन! प्रभु हमारो परमेस्वर एक ही हैं,

30 अर तू प्रभु अपनो परमेस्वर से अपनो पुरो मन से, अर अपनो पुरो सरीर से अर अपनी पुरी बुध्दी से अर अपनी पुरी सक्ती से प्रेम रखजे”

31 अऊर दुसरी या वाली हैं ‘तु अपनो पड़ोसी से अपनो जसो प्रेम रखजो,’ ये से बड़ो अऊर कोइ आग्या नी हाय।”

32 मूसा नेम सासतिरी न ओसे कय्हो, “अरे गुरू, बेजा चोक्खो! तुना सच्ची-सच्ची बोलयो कि उ एक ही हैं। अर ओखा छोटो का अऊर कोई परमेस्वर नी हाय।

33 अऊर ओसे पुरो मन, अर पुरी बुध्दी, अर पुरो सरीर अर पुरी सक्ती को संग म प्रेम रख जे अऊर पड़ोसी से अपनो जसो प्रेम रखजे; पुरी होमबली हुन अर बलिदान हुन से बढका हैं।”

34 जब यीसु न देखियो कि ओ न समझ ख जवाब दियो हैं, ते ओसे बोल्यो, “तू परमेस्वर को राज से दुर नी हाय।”

अर कोइ ख फिर ओसे पृछन की हिम्मत नी भयी।

ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ

(ⓂⓂⓂⓂ 22:41-46; ⓂⓂⓂⓂ 20:45-47)

35 फिर यीसु न मन्दिर म प्रवचन करते बखत असो कय्हो, मूसा ख नेम ख सासतिरी कसा बोला हैं कि मसी दाऊद को पोरिया आय?

36 दाऊद न अपनो तुम ही सुध्द आत्मा म होका कय्हो हैं:

प्रभु न मोरो प्रभु से बोल्यो,

“मोरो दाहिनी बैठ,

जब तक कि मी तोरा बैरी हुन ख

तोरो पाय को तला नीचु नी झुका देहु।”

37 दाऊद ते खुद ही ओखा प्रभु बोला हैं; फिर उ ओको पोरिया कसो भयो? अर भीड़ ख अदमी खुसी से सुनत रह।

22222 22 2222 2 2222222 22 22222 22222

(222222 23:1-36; 22222 20:45-47)

38 ओ न अपनो सन्देस म उनखा कय्हो, सासतिरी हुन से चलाक रहनु, जे लम्बो-लम्बो कपडा पहिनो ख घुमनो अर बजार म नमस्कार,

39 अऊर प्रार्थना घर म अच्छी-अच्छी जगह अऊर खाना म चोक्सो स्थान भी चाहवा हैं।

40 वी विधवा हुन को घर को धन ख लुट लेवा हैं, अर दिखान को लाने बडी देर तक बिनती करते जावा हैं। यी सबसे ज्यादा दण्ड पाहे।

22222 22222 22 2222

(22222 21:1-4)

41 यीसु मन्दिर की दान पेटी को सामे बैठ ख देखत रह, कि अदमी भण्डार म कसो तरीका से दान डाला हैं; अर बेजा सारा धनवान हुन न बेजा कुछ डाल्यो।

42 इत्तो म एक कंगाल बाँझ न आ ख दो दमड़ी हुन जो एक अधेला को बराबर होवा हैं डाली।

43 तब ओ न अपना चेला हुन ख पास म बुलाय ख उनसे कही; “मी तुम ख सच्ची बोलू हैं। मन्दिर की दान पेटी म; डालन वाला हुन म से या कंगाल बाँझ न सबसे बड ख दान डाल्यो हैं।

44 काहेकि सब न अपनी धन कि बढ़ती म से डाल्यो हैं। पर ये ना अपनी घटती म से जो कुछ भी ओको हतो रह एको मतलब अपनी सबरी कमई म से डाल्यो हैं।”

## 13

2222222 22 2222 2222 22 222222222222

(222222 24:1,2; 22222 21:5,6)

1 जब उ मन्दिर से निकल्यो रह, ते ओखा चेला म से एक न ओसे कही, “अरे गुरु, देख कसो बडो पत्थर अर कसो बडो भवन हैं!”

2 यीसु न ओसे कय्हो, “का तुम यी बड़ा-बड़ा मन्दिर देखा हैं: यहाँ पर पत्थर पर पत्थर भी बचीया नी रहन का जो गीझायो नी जान को।”

22222 22 22222 22222 22 2222 2 222222

3 जब उ जैतून का टेकड़ा पर मंदिर को सामने म बठो हतो, ते पतरस अर याकूब अऊर यूहन्ना अऊर अन्द्रियास न अकेलो म जा ख ओसे पुछियो

4 “हमका बता कि या बात कब होए? अर जब या बात पुरी होन पर होए, उत्ती बखत को कोन सो चिन्ह होये?”

5 यीसु उन ख कहन लग गयो, सतरक रहनू कि कोई तुम ख चुंगल म नी फसा ले।

6 ढेर सारा मोरो नाम से आका तुमका कहे कि मी उयी आय! अर ढेर सारा ख भैय्या देहे,

7 जब तुम लड़ाई पर लड़ाई हुन कि बात सुने, ते घबरा मत जानो, काहेकि येको होनू तो जरूरी हैं पर उत्ती बखत अंत नी होन को।

8 काहेकि जात पर जात अर राज पर राज चढ़ाई करेगों। सब जगाम भूकम्प होए अर अकाल पड़े। उत्ती बखत तो दुख को आनो ही होए या पहली दुख कि पीड़ा को जसो हैं।

9 पर तुम खुद को बारे म समझ ख रहनु; काहेकि अदमी हुन तुमका बड़ी-बड़ी सभा म सोपेगो अऊर तुम पंचायत हुन म मार खाए, अऊर मोरो लाने मुनिम हुन अऊर राजा हुन को सामे खड़ा करा जाहे, ताकि उनको लाने गवाई होए।

10 पर जरूरी हैं कि पहले अच्छो समाचार सब जात म प्रचार करो जाहे।

11 तब वी तुम ख लेजा ख सोपे, ते पहले से चिन्ता मत करनु कि हम का कहे; पर जो कुछ भी तुम ख बोलनू हैं उत्ती बखत बतायो जाहे उई बोलनू; काहेकि बोलन वाला तुम नी होन का सुध्द आत्मा हैं।

12 वी दिन म भई ख भई अऊर बाप ख पोरिया मार खलान को लाने सोपे अऊर पोरिया पारी माय-बाप को बारे (विरोध) म उठ ख उनका मरवा डालेगो।

13 अर मोरो नाम को लाने सब झन तुम से घुस्सा करे। पर जो आखरी तक धीरज धरो रहे, ओको ही उध्दार होयगो।

~~2022 2022-2022~~

~~(2022 24:15-28; 2022 21:20-24)~~

14 “एकोलाने : जब तुम वा उजाइन वाली धुनित चीज ख जहाँ उचित नी हाय वाहा पर ओखा खडी देखे, (पढन वालो समझ लेहे) तब जे यहूदिया म हैं, वी पहाड हुन पर भग जाय;

15 जो छत पर रहे, उ अपनो घर म कुछ लेन ख लाने नीचू नी जानो चाहिए अर भीतर नी जानो चाहिए;

16 अर जे खेत म रहे, उ अपनो कपडा लेन ख लाने पीछु नी लउटन का।

17 उ दिन म जो पेट से रहे अर दुध पिलात होए, उनको लाने धितकार!

18 अर विनती कियो कर असो टण्ड को बखत नी होनो चाहिए।”

19 काहेकि वी दिन असा दुख ख होये कि पृथ्वी को सुरु से, जे परमेस्वर न बनायो हैं, अभी तक नी भयो न फिर कभी होन को।

20 अदि प्रभु वी दिन ख नी घटातो, ते कोई भी इंसान नी बचावत पर वी दिन चुनीया वाला हुन ख लाने जिनखा ओ न चुनियो हैं, वी दिन ख घटायो हैं।

21 “उत्ती बखत, कोई तुम से बोले, ‘देख, मसी यहाँ पर हैं!’ या, ‘देख, वहाँ पर हैं!’ ते भरोसा मत करनु।

22 काहेकि झूटा मसी अर झूटा भविष्यवक्ता निकल्या हैं अर चिन्ह अर अदभुत काम दिखाहे कि अदि हो सका हैं ते चुनीया वाला हुन का भैय्या देहे।”

23 पर तुम सतर ख रहनु; देखो मी न तुमका सबरी बात बता दियो हैं।

~~2022 20 2022 2 2022 2 2022 20 2022~~

~~(2022 24:29-31; 2022 21:25-28)~~

24 उ दिन हुन म, उ दुख को बाद सूरज अधरो जसो हो जाहे, अर चाँद उजाला नी देन को;

25 अर आकास ख तारा हुन गिइन लग जाहे, अर बादल कि सक्ति हुन हिलायी जाहे।

26 तब इंसान हुन इंसान को पोरिया ख बडी सक्ति अर मेहमा को संग बददल म आते देखेगो।

27 उत्ती बखत उ अपना स्वर्ग दूत हुन ख भेजेगो अर, दुनिया को यू सिरा से दुनिया को उ सिरा तक चारी दिसा हुन से अपना चुनीया वाला विस्वासी हुन ख एक जगा म जोडेगो।

~~2022 20 2022 20 2022 2022 2022~~

~~(2022 24:32-35; 2022 21:29-33)~~

28 “अंजीर को झाड से यू उदाहरन सिखो जब ओकी डगियान हुन से कोम नीकलन लग जावा हैं” अर पत्ता निकलन लग जावा हैं, ते तुम जान लेवा हैं, कि बरसात को टेम आएँगो हैं।

29 असोईच ही तरीका से जब तुम असी बात हुन ख होते देखे, ते समज लेव कि उ नजीक म हैं वरन दुवार को जोने ही हैं।

30 मी तुम से सच्ची बोल्तू हैं। कि जब तक या सब बात पुरी नी हो जान की तब तक या पिडी ख अदमी मरन का नी

31 आकास अर धरती टल जाहे, पर मोरी बात कभी नी टलन कि।

~~2022 2022~~

~~(2022 24:36-44)~~

32 उ दिन या उत्ती बखत को बारे म कोई नी जाना कि कब आहे, न स्वर्ग दूत अऊर न पोरिया; पर सिर्फ परमेस्वर बाप।

33 “देखो, जगते अर तैयार रहनु; काहेकि तुम नी जाना कि वा बखत कब आहेगो।



34 या उ अदमी कि सी दसा हैं। जो परदेस जाती बखत अपनो घर छोड़ ख जावा; अर अपना नउकर हुन ख अधिकार देवा हैं: अर हर एक ख उनको काम बता देवा अऊर दुवार पालिन ख जगते रहन को हुकुम देवा हैं।

35 एकोलाने जगते रहनू, काहेकि तुम नी जाना की घर को मालिक कब आहेगो, साँम ख या आधी रात ख या मुर्गा को बाँग देन को बखत या भुनसारो ख, या दिन नीकलन को बखत।

36 असो नी होवा कि उ तुमका अचानक आका तुमका सोते देखे

37 अऊर जोमी तुम से बोलू हैं, वई बात सब से बोलू हैं: जगते रहनो।”

## 14

~~~~~

(~~~~~ 26:1-5; ~~~~~ 22:1,2; ~~~~~ 11:45-53)

1 दो दिन को बाद म फसह अर अखमीरी रोटी को तिहार होन वालो हतो रह। बड़ा पुजारी अर सासतिरी या बात की ताक म पड़िया हता कि ओखा कसो छल-कपट को संग म पकड़ ख मार डाले;

2 पर बोलत रह, “तिहार को दिन नी कही असो नी होय कि अदमी हुन म लड़ई झगड़ा होन लग जाहे।”

~~~~~

(~~~~~ 26:6-13; ~~~~~ 12:1-8)

3 जब उ बैतनिय्याह म समोन कोढी को घर म खाना खान ख बैठियो हतो रह, तब एक बाई न संगमरमर को बर्तन म जटामासी को सबसे महेगो खुब मेहकन वालो सुध्द तेल (इतर) लंका आई; अर बर्तन टोड़ ख इतर ओको मुण्ड पर उण्डेलीयो।

4 पर कोइ-कोइ अपनो मन म गुस्सा होका कहन लग गया; “यू महेगो खुब मेहकन वालो तेल (इतर) को काहे ख नास दुस करो?”

5 काहेकि कि यू इतर तो तीन सब रोज कि दीनार से भी जादा म बेच ख गरीब हुन म बाट दियो जातो। अर वी ओखा हिड़कन लग गया।”

6 यीसु न उनसे कही, “कि ओखा छोड़ देव; ओ ख काहे सतावा हैं ओ न तो मोरो संग म काम भलो करो हैं।

7 गरीब हुन तुमारो संग म सदा रहे अर जब तुम चाहे तब उनको संग म रहे वी भलो कर सका हैं; पर मी तुमारो संग म सदा नी रहन को।

8 जे कुछ भी वा कर सकत रह ओ न करियो, ओ ना मोरो गाड़ो जान कि तैयारी म पहले से मोरो सरीर म इतर मलो हैं।

9 मी तुम ख सच्ची बोलू हैं कि सारो संसार म जहाँ कही भी सुभ समाचार प्रचार करो गयो हैं वहाँ ओको यू काम कि बात भी ओखा याद करन ख लाने करी जाहे।”

~~~~~

(~~~~~ 26:14-16; ~~~~~ 22:3-6)

10 तब यहूदा इस्करियोती जे बारा म से एक हतो रह, सबसे बड़ा पुजारी हुन को पास गयो कि यीसु ख उनको हात म पकड़वाहे।

11 वी यू सुन ख बड़ा खुसु भयो, अर ओखा पैसा देन को लाने वादा कियो अर वी तैयार हो गया; अर यहूदा इस्करियोती मऊका दुढ़न लग गयो कि यीसु का कसो तरीका से पकड़ा देहु।

~~~~~

(~~~~~ 26:17-25; ~~~~~ 22:7-14,21-23; ~~~~~ 13:21-30)

12 अखमीरी रोटी को तिहार को पहलो दिन, जेमा वी फसह को बलिदान चढात रह, ओखा चेला हुन न ओसे पुछो, “तु किते चाहवा हैं कि हम जाका तोरो लाने फसह खान कि तैयारी करे?”

13 यीसु न अपना चेला हुन म से दो ख असो कैय ख भेजियो, “सहर म जाव, अऊर एक अदमी पानी को मटका लेका, तुमका मिलेह, ओको पिछु हो लेनू।

14 अर उ जे घर म जाहे उ घर को मालीक से कहनु, गुरू न क्यहो हैं कि मोरी पाऊँनचारी को घर जेमा मी अपना चेला हुन को संग फसह खाऊँ किते हैं?

15 उ तुमका एक अर तैयार करी कराई बडी ऊपर वाली अटारी दिखाहे, वही अपनो लाने तैयार करनु।”

16 चेला हुन निकल ख यरूसलेम सहर म आया, अर जसो ओ न उनका क्यहो हतो, वसो ही मिल्या अर फसह को खाना तैयार करो।

17 जब साँम भई ते यीसु बारा चेला हुन को संग म आयो।

18 जब वी बैठ ख खाना खात रह हता, ते यीसु न क्यहो, “मी तुम से सच्ची बोलू हैं। कि तुममा से एक जो मोरो संग खाना खा रयो हैं, उ मोरा दुसमन हुन को हात मोखा पकड़वाहे।”

19 उनको मन उदास सो हो गयो, अर वी एक-एक कर ख ओसे कहन लग गया, “का उ मी आय प्रभु?”

20 यीसु न उन ख क्यहो, “उ बारा म से एक आय जो मोरो संग कटोरा म हात डाला रोटी ख खावा हैं।

21 काहेकि इंसान को पोरिया तो जसो ओको बारे म लिखो हैं, उ जाते ही रहे; पर उ अदमी पर धितकार जोको दुवारा अदमी को पोरिया पकड़वायो जाहे: अदि उ अदमी को जनम ही नी होतो ते भलो रहतो।”

~~~~~

(~~~~~ 26:26-30; ~~~~~ 22:14-20; 1 ~~~~~ 11:23-25)

22 यीसु न रोटी लियो, अर परमेस्वर ख धन्यवाद देका टोड़ियो, फिर उनका क्यहो “लेव यू मोरो सरीर आय।”

23 फिर यीसु न अंगूर को रस लेका परमेस्वर ख धन्यवाद दियो अर चेला हुन ख दियो; अर वी सब न ओमा से पीयो।

24 अर यीसु न उनका क्यहो “यू वादा को मोरो खून आय, जो ढेर झन को लाने बहायो जावा हैं।

25 मी तुमरो से सच्ची बोलू हैं कि अंगूर को रस उ दिन तक फिर कभी नी पीवन को, जब लक परमेस्वर को राज म नयो दाखरस नी पीऊ।”

26 फिर वी भजन गा ख बाहर जैतून को पहाड़ पर गयो।

~~~~~

(~~~~~ 26:31-35; ~~~~~ 22:31-34; ~~~~~ 13:36-38)

27 तब यीसु न उनसे क्यहो,

“तुम सब मोखा छोड़ ख भग जाहे,

काहेकि लिखो हैं:

‘मी रखवालो ख माँगो,

अर भेड़ हुन तितिर-बितर हो जाहे।’

28 “पर मी मोरो जिन्दो होन को बाद तुम से पहले गलील ख जाऊ।”

29 पतरस न ओसे कही, “अदि सब तोरो इंकार करे ते करे, पर मी इंकार नी करन को।”

30 यीसु न पतरस से कही, “मी तोसे सच्ची कहू हैं, कि आज कि रात ख मुर्गा को दो बार बासनो से पहले, तू तीन बार मोसे मूँह कर लेहे।”

31 पर पतरस अऊर भी हिम्मत से क्यहो, “अदि मोखा तोरो संग म मरनू भी पड़े तेभी मी तोरो इनकार कभी नी करन को।”

एको जसो अऊर सब न भी क्यहो।

॥२२२२२२॥ ॥२२२२२॥ ॥ ॥२२२२२॥

(॥२२२२२॥ 26:36-46; ॥२२२२॥ 22:39-46)

32 फिर वी गतसमनी नाम की एक जगा म आया, यीसु अपना चेला हुन से कय्हो, “यहाँ बठिया रहनु, जब तक मी बिनती करु हैं।”

33 अऊर उ पतरस अर याकूब अर यूहन्ना ख अपनो संग म ले गयो; अर बेजा ही अधीन अर बेचैन होन लगीयो,

34 अर ओ न कही, “मोरो मन बेजा उदास हैं, असो लगा हैं कि मी मरन पर हैं: तुम यहाँ रुखियाँ रहनो, अर जगते रहनो।”

35 फिर उ थोडो आगे बढ़ीयो, अर जमीन पा गिड ख बिनती करन लगिया गयो कि अदि हो सका हैं ते या दुख कि घडी मोरो ऊपर से टल जाय

36 अर कही, “अरे बाप, अरे भगवान, तोसे सब कुछ हो सका हैं; यू दुख को पियाला ख मोरो सामे से हटा ला तेभी जसो मी चाहूँ हैं वसो नी, पर जो तू चाहवा हैं वसो ही होय।”

37 फिर उ आयो अर उनका सोते देख का पतरस से कय्हो, “अरे समोन, तू सो रयो हैं? का तू थोड़ी देर भी नी जग पायो?

38 जगते अर बिनती करते रहनो कि तुम परीकछा म नी पडन का। आत्मा तो तैयार हैं, पर सरीर कमजोर हैं।”

39 अर उ फिर चलो गयो, अर बीच सब्द हुन से बिनती करयो।

40 फिर आका उनका सोते देखियो, काहेकि उनकी आँख नींद से भरी हती रह; अर नी जानत रह कि ओखा कसो जवाब देहे।

41 फिर तीसरो बार आका उन ख कय्हो, “अब सोते रहो अर आराम करो, बस, वक्त आ गयो; देखो इंसान को पोरिया पापी हुन ख हात पकड़वायो जाहे।

42 उठो, चलो! देखो, मोरो पकडान वालो नजीक म आ गयो हैं।”

॥२२२२॥ ॥ ॥२२२२॥ ॥२२२२२॥ ॥२२२२॥

(॥२२२२॥ 26:47-56; ॥२२२२॥ 22:47-53; ॥२२२२२॥ 18:3-12)

43 यीसु यू बोलत ही रह, कि यहूदा जो बारा हुन म से एक हतो रह, अपनो संघ म बडा पुजारी (प्रधान याजक) हुन अर सासतिरी अर सियाना कि तरफ से एक बडी भीड़ लेका तुरत आ पहुँचियो, जे तलवार अर लकड़ी हुन लियो हता।

44 यहूदा न यू पता दियो रह कि जोको मी चुम्मा लेहूँ उयी होयगो, ओखा पकड ख ले जानो।

45 उ आयो अर तुरत ओको कने जाय ख कय्हो, “गुरू!” अर ओखा चुमियो।

46 तब उन न ओ ख पकड़ लियो, अर बाँध लियो।

47 उनमा से जो पास खड़ा हता, एक न तलवार खीच का बडो पुजारी को नउकर पर चलायो, अर ओको कान काँट दियो।

48 यीसु न उनसे कही, “काहे तुम मोखा ड्राकू समझ ख मोखा पकडन को लाने तलवार हुन अर लट हुन संग म लेका नीकल्या हैं?

49 मी तो रोज दिन मन्दिर म तुमरो संग रह ख सिक्छा देते जात रह, अर तब तुमना मोखा नी पकड़ीयाँ: पर यु ऐखा लाने भयो कि सुध्द सास्र को लिखो पूरो होय।”

50 असो पर सब चेला हुन ओखा छोड़ख भग गया।

51 एक जवान अपनो नंगो सरीर म चद्दर ओढियो ओको पिछ्छु चलो गयो; अर इंसान हुन न ओखा पकड़ो।

52 पर उ चद्दर छोड़ख नंगो भग गयो।

॥२२२२॥ ॥२२॥ (॥२२२२॥) ॥ ॥२२२॥ ॥२२२॥

(॥२२२२॥ 26:57-68; ॥२२२२२॥ 18:12,13,19-24; ॥२२२॥ 22:54,55,63-71)

53 फिर उनना यीसु ख बड़ो पुजारी (महायाजक) को कने ले गयो; अर सब मुखिया हुन (प्रधान याजक) अर ओसे भी सियाना अर मूसा को नेम ख सासतिरी ओको यहाँ पर जुड गया।

54 पतरस दुर ही दुर से ओको पिछु-पिछु बड़ो पुजारी को आँगन को भीतर तक गयो, अर पैदल चलन वाला सिपाई को संघ बैठ ख आग तापन लग गयो।

55 बड़ो पुजारी अर यहूदी हुन कि बड़ी सभा यीसु ख मार डालन ख लाने ओको बारे म गवाई ख ढुढत रह, पर नी मिल्या।

56 काहेकि बेजा सारा ओको बारे म झूठी गवाई देत रह, पर उनकी गवाई एक जसी नी हती।

57 तब कुछ अदमी हुन न उठ ख यीसु को बारे म या झूठी गवाई दी,

58 “उन न ओसे क्यहो हम न ऐका यू कहते सुनियो हैं, मी यू हात को बनायो हुयो मन्दिर ख मिटा देहु, अर तीन दिन म दुसरो बना देऊ, जो हात से नी बनयो होए।”

59 असो पर भी उनकी गवाई एक जसी नी निकल।

60 तब बड़ो पुजारी न बीच म खडो हो ख यीसु से पुछियो; “तू कोइ जवाब काहे नी देवा? यी अदमी हुन तोरो बारे म का गवाई देवा हैं?”

61 पर उ चुप चाप रयो, अर कुछ जवाब नी दियो। बड़ो पुजारी (महायाजक) न फिर पुछियो, “का तू उ परम धन्य को पोरिया (पोरिया) मसी आय?”

62 यीसु न क्यहो, “मी आय: अर तुम ईसान को पोरिया ख सर्व सक्ति मान को दाहिनी तरफ बठियो, अर आकास को बदल हुन को संग आते देखेगो।”

63 तब बड़ो पुजारी न अपनो कपडा फाड़ ख क्यहो, “अब हमका गवाह हुन को का काम हैं?”

64 तुमना या बुराई सुनियो। “तुम्हारी का राय हैं?” उन सब न क्यहो कि यू मोत की सजा देन को लायक हैं।

65 तब तो कोइ ओपर थूकन, अर कोइ ओको मुंडो ढाँकन अर ओखा मुक्का मारन, अर ओसे कहन लगया, “भविष्यवानी कर!” अर सिपाई हुन न ओ ख पकड़ ख थप्पड़ मरिया।

~~~~~

(~~~~~ 26:69-75; ~~~~~ 22:56-62; ~~~~~ 18:16-18,25-27)

66 जब पतरस नीचु आँगन म हतो, ते बड़ो पुजारी महायाजक की दासी म से एक से वहाँ आई,

67 अर पतरस ख आग तापते देख ख ओ ख टकटकी लगा ख देखयो अर कहन लग गई, “तु भी तो उ यीसु नासरी को संघ म हतो।”

68 ओ न मुंडो कर लियो, अर क्यहो, “मी नी जानू अर न मी समझू हैं कि तू का बोला हैं।” फिर उ बाहर परेल (डेवली) पर गयो; अर मुर्गा न बाँग दियो।

69 वा नऊकरानी (दासी) ओखा देख ख उन ख जे सामे खड़ीयाँ हता, फिर कहन लग गई, “यू उनमा से एक आय।”

70 पर ओ न फिर मुडो कर लियो।

थोड़ी देर को बाद उन ना जे ओको नजीक म खड़ा हता फिर पतरस से क्यहो, “मोखा सच्ची म पुरो भरोसा (निस्वय) हैं कि तू उनमा से एक आय; काहेकि तू गलीली भी आय।”

71 तब उ परमेस्वर कि कसम खान लगयो, “मी उ अदमी ख, जोकी तुम चर्चा करा हैं नी जानू।”

72 तब तुरत दुसरो बार मुर्गा न बाँग दियो। पतरस ख वा बात जे यीसु न ओसे कही रह ध्यान अई: “मुर्गा को दो बार बाँग देने से पहले तू तीन बार मोरो इनकार करे।” अर उ या बात ख सोच ख फुट-फुट क रोन लगयो।

15

~~~~~

(~~~~~ 27:1,2,11-14; ~~~~~ 23:1-5; ~~~~~ 18:28-38)

1 भुनसारो होते ही तुरत बड़ा मुखिया पुजारी, (प्रधान याजको) सियाना हुन, अर मूसा को नेम ख सासतिरी, अर फरीसी कि सभा न सलाह कर ख यीसु ख बन्धवायो, अर ओखा ले जाय ख पिलातुस को हात म सोउप दियो।

2 पिलातुस न ओसे पुछियो, “का तू यहूदी हुन को राजा आय?”

यीसु न ओखा उत्तर दियो, “तू खुद ही बोला हैं।”

3 बड़ा पुजारी हुन ओपर बेजा सारी बात हुन को दोस लगात रह।

4 पिलातुस न ओसे पुछियो, “का तू कुछ जवाब नी देवा, देख यी तोपर किन्ती बात को आरोप लगावा हैं?”

5 यीसु न फिर कुछ जवाब नी दियो; यहाँ तक कि पिलातुस ख बड़ो आस्वर्च भयो।

*Matthew 27:15-16; Mark 15:1-5; Luke 23:2-5*

*(Matthew 27:15-26; Mark 15:13-25; Luke 23:2-5; John 18:39-40)*

6 पिलातुस उ तिहार म कोई एक बन्धियो का जेखा वी चाहवा हैं, उनको लाने छोड़ देत रह।

7 बरअब्बा नाम को एक इंसान ख भी चोरी करन वाला (बलवाइयो) को संग म बन्धियो हतो, जेना रोमी सासन को विरोध म लड़ाई म हत्या करी रह।

8 अर भीड़ ऊपर जा ख ओसे विनती करन लग गई, कि जसो तू हमारो लाने रीति-रिवाज को अनुसार करते आयो हैं वसो ही कर।

9 पिलातुस न उनका जवाब दियो, “का तुम चाहवा हैं, कि मी तुमरो लाने यहूदी हुन को राजा ख छोड़ देहु?”

10 काहेकि उ जानत रह, कि बड़ा पुजारी हुन न ओखा घुस्सा से पकड़ायो हैं।

11 पर पुजारी हुन न अदमी हुन ख उकसायो कि वी पिलातुस से माँगे की यीसु को बदला बरअब्बा ही ख उनको लाने छोड़े।

12 यू सुन ख पिलातुस न उनसे फिर से पुछियो, “ते जेखा तू यहूदी हुन को राजा बोला हैं, ओको संग मी का करु?” पिलातुस न फिर भीड़ से पुछो

13 वी फिर चिल्लाया, “ओखा सूली पर चढ़ा दे।”

14 पिलातुस न उनका कय्हो, “काहे, येना का गुनाह करो हैं?” पर वी अऊर भी चिल्लाया, “ओखा सूली पर चढ़ा दा।”

15 तब पिलातुस न भीड़ ख खुस करन को लाने उनकी इच्छा से, अर बरअब्बा ख उनको लाने छोड़ दियो, अर यीसु ख कोडा मरवा ख सोप दियो कि सूली पर चढ़ायो जाय।

*Matthew 27:27-28; Mark 15:16-19; Luke 23:34-35*

*(Matthew 27:27-31; Mark 15:19:2,3)*

16 सैनिक हुन ओखा किला को भीतर को आँगन म ले गया जो किला भी कारखाना कहलावा हैं, अर पुरी पलटन ख बुला ख लाया।

17 तब उन न ओखा बैजनी रंग को कपड़ा पहनायो अर काटा कि डगियान को मुकुट गुथ ख ओकी मुंड पर धरयो

18 असो बोल ख ओखा हात जोड़ ख नमस्कार! करन लग गया, “अरे यहूदी हुन को राजा लम्बो बखत तक जितो रहे!”

19 वी ओकी मुंडी पा कोडा सरकण्डा मारत, अर ओपर धुकत रह, अर पाय मोढ़ ख ओसे हात जोड़त रह।

20 जब उन न ओको मजाक उड़ा लियो, ते ओपर से बैजनी रंग को कपड़ा उतार ख ओको ही कपड़ा पहनायो; अर तब ओखा सूली पर चढ़ान को लाने बाहर ले गया।

*Matthew 27:32-34; Mark 15:20-24; Luke 23:36-38*

*(Matthew 27:32-44; Mark 15:23:26-43; Luke 23:17-27)*

21 सिकन्दर अर रुफुस को बाप समोन, एक कुरेनी इंसान, जे गाँव से सहर से आत रह उते से निकलियो; उन ना ओखा बेकार म पकडीयो कि ओको सूली उठा ख ले चले।

22 जिन्ना यीसु ख गुलगुता नाम की जगा म जोको मतलब हैं खोपडी कि जगह हैं, लाया।

23 वहाँ पर ओ ख मुर मिलो हुयो अंगूर को रस देन लगिया, पर ओ ना नी लियो।

24 तब उन न ओ ख सूली पर चढ़ायो अर ओको कपडा पर चिट्ठी हुन डाल ख, कि कोन सो का का मिले, उन ना बाट लियो।

25 सुबेरो को बखत नव बजो रह, जब उन ना ओखा सूली पर चढ़ायो।

26 अर ओको उपर आरोप लिख ख ओको ऊपर लगा दियो गयो कि “यहूदी हुन को राजा”।

27 उन न ओको संग म दो डाकू, एक ओको दहिनी हात बाजू एक ओको बायी बाजू सूली पर चढ़ायो।

28 तब उ सुध्दसास को उ वचन कि उ अपराधी हुन को संग म गिनो गयो, पुरो भयो।

29 अर रस्ता म जान वाला मुण्डी मटका मटका ख अर असो बोल का ओकी बुराई करत रह, “वाह! मन्दिर को गिडान वालो, अर तीन दिन म बनान वालो!

30 सूली म से उतर ख अपनो तुम ख बचा ल।”

31 असो तरीका से पुजारी हुन भी, सासतिरी हुन, एक दुसरो म मजाक से बोलत रह, “थेना तो दुसरा ख बचायो, पर अपनो तुम ख नी बचा सकियो।

32 इस्राएल को राजा, मसी, अब सूली म से उतर आहे कि हम देख ख भरोसा करे।”

अऊर जे ओको संग सूली हुन पर चढ़ायो गया रह, वी भी ओकी बुराई करत रह।

~~~~~

(~~~~~ 27:45-56; ~~~~~ 23:44-49; ~~~~~ 19:28-30)

33 दोपहर होते ही पुरो देस म अंधेरा सो हो गयो, अर तीसरो पहर तक हतो।

34 तीसरो पहर यीसु न बड़ी जोर से चिल्लाया ख कय्हो, “इलोई, इलोई, लबा सबक्तनी?” जोको मतलब यू हैं, “अरे मोरो परमेस्वर, अरे मोरो परमेस्वर, तुना मोखा काहे छोड़ दियो?”

35 जे पास म खड़ा हता, उनमा से कुछ न यू सुन ख कय्हो, “सुनो, यू एलिय्याह ख हाँका देवा हैं।”

36 अर एक न दऊड ख एक पानी म रहन वालो जीव (स्पंज) ख सिरका म डुबोयो, अर गाठदार सरपत को एक झाड़ (सरकण्डा) कि लकड़ी पर रख ख ओखा पिलायो (चुसायो) अर कय्हो “रुक जाव, देखे, एलिय्याह ओखा कूस पर से उतारन को लाने आवा हैं कि नी।”

37 तब यीसु न बड़ी आवाज से चिल्लाया ख जान छोड़ दियो।

38 अर मन्दिर को परदा ऊपर से नीच तक फट ख दो टुकड़ा हो गयो।

39 जो अधिकारी कूस को सामे खड़ा हता, जब ओखा असो चिल्लाया ख जान छोड़ते देखियो, ते ओ न कय्हो, “सच्ची म यू इंसान परमेस्वर को पोरिया हतो!”

40 कई बाई हुन भी दूर से देखत रह: उन म मरियम मगदलीनी, छोटो याकूब अर योसेस कि माय मरियम, अर सलोमी हती।

41 जब यीसु गलील म हतो ते यी ओको पिछ्छु हो लेत रह अर ओकी सेवा करत रह; अर कई ढेर सारी बाई हुन हती, जो ओको संग म यरूसलेम ख आई रह।

~~~~~

(~~~~~ 27:57-61; ~~~~~ 23:50-56; ~~~~~ 19:38-42)

42 जब साम हो गई ते एकोलाने कि तैयारी को दिन हतो, जो यहूदी हुन को आराम करन को दिन जे एक दिन पहले होवा।

43 अरिमतिया को रहन वालो यूसुफ आयो, जो बड़ी सबा (महासभा) को सदस्य हतो अर स्वयं भी परमेश्वर को राज कि रस्ता देखत रह। उ धीरज धर ख पिलातुस को पास गयो अर यीसु की लास सरीर माँगियो।

44 यू सुन ख पिलातुस का आस्वर्ग भयो कि यीसु इत्तो झलदी मर गयो; अर ओ ना सव सैनिक को ऊपर हक रहन वालो (अधिकारी) ख बुला का पुछीयो, “काहे ओखा मरिया देर हो गई का?”

45 जब ओ न उई अधिकारी को दुवारा हाल जान लियो, ते लास यूसुफ ख दे दियो।

46 तब ओ न मलमल को एक चदर को कपड़ा मोल म लियो, अर लास ख उतार का उ चादर म लपेटियो, एक मरघट को गड्डा जो पत्थर को अन्दर काट ख बनायो हतो रह, अर मरघट जहाँ पर ओको सरीर धरीयो रह वहाँ पर पत्थर दरवाजा म लगा दियो

47 मरियम मगदलीनी अर योसेस कि माय मरियम देखत रह कि ओको सरीर का कहाँ धरा हैं।

## 16

~~~~~

(~~~~~ 28:1-8; ~~~~~ 24:1-12; ~~~~~ 20:1-10)

1 जब आराम करन को दिन बीत गयो ते, मरियम मगदलीनी, अर याकूब कि माय मरियम, अर सलोमी न अच्छो मेहकन वालो इतर मोल लेखा आया कि आ ख ओपर मलें।

2 हफ्ता को पहलो दिन बड़ी सुबेरे ख, जब दिन नीकल्यो ही हतो, वी मरघट म अई,

3 अर एक दुसरी से असी बोलत रह, “हमारो लाने मरघट को दरवाजा से अन्दर जान को लाने पत्थर कोन बगल करे?”

4 जब उन न आँख उठाई, ते देखो कि पत्थर लुढ़को हैं उ बेजा बडो हतो।

5 मरघट को भीतर जाख उन न एक जवान ख सफेत कपड़ा पहिनियो दाहिनी तरफ बठीयो देखो, अर बेजा डर गई।

6 ओ न उनसे क्य्हो, “चकित मत होव, तुम यीसु नासरी ख जो सूली पर चढ़ायो गयो रह, दुढ़ा हैं। उ जिन्दो हो गयो हैं; यहाँ नी हाय; देख लेव या वई जगा आय, जिते उन न ओखा रखियो रह।

7 अर तुम जाव अर ओखा चेला अर पतरस से कहनु कि उ तुमरा से पहलो गलील ख जाएगो। जसो ओ न तुम ख क्य्हो रह, तुम वही पा ओ ख देखे।”

8 अर वी नीकल ख समसान घाट से भग गई; काहेकि कापनो अर घबरानो उनको भीतर समा गई रह; अर उन न कोई से कुछ नी क्य्हो, काहेकि सच्ची म डर गई रह।

~~~~~

(~~~~~ 28:9-10; ~~~~~ 20:11-18)

9 हफ्ता को पहलो दिन भुनसा सारा होते ही उ जिन्दो हो ख सबसे पहिले मरियम मगदलीनी ख जेमा सात भूत कि आत्मा हुन समाई हती रह, दिखाई दियो।

10 ओ न जाख यीसु को संघ म रहन वाला हुन ख जो दुख म डुबीया हता अर रोवत रह, खबर दियो।

11 उन न असो सुन ख कि उ जिन्दा हैं अर उन न ओ ख देखो हैं, भरोसा नी करो।

~~~~~

(~~~~~ 24:13-35)

12 येको बाद यीसु दुसरो रूप म उनमा से दो ख जब वी गाँव की तरफ जात रह हता दिखाई दियो।

13 उन न भी जाख दुसराझना ख खबर दियो, पर उन न उनको भी भरोसा नी करयो।

~~~~~

(~~~~~ 28:16-20; ~~~~~ 24:36-49; ~~~~~ 20:19-23; ~~~~~ 1:6-8)

14 ओको पिछु उ वी ग्यारह हुन ख भी, जब वी खाना खान बठीया हता दिखो रह, अर उनको सक करनु अर मन को डीट पन को वजेसे (उलाहना) गवाई दियो, काहेकि उनना ओको जिन्दो होनू को बाद ओखा देखियो रह, इनना ओको अविस्वास करयो हतो।

<sup>15</sup> अर ओ न उन ख से कय्हो, “तुम पुरो संसार म जाख पुरी दुनिया ख इंसान हुन ख सुभ समाचार कि खबर सुनाव।

<sup>16</sup> जे भरोसा करे अर बपतिस्मा लेहे ओको ही उध्दार हो हे, पर जो भरोसा नी करन को उ दोसी ठहरायो जाहे;

<sup>17</sup> भरोसा करन वाला हुन कि यू चिन्ह होए कि वी मोरो नाम से भूत हुन ख निकाले, नई नई भासा बोलेंगो

<sup>18</sup> अदि वी साँप हुन ख उठा लेहे, अर अदि कोई ओखा धोका से जहर भी पिला देहे ते ते भी ओको कुछ नुकसान नी होन को; वी बीमार हुन पर हात धरेगो, अर वी अच्छा हो जाहे।”

???? ?? ???????

(???? 24:50-53; ????????? 1:9-11)

<sup>19</sup> प्रभु यीसु उन से बात करन को बाद स्वर्ग म उठा लियो गयो, अर परमेस्वर को दाहिनी तरफ बैठ गयो

<sup>20</sup> अर उन न नीकल ख हर जगा म प्रचार सुनायो, अर प्रभु उनको संघ म काम करते रह्यो अर वी चमतकारी निसान को द्वारा जे संग-संग म होत रह हता वचन ख मजबुत करते रयो। आमीन।



## लूका के द्वारा लिखा सुसमाचार लूका को दुवारा लिखो सुसमाचार भूमिका

लूका को दुवारा लिखियो भलो समाचार नयो नेम की चार किताब हुन म से एक हैं जे यीसु मसी कि जीवन को बारे म बतावा हैं। उन म से हर एक ख भलो समाचार बोलो जाय हैं, जेको मतलब हैं “भलो समाचार।” वी यीसु की माऊत को बाद मत्ती, मरकुस, लूका अऊर यूहन्ना दुवारा लिखिया गया रहा। लूका न सिरप यीसु को जीवन की कायनी लिखी, बल्कि ओ ना वा चिज को बारे म भी लिखियो, जो यीसु ख चेला हुन न ओकी माऊत अऊर फिर से जी उठन को बाद करयो, एक किताब जेखा प्रेरितो को काम बोलो जाय हैं। कोई नी जाना कि लूका को हिसाब से भला-समाचार (सुसमाचार) कब लिखो गयो रहा या कहाँ लिखो गयो रहा, लेकिन कई ग्यानवान या बात से सहमत हैं कि या करीब: यीसु को जनम को करीब 70 साल बाद लिखो गयो रह।

एको लिखन वालो लिखियो लूका आय, जे एक वैध डॉक्टर हतो। ओको लिखन अर भासा को लिखन को तरीका बतावा हैं कि उ एक बडो पढ़ो लिखो इंसान हतो। लूका यीसु को जीवन को एक सही जानकारी लिखन कि कोसीस करत, घटना हुन को उनको तरीका से बितन को तरीका से बतात रह कि, ताकि दुसरा ख ऐखा पढ़नु से फायदा हो सके। 1:1-3 उ यहूदी नी हतो कुलुस्सियो 4:10-14 अऊर ओ ना असो तरीका से लिखो कि अऊर भी समाज (गैर-यहूदी) ख इंसान हुन समझ सके। यू यहूदी रीति-रिवाज हुन 1:8। को बारे म अच्छो से समझान को तरीका से साफ-साफ तरीका से देखो जा सका हैं।

लूका को दुवारा लिखो सुसमाचार यीसु ख इस्राएल ख मालुम उद्धारकर्ता अऊर पूरी मानव जाति को उद्धार कर्ता दोई को रूप म बतावा हैं। लूका न लेखा जोखा रखियो हैं कि यीसु ख प्रभु की आत्मा दुवारा, “गरीब हुन ख खुसखबरी लानो” 4:18 को लाने बुलायो गयो रहा, अऊर यू भलो-समाचार सभी तरीका की जरूरत वाला इंसान हुन को लाने चिंता से भरयो हैं।

लूका को दुवारा लिखो गयो भलो-समाचार मत्ती, मरकुस, कि किताब हुन से मिलतो जुलतो हैं, काहेकि वी एक ही समान बात हुन को बतावा हैं अर असोईच ही तरीका से। तीन किताब हुन म, लूका यूहन्ना को बपतिस्मा देवन वाला को जनम को बारे म सबसे जादा जानकारी दे हैं। लूका की छमा पर भी जोर दे हैं। अध्याय 3:3; 11:4; 17:3-4; 23:24; 24:47 अऊर विनती 3:21; 5:16; 6:12; 11:1-12; 22:32 वारा म जोर देवह हैं।

### रूप-रेखा:

1. लूका न अपनो अच्छो समाचार को परिचय दियो अऊर बतायो कि ओ न ऐ ख काहे लिखो हैं। 1:1-4
2. यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो अर यीसु ख जनम अर बचपन। 1:5—2:52
3. यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो की सेवा। 3:1-20
4. यीसु की बपतिस्मा अर परिक्रमा। 3:21—4:13
5. गलील म यीसु की सेवा। 4:1—9:50
6. गलील से ले ख यरूसलेम तक यातरा। 9:51—19:27
7. यरूसलेम म आखरी हफ्ता। 19:28—23:56
8. प्रभु को फिर से जिन्दो होनू, दिखाई देनू, अर स्वर्ग म जानू। 24:1-53



1 डेर सारा न वी बात हुन को जो हमारो बीच म बिती हैं, इतिहास लिखनो म हात लगायो हैं,

2 जसो कि उनना जे पहलो से ही या बात हुन ख देखन वाला अर वचन ख सेवक हता, हमारो तक पहुँचायो ।

3 एका लाने, हे सिरिमान थियुफिलस मो ख भी यू चोक्खो मालूम भयो कि वी सब बात को पुरो हाल सुरू से सही-सही जाँच कर ख, उन ख तोरो लाने गिनती को अनुसार लिखू

4 ताकि तू यू समझ लेहे कि वा बात जिनकी तू न सिक्छा सिखो हैं, कसी अटल हैं ।

~~~~~

5 यहूदिया को राजा हेरोदेस को बखत म अबिय्याह को दल म जकरयाह नाम को एक याजक हतो, अर ओकी घरवाली हारून ओकी वंस की हती जेको नाम इलीसिबा हतो ।

6 वी दो ही परमेस्वर को सामने धर्मी हता, अर वी प्रभु की सारी बात अर आग्या पर बेकसूर चलन वाला हतो ।

7 पर ओको कोई भी आवलाद नी हती, काहेकि इलीसिबा बाँझ हती, अर वी दोई ही बूढ़ा हता ।

8 जब उ अपनो दल कि पारी पर परमेस्वर को सामे याजक को काम करत रहा हतो,

9 ते उ याजक हुन की रीति को अनुसार ओको नाम पर की चिट्ठी निकली की प्रभु को मन्दिर म जा ख धूप जलायो ।

10 अऊर धूप जलान को बखत म इंसान हुन की पुरी मण्डली बाहर प्रार्थना करत रह हती ।

11 ऊ बखत प्रभु को एक स्वर्गदूत धूप की वेदी की दाहिनी तरफ खडो भयो अर ओ ख दिखाई दियो ।

12 जकरयाह स्वर्गदूत ख देख ख डर गयो अर भयभीत हो उठियो ।

13 पर स्वर्गदूत न ओसे क्य्हो, “अरे जकरयाह डर मत (घबरावा) नी हो, काहेकि तोरी प्रार्थना मिना सुन ली गई हैं; अर तोरी घरवाली इलीसिबा से तोरो लाने एक पोरिया पैदा होएगो, अर तू ओको नाम यहून्ना रख ।

14 जे तोखा खुसी अर आनंद होएगो अर बेजा जन ओके जनम को कारन खुसी, होयगो

15 काहेकि उ प्रभु को सामने म बडो होए । उ अंगूर को रस अर दारू नी पीहे, पर अपनी माय ख पेट से ही सुध्द आत्मा से परिपूर्ण होए;

16 अर इस्राएली हुन म से ढेर सारा इंसान ख उन ख प्रभु परमेस्वर कि तरफ वापस लेहे ।

17 वी एलिय्याह की आत्मा अर सामर्थ्य म हो ख ओके आगु आगु चलोगो पितरो को मन बाल पोरिया हुन की ओर फेर देगो; अर बात नी माननू वाला ख धर्मी की समझ पर लाए अर प्रभु का लाने ईक योग्य प्रजा तैयार करेगों ।”

18 जकरयाह न स्वर्गदूत से पुछियो, “यु मी कसो जानु? काहेकि मी तो सियानो हो गयो; अर मोरी घरवाली भी सियानी हो गई हैं ।”

19 स्वर्गदूत न ओ ख उत्तर दियो, “मी जिब्राईल आय, जो परमेस्वर को सामने खडो रहू; अर मी तो ख या बात करन अर तोखा यू सुसमाचार सुनान को लाने भेजो गयो हैं ।

20 देख, जे दिन तक यू बात पुरी नी होए, उ दिन तक तू गुँगो रहे अर बोल नी सक काहेकि अपनो मोरी बात हुन ख जो अपनो बखत पर पूरो होवन वाली हैं, भरोसा नी करयो ।”

21 वी लोग जकरयाह की बाट देखत रहा अर अचम्भा करन लगियो । ओ ख मन्दिर म इत्ती देर काहे लगी ।

22 जब जकरयाह मन्दिर से बाहर आयो, ते उ बोल नी सकियो: एकोलाने: वी जान गया की ओ ना मंदिर म कोई सपना पाहे हैं; अऊर उ उन ख ईसारा करत रह, अर गुँगा रह गयो ।

23 जब ओ की सेवा का दिन पुरा भयो, ते उ अपनो घर म चलो गयो ।

24 वी दिन को बाद म ओकी घरवाली इलीसिबा पेट से भई; अर पाँच महीना तक अपनो तुम ख यु कह ख लूका रखियो,

25 “इंसान म मोरी नाम धराइ दुर करन को लाने, प्रभु न दिनो म मोरो ऊपर दया कर ख लाने असो करयो।”

~~~~~

26 छटवो महीना म परमेस्वर को तरफ से जिब्राईल स्वर्गदूत को, गलील नाम को नासरत सहर म,

27 एक कुंवारी को नजीक भेजो गयो जेकी मंगनी यूसुफ नाम दाऊद को घरानो को एक व्यक्ति से भई हती; वा कुंवारी को नाम मरियम हतो।

28 स्वर्गदूत न मरियम को पास अन्दर आयो अर कय्हो, “आनन्द अर जय तोरी होय जो पर प्रभु परमेस्वर को दया भयो है! प्रभु तोरो संग म हैं।”

29 उ यू वचन से बेजा डर गई, अर सोचन लगी कि या कसी तरीका की आदर हैं?

30 स्वर्गदूत न ओसे कय्हो, “अरे मरियम, डरनू मत, काहेकि परमेस्वर को दया तो पर हुआ है।

31 देख तू पेट से होए, अर तोरा ख एक पोरिया पैदा होए; तू ओको नाम यीसु रख।

32 उ महान होएगो अर परमप्रधान परमेस्वर को पोरिया कहलायेगो: अर प्रभु परमेस्वर ओके बाप दाऊद को राज्य सिंहासन ओखा देगो,

33 अर उ याकूब को परिवार पर सदा करेगो अर ओको राज को अन्त नी होन को।”

34 मरियम न स्वर्गदूत से कय्हो “यु कसो होगो। मी न तो अदमी को जान ही नी हैं।”

35 अर स्वर्गदूत न ओको उत्तर दियो सुध्द आत्मा तो पर उतरेगो, अर परमप्रधान परमेस्वर की सक्ति तो पर छाये करेगो: एकोलाने उ सुध्द जे पैदा होवन वाला हैं। परमेस्वर को पोरिया कहलाएगो।

36 अऊर देखो, साथिनापन म तोरी कुटुम्बी हुन इलीसिबा ख भी, पोरिया होन वालो हैं। अब ओको, जे बाँझ कह हती, छटवा महीना हो रहो हैं;

37 काहेकि जे वचन परमेस्वर की तरफ से होवा हैं उ जबरदस्त रहित नी होवा।

38 मरियम न कय्हो “देख मी प्रभु की दासी आय, मोखा तोरो वचन का अनुसार होव।” एको बाद स्वर्गदूत ओखा जोने से चलो गयो।

~~~~~

39 अऊर उन दिन हुन म मरियम उठ ख तुरत ही पहाड़ी सहर म यहूदा को एक मोहल्ला म गई,

40 अर जकरयाह को घर म जा ख इलीसिबा का प्रणाम करियो।

41 जसो ही इलीसिबा न मरियम को नमस्कार सुनियो, वसो ही पोरिया ओको पेट म उछलियो, अर इलीसिबा सुध्द आत्मा से भरपूर हो गई।

42 अर ओ ना बड़ी जोर से आवाज लगा ख कय्हो “तू ओरत हुन म धन्य हैं, अर तोरो पेट को फल चोक्खो हैं!”

43 यु आसीबाद मोखा कहाँ से भयो कि मोरो प्रभु की माय मोरो पास आयी?

44 देख, जसो ही मीना तोरो नमस्कार को सब्द मोरे कान म पडियो, वसो ही पोरिया मोरो पेट म खुसी से उछल पडियो।

45 धन्य हैं वी जेना भरोसा करयो कि जे बात प्रभु की तरफ से कही गई रह, वा पुरो होय।”

~~~~~

46 तब मरियम न कय्हो,

मोरो मन प्रभु की बड़ाई करा हैं

47 अर मोरी आत्मा मोरे उध्दार करन वालो परमेस्वर से खुस भई,

48 काहेकि ओ न अपनी दासी की दीनता पर नजर लगाई भई हैं;

एकोलाने देख अब से सब युग-युग के लाने सब मोखा चोक्खो कहेगो,

49 काहेकि उ सक्तिमान प्रभु न मोरो लियो बड़ो-बड़ो काम कियो हैं।

ओको नाम सुध्द हैं,

50 अर ओकी दया ओ पर जे ओसे डरत हैं  
उन पर उनकी पीढ़ी से पीढ़ी बनी हो रह हैं।

51 ओ ना अपनो सक्ति दिखायो,

अर जो अपनो तुम ख बड़ो समझत रह, उनखा तितिर बितर करयो।

<sup>52</sup> ओ ना बलसाली ख उनको सिंहासन हुन से गिरा दियो;

अर गरीब लचार ख ऊँचो करयो ।

53 ओ ना भूखा इंसान ख चोक्खो खाना से उनको पेट भरयो,

अर धनी हून ख खाली हात हेड दियो ।

**54** ओ ना अपनी सेवक इस्राएल ख समाल लियो,

अर अपनी वा दया का याद करे,

**55** जो अब्राहम अर ओको खानदान पर सदा बनी रहेगो,

जसो ओ ना हमारो बाप दादा से कय्हो हतो ।

56 मरियम करीब तीन महा ओको संग रह ख अपनो घर ख वापस गई।

???????? ???? ???? ????? ???? ???? ??

57 तब इलीसिबा को पोरिया-पारी पैदा करन को बखत पुरो भयो, अर ओ ना पोरिया का जनम दियो।

<sup>58</sup> ओखा पड़ोसी हुन अर कुटुम्ब हुन न यु सुन ख कि प्रभु न ओको ऊपर बड़ी दया करियो हैं, ओको संग खुसी मनायो ।

<sup>59</sup>अर असो हुआ कि आठ दिन को बाद वी पोरिया का खतना देन ख आया अर ओको नाम ओको दादा को नाम पर जकरयाह रखन लग।

<sup>60</sup> असो पर ओकी माय न जवाब दियो, “नी; ओको नाम यूहन्ना रखनू हैं।”

<sup>61</sup> उन ना ओसे कय्हो, “तोरों कटम्ब म कोई को य नाम नी हाय!”

62 एकोबाद उन ना ओको दादा से इसारा कर ख पुछियो कि तू ओको का नाम रखनू चाहवा है?

<sup>63</sup> ओ ना लिखन की पठटी माँग ख लिख दियो, “ओको नाम यहून्ना हैं,” अर सबका हैरानी भई।

64 एकोवाद ओखा मुँह अर जीभ तुरंत खुल गई; अर वी बोलन अर परमेस्वर का धन्यवाद करन लगयो।

<sup>65</sup> ओखा आजु बाजु को सब रहन वाला पर डर समा गयो; वचन की चर्चा यहूदिया के सारो देस म फैल पहाड़ी गई.

66 अर सब सुनन वाला न अपनो-अपनो मन म विचार कर ख क्य्हो, “यु पोरिया कसो होगो?” काहेकि प्रभु का हात ओके ऊपर संग हतो।

██████████ ███ ██████████-██████

67 ओखा दादा जकरयाह सुध्द आत्मा से भर गयो, अर भविश्यवानी करन लगीयो:

68 “प्रभु इस्राएल को परमेस्वर धन्य होय,

काहेकि ओ ना अपन लोग हन पर आँख लगायो हैं अर उनको छुटकारा करयो हैं।

69 अर अपनो सेवक दाऊद का घराना म  
हमरो लाने एक उध्दार को लाने सींग निकालीयो;

<sup>70</sup> (जसो ओ ना अपना सुध भविष्यवक्ता हुन को द्वारा जे दुनिया को सुरु से होते आयो हैं, कहयो हतों)

71 एकोमतलब हमारो दुसमन हन से,

अर हमरो सब बैरियो का हात से हमारो उध्दार कियो हैं,

72 कि हमारे दादा पर दादा पर दया कर  
का अपनो सुध्द वादा का ध्यान करे,

- 73 अर वी कसम जो ओ ना हमारो पिता अब्राहम से खायो हती,  
 74 कि वी हमका उध्दार देगो कि  
 हम अपनो दुसमन का हात से छुटियो,  
 75 ओके सामन सुध्दता अर धार्मिकता से जीवन भर निडर रहकर  
 ओकी सेवा करत रहू।  
 76 अर तू हे पोरिया, परमप्रधान को भविष्यवक्ता कहलाएगो,  
 काहेकि तू प्रभु का रस्ता तैयार करन का लियो ओके आगु-आगु चलेगो,  
 77 कि ओके लोगो को उध्दार का ग्यान दे,  
 जे ओके पाप हुन की छमा से प्राप्त होत हैं।  
 78 यू हमारो परमेस्वर की उ बड़ीयो दया से होए  
 जेका लाने स्वर्ग से हमारो ऊपर भुसारो को उजरा होएगो,  
 79 कि अंधकार अर मृत्यु की छाव म बैठन वाला को ज्योति दे,  
 अर हमारो पैरो का सान्ति रस्ता म सीधो हमका चलयो।”  
 80 अर यु पोरिया बढत अर आत्मा म बलवन्त होतो गयो अर इस्राएल पर प्रगट होन का दिन  
 तक लक जंगल हुन म रया।

## 2

???? ? ???

(????? 1:18-25)

- 1 वी दिनो म ओगुस्तुस कैसर की तरफ से आग्या निकलियो कि सारो दुनिया के लोगो के नाम  
 लिखो जाए।  
 2 यु पहली नाम लिखाई ओ बखत म सुरु हुई, जब क्विरिनियुस सीरिया को हाकिम हतो।  
 3 सब लोगो न अपनो-अपनो नाम लिखवान ख लियो अपन नगर म गयो।  
 4 अतः यूसुफ भी एकालाने की वी दाऊद ख घराने खानदान का हतो, गलील के नासरत नगर से  
 यहूदिया म दाऊद का नगर बैतलहम का गयो,  
 5 की अपन होवन वाली घरवाली (मंगेतर) मरियम का संग जे पेट से हती नाम लिखवायो।  
 6 ओखा वहाँ रहतो ओके जनन के दिन पूरो हुआ,  
 7 अर वा अपनो बड़ो पोरिया जनी, अर ओखा कपडा म लपेट ख बईल का कोठा म रखी; काहेकि  
 ओको लाने सराय म जगह नी हती।

?????? ???? ??????? ????? ????? ? ???

- 8 अर ओखा देस म कितना गडैरी हता, जे रात ख मैदान म रहकर अपनो झुंड को पहरा देता  
 हता।  
 9 अर प्रभु ख एक दूत ओके पास आकर खडो भयो अर प्रभु एक का दूत को उजाला ओके चारो  
 तरफ चमक, अर वी बेजा डर गया।  
 10 तब स्वर्गदूत न ओसे कहयो “मत डर; देख ल काहेकि, मी तुम ख बड़ी खुसी की खबर सुसमाचार  
 सुनान आयो जे सब लोगो को लाने होगो,  
 11 कि आज दाऊद को नगर म तुम्हारो लाने एक उध्दार कर्ता दाता पैदा भयो हैं, अर उही प्रभु  
 यीसु मसी आय।  
 12 अर तुमारो लाने चिखान होऐ; तुम एक पोरिया ख कपडा म लपेटो अऊर बईल का कोठा म  
 लेटा पाहै।”  
 13 एका बाद उ स्वर्गदूत को ऐख दल परमेस्वर कि स्तुति करते हुआ अर कहते दिखाई दियो,  
 14 “आकास म परमेस्वर की महिमा अर जमीन म पर  
 उन मनुष्यो म जे से यू खुस हैं, सान्ति होए।”

15 जब स्वर्गदूत ओके नजीक से स्वर्ग को चलो गयो, ते भेड़ी हुन न आपस म कहन लगिया, “आ, हम बैतलहम म जा ख यू बात भई हैं, अर जे से प्रभु न हम ख बतायो हैं, देखे।”

16 अर ओ ना तुरंत जाकर मरियम अर यूसुफ ख, बईल का कोठा म उ पोरिया ख पड़ो देखियो।

17 इनका देख कर ओ न यु बात जो इ पोरिया को विसय म ओ से कहयो गयो हतो प्रगट की

18 अर सब सुनन वाला न उन बात से जो भेड़ी चराना वाला गाइरी हुन से ओसे कहयो अचम्बा कियो।

19 परन्तु मरियम या सब बात ख अपनो मन म रखकर सोचत रही।

20 अर भेड़ी चरान वाला जसो ओ से कहयो गयो हतो वसो ही सब सुन कर अर देखकर परमेस्वर की महिमा अर स्तुति करत भया लउट गयो।

~~~~~

21 जब आठवाँ दिन पूरा भयो अर ओकी खतना को बखत आयो, ते ओको नाम यीसु रखो गयो जो स्वर्गदूत न ओके पेट म आनो से पहिले कय्हो हतो।

~~~~~

22 जब मूसा को नेम को अनुसार ओको सुध्द होन का दिन पुरो भयो, ते वी यरूसलेम म ले गयो कि प्रभु को आगु लायो,

23 (जसो कि प्रभु को नेम (व्यवस्था) म लिख्यो हैं: “हर एक पहलो वालो पोरिया प्रभु का लियो सुध्द ठहरगो।”

24 अर प्रभु कि नेम को अनुसार ईक जोडा “पंडुको को अर एक जोडा या कबूतर को दो बच्चा हुन” ख लेकर ओकी बलि चढ़ा हैं।

~~~~~

25 यरूसलेम म समोन नाम को एक अदमी हतो, अर वी अदमी धर्मी अर भक्त हता; अर इस्राएल सुख सान्ति की रस्ता देखत रह हतो, सुध्द आत्मा उ पर हती।

26 अर सुध्द आत्मा ओ पर प्रगट भयो हती कि जब तक वी प्रभु के मसी का देख नी लेगो, तब तक मृत्यु ख नी देखेगो।

27 वी आत्मा का सिखानो से मन्दिर म आयो; अर जब माय-बाप उ बालक पोरिया यीसु का आन्दर लायो, कि ओके लियो नेम की रिती को अनुसार करे,

28 तो ओ न ओखा अपनो गोद न लियो अर परमेस्वर को धन्यवाद कर ख कय्हो:

29 “हे स्वामी, अब तू अपनो दास ख अपनो वचन (सब्द) के अनुसार सान्ति से विदा करा हैं,

30 काहेकि मोरी आँखी न तोरो उध्दार का देख लियो हैं,

31 जे ख तू न सब सहर हुन का ईसान हुन का आगु तैयार कियो हैं,

32 कि वी दुसरी जात का प्रकास देनो का लियो उजियाला,

अर तोरो निज लोग इस्राएल की महिमा होए।”

33 ओखा बाप अर ओकी माय या बात से जे ओके बारे म कय्हो जावत हती, आश्चर्य करत हता।

34 समोन न ओ ख आसीस देकर, ओकी माय मरियम से कहयो, “देख, वी तो इस्राएल म बेजा जन का गिरन, अर उठान का लाने अर एक आसो चिखान होन का लाने ठहरायो गयो हैं, जेके विरोध म बात की जाएगो

35 अर तोरो मन का भी तलवार से चलायो आर पार छिदा जाएगो ऐसे बेजा दिल का विचार प्रगट होगो।”

~~~~~

36 आसेर गात म से हन्नाह नामक फनूएल की पोरी एक भविष्यव्दक्तिन हती। वा बेजा बूढ़ी हो गई रह, अर सादी होनो का बाद सात वर्स तक अपनो पति का संग रह पाई हती।

37 वी चऊरासी वर्स से विधवा हती: अर मन्दिर ख नी छोड़त हती पर उपास अर प्रार्थना कर कर ख रात-दिन सेवा करत हती।

38 अर वा बखत म आकार परमेस्वर को धन्यवाद करन लगियो, अर उ सभो से, जे यरूसलेम नगर की छुटकारा की रस्ता देखत रह हती, उ बालक पोरिया को बारे म बात करन लगियो।

~~~~~

39 जब वी प्रभु का नेम का अनुसार सब कुछ पुरो कर चुक्या ते गलील म अपन नगर नासरत ख फिर वापस चल्या गया।

40 अर बालक पोरिया बढ़तो, अर ताकतवार होतो गयो, अर बुद्धि हे म भरपूर होत गयो; अर परमेस्वर को किरपा ओ पर हतो।

~~~~~

41 ओखा माय-बाप हर साल कटनी को फसह मनावन को लाने यरूसलेम जावत रह।

42 जब यीसु बारा साल को भयो, ते वी तेवार की रीति-रिवाज को अनुसार यरूसलेम ख गयो।

43 जब वा दिन का पुरा कर ख लउटन लगिया, ते पोरिया यीसु यरूसलेम ख रह गयो; अर यु ओखा माय-बाप नी जानत रह की।

44 वी यू समझकर कि वी अन्य यातरिया का संग होएगो, एक दिन का बाद पडावा निकल गयो: अर ओखा अपनो कुटुम्ब का अर जानन पहिचानन वाला भी ढूढन लगिया।

45 पर जब नी मिलियो, ते ढूढते-ढूढते यरूसलेम ख फिर से लोउट गया,

46 अर तीन दिन को बाद म यीसु उन ख ओखा मन्दिर म सिखान वाला हुन को बिच म बठियो, अर उनकी सुनन अर उनसे पुछते कर हुए पायो।

47 जित्ता ओकी सुनत रह हते, वी सब ओकी समझा अर ओखा उत्तर से दंग होत रह।

48 अऊर ओको माय बाप ओ ख देख ख अचम्भा म पड़ गयो। ओ कि माय न ओ से कह्यो, “पोरिया तुमन हमारो संग म असो काहे कियो? देख तुमारो बाप अर मी चिन्ता हतो, अर तुम ख ढूढ रयो हतो।”

49 ओ ना ओसे कहयो, तुम मोखा काहे ढूढा हैं? “का तुम नी जानत आय कि मोखा अपनो बाप को मंदिर म रहनो जरुरी हैं?”

50 पर जो बात ओ न उनसे कही, उन ना ओ से नी समझ।

51 तब वी उनको संग नासरत सहर गयो, अर उनको अधीन रह। अऊर ओकी माय न यी सब बात हुन ख अपनो मन म सजायो रखो।

52 अर यीसु म डील डोल म अर परमेस्वर अऊर लोग हुन ख दया म बढ़ते गयो।

### 3

~~~~~

(~~~~~ 3:1-12; ~~~~~ 1:1-8; ~~~~~ 1:19-28)

1 तिबिरियुस कैसर को राज्य को पंद्रहवे साल म जब पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया को दवा देना वाला वैच हतो अर गलील म हेरोदेस, इत्रैया अर तरखोनीतिस म ओखा भई फिलिप्पुस, अर अबिलेने म लिसानियास, चऊथाई को राजा हतो,

2 अर जब हन्ना अर कैफा मेन याजक हतो, उ बखत परमेस्वर का वचन जंगल म जकरयाह को पोरिया यहून्ना को नजीक पहुँचियो।

3 उ यरदन नदी के आसा-पास का सारो प्रदेश म जाय ख पाप हुन की माफी का लियो मन फिरनो के बपतिस्मा का प्रचार करन लगियो।

4 जसो यसायाह भविष्यवक्ता को कह्यो हुयो वचनो की किताब म लिखो हैं:

जंगल म एक पुकार न वालो का सब्द हो रह्यो हैं कि,

प्रभु का रस्ता तैयार करो ओकी रोट ख सिधो बनाओ।

5 हर एक घाट भर दी जाएगो,

अर हर एक टेकड़ा अर टिला निचू कियो जाएगो;

अर जे टोढो हैं अर जे सिधो,
अर जे ऊँचो नीचो हैं वी बराबर रस्ता बनाएगो।

6 अर हर इंसान परमेस्वर के उध्दार को देखेगो।

7 जे भीड़ की भीड़ ओसे बपतिस्मा लेन का निकल ख आवत रहा, ओसे उ कहत रह, हे साँप को पोरिया हुन, तुम ख कोना जता दियो कि आवन वालो गुस्सा से भागो।

8 एकोलाने तुम मन फिराव अर ओखा लायक फल लाओ, अर अपनो-अपनो मन म यू मत सोचो कि हमारो बाप अब्राहम आय; काहेकि मी तोसे कहत हूँ कि परमेस्वर इन पत्थर हुन से अब्राहम को लाने अवलाद पैदा कर सक हैं।

9 अब कुल्हाडी झाड़ हुन की जड़ पा रख्यो हैं, एकोलाने जे-जे झाड़ चोक्खो फल नी देवा हैं, वी काट ख अर आगी म झोका दियो जाएगो।

10 वी लोग हुन न ओसे पुछियो, “तो हम का करेगों?”

11 ओ न उनका उत्तर दियो, जेका पास दो कुरता हाए, वी ओके संग जेके नजीक नी हैं बाँट ले अर जेके पास खाना हो उ भी असो ही कर हौ।

12 कर लेन वालो भी बपतिस्मा लेना आयो अर ओसे पूछो हे प्रभु गुरू हम का करे।

13 ओ ना ओसे क्य्हो जो तुम्हारो लाने ठहरायो गयो हैं ओसे जादा मत लेनो।

14 सिपाहियो न भी ओसे यू पुछो हम का करे ओ ना ओसे क्य्हो बुरा (उपद्रव) न करनो अर न झूठो आरोप लगानो अर अपनो तन्खा (वेतन) पर खुस रहनो।

15 जब लोग आसा लगाए ख हता अर सब अपनो-अपनो मन म यूहन्ना का विसय बारे म सोचत रह: की यू ही मसी तो नी आय,

16 ते यूहन्ना न उन सब से क्य्हो, “मी तो तुम ख पानी से बपतिस्मा देऊ हैं, पर उ आनवालो हैं जो मो से सक्तिसाली हैं; ते इ योग्य भी नी की मी ओके जूता को बददी खोल सकू उ तुमका सुध्द आत्मा अर आगी से पानी संस्कार देगो।

17 ओको सूपडा ओको हात म हैं; अऊर उ अपनो खल्ला चोक्खो तरीका से सफा करेगों; अऊर गहूँ ख अपनो बखारी म इकट्टो करेगों; पर भूसा ख उ आगी म जे बुझन की नी जला देगो।”

18 अतः उ बेजा सी सिक्छा दे दे ख लोग हुन का चोक्खो खबर सूनात रहा।

19 पर जब ओ न चऊथाई देस का राजा हेरोदेस को ओके भई फिलिप्पुस की घरवाली हेरोदियास को बारे म अर सब बुरो काम करन वाला (कुकर्मा) को बारे म जे ओ न कियो हतो, उलाहना दियो,

20 ते हेरोदेस न उनना सब से बढ ख यू बुरो काम कियो कि यूहन्ना ख जेल म डाल दियो।

~~~~~

(~~~~~ 3:13-17; ~~~~~ 1:9-11)

21 जब सब लोगो न पानी बपतिस्मा लियो अर यीसु भी बपतिस्मा ले ख प्रार्थना कर रहे हतो, तो आकास खुल गयो,

22 अर सुध्द आत्मा सारीरिक रूप म कबूतर को जसो ओ पर उतरी, अर यू बददल से सव्द सुनाई दी गई आकास वानी: “तू मोरो सबसे अच्छो पोरिया आय, मी तोसे बेजा खुस हूँ।”

~~~~~

(~~~~~ 1:1-17)

23 जब यीसु तुम सिक्छा (उपदेस) करन लगियो, तो लगभग तीस साल की उम्र को हती अर (जसो समझो जात हैं) यूसुफ का पोरिया हतो अर वी एली को

24 अर मत्तात को, अर उ लेवी को, उ मलकी को, अर उ यन्ना को, अर उ यूसुफ को,

25 अर उ मत्तीत्याह को, अर उ अमोस को, अर उ नहुम को, अर उ असल्लाह को, अर उ नोगह को,

26 अर उ मात को, अर उ मत्तीत्याह को, अर उ सिमी को, अर उ योसेख को अर उ योदाह को

- 27 अर उ यूहन्ना को, अर उ रेसा को, अर उ जरूब्बाबिल को, अर उ सालतिएल को, अर उ नेरी को,
 28 अर उ मलकी को, अर उ अदी को, अर उ कोसाम को, अर उ इलमोदाम को, अर उ एर को,
 29 अर उ यहोसू को, अर उ इलाजार को, अर उ योरीम को, अर उ मत्तात को, अर उ लेवी को,
 30 अर उ समोन को, अर उ यहूदाह को, अर उ यूसुफ को, अर उ योनान को, अर उ इलयाकीम को,
 31 अर उ मलेआह को, अर उ मिन्नाह को, अर उ मत्तात को, अर उ नातान को, अर उ दाऊद को,
 32 अर उ यिसै को, अर उ ओबेद को, अर उ बोअज को, अर उ सलमोन को, अर उ नहसोन को,
 33 अर उ अम्मीनादाब को, अर उ अरनी को, अर उ हेस्त्रोन को, अर उ फिरिस को, अर उ यहूदा को,
 34 अर उ याकूब को, अर उ इसहाक को, अर उ अब्राहम को, अर उ तिहर को, अर उ नाहोर को,
 35 अर उ सरूग को, अर उ रऊ को, अर उ फिलिग को, अर उ एबिर को, अर उ सिलह को,
 36 अर उ केनान को, अर उ अरफच्छदक को, अर उ सेम को, अर उ नूह को, अर उ लिमिक को,
 37 अर उ मथूसिलह को, अर उ हनोक को, अर उ यिरिद को, उ महललेल को, अर उ केनान को,
 38 अर उ एनोस को, अर उ सेत को, अर उ आदम को, अर उ परमेस्वर को पोरिया हतो।

4

???? ?? ???????

(????? 4:1-11; ????? 1:12,13)

- 1 फिर यीसु सुध्द आत्मा से भर गयो, यरदन नदी म से लउटियो; अर चालीस दिन रोज तक आत्मा को सिखानू से जंगल म घूमत रयो;
 2 अर तब सैतान न ओकी परीक्छा करतो रय्हो। उ दिनो म ओ ना कुछ भी नी खायो, अर जब वी दिन पुरा भया, ते ओ ख भूख लगी।
 3 तब सैतान न ओसे कहयो, “अदि तू परमेस्वर को पोरिया आय, ते इ पत्थर से कह दा कि इ रोटी बन जाहे।”
 4 यीसु न ओ ख जुवाब दियो, “लिख्यो हैं: ‘अदमी सिरप रोटी से जिन्दो नी रहगो।’”
 5 तब सैतान न यीसु ख ले गयो ओको पल भर म दुनिया को सारो राज्य दिखायो,
 6 अर सैतान न ओ न कय्हो “मी तुम सब राज हुन ख अधिकार अऊर ऐको वैभव तोखा देहु, काहेकि उ मो ख दियो गयो हैं: अऊर जे से चाहूँ हैं ओ ख ही देहु हैं।
 7 ऐका लाने यदि तू मो ख पाय पढ़े तो यु सब तोरो हो जाएंगो।”
 8 यीसु न ओ ख जुवाब दियो “लिख्यो हैं: ‘तू प्रभु अपनो परमेस्वर पाय पड ल; अर केवल ओकी भक्ति कर।’”
 9 तब ओ न ओ ख यरूसलेम म ले जाए ख जाय ख मन्दिर की चोटी म खडो करियो, अऊर ओसे कय्हो, यदि तू परमेस्वर को पोरिया आय, तो अपनो तुम यहाँ से निचू गिरा दे।
 10 काहेकि लिख्यो हैं: वी तोरो बारा म अपनो स्वर्गदूत हुन ख हुकुम देहे, कि वी तोरी रक्छा करे,
 11 अऊर वे तो ख हातो ही हात उठा लेहे, असो नी होय की तोरो पाय म पत्थर से झट लगे।
 12 यीसु न ओखा जुवाब दियो, “यू भी कय्हो गयो हैं: तू प्रभु अपनो परमेस्वर कि परिकछा नी करनो।”
 13 जब सैतान सब परीक्छा कर चुको रह, तब कुछ बखत का लाने ओको जोने से चलो गयो।

???? ?? ???? ???? ???? ?? ??

(????? 4:12-17; ????? 1:14,15)

- 14 फिर यीसु आत्मा की शक्ति से भर हुओ, गलील प्रदेश ख लउटियो, अर ओकी चर्चा आसा-पास सारो देस म फैल गई।

15 वी ओके प्रार्थना घर म सिक्छा कर रयो, अर सब ओकी बडाई करत हते ।

(***** 13:53-58; ***** 6:1-6)

16 फिर वी नासरत म आयो, जे पर उ पालो-वसो गयो हतो; अर अपनो रीति का अनुसार छुट्टी दिन प्रार्थना घर म जाकर पढनो का लाने खडो हुओ ।

17 यसायाह भविष्यवक्ता की किताब ओखा दी गयो अर ओ ना किताब खोलकर वी जगह निकली जे म यु लिखो हतो:

18 “प्रभु का आत्मा मोपर हैं,

एकोलाने कि ओ ना बिखारी ख सुसमाचार सुनानो का लियो मेरो अभिसेक कियो हैं,

अर मो ख ऐको भेजो हैं

कि बंदी हुन को छुटकारे का

अर अंधो को दृष्टि पानो को चोक्खो प्रचार करैं

अर कुचलो वाला उन ख छुडाऊँ,

19 अऊर प्रभु ख खुसी रहन के वर्स ख बारे म प्रचार करैं।”

20 तब ओखा किताब बंद करवा सेवक के हात म दे दी अर बैठ गयो; अर प्रार्थना घर के सब लोग कि आँख ओ पर लगी हती ।

21 तब वी ओ ख कहना लगियो, “आज ही यु सास तुमरो आगु पूरो हुओ हैं।”

22 सब न ओ ख सराहा, अर जो किरपा की बात ओके मुँह से निकलत हती, ओसे अचम्भा हुयो; अर कहन लगियो, “का यू यूसुफ का पोरिया नी?”

23 ओ न ओसे क्य्हो, “तुम मोरे पर यु कहलावा अवस्य कहेंगो कि हे वैध, अपन तुम को चोक्खो कर! जो कुछ हम न सुनी हैं कि कफरनहूम म कियो गयो हैं, ओ ख यू अपनो देस म भी कर।”

24 अर ओ ना क्य्हो, “मी तुम से सच कहूँ कोई भविष्यवक्ता अपन देस म मान सम्मान नी पाए ।

25 मी तुम से सच कहूँ कि एलिय्याह ख दिनो म जब साढे तीन वर्स तक आकास बन्द रयो, यहाँ तक कि पूरो देस म बडो अकाल पड़ियो, ते इस्राएल म बेजा सी विधवा हुन हती ।

26 पर एलिय्याह ओ म से किसी के पास नी भेजो गयो, केवल सैदा के सारफत म एक विधवा के पास ।

27 अर एलीसा भविष्यवक्ता के बखत इस्राएल म ढेर सारा कोढी हुन हता रहा, पर सीरिया को निवासी नामान का ओमा से कोई सुध नी कियो गयो ।”

28 अऊर यी बात सुन ही जित्ता प्रार्थना घर म हतो, सब गुस्सा से भर गया,

29 अर उठकर ओ ख नगर से बाहर निकलियो, अर जी टेकरा पर ओखा नगर बसो हुओ हते, ओकी चोटी पर ले चल की वहाँ से निचू गिरा दे ।

30 पर वी ओके बिच म से निकल कर चलो गयो ।

(***** 1:21-28)

31 फिर वी गलील के कफरनहूम नगर को गयो; अऊर छुट्टी को दिन लोग हुन ख सिक्छा दे रहे हतो ।

32 वी ओके सिक्छा से चंकित हो गयो काहेकि ओखा वचन (सब्द) अधिकार सहित हतो ।

33 प्रार्थना घर म ईक अदमी हतो, जेम असुध दुस्तात्मा हती । ऊँचे सब्द से चिल्ला उठियो,

34 “हे यीसु नासरी; हम ख तोसे का काम? का तू हम ख नास करन ख आयो हैं? मी तोखा जानू हूँ तू कऊन आय? तू परमेस्वर को सुध जन हैं।”

35 यीसु न ओसे डांट ख क्य्हो, “चुप रह, अर ओमा से निकल जा!” तब दुस्तात्मा ओ ख बीच म पटक कर बिना कोई नुकसान पहुँचाए ओमा से निकल गई ।

36 या बात पर अदमी हुन ख अचम्भो (हुओ), अर वी आपस म बात कर ख कहन लगियो, “यु कसो सब्द (वचन) हैं? काहेकि वी अधिकार अर सामर्थ्य ख संग बुरी आत्मा ख आग्या देहु हैं अर वी निकल जय हैं।”

37 इ येका बाद यीसु से चारो तरफ ओकी हर जगह चर्चा होन लगी।

~~~~~ 8:14-17; ~~~~~ 1:29-34

38 वी प्रार्थना घर म से उठ ख समोन की सास को जुड चढो हुओ हतो, ओर उनना ओको लाने ओसे विनती करी।

39 ओ ना ओको जाने खडो हो ख बुखार ख डांटियो अर बुखार ऊतर गयो, अर वा तुरत उठ ख उनकी सेवा-चाकरी करन लग गई।

40 दिन डूबने बखत जिन जिन ख यु लोग कई प्रकार की बीमार म पड़े हुए हते, वी सब उन ख पास ले आया अर ओ ना एक एक पर हात रखकर उन ख चंगो कियो।

41 अर भूत (दुस्तात्मा) भी चिल्लाते अर या ओ म से निकल की “तु परमेस्वर को सुध्द पोरिया आय।”

कह बेजा म से निगल गई। पर वी ओ ख डांटते अर बोलन नी देत रह काहेकि वी जानत हती कि वी मसी हैं।

~~~~~ 1:35-39

42 जब दिन भयो ते वी निकल ख एक सुनसान जगह म गया अर भीड़ की भीड़ ओ ख ढँढते ओको पास आई, अर ओ ख रोकन लगी कि वी ओके पास से नी जाए।

43 परन्तु ओ न ओ से कय्हो, “मो ख अन्य सहरो म भी परमेस्वर को राज को सुसमाचार सुनान ख जानो अवस्य हैं काहेकि मी ऐका खातिर भेजो गयो हैं।”

44 अर वी गलील के प्रार्थना घर म प्रचार करते रह्यो।

5

~~~~~ 4:18-22; ~~~~~ 1:16-20

1 जब भीड़ परमेस्वर को वचन सुनन को लियो ओ पर गिर पड़त रह, अर वी गन्नेसरत की झील को किनारा पर खड़ी हती, ते असो भयो

2 कि ओ न नाला के किनारा म दो नाव लगी हुई हती, अर डिम्बर मच्छी पकड़न वालो पर उतर ख जाल कर धोवत रह हते।

3 उ नाव म से एक पर जो समोन की हती, ओ म चढ़कर ओ ना ओसे विनती करी की किनारो से थोडा हटा ले अर चल। तब वी बैठ ख लोगो नाव पर से ही सिक्छा (उपदेस) देन लगियो।

4 जब उन ना बात करली ते समोन से कय्हो, “गहरो म ले चल, अर मच्छी पकड़न का लियो अपनो जाल डालो”

5 ते समोन न ओ ख उत्तर दियो, “हे स्वामी, हम न पुरी रात मेहनत करी पर अर कुछ नी पकड़ पाया; तोभी तोरो कहना से जाल डालूंगो।”

6 जब उन्होना असो कियो, तो बेजा सी मच्छी घेरा म लाए, अर ओको जाल फटन लगियो।

7 ऐ पर उन ना अपना संगी हुन ख को जो दुसरी नाव पर हती, इसारा कियो कि आकार हमारी मदद करो, अर उनना आय ख समोन की मदद करी दो ही नाव यह तक भर ली कि डुबन लगी।

8 यु देखकर समोन पतरस यीसु को पाय पर गिर गयो अर कय्हो, “प्रभु मोरो नजीक से चल्यो जा, काहेकि मी पापी अदमी हैं।”

9 काहेकि इतनी मच्छी ख पकड़ियो जानो ओ ख अर ओके संगी ख बेजा अचम्भा भयो।

10 अर वसो ही जबदी का पोरिया याकूब अर यूहन्ना ख भी, समोन को संग म हते, अचम्भा भयो । तब यीसु न समोन कय्हो, “मत डर; अब से तू अदमी हुन ख जीवता पकडया करेगों ।”

11 अर वी नाव हुन ख किनारा पर ले आया, अर सब कुछ छोड़ ख ओको पीछु चल्या गया ।

#### 8:1-4; ##### 1:40-45)

12 जब वी कोई नगर म हता, ते वहा कोद से भरियो भयो एक अदमी आयो; अर उ यीसु ख देख ख मुंडो को बल गिरियो अर विनती करी, “हे प्रभु, यदि तू चाहे ते मोखा सुध्द कर सकत हैं ।”

13 ओ न हात बढ़ा ख ओ ख छु, अर कय्हो “मी चाहत हूँ, तू सुध्द हो जा ।” अर ओको कोद तुरंत ठिक हो गयो ।

14 तब ओ न ओ ख समझायो, “कोई से मत कहनो परन्तु जा अपनो तुम ख याजक ख दिखायो, अर अपनो सुध्द होनो ख बारे म जो कुछ मूसा न चढ़ावो ठहरायो हैं ओ ख चढ़ा की ओ पर गवाई हो हे ।”

15 पर ओ न चर्चा ख सब दुर फैला दी, अर ढेर सारी भीड़ ओकी सुनन ख लियो अर अपन बीमारियो से चंगो होवन ख लियो जामा (इकट्टी) हुई ।

16 पर उ जंगल म जाख अलग जगाम बिनती करत रह ।

##### 9:1-8; ##### 2:1-12)

17 एक दिन असो भयो कि उ सिक्छा देवा रवह हतो, अर फरीसी अर व्यवस्थापक वहाँ बठिया हता जो गलील अर यहूदिया को हर एक गाँव से अर यरूसेलैम से आया हता, अर चोक्खो करन को लाने प्रभु कि सक्ति ओको संग म हती ।

18 उत्ती बकत कई अदमी एक अदमी ख जोका लकवा को रोग हतो, खटिया म लायो अर भीतर ले जानो म अर यीसु को सामे रखनो को उपाय ढुढत रह हता ।

19 पर जब भीड़ का लाने ओ ख भीतर नी ले जा सकिया ते उनना छत पर चढ़ाय ख खपरा हट, ख ओ ख खटिया समेत बीच म यीसु का सामे उतार दियो ।

20 ओ न उनको भरोसा देख ख ओ से कहयो, “अरे इंसान जा तोरा पाप माप हो गया ।”

21 तब सासतिरी अर फरीसी झगडा करन लगिया, “यु कोन हैं जो परमेस्वर की बुराई करत हैं? परमेस्वर ख छोड़ अर कोन पाप का माप कर सका हैं?”

22 यीसु न ओके मन की बात समझ ख ओसे कय्हो, “तुम अपना मन म का झगडा कर रयो हो?

23 सहज का हैं? का यू कहनू कि ‘तोरा पाप माप हो गयो’ का चलेयो जा ‘उठ अर चल फिर?’

24 पर एकोलाने ओ ख जानो कि इंसान को पोरिया को धरती पर पाप माप करन को भी अधिकार दियो हैं” ओ ना उ लकवा को बीमार से कय्हो, “मी तोसे कहूँ हूँ, तू उठ अपनो खटिया उठायो ख घर चलो जा ।”

25 उ तुरत ओखा सामे आगे उठा, अर जे पर उ पड़ो हतो ओ ख उठकर, परमेस्वर कि बड़ाई करत भयो अपनो घर म चलो गयो ।

26 तब वी सब चंकित भया अर परमेस्वर की स्तुति करन लगिया अर बेजा डर कर कहन लगियो, “आज हम न अनोखी बात देखी लियो हैं!”

##### 9:9-13; ##### 2:13-17)

27 एको बाद वी बाहर गयो अर लेवी नाम को एक कर लेन वालो को कर घर पर बठियो देखो, अर ओसे कय्हो, “मोरो पिछु हो ला ।”

28 तब वी सब कुछ छोड़कर उठियो, अर ओके पिछे हो लियो ।

29 तब लेवी न अपन घर म ओखा लियो एक बड़ो खानो दियो; अर कर लेन वालो की अर अन्य लोग की जो ओखा संग खानो करन बैठे हते, एक बठियो भीड़ हती ।

30 इ पर फरीसी अर ओसे सासतिरी उ के चेला हुन से यु कह ख कुडकडान लगियो, “तुम कर लेन वालो अर पापी हुन का संग काहे खावा पिवा है?”

31 यीसु न जवाब दियो, “वैध भलो चंगो को लाने नी, पर जुड़ वाला को लाने जरूरत है।

32 मी धर्मियो का नी, पर पापियो को मन फिरानो को लियो बुलायो आयो हूँ।”

~~~~~

33 ओ न न ओसे क्य्हो, “यूहन्ना का चेला हुन तो बराबर उपवास रखत अर प्रार्थना कियो करत हैं अर वसो ही फरीसी का चेला भी, परन्तु तोरो चेले तो खात-पित हैं।”

34 यीसु न ओसे क्य्हो, “का तुम बरात हुन से, जब तक दुला ओके संग रहे, उपास करा सका है?”

35 परन्तु उ दिन आए, जेमा दुल्हा ओसे अलग कियो जाएगो, तब वी उत्ती बखत म उपास करे।”

36 ओ ना एक अर उदाहरन भी ओसे क्य्हो; “कोई अदमी नयो कपडा म फाड़कर पुरानो म थेगडा पैवन्द नी लगावा, नी तो नयो फट जाएगो अर वी थेगडा पुरानो म मिलान (मेलान) भी नी खाएगो।

37 अर कोई नयो अंगूर को रस को दाखरस पुरानी चमडा म नी भरतो, नी तो नयो अंगूर को रस मटका को फाड़ ख बह जाएगो, अर चमडा भी खतम हो जाएगो।

38 परन्तु नयो अंगूर को रस नयो चमडा म भरनो चाहिये।

39 कोई नयो अंगूर को रस अदमी पुरानो अंगूर का रस पी ख नयो नी चाहत, काहेकि वी कहत हैं, कि पुरानो ही अच्छो है।”

6

~~~~~

(~~~~~ 12:1-8; ~~~~~ 2:23-28)

1 अऊर यीसु कोई आराम को दिन ख गहूँ को खेत हुन से हो ख जा रयो हतो। उन ख चेला हुन फसल कि बाली तोड़ ख अऊर उन ख संग से मसल-मसल ख खान लगे।

2 तब फरीसी हुन म से कुछ कहन लगिया, “तुम असो काम काहे करत हैं जो आराम को दिन म करनो ठीक नी है?”

3 अऊर यीसु न उन ख जवाब दियो, “का तुम लोग हुन न यू नी पढ़ियो कि जब दाऊद अर ओको संगी हुन ख भूख लगी, तब दाऊद न का कियो हतो?

4 उ कसो परमेस्वर को घर म गयो, अर भेट की रोटियाँ लेय ख खायो, जिनका खानो याजक हुन का छोड़ अर कोई को ठीक नी, अर अपन संगियो का भी दी?”

5 अर फिर यीसु न उन से क्य्हो, “इंसान को पोरिया आराम को दिन को मालिक आय।”

~~~~~

(~~~~~ 12:9-14; ~~~~~ 3:1-6)

6 अऊर असो भयो कि कोई आराम को दिन वी प्रार्थना घर म जाकर सिक्छा (उपदेस) करन लगियो; अर वाहा एक अदमी हतो जेका जेवनो हात सुखो हतो।

7 सासतिरी अर फरीसी ऐ पर इज्जाम लगानो का बखत पानो की ताक म हतो की देखे आराम को दिन म चंगो करत हैं कि नी।

8 परन्तु वी ओके विचार जानन हतो; एकोलाने ओ ना सुखो हात वालो अदमी से क्य्हो, “उठ, बीच म खड़ो हो गयो” वी उठ खड़ो हुआ।

9 यीसु न ओसे क्य्हो, “मी तुम से यु पुछत हूँ कि छुट्टी को रोज का ठीक है, अच्छो करनु; या बुरो करनु; प्रान को बचानो या नास करन?”

10 तब ओ न चारो तरफ उन सभो का देखकर उ अदमी से क्य्हो “अपनो हात बढ़ा।” ओ ना ऐसी ही कियो, अर ओखा हात फिर चंगो हो गयो।

11 परन्तु वी तुम से बाहर होकर आपस म विवाद करन लगियो कि हम यीसु ख संग का करे?

॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 10:1-4; ॥॥॥॥॥ 3:13-19)

12 उन दिनो म यीसु टेकरा (पहाड़) पर विनती करन गयो, अर परमेस्वर प्रार्थना करन म सारो रात बितायो।

13 जब दिन हुआ तो ओ ना अपनो चेला हुन को बुलायो कर ओ म से बारा चुनियो अर ओखा प्रेरित कय्हो;

14 अर वी यी आय समोन जोको नाव (नाम) ओ ना पतरस वी रखियो, अर ओको भई अन्द्रियास, अर याकूब, अर यूहन्ना, अर फिलिप्पुस, अर बरतुल्मे,

15 अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई का पोरिया याकूब अर समोन जे जेलोतेस कहलाता हैं,

16 अर याकूब का पोरिया यहूदा, अर यहूदा इस्करियोती जे यीसु को पकड़ वालो बनो।

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 4:23-25)

17 अऊर यीसु उन ख बारा दास हुन ख संग म टेकड़ा से उतर ख एक रफाड़ म खड़ो हो गयो। वहाँ उनको बेजा सा चेला हुन हता, अऊर एक बड़ी भीड़ को झुण्ड भी हतो वी लोग सब यहूदी सहर, यरूसेलेम सहर अऊर सूर अऊर सैदा को समुंदर किनारा से आया हता।

18 जे ओकी सुनन अर अपन जुड़ से चंगा होवन को लाने ओको नजीक आयो हते, वहाँ हते। अर बुरी आत्मा के सताएँ हुआ लोग भी चोक्खो कियो जात हते।

19 सब ओ ख छुनो चाहत हते, काहेकि ओमा से सामर्थ्य निकलकर सब ख चंगो करत हती।

॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 5:1-12)

20 तब ओ ना अपनो चेला हुन की तरफ देख ख कय्हो,
धन्य हो तुम जे दीन हैं,
काहेकि परमेस्वर को राज तुम्हारो हैं।

21 भलो हैं तुम जो अबी भुखो हैं,
काहेकि पेट भर खाहे।
“धन्य हैं तुम जो अब रोवा हैं,
काहेकि हँसे।”

22 “भलो हैं तुम जब इंसान को पोरिया को वजे से इंसान तुम से गुस्सा करे, अऊर निकाल देहे, अऊर तुम्हारी बुराई करे, अर तुम्हारो नाम बुरो जान ख काट देहे।”

23 उ दिन खुसी हो ख कुदे, काहेकि देखनो, तुमारो लाने स्वर्ग म बड़ो प्रतिफल हैं; ओके बाप-दादा भविष्यवक्ता हुन को संग भी वसो ही कियो करत हतो।

24 “परन्तु धितकार तुम पर जा धनी हैं,
काहेकि तुम अपनो सान्ति पा लियो।”

25 “धितकार तुम पर अब तृप्त हो, काहेकि भूखे होए।”
“हाय तुमारो पर जो अब हँस हैं।”
काहेकि दुख करे अर रोहे।

26 धितकार तुम पर जब सब अदमी तुम ख भलो कहे, काहेकि बाप-दादा झूटा भविष्यवक्ता ख संग भी कियो करत हतो।

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 5:38-48; 7:12)

27 पर मी तुम सुनन वाला ख कहू हैं कि अपनो बैरी से प्रेम रखनो; जे तो से बैर करे, ओको भलो कर।

28 जे तुम ख स्राप दे, ओको आसीस दो; जे तुम्हारो अपमान करे, ओको लाने प्रार्थना करो।

29 जे तोरो एक गाल पर चाटा मोरे ओको ओर दुसरो भी फेर देजो तोरी दोहर छिन लेहे, ओको कुरता लेनो से भी नी रोक।

30 जे कोई तोसे से मागे, ओ ख दे; अऊर जो तोरी वस्तु छिन ले, ओसे नी माँग।

31 जसो तुम चाहवा हो कि लोग तुम्हारो संग कर, तू भी उन ख संग वसो ही करो।

32 “अदि तुम अपनो प्रेम रखन वालो ही को संग प्रेम रखा हैं, तो तुमरो का बड़ाई? काहेकि पापी भी अपनो प्यार रखन वाला को संग प्यार रख हैं।

33 अदि तुम अपनो भलाई करन वालो ही ख संग भलाई करत हो, तो तुमरो का बड़ाई? काहेकि पापी भी असो ही कर हैं।

34 यदि तू ओ ख उधार दो जेसे फिर पानो की आसा रखत हो, तो तुम्हारो का बड़ाई? काहेकि पापी पापियो को उधार देहत हैं कि उतनो ही फिर पाएँ।

35 वरन् अपना दुसमन हुन से प्रेम रखो, अर भलाई करो, अर फिर पानो की आसा नी रखकर उधार दो; अर तुम्हारो लियो बड़ो फल होगो, अर तू परमप्रधान ख अवलाद ठहरोगो, काहेकि वी उन पर जे धन्यवाद नी करत अर बुरो पर कृपालु हैं।

36 जसो तुमरो बाप दयावन्त हैं, वसो ही तू भी दयावन्त बनो।

~~~~~

(~~~~~ 7:1-4)

37 “दोस नी लगा, तो तोखा भी दोस नी लगायो जाहे। दोस नी लगाहे, ते तुम ख भी दोस नी ठहराए जाएगो माप कर, तो तोखा भी माफ कियो जाएगो।

38 अगर तू दुसरो ख देगो, ते तुम ख भी दियो जाएगो। अगर लोग हुन ख पुरो नाप से दबा दबाकर ख अर हला हलाकर ख भर ख देहेगो ते उ तुम ख तुम्हारी गोद म भर पुरी से डालेगो, काहेकि, जे नाप से तुमरो नाप हैं, ओसे से तुम्हारो लियो भी नापो जाएगो।”

39 फिर ओ ना एक उदाहरन क्यहो: “का अंधा, अंधो का रस्ता बता सकत हैं? का दोही हुन गड्डा म नी गिरेगो?

40 चेला अपन मुख से बड़ो नी, परन्तु जे कोई सिध्द होगो, वी गुरू का समान होगो।

41 तू अपन भई की आँख को कचरा को काहे देखत हैं, अर अपन आँख को लट्टा नी दिखत (सूझता) आय?

42 जब तू खुद की ही आँख का लट्टा नी दिखत आय, तो अपन भई से कसो कहत सकत हैं, हे भई; रुक जा तोरी आँख से कचरा ख निकला दूँ? हे कपटी, पहले अपन आँख से लट्टा निकाल, तब जो तिनका तोरो भई की आँख म हैं, ओ ख भली भाँति देखकर निकाल सकेगो।

~~~~~

(~~~~~ 7:16-20; 12:33-35)

43 “कोई अच्छो झाड़ नी जो निकम्मा फल लाए, अर नी ते निकम्मो झाड़ हैं जो चोक्खो फल लाए।

44 हर एक झाड़ अपन फल से पहचानता जावा हैं; काहेकि अदमी झाड़ी हुन से अंजीर नी तोड़त अर नी झड़वेरी से अंगूर।

45 चोक्खो अदमी अपन मन के भले भण्डार से भली बात निकलत हैं, अर बुरो अदमी अपन मन के बुरो भण्डार से बुरो बात निकलत हैं; काहेकि जो मन म भरो हैं ऊईच ओको मुँह पर आवह हैं।

~~~~~

(~~~~~ 7:24-27)

46 “जब तुम मोरो कहन नी मानत तो मोखा हे प्रभु, कहत हो?”

47 जे कोई मोरे पास आत हैं अर मोरी यी बात ख सुन ख उन ख माना हैं, मी तुम्हे बतात हूँ की वी कोके सामन हैं:

48 अऊर उ अदमी का समान हैं, जेने घर बनात बखत जमीन म गहरी गड्ढा खोदकर चट्टान पर नीव डाली, अर जब बाढ़ आयो तो धारा उ घर पर लगियो पर ओखा हिला नी सकी; काहेकि वी पक्को बनो हतो।

49 परन्तु जो सुन कर नी मानत वी उ अदमी का समान हैं, जेना मिट्टी पर बिना नीव का घर बनायो, जब उ पर धारा लगी तो वी तुरत गिर पड़ो अर गिरकर ओको सत्यानास हो गयो।

## एक सूबेदार को विस्वास

### 7

(लूका 7:1-13)

1 जब उ अदमी हुन यू बात हुन कह चक्यो, तू उ कफरनहूम सहर म आयो।

2 उ कोई सतपति को एक दास जो ओखा प्रिय हतो, जुड से मरन पर हता।

3 ओ न यीसु की चर्चा सुन ख यहूदियो को कई सियाना को ओसे यु विनती करी को लाने ओके पास भेजियो कि आय ख मोरो दास ख चोक्खो कर।

4 वी यीसु का पास आयो, अर ओसे बड़ी विनती कर ख कहन लगियो, “वी योग्य हैं कि तू ओके लियो यु करे,

5 काहेकि वी हमार जाति से प्रेम रखत हैं, अर ओ न हमार प्रार्थना घर का बनायो हैं।”

6 यीसु ओखा संग गयो, पर जब वी घर से दुर नी हतो, ते सतपति ओको नजीक कई दोस्त हुन ख दुवारा कहना भेजो, “अरे प्रभु दुख नी उठा, काहेकि मी यू लायक नी कि तुम मोरो घर को भीतर आहें।

7 इही कारन मी अपन तुम को इ योग्य भी नी समझात कि तोरो पास आऊ, पर सब्द ही कह दे तो मोरो सेवक चंगो हो जाएगो।

8 मी भी पराधीन अदमी हूँ, अर सासन मोरा हात म हैं; अर जब एक को कहूँ हैं जा, तो वी जात हैं; अर दुसरो से कहत हूँ, आ तो आत हैं; अर अपन किसी दास को कि यु कर तो वी ओ ख करत हैं।”

9 यु सुन कर यीसु का अचम्भा हुआ अर मुँह फेर कर उ भीड़ से जो ओके पिछ्छ आवन रही हती, कय्हो, “मी तुम से कहत हूँ, कि मी ना इस्राएल म भी ऐसो विस्वास नी पायो।”

10 अर भेजो हुआ अदमी न घर म लउटकर ओ ख दास चंगो पायो।

(लूका 7:14-17)

11 थोड़ो दिन का बाद नाईन नाम को एक नगर म गयो। ओके चेला हुन अर बड़ी भीड़ ओके संग जा रही हती।

12 जब वी नगर का फाटक का पास पहुँचियो, तो देखो, लोग उ एक मुदा का बाहर ले जात हतो; जे अपन माय को एक ही पोरिया हतो, अर वी विधवा हती; अर नगर को दूरो सारो लोग हुन ओको संग म हता।

13 ओ ख देखकर प्रभु का तरस आयो, अर ओ ना कय्हो, “नी रो।”

14 तब ओ ना पास म आकर अर्थी को छुओ, अर उठन वाला ठहर गयो। तब ओ ना कय्हो, “हे जवान, मी तो से कहत हूँ, उठ।”

15 तब वी मुरदा उठ बैठियो, अर बोलन लगियो। ओ ना ओ ख ओकी माय का सोप दियो।

16 इसे सब पर डर (भय) छा गयो, अर वे परमेस्वर की बड़ाई कर ख कहन लगिया, “हमार बिच म एक बड़ो भविष्यवक्ता उठियो हैं, अर परमेस्वर न अपना अदमी पर कृपा नजर करी हैं।”

17 अर ओके बारे म यू बात सारो यहूदिया अर आसा पास का सारो देस म फैल गयो।

(लूका 11:2-19)



18 यूहन्ना का ओके चेला हुन न इ सब बात का खबर (समाचार) दियो ।

19 तब यूहन्ना अपना चेलो म से दो जन का बुला ख अर प्रभु का पास यू पुछन ख लियो भेजो, “का आन वाला तू ही हैं, या हम किसी अर की रस्ता (बाट) देखा?”

20 उन्होना ओके पास म आकर कय्हो, “यूहन्ना पानी से बपतिस्मा देन वाला न हमका तोरो पास यु पुछन का लियो भेजो हैं कि का आन वाला तू ही हैं, या हम दुसरा रस्ता (बाट) देखा?”

21 ऊईच बखत ओ ना बेजा का जुड अर पीडा, अर दुस्तात्मा से चोखो कियो हयो हतो; अर बेजा से अंधो को आँखी दी;

22 अर ओ न ओ से कय्हो, “जो कुछ तू न देखो अर सुनो हैं, जा ख यूहन्ना से कह देनो; कि अंधो देखत हैं, लंगड़ा चलत-फिरत हैं, कोढ़ी इ सुध्द किए जात हैं, बहिरा सुनत हैं, मरा हुन ख जिन्दो करा हैं, अर कंगाल का सुसमाचार सुनायो जात हैं ।

23 धन्य हैं वी जो मोरो विसय म ठोकर नी खाए ।”

24 जब यूहन्ना का भेजो हुआ लोग चलो गयो तो यीसु यूहन्ना को बारे म लोग हुन से कहन लगियो, “तुम जंगल म का देखन गयो हतो? का हवा से हिलत सरकण्डा को?

25 वी फिर तुम का देखन गया रहा? का कोमल कपड़ा पहिनो हुआ अदमी को? देखो, जे भडकीला कपड़ा पहिनत अर सुख विलास से रह हैं, वी राजा को महल रहवा हैं ।

26 ते फिर का देखन गए हते? का किसी भविष्यवक्ता को? हाँ, मी तुम से कहत हूँ, वरन् भविष्यवक्ता से भी बड़ो का ।

27 यु वही हैं, जेको विसय म लिखो हैं: परमेस्वर कह हैं देख, मी अपनो दुत ख तोरा आगु-आगु भेजत हूँ, उ तोरो आगु तोरा रस्ता तैयार करे ।

28 मी तुम से कहत हूँ कि जे ओरत से जनमो हैं, ओमा से यूहन्ना से बड़ो कोई नी: पर जे परमेस्वर को राज्य म छोटी से छोटी हैं, उ ओ ख भी बड़ो हैं ।”

29 अर सब सामान लोगो न सुन कर अर कर लेन वालो न भी यूहन्ना का पानी से बपतिस्मा लेकर परमेस्वर का सच्चो मान लियो ।

30 परन्तु फरीसी अर व्यवस्थापक हुन न ओसे बपतिस्मा नी लेकर परमेस्वर का अभिप्राय को अपनो विसय म टाल दियो ।

31 अतः मी इ “युग को लोग हुन को बारे म कसो समझऊ उपमा कि वी कोको समान हैं?

32 वी उ पोरिया का समान हैं जो बजार म बैठो हुआ एक दुसरा से पुकार कर कहत रह । हम न तुम्हारो लियो बाँसुरी बजाई, अर तुम नी नाचिया; हमना दुख कियो अर तुम नी रोया!”

33 काहेकि यूहन्ना पानी बपतिस्मा देनवाला नी रोटी खात आया, नी अंगूर को रस पीवा आयो, अर तुम कहत हूँ, ‘ओमा दुस्तात्मा हैं ।’

34 अऊर इंसान को पोरिया खात-पीत आयो हैं, अर तुम कहत हो, देख भूखड अर पियक्कड अदमी कर लेन वालो का अर पापी हुन का दोस्त ।

35 पर ग्यान अपनी बुध्द सब अवलाद द्वारा सच्चो ठहरायो गयो हैं ।”

~~~~~

36 फिर किसी फरीसी न ओसे विनती की कि वी ओको संग खानो करे, अतः वी उस फरीसी के घर म जाकर खानो करन बैठो हैं ।

37 उ सहर की एक पापीनी बाई यु जानकर कि वी फरीसी का घर म जोवन करन बैठियो हैं, संगमरमर को बर्तन म इतर लेख आई,

38 अर ओके पाय का पास, पिछु खड़ी होकर, रोती हुई ओके पाय को आँसु हुन से भगोने लगिया अर अपनो सिर का बाल से पोछन लगिया, अर ओके पाय बार-बार चुमकर उ इतर मलो ।

39 यु देखकर वी फरीसी जेना ओ ख बुलायो हता अपन मन म सोचन लगियो, “यदि यु भविस्यवक्ता होतो तो जान जातो कि यु जो ओ ख छूवा रही हैं, वी कऊन, अर कसी बाई हैं, काहेकि वी पापीनी हैं।”

40 यीसु न ओको उत्तर म कय्हो, “हे समोन, मोरो तो से कुछ कहनो हैं।” उ बोल्यो, “हे गुरु, कह।”

41 अऊर यीसु न कय्हो, “कोई बड़ो व्यक्ति को दो कर्जदार हतो। एक पाँच सव चाँदी सिक्का को ब्याज हतो अर दूसरो, पचास चाँदी सिक्का को कर्जदार हतो।

42 जब ओको नजीक लोटानो का कुछ नी रहयो, तो ओ ना दो ही जन का माप कर दियो, एकोलाने ओ म से कऊन ओसे अधिक प्रेम रखेगो?”

43 समोन न उत्तर दियो, “मोरी समझ म ते ऊईच, जे को जादा कर्जा माप भयो। यीसु न ओ से कहयो।”

“तुमारो निर्नय अच्छो हैं।”

44 अर उ बाई का तरफ फिर ख ओ न समोन से कहयो, का तू या बाई ख देखा हैं? मी तोरो घर म आयो पर तू न मोरो पाय धोन ख लाने पानी नी दियो, पर ओ ना मोरो पाय आँसु हुन से भिगयो अर अपनो बाल हुन से पोछो।

45 तू न मोखा चूमा नी दियो, पर जब से मी आयो हैं तब से मी इन से मोरो पाय का चूमन नी छोडो।

46 अऊर तो न मोरो सिर पर तेल नी मलो, पर इन मोरो पाय पर इतर मलो हैं।

47 एकोलाने मी तो से कहूँ हैं कि ओको पाप जे बेजा हते माप भयो काहेकि ऐन बेजा प्यारा कियो; पर जेका थोडो माप हुआ है, वी थोडो प्रेम करत हैं।

48 अर यीसु वा ओरत से कहयो, “कि तुमारो पाप माप हो गयो।”

49 तब जे लोग ओके संग खाना करन बैठी हते, वी अपन-अपन मन म सोचन लगियो, “यू कऊन हैं जे पापो का भी माप करत हैं?”

50 पर ओ ना बाई से कय्हो, “तोरो विस्वास न तोखा बचा लियो हैं, सान्ति से चली जा।”

8

~~~~~

1 एको बाद उ सहर-सहर अर गाँव-गाँव म प्रचार कर रयो, अऊर परमेस्वर को राज्य अर को सुसमाचार सुनाते फिरन लगियो, अर वी बाहर ओको संग हते,

2 अर कुछ बाई हुन भी हती जे म दुस्तात्मा हुन से अऊर बिमारी से चोक्खो कियो गयो हती, अर वी ई आय: मरियम जे मगदलीनी कहलाता हती, जेम से सात बुरी आत्मा निकली हती,

3 अर हेरोदेस को भण्डारी खुजा की घरवाली योअन्ना, अर सूसन्नाह, अर बेजा सी अन्य बाई हन। वी अपन इच्छा सम्पत्ति से ओकी सेवा करत रह।

~~~~~

(~~~~~ 13:1-9; ~~~~~ 4:1-9)

4 जब बड़ी भीड़ इकट्ठी भई अर नगर-नगर का लोग ओके पास चलो आत रह हता, तो ओ न उदाहरन म कय्हो:

5 “एक बौवन वाला बीज बोन का लियो निकलियो। बोते हुआ ओ कुछ रस्ता का किनारो म गिरीयो, अर पाय को द्वारा रोदियो गयो, अर आकास की पक्छी हुन न ओ ख चुन लियो।

6 कुछ चट्टान पर गिरो, अर उपज, पर नमी नी मिलन से सूख गयो।

7 कुछ झाड़ियो का बीच म गिरायो, अर झाड़ हुन न संग-संग बढ़ ख ओको दबा दियो। से

8 कुछ अच्छी जमीन पर गिरायो, अर उगकर सब गुणा फल लायो।” यू कह ख ओ ना ऊँचो सब्द से कय्हो,

“जेके सुनन का कान होए वी सुन ले।”

?????? ?? ???????

(?????? 13:10-17; ?????? 4:10-12)

9 ओके चेला हुन न ओसे पुछ्यो कि इ उदाहरन को मतलब का हैं?

10 ओ न कय्हो, “तुम को परमेस्वर को राज को भेदो की समझ दी गयो हैं, पर अरो को उदाहरन हुन म सुनायो जात हैं, एकोलाने कि ‘वी देखत हुआ भी नी देखा, अर सुन ख भी नी समझ सक हैं।’

???? ?? ????? ??????? ??

(?????? 13:18-23; ?????? 4:13-20)

11 “उदाहरन को मतलब यू हैं: बीज परमेस्वर को वचन हैं।

12 रस्ता का किनारा म का वी हैं, जे न सुनो: तब सैतान आय ख ओके मन म से वचन उठा लियो जात हैं कि कही असो नी हो कि वी विस्वास कर ख उध्दार पाएँ।

13 पत्थर चट्टान पर का वी हैं कि जब वी सुनत हैं, ते खुसी को संग म वचन ख ग्रहण वी करत हैं, पर जड़ नी पकड़न से वी थोड़ी देर का तक विस्वास रखत हैं अर परीक्छा को बखत बहक जावा हैं।

14 जे झाड़ म गिरियो, यु वी हैं जे सुनत हैं, पर सामे चल ख चिन्ता, अर धन, अर जीवन का सुख विलास म फंस जावा हैं अर ओखा फल नी पकत हैं।

15 पर चोखो जमीन म को वी हैं, जो वचन सुन ख भले अर उत्तम मन म सम्भाल को रखत हैं, अर धीरे धीरे से फल लात हैं।

???? ??

(?????? 4:21-25)

16 “कोई दिया जला ख बर्तन को नीचो नी ढाँकत, अर नी खटिया को निचे रखह हैं, पर म्याल (दीवट) पर रखत हैं कि अन्दर आनवालो ख उजालो मिले।

17 “कुछ छिपयो नी प्रगट नी होय, अर न कुछ छुपाए (गुप्त) हैं जे जाना नी जाए अर प्रगट नी हो।

18 “एकोलाने होसियार रह कि तुम कसो रीति से सुनत हो? काहेकि जेके पास हैं ओको दियो जाएगो, अर जेके पास नी हैं। ओको पास से वी भी ले लियो जाएगो, जे ख भी वी अपनी समझत हैं।”

???? ??

(?????? 12:46-50; ?????? 3:31-35)

19 ओकी माय अऊर ओको भई ओके पास आए, पर भीड़ को कारन ओसे मिल नी सक्या।

20 ओसे कय्हो गयो, “तोरी माय अर तोरो भई बाहर खडो हुयो, तो से मिलना चाहत हैं।”

21 ओ न एको उत्तर म ओसे कय्हो, “मोरी माय अर मोरो भई वी ही आय, जे परमेस्वर का वचन सुनत अर मानत हैं।”

???? ??

(?????? 8:23-27; ?????? 4:35-41)

22 फिर एक दिन वी अर ओको चेला हुन नाव पर चढ़ियो, अर ओ न ओसे कय्हो, “आओ, झील को पार चले।” अतः उन्होना नाव खोल दी।

23 पर जब नाव चल रही हती, तो उ सो गयो: अर झील म आँधी आई, अर नाव पानी से भरन लगीयो अर वी तकलिब (जोखिम) म हते।

24 तब उन्होना यीसु का पास आकार ओको जगायो, अर कय्हो, “स्वामी। स्वामी! हम नास हुआ जात हैं।” तब ओ ना उठकर आँधी को अर पानी की लहरो को डांटियो अर वी थम गए अर ठीक हो गयो।

25 तब यीसु ओसे कय्हो, “तुम्हारे विस्वास किते हतो?” पर वी डर गया अर अचम्भो होकर आपस म कहन लगिया, “यू कऊन हैं जे आँधी अर पानी ख भी आग्या देव हैं, अर वी ओकी मान हैं?”

????????? ?????? ???? ?? ????
(????? 8:28-34; ????? 5:1-20)

26 फिर वी गिरासेनी हुन को देस म पहुँचियो, जो उ पार गलील का सामने हैं।

27 जब वी किनारा पर उतरिया तो उ नगर को अदमी ओ ख मिलो जे मा दुस्टात्मा हुन हती। वी बेजा दिन से न कपड़ा पहिनत रह। अर न घर म रह पर मरघट म रह होता।

28 उ यीसु ख देखकर चिल्लायो अर ओके सामने गिरकर ऊँचो सब्द से कह्यो, “हे परमप्रधान परमेस्वर को पोरिया यीसु! मोखा तो से का काम? मी तो से विनती करूँ हूँ, मोखा दुख मत देहे।”

29 काहेकि वी उ दुस्टात्मा ख उ अदमी म से निकलन की आग्या दे रह। पर लोग ओ ख साँकल म अर बेडी हुन से बाँध ख रखत रह तोभी वी बन्धन हुन ख तोड़ डालत रह, अर दुस्टात्मा ओ ख जंगल म भगा ख फिरत रह।

30 यीसु न ओसे पुछियो, “सेना,”

काहेकि बेजा दुस्टात्मा ओमा पैठ गई हती।

31 जसो ओसे विनती करी कि हम अथाह कुण्ड म जान की आग्या नी दे।

32 वहाँ टेकड़ी पर डुक्कर का एक बड़ो झुण्ड चर रह हतो, एकोलाने जसो ओ से विनती करी की हम ख ओमा समान (पैठने) दे।

33 तब दुस्टात्मा उ अदमी म से निकलकर डुक्कर हुन म गई अर वी झुण्ड कड़ाडे म से झपटकर झील म जाय गिर गयो अर डुब मरियो।

34 चरान वाला यु जो हुआ हतो देख ख भाग्यो, अर नगर म अर गाँव हुन म जाय ख ओखा खबर दियो।

35 लोग यु जो भेयो हतो, ओ ख देखन का निकलियो, अर यीसु को कने आ ख जे अदमी से दुस्टात्मा निकली हती, ओ ख यीसु का पा ख पास कपड़ा पहिने अर चांलाकि से बठ गया ओ ख देख डर गया;

36 अर देखन वाला न ओको बतायो कि वी बुरी आत्मा का सताया हुआ अदमी किस प्रकार चोखो हुआ।

37 तब गिरासेनी हुन का आजू बाजू का सब लोगो न यीसु से विनती कि की हमारो यहाँ से चलो जा; काहेकि उन पर बड़ो डर छा गयो हतो। अतः वी नाव म चढ़कर लउट गयो।

38 जे अदमी म से दुस्टात्मा निकली हती वी ओसे विनती करन लगियो कि ओ ख अपन संग रहन दे,

परन्तु यीसु न ओको विदा कर ख कहयो,

39 “अपन घर का लउट जा अर लोगो से बता कि परमेस्वर न तोरो लियो कैसे बड़ो-बड़ो काम कियो हैं।” वी जाकर सारो नगर म प्रचार करन लगियो,

कि यीसु न मोरो लाने कसो बड़ो-बड़ो काम कियो।

????? ?? ???? ???? ?? ?? ???? ????
(????? 9:18-26; ????? 5:21-43)

40 जब यीसु लउटो तो लोगो ओसे आनन्द का संग मिलियो, काहेकि वी सब ओकी रस्ता देख रहे हते।

41 इतनो म यार्डर नामक एक अदमी जो प्रार्थना घर का मुखिया होता आयो अर यीसु का पाय पर गिर का ओ ख विनती करन लगियो कि मोरो घर चल,

42 काहेकि ओको बारा वर्स की एक ही पोरी हती, अर वी मरन पर हती। जब वी जा रयो हतो, तब लोग ओ पर गिर पड़त हते।

43 एक बाई न जे को बारा वर्स से खून बहिन का जुड़ हतो, अर जो अपन सारी जिन्दगी की कमाई अपनी ओकात ख अनुसार वैध हुन का पिछे पिछे खर्च कर चुकी हती, तोभी कोई का हात से चंगी नी हो सकी हती,

- 44 पिछु से आकार यीसु कपड़ा का आँचल ख छूओ, अर तुरंत ओखा खून बहिनो बंद हो गयो।
- 45 इ पर यीसु न कय्हो, “मोखा कोना छुओ?” जब सब मुकरने लगियो, तो पतरस अर ओके संगियो न कय्हो, “हे स्वामी, तोखा तो भीड़ दबा रही हैं अर तो ख पर गिरी पड़त हैं।”
- 46 परन्तु यीसु न कय्हो, “किसी न मोखा छुओ हैं, काहेकि मी न जान लियो हैं कि मोरो म से सामर्थ्य निकली हैं।”
- 47 जब बाई न देखी कि मी छिप नी सकत; ते वा कापते अई, अर ओको पाय हुन पर गिढ़ सब लोगो का सामने बतायो कि ओ ना किस कारन से ओखा छुओ, अर कसी तुरत चंगी भई।
- 48 ओ न ओसे कय्हो, “पोरी, तोरो विस्वास न तोखो चोक्खो कियो हैं; सान्ति से चली-जाजो।”
- 49 वी यू कह ही रहा हतो कि किसी न प्रार्थना घर को मुखिया को यहाँ से आय ख कय्हो, “तोरी पोरी मर गई: गुरू का परेसानी मत कर।”
- 50 यीसु न यू सुन कर ओखा उत्तर दियो, “मत डर; केवल विस्वास रख, तो वी अच्छी जाहे।”
- 51 घर म आकर ओ ना पतरस, यूहन्ना, याकूब, अर पोरी कि माय-बाप अर छोड़ अन्य कोई ख भीतर आने नी दियो।
- 52 सब ओके लियो रोहत हतो, परन्तु ओ ना कय्हो, “रोवा मत; वी मरी नी परन्तु सोई रही हैं।”
- 53 वी यु जानकर कि वी मर गई हैं ओकी हँसी उड़ान लगियो।
- 54 परन्तु ओ ना ओखा हात पकड़ियो, अर पुकार कर कय्हो, “हे पोरी उठ!”
- 55 अऊर ते ओको प्रान लउट आयो अर वी तुरत उठ बैठी। फिर ओ ना आग्या दी कि ओखा कुछ खाना-खान का दियो जाए।
- 56 ओके माय-बाप गजाब म पड़िया, परन्तु ओ ना उन्हे जतायो कि यु जो हुआ हैं। कोई से नी कहनो।

9

⚬⚬⚬⚬⚬⚬⚬⚬ ⚬ ⚬⚬⚬⚬⚬⚬⚬⚬
(⚬⚬⚬⚬⚬ 10:5-15; ⚬⚬⚬⚬⚬ 6:7-13)

- 1 फिर ओ न बारा चेलो को बुलायो, अर उन्हे सब दुस्तात्मा अर जुडयो का दुर करनु की सामर्थ्य अर अधिकार दियो,
- 2 अर उनना परमेस्वर का राज्य का प्रचार करन को लाने भेजो।
- 3 ओ न ओ से कय्हो, “रस्ता को लाने कुछ नी लेनो, नी ते लाठी, नी झोला, नी रोटी, नी पैसा अर नी दो-दो कुरता।
- 4 जे कोई घर म तुम उतरो, उते रहनो, अर उते से विदा लेनू।
- 5 जे कोई तुम ख ग्रहण नी करे, उ नगर से निकलते बखत हुयो अपन पाय की धुल झाड़ डालनू कि उ पर विरोध गवाई हो।”
- 6 तब वी निकलकर गाँव-गाँव चोक्खो सुसमाचार सुनायो, अर हर लोगो का चंगो करत हुआ फिरत रहे।

⚬⚬⚬⚬⚬⚬⚬⚬ ⚬⚬ ⚬⚬⚬⚬⚬ ⚬ ⚬⚬⚬⚬⚬⚬
(⚬⚬⚬⚬⚬ 14:1-12; ⚬⚬⚬⚬⚬ 6:14-29)

- 7 देस का चऊथाई राजा हेरोदेस यू सब सुन कर धबरा गयो, काहेकि कुछ न कय्हो कि यूहन्ना मरो हुआ म से जिन्दो भयो हैं,
- 8 अर कुछ न यू कि एलिव्याह दिखाई दियो हैं, अर ओरो न यू कि पुरानो भविस्यवक्ता हुन म से कोई जिन्दो हो गयो हैं।
- 9 परन्तु राजा हेरोदेस न कय्हो, “यूहन्ना का तो मी न सिर कटवा दियो हतो, अब यू कऊन हैं जे के बारे म ऐसो बात सुनत हैं?” अर ओ ना ओ ख देखन की इच्छा करी।

॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 14:13-21; ॥॥॥॥॥ 6:30-44; ॥॥॥॥॥॥॥ 6:1-14)

10 फिर प्रेरित हुन न लउटकर जे कुछ उन न कियो हता ओको बता दियो; अर वी उन्हे अलग कर ख बैतसैदा नाम को नगर म ले गयो।

11 यू जानकर भीड़ ओके पिछे हो ली, अर वी खुसी को संग ओसे मिलियो, अर ओमा परमेस्वर का राज्य की बात करन लगियो, अर जे चंगे होन चाहत हते वी चंगो कियो।

12 जब दिन ढलन लगियो तो बारहो चेलो न आकार ओसे क्य्हो, “भीड़ का विदा कर कि चारो ओर का गाँव हुन अर बस्ती हुन म जाकर रुकनो अर खाना को उपाय करे, काहेकि हम यु सुनसान जगह म हैं।”

13 यीसु न उनसे क्य्हो, “तुम ही उन ख खान ख देव।” उन्होना क्य्हो, “हमारो पास पाँच रोटी अर दो मच्छी हुन ख छोड़ अर कई नी हैं; परन्तु हाँ यदि हम जाय ख इ सब लोगो को लाने खाना मोल लेहे, तो हो सकत हैं।”

14 वी लोग तो पाँच हजार अदमी का लगभग हता।

तब ओ ना अपन चेला से क्य्हो, “उन ख पचास-पचास कर ख पंगत म लाइन से बैठा दो।”

15 उन्होना ऐसो ही कियो, अर सब का बैठा दियो।

16 तब ओ ना वी पाँच रोटियाँ अर दो मच्छी हुन ली, अर स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद कियो, अर तोड़-तोड़कर अपन चेला हुन का देतो गयो कि वी लोगो का परोसे।

17 तब सब न खाना खाकर संतुष्ट हुआ, अर चेलो न बचो हुए टुकड़ो से बारा टोकनी हुन भर का उठायो।

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 16:13-20; ॥॥॥॥॥ 8:27-30)

18 जब वी एकान्त म प्रार्थना कर रह हता अर चेला ओको संग हता, तो ओ ना ओसे पुछियो, “लोग मो ख का कहत हैं?”

19 उन्होना जवाब दियो, “यूहन्ना पानी बपतिस्मा देना वालो, अर कोई एलिय्याह, अर कोई यू कि पुरानो भविष्यवक्ता म से कोई जिन्दो हुयो हैं।”

20 ओ ना उनसे पुछियो, “परन्तु तू मोखा का कहत हो?” पतरस न उत्तर दियो, “परमेस्वर का मसी।”

21 तब ओ ना उनका जता ख क्य्हो कि यु कोई से नी कहनू।

॥॥॥ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 16:21-23; ॥॥॥॥॥ 8:31-33)

22 फिर ओ ना क्य्हो, “इंसान को पोरिया को लाने अवस्य हैं कि वी बेजा दुख उठाए, अर सियाना अर प्रधान पुजारी अर सासतिरी ओखा बेकार (तुच्छ) समझ कर मार डाले अर वी तीसरो दिन जिन्दो हो जाए।”

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 16:24-28; ॥॥॥॥॥ 8:34—9:1)

23 ओ ना सब से क्य्हो, “यदि कोई मोरो पिछु आनो चाह, तो अपना तुम से इंकार करे अर रोज दिन अपनो सूली उठाए हुआ मोरो पिछे हो ले।

24 काहेकि जो कोई अपन प्रायन बचानो चाहेगो वी ओ ख खोएगो, परन्तु जे कोई मोरो लियो अपन प्रायन खोएगो वही ओ ख बचाएगो।

25 अदि इंसान पुरो दुनिया ख प्राप्त करे अर अपन जान ख कोई भी हानि उठाए, तो ओ ख का फायदा होगो?

26 अऊर जे कोई भी, मो ख से अऊर मोरी बात हुन से सर्म होऐ, इंसान को पोरिया ख भी, जब अपनी अऊर अपनो बाप कि अऊर सुध्द स्वर्ग दूत हुन कि बड़ाई संग म आहे, ते ओ ख लज्जित जाहे।

27 मी तो से सच कहूँ कि जे यहाँ खडो हैं, ओमा से कुछ ऐसो हैं कि जब तक परमेस्वर का राज्य नी देख ले, तब तक मरन का स्वाद नी चखे।”

???? ?? ???????

(???? 17:1-8; ????? 9:2-8)

28 इन बात का कोई आठ दिन का बाद वी पतरस, यूहन्ना अर याकूब का संग लेकर प्रार्थना करन का लियो पहाड़ पर गयो।

29 जब उ प्रार्थना कर ही रयो हता, ते ओको चेहरा का रूप बदल गयो, अऊर ओको कपड़ा सफेद हो ख चमकन लग गयो।

30 अर देखो मूसा अर एलिय्याह, ये दो व्यक्ति ओको संग बाते कर रह हते।

31 ये महिमा सहित दिखायो दियो अर ओके मरनो की चर्चा कर रहे हतो, जे यरूसेलेम म पूरो होन वालो हतो।

32 पतरस अर ओके संगी नींद से भरियो हते, ते ओकी महिमा अर दो अदमी को, जे ओको संग म खडो हतो, देखो।

33 जब वी ओको पास से जानो लगियो तो पतरस न यीसु से कय्हो, “हे स्वामी, हमारो यहाँ रहन भलो हैं: अतः हम तीन मण्डा बनाए, एक तोरो लाने, एक मूसा का लाने अर एक एलिय्याह का लाने।” वी जानत नी हता कि वी का कह रहे हैं।

34 वी यू कह ही रहे हतो कि एक बादल न आकार उन्हे छा लियो, अर जब वी उ घिरनो लगी हो ते डर गयो।

35 ते उ बादल म से यू आवाज सुनाई दियो, “यू मोरो पोरिया अऊर मोरो चुनो हुआ हैं, ऐकी बात सुनो।”

36 अऊर यू जोर से आवाज होत ही यीसु अकेलो पायो गयो; अऊर उ चुप रयो, अऊर जे कुछ देखो हतो ओकी कोई भी बात उन दिन हुन म किसी से नी कय्हो।

???? ????? ?? ??????? ????? ? ????? ???? ?

(???? 17:14-18; ????? 9:14-27)

37 दुसरो दिन जब वी पहाड़ से उतरियो तो एक बड़ी भीड़ ओ से आ मिलियो।

38 अर देखियो, भीड़ म से एक अदमी न पुकार ख कय्हो, “अरे गुरू जी, मी तो से विनती करत हूँ कि मोरो पोरिया दया ओ म पर कर: काहेकि उ मोरो एक ही पोरिया आय।

39 अर देख, एक बुरी आत्मा ओ ख पकड़त हैं, अर वी एकाएक चिल्लो उठत हैं; अर उ ओ ख ऐसो मरोड़त हैं कि वी मुँह म फेस भर लात हैं; अर ओ ख कुचल ख मूसकिल से छोड़त हैं।

40 मी न तोरा चेला से ओ से निकाल न कि निवेदन करी, पर वी असा न कर सका।”

41 यीसु न उत्तर दियो, “अरे अविस्वासी अर कपटी लोग, मी कब तक तुम्हारो संग म सहूँगो? अपन पोरिया का यहाँ ले आ”

42 वी आ ही हतो कि दुस्तात्मा न ओ ख पटक ख मरोड़ियो, पर यीसु न असुध्द आत्मा ख डांटियो अर पोरिया का चोखो कर ख ओके बाप का सोप दियो।

43 ते सब लोग परमेस्वर का महा सामर्थ्य से चकित हुआ।

??? ??????? ?? ???? ???? ?? ??????? ???? ???????????

(???? 17:22,23; ????? 9:30-32)

परन्तु जब सब लोग उ सब काम हुन से जे उ कर हतो, अचम्भा हते, ते ओ ना अपना चेला हुन से कहयो,

44 “तुम इन लोग हुन से कान लगा ख यी आवाज सुनो इंसान को पोरिया इंसान हुन को हात से पकड़यो जान वालो हैं।”

45 परन्तु या बात का नी समझ म हते, अर यू ओसे छिप रह कि वी ओ ख जानन नी पाएँ; अर वी इ बात का विसय म ओसे पूछन से डर रह।

~~~~~

(~~~~~ 18:1-5; ~~~~~ 9:33-37)

46 फिर ओमा यू झगड़ा होन लगियो कि हम म से बड़ो कऊन हैं।

47 पर यीसु न ओ ख मन ख विचार जान लियो, अर एक पोरिया का लेकर अपन पास खड़ो कियो,

48 अर ओसे कहयो, “जे कोई मोरो नाम से इ बालक पोरिया ख ग्रहण करत हैं, उ मोखा ग्रहण करता हैं, उ मोरो भेजन वाला का भी ग्रहण करत हैं, काहेकि जे तुम म से सब छोटो से छोटो हैं, वही बड़ो हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 9:38-40)

49 अऊर ते यूहन्ना न कहयो, “हे गुरू जी, हम न एक अदमी का तोरो नाम से दुस्तात्मा ओखा निकालत देखो, अर हम न ओ ख मना कियो, काहेकि उ हमारो संग होकर तोरो पिछ्छु नी हो लेता।”

50 यीसु न ओसे कहयो, “ओखा मना नी कर; काहेकि जे तुम्हारो खिलाफ म नी, वी तुम्हारो ओर हैं।”

~~~~~

51 जब ओको ऊपर उठन जानो का दिन पुरो होन पर हते, तो ओ ना यरूसलेम जान का विचार पक्का कियो।

52 ओ ना अपन आगु दुत भजो। वी सामरी हुन का एक गाँव म गयो कि ओके लियो जगह तैयार करे।

53 परन्तु उ लोग न ओखा उतरन नी दियो, काहेकि वी यरूसलेम जा रयो हतो।

54 यु देखकर ओके चेला याकूब अर यूहन्ना न कहयो, “हे प्रभु, का तू चाहत हैं कि हम आग्या दे हे, आकास से आगी गिरकर उनका जला दे हे?”

55 पर ओ ना मुड़कर उनखा डाँटियो अर, कहयो, “तुम नी जानत कि तुम कसी आत्मा का हैं। काहेकि अदमी को पोरिया लोगो का प्रायन का नास करन न वरन् बचान को लियो आयो हैं।”

56 अर वी किसी दुसरो गाँव म चलो गयो।

~~~~~

57 जब वी रस्ता म जा रह हत, ते किसी न ओसे कहयो, “जहाँ-जहाँ तू जाहे, मी तोरो पिछ्छु ही रहूंगो।”

58 यीसु न ओसे कहयो, “लोमड़ी हुन ख लाने गुफा अर आकास का पक्छी हुन ख गुड़ा हुन हैं, पर इंसान को पोरिया ख लाने मुंडी लुकान की भी जगह नी आय।”

59 ओ ना दुसरो से कहयो, “मोरो पिछ्छु हो ले” ओ ना कहयो, “हे प्रभु, मोखा पहले जान दे कि मी अपन बाप ख गाड़ दूँ।”

60 अऊर यीसु न ओ से क्य्हो, “मुर्दा हुन ख अपनो मुर्दा गाड़न दे। अऊर तुम जा ख परमेस्वर को राज्य को प्रचार कर।”

61 एक अर न भी कहयो, “हे प्रभु, मी तोरो पिछ्छे हो लूंगो; पर पहलो मोखा जानू दे कि अपन घर का लोगो से विदा ले आऊँ।”

62 यीसु न ओ से क्य्हो, “जे कोई अपन हात हल पर रखकर पिछ्छु देखत हैं, वी परमेस्वर का राज्य का योग्य नी।”

1 इ बात का बाद प्रभु न सत्तर अर अदमी नियुक्त कियो, अर जे-जे नगर अर जगह को वी तुम जानू पर हता, वहाँ उनका दो-दो कर ख अपन आगु भेज।

2 ओ ना ओसे कह्यो, “पकिया खेत ते बेजा हुन हैं, पर मजदूर थोडा हैं, एकोलाने खेत का मालिक से विनती कर कि वी अपन के काटन वाला मजदूर का भेज देहे।

3 जाओ; देख, मी तो ख भेड़ का समान भेड़िया का बीच म भेजू हूँ।

4 एकोलाने नी बटुवा, नी झोला, नी जूता लो; अर नी रस्ता म कोई का नमस्ते कर।

5 जे कोई का घर म जाहे, पहलो कहो, ‘इ घर पर सान्ति हो’

6 यदि वहाँ कोई सान्ति को योग्य होगो, ते तुम्हारो सान्ति उ पर ठहरेगो, नी ते तुम्हारो पर लउट आएँगो।

7 हुई घर म रह, अर जे कुछ ओ से मिले, हुई खाय-पी, काहेकि मजदूर का अपन मजदूरी मिलन चाही; घर-घर नी फिर।

8 जे नगर म जाए, अर वहाँ का अदमी तुम्हारो उतार, ते जे कुछ तोरो आगु रखो जाए उ खाओ।

9 वहाँ का जुड़ ख अच्छो कर अऊर ओसे कह्यो, ‘परमेश्वर को राज्य तुम्हारो पास आ पहुँचो हैं।’

10 परन्तु जे नगर म जाओ, अर वहाँ को लोग तोखा ग्रहण नी करे, ते ओके बाजार म जाकर कह,

11 ‘तुम्हरो नगर की धूल भी, जो हमार पाय म लगिया हैं, हम तुम्हारो सामने झाड़ देत हैं; तोभी यू जान ला कि परमेश्वर को राज्य तुम्हारो पास आ पहुँचो हैं।’

12 मी तुम से कहत हूँ कि उ दिन उ नगर से सदोम की दसा ज्यादा सहन योग्य होए।

~~~~~

13 “धितकार खुराजीन! धितकार बैतसेदा! जे सामर्थ्य का काम तू म कियो गयो, यदि वी सूर अर सैदा म कियो जात ते बोरा (टाट) ओढ़कर अर राख म बैठ ख वी कब का मन फिरात।

14 परन्तु न्याय का दिन तो हरो दसा से सूर अर सैदा अधिक सहन योग्य होए।

15 अरे कफरनहूम, का तू स्वर्ग लक ऊँचो करो जाएगो? तू ते अधोलोक लक नीचे जाहे।

16 “जे तुम्हरो सुनत हैं, वी मोरो सुनत हैं; अर जे तोखा तुच्छ जानत हैं, वी मोरो भेजन वाला का तुच्छ जानत हैं।”

~~~~~

17 वी सत्तर खुसी करत हुआ लउटियो अर कहन लगियो, “हे प्रभु तोरो नाम से दुस्तात्मा भी हमार वंस म हैं।”

18 ओ ना ओसे कह्यो, “मी सैतान का बिजली के समान स्वर्ग से गिरा हुआ देख रहे हतो।

19 देख, मी न तुम्हे साँप अर बिच्चु का कुचालन का, अर दुसमन की सारो सामर्थ्य पर अधिकार दियो हैं; अर किसी वस्तु से तुम्हारी कुछ हानि नी होए।

20 तोभी ओसे खुसी मत ही कि आत्मा तुम्हारो वंस म हैं, परन्तु जे का खुसी हो कि तुम्हारो नाम स्वर्ग पर लिखो हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 11:25-27; 13:16,17)

21 हुई बखत वी सुब्द आत्मा म होकर खुसी से भर गयो, अर कह्यो, “हे बाप स्वर्ग अर जमीन का प्रभु, मी तोरो धन्यवाद करत हूँ कि तू न इन बात ग्यानियो अर समझदार हुन से छिपा रखिए अर पोरिया हुन पर पर प्रगट कियो। हाँ, हे बाप, काहेकि तोखा यु चोखो लगे।

22 “मोरो पिता न मोखा सब कुछ सोपियो दियो हैं; अर कोई नी जानत कि पोरिया कोन हैं केवल बाप अर पिता कोन हैं यू भी कोई नी जान केवल पोरिया को अऊर उ जेको पर पोरिया ओ पर प्रगट करनो चाहे।”

23 ते चेला हुन की ओर मुड़कर अकेलो म कह्यो, “भलो हैं वी आँखी, जे ये बात जे तुम देखत हो देखते हैं।

24 काहेकि मी तू से कहत हूँ कि बेजा से भविष्यवक्ता हुन अर राजा ओ न चाह कि जे बात तुम देखत हो देख पर नी देखी, अर जे बात तुम सुनत हो सुने पर सुनी।”

~~~~~

25 अर देख, एक व्यवस्थापक उठियो अर यू कह ख ओकी परिकछा करन लगियो, “हे गुरू अनन्त जीवन का वारिस होन को लाने मी का करूँ?”

26 यीसु ओ से कय्हो, “नेम म का लिखो हैं? तू कसो पढत हैं?”

27 ओ न उत्तर दियो, “तू प्रभु अपनो परमेस्वर से अपनो सारो मन अर अपनो साक्ति अर अपनो सारी बुद्धि का संग प्रेम रख, अर अपन बाजू वालो से अपनो समान प्रेम रखनो।”

28 अऊर यीसु न ओसे न कहयो, तुम न अच्छो जवाब दियो यू कर अऊर तुम जिन्दगी मिले।;

29 पर ओ ना अपना तुम का धर्मी ठहरान की इच्छा से यीसु से पूछो, “ते मेरो पड़ोसी कऊन हैं?”

30 यीसु न उत्तर दियो, “एक अदमी यरूसेलेम से यरीहो को जा रहे हतो कि डाकू हुन न घेरकर ओके कपडा उतार लाने अर मार पीट ख ओखा अधमरा छोड़कर चलो गयो।”

31 अर ऐसो हुओ कि उ रस्ता म से एक याजक जा रहे हतो, परन्तु ओखा देख कर अनदेखा कर चलो गयो।

32 इ रीति से एक लेवी उ जगह पर आयो, वी भी ओखा देख ख देखा कतरा ख चलो गयो

33 परन्तु एक सामरी यातरी वहाँ आ निकल, अर ओ ख देखकर तरस खायो।

34 ओ ना ओके नजीक आकर ओके घावो पर तेल अर अंगूर को रस ढालकर पट्टियाँ बाँधी, अर अपनी सवारी पर चढ़ाकर सराय म ले गयो, अर ओकी सेवा टहल की।

35 दुसरो दिन ओ ना दो चाँदी सिक्का निकलकर सराय का मालिक को दियो, अर कहयो, ऐ की सेवा टहल करुन, अर जे कुछ तोरो अर लगोगे, “उ मी लउटनू पर तोखा दे दूँगो।”

36 यीसु न कहयो, अब तोरी समझ म जे डाकू हुन म घिरि गयो हतो, “उ तीनो म से ओको पड़ोसी कऊन होए?”

37 अऊर ओ न कय्हो, “वही जे न उ पर दया कियो।”

यीसु न ओ से कय्हो, “जा तू भी असो ही कर।”

~~~~~

38 अऊर यीसु अऊर उनको चेला सफर कर रहे हता। ते यीसु एक गाँव म आयो, वहाँ पर मार्था नाम कि एक बाई न अपनो घर पर उनको आदर कियो।

39 मरियम नामकी ओकी एक बहिन हती। उ प्रभु का पाय म बैठ ख ओखा वचन सुनत हती।

40 पर मार्था काम करते करते मार्था चिंता म गई अऊर ओ के पास आ ख कहन लगिया, “हे प्रभु, का तोखा मोरी कोई भी चिन्ता नी हैं कि मोरी बहिन न मोखा सेवा करन का लियो अकेली ही छोड़ दियो हैं? एकोलाने ओसे कह कि मोरी सहायता करे।”

41 प्रभु न ओखा उत्तर दियो, “मार्था, हे मार्था; तू बेजा ज्यादा बात की चिन्ता करा अर घबरावा हैं।

42 पर एक बात आवस्यक हैं, अर अच्छो भाग का मरियम न चुन लियो हैं जे ओसे छिनो नी जाएगो।”

## 11

~~~~~

(लूका 6:9-13)

1 ते एक बखत यीसु कोई जगह पर विनती कर रयो हतो, विनती खत्म होन पर उनको एक चेला न उनसे कय्हो, “प्रभु हम का निवेदन करनो सिखा, जसो यूहन्ना न अपनो चेला हुन ख सिखायो रहा।”

2 यीसु न ओसे कय्हो, जब तुम प्रार्थना करे: ते कहेनो:

अरे बाप,

तोरो नाम सुध्द मानो जाहे,

तोरो राज आय।

³ हमरी दिन भर की रोटी हर रोज हम ख दियो कर,

⁴ अर हमरा पाप हुन ख माप करयो,

काहेकि हम भी अपन हर एक अपराधी का माप करा हैं,

अर हमका परीक्खा म मत ला।

?????????? ?? ????? ? ????? ?? ???????
(?????? 7:7-11)

⁵ अऊर यीसु उन से कय्हो भी हतो, “तुम म से कोन हैं कि ओको दोस्त होय, अर उ आधी रात ख ओको नजीक जाय ख ओसे कहयो, अरे दोस्त मोखा तीन रोटी दे।

⁶ काहेकि एक यातरी दोस्त मोरो नजीक आयो हैं, अर ओको आगे रखनो ख लाने मोरो पास कुछ नी हाय।”

⁷ अर उ घर को अन्दर से उत्तर दे, “मो ख तंग मत कर। अब ते दरवाजा बन्द हो चुको हैं। मोरो पोरा पोरी ख मोरो संग बिस्तर पर हैं, मी उठ ख तुम ख कई भी नी दे सका हैं?”

⁸ मी तुम से कहू हैं, अदि ओको दोस्त होनो पर भी ओ ख उठ ख नी दे; तेभी ओखा लाज ख छोड़ ख माँगन को कारन ओखा जिती जरूरत होए उत्ती उठ ख देहे।

⁹ अऊर मी तुम से कहू हैं कि माँगो, ते तुम ख दियो जाहे; ढूँडे, ते तुम ख मिलेगो; खटखटाओ, ते तुमरो लाने खोलो जाहे।

¹⁰ काहेकि जे कोई माँगें हैं, ओ ख मिला हैं; अर जे ढूँढा हैं, ओ ख मिला हैं; अर जे खटखटाऊ हैं, ओको लाने खोलो जाहे।

¹¹ अदि तुमरो म से असो कऊन सो बाप होए, कि जब ओको पोरिया रोटी माँगें, ते ओ ख पत्थर देहे; या मच्छी माँगें, ते मच्छी को बदला ओ ख साँप देहे?

¹² या अण्डा माँगें ते ओ ख बिच्चु दे हे?

¹³ एकोलाने जब तुम बुरा होय ख अपना पोरिया-पारी ख अच्छी चीज देनो जाना हैं, “ते स्वर्ग म रहन वालो बाप अपना माँगन वाला हुन ख सुध्द आत्मा काहे नी देहे।”

???? ?? ???????
(?????? 12:22-30; ????? 3:20-27)

¹⁴ अऊर यीसु एक दुस्तात्मा गूँगा हतो, निकल रह हतो। दुस्तात्मा ख निकलते ही गूँगा अदमी कहन लगो अऊर अदमी अचम्भा म पड़ गयो हतो

¹⁵ पर ओ म से कुछ न कहयो, “यू ते सैतान बालजबूल नाम को दुस्तात्मा हुन को मुखिया कि मदत से दुस्तात्मा हुन ख निकाला हैं।”

¹⁶ अऊर हुन न ओकी यीसु परीक्खा करन को लाने ओसे स्वर्ग को एक चिखान माँगो।

¹⁷ पर ओ न उनको मन की बात जान ख, उनसे कहयो, “जे-जे राज्य म फूट होवा हैं, उ राज्य उजड़ जावा हैं; अर जे घर म फूट होवा हैं, उ नास हो जावा हैं।”

¹⁸ यदि सैतान अपनो ही बैरी हो जाए, ते ओको राज्य कसो बनो रहेगो? काहेकि तुम मोरो बारे म तो कहाँ हैं कि यु बालजबूल सैतान की मदद से दुस्तात्मा हुन ख निकालू हैं।

¹⁹ अऊर मी बालजबूल कि मददत से दुस्तात्मा ख निकालू हैं, ते तुमरो पोरिया को की मददत से उन ख निकाल हैं? एकोलाने वी तुम लोग हुन ख न्याय करे।

²⁰ पर अदि मी परमेस्वर को सक्ति से दुस्तात्मा का निकालू हैं ते परमेस्वर को राज्य तुम्हरो नजीक आ पहुँचियो हैं।

21 अऊर जब बलवान अदमी हथियार बाँध ख, अपनो घर की रखवाली हैं, ते ओकी धन-दऊलत (संपत्ति) बची रहवा हैं।

22 पर जब ओसे बढ ख कोई बलवान चढ़ाई कर ख ओ ख जीत लेवा हैं, ते ओखा वी अऊजार जिन पर ओको भरोसा हतो, छुड़ा लेवा हैं, अर ओकी धन-दऊलत लूट ख बाँट देवा हैं।

23 जे मोरो संग नी उ मोरो विरोध म हैं, अऊर जे मोरो संग नी बटोरा उ उबिखेरा हैं।

~~~~~

(~~~~~ 12:43-45)

24 “अऊर बुरी आत्मा अदमी म से निकल जाय हैं ते सुखी जगह म आराम ढूँढते फिरा हैं, अर जब नी पाय हैं ते बोला हैं, ‘भी अपनो उई घर म जहाँ से निकल हती लोउट जाऊ।’

25 अर आ ख ओखा झाड़ो-बुहारो अर सजो-सजायो पाहे हैं।

26 ते उ जाय ख अपनो से भी जादा सात बुरी आत्मा हुन ख लेख आय हैं अऊर वे उ घर म अन्दर जा ख उ बस जाते हैं। यूईच कारन उ अदमी कि या पिछलो दसा पहली से भी जादा बुरी हो जाय हैं।”

~~~~~

27 जब उ या बात कहत ही रह हतो ते भीड़ म से किसी बाई न बड़ी जोर से कहयो, “धन्य हैं वा कोक जेमा तू पैदा भयो अर माय को दूध जे तू न पियो।”

28 अऊर यीसु न कय्हो, “हव; पर धन्य वी हैं जे परमेस्वर का वचन सुना अर माना हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 12:38-42)

29 अऊर जब भीड़ बडत जावा अर जुडते होन लगी ते यीसु कहन लग गयो, “यू जमाना ख अदमी बुरा हैं; वी चिन्ह ढूढा हैं; पर योना चित्र का छोड़ कोई अऊर चिन्ह उन ख नी दियो जाएगो।

30 जसो योना नीनवे का अदमी हुन को लियो चिन्ह ठहरायो, वसो ही ईसान को पोरिया भी यु युग का अदमी हुन को लियो ठहरेंगो।

31 दक्खिन की रानी न्याय को दिन यु बखत का अदमी हुन को संग उठकर उन का दोसी ठहराएगो, काहेकि उ सुलैमान को ग्यान सुनन ख दुनिया की उ छोर से आई, अर देखनु, यु उ हैं जे सुलैमान से भी बड़ो हैं।

32 अऊर नीनवे का लोग न्याय को रोज या बखत ख लोग हुन को संग खड़ो हो ख, उनका, दोसी ठहरायगो; काहेकि उन ना योना को प्रचार सुन ख मन फिरायो, अर देखनु यु उईच आय हैं जे योना से भी बड़ो हैं।

~~~~~

(~~~~~ 5:15; 6:22,23)

33 “कोई अदमी दीया जला ख तलघर म या डुल्ला को नीचू नी रखा हैं, पर दिया ठानी दिया रखने की जगह पा रखा हैं कि अन्दर आन वाला का उजरो मिले।

34 तोरो सरीर को दिया तोरी आँख हैं एकोलाने जब तोरी आँख चोक्खी हैं तो तोरो पुरो सरीर भी उजरो हैं; पर जब वा बुरी हैं ते तोरो पुरो सरीर भी अन्धेरो हैं।

35 एकोलाने यू बात ख याद रखनो कि जे उजरो तुम म हैं, उ अन्धरो नी हो जाहे।

36 एकोलाने अदि तोरो पुरो सरीर उजलो होए अर ओकी कोई अंग अंधेरो नी रहे ते पूरो को पूरो असो उजला होएगो, जसो वा बखत होवा हैं जब दिया अपनो चमकनो से तोखा उजाला देवह हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 23:1-36; ~~~~~ 12:38-40)

37 अऊर जब यीसु बात कर ही रयो हतो कि ते कोई फरीसी न उन से यू विनती कियो, “की तू मोरो संग खानो करे।” यीसु अन्दर जा ख खानो करन बैठियो।

38 फरीसी न यू देख ख अचम्बा भयो कि ओ न खाना खान से पहलो हात पाय नी धोयो।

39 प्रभु न ओसे क्यो, “अरे फरीसी हुन, तुम कटोरा हुन अर कोपर का ऊपर से तो मांजा हैं, पर तुमरो भीतर लालच अर बुरी बात भरी हैं।”

40 अरे बे अकली जेना बाहर को भाग बनायो, का ओ ना अन्दर को भाग नी बनायो?

41 पर अन्दर वालो भाग ख दान कर देव, ते देख सब कुछ तुम्हारे लियो सुध हो जाएगो।

42 “पर अरे फरीसी हुन, तुम पर धितकार! पुदीने अर सोप का अर सब भाँति का साग-पात का दसवां हिस्सा (अंस) देवा हैं, पर न्याय को अर परमेस्वर को प्रेम का टाल देवा हैं तुमारी मर्जी या होनो थो कि इन ख भी कर रहनो अर उन ख भी नी छोड़ते।

43 “हे फरीसी हुन, तुम पर धितकार! तुम प्रार्थना घर हुन म अच्छी-अच्छी जगा आसन अर बजार हुन म प्रेम नमस्कार चाहवा हैं।”

44 धितकार तुम पर! काहेकि तुम वा लुकि समसान को जसो हैं, जिन को ऊपर अदमी हुन चला हैं पर नी जाना

45 तब एक व्यवस्थापक न ओको जवाब दियो “अरे गुरू या बात हुन को बोलनो से तुम हमारो बुराई करा हैं।”

46 अऊर यीसु न कहयो दियो, व्यवस्थापक ख सिक्छाक धितकार हैं तुम इंसान हुन पर असो बोझ लादते हैं। जिन ख दोना कठिन हैं, पर तुम उन ख उठान का लाने अपनी एक उँगली भी नी लगा।

47 अऊर धितकार हैं! पर तुम भी भविष्यवक्ता हुन कि समसान बनाव हैं जिनका तुमरो बाप दादा हुन न मार डालियो रह।

48 अऊर पाप हुन ख माफ कर, काहेकि हम ख भी अपनो हरो एक अपराधी ख माफ कर हैं, अऊर हम ख परीक्छा म नी ला।

49 एकोलाने परमेस्वर को ग्यान न भी कहयो हैं मी उनको नजीक भविष्यवक्ता उन का अर प्रेरित उन का भेजोगो अर वी उन म से कई का मार डालेगो अर कुछ का सताएगो।

50 एकोलाने दुनिया को सुरू से जित्ता भविष्यवक्ता हुन को खून बहायो गयो हैं हाबिल को खून से लेख जकरयाह को खून तक, जे मूर्ती अर मन्दिर गर्भ को बीच मारो गयो हतो ओको लेखा यू पीढ़ी ख चुकानो पड़े। मी तुम से कहूँ हैं, कि लेखा यूईच पीढ़ी ख चुकानो पड़े।

51 हाबिल की माऊत से लेका जकरयाह की हत्या तक जो वेदी अर मंदिर को बीच म मार कियो गया हैं मी तुम से सही बोलूँ हैं इन सब को लेखा यु बखत को इंसान से लियो जाएगो

52 अऊर व्यवस्थापक धितकार हैं तुम लोग हुन ख! काहेकि तुम न ग्यान की कुंजी ले ते लियो हैं पर तुम न स्वयं ही न भीतर नी करे अर जे भीतर करे रहे हतो उन ख रोक दियो हैं

53 जब उ वहाँ से निकलो, ते सासतिरी अर फरीसी बुरी तरीका से ओको पिछे पड़ गया अर छोड़न लगियो कि उ बेजा सी बात की चर्चा करे,

54 अऊर वी यूईच देख रया हता कि यीसु को मुन्डा से निकली कोई बात ख पकड़े।

## 12

1 अऊर इत्ता म हजार हुन लोग हुन कि मीड लग गई, इत्ते का लोग एक दुसरा हुन को कुचल रयो हतो। ते यीसु पहलो अपनो चेला हुन से कह लगो, “फरीसी हुन ख कपटी जसा खमीर से होसियार रहनो।”

2 कुछ ढको नी, जे खोलो नी जान को; अर न कुछ लूको हैं, जे समझो नी जान को।

3 एकोलाने जे कई तुम न अंधेरो म क्यो हैं, उ उजेलो म सुनायो जाएगो; अर जो तुम न कोठरी हुन म कान ही कान म बोल्यो हैं उ छत पर से प्रचार कियो जाएगो।

???? ?? ????

(?????? 10:28-31)

4मी तुम से जो मोरा दोस्त आय कहूँ हैं कि जो सरीर का चोट \* करत हैं पर ओको पिछे अर कुछ नी कर सकत, ओसे मत डर।

5मी तुम ख जताऊ हैं कि तुमका कोसे डर नो चाहिए, घात करन का बाद जेका नरक म डालन को अधिकार हैं, ओ से ही डर; हाँ मी तो से कहूँ हैं, ओ से ही डरन।

6का दो पैसा कि पाँच गऊँरैया नी बाकी? तेभी परमेस्वर ओमा से एक का भी नी भुला।

7तुमारो मुण्डी का सब बाल भी गिनिया वाला हैं एकोलाने डर नो मत, तुम ढेर सारा गऊँरैया से बढ ख हैं।

~~~~~  
(~~~~~ 10:32,33; 12:32; 10:19,20)

8“मी तो से कहूँ हैं, जो कोई अदमी को सामने मोखा मान लेहे ओ ख इंसान को पोरिया भी परमेस्वर का स्वर्गदूत का सामने मान लेहे।”

9पर जो अदमी को सामे मोरो इंकार करे ओ ख मी भी परमेस्वर को स्वर्गदूत को सामे इंकार करूंगो।

10“जो कोई इंसान को पोरिया को खिलाप म कोई बुरी बात कहे, ओको वी अपराध माप कियो जाहे, पर जो सुध्द आत्मा की बुराई करे, ओको अपराध छमा नी कियो जाहे।

11“जब अदमी हुन तुमका प्रार्थना घर अर हाकिमो अर अधिकारी हुन को सामे ले जाहे, ते चिन्ता नी करनु कि हम कसो रिती से या का उत्तर देहे, या का कहे।

12काहेकि सुध्द आत्मा उत्तीच बखत तुमका सब सिका देहे कि का कहनो चाहिए।”

~~~~~

13फिर भीड़ म से एक न ओसे कहयो, “अरे गुरू मोरो भई से कहूँ की बाप की धन-दऊलत मोरो संग बाँट ल।”

14ओ न ओसे कहयो, “व्यक्ति, को न मो ख तुमरो न्याय करत न वालो या बाँटन वालो नियुक्त कियो हैं?”

15अर ओ न ओसे कहयो, “सतर ख रहनो, अर सब प्रकार को लोभ से अपनो तुम ख बचा ख रखन; काहेकि को कोई को जीवन ओकी धन-दऊलत को ज्यादा होनो से नी होवा।”

16फिर यीसु न उन ख यू उदाहरन सुनायो; “कोई धनवान कि जगह पर बेजा फसल भई।”

17एको बाद उ अपनो मन म विचार करन लग गयो, मी का करूँ? काहेकि मोरो यहाँ जगह नी जहाँ अपनो अनाज अऊर कुछ रखूँ।

18अर ओ न कय्हो, मी असो करूंगो मी अपनो बखारी का तोड़ ख ओसे बड़ी बनाऊंगो; अर वहाँ अपन सब अनाज अर धन-दऊलत रखूंगो;

19अर अपनो मन से बोलुंगो कि मन, तोरो पास बेजा साल को लाने बेजा दऊलत धरी हैं; चैन कर खा पी, सुख से रह।

20पर परमेस्वर न ओसे कय्हो, अरे मुख! या रात तोरी जान तो से ले लियो जाहे; तब जो कुछ तू न जोड़ियो हैं उ कोको होय?

21असो ही उ इंसान भी हैं जो अपनो लाने पैसा जोड़ा हैं, “पर परमेस्वर की नजर म धनी नी हाय”

~~~~~  
(~~~~~ 6:25-34)

22फिर ओ न अपना चेला हुन से कय्हो, “एकोलाने मी तुम से बोलूँ हैं, अपनो जिन्दगी को लाने यू चिन्ता करनो कि हम का खाएँगो; न अपनो सरीर की, कि हम का पहिने।”

23काहेकि खाना से जान, अर कपड़ा से सरीर बढ ख हैं।

* 12:4 बात

24 कोऊवा हुन पर ध्यान देव; वी न बोवा हैं, न काटा नी उ ख बखारी अऊर नी बखारी हुन होवा हैं! तेभी परमेस्वर उन ख खिलावा हैं। तुमारो का दरजा इन पक्खी हुन से कही जादा नी हैं।

25 तुम म से असो कोन हैं जे चिन्ता करनो से अपनी उमर म एक घडी भी बढ़ा सकह हैं?

26 एकोलाने यदि तुम सबसे छोटो काम भी नी कर सका, ते अऊर बात हुन को लाने कहे चिन्ता करा हैं?

27 जंगल का फूल हुन पर ध्यान देव कि वी कसा बड़ा हैं: वी न तो मेहनत करा हैं न काता हैं; तेबी मी तुम से कहूँ हैं कि सुलैमान भी अपनो पुरो राज्य म, उनमा से कोई एक को समान कपड़ा पहिनिया नी हतो रह

28 एकोलाने जब भी परमेस्वर बररा कि घास ख, जे आज हैं अर कल आगी म झोकी जाएगो, असो पहिनावा हैं; ते अरे अल्प विस्वासी हुन, उ तुम ख काहे नी पहिना हे?

29 अर तुम यू बात की ताक म मत रहनू की का खाएगो अर का पाएगो, अर न मन संका करनो

30 काहेकि दुनिया की जात हुन यी सब चीज हुन की खोज म रहवा हैं: अर तुमरो परमेस्वर बाप जाना हैं कि तुम ख यी चीज हुन की जरूरत हैं।

31 पर ओखा राज की खोज म रहनू, ते यी चीज भी तुम ख मिल जाएगो।

~~~~~

(लूका 6:19-21)

32 “अरे छोटा झुंड, मत डर; काहेकि तुम्हारे बाप का यू भयो हैं, कि तुमका राज दे।

33 अपनी धन-दऊलत बेच ख दान कर देव; अर अपनो लाने असो बटुवा बनाव जो जुनना नी होवा, एकोमतलब स्वर्ग म असो धन इकट्ठो करो जो की घटा नी अर जे को जोने चोर नी जावा, अर कीड़ा नी बिगड़ सका।

34 काहेकि जहाँ तुमारो धन रहे, वही तुमरो मन भी लगो रहे।

~~~~~

35 “अऊर तुमारो कमरे बन्धी रया अऊर तुमारो दिया जलते रह,

36 अर तुम ख वी अदमी हुन को जसो बननो चाहिए, जो अपनो मालिक की रस्ता देख रया होय कि उ सादी से कब लउटेगो कि जब उ आ ख दरवाजा खटखटाए ते जादा ओको लाने खोल देऊ।

37 धन्य हैं वी दास जेको मालिक आय जगते देखे मी तुम ख सच कहूँ हूँ कि उ कम्मर बाँध ख उन ख खाना खलान ख बैठाले, अर नजीक आँख उनकी सेवा करेगों।

38 अदि उ रात को दुसरो या तीसरो पहर म आ ख उन ख जगते देखे ते वी दास धन्य हैं।

39 पर तुम यु समझ लेनो, की अदि घर को मालिक (स्वामी) जानतो कि चोर किती घडी आएँगो, ते जगते रहनू अर अपनो घर म चोरी नी होन देन को

40 तुम मी तैयार रहनो काहेकि जे बखत तुम सोचा भी नी उन्ती बखत इंसान को पोरिया आ जाएगो।”

~~~~~

(लूका 24:45-51)

41 तब पतरस न क्य्हो, “अरे प्रभु, का यू उदाहरन तू हम से ही या सब ख कहवा हैं।”

42 प्रभु न क्य्हो, “वी भरोसा अर बुद्धिमान भण्डारी कोन हैं, जेको स्वामी ओखा नऊकर चाकर हुन पर सरदार ठहरायो कि उन का बखत पर खान कि समान दे।”

43 भलो हैं वी दास, जेका ओको मालिक आय ख असो ही करत पायो।

44 मी तो से सच कहूँ हैं, वी ओ ख अपनी सारी धन-संपत्ति पर हक ठहराएगो।

45 पर अदि उ सेवक सोचन लग जाहे कि मोरो मालिक आनो म देर कर रहयो हैं अर दास हुन अर दासी हुन का मारन पिटन लग गयो, अर खान-पीवन अर पियक्कड़ होन लगियो

46 ते उ दास को मालिक असो दिन जब उ ओकी बाट जोहता नी रह, अऊर असी बखत जेसे उ पता नी हो आहे अऊर ओ ख भारी दण्ड देकर ओको भाग अविस्वासी हुन ख संग ठहराएगो।

47 वी दास जे अपनो मालिक कि इच्छा जानत रह हता अर तैयार नी रहा अर नी ओकी इच्छा को अनुसार चलो, अर बेजा मार खाएगो।

48 पर जे न जानकर मार खान को योग्य काम करा उ थोड़ी मार खाएगो। एकोलाने जे ख बेजा दियो गयो हैं, ओसे बेजा माँगियो जाहे; अर जे ख बेजा सऊपियो गयो हैं ओसे बेजा लियो जाएगो।

~~~~~  
(~~~~~ 10:34-36)

49 “मी दुनिया पर आग लगान आयो हैं अऊर का चाहूँ हैं मी केवल यू कि अभी आगी परचा जाय हैं!

50 मो ख तो एक पानी बपतिस्मा लेन हैं अर जब तक उ नी हो लेन को तब तक मी कसो दुख म रहूंगो।

51 का तुम समझा हैं कि मी जमीन प सान्ति या मिलाप करन ख आयो हूँ? मी तोसे कहूँ हैं अर; नी, पर अलग करान आयो हैं।

52 काहेकि अब से एक ही घर म पाँच जन आपस म बैर रखेगो, तीन दो से अर दो तीन से।

53 बाप पोरिया से अर पोरिया बाप से बैर रखेगो: माय-पोरी से, अर पोरी माय से, सास बहू से, बहू सास से रखेगी।”

~~~~~  
(~~~~~ 16:2,3)

54 ओ न भीड़ से भी कय्हो, “जब तुम बददल का तरफ पस्चिम से उठते देखा हैं ते तुरंत कह हो कि बारिस होवन वाली हैं, अर असो ही होवा हैं,

55 अर जब दक्खिनी हवा चलते देखा हैं ते बोला हैं की धूप (लूह) चले, अर असो ही होवा हैं।”

56 अरे कपटी हुन, तुम जमीन अर आकास को रंग-रूप म भेर कर सका हैं, ते यु युग को बारे म काहे भेद करनो नी जाना?

~~~~~  
(~~~~~ 5:25,26)

57 “तुम अपनो तुम म ही निर्नय काहे कर लेवा कि उचित का हैं?

58 जब तू अपनो गवाह को संग न्याय करन वालो ख नजीक जा रहे हो, ते मार्ग म ही ओ ख से समझोता करन कि कोसिस कर। कही असो नी हो कि उ तुम ख न्यायाधीस को नजीक खीच ले जाहे अऊर न्यायाधीस तुम ख सिपाई को हवालो कर दे। अऊर सिपाई तुम ख जेल खाना म डाल दे।

59 मी तो से कहूँ हैं कि जब लक तू दमड़ी-दमड़ी भर नी देहे तब लक वहा से छुट नी पावन को।”

13

~~~~~

1 अऊर बखत कुछ लोग यीसु ख उन ख गलीली हुन ख बारा म बतान आहे, जिनको खून राजपाल पिलातुस न उन ख बलि चढ़न वालो जानवर हुन ख खून म मिलो दियो हतो।

2 यू सुन ख ओ ना ओसे जवाब म असो कय्हो, “का तुम समझा हैं कि यी गलीली अर सब गलीली हुन से जादा पापी हता कि उन पा असो दुख पड़ीयो?

3 मी तुम से कहूँ हैं कि नी; पर तुम मन नी फिरान ते तुम सब भी असो ही नास होए।

4 या का तुम समझा हैं कि वी अठारह व्यक्ति जेन पर सीलोह को गुम्मट गिरो, अर वी दब ख मर गया: यरूसेलैम ख अऊर सब रहन वाला से जादा अपराधी हता?



5 मी तो से कहत हूँ कि नी; परन्तु अदि तू मन नी फिराएगो ते तुम सब भी इस रीति से नास होगो।”

~~~~~

6 ते यीसु न यू उदाहरन भी सुन्यो, “किसी की अदमी को अंगूर की बारी म एक अंजीर का झाड़ लग गयो हतो। उ ओ म फल ढुढ़न आयो, पर ओ म एक भी नी मिलो।

7 तब ओ न बारी को रखन वालो से क्य्हो, “देख, तीन साल से मी इ अंजीर को झाड़ म फल ढूढ़न आत हूँ, परन्तु नी पात हूँ। एका काट डाल का यू जमीन का भी काहे रोकत हो?”

8 ओ ना ओको उत्तर दियो, “हे मालिक ऐखा इ साल अर रहन दे कि मी ऐखा चारो तरफ खोदकर ऐमा खाद डालूगो।”

9 यदि आगु का फले ते भलो, नी ते ओखा काट डालनू।”

~~~~~

10 आराम को दिन वी एक प्रार्थना घर म सिक्छा दे रयो हतो।

11 वहाँ एक बाई हती जेका अठारह साल से एक दुबल करन वाली बुरी आत्मा लगी हती, अर वी कुबडी होई गई हती अर कोई रीति से सीधो नी हो सकत रह हता।

12 यीसु न ओ ख देख ख बुलायो अर क्य्हो, “हे नारी, तू अपनी कमजोरी से छूट गई।”

13 तब ओ ना ओ पर हात धरियो, अर वा तुरत सिधो हो गई अर परमेस्वर कि बड़ाई करन लग गई।

14 एकोलाने कि यीसु न आराम को दिन ओ ख चोक्खो करी रह, प्रार्थना घर को मुखिया गुस्सा हो ख लोग हुन से कहन लग गयो, “छे: दिन हैं जे म काम करनो चाहिए, अत: वी दिन हुन म आ ख अच्छा होव पर आराम का दिन म नी।”

15 यू सुन कर प्रभु न उत्तर दियो, “हे कपटी हुन का आराम का दिन का तुम म से हर एक अपन बईल या गदही का थान से खोल ख पानी पिलाव नी ले जाय?

16 ते का अच्छो नी हता कि यु बाई जे अब्राहम की पोरी हैं जे ख सैतान न आठरह साल से बाँध का रखो हतो, आराम को दिन ऐ ख बन्धन से छुड़ाई जाहे?”

17 जब यीसु ख इन सब हुन से उन ख सब विरोध लज्जित हो गया; लेकिन पूरी जनता उनको सामने बड़ाईमय काम हुन ख देख ख खुसी भई।

~~~~~

(~~~~~ 13:31,32; ~~~~~ 4:30-32)

18 फिर यीसु क्य्हो, “परमेस्वर का राज्य कोको समान हैं? अर मी ओकी उपमा कोसे दूँ?

19 वी राई को एक दाना का समान हैं, जेका किसी अदमी न लेकर अपनो खेत म बोयो: अर वी बढ ख झाड़ बन गयो; अर आकास की चिड़िया न ओकी डाली पर अपनो बसेरा कियो।”

~~~~~

(~~~~~ 13:33)

20 ओ न फिर क्य्हो, “मी परमेस्वर का राज्य का उपमा कोसे दूँ?

21 वी खमीर का समान हैं, जेको किसी इ बाई न लेकर तीन पसेरी आटा म मिलायो, अर होत होत सब आटा खमीर बन गयो।”

~~~~~

(~~~~~ 7:13; 14:21-23)

22 वी नगर-नगर, अर गाँव-गाँव म होकर सिक्छा देत हुयो यरूसेलेम की ओर जा रहे हतो,

23 ते किसी न ओसे पुछियो, “हे प्रभु का उध्दार पान वाला थोड़ा हैं?”

ओ ना ओसे क्य्हो,

24 “सकेत दरवाजा से प्रवेस करन को कोसिस कर, काहेकि मी तुम से कह हूँ कि बेजा से प्रवेस करनो चाह, अऊर नी कर सक।

25 जब घर का स्वामी उठकर अपन दुवार बंद कर चुको होए, अर ते तुम बाहर खड़ा हो दुवार खटखटाकर कहन लगियो, 'हे प्रभु हमार लियो खोल दे' अर उ उत्तर दे, 'मी तुम्हे नी जानत, तुम किते का हो?'

26 तब ते कहन कहन लगियो, 'हम न तोरो सामने खाय-पियो अर तू न हमार बाजार म सिक्का कियो।'

27 परन्तु उ कहेगो, 'मी तोसे कहत हूँ मी नी जानता तुम कहाँ से हो हे अधर्मी करन वाला, तुम सब मोसे दूर हो!'

28 वहा रोनी अर दाँत पिसनो हुए; जब तुम अब्राहम अर इसहाक अर याकूब अर सब भविष्यवक्ता हुन का परमेस्वर का राज्य म बैठियो, अर अपन तुम को बाहर निकाल हुओ देखोगो;

29 अर पूरब अऊर पच्छिम; उत्तर अर दक्खिन से लोग आय का परमेस्वर का राज को भोज म भागी होएगो।

30 अर देखो, कुछ पिछलो हैं वी पहलो होएगो, अर कुछ जे पहलो हैं, वी पिछलो होएगो।"

~~~~~

31 उसी घड़ी कुछ फरीसी हुन न आकर ओसे क्य्हो, "यहाँ से निकलकर चलो जा, काहेकि हेरोदेस राजा तोखा मार डालनू चाहत हैं।"

32 ओ न ओसे क्य्हो, जाकर उ लोमड़ी से कहू दो कि देख, मी आज अर कल दुस्तात्मा का निकलत अर जुड़ का चंगो करत हैं, अर तीसरो दिन अपनो काम पुरो करूंगो।

33 तेभी मोखा आज अर सक्कार अर परोसो चलनो जरुरी हैं, काहेकि हो नी सका की कोइ भविष्यवक्ता यरूसलेम को बाहर मारो जाय।

~~~~~

(~~~~~ 23:37-39)

34 "हे यरूसलेम! हे यरूसलेम! तू जे भविष्यवक्ता हुन का मार डाला हैं, अर जे तोरो पास भेज्या गया उनको पर पथराव करा हैं। किती ही बार मी न यू सोचियो कि जसी मुर्गी अपना बच्चा ख अपना पंख हुन को नीचु एकजुट करा हैं, वसो ही मी भी तोरा पोरिया हुन ख एकजुट करूँ, पर तुम न यू नी चाह्यो।

35 देखनु, तुमरो घर तुम्हारे लाने उजाड़ छोड़ो जावा हैं, अर मी तुम से कहूँ हैं: जब तक तुम नी कहन का, 'धन्य हैं उ, जे प्रभु को नाम से आवा हैं,' तब तक तुम मोखा फिर कभी नी देखोगो।"

14

~~~~~

1 फिर उ आराम को दिन फरीसी हुन का मुखिया म से कोई को घर म खाना खान ख गयो; अर वी ओखा मारन कि ताक\* म हता।

2 अऊर देख, यीसु को सामने जलोदर से बीमार एक मनुस्य आयो।

3 इ पर यीसु न व्यवस्थापक अर फरीसी हुन से क्य्हो, "का आराम को दिन चोक्खो करनु उचित हैं या नी?"

4 पर वी चुपचाप रह गया। तब ओ न ओखा छु का चोक्खो करो अर जान दियो,

5 अर ओ न कह्यो, "तुम से असो कोन हैं, जेको गधा या बईल कुआ म गिर जाए अर वी आराम को दिन का ओको तुरत बाहर नी निकाले?"

6 वी असी बात को कुछ जवाब देनू को उनको ओकात नी होतो।

~~~~~

* 14:1 बात † 14:2 जलंधर का रोग

7 जब यीसु देखियो कि नेवता दिया वाला अदमी कसो अच्छी-अच्छी जगह चुन लेवा हैं ते एक उदाहरन दे ख उनसे क्य्हो,

8 तब कोई तो ख बिहाव म बुलाहे, ते अच्छी जगह म मत बैठनो, कई असो नी होय कि ओ न तोसे भी कोई बड़ो ख देवता दियो होय,

9 अर जोना तो ख अर ओखा वी दोई ख नेवता दियो होय आ ख तोसे कहे, ऐका जगह दे, अर तब तोखा लाज होकर को सबसे नीचु की जगह म बैठनो पड़े।

10 पर जब तो ख बुलायो जाय ते सब से नीचु जगह पर जा ख बठ कि जब उ, जेना तो ख नेवता दियो हैं आए, ते तो से कहे, अरे दोस्त, आगे जा ख बठ तब तोरो संग बठन वाला को जोने तोरी बड़ाई होयगो।

11 काहेकि जे कोई अपनो तुम ख बड़ो बनाएगो, ओको छोटी करो जाहेगो; अर जे कोई अपनो तुम छोटी बनाहे, ओको बड़ो करो जाहेगो।

12 तब ओ न अपना नेवता देन वाला से भी क्य्हो, “जब तू दिन का या रात का खानो करे, ते अपनो दोस्त हुन या भई हुन या कुटुम्बीहुन या धनवान पड़ोसी हुन ख नी बुला, कही असो नी हो कि वी भी तो ख नेवता दे, अऊर तोरो बदला हो जाहे।

13 पर जब तू खानो करे ते भिखारी हुन, ढुण्डा हुन, लगडा हुन अर अंधा हुन बुला।

14 तब तू धन्य होए, काहेकि उनको नजीक तो ख बदला देन ख कुछ नी, पर तो ख धर्मी हुन को जिन्दो उठनो पर ये की मेहनत को फल मिले।”

~~~~~

(लूका 22:1-10)

15 ओके संग खाना करन वाला हुन म से एक न यू बात सुन ख ओसे क्य्हो, “धन्य हैं वी जे परमेस्वर का राज्य म रोटी खाएगो।”

16 ओ न ओसे क्य्हो, “कोई इंसान न बड़ो भोज दियो अर बेजा हुन का बुलायो।

17 जब खानो तैयार हो गयो ते ओ न अपनो दास का हात नेवता लोग हुन का बुलन भेजो, ‘आव, अब खाना बन का तैयार हैं।’

18 पर वी सब ख सब मापी माँगन लगिया। पहलो न ओसे क्य्हो, ‘मी न खेत मोल लियो हैं, अर अवस्य हैं कि ओ ख देखू; मी तोसे विनती करत हूँ मो ख माप कर देनू।’

19 दूसरो न क्य्हो, ‘मी न पाँच जोड़ी बईल मोल लियो हैं, अर उनका परखन जात हूँ; मी तोसे विनती करत हूँ मोखा माप कर देनू।’

20 एक अर न क्य्हो, ‘मी न बिवाव कियो हैं, एकोलाने मी नी आ सकता।’

21 उ दास न आय ख अपनो मालिक का यू बात कह सुनायो। तब घर को मालिक न गुस्सा म आय ख अपनो दास से क्य्हो, ‘नगर को बाजार हुन अर गली हुन म तुरंत जाय ख भिखारी, ढुण्डो, लगडो अर अंधो हुन का इत्ते ले आनू।’

22 दास न फिर क्य्हो, ‘हे मालिक जसो तू न क्य्हो हतो वसो ही कियो गयो हैं; अर फिर भी जगह हैं।’

23 मालिक न दास से क्य्हो, ‘रस्ता हुन पर अर बागड हुन की ओर जा अर अदमी हुन विवस कर ख ले आनू ताकि मोरो घर भर जाए।

24 काहेकि मी तोसे कहूँ हूँ कि उनना नेवात लोग हुन म से कोई मोरो भोज का नी चखेगो।”

~~~~~

(लूका 10:37-38)

25 जब बड़ो भीड़ यीसु संग जा रह हती, ते यीसु पिछु मुड ख ओसे क्य्हो,

26 “यदि कोई मोरो नजीक आय, अर अपनो बाप अर माय अर घरवाली अर पोरिया हुन अर भई हुन अर बहिन हुन वरन् अपनो प्रायन को भी चोखो नी जानो, ते वी मोरो चेला नी हो सकत;

- 27 अर जे कोई अपनो सूली नी उठायो, अर मोरो पिछु नी आयो, वी भी मेरो चेला नी हो सकत!
- 28 तू म से कोन हैं जे गुम्मट बनानो चाहव हैं, अर पहलो बहिठ ख खर्च नी जोडा कि पुरो करन की सामर्थ्य मोरो नजीक हैं कि नी?
- 29 कही असो नी होवा कि जब उ नीव डाल लेहे पर पुरो नी कर सका, ते सब देखन वाला यू कह ख ओ ख ओकात नी अरूर ठट्टो म उडान लगिया,
- 30 यू अदमी बनान ते लगिया पर पुरो करन को ओकात नी होतो?
- 31 या कोन असो राजा से लडाई करन जात हो, दूसरो राजा से लडाई करन को लाने जावा हैं अर पहलो बैठ ख सोच नी कर ले कि जे बीस हजार लेख मोरो पर चढ़ आत हैं, का मी दस हजार ले ख ओको सामे कर सकत हूँ या नी?
- 32 नी ते ओके दूर रह ही उ दूत हुन ख भेज ख मिलाप करनो चाहे।
- 33 इ रीति से तो म से जे कोई अपनो सब कुछ त्याग नी देवा, उ मोरो चेला नी हो सकत।

(लूका 5:13; लूका 9:50)

- 34 "नमक ते चोखो हैं, पर अदि उ नमक को स्वाद बिगड़ जावा, ते उ कोई वस्तु से नमकीन कियो जाएगो।
- 35 उ नी ते जमीन को अर नी खाद को लाने काम म आत हैं: ओखा ते लोग हुन बाहर फेक देवा हैं। जेके सुनन को कान हो वी सुन लेहे।"

15

(लूका 18:12-14)

- 1 एक रोज तब कर लेन वालो अर पापी ओके पास आयो कर हते। ताकि ओकी सुने।
- 2 पर फरीसी अर सासतिरी कुडकुडा ख कहन लगिया, "यू ते पापी हुन से मिलत हैं अर उनका संग खात भी हैं।"
- 3 ऐ पर यीसु न उन ख यू उदाहरन सुनायो:
- 4 "तुम म से कोन हैं जेको सब भेड़ हो, अर ओमा से एक भटक जाए, ते तुम निन्यानवे का जंगल म छोड़कर, उ खोई का जब तक मिल नी जाए ओको खोजतो नी रहे?
- 5 अर जब मिल जात हैं, ते उ बड़ो खुसी से ओ ख कंधे पर उठकर लेख हैं;
- 6 अर घर म आकर दोस्तहुन अऊर पड़ोसी हुन का इकट्टा कर ख कहत रह, 'मोरो संग आनन्द करो, काहेकि मोरी खोई हुई भेड़ मिल गई हैं।'
- 7 मी तोसे कहूँ हैं कि असो तरीका से एक मन फिरान वालो पापी को बारे म भी स्वर्ग म इत्तो ही खुसी होय, जितनो कि निन्यानवे असा धर्मी हुन को बारे म नी होवा, जिन्हे का मन फिरानू की आवस्यकता नी।
- 8 "या कोन असो बाई जाए, जेको पास दस सिक्के हो, अर ओमा म से एक खो जाहे, ते उ दिया हुन जला ख अऊर घर झाड़-बुहारकर, जब तक उ मिल नी जात जिन्दो लग ख खोजत नी रहे?
- 9 अर जब मिल जाहे ते उ अपनो सहली हुन अर पड़ोसिनी हुन का इकट्टा कर ख कह हैं मोरो संग आनन्द करो? 'काहेकि मोरो खोयो हुआ सिक्के मिल गयो हैं।'
- 10 मी तोसे कहूँ हैं कि इ ही रीति से एक मन फिरावन वाला पापी का विसय म परमेस्वर का स्वर्गदूत का सामने खुसी होवा हैं।"

- 11 फिर यीसु न क्यो, कोई अदमी का दो पोरिया हते।

12 ओमा से छोटो पोरिया न बाप से कय्हो, हे बाप, धन म से जे भाग मोरो हो उ मोखा दे। ओ न उन ख अपनी धन बाट दियो।

13 कुछ रोज बीते जानो को बाद छोटो पोरिया न सब कुछ इकट्ठा कर ख दूर देस को चलो गयो, अर वहाँ बुरो काम म अपन सारी धन-दऊलत का उड़ा दियो।

14 जब उ पूरो कुछ पैसा खत्म कर चुक्यो, ते उ सहर म बड़ो अकाल पड़ो अऊर उ बिखारी हो गयो।

15 एकोलाने उ देस का रहवासी हुन म से एक को उते गयो। ओ न ओ ख अपनो खेतो म डुक्कर चरानो को लाने भेजो।

16 अर उ चाहत हतो कि उन फल्ली से जेख डुक्कर खात हते, अऊर अपनो पेट भरे; अऊर ओ ख कोई कुछ नी दे हतो।

17 जब उ अपनो मन म होस म आयो ते कहन लगियो, मोरो बाप ख कित्तो ही मजदूर हुन ख खाना से जादा रोटी मिल हैं, अऊर मी यहाँ भूखो मर रयो हैं।

18 मी अब उठकर अपनो बाप के पास जाऊंगो अर ओसे कहूंगो कि पिता जी, मी न स्वर्ग का विरोध म अर तोरी नजर म पाप कियो हैं।

19 अब यू लायक नी रह, कि तोरो पोरिया कहलाऊँ, मो ख अपनो एक मजदूर ख समान रख ले।

20 तब उ उठकर, अपनो बाप का नजीक चलो गयो: उ अभी दूर ही हतो कि ओखा बाप न ओ ख देखकर तरस खायो, अर दऊड ख ओ ख गले लगायो, अर बेजा चुमियो।

21 पोरिया न ओसे कय्हो, पिता जी, मी न स्वर्ग का विरोध म अर तोरी नजर म पाप कियो हैं अर अब इ योग्य नी रह गयो कि मी तोरो पोरिया कहलाऊँ।

22 परन्तु पिता न अपनो दासो से कय्हो, जल्दी से चोक्खो से चोक्खो कपड़ा निकालकर ओ ख पहिना, अर ओको हात म अँगूठी, अऊर पाय म जूता पहिनायो,

23 अर पलो हुओ बच्छा लाकर मारियो ताकि हम ओ ख खाएँ खुसी मनाए।

24 काहेकि मोरो यु पोरिया मर गयो हतो, फिर से जिन्दो हो गयो हैं खो गयो हतो, अब मिल गयो हैं अऊर वी खुसी करन लगे।

25 “परन्तु ओको बड़ो पोरिया खेत म हतो। जब उ आते हुए घर को नजीक पहुँचे, तो ओ न गान-बजानो अर नाचन वाले का आवाज सुनाई दियो।

26 अतः ओ न एक सेवक का बुला ख पुछियो, ‘यू का हो रहे हैं?’

27 ओ न ओसे कय्हो, ‘तोरो भई आयो हैं, अर तोरो पिता न पलो हुओ बच्छा को कटवायो हैं एकोलाने कि ओ ख भलो चंगो पायो हैं।’

28 यु सुन कर उ गुस्सा से भर गयो अर भीतर जान नी चाहे, पर ओको बाप बाहर आय का ओ ख मनान लगियो।

29 ओ न पिता को उत्तर दियो, ‘देख मी इतनो साल से तोरी सेवा कर रयो हूँ’ अऊर कभी भी तोरी आग्या नी टाली, तोभी तू न मोखा कभी ‘एक भी बकरी को बच्चा भी नी दियो कि मी अपनो दोस्त हुन का संग खुसी करूँ हैं।’

30 पर जब तोरो यू पोरिया, ‘जेना तोरी धन-दऊलत रंडी बाजी म उडा दी हैं, अर आयो, ते ओके लाने तू न पलो हुओ बच्छा कटवायो।’

31 ओ न ओसे कय्हो, ‘पोरिया, तू सदा मोरो संग हैं; अर जे कुछ मोरो हैं उ सब तोरो ही हैं।

32 पर अब आनन्द करनो अर मगन होन चाहिए, काहेकि यू तोरो भई मर गयो हते, ते जिन्दो गयो हैं; खो गयो हतो, अब मिल गयो हैं।”

1 ते यीसु न अपनो चेला हुन से यू भी कय्हो, “कोई धनवान को एक भण्डारी अनाज इकट्ठो करन वालो हतो। लोग हुन न ओको मालिक ख सामने ओ पर यू दोस लगायो कि उ तोरी धन उडा रयो हैं।”

2 अब ओ न ओ ख बुलाय ख कय्हो, यू का हैं जे मी तोरो बारे म सुन रहे हैं? अपन भण्डारी पन का लेख दे, काहेकि तू सामे का भण्डारी नी रह सकत।

3 तब भण्डारी मन म सोचन लगियो, अब मी का करूँ? काहेकि अब मोरो मालिक अब भण्डारी को काम मोसे छीन न ले हे। मिट्टी ते मोसे खोदी नी जावह की; अर भीख माँगन म मोखा सरम आवा।

4 मी समझ गयो कि का करूँगो; ताकि जब मी भण्डारी को काम से छुडायो जाऊ ते लोग मोखा अपनो घरो म ल ला।

5 तब ओ न अपनो मालिक का कर्जदार हुन का एक-एक कर ख बुलायो अर पहलो से पुछियो, तोरा पर मोरा मालिक को कितनो करजा हैं।

6 ओ न कय्हो, तीन हजार तेल, तब ओ न ओसे कय्हो, अपनो खाता-बही लेकर अर बैठ ख तुरंत 15 सऊ लिख दे।

7 फिर ओ न दुसरो से पुछियो, तोरो पर कितनो करजा या कर्जदार हैं? ओ न कय्हो, सब मन गहूँ, तब ओ न ओसे कय्हो, अपनो खाता-बही लेकर अस्सी लिख दे।

8 “मालिक न उ अधर्मी भण्डारी को सराहो कि ओ न चतुराई से काम कियो हैं, काहेकि इ दुनिया को लोग अपनो बखत ख लोग हुन को संग रीति-व्यवहारो म ज्योति को लोगो से अधिक चतुर हैं।”

9 अऊर मी तुम से कहूँ हैं कि अधर्म को धन से अपनो लाने दोस्त बना लेनू, ताकि जब उ जात रहे ते वी तुम्हे अनन्त निवास हुन म ले लेहे।

10 जे थोडे से थोडो म ईमानदारी आय, उ बेजा म भी ईमानदारी हैं: अर जे थोडे म भी अधर्मी हैं, वी बेजा म भी बेईमान आय।

11 एकोलाने जब तू अधर्मी को काम को धन म इमानदारी नी ठहरो ते सच्चो धन तुम्हे कोन सोउपेगो?

12 अर यदि तू पराये धन म ईमानदार नी ठहरे ते जो तुम्हारो हैं, ओ ख तुम्हे कोन देगो?

13 “कोई भी दास दो मालिक हुन की सेवा नी कर सकह: काहेकि उ ते एक से बुराई अऊर दुसरो से प्रेम रखनो या एक से मिल्यो रहेगो अऊर दुसरो ख तुच्छ जानेगो। तुम परमेस्वर अऊर धन दोई की सेवा नी कर सकह।”

~~~~~

(~~~~~ 11:12,13; 5:31,32; ~~~~~ 10:11,12)

14 अऊर फरीसी जे धन दोलत लोभी हता, यू सब बात हुन सुन ख ओ ख ठट्टो म उडान लगो।

15 यीसु न उनसे कय्हो, “तुम ते अदमी का सामे अपन तुम का धर्मी ठहरात हो, परन्तु परमेस्वर तुम्हारो मन का जानत हैं, काहेकि जे वस्तु अदमी की नजर म महान हैं, उ परमेस्वर को नजीक म बुरी चिज आय।”

16 मूसा को नेम अर भविष्यवक्ता यूहन्ना तक रया; उ बखत से परमेस्वर को राज्य को सुसमाचार सुनायो जा रय्हे हैं, अर हर कोई ओ म प्रबलता से प्रवेस करत हैं।

17 आकास अर जमीन का टल जानू नेम का एक बिन्दु का मिट जानू से सहज हैं।

18 “जे कोई अपन ओरत का त्याग कर दुसरी से सादी करत हैं, उ गलत काम करह हैं, अर जे कोई असी त्यागी हुई ओरत से बिहाव करत हैं उ भी गलत काम करह हैं।

~~~~~

19 “एक धनवान अदमी हते जे बैजनी रंग का कपडा अर मलमल पहिनो अर प्रतिदिन सुख विलाप अर धूम धाम का संग रहत हतो

20 लाजर नाम का एक कंगाल खत्ता हुन से भरियो हुआ ओकी दुवार हुन के सामे पर छोड़ दियो जात होता,

21 अर उ चाहत हतो कि धनवान की मेज पर की जुठन से अपनो पेट भरे; यहाँ तक कि कुत्ता भी आकर ओके खत्ता हुन को घावो को चाटत रह।

22 असो भयो कि उ कंगाल मर गयो, अर स्वर्गदूत हुन न ओ ख लेकर अब्राहम की गोद म पहुँचायो। उ धनवान भी मरो अर गाड़ो गयो।

23 अर अधोलोक म ओ न पीड़ा म पड़ियो हुआ अपन आँखी खोली, अर दूर से अब्राहम की गोद म लाजर का देखो।

24 तब ओ न पुकार कर कय्हो, हे पिता अब्राहम, मोरो पर दया कर ख लाजर का भेज दे, ताकि उ अपनी उँगली का सिरा का पानी म भिगोकर मोरी जीभ का ठंडो करे, काहेकि मी इ आगी म तड़प रह्यो हूँ।

25 पर अब्राहम न कय्हो, हे पोरिया स्मरण कर कि तू अपनो जीवन म अच्छी वस्तु ले चुको हैं, अर वसो ही लाजर बुरी वस्तु: परन्तु अब उ यहाँ सान्ति पर रह्यो हैं, अर तू तड़प रह्यो हैं।

26 इ सब बात का छोड़ हमारो अर तुम्हारो बीच म एक भारी गड़हा ठहरायो गयो हैं कि जे यहाँ से उ पार तुम्हारो नजीक जानो चाहूँ, वी नी जा सकेगो; अर नी कोई वहाँ से इ पार हमारो नजीक आ सकेगो।

27 ओ ना कय्हो, ते हे पिता मी तोसे विनती करत हूँ कि तू ओ ख मोरो पिता का घर म भेज,

28 काहेकि मोरो पाँच भई अर हैं; उ ओके सामे इ बात की गवाह दे, असो नी हो कि वी इ भी पीड़ा की जगह म आए।

29 अब्राहम न ओसे कय्हो, 'ओके नजीक ते मूसा अर भविष्यवक्ता हुन की किताब हैं, वी ओकी सुने।'

30 ओ न कय्हो, 'नी, हे पिता अब्राहम; पर यदि कोई मरे होऐ म से ओखा नजीक जाए, ते वी मन फिराएगो।'

31 ओ न ओसे कय्हो, 'जब वी मूसा अर भविष्यवक्ता हुन की नी सुनह, ते यदि मरो हुआ म से कोई जी भी उठे तोभी ओकी नी मानेगो।'

17

~~~~~

(~~~~~ 18:6; 7; 21; 22; ~~~~~ 9:42)

1 फिर यीसु न अपना चेला हुन से कय्हो, "हो नी सका कि ठोकर नी लगे, पर धितकार ओपर जेको वजे से उ धोका खावा है!"

2 जो यी छोटा म से कोई एक ख ठोकर खिलात, ओके लाने यू भलो होतो कि चक्की को पाट ओको गरा म बाँध ख लटकायो जातो, अर उ समुंदर म डाल दियो जातो।

3 सतरक रहेजो;

यदि तोरो भई पाप करे ते ओखा समझा,

अर यदि पछताए ते ओखा माप कर।

4 अदि दिन भर म उ सात बार तोरो विरोध म पाप करते रहे अऊर साती बार तोरो जोने आ ख बोले, मी पछताऊ हैं ते ओखा माप कर।

~~~~~

5 तब प्रेरित हुन न प्रभु से कय्हो, "हमरो विस्वास ख बढ़ा।"

6 प्रभु न कई, "अदि तुम ख राई को दाना को बराबर भी विस्वास होतो, ते तुम यू सहतूत को झाड़ से कहता कि जड़ से उखड़ जा अर समुंदर म लग जा, ते उ तुम्हारी मान लेतो।

~~~





31 “उ दिन जे छत पर होए अर ओको समान घर म होए, उ ओखा लेन ख घर प नी उतरे; अर वसो ही जे खेत म होए उ पिछे नी फिरनो चाहिए।

32 लुत की घरवाली ख याद धरनो!

33 जे कोई अपनी जान बचान कि सोचे उ ओ ख गवाँयगो, अर जे कोई ओ ख गवाँहे उ ओ ख जिन्दो रखेगो।

34 मी तुम से कहूँ हैं, वा रात दो इंसान एक खाट पर होएगो; एक उठा लियो जाहे अर दूसरो छोड़ दियो जाहे।

35 दो बाई हुन एक संग जाता म दरत होए, एक ख उठा लियो जाहे अर दूसरी ख छोड़ दी जाहे।

36 दो झन खेत म होए, एक उठा लियो जाहे अर दूसरो छोड़ दियो जाहे।”

37 यू सुन ख उनना यीसु से पुछियो,

“प्रभु! यू कहाँ होए? ओ ना उनसे कय्हो जहाँ लास होए वहाँ चील इकट्ठी होए।”

## 18

~~~~~

1 फिर ओ न ओको बारे म रोज प्रार्थना करनु अर हियाव नी छोड़नू चाहिए, अर यी उदाहरन कय्हो:

2 “कोई नगर म एक न्याय करन वालो रहत हतो। जे नी परमेस्वर से डरत हता नी कोई अदमी की परवाह करत हतो।

3 उ ई नगर म एक विधवा भी रहत हती, जे ओके पास आय-आय का बोलत हती, भोरो न्याय चुकाकर मोखा मुटई से बचा।’

4 कुछ बखत तक ते उ नी मानो पर अन्त म मन म विचार कर कय्हो, यदपि मी नी परमेस्वर मीन से डरनो, अर नी अदमी हुन की कुछ परवाह करतो हैं;

5 तोभी यू विधवा मोखा सतात रह हैं, एकोलाने मी ओखा न्याय चुकाऊँगो, कही असो नी हो कि घड़ी-घड़ी आकर अन्त मोरी नाक म दम कर देहे।”

6 प्रभु न कय्हो, “सुन, यू अधर्मी न्याय करन वालो का कहा हैं?

7 एकोलाने का परमेस्वर अपनो चुनो हुआ को न्याय नी चुकाएगो जे रात-दिन ओकी दुहाई देत रवा हैं। का उ ओके बारे म देर करेगो?

8 मी तोसे कहूँ हैं उ तुरंत ओको न्याय चुकाएगो। तोभी इंसान को पोरिया जब आएँगो, ते का उ जमीन पर विस्वास पाएगो?”

~~~~~

9 ओ न ओसे जे अपनो ऊपर भरोसा रखत हते, कि हम धर्मी हैं, अर दुसरो का तुच्छ जानत रह, यू उदाहरन कय्हो:

10 “दो अदमी हुन मन्दिर म प्रार्थना करन को लाने गयो: एक फरीसी हतो अर दुसरो कर लेन वालो।

11 फरीसी अलग खडो होकर अपनो मन म यो प्रार्थना करन लगियो, हे परमेस्वर, मी तोरो धन्यवाद करत हूँ कि मी दुसरो अदमी हुन को समान अंधेरो करन वालो, अधर्मी अर छिनाला नी, अर नी इ कर लेन वालो को जसो हूँ।

12 मी हफ्ता म दो बार उपवास रखत हूँ; मी अपनी सब कमाई का दसवां अंस भी देत हूँ।’

13 “परन्तु कर लेन वालो न दुर खड़ा होकर, स्वर्ग की ओर आँख उठानो भी नी चाहगो, वरन् अपनी छाती का पीट-पीट ख कय्हो, हे परमेस्वर, मी पापी पर दया कर!’

14 मी तोसे कहूँ हूँ कि उ दुसरो नी, परन्तु यू ही अदमी धर्मी ठहरायो जा ख अपनो घर गयो; काहेकि जे कोई अपनो तुम का बडो बनाएगो, उ छोटी कियो जाएगो; अर जे अपनो तुम ख छोटी बनाएगो, उ बडो कियो जाएगो।”

॥॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥  
(॥॥॥॥॥ 19:13-15; ॥॥॥॥॥ 10:13-16)

15 "फिर यीसु न कह्यो अपनो को पोरिया हुन ख भी ओको नजीक लान लगियो कि वी उन पर हात रखे; पर चेला हुन न देखकर उन ख डाँटियो।

16 पर यीसु न बच्चा हुन का पास बुलायो ख अऊर क्य्हो, "पोरा पारी हुन ख मोरो पास आन दो, अऊर उन ख मना नी कर: काहेकि परमेस्वर को राज्य उन जसा को लोग हुन को हैं।"

17 मी तोसे सच कहूँ हूँ कि जे कोई परमेस्वर को राज्य छोटी पोरिया का समान ग्रहण नी करेगो उ ओमा कभी प्रवेस करनो नी पाएगो।"

॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥  
(॥॥॥॥॥ 19:16-30; ॥॥॥॥॥ 10:17-31)

18 कोई मुखिया न ओसे पुछियो, "हे अच्छो गुरू, अनन्त जीवन का अधिकारी होवन का लियो मी का कहूँ?"

19 अऊर यीसु न ओसे क्य्हो, "तू मोखा चोक्खो काहे बोला हैं? कोई अच्छो नी, केवल एक, अर्थात् परमेस्वर।

20 अऊर तू आदेस हुन ख ते जानत हैं: गलत काम नी करनो, हत्या नी करनो, अऊर चोरी नी करनो, अऊर झूठी गवाही नी देनो, अपनो बाप अऊर माय को आदर करनो।"

21 ओ न क्य्हो, "मी तो इ सब का मी जवान बखत ही से मानते आयो हूँ।"

22 अऊर यीसु न यू सुन ख ओसे क्य्हो, "तुम म अब तक एक बात ख घटी हैं। अपनो सब कुछ बच ख गरीब हुन म बाट दे अऊर तुमारी नजीक स्वर्ग म धन होऐ। ते आ ख मोरो पिछु हो ला।"

23 उ यू सुन ख बेजा उदास भयो, काहेकि उ बड़ो धनी हतो।

24 यीसु न ओ ख देख ख क्य्हो, "धनवान को परमेस्वर को राज म जानु कित्तो मूसकिल हैं।

25 परमेस्वर को राज म धनवान को जानु करनो से भलो हैं ऊँट को सुज्जी को छेद म से निकल जानो आसान हैं।"

26 ये पर सुनन वाला न क्य्हो, "ते फिर कोन को उध्दार हो सका हैं।"

27 ओ न क्य्हो, "जो इंसान हुन से नी हो सका उ परमेस्वर से हो सका हैं।"

28 ते पतरस न क्य्हो, "देख, हम तो घर बार ख छोड़ ख तोरो पिछु हो लाने हैं।"

29 ओ न उन ख क्य्हो, "मी तुम ख सच कहूँ हैं। कि असो कोई नी हाय जोना परमेस्वर को राज ख लाने घर या घरवाली या भई हुन या माय-बाप, या बाल-बच्चा ख छोड़ ख दिया हे।"

30 अर यु बखत कई गुना जादा नी जाहे अर आवन वालो दुनिया म हमेसा कि जिन्दगी।

॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥॥॥  
(॥॥॥॥॥ 20:17-19; ॥॥॥॥॥ 10:32-34)

31 फिर ओ ना बारा को संग म ले जाय ख उनसे क्य्हो, "देखो, हम यरूसलेम ख जाय हैं, अर जीत्ति बात इंसान को पोरिया ख लाने भविष्यवक्ता हुन को द्वारा लिखो हैं; वी सबरी पुरी होयगो।

32 काहेकि उ गैर यहूदी को हात म सोपियो जाहेगो अऊर उ यीसु को मजाक कर गया हते, अऊर यीसु को अनादर कर लग गया, अऊर यीसु पर थुकेगे,

33 अर ओ ख कोडा मारेगो अर मार कर; अर उ तीन दिन को बाद जिन्दो होयगो।"

34 पर उन यू बात हुन म से कोई भी नी बात नी समझीया अर या बात उनको से छुपी रही, अर जे क्य्हो गयो रह उ उनकी समझ म नी आयो।

॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥  
(॥॥॥॥॥ 20:29-34; ॥॥॥॥॥ 10:46-52)

35 जब यीसु यरीहो नगर को कने पहुँचियो, ते एक अंधा रस्ता को किनारो म बठियो हुयो, भीख माँगत रह हतो।

- 36 उ भीड़ को चलन की आवाज हुन ख पुछन लगियो, यहाँ का हो रह्यो हैं?
- 37 अऊर उनना ओ ख बतायो, “यीसु नासरी जा रह्यो हैं।”
- 38 तब ओ न आवाज लगा ख कय्हो, “हे यीसु, दाऊद की संतान मोरो पर दया कर!”
- 39 जे आगु-आगु जात रह हता, पर वी ओखा डाँटन लग गयो कि चुप रह, पर उ अर भी चिल्लान लग गयो, “हे दाऊद की संतान मोरो पर दया कर!”
- 40 तब यीसु न खडो होय ख कय्हो कि ओखा मोरो नजीक लाव अर जब उ ओको कने आयो ते यीसु ओसे पुछियो,
- 41 तू का चाह हैं कि मी तोरो लाने करूँ? ओ न कय्हो, “हे प्रभु असो कि मी देखन चाहूँ।”
- 42 यीसु न ओसे कय्हो, “देखन लग, तोरो भरोसा न तोखा चोक्खो कर दियो हैं।”
- 43 तब उ तुरंत देखन लग गयो अर परमेस्वर की बड़ाई करत हुयो ओको पाहु चल दियो अर सब लोग न देख ख परमेस्वर की स्तुति करी।

## 19

~~~~~

- 1 उ यरीहो म प्रवेस कर ख जा रहे हतो।
- 2 अर देख, वही जक्कई नाम को एक अदमी हतो जे चुंगी लेन वालो को सरदार हतो अर धनी हतो।
- 3 उ यीसु का देखन चाह रहे हतो कि उ कोन सो आय। परन्तु भीड़ का वजे देख नी सकियो, काहेकि उ ठिगनो हतो रह।
- 4 तब ओको देखनो ख लियो उ सामे म दऊडकर एक गूलर को झाड़ म चढ़ गयो, काहेकि यीसु हुई रस्ता से आनो वालो हतो।
- 5 जब यीसु उ जगह पहुँचियो ते ऊपर नजर कर ख ओ से कय्हो, “हे जक्कई, जल्दी उतर का आ; काहेकि आज मो ख तोरो घर म रहनू आवस्यक हैं।”
- 6 उ तुरत नीचू उतरकर खुसी से ओखा अपनो घर म ले गयो।
- 7 यू देख ख सब लोग हुन कुडकुड़ा ख कहन लगियो, “उ ते एक पापी का यहाँ जा रह्यो हैं।”
- 8 जक्कई न खड़ा होकर प्रभु से कय्हो, “हे प्रभु, देख, मी अपनो आधी धन-दऊलत बिखारी का देत हूँ अर यदि कोई को कुछ भी अन्याय कर ख ले लियो हैं ते ओ ख चार गुना पास करूँ हैं।”
- 9 अऊर यीसु न ओसे कय्हो, “आज इ घर म उध्दार आयो हैं, एकोलाने कि यू भी अब्राहम का एक पोरिया हैं।
- 10 काहेकि ईसान को पोरिया खोयो हुयो का ढूँढन अऊर उन ख उध्दार करन आयो हैं।”

~~~~~

(लूका 25:14-30)

- 11 जब वी यू बात सुन रहे हते, ते ओ न एक उदाहरन कय्हो, एकोलाने कि उ यरूसेलेम का नजीक हतो, अर वी समझत हते कि परमेस्वर को राज्य अभी प्रगट होन वालो हैं।
- 12 अतः ओ न कय्हो, “एक धनी अदमी दूर देस का चलो गयो” ताकि राजपद पाय ख लउट आयो।
- 13 ओ न अपनो दास हुन म से दस ख बुला ख उन्हे दस चाँदी तोद्रा दी अर ओसे कय्हो, मोरो लउट आन तक लेन देना करनु।
- 14 परन्तु ओके सहर को रहन वाला ओसे बैर रखत हता, अर ओखा पिछे दूत हुन ख व्दारा कहला भेज्यो, हम नी चाहवा कि यू हम पर राज करे।
- 15 जब उ राजपद पा ख लउटो आयो, ते असो भयो कि ओ ना अपनो दास हुन का जेख पैसा दिया रह, अपनो पास बुलायो ताकि पता करे। उनना लेन-देन म का कमायो।

- 16 तब पहलो न आय ख क्य्हो, हे मालिक, तोरी तोढा हुन से दस अर तोढा हुन कमायो हैं।
- 17 ओ न ओसे क्य्हो, धन्य, हे अच्छो दास! तू बेजा ही थोडो म विस्वास लायक निकलो अब एकोलाने दस सहर पर अधिकार रखेगो।
- 18 दूसरो न आय ख क्य्हो, हे मालिक, तोरी तोढा म से मी भी पाँच कमायो हैं।
- 19 ओ न ओसे भी क्य्हो, तू भी पाँच सहर हुन पर हाकिम होय जा।
- 20 तीसरो न आय ख क्य्हो, हे मालिक, देख तोरो तोढा यू हैं मी न अंगोछा म बाँध रखो आय।
- 21 काहेकि मी तोसे डरत रह हतो एकोलाने कि तू कटोर अदमी हैं जे तू न नी रखो ओ ख उठा लेता हैं, अर जे तू न नी बीयो ओखा काटा हैं।
- 22 ओ ना ओसे क्य्हो, अरे पापी नउकर, मी तोरो ही मुंडो से तोखा दोसी ठहराऊ हैं। तू मोखा जानत हतो कि मी कटोर अदमी हैं, जे मीना नी रखो ओखा उठा लेऊ हैं, अर जे मीना नी बोयो ओखा काटू हैं;
- 23 ते तूना मोरो पैसा सहूकार ख नजीक काहे नी दे दियो, कि मी आँख ब्याज समेत ले लेतो?
- 24 अर जे इंसान नजीक म खडा हता, ओ ना उनसे क्य्हो, उ तोढा ओ से ले ले, अर जेका नजीक दस तोढा हुन हैं ओखा दे देव।
- 25 उन न ओसे क्य्हो, हे मालिक, ओको पास दस तोढा ते हैं।
- 26 मी तोसे कहूँ हूँ कि जेके नजीक हैं, ओ ख दियो जाएगो; अर जेके नजीक नी हैं, ओसे उ भी जे ओके नजीक हैं ले लियो जाएगो।
- 27 पर मोरो उन बैरीहुन का जे नी चाहत हते कि मी उन पर राज्य करूँ, ओको यहाँ लाकर मोरो सामे लाय ख मार डालो।

~~~~~ 21:1-11; ~~~~~ 11:1-11; ~~~~~ 12:12-19)

(~~~~~ 21:1-11; ~~~~~ 11:1-11; ~~~~~ 12:12-19)

- 28 अऊर यू कह ख यीसु आगु चलो अऊर यरूसलेम कि ओर चलनो सुरू कियो।
- 29 जब उ जैतून नाम को टेकडा पर बैतफगे अर बैतनिय्याह को नजीक पहुँचियो, ते ओ न अपनो चेला हुन म से दो यू कह ख भेजो,
- 30 "सामे का गाँव म जाओ; अर ओमा पहुँच ख ही एक गधा का बच्छा घुट बंधो भयो मिले, जे पर कभी कोई सवार नी भयो, तुमख मिलगो, ओ ख खोल ख ले आनू।
- 31 अदि कोई तोसे पूछेगो, कि काहे खोला हैं ते कह देनू कि प्रभु यीसु ख ऐको काम हैं।"
- 32 जे भेजो गयो हते, उन्होना जाय ख जसो ओ न ओसे कहयो हतो वसो ही पायो।
- 33 जब वी गदहे को बच्छा का खोल रहे हता ते ओके मालिक हुन न ओसे पुछियो, "इ गदहे का पोरिया का काहे खोलत हो?"
- 34 उन्होना क्य्हो, "प्रभु का इका जरूरत आय।"
- 35 वी ओको यीसु को नजीक म ले आयो, अर अपनो कपडा हुन उ बच्छा पर डाल ख यीसु को उ पर बैठल दियो।
- 36 तब यीसु जाय रहे हते, ते वी अपनो कपडा हुन रस्ता म बिछात जात रहे हते।
- 37 अऊर जब नजीक म आत हुयो जब वी जैतून टेकडा की ढलान पर पहुँचियो, ते चेला हुन की सारी मण्डाली उन सब सामर्थ्य को काम हुन को कारन जे उन्होना देखिए हते, खुसी म होय ख बडो सब्द से परमेस्वर की स्तुति करन लगियो:
- 38 "धन्य हैं उ राजा, जे प्रभु को नाम से आव हैं। स्वर्ग म सान्ति अर आकास म महिमा होए!"
- 39 तब भीड़ म से कुछ फरीसी ओसे कहन लगियो, हे गुरू अपनो चेला हुन ख डाँट कर रहजे।
- 40 अऊर यीसु न उत्तर दियो, "मी तुम से कहूँ हैं, यदि यू चुप रहे, ते पत्थर चिल्ला ख उठे।"

~~~~~ 21:1-11; ~~~~~ 11:1-11; ~~~~~ 12:12-19)

- 41 जब यीसु नजीक आयो ते सहर को देख ख ओ पर रोयो ।  
 42 अर कय्हो, का ही भलो होत कि तू ही इ दिन म सान्ति कि बात जानत, परन्तु अब वी तोरी आँख हुन से लुक गई हैं ।  
 43 काहेकि वी दिन तो पर आएँगो कि तो से दुसमन मोर्चा बाँध ख तो ख घेर; लेहे अऊर चारी तरफ से तो ख दबा हे  
 44 अर तोखा अर तोरो बालक हुन का जे तो म हैं मिट्टी म मिलेगो, अर तो म पत्थर पर पत्थर भी न छोड़गो; काहेकि तू न उ बखत का जब तोखा पर कृपा नजर की गई हती तू नी पहिचानो ।

~~~~~  
 (~~~~~ 21:12-17; ~~~~~ 11:15-19; ~~~~~ 2:13-22)

- 45 तब यीसु मन्दिर म जा ख बेचन वाला ख निकालन लगियो,
 46 अर ओसे कय्हो, “लिखो हैं, मोरो घर विनती को घर होगो, परन्तु तुम न ओ ख डाकू का खोह बनयो दियो हैं ।”
 47 उ हर रोज मन्दिर म सिक्छा करत हतो; अर मुखिया याजक अर सासतिरी अर लोग हुन को प्रमुख ओ ख नास करन का बखत ढूँढत रह ।
 48 परन्तु कोई उपाय नी निकाल सकियो कि यू कि इ कोई भी प्रकार करे, काहेकि सब लोग बड़ी चाह से ओकी सुनत रह ।

20

~~~~~  
 ~~~~~

- 1 एक दिन यीसु मन्दिर म लोगो जा ख सिखा दे रयो हतो अऊर सुसमाचार सुनो रयो हतो कि प्रधान याजक का संग सासतिरी, सियाना हुन को संग म नजीक खडो भयो;
 2 अर कहन लगियो, “हमका बता, तू इ काम हुन का कोके अधिकार से करत हैं, अर उ कोन हैं जेने तो ख यू अधिकार दियो हैं?”
 3 अऊर यीसु उन ख उत्तर दियो, “मी भी तोसे एक बात पूछत हूँ; मोखा बताओ
 4 यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग की ओर से हतो या अदमी हुन की तरफ हतो?”
 5 तब वी आपस म कहन लगियो, “यदि हम कहे, स्वर्ग को तरफ, ते वी कहेगो ‘फिर तू न ओकी विस्वास काहे नी की?’
 6 अर यदि हम कही, ‘अदमी हुन की तरफ से,’ ते सब लोग हम पर पत्थर हुन से मार डाले, काहेकि लोग हुन ख सच पता हो चुक्यो हैं, कि यूहन्ना भविष्यवक्ता हतो ।”
 7 अतः उन्होना यीसु ख उत्तर दियो, “हम नी जानत कि उ कोको की तरफ से हतो ।”
 8 ए पर यीसु न उनसे कय्हो, “ते मी भी तुम ख नी बतात कि मी यू काम कोको अधिकार से करत हूँ ।”

~~~~~  
 (~~~~~ 21:33-46; ~~~~~ 12:1-12)

- 9 अऊर यीसु लोग हुन से यू उदाहरन कहन लग गयो: “किसी अदमी न दाख को खेत लग गयो, अर किरसान हुन का ओको ठेका दे दियो अर बेजा दिन का लियो परदेस चलो गयो ।  
 10 जब बखत आयो ते ओ न किरसान हुन को जोने एक दास का भेजो कि वी दाख का खेत को कुछ फल हुन भाग ख ओ ख पीट ख खाली हात लउटा दियो ।  
 11 फिर ओ न एक अर दास का भेजो, अर उन्होना ओ ख भी पीट ख अर ओको अपमान कर ख खाली हात लउट दियो ।  
 12 फिर ओ न तीसरो का भेजो, अर उन ना ओ ख भी घायल कर ख निकाल दियो ।

13 तब दास की खेत को मालिक न कय्हो, भी का करूँ? मी अपनो अच्छो पोरिया का भेजूगो, सम्भव हैं वी ओखा आदर करे।

14 जब किरसान हुन न ओ ख देखी ते आपस म विचार करन लग गया, 'यू ते वारिस हैं; आओ, हम इख मार डाल ख धन संपत्ति हमरो हो जाएगो।'

15 अर उन्होना ओ ख दाख की खेत से बाहर निकाल ख मार डालियो।"

एकोलाने दाख की खेत का मालिक ओके संग का करेगों?

16 उ आ ख उन किरसान हुन का नास करेगों, अर दाख की खेत दुसरो का सोपेगो।

यू सुन ख उन्होना कय्हो, "परमेस्वर करे असो नी हो पाए।"

17 यीसु न ओकी ओर देख ख कय्हो, फिर यू का लिखो हैं,  
जे पत्थर को घर बनान वालो मिसतिरी हुन न निकम्मो ठहरायो हतो  
उन्ही कोने को सिरा हो गयो हैं।

18 हर कोई उ पत्थर पर गिरेगो उ चकनाचूर हो जाएगो, अर जे पर उ गिरेगो, "ओको पीस डालेगो।"

???? ?? ?? ????  
(???? 22:15-22; ????? 12:13-17)

19 उही बखत सासतिरी अर प्रधान पुजारी न ओ ख पकड़नू चाहयो, काहेकि वी समझ गयो हते कि ओ न हम पर यू उदाहरन कय्हो, परन्तु वी लोग हुन से डरा हैं।

20 अर वी उ की ताक म लगो अर भेदियो भेजो कि धर्म का भेस म धरकर ओकी कोई नी पकडे, ताकि ओ ख हाकिम अर अधिकार को हात म सोप देहे।

21 उन्होना ओसे यू पूछो, "हे गुरु, हम जानत हैं कि तू ठीक कहत अर सिखात भी हैं, अर किसी का पकड़पात नी करत, वरन् परमेस्वर का रस्ता सच्चाई से बताव हैं।

22 का हमक कैसर का कर देनू ठीक हैं या नी?"

23 अऊर यीसु उनकी होसियारी का समझ ख ओ से कय्हो,

24 "मोखा एक चाँदी को सिक्का दिखाव। ऐपर कोकी छाप अर नाम हैं?" उनना कय्हो, "कैसर का।"

25 ओ न ओसे कय्हो, "ते जे कैसर का हैं, वी कैसर का दो; अर जे परमेस्वर का हैं, उ परमेस्वर का दो।"

26 वी अदमी हुन को इत्ते ओकात नी हते कि ओके बात को जवाब दे सका। तब ओके उत्तर से अचम्भा होकर चुप रह गयो।

?????? ???? ?? ????  
(???? 22:23-33; ????? 12:18-27)

27 फिर सद्की जे कहत है कि मरो हुआ ओको जिन्दो होनू हैं ही नी, ओमा से कुछ न ओके पास आ ख पूछो,

28 "हे गुरु, मूसा न हमारो लियो यु लिखो हैं: यदि कोई को भई कि अपन घरवाली को रहत हुए बिना पोरिया मर जाए, ते ओखा भई ओसे घरवाली से विवाव कर ले, अर अपनो भई का लियो खानदान उत्पन्न करे।

29 सात भई हता, पहलो भई विवाव कर ख बिना पोरिया पैदा मर गयो।

30 फिर दूसरो भी,

31 अर तीसरो न भी उ ओरत से विवाव कर लियो। इत्ती रीति से सातो बिन पैदा संतान ख मर गयो।

32 आखरी म उ ओरत भी मर गई।

33 एकोलाने जिन्दो उठनो पर उ ओमा से कोकी घरवाली होए, काहेकि उ सातो कि घर वाली होए गई हती।"

34 यीसु न ओसे कय्हो, "इ दुनिया का पोरिया हुन म ते विवाव होत हैं,

35 पर जे लोग इ योग्य ठहरोगे कि उ दुनिया का अर भयो, म से जी उठनो का प्राप्त कर, वी नी बिवाव करेगो अर नी बिवाव म दियो जाएगो।

36 वी फिर मरन को भी नी; काहेकि वी स्वर्गदूत हुन को समानो होएगो, अर जिन्दो होनू को पोरिया होन से परमेस्वर को भी पोरिया होएगो।

37 परन्तु इ बात का कि मरो हुवो भी जिन्दो होवा हैं, मूसा न भी झाड़ी हुन की कायनी म प्रगट की हैं की उ प्रभु का 'अब्राहम को परमेस्वर, अर इसहाक को परमेस्वर अर याकूब को परमेस्वर' कहव हैं।

38 परमेस्वर ते मुरदो को नी परन्तु जिन्दो को प्रभु हैं: काहेकि ओको नजीक म सब जिन्दो आय।"

39 तब यू सुन ख सासतिरी हुन म से कुछ न यू क्य्हो, "हे गुरू तू न चोक्खो क्य्हो।"

40 अर उनन फिर ओसे कुछ अर पूछन को हिम्मत नी भयो।

~~~~~

(~~~~~ 22:41-46; ~~~~~ 12:35-37)

41 फिर यीसु न ओसे पुछियो, मसी का दाऊद का पोरिया कसो कहत हैं?

42 दाऊद तुम ही भजन संहिता का किताब म कहत हैं:

प्रभु न मोरो प्रभु से क्य्हो,

मोरो दाहिनी बैठ,

43 अऊर जब तक कि मी तोरो बैरी हुन का तोरो पाय हुन ख निचू नी कर देहु।

44 "दाऊद ते ओ ख प्रभु कहत हैं, ते फिर उ ओको पोरिया कसो रयो?"

~~~~~

(~~~~~ 23:1-36; ~~~~~ 12:38-40)

45 जब सब अदमी हुन सुन रहे हते, ते ओ न अपनो चेला हुन से क्य्हो,

46 "सासतिरी हुन से चलाक रहनू, जेको लम्बो-लम्बो कपड़ा पहिनो हुए फिरन चोक्खो लगत हैं, अर जिन ख बाजार म नमस्ते, अर प्रार्थना घर म अच्छो जगह ओर खानो म चोक्खो जगह प्रिय लगत हैं।

47 वी विधवा हुन को घर खा जात हैं, अर दिखान को लाने बडो देर तक विनती करत रहत हैं: यू बेजा ही बडो दण्ड पाएंगो।"

## 21

~~~~~

(~~~~~ 12:41-44)

1 फिर यीसु न आँखी उठा ख अमीर का अपनो-अपनो दान भण्डार म डालत देखियो।

2 यीसु न एक गरीब विधवा का भी ओमा दो दमड़ी हुन डालत देखियो।

3 तब यीसु क्य्हो, मी तुम से सच कहूँ हैं कि इ बिखारी विधवा न सब से बढ ख डालो हैं।

4 काहेकि सब न अपनो-अपनो धन की बढती म से दान म कुछ डालो हैं, "पर इ न अपनो कमी म से अपनी सबरी कमई म से डाल्यो हैं।"

~~~~~

(~~~~~ 24:1,2; ~~~~~ 13:1,2)

5 जब कुछ अदमी मन्दिर को बारे म कहत रहे हते कि उ कसो सुन्दर पत्थर हुन अर भेग को समान हुन से संवारो गयो हैं, ते ओ न क्य्हो,

6 वी दिन आएंगो, "जेम यू सब जे तुम देखत हो, ओमा से यू कोई पत्थर पर पत्थर भी नी छुटेगो जे पूरो गिरायो जाएगो।"

~~~~~

(~~~~~ 24:3-14; ~~~~~ 13:3-13)

7 उन्होना यीसु पुछियो, हे गुरु, यू सब कब होएगो? अर यू बात हुन जब पुरो होन पर होए, ते उ आखरी रोज को का चिखान होगो?

8 ओ न कह्यो, “सतरक रहनू कि भरमाए नी जाए, काहेकि बेजा से मोरो नाम से आ ख कहेगो, भी उही आय, अर यू भी कि, बखत (बखत) पास म आ पहुचो हैं।” तुम ओके पिछु नी चलो जानो।

9 जब तुम लड़ाई हुन अर बलवा करन वाला हुन की चर्चा सुने ते घबरा नी जानो, काहेकि इको पहलो होन आवस्य हैं परन्तु उ बखत तुरंत अन्त नी होएगो।”

10 तब यीसु न ओसे कह्यो, जात पर जात अर राज्य पर राज्य को खिलाफ उठ खडो होएगो,

11 अर बड़ो-बड़ो भूकम्प होएगो, अर जगह अकाल अर बड़ो ज्वड़ पड़ेगो अर आकास से भय कर बात बड़ो-बड़ो चिखान प्रगट होएगो।

12 परन्तु इ सब बात हुन से पहलो वी मोरो नाम का कारन तुमका पकड़ेगो, अर सताएँगो, अर पंचायत हुन म सोपेगो, अर जेल म डलवाएगो, अर राजा हुन अर हाकिम हुन को सामे ले जाएगो।

13 पर यू तुम्हारो लाने गवाई देन को मोखा हो जाएगो।

14 अपनो मन म निश्चय ख ला कि ते पहले से अपन सफाई की तैयारी नी करोगो।

15 काहेकि मी तुमका बोल अर असो बुद्धि दूँगो कि तुम्हारो सब दुसमन सामनो या खण्डन नी कर सकेगो।

16 तुम्हारो माय-बाप अर भई, अर कुटुम, अर दोस्त भी तुमका पकड़एगो; यू तक कि तू म से कुछ का मर वा भी डालेगो।

17 मोरो नाम को कारन सब लोग हुन तोसे दुसमनी (वैर) करेगो।

18 परन्तु तुम्हारो सिर का एक बाल भी बाँका नी होएगो।

19 अपनो धीरज से तुम अपनो जान या मन का बचाए रखोगो।

XXXXXXXX XX XXX XXX XX XXXXX

(XXXXXXXX 24:15-21; XXXXXX 13:14-19)

20 जब तुम यरूसलेम ख सेना हुन से घेरीयो देखे, ते समझ जानु कि ओको उजड़ जान को बखत नजीक आ गयो हैं।

21 तब जे कि यहूदिया म हो वी टेकरा हुन पर भाग जाए, अर जे यरूसलेम को अन्दर होए वी बाहर निकल जाएगो; अर जे गाँव हुन म होए प्रदेस उ म नी जाएगो।

22 काहेकि उ बदला लैन को असो होएगो, जे म लिखो हुयो सब बात पुरी होए जाएगो।

23 उ दिन हुन म जे पेट से होए अर दूध पिलात होएगो, उनको लाने धितकार! काहेकि दुनिया म विपत्ति अर इ लोग हुन पर बड़ो प्रकोप होएगो।

24 वी तलवार कोर हो जाएगो, अर सब देस हुन को लोग हुन म जेल म होयख पहुँचाएगो जाएगो; अर जब तक अन्य जात हुन का बखत पूरो नी होए, तब तक यरूसलेम दुसरी जात हुन से रोदियो जाएगो।

XXXX XX XXXXXX (XXXXXXXX) XXX XX XXX

25 “सूरज अर चाँद, अर तारो म चिखान दिखायो देगो; अर जमीन पर देस-देस को लोग का संकट होगो, काहेकि वी समुंदर को गरजनो अर लहर हुन को कोला हल से घबरा जाएगो।

26 डर को कारन अर दुनिया पर आन वाली घटना हुन की रस्ता देखत-देखत लोग हुन को जी म जी नी रहेगो, काहेकि आकास की सक्ति हुन हिलायी जाहे।

27 तब वी इंसान को पोरिया का सामर्थ्य अर बड़ो महिमा को संग बदल पर आते देखे।

28 जब यू बात होन लगेगो, ते सीधो होय ख अपनो सिर ऊपर उठाएगो; काहे कि तुम्हरो छुटकारा जोने होएगो।”

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 24:32-35; ॥॥॥॥ 13:28-31)

- 29 ओ न ओसे एक उदाहरन भी कयहो, “अंजीर को झाड़,” अर सब झाड़ हुन का देखो।
- 30 जसो ही ओमा नया डिककर निकला हैं। ते तुम देख ख अपनो तुम ही समझ लेवा हैं कि बरसात को बखत नजीक हैं।
- 31 असो तरीका से जसा तुम या बात हुन होत देखियो, तब समझ जानू कि परमेश्वर को राज नजीक हैं।
- 32 मी तुम ख सच बोलू हैं कि जब तक ई सब बात नी हो जान की, तब तक या पीढ़ी को कसो भी नास नी होन को।
- 33 आकास अर धरती मिट जाहेगो, पर मोरी बात हुन कभी नी खाली जान की

॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 24:36-44; ॥॥॥॥ 13:32-37)

- 34 “एकोलाने होसियार (सावधान) रहनू, असो नी होय कि तुम्हारो मन खुस होय (खुमार) अर मतवालो पन, अर यू सरीर की चिन्ता हुन से लस्त हो जाहे, अर उ दिन तुम प फन्दा को जसो अचानक आ जाहे।
- 35 काहेकि उ सारो जमीन को सब रहन वालो हुन पर इही प्रकार आ पड़ेगो।
- 36 एकोलाने जागतू रहनू अर हर बखत विनती करत रहनू कि तुम इ सब आन वाली घटना हुन से बचनो अर इंसान को पोरिया का सामे खडो होवन को योग्य बनो।”
- 37 उ दिन का मन्दिर म सिकछा (उपदेस) करत हतो; अर रात (साम) का बाहर जाय ख जैतून नाम टेकड़ा* पर रह करत हतो;
- 38 अर भुनसारे सब झन ओकी सुनन ख लाने मन्दिर म ओको कने जायो करत रह।

22

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 26:1-5; ॥॥॥॥ 14:1,2)

- 1 अखमीरी रोटी को तिहार जे फसह कहलावा हैं नजीक हतो,
- 2 अर मुखिया याजक अर सासतिरी या बात की ताक म हता कि ओ ख कसो मार डाले, पर वी इंसान हुन से डरत रह।

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 26:14-16; ॥॥॥॥ 14:10,11)

- 3 तब सैतान यहूदा म समायो, जे इस्करियोती कहलाता अर बारा चेला हुन म गिनो जात हतो।
- 4 ओ न जाय ख मुखिया याजक हुन अर पहरू हुन को सरदार हुन को संग बात चीत की कि ओको कि प्रकार ओके हात म पकड़वागो।
- 5 वी आनन्दित भयो, अर ओ ख रूपये हुन देन का वादा दियो।
- 6 ओ न मान लियो, अर अवसर (बखत) ढूँढ़न लगियो कि जब भीड़ हुन नी हो ते ओके हात पकड़वा देवा।

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 26:17-25; ॥॥॥॥ 14:12-21; ॥॥॥॥॥ 13:21-30)

- 7 तब अखमारी रोटी को तिहार को दिन आयो, जे म फसह को बलिदान चडानो (मेम्ना) आवस्यक हतो।
- 8 यीसु न पतरस अर यूहन्ना का यू कह ख भेजो: “जाय ख हमारो खानो को लाने फसह तैयार कर?”
- 9 उन्न ओसे पुछियो, “तू किते चाहत हैं कि हम इ ख तैयार करे?”

* 21:37 पहाड़

10 ओ न ओसे कय्हो, देख, नगर म प्रवेस करत ही एक अदमी पानी को मटका उठयो हुयो तुमका मिलेगो; जे घर म जाए तू ओके पिछु चलो जानू,

11 अर उ घर को स्वामी कहनु; हे गुरू तोसे कहत हूँ कि उ पाहुनसाला किते हैं जेम मी अपनो चेला हुन को संग फसह खाऊँगो?

12 उ तुम ख एक सजी-सजायो बडो अटारी दिखो देगो; उही तैयार करनु।

13 उन्होना जाय ख जसो ओमा ओसे हतो, वसो ही पायो अर फसह तैयार कियो।

????-???

(???? 26:26-30; ???? 14:22-26; 1 ????? 11:23-25)

14 जब बखत आ पहुँचियो, ते वी प्रेरित हुन संग म खाना खान बठिया।

15 अर ओ न ओसे कय्हो, “मोखा बडो लालसा हती कि दुख भोगन से पहलो यू फसह तुम्हारो संग खाऊँ।

16 काहेकि मी तोसे कहूँ हूँ कि जब तक उ परमेस्वर को राज्य म पूरो नी होए तब तक मी ओ ख कभी नी खाऊँगो।”

17 तब ओ न कटोरा ले ख धन्यवाद कियो अर कय्हो, “इ का ले अर आपस म बाँट ला

18 काहेकि मी तोसे कहूँ हूँ कि जब तक परमेस्वर को राज्य नी आएँगो तब तक मी अंगूर को रस अब से कभी नी पीऊँगो।”

19 फिर ओ न रोटी लियो, अर धन्यवाद कर ख तोड़, अर ओको यू कहते हुयो दी, यू मोरी सरीर हैं: मोरो याद का लियो असो ही कियो करनु।

20 इ ही रीति से ओ न खानो को बाद कटोरा भी यू कहत हुयो दियो, “यू कटोरा मोरो उ खून म जे तुमरो लियो बहायो जात हैं नयो वादा हैं।”

21 पर देख, मोरो पकड़न वालो का हात मोरो संग मेज म पर हैं।

22 काहेकि इंसान को पोरिया ते जसो ओके लाने ठहरायो गयो जात ही हैं, “पर धितकार उ इंसान पर जेके व्दारा उ पकड़वायो जावा हैं!”

23 तब वी आपस म पूछताछ करन लगिया कि हम म से कोन हैं, जे यू काम करेगों।

???? ???? ???

24 ओ म यू वाद-विवाद भी कि उ म से कोन बडो समझो जावा हैं।

25 ओ न ओसे कय्हो, “दुसरी जात हुन के राजा उन्न पर प्रभुता करा हैं। अर जे ओ पर अधिकार रखत हैं, वी उपकारक कहलाता हैं।”

26 पर तुम असो नी होन; वरन् जे तूम बडो हैं, वी छोटो को समान अर जे प्रधान आय, उ सेवक को समान बनेगो।

27 काहेकि बडो कोन हैं, उ नी जे खाना पर बैठा हैं? परन्तु मी तुम्हारो बीच म सेवक को जसो हूँ।

28 तुम उ हो, जे मोरी परिक्छा हुन म लगातार मोरो संग रहेगो;

29 अर जसो मोरो बाप न मोरो लियो एक राज्य ठहरायो हैं, वसो ही मी भी तुम्हारो लियो ठहरात हूँ,

30 ताकि तुम मोरो राज्य म मोरी मेज पर खायो-पियो, वरन् सिंहासन हुन पर बठ ख इस्त्राएल को बारा जात हुन को न्याय करेगों।

???? ?? ?????

(???? 26:31-35; ???? 14:27-31; ????? 13:36-38)

31 “समोन, हे समोन! देख, सेतान न तुम लोग हुन का माँग लियो हैं कि जसो गहूँ को समान फटके, तुम ख फटके,

32 पर मी न तोरो लियो विनती की कि तोरो विस्वास जात नी रखे; अर जब तू फिरो, ते अपनो भई हुन का स्थिर करनु।”

33 ओ न ओसे कय्हो, “हे प्रभु, मी तोरो संग जेल म जानो, वरन् मरन का भी तैयार हूँ।”

34 ओ न कय्हो, “हे पतरस, मी तोसे कहूँ हूँ कि आज मुर्गा बाँग नी देगो जब तक तू तीन बार मोरो इंकार नी कर लेगो कि तू मोखा नी जानत।”

~~~~~

35 फिर ओ न ओसे कय्हो, जब मी न तुमका बटुवा, अर झोली, अर जूता बिना भेजो हतो, ते का तू को किसी वस्तु घटी हुई हती? उन्होना कय्हो, “किसी वस्तु की नी।”

36 यीसु ओसे कय्हो, “परन्तु अब जेके पास बटुवा हो उ ओ ख ले अर वसो ही झोली भी, अर जेके पास तलवार नी वी अपनो कपड़ा बेच ख एक मोल लेवा।

37 काहेकि मी तोसे कहूँ हूँ, कि जे लिखो हैं: ‘उ पापी हुन का संग गिनो गयो,’ ओखा मोखा म पूरो होवन ओखा मोखा म पूरा होवन अवस्य हैं; काहेकि मोरो विसय म लिखो बातो पूरो होन पर हैं।”

38 तब उन्होना कय्हो, “हे प्रभु, देख यू वा दो तलवार उन आय।”

ओ न ओसे कय्हो, “बेजा हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 26:36-46; ~~~~~ 14:32-42)

39 “तब उ बाहर निकल ख अपनो रीति को अनुसार जैतून को टेकड़ा पर गयो अर चेला हुन ओके पिछु हो लियो।

40 उ जगह पहुँच ख ओ न ओसे कहयो, विनती करो कि तू परीक़्छा म नी पड़ो।”

41 उ तुम ओसे अलग द्वेला फेकन को दूरी भर गयो, अर घुटना टेक ख विनती करन लगिया,

42 हे बाप, यदि तू चाहा ते इ कटोरा का मोरो नजीक से हटा दा, तोभी मोरी नी परन्तु तोरी ही मारजी पूरी होए।

43 तब स्वर्ग से एक दूत ओको दिखाई दियो जे ओ ख सामर्थ्य देत हतो।

44 उ बेजा (अत्यन्त) संकट म व्याकुल होय ख अर भी हार्दिक वेदना से प्रार्थना करन लगियो; अर ओखा पसीना माननू खून को बड़ो-बड़ो बूँद हुन का समान जमीन पर गिरत हतो।

45 तब उ प्रार्थना से उठियो अर अपनो चेला हुन का नजीक आय ख उनका उदासी को मोरो सोते पायो।

46 अर ओसे कय्हो, “काहे सोत हो? उठ, प्रार्थना करो कि परीक़्छा म नी पड़ो।”

~~~~~

(~~~~~ 26:47-56; ~~~~~ 14:43-50; ~~~~~ 18:3-12)

47 उ असो बोलत ही रह कि एक भीड़ आई, अर वी बारा हुन म से एक जेको नाम यहूदा हतो उनको आगु-आगु आत रह। वह उ यीसु को सामे आयो कि ओको चुम्मा ले।

48 यीसु न ओसे कय्हो, “अरे यहूदा का तू चुम्मा ले ख इंसान को पोरिया ख पकड़वा हैं।”

49 ओखा संगी हुन न जब देखियो कि का होन वालो हैं, ते कय्हो, “हे प्रभु, का हम तलवार चलाय।”

50 अर उनमा से एक न बड़ो याजक को दास पर तलवार चला ख ओको दाहिनो कान काट दियो।

51 ये पर यीसु न कय्हो, “अब सब करो।” अर ओको कान छू ख ओ ख चोक्खो करियो।

52 तब यीसु न मुखिया याजक हुन अर मन्दिर पहरू हुन का सरदार हुन अर सियाना हुन से, जे उ हुन पर चढ़ आयो हतो, कय्हो, “का तुम मो ख डाकू जान ख तलवार अर लाठी हुन हुयो निकल हो?

53 जब मी मन्दिर म हर रोज तुम्हारो संग हतो, ते तू न मो पर हात नी डालियो; पर हात नी डालो; पर यू वा तुम्हारी बखत हैं, अर अंधकार को अधिकार हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 26:57,58,69-75; ~~~~~ 14:53,54,66-72; ~~~~~ 18:12-18,25-27)

54 फिर वी ओ ख पकड़ ख ले गया, अर मुख्य याजक को घर म लायो। पतरस दुर ही से ओके पिछु-पिछु चलत रहा हतो;

55 अर जब वी आँगन म आग परचा ख इकट्टे बैठिया, ते पतरस भी उनको बीच म बठ गयो।

56 तब एक दासी ओ ख आगी को उजियाला म बैठो देख का अर ओकी तरफ देख ख कहन लगी, “यू भी तो ओके संग हतो।”

57 पर ओ ना यू बोल ख मुंडो कर लियो कियो, अरे बाई (नारी), मी ओ ख नी जानु।

58 थोड़ी देर बाद कोई अऊर न ओखा देख ख क्य्हो, “तू भी ते उन्ही म से हैं।” पतरस न क्य्हो, “हे अदमी मी नी हूँ।”

59 कुछ कोई घंटा हुन का बाद एक अर अदमी विस्वास से कहन लगियो, “सच यू भी ते ओको संग हतो, काहेकि यू गलीली हैं।”

60 पतरस न क्य्हो, “हे इंसान, मी नी जानत कि तू का कहत हैं!”

उ कह ही र्य्हो हतो, कि तुरत मुर्गा न बाँग दियो।

61 तब प्रभु न घूम ख पतरस का तरफ देखियो, अर पतरस का प्रभु की उ बात याद आयो जे बात ओ न क्य्हो हती: “आज मुर्गा को बाँग देन से पहलो, तू तीन बार मोरो इंकार करेगों।”

62 अर उ बाहर निकल ख फूट-फूट ख रो न लगियो।

~~~~~

(लूका 26:67,68; लूका 14:65)

63 जे इंसान यीसु का पकड़े हुयो हते, वी ओखा मजाक उडाए ख पीटन लगया;

64 अर ओकी आँख हुन ढाक ख ओसे पुछियो, “भविष्यवानी कर ख बात कि तो ख को न मारो!”

65 अर उन्होना बेजा सी अर भी निन्दा की बात हुन ओखा विरोध म क्य्हो।

~~~~~

(लूका 26:59-66; लूका 14:55-64; लूका 18:19-24)

66 जब दिन भयो ते लोग हुन अर सियाना हुन अर मुखिया याजक अर सासतिरी इकट्टे भया, अर ओ ख अपनो महासभा म लाय ख पुछियो,

67 यदि तू मसी हैं, ते हमसे कह दा! ओ न ओसे क्य्हो, “यदि मी तोसे कहूँ ते भरोसा नी करन ख;

68 अर अदि पूछु, ते उत्तर नी देन का।

69 परन्तु अब से इंसान को पोरिया सर्वसक्तिमान परमेस्वर की दाहिनो तरफ बैहिठ रहेगो।”

70 इ पर सब न क्य्हो, ते का परमेस्वर को पोरिया हैं? ओ न ओसे क्य्हो, “तुम तुम ही कहत हो, काहेकि मी हूँ।”

71 तब उन्होना क्य्हो, “अब हमका गवाई का आवस्यक हैं; काहेकि हम न तुम ही ओके मुँह से सुन लियो हैं।”

23

~~~~~

(लूका 27:1,2,11-14; लूका 15:1-5; लूका 18:28-38)

1 तब पुरी सभा न उठ ख ओखा पिलातुस को जोने ले गयो।

2 वी या बोल ख ओ पर आरोप लगावन लग गया; “हम न ये ख लोग हुन ख बेहेकावा, अर कैसर का कर देन से मना करते, अर अपनो तुम ख मसी राजा बोलते सुनियो हैं।”

3 राजा पिलातुस न ओसे पूछो, “काहे तू यहूदी हुन को राजा हैं?” ओ न ओखा क्य्हो, “तू अपनो तुम ही बोला हैं।”

4 तब पिलातुस न मुखिया याजक हुन से अर अदमी हुन से क्य्हो, “मो ख यू अदमी न कोई गलती नी दिखा हैं।”

5 पर वी अर भी हिम्मत से बोलन लग गया, “यू गलील से लेखा यहाँ तक, पुरो यहूदिया म सिक्छा दे दे खा अदमी हुन ख उकसावा हैं।”

6 यू सुन ख पिलातुस न पूछो, “काहे यू अदमी गलीली हैं?”

7 अर असो समझ ख कि उ हेरोदेस को अधिकार इलाका को हैं ओखा हेरोदेस को पास भेज दियो, काहेकि वी दिन म उ भी यरूसेलम म हतो

~~~~~

8 हेरोदेस यीसु ख देख ख बेजा ही खुस भयो, काहेकि उ ओखा बेजा दिन से ओखा देखन चावत रह; एका लाने कि ओको बारे म सुनियो रह, अर ओसे कुछ चिखान देखन की आसा रखत रह,

9 उ ओसे ढेर सारी बात पुछते रयो, पर ओ न ओ ख कुछ नी उय्हो।

10 मुखिया याजक अर सासतिरी खडो होय ख तन मन को संग अर ओ पर दोस लगात रया।

11 तब हेरोदेस न अपना सिपाई हुन का संग ओकी बुराई फरख ठट्टा म उडायो अर चमकीला कपडा पहिना ख ओखा पिलातुस को जाने लउटा दियो।

12 उयी दिन से पिलातुस अर हेरोदेस दोई दोस्त बन गया, येको पहलो वी एक दुसरो का बैरी हता रह।

~~~~~

(~~~~~ 27:15-26; ~~~~~ 15:6-15; ~~~~~ 18:39; 19:16)

13 पिलातुस न मुखिया याजक हन, अर अदमी हुन ख बुला ख उनखा कय्हो,

14 “तुम यू अदमी हुन को लोगो को बहकान वालो बता ख मोरो नजीक लाया, अर देखो, मी न तुम्हारो सामनो ओकी परख करी, पर जे बात को तुम ओपर आरोप लगावा हैं वी बात हुन को बारे म मी न ओमा कुछ भी आरोप नी पायो हैं

15 हेरोदेस न काहेकि ओ ना ओखा हमारो जोने लउटा हैं; अर देखो, ओसे असो कुछ मी नी भयो कि उ मार डालन की सजा को लाने दियो जाहे।

16 एकोलाने मी ओखा पिटवा ख छोड़ देहू हैं।”

17 पिलातुस तिहार को बखत म ओको लाने एक कैदी ख छोड़न ख लाने मजबूर हता रह,

18 तब सब झन न मिल ख चिल्ला उठिया, “येको काम तमाम कर, अर हमारो लाने बरअब्बा ख छोड़ छोड़ दा।

19 उ किसी बलवा को कारन जे नगर म भयो हतो, अर मरन को कारन बन्दीगृह म डालो गयो हतो।”

20 पर पिलातुस न यीसु ख छोड़न की इच्छा से अदमी हुन को फिर समझायो,

21 परन्तु उन्होना चिल्ला चिल्ला ख कय्हो ओ ख, “सूली पर चढ़ा, सूली पर!”

22 ओ न तीसरो बार ओसे कय्हो, “काहे ओ न कोन सी बुराई कियो हैं? मी न ओमा माऊत को दण्ड को योग्य कोई बात नी पायो। एकोलाने मी ओ ख पिटवा ख छोड़ देत हूँ।”

23 पर वी चिल्ला-चिल्ला ख पिछु पड़ गया कि उ सूली पर चढ़ायो जाएगो, उनको चिल्लानो प्रबल भयो।

24 अतः पिलातुस न आग्या दियो कि उनकी विनती ख अनुसार कियो जाएगो।

25 ओ न उ इंसान का जे बलवा अर माऊत को कारन जेल म डालो गयो हता; अर जे से वी माँगत हते, छोड़ दियो; अर यीसु ख ओकी इच्छा को अनुसार सोप दियो।

~~~~~

(~~~~~ 27:32-44; ~~~~~ 15:21-32; ~~~~~ 19:17-27)

26 जब वी ओ ख ले खा जात रह हता, जे उन्न समोन नाम को एक कुरेनी जे गाँव से आन रह हतो, पकड़ ओपर सूली लाद दियो कि ओखा यीसु को पिछु-पिछु लेख चले।

27 इंसान हुन की बड़ी जान भीड़ ओको पिछु जान लग गई अर ओमा ढेर सारी बाई हुन भी हती, जे ओको लाने छाती पिटा अर दुख मानत रह हती।

28 यीसु न उनकी तरफ घुम ख कय्हो, “अरे यरूसलेम की पोरी हन, मोरो लाने मत रोव, परन्तु अपना अर अपना पोरिया पारी को लाने रोनो।

29 काहेकि देखो, वी दिन आवा है, जे म ईसान बोलेंगो, धन्य हैं वी जे बजली हैं अर वी कोक जे नी जनी अर वी दूध जिन्ना दूध नी पिलायो।

30 उ बखत, वी पहाड़ हुन से बोलन लगेंगो कि हमारो ऊपर गिडो, अर टिला हुन से की हमका द्राक ला।”

31 काहेकि वी जब हरो झाड़ को संग असो कर सका हैं, ते सुखो को संग का कुछ नी करन करो जाहे?

32 वी दुसरा दो ईसान ख भी जे बुरा काम करन वाला हता ओको संग लटकान ख लाने ले जाहे

33 जब वी उ जगा जे को खोपड़ी को जगा बोला हैं पहुँचिया, ते उन ना वहाँ ओ ख अर उन बुरा काम करन वाला ख भी एक ख दाहिनी अर दुसरो ख बाई तरफ सूली पर चढ़ायो।

34 तब यीसु न कय्हो, “हे बाप ऐका माप कर, काहेकि यी नी जानत की यू का कर रया।” अर चिट्ठी डाल ख ओके आपस म कपड़ा हुन बाँट लियो।

35 लोग खड़ा-खड़ा देखत रह हता, अर मुखिया भी माजक कर ख कहत रह: “थेना दुसरा का बचायो, अदि यू परमेस्वर को मसी हैं, अर ओको चुनो वालो हैं, ते अपनो तुम का बचा ल।”

36 मुखिया भी सामे आ यू ख अर अंगूर को काडवा रस दे ख ओको मजाक कर ख कहत हता।

37 “अदि तू यहूदी हुन को राजा हैं, ते अपनो तुम ख बचा!

38 “अर ओको क्रूस ऊपर एक आरोप जिटटी भी लगो हतो; यू यहूदी हुन को राजा हैं।”

२२ २२२२ २२२२ २२२२ २२२२

39 जे बुरो काम करन वालो हुन का भी लटकायो गयो हतो, ओमा से एक न ओकी निन्दा कर ख कय्हो, “का तू मसी नी? ते फिर अपनो तुम का अर हम ख बचा।”

40 इ पर दुसरो न ओ ख डाँट ख कय्हो, “का तू परमेस्वर से भी नी डरत? तू भी ते उही दण्ड पर रय्हे हैं,

41 अर हम ते न्याय को अनुसार पा रय्हे हैं, काहेकि हम अपन बुरो काम हुन का फल पा रय्हे हैं; पर ऐना कोई बुरो काम नी कियो हैं।”

42 तब ओ न कय्हो, “हे यीसु जब तू अपन राज्य म आएँगो, ते मोरी सुधि लेनो।”

43 ओ न ओसे कय्हो, “मी तो से सच कहूँ हूँ कि आज ही तू मोरो संग स्वर्ग लोक म होगो।”

२२२२ २२ २२२२२२ २२२२२२२

(२२२२२ 27:45-56; २२२२२ 15:33-41; २२२२२२२ 19:28-30)

44 लगभग दोपहर से तीसरो पहर तक पुरो देस म अन्धियारो छाया रहयो,

45 अर सूरज को उजियाला जात रहयो अर मन्दिर को परदा बीच म से फट गयो,

46 अर यीसु न बड़ो आवाज से पुकार ख कय्हो, “हे बाप, मी अपनो आत्मा तोरो हात हुन म सोपत हूँ।” अर यू वा कह ख प्रायन छोड़ दियो।

47 सतपति न जे कुछ भयो हतो देख ख परमेस्वर की बड़ाई कियो, अर कय्हो, “निस्वय यू वा अदमी धर्मी हतो।”

48 अर भीड़ जे यू वा देखन का इकट्ठी हुई हती। इ घटना का देख ख छाती पीटत हुई लउट गई।

49 पर ओके सब जान पहचान वाला, अर जे बाई हुन गलील से ओके संग आई हती, दूर खड़ी होय ख यू वा सब देखत रह।

२२२२ २ २२२२२ २२२२

(२२२२२ 27:57-61; २२२२२ 15:42-47; २२२२२२२ 19:38-42)

50 अर देख, उही यूसुफ नाम को बडो सभा (महासभा) को एक सदस्य हतो। जो अच्छो अर धर्मी अदमी हतो

51 अर ओकी योजना अर ओको इ काम हुन से खुसी नी हती। उ यहूदियो को नगर अरिमतिया का रहन वाला अर परमेस्वर को राज्य की रस्ता जोहन वालो हतो।

52 ओ न पिलातुस को नजीक जाय ख यीसु को लास मंगियो;

53 अर ओ ख उतार ख मलमल की चादर म लपेटियो, अर एक कब्र म रखियो, जे चट्टान म खुदो भई हती; अर ओमा कभी कोई का नी रखो गयो हतो।

54 वी तैयारी को रोज हतो, अर आराम का दिन सुरू होवन पर हतो।

55 उ बाई हुन जे ओको संग गलील से आयो हती; पिछु-पिछु जायख उ समसान का देखो, अर यू भी कि ओको लास किस रीति से रखो गयो हैं।

56 तब उनहोना लउट ख खुसबूदार समान हुन इतर तैयार कियो;

अर विसराम को उन्होना आग्या ख अनुसार छुट्टी को दिन कियो।

24

~~~~~

(~~~~~ 28:1-10; ~~~~~ 16:1-8; ~~~~~ 20:1-10)

1 पर हफ्ता को पहलो दिन बडो सबेरो का नी उन खुसबूदार समान हुन का जे उन्होना तैयार कियो हतो लेय ख कब्र पर आयो।

2 उन्होना पत्थर का समसान पर से लुढ़का भयो पायो,

3 पर आन्दर जाय ख प्रभु यीसु को लास नी पायो।

4 जब वी इ बात सर उलझन हो हती ते देखियो, दो इंसान हुन चमकीलो कपड़ा पहिनो हुयो ओके नजीक आ खडा भया।

5 जब वी डर गया अर जमीन की ओर मुँह झुकायो जे उन्होना ओसे क्य्हो, “तुम जिन्दो का मरो हुआ म काहे दूढ़न हो?

6 उ यहाँ नी, पर जी उठो हैं। स्मरण (याद) कि ओ न गलील म रहत हुआ तुम से क्य्हो हतो,

7 अवस्य हैं कि इंसान को पोरिया पापी हुन को हात म पकड़यो जाएगो, अर सूली पर चढ़ायो जाएगो, अर तीसरो रोज जिन्दो उठयो।”

8 तब ओकी बात हुन ओको याद आयो,

9 अर समसान घाट से लउट ख उन्होना उ ग्यारह हुन का, अर अन्य सब का, यू वा सब बात हुन कह सुनायो।

10 जिन्हो प्रेरित हुन से यूव सब बात हुन कही वी मरियम मगदलीनी अर योअन्ना अर याकूब की माय मरियम अर ओके संग की कई बाई हुन भी हती।

11 पर ओकी बात हुन उनका कायनी सी जान पड़ियो, अर उन्होना ओकी भरोसा नी करी।

12 तब पतरस उठायो ख मरघट म दऊड गयो, अर झुक्या ख केवल कपड़ा पड़िया देखो, अर जे भयो हता ओसे अचम्भा करत भयो अपनो घर चलो गयो।

~~~~~

(~~~~~ 16:12,13)

13 उही दिन ओ म से दो ही जन इम्माऊस नाम को एक गाँव का जा रहे हता, जे यरूसलेम से कोई दस किलो मीटर की दूरी पर हता।

14 “वी इ वा सब बात हुन पर जे हई हती, आपस म बात चीत करत जा रखे हते,

15 अर जब वी आपस म बातचीत अर पूछताछ प्रस्न भी करत रह हता, ते यीसु आसपास म आय ख ओको संग म हो लियो।

16 परन्तु ओकी आँख हुन असी बंद कर दी गई हती कि ओ ख पहिचानू नी सको।

17 ओ न ओसे पुछियो, यूव का बात हैं, जे तुम चलत चलत आपस म करत हो?" वी उदास से खडो हो गयो।

18 यूव सुन ख ओमा से क्लियोपास नाम एक इंसान न क्य्हो, "का तू यरूसेलेम म अकेलो परदेसी आय, जे नी जानत कि इ दिन हुन म ओ म का-का भयो हैं?"

19 यीसु न ओसे पूछो, "कोन सी बात?" उन्होना ओसे क्य्हो, "यीसु नासरी का बारे म जे परमेस्वर अर सब अदमी हुन का नजीक काम अर वचन म सामर्थी भविष्यवक्ता हता,

20 अर मुखिया (प्रधान) याजक हुन अर हमार सासक हुन न ओ ख पकड़वा दियो दियो कि उ पर मरन की आग्या दी जाएगो, अर ओ ख सूली पर चढ़ायो।

21 पर हमका आसा हती कि यू ही इस्राएल का छुड़ा देहे गो। इन सब बात हुन का सिवाय इ घटना का भयो तीसरो दिन हैं,

22 अर हम म से कई बाई हुन न भी हमका आस्वर्य म डाल दियो हैं, जे भुसारो का समसान पर गई हती;

23 अर जब ओखा लास नी पायो ते यूव कहत हुयो आयो कि हम न स्वर्गदूत हुन को दर्सन पायो, जिन्होना क्य्हो कि उ जीवित हैं।

24 तब हमारो दोस्त हुन म से कई एक समसान पर गयो, अर जसो बाई हुन न क्य्हो हतो वसो ही पायो; पर ओको नी देखो।"

25 तब ओ न उनसे क्य्हो, "अरे बिना अकल का अर भविष्यवक्ता हुन की सबरी बात हुन पर भरोसा करनो म बेजा धीरे आय!

26 का जरूरी नी हतो कि मसी यूव दुख उठायो ख अपनो महिमा म प्रवेश करियो?"

27 तब ओ न मूसा से अर सब भविष्यवक्ता हुन से सुरू कर ख पुरा सुध्द सास्र म से अपनो बारे म लिखी बात हुन को मतलब उन ख समझ दियो।

28 इत्ते म वी गाँव को नजीक पहुँचियो जहाँ वी जा रहे हते, अर यीसु न द्रग से असो जान पड़ो कि ओ ख आगे बढनू चाहत रह।

29 पर उन्होना यूव कह ख ओ ख रोक, "हमारो संग रह, काहेकि साम हो चली हैं अर दिन अब बेजा ढल गयो हैं।" तब उ उनको संग रहन को लाने अर आनन्द गयो।

30 जब उ उनको संग खाना खान को बैठयो, ते ओ न रोटी लेख धन्यवाद कियो अर ओ ख तोड ख उनको देन लगियो।

31 तब ओकी आँखी खुल गई; अर ऊन न ओ ख पहचान लियो, अर उ ओकी आँखी हुन से छिप गयो।

32 ऊन न आपस म क्य्हो, "जब उ रस्ता म हमसे बात करत हतो अर सुध्द सास्र का अर्थ हमका समझत हतो, ते का हमारे मन म उत्तेजना नी उत्पन्न हुई?"

33 वी ऊई बखत उठ ख यरूसेलेम का लोउट गयो, अर उ ग्यारह हुन अर ओके संगी हुन का इकट्ठे पायो।

34 वी कहत हते, "प्रभु सचमुच जी उठो हैं, अर समोन का दिखाई दियो हैं।"

35 तब ऊन न रस्ता की बात हुन उन्हे बता दियो अर यू वा भी ऊन न ओखा रोटी तोडत बखत कसो पहचानो।

~~~~~

(~~~~~ 28:16-20; ~~~~~ 16:14-18; ~~~~~ 20:19-23; ~~~~~ 1:6-8)

36 वी इ बात कह ही रहे हते कि उ तुम ही उनको क्य्हो, "तुम ख सान्ति मिले।"

37 "पर वी घबरा गया अर डर भी गया, अर समझो कि हम कोई भूत का देख रहयो हैं।

38 ओ न ओसे क्य्हो, काहे घबरात हो? अर तुम्हारो मन म काहे विचार उठत है?



39 मोरो हात अर मोरो पाय का देखो, कि मी उही हूँ। मो ख छु ख देख, काहेकि आत्मा को हड्डी मांस नी होत जसो मोरो म देखह हैं।”

40 यू कह ख ओ न ऊन का अपनो हात पाय दिखायो।

41 जब खुसी को मारे ओको भरोसा नी हुई, अर वी आश्चर्य करत हते, “ते ओ न ओसे पुछो, का यहाँ तुम्हारो नजीक कुछ खाना हैं?”

42 उन ना ओखा भुजी भई मच्छी को टुकड़ा दियो।

43 ओ न ओ ख लेय ख उनको सामे खायो।

44 फिर ओ न उनसे क्य्हो, “यू मोरी वी बात हैं, जे मी न तुम्हारो संग रहत हुए तुम लोग हुन कही हती कि आवस्य हैं कि जितनी बात मूसा की नेम की किताब अर भविष्यवक्ता हुन अर भजन हुन की किताब म मोरो विसय म लिखो हैं, सब पूरो होए।”

45 तब ओ न सुध्द सास्र बूझन को लाने उनकी समझ खोल दी,

46 अर ओसे क्य्हो, “यो लिखो हैं कि मसी दुख उठाएगो, अर तीसरो दिन मरो भयो म से जिन्दो उठेगो,

47 अर यरूसलेम से लेय ख सब जाति हुन म मन को अर पाप हुन कि छमा को प्रचार, ओको नाम से कियो जाहे।

48 तुम इ सब बात हुन को गवाह होए।

49 अर देख, जेकी वादा मोरो बाप न की हैं, मी ओको तुम पर उतारूंगो अर जब तक स्वर्ग से सामर्थ्य नी पाओ, तब तक तुम इ ही नगर म ठहरो रह।”

~~~~~

(~~~~~ 16:19,20; ~~~~~ 1:9-11)

50 तब उ उनका बैतनिय्याह तक ले गयो, अर अपनो हात उठा ख उन ख आसीस दियो;

51 अर उन्हे आसीस देत भयो उ उनसे अलग हो गयो अर स्वर्ग पर उठा लियो गयो।

52 तब वी ओको दण्डवत कर ख बड़ो खुसी से यरूसलेम का लोउट गयो;

53 अर वी लगातार मन्दिर म उपस्थित हो ख परमेस्वर की स्तुति कियो करत हते।

यूहन्ना के द्वारा लिखा सुसमाचार यूहन्ना को दुवारा लिखो सुसमाचार भूमिका

यूहन्ना को हिसाब से सुसमाचार नयो नियम म चार किताब म से एक हैं जो यीसु मसी को जीवन को बारे म बतावा हैं। उनमा से हर एक ख “सुसमाचार” बोलो जाय हैं, जेको मतलब हैं “अच्छी खबर” वी मत्ती, मरकुस, लूका अऊर यूहन्ना यीसु कि माऊत को बाद लिखिया गया रहा। यूहन्ना को हिसाब से सुसमाचार सायद यूहन्ना को दुवारा यीसु कि माऊत को बाद लिखो गयो रहा। भले ही किताब या नी बोला हैं कि यूहन्ना किताब ख लिखन वालो हैं, लिखी वाली किताब 1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना अऊर 3 यूहन्ना यी एक दुसरा से मिलते जुलते हैं कुछ पुराना लेखक यूहन्ना ख या बखत इफिसुस सहर म रखा हैं, एकोलाने यू अनुमान लगावा हैं कि किताब इफिसुस म लिखी गई रा।

यूहन्ना साफ-सुतरो तरीका से बोला हैं कि किताब को मेन मक्सद इंसान हुन ख यू भरोसा दिलानो म मददत करनो हैं कि यीसु मसी हैं, जिन्दो परमेस्वर को पोरिया 20:31 यू भरोसा कर ख हम ओको नाम से जीवन जी सका हैं। किताब यहूदी अर गैर-यहूदी दोई पढ़न वाला हुन को लाने लिखी गई रा। यूहन्ना को सुसमाचार कुछ हिसाब से तो दुसरा तीन सुसमाचार हुन से बेजा अलग हैं। ओ ना वी चमत्कार हुन पा ध्यान दियो जो यीसु न करयो रा। अऊर अपना उदाहरन हुन को बारे म जादा नी लिखो रा। यीसु को बपतिस्मा अऊर रेगिस्तान म गुजरी वाला घटना जसी अऊर ढेर सारी कई घटना हुन ख भी यु सुसमाचार म नी लिखो गयो हैं।

रूप रेखा

1. ऐमन सुसमाचार सुरू करा हैं 1:1-18
2. फिर उ वी कई चमत्कार हुन को बारे म लिखा हैं जो यीसु न करयो रहा। 1:19—12:50
3. येको बाद उ यीसु कि जीवन कि कई सारा बिती वाला घटना को बारे म बतावा हैं जो ओकी माऊत अऊर पुनर्जनम को लाने बतावा हैं। 13:1—20:31
4. यूहन्ना न सुसमाचार ख खतम करन को बारे म बतायो, जेमा से एक को बाद यीसु न इंसान हुन ख दिखई देन को बाद उ मुर्दा म से जिन्दो हो गयो अऊर फिर किताब लिखन ख लाने अपनो मक्सद बतायो। 21

11:1-12:50

- 1 सबसे सुरू म सब्द हतो अऊर सब्द परमेस्वर को संग म हतो, सब्द ही परमेस्वर हतो।,
- 2 युईच सब्द ही सुरू म परमेस्वर को संग म हतो।
- 3 दुनिया की हर चीज ओसे ही उपजी। ओको बगर कोई की भी रचना नी भई आय।
- 4 ओमन जीवन हतो अऊर उ जीवन ही दुनिया ख इंसान हुन को लाने उजरो हतो।
- 5 उ उजरो अंधेरा म भयो अऊर अंधेरा न ओखा दुर नी कर पायो।
- 6 परमेस्वर कि तरफ से एक अदमी आयो। जेको नाम यूहन्ना हतो।
- 7 उ गवाही देन आयो कि उजियारो कि गवाई दे, जसो सब इंसान ओको दुवारा भरोसा करे।
- 8 उ अपनो तुम म ज्योति तो नी हतो पर उ ज्योति कि गवाई देन ख लाने आयो हतो रह।
- 9 सच्ची को उजरो जो हर एक इंसान ख उजरो पहुचावा हैं, दुनिया म आन वाली हती।
- 10 सब्द संसार म हतो, अऊर दुनिया ओको दुवारा सिरजी* ; पर दुनिया ख न ओखा नी पहिचानियो।

- 11 उ अपना को जोने आयो अऊर ओखा अपना इंसान न ओखा नी अपनायो।

* 1:10 उत्पन्न

12 पर जीत्ता न ओखा अपनायो, अऊर ओको नाम म विस्वास करयो, वी सब ख ओ ना परमेस्वर की संतान बनन को हक दे दियो।

13 वी न तो खून से, न सरीर कि मर्जी से, न इंसान कि मर्जी से, पर परमेस्वर से सिरजिया हैं।

14 सब्द न सरीर रूप धर ख, हमरो बीच म आयो, अऊर हम न ओकी असी महमा देखी जसो परमेस्वर बाप (पिता) को अकेलो पोरिया कि महमा, जो किरपा अऊर सही से भरपूर हो ख हमारो बीच म डेरा करो।

15 यूहन्ना न बोल-बोल ख ओको बारे म गवाई दियो, “यु उईच आय, जेको बारे म मीना कय्हो रहा जो मोरो बाद आवन वालो हैं उ मोसे बढ ख हैं; काहेकि उ मोसे पहलो से हतो रहा।”

16 काहेकि ओकी भरपुरी म से हम सब न हासिल करो एकोमतलब किरपा पर किरपा मिली हैं।

17 एकोलाने नेम तो हकीगत म मूसा को वजे से दी गई रहा, पर किरपा अऊर सच्चाई यीसु मसी को वजे से पहुँची।

18 परमेस्वर ख कभी कोई न नी देख्यो, पर सिरप इकलोतो पोरिया न, जो खुद परमेस्वर आय अऊर जो बाप को कोरा म हैं, उईच न ओखा उजागर करो।

~~~~~

(~~~~~ 3:1-12; ~~~~~ 1:1-8; ~~~~~ 3:1-18)

19 यूहन्ना कि गवाई या हैं कि जब यहूदी हुन न यरूसेलेम से याजक हुन अर लेवी हुन ख ओसे या पूछन को लाने भेजो, “तु कऊन आय?”

20 तब उनना मान लियो, मना नी पर मान लियो कि मी मसी नी हाय।

21 वी इंसान हुन न यूहन्ना से पुछियो “ते फिर तू कऊन आय? का तू एलिय्याह भविस्यवक्ता आय यूहन्ना न जवाब दियो, मी एलिय्याह नी आय?” “ते का तू उ भविस्यवक्ता आय जो आन वालो थो?” यूहन्ना न जवाब दियो, “नी।”

22 तब उन ना यूहन्ना से बोल्यो, “फिर तू आय कोन? जिन्ना हमका भेज्यो हैं, हम उनका का जुवाब देहे हमका पहिचान वालो ख जवाब देहे। तू अपनी बारे म का बोला हैं?”

23 यूहन्ना न जुवाब दियो, मी आय, जसो कि यसायाह भविस्यवक्ता न कय्हो हैं, बियावान जंगल म हाँका लगान वालो की आवाज

प्रभु को याहा जान की रस्ता सिधी करो।

24 कुछ इंसान हुन फरीसी हुन कि ओर से भेजिया वाला हता।

25 उन न यूहन्ना से पुछियो, “अदि तू न तो मसी आय, न एलिय्याह अऊर न उ भविस्यवक्ता आय ते फिर बपतिस्मा काहे ख देवा हैं?”

26 यूहन्ना न ओखा जवाब दियो, “मी तो पानी से बपतिस्मा<sup>‡</sup> देऊ हैं, पर तुमारो बीच म एक अदमी खडो हैं जेका तुम नी जाना।

27 एको मतलब उ मोरो बाद आन वालो हैं, ओकी कि जूता की भी मी बददी खोलन को कबील नी हाय।”

28 या बात हुन यरदन को ओ नो पार बैतनिय्याह गाँव म भई, जेमा यूहन्ना बपतिस्मा देवत रह हतो।

~~~~~

29 दुसरो दिन ओ न यीसु ख अपनी तरफ आते देख ख कय्हो, “देखो यू परमेस्वर को पिल्ला आय जे दुनिया क पाप उठा ख ले जाय हैं।

30 यु उयीच आय जे को बारे म मी न कय्हो रह एक अदमी मोरो पीछु आवा हैं जे मोसे बडो हैं। काहेकि उ मोसे पहलो हतो रह।

† 1:18 सुध्द होन को लाने यीसु को नाम से पानी म डुपकी लगानो
§ 1:28 मेम्ना

‡ 1:26 सुध्द होन को लाने यीसु को नाम से पानी म डुपकी

31 मी तो ओ ख पहिचानत नी रह, पर ऐखा लाने मी पानी से बपतिस्मा देते आयो कि उ इस्राएल म परघट* हो जाय ।”

32 अर यूहन्ना न असी गवाई दियो, “मीना आत्मा ख कबूतर को जसो बदनदल या स्वर्ग से उतरते देख्यो हैं, अऊर वा ओ पर ठहर गई ।

33 मी तो ओ ख पहिचानत नी रह, पर जोना मो ख पानी से बपतिस्मा देन ख भेज्यो, उईच न मोसे कय्हो, ‘जोपर तू सुध्द आत्मा ख उतरते अऊर बठते देखे, उईच सुध्द आत्मा से बपतिस्मा देन वालो हैं ।’

34 मीना खुद देख्यो, अऊर या मोरी गवाई हैं कि यूईच परमेस्वर को पोरिया आय ।”

~~~~~

35 दुसरो दिन फिर यूहन्ना अऊर ओखा चेला म से दो झन खड़ा भया हता,

36 अऊर यूहन्ना न यीसु ख जाते घड़ी देख्यो अऊर कय्हो, “देखो यू परमेस्वर को पिल्ला† आय ।”

37 ऐकोबाद वी दोई चेला ओकी या सुन ख यीसु को पिछु हो लियो ।

38 यीसु न लउट ख उनका पिछु आते देखो अर उनसे कय्हो,

“अरे गुरू, एकोमतलब, अरे प्रभु तू कहाँ पर रहवा हैं?”

39 यीसु न उनका कय्हो “चले ते देख लेहे ।” उनना जा ख देख्यो कि उ कहाँ रहवा हैं, अऊर उ दिन ओको संग म रया । असो दिन को चार बजे तक (दसवां घण्टा) लग भग हतो ।

40 जो चेला यूहन्ना कि बात सुन ख यीसु को पिछु हो लियो हता, वी दोई म से एक समोन पतरस को भई अन्द्रियास हतो ।

41 उ पहले अपनो भई समोन से मिलियो अर ओसे बोल्यो, “हमका मसी, एकोमतलब मसी, मील गयो हैं ।”

42 अऊर उ ओखा यीसु को जोने ले गयो ।

यीसु न ओखा ध्यान से देख ख बोल्यो, “तू यूहन्ना को पोरिया समोन आय: तू कैफा मतलब पतरस कहलाए ।”

~~~~~

43 दुसरो रोज यीसु न गलील परदेस जान ख सोचयो । ओकी मुलाकात फिलिप्पुस से भई । उनना ओसे बोल्यो, “मोरो पिछु आव ।”

44 फिलिप्पुस बैतसैदा सहर को रहन वालो हतो । उते अन्द्रियास अर पतरस भी रहत रहा ।

45 फिलिप्पुस नतनएल से मिल्यो अऊर बोल्यो, “जिनको बारे म मूसा न नेम म अर भविष्यवक्ता हुन न भी लिख्यो हैं, उ हमका मिल गयो हैं; उ नासरत को रहनवालो यूसुफ को पोरिया, यीसु आय ।”

46 नतनएल न जुवाब दियो, “का कोई भली चीज भी नासरत म से निकल सखा हैं?”

फिलिप्पुस न कय्हो, “चल ख देख ला ।”

47 यीसु न नतनएल ख अपनी तरफ आते देख ख, ओको बारे म बोल्यो; “देखो, यू सच म इस्राएली आय । येमा कोई कपट नी हाय ।”

48 नतनएल न ओसे कय्हो, “तू मोखा कसो पहिचाना हैं?” यीसु न ओ ख उत्तर दियो, “येको पहले कि फिलिप्पुस न तो ख बुलायो, जब तू अंजीर को झाड़ को नीचु हतो, जब मीना तो ख देखो रह ।”

49 नतनएल न उनसे बोल्यो, “अरे गुरू जी तू परमेस्वर को पोरिया आय; तू इस्राएल को राजा आय ।”

50 यीसु न ओखा उत्तर दियो, “मी न तुम से बोल्यो, मी न तोखा अंजीर को झाड़ को नीचु देख्यो, का तुम येको लाने भरोसा करा हैं? तुम येसे भी बड़ा-बड़ा काम देखेगो ।”

51 यीसु न ओसे यू भी बोल्यो, “मी तुम इंसान हुन से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं: तुम स्वर्ग ख खुल्यो, अर परमेस्वर ख स्वर्गदूत हुन ख इंसान को पोरिया को ऊपर चढ़ते अर उतरते देखेगो ।”

2

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥

- 1 फिर तीसरो रोज गलील को काना सहर म कोई कि सादी हती, अर यीसु कि माय भी वहाँ हती ।
- 2 यीसु अर ओखा चेला हुन ख भी वा सादी म नेवता देखा बुलायो गयो हतो ।
- 3 जब अंगूर को रस कम पड़ गयो, ते यीसु कि माय न ओसे क्य्हो, “उन को जोने अंगूर को दाख रस नी रयो ।”
- 4 यीसु न जुवाब दियो, “अरे बाई मो ख तोरो से का काम? अबा मोरो बखत नी आयो हैं ।”
- 5 ओकी माय न सेवक हुन से क्य्हो, “जे कई भी उ तुम से बोले, उसी ही करनु ।”
- 6 वहाँ पर यहूदी हुन की सुध्द करन की रीत को हिसाब से पत्थर का छे: मटका धरया हता रहा जेमा कि दो-दो तीन-तीन मन पानी समात रह हतो ।
- 7 यीसु न सेवक हुन से क्य्हो, “मटका हुन म पानी भर देव ।” उन न उन ख मुडो तक लबान्लब भर दीयो ।
- 8 तब यीसु न उनसे क्य्हो, “अब हेड का खाना खलान वालो घर को उ मुखिया को जोने ले जाव ।” अर वी ले गया ।
- 9 जब उ खाना खालान वालो घर को मुखिया न उ पानी ख पीयो, जो अंगूर को रस बन गयो रह अर नी जानत रह कि उ किते से लायो हैं । (पर जे सेवक हुन न पानी निकायो रह वी जानत रह हता), ते खाना तैयार करन वालो घर को मुखिया न दुल्हा ख बुलाय ख ओसे क्य्हो,
- 10 “हर एक इंसान पहले चोक्खो दाख रस देवा हैं, अर जब अदमी हुन पी ख छक जावा हैं: तब थोडो ठण्डो वालो देवा हैं पर तू न अच्छो अंगूर को रस अबा लक रक ख धरियो हैं ।”
- 11 यीसु न अपनो यू पहिलो अदभुत चिन्ह गलील को काना सहर म दिखायो असो तरीका से ओ ना खुद ख उजागर करियो अर ओ ख चेला हुन न ओको पर भरोसा करयो ।
- 12 येको बाद यीसु अर ओकी माय अर ओखा भई हुन अर ओखा चेला हुन को संग कफरनहूम सहर ख गयो अर उते कुछ दिन रयो ।

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥ ॥॥॥॥॥ ॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 21:12,13; ॥॥॥॥॥ 11:15-17; ॥॥॥॥॥ 19:45,46)

- 13 यहूदी हुन को फसह को तिहार आन वालो हतो, अर यीसु यरूसलेम सहर ख गयो ।
- 14 वहाँ ओ न मन्दिर म बईल, भेड़ अर कबूतर ख बेचन वाला अर अपनो टेबल को जोने बैठिया बियाना करन वाला ख देख्यो ।
- 15 यीसु न रस्सी हुन को कोडा बना ख, सब भेड़ हुन अर बईल हुन ख मन्दिर से निकाल दियो, ओ ना बियाना करन वाला का पैसा छितरा दियो, उनको टेबल उलटा दियो,
- 16 अर कबूतर बेचन वाला से क्य्हो, “यू सब ख यहाँ से हटा ख ले जाव । मोरो पिता परमेस्वर को घर ख बजार मत बनाव ।”
- 17 तब ओ ख चेला हुन ख सास्र को यू वचन याद आयो, “तोरो घर कि चिन्ता-फिकर मोखा खा जाहे ।”
- 18 ये पर यहूदी धरम ख गुरू हुन न यीसु से क्य्हो, “तू हमका कोन सो भयानक चिन्ह दिखा सका हैं, जेसे हम यू समझे कि जसो तू जो कुछ करा हैं, ओको तू हक रखन वालो हैं यू साबित हो जाय?”
- 19 यीसु न उनका जवाब दियो, “यू मन्दिर ख खतम कर देव अर मी ये ख तीन रोज म खडो कर देहु ।”
- 20 येपर वी यहूदी हुन न क्य्हो, “यू मन्दिर ख बननो म छियालीस बरस लग्या, अऊर का तू येका तीन दिन म खडो कर देहे?”
- 21 पर यीसु न अपनो सरीर को मन्दिर को बारे म बोल्यो रहा ।

22 जब उ मुर्दा म से जिन्दो भयो, ते ओ ख चेला ख याद आयो कि यीसु न असो बोल्यो रहा अर उनना सुध्द सास्र *अर उ वचन कि जे यीसु न कय्हो रहा, भरोसा करयो।

???? ???? ? ? ? ? ? ? ? ?

23 जब यीसु यरूसलेम म फसह को बखत तिहार म हतो, ते ढेर सारा इंसान हुन न उनको वजे से भया वाला भयानक चिन्ह देख ख ओको नाम पा भरोसा करयो।

24 पर यीसु न अपनो तुम ख उनको भरोसा पर नी छोटोड्यो, काहेकि उ सब ख जानत रह;

25 उनका या जरूरत नी हती कि कोई उनका इंसान को बारे म बताया; काहेकि उ खुद जानत रहा कि इंसान को मन म का चला हैं।

3

???? ? ? ? ? ? ? ? ?

1 फरीसी समुदाय को एक इंसान हतो ओको नाम नीकुदेमुस थो उ यहूदी हुन को एक मुखिया हतो।

2 उ रात म यीसु को जोने आयो अऊर बोल्यो, “अरे गुरू हम जाना हैं कि तू परमेस्वर कि तरफ से आयो वालो गुरू हैं। तू जो हईब ख चिन्ह दिखावा हैं, उनका कोई तब लक नी दिखा सका, जब लक की परमेस्वर ओको संग म नी होय।”

3 यीसु न ओखा जवाब दियो, “मी तोसे सच्ची-सच्ची कहूँ हैं, अदि कोई नयो सिरा से नी जनम लेन को ते परमेस्वर को राज देख नी सका।”

4 नीकुदेमुस न ओसे पुछ्यो, “इंसान जब सियानो हो गयो, ते कसो जनम ले सका: हैं? का उ माय को कोक म दुसरी बार जाका जनम ले सका हैं?”

5 यीसु न जवाब दियो, “मी तोसे सच्ची-सच्ची कहूँ हैं, जब लक कोई इंसान पानी अर आत्मा से जनम नी लेन को तब लक उ परमेस्वर को राज म नी जा सकन को।

6 काहेकि जो सरीर से जनमिया हैं, उ सरीर हैं; अऊर जो आत्मा से जनमिया हैं, उ आत्मा हैं।

7 हैरान मत होव कि मीना यू बोल्यो कि तुम ख नयो सिरा से जनम लेनो जरूरी हैं।

8 हवा जिते चाहवा हैं उते चला हैं अर तुम ओकी आवाज सुना हैं, पर नी जाना कि वा किते से आवा हैं अर किते ख जावा हैं? जे कोई आत्मा से जनमिया हैं उ असोईच ही हैं।”

9 नीकुदेमुस न ओसे पुछ्यो, “असो कसो हो सका हैं?”

10 यीसु न ओखा जवाब दियो तू इस्राएली हुन को गुरू आय अऊर यी बात हुन ख नी समझा?

11 मी तोसे सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि हम जो जाना हैं उईच ही बोला हैं, अर जेका हम न देखो हैं ओकी गवाई देवा हैं, अर तुम हमारी गवाई कबुल नी करा।

12 जब मी न तुम से दुनिया कि बात बताई अर तुम भरोसा नी करा ते, अदि मी तुम से स्वर्ग कि बात बोलू, ते तुम फिर कसा भरोसा करे?

13 कोई इंसान स्वर्ग पर नी चढ़ायो, केवल उई जो स्वर्ग म से उतरो, एको मतलब इंसान को पोरिया जो स्वर्ग म हैं।

14 अर जो तरीका से मूसा न जंगल म साँप ख ऊँचो पर लटकायो, उईच तरीका से जरूर हैं कि इंसान को पोरिया भी ऊँचो पर लटकायो जाहे;

15 ताकि जो भी कोई ओपर भरोसा करे, उ ओमा अनन्तकाल को जीवन ख पाहे।

16 “काहेकि परमेस्वर न पुरा दुनिया ख इंसान हुन से असो प्रेम रख”, कि ओ न अपनो अकेलो पोरिया तक दे दियो, ताकि जो कोई ओपर भरोसा करे उ नास नी होन को, पर अनन्त जीवन पाहे।

17 परमेस्वर न अपनो पोरिया ख दुनिया म येको लाने नी भेजो कि उ दुनिया ख दोसी ठहराए। ओ ना ओखा एकोलाने भेज्यो हैं, कि संसार ओको दुवारा छुटकारा ख पाहे।

* 2:22 यहूदी हुन को उ सुध्दसास्र जेबा मसी इंसान पुरानो नेम बोला हैं।

18 जो पोरिया पा भरोसा करा हैं, ओपर दोस नी लगायो जावा। जो ओपर भरोसा नी करा, उ दोसी ठहर चुक्यो; काहेकि उ परमेस्वर को इकलोतो पोरिया को नाम पा भरोसा नी करा।

19 दोसी ठहरान को यू कारन हैं कि ज्योति दुनिया म आई हैं, अर इंसान हुन न अंधेरा ख उजैरो (ज्योति) से जादा अच्छो समझियो काहेकि उनका काम बुरा हता।

20 काहेकि जो कोई बुराई करा हैं, उ ज्योति से बैर रखा हैं, अर ज्योति को जोने एकोलाने नी आवा, असो नी होय कि ओखा काम हुन पर दोस लगायो जाय।

21 पर जो सच्चई पर चला हैं, उ ज्योति को पास म आवा हैं, “ताकि ओखा काम हुन दिखन लग जाय कि वी परमेस्वर कि तरफ से करयो वाला हैं।”

~~~~~

22 एको बाद यीसु ओखा चेला हुन को संग यहूदिया देस म आयो। अर उ वहा उनको संग म रह ख बपतिस्मा देन लग्यो।

23 यूहन्ना भी सालेम सहर को नजीक एनोन म पानी संस्कार देत रहा हतो, काहेकि वहा बेजा पानी हतो। अर अदमी वहा आ-आ ख बपतिस्मा लेवत, रहा।

24 यूहन्ना वा बखत लक जेल खाना म नी डालो गयो रहा हतो।

25 ओमा यूहन्ना को चेला हुन को कोई यहूदी धरम गुरू को संग म सुध्द होन को बारे म बहस भई।

26 अर उनना यूहन्ना को कने आ ख ओसे क्य्हो, अरे गुरू या रब्बी, देख, जो यरदन नद्दी को ओनो पार तोरो संग हतो, अर जेको बारे म तू न गवाई दी हैं; देख, “उ बपतिस्मा देवा हैं”, अर सब ओको पास म आवा हैं।

27 यूहन्ना न जवाब दियो, “जब तक इंसान ख स्वर्ग से नी दियो जाय, तब लक ओ ख कुछ भी नी मिल सका:

28 तुम तो अपनो तुम म ही मोरा गवाई हैं कि मी न बोल्यो, मी मसी नी आय, पर ओको आगे भेज्यो गयो हैं।”

29 जो कि दुलिन आय, उई दुला आय; पर जो दुला को दोस्त जो खडो भयो ओकी सुना हैं, दुला नाम को सब्द से बेजा खुस होवा हैं: अब मोरी या खुसी पुरी भई हैं।

30 यू जरूरी हैं कि उ बढ़ते जाय अर मी घट्ट।

31 “जो ऊपर से आवा हैं उ सबसे अच्छो हैं; जो दुनिया से आवा हैं उ दुनिया को हैं, अर दुनिया पर कि बात हुन करा हैं: जो स्वर्ग, म से आवा हैं उ सब को ऊपर हैं।

32 जो कुछ भी ओ न देखो अर सुनो हैं, ओकीच गवाही देवा हैं; अर कोई ओकी गवाई ख नी माना।

33 जोना ओकी गवाई ख मान लियो ओ न या बात पर मोहर लगा दियो कि परमेस्वर सच्चो हैं।

34 काहेकि जेका परमेस्वर न भेजो हैं, उ परमेस्वर कि बात बोला करा हैं; काहेकि उ आत्मा नाप-नाप ख नी देवा।

35 बाप पोरिया ख बेजा प्रेम रखा हैं अर ओ न पुरी चीज ओको हात म दे दियो हैं।

36 जो पोरिया पर भरोसा करा हैं, अनन्त जीवन ओको ही हैं; पर जो पोरिया कि नी माना, उ जीवन ख नी देखन को, परमेस्वर कि घुस्सा या क्रोध ओपर बनो रहवा हैं।”

## 4

~~~~~

1 फरीसी हुन ख असो पता भयो कि यीसु यूहन्ना से जादा चेला हुन बनावा अर उनका बपतिस्मा देवा हैं।

2 पर यीसु खुद नी, पर ओखा चेला हुन बपतिस्मा देवत रहा। जब यीसु ख ऐको पता चल्यो,

3 तब उ यहूदिया परदेस ख छोड़ ख फिर गलील परदेस ख चलो गयो।

4 अर ओखा सामरिया से होका जानो जरूरी थो।

5 एकोलाने उ सामरिया परदेस को सूखार नाम को सहर पहुँचियो। यू सहर वा जमीन को जोने म हैं, जोका याकूब न अपनो पोरिया यूसुफ ख दियो रहा;

6 वहाँ याकूब को कुवा भी हैं। यीसु रस्ता से थक गयो रहा, एकोलाने उ कूवाँ को जोने असो ही बढ गयो रहा। या बात लगभग दोपहर को करीब की आय।

7 इत्तो म सामरिया कि एक बाई पानी भरन ख आई। यीसु न ओसे क्य्हो, “मो ख पानी पिला।”

8 काहेकि ओखा चेला हुन तो सहर म खाना मोल लेन ख गया हता।

9 यहूदी हुन सामरी हुन से कोई लेन-देन नी रखत आय। एकोलाने सामरी बाई न यीसु से क्य्हो, “यू का होवा हैं कि तू यहूदी होका भी मी सामरी ओरत से पानी काहे ख माँगा हैं?”

10 यीसु न जवाब दियो, “अदि तू परमेस्वर को वरदान ख जानती, अर या भी जानती कि उ कोन आय, जो तोसे बोल रयो हैं, मो ख पानी पिला, ते तू ओसे माँगत, अर उ तोखा जिन्दगी को पानी देतो।”

11 ओरत न यीसु से क्य्हो, “अरे प्रभु तोरो जोने पानी भरन ख लाने तो कही भी नी हाय, अऊर कुवा गहिरो हैं; ते फिर उ जिन्दगी पानी को पानी तोरो पास किते से आयो?”

12 का तू हमारो बाप दादा याकूब से भी बडो हैं? जोना हमका यू कुवाँ दियो; अर ओ न खुद अपनी अवलाद हुन, अर अपना दोर बईल हुन समेत येमा से पियो?”

13 यीसु न ओखा जवाब दियो, “जे कोई यू पानी पीहे उ फिर प्यासो होए,

14 पर जो मोरो दियो वालो पानी पीए कोई उ पानी म से पिहेगो जो मी ओखा देऊ, उ फिर अनन्त काल को जीवन लक प्यासो नी रहन को; पर जो पानी मी ओखा देऊ, उ ओमा एक झिरिया सो बन जाहे जे अनन्त जीवन को लाने हमेसा उमंडतो रहेगो।”

15 येपर ओरत न ओसे क्य्हो, “प्रभु, उ पानी मोखा दे ताकि मी प्यासी नी रहन कि अऊर न पानी भरन ख इत्ती दुर आन की।”

16 यीसु न ओसे क्य्हो, “जा तोरो घर को का बुला ख लाजे।”

17 ओरत न जवाब दियो, “मी बिना अदमी कि हैं।” यीसु न ओसे क्य्हो, तुना ठीक ही बोल्यो हैं, मी बिना अदमी कि हैं।

18 काहेकि तूना पाँच अदमी कर लियो हैं, अर जेको जोने तू अबा हैं उ भी तोरो अदमी नी हाय। या तुना सच ही कही हैं।

19 बाई न ओसे क्य्हो, अरे प्रभु, मोखा लगा हैं कि तू कोई भविस्यवक्ता आय।

20 हमारा बाप दादा न याईच पहाड म बिनती करी, अर तुम बोला हैं कि वा जगा जेमा बिनती करनो चाहिए यरूसेलम म हैं।

21 यीसु न ओसे क्य्हो, बाई मोरी बात को भरोसा कर कि उ बखत आवा हैं जब तुम न तो या पहाड म बाप कि बिनती करे, न यरूसेलम म।

22 तुम जेखा नी जाना, ओकी बिनती करा हैं अऊर हम जेखा जाना ओकी भक्ती करा हे; काहेकि उध्दार यहूदी हुन म से हैं।

23 पर उ बखत आवा हैं, वरन आ ही गयो, जेमा सच्चा भक्त बाप कि बिनती आत्मा अर सच्चाई से करे, काहेकि बाप अपनो लाने असा ही सच्ची भक्ति करन वाला ख ढूँढा हैं।

24 काहेकि परमेस्वर आत्मा हैं, “यू जरूरी हैं कि ओकी भक्ति करन वाला आत्मा से अर सच्चाई से बिनती करे।”

25 बाई न ओसे क्य्हो, “मी जानू हैं कि मसी जो परमेस्वर को जन कहलावा हैं, आन वालो हैं; जब उ आएँगो, ते हमका सब बात बता देहे।”

26 यीसु न ओसे क्य्हो, “मी, जो तोसे बोल रयो हैं, मी उई आय।”

27 इत्ता म ओखा चेला आ गया, अर यीसु ख एक ओरत को संग बात हुन करते देख ख सोच म पड़ गया; फिर भी कोई न असो नी बोल्यो, “तुमका का चाहिए?” “तू या बाई से काहे बात कर रयो हैं?”

28 तब वा बाई न अपनो मटका वही छोड़ दियो, अर सहर म जा ख इंसान हुन से बोली,

29 “आव, एक इंसान ख देखो, जोना मोखा उ सब कुछ जो मीना करियो मोखा बता दियो। कही युई तो मसीहा नी आय?”

30 एकोबाद: वी इंसान सहर से निकलिया अर यीसु को जोने आन लग गया।

31 येंको बीच ओ ख चेला हुन न यीसु से असी विनती करी, “गुरू!, कुछ खा ला।”

32 पर ओ ना उनसे कय्हो, “मोरो पास खान ख लाने असो खाना हैं जेका बारे म तुम नी जाना।”

33 तब चेला हुन न आपस म कय्हो, “का कोई ओको लाने कुछ खान ख लायो हैं?”

34 येपर यीसु न उनसे बोल्यो, जेना मोखा भेज्यो हैं ओकी मर्जी को हिसाब से चलू अर ओको काम पुरो करनो, यूइच मोरो खाना आय।

35 “का तुम असा नी बोला की अब कटनी का चार महा रैय गया हैं? पर मी तुम इंसान हुन से कहू हैं देखो, मी तुम से बोलू हैं, अपनी आँखी उठा ख ध्यान से खेत हुन पर नजर घुमाव कि वी कटनी को लाने पक चुक्या हैं।

36 काटन वालो मजदूरी कमाहे अर अनन्त जीवन को लाने फल बटोरा हैं, ताकि बोन वालो अर काटन वालो दोई मिल ख आनन्द करे।

37 काहेकि येमा या कहवत ठीक बैठा हैं: एक बोवा हैं अऊर दुसरो काटा हैं।”

38 मी न तुम ख उ खेत काटन ख लाने भेज्यो हैं, जोमा तुम न मेहनत नी करयो: दुसरा न मेहनत करयो अर तुम उनकी मेहनत को फल म सामिल भया।”

~~~~~

39 वा ओरत न या गवाई दी रहा, ओ ना मोखा उ सबरो, जो मिना करयो, बता दियो हैं। या बात को वजे से उ सहर ख ढेर सारा सामरी हुन न यीसु को ऊपर भरोसा करयो।

40 जब सामरी लोग यीसु को जोने आया, तब उनना हात जोड़ ख विनती करी, तू हमरो गाँव म रूक उ दो रोज वही रूक्यो।

41 ओको वचन को बतानो से अऊर भी बेजा सारा अदमी हुन न भरोसा करयो

42 सामरी इंसान हुन वा ओरत से बोल्यो, “अब हम तोरो बोलन को वजे से भरोसा नी करा। हमना खुद ओको मुंडो से ऐका लियो हैं अऊर हम जान गया कि उ सचमुच म संसार को मुक्तिदाता आय।”

43 फिर वी दो दिन को बाद उ ओमा से निकल ख गलील परदेस ख गयो,

44 काहेकि यीसु न खुद ही गवाई दियो रहा कि अपनो देस म भविष्यवक्ता को सम्मान नी होवा।

45 जब उ गलील परदेस पहुँचियो, तब इंसान हुन न ओको मान सम्मान करयो; काहेकि यीसु न तिहार को दिन हुन म यरूसेलेम म जो कुछ करयो रहा, उ सब गलीली परदेस ख वी रहवासी हुन न देख्यो रहा। तिहार को लाने वी भी वहाँ गया हता।

~~~~~

46 यीसु फिर गलील परदेस को काना सहर म आयो, जिते ओ ना पानी ख अंगूर को रस बनायो रहा। ओमन राज्य को एक सरकारी करम चारी भी हतो, जेको पोरिया कफरनहूम सहर म जुड़ म हतो।

47 जब उ सरकारी करमचारी न सुन्यो कि यीसु यहूदिया परदेस से गलील परदेस ख आ गयो हैं, तब उ उनको जोने आयो। सरकारी करमचारी न ओसे विनती करी कि उ चल ख ओको पोरिया ख चोक्खो कर दे, काहेकि उ मरन पर हतो रहा।

48 यीसु न ओसे कही, “तुम इंसान जब लक चिन्ह अऊर अदभुत नी देखन ख तब लक कुछ भी भरोसा नी करन का।”

49 येपर सरकारी करमचारी न ओसे बोल्यो, “प्रभु! मोरो पोरिया को मरन से पहले आव।”

50 यीसु न जवाब दियो, “जा, तोरो पोरिया जिन्दो हैं।” उ यीसु कि कही बात को ऊपर भरोसा कर ख चल दियो

51 उ रस्ता म हतो कि ओ ख नउकर ओसे आ मिल्या अर ओसे कहन लग्या, “तोरो पोरिया जिन्दो हैं।”

52 ओ ना उनसे पुछ्यो “कि उ कित्ती घड़ी से अच्छो होन लग गयो रहा। कल दिन को एक बजे ओको जुड़ उतर गयो रहा।”

53 तब बाप जान गयो कि ठीक उत्तीच घड़ी यीसु न ओसे कय्हो रहा, “तोरो पोरिया जिन्दो हैं,” अर ओ न अपनो पुरो घर का को संग भरोसा करयो,

54 यु यीसु को दुसरो चमत्कार चिन्ह हतो, जो उनना यहूदिया परदेस से आ ख गलील परदेस म दिखायो।

5

~~~~~

1 ऐको कुछ रोज को बाद यहूदी हुन को एक तिहार भयो, अर यीसु यरूसलेम ख गयो।

2 यरूसलेम म भेड़-फाटक को कने एक कुण्ड हैं जो इब्रानी भासा म बैतहसदा कहलावा हैं; ओखा पाँच ओसरा हैं

3 येमा बेजा सारा बिमार, अंधा, लंगड़ा अर सुखा अंग वाला पानी को हलनो कि आसा म पड़िया रहत रहा।

4 काहेकि सही बखत म परमेस्वर को स्वर्ग दुत कुण्ड म उतर ख पानी ख हलात रह। पानी को हलाते ही जो भी कोई उतरा उ चोक्खो हो जात रह चाहे ओकी कित्तीच बड़ी बिमारी काहे नी होय।

5 ओमा एक अदमी हतो, जो अइतीस बरस से बिमारी म पड़ो हतो।

6 यीसु न ओ ख वहा पड़ो देख ख अर असो जान ख कि उ बेजा दिन से असी दसा म पड़ियो हैं, ओसे पुछो, “का तू चोक्खो होनो चाहवा हैं?”

7 उ बिमार न ओखा जवाब दियो, “अरे प्रभु, मोरो कोइ नी हाय कि जब पानी हलायो जावा, ते मो ख पानी को कुण्ड म उतारे; पर मोरो पहुँचते-पहुँचते दुसरो मोसे पहले उतर जावा हैं।”

8 यीसु न ओसे कय्हो, “उठ, अपनो खटिया उठा अर चल फिर।”

9 उ बिमार अदमी उत्तीच घड़ी चोक्खो हो गयो,

अर अपनो खटिया उठा ख चलन फिरन लग गयो अर उ आराम को दिन हतो।

10 येपर यहूदी हुन न जो अच्छो हो गयो रहा, बोल्यो, “आज आराम करन को दिन हैं अऊर हमरा नेम हुन को यू हिसाब से नी हाय कि तू अपनो खटिया उठायो।”

11 ओ न उनका जवाब दियो, “जोना मोखा अच्छो करो हैं, ओ ना ही मोखा बोल्यो हैं कि, अपनो खटिया उठा, अऊर चल फिर।”

12 बी इंसान हुन न ओसे पुछ्यो, “उ कोन इंसान आय जो न तोसे बोल्यो रहा, ‘अपनो खटिया ख उठा अर चल फिर?’”

13 पर उ बिमार इंसान जो चोक्खो हो गयो रह, नी जानत रह कि उ कोन थो, काहेकि वा जगा म जादा भीड़ हती अऊर यीसु वहा से चुपचाप चल दियो रहा।

14 असी बात हुन को बाद यीसु न उ इंसान ख मन्दिर म देख्यो ओसे कय्हो, “देख, तू अब चोक्खो होय गयो हैं” फिर से पाप मत करजे, असो नी होय कि येसे कोई बड़ो दुख तो पर आ जाहे।

15 अऊर उ अदमी न यहूदी हुन से आ ख बोलयो कि मोखा अच्छो करन वालो यीसु आय।

16 काहेकि यीसु न असो काम आराम \* को दिन करयो रहा। एको लाने यहूदी हुन न यीसु ख सतानो सुरू कर दियो।

17 असो पर यीसु न उनसे कय्हो, “मोरो बाप अब लक काम करा हैं, अर मी भी काम करू हैं।” एकोलाने यहूदी यीसु ख मार डालन को अऊर भी मऊका दुडन लग गया।

18 इ कारन यहूदी अर भी ज्यादा ओको मर डालन को प्रयास करन लगियो काहेकि वी नी सरप एकोलाने कि उ आराम को दिन कि विधि ख टोड रयो हैं, बल्कि उ परमेस्वर ख अपनो बाप भी बोलत रहा। अऊर असो तरीका से अपनो तुम ख परमेस्वर को बराबर भी बतावा हैं।

~~~~~

19 असो पर यीसु न उनसे कय्हो, “मी तुम ख सच्ची-सच्ची कहू हैं,” पोरिया अपनो तुम म कुछ नी कर सका, सिर्फ उ उईच कर सका हैं जो परमेस्वर ख करते देखा हैं; परमेस्वर बाप जो कुछ करा हैं पोरिया भी ऊसीच ही करा हैं।

20 काहेकि परमेस्वर बाप पोरिया से प्रेम करा हैं अर जे-जे उ काम करा हैं ओखा पोरिया ख दिखावा हैं; अऊर उ इन से भी बड़ा-बड़ा काम ओ ख दिखायगो, ताकि तुम हैरानी करे।

21 जसो परमेस्वर बाप मरिया वाला ख उठावा अर जिन्दो करा हैं, वसो ही पोरिया भी जिनका चाहवा हैं उनका जिन्दो करा हैं।

22 बाप कोई को न्याय नी करा, पर न्याय करन को पुरो हक पोरिया ख सोप दियो हैं,

23 कि सब इंसान जसो पिता परमेस्वर को सम्मान करा हैं वसो ही पोरिया कि भी इज्जत करे। जो पोरिया की इज्जत नी करा, उ बाप ख जोना यीसु ख भेजो हैं, सम्मान नी करा।

24 मी तुम से सच्ची-सच्ची कहू हैं, जो मोरो वचन सुन कर मोरो भेजियो वालो पर भरोसा करा हैं, अनन्त जीवन ओको ही हैं; अर ओपर दण्ड या न्याय कि सजा नी होन कि पर उ माऊत से पार होका जीवन म पहुँचा चुकियो हैं।

25 “मी तुम से सच्ची-सच्ची कहू हैं,” कि उ बखत आन वालो हैं, पर आ ही गयो हैं, जोमन मरिया वाला परमेस्वर को पोरिया कि आवाज सुनेगो, अर जे सुनेगो वी जिन्दगी पायगो।

26 काहेकि जो तरीका से बाप अपनो तुम म जीवन रखा हैं, उईच तरीका से ओ ना पोरिया ख भी अधिकार दियो हैं कि अपनो तुम म जीवन रखे;

27 वरन ओखा न्याय करन को भी हक दियो हैं, एकोलाने लाने कि उ इंसान को पोरिया आय।

28 ये से हईब मत होव; काहेकि उ बखत आवा हैं कि जित्ता मरघट म हैं वी ओकी आवाज सुन ख निकल आएँगो।

29 जिन्ना भलाई करी हैं वी उ जीवन को लाने फिर से जनम को लाने जिन्दो उठनो अर जिन्ना बुराई करी हैं वी दण्ड न्याय कि सजा झेलन को लाने जिन्दो उठेगो।

~~~~~

30 “मी अपनो तुम से कुछ नी कर सकू; जसो सुनु हैं, ओकोईच हिसाब से न्याय करू हैं; अर मोरो निर्णय, न्याय को हिसाब से ही होवा हैं, काहेकि मी अपनी मरजी से नी पर जेना मोखा भेज्यो हैं ओकी मरजी पुरी करन की सोचू हैं।”

31 अदि मी अपनी गवाई खुद देहु हैं ते मोरी गवाही कि कोई सच्ची नी हाय।

32 एक अऊर हैं जो मोरी गवाई देवा हैं, अर मी जानु हैं कि मोरी जो गवाई उ देवा हैं, वा सच्ची हैं।

33 तुम अदमी हुन न यूहन्ना से पुछवायो अर ओ न सच्ची कि गवाई दियो हैं।

34 पर मी अपनो बारे म इंसान हुन कि गवाई नी चाहू; तेभी मी या बात ऐखा लाने कहू हैं कि तुम ख उध्दार मिले।

\* 5:16 सब

35 यूहन्ना तो जलतो अर चमकतो जसो दिया हतो। अर तुम ख थोड़ी देर लक ओको उजेला म मगन होनो अच्छो लग्यो।

36 पर मोरो जोने जो गवाई हैं वा यूहन्ना कि गवाई से बड़ी हैं; काहेकि जो काम पिता न मोखा पुरो करन को सोपियो हैं एकोमतलब यू काम जो मी करू हैं। वी मोरा गवाह हैं कि परमेस्वर बाप न मोखा भेजो हैं।

37 अर बाप जोना मोखा भेजो हैं, उईच न मोरी गवाई दियो हैं। तुमना न कभी ओकी आवाज सुनियो, अर न ओको मुंडो देखो हैं;

38 अर उ वचन ख मन म धर ख नी रखा, काहेकि जोना ओखा भेज्यो तुम ओपर भरोसा नी करा।

39 तुम सुध्द सास्र म ढुंढा हैं, काहेकि समझा हैं कि उनमा अनन्त जीवन तुम ख मिला हैं; अर यू उई आय जो मोरी गवाई देवा हैं;

40 फिर भी जीवन पान ख लाने मोरा कने आनो नी चाहवा।

41 मी इंसान हुन से इज्जत नी चाहूँ।

42 पर मी तुमका जानु हैं कि तुम म परमेस्वर को प्रेम नी हाय।

43 मी अपनो बाप परमेस्वर को नाम से आयो हैं, अर तुम न मोखा नी पहिचानियो; अदि कोई अपनो ही नाम से आहे, ते ओ ख पहिचान लेहे।

44 तुम जो एक दुसरा से इज्जत चाहवा हैं अर उ सम्मान जो एक मातर परमेस्वर की तरफ से हैं? नी चाहवा कसो तरीका से भरोसा कर सका हैं?

45 असो मत समझो कि मी बाप को सामे तुम पर आरोप लगाऊ; तुम पर आरोप लगान वालो तो मूसा हैं, जोपर तुमना भरोसा रखो हैं।

46 काहेकि तुम मूसा को भरोसा करता, ते मोरो भी भरोसा करता, एका लाने कि ओ ना मोरो बारे म लिखो हैं।

47 पर अदि तुम ओकी लेख बात हुन पर भरोसा नी करा, ते मोरी बात हुन को कसो भरोसा करे?

## 6

~~~~~

(~~~~~ 14:13-21; ~~~~~ 6:30-44; ~~~~~ 9:10-17)

1 असी बात हुन को बाद यीसु गलील कि झील एकोमतलब तिबिरियास कि झील को पार गयो।

2 अर एक बड़ी भीड़ उनको पिछ्छु चलन लग गई काहेकि इंसानहुन न वी अदभुत निसान ख देख्या रहा, जो यीसु न विमारहुन पर दिखायो रहा।

3 यीसु पहाड़ पर चढ़ियो अऊर अपनो चेलाहुन को संग बठ गयो।

4 यहूदी हुन को फसह को तिहार नजीक म हतो।

5 जब यीसु न अपनी आँख उठा ख एक बड़ी भीड़ ख अपनो पास आते देखो, ते उनना फिलिप्पुस से क्य्हो, “हम इनका खालान को लाने कहाँ से रोटी मोल लेका आहे?”

6 उनना फिलिप्पुस ख परखन को लाने असो बोलयो, काहेकि उ तो जानत ही रह कि उ का करेगों।

7 फिलिप्पुस न ओखा जवाब दियो, “दो सव चाँदी ख सिक्का से भी इत्ती रोटी नी मोल ले सका हैं जेमन से हर एक इंसान ख एक कऊर से थोडो भी जादा मिल सके।”

8 ओखा चेला म से समोन पतरस को भई अन्द्रियास न ओसे क्य्हो,

9 “यहाँ एक छोटो पोरिया हैं को जोने पाँच रोटी अर दो मच्छड़ी हैं; पर इत्ता इन को लाने वी का होए?”

10 यीसु न क्य्हो, “सब इंसान हुन ख बैठाल देव।” वा जगा म ढेर सारी घास हती: तब इंसान जिनमा अदमी हुन कि गिनती लगभग पाँच हजार कि हती, बैठ गया।

11 तब यीसु न रोटी हुन लियो, अर परमेस्वर ख धन्यवाद कर ख बटन वाला इंसान हुन म बाट दियो; अर वसो ही तरीका से मच्छी हुन भी, जिती उनका लगत रहा बाँट दियो।

12 जब सब इंसान हुन न खा का पेट भर लियो, ते यीसु न अपना चेला हुन ख कय्हो, “बचियो वाला टुकड़ा इकट्ठा कर लेव कि कुछ फेक नी जाय।”

13 एकोलाने चेला हुन न उनका बिन लियो, अऊर वी टुकड़ा से बारा टोकनी हुन भर ली, जो इंसान हुन को खान को बाद जुवार की पाँच रोटी हुन से बच गया रहा।

14 तब जो हईव ख चिन्ह यीसु न कर दिखायो ओखा वी इंसान हुन देख ख कहन लग्या, “उ भविष्यवक्ता जो दुनिया म आन वालो हतो रह सच्ची म यूईव आय।”

15 जब यीसु न असो देखियो कि इंसान हुन आ ख ओखा राजा बनान को लाने पकड़नो चाहवा हैं, ते उ अकेलो ही पहाड़ पर फिर चल दियो।

[\[14:22-33\]](#) [\[6:45-52\]](#)

([\[14:22-33\]](#) [\[6:45-52\]](#))

16 जब साम भई, ते ओखा चेला हुन झील को किनार गया,

17 अऊर वी नाव पर बठ ख कफरनहूम सहर कि तरफ झील पार करत रहा। अन्धेरा होन लग गयो रहा अऊर यीसु अवा लक उनको जोने नी पहुँचियो हतो।

18 हवा को मारे झील म लहर उठन लगी।

19 जब वी चलाते-चलाते तीन-चार कोस को करीब निकल गया, ते उन न यीसु ख झील पर चलते अर नाव कि तरफ आते देखो; अर डर गया

20 पर यीसु न उनसे कय्हो, “मी आय; डरो मत।”

21 एकोबाद; वी ओखा नाव पर चढ़ान वाला ही हता कि नाव तुरत ही वा जगह म जा ख पहुँची जहाँ पर वी जात रह हता।

[\[14:22-33\]](#) [\[6:45-52\]](#)

22 जो इंसान झील को वा पार रह गया रहा, उनना दुसरो दिन देख्यो कि वहाँ सिर्फ एक ही नाव हती अर वा भीड़ न जो झील को किनारा म खड़ी हती, असो देखो कि यहाँ एक ख छोड़ अऊर कोई नाव नी हती; अर यीसु अपना चेला हुन को संग उ नाव पर नी चढ़ो हतो, पर ओखा चेला ही गया हता।

23 तब जा ख दुसरी नाव हुन तिबिरियास से वा जगा को नजीक म आई, जेमा उनना प्रभु को धन्यवाद करन को बाद रोटी खाई हती।

24 ऐको लाने जब ओ ना देखो कि येमा न यीसु हैं अऊर न ओ ख चेला हुन, ते वी भी नाव हुन म चढ़ ख यीसु ख ढुढ़ते कफरनहूम पहुँचिया।

[\[14:22-33\]](#) [\[6:45-52\]](#)

25 झील को ओ ना पार जब वी ओसे मिलियो ते कय्हो, “अरे गुरु, तू यहाँ कब आयो?”

26 यीसु न उनका उत्तर दियो, “मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं, तुम मोखा एकोलाने लाने नी ढूँढ़ा हैं कि तुम न निसान देख्यो, पर ऐको लाने की तुम न रोटी खाकर पेट भरीयो रह।

27 नास होन वालो खाना को लाने मेहनत मत करो, पर उ खाना को लाने जो अमर (अनन्त) जीवन तक ठहरो रहवा हैं, जोका इंसान को पोरिया तुम ख देहे; काहेकि बाप ऐकोमतलब परमेस्वर न ओपर मोहर लगायो हैं।”

28 इंसान हुन न ओसे पुछ्यो, “परमेस्वर को काम करन को लाने हम का करे?”

29 यीसु न उनका जुवाब दियो, “परमेस्वर को काम यू हैं कि तुम ओपर, जोका ओ न भेज्यो हैं, भरोसा करो।”

30 तब इंसान हुन न ओसे कय्हो, “फिर तू कोन सो चिन्ह दिखा सका हैं, कि हम ओखा देख ख तोरो ऊपर भरोसा करे? तू कोन सो काम दिखा सका हैं?”

31 हमरा बाप दादा हुन न रेगिस्तान को जंगल म मन्ना खायो; जसो कि सुध्द ग्रंथ म लिखो हैं, ओ ना उनका खान ख लाने, स्वर्ग से रोटी दीयो।”

32 येपर यीसु न उनसे बोलयो, “मी तुमका सच्ची-सच्ची बताऊँ हैं उ मूसा नी आय जेना तुमका खान को लाने स्वर्ग म से रोटी दियो रहा बल्कि यू मोरो परमेस्वर बाप आय जो तुमका स्वर्ग से सच्ची रोटी देवा हैं

33 वा रोटी जेका परमेस्वर बाप देवा हैं वा स्वर्ग से उतरी हैं अऊर संसार ख जीवन देवा हैं।”

34 इंसान हुन न यीसु से कय्हो, “अरे प्रभु, अब हमका वा रोटी दे अऊर हमेसा देते रैजो।”

35 तब यीसु न उनसे बोल्यो, जीवन की रोटी मी आय।, जो जिन्दगी देवा हैं। जो मोरो जोने आवा हैं उ कभी भूको नी रहन को, अर जो मोपर भरोसा करा हैं उ कभी भी प्यासो नी रहन को।

36 मी न तुमका पहले ही कैय दियो हैं कि तुमना मोखा देख लियो हैं, फिर भी तुम मोरो ऊपर भरोसा नी करा। हर एक उ इंसान जेका परमेस्वर बाप न मोखा सोपियो हैं, मोरो जोने आयेंगो।

37 जो कुछ परमेस्वर बाप मोखा देवा हैं उ सब मोरो जोने आहेंगो, अऊर जो कोई मोरो जोने आएँगो ओखा मी कभी नी निकालन को।

38 काहेकि मी अपनी मर्जी से नी, पर अपनो भेजन वालो कि मर्जी पुरी करन को लाने स्वर्ग म से उतरियो हैं;

39 अर मोरो भेजन वालो कि मर्जी या हैं कि जो कुछ ओ ना मोखा दियो हैं, ओमन से मी कुछ नी खुवान को पर ओखा आखरी दिन फिर से जिन्दो करूँ।

40 काहेकि मोरो बाप कि मर्जी या हैं कि जो कोई पोरिया ख देखे अर ओपर भरोसा करे, उ अनन्त जीवन पाहे अर मी ओखा आखरी दिन फिर से जिन्दो करूँगो।

41 एकोलाने लाने यहूदी हुन न यीसु पर बड़बड़ानो सुरू करयो, काहेकि उ कहत रहा, “वा रोटी मी आय जो स्वर्ग से उतरी आय।”

42 अऊर उनना कही, “काहे यु यूसुफ को पोरिया यीसु नी हाय, जेका माय बाप ख हम जाना हैं? ते उ कसो बोला हैं कि मी स्वर्ग से उतरियो हैं?”

43 यीसु न उनका जवाब दियो, “एक दुसरा पर मत बड़बड़ाव

44 कोइ मोरा कने नी आ सका जब लक बाप, जोना मोखा भेज्यो हैं, ओखा खिच नी ले; अऊर मी ओखा आखरी दिन फिर जिन्दो करूँगो।

45 भविष्यवक्ता हुन कि किताब म यु लिखो हैं: ‘वी सब परमेस्वर कि तरफ से सिखाया वाला होए।’ जे कोइ न बाप से सुनो अऊर सिखो हैं, उ मोरो कने आवा हैं।

46 असो नी हाय कि कोइ न बाप ख देख्यो हैं; पर जे परमेस्वर कि ओर से हैं, सिर्फ उईच न बाप ख देख्यो हैं।

47 मी तुम ख सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि जे कोइ भरोसा करा हैं, अनन्त काल को जीवन ओको ही हैं।

48 जीवन की रोटी मी आय।

49 तुम्हारे बापदादा न जंगल म मन्ना खायो अऊर फिर भी वी मर गया।

50 या वा रोटी आय जो स्वर्ग से उतरी हैं ताकि इंसान ओमन से खाय अर नी मरन का।

51 जीवन कि रोटी जे स्वर्ग से उतरी, मी आय। अदि कोई या रोटी म से खाए, ते हमेसा को लाने जिन्दो रहेगो; अर जे रोटी मी दुनिया को जीवन को लाने देऊगो, उ मोरो मांस या सरीर हैं।”

52 येपर यहूदी असो कैय ख एक दुसरा म ऊर्जन लग गया, “यू इंसान कसो हमका अपनो सरीर या मांस खान ख दे सका हैं?”

53 यीसु न उनका कय्हो, “मी तुम ख सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि जब लक तुम इंसान को पोरिया को मांस नी खायगो; अर ओको खून नी पीवन का। तुम्हारे सरीर म जीवन नी।

54 जो मोरो मांस खावा अर मोरो खून पीवा हैं, अनन्त काल को जीवन ओको ही हैं; अऊर मी ओखा आखरी दिन फिर से जिन्दो करूँगो।

55 काहेकि मोरो मांस सही म खान कि चीज हैं, अऊर मोरो खून सही म पीवन की चीज हैं।

56 जे मोरो मांस खावा हैं अऊर मोरो खून पीवा हैं उ मोरो म जड पकड़ ख बनो रहवा हैं, अर मी ओमा।

57 जसो जिन्दो परमेस्वर बाप न मोखा भेज्यो, अर मी परमेस्वर बाप को कारन जिन्दो हैं, वसो ही उ भी जो मोखा खाएगो मोरो कारन उ जिन्दो रहेगो।

58 जो रोटी स्वर्ग म से उतरी ययीच आय, वा रोटी को जसो नी जेका बापदादा न खायो अर मर गयो; जे कोइ या रोटी खाएगो, उ हमेसा अमर जीवन तक जिन्दो रहेगो।”

59 या बात ओ ना कफरनहूम को एक प्रार्थना घर म परचार करते बखत कही रहा।

~~~~~

60 ओखा चेला हुन म से ढेर सारा न असो सुन ख बोल्यो, “था बेजा बड़ी बात हैं; येका कोन सुन सका हैं?”

61 यीसु न अपनो मन म असो जान्यो कि मोरा चेला एक दुसरो पर या बात पर बड़बड़ावा रया हैं, ते उनना उनसे पुछ्यो, “का तुम या बात से परेसान हैं?”

62 अदि तुम इंसान को पोरिया ख जहाँ उ पहले हतो, वहाँ ऊपर जाते देखेगो; ते का होयगो?

63 आत्मा ही हैं जो जीवन देवा हैं, सरीर से कुछ फायदा नी हाय; जो बात मी न तुम से कही हैं वी आत्मा हैं, अर जिन्दगी भी हैं।

64 फिर भी तुम म से कुछ असा हैं जो मोपर भरोसा नी करा।” काहेकि यीसु पहले से ही असो जानत रह कि कोन मोपर भरोसा नी करा अऊर कोन मोखा पकड़वायगो।

65 अर ओ ना क्य्हो, “एको लाने मी न तुम से क्य्हो रहा कि जब लक कोइ ख परमेस्वर बाप कि तरफ से यू वरदान नी दियो जाय तब लक उ मोरो कने नी आ सका।”

~~~~~

66 यूपर ओखा चेला म से ढेर सारा उल्टा फिर गया अऊर ओको बाद ओको संग नी चल्या।

67 एकोबाद यीसु न वी बारा हुन से बोल्यो, “काहे तुम भी चल देनो चाहवा हैं।”

68 समोन पतरस न ओखा जवाब दियो, “अरे प्रभु हम कोन को जोने जाए? अनन्त जीवन कि बात हुन तो तोरो ही जोने हैं।

69 अऊर हम न भरोसा करयो अऊर जान गया हैं कि परमेस्वर को सुध्व जन तुइच ही आय।”

70 यीसु न उनका जुवाब दियो, “काहे मी न तुम बारा ख नी चुनियो? ते भी तुम म से एक जन सैतान हैं।”

71 असो ओ न समोन इस्करियोती को पोरिया यहूदा को बारे म क्य्हो रहा, काहेकि उई जे बारा हुन म से एक थो, ओ ख पकड़वान ख हतो।

7

~~~~~

1 असी बात हुन को बाद यीसु गलील परदेस ख घुमन गयो; काहेकि उ यहूदिया परदेस ख नी जानो चाहत रहा, काहेकि वहाँ ख यहूदी गुरू हुन ओखा मार डालन कि सोचत रहा।

2 यहूदी हुन को झोपड़ी को तिहार नजीक म हतो।

3 एका लाने यीसु ख भई हुन न ओसे क्य्हो, या जगा ख छोड़ दा अऊर यहूदिया ख जा, ताकि तोरो पिच्छ चलन वाला वी चित्र हुन ख देखे जे तू करन वालो हैं।

4 इंसान असो नी लूकावा कि वी कोन सो काम कर रया हैं। जब से तू यू काम कर रयो हैं, पुरी दुनिया ख तोरो बारे म बता।

5 काहेकि यीसु ख भई भी ओपर भरोसा नी करत रह।

6 तब यीसु न उनसे क्य्हो, “मोरो लाने सही बखत अबा लक नी आयो हैं। पर तुम्हारे लाने कोई भी बखत सही हैं।

7 दुनिया तुम से घुस्सा नी कर सका, पर उ मोसे घुस्सा करा हैं काहेकि मी ओको बारे म या गवाई देऊ हैं कि ओखा काम बुरा हैं।

8 तुम तिहार म जाव; मी अभी यू तिहार म नी जाऊ हैं, काहेकि अबा लक मोरो बखत सही बखत पूरो नी आयो हैं।”

9 असो बोल ख यीसु गलील परदेस म ही रैय गयो।

~~~~~

10 पर जब ओखा भई हुन तिहार म चला गया ते उ खुद भी, हालाकी, उ उजागर तो नी पर लुकते-छुपते असो ही चलो गयो रहा।

11 तिहार म यहूदी गुरू हुन यीसु का ढूँढत रहा हता। “उ किते हैं?” उनना पुछ्यो।

12 भीड़ म यीसु को बारे म खुब चाली-चुगली होवत रहा। “उ एक अच्छो अदमी हैं, कुछ इंसान हुन न बोल्यो। नी, दुसरा न बोल्यो, उ इंसान हुन ख बेकूप बनावा हैं।”

13 लेकिन कोई न भी यीसु को बारे म खुल ख बात नी करी काहेकि वी यहूदी अधिकारी हुन से डरत हता।

~~~~~

14 जब यीसु प्रार्थना मन्दिर म गयो अऊर सिक्छा सिखानो सुरू करयो ते यू तिहार करीब आधो खतम हो गयो।

15 यहूदी गुरू हुन बड़ी सोच म पढ़ गया अऊर उनना कय्हो, “यू इंसान कसो जाना हैं जब उ कभी स्कूल नी गयो?”

16 यीसु न जवाब दियो, जो मी सिखऊ हैं उ मोरो खुद को ग्यान नी हाय, बल्कि यू परमेस्वर कि तरफ से आय, जेना मोखा भेज्यो हैं।

17 जे कोइ भी असो करन ख तैयार हैं जो परमेस्वर चाहवा हैं ओखा पता चल जाहे कि मी जो सिखऊ हैं उ परमेस्वर से आवा हैं या नी या मी खुद अपनो अधिकार पा बोलू हैं।

18 जो इंसान अपनो हक पर बोला हैं, वी अपनो लाने बड़ाई हासिल करन की सोच रया हैं। लेकिन उ जो ओको लाने बड़ाई चाहवा हैं जेना ओखा भेज्यो हैं उ सच्चो हैं, अऊर येमा कई भी अधर्म नी हाय।

19 मूसा न तुम ख नेम दियो, का ओ ना नी दियो? तेभी तुम म से कोई नियम को पालन नी करत आय। तुम मोखा मारन की कोसिस काहे कर रया हैं?

20 इंसान हुन न जवाब दियो, “तोरो म भूत की आत्मा हैं! कोन तोखा मार डालनो चाहवा हैं?”

21 यीसु न उनका जवाब दियो, “मी न एक काम करयो, अर तुम सब सोच म पढ़ गया हैं।

22 एको लाने मूसा न तुमका खतना कारान को नियम दियो (असो नी कि उ मूसा कि तरफ से हैं पर बाप दादा से चलते आयो हैं), अर तुम आराम को दिन इंसान को खतना करावा हैं।

23 जब हफ्ता को दिन कोइ पोरिया को खतना करो जावा हैं ताकि मूसा को नेम को कानुन नी दूटे, ते तुम मोसे काहेको लाने घुस्सा करा हैं काहेकि मीना एक इंसान ख आराम करन को दिन पूरी तरीका से अच्छो करियो हैं।

24 मुंडो देख ख न्याय मत करो, पर सच्ची-सच्ची न्याय करो।”

~~~~~

25 तब कुछ यरूसलेम का रहन वाला इंसान हुन न बोल्यो, “का यु उयीच इंसान नी आय जेका यहूदी गुरू हुन मार डालन को लाने कोसिस कर रया हैं?”

26 पर देखो, उ तो खुल्लम खुल्लो बात हुन कर रयो हैं, अऊर कोई ओको खिलाप कुछ नी बोलत आय। का मुखिया हुन न सचमुच म जान लियो हैं कि उ मसी आय?

27 लेकिन जब मसी आहे ते कोई ख पता नी चलन को की उ कहाँ को हैं। अऊर हम सब जाना हैं कि यू इंसान किते से आवा हैं।”

28 जसो कि यीसु न मन्दिर म सिखायो, ओ ना बड़ी जोर कि आवाज से बोल्यो का “तुम सही म मोखा जाना हैं कि मी कहाँ को आय? मी खुद की मर्जी से नी आयो हैं। पर जेना मोखा भेज्यो हैं, उ सच्चो हैं तुम ओखा नी जानत आय,

29 पर मी ओखा जानु हैं, काहेकि मी ओकी तरफ से आयो हैं अऊर उयीच न मोखा भेज्यो हैं।”

30 येपर उनना ओखा पकड़न की कोसिस करी, तेभी कोई न ओपर हात नी डाल्यो काहेकि ओको बखत अवा लक नी आयो रहा

31 फिर भी भीड़ म से ढेर सारा न ओपर भरोसा करियो अऊर कहन लग गया, “जब मसी आहे, ते का उ यू इंसान से बड़ ख चिन्ह करे?”

~~~~~

32 फरीसी हुन न भीड़ ख यीसु को बारे म असी बात हुन ख कहते हुए सुन्यो, एकोलाने उनना अऊर मुखिया पुजारी हुन न ओखा पकड़न को लाने कुछ सिपाई भेज्या।

33 येपर यीसु न कय्हो, “मी थोड़ी देर अऊर तुमरो संग म रहूंगो, अऊर फिर मी ओको जोने चलो जाहूँ जेना मोखा भेज्यो रहा।

34 तुम मोखा ढुबेगो, पर मोखा नी ढुब सकन का; काहेकि तुम वहाँ नी जा सका जिते मी रहूंगो।”

35 येपर यहूदी गुरू हुन न आपस म बोल्यो, “यू किते जान वालो हैं जोकी हम ओखा नी देखन का? का उ वी यूनानी सहर हुन म जाएगो जिते हमारा इंसान हुन रहवा हैं, अऊर यूनानी हुन ख सिखावा हैं?

36 उ कहा हैं कि तुम मोखा ढुबेगो, पर मोखा नी ढुब सकन का, अऊर तुम वहाँ नी जा सका जिते उ होऐ एको का मतलब हैं?”

~~~~~

37 तिहार ख आखरी अऊर सबसे खास दिन यीसु न खड़ो होका बड़ी जोर कि आवाज म बोल्यो, जे कोई भी प्यासो हैं उ मोरो जोने आय, अऊर

38 जे कोई मोपर भरोसा करा हैं ओखा पीनो चाहिए।, जसो कि सुध्द सास्र कहाँ हैं, जिन्दगी देन वाली पानी की धार हुन ओकी तरफ से बहिन लग जाहे।

39 यीसु न यू आत्मा को बारे म बोल्यो रहा, जे इंसान हुन ओपर भरोसा करत रहा उनका मिलन वाली हती। उ बखत लक आत्मा उनखा नी दियो गयो रहा, काहेकि यीसु ख महिमा म नी उठायो गयो रहा।

40 फिर भीड़ म से कोई-कोई इंसान हुन न ओखा असो कहते हुए सुनायो अऊर बोल्यो, “यू इंसान सचमुच म भविस्यवक्ता आय।”

41 दुसरा न कय्हो, “यू मसी आय।”

पर कोइ न कय्हो, “मसी गलील से नी आन को!

42 सुध्द सास्र कहाँ हैं कि मसी राजा दाऊद को गोत से होयगो अऊर बैतलहम सहर म पैदा होयगो, जेमा दाऊद रहत रह?”

43 एकोलाने यीसु की वजे से भीड़ म फुट-फैल पड़ गई रहा।

44 उनमा से कुछ ओखा पकड़नू चाहवत रह, पर कोई न ओखा हात नी लगायो।

~~~~~

45 तब सिपाई लउट ख चल दिया, ते खाँस पुजारी हुन अऊर फरीसी हुन न उनसे पुछ्यो, “तुम ओखा काहे नी लेका आया?”

46 सिपाई हुन न जवाब दियो, “कोइ न भी यू इंसान से कभी असी बात नी करी!”

47 का ओ ना तुमका भी घुमायो हैं? फरीसी हुन न उनसे पुछ्यो।

48 “का तुमना कभी मुखिया हुन या कोई फरीसी ख ओपर भरोसा करते देख्यो हैं?

49 या भीड़ मूसा को नेम ख नी जाना, एकोलाने वी परमेस्वर को सराप म पढ़िया हैं!”

50 फरीसी हुन म से एक नीकुदेमुस थो, उ अदमी जो यीसु ख देखन गयो रहा। उनना दुसरो से बोल्यो,

51 “हमारे नेम को हिसाब से हम इंसान हुन ख उनकी बात सुनन अऊर यू पता लगानो से पहिले ओकी बुराई नी कर सका कि ओ ना का करयो हैं।”

52 उन न ओखा जवाब दियो; “का तू भी गलील को हैं? ढूँढ़ अर देख कि गलील से कोइ भविष्यवक्ता परगट नी होन को।”

53 फिर सब कोइ अपना-अपना घर चल दिया

## 8

~~~~~

1 फिर प्रभु यीसु जैतून पहाड़ पा गयो।

2 सुबेरे का यीसु प्रार्थना मन्दिर म आयो; सब इंसान हुन ओको कने जुड़ गया, अर यीसु बठ ख उनका सिखान लग गयो।

3 तब सासतिरी अर फरीसी एक बाई ख लाया जो छिनाला करते बखत पकड़ा गई रह, अऊर ओखा बीच म खड़ो कर ख यीसु से कही,

4 “अरे प्रभु, या ओरत गलत काम करते बखत पकड़ा गई हैं।

5 नेम कि किताब म मूसा न हमका असी ओरत हुन ख पत्थर हुन से मार डालन को हुकुम दियो हैं। तू या ओरत को बारे म का बोला हैं?”

6 उनना न यीसु ख परखन को लाने असी बात कही, जसो उनका ओपर आरोप लगान को कोई सबूत दुब्दे। यीसु न नीचु बठ ख उँगली से जमीन पर लिखन लग गयो।

7 जब वी ओसे पृच्छत ही रया, ते ओ ना सिधो खड़ो होका उनसे पृच्छो “तुम म से जे सुध्द होए उई पहले ओखा पत्थर मारे।”

8 अऊर उ फिर बठ ख जमीन पा उँगली से लिखन लग गयो।

9 पर वी यू सुन ख बड़ा से लेका छोटा लक, एक-एक कर ख निकल गया, सिरप यीसु अऊर वा ओरत, जो ओको सामने खड़ी हती रैय गई।

10 यीसु न ओकी तरफ देख ख बोल्यो, वी किते गया? का कोई न तो पर सजा नी दी?

11 कोई नी, “प्रभु, ओ ना जुवाब दियो। ठीक हैं, फिर, यीसु न बोल्यो, मी भी तोखा सजा नी देऊ, जा पर अब फिर से पाप मत करजे।”

12 यीसु न फरीसी हुन से फिर बात करी। मी “संसार को उजियारो आय, ओ ना कयो। जो कोई मोरो पिछ्छु चलेगो, ओको जोने जीवन को उजेरो होयगो अऊर उ कभी इंधारो म नी चलन को।”

13 फरीसी हुन न ओसे कही, “तू खुद को बारे म गवाई दे रयो हैं; तोरी गवाई सच्ची नी हाय।”

14 यीसु न उनका जुवाब दियो, “तू खुदकी गवाई खुद दे हैं, तोरी गवाई सच्ची नी हाय।”

15 तुम सरीर को अनुसार न्याय करत हो मी कोई को न्याय नी करत।

16 लेकिन अगर मी असो करन लगयीयो, ते मोरो न्याय सच्ची हैं; काहेकि मी ऐमन अकेलो नी हाय, मोखा भेजन वालो बाप मोरो संग म हैं।

17 तुमरी नेम की किताब म भी लिखो गयो हैं कि जब दो झन गवाई देन ख सामिल होवा हैं, ते वी जो कुछ भी बोला हैं उ सच्ची हैं;

18 एक तो मी अपनो तुम गवाई देऊ हैं, अऊर दुसरी बाप (परमेस्वर पिता) मोरी गवाई देवा हैं जोना मोखा भेजो।

19 उनना ओसे कहयो, “तोरो बाप किते हैं?” यीसु न जवाब दियो, “न तुम मोखा जाना हैं।”

“न मोरो बाप का, अदि मोखा जानता ते मोरो बाप का भी जानता।”

20 यीसु न असी बात कही, जसो कि ओ ना मन्दिर म सिखायो, उ कमरा म जहाँ भण्डार घर जेमा भेट रखी जावत रहा। पर कोई न ओखा नी पकड़ियो, काहेकि ओको बखत अबा लक नी आयो रह।

~~~~~

21 यीसु न फिर उनका कय्हो, “मी जाऊ हैं, अऊर तुम मोखा ढूँढेगो अऊर अपनो पाप म मरेगो; जहाँ मी जाऊ, वहाँ तुम नी आ सका।”

22 ये पर यहूदी हुन न कय्हो, “का उ अपनो तुम का खत्म कर देहे, जो बोला हैं, ‘जहाँ मी जाऊ हैं उते तुम नी आ सका?’”

23 ओ ना उनसे कय्हो, “तुम नीचे का हैं, मी ऊपर को हैं; तुम संसार का हैं, मी दुनिया को नी।

24 एकोलाने मी न तुम से कय्हो कि तुम अपनो पाप म मरेगो, काहेकि अदि तुम भरोसा नी करन का कि मी उईच आय ते अपना पाप म मरेगो।”

25 उनना ओसे कय्हो, “तू कोन आय?” यीसु न उनसे कय्हो, “उईच आय जो सुरू से तुम से कहते आयो हैं।

26 तुमरो बारे म मोखा ढेर सारो कहनेो हैं, अऊर न्याय करनु हैं पर जेना मोखा भेज्यो हैं उ सच्छो हैं; अऊर जे कुछ भी मिना ओसे सुनायो हैं उसी ही दुनिया वाला ख बताऊ हैं।”

27 पर वी यू नी समझीया कि यीसु उनसे परमेस्वर बाप को बारे म बोल रयो हैं।

28 एकोलाने यीसु न कय्हो, “जब तुम इंसान को पोरिया ख ऊँचो पर चढ़ायगो, ते तब यु जान जाहे कि ‘मी उईच आय’ अऊर मी अपनी ओर से कुछ नी कर सकू। पर मी जो कुछ कहूँ हैं वसो ही करूँ हैं जसो परमेस्वर बाप न मोखा सिकायो हैं।

29 जेना मोखा भेज्यो हैं, उ मोरो संग म हैं ओ ना मोखा अकेलो नी छोड़यो; काहेकि मी हमेसा उई करू हैं, जो ओखा अच्छो लगा हैं।”

30 उ जब यू बात कहत ही रहा कि तब ढेर सारा न ओपर भरोसा करियो

~~~~~

31 तब यीसु न वी यहूदी हुन से जिन्ना ओपर भरोसा करियो रह, कय्हो, “अदि तुम मोरो वचन म बनिया रहेगो, ते सच्ची म मोरा चेला कहलाहे।

32 तुम सच्चई का जानेगो, अऊर सत्य तुमका छुड़ा लेहे।”

33 उनना ओखा जवाब दियो, “हम तो अब्राहम कि संतान आय, हम कभी कोई का गुलाम नी रया। फिर तू कसो बोला हैं कि तुम छुट जाएगो?”

34 यीसु न उनका जवाब दियो, “मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि जे कोई पाप करा हैं वी पाप का दास हैं।

35 नउकर हमेसा घर म नी रहवा; पोरिया हमेसा रहवा हैं।

36 एकोलाने अदि पोरिया तुमका छोड़ देहे, ते सच्ची म तुम छुट जाहेगो।

37 मी जानु हैं कि तुम अब्राहम कि संतान आय; फिर भी तुम मोखा मार डालन की ताक म लग्या रहवा हैं, तेभी मोरी कही बात तुमरो मन म समझ नी आत आय।

38 मीना अपनो परमेस्वर बाप को यहाँ जो देख्यो हैं, उईच करूँ हैं तुम इंसान हुन न अपनो बाप से जो सुनायो हैं, उईच करा हैं।”

39 उनना ओखा जवाब दियो, “हमरो बाप तो अब्राहम आय।”

येपर यीसु न उनसे कय्हो, “अदि तुम अब्राहम कि कुल का होता, ते अब्राहम को जसा काम करता।

40 पर तुम तो मोखा, एकोमतलब असो इंसान ख जेना परमेस्वर से सुनी वाली सच्चई तुमका बता दियो, मार डालन को मऊका ढुड़ा हैं। अब्राहम न तो असो नी करियो।

41 तू तो अपनो बाप को जसो काम कर रयो हैं।”

उनना यीसु से कय्हो, “हम गलत काम करनेो से पैदा नी भया। हमरो एक बाप हैं अऊर उ परमेस्वर आय।”

42 यीसु न उनसे बोल्थो, “अदि परमेस्वर तुमरो बाप होतो, ते तुम मोसे प्रेम रखता; काहेकि मी परमेस्वर कि तरफ से निकलियो अऊर इते आयो हैं। मी अपनी मर्जी से नी आयो हैं, मोखा उईच न भेज्यो हैं।

43 तुम मोरी बात काहे नी समझत आय? मतलब यु हैं कि तुम वचन सहन नी कर सका।

44 तुम तो अपनो बाप सैतान से आय अऊर अपनो बाप की इच्छा का पुरी करन कि सोचा हैं। उ तो सुरू से ही हत्यारो हैं उ सच्ची पर खडो नी रह सका, काहेकि ओमन इमानदारी तो हडच नी हाय। जब उ झूठ बोला हैं, ते अपनो स्वभाव ही से बोला हैं; काहेकि उ झूठो हैं अऊर झूठ को बाप हैं।

45 पर मी जो सच बोलू हैं, एकोलाने तुम मोरो भरोसा नी करा।

46 तुम म से कोन मोपर पाप को आरोप लगा सका हैं? अदि मी सच कहूँ हैं, ते तुम मोरो भरोसा काहे नी करा?

47 जो परमेस्वर को हैं, उ परमेस्वर को वचन सुना हैं।; तुम इंसान एकोलाने नी सुना हैं कि तुम परमेस्वर ख नी आय।”

~~~~~

48 असो सुन ख यहूदी अधिकारी हुन न ओसे कय्हो, “का हमरो यु कहेनो ठीक नी हाय कि तू सामरी आय, अर तोमा दुस्टात्मा हैं?”

49 यीसु न जवाब दियो, “मोरो म दुस्टात्मा नी हाय। मी अपनो बाप कि इज्जत करूँ हैं, पर तुम मोरी बेज्जती करा हैं।

50 पर मी अपनी इज्जत नी चाहत आय; पर हाँ, एक हैं जो चाहवा हैं अऊर उईच न्याय करा हैं।

51 मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं: अदि कोई मोरो वचन को पालन करे, ते उ अनन्त काल को जीवन तक मोत का नी देखन-को।”

52 यहूदी धरम गुरू हुन न ओसे कय्हो, “अब हमना पक्को समझ लियो कि तोरो आँग म भूत हैं। अब्राहम, अऊर भविष्यवक्ता भी मर गया हैं; पर तू बोला हैं, ‘अदि कोई मोरो वचन पर चले, ते उ कभी माऊत को स्वाद नी चखन को।’

53 का तू हमारो बाप दादा अब्राहम से भी बड़ ख हैं? उ मर गयो। अऊर भविष्यवक्ता भी मर गया। तू अपनो तुमरो का समझा हैं?”

54 यीसु न जवाब दियो, “अदि मी अपनो तुम ख बड़ो बनाऊँ, ते मोरो बड़ो बननो कुछ काम को नी हाय; पर मोरी बड़ाई करन वालो मोरो बाप परमेस्वर हैं, जेका तुम बोला हैं कि उ तुमारो परमेस्वर आय

55 तुम न तो ओखा नी जानो; पर मी न ओखा जानियो हैं। अदि मी ओखा बोलू हैं कि मी ओखा नी जानू, ते मी तुमारो जसो झूठो ठहरूँ; पर मी ओखा जानू अऊर ओको वचन पर चलू हैं।

56 तुमरो बाप दादा अब्राहम यू जान ख खुस भयो कि उ मोरो दिन देखेगो अऊर उ ओखा देख ख मगन हो गयो।”

57 यहूदी धरम ख गुरू हुन न यीसु से कय्हो, “अबा लक तू पचास साल को नी भयो, फिर भी तुना अब्राहम का देखो हैं?”

58 यीसु न उनसे कय्हो, “मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि एको पहलो की अब्राहम उत्पन्न भयो, मी हतो।”

59 येरप इंसानहुन न यीसु ख मारन को लाने पत्थर उठायो, पर यीसु लुक का मन्दिर से निकल गयो।

## 9

~~~~~

1 जाती बखत यीसु न एक इंसान ख देखो जो जनम से अंधो हतो।

2 ओखा चेला न ओसे पूछो, “अरे गुरू, कोना पाप करियो रह कि यू अंधो पैदा भयो, यू अदमी न या ऐका माय-बाप न?”

3 यीसु न जवाब दियो, “न ते येना पाप करियो रह, न ऐका माय-बाप न; पर यू एकोलाने जनम से अंधो भयो रह कि परमेस्वर को काम ऐमन दिखे।

4 जोना मोखा भेजो हैं, हमका ओको काम दिन ही दिन म करनो जरूरी हैं; वा रात आन वाली हैं जेमा कोई काम नी कर सका।

5 जब लक मी दुनिया म हैं, तब लक मी दुनिया कि ज्योति आय।”

6 असो बोल का यीसु न जमीन पर थूको, अऊर उ थूक से माटी सानी, अऊर वा माटी उ अंधा की आँखी हुन पा लगाया ख।

7 ओसे बोल्यो, “जा, सीलोह को कुण्ड, म धोला” पत्थर को कुण्ड को मतलब “भेजियो वालो हैं।” ओ ना जा ख धोयो, अऊर देखते हुए लउट आयो।

8 तब पड़ोसी अऊर जिन्ना पहले ओखा भीख माँगते देखो रह, बोलन लग्या, “का यु उईच नी आय, जो बट ख भीख माँगते रह?”

9 कुछ अदमी हुन न क्य्हो, “हाँ यू उईच आय,” दुसरा न बोलयो, “नी, पर ओको जसो कोई अऊर हैं।” ओ ना क्य्हो, “मी उईच आय।”

10 तब वी ओसे पुछ्न लग गया, “तोरी आँखी कसी खुल गई?”

11 ओ ना जवाब दियो, “यीसु नाम को एक अदमी न मिट्टी सानी, अऊर मोरी आँखी पर लगाया ख मोसे क्य्हो ‘सीलोह को जोने जा ख धोला,’ अऊर मी गयो अर धोयो अऊर देखन लग गयो।”

12 उनना ओसे पुछो, “उ किते हैं?”

“ओ ना क्य्हो?” “मी नी जानु।”

~~~~~

13 अदमी ओखा जो पहले अंधो हतो, फरीसी हुन को जोने ले गया।

14 जो दिन यीसु न मिट्टी सान ख ओकी आँखी खोलो रहा, उ इतवार को या आराम को दिन हतो।

15 फिर फरीसी हुन न भी ओसे पूछो कि ओकी आँखी कसो तरीका से खुल गई। ओ ना उनसे क्य्हो, “ओ ना मोरो आँखी पर मिट्टी लगायो, फिर मी न धोयो, अऊर अब देखु हैं।”

16 येपर कुछ फरीसी हुन बोलन लग गया, “यू इंसान परमेस्वर कि तरफ से नी हाय, काहेकि उ आराम को दिन या हप्ता को दिन का नी माना।” दुसरा न क्य्हो, “पापी इंसान असा चिन्ह कसा दिखा सका हैं?” तब उनमा फुट पड़ गई।

17 उनना उ अंधो से फिर बोलयो, “जोना तोरी आँखी खोली हैं। तू ओको बारे म का बोला हैं?” ओ ना क्य्हो, “उ भविष्यवक्ता आय।”

18 पर यहूदी हुन का भरोसा नी भयो की उ अंधा हतो अऊर अब देखा हैं, जब तक उनना ओखा, जोकी आँखी खुल गई रह, माय बाप का बुलाय ख ला।

19 उनसे नी पूछो, “का यू तुमरो पोरिया आय, जेखा बारे म तुम बोला हैं कि यू जनम से अंधो पैदा भयो रह? फिर उ अब कसो देखन लग गयो हैं?”

20 ओखा माय बाप न उनका जवाब दियो, “हम तो जाना हैं कि यू हमरो पोरिया आय, अऊर अंधो पैदा भयो रह;

21 पर हम यू नी जानत आय कि अब कसो देखा हैं; अऊर नी यू जानत आय कि कोना ओकी आँखी खोली। यू सियानो हैं, ओको ही से पूछ लेव; यू अपनो बारे म खुद बता देहे।”

22 या बात ओखा माय-बाप न एकोलाने बोली काहेकि वी यहूदी हुन से डरत रह, काहेकि यहूदी हुन एक सलहा का हो गया हता कि अदि कोई बोले कि उ मसी आय, ते प्रार्थना मन्दिर म से निकाल दियो जाय।

23 एकोलाने ओखा माय बाप न बोलयो, “यू सियानो हैं, ओको से ही पूछ लेव।”

24 तब उनना उ इंसान का जो अंधा हतो, दुसरी बार बुलाय ख ओसे बोलयो, “परमेस्वर कि बिनती या इज्जत कर। हम तो जाना हैं की उ अदमी पापी हैं।”

25 ओ ना जवाब दियो, “मी नी जानत आय कि उ पापी आय या नी; मी एक बात जानु हैं कि मी अंधो हतो अऊर अब देखु आय।”

26 उनना ओसे फिर बोलो, “ओ ना तोरो संग का करो? अऊर ओ ना कसो तरीका से तोरी आँखी खोली?”

27 ओ ना उनसे क्य्हो, “मी तो तुम इंसान हुन से बोल चुक्यो, अऊर तुम न नी सुनियो; अब तुम न दुसरी बार काहे सुनन कि सोचा हैं? का तुम भी ओखा चेला बनन कि सोचा हैं?”

28 तब वी ओखा बुरो-भलो बोल ख बोल्यो, “तू ही ओको चेला आय, हम तो मूसा का चेला आय।

29 हम जाना हैं कि परमेस्वर न मूसा से बात करी; पर यू अदमी ख नी जाना कि कहाँ को आय।”

30 ओ ना उनका जवाब दियो, “या तो गजब की बात आय कि तुम नी जाना कि उ कहाँ को आय, तेभी ओ ना मोरी आँखी खोली दी।

31 हम जाना हैं कि परमेस्वर पापी हुन कि नी सुना, पर अदि कोई परमेस्वर को जन होए अऊर ओकी मरजी पर चलत होए, ते उ ओकी सुना हैं।

32 या दुनिया बनी जब से यू सुननो म नी आयो कि कोई न जनम को अंधा की आँखी खोली होए।

33 अदि यू इंसान परमेस्वर कि तरफ से नी होतो, ते कुछ भी नी कर सका।”

34 उनना ओसे बोल्यो, “तू तो बिलकुम पाप से पैदा भयो हैं, तू हमका का सिखावा हैं?” अऊर उनना ओखा बहार निकाल दियो।

**22 22 2222 22**

35 यीसु न सुनो कि उनना ओखा बाहर निकाल दियो हैं, अऊर जब ओसे मुलाकात भई ते क्य्हो, “का तू इंसान को पोरिया पर भरोसा करा हैं?”

36 ओ ना जवाब दियो, “अरे प्रभु! उ कोन आय ओखा बता, कि मी ओपर भरोसा करूँ?”

37 यीसु न ओसे क्य्हो, “तू न ओखा देखो भी हैं, अऊर जो तोरो संग म बात हुन करा हैं उ उईच आय।”

38 ओ ना क्य्हो, “अरे प्रभु, मी भरोसा करूँ हैं।” अर ओसे बिनती या पाय पड़ियो।

39 तब यीसु न क्य्हो, “मी या दुनिया म न्याय को लाने आयो हैं, ताकि जो नी देखा वी देखे, अऊर जो देखा हैं वी अंधा हो जाय”

40 जो फरीसी ओखा संग हता उनना या बात सुन कर ओसे क्य्हो, “का हम भी अंधा हैं?”

41 यीसु न उनसे क्य्हो, “अदि तुम अंधा होता ते पापी नी ठहरता; पर अब बोला आय कि हम देखा हैं, एकोलाने तुमरो पाप बनो रहवा हैं।

## 10

**2222 2222 2222 2222 22 222222**

1 “मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि जे कोई दुवार से भेड़ी हुन को कोटा म भीतर नी जावा, पर कोई दुसरी तरफ से चेंग जावा हैं, उ चोर अऊर डाकू आय।

2 पर जे दुवार से भीतर जावा हैं, उईच भेड़ी हुन का चरान वालो आय।

3 ओको लाने पहरदार फाटक खोल देवा हैं, अऊर भेड़ी हुन ओकी आवाज सुना हैं, अऊर उ अपनी भेड़ी हुन को नाम ले-ले ख बुलावा हैं अर उ बाहर ले जावा हैं।

4 जब उ अपनी सब भेड़ी हुन का निकाल देवा हैं, ते उ उनको आगे-आगे चला हैं, अर भेड़ी उनको पीछे-पीछे चलते जावा हैं, काहेकि वी ओकी आवाज पहिचाना हैं।

5 पर वी पराया को पीछु नी जान कि, पर वी ओसे दुर भगन लग जाहे, काहेकि वी परायो कि आवाज नी पहिचाना।”

6 यीसु न उनसे या कायनी सुनाई, पर वी नी समझीया कि उ उनसे का बोल रयो हैं।

???? ???? ???? ???? ???? ???? ?

7 एकोलाने यीसु न फिर उनसे क्यहो, मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं। भेड़ी हुन को दुवार मी आय।

8 जित्ता मोसे पहले आया, वी सबरा चोर अऊर डाकू आय; पर भेड़ी हुन न ओकी नी सुनी।

9 फाटक मीडच आय अदि कोई मोरो दुवार भीतर जाहे, ते उध्दार का पायगो अऊर भीतर बाहर आनो जानो करेगों अऊर चारा पाएगो।

10 चोर कुछ अऊर काम को लाने नी पर केवल चोरी करन अर नुकसान अऊर खतम करन का आवा हैं; मी एकोलाने आयो कि उनका जीवन मिले, अऊर हमेसा को मिले।

11 अच्छो चरैया मी आय। अच्छो चरैया भेड़ी हुन को लाने अपनी जान दे देवा हैं।

12 मजदूरी म चरान वालो जे न चरैया आय अऊर न भेड़ी हुन को मालिक आय, लाँदिया का आते देख भेड़ी हुन ख छोड़ का भग जावा हैं; अऊर लाँदिया उनका पकड़ा अऊर तितिर-बितर कर देवा हैं।

13 उ एकोलाने भग जावा हैं कि उ मजदूर आय, अर ओखा भेड़ी हुन कि चिन्ता नी।

14 अच्छो चरान वालो मालिक मी आय; मी अपनी भेड़ी हुन का जानु आय, अऊर मोरी भेड़ी हुन मोखा जाना हैं।

15 जसो परमेस्वर बाप मोखा जाना हैं अऊर मी परमेस्वर बाप का जानु आय अऊर मी भेड़ी हुन को लाने अपनी जान देऊ आय।

16 मोरी अऊर भी भेड़ी हुन हैं, जो यू भेड़ी कोठा की नी हाय। मोखा उनको भी लानो जरूरी हैं। वी मोरी आवाज सुने, तब एक ही झुंड होए अऊर एक ही चरैया होए।

17 परमेस्वर बाप मोसे एकोलाने प्रेम करा हैं कि मी अपनी जान देऊ आय कि ओखा फिर ले लेहूँ।

18 कोई मोसे मोरी जान नी ले सका, पर मी ओखा अपनो तुम ही दे देऊ आय। मोखा मोरी जान दे देन को भी अधिकार हैं अऊर फिर ओखा ले-लेन को भी हक: यू आग्या मोरो बाप परमेस्वर से मोखा मिलो हैं।

19 यीसु की या बात हुन को वजे से यहूदी हुन म फिर फुट पड़ गई।

20 उनमा से बेजा सारा बोलन लग्या, “ओमा भूत हैं, अर उ पागल हैं; तुम ओकी काहेको लाने सुना हैं?”

21 दुसरा ईसान हुन बोलत रहा, “यी बात हुन असो ईसान कि नी जेमा भूत होए। का भूत अंधा की आँख खोल सका हैं?”

???? ???? ???? ???? ???? ?

22 यरूसलेम म मन्दिर को बनायो वालो साल (स्थापना) मनायो जात हतो रह; अर टंड को बखत हतो।

23 यीसु मन्दिर म सुलैमान को ओसरा म घुमत रह हतो।

24 तब यहूदी अधिकारी हुन न ओखा आ ख घेर लियो अर पुछियो, “तू हमारो मन का कब लक सोच म रखेगो? अदि तू मसी आय ते हम से सही-सही बोल दा।”

25 यीसु न उनका जवाब दियो, “मी न तुम ख कैय दियो पर तुम भरोसा करत ही नी आय। जो काम मी अपनो बाप परमेस्वर को नाम से करू हैं वीडच ही मोरो बारे म गवाई देवा हैं।

26 पर तुम एकोलाने भरोसा नी करा काहेकि मोरी भेड़ी हुन म से नी आय।

27 मोरी भेड़ी हुन मोरी आवाज सुना हैं; मी उनका जानु आय, अर वी मोरो पिछु-पिछु चला हैं;

28 अर मी उनका हमेसा तक को अनन्त जीवन देऊ आय। वी कभी नास नी होन की, अर कोई उनका मोरो हात से छुड़ा नी सकन को

29 मोरो बाप परमेस्वर जोना उनका मोखा दियो हैं, सब से बड़ो हैं अर कोई उनका परमेस्वर को हात से छुड़ा नी सका।

30 मी अर परमेस्वर बाप एक आय ।”

31 यहूदी हुन न यीसु ख मार डालन को लाने फिर पत्थर उठाया ।

32 येपर यीसु न उनसे कय्हो, “मी न तुमका अपनो बाप परमेस्वर कि तरफ से ढेर सारा अच्छा काम दिखाया हैं; उनमा से कोन सो काम को लाने तुम मोरो ऊपर पत्थर उठा ख मार डालन को लाने होय हैं?”

33 यहूदी हुन न ओखा जवाब दियो, “कोई भलो काम को लाने हम तोरो ऊपर पत्थर नी उठात आय पर परमेस्वर की बदनामी करन को लाने, अऊर एकोलाने कि तू अदमी हो ख अपनो तुम ख परमेस्वर बनावा हैं ।”

34 यीसु न उनका जवाब दियो, “का तुम्हारी नेम को किताब म नी लिखो आय, ‘मीना कय्हो, तुम परमेस्वर आय’?”

35 अदि ओ ना उनका परमेस्वर कय्हो जिनको जोने सुध्द सास्र को वचन पहुँचियो (अर परमेस्वर कि बात गलत नी हो सका),

36 ते जेखा परमेस्वर बाप न सुध्द ठहराय ख संसार म भेजियो हैं, ओसे तुम इंसान हुन यू कसो बोला हैं, तू परमेस्वर की निन्दा करा हैं, एकोलाने कि मी न कय्हो, ‘मी परमेस्वर को पोरिया आय’?”

37 अदि मी अपनो बाप परमेस्वर को काम नी करतो, ते मोरो पर भरोसा मत करो ।

38 पर अदि मी वी काम हुनका करू हैं, ते मोरो भरोसा नी भी करे, पर वी काम को तो भरोसा करो, ताकि तुम जाने अर समझे कि परमेस्वर बाप मोरो म हैं अऊर मी बाप म हैं ।”

39 तब उनना फिर ओखा पकडन को उपाय करयो पर उ उनको हात से निकल गयो ।

40 फिर उ यरदन को ओनो पार वा जगा पर चल दियो, जेमा यूहन्ना पहले बपतिस्मा देत रहा, अर उ वही रहयो ।

41 ढेर सारा इंसान ओको जोने आय ख बोलत रह, “यूहन्ना न तो कोई चिन्ह नी दिखायो, पर जे कुछ यूहन्ना न येको बारे म गवाही दियो रह, वा सब सच्ची हैं”

42 अर ओमा ढेर सारा न यीसु पर भरोसा करो ।

## 11

~~~~~

1 मरियम अर ओकी बहिन मार्था को गाँव बैतनिय्याह को लाजर नाम को एक अदमी बीमार हतो ।

2 या वा वाली मरियम हती जोना प्रभु पर इतर डाल ख ओको पाय हुन ख अपनी बाल चोटी से पोची रह, एको ही भई लाजर बीमार हतो ।

3 एकोलाने ओकी बहिन हुन न यीसु खबर भेजियो, “अरे प्रभु, देख जसो तू प्रेम करत रह, उ बीमार हैं ।”

4 यू सुन ख यीसु न कय्हो, “या बीमारी माऊत कि नी; पर परमेस्वर कि बड़ाई करन को लाने हैं, कि ओको दुवारा परमेस्वर को पोरिया की इज्जत होये ।”

5 यीसु मार्था अर ओकी बहिन अर लाजर से प्रेम रखत रह ।

6 फिर भी जब ओ ना सुनो कि उ बीमार हैं, ते जे जगा पर उ हतो, ओमा दो दिन अऊर ठहर गयो ।

7 एको बाद ओ ना चेला हुन से कय्हो, “आव, अपुन फिर यहूदिया ख जाहें ।”

8 चेला हुन न ओसे कय्हो, “अरे गुरू, अबा बाई तो कुछ रोज पहले यहूदी तोरो ऊँपर पत्थर मारन को लाने होत रह, अऊर का तू फिर भी उते जाय हैं?”

9 यीसु न जवाब दियो, “का दिन का बारा घंटा नी होवा? अदि कोई दिन म चले ते डच नी खावा, काहेकि यू दुनिया को उजियारा देखा हैं ।

10 पर अदि कोई रात म चले ते डच खावा हैं, काहेकि रात म उजेरो नी रहवा हैं ।”

11 ओ ना या बात बोली, अऊर एको बाद उनसे बोलन लग गयो, “हमारो दोस्त लाजर सो गयो हैं, पर मी ओखा जागान ख जाऊ हैं।”

12 तब चेला हुन न यीसु से क्य्हो, “अरे प्रभु, अदि उ सो गयो हैं ते अच्छी हो जाहे।”

13 यीसु न तो ओकी माऊत को बारे म यू बोल्यो रह, पर वी समझीया कि ओ ना नींद से सो जान को बारे म क्य्हो।

14 तब यीसु न उनसे साफ-साफ कह दियो, “लाजर मर गयो हैं;

15 अऊर मी तुमरो वजेसे बेजा खुस हैं कि मी वहाँ नी हतो जेमा तुम भरोसा करे। पर अब आव, अपन ओको जोने चले।”

16 येपर थोमा न जो दिदुमुस कहलावा हैं, अपना चेला हुन से क्य्हो, “आव अपन भी ओको संग मरन का चले।”

~~~~~

17 वहाँ पहुँचनो पर यीसु का यु मालुम भयो कि लाजर ख मरघट म धरिया चार दिन हो चुक्या हैं।

18 बैतनिय्याह यरूसेलेम को कोई दो कोस की दुर पर हतो।

19 बेजा सारा यहूदी मार्था अर मरियम को जोने ओको भई की गति पर सान्ति देन ख लाने आया हता।

20 जब मार्था न यीसु को आन की खबर सुनी ते ओखा देखन का गई, पर मरियम घर म बठी हती रह।

21 मार्था न यीसु से क्य्हो, “अरे प्रभु, तू यहाँ होतो, ते मोरो भई नी मरतो।

22 अर अब भी मी जानु हैं कि जो कुछ तू परमेस्वर से माँगे, परमेस्वर तोखा देहेगो।”

23 यीसु न ओसे क्य्हो, “तोरो भई फिर से जिन्दो होय ख उठे।”

24 मार्था न ओसे क्य्हो, “मी जानु हैं कि आखरी दिन म फिर से जिन्दो उठन को दिन म उ जिन्दो उठेगो।”

25 यीसु न ओसे क्य्हो, “फिर से जिन्दो करन वालो अर जीवन मीइच ही आय जो कोई मोपर भरोसा करा हैं उ अदि मर भी जाहे तेभी जिन्दो होयगो,

26 अर जे कोई जिन्दा हैं अर मोरो ऊपर भरोसा करा हैं, उ कभी नी मरन को। का तू या बात पर भरोसा करा हैं?”

27 ओ ना ओसे क्य्हो, “हाँ प्रभु, मी भरोसा करू हैं कि तू ही परमेस्वर को पोरिया मसी जो संसार म आनवालो हतो।”

~~~~~

28 असी बोल ख वा चल दी, अऊर अपनी बहिन मरियम ख बुलाय ख धीरे से बोली, “प्रभु इतेइच हैं अर तोरो ख बुलावा हैं।”

29 असी सुनते ही वा तुरत उठ ख खड़ी भई अऊर यीसु से मिलन ख ओको जोने गई।

30 यीसु अबा गाँव म नी पहुँचियो रहा पर वई जगह म हतो रह जेमा मार्था न ओखा देख्यो रहा हतो

31 तब जे यहूदी ओको संग दुख को बखत घर म हता अर ओखा सान्ति देत रह हता, यू देख ख कि मरियम तुरत उठ ख बाहर गई हैं असा समझीया कि वा मरघट पर रोवन का जावा हैं, ते ओखा पिछु जान लग गया।

32 जब मरियम वहाँ पहुँची जहाँ यीसु हतो, ते ओखा देखते ही ओको पाय हुन म गीर पड़ी अर बोली, “अरे प्रभु अदि तू यहाँ होतो ते मोरो भई नी मरतो।”

33 जब यीसु न ओखा अर वी यहूदी हुन का जे ओखा संग म आया हता रोते हुए देखयो, ते आत्मा म बेजा उदास अर नराज भयो,

34 अर कय्हो, “तुम न ओखा किते मिट्टी दी हैं?” उन न ओसे कय्हो, “प्रभु, आ अऊर चलका देख ला।”

35 यीसु रोयो।

36 येपर यहूदी हुन बोलन लग गया, “देखो, उ ओसे कित्तो प्रेम करत रहा।”

37 पर उनमा से कुछ न कय्हो, “का यू जोना अंधा की आँख खोली यू भी नी कर सको कि यू इंसान नी मरतो?”

~~~~~

38 यीसु मन म फिर बेजा ही नराज होयका मरघट म आयो। वा एक गुफा हती अर एक पत्थर ओपर धारो हतो।

39 यीसु न कय्हो, “पत्थर बगल करो।” उ मरियो वालो कि बहिन मार्था ओसे कहन लग गई, अरे प्रभु, उ तो अब गधान लग गयो होए।

40 यीसु न ओसे कय्हो, “का मीना तोसे नी कय्हो रह कि अदि तू भरोसा करे, ते परमेस्वर को काम कि महेमा ख देखेगो।”

41 तब उनना उ पत्थर ख हटायो। यीसु न आँखी ऊपर उठायो ख बोल्यो, “अरे परमेस्वर बाप, मी तोरो धन्यवाद करू हैं कि तू न मोरी बिनती सुन लियो हैं,

42 मी जानत रह कि तू हमेसा मोरी सुना हैं, पर जे भीड़ आजू-बाजू खड़ी हैं, उनको लाने मीना यू कय्हो, जसो कि यी भरोसा करे कि तुना मोखा भेजो हैं।”

43 यू बोल ख ओ ना बड़ी जोर से पुकारा, “लाजर, बहार निकल आ!”

44 जो मर गयो रह उ कठरी से हात पाय बंधियो हता वसो निकल आयो, “अर ओको मुंडो अंगोछा से लपटियो हतो। यीसु न उनसे कय्हो, ओखा खोल देव अर येखा जान देव।”

~~~~~

(~~~~~ 26:1-5; ~~~~~ 14:1,2; ~~~~~ 22:1,2)

45 तब जो यहूदी हुन मरियम को जोने आया हता अर जिन न ओको यू काम देखो हतो, उनमा से डेर सारा न ओपर भरोसा करो।

46 पर उनमा से कुछ फरीसी हुन न ओको जोने जा ख बतायो कि यीसु न का करयो हैं।

47 येपर मेन पुजारी हुन अर फरीसी हुन न बड़ी सभा जोडयो, अर कय्हो, “हम का कर रया हैं? यू इंसान तो बेजा चिन्ह दिखावा हैं।

48 अदि हम ओखा असो करते ही रहन देहे, ते सब ओपर भरोसा करन लग जाहे अर रोमी आ ख हमरी जगह अर जात दोई पर हक जमा लेहे।”

49 तब उनमा से काइफा नाम को एक अदमी न जो उ बखत म मेन पुजारी हतो, उनसे कय्हो, “तुम कुछ भी नी जाना।

50 अऊर न यू समझत आय कि तुम्हारो लाने यू भलो हैं कि हमरा इंसान को लाने एक इंसान मरे, अर सब जात नास नी होन कि।”

51 या बात ओ ना अपनी तरफ से नी बोल्यो, पर उ साल को मेन पुजारी होयका भविष्यवानी करी, कि यीसु सब जात को लाने मरेगो;

52 अऊर न सिर्फ यहूदी जात को लाने, वरन एकोलाने भी कि परमेस्वर कि सब तितिर बितर संतान हुन का एक कर देहे।

53 उई दिन से वी यीसु ख मार डालन को मऊका ढुढन लग गया।

54 एकोलाने यीसु उ बखत से यहूदी हुन म उजागर नी फिरो पर वहाँ से जंगल को जोने वालो परदेस को इफ्राईम नाम को एक सहर म चल दियो; अर अपना चेला हुन को संग ओमा ही रहन लग्यो।

55 यहूदी हुन को फसह को तिहार जोने हतो रह, अर डेर सारा इंसान फसह से पहले दिहात से यरूसलेम का गया रहा कि अपनो तुम ख सुध्द या पाक करे।

56 एको बाद वी यीसु का ढूँढन लग्या अऊर मन्दिर म खडो हो का एक दुसरा से बोलन लग्या, “तुमरो का विचार हैं? का उ तिहार म नी आन को?”

57 मेन पुजारी हुन अऊर फरीसी हुन न यू आदेस दियो हतो रह, कि अदि कोई यू जाने कि यीसु किते हैं ते बताव काहेकि कि वी ओखा पकड़ सके।

12

22222 22 2222 2222 22 2222 22222222

(222222 26:6-13; 222222 14:3-9)

1 यीसु फसह को तिहार को छे दिन पहले बैतनिय्याह म आयो जहाँ लाजर हतो, जेखा यीसु न मरो म से जिन्दो करियो रह।

2 उते उन न यीसु को लाने खाना बनायो; अर मार्था सेवा करत रह, अर लाजर ओमा से एक हतो जो ओको संग खाना खान को लाने बठियो हतो।

3 तब मरियम न जटामासी को सबसे मेंहगो सुध इतर लेका यीसु को पाय हुन पा डालो, अर अपनी बाल चोटी से ओको पाय हुन का पोची; अर इतर को मेहकनो से या गंधानो से घर मेहकन लग गयो।

4 पर ओखा चेला म से यहूदा इस्करियोती नाम को एक चेला जे ओखा पकड़ान पर हतो, कहन लगो,

5 “यू इतर तीन सव चाँदी का सिक्का म बेच ख पैसा गरीब इंसान हुन म काहेनी बाँटिया गयो?”

6 ओ ना या बात एकोलाने नी बोलो की ओखा गरीब हुन कि चिन्ता हती पर एकोलाने कि उ चोर हतो, अर ओको जोने पैसा की थैली रहत रह अर ओमा जो कुछ डालो जात रह, उ निकाल लेत रह।

7 यीसु न बोलो, “ऐका छोड़ देव। ऐका यू काम मोरो गाडो जान को दिन को लाने करन देव।

8 काहेकि गरीब हुन तो तुमरो संग म हमेसा रहवा हैं, पर मी तुमरो संग हमेसा नी रहन को।”

22222 22 22222222 22222222 22 22222 2 22222 222222

9 जब यहूदी हुन कि बड़ी भीड़ जान गई कि यीसु वहाँ आयो हैं, ते वी न केवल यीसु को वजेसे आया पर एकोलाने भी कि लाजर का देखे, जेका यीसु न मुर्दा म से जिन्दो करियो रह,

10 तब मेन पुजारी हुन न लाजर का भी मार डालन की कोसीस करी।

11 काहेकि ओको वजेसे डेर सारा यहूदी चला गया अर यीसु पर भरोसा करो।

22222222 2 222 22 22222 2222

(222222 21:1-11; 222222 11:1-11; 22222 19:28-40)

12 दुसरो दिन, डेर सारा इंसान हुन न जो तिहार म आया हता असो सुनो कि यीसु यरूसेलेम म आ रयो हैं।

13 एकोलाने उन ना खजूर कि डगियान हुन लियो अर “ओकी महेमा करन को लाने निकलिया, अर आवाज देन लग्या, होसाना धन्य हैं इस्राएल को राजा, जो प्रभु को नाम से आवा हैं।”

14 जब यीसु का गदही को एक बच्चा मिलो; ते उ ओपर बठ गयो, जसो ग्रंथ म लिखो हैं,

15 “अरे सिय्योन सहर,

मत डरा; देख,

तोरो राजा गदही को बच्छा पर बठ ख आवा हैं।”

16 यीसु का चेला हुन या बात पहले नी समझीया हता, पर जब यीसु कि महिमा परगट भई ते उनका याद आयी कि या बात ओको बारे म लिखी हती रह अर इंसान हुन न ओसे आसो तरीका से व्यवहार करो रह।

17 तब भीड़ का वी अदमी हुन न गवाई दियो, जे वा बखत ओको संग म हता जब ओ ना लाजर का मरघट म से बुला ख मरो म से जिन्दो करो रह

18 एको लाने अदमी हुन ओसे मीलन को लाने आया हता काहेकि उन न सुनो हतो रह कि यीसु यू बडो चिन्ह दिखायो हैं।

19 यू सब देख ख फरीसी हुन न आपस म बोल्यो, देख रया हैं न, “तुम से कुछ नी बन सका। देखो, दुनिया ओको पिछ्छु होते जावा हैं।”

~~~~~

20 जे अदमी उ तिहार म बिनती करन आया रह ओमन से कुछ यूनानी हता

21 उन ना गलील को बैतसैदा को रहन वालो फिलिप्पुस को जोने आय ख ओसे पूछ्यो, “अरे गुरु जी हम यीसु प्रभु से मिलनु चाहवा हैं।”

22 फिलिप्पुस न आय ख अन्द्रियास से कय्हो; ओको बाद अन्द्रियास अर फिलिप्पुस न यीसु से कय्हो

23 येपर यीसु न उनसे कय्हो, “उ बखत आ गयो हैं, कि इंसान को पोरिया की महिमा होए।

24 मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि जब तक गहूँ को दाना जमीन म रैय ख सड नी जावा तब लक उ अकेलो रहवा हैं; पर जब अदि उ सड जावा हैं, ते डेर सारो फर लावा हैं।

25 जे अपनी जान का बेजा प्रेम करा हैं उ ओखा नास कर देवा हैं; अर जे यू दुनिया म अपनी जान का ज्यादा प्रेम नी करा हैं, उ अनन्त जीवन को लाने ओ ख बचाहे।

26 अदि कोई मोरी सेवा करे, ते मोरो पिछ्छु आन लग जाय; अर जीते मी रहूँ हैं, ओमा मोरो सेवक मी रहेगो। अदि कोई मोरी सेवा करे ते मोरो परमेस्वर बाप भी ओकी इज्जत करेगो।

~~~~~

27 “अब मोरी जान घबरावा है। का मी असो कहूँ, बाप या घडी की मुसीबत से मोखा बचा? काहेकि मी एको कारन या घडी का पहुँचो हैं।

28 अरे बाप, अपनो नाम कि महेमा कर।” उत्तीच बखत स्वर्ग से असी आवाज सुनाई पडी, “मी न अपनो नाम की बडाई करी हैं अर फिर ओकी मी करूँगो।”

29 तब जे अदमी आजू-बाजू खडा होका सुनत रह हता उन ना कय्हो, कि बादल गरजो। कुछ न बोल्यो, “कोई स्वर्ग दूत ओसे कुछ बोलयो।”

30 येपर यीसु न कय्हो, “यू सव्व मोरो लाने नी, पर तुमरो लाने आयो हैं।

31 अब या दुनिया को न्याय होवा हैं, अब यू दुनिया को मुखिया नीकाल दियो जाहेगो;

32 अऊर मी, जब जमीन पर से ऊँचो पर लटकायो जाऊँगो, ते सब इंसान हुन का अपनो पास खीचूँगो।”

33 असो बोल ख ओ ना यू परगट कर दियो कि उ कसी माऊत से मरे।

34 येपर अदमी हुन न ओसे कय्हो, “नेम हमका असो ग्यान देवा हैं कि मसी हमेसा रहेगो, फिर तू काहे बोला हैं कि इंसान को पोरिया का ऊँचो पर लटकायो जानो जरुरी हैं? यू इंसान को पोरिया कान आय?”

35 येपर यीसु न उनसे कय्हो, “ज्योति अब थोड़ी देर तक तुम्हारो बीच म हैं। जब लक ज्योति तुम्हारो संग हैं तब लक चलते ही चलते रहनु कही असो नी होय की अंधेरा तुमका घेर ले; जे अंधेरा म चला हैं उ नी जाना की किते जावा हैं।

36 जब लक ज्योति तुमरो संग म हैं, ज्योति पर भरोसा करो ताकि ज्योति की संतान बने।” यीसु यू बोल ख चल दियो अऊर उनकी आँखी से लुप्त हो गयो।

~~~~~

37 फिर भी यीसु न उनको सामे इत्ता चिन्ह दिखाया, तेभी उनना यीसु पर भरोसा नी करो;

38 यू जरूरी होनो थो कि ताकि यसायाह भविष्यवक्ता को वचन पूरा होय जे, ओ ना कय्हो: “अरे प्रभु, हमारी अच्छी बात पर को कोना भरोसा करियो?

अर प्रभु को हात की ताकत कोपर परघट भयो हैं?”

39 एको लाने वी भरोसा नी कर सक्या, काहेकि यसायाह न यू भी कियो हैं:

40 “परमेस्वर न उनकी आँखी ख अंधो कर दियो हैं,  
अऊर उनकी अकल बंद कर दी हैं परमेस्वर न बोल्थो:

कही असो नी होय कि वी आँखी से देखे,  
अर मन से समझे,  
अर मोरी तरफ लउटे आहे,  
अर मी उनका अच्छो कर देहु।”

41 यसायाह न यू एकोलाने बतायो रहा कि उनना खुद यीसु कि महेमा देखी रहा, अर ओ ना उनको बारे म असो कही रहा।

42 तेभी अधिकारी हुन म से बेजा सारा न यीसु पर भरोसा करियो, पर वी फरीसी हुन को कारन उजागर म नी मानत रह हता, कभी असो नी होय की वी प्रार्थना मन्दिर म से निकाल जाए:

43 उनका परमेस्वर की महेमा करने से बड़ ख ईसान कि इज्जत करने ऐसे ज्यादा प्यारो लगत रह।

~~~~~

44 यीसु न जोर से कही, “जे मोरो ऊपर भरोसा रखा हैं, उ मोरो ऊपर नी पर जेना मोखा भेज्यो हैं ओको ऊपर भरोसा करा हैं।

45 अर जे मोखा देखा हैं, उ ओखा देखा हैं जेना मोखा पहुँचियो हैं।

46 मी दुनिया म ज्योति सरीको बन ख आयो हैं, ताकि जे कोई मोपर भरोसा करे उ अन्धेरा म नी रहन को।

47 अदि कोई मोरी बात सुन कर नी माना, ते मी ओखा न्याय या दोसी नी ठहराऊ; काहेकि मी दुनिया ख दोसी ठहरान को लाने नी, पर दुनिया को उध्दार करन को लाने आयो हैं।

48 जे मोखा फालतु समझा हैं अर मोरी बात ख मननो से मना करा हैं ओखा दोसी ठहरान वालो तो एक हैं: एकोमतलब जे वचन मी न कय्हो हैं, उई पिछे आन वालो दिन म ओखा दोसी ठहरायगो।

49 काहेकि मीना अपनी तरफ से कुछ बात नी करी; पर बाप जेना मोखा भेजो हैं ओ ना ही मोखा आदेस दियो हैं कि का कहनो हैं अर का बोलनू हैं?

50 अर मी जानू हैं कि ओको आदेस अनन्त काल को जीवन हैं। एकोलाने जे कुछ मी बोलू हैं उ जसो मोरो बाप परमेस्वर न मोसे कही हैं वसो ही कहू हैं।”

13

~~~~~

1 फसह को तिहार से पहले को दिन हतो, जब यीसु न जान लियो कि मोरी वा घड़ी आ गई हैं कि दुनिया छोड़ख बाप को जोने जाऊ, ते अपना ईसानहुन से जे दुनिया म हता जसो प्रेम उ रखत रह हतो, आखरी तक वसो ही प्रेम रखते रयो।

2 यीसु अपना चेला हुन को संग खाना खात रहा ते। भूत समोन इस्करियोती को पोरिया यहूदा को मन म यीसु ख पकड़ान को विचार डाल चुक्यो रहा।

3 यीसु न, यू जान लियो कि परमेस्वर बाप न सब कुछ मोरो हात म कर दियो हैं अर यू की यीसु परमेस्वर को जोने से आयो हैं अर परमेस्वर को जोने जा रयो हैं,

4 एकोलाने उ खाना पर से उठ ख अपना ऊपर का कपड़ा ऊतार दियो, अर अंगोछा लेका अपनी कम्मर बाँधी।

5 तब कोपर म पानी बरखा चेला को पाय धोन अर जो अंगोछा से ओकी कम्मर बंधी हती ओसे ही पोछन लग गयो।

6 जब उ समोन पतरस को पास म आयो, तब पतरस न ओसे कही, “अरे प्रभु, का तू मोरा पाय हुन धोवा हैं?”

7 यीसु न ओखा जवाब दियो, “जो मी कहूँ हैं, तू ओखा अभी नी जाना, पर एको बाद समझेगो।”

8 पतरस न ओसे कही, “तू मोरा पाय कभी नी धो पान को!”

यू सुन कर यीसु न ओसे क्य्हो, “अदि मी तोरा पाय का नी धोन को, ते मोरो संग तोरो हमेसा को कुछ भी नाता नी रहन को।”

9 येपर समोन पतरस न ओसे क्य्हो, “अरे प्रभु, ते मोरा पाय ही नी, पर मोरा हात अर आँग भी धो दा।”

10 यीसु न ओसे क्य्हो, “जोना आँग धो लियो हैं ओखा पाय को अलावा अर कुछ धोन कि जरूरत नी हाय, पर उ बिलकुल सुध्द हैं; अर तुम सुध्द हैं, पर सब का सब नी।”

11 उ तो अपनो पकडवान वालो का जानत रह हतो एकोलाने ओ ना क्य्हो, “तुम सब का सब सुध्द नी हाय।”

12 जब यीसु उन सबको पाय धो चुक्यो, तब उ अपना कपड़ा पहिन का फिर बठ गयो, अऊर उनसे कहन लग गयो, “का तू समझीया की मीना तुमरो संग का करो?”

13 तुम मोखा गुरू अर प्रभु बोला हैं, अऊर ठीक ही बोला हैं, काहेकि मी उईच आय।”

14 अदि मी न प्रभु अर गुरू होका तुमरो पाय धोयो, ते तुमका भी एक दुसरो को पाय धोन जरूर धोनो चाहिए।

15 काहेकि मी न तुमका नमूना दिखा दियो हैं कि जसो मी न तुमरो संग करो हैं, तुम भी वसो ही करते रहनु।

16 मी तुम से सच्ची सच्ची कहूँ हैं, सेवक (दास) अपनो मालीक या प्रभु से बडो नी हाय, अर न भेज्यो वालो अपनो भेजन वालो से।

17 तुम या बात हुन जाना हैं, अर अदि उन पर चले ते अच्छा या धन्य हैं।

18 मी तुम सब को बारे म नी कहूँ हैं; जिनका मी न चुनियो हैं, उनका मी जानु हैं; पर यू एको लाने हैं कि सुध्द सास्र को यू वचन पूरो होय, जो मोरी रोटी खावा हैं, ओ ना मोरो ऊपर लात उठाई हैं।

19 अब मी ओको होनू से पहले तुमका जाता देऊ हैं कि जब यू हो जाहे ते तुम भरोसा करे की मी ऊईच आय।

20 मी तुम से सच्ची सच्ची कहूँ हैं की जे मोरो भेज्यो वालो ख अपनावा हैं; अर जे मोखा अपनावा हैं।

*~~~~~*

*(~~~~~ 26:20-25; ~~~~~ 14:17-21; ~~~~~ 22:21-23)*

21 या बात बोल ख यीसु मन म नाराज भयो अर या गवाई दियो, मी तुम से सच्ची सच्ची कहूँ हैं कि तुम मा से एक मोखा पकडवाएगो।

22 चेला हुन ओको कहनु से, कि उ कोन को बारे म बोला हैं, एक दुसरो की तरफ देखन लग गया।

23 ओखा चेला हुन म से एक जसो यीसु प्रेम रखत रह हतो यीसु को सीना की तरफ झुक का बठो हतो रह।

24 समोन पतरस न ओकी तरफ इसारा कर ख ओसे पुछ्यो, “पूछ तो उ कोन को बारे म बोला हैं?”

25 तब ओ ना वसो ही यीसु की छाती की तरफ झुक का ओसे पूछ्यो, “अरे प्रभु, उ कोन आय?”

26 यीसु न जवाब दियो, “जेखा मी या रोटी को टुकड़ा डुबा ख देऊ ऊईच आय।” अर ओ ना टुकड़ा डुबा ख समोन इस्करियोती को पोरिया यहूदा का दियो।

27 टुकड़ा लेते ही भूत ओमा समा गयो। तब यीसु न ओसे क्य्हो, “जो तू करा हैं, तुरत कर।”

28 पर बठन वाला म से कोई न नी जानो ओ ना या बात ओसे काय को लाने कही।

29 यहूदा को जोने धैली रहत रह हती, एकोलाने कोई कोई न समझो की यीसु ओसे बोल रयो हैं कि जे कुछ हमका तीहार को लाने लेनू हैं ओखा मोल लेव, यु एको लाने कि कंगाल हुन का कुछ देहे।

30 एको बाद उ टुकड़ा लेका बहार चल दियो; अर यू रात को बखत हतो रह।

~~~~~

31 जब उ बहार चल दियो ते यीसु न कही, “अब इंसान को पोरिया की बड़ाई भई हैं, अर परमेस्वर की बड़ाई ओमा भई हैं;

32 अदि ओमा परमेस्वर की बड़ाई भई हैं, ते परमेस्वर भी अपनो म ओकी बड़ाई करेगों अर तुरत करेगों।

33 अरे पोरिया हुन, मी अऊर थोड़ी देर ख तुमरो कने हैं; फिर तुम मोखा ढूँढेगो, अर जसो मी न यहूदी हुन से क्य्हो, जीते मी जाऊ हैं वहाँ तुम नी आ सका, वसो ही मी अब तुम से भी कहूँ हैं।

34 मी तुम ख एक नयो आग्या देऊ हैं कि एक दुसरा से प्रेम रखनू; जसो मी न तुम से प्रेम रखो हैं, वसो ही तुम भी एक दुसरा से प्रेम रखनू।

35 अदि आपस म प्रेम रखेगो, ते आसे से सब जाने की तुम मोरा चेला हैं।”

~~~~~

(~~~~~ 26:31-35; ~~~~~ 14:27-31; ~~~~~ 22:31-34)

36 समोन पतरस न ओसे क्य्हो, “अरे प्रभु, तू किते जावा है?” यीसु न जवाब दियो, “जीते मी जाऊ हैं वहाँ तू अबा मोरो पीछु आ नी सकन को: पर एको बाद मोरो पीछु आएँगो।”

37 पतरस न ओसे क्य्हो, “अरे प्रभु, आबा मी तोरो पीछु काहे नी आ सकन को? मी तो तोरो खातिर अपनी जान भी दे देऊगो।”

38 यीसु न जवाब दियो, “का तू मोरो खातिर अपनी जान देहे? मी तोसे सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि मुर्गा बाँग नी देन को जब लक तू तीन बार मोरो इनकार कर लेन को।”

## 14

~~~~~

1 “तुमरो मन ख नराज मत करो; परमेस्वर पर भरोसा रखो अर मोरो ऊपर भी भरोसा रखो।

2 मोरो बाप को घर म ढेर सारी रहन की जगह हैं, अदि नी होती ते मी तुम से कह देतो; काहेकि मी तुमरो लाने जगह तैयार करन जाऊ हैं।

3 अर अदि मी जा ख तुमरो लाने जगह तैयार करूँ, ते फिर आ ख तुमका अपनो यहाँ लेका जाऊँगो कि जीते मी रहु ओमा तुम भी रहो।

4 जीते मी जाऊ हैं तुम उते को रस्ता जाना हैं।”

5 थोमा न ओसे क्य्हो, “अरे प्रभु, हम नी जाना की तू किते जावा हैं; ते रस्ता कसा जाने?”

6 यीसु न ओसे कही, “मार्ग अऊर सही अऊर जीवन मीइच ही आय; बिना मोरो दुवारा कोई परमेस्वर बाप को पास नी पहुँच सका।

7 अदि तुम न मोखा जानो होतो, ते मोरो बाप परमेस्वर का भी जानता; अर अब ओखा जाना हैं, अर ओखा देखो भी हैं।”

8 फिलिप्पुस न ओखा देखो, “अरे प्रभु, परमेस्वर बाप का हम का दिखा दा, यूइच हमरो लाने बेजा हैं।”

9 यीसु न ओसे कही, अरे फिलिप्पुस, मी इत्तो दिन से तुमरो संग म हैं, अर का तू मोखा नी जाना? जोना मोखा देखो हैं ओ ना परमेस्वर बाप ख देखो हैं। तू काहे बोला हैं कि परमेस्वर बाप ख हमका दिखा?

10 का तू भरोसा नी करा कि मी परमेस्वर बाप म हैं अर परमेस्वर बाप मोरो म हैं? या बात हुन जो मी तोसे कहूँ हैं, अपनी तरफ से नी कहत आय, पर परमेस्वर बाप मोरो म रह ख अपनो काम करा हैं।

11 मोरी या बात को भरोसा करो कि मी परमेस्वर बाप म हैं अर परमेस्वर बाप मोरो म हैं; नी ते वी काम हुन को ही वजेसे मोरो भरोसा करो।

12 मी तुम से सच्ची-सच्ची कहूँ हैं कि जे मोरो ऊपर भरोसा रखा हैं, यी काम जे मी करूँ हैं उ भी खुद करेगों, वरन ऐसे भी बड़ा काम करेगों, काहेकि मी परमेस्वर बाप को पास जाऊ हैं।

13 जे कुछ तुम मोरो नाम से माँगेगो, मी ओखा पुरो करूँगो कि जसो पोरिया को दुवारा परमेस्वर बाप की महिमा परघट होय।

14 अदि तुम मोसे मोरो नाम से कुछ माँगेगो, ते मी ओखा पुरो करूँगो।

~~~~~

15 “अदि तुम मोसे प्रेम करत होए, ते मोरा आग्या ख मानेगो।

16 मी परमेस्वर बाप से विनती करूँगो, अर उ तुमका एक अऊर मदत करन वालो देहेगो कि उ हमेसा तुमरो संग म रहे।”

17 एको मतलब सच को आत्मा, जेखा दुनिया नी अपना सका, काहेकि वी न ओखा देखा हैं अऊर न ओखा जाना हैं; तुम ओखा जाना हैं, काहेकि उ तुमरो संग म रहवा हैं, अर उ तुम म होयगो।

18 “मी तुम ख अनाथ नी छोड़न को; मी तुमरो पास आऊ हैं।

19 अऊर थोड़ी देर अऊर बच गई हैं कि फिर दुनिया मोखा नी देखन को, पर तुम मोखा देखेगो; एकोलाने कि मी जिन्दो हैं, तुम भी जिन्दा रहेगो।

20 उ दिन तुम समझेगो की मी अपनो बाप परमेस्वर म हैं, अर तुम मो म अर मी तुम म।”

21 “जेको पास मोरो आग्या हैं अर उ उनका माना हैं, उईच मोसे प्रेम करा हैं; अर जे मोसे प्रेम रखा हैं ओसे मोरो परमेस्वर बाप प्रेम रखेगो, अर मी ओसे प्रेम रखूँगो अर अपनो तुम ख ओपर परघट करूँगो।”

22 उ यहूदा न जो इस्करियोती नी हतो, ओसे कही, “अरे प्रभु, का भयो कि तू अपनो तुम ख हम पा परघट करनु चाहवा हैं अर दुनिया पर नी?”

23 यीसु न ओखा जवाब दियो, “अदि कोई मोसे प्रेम रखेगो ते उ मोरो वचन ख मानेगो, अर मोरो बाप परमेस्वर ओसे प्रेम रखेगो, अर हम ओको पास आएँगो अर ओको संग रहेगो।

24 जे मोसे प्रेम नी रखा, उ मोरा वचन नी माना; अर जे वचन तुम सुनते रहवा हैं उ मोरो नी पर परमेस्वर बाप को हैं, जोना मोखा भेजो।”

25 “या बात मी न तुमरो संग म रहते बखत तुम से कही हैं

26 पर तुमारी मदत करन वालो एको मतलब सुध्द आत्मा जोका परमेस्वर बाप मोरो नाम से भेजेगो, उ तुमका सबरी बात हुन सिखाएगो अर जे कुछ मी न तुम से क्यहो हैं, उ सब तुमका याद दिलायगो।”

27 मी तुमका सान्ति देका जाऊ हैं, मोरी सान्ति तुमका देऊ हैं; जसी दुनिया देवा हैं, मी तुमका नी देऊ: तुमरो मन नाराज नी होय अर मत डरनू।

28 तुम न सुनो की मी न तुम से क्यहो, मी जाऊ हैं, अर तुमरो कने फिर आऊगो। अदि तुम मोसे प्रेम रखता, ते या बात से खुस होता कि मी परमेस्वर बाप को कने जाऊ हैं, काहेकि परमेस्वर बाप मोरो से बड़ो हैं।

29 अर मी न एको होनो से पहले तुम से कैय दियो हैं, कि जब उ हो जाए, ते तुम भरोसा करे।

30 मी अब तुमरो संग जादा बात हुन नी करन को, काहेकि या दुनिया को मुखिया आवा हैं। मोरो ऊपर ओको कुछ हक नी हाय;

31 पर यु एकोलाने होवा हैं कि दुनिया जाने कि मी परमेस्वर बाप से प्रेम करूँ हैं, अर जसो परमेस्वर बाप न मोखा हुकुम दियो हैं मी वसो ही करूँ हैं। उठो, येमा से चले।

## 15

~~~~~

1 “मी सच्ची की फर फरन वाली डगियान आय, अर मोरो बाप किरसान आय।

2 जो डगियान मोरो म हैं अर फर नी फरा, ओखा उ काट देवा हैं; अर जेमा फर लगा हैं ओखा उ छाँटा हैं काहेकि अऊर फरे।

3 तुम तो उ वचन को वजेसे जे मी न तुम से क्यहो हैं, सुध हैं।

4 तुम मोरो म बनिया रहनु, अर मी तुम म। जसी डगियान अदि झाड की डगियान म लगी नी रहन की ते अपनो तुम म नी फर सका, वसो ही तुम भी अदि मोरो म बनिया नी रहन का ते नी फल फर सका।”

5 मी सही फर फरन वाली डगियान आय: अर तुम ओकी डाली हुन आय। जो मोरो संग म बनिया रहवा हैं अर मी ओमा, उ ढेर सारो फर फरा हैं, काहेकि मोसे अलग होका तुम कुछ भी नी कर सका।

6 अदि कोई मोरो म बनीयो नी रहन को, ते उ डगियान को जसो फेक दियो जावा, अर सुख जावा हैं; अर इंसान उनका बीन ख आग म डाल देवा हैं, अर बी पानी जावा हैं।

7 अदि तुम मोरो म बनिया रहे अर मोरो वचन तुम म बनो रहे, ते जे भी कुछ माँगे अर उ तुमारो लाने हो जाएगो।

8 मोरो परमेस्वर बाप की बड़ाई ऐसे होवा हैं की तुम ढेर सारो फल लाव, तब जा ख तुम मोरा चेला ठहरे।

9 जसो परमेस्वर बाप न मोसे प्रेम रखो, वसो ही मी न तुम से प्रेम रखो; मोरो प्रेम म बनिया रव।

10 अदि तुम मोरो आग्या हुन का मानेगो, ते मोरो प्रेम म बनिया रहेगो जसो की मी न अपनो बाप को आग्या हुन का मानो हैं, अर ओको प्रेम म बनीयो रहू हैं।

11 मी न या बात तुम से एकोलाने नी बोलो हैं, कि मोरी खुसी तुम म बनी रहे, अर तुमारी खुसी पुरी हो जाहे।

12 मोरो आग्या यू हैं, कि जसो मी न तुम से प्रेम रखो, वसो ही तुम भी एक दुसरा से प्रेम रखनू।

13 ऐसे बड़ो प्रेम कोई को नी हाय कि कोई अपना दोस्त को लाने अपनी जान दे।

14 जो हुकुम मी तुमका देऊ हैं, अदि तुम ओखा माने ते तुम मोरा दोस्त आय।

15 आज से मी तुमका दास नी कहन को, काहेकि दास नी जाना कि ओको स्वामी या प्रभु का करा हैं; पर मी न तुमका दोस्त क्यहो हैं, काहेकि मी न जो बात हुन अपनो बाप से सुनी, बी सब तुमका बता दियो।

16 तुम न मोखा नी चुनियो पर मी न तुमका चुनो हैं अर तुमका ठहरायो कि तुम जाका फल लाव अर तुमरो फल बनो रहे, कि तुम मोरो नाम से जे कुछ परमेस्वर बाप से माँगे, उ तुमका दे।

17 या बात को हुकुम मी तुमका एकोलाने देऊ हैं कि तुम एक दुसरा से प्रेम रखे।

REPEATED

18 “अदि दुनिया तुम से बैर रखा हैं, ते तुम जाना हैं कि ओ ना तुम से पहले मोसे बैर रखो।

19 अदि तुम दुनिया का होता, ते दुनिया तुम ख अपनो समझ ख प्रेम करतो; पर तुम दुनिया का नी हाय, पर मी न तुमका दुनिया म से चुनियो लियो हैं, एको लाने दुनिया तुम से बैर रखा हैं।

20 जो बात मी न तुम से कही रह, ‘दास अपनो प्रभु से बड़ो नी होवा,’ ओखा याद रखनू। अदि उन ना मोखा सतायो, ते तुमका भी सताएँगो; अदि उन न मोरी बात मानी, ते तुम्हारी भी मानेगो।

21 पर यू सब कुछ बी मोरो नाम को लाने तुमारो संग करेगों, काहेकि बी मोखा भेजन वालो का नी जाना।”

22 अदि मी नी आतो अर उनसे बात हुन नी करतो, ते बी पापी नी ठहरता; पर अब तो उन न उनको पाप को लाने कोई बहाना नी।

23 जो मोरो से बैर रखा हैं, उ मोरो बाप से भी बैर रखा हैं।

24 अदि मी उनमा बी काम नी करतो जो अऊर कोई न नी करो, ते बी पापी नी ठहरता; पर अब तो उन न मोखा अर मोरो बाप परमेस्वर दोई का देखो अर दोई से बैर करो।

25 यू एकोलाने भयो कि उ वचन पूरा होय, जे उनको नेम को किताब म लिखो हैं, उन न मोसे फालतु म बैर करो।

26 पर जब उ मदत करन वालो आएँगो, जेखा मी तुमरो पास परमेस्वर बाप कि तरफ से भेजूगो, एकोमतलब सच्चई को आत्मा परमेस्वर बाप कि तरफ से निकला हैं, ते उ मोरी गवाई देहेगो;

27 अर तुम भी मोरा गवाह हैं काहेकि तुम सुरू से मोरो संग रया हैं।

16

1 या बात हुन मी न तुम से एकोलाने कही, कि तुम टोकर नी खान का।

2 वी तुमका प्रार्थना करन को मन्दिर म से निकाल देगो, इतोइच नी पर उ बखत आवा हैं, कि जे कोई तुमका मार डालेगो उ समझेगो कि मी परमेस्वर कि सेवा करूँ हैं।

3 असो वी एकोलाने करेगों कि उनना न तो परमेस्वर बाप ख जानो हैं अर न मोखा जाना हैं।

4 पर या बात मी न एकोलाने तुम से कही, कि जब इनको बखत आहे ते तुमका याद आ जाहे कि मी न तुम से इनको बारे पहले ही कह दियो रह।

~~~~~

मी न सुरू म तुम से या बात हुन एकोलाने नी कही काहेकि मी तुमरो संग हतो।

5 पर अब मी मोखा भेजन वालो को जोने जाऊ हैं; अर तुम म से कोई मोसे यू नी पूछा, कि तू किते जावा हैं?

6 पर मी न जो या बात हुन तुम से कही हैं, एकोलाने तुमरो मन दुख से भर गयो हैं।

7 तेभी मी तुम से सच्ची कहूँ हैं कि मोरो जानो तुमरो लाने उचीत हैं, काहेकि अदि मी नी जाऊ ते उ मदत करन वालो तुमरो जोने नी आन को; पर अदि मी जाऊँगो, ते ओखा तुमरो जोने भेजूगो।

8 जब उ आएँगो, ते आका दुनिया ख पाप अर धार्मिकता अर न्याय को बारे म संसार ख निरुत्तर करेगों।

9 पाप को बारे म एकोलाने कि वी मोरो पर भरोसा नी करा;

10 अर धार्मिकता को बारे म एकोलाने कि मी परमेस्वर बाप को जोने जाऊ हैं, अर तुम मोखा फिर नी देखन का;

11 न्याय को बारे म एकोलाने कि दुनिया को मुखिया अरोपी ठहरायो गयो हैं।

12 “मोखा तुम से अऊर भी ढेर सारी बात कहनु हैं, पर अब तुम उनका नी सैय सका।

13 पर जब उ एकोमतलब सत्य को आत्मा आएँगो, ते तुमका सब सत को रस्ता बतायगो, काहेकि उ अपनी तरफ से नी कहन को पर जे कुछ सुनेगो उईच कहेगो, अर आन वाली बात हुन तुमका बताएगो।

14 उ मोरी बड़ाई करेगों, काहेकि उ मोरी बात म से लेका तुमका बताएगो।

15 जे कुछ परमेस्वर बाप को हैं, उ सब मोरो हैं; एकोलाने मी न कय्हो कि उ मोरी बात हुन म से लेका तुमका बताएगो।

~~~~~

16 “थोड़ी देर म तुम मोखा नी देखन ख, अर फिर थोड़ी देर म मोखा देखेगो।”

17 तब ओखा कुछ चेला हुन न एक दुसरा से बोल्या, “यू का हैं जे उ हम से बोला हैं, थोड़ी देर म तुम मोखा नी देखन का, अर फिर थोड़ी देर म मोखा देखेगो?” अर यू एकोलाने कि मी परमेस्वर बाप को जोने जाऊ हैं?”

18 तब उनना कय्हो, “यू ‘थोड़ी देर’ जाऊ बोला हैं, का बात आय? हम नी जाना कि उ का बोला हैं।”

19 यीसु न यू जानका कि वी मोसे पूछनो चाहवा हैं, उनसे कय्हो, “का तुम एक दुसरा म मोरी या बात को बारे म पूछा पिछु करा हैं, थोड़ी देर म तुम मोखा नी देखन का, अर फिर थोड़ी देर म मोखा देखेगो?”

20 मी तुम से सच्ची सच्ची कहूँ हैं कि तुम रोएगो अर पछताएगो, पर दुनिया खुसी मनाएगो; तुम ख चिन्ता होएगो, पर तुमरो दुख खुसी म बदल जाएगो।

21 बालबच्चा पैदा होन की घड़ी ओरत का दुख होवा हैं, काहेकि ओकी दुख की घड़ी आ जावा हैं, पर जब वा अवलाद का जनम दे देवा हैं, ते या खुसी से कि दुनिया म एक अवलाद पैदा भयो हैं, उ दुख का फिर याद नी करा।

22 वसो ही तरीका से तुम सब अबा दुख म हैं, पर मी तुम ख फिर से देखुगो अर तुमरो मन खुसी से भर जाएगो; अर तुमरी खुसी कोई तुम से छीन नी सकन को।

23 उ दिन तुम मोसे कुछ नी पूछेगो। मी तुम से सच्ची सच्ची कहूँ हैं, अदि परमेस्वर बाप से कुछ मागे, ते उ मोरो नाम से तुमका देहेगो।

24 अबा तक तुम न मोरो नाम से कुछ नी माँगियो हैं; माँगो, ते पायगो ताकि तुम्हारी खुसी पुरी हो जाए।

~~~~~

25 “मी न या बात तुम से उदाहरन म कही हैं, पर उ बखत आवा हैं कि मी तुम से फिर उदाहरन म नी कहन को, पर खोलका तुमका परमेस्वर बाप को बारे म बताऊँगो।

26 उ दिन तुम मोरो नाम से माँगेगो; अर मी तुम से असो नी कहत आय कि मी तुम्हारे लाने परमेस्वर बाप से विनती करूँगो;

27 काहेकि परमेस्वर तो अपनो तुम ही तुम से प्रेम रखा हैं, एकोलाने कि तुम न मोसे रखो हैं अर यू भी भरोसा करो हैं कि मी परमेस्वर बाप की तरफ से आयो।

28 मी परमेस्वर बाप कि ओर से दुनिया म आयो हैं; मी फिर दुनिया का छोडका परमेस्वर बाप को जोने जाऊ हैं।”

29 ओखा चेला हुन न कय्हो, “देख, अब तो तू खोल ख बोला हैं, अर कोई उदाहरन नी बोला।

30 अब हम जान गया हैं कि तू सब कुछ जाना हैं, अर ऐकी जरूरत नी कि कोई तो से कुछ पूछे; येसे हम भरोसा करा हैं कि तू परमेस्वर कि तरफ से आयो हैं।”

31 असो सुन ख यीसु न उनसे कय्हो, “का तुम अब भरोसा करा हैं?

32 देखो उ बखत आवा हैं वरन आ पहुँचयो हैं कि तुम सब तीतीर-बितर हो ख अपनो-अपनो रस्ता लेहे, अर मोखा अकेलो छोड देहे; तेभी मी अकेलो नी काहेकि परमेस्वर बाप मोरो संग म हैं।

33 मी न या बात हुन तुम से एकोलाने कही हैं कि तुमका मोरो म सान्ति मिले। दुनिया म तुमका दुख होवा हैं, पर हिम्मत बाँधी, मी न दुनिया ख जीत लियो हैं।”

## 17

~~~~~

1 यीसु न या बात कही अर अपनी आँखी बदल या स्वर्ग कि तरफ उठा ख कय्हो, “बाप, वा घड़ी आ गई हैं; अपनो पोरिया कि महिमा कर कि पोरिया भी तोरी महिमा करे।”

2 काहेकि तुना ओखा सबरा ईसान हुन पर हक दियो हैं, कि जिनका तुना ओखा दियो हैं वी सबका उ अनन्त काल को जीवन देहे।

3 अर अनन्त काल को जीवन यू हैं कि वी तू अकेलो मातर सच्चो परमेस्वर ख अर प्रभु यीसु मसी ख, जेका तुना भेजो हैं, जाने।

4 जे काम तुना मोखा करन का दियो रह, ओखा पुरो कर ख मीना दुनिया म तोरी महिमा करी हैं।

5 अब तु, बाप, अपनो संग म मोरी महिमा वा महिमा से कर जे दुनिया बनानो से पहले, मोरी तोरो संग म हती।

~~~~~

6 “मीना तोरो नाम वी ईसान हुन पर परघट करयो हैं जिनका तूना दुनिया म से मोखा दियो। वी तोरा हता अर तुना उनका मोखा दियो, अर विन्ना तोरो वचन ख मान लियो हैं।

7 अब वी समझ गया हैं कि जे कुछ तुना मोखा दियो हैं उ सब तोरी तरफ से हैं;

8 काहेकि जे वचन तुना मोखा दियो, मीना उनका पहुँचा दियो; अर उनना उनका अपना लियो, अर सच्ची-सच्ची जान लियो हैं कि मी तोरी तरफ से आयो हैं, अर भरोसा कर लियो हैं कि तू न ही मोखा सच्ची म भेज्यो हैं।”

9 मी उनको लाने भी विनती करूँ हैं; दुनिया को लाने विनती नी करूँ पर उनको ही लाने जिनका तू न मोखा दियो हैं काहेकि वी तोरा हैं;

10 अर जो कुछ मोरो हैं उ सब तोरो हैं, अर जे तोरो हैं उ मोरो हैं, अर ऐसे मोरी महिमा परगट भई हैं।

11 मी अब दुनिया म नी रहन को, पर यी दुनिया म रहेगो, अर मी तोरो कने आऊ हैं। अरे सुध्द बाप, अपना उ नाम से जे तू न मोखा दियो हैं, उनकी देख भाल कर कि जसा अपुन एक हैं वी अपना समान एक रहे।

12 जब लक मी उनको संग म रयो, ते मीना तोरो उ नाम से, जे तुना मोखा दियो हैं मीना उनकी देख भाल करी की, नास करन वालो को पोरिया ख छोड़ उनमा से कोई नास नी भया, एकोलाने कि सुध्द सास्र म जे कय्हो गयो उ पूरो होय।

13 अब मी तोरो कने आऊ हैं, अर यी बात हुन दुनिया म कहूँ हैं, कि वी मोरी खुसी अपना म पुरी पायो।

14 मीना तोरो वचन उनका सुना दियो हैं; अर दुनिया न उनसे बैर करियो, काहेकि जसो मी दुनिया को नी, वसा ही वी भी दुनिया का नी हाय।

15 मी असी विनती नी करूँ कि तू उन ख दुनिया म से उठा ला; पर या कि तू उनका बुराई से बचा ख रख।

16 जसो मी दुनिया को नी हाँय, वसा ही वी भी दुनिया ख नी हाँय।

17 तू सत्य को दुवारा उनका सुध्द कर: तोरो वचन सत्य हैं।

18 जसो तू न मोखा दुनिया म भेजो, वसो ही मी न भी उनका दुनिया म भेज्यो;

19 अर उनको लाने मी अपना तुम ख सोउप देऊ हैं, ताकि वी भी सही को दुवारा सोउप दिया जाय।

### 20 21 22 23 24 25 26

20 मी सिर्फ इनको लाने विनती नी करूँ, पर उनको लाने भी जे इनको वचन को वजेसे मोरो ऊपर भरोसा करे।

21 कि वी सब एक होय; जसो तू बाप मोरो म हैं, अर मी तोरो म हैं, वसा ही वी भी हम म एक होय, जे से पुरी दुनिया भरोसा करे कि तुना ही मोखा भेज्यो हैं।

22 वा महिमा जे तूना मोखा दी मी न भी उनका दे दी हैं, कि वी वसा ही एक होय जसा कि अपुन एक हैं,

23 मी उन म अर तू मोरो म जसो कि वी पुरो तरीका से नेक बन ख एक हो जाय, अर दुनिया यू जान लेहे कि तुना ही मोखा भेज्यो हैं, अर जसो तरीका से तुना मोसे प्रेम रखियो हैं, उसी ही तरीका से ओ ना भी प्रेम रखियो।

24 परमेस्वर बाप! मी चाहूँ हैं कि जिनका तुना मोखा दियो हैं, वी जीते मी हैं मोरो संग रहे, जसो वी मोरी वा महिमा का देखे जे तुना मोखा दी हैं, काहेकि तूना दुनिया बनानो से पहले मोसे प्रेम रखो हैं।

25 “अरे धर्मी परमेस्वर बाप, दुनिया न मोखा नी जानो, पर मी न तोखा जानयो; अर वी जान गया कि तुना मोखा भेज्यो हैं।

26 मीना उनका तोरो नाम बतायो हैं अऊर बताते रहूंगो, जसो तुना जो प्रेम मोखा दियो, उ प्रेम उनमा बनो रहे अऊर मी भी ओमन बनो रहूँ।”

## 18

???? ?? ?????????? ??????

([00000000](#) 26:47-56; [00000000](#) 14:43-50; [00000000](#) 22:47-53)

1 यीसु या बात बोल ख अपना चेला को संग किद्रोन नाला को पार गयो। वहाँ एक बगीचा हतो, जेमा उ अर ओखा चेला गया।

<sup>2</sup>ओखा पकड़वाने वालो यहूदा भी वा जगा जानत रह, काहेकि यीसु अपना चेला हुन को संग वहाँ जाते रहत रह।

3 तब यहूदा, सिपाई हुन को एक दल का अर मेन पुजारी हुन अर फरीसी हुन की तरफ से पैदल चलन वाला ख लेका दिया वालो टेमा अर धंधरी हन अर हथियार लट्टा ख लेखा वहाँ आया।

4 तब यीसु वी सब बात ख जे ओपर आन वाली हती जान ख, निकलो अर उनसे कय्हो, “कोखा ढूँढा हैं?”

<sup>5</sup> उनना ओखा जवाब दियो, “यीसु नासरी ख”। यीसु न उनसे कह्यो, “मी आय।” ओखा पकड़वान वालो यहदा भी उनको संग म खडो हतो।

6 जब यीसु न उनसे बोल्यो, ओको यू बोलते ही, “मी आय,” वी पीछु हट ख जमीन पा गीर पड़या।

<sup>7</sup> तब यीसु न फिर उनसे पृच्छो, “तुम कोखा ढूँढा है।” वी बोल्या, “यीसु नासरी ख।”

8 येषर यीसु न जुवाब दियो, “मीना तो तुम से कैय दियो हैं कि मी उइच आय, अदि तुम मोखा ढूँढा हैं, ते इनका जान देव।”

<sup>9</sup>यू एकोलाने भयो कि यीसु की कही बात पूरो हो जाय: “जिनका तुना मोखा सोपियो, उनमा से मीना एक का भी नास नी होन दियो।”

<sup>10</sup> तब समोन पतरस को जोने एक तलवार हती, ओ ना तरवाल खीची अर बड़ो पुजारी को नउकर पर घमा ख ओको जेवनो वालो कान काट डाल्यो। उ सेवक को नाम मलखस हतो।

11 तब यीसु न पतरस से कह्यो, “अपनी तलवार म्यान म धर ला। जे कटोरा परमेस्वर बाप न मोखा दियो हैं, का मी ओखा नी पीऊ?”

???? ? ? ? ? ?

12 तब सिपाई हुन अर उनका सरदार अर यहूदी हुन ख पैदल चलन वाला न यीसु का पकड़ ख बाँध लियो ।

<sup>13</sup> अर वी पहले ओखा पकड़ ख हत्ता को जोने ले गया, काहेकि हत्ता उ साल को मेन पुजारी काइफा को ससुर हतो।

14 यू उई काइफा हतो, जेना यहूदी नेता हुन ख सलाह दियो थो कि सब इंसान हुन को लाने एक इंसान को मरन अच्छो हैं।

???? ?? ?????

([\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 26:69,70](#); [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 14:66-68](#); [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 22:55-57](#))

<sup>15</sup> समोन पतरस अर एक दुसरो चेला भी यीसु को पिछ्छु-पिछ्छु चल दियो। यू चेला मेन पुजारी को जानो पहिचानो हतो, एकोलाने उ यीसु को संग मेन पुजारी को आँगन म घस गयो।

16 पर पतरस बाहर दरवाजा पर ही खड़ो रैय गयो। तब उ दुसरो चेला जो बड़ो पुजारी को जानो पहिचानो हतो, बाहर निकलो अर द्वार पालिन से बोल ख पतरस ख भीतर ले आयो।

<sup>17</sup> ऐपर वा दासी न जे दुवार पालिन हती, पतरस से कही, “कही तू भी यू इंसान को चेला म से तो नी आय?” पतरस न कही, “नी, मी नी आय।”

18 नउकर अर पैदल चलन वाला सिपाई ठण्डी को कारन आँगी जला ख खड़ा हो ख आँग तापत रह, अर पतरस भी उनको संग खड़ो हो ख आँग तापत रह हतो

???????? ?? ???? ?? ???? ??

([26:59-66](#); [14:55-64](#); [22:66-71](#))

19 तब मेन पुजारी न यीसु से ओखा चेला को बारे म अर ओको ग्यान को बारे म पुछियो ।

20 यीसु न ओखा जवाब दियो, “मीना हमेसा दुनिया म इंसान हुन से खुल का बात करी हैं। हमेसा मीना प्रार्थना घर अर मन्दिर म, जेमा सब यहूदी हुन एक जुट होत रह, ग्यान सिखायो हैं मीना कई भी लूका ख कुछ नी बोल्यो हैं।

21 फिर तू मोसे काहे पूछा हैं? मीना का बोल्यो हैं उनसे पूछ जिनको जोने मीना कही हैं। मीना का कही, हकीगत वी जाना हैं।”

22 जब ओ ना असो कही, ते मन्दिर को एक पैरा देन वालो सिपाई न, जो वही खडो थो, यीसु का एक चाटा मारयो अऊर बोल्यो, “तुना महा याजक का असो बोलन कि हिम्मत कसो करी?”

23 यीसु न ओखा जवाब दियो, “अदि मी न कुछ बुरो कही हैं, ते वा बुराई को बारे म गवाई दे अऊर बता कि ओमा बुराई का है, पर अदि मीना भलो कही हैं, ते तू मोखा काहे मारा हैं?”

24 फिर हन्ना न ओखा बंधियो-बाँधियो ही काइफा महा याजक कैफा को जोने भेज दियो।

~~~~~

(~~~~~ 26:71-75; ~~~~~ 14:69-72; ~~~~~ 22:58-62)

25 जब समोन पतरस खडो हो ख आँग तापत रह। ते ओसे पुछो गयो, “कही तू भी ओको चेला म से तो एक नी आय?” ओ ना इंकार कर ख कही, “नी मी नी आय।”

26 बडो पुजारी को दास हुन म से एक, जो ओको कुटुम्ब म से हतो जेको कान पतरस न काट डाल्यो रह, बोलो, “का मीना तोखा ओको संग बगीचा म नी देखो रह?”

27 ऐपर पतरस न एक बार फिर इंकार कर दियो, अर तुरत मुर्गा न बाँस दियो।

~~~~~

(~~~~~ 27:1,2,11-14; ~~~~~ 15:1-5; ~~~~~ 23:1-5)

28 तब वी यीसु का काइफा को घर से रोमी किला म ले गया, सुबेरो को बखत हतो। यहूदी हुन किला म नी जानो चाहत रहा की कई असुध्द नी हो जाय अऊर फसह को खाना नी खवा जाय।

29 तब पिलातुस उनको जोने बाहर निकल आयो अर बोल्यो, “तुम यू अदमी पर कोन सी बात को आरोप लगावा हैं?”

30 उनना ओखा जवाब दियो, “अदि यू बुरो काम करन वालो नी होतो ते हम ऐका तोखा नी सोउपता।”

31 येपर पिलातुस न उनसे कही, “ऐका तुम लेका जाव अर अपनो नेम को अनुसार ओको न्याय करो।” यहूदी हुन न ओसे क्य्हो, “हमका हक नी हाय कि कोई कि जान लेहे।”

32 यू एकोलाने भयो कि यीसु कि वा बात पूरो होय जे ओ ना या बात करती बखत कही रह कि ओकी माऊत कसी होए।

33 तब पिलातुस फिर किला को भीतर गयो, अर यीसु ख बुला ख ओसे पुछियो, “का तू यहूदी हुन को राजा आय?”

34 यीसु न जवाब दियो, “का तू या बात खुद की तरफ से बोला हैं या दुसरा न मोरो बारे म तोसे यू कहन का कही हैं?”

35 पिलातुस न जवाब दियो, “का तू सोचा हैं कि मी यहूदी आय? तोरी ही जात अर सब बडा पुजारी हुन न तोखा मोरो हात सोपियो हैं। तुना का करयो हैं?”

36 यीसु न जवाब दियो, “मोरो राज यू संसार को नी; अदि मोरो राज्य यू संसार को होतो, ते मोरी सेवक मोखा यहूदी हुन को हवाले सोपियो जानो से बचान को लाने लडई करता पर हकीगत म मोरो राज्य यहाँ को नी।”

37 येपर पिलातुस न ओसे कही, “ते का तू राजा आय?” यीसु न जवाब दियो, “तू बोला हैं कि मी राजा आय। मी न एकोलाने जनम लियो हैं अर एकोलाने ही मी दुनिया म आयो हैं कि सत्य कि गवाई देऊ। जे कोई सत को हैं, उ मोरो वचन सुना हैं।”

38 पिलातुस न ओसे कही, “सत्य का है?”

~~~~~

(~~~~~ 27:15-31; ~~~~~ 15:6-20; ~~~~~ 23:13-25)

असो बोल ख उ फिर यहूदी हुन को पास निकल गयो अर उनसे कय्हो, “भी तो ओमा कोई खोट नी पात आय।

39 पर तुम्हारी या रीति हैं कि मी फसह म तुमरो लाने एक इंसान ख छोड़ देऊ। अतः का तुम चाहवा हैं कि मी तुमरो लाने यहूदी हुन को राजा ख छोड़ देऊ?”

40 तब उन न फिर चिल्लाया ख कय्हो, “एका नी, पर हमरो लाने बरअब्बा ख छोड़ दा।” अर बरअब्बा डाकू हतो।

19

1 येपर पिलातुस न यीसु ख पकड़ ख कोड़ा लगावयो।

2 सिपाही हुन न काटा कि डगियान ख मोड़ ख ओको मुकुट गुंथ ख ओकी मुण्ड पा धरयो, अर ओखा बैजनी रंग को कपड़ा पहनायो,

3 फिर वी उनको जोने आका कहन लग गया, “अरे यहूदी हुन को राजा, प्राणाम!” अर उनना यीसु ख चाटा मारियो।

4 तब पिलातुस फिर राज भवन को बाहर निकल ख अदमी हुन ख कय्हो, “देखो, मी ओखा तुमरो पास फिर बाहर लाऊ हैं; ताकि तुम जाने कि मी ओमा कुछ भी दोस नी पायो।”

5 तब यीसु ख काटा को मुकुट अर बैजनी रंग को कपड़ा पहिना ख बाहर निकलो; अर पिलातुस न उनसे कय्हो, “देखो, यु इंसान!”

6 जब मेन पुजारी हुन अर सिपाई न ओखा देखो, ते चिल्लाया ख कय्हो, “ओखा सूली पर चढ़ा, सुली पर!” पिलातुस न उनसे कय्हो, “तुम ही ओखा लेका क्रूस पर चढ़ावा, काहेकि मी ओमा कोई दोस नी पात आय।”

7 यहूदी हुन न ओखा जवाब दियो, “हमारो भी नेम हैं अर उ नेम को अनुसार उ जरूर मार दियो जान को लायक हैं, काहेकि ओ ना खुद ख परमेस्वर को पोरिया बनायो।”

8 जब पिलातुस न या बात सुनी ते अऊर भी डर गयो,

9 अर फिर किला को भीतर गयो अर यीसु से कय्हो, “तू कहाँ को आय?” पर यीसु न ओखा कुछ भी जवाब नी दियो।

10 ये पर पिलातुस न ओसे कय्हो, “मोसे काहे नी बोला? का तू नी जाना कि तोखा छोड़ देन को हक मोखा हैं, अर तोखा सूली पर चढ़ान को भी मोखा हक हैं।”

11 यीसु न जवाब दियो, “अदि तोखा ऊपर से नी दियो जातो, ते तोरो मोपर कुछ अधिकार या हक नी होतो; एकोलाने जोना मोखा तोरो हात पकड़वायो हैं ओखा पाप ज्यादा हैं।”

12 ऐपर पिलातुस न ओखा छोड़ देनो चाही, पर यहूदी हुन न चिल्ला-चिल्ला ख कही, “अदि तू ऐका छोड़ देहेगो, ते तोरी कैसर राजा को संग तोरी दोस्ती नी। जे कोई खुद ख राजा बनावा हैं उ कैसर को सामना करेगो।”

13 असी बात ख सुन कर पिलातुस यीसु ख बाहर लायो अर वा जगह एक चबूतरा हतो जो इब्रानी म गब्वता कहलावा हैं, अर उ न्याय आसन पर बैठो।

14 यू फसह की तैयारी को दिन हतो, अर छटवा घण्टा को लग भग हतो तब ओ ना यहूदी हुन से कही, “देखो तुमारो राजा!”

15 पर वी चिल्लाया, “लेका जा! लेका जा! ओखा सुली पर चढ़ा!” पिलातुस न उनसे कही, “का मी तुमरो राजा ख सूली पर चढ़ाऊ?” मेन पुजारी हुन न जवाब दियो, “कैसर ख छोड़ हमरो अर कोई राजा नी।”

16 तब ओ ना ओखा उनको हात सोउप दियो ताकि यीसु सूली पर चढ़ावो जाए।

॥२२२२॥ २२ ॥२२२२२२॥ २२२२॥

(॥२२२२॥ 27:32-44; ॥२२२२॥ 15:21-32; ॥२२२॥ 23:26-43)

17 तब वी यीसु ख ले गया, अर यीसु अपनो सूली उठा ख वा जगा तक बहार गयो, जे खोपड़ी की जगा कहलावा हैं अर इब्रानी म गुलगुता कहलाय हैं।

18 उते उनना यीसु का अर ओको संग अर दो ईसान हुन का सूली पर चढ़ायो, एक का इतेबाजु अर एक का उतेबाजु, अर बीच म यीसु ख।

19 पिलातुस न एक दोस वाली चिट्ठी भी लिख ख सूली पर लगवा दियो, अर ओमा यू लिखियो हतो, “यीसु नासरी, यहूदी हुन को राजा आय।”

20 या दोस वाली चिट्ठी डेर सारा यहूदी हुन न पढ़ियो, काहेकि उ स्थान जहाँ यीसु सूली पर चढ़ायो गयो हतो नगर को पास हतो; अर चिट्ठी इब्रानी अर लतीनी अर यूनानी म लिखी हती रह।

21 तब यहूदी हुन को मेन पुजारी न पिलातुस से कही, “यहूदी हुन को राजा मत लिखा पर यू कि ‘ओ ना कय्हो, मी यहूदी हुन को राजा हैं’।”

22 पिलातुस न जवाब दियो, “मी न जो लिख दियो, उ लिख दियो।”

23 जब सैनिक यीसु ख सूली पर चढ़ा चुक्या, ते ओखा कपड़ा लेका चार भाग करया, हर सैनिक को लाने एक भाग, अर कुरता भी लियो, पर कुरता बीन सीअन ऊपर से नीचु तक बुनो हुयो हतो।

24 एकोलाने उन न आपस म कही, हम ऐका नी फाड़ा, पर ऐपर चिट्ठी डाले कि यू कोन को होए। यू एकोलाने भयो कि सुध्द सास्र म जो कय्हो गयो उ पुरो होय “उनना मोरा कपड़ा आपस म बाँट लियो अर मोरो कपड़ा पर चिट्ठी डाली।” एकोलाने उनना आपस म कही, “हम ऐका नी फाड़ा, पर ऐपर चिट्ठी डाले कि यू कोन को होए।” यू एकोलाने भयो कि सुध्दसास्र म जो कय्हो गयो उ पुरो होय।

“उन ना मोरा कपड़ा आपस म बाँट लियो अर मोरो कपड़ा पर चिट्ठी डाली।”

25 अतः सैनिक हुन न असो ही करो। यीसु को सूली को पास ओकी माय, अर ओकी माय कि बहिन क्लोपास की घरवाली मरियम, अर मरियम मगदलीनी खड़ी हती।

26 जब यीसु न अपनी माय, अर उ चेला ख जे से उ प्रेम रखत रह हतो पास म खड़ो देख्यो ते अपनी माय से कही, “ओ बाई, देख यू तोरो पोरिया आय।”

27 तब ओ ना चेला से कय्हो, “या तोरी माय आय।” अर उत्ती बखत से उ चेला ओखा अपनो घर ले गयो।

॥२२२२॥ २२ ॥२२२॥

(॥२२२२॥ 27:45-56; ॥२२२२॥ 15:33-41; ॥२२२॥ 23:44-49)

28 एकोबाद यीसु न यू जान ख कि अब सब कुछ पुरो हो चुक्यो, एकोलाने कि सुध्द सास्र म जो कय्हो गयो हैं उ पुरो होय, कय्हो, “मोखा प्यास लगी हैं।”

29 वहाँ सिरका से भरयो एक बरतन रख्यो हतो, तब उनना सिरका म भिगयो हुयो स्पंज ख चाटला म रख ख ओको मुंडो से लगायो।

30 जब यीसु न उ सिरका लियो, ते कही, “पुरो भयो” अर मुण्डी नीचु कर ख जान छोड़ दियो।

॥२२२२॥ २२ ॥२२२॥

31 एकोलाने कि उ तैयारी को दिन हतो, यहूदी हुन न पिलातुस से पूछ्यो की उनकी टाँग तोड़ दीयो जाय अर वी उतारा जाय, ताकि आराम को दिन उनको सरीर सूली पर नी रहनो चाहिये, काहेकि उ हप्ता को दिन बड़ो दिन हतो।

32 अतः सैनिक हुन न आ ख वी अदमी म से पहिलो कि टाँग हुन तोड़ी फिर दुसरो की भी तोड़ दी, जे यीसु को संग सुली पर चढ़ायो गया हता;

33 पर जब उनना यीसु को जोने आ ख देख्यो कि उ मर चुकियो हैं, ते उनना ओकी टाँग नी तोड़ी।

34 पर सैनिक हुन म से एक न ओकी पसली म बल्लम से मारियो अर ओमन से तुरत खून अर पानी बहिन लग गयो।

35 जोना यू देखो, ओ ना येकी गवाई दी हैं, अर ओकी गवाई सच्ची हैं; अर उ जाना हैं कि उ सच्ची बोला हैं कि तुम भी भरोसा करो।

36 या बात हुन एकोलाने भई कि सुध्द सास्र म जो कय्हो गयो वचन हैं उ पूरो हो जाय, “ओकी एक भी हड्डी टोड़ी नी जान की।”

37 फिर एक अऊर जगह पर सुध्द सास्र म यू लिखो हैं, “जोका उन ना भेदो हैं, ओखा वी देखेगो।”

~~~~~

(~~~~~ 27:57-61; ~~~~~ 15:42-47; ~~~~~ 23:50-56)

38 असी बात हुन को बाद अरिमतिया गाँव को यूसुफ न जो यीसु को चेला हतो रह, पर यहूदी हुन को डर से यीसु को अंदरोनी चेला हतो, पिलातुस से यीसु को सरीर ख उतार लेन कि विनती करी। पिलातुस न ओखा अनुमती दे दियो। एकोलाने यूसुफ आ ख यीसु को सरीर ख ले गयो।

39 नीकुदेमुस भी पहुँचियो, जो पहले यीसु को जोने रात को घडी मिलन ख आयो रह, पचास सेर को लग भग मिल्यो वालो गन्धरस अर लोबान लेका आयो।

40 तब उनना यीसु को सरीर लियो, अर यहूदी हुन कि गाड़न कि रीति-रिवाज को अनुसार ओखा खुब मेहकन वालो इतर को संग कपड़ा म लपेटियो।

41 वा जगा पर जहाँ यीसु सूली पर चढ़ायो गयो रह, एक बगीचा हतो, अर वा बारी म एक नयो मरघट हतो जेमा कभी कोई नी रखो गयो रह।

42 एकोलाने यहूदी हुन कि तैयारी को दिन को कारन उनना यीसु ख ओमा ही धरियो, काहेकि वा मरघट जोने हती।

## 20

~~~~~

(~~~~~ 28:1-8; ~~~~~ 16:1-8; ~~~~~ 24:1-12)

1 हफ्ता को पहिलो दिन मरियम मगदलीनी सुबरे ख अंधेरा रहते ही मरघट म आई, अर पत्थर का मरघट से हटीयो देखो।

2 तब वा या देख ख दऊड़ी अर समोन पतरस अर उ दुसरो चेला को जोने जो से यीसु प्रेम रखत रह, मरियम न ओसे कही, “वी प्रभु ख मरघट म से उठा ख ले गया हैं, अर हम नी जाना कि उनना ओखा किते रख दियो हैं।”

3 तब पतरस अर उ दुसरो चेला निकल ख मरघट की तरफ चल्या।

4 वी दोई संग-संग भक्ते जात रह, पर दुसरो चेला पतरस से आगे बढ ख मरघट म पहले पहुँचियो;

5 ओ ना नीउड ख यू देखियो कि कपड़ा पड़िया हैं, तेभी उ मरघट म भीतर नी आयो।

6 तब समोन पतरस ओको पिछु-पिछु पहुँचियो, अर मरघट को भीतर गयो अर ओ ना कपड़ा पड़ीयो देखो;

7 अर उ अंगोछा जे यीसु की मुँड से बंधियो हतो, कपड़ा को संग म पड़ीयो हुयो नी पर अलग एक जगा गुमंड ख रखियो हुयो देखो।

8 तब उ दुसरो चेला भी जे मरघट म पहिले पहुँचियो हतो, भीतर गयो ओ ना देखियो अर भरोसा करियो।

9 काहेकि वी तो अबा लक सुध्द सास्र को उ लेख अबा लक नी समज पाया रहा जेको हिसाब से यीसु को मुर्दा म से जिन्दो होनू जरूरी हतो।

10 तब यी चेला अपना घर ख लउट गया।

~~~~~

(~~~~~ 28:9,10; ~~~~~ 16:9-11)

11 पर मरियम रोते-रोते मरघट को पास म ही बाहर खड़ी हती, अर रोते-रोते मरघट कि तरफ नीउड ख, मरघट को भीतर नजर घुमई।

12 दो स्वर्ग दूत हुन ख उजरो कपडा पहिनिया हुयो एक ख सिराना तरफ अर दुसरा ख पाय तरफ बठीयो देखो, जिते यीसु को सरीर रखियो हतो रहा।

13 दूत हुन न ओसे कही, “अरे बाई तू काहे रोवा है?”

ओ ना उनसे कही, “वी मोरो प्रभु ख उठा ख ले गया अर मी नी जानु कि उनना ओखा कहाँ धरीयो है।”

14 या कैय ख वा पिछु घुमी अर यीसु ख खड़ो देखी, पर नी पहिचानी कि यू यीसु आय।

15 यीसु न उनसे क्यहो, “अरे बाई, तू काहे ख रोवा है?”

कोन ख ढूँढा है? ओ न माली समझ ख ओसे क्यहो, “अरे प्रभु, अदि तू न ओखा उठा लियो है ते मोखा बता कि ओखा कहाँ धरीयो है, अर मी ओखा ले जाऊ।”

16 यीसु न ओसे क्यहो, “मरियम!” ओ न पीछु घुम ख ओसे इब्रानी म क्यहो, “रब्बूनी” एकोमतलब “अरे प्रभु।”

17 यीसु न ओसे क्यहो, “मोखा पाय पकड़ ख मत रोको, काहेकि मी अब लक परमेस्वर बाप को जोने ऊपर नी गयो है, मोरा भई हुन को जोने जाव अर उनसे असो कहनो कि मी अपनो परमेस्वर बाप अर तुम्हारो परमेस्वर बाप, अर अपनो परमेस्वर अर तुमारो परमेस्वर को पास ऊपर जा रयो है।”

18 मरियम मगदलीनी न जा ख चेला ख या खबर बतायो, “मी न प्रभु ख देख्यो है, अर ओ ना मोसे या बात हुन कही है।”

\*\*\*\*\*

([मत्थै 28:16-20](#); [मार्क 16:14-18](#); [लुका 24:36-49](#))

19 उई दिन जो हफ्ता\* को पहिलो दिन हतो, साम को बखत जब वहाँ ख दरवाजा जीते चेला हता, यहूदी हुन को डर को मारे बन्द हता, तब यीसु आयो अर उनको बीच म खड़ो हो ख उनसे क्यहो, “तुम ख सान्ति मिले।”

20 अर यू बोल ख ओ न अपनो हात अर अपनो पसली को घाव उन ख दिखायो। तब चेला प्रभु ख देख ख खुस भया।

21 यीसु न फिर उनसे क्यहो, “तुमका सान्ति मिले; जसो परमेस्वर बाप न मोखा भेजो है, वसो ही मी भी तुम ख भेजू है।”

22 यू बोल का ओ न उन पर फूँको अर उन से क्यहो, “सुध्द आत्मा लेव।

23 जिनको पाप तुम माप करे, वी उनको लाने माप करा गया है; जिनको तुम रखे वी रखिया गया है।”

\*\*\*\*\*

24 पर बारा हुन म से एक, एकोमतलब थोमा जेखा दिदुमुस बोलो जाय है, जब यीसु आयो ते उनको संग नी हतो।

25 जब दुसरा चेला ओसे कहन लग गया, “हम न प्रभु ख देखो है,” तब ओ न उनसे क्यहो, “जब तक मी ओखा हात हुन म खिल्ला हुन को छेद नी देख लेहूँ, अर ओको पंजा म अपनो हात नी डाल लेहूँ, तब तक मी भरोसा नी करन को।”

26 आठ रोज को बाद फिर चेला हुन घर को भीतर हता, अर थोमा उनको संग थो; अर दरवाजा बन्द हता, तब यीसु आयो अर उनको बीच म खड़ो होका क्यहो, “तुम ख सान्ति मिले।”

27 तब ओ ना थोमा से क्यहो, “तोरी उँगली यहाँ लाखा मोरा हात ख देख अर अपनो हात लाखा मोरी पसली म डाल, अर संका अविस्वासी नी पर भरोसा करन वालो बन।”

\* 20:19 सब्ब

28 यू सुन ख थोमा न जवाब दियो, “अरे मोरो प्रभु, अरे मोरो परमेस्वर!”

29 यीसु न ओसे कय्हो, “तू न मोखा देखो हैं, का एकोलाने भरोसा करयो हैं? धन्य वी हैं जिन्ना बिना देखो भरोसा करयो।”

30 यीसु न अऊर भी ढेर सारा चिन्ह चेला को सामने दिखायो, जो या किताब म लिखया नी गया;

31 पर यी एकोलाने लिखया गया हैं कि तुम भरोसा करे कि यीसु मसी ही परमेस्वर को पोरिया आय, अर भरोसा कर ख ओको नाम से जीवन पाव।

## 21

????????? ??? ?? ????? ? ????? ??? ? ????? ?????

1 या बात हुन को बाद यीसु न अपनो तुम ख तिबिरियास झील को किनार म फिर से अपना चेला ख दिखई दियो यू असो तरीका से भयो

2 समोन पतरस, अर थोमा जेखा दिदुमुस बोला हैं, अऊर गलील को काना नगर को नतनएल, अर जबदी को पोरिया, अर ओखा चेला हुन म से दो अऊर झन इकट्ठा हता।

3 समोन पतरस न उनसे कय्हो, मी मच्छी पकड़न ख जा रयो हैं। उनना ओसे कही,

“हम भी तोरो संग चला हैं।” एकोबाद वी नाव पा चढ़ीया, पर वा रात कुछ नी पकड़ीयो।

4 भुनसारो होत ही रहा कि यीसु किनार पर आका खडो भयो; तेभी चेला हुन न नी पहिचानियो कि यू यीसु आय।

5 बूब जा ख यीसु न उन से कय्हो, “अरे पोरिया हुन, का तुमारो जोने जरासी (थोड़ी) मच्छी हुन हैं?”

उन ना जवाब दियो, “नी हाय।”

6 उनसे कही, “नाव को सिधो हात बाजू जाल डालनू ते मिले।” एको बाद उन ना जाल डालो, अर मच्छी ढेर सारी होन को कारन ओखा खीच नी सक्या।

7 एकोबाद उ चेला न जसो यीसु प्रेम रखत रह हतो, पतरस से कय्हो, “यू तो प्रभु आय!” समोन पतरस न यू सुन ख कि “उ प्रभु आय!” कम्मर म अंगोछा कस लियो, काहेकि उ नंगो हतो, अर झील म कूद पड़ीयो।

8 पर दुसरा चेला डोगी या नाव पर मच्छी हुन से भरीयो वालो जाल खीचते-खाचते लाया, काहेकि वी किनार से जादा दुर की जगह पर नी हता, पर थोड़ी कुछ दुर दो सव हात पर हता।

9 जब वी वा जगह की किनार पर उतरियो, ते उन ना कोयला कि आग अर ओपर मच्छी धरी, अर रोटी देखी।

10 यीसु न उन से कय्हो, “जे मच्छी हुन तुम न अब्बी पकड़ी हैं उनमा से कुछ लाव।”

11 ते समोन पतरस न डोगी पर चढ़ ख जाल किनार म खीच लायो ओमन एक सव तिरेंपन बड़ी मच्छी हुन हती अऊर इत्ती मच्छी हुन होनो पर भी जाल नी फटीयो।

12 यीसु न उनसे कय्हो, “आव, खाना खाहे।” चेला म से कोई की हिम्मत नी भई कि ओसे कुछ पूछे, “तू कोन आय?” काहेकि वी जानत रह कि यू प्रभु ही हो सका हैं।

13 यीसु आयो अर उन ख रोटी लेखा उनका दी, अर वसो ही मच्छी भी।

14 यू तीसरी बार आय कि यीसु मरो म से जिन्दो होन को बाद चेला ख दिखई दियो।

????? ?? ?????

15 खाना खान को बाद यीसु न समोन पतरस से कही, “अरे समोन, यूहन्ना को पोरिया, का तू इन से बढ ख मोसे प्रेम करा हैं?”

ओ न ओसे कय्हो, “हव, प्रभु; तू तो जाना हैं कि मी तो से प्यार करू हैं।”

ओ न ओसे कय्हो, “मोरा मेम्ना हुन ख चरा।”

16 ओ ना फिर दुसरी बार ओसे कय्हो, अरे समोन यूहन्ना को पोरिया, “का तू मोसे प्रेम रखा हैं?” ओ ना ओसे कय्हो,

हव, “प्रभु; तू जाना हैं कि मी तोसे प्यार रखू हैं।” ओ ना ओसे कय्हो, “मोरी भेड़ी हुन की देख रेख कर।”

17 ओ ना तीसरी बार ओसे कय्हो, अरे समोन, “यूहन्ना को पोरिया, का तू मोसे प्रेम रखा हैं?” पतरस नाराज भयो कि ओ ना ओसे तीन बार असो कही, “का तू मोसे प्रेम रखा हैं?”

अर ओसे कय्हो, “अरे प्रभु, तू तो सब कुछ जाना हैं; तू यू जाना हैं कि मी तो से प्रेम रखू हैं।” यीसु न ओसे कय्हो, “मोरी भेड़ी हुन ख चरा।

18 मी तोसे सच्ची-सच्ची कहूँ हैं, जब तू जवान हतो ते अपनी कम्मर बाँध ख जहाँ इच्छा होत रह वहाँ फिरत रह; पर जब तू सियानो होए ते अपनो हात फैलाहेगो, अर दुसरो तोरी कम्मर बाँध ख जीते तू नी चाहन को वहाँ तोखा ले जाएगो।”

19 ओ ना या बात से इसारा दियो कि पतरस कसी माऊत से परमेस्वर कि महिमा या बड़ाई करे। अर तब ओ ना ओसे कय्हो, “मोरो पीछु हो ला।”

~~~~~

20 पतरस न धुमका उ चेला ख आते देखो, जसो यीसु प्रेम रखत रह, अर जोना खाना को बखत ओकी छाती की तरफ झुक ख पुछियो रह, “अरे प्रभु, तोखा पकडान वालो कोन आय?”

21 ओखा देख ख पतरस न यीसु से कही, “अरे प्रभु एको का हाल होए?”

22 यीसु न ओसे कही, “अदि मी चाहूँ की उ मोरो आनो तक रूको रहे, ते तोखा ऐसे का? तू मोरो पीछु हो ला।”

23 एकोलाने भई हुन म या बात फैल गई कि उ चेला नी मरन को; तेभी यीसु न यू नी बोलो की उ चेला नी मरन को, पर यू कि “अदि मी चाहूँ कि उ मोरो आनो तक ठहर ख रहे, ते तोखा ऐसे का?”

~~~~~

24 यू उई चेला आय जे या बात हुन कि गवाई देवा हैं अर जेना या बात हुन ख लिखो हैं, अर हम जाना हैं कि ओकी गवाही सच्ची हैं।

25 यीसु न अऊर भी ढेर सारा काम करीया हैं, अदि एक-एक कर ख उनको बारे म लिखो जातो ते मी समझू हैं कि जो किताब लिखी जावा हैं वी संसार भर म भी नी समाती।

## प्रेरितो के काम की पुस्तक के बारे में प्रेरितो को काम कि किताब को बारे में भूमिका

प्रेरितो को काम किताब कलेसीया को सुरु होन की कायनी हैं अऊर या यरूसलेम से यहूदिया, सामरिया अऊर ओसे आगे लक कसी फैल गई, जसो यीसु न अपना चेला हुन ख स्वर्ग म जानो से पहले बतायो। 1:8 येका लूका न लिख्यो रहा, जेना लूका को हिसाब से सुसमाचार भी लिख्यो रहा। उ एक डॉक्टर हतो अऊर एक साफ सुतरो लेखा-जोका रखन को लाने बेजा अच्छो हतो। उन न अपना सुसमाचार अऊर प्रेरित हुन को काम की किताब उ थियोफिलुस ख लिख्यो रहा, जो कि एक ग्रीक को रहन वालो हतो, लेकिन किताब हुन को मक्सद सायद विस्वासी अदमी हुन को लाने भी हतो जेमा यूनानी अर यहूदी दोई सामिल हता। 1:1

प्रेरित हुन को काम सायद मसी को जनम को बाद 60-64 बरस को करीब लिखो गयो रहा काहेकि किताब जेल से पोलुस को छुटन से पहले खतम होवा हैं। लूका भी प्रेरित पोलुस को संग कूच अऊर सायद अंताकिया को सहर म प्रेरित हुन को काम ख लिख्यो रहा। प्रेरित हुन न लूका को सुसमाचार ख सुरूईच रख्यो हैं अर यीसु को स्वर्ग म जान को संग सुरु होवा हैं। लिखनो म लूका को मक्सद उनको सुसमाचार को समान ही हैं। उ थियोफिलुस सोचत रहा, कि संग-ही संग विस्वासी हुन की बढ़ती संख्या निस्वय हैं कि उनका का सिखायो गयो रह अऊर एकोलाने उन न यीसु को जीवन अर अऊर मसी को परचार ख एक सबसे अच्छो लेख लिख्यो।

प्रेरित हुन को काम कि किताब हमरो लाने सबसे सुरो की कलेसीया को नमूना सिकावा हैं अऊर यीसु म विस्वास जीवन को लाने यू कसो दिखात रहा। प्रेरित हुन को उदाहरन हमका दिखावा हैं कि दुसरा ख सुसमाचार कि अच्छी खबर फैलानो म परमेस्वर की आत्मा की सकती पा कसो भरोसा करो जाय।

### रूप रेखा

1. पहले परमेस्वर की आत्मा चेला हुन पा आवा हैं अर कलेसीया बढन लग जाय हैं। 1:1—8:1
2. एकोबाद कलेसीया ख सतायो जावा हैं अर यरूसलेम को आजू-बाजू फैलन लग जाय हैं। 8:2—12:23
3. एकोबाद पोलुस पहेली बार सेवा करन ख बहार जावा हैं। 12:24—14:28
4. फिर प्रेरित हुन यरूसलेम म बैठक कर ख यू तय करा हैं की नया विस्वासी हुन का काय की जरूरत पड़े। 15:1-35
5. अगली बार पोलुस फिर से दुसरीबार सेवा करन ख जावा हैं। 15:36—18:22
6. एकोबाद उ फिर तीसरी बार सेवा करन को लाने जाय हैं। 18:23—20:38
7. तब जाय ख यरूसलेम म पोलुस ख पकड़ लियो गयो। 21—26
8. आखरी म ओखा रोम पहुँचियो जावा हैं। 27—28



1 अर प्रिय थियुफिलुस, मीना पहलो किताब वी सब बात हुन को बारे म लिखी, जे यीसु न सुरू से करो अर करते अर सिखात रह,

2 ओ न उ दिन तक चुने हुन ख सुध्द आत्मा ख दुवारा हुकुम दियो ओखा बाद उजब उ वी प्रेरित हुन का जीन ख ओ ना चुनो हतो, देख ओ न ऊपर स्वर्ग म उठायो नी गयो।

3 उ अपना मरन क बाद उ चालीस दिन तक उ अगल अर तरीका से दिखाई दियो अर प्ररगट हुओ जिन्दो को प्रमाण ते रयो उन न ख देख्यो अर उन से ओ न परमेस्वर को राज्य कि बात करी।

4 अऊर वी ओखा संग जमा हुता ते ओ न उन ख आग्या दी यरूसलेम ख मत छोड जे बल्कि जे सुध्द आत्मा क बारा म मोसे सुन्यो हैं बाप को उ वादा तुम न पूरो होन को इन्तेजार करजो ।

5 “काहेकि यूहन्ना न ते पानी म बपतिस्मा दियो हैं पर थोडो रोज को बाद म यू तुम ख सुध्द आत्मा से बपतिस्मा पाएगो ।”

~~~~~

6 जब प्रेरित इकट्ठा होय ख ओसे पुछियो, “हे प्रभु, क तू इ ही बखत इस्राएल का राज्य म फेर देहे?”

7 यीसु न उन से क्यहो, “उ बखत हुन अर तारीक हुन ख जाननो, जेका बाप न अपनो ही हक म रखो हैं । उनख जाननो तुम्हारो काम नी आय ।

8 पर जब सुध्द आत्मा तो पर आए तब ते सकित पाएगो अर यरूसलेम अऊर सारी यहूदिया अर सामरिया म, अर जमीन का उन छोड तक मोरो गवाह होए ।”

9 यू कह ख वी उ ख देखत ऊपर उठा लियो, अर बदल न ओको उनकी आँखी हुन से छिपा लियो ।

10 ओके जात बखत जब वी आकास की ओर ताक रहे हुता, ते देख, दो अदमी सफेद कपडा पहिनो हुयो उन ख बगल आए ख खड़ा भया,

11 अर ओ न क्यहो, गलीली व्यक्ति हुन तुम काहे खड़ा हैं आकास को ओर देख रयो हो? यू यीसु, जे तुम्हारो नजीक से स्वर्ग म उठा लियो गयो हैं, “जे रीति से तुम न ओको स्वर्ग का जात देखो हैं उही रीति से फिर ऊही रीति से आपस आएगो ।”

~~~~~

12 तब वी जेतून नामक पहाड़ से जे यरूसलेम सहर क नजीक एक आराम को दिन कि 1 किलो मीटर की दुरी पर हैं, यरूसलेम को लउटियो ।

13 जब वी वहाँ पहुँचिया ते उ उपार वाला अटारी प रुक्या गया राहा, जाहा पतरस अर यूहन्ना अर याकूब अर अन्द्रियास अर फिलिप्पुस अर थोमा अर बरतुल्मै अर मत्ती अर हलफई को पोरिया याकूब समोन जेलोतेस अर याकूब का पोरया यहूदा रहत रह ।

14 यु सब कई बाई हुन अर यीसु की माता मरियम अर ओको भई यी सभी अपनो तुम ख एक संग प्रार्थना म लगायो रहव हैं ।

15 कुई दिन बाद म विस्वासी भई हुन की सभा म एक सब बीस अदमी हुन को संख्या हुता , पतरस खड़ा होय ख बोलन लगियो,

16 “हे भई हुन जरुरी हतो कि सुध्द सास्र को वी लेख पूरो होए जे सुध्द आत्मा न दाऊद क मुँह से यहूदा क बारे म जे यीसु क पकड़न वाला हुन को अगुवा हतो, पहलो से कहयो हतो ।

17 यहूदा हमार समूह को सहायक हतो अर इ सेवा म ओको भी सहयोग हतो ।”

18 “ओ न अधर्म क कमाई से एक खेत मोल लियो, अर सिर क बल गिरियो अर ओको पेट फट गयो अर ओकी सब अन्तडियाँ निकल पड़ी ।

19 अर यरूसलेम सब रहन वाला जन का मालूम भयो कि ओकी भासा म उ खेत को नाम ‘हकलदमा’ रखो गयो अर्थात्; खून को खेत’ पड़ गयो ।”

20 काहेकि की भजन संहिता कि किताब म लिखो हैं,  
ओको घर उजड़ जाएगो,

अर ओमा कोई नी रहन का

अर असो ही लिखो गयो हैं

ओकी की जगह कोई भी दुसरो ले लेय ।

21 एकोलाने या जरुरी आय कि जब प्रभु यीसु हमारो बिच म हतो जब लोग हुन हमेसा हमरो संग म हुता ओ म से कोई एक क चुनो जाय याने उ बखत से लेय ख जब से यूहन्ना का लोग हुन

बपतिस्मा देनो सुरूआत करयो रह अर जब तक यीसु क हमारो बीच म से ऊठा लियो गयो हतो उन लोगो म से कोई एक ख ओको बिच म जी उठन को साक्छी होनु चहिये,

22 उचित हैं कि ओमा से एक अदमी हमारो संग ओको जिन्दो होनो को गवाह हो जाहे

23 तब उन्होना दो व्यक्ति हुन को नाम को सुझाव दियो, एक युसुफ को जो बरसब्बा कहलाता हैं, जेको उपनाम यूस्तुस हैं, दुसरो मत्तियाह का।

24 फिर उन न प्रार्थना करी, “हे प्रभु, तू जे सब ख मन को जाँचन वालो हैं, यू प्रगट कर की इ दोनो जन म से तू न कोको चुनो हैं,

25 कि उ या सेवकाई अर सिखावन देन को पद लेहे, जाहा यहूदा की जगह हती वी चल दियो प चल दियो।”

26 तब उन न उनको बारे म चिट्ठी हुन डाली, अर चिट्ठी मत्तियाह को नाम पा निकल। तब जा ख उ ग्यारह प्रेरित देन वाला को संग म गिनो गयो।

## 2

~~~~~

1 जब फसह पर्व को बाद यहूदी हुन को तिहार* को पचासवे दिन आयो, ते सब विस्वासी लोग एक जगह म एकजुट भया।

2 एकदम से आकास से आधी के तुफान के जसो के आवाज आई जे घर म अवाज आई उ जे घर भर गयो बड़ी आवाज अई।

3 अर आगी की फहलती अऊर लपट हुन जसी जीभ हुन सामे दिखई देवन लगी वी आगी अलग अलग जीभ उन म से हर एक प आ टिकी।

4 वी सब दी अर ओमा से भरख गयो, अर जे प्रकार सुध्द आत्मा हैं उन्हे बोलन की सामर्थ्य दी, वी अन्य अन्य भासा हुन बोलन लगिया।

5 आकास को नीचु की हर एक जात म से यहूदी यरूसलेम म रहत रहा।

6 जब वी आवाज गरजो ते एक बड़ी भीड़ जमा हुई गई वी लोग अचम्भा म पड़ गया विस्वासी भई हुन कि यापन खुद भासा म बोलतो हुआ सुनियो।

7 वी सब चकित अर अचम्भा होय ख कहन लगिया, “देख, जे लोग हुन बोलत रय्हे हैं क सब गलीली प्रांत क ते नी?

8 ते फिर हम म से हर एक उनख हमरी अपनी खुद की भासा म कोसे बोलते हुआ कसा सुन रय्हा हैं?

9 हम जे पारथी, अर मेदी अर एलामी, अर मेसोपोटामिया, अर यहूदिया अर कप्पदूकिया, पुन्तुस अर आसिया,

10 अर फूगिया अर पंफूलिया, अर मिसर अर निकट लीबिया को रहन वालो; रोम को यहूदी अर गैर यहूदी कुछ परदेस ख लोग देस जे कुरेने क आसा पास हैं, इ सब देस हुन क रहन वाला अर रोमी प्रवासी,

11 अर्थात् यहूदी अर यहूदी मत धारण करन वाला, केती अर अरबी का रहन वाला हुन हम सब परमेस्वर क आस्चर्य पुरो काम हुन का अपन अपन भासा म सुन रय्हे हैं।”

12 अर वी सब चकित भया अर संका म पडिया अर एक दूसरा से पूछ रय्हे हता कि, “यू क हो रय्हे हैं?”

13 पर दूसरा लोग हुन न ठट्टा कर ख कय्हे, “वी ते दासू का नसा म चूर हैं।”

~~~~~

\* 2:1 पित्तुकुस्त पचास ओ दिन † 2:13 मदिरा नसीला पदार्थ

14 फिर उन न ग्यारह हुन को संग पतरस खड़ो हुआ उचो सब्द सम्बोधित करते हुआ कहन लगया की यहूदी साधि हुन अर यरूसलेम क पुरा निवासी हुन मोरी बात हुन ख अच्छो से सुन अऊर मो ख ओको अर्थ बतावन दा।

15 जसो तुम लोग समझत रह, यू लोग नसे म नी हैं, काहेकि अभी ते भुनसारो को नव बजिया हैं।

16 बल्कि या वा बात हैं, जेको बारा म योएल भविस्यवक्ता न कय्हो हतो:

17 “परमेस्वर कहत हैं कि अन्त क दिन हुन म असो होएगो

कि मी अपनो आत्मा सब जन हन पर उड़ेलेगो,

अर तोरो पोरिया हुन अर तोरी पोरी हुन भविस्यव्दाणी करे

अर तोरो जवान हुन दर्सन देखेगो,

अर तोरो सियाना हुन सपना देखेगो।”

18 हाँ उ दिन म मी अपना दास हुन अर सेविका हुन पर भी

उ दिन हुन म अपन आत्मा म से उँडैलूगो,

अर वी भी भविस्यव्दाणी करेगों।

19 अर ऊपर आकास म गजबः को काम

अर नीचो जमीन पर चिखान

अर्थात् खून अर आगी

अर धूआ को बादल दिखाऊँगो।

20 प्रभु को बड़ो अर उजाला वालो दिन को आनो से पहलो सूरज अंधेरा म अर चंदा खून

जसो लाल म बदल जाएगो।

21 अर जे प्रभु को नाम से मदद माँगे

हे ओ ख प्रभु बचाएगो, वी उध्दार पाएगो।

22 “हे इस्राएली हुन लोगो, यू वचन ख सुनायो: यीसु नासरी एक अदमी हतो जेको परमेस्वर की ओर होन को प्रमाण उ सामर्थ्य क काम हुन अर आस्वर्य क काम हुन अर चिखान हुन से प्रगट हैं जे परमेस्वर न तुमरो बीच ओको व्दारा दिखायो जेसे तुम तुम ही जानत हो।”

23 यू अदमी ख परमेस्वर कि पक्की योजना अर पुरो ग्यान को अनुसार तुम ख सोपयो गयो अर तुम न पापी व्यक्ति हुन कि मदद से ओ ख क्रूस प चड़ायो अर खिल्ला ठुकवायो अर मार डालयो।

24 पर उही को परमेस्वर न माऊत क बंधन हुन से छुड़ाय ख जिलायो; काहेकि यु अनहनो हतो। मृत्यु म इत्तती सक्ती नी हती कि ओ ख बंधी बनायो रखे वी ओके बस वंस म रखे।

25 काहेकि दाऊद ओके विसय म कहत हैं,

मी प्रभु का हमेसा (सर्वदा) अपन सामे देखत रहू

काहेकि वी मोरी दाँया ओर हैं,

ताकि मी डिग नी जाऊ।

26 इही कारन मोरो मन खुसी आय,

अर मोरी जीभ आनन्दित हैं;

अऊर मोरो सरीर भी आसा म जिये।

27 काहेकि तू मोरो जान ख अधोलोक म नी छोड़ेगो;

अर नी अपन सुध्द जन ख सडन ही देगो।

28 तू न मोखा जीवन को रस्ता दिखायो हैं;

तू मोखा अपन दर्सन ख व्दारा खुसी से भर देगो।

29 “अरे लोगो, मी अपनो कुटुम्ब को दाऊद राजा को बारे म तुम से हिम्मत को संग बोल सकू हैं कि उ ते मर गयो अर गाड़ो गयो अर ओकी कबर आज तक हमारो येमा आज तक मऊजूद हैं।”



30 वी एक भविष्यवक्ता हतो अर वी जानत हतो कि परमेस्वर न मोसे कसम को संग म वादा दियो हैं कि वी ओके वंस म से एक ख सिंहासन पर बैठाऊंगो;

31 एकोलाने जे भविष्य मे घटन वाला हैं ओ ख देखत दाऊद न यू कय्हो हतो ओ ख मृत्यु को संसार म नी छोडो गयो अर नी ही ओके सरीर का कबर म सडन रख दियो ते ओ न मसी की जी उठन मसी का फिर से जी उठन को बारे म कय्हो हतो।

32 इही यीसु ख परमेस्वर न जिलाया, अर हम सब बात को गवाह हैं।

33 इ प्रकार परमेस्वर क दाँया हात से सर्वाच्च पद पाय ख, यीसु न पिता बाप से वी सुध्द आत्मा प्राप्त कर ख जेकी वादा (प्रतिग्या) की गई हती, ओ न यू उंडेल दियो हैं जे तुम देखत अर सुनत हो।

34 काहेकि दाऊद ते स्वर्ग पर नी चढ्यो;

पर वी तुम कहत हैं,  
प्रभु से कय्हो,  
मोरो दाँया बैठ,

35 “जब तक कि मी तोरो बैरी हन ख तोरो पाय ताले की चऊकी नी कर दूँ।”

36 ऐको लाने इस्राएल को पुरो घराना हकीगत म जान ले कि परमेस्वर न उई यीसु ख जेखा तुम न सूली पर चढायो दियो हता प्रभु भी ठहरायो अर मसी भी ठहरायो हतो।

37 तब सुनन वाला हुन क मन छिद गया अर वी पतरस तथा अर प्रेरित हुन से पूछन लगियो, “हे भई हन, हम क करे?”

38 पतरस न ओसे कय्हो, “मन फिराओ, अर अपना पाप हुन माफी पान को लाने तुम म से हर एक ख यीसु मसी क नाम से बपतिस्मा लेनू चहिए; अर तुम ख परमेस्वर को सुध्द आत्मा को वरदान मिलोगे।

39 काहेकि यू प्रतिग्या (वादा) तुम, अर तुम्हरो बच्चे हन, अर उ सब दूर-दूर ख लोग हुन क लियो भी हैं जेको प्रभु हमार परमेस्वर अपन नजीक बुलाएगो।”

40 अर पतरस न ढेर सारो से वचन हुन को व्दारा उनना गवाह दी अर आयह को संग ओसे से कय्हो या वंसावली ख अपनो तुम से बचायो रखो,

41 अर बेजा सारे लोग हुन ओको सन्देस सुन ख उन न भरोसा करियो अर उन उ ख बपतिस्मा दियो गयो यु तरीका उन को समूह म अनदाजन तीन हजार लोग हुन जुद गया।

42 अर वी प्रेरित हुन से सिक्छा पान, अर संगति रखन, अर रोटी तोडन, अर प्रार्थना करन म लोलिन रह।



43 अर सब लोग हुन पर डर छा गयो अर बेजा से अदभुत काम अर चिन्ह प्रेरित हुन को दुवारा प्रगट होवा हैं।

44 अर सब विस्वासी हमेसा सहभागी म रहवा हतो अऊर उन को जोने जे कुछ अपनो हतो ओ ख अब आपस म बाट लेवत रह।

45 वी अपनी सम्पत्ति समान बेच देवत रह अर आवन वाला पैसा हर एक कि आवस्कता को अनुसार बाट दियो कर हते हैं।

46 वी दिन प्रति वे मन्दिर म समूह म मिलत रह वी अपनो घर हुन म संग म खाना बाँट ख उदार मन से खुसी को संग मिल जुल ख खावत हता,

47 हर दिन प्रभु उन ख समूह म जोडत हतो, सब लोग हुन सद भावना को खुसी ले ख परमेस्वर की स्तुति करते हुयो अर वे हर दिन प्रभु उन ख समूह म मिलयो करह हैं।

## 3

~~~~~

- 1 एक रोज पतरस अर यूहन्ना दोपहर को बाद 3 बजे प्रार्थना को बखत मन्दिर जावत रखा
- 2 अर लोग एक जनम क लंगडा का ला रह हते, जेको वी हर दिन मन्दिर क उ दुवार पर जे सुन्दर कहलाता हतो, बैठा देत हते कि वी मन्दिर म जान वाला हुन से भीख माँगत हैं।
- 3 जब ओ न पतरस अर यूहन्ना का मन्दिर म जाते देख, ते ओसे भीख माँगियो।
- 4 उन न सिदो ओ की तरफ देखो अर पतरस न कहयो अर, “हमारो तरफ देख!”
- 5 अतः वी ओसे कुछ पान की आसा रखत हुओ ओकी ओर ताकन लगियो।
- 6 तब पतरस न ओ से कहयो मोरो जोने कुछ भी नी ते चाँदी, नी सोना, परन्तु जे मोरो नजीक हैं वी तो ख देता हूँ; “यीसु मसी नासरी क नाम से चलो फिरो।”
- 7 फिर ओ न ओखा जेवनो हात पकड़ ख ओ न ओकी मदद करी; अर तुरत ओके पाय अर घुटनो म बल आ गयो।
- 8 वी उछल ख अपनो पाय प खडो हो गयो अर चलन-फिरन लगियो; फिर उ उछलतो-कुदता उन को संग मन्दिर म गयो हैं अर परमेस्वर की स्तुति करत रहयो।
- 9 सब लोग हुन न ओ ख चलत फिरत अर परमेस्वर की स्तुति करते देखो,
- 10 लोग हुन न ओ ख पहचान लियो कि यू उही हैं जे मन्दिर को “सुन्दर दुवार” पर बैइठ ख भीख माँग रहो हतो; ओ ख संग जे कही घटो हतो ओ ख देख ख ओको संग हुई हती वी बेजा आस्चर्य चकित भयो।

~~~~~

- 11 जब वी पतरस अर यूहन्ना का संग हतो, ते सब लोग बेजा आस्चर्य करत हुयो ओ ख ओसरा म जे सुलैमान को कहलाता हैं, ओके नजीक दऊड ख गयो।
- 12 यू देख पतरस न लोग हुन से कह्यो, “हे इस्राएली हन, तू इ अदमी पर काहे आस्चर्य करत हो, अर हमार ओर काहे इ प्रकार देखत हो कि मानो हम ही न अपन सामर्थ्य या भक्ति से ऐसा चलत फिरत योग्य बना दियो
- 13 अब्राहम अर इसहाक अर याकूब क परमेस्वर, हमार बापदादा हुन का परमेस्वर न अपन सेवक यीसु मसी की दिव्य बड़ी महिमा दिया हैं, पर तुम न अधिकारी हुन ख सोप दियो अर पिलातुस को सामे ओको इंकार कियो अर जब कि पिलातुस ने छोडन देवन को न्याय करयो रह।
- 14 उ सुध्द अर उचित व्यक्ति को तुना न सिवकार नी करयो अर ओको बदलो म पिलातुस से माँग कियो कि एक हत्यारो ख तुम्हारो लाने छोड़ दियो जाहे;
- 15 अर तुम न जिन्दगी कि राहा दिखावन वाला ख मर डालो पर परमेस्वर न फिर मरा म से जिन्दो कर दियो अर तुम पुरा गवाह हैं।
- 16 काहेकि हम यीसु को नाम म विस्वास करह हैं ऐको लाने ओको ही नाम ही जो लगडो व्यक्ति म सकती दी हैं जेको पाय म तुम देखह रहया हैं ओ म जान दी हैं। उही विस्वास न जे यीसु से प्राप्त होवह हैं तोसे सब को सामे यू व्यक्ति ख पुरी तरह चंगो कियो हैं।
- 17 “अर अब हे भई हन, मी जानत हूँ कि यू काम तुम न अग्यानता म कियो, अर वसा ही तुम्हारो मुखिया हुन न भी कियो।
- 18 पर जीन बात हुन को परमेस्वर न सब भविष्यव्यक्ता को मुंह से पहलो ही बता दियो हतो, कि ओको मसी दुख उठायो, उन्हे ओ न इ रीति से पूरो कियो।
- 19 ऐको लाने मन फिराओ अर परमेस्वर कि ओर लोउट आओ ताकि तुम्हारो पाप ख माप कियो जाहे,
- 20 ताकि आत्मिक सक्ति को बखत प्रभु कि ओर से आहे अऊर प्रभु तुम्हारो लाने मसी को भेजो जे से तुम्हारो लाने पहले से चुन ख रखो हैं अर्थात यीसु ख।

21 अवश्य हैं कि वी स्वर्ग म उ बखत तक रखे सब बात हुन पहलो जसी सही नी हो जाहे जेका बारे म बेजा पहलो से ही परमेस्वर न अपन सुध्द भविष्यवक्ता को दुवारा बतायो हती ।

22 जसो कि मूसा न कय्हो, प्रभु परमेस्वर तुम्हारो भई म से तुम्हारो लोग हुन म से रक मोरो जसो एक भविष्यवक्ता भेजोगो, जे कुछ वी तुम से कहे, ओकी सुननो ।

23 जे कोई उ भविष्यवक्ता की आग्या न माने ओ ख परमेस्वर की तरफ से अगल कियो जाहे अर नास कियो जाहे ।

24 अर समूल से लेय ख ओके बाद वाला हुन तक जितना भविष्यवक्ता बोला उन सब न इ दिन हुन का घासना करी आय ।

25 अऊर तुम ते उ भविष्यवक्ता हुन अर उ वादा को उतराधिकारी होय जे से परमेस्वर न तुम्हारो बापदादा को संग करियो थो, जब ओसे अब्राहम से कय्हो, 'तोरो खानदान ख द्वारा जमीन क सारो घरानो आसीस पाएँगो ।'

26 अर परमेस्वर न अपनो सेवक ख चुनियो अर अपनो सेवक ख तुम्हारो नजीक भेज दियो, अर तुम ख तुमरो बुरो रस्ता से फिरा ख तुम ख आसीस दी ।"

## 4

\*\*\*\*\*

1 ये यहूदी लोग हावह हैं यको नेम को अनुसार परमेस्वर को मंदिर म बलिदान अर्पन चढ़ायो करह हैं हर एक याजक\* को प्रिरिस्ट ख हर छः महीना म एक हफ्ता को लाने याजकी सेवा करनो पडत रह । सद्की† ।

2 वी ओसे या बात से चिड़चिड़ा हुया हता कि पतरस अर यहून्ना लोग हुन ख सिखात हते अर यीसु ख मरो हुआ म से जिन्दो उठन ओसे यू साबीत कर रख हता । मरा हुआ जी उठ सकह हैं ।

3 सो उन्होना उन ख बंदी बना लियो अर काहेकि उ बखत साम हुई गई रख एको लाने उन ख जेल म रखियो ।

4 पर वचन सुनन वाला हुन म से बेजा हुन न विस्वास कियो, बढन वाला बेजा झन की गिनती म पाँच हजार होई गयी ।

5 अगले दिन यहूदी ख मुखिया, सियाना अर नेम सासतिरी ख मानन वाला सिक्छक यरूसेलेम म जमा भया ।

6 अर बड़ो याजक हन्ना अर कैफा अर यहून्ना अर सिकन्दर अर जितना बड़ो-बड़ो याजक क घराना क हते, सब यरूसेलेम म इकट्ठा भया ।

7 वी इही बीच म खड़ा कर ख पूछन लगिया कि तुम न यू काम कोको सामर्थ्य से अर कोको नाम से कियो हैं ।

8 तब पतरस न सुध्द आत्मा से भरखः (परिपूर्ण) होय ख उनसे कय्हो, अरे लोग हुन को मुखिया अर सियाना मुखिया

9 "हे अदमी हुन क सरदार हुन अर पुरनियो हन, इ दुर्बल इंसान क संग जे भलाई को गयो हैं," यदि आज हमसे ओके बारे म पूछ ताक की जात हैं, कि वी कसो चोखो भयो ।

10 ते तुम सब यीसु अर सारो इस्राएली लोग जान लेहे कि यीसु मसी नासरी क नाम से जेका तुमन सूली पर चढ़ायो, अर परमेस्वर न मरो हुआ म से जिन्दो कियो, यू इंसान तुमरो सामे भलो चंगो खडो हैं ।

11 यू उही पत्थर हैं,

\* 4:1 याजक एक यहूदी धरम ख मानन अगवा होवहत रह जे यहूदी हुन लोगो को लाने भेट परमेस्वर क सामे बलिदान अर्पन चढ़ायो करह हैं । याजक यरूसेलेम को मंदिर म लोगो क लाने अगुवाई करत हता † 4:1 सद्की यहूदी धर्मिक समूह को एक ग्रुप हतो जे मेन याजक अर मंदिर मेन याजक हुनको काम अर मंदिर का अपनो अधिकार म रखह हैं अर वी स्वर्गदूत हुन पा तथा इंसान को मरन को बाद फिर से जिन्दो होवन पर भरोसा नी करत रख अर सच्चा मसी पर भी भरोसा नी कर हता रख ‡ 4:8 परिपूर्ण

जेका तुम मकान बनाने वालो हुन न नकारो जानो,

अर वी कोन क सरो को पत्थर हो गयो।

12 “किसी दूसरो क दुवारा उध्दार नी; काहेकि स्वर्ग को नीचू इंसान हुन म अर कोई दूसरो नाम नी दियो गयो, जेके व्दारा हम सब उध्दार पा सका।”

13 “जब उन्होना पतरस अर यूहन्ना को साहस देखो,” अर यू जानो कि इ अनपढ़ अर साधारण इंसान हैं, ते आस्चर्य कियो; फिर ओको पहचानो कि ये यीसु क संग रखे चुके हुये हैं।

14 पर वी उ इंसान का जे चंगो हुयो हतो, उनको ही संग खडो देख पा रख था, सो उनको जोने कहन ख कुछ नी रखा।

15 उन न ओ से यहूदी बडी सभा नीकल जान ख कहयो, अर फिर वी विचार विमर्स करन लगया,

16 “हम इ इंसान हुन क संग क करे? काहेकि यरूसलेम क सब रहन वाला हुन पर प्रगट हैं, कि इको दुवारा एक प्रसिध्द चिखान दिखायो गयो हैं; अर हम ओखा इंकार नी कर सकत।

17 पर एकोलाने कि यू बात अदमी हुन म अर अधिक फैल नी जाएँ, हम इनका धमकी देहे, कि वी इ नाम से फिर कोई इंसान से बात नी कर सका।”

18 तब उनका बुलायो अर चेतावनी देय ख यू कय्हो, “यीसु क नाम से कुछ भी नी बोलनो अर नी सिखानो।”

19 पर पतरस अर यूहन्ना न ओको उत्तर दियो, “तुम ही न्याय करनु; का वी परमेस्वर को सामे उ उचित होए की परमेस्वर क आग्या नी माना; काहे यू परमेस्वर के नजीक भलो हैं कि हम परमेस्वर को बात का बढ ख तुम्हारे बात माने।

20 काहेकि यू ते हम से ही सकता कि जे हम न देखो अर सुनो हैं वी लोगो ख नी कहे।”

21 तब उन्होना ओको अर धमका ख छोड़ दियो, काहेकि अदमी हुन क कारन उन्हे दण्ड देहन को कोई मऊका नी मिलियो, एकोलाने कि जे घटना भई हती ओको कारन सब लोग हुन परमेस्वर की बड़ाई करत हता।

22 वी इंसान, जे पर यू चंगो करन को चिखान दिखायो गयो हतो, चालीस साल से भी ज्यादा उमर को हतो।

*XXXXXXXX XXXX XX XXXX XXX XX XXXX XXXXX (XXXXXXXXXX)*

23 जसो ही पतरस अर यूहन्ना ख छोड़ दियो गयो वी फिर से अपन लोगो का समूह म गयो अर हुन से जे मेन याजक अर सियाना यहूदी मुखिया न कय्हो हतो, उन ख सब सुनायो।

24 जब विस्वासी हुन न यू सुनो तब मिल ख प्रार्थना करन लगिया, अर ऊँचो सब्द से परमेस्वर से कय्हो “स्वामी तू न ही स्वर्ग अर धरती अर समुदर अर उनको अन्दर जे कुछ आय ओकी रचना आय।”

25 तू न सुध्द आत्मा क दुवारा अपन सेवक हमारे बुजुर्ग दाऊद क मुँह से का कय्हो, यू जमाना को इंसान हुन न अपनो घमंड दिखायो?

लोग हुन न बेकार की साजिस काहे रच डाली?

26 प्रभु अर ओके मसी क विरोध म,

जमीन क राजा खडा भया,

अर मुखिया एक संग इकट्ठा हो गया।

27 हेरोदेस अर पुन्तियुस पिलातुस भी यू सहर म गैर यहूदी अर इस्राएली हुन क संग मिल ख तोरो सुध्द सेवक यीसु को विरोध म जे ख तू न मसी को रूप म अभिसेक करियो रहा, सही म एकजुट हो गया।

28 वी जमा भया एकोलाने ताकि तोरी इच्छा अर तोरी सक्ति को अनुसार उ पुरो हो सके।

29 अब “हे प्रभु ओकी धमकी हुन का देख; अपना दास हुन ख यू असो कर क दे कि वरदान तोरो वचन हियाव से सुनेगो।

30 अब हे प्रभु ओकी चंगो करन ख लियो तू अपन हात बढ़ा ख कि चिखान अर अदभुत काम तोरो सुध्द सेवक यीसु क नाम से कियो जाएगो ।”

31 जब की प्रार्थना कर चुकियो, ते वी जगह जाहेगो वी इकट्टे हते हिल गयो, अर वी सब सुध्द आत्मा से परिपूर्ण हो होएगो, अर परमेस्वर को वचन हियाव से सुनते रखे ।

\*\*\*\*\*

32 विस्वास करन वाला हुन को सहभागी एक चित्त अर एक मन की हती, यू तक कि कई भी अपन समप्ती नी कहत हतो, पर सब कुछ एक संग म हो ख बाँट लेवत रह ।

33 प्रेरित बड़ी सक्ति से प्रभु यीसु को जिन्दो होन कि गवाई देते रया अर उन सब पर बड़ी आसीस हती रह ।

34 उ समूह म असो कोई नी हतो कि कोई बात हुन घटी होय काहेकि जे कोई को नजीक खेत या घर होवत रहा, उन ख बेच जो पैसा मिलत रहा ओ ख लावत रह

35 अर प्रेरित को पाय म रख देवत रहा जे क जसा आवस्यकता होवा हैं, अर ओकी जरूरत को अनुसार उन ख बाँट दियो जावह हैं ।

36 अर यूसुफ नाम साइपरस पैदा भयो को एक लेवी हतो, जेको प्रेरित बरनबास कह कर बोलत रह अर्थात् जो ख सान्ति को पोरिया कहत रह ।

37 ओकी कुछ जमीन हती, जेका ओ न बेचीयो, अर दाम क पैसा लाय ख प्रेरित हुन पाय हुन पर रख दियो ।

## 5

\*\*\*\*\*

1 हनन्याह नाम को एक अदमी\* अर ओकी ओरत, सफ़ीरा न अपनी कुछ जमीन ख बेचियो ।

2 अर अपन ओरत जानकारी म कुछ पैसा बचा ख रख लियो, अर कुछ पैसे प्रेरित हुन को पाय क आगु म रख छोडियो

3 पतरस न ओसे क्य्हो, हे हनन्याह! सैतान न तोरो मन म यू बात काहे डाली कि तू सुध्द आत्मा से झूठ बोल्यो, अर भूमि क दाम म से कुछ रख छोडियो?

4 जब तक तू न या जमीन ख बेचीयो या तोरी नी हती जब तू न ओ से पैसा मिलियो उ भी तोरो थो फिर भीड़ तू न न अपनो मन म झुठ बोलन को कसो सोचियो, तू न अदमी से झुठ नी बोल्यो परमेस्वर से झुठ बोलयो हैं ।

5 अर जे न या बात ख सुनायो भय छा गयो, हनन्याह गिर पडियो अर प्रायन छोड़ दियो, अर अब सुनन वाला हुन बड़ो डर छा गयो ।

6 फिर जवान हुन न उठ ख ओकी अर्थी बनायो अर बाहर ले जाय ख गाड़ दियो ।

7 लगभग तीन घंटा का बाद ओकी ओरत, जे कुछ भयो हते नी जाय ख, अन्दर अई ।

8 तब पतरस न ओसे क्य्हो, “मोखा बता तोरो पति न वी जमीन ख इतना ही पैसा म बेची हती का?”

ओ ना क्य्हो, “हाँ इतना म ही बेची हती ।”

9 पतरस न ओसे क्य्हो, “या क बात है कि तुम दो ही एक मत हो गया प्रभु का आत्मा की परीक्छा लियो एको कियो? देख, तोरो पति क गाड़न वाला हुन दरवाजा ही पर खड़ा हैं, अर तोखा भी उठा ख बाहर ले जाएगो ।”

10 तब वी तुरत ओको पाय प गीर गाई पड़ी, अर प्राण छोड़ दियो; अर जवान हुन न अन्दर आय ख ओ ख मरो पायो अर बाहर ले जाय ख ओ ख ओको पति क नजीक गाड़ दियो ।

11 सारो कलीसिया पर अर इ बात हुन का अर सब सुनन वाला हुन पर बड़ो डर छा गयो ।

\*\*\*\*\*

\* 5:1 मनुष्य

12 प्रेरित हुन का हात हन से बेजा चिखान अर अदभुत काम अदमी हुन का बीच म दिखायो जात हते, अर वी सब एक चित्त म होय ख सुलैमान क ओसरा म इकट्ठे भया करत हते ।

13 उ समूह म सम्मिलित होवन को साहस कोई नी करत रह पर लोग हुन कि बड़ाई जरूर करत रह ।

14 विस्वास करन वाला बेजा अदमी हुन अर बाई हुन प्रभु को कलीसिया म बडी संख्या म मिलत रहा ।

15 असो तरीका से लोग हुन अपन जुड हुन ख लाय ख, खटिया अरूर बिस्तर पा रस्ता म लिटान लगिया ताकि जब पतरस इते से निकलिया ते ओकी छाया ही पड जाहे ।

16 अर यरूसेलेम क आसा पास क नगर हुन म से भी कई लोग हुन भी जुड अर बुरी आत्मा हुन क सतायो भया का ला लाय ख इकट्ठे होत हते, अर सब चंगो हो जात हते ।

~~~~~

17 तब बडो याजक अर ओके सब संगी जे सदूकी हुन को दल का हता, बेजा जादा जलन से भर उठिया

18 अर प्रेरित हुन का पकड ख जेल म बंद कर दियो ।

19 पर उ रात को बखत प्रभु को एक स्वर्गदूत न जेल क दरवाजा खोल दियो उन ख बाहर लाय ख कन्हो,

20 “जाओ, मन्दिर म खडो होय ओ उ नयो जिन्दगी क बारा म सब बात लोग हुन ख सुनाओ ।”

21 वी यू सुन ख भुसारो होत ही मन्दिर म जायख सिक्छा (उपदेस) देन लगियो ।

तब बडो याजक अर ओके संगी वाहा पहुँचिया यहूदियो के अगवे अर इस्राएली हुन का सब बुजुर्ग का बुला लायो, अर सैनिक ख जेल म भेजो कि प्रेरित ख बुला ख लाए ।

22 पर जब सिपाई जेल खाना म पहुँचिया ते प्रेरित नी मिलीयो ते लउट ख खबर दियो,

23 जब हम जेल म पहुँचिया ते हम न पायो कि जेल की सुरक्छा का ताला लगिया हुआ अर दुवार पर सुरक्छा कर्मी खडा मिलीयो हता पर हमना दुवार खोलो ते हम ख आन्दर कोई नी मिलीयो ।

24 जब मन्दिर को सरदार को अधिकारी प्रधान याजक हुन से या बात सुनी तब अचम्बे म पड गया अर, सोचन लगिया प्रेरित को क होए!

25 इतना म किसी न आय ख उनको बतायो, “देख, जे लोग ख तुम न जेल म बंद रखो हतो, वी लोग मन्दिर म खडा भया लोग हुन ख सिक्छा देत रहा ।”

26 सो मन्दिर को सुरक्छा करन वाला को मुखिया अपनो सिपाई हुन को संग उते गयो हैं अर प्रेरित ख बिना ताकत को प्रयोग कियो उनख वापस आयो काहेकि उन ख डर हतो कि लोग हुन हमका पत्थर नी मारे ।

27 उन्होना उन्हे लाय ख बडो सभा क सामे खडो कर दियो; तब बडो याजक न ओसे पुछियो,

28 “क हम न तुमख चिता ख हुकुम नी दी हती कि तुम इ नाम से उपदेस नी करनु? तभी देख, तुम न सारो यरूसेलेम ख अपन उपदेस से भर दियो हैं अर तू यू पर व्यक्ति की हत्या को अपराध हम प लादनो चावह हैं ।”

29 तब पतरस अर अन्य प्रेरित हुन न उत्तर दियो, “इंसान हुन की हुकुम से बढ़ ख परमेस्वर को हुकुम माननो चाहिए ।

30 हमार बापदादा हुन को परमेस्वर न यीसु ख जिन्दो कियो, जिनका तुम न यीसु ख सूली पर खिलला ठोक ख मार डालियो ।

31 ओखा ही परमेस्वर न अगुवा प्रभु अर उध्दार करन वालो ठहराय ख, अपने जेवनो हात पर ऊँचो कर दियो, कि उ इस्राएली हुन का मन फिरान की मोखा देवह हैं अर पाप की माफी को लाने मऊका दे ।

32 हम यू बात हुन का गवाह हैं। अर वसो ही सुध्द आत्मा भी, जेखा परमेस्वर न उनखा दियो हैं। जे ओको नेम ख मानो हैं।”

33 जब महा सभा का सदस्य हुन न यू सुनो ते वी आग बबुला हो गयो अर प्रेरित ख मर डालनो चाहयो।

34 पर उन म एक फरीसी जेको नाम गमलीएल हतो जे व्यवस्थापक हतो अर सब लोग हुन म बडो ही समान को योग हतो अर सभा म खडो हुयो अर हुकुम दियो की प्रेरित ख थोडी बखत को लाने बाहर कर दियो जाये।

35 तब उ सभा से कय्हो, “हे इस्राएली हन, तुम जे कुछ भी इंसान हुन को संग करनो चाहवा हैं, ओ ख सोच समझ ख करनु।

36 क तुम ख याद हैं कि कुछ बखत पहलो अपन तुम ख कुछ महान व्यक्ति हैं थियूदास व्यक्ति प्रगट हुयो अर लगभग चार सब व्यक्ति ओको पीछु हो लियो पर ओ ख मार डालो गयो अर ओ के सभी अनुयायी तितर-बितर हो गया पर ओको परिणाम कुछ नी निकलियो।

37 इ को बाद जनगणना को बखत गलीली को रहन वालो यहूदा सिर उठयो। उन कुछ लोग हुन ख अपनी तरफ आकसित कर लियो रह वी भी मारो गयो ओ ख भी पिछे चलन वाला अनुयायी इते उते बिखर गयो।

38 एकोलाने नी अभी को बारे म तुम से मी कहूँ हैं इ इंसान से अगल रहो इन को बारे म कोई काम मत करजे उन ख आकेलो छोड दा अदि इ की यू योजना यू काम इंसान को तरफ हैं ते अपन तुम खत्म हो जाहे।

39 पर अदि परमेस्वर कि तरफ से हैं, ते तुम उन ख कभी नी नास कर पान का। कही असो नी होय कि तुम परमेस्वर से भी लडन वाला ठहरे।”

ते सभा न गमलीएल की बात मान ली।

40 उन ना प्रेरित अर उन न कोडा लगयो अर उन ख हुकुम दियो कि यीसु को नाम की चर्चा नी करे अर उन ख छोड दियो गयो।

41 उन्होने असो समझ लियो की परमेस्वर न उन न यीसु को नाम को लाने अपमान सहन को लायक समझियो।

42 फिर मन्दिर अर घर-घर म लगातार हर रोज यू सुसमाचार को यीसु मसी हैं उपदेस देनो अर सिक्छा देनो उन न कभी नी छोडियो।

6

THE FIRST PART OF THE FIRST PART

1 कुछ रोज बाद चेला हुन कि संख्या बड रही हैं ते यूनानी भासा बोलन वाला यहूदी विस्वास भासा बोलन वाला एक विस्वासी काहेकि इब्रानी यूनानी यहूदी विस्वासी यु दावा कर रया हता उन कि विदवा हुन को दैनिक वितरण कि चिज हुन म से नजर अनदाज कियो जावा हैं।

2 बारा प्रेरित हुन न चेला हुन कि पुरी मण्डली क अदमी बुला ख कहयो हमारो लाने परमेस्वर कि सेवा को वचन ख छोड ख खाना अथवा पैसा को प्रबंध करनो अच्छो नी आय।

3 एकोलाने, “हे भई हुन, अपन म से सात सुनाम अदमी हुन का जे सुध्द आत्मा अर बुध्द से भरपुर्न होए, चुन लोओ, कि हम उनका इ काम की जुम्मेदारी दे।

4 परन्तु हम ते प्रार्थना म अर वचन की सेवा लगाए रहनू।”

5 यू बात सारो मण्डली ख चोक्खो लगियो, अर अर उन्होना स्तिफनुस नामक एक अदमी का जो कि विस्वास अर सुध्द आत्मा म भरपुर्न हतो, अर फिलिप्पुस, अर प्रुखुरस, अर नीकानोर, अर तीमोन, अर परमिनास, अर अन्ताकिया वासी नीकुलाउस का जे यहूदी मत म आ गयो हतो, चुन लियो।

6 उन ख प्रेरित हुन का सामे खडो कियो अर उन ख प्रार्थना कर ख ओ पर हात रखियो।

7 अर यू तरीका परमेस्वर को वचन फैलातो गयो अर यरूसलेम म चेला हुन की गिनती बेजा बढता गयो; अर याजक हुन को बडो समाज इ मत ख मानन वाला हो गयो।

???????? ?? ???????

8 स्तिफनुस दया अर सामर्थ्य से परिपूर्ण होय ख अदमी हुन म बडो बडो अदभुत काम अर निसान करत हतो।

9 पर तथा स्वतरत कियो गयो यहूदी हुन प्रार्थना घर का कुछ ईसान हुन जे कुरेनी अर सिकन्दरिया अर किलिकिया अर आसिया प्रान्थ से आयो यहूदी हतो वी स्तिफनुस को विरोध म वाद विवाद करन लग गया।

10 पर उ आत्मा जेसे बात वी करता हतो, अर ओको ग्यान को आगो नी टिक पाहे।

11 इ पर उन्होना कई अदमी हुन को लालच देय क अर कहन लगिया, “हम न एको मूसा अर परमेस्वर को विरोध म ओ ख अपनायक जनक निन्दा को बात कहत सुनो हैं।”

12 अर लोग हुन अर सियाना हुन अर सासतिरी हुन ख भडका ख चढ़ गया अर ओ ख पकड़ ख बडो सभा म ले आयो।

13 अर उन न झूठा गवाह हुन खडो कियो गयो, जिनना कय्हो, “यू ईसान हमेसा सुध्द मन्दिर को बाराम बोलह हैं नेम ख विरोध म बोलनो नी छोड़त।

14 काहेकि हम न ओ ख यू कहत सुनो हैं कि उही यीसु नासरी इ मन्दिर खा तहस नहस कर देगो, अर हमरी रीति रिवाज हुन ख बदल देहे जे मूसा न दियो हैं।”

15 तब सब अदमी हुन न जे सभा म बैठा हते, ओ पर नजर गड़ाई ते ओको चेहरा स्वर्गदूत को सो देखियो।

7

???????? ?? ?????

1 तब बडो याजक न पुछियो, “का यी बात हुन सच्ची हैं?”

2 स्तिफनुस न उत्तर दियो, “अरे भई हुन, अर सियाना हुन! मोरी बात सुनो। जब हमारो स्थानो अब्राहम हारान देस म बसन से पहिले मेसोपोटामिया म रहत रहा, ते वा बखत महिमा म रहन वालो परमेस्वर ओ ख दिख्यो।”

3 अऊर बोल्यो, तू अपनो देस अऊर अपनो कुटुम ख छोड़ दा अऊर उ देस क जा, जेखा मी तोखा दिखाऊंगो।

4 ये पर उ कसदियो को देस छोड़ ख हारान देस म बस गयो। अऊर ओको बाप की माऊत को बाद, परमेस्वर न ओखा उते से यू देस म लायका बसायो जेमन अब तुम रहवा हैं।

5 यू देस म परमेस्वर न उनका पाय रखन को लाने भी जगा नी दियो; पर ओ ना वादा करयो रहा की मी यू देस तोरो अर तोरो बाद तोरी अवलाद को बस म कर देहु; फिर भी उ बखत अब्राहम की कोई अवलाद नी हती।

6 परमेस्वर न असो कय्हो, अब्राहम की अवलाद परायो देस म परदेसी हुन को जसा रहेगो। वी अदमी हुन उनका नउकर बना ख रखेगो अर चार सब बरस लक उन पा अत्याचार करते रहेगो।

7 परमेस्वर न फिर बोल्यो, मी उ जात ख दण्ड देहु जेका वी गुलाम रहे। येको बाद वी वहाँ से बहार ईकल आहे अर या जगा म मोरी भक्ति करेगो।

8 फिर परमेस्वर न अब्राहम को लाने खतना करन को नियम बाँध्यो; अर सही म, अब्राहम न इसहाक का पैदा करयो अर आठ रोज को बाद ओको खतना करयो। इसहाक से याकूब अर याकूब को बारा कुल ख ईसान हुन पैदा भया।

9 यी बारा भई हुन न जलन रखन को वजे से उनको भई यूसुफ ख मिसर देस म जान वाला को हात बेच दियो, फिर भी परमेस्वर ओको संग म हतो रहा।

10 परमेश्वर न ओ ख सब बिपत्ती हुन से छुड़ायो, अर ओखा मिसर देस को राजा फिरोन की नजर म दया अर ग्यानवान बना दियो। फिरोन न यूसुफ ख मिस्र को अर अपनो पुरो राजभवन को अधिकारी ठहराय दियो।

11 उ बखत पुरो मिसर अर कनान देस म अकाल अऊर घोर संकट पड़यो। येको वजेसे हमरा बाप-दादा हुन ख अन्न नी मिलत रहा।

12 जब याकूब न यू सुन ख कि मिसर देस म अनाज मिला हैं, ते ओ ना हमरा सियाना हुन ख उते पहली बार भेज्यो।

13 दुसरी बार मिलन को मऊका पर यूसुफ न अपना भई हुन ख अपनो बारे म बतायो अर फिरोन ख यूसुफ की जात अर कुल को पता चल्यो।

14 ओको बाद यूसुफ न अपनो बाप याकूब अर ओको पुरो परिवार ख बुलावा भेज्यो। सबरा मिलायो ख बी पचहत्तर इंसान हता।

15 याकूब मिसर देस ख गयो। उते ओको अर हमरा बाप-दादा हुन की भी माऊत हो गई।

16 बाद म उनकी लास सकेम सहर लाया अर उ समसान घाट म रखिया, जेखा अब्राहम न सकेम म हमोर को पोरिया हुन से चाँदी दे ख खरिदो रहा।

17 “परमेश्वर न अब्राहम से जो वादा करयो रहा, जब ओको पुरो होन को बखत आयो, तब हमरा इंसान हुन की गिनती मिसर देस म बेजा सारी बढ़ गई।

18 कुछ दिन को बाद मिसर म एक असो राजा भयो, जो यूसुफ को बारे म कुछ नी जानत रहा।

19 ओ ना हमरी जात को संग कपटी मन से बताव करयो, अर हमरा बाप-दादा हुन पा अत्याचार करयो। ओ ना हमारा बाप-दादा हुन ख इत्तो मजबुत करयो कि बी अपना छोटा-छोटा पोरिया-पारी ख बाहर फेक देनो चाहिए, जसो बी जिन्दा नी रह सकन का।

20 असो बखत म मूसा को जनम भयो। उ परमेश्वर को नजर म बेजा खुफसुरत हतो अऊर तीन महा लक ओखा अपनो बाप को घर म पालो-पोसो गयो।

21 ऐको बाद जब उ फेक दियो गयो, तब फिरोन की बेटी न ओखा पालक पोरिया बना लियो अर अपनो पोरिया को जसो ओ ना ओखा पालन-पोसन कियो।

22 मूसा ख मिसतिरी की पुरी बिध्या सिखई गई, अर उ वचन अर करम करनो दोई म बलसाली हतो।”

23 “जब उ चालीस बरस को भयो, ते ओको मन म आयो कि मी अपनो कुटुम्ब ख इस्राएली भई हुन से मेल-जोल करूँ।

24 उनमा से एक संग बुरो व्यवहार होते देख ख, मूसा न ओको पक्छ लियो अर मिसतिरी ख मार ख अत्याचार को पलटा लियो।

25 मूसा न सोचियो की ओखा भई हुन समझेगो कि परमेश्वर मूसा को हात से उनका मुक्ति करेगों, पर उनना असो नी समझियो।

26 दुसरो रोज मूसा न दो इस्राएली हुन ख झगड़ते देख्यो। ओ ना यू सोच ख उनमा मेल-जोल करन की सोचियो, अरे भई हुन! तुम तो भई-भई हैं। तुम काहेको लाने एक-दुसरा का हानि पहुँचा रया हैं?

27 जो व्यक्ति अपनो पड़ोसी की हानि करत रा, ओ ना मूसा ख एक बाजू ढकेल दियो अऊर बोल्यो, कोना तोखा हमारो मुखिया अर न्याय करन वालो ठहरायो हैं?

28 जो तरीका से तू न कल मिसतिरी ख मार डाल्यो रहा मोखा भी मारन कि सोचा हैं का?

29 या बात सुन ख मूसा वहाँ से भागयो अर मिदयान देस म परदेसी बन ख रहन लग गयो, अर वहाँ ओखा दो पोरिया पैदा भया।”

30 चालीस बरस की ऊमर को बाद सीनै पहाड़ को भटा* म आगी से काटा झाड़ी जलते हुए दिखई दियो।

31 यू देख ख मूसा सोच म पड़ गयो, अऊर जब देखन को लाने जोने गयो, ते उनका प्रभु की या आवाज सुनाई दियो,

32 मी तोरो बाप-दादा को परमेस्वर आय अब्राहम, इसहाक तथा याकूब को परमेस्वर। मूसा डर को मारे काँपन लग गयो। अर ओखा फिर देखन कि हिम्मत नी भई।

33 फिर प्रभु न ओसे बोल्यो, अपनो पाय से जूता उतार ला, काहेकि जो जगह पर तू खडो है, वा सुध्द जमीन है।

34 मीना मिसर देस म रहन वाली मोरी जात पर हो रयो अत्याचार अच्छो से देख्यो अर उनको रोने सुनियो है। एकोलाने उनका छुडान को लाने मी उतर आयो है अब तैयार हो जा! मी तोखा मिश्र देस भेजुगो।

35 “जो मूसा ख अदमी हुन न असो कहते हुए ईनकार करयो रहा कि कोना तोखा हमारो मुखिया अर न्याय करन वालो ठहरायो है?” ओको ही परमेस्वर न झाड़ी म दर्शन देन वालो स्वर्ग दूत को दुवारा हक जतान वालो† अर छुडान वालो को रूप म उनको जोने भेज्यो।

36 उई मूसा न उनका बाहर हेड का लायो अर मिसर देस म लाल समुंदर को अर बियाबान परदेस म चालीस बरस लक अदभुत काम अर चिखान दिखात रहा।

37 यू उईच मूसा आय जेना इस्राएली हुन से बोल्यो रहा, परमेस्वर तुमरा भई हुन म से तुमरो लाने मोरो जसो एक भविष्यवक्ता खडो करे।

38 यू उईच मूसा आय, जोना बियाबान‡ परदेस की कलेसीया म उ स्वर्गदूत को संग हता, जेना सीनै पहाड़ पा उनसे बात करयो रहा। अऊर उ हमरा बाप-दादा को संग म भी हतो। उईच मूसा ख जीवित वचन मिल्या ताकि उ ओखा हम सब ख सुनाया।

39 पर हमरा बाप-दादा न ओकी बात ख मानन कि नी सोचियो। उनना मूसा ख छोड़ दियो अर वी मिसर देस ख लउटन की सोचत रहा।

40 उनना हारून से बोल्यो, हमरो लाने असो भगवान ख बना, जो हमरो अउवल-अउवल चले; काहेकि हम नी जानत आय कि उ मूसा को का भयो, जो हमका मिसर देस से हेड ख लायो रहा।

41 वी दिन म उनना बछड़ा की मुरती बनाई अर ओको सामने बलि चढ़ई अर अपनो हात से बनाई वाली मूर्ति को लाने एक तिहार मनायो।

42 तब परमेस्वर न उनसे मुडो फेर लियो अर ओ ना उनका आकास ख नकितर हुन को भक्ति करन को लाने छोड़ दियो, जसो की भविष्यवक्ता कि किताब म लिख्यो है: इस्राएली हुन! का तुम ईसान हुन न बियाबान परदेस म चालीस बरस लक

मोखा जानवर बलि अर अनाज बलि नी! चढ़ायो रहा?

43 तुम मोलेक ख भी तम्बू

अर अपनो भगवान रिफान को तारा ख भी
अपनो संग म ले खा गयो रहा।

वा मूर्ती हुन भी तुम लेखा गयो

जिनका तुमना दण्डवत करन को लाने बनायो रखा।

44 “गवाई को तम्बू जंगल म हमारा बापदादा को बीच म हतो, जसो ओ ना ठहरायो जेना मूसा से येको बारे म कय्हो, जे आ ख तू न देखो है; ओको अनुसार ओखा बना।”

45 हमरा बाप दादा ओ ख हासिल कर ख तभी उते वहाँ आया रहा जब यहोसू को बखत म उन ना वी दुसरी जात हुन पा हक पायो जीन ख परमेस्वर न हमरा बाप दादा जोने निकाल ख बाहर कर दियो रहा। अर दाऊद को बखत तक असो ही रहा।

* 7:30 सीनै पहाड़ का मरुस्थल † 7:35 सासक ‡ 7:35 सासक § 7:38 निर्जल प्रदेश

46 दाऊद न परमेस्वर की किरपा को आनन्द उठायो। ओ ना सोचियो की उ याकूब ख अदमी हुन को लाने एक रहन को जगा बना सके।

47 पर सुलैमान न ओको लाने मन्दिर बनायो।

48 पर परमप्रधान से रहन वालो परमेस्वर हात को बनायो घर म नी रहवा, जसो की भविष्यवक्ता न कय्हो,

49 प्रभु बोला हैं, स्वर्ग मोरो सिंहासन,

अर जमीन मोरो लियो तुम कसो तरीका को घर बनायगो?

अर मोरो आराम को कोन सी जगह होयगो?

50 का यी सब चिज मोरो सामर्थ की बनाई वाली नी?

51 “स्तिफनुस आगे बोलते ही रयो तुम अदमी हुन कित्ता ढीट हैं। तुमना हमेसा दी सुध्द आत्मा को विरोध करयो हैं। तुम अपना वादा दादा ख जसा ही हैं।

52 का कोई भी असो भविष्यवक्ता हतो, जेखा तुमरा बाप-दादा न नी सतायो? उनना तो उन ख मार भी डाल्यो जिनना बेजा पहिले से ही उ धर्मी को आन को बारे म बता दियो रहा, जेखा अब तुमना धोका दे ख पकड़वा दियो अर मरवा डाल्यो,

53 तुम विईच ही आय जिनना स्वर्गदूत हुन को जरिया दी वाली नेम को विधान हासिल तो कर लियो पर ओपर चल्या नी।”

~~~~~

54 जसा ही सभा अदमी हुन न स्तिफनुस कि बात हुन ख सुनी ते वी घुस्सा से आग बबुला हो ख उठायो अर ओपर दाँत पीसन लग गया।

55 पर ओ ना सुध्द आत्मा म भरख स्वर्ग की तरफ देखियो अर परमेस्वर को महिमा का अर यीसु का परमेस्वर

56 एकोलाने ओ ना कय्हो, “देखो मी देख रयो हैं कि स्वर्ग खुल गयो हैं अर इंसान को पोरिया परमेस्वर को जेवनो तरफ खड़ो हैं।”

57 तब उनना बड़ो आवाज से पुकार ख कान बंद कर लियो, अर एक संग ओ पर झपटियो;

58 वी ओ ख घीसते हुए सहर ले गया अर ओपर पत्थर चलान लग गया। तभी विस्वासी हुन न अपना कपड़ा उतार ख साऊल नाम को एक जवान को पाय को जोने रख दियो।

59 वी लोग स्तिफनुस पर पत्थर फेकते रह, अर वी यू कह ख विनती करत रय्हो, “हे प्रभु यीसु, मोरी आत्मा का ग्रहण कर।”

60 फिर ओ न घुटना बल टिक ख ऊँचो सब्द से पुकारा, “हे प्रभु, यू पाप ख उन को विरुद म मत लगाजो।” अर यू इत्तो कह ख मर गयो।

## 8

साऊल ओके अधिन म सहमत हतो।

~~~~~

1 साऊल ओको मरन को संग सहमत हतो। उही दिन यरूसलेम को कलीसिया पर बड़ो मूसिवत आरम्भ भयो अर प्रेरित हुन का छोड़ सब क सब यहूदिया अर सामरिया देस हुन म तितर-बितर हो गयो।

2 कुछ भक्त हुन न स्तिफनुस ख कब्र म रखो अर ओको लियो बड़ो सोक विलाप कियो।

3 साऊल कलीसिया ख उजाड़ रय्हो हतो; अर घर-घर घुस ख घसीट अदमी अर बाई हुन ख खीच ख जेल म डालत हतो।

~~~~~

4 जे विस्वासी म तितर-बितर भया हते, वी सुसमाचार सुनात भया फिरत हते;

5 अर फिलिप्पुस सामरिया नगर म जाय ख लोग हुन म मसी को प्रचार सुनावन लगयो।

6 फिलिप्पुस का अदमी हुन न जब सुन्यो अर जो हईब ख चिन्ह ख उ पर घट करते जात रहा, देख्यो, ते जो बात हुन ख उ बतात रहा उन पा उनना खुब ध्यान से ध्यान दियो।

7 ढेर सारा इंसान हुन म से, जिनमा बुरी आत्मा समायो हतो रहा, वी बड़ी जोर से किलकारी मार ख बादर निकल ख अई रह। ढेर सारा लकवा ख बीमार अर लंगडा अच्छो होत रहा।

8 यु तरीका से सहर म बड़ो खुसी छा गयो।

9 वहाँ समोन नाम को एक अदमी रहत रहा। उ काफी दिन से वहाँ जादू-टोना करते जात रहा अर सामरिया ख इंसान हुन ख सोच म डाल देत रह। उ महान अदमी होन को दावा करत रहा

10 छोटा से लेकर बड़ा तक सभी इंसान हुन ओकी बात हुन पा ध्यान देत रहा अऊर बोला, “यू अदमी परमेस्वर की वई सकती आय जो महा सक्ति कह लाय हैं।”

11 ओ न बेजा दिन हुन से उनका जादू को काम हुन से चकित कर रखो हतो, एकोलाने वी ओको बेजा मानत हैं।

12 पर जब उनना जब फिलिप्पुस पा भरोसा करयो काहेकि ओ ना उनका परमेस्वर को राजा को सुसमाचार अऊर यीसु मसी को नाम सुनायो रहा, ते वी अदमी ओरत दोई से बपतिस्मा लेन लग गया।

13 तब समोन न खुद भी विस्वास कियो अर बपतिस्मा लेय ख फिलिप्पुस को संग रहन लगिया। वी चिखान अर बड़ो-बड़ो सक्ति को काम होत देख ख बड़ो अचिम्मित होत हतो।

14 जब प्रेरित हुन न जो यरूसलेम म हते, सुनियो कि सामरिया हुन न परमेस्वर को वचन मान लियो हैं ते पतरस अर यूहन्ना का ओके नजीक भेजियो।

15 फिर जब वी पहुँचिया ते उनना उनको लाने विनती करी कि उनका सुध आत्मा मिले।

16 काहेकि वी अब तक ओमा से कोई पर नी उतरियो हतो, उनना ते केवल प्रभु यीसु को नाम म बपतिस्मा लियो हतो।

17 एकोलाने पतरस आ यूहन्ना न उन पा हात धरया अर उनका सुध आत्मा मिल गयो।

18 जब समोन न देखियो कि प्रेरित हुन को हात रखन से सुध आत्मा दियो जात हैं, ते ओको नजीक पैसा लाय ख क्य्हो,

19 “मो ख भी असी अधिकार दे, कि जे कोई पर मी हात रखू ते वी सुध आत्मा पाएगो।”

20 पतरस न ओसे क्य्हो, “तोरों अर तोरो धन को सत्यानास होय, काहेकि तू न असो सोच्यो कि तू पैसा से परमेस्वर ख वरदान हुन ख मोल ले सका हैं।

21 इ बात म नी तोरो हिस्सा हैं, नी भाग; काहेकि तोरो कोई हिस्सा नी मन परमेस्वर को आगु सिधो नी हैं।

22 एकोलाने अपनी या बुरी चाल से मन फिरा ख अर प्रभु से विनती कर। हो सका हैं तोरो मन म जो विचार हतो, उ विचार को लाने तोखा माप कर दियो जाय।”

23 काहेकि मी देख रयो हैं कि तू अधर्म से भरो पड़यो हैं अर पाप को चुंगल म फस गयो।

24 पतरस न समोन अर यूहन्ना ख उत्तर दियो, “तुम प्रभु से मोरो लाने विनती करो कि ताकि तुमना जो कुछ बोल्यो हैं, ओमा न से कोई भी बात मोपर नी घटन करी।”

25 जब वी अपनी दे ख अर प्रभु को वचन सुना ख रस्ता ख ढेर सारा सामरी गाँव हुन म सुसमाचार को बारे म बताते हुए यरूसलेम लऊट आयो।

~~~~~

26 प्रभु को एक स्वर्ग दूत न फिलिप्पुस ख बोलते हुए बताया “तैयार हो जा, अर दक्खिन दिसा म वा रस्ता म जा, जो यरूसलेम से गाजा ख जावा हैं।” यू एक बियावान रस्ता हैं।

27 एकोलाने उ तैयार भयो अर निकल पड़यो वही एक कूस को खोजा हतो। उ कूस की रानी केदेको को एक अधिकारी हतो जो ओको पूरो खजाना को राज्यपाल हतो। उ बिनती करन को लाने यरूसेलेम गयो रहा।*

28 लोउते बखत उ अपनो रथ पर बैठो भयो हतो, अर यसायाह भविष्यवक्ता को किताब पढ़त भयो लउट जा रह्यो हतो।

29 तभी फिलिप्पुस ख आत्मा न बतायो कि, “उ रथ को जोने जा अर उते ही रूक।”

30 फिलिप्पुस जब उ रहा को जोने दऊड ख गयो ते ओ ना ओखा यसायाह भविष्यवक्ता कि किताब पढ़ते सुन्यो। एकोलाने उ बोल्यो, “का जेखा तू पढ़ रयो हैं ओखा का समझा भी हैं?”

31 अधिकारी न उत्तर दियो, “भी भला तब लक कसो समझ सकू हैं। जब लक कोई मोखा ऐका नी समझान को?” फिर ओ ना फिलिप्पुस ख रथ पा अपनो संग बैठन ख बुलायो।

32 सास्र को जो भाग ख उ पढ़त रहा उ हतो:

“ओखा बली चढ़न वाली भेड़ को जसो ले जायो गयो।

उ तो उ पिल्ला को समान चुप था।

जो ऊन करन कि बखत चुप-चाप रहवा हैं,

ठीक वसो ही ओ ना अपनो मुंडो नी खोल्यो!

33 ओको सिधो स्वभाव म ओको संग न्याय नी हो पायो।

ओको बखत का अदमी हुन को बारे म कऊन बता सका हैं?

काहेकि ओ कि जिन्दगी खतम कर दी हैं।

काहेकि दुनिया से ओको प्रान उठा लियो हैं।”

34 “ये पर खोजे न्याय अधिकारी न फिलिप्पुस से पुछ्यो, मी तोसे प्रार्थना करू हैं, यू बता कि भविष्यवक्ता यू कोन को बारे म बोला हैं, अपनो बारे म या कोई दुसरो बारे म?”

35 फिर फिलिप्पुस न कहेनो सुरू करयो अर यू सास्र से लेका यीसु को सुसमाचार लक सब ओखा बता दियो।

36 “रस्ता म आगे बढ़ते हुए वी कई पानी को जोने पहुँचिया फिर उ खोजा मंतरी न क्यहो, देख! यहाँ पानी हैं।” अब मोखा बपतिस्मा लेनो म का बात को रोक हैं?

37 फिलिप्पुस न कहयो “अदि तू पुरो मन से भरोसा करह हैं ते ले सकह हैं।” ओ न उत्तर दियो, “मी भरोसा करू हैं कि यीसु मसी परमेस्वर को पोरिया हैं।”

38 तब ओ ना रथ खडो करन को आदेस दियो, अर फिलिप्पुस अर खोजा दोई पानी म उतर पढ़िया, अर ओ ना खोजा ख पानी बपतिस्मा दियो।

39 जब वी पानी म से निकल ऊपर आय, ते प्रभु को आत्मा फिलिप्पुस का उठायो ले गयो, अर खोजे न ओ ख फिर नी देखियो अर उ खुसी मानत हुयो अपनो रस्ता म चल दियो।

40 फिलिप्पुस असदोद म निकल्यो, अर जब तक कैसरिया म नी पहुँचियो, तब तक पुरो नगर-नगर सुसमाचार सुनाते गयो।

9

~~~~~ 22-26:16; 26:12-18 ~~~~~

(~~~~~ 22:6-16; 26:12-18)

1 साऊल प्रभु ख मानन वाला विस्वासी अदमी हुन ख मार डालन कि धमकी देते ही जात रह उ प्रमुख याजक को जोने गयो

\* 8:27 खोजा एक पुरुष लीग व्यक्ति हैं, जो सर्वसामान्य लैंगिक सामान्य सम्बन्ध नी साध सकते काहेकि उसकी सुक्रयन्थी को निकाला गया होता हैं।

2 फिर ओ ना दमिस्क को प्रार्थना घर म हुन ख नाम माँग ख अधिकार चिट्ठी ले लियो जसो ओखा वहाँ अदि कोई ओखा यीसु मसी ख मानन वाला विस्वासी मिले, फिर जाहे वा ओरत होय चाहे अदमी होय ते उ उनका पकड़ ख फिर वापस यरूसेलम लेखा आहे।

3 जब साऊल दमिस्क सदा को जोने पहुँच गयो, ते एक दम से आकास म से उजाला ओकी आँखी म आ गयो,

4 अर वी जमीन पर गिर पड़ो अर यू सब्द सुनियो, “हे साऊल, हे साऊल, तू मोखा काहे सतावा है?”

5 साऊल न पुछ्यो, “प्रभु, तू कोन आय?” उतर मिल्यो, “मी यीसु आय, जेखा तू सतावा है।

6 पर तू अब खड़ो हो अर सहर म जा। उते तोखा बता दियो जाहे कि तोखा का करोने चाहिए।”

7 जे अदमी ओके संग हते, वी दंग रह्य गया; काहेकि सब्द ते सुनत हते पर या कोई का नी देखयो।

8 तब साऊल जमीन पर से उठयो, परन्तु जब आँख हुन खोली ते ओ ख कुछ नी दियो, अर वी ओखा हात पकड़ का दमिस्क सहर ले गयो।

9 वी तीन दिन तक नी देख सकिया, अर वी दिन म कुछ नी खायो अर न पियो।

10 दमिस्क म हनन्याह नाम को एक चेला हता, ओसे प्रभु न दर्शन म क्य्हो, “हे हनन्याह!” ओ न क्य्हो, “प्रभु मे याहा हूँ।”

11 तब प्रभु न ओसे क्य्हो, उठ ख उ गली म जा जो “सिंधी” कहलाता है, अर यहूदा का घर म साऊल नाम को एक तरसुस वासी का पुछियो; काहेकि देख, वी प्रार्थना कर रह्यो है,

12 “अर ओ न हनन्याह नाम को एक अदमी का आन्दर आत अर अपन ऊपर हात रखत देखो है; ताकि फिर से नजर पाएगो।”

13 हनन्याह न उत्तर दियो, “हे प्रभु, मी न यू इंसान को बारे म बेजा कुछ सुनो है कि यरूसेलम म तोरो ऊपर सुब्द अदमी हुन को संग यरूसेलम बड़ो-बड़ो बुराई हुन की है;

14 अऊर यू भी येखा प्रमुख याजक हुन की तरफ से अधिकार मिलो है, जो इंसान हुन तोरो नाम ख लेवा है वी सब ख बाँध ले।”

15 पर प्रभु न ओसे क्य्हो, “तू जा काहेकि यू इंसान ख गैर यहूदी हुन अर राजा हुन अऊर इस्राएल ख रहन वाला इंसान हुन को सामे मोरो नाम लेवन को लाने मीन ऐका चुनियो।”

16 “अर मी तो ख बताऊंगो कि मोरो नाम को लियो ओ ख कसो कसो दुख उठानो पड़ेगो।”

17 तब हनन्याह उठ ख ओ घर म गयो अर जाहा साऊल था, अर ओ पर पर अपनो हात रख ख क्य्हो, “हे साऊल भई, प्रभु, अर्थात् यीसु, जे ओ रस्ता म, जेसे तू आयो तोखा दिखाई दियो हतो, ओको न मोखा भेजो है कि तू फिर नजर पाएगो अर सुब्द आत्मा से भर जाएगो।”

18 फिर तुरत बाद छिलका जसी कोई चीज ओकी आँखी से गीड़ी अर ओखा फिर से दिखन लग गयो। उ खड़ो भयो अर ओ ना बपतिस्मा लियो;

19 फिर थोड़ो सो खाना का बाद ओ ना अपनी ताकत ख फिर से ले लियो। उ दमिस्क म विस्वासी चेला हुन को संग कुछ दिन अऊर रूकियो।

~~~~~

वी कई दिन उन चेला हुन को संग रह्यो जे दमिस्क म हते।

20 अर वी तुरत प्रार्थना घर हुन म यीसु को प्रचार करन लगिया कि यीसु ही परमेस्वर को पोरिया है।

21 जो कोई न मी, ओको परचार ख सुन्यो म पड़ गया अऊर कहन लग्या, “का यू उई नी आय, जो यरूसेलम म यीसु को ऊपर भरोसा करन वाला ख करन कि कोसिस करत रहा अऊर का यू क इते पकड़न अर प्रमुख याजक हुन को जाने लेका जान को लाने नी आयो रहा?”

22 पर साऊल को परचार अऊर मी जादा सक्तीसाली होते गयो अऊर दमिस्क म रहन वाला यहूदी हुन ख यू बताते हुए कि यू यीसु ही मसी आय, हरान लग गयो।

23 बेजा रोज बीत जान को बाद यहूदी हुन न ओखा मार डालन को लाने पिलान बनायो।

24 पर ओकी योजना साऊल को पता चल गयो। वी सदा अर दरवाजा हुन पा रात दिन तौँक लहा ख रहत रहा ताकि ओखा खतम कर दे हे।*

25 पर रात ख ओके चेला हुन न ओ ख बाउनडरी म बैठ यो, अर बाउनडरी पर से लटका ख उतार दियो।

~~~~~

26 फिर जब पोलुस यरूसेलम पहुँचियो ख ओ न चेला हुन को संग मिल जानो को प्रयास कियो; पर सब ओसे डरत हते, काहेकि उन ख विस्वास नी होत हतो, कि वी भी चेला हैं।

27 पर बरनबास न ओ ख अपना संग प्रेरित हुन क नजीक ले जाय ख ओको बतायो कि साऊल से मार्ग म प्रभु ख देखियो, अर ओ ना ओसे बात कियो; फिर दमिस्क म इन कसो हिम्मत से यीसु को नाम से प्रचार कियो।

28 वी ओके संग यरूसेलम म आन जान रह अर बेधडक होयका प्रभु को नाम से प्रचार करत रहा।

29 अर कोई को डर नी होय ख प्रभु का नाम से प्रचार करत हता; अर उ यूनानी भासा बोलन वाला यहूदी हुन को संग बातचीत अर झगडा-लगडा करत लगिया।

30 यू जान ख भई ओ ख साऊल को कैसरिया ले आयो अर तरसुस ख भेज दियो।

31 असो तरीका से पुरो यहूदिया, गलील, अर सामरिया कि कलेसिया को उ बखत सान्ति से बितीयो। वहाँ कलेसिया अऊर जादा तेजी से बढ़न लग गी। काहेकि कि वी प्रभु से डर ख अपनो जीवन बितात रहा, अर सुध्द आत्मा न ओखा अऊर जादा उकसायो कय्हो रहा एकोलाने उनकी गिनती बढ़न लग गई।

~~~~~

32 फिर असो भयो कि पतरस लुदा म पूरो परदेस म फिरते रयो, उ सुध्द अदमी हुन का नजीक भी जा पहुँचियो जे लुदा म रहत हते।

33 उही ओ ख एनियास नाम को लकवा को जुड़ वाला एक अदमी मिलियो, जो आठ साल से खटिया म पड़ो हतो

34 पतरस न ओसे कय्हो, “हे एनियास! यीसु मसी तो ख चंगो करह हैं। उठ, अपनो बिछोना बिछा ठिक कर।” तब वी तुरंत उठ खडो भयो।

35 तब लुदा अर सारोन क सब रहन वाला ओ ख देख ख प्रभु की ओर फिरा।

36 याफा म तबीता नाम कि एक विस्वासी बाई रहत रहा। जेको यूनानी मत लब होय हैं, “दोरकास एको मतलब” हिरनी वा हमेसा भलाई काम कर रहा अऊर गरीब हुन ख दान देत रहा।

37 उई बखत म वा जुड़ा हो गई; अर उन ना ओखा पानी सपडा ख अटारी पर रख दियो।

38 एकोलाने कि लुदा याफा सहर को नजीक हतो रह, चेला हुन न यू सुन ख कि पतरस ओमा हैं, दो अदमी भेज ख ओसे विनती करी, “कि हमरो यहाँ आनो म देर मत कर जो।”

39 तब पतरस उठख ओको संग हो लियो, अर जब वी पहुँचियो ते वी ओ ख उ अटारी पा ले गयो। सब विधवा हुन रोती हुयो ओको नजीक आ खडी भई अर जे कुरता अर कपडा दोरकास न ओको संग रहत हुए बनायो हते, दिखन लगिया।

40 तब पतरस न सब ख बहार निकाल दियो, अर घुटना टेक ख विनती करी अर मुर्दा लास कि तरफ देख ख कय्हो, कि “अरे तबीता, उठ।” तब ओ ना अपनी आँखी खोल दियो; अर पतरस ख देख ख उठ बैठी।

* 9:24 यो। वी ते ओ ख मार डालन ख लियो रात दिन सहर को फाटक हुन पर घात म लगे रहत हते † 9:37 बिमार

41 ओ ना हात देख ख ओखा उठायो, अर अदमी या सुध्द अदमी हुन अर राइ भई वाली बाई ख बुला ख ओखा जिन्दो दिखा दियो।

42 या बात पुरो याफा म फैल गयो; अर ढेर सारो न प्रभु पर भरोसा कियो।

43 अर पतरस याफा म समोन नाम को कोई चमडा को धंदा करन वालो का घर म बेजा दिन तक रह्यो।

10

प्रेरितो 10:20-21

1 कैसरिया म कुरनेलियुस नाम को एक अदमी थो। जो रोमी सेना को सेना नायक हतो जेका इतालवी सेना दल को सतपति बोल जते रहा।

2 उ भक्त हतो, अर अपन सारो घरानो समेत परमेस्वर से डरत हतो, उ यहूदी गरीब इंसान हुन ख मददत को लाने दान देत रह्यो, अर रोज दिन परमेस्वर से विनती करत हतो।

3 ओ ना दोपहर को तीन बजे को नजीक दर्सन म साफ सुतरो से देखियो कि परमेस्वर को एक स्वर्गदूत ओको नजीक आन्दर आय ख कहत हैं, “कुरनेलियुस!”

4 एकोलाने कुरनेलियुस करते हुए स्वर्ग दुत कि तरफ देखते बोल्यो, “अरे प्रभु, यू का आय?” स्वर्ग दूत न ओसे कय्हो, “तोरी विनती अर गरीब लचार ख दियो वालो दान तो ख याद दिलान को लाने परमेस्वर को जोने पहुँच गया हैं।”

5 अऊर अब कुछ इंसान हुन ख याफा भेज अऊर समोन नाम को एक इंसान ख, जोका पतरस भी बोलो जावा हैं; इते बुलवा ला।

6 “उ समोन नाम को एक चमडा को धंदा कान वालो को संग रह रयो हैं। ओको घर सागर को किनार म हैं।”

7 जब वी स्वर्गदूत जे तोसे बात कि हती चलो गयो, ते ओ ना अपना दो दास हुन बुलायो, अर जो ओके नजीक म रह्यो करत हते ओ म से एक निजी साहयक भलो सिपाही ख बुलायो,

8 अर उन्हो सब बात बता ख याफा का भेजो।

9 दूसरो दिन जब वी चलत चलत नगर का नजीक पहुँचिया, तब पतरस लगभग दोपहर को निकट छत म प्रार्थना करन चढ़ियो।

10 जब वी खाना बनात ही रह।, ते पतरस न तैयारी कर रह्यो हतो ते पतरस न दर्सन देख्यो।;

11 अऊर ओ ना देख्यो कि आकास खुल गयो हैं। अऊर एक बडो चादर जसो कोई चीज नीचु उतर ख आवा हैं। ओखा चारी कोना से पकड़ ख जमीन पा उत्तरो जावा हैं।

12 जे म जमीन को सब प्रकार को चऊपाए अर रेगन वालो जानवर अर आकास क पकछी हता।

13 ओ ख एक असो सव्द सुनाई दियो, “भी एक वानी न कहयो पतरस उठ, अर इनका मार अऊर खा।”

14 पतरस न बोल्यो, “प्रभु बिलकुम भी नी, काहेकि मी न कभी भी असुध्द या असुध्द खाना क कभी मी नी खायो।”

15 फिर दूसरो बार ओ ख सव्द सुनाई दियो, जे कुछ परमेस्वर न सुध्द ठहरायो हैं, “ओ ख तू काहे असुध्द मत कहव।”

16 तीन बार असो भयो; तब तुरत वी थाली आकास पर उठा लियो गयो।

17 जब पतरस अपन मन म सोच म हतो, कि यू सपना जे मी न देखो, वी कहो सकत हैं, ते देखो, वी अदमी जिनका कुरनेलियुस न भेजो हतो, समोन को घर पता लगाया ख ओको दुवार को आ ख खडो भया,

18 अर पुकार ख पूछन लगियो, “का समोन जे पतरस कहलावा हैं, उ यही मेहमान हैं?”

19 पतरस तो ओ दर्सन पर ही सोच ही रह्यो हतो, कि आत्मा न ओसे कय्हो, “देख, तीन अदमी तोरो खोज म हैं।

20 अतः उठ ख नीचो जा, अर बिना सक ओखा संग हो लेवा; काहेकि मी ही न उनका भेजो हैं।”

21 तब पतरस न उतर ख उ अदमी हुन से कय्हो, “देख, जेकी खोज तुम कर रय्हा हैं, वी मी ही हूँ। तुम्हारो आन को क कारन हैं?”

22 उनना बोल्यो, “हमका सतपति कुरनेलियुस न भेजो हैं। उ परमेस्वर से डरन वालो धर्मी इंसान आय। यहूदी जात म ओकी बेजा मान इज्जत हैं ओसे सुध्द स्वर्गदूत न तोखा अपनो घर बुलान को निवता देन को अऊर जे कुछ तू कहे ओखा सुनन कि बोल्यो हैं।”

23 ये पर पतरस उन्हे भीतरी बुला लियो अऊर रुकन को लाने जगह दी। फिर दुसरो रोज तैयारी कर ख उ उनको संग चल दियो। अऊर याफा ख कुछ भई हुन भी ओको संग चल दियो।

24 दूसरो दिन वी कैसरिया पहुँचिया, अर कुरनेलियुस अपन कुटुम हुन अर चोक्खो दोस्त ख इकट्ठा कर ख ओकी रस्ता देखत रय्हा हतो।

25 जब पतरस पीछे आत रह हतो, ते कुरनेलियुस न ओसे मुलाकात करी, अर ओको पाय पर गीर ख ओको पाय पड़ियो;

26 पर पतरस न ओखा उठा ख कय्हो, “खड़ो हो, मी भी तो एक इंसान ही आय।”

27 अर ओको संग बात चीत करते हुये भीतर गयो, अऊर उते ओ ना ढेर सारा विस्वासी हुन ख इकट्ठो देख ख।

28 ओ ना ओसे कय्हो, “तुम जाना हैं कि एक यहूदी को लाने अनजात को संग नाता रखनो या ओको घर जानो नियम को हिसाब से गलत हैं। पर फिर भी परमेस्वर न मो ख बतायो हैं कि मी कोई भी इंसान हुन ख नीच या असुध्द नी कैय सकू।

29 एकोलाने जब मी बुलायो गयो ते बिना कुछ बोल ख चलो गयो। अब मी पुछ्छु हैं कि मोखा कोन सो काम को लाने बुलायो गयो हैं?”

30 ये पर कुरनेलियुस म कय्हो, “चार रोज पहिले इत्ती बखत दिन को तीन बजे नी अपनो घर म बिनती करत रहा एकदम से सफेत फट कपड़ा म एक इंसान मोरो जोने आ ख खड़ो भयो।”

31 अऊर बोल्यो, “कुरनेलियुस। तोरी बिनती सुन लियो हैं अऊर गरीब लचार ख दियो वाला तोरा दान परमेस्वर को जोने पहुँच गया हैं।

32 एकोलाने कोई क याफा भेज ख समोन ख जोका पतरस बोला हैं, बुला। उ समुंदर को किनार समोन, चमडा को धंदा करन वालो को घर म मिजवान हैं।

33 ऐको लाने तब मीना तुरत तोरो जोने अदमी भेजियो, अर तू न चोक्खो करियो कि तू आ गयो। अब हम सब इते परमेस्वर को जोने हैं, ताकि जो कुछ प्रभु न तोसे कय्हो हैं ओखा सुने।”

???? ? ? ???????

34 तब पतरस न कय्हो, “अब मो ख भरोसा भयो कि परमेस्वर कोई को संग पक्ख नी करा,”

35 बलकी अदमी कोई भी जात को काहे नी होय जो आते डरा हैं अऊर धर्म काम करा हैं उ ओखा अपना लेवा हैं।

36 यईच आय वा खबर जेका ओ ना यीसु मसी को दुवारा सान्ति को सुसमाचार ख परचार करते बखत इस्राएल ख इंसान हुन ख दियो थो उ सभी को प्रभु आय।

37 “तुम वा बड़ी घटी-घटना ख जाना हैं,” जो पुरो यहूदिया म बिती रहा। गलील से सुरू हो का यूहन्ना को बपतिस्मा दियो जान को बाद से जेको प्रचार यूहन्ना न करो गयो रहा:

38 परमेस्वर न उसी नासरी यीसु कसो तरीका से यीसु नासरत ख सुध्द आत्मा अर सामर्थ्य से अभिसेक करियो; उ भलाई करा अर सब का जो सैतान का सताया वाला हता, चोक्खो करते फिरीयो, काहे की परमेस्वर को संग म हतो

39 हम वी सब काम हुन को गवाह हैं; जो ओ ना यहूदिया को अऊर यरूसेलेम म भी करीया। उईच यीसु ख उनना सूली पा खिल्ला ठोक ख लकड़ी पा लटका ख मार डाल्यो।

40 ओको परमेस्वर न तिसरो रोज जिन्दो कियो, अर प्रगट भी कर दियो हैं;

41 सब अदमी हुन पर वरन् उ गवाह हुन पर जिन ख परमेस्वर न पहलो से ही लियो हतो अर्थात् हम पर जिन्होना ओको मरो भयो म से जिन्दो उठन को बाद ओको संग खायो पियो;

42 “ओ ना ही हमका आदेस दियो कि हम इंसान हुन ख बताया अऊर साबीत करे कि यू उईच आय, जो परमेस्वर न जिन्दो अर मरो हुओ को न्याय करन वालो का बनन ख चुनो गयो हैं।

43 ओकी सब भविष्यवक्ता गवाई देव हैं कि जे कोई ओ पर विस्वास करेगों, ओको ओके नाम को द्वारा पाप हुन को माफ मिलेगी।”

~~~~~

44 पतरस यू बात कह ही रख्यो हतो कि सुध्द आत्मा ओको सन्देस सुनन वालो पर उतर आयो।

45 काहेकि सुध्द आत्मा को वरदान गैर यहूदी हुन पा भी उँडेल दियो जात रहा, एकोलाने पतरस को संग आया वाला यहूदी विस्वासी सोच म पड़ गया।

46 काहेकि वी गैर यहूदियो उन्होना उन ख अलग अलग भासा बोलत अर परमेस्वर कि बड़ाई करत सुनियो। इ पर पतरस न कय्हो,

47 “क कोई पानी ख रोक सकत हैं कि ये बपतिस्मा नी पायो, जिन्होना हमारो समान सुध्द आत्मा पायो हैं?”

48 अर पतरस अपना हुकुम दियो कि उन ख यीसु मसी को नाम म बपतिस्मा दियो जाएगो। तब उन्होना पतरस से ओसे विनती की कि वी कुछ दिन अर ओके संग रख्ये।

## 11

~~~~~

1 फिर प्रेरित हुन अर भई हुन जे यहूदिया म हते सुनो कि दुसरी जात हुन न भी परमेस्वर को वचन मान लियो हैं।

2 जब पतरस यरूसलेम पहुँचियो ते जो विस्वास हुन न खतना कर लियो वाला इंसान हुन ओसे भेस बाजी करन लग गया,

3 “तू न खतना नी करिया लोग हुन ख यहाँ जाय ख ओके संग काहे खायो।”

4 ये पर पतरस न हकिगत म जो घटयो रहा, ओखा सुनान समझान लग गया,

5 मी याफा सहर म विनती कर रख्यो हतो, अर बेसुध्द* होय ख एक सपना देखियो कि एक थाली, बड़ो चादर को समान चारो कोन हुन से लटकायो भयो, आकास से उतर ख नजीक आयो।

6 जब मी न ओ पर ध्यान से देखयो, ते ओमा दुनिया का चार पाय वाला अर जंगल म जानवर अर रेगन वाला जीव जन्तु अर आकास म उडन वाली चिड़िया हुन देखो;

7 अर यू आवाज भी सुनो, पतरस उठ, पकड़ मार अऊर खा।

8 “पर मीन कय्हो,” प्रभु सही म नी, काहेकि मीना कभी भी कोई असुध्द अर असुध्द खाना ख हात से छियो तक नी हाय।

9 येको बारे म आकास से दुसरी बार फिर से या आकासवानी भई, जो कुछ परमेस्वर सुध्द ठहरायो हैं ओखा असुध्द मत बोला।

10 तीन बार असो ही भयो; तब सब कुछ फिर आकास म उठा लियो गयो।

11 अर देखो, तुरत तीन अदमी जे कैसरिया से मोरो नजीक भेजो गयो हतो, उ घर पर जेम हम हते, आ ख खडो भया।

12 तब आत्मा न मोसे उनको संग बेधड़क चल कय्हो।, यी छे: भई हुन मी मोरो संग गया। अऊर हमना उ इंसान को घर म गया।

13 ओ ना हम ख बतायो, कि ओ ना एक स्वर्गदूत ख अपनो घर म खडो देखो, जेना ओसे कय्हो, याफा म इंसान भेज ख समोन ख जेखा लोग हुन पतरस बोला हैं, बुलवा ला।

* 11:5 गहरी नींद मे सोना, कोई होस मे नही

14 उ तुम से असी बात बोलेंगो, जेको व्दारा तू अर तोरो परिवार या घराना उध्दार पाएगो।

15 जसो ही मीना बोलनो चालू करयो ते सुध्द आत्मा उन पा उतरियो। ठीक वसो ही जसो सरू म हम पर उतरियो रहा।

16 तब मोखा प्रभु को उ वचन याद आयो; जो ओ ना कय्हो रह, यूहन्ना न तो पानी से बपतिस्मा दियो, पर तुम सुध्द आत्मा से बपतिस्मा पाएगो।

17 असो तरीका से अदि परमेस्वर न गैर यहूदी हुन ख मी उईच वरदान दियो जेखा ओ ना जब हमना प्रभु यीसु मसी को नाम पा भरोसा मी करयो रह, तब हमका दियो रहा, “ते रोकन वालो मी कोन होत आय?”

18 विस्वासी हुन न जब यू सुनियो ते उनना जबाब पुछ्नो बन्द कर दियो। “वी परमेस्वर कि बड़ाई कर ख कहन लग गया,” अच्छा, ते परमेस्वर न गैर यहूदी हुन तक ख मन फिरान को उ मऊका दे दियो हैं, “जो अनन्त काल को जीवन की तरफ ले जाय हैं।”

~~~~~

19 वी इंसान जो उ स्तिफनुस को बखत म पड़ो मिलन वालो दुख को वजे से तितिर-बितर हो गया रहा, वी फीनीके अर साइपरस अर अन्ताकिया म पहुँचियो; पर यहूदिया ख छोड़ कोई अर का सन्देश नी सुनात रह।

20 यीच गैर यहूदी हुन म से कुछ झन साइपरस अर कुरेनी ख विस्वासी हता, वी अन्ताकिया म आय ख गैर यहूदी हुन ख भी प्रभु यीसु को सुसमाचार की बात सुनावन लग गया।

21 प्रभु की सामर्थ ओ पर हती, अर ढेर सारो इंसान भरोसा कर ख प्रभु की तरफ फिरया।

22 जब ओकी चर्चा यरूसलेम की कलीसिया को सुननो म आई, ते उनना बरनबास का अन्ताकिया भेजो।

23 उ वहाँ पहुँच ख अर परमेस्वर की दया देख ख खुस हो गयो, अर सब ख ग्यान दियो कि तन मन लगा ख प्रभु से लिपटिया रहनु।

24 काहेकि बरनबास एक अच्छो इंसान हतो, अर सुध्द आत्मा से भयो हतो मजबूत हतो; अर ढेर सारो इंसान प्रभु म आ खा मिलयो

25 ओको पस्चात बरनबास साऊल ख ढूँढन को लाने तरसुस ख चल दियो।

26 जब उ ओसे मिलो ते ओखा अन्ताकिया म लायो अर असो भयो कि वी एक साल तक कलीसिया को संग मिलत अर ढेर सारो इंसान हुन ख परमेस्वर को ग्यान सिखाते रया; अर चेला सबसे पहलो अन्ताकिया ही म मसी कहलायो।

27 वी दिन म कई भविस्यवक्ता यरूसलेम से अन्ताकिया आयो।

28 उनमा से अगबुस नाम को एक न खडो होख सुध्द आत्मा की अगुवाई से यू बतायो कि पुरो दुनिया म एक भयानक अकाल पडन वालो हैं उ अकाल क्लोदियुस को बखत म आयो रहा।

29 तब चेला हुन न निर्णय करियो कि हर एक झन अपनी-अपनी पूंजी को हिसाब से यहूदिया म रहन वाला भई हुन की मदत को लाने कुछ भेजयो हैं।

30 उनना असो ही कियो; अर बरनबास अर साऊल को हात सियाना को नजीक दान भेजो दियो।

## 12

~~~~~

1 ओ बखत हेरोदेस राजा न कलीसिया का कई इंसान हुन ख मार डालन को लाने उन ख पकड़ियो।

2 ओ न यूहन्ना को भई याकूब का तलवार से मार डालियो।

3 जब ओ न देखियो कि यहूदी लोग इसे खुसी होत हैं, ते ओ ना पतरस का भी पकड़ लियो वी दिन अखमीरी रोटी को दिन हतो।

4 ओ न पतरस ख पकड ख जेल म डाला दियो, अर चार-चार सिपाही हुन क चार पहरों म रखो हतो; इ विचार से की फसह को तिहार को बाद ओपर मुकदमा चलान कि सोचत रहा।

5 जेल खाना म पतरस बन्द हतो; उते कलीसिया ओको लाने लो लगाया ख परमेस्वर से बिनती करते रहा।

~~~~~

6 जब हेरोदेस ओ ख लोग हुन को सामे लान को हतो, उही रात पतरस दो जंजीर से बंधो भयो दो सिपाही हुन को बीच म सो रख्यो हतो; अर पहरूयो दरवाजा प जेल को रखवाली कर रख्यो हतो।

7 अचानक प्रभु को एक स्वर्ग दूत वहाँ पर घट हो गयो, जेल कि कोठरी उजैरो से चकाचक हो गई, ओ ना पतरस कि पीठ थपथपायो अऊर ओखा जगा ख क्य्हो, तुरत खडो हो। साँकल हात से खुल ख गीर गई।

8 तब स्वर्गदूत न ओसे क्य्हो, “कमर बाँधियो, अर अपन चप्पल पहिन लेवा।” ओ न वसो ही कियो। फिर ओ न ओसे क्य्हो, “अपनो कपड़ा पहिन ख मोरो पिछु हो लेवा।”

9 पतरस निकल ख ओको पिछु होए लियो; परन्तु यू नी जानत हतो कि जे कुछ स्वर्गदूत कर रख्यो हैं वी सच हैं, वरन् यू समझो कि मी सपना देख रख्यो हैं।

10 तब वी पहलो अर दूसरो पहरों से निकल ख ओ लोहो को फाटक पर पहुँच ख, जे नगर की तरफ हैं। वी ओको लियो तुम खुलो गयो, अर वी निकल ख एक ही गली होयख गयो, अर अर तुरत ही स्वर्ग दूत ओ ख छोड ख चलो गयो।

11 फिर पतरस ख जसो ही होस आयो, ओ ना बोल्यो, “अब मोरी समझ म आयो कि यू सचमुच म सही हैं कि प्रभु न अपनो स्वर्ग दूत ख भेज ख राजा हेरोदेस को पंजा से मोखा छुडायो हैं। यहूदी इंसान हुन जो कुछ मोरो संग करन कि सोचत रहा, ओसे ओ ना ही मऊका बचायो हैं।”

12 यू जान ख वी उ यूहन्ना की माय मरियम को घर म आयो, जे मरकुस कहलाता हैं। उही बेजा से लोग जमा हो ख अर प्रार्थना कर रख्यो हते।

13 जब ओ ना दुवार की खिडकी खटखटायो, ते रूदे नाम को एक दासी देखन ख आई।

14 पतरस को सब्द पहचान ख ओ न खुसी को मारे म ओ न फाटक नी खोलियो, पर वी तुरंत आन्दर भाग ख गई अर बतायो कि पतरस दुवार पर खडो हैं।

15 उन्होना ओसे क्य्हो, “वी ओ से बोल्यो तू पागल हो गई हैं।” पर वी हिम्मत से बोल्यो कि असो ही हैं तब उनना क्य्हो, “ओको स्वर्गदूत होएगो।”

16 पर पतरस दुवार खटखटाते ही रयो: अतः उनना खिडकी खोलियो, अर ओ ख देख ख दंग रह गयो।

17 परतस तब ओ न उन ख हात से संकेत कियो कि चुप रहा अर तब ओखा बतायो कि प्रभु का रिती से ओ ख जेल से निकाल लायो हैं। फिर कहयो, “याकूब अर दुसरा विस्वासी हुन ख अर भई को या बात बता देजो। तब निकल ख दुसरी जगह चलो गयो।”

18 जब भुसारे भयो ते पैहरे दार हुन म बडी हडबडी मच गई। वी हईरान होय ख सोच म पड गया कि पतरस को संग का भयो।

19 एकोबाद राजा हेरोदेस जब ओकी छान बिन कर चुकियो उ ओखा नी मिल्यो ते ओ ना पैहरे दार हुन से पुछ परख करी अर उनका मार डालन को हुकुम दियो अऊर उ यहूदिया ख छोड ख कैसरिया म जाय ख रहन लग गयो।

~~~~~

20 राजा हेरोदेस सूर अर सैदा क लोग हुन से बेजा घुस्सा करत रहा। एकोलाने वी एक चित्त होयख ओको नजीक आयो, अर बलास्तुस का जे राजा को एक काम करन हतो, मान ख मेल करन चाह्यो; काहेकि राजा को देस से उनख देस को पालन पोसन होत रहा।

21 एक खाँस दिन आन पर हेरोदेस राज को कपड़ा पहिन ख सिंहासन पर बैठियो, अऊर उनका समझान लग गयो।

22 तब लोग पुकार उठियो, “यु ते अदमी को नी ईस्वर को सब्द आय।”

23 इही बखत प्रभु को एक स्वर्ग दूत न तुरंत ओ ख मारो, काहेकि ओ न परमेस्वर का महिमा नी करी रह; अर वी कीड़े पकड़ मर गयो।

24 पर परमेस्वर को वचन बढ़त अर फैलतो गयो।

25 जब बरनबास अर साऊल अपन सेवा पूरो कर चुकियो ते यूहन्ना का जे मरकुस कहलाता हैं संग लेय ख यरूसलेम से लउठियो।

13

~~~~~

1 अन्ताकिया की कलीसिया म कई भविष्यवक्ता अर सिखना वाला हते; जसो: बरनबास अर समोन जे नीगर कहलाव हैं; अर लूकियुस कुरेनी, अर चऊथाई देस को राजा हेरोदेस को दूधभई मनाहेम, अर साऊल।

2 जब वी उपास रह ख प्रभु की सेवा कर रखे हते, ते सुध्द आत्मा न कय्हे, “मोरो लियो बरनबास अर साऊल का उ काम को लाने अलग करियो जेको लियो मी न उन ख बुलायो हैं।”

3 तब उन्होनों उपवास अर प्रार्थना कर ख अर ओ पर हात रख ख उन ख बिदा कियो।

~~~~~

4 अत: वी सुध्द आत्मा को भेजो भया सिलूकिया ख गया; अर उही से जहाज पर चढ़ ख साइपरस ख चलो गयो;

5 अर सलमीस म पहुँच ख, परमेस्वर को वचन यहूदिया को प्रार्थना घर हुन म सुनायो। यूहन्ना ओको सेवक हतो।

6 वी उ सारो टापू म होत भयो पाफुस तक पहुँचियो। उही उन ख बार-यीसु नाम को एक यहूदी टोना अर झूटा भविष्यवक्ता मिलियो।

7 वी हाकिम सिरगियुस पोलुस को संग हतो, जे होसियार अदमी हतो। ओ न बरनबास अर साऊल ख अपन नजीक बुला ख परमेस्वर को वचन सुनायो चाहयो।

8 परन्तु इलीमास टोना न, काहेकि उही ओको नाम को अर्थ हैं, ओको विरोध कख हाकिम ख विस्वास करन से रोकन चाहयो।

9 तब साऊल न जेको नाम पोलुस भी हैं, सुध्द आत्मा से भरख ओकी तरफ टकटकी लगाए ख देखो अर कय्हे,

10 “हे सारो कपट अर सब चतुराई से भारो भयो सैतान को पोरिया, सकल धर्म को बैरी हुन, क तू प्रभु को सिधो रस्ता हुन को टेढ़ो करन नी छोड़ोगो?”

11 अब देख, प्रभु को हात तोरो पर लगो हैं; अर तू कुछ बखत तक अंधो रहेगो अर सूरज ख नी देखेगो।”

तब तुरंत ओ पर धुंधलोपन छा गयो अर अन्धेरो भी ओ पर छा गयो, अर वी इते उते टटोरन लगियो ताकि कोई ओको हात पकड़ख ले चले।

12 तब हाकिम न जे भयो हतो ओ ख देख ख अर प्रभु को सिक्छा से बेजा चकित होयख विस्वास कियो।

~~~~~

13 पोलुस अर ओके संगी हुन पाफुस से जहाज खोलख पंफूलिया क पिरगा म आयो; अर यूहन्ना उन ख छोड़ख यरूसलेम ख लउट गयो।

14 पिरगा से आगू बढ़ ख वी पिसिदिया क अन्ताकिया म पहुँचियो; अर आराम को दिन प्रार्थना घर म जाय ख बैठ गयो।

15 नेम अर भविस्यवक्ता की किताब से पढ़न क बाद प्रार्थना घर को मुखिया न ओके नजीक कहला भेजो, “हे भई हन, यदि लोग हुन की सान्ति क लियो तुम्हारो मन म कोई बात होए ते कह।”

16 तब पोलुस न खडो होयख अर हात से संकेत कर ख कय्हो, “हे इस्राएली हन, अर परमेस्वर से डरन वालो सुनो।”

17 इ इस्राएली लोग हुन क परमेस्वर न हमार बापदादा हुन का चुन लियो, अर जब यू लोग मिसर देस म परदेसी होयख रहत हतो, ते ओकी उन्नति कियो; अर बलवन्त भुजा से निकाल लायो।

18 वी कोई चालीस साल तक जंगल म ओकी सहता रह्यो,

19 अर कनान देस म सात जात हुन को नास कर ख ओखा देस कोई साठे चार सब साल म एको मीरास म कर दियो

20 एको बाद ओ

न समूएल भविस्यवक्ता तक ओमा न्याय करन वालो ठहरायो।

21 ओको बाद उनना एक राजा माँगो: एको बाद परमेस्वर न चालीस साल को लाने बिन्यामीन को गोत म से एक अदमी को पोरिया; एकोमतलब किस को पोरिया साऊल ख उन पा राजा ठहरायो।

22 फिर ओखा अलग करखा दाऊद ख उनको राजा बनायो; जेको बारे म ओ ना गवाही दियो, मोखा एक इंसान, यिसै को पोरिया दाऊद, मोरो मन को अनुसार मिल गयो हैं; उई मोरी पुरी इच्छा पुरी करगो।

23 एको ही वंस म से परमेस्वर न अपनो वादा को अनुसार इस्राएल लोगो को बीच म एक उध्दार कर्ता, एको मतलब यीसु ख भेजो।

24 यीसु को आनो से पहले यूहन्ना न पुरा इस्राएली हुन म मन फिराव को बपतिस्मा को प्रचार करियो।

25 जब यूहन्ना न अपनी सेवा पुरी करन पा हतो, ते ओ न कय्हो, तुम मोखा का समझावा हैं? मी उ नी आय! लेकिन देखनु, मोरो बाद एक आन वालो हैं, जेको पाय कि जूता की बददी ख मी खोलन को लायक नी हाय।

26 “हे भई हन, तुम जे अब्राहम को बच्चा हाय; अर तुम जे परमेस्वर से डरत हो, तुम्हारो नजीक इ उध्दार को वचन भेजो गयो हैं।

27 काहेकि यरूसलेम क रहन वाला अर ओके मुखिया हुन न ओ ख पहचानो अर नी भविस्यवक्ता हुन की बात समझी, जे हर छुट्टी को दिन पढी जात हैं, एकोलाने ओ ख दोसी ठहरायो उ बात हुन का पूरो कियो।”

28 उन्होना मार डालनो ख योग्य कोई दोस ओमा नी पायो, तोभी पिलातुस से विनती से विनती की कि वी मार डालो जाएगो।

29 जब उन्होना ओको बारे म लिखो भई सब बात हुन पूरो कियो, ते ओ ख सूली पर से उतारख समसान म रखो।

30 पर परमेस्वर न ओ ख मरो म से जिन्दो कर दियो,

31 अर वी उन्हें जे ओको संग गलील से यरूसलेम ख आयो हतो, बेजा दिन हुन तक दिखाई देत रह्यो; लोग हुन का सामे अब वी ही ओको गवाह हैं।

32 हम तुम ख वादा को बारे म जे बाप दादा से कही गई हैं यू चोक्खो सुसमाचार सुनावा हैं

33 कि परमेस्वर न यीसु ख जिलायो ख, वही आग्या हमरी अऊलाद हुन को लाने पुरी करी जसो दुसरो भजन म भी लिखो गयो हैं,

तू मोरो पोरिया आय; आज ही मी न तो ख पैदा करियो हैं।

34 अर ओको इ रीति से मरो भयो म से जिलान क बारे म भी कि वी कभी नी सङेगो, ओ न यो कय्हो हैं,

मी दाऊद पर को सुध्द अर अटल कृपा तुम पर करूँगो।

35 एकोलाने ओ ना एक अर भजन म भी कय्हो हैं,

तू अपन सुध्द जन ख सडन नी देगो ।

36 काहेकि दाऊद ते परमेस्वर को इच्छा क अनुसार अपन बखत म सेवा कर ख सो\* गयो । अर अपन बापदादा हुन म जा मिलियो, अर सड भी गयो ।

37 परन्तु जेको परमेस्वर न जिन्दे कियो, वी सडन नी पाएगो ।

38 एकोलाने, हे भई हन, तुम जान लेनू कि इ के व्दारा पाप हुन को माफ को समाचार तुम्हे दियो जात हैं; मूसा को नेम जिन बात से तुमख मुक्त नी कर सका ।

39 अर जिन बात हुन म तुम मूसा को नियम के व्दारा बेकसूर नी ठहर सकत हते, उन्ही सब म हर एक विस्वास करन वालो ओको व्दारा निर्दोस ठहरात हैं ।

40 एकोलाने चऊकस रहनू, असो नी हो कि जे भविष्यवक्ता हुन किताब म आयो हैं, तुम पर भी आ पडो:

41 हे निन्दा करन वाला, देख, अर चकित हो, अर मिट जाए;

काहेकि मी तुम्हारो दिन हुन म एक काम करत हूँ,

असो काम कि यदि कोई तोसे ओकी चर्चा करेगो,

“तो तुम कभी विस्वास नी करोगो ।”

42 ओको बाहर निकलत बखत लोग ओसे विनती करन लगियो कि अगलो छुट्टी को दिन हम ख यू बात फिर सुनाई जाएगो ।

43 जब सभा उठ गयो ते यहूदियो अर यहूदी मत म आयो भयो पुजारी हुन म से बेजा से पोलुस अर बरनबास को पिछु हो लियो; अर उन्होना ओसे बात कर ख समझायो कि परमेस्वर को किरपा म बनो रह्यो ।

44 अगलो छुट्टी को दिन नगर के भुसारो: सब लोग प्रभु को वचन सुनन का इकट्ठे हो गयो ।

45 पर यहूदी भीड़ ख देख ख जलन से भर गयो, अर निन्दा करत भयो पोलुस की बात हुन को विरोध म बोलन लगियो ।

46 तब पोलुस अर बरनबास न निडर होय ख कह्यो, अवस्य हतो कि परमेस्वर को वचन पहलो सुनायो जातो; परन्तु जब तुम ओ ख दूर हटात होए अर अपन अनन्त जीवन क योग्य नी ठहरात, अर दुसरी जात की तरफ फिरत हैं ।

47 काहेकि प्रभु न हमका यू हुकुम दियो हैं,

मी न तो ख दुसरी जात को लियो रोसनी ठहरायो हैं,

ताकि तू जमीन की छोर तक उध्दार को दारवाजा हैं ।

48 गैर यहूदी यू सुन ख अन्य जातियो खुसी भयो, अर प्रभु को वचन की बड़ाई करन लगियो; अर जीवन अनन्त को लियो ठहरायो गयो हते, उन्होना विस्वास ग्रहन कियो ।

49 तब प्रभु को वचन उ सारो देस म फैलन लगियो ।

50 पर यहूदी हुन न पुजारी अर कुलीन बाई हुन का अर नगर का प्रमुख लोग हुन को उस खयो, अर पोलुस अर बरनबास को खिलाप उपद्रव करवा ख उन ख अपन सीमा से निकाल दिया ।

51 तब वी ओको सामे अपन पाय को धूल झाड़ ख इकुनियुम का चलो गयो ।

52 अर चेला हुन खुसी से अर सुध्द आत्मा से भरपुर्न होते गयो ।

## 14

~~~~~ 1 ~~~~~

1 इकुनियुम म असो हुओ की वी यहूदिया को प्रार्थना घर म संग गया, अर इन प्रकार बात की यहूदी अर यूनानी हुन दोनो म से बेजा जहन न भरोसा कियो

* 13:36 मर गया

2 पर भरोसा नी करन वाला यहूदी न दुसरी जात हुन को मन म भई हुन को विरोध म उपसायो अर फुट फैल पैदा कर दियो

3 वी बेजा दिन तक वाहा रहया अर प्रभु को भरोसो पर हियाव से बात करत रह थे अर वही उन का हात से चिन्ह अर अदभुत काम करवा ख कर अपन दया को वचन पर गवाही देवह हैं

4 पर नगर का इंसान म फुट पड़ गई थी उन से कितनो न यहूदी की आर अर कित्ता प्रेरित की ओर हो गया

5 पर जब दुसरी जात अर यहूदी उन का अपमान अर उन पर पथराव करन को लाने अपना मुखिया हुन समेत ओ पर दऊडया

6 तो वी यह बात ख जान गया अर लुकाउनिया के लुस्रा अर दिरबे नगरो म अर आसा पास को प्रदेसो म भाग गयो

7 अर वही सुसमाचार सुनान लगया

~~~~~

8 लुस्रा म एक इंसान बैठो थो जो पाव को लगडो थो वह जन्म से ही लंगडा था अर कभी नीय चलयो थो।

9 वह पोलुस बात करत सुन रहयो थो पोलुस न ओको ओर टकटकी लगा ख देखो की ओ ख चोक्खो हो जान को भरोसा है।

10 अर ऊँचे सब्द से बोलो अपनो पाय को बल खडो हो ख तब वह उछल कर चलन फिरन लगयो।

11 इंसान न पोलुस का यू काम ख लुका लुकाउनिया भासा म उचो सब्द से कहयो देवता इंसान को रूप म हो कर हमारो पास उतर आयो हैं।

12 उन न बरनबास को ज्यूस अर पोलुस हिरमेस कहयो काहे की वह बात करन म मेन था।

13 अर ज्यूस ख उस मन्दिर को पूजारी जो उन को नगर को सामने था बईल हुन अर फुल हुन को हार फाटको पर ला ख इंसान को संग बलिदान करनो चाहत था।

14 पर बरनबास अर पोलुस प्रेरित न जब यह सनो तो अपना कपडा फाडे अर भीड़ म लपके अर पुकार ख कहन लगे

15 अरे इंसान तुम का करह हम वी तो तुम्हारो समान दु; ख सुख भोगन वाला इंसान हैं अर तुम्हे सुसमाचार सुनायो हे की बेकार वस्तुओ ख अलग हो ख जीवितो परमेस्वर की ओर फिरो जिन स्वर्ग अर धरती अर समुदर अर जो उन म हैं बनाया

16 उन न बीते बखत म जात पात को अपनो अपनो मार्ग म चलन दिया

17 तोभी उन न अपनो पास की यू गवाह नी छोडया पन वह भलाई करते रहयो अर बादल से वर्सा अर फलवन्त रित् देक ख तुम्हारो मन को खाना अर खुसी से भरते रहयो

18 यह बोल कर भी उन न इंसान ख बडी मूसकिल से रोखयो की उन को लाने बलिदान नीय करह

19 पर कुछ यहूदी हुन न अन्ताकिया अर इकुनियुम से आ ख इंसान ख अपनी ओर कर लियो अर पोलुस पर पथराव कियो अर मरा समझकर ओ ख नगर को बाहार घीस ख ले गयो

20 पर जब चेला ओखा चारो ओर आ खडा भया तो वह उठकर नगर म गयो अर दुसरा दिन बरनबास को संग दिरबे को चलो गयो

~~~~~

21 वी उन नगर को अदमी को अच्छो सुसमाचार सुनवा ख अर बेजा सा चेला बना ख लुस्रा अर इकुनियुम अर अन्ताकिया को लउट आयो

22 अर चेला हुन को मन को स्थिर करत रह अर यह सन्देश देता था कि भरोसा म बना रहो अर यह सिखाते हैं हम ख बडो क्लेस उठाकर परमेस्वर को राज्य म प्रवेश करनो होगा

23 अर उन न हर एक कलीसिया म उन को लाने सियाना रखियो अर उपास सहित प्रार्थना कर ख उन ख प्रभु को हात सोपियो जो पर उन न विस्वास करयो रह

24 जब पिसिदिया से होते हुए वी पंफूलिया पहुँचिया

- 25 पर पिरगा म सुसमाचार सुना ख अत्तलिया म आया
 26 अर बाहा से वी जहाज पर अन्ताकिया गया वी उन काम को लाने जो उन न पुरो किया था परमेस्वर को किरपा म सोपियो गयो थो
 27 बाहा पहुँच कर उन न कलीसिया इकट्ठी की अर बोल्यो कि परमेस्वर न उन को संग हो ख कसो बडो बडो काम कियो अर दुसरी जात को लाने भरोसा को दुवार खोल दिया
 28 अर वी चेला को संग बेजा दिन तक रहया

15



- 1 पर कुछ ईसान यहूदिया से आ ख भई हुन ख सिखान लगया यह मूसा की रिती पर तुम्हारो खतना ना हो तो तुम उध्दार नीय पा सका।
 2 जब पोलुस अर बरनबास को उन से बेजा झगडा अर वाद विवाद हुआ तो यह ठहरायो गयो की पोलुस अर बरनबास अर उन म से कुछ अदमी इस बात को विसय* म प्रेरित अर सियाना हुन को पास यरूसलेम को जावह।
 3 अत; कलीसिया न उन ख कुछ दुर तक पहुँचियो अर वे फीनीके अर सामरिया से होता हुआ दुसरी जात हुन को दिमाक फिराने को सुसमाचार सुनत गया अर सब भई बेजा खुसी भया
 4 जब वी यरूसलेम पहुँचिया तो कलीसिया अर प्रेरित अर सियाना उन ख आनन्द को संग मिलियो अर उन न बतायो की परमेस्वर उन को संग हो ख कसो कसो काम करह हैं
 5 पर फरीसी हुन को पंथ म से जिन न भरोसा करयो रह उन म से कुछ न उठ कर कहयो उन न खतना करने अर मूसा की नेम को मानन को ग्यान देनू हैं।
 6 जब प्रेरित अर सियाना इस बात को बारे म विचार करन को लाने इखट्टा भया
 7 जब पतरस न बेजा वाद विवाद हो जानो को बाद खडो हो ख ओ ना बोलो ओ भई तुम जानह हैं की बेजा दिन भया परमेस्वर न तुम म से मो ख चुन लियो की मोरो मुँह से दुसरी जात हुन सुसमाचार को वचन सुन ख भरोसा करो
 8 मन को जाँचन वालो परमेस्वर न उन ख हमारो समान सुध्द आत्मा देकर उन की गवाही दी
 9 अर भरोसा को द्यारा उन को मन सुध्द कर ख हम म अर उन म कुछ भेद न रखो
 10 तो अब तुम का परमेस्वर परीक्छा करत हो की चेला की गरदन पर असो बोझ रखो जिन न हमारो बाप दादा उठा सकते हैं अर हम भी उठा सहके हैं
 11 हाँ हमारो यू विस्वास पक्को हैं की जो रिती वे प्रभु यीसु को दया से उध्दार पाए यू ही रिती से हम भी पाये।
 12 जब पुरी पंचायत चुपचाप बरनबास अर पोलुस की सुनन लगया की परमेस्वर न उन को लाने द्यारा दुसरी जात हुन म कसो कसो बडो बडो चिन्ह अर अदभुत काम कियो
 13 जब वी चुप भया तो याकूब कहन लगयो ओ भई मोरी सुन
 14 समोन न बतायो की परमेस्वर न पहलो पहल दुसरी जात हुन पर कसी दया करी रह की उन म से अपनो नाम को लाने एक ईसान बना लो
 15 ऐसे भविष्यवक्ता की बात भी मिलह हैं जसो की लिखो हैं
 16 ओको बाद म फिर आ ख दाऊद को गिरो हुआ डेरा उठाउगा
 अर ओ ख खडो कर
 17 एको लाने की अच्छो ईसान ऐको सब दुसरी जात जो मोरो नाम ख लेवा हैं, प्रभु ख दुबे
 18 यह वही प्रभू कवह हैं जो जगत को उत्पत्ती से इन बात को समाचार देता आयो हैं
 19 एको लाने मोरो विचार यू हैं की दुसरी जात म से जो ईसान परमेस्वर की तरफ फिरत हैं, हम उनका दुख नी दे;

* 15:2 बारे

20 पर उन न ओ ख भेजो की वी मुरती की असुध्दता अर गलत काम गला दबा ख मांस से अर खून से दुर रहो

21 उन न प्राचीन काल म नगर नगर मूसा को व्यवस्था को प्रचार करन वालो वाला चेला आया हे अर वह हर आराम को दिन प्रार्थना घर म पढी जाय है

~~~~~

22 जब पुरी कलीसिया सहित सिखान वाला प्रेरित अर सियाना हुन ख को चोक्खो लगो कि अपन म से कुछ इंसान हुन ख चुने एको मतलब यहूदा जे ख बरसब्बा कवह है अर सीलास को जो भई हुन म मुखिया हतो अर उन ख पोलुस अर बरनबास को संग अन्ताकिया भेजो

23 उन न उन को हात यु लिख भेजो अन्ताकिया अर सीरिया अर किलिकिया को रहन वालो भई हुन ख को दुसरी जात म से हे प्रेरित अर सियाना भई हुन ख नमस्कार

24 हम न सूनो है कि हम म से कुछ न वही जाकर तुम ख अपनी बात से परेसानी करी अर तुम रो मन ख आ स्वीर कियो दियो अर तुम्हारो मन उलट पुलट कर दियो है पर हम न ओ ख आग्यानीय दियो रह

25 ओको लाने हम न एक मन हो ख अच्छो समझो चुनो हुआ अदमी को अपन प्रिय बरनबास अर पोलुस को संग तुम्हारो पास भेजे

26 यू असो अदमी है जो न अपनो जान प्रभु यीसु मसी को नाम को लाने जोखिम म डालो है

27 ओको लाने हम न यहूदा अर सीलास को भेजो है जो अपनो मुँह से भी यह बात कह देह

28 सुध्द आत्मा को अर हम ख चोक्खो जानो पडो की इन अच्छी बात ख छोड तुम पर अर बोझ नीय डालो

29 कि तुम मूरतो पर बलि कियो हुआ से अर खून से अर गला घोट कर हुआ कि मांस से अर गलत काम से दुर रहा ओ से दुर रहे ते तुम्हारो भला होये अर आगे चोक्खो रहे

30 फिर वी बिदा हो ख अन्ताकिया पहुँचिया अर पंचायत<sup>†</sup> ख इखट्टी कर ख वह चिट्ठी उन ख दे दियो

31 वी चिट्ठी पड ख अदमी की सान्ति की बात पढ ख मन म सान्त भयो

32 यहूदा अर सीलास न जो ख भविष्यवक्ता हता बेजा बात से भई हुन ख उपदेस दे ख सान्त कियो

33 वी कुछ दिन रह ख भई को सान्ति को संग विदा हुआ की अपनो भेजन वालो को कने जाये

34 पर सीलास को वाहा रहनू चोक्खो नी हाय

35 (पर पोलुस अर बरनबास अन्ताकिया म रह गयो अर अन्य बेजा सा इंसान को संग प्रभु को वचन को उपदेस करतो अर सुसमाचार सुनात रह्या।

~~~~~

36 कुछ दिन बाद पोलुस न बरनबास से कहयो न जिन जिन नगरो म हम न प्रभु को सुसमाचार सुनायो रह आये पर उन म पहुँच कर अपना भई हुन ख देखे की वी कसा है

37 जब बरनबास ख यूहन्ना को जो मरकुस कहलाव है संग लेनो को विचार कियो

38 पर पोलुस न उन ख जो पंफूलिया म उन से अलग भया अर काम पर ओको संग नी गया संग ले जानो चोक्खो नीय झमजो

39 अतः असो झगडा उठो की एक दुसरा से अलग भया अर बरनबास मरकुस ख लेकर जहाज पर साइपरस चलो गयो

40 पर पोलुस न सीलास ख चुन लियो अर भई हुन ख प्रभु दया म सोपियो जा ख वाहा से चलो गयो

41 अर वह कलीसिया हुन ख स्थिर करतो हुआ सीरिया अर किलिकिया ख होतो हुआ निकलो

16

***** १ ***** ११ १११ १११ १११ १११

1 पर वही दिरवे अर लुस्रा म भी गयो वही तीमुथियुस नाम को चेला था जो जो कसो विस्वासी यहूदी को पोरिया था पर येको पिता यूनानी था

2 वह लुस्रा अर इकुनियुम को भई हुन म सुनाम थो।

3 पोलुस को इकछा वा हतो की वी ओको संग जाय अर जो यहूदी इंसान यही जगह म था उन न ओको कारन ओ ना ओको खतना कियो काहे की वी सब जानह है की ओको बाप यूनानी हतो

4 अर नगर नगर जावह हुआ अर वी उन विधियो को जो यरूसेलेम को प्रेरित अर सियाना हुन म रोखयो थो मानन को लाने उन ख पहुचान जात रह

5 यू प्रकार कलीसिया हुन भरोसा म स्थिर हती रह अर संख्या हर दिन बडत रह।

***** ११ १ १११११ ११ १११११

6 वी फूगिया अर गलातिया प्रदेस म से हो ख गया काहे की सुध्द आत्मा न उन आसिया म वचन सुनान ख मना कियो।

7 उन न मूसिया क निकट पहुचा कर बितूनिया म जानो चाहायो पर यीसु को आत्मा न उन ख जान न दियो।

8 अतः वी मूसिया को हो ख त्रोआस म आयो

9 वही पोलुस न रात ख एक दर्सन देखो की एक मकिदूनी अदमी खडो भयो उन से विनती बोलत रह पार उतरकर मकिदुनिया म आ अर हमारो मदद कर।

10 ओ ना यह सपना देखते ही हम न तुरत मकिदुनिया जानो चाहायो समझ ख की परमेस्वर न हम न उन ख सुसमाचार सुनन न को लाने बुलायो है।

***** ११ ११ ११ ११ १११११

11 एको लाने त्रोआस से जाहज ख खोल ख हम सीधा सुमाताके अर दुसरा दिन नियापुलिस म आया

12 वही से हम फिलिप्पी पहुँचिया जो मकिदुनिया प्रांत को मेन नगर, अर रोमियो की बस्ती है अर हम उन नगर म कुछ दिन तक रहया

13 आराम को दिन हम नगर को फाटक को बाहार नद्दी* को किनारो यह झमजा ख गया की वहा यहूदी प्रार्थना करन की जगह होऐ अर बैठ ख उन बाई हुन ख जो जमा भया रह बोलन ख लगया

14 लुदिया नामक थुआतीरा नगर को बैजनी पकडो बेचन वालो एक पुजारिन बाई सुनत रह प्रभु न ओको मन खोल दियो कि वह पोलुस की बात म मन लगाहे

15 जब ओ ना अपना घर सहित बपतिस्मा लियो की ओ ना हमारो सामने हात जोडया की यदि तुम मुझ प्रभु की विस्वासीनी समझ ख हो तो चल ख मोरो घर म चल ख रहो वह हम ख मना ख ले गयो।

***** ११ १११११ १११ ११११ १

16 जब हम प्रार्थना करन की जगह पर जा रहया था हम ख एक विस्वासी दासी मिले जो म भविष्य वाली आत्मा थी अर भविष्य कहन से अपनो मालिक को लाने बेजा कुछ कमा लावा है।

17 वह पोलुस को अर हमरो पीछे आ ख चिल्लाने लगो यु अदमी परमप्रधान परमेस्वर को दास है हम उध्दार को मार्ग की कायनी (कथा) सुनान लगया

18 वी बेजा दिन तक असा ही करत रह पर पोलुस दुखी भयो अर मुड कर यु आत्मा से कहयो मी तो ख यीसु मसी को नाम से ढाटन लगया की ओ म से निकल जा अर वह उसी घड़ी नीकल गई।

19 जब उन ख मालिक ख देखो की हमारी कमाई की आसा जाती रही तो पोलुस अर सीलास को पकड ख चऊक म से मुखिया को पास खीच ले गयो

* 16:13 नद्दी

20 अर उन ख सेना को अधिकारी को जोने ले गया अर बोलयो यी इंसान जो यहूदी हैं हमारो नगर म हल चल मचा रहा।

21 अर असी रिती बोल रह्या हैं जो ख गहन करन या मरन हम रोमी नागरीक क लाने सिक्कार योग्य नी,

22 जब भीड़ को इंसान उन को विवाद म जमा हो ख चढ़ आया, अर हाकिमो न उन ख कपड़ा फाड़कर उतार डालो, अर उन ख कोडा मारन की बात बोली हैं

23 बेजा कोडा लगवाकर ओ ना उन ख जेल खाना म डाल दियो अर दारोगा बात बोल दियो उन न चोकसी म रखो

24 उन न असी आग्या दी कि उन ख पा ख कोठरी म रखो अर न ख भारी लकड़ी कि पाव काठ म ठोक दिया।

25 आधी रात को लगभग पोलुस अर सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर को भजन गा रहा था अर दुसरा कैदी उन ओ की सुन रहा था

26 इतनो म एका एक असो बड़ो भूकम्प आयो, याहा तक की जेल की नीव की हिल गयो, अर तुरत सब दुवार खुल गया; अर सब खो बन्धन खुल गया

27 दारोगो जाग उठयो, अर जेल को दुवार खुला दे ख समझा की कैदी भाग गये हैं, अतः ओ ना अपनी तलवाल पकर ख अपनो तुम ख मार डालनो चाहयो।

28 पर पोलुस न ऊचा सब्द से नाम ले ख कहयो, “अपना तुम ख कोई हानी मत पहुचा काहे की हम सब यही हैं।”

29 फिर वी दीया मगवा ख पास लपका अर कापतो हुआ पोलुस अर सीलास को सामने गिरया;

30 अर उन न बाहार ला ख क्य्हो, “हैं मालिक हुन, उध्दार पावन को लाने का करु?”

31 ओ ना कहयो, “प्रभु यीसु मसी पर भरोसा रख तू अर तो रो घराना उध्दार पाहे।”

32 अर उन न उन ख अर ओखा सारा घराना को अदमी ख प्रभु को वचन सुनाया

33 रात ख उसी बखत उन न उन ख ले जा ख उन खा घाव धोया, अर ओ ना अपना सब अदमी सहीत तुरत बपतिस्मा लियो

34 तब ओ न उन ख अपनो घर ले जा ख उन को सामने खाना रखो अर सारे घराना समेत परमेश्वर पर भरोसा कर ख आनन्द कियो काहेकि अब ओ न परमेश्वर पर भरोसा करयो।

35 जब दिन भयो तब हाकिमो न सिपाहियो को हात कहला भेजा की यु अदमी ख छोड़ दा।

36 दारोगा न या बात पोलुस से बोली हाकिम न तुम ख छोड़ देन की आग्या दियो हैं ओको लाने अब निकल ख सान्ति से चलो जाओ

37 पर पोलुस न उन ख बोलयो, “उन म जो रोमी इंसान हैं, दोसी ठहरायो बिना इंसान को सामने मारो अर जेल खाना म डाल दियो। अब हम ख चुपके से निकाल रह्या हैं? असो नी; पर वी खुद आ ख बाहार निकाले।”

38 सिपाही हुन न यू बात हाकिमो से बोली, अर वी यह सुन ख कि रोमी हैं, डर गया,

39 अर उन ख आ क मनायो, अर बाहार ले जा ख विनती की कि नगर से चलो जाओ।

40 वे जेल खाना से निकल ख लुदिया को कने गया, अर भई से भेट कर ख उन ख सान्ति दी अर चला गया।

17

~~~~~

1 फिर वे अम्फिपुलिस अर अपुल्लोनिया हो ख थिस्सलुनीके म आयो, जहाँ यहूदी हुन को एक प्रार्थना घर\* हतो।

2 पोलुस अपनी रीति को अनुसार उन को कने गयो, अर तीन आराम को दिन सुध्दसास्र से उन को संग वाद विवाद करयो;

---

\* 17:1 प्रार्थना का मंदिर

3 अर उन को मतलब खोल ख समझात रह कि मसी को दुख उठानो अर मरो म से जी उठनो, अवस्य हतो; अर “यही यीसु जोकी मी तुम ख कथा सुनात रह, मसी हैं।”

4 उन म से कितनो न, अर पुजारी यूनानी हुन म से बेजा न, अर बेजा सा कुलीन स्तरियो न मान लियो, अर पोलुस अर सीलास को संग मिल गयो।

5 पर यहूदी हुन घुस्सा से भर ख फालतु घुमन वाला कुछ पापी इंसान हुन ख अपनो संग म लियो, अर भीड़ जोड़ ख सहर म हल्ला मचान लगया अर यासोन को घर प चडाई कर ख उन ख इंसान हुन को सामने लानो चाहयो।

6 उनख याहा न देख ख वी यह चिल्लाते हुए यासोन अर कुछ भई हुन को नगर म हाकिमो को सामने खीच लायो, “वी इंसान जीन न दुनिया को उलट पलट कर रखयो हैं, यहाँ भी आ गया हैं।

7 यासोन न उन ख यहाँ उतरियो हैं। यी सारा का सारा यह बोलह हैं की यीसु राजा हैं, अर कैसर की बात को विरोध करह हैं।

8 उन न इंसान की अर नगर का हाकिम को यह बोल ख घबरा दियो।

9 ऐको लाने उन न यासोन अर बाकी इंसान से जमानत ले ख उन ख छोड़ दियो।”

~~~~~

10 भई हुन न तुरत रात ही रात पोलुस अर सीलास ख बिरीया भिजा दियो; अर वी याहा पहुँच कर यहूदी हुन प्रार्थना घर म गया।

11 यी इंसान हुन थिस्सलुनीके को लोगो हुन से बेजा अच्छा हता, अर हर दिन सुध्द सास्र म ढुँढते रह कि यह बात योही आय कि नी।

12 ऐको लाने उन म से बेजा न, अर यूनानी बाई म से अर अदमी म से भी बेजा न विस्वास कियो।

13 किन जब थिस्सलुनीके क यहूदी जान गयो कि पोलुस बिरीया म भी परमेस्वर को वचन सुनावे हैं, ते वाहा भी आ ख इंसान ख उस हलचल मचान लगया।

14 जब भई हुन से तुरत पोलुस ख विदा कियो कि बन्दा को किनारे चलो जाओ पर सीलास अर तीमुथियुस यही रह गये।

15 पोलुस ख पहुँचान वाला उस एथेंस तक ले गयो; अर सीलास अर तीमुथियुस को लाने यह आदेस पाकर बिदा भया कि वी उन ख जल्दी से जल्दी आया।

~~~~~

16 तब पोलुस एथेंस उन की रस्ता देख रहयो थो, ते नगर म मूरतो म से भरो हुओ देख ख ओको ही पानी गयो।

17 अतः वी प्रार्थना घर म यहूदी अर पुजारी से, अर चऊराह म जो इंसान उन से मिलत रह उन ख वाद विवाद किया करत रह।

18 तब इपिकूरी अर स्तोईकी दर्शन करन म से, उन म से कुछ वजह जानन लगया, अर कुछ बोलन लगया, “यु बकवादी का बोलन चावह हैं?” पर दुसरो न बोलयो, “वी अन्य देवता ओको प्रचालको ख मालुम पडह हैं” काहे की वी यीसु को अर जी उठन को अच्छो सुसमाचार सुनावत रह।

19 जब वी अपना संग अरियुपगुस क सामे सहरी सभा म गयो अर पुछो, “का हम जान ख हैं की यह नयो बात जो तू सुनावह हैं, का हैं?

20 काहे की तू हम ख अनोखी बात सुनावह हैं, एकोलाने हम जानह हैं की चाहत हैं की इनको मतलब का हैं।

21 ऐको लाने कि सब एथेंसवासी अर दुसरा देस का जो वाहा रहत रह नयो-नयो बात बोलन ख अर सुनन को अलावा अर कोई काम म बखत नीय बितात रह।”

22 जब पोलुस न अरियुपगुस को बीच म खडो हो ख बोलयो, “हे एथेंस को अदमी, मी देखु हैं की तुम हर बात म देवताओ ख बडा मानन वाला हैं।”

23 काहे की मी घुमतो हुआ तुम्हारो पुजनु की वस्तु हुन ख देख रहयो थो, तो एक असो वेदी भी पायो, जो पर लिखो थो, अनजान म ईस्वर को लाने। ओ खो लाने तुम बिना जाने पुजा हैं, मी उन को अच्छो समाचार सुनाउ हैं।

24 जो परमेस्वर न दुनिया अर उन की अब वस्तु हुन ओको बनायो, स्वर्ग अर दुनिया को मालिक हो ख मनुस्य हात को बनायो हुआ मन्दिर हुन म नीय रहत रह;

25 न कोई वस्तु कि आवस्कता को कारन ईसान हुन कि हतो कि सेवा लेवह हैं, काहे कियु अपनो तुम ख सब को जीवन अर स्वास अर सब कुछ देवह हैं।

26 उन ख एक ही मुल से ईसान कि सब जातिया सारी धरती पर रहन को लाने बनायो हैं; सीमा को ऐ को लाने बाँधा हैं,

27 कि वी परमेस्वर को ढुँढ़े कदाचित उन ख टटोलकर पायो तेभी वही हम म से किसी से दुर नीय हाय।

28 काहे की हम ओ से जिन्दो रह,  
अर चलत-फिरत अर स्थित रहत रह।

हम ते उसी का वंसज हैं।

29 अतः परमेस्वर को वंस हो ख हमे यह झमजमो जरूरी नी हैं ईस्वरत्व सोने या रुपे या गोटा को समान हैं जो ईसान की कारीगरी अर कल्पना से गढे गयो हैं।

30 ओको लाने परमेस्वर न अन्यता को बखतो पर ध्यान नी दियो, पर अब हर जगह सब ईसान को मन फिरान को आदेस देवह हैं।

31 काहे की उन न एक दिन रोखयो हैं, जो म एक ईसान को द्वारा धर्म से दुनिया को न्याय करे, जो ख उन न रोखयो हैं, अर उन म से मरिया हुआ म से जिलाकर ख यह बोली सब पर साबित कर दियो हैं।

32 “मरा हुआ को जी उठन को बात सुन ख कुछ ते ठटा करन लगया अर कुछ न कहयो यह बात हम तोसे फिर कभी सुने।”

33 येपर पोलुस उनको बीच म से निकल गयो।

34 पर कुछ अदमी ओको संग मिल गया, अर भरोसा करियो; जिनमा दियुनुसियुस जो अरियुपगुस को मेम्बर हतो, अर दमरिस नाम की एक बाई हती, अर उनको संग अऊर भी ईसान हुन होता।

## 18

XXXXXXXXXX

1 ऐको बाद पोलुस एथेंस ख छोड़ ख कुरिन्थुस म आयो।

2 वहाँ ओखा अक्विला नाम को एक यहूदी मिलो, जेको जनम पुन्तुस म भयो हतो। उ अपनी घर वाली प्रिसकिल्ला को संग इटली से तुरत म ही आयो रह, काहेकि क्लोदियुस न पुरा यहूदी हुन क रोम से निकल जान को हुकुम दियो रह। एकोलाने उ पोलुस ख मिलन गयो।

3 ओको अर उनको एक ही व्यपार हतो, एकोलाने उ उनको संग रयो अर वी काम करन लग गया; अर उनको उघम तम्बू तानन को हतो।

4 उ हर एक आराम को दिन प्रार्थना घर म बहस कर ख यहूदी हुन अर यूनानी हुन ख भी समझा वह को प्यास करह हैं।

5 जब सीलास अर तीमुथियुस मकिदुनिया से आया, ते पोलुस वचन सुनान कि धुन म यहूदी हुन ख गवाही देन लगयो की यीसु ही मसी आय।

6 पर जब वी मन मोटाव अर निन्दा करन लगया, ते ओ न अपना कपडा झाड़ ख उनसे कय्हो, “तुम्हारो खून तुम्हारी ही गर्दन पा रहे! मी बेगुनह हैं। अब से मी दुसरी जात हुन को पास जाऊँगो।

7 वहाँ से चल ख उ तितुस यूस्तुस नाम को परमेस्वर को एक पुजारी को घर म आयो; जेको घर प्रार्थना घर से लगे लगायो हतो।

8 तब प्रार्थना घर को मुखिया क्रिसपुस न अपनो पुरो घराना समेत प्रभु पर भरोसा करो; अर डेर सारा कुरिन्थुस मे रहन वाला सुन ख भरोसा लायो अर बपतिस्मा लियो।”

9 प्रभु न एक रात सपना को द्यारा पोलुस से कय्हो, मत डरा, पर बोलो जा अर चुप मत रह;

10 “काहेकि मी तोरो संग म हैं, अर कोई तोरो ऊपर चढ़ाई कर ख तोरी हानी नी करन को; काहेकि यू सहर म मोरा ढेर सारा ईसान हैं।”

11 एकोलाने उ उनमा परमेस्वर को वचन सिखाते हुए डेढ़ साल तक रयो।

12 जब गल्लियो अखया देस का मुखिया हतो, ते यहूदी हुन एक जुट हो ख पोलुस पर चढ़ आया, अर ओखा न्याय को सामे ला ख कहन लगया,

13 “यू अदमी हुन ख समझावा हैं कि परमेस्वर को भक्ती असो तरीका से करे, जो नेम को विरुद म हैं।”

14 जब पोलुस कहन पर ही हतो, ते गल्लियो हुन न यहूदी हुन से कय्हो, “अरे यहूदी हुन अदि या कुछ अन्याय या बुराई की बात होती, ते उचीत होतो कि मी तुम्हारी ऐकता।

15 पर अदि या बहस कही वाली बात हुन, अर नाम हुन अर तुमरो खुद कि नेम की रीति-रीवाज को बारे म हैं, ते तुम ही समझनू: काहेकि मी असी बात हुन को न्याय करन वालो नी बननू चाहूँ।”

16 अर ओ ना मोखा न्याय आसन को सामे से निकलवा दियो।

17 एकोबाद सब ईसान हुन न यहूदी प्रार्थना घर को मुखिया सोस्थिनेस ख फर दबोजा पकड़ ख न्याय को सामे मारो लगया। पर गल्लियो हुन न ओ पर कही भी नी दियो असी फिकर नी।

~~~~~

18 पोलुस बेजा दिन तक ओमा रयो। फिर भई हुन से बीदा हो ख किस्त्रिया म एको लाने मुण्डी मुडायो, काहेकि ओ न मन्नत मानी रह, अऊर जहाज पा सीरिया ख चल दियो अर उनको संग प्रिसकिल्ला अर अक्विला हता।

19 ओ न इफिसुस पहुँच ख उन ख उते छोड़यो, अर उ जा ख प्रार्थना घर म जा ख यहूदी हुन से बहस करन लग गयो।

20 जब उन न ओसे विनती करी, “हमरो संग म थोड़ा दिन रहो।” ते ओ न मना कर दियो;

21 पर असो बोल ख उनसे बीदा भयो, “अदि परमेस्वर चाहे ते मी तुमरो जोने फिर आहूँ। ओको बाद उ इफिसुस से जहाज खोल ख चल दियो;

22 अर कैसरिया म उतर ख (यरूसलेम ख) गयो अर कलेसिया ख मिलाप भेट कर ख अन्ताकिया म आया।”

23 फिर थोड़ा दिन रह ख उ वहाँ से निकलो, अर एक तरफ से गलातिया अर फूगिया प्रदेश हुन म सब चेला ख स्थिर करते फरो।

~~~~~

24 अपुल्लोस नाम को एक यहूदी, जेको जनम सिकन्दरिया म भयो रह, जो मनो जानो अदमी हतो जो सुध्दसास्र ख अच्छी तरीका से जानत रह, इफिसुस म आयो।

25 ओ न प्रभु को रस्ता को ग्यान पायो रह, अर मन लगा ख यीसु को बारे म सही-सही सुनत रह अर सिखात रह, पर उ सिर्फ यूहन्ना को बपतिस्मा की बात जानत रह।

26 उ प्रार्थना घर म बेधड़क हो ख कहन लगयो, पर प्रिसकिल्ला अर अक्विला ओकी बात सुन ख ओ ख अपनो यहाँ ले गया अर परमेस्वर को यहाँ जान कि रस्ता ओ ख अऊर भी सही-सही बतायो।

27 जब ओ न भरोसा करो की पार उतर ख अखया ख जाय ते भई हुन न ओ ख हिम्मत दे ख चेला हुन ख लिखो कि वी ओसे चोक्खो तरीका से मिले; अर ओ न वहाँ पहुँचा ख वी अदमी हुन की बड़ी मदत करी जिन्ना परमेस्वर कि दया को कारन भरोसा करियो रह

28 काहेकि उ सुध्दसास्र से सबूत दे दे ख की यीसु ही मसी आय, बड़ी हिम्मत से यहूदी हुन ख सब को सामे मुण्डो बंद करत रह।

## 19

~~~~~

1 वा बखत असो भयो कि जब अपुल्लोस कुरिन्थुस म हतो तो पोलुस भीतर ख परदेस हुन से घुम-फिर हो ख इफिसुस म आयो। उते ओ ख कुछ चेला हुन मिल्या।

2 ते उनसे कय्हो, “क तुम न विस्वास करत बखत सुध्द आत्मा पायो?” उनना ओसे कय्हो, “हम न तो सुध्द आत्मा को बारे म भी नी सुनी।”

3 ओ न ओसे कय्हो, “ते तुम न कसो बपतिस्मा लियो” उनना कय्हो, “यूहन्ना को बपतिस्मा।”

4 पोलुस न कय्हो, “यूहन्ना न यू कह ख मन फिराव को बपतिस्मा दियो कि जे मोरो बाद आन वालो हैं, उ पर अर्थात् यीसु प विस्वास करनु।”

5 यू सुन ख उनना प्रभु यीसु को नाम म बपतिस्मा लियो।

6 जब पोलुस न उन पर हात रखिया, ते सुध्द आत्मा उ पर उतरियो, अर वी अलग-अलग भासा बोली बोलत अर भविष्यवानी करन लगिया।

7 यू सब कम से कम बारा अदमी हते।

8 फिर पोलुस यहूदी प्रार्थना घर म चलो गयो अर तीन महा लक बे फिकर हो ख सुनाते रयो। उ यहूदी हुन को संग बात-चीत करते हुए उन ख परमेस्वर को राज को बारे म समझाते जात रहा।

9 पर उनमा से कुछ अदमी हुन ढीट हता उनना विस्वास करनो से मना कर दियो अर पुरा इंसान हुन को सामे प्रभु को राज की रस्ता ख भलो बुरो कहन लग गयो एकोलाने उ अपना चेला हुन ख संग म ले ख उनका छोड़ ख चल दियो। अर तुरन्तुस की पाटसाला म रोज दिन बात-चीत करन लग गयो।

10 दो साल तक असो ही होते रयो, ऐको मतलब असो भयो कि आसिया ख रहन वाला का यहूदी का यूनानी सब न प्रभु को वचन सुन लियो।

~~~~~

11 परमेस्वर पोलुस को हात को दुवारा सामर्थ्य को काम करते जात रहा।

12 असो तक की ओखा छिया वाला रूमाल, अंगोछा हुन ख रोगी हुन को जोने ले ख जात रहा अर उनकी बिमारी दुर हो जात रहा अर दुस्तात्मा भग जात रहा।

13 पर कुछ यहूदी इंसान जो दुस्तात्मा निकालते अर इते उते फिरत रहा असा कहन लग्या कि जो इंसान हुन म भूत प्रेत समायो रहा उन पा प्रभु यीसु का नाम को उपयोग कर ख फून को काम करे अर मी तुम ख उई यीसु को नाम को जेको प्रचार पोलुस करा हैं मी तुम ख आदेस देऊ हैं।

14 अर स्क्क्वा नाम को एक यहूदी महा याजक का सात पोरिया हता, जो असा ही करत रह।

15 पर दुस्तात्मा न उनका जवाब दियो, “यीसु ख मी जानु हैं, अर पोलुस ख भी मी पहिचानू हैं, पर तुम कोन आय?”

16 फिर उ अदमी जेमा दुस्तात्मा समायो रहा, उन पर लग्यो ओ ना उन पा काबु पा ख वी दोई ख हरा दियो असो तरीका से वी नंगा ही हो ख उ घर से निकल ख भग गया।

17 या बात इफिसुस ख रहन वाला सब यहूदी अर यूनानी भी जान गया, अर उन सब पा डर समा गयो; अर प्रभु यीसु को नाम की बड़ाई भई।

18 ओमा से ढेर सारा जीन्ना भरोसा कर लियो रहा, अपनो ही हात से करिया बुरा काम हुन ख सबको जोने मान ख वहाँ आया।

19 जादू करन वाला म से ढेर सारा न अपनी-अपनी किताब हुन इकट्ठी कर ख सब को सामे जला दीया अर जब उनको दाम जोडो गयो ते पचास हजार चाँदी को सिक्का हुन को बराबर हतो।



20 उ तरीका से प्रभु को वचन बड़ी जोर सोर फैलते अर सब तक पहुँचा गया।

21 या घटना घटन को बाद पोलुस न अपनो मन म मकिदुनिया अर अखया से हो ख यरूसेलेम जान को पक्को करियो। उन कय्हो, “वहाँ जान को बाद मोखा रोम भी देखनो चाहिए।”

22 एकोलाने अपन सेवा करन वालो म से तीमुथियुस अर इरास्तुस नाम ख दो विस्वासी हुन ख मकिदुनिया भेज दियो अर खुद आसिया म कुछ रोज अऊर रूक्यो।

23 वा बखत उ रस्ता को बारे म बड़ो ऊधम मचियो।

24 वहा देमेत्रियुस नाम को एक चाँदी को काम करन वालो सोनार रहत रहा। अर ओ ना अरतिमिस को चाँदी को मन्दिर बनवात रहा जसो मिसरी हुन ख बेजा फायदा मिलत रहा।

25 ओ ना उन ख अऊर यू काम ख करन वाला दूसरा मिसरी हुन ख इकट्टो करियो अऊर बोल्यो, “देखो भैया हुन, तुम जाना हैं कि यू काम से हम ख एक अच्छी आमदानी हो जावा हैं।

26 तुम देख सक हैं अर सुन सका कि यू पोलुस न, न सिर्फ इफिसुस को पूरो सिवाना म अदमी हुन ख बहकाए ख बदल दियो हैं उ बोला हैं इंसान को हात से बनाया वाला भगवान वी वीलकुम भी भगवान नी हैं।

27 ऐसे न सिरप या बात को डर हैं कि हमारी रोजी-रोटी बंद नी होन की पर महान देवी अरतिमिस को मन्दिर को नाम निसान तक मिट जान को डर हैं अर जो देवी की भक्ती पुरी दुनिया। को दुवारा होते जावा हैं, ओको नाम को नाम निसान मिट जान को डर भी हैं।”

28 वी असा सुन ख घुस्सा से भर गया अऊर चिल्ला-चिल्लाया ख कहन लगया, “इफिसीयो कि अरतिमिस देवी बड़ी महान हैं!”

29 अर पुरो सहर म बड़ो ऊधम मच गयो, अऊर अदमी हुन न मकिदुनिया वासी गयुस अऊर अरिस्तर्खुस का जो पोलुस को संगी यातरी हता पकड़ लियो, अर एक संग म रंग साला म दऊड़ गया।

30 जब पोलुस न अदमी हुन को पास भीतर जानो चाहो ते चेला न ओ ख जान नी दियो।

31 कुछ प्रान्तीय अधिकारी हुन न जो ओखा दोस्त हता, उनका कैय दियो की उ वहाँ रंग साला म आन की कोसीस नी करन को।

32 वहाँ कोई कुछ चिल्लात रह अर कोई कुछ, काहे की सभा म बड़ी हड़बड़ी होत रह हती, बेजा सारा इंसान हुन तो यू समझत भी नी रह की हम काय को लाने यहाँ इकट्टा भया हैं।

33 यहूदी हुन न सिकन्दर ख जेको नाम जवाबदार को रूप म समझायो रहा ओखा आगे सब को सामने कर दियो फिर उ अपना हात हुन ख हलाहला ख सिकंदर न इंसान हुन को सामे वचन को पक्क सामने रखन कि सोचियो।

34 पर जब उन ना जान लियो की उ यहूदी आय, ते सब का सब एक आवाज से कोई दो घण्टा तक चिल्लाता रया, “इफिसीयो की अरतिमिस, बड़ी हैं।”

35 फिर सहर को मंतरी न भीड़ ख सान्त कर ख बोल्यो, “अरे इफिसुस ख रहन वाला इंसान हुन का दुनिया म कोई असो इंसान हैं जो यू नी जानत आय कि इफिसुस सहर महान देवी अरतिमिस को मंदिर अर स्वर्ग से गीड़ी वाली सुध्द पत्थर को टहलुवा हैं।

36 एकोलाने जब कि असी बात हुन को खण्डन ही नी हो सका, ते भलो हैं कि तुम चुप चाप रहो अऊर बिना सोचे समझे कुछ मत करनु।

37 काहेकि तुम असा इंसान हुन का लाया हैं कि जे न मन्दिर कि चोरी करन वाला हैं अर न हमारी देवी की निन्दा करन वाला।

38 अदि देमेत्रियुस अर ओखा संगी कारीगार हुन ख कोई से बहस होये ते कचेरी खुली हैं अर राज्यपाल\* भी हैं; वी एक दुसरो पर मुकदमा चलाय सकह हैं।

\* 19:38 हाकिम

39 पर तुम ऐसे अऊर कुछ जादा जानन कि सोचा हैं ते ओको फैसला कानून कि सभा म करो जाहे।

40 पर अब जो कुछ हैं ओको हिसाब से हमका या बात को डर हैं कि आज को उपद्रा हुन को अरोपी कई हमारी मुंड पा नी मढ़ दियो जाहे। यू दंगा को लाने हमरो जोने कोई सबूत नी हाय जसो हम ऐका उचित ठहरा सके।”

41 इत्तो कहन को बाद ओ ना सभा खतम कर दियो।

## 20

~~~~~

1 फिर यू उपद्रा को सान्त हो जान को बाद पोलुस न यीसु ख चेला हुन ख बुलायो अर उनको होसला बढान को बाद उनसे बिदा लेका उ मकिदुनिया ख चल दियो।

2 वी पुरा परदेस म से होका अऊर चेला हुन को खुसी बढा ख उ यूनान म आयो

3 उ वहाँ तीन महा रूक्यो रहो काहेकि यहूदी हुन न ओखा फसान को लाने एक प्लान बनायो रहा। एकोलाने जब उ नाव म से सीरिया जान वालो ही हतो कि ओ ना विचार करयो कि मी मकिदुनिया ख लउट जाऊ।

4 बिरीया को पिरूस को पोरिया प सोपतुस, थिस्सलुनीकियो क रहन वाला अरिस्तर्खुस अर सिकुन्दस, दिरबे को रहन वालो गयुस, अर तीमुथियुस, अर एसियाई सहर को तुखिकुस अर वुफिमस आसिया ओखा संग म हता।

5 यी अदमी हुन पहले ही चल दिया रहा अर त्रोआस म हमरी रस्ता देखत रहा।

6 अर हम अखमीरी रोटी को दिन हुन को बाद फिलिप्पी से जहाज पा चढ़कर पाँच दिन म त्रोआस म ओको जोने पहुँचो, अर सात रोज तक वहीं रया।

~~~~~

7 हफ्ता को दिन जब हम रोटी खान को लाने इकट्ठा भया ते पोलुस उनसे बात चीत करन लग गयो। ओखा दुसरो रोज ही जानो रा एकोलाने उ आधी रात लक बात चित करते ही रयो।

8 अटारी को उपर वालो खन म जिते हम इकट्ठा भया रहा, वहाँ डेर सारा दीया हता।

9 वही एक यूतुखुस नाम को एक जुवान खिडकी को उप्पर बढियो रहा उ गहरी नींद सोत रहा। काहेकि पोलुस बेजा देर से बोलते ही जात रहा ते ओखा गहरी नींद आ गई रहा ऐसे उ तीन खंड को माला से नीचे गीर पडियो अर जब ओखा उठायो ते उ मर गयो रहा।

10 पर पोलुस नीचु उतर ख ओसे लपट गयो अर गला लक ख उनसे बोल्यो, “घबरावा मत काहेकि ऐकी जान अबा ऐमन ही हैं।”

11 फिर उ उपर को खन म चल दियो अर ओ ना रोटी ख टोढ़ ख टुकड़ा करयो अर ओखा खायो। उ उनको संग दिन कि किरन फुटते लक बात चित करते रयो। फिर ओ ना उनसे बिदा लियो।

12 उ जिन्दो इंसान ख उनना घर ख लेका आया। येसे उनका बेजा सान्ति मिल्यो।

~~~~~

13 हम नाव पा पहले ही पहुँच गया अर अस्सुस ख निकल पडिया। उते पोलुस ख हमका नाव पर लेनो होतो। ओ ना असो ही पिलान बनायो रहा उ खुद पैदल आन की सोचत रहा।

14 जब उ अस्सुस म हमका मिल्यो ते हमना ओखा नाव म बिठाल लियो अर हम मितुलेने ख चल पडिया।

15 वहाँ से जहाज खोल ख हम दुसरो दिन खियुस को सामने पहुँचा, अर अगलो दिन सामुस म जा लगया; फिर दुसरो दिन मिलेतुस म आया।

16 काहेकि पोलुस जहाँ तक हो सका पिन्तकुस्त को रोज तक यरूसलेम पहिचान कि जलदी करत रहा, एकोलाने ओ ना सोचियो कि उ इफिसुस म बिना रूक्यो आगे चल देहे जसो ओखा आसिया म बखत नी गुजारनो पड़े।

२२२२ २२२ २२२२२२ २ २२२२२ २२२ २२ २२२ २२२

17 ओ न मिलेतुस से इफिसुस ख सियाना हुन ख अर कलेसिया ख खबर भेज ख अपनो जोने बुलायो।

18 जब वी ओको जोने आया, ते उनसे कय्हो: “तुम जाना हैं कि पहिलो ही दिन जब मी आसिया म पहुँचो, मी हमेसा से तुमरो संग कसो तरीका से रयो।”

19 यानी बड़ी नम्रता से अर आँसु बहा-बहा ख, अर वी परीक़्छा हुन म जे यहूदी हुन को साजिस को लाने मो पर आ पड़ी, मी प्रभु की सेवा करते ही रयो;

20 अर जे जे बात हुन मोरो फायदा की हती, उनका बतान अर इंसान हुन को जोने अर घर-घर सिखान से कभी नी हिचकीयो,

21 यहूदी हुन अर यूनानी हुन ख मी समान भाव से पाप हुन की छमा को लाने परमेस्वर कि तरफ फिरन की बोलते रयो हैं अर हमारो प्रभु यीसु को विस्वास को उपर उनका चिताते रयो हैं।

22 मी सुध्द आत्मा को बस म होका यरूसलेम जा रयो हैं। मी नी जानत आय कि वहा मोरो संग का कुछ नी घटन को

23 मी तो बस इत्तो जानु हैं कि हर सहर म सुध्द आत्मा असो बोलते हुए मो ख जतायो हैं कि बन्धन अर कलेस तोरो इंतजार कर रया हैं

24 पर मोरो लाने मोरी जान को कोई मोल नी हाय। मी तो बस वा दऊड धूप अर सेवा ख पुरो करनो चाहूँ हैं जेखा मी न प्रभु यीसु से पायो हैं वा हैं परमेस्वर कि किरपा को सुसमाचार की गवाही देनो।

25 अब देखनु, मी जानु हैं कि तुम सब जिनमा मी परमेस्वर को राज को प्रचार करते फिरो, मोरो मुँह फिर नी देखन का।

26 एकोलाने मी आज मी तुमरो जोने गवाई देहु हैं कि तुम म से कोई को खून से बेगुनह हैं।

27 काहेकि मी परमेस्वर को सारो अभिप्राय ख तुम ख पूरी रीति से बतान से नी झिझका।

28 एकोलाने अपनी अर पुरो झुंड की निगरानी करो जेमा सुध्द आत्मा न तुम ख अध्यक्छ ठहरायो हैं, कि तुम परमेस्वर की कलीसिया का रखवाली करे, जे ख ओ न अपनो खून से मोल लियो हैं।

29 मी जानु हैं कि मोरी बिदा होवन को बाद फाइन खान वाला भेडिया तुमरो बीच म आएँगो अर वी असा भलो-भाला विस्वासी झुंड ख नी छोडेगो।

30 इत्तो तक की असो बखत आएँगो की तुमरो ही बिच म से भी असा इंसान उठेगो, जो विस्वास करन वाला ख अपनो पिच्छु चलन ख लाने बात हुन ख तोड़ मरोडत ख कहेगो।

31 एकोलाने जगते रहनु, अर याद करनु कि मी न तीन साल तक रात दिन आँसु बहा-बहा ख हर एक ख जतानु नी छोड़ो।

32 अर अब मी तुम ख परमेस्वर को, अर ओकी किरपा को वचन ख सोप देऊ हैं; जो तुम ख बढ़ा सका हैं अर सब सुध्द करया वाला इंसान हुन म तुमरो उत्तराधिकार दिला सका हैं।

33 मी न कोई को चाँदी, सोना या कपडा को लालच नी करो।

34 तुम तुम ही जाना हैं कि ईच हात हुन न मोरी अर मोरा संग म काम करन वाला की जरूरत पूरी करी।

35 “मी न तुम ख सब कुछ कर ख दिखायो कि असो तरीका से मेहनत करते हुये निर्बल हुन ख संभालनो अर प्रभु यीसु ख वचन याद रखनू जरूरी हैं, जे ओ न तुम ही बोलो हैं: लेनो से देनो भलो हैं।”

36 यू बोल ख वोना टोंगरीया टेकीयो अर उन सब को संग बिनती करी।

37 तब वी सब रोया अर पोलुस को गला ख चुम्मा लेन लगया

38 वी खास कर ख या बात से दुखी हता जे ओ न कही रह कि तुम मोरो चेहरा फिर कभी नी देखन का। एकोबाद उन न ओ ख जहाज तक पहुँचायो।

21

1 फिर उनसे बिदा हो ख हम न सागर म अपनी नाव खोली अर सिधो रस्ता कोस जा ख पहुँचिया अर दुसरो रोज रूदुस। फिर वहाँ से पतरा ख चल दिया।

2 वहाँ हमना एक जहाज फीनीके का जाते हुयो मिलो, अर हम न ओपर चढ़ ख खोल दियो।

3 जब साइपरस दिखई देन लग गयो ते हम ओखा उल्टो हात की तरफ छोड़ ख सीरिया की तरफ घुम गया काहेकि जहाज ख सूर म माल उतारनो हतो एकोलाने हम भी वही उतर गया।

4 वहाँ हम ख विस्वासी मिल्या जिनको यहाँ हम सात रोज लक रूक्या। उनना आत्मा कि सक्ती से भर ख पोलुस ख यरूसेलेम जानो से मना करयो।

5 फिर वहाँ रूकन को अपनो बखत पुरो कर ख हमना बिदा लियो अर अपनो सफर पा निकल पड़्या। अपनी ओरत अर पोरिया-पारी समेत वी पुरा सहर को बाहर लक हमरो संग आया। फिर वहाँ सागर को किनार म हमना टोगरिया को बल झूक ख विनती करी।

6 तब एक दुसरो से बिदा हो ख हम तो जहाज पर चढ़ीया अर वी अपना-अपना घर लउट गया।

7 सूर से पानी को रस्ता पुरो कर ख पतुलिमयिस म पहुँचिया, अऊर भई हुन ख नमस्कार कर ख उनको संग एक दिन रह्या। *

8 दुसरो दिन हम वहाँ से चल ख कैसरिया म आया, अर फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक को घर म जो साती म से एक हतो; जा ख ओको यहाँ रया।

9 ओकी चार कुंवारी पोरी हुन हती, जे भविष्यवानी करत रह।

10 जब हम वहाँ बेजा दिन तक रैय चुक्या, ते अगबुस नाम को एक भविष्यवक्ता यहूदिया से आयो।

11 ओ ना हमरो जोने आ ख पोलुस को अंगोछा† लियो, अर अपना हात पाय बाँध ख कय्हो, “सुध आत्मा असो बोला हैं कि जो अदमी को यू अंगोछा आय, ओ ख यरूसेलेम म यहूदी असोच ही तरीका से बाँधूँगो, अर दुसरी जात हुन को हात म सोपेगो।”

12 जब हम न असी बात सुनी, ते हम अर वहाँ ख अदमी हुन न ओसे विनती करी कि यरूसेलेम ख मत जानु।

13 पर पोलुस न जवाब दियो, “तुम का करा हैं कि रो-रो ख मोरो मन तोड़ा हैं? मी तो प्रभु यीसु को नाम को लाने यरूसेलेम म नी केवल बाँधी जान ही को लाने पर मरन को लाने भी तैयार हैं।”

14 जब ओ न नी मानो ते हम यू बोल ख चुप हो गया, “प्रभु की मर्जी पुरी होय।”

15 ई दिन को बाद हमना तैयारी करी अर यरूसेलेम ख चल दिया।

16 कैसरिया से भी कुछ चेला हमरो संग म हो लियो। अर हम ख मनासोन नामक साइपरस को एक पुरानो चेला को यहाँ ले आया, कि हम ओको यहाँ रूके।

17 जब हम यरूसेलेम म पहुँचिया, ते भई हुन बड़ी खुसी को मारे हम से मिलीयो।

18 दुसरो दिन पोलुस हम ख ले ख याकूब को जोने गयो, वहाँ पर सब सियाना जुड़िया हता।

19 तब ओ न उन ख नमस्कार कर ख, जो जो काम परमेस्वर न ओकी सेवा को दुवारा दुसरी जात हुन म करी रह, एक एक कर ख सब बताया।

20 उन न असो सुन ख परमेस्वर कि स्तुति करी‡ फिर ओसे कय्हो, “भई, तू देखा हैं कि यहूदी हुन म से करीब हजार न भरोसा करो हैं; अर सब नेम को लाने धुन लगाया हैं।

21 उनका तोरो बारे म सिखायो गयो हैं कि तू दुसरी जात हुन म रहन वाला यहूदी हुन का मूसा से फिर जान की सिखावा हैं, अर बोला हैं, कि न अपना पोरिया पारी को चढ़ावा अर न रीति-रीवाज हुन पर चलो।

* 21:7 पानी मार्ग † 21:11 कटिबन्ध ‡ 21:20 महिमा

22 ते फिर का करो जाय? अदमी हुन जरूरी सुने कि तू आयो हैं।

23 एकोलाने जो हम तो से कह हैं, उ कर। हमरो इते चार इंसान हैं जिन्ना मन्नत चढ़ाई हैं।

24 उन ख ले ख उनको संग अपनो तुम ख सुध्द करो; अर उनको लाने खर्चा दे कि वी मण्डी मुडायो। तब सब जान लेहे कि जो बात हुन उन ख तोरो बारे म कही गई, ओमा कुछ हकीगत नी हाय पर तू स्वयं भी नेम ख मान ख ओको जसो चला हैं।

25 पर वी दुसरी जात हुन को बारे म जिन्ना भरोसा करो हैं, हम न यू सोच समझ ख लिख भेजो हैं कि वी मुरती हुन को सामे चढ़ाई वाली मटन म से, अर खून से अर गलो घोटियो वालो कि मटन म से, अर गलत काम से बचियो रहनु।”

26 तब पोलुस वी अदमी हुन ख लेखा, अर दुसरो रोज उनको संग सुध्द हो ख मन्दिर म गयो, अर वहाँ बता दियो कि सुध्द हो न को दिन, यानी उनमा से हर एक को लाने चढ़ावा चढ़ाय जान तक को दिन कब पुरा होए।

?????? ? ?????? ?? ?????? ?????

27 जब वी सात दिन पुरा होन पा हता, ते आसिया का यहूदी हुन न पोलुस को मन्दिर म देख ख सब अदमी हुन ख उकसायो, अर असा चिल्ला ख ओ ख पकड़ लियो,

28 “अरे इस्राएली हुन, सहायता करो; यू उई अदमी आय जो अदमी हुन को, अर नेम का, अर या जगा को विरोध म हर जगह सब अदमी हुन ख सिखावा हैं, यहाँ तक की यूनानी हुन ख भी मन्दिर म ला ख ओ न यू सुध्द जगह ख असुध्द करो हैं।”

29 उन न येसे पहिले इफिसुस वासी त्रुफिमस को ओको संग नगर म देखो हतो, अर समझीया हता कि पोलुस ओ ख मन्दिर म ले आयो हैं।

30 तब पुरो सहर म कोला हल मच गयो, अर अदमी दऊड ख एक जुट भया अर पोलुस ख पकड़ ख मन्दिर को बहार घसीट लाया, अर तुरत दरवाजा बन्द करा गया।

31 जब वी ओ ख मार डालनो चाहत रह, ते पलटन को मुखिया ख खबर पहुँची कि पुरो यरूसेलेम म कोला हल मच रयो हैं।

32 तब वी तुरंत सैनिक हुन अर सतपति हुन को लेय ख ओके नजीक नीचे दऊड आयो; अर उनना पलटन को सरदार ख अर सैनिक हुन ख देख ख पोलुस ख मरनो पिटनो छोड़ दियो।

33 तब पलटन को सरदार न नजीक आय ख ओ ख पकड़ लियो; अर दो जंजीर से बाँधन की आग्या देय ख पुछन लगिया, “यू कोन आय अर इन न का कियो आय?”

34 पर भीड़ म से कोई न कोई चिल्लात रह। जब कल्ला को मारे वी सही सच्चाई नी जान सको ते ओ ख मजबूत गढ़ म ले जान को आग्या दियो गयो।

35 जन वी पायरी पर पहुँचिया, ते असो भयो कि भीड़ को दबाव को मारे सैनिक हुन ख ओ ख उठा ख ले जानो पड़ियो।

36 काहेकि अदमी हुन को भीड़ यू कल्ला करती हुई ओको पीछे पड़ी होती रह, “ओ ख मार दाल।”

37 जब वी पोलुस ख गढ़ म ले जानो हते, ते ओ ना पलटन को सरदार से क्य्हो, “क मोखा आग्या हैं कि मी तोखा कुछ कहूँ?” ओ न क्य्हो, “क तू यूनानी जानह हैं?”

38 का तू वी मिसतिरी नी आय, जे इ दिन हुन से पहलो विद्रोही बना ख, चार हजार चक्कु बंद लोग हुन ख जंगल म ले गयो?”

39 पोलुस न क्य्हो, “मी ते तरसुस को यहूदी इंसान आय! किलिकिया के प्रसिध्द नगर को निवासी आय मी तोसे बिनती करू हूँ कि मो ख लोग हुन से बात करन दे।”

40 जब ओ न आग्या दियो, ते पोलुस न सीढ़ी पर खड़ो होय ख लोग हुन को हात से संकेत कियो। जब वी चुप हो गयो ते वी इब्रानी भासा म बोलन लगियो।

22

1 पोलुस न बोल्यो, “अरे मोरा यहूदी भैय्या हुन अऊर मोरो बाप को समान दादा हुन! मोरी पक्छ म अब मोखा जे कुछ कहनो हैं, ओखा ध्यान धर ख सुनो।”

2 वी यू सुन ख कि उ अब हमसे इब्रानी भासा म बोला हैं, अर यी चुपचाप हो गया तब ओ न कय्हो;

3 मी एक यहूदी इंसान आय, जो किलिकिया को तरसुस म मोरो जनम भयो; अऊर मी यूईच सहर म मोरो पाल-पोस ख बड़ो भयो हैं। गमलीएल को पाय को जोने बैठ ख हमारी परम्परा को नेम को हिसाब से बड़ी मेहनात को संग मोखा ग्यान बुद्धी मिली, परमेस्वर को लाने मी बड़ो धुन लगायो थो। ठीक वसो ही जसा आज तुम सब हैं।

4 मी न अदमी अऊर ओरत दोई ख बान्ध बाँध ख अऊर जेल म डाल-डाल ख यीसु मसी ख मानन वाला ख असो तक सतायो कि उनका मरना भी डालो।

5 या बात को लाने मुखिया याजक अऊर सबरा सियाना गवाह हैं, कि उनसे भी भई हुन को नाम पर चिट्ठी हुन लेख दमिस्क का चलो जात रह हतो, जो वहाँ रहे उनका भी सजा दिलान को लाने बाँध ख यरूसलेम लाऊ।

~~~~~  
(प्रेरितो 9:1-19; 26:12-18)

6 जब मी चलते चलते दमिस्क को जोने पहुँचियो; ते असो गयो कि दोपहर दिन को एक बजे को करिब एकाएक एक बड़ी बिजली आकास से मोरो चारी तरफ चमकी।

7 अर भी जमीन पा गिर पड़ियो अर असो आवाज सुनो, साऊल, ओ साऊल तू मोखा काहे सतावा हैं?

8 मी न उत्तर दियो हर प्रभु, तू कोन आय? ओ न मोसे कय्हो, मी यीसु नासरी आय, जो ख तू सतावा हैं।

9 मोरा संग वाला न बिजली तो देखी, पर जो मोसे बोलत रह ओकी आवाज नी सुनियो।

10 तब मी न कय्हो, प्रभु मो ख का करनो चाहिए? प्रभू न मोसे कय्हो, उठ ख दमिस्क म जा, अर जे कुछ तोखा करन को लाने ठहरायो गयो उ तोसे सब बता दियो जाहेगो।

11 जब वा बिजली को उजाला को मोरे मो ख कुछ दिखाई नी दियो, ते मी अपना संगी हुन को हात पकड़ ख दमिस्क म आयो।

12 तब हनन्याह नाम को नेम को अनुसार एक दास अदमी, जो वहाँ रहत रह सब यहूदी हुन म सुनाम हतो मोरो जोने आयो,

13 अर खड़ो होख मोसे कय्हो, हे साऊल भई, फिर देखन लग उसी घड़ी मोरी आँखी खुल गई अर मी न ओ ख देखो।

14 तब ओ न कय्हो, हमरो बाप दादा हुन को परमेस्वर न तोखा एकोलाने ठहरायो हैं कि तू ओकी इच्छा को जानो अर उ धर्मी को देखे अर ओको मुण्डो से बात हुन सुने।

15 काहेकि तू ओकी तरफ से सब अदमी हुन को सामे वी बात को गवाह होयगो जे तू न देखो हैं।

16 अब काहे टेम् करा हैं? उठ बपतिस्मा ले अर ओको नाम ले ख अपनो पाप धो डाल।

~~~~~

17 “जब मी फिर यरूसलेम म आँख मन्दिर म बिनती करत रह हतो, ते बेसुध हो गयो,

18 अर ओखा देखो कि उ ओसे बोला हैं, ‘जल्दी कर ख यरूसलेम से पटाक निकल ला, काहेकि वी मोरो बारे म तोरी गवाई नी मानन ख।’

19 मी न कय्हो, प्रभु, वी तो खुद जाना हैं कि मी तो पर भरोसा करन वाला ख जेल म डालू अर जगह-जगह प्रार्थना घर म पिटवात रह।

20 जब तोरो गवाह स्तिफनुस को खून बहायो जान रह तब मी भी वहाँ हतो; अर या बात म सहमत हतो, अर ओखा मारन वाला को कपड़ा की देख रेख करत रह।

- 21 अर ओ ना मोसे कय्हो, चलो जा; काहेकि मी तोखा दूसरी जात को पास दूर-दूर भेजेगो।”
- 22 वी या बात तक ओकी सुनते रया, तब बड़ी जोर से चिल्लायो, “असो अदमी ख मार डालो; ओको जिन्दो रहनू ठीक नी हाय।”
- 23 जब वी चिल्लाते रय्हो अर कपड़ा फेंकते अर बादल म धुदर उडात रह;
- 24 ते पलटन को मुखिया सरदार न कय्हो, “ऐका गढ़ म ले जाव, अर कोडा लगा का पुछो, कि मी जानू कि इंसान काम को वजे से ओको विरोध म असा चिल्ला रया हैं।”
- 25 तब उनन ओ ख चमडा से बाँधी ते पोलुस न उ सतपति से जे नजीक म खडो हतो, कय्हो, “क यू ठीक हाय, कि तुम एक रोमी इंसान ख, अर उ भी बिना दोसी ठहरायो हुयो: कोडा मारो?”
- 26 सतपति न यू ऐका ख पलटन को मुखिया को जोने जा ख कय्हो, “तु यु का करा हैं? यु तो रोमी इंसान आय।”
- 27 तब पलटन को मुखिया न ओको जोने आ कय्हो, “मोखा बता, का तू रोमी आय? ओ न कय्हो हाव।”
- 28 यू सुन ख पलटन को मुखिया न कय्हो, “मी न रोमी होन को पद ढेर सारा रुपया देख पायो हैं।” पोलुस न कय्हो, “मी ते जनम से रोमी आय।”
- 29 तब जे अदमी ओ ख जाँचन पर हता, वी तुरंत ओको जोने से हट गयो अर पलटन को मुखिया भी यू जान ख कि यू ते रोमी आय अर मी न ओ ख बाँधी हैं, डर गयो।

???? ???? ? ? ???? ?????

30 दूसरो दिन ओ न ठीक-ठीक जाँचन की इच्छा से कि यहूदी ओ पर काहे आरोप लगाव हैं, ओकी दोरी खोली दियो जाय: अर प्रधान याजक हुन अर पुरी बड़ी सभा का एक जुट होन को दियो; अर पोलुस का नीचे ले जा ख उनको जोने खडो कर दियो।

23

- 1 पोलुस न बड़ी सभा पा टकटकी लगा ख कय्हो, “भई मी न आज तक परमेस्वर को लाने बिलकुल भली इच्छा से चाल चलन से जीवन बनायो हैं।”
- 2 ये पर हनन्याह माह याजक न उनका जो ओको पास जोने खडा हता; मुण्डो पर चाटा मारन को हुकुम दियो।
- 3 तब पोलुस न ओसे कय्हो, अरे चूना फेरी वाली समादी, परमेस्वर तो ख भी मारे। तू नेम को हिसाब से मोरो न्याय करन ख बटो हैं, अर फिर का नेम को विरूद मो ख मारन की कहा हैं?
- 4 जो सामे खडा हता उन न कय्हो, का तू परमेस्वर को बडो माह याजक ख बुरो भलो कहाँ हैं?
- 5 पोलुस न कय्हो, “भई हुन मी नी जानत रह हतो कि यू बडो याजक आय; काहे कि लिखो हैं? अपना अदमी हुन को मुखिया (प्रधान) ख, बुरो मत बोलजे।”
- 6 तब पोलुस न यू जान ख की एक दल सद्कीहुन अर दूसरो फरीसी हुन को हैं, सभा म पुकार ख कय्हो “भई हुन, मी फरीसी अर फरीसी हुन को खानदान को आय मरिया वाला की आसा अर फिर से जी उठन को बारे म मोरो मुकदमा हो रयो हैं।”
- 7 जब ओ न या बात कही ते फरीसी हुन अर सद्की हुन की हुन म झगडा होन लगो अर सभा म फूट पड गई।
- 8 काहे कि सद्की तो असा बोला हैं कि कि न फिर से जी उठनो हैं, न स्वर्ग दूत अर न आत्मा हैं, म पर फरीसी इन सब ख माना हैं
- 9 तब बडो हल्ला मचो अर कुछ सासतिरी जो फरीसी हुन को दल का हता उठ खडा भया अर असा कह ख झगड़न लग्या “हम यू अदमी म कुछ बुराई नी देखो अऊर अदि कोई आत्मा या स्वर्गदूत ओसे बोलो हैं ते फिर का?”

10 जब बेजा झगड़ा भयो ते पलटन को मुखिया (सरदार) न यू डर से कि वी पोलुस को टुकड़ा टुकड़ा नी कर डाले पलटन का आदेस दियो कि उतर ख ओ ख उनको बीच म से जबरदस्ती निकाले, अर गढ़ म ले जाव ।

11 वई रात प्रभु न ओको जोने खडो होख कय्हो, “अरे पोलुस धीरज धर, काहेकि जसी तू न यरूसेलम म मोरी गवाही दियो वसो ही मोखा रोम म भी गवाही देनी पडो ।”

12 जब दिन हुआ ते यहूदी हुन न सडचंत्र रचो अर कसम खाई कि जब तक हम पोलुस ख मार नी डाले, तब तक खायो पियो वाले हम पा धितकार ।

13 जिन न एक दुसरो से असी कसम खाई रह वी चालीस झन से ज्यादा हता ।

14 उनन मुखिया (प्रधान) याजक हुन अर सियाना हुन को नजीक जा ख कय्हो, “हम न यू ठान लियो हैं कि जब तक हम पोलुस ख मार नी डाला, तब तक अदि कुछ चखे भी ते हमरो ऊपर धितकार हैं ।”

15 एकोलाने अब यहूदी सभा समेत पलटन को मुखिया (सेनानायक) ख, समझाव कि ओ ख तुमरो जोने लेख आव, समझानो कि तुम ओको बारे म अऊर भी चोखो से जाँच करनो चाहवा हैं । अर हम ओको पहुँचनो से पहिले ही ओ ख मार डालन को लाने तैयार रहेगो ।

16 पोलुस को बहिन को पोरिया भांजा* न सुनो कि वी ओखा मरनो पर हैं, ते गढ़ म जा ख पोलुस ख खबर दियो ।

17 पोलुस न सतपति म से एक ख अपनो जोने बुला ख कय्हो, “यू जवान ख सेनापति को जोने ले ख जाव यू ओसे कुछ बोलनो चाहवा हैं ।”

18 एको लाने ओ न ओ ख पलटन को मुखिया को जोने ले जा ख कय्हो, बन्दी पोलुस न मोखा बुला ख विनती करी कि यू जवान पलटन को मुखिया से कुछ बोलनो चाहवा हैं; एका ओको जोने ले जाव ।

19 पलटन को सरदार न ओको हात पकड़ ख अर ऊते ले जाय ख पुछियो, “तू मोसे क हकन चावा हैं?”

20 ओ न कय्हो, “यहूदी हुन न सडचंत्र रचो हैं कि तोसे विनती करे कि कल पोलुस ख बडो सभा म लाय, अर वी अच्छी तरह जाँच करन चावा हैं ।

21 पर उनकी नी माननू, काहेकि ओमा से चालीस का उपर अदमी हुन ओकी घात म हैं, जिनना यू ठान लियो हैं कि जब तक वी पोलुस ख मार नी डाले, तब तक नी ते खावन को अर नी पाएगो को । अर वी तैयार हैं अर तोरो वादा की बट जो रया हैं ।”

22 तब पलटन को सरदार न जवाब ख यू आग्या देय ख बिदा कियो, “कोई ख नी कहनो कि तू न मो ख या बात कही आय ।”

23 तब ओ न दो सतपति हुन ख बुलाय ख कय्हो, “दुई सव सैनिक, सत्तर सवार, अर दुई सव भालैत, पहर रात बीती कैसरिया ख जानू ख लियो तैयार कर रखियो हैं ।

24 अर पोलुस ख लाने घोड़ा हुन सवारी तैयार रखो हैं, कि ओ ख फेलिक्स हाकिम को नजीक चोखो से पहुँचा देहे ।”

25 ओ न इ प्रकार को चिट्ठी म भी लिखी हती:

26 महामहिम फेलिक्स हाकिम ख क्लोदियुस लूसियास को नमस्ते ।

27 इ अदमी ख यहूदी हुन न पकड़ ख मार डालन चावा हैं, पर जब मी न जानो कि रोमी हैं, ते पलटन लेय ख छुड़ा लायो ।

* 23:16 बहिन को पोरिया

28 मी जानन चाहूँ कि वी ओ पर का कारन आरोप लगावा हैं, एकोलाने ओ ख ओकी बड़ोसभा म ले गयो।

29 तब मी न जान लियो कि वी अपन मूसा ख नेम को विवाद को बारे म ओ पर आरोप लगाव हैं, पर मर डालन या बाँधन को योग्य ओमा कोई आरोप नी आय।

30 जब मोखा बतायो गयो कि वी इ अदमी की घात म लगे आय ते मी न तुरंत मी ओको तोरो नजीक म भेज दियो; अर मुद्दई हुन ख भी आग्या दी कि तोरो सामे ओ पर नजीक करे।

31 अतः जसी सैनिक हुन ख आग्या दी गई हती वसो ही वी पोलुस ख लेय ख रात तम रात अन्तिपतिरस म आया।

32 दुसरा दिन वी सवार हुन ख ओके संग जानू ख लियो छोट ख वापस गढ़ ख लउटे।

33 उनना कैसरिया पहुँच ख हाकिम ख चिट्ठी दी; अर पोलुस ख भी ओको सामे खडो कियो।

34 ओ न चिट्ठी पढ़ ख पुछियो, यू कऊन सो देस को निवासी आय? अर जब जान लियो कि किलिकिया को आय

35 “अर जब जान लियो कि किलिकिया को आय ते ओसे कह्यो, जब तोरो मुद्दई भी आएँगे, ते जब नी तोरो मुकदमा करूँ।” अर ओ न ओ ख हेरोदेस को किला म पहरा म रखन को आग्या दी।

24

CHAPTER 24 THE END OF THE JOURNEY

1 पाँच दिन को बाद म हनन्याह बड़ो याजक अर बेजा सारो सियाना हुन को अर तिरतुल्लुस नाम को कोई वकील ख संग म ले ख आयो। उनना हाकिम को सामे पोलुस ख पिटो गयो।

2 जब वी बुलायो गयो ते तिरतुल्लुस ओ पर आरोप लगा ख कहन लगियो:

“अरे महामहिम फेलिक्स, तोरो दरवाजा हम म बड़ी सान्ति होवा हैं; अर तोरो काम करनो से इ या जात को लाने कई प्रकार को बुराई हुन सुधरी जात हैं।

3 इको हम हर जगह अर हर प्रकार धन्यवाद ख संग मानत हैं।

4 पर एकोलाने कि तोखा अर दुख नी देनो चाहत, मी तोसे विनती करन हूँ कि किरपा कर ख हमारी दो एक बात सुन लेवा।

5 काहेकि हम न इ अदमी ख बुरो काम अर दुनिया को सारो यहूदी हुन म झगड़ा लगड़ा करन वालो, अर नासरी को कुपन्थ को मुखिया पायो हैं।

6 ओ न मन्दिर ख असुध्द करनो चाहयो, पर हमना ओ ख पकड़ लियो। हम न ओ ख अपन मूसा को नेम को अनुसार दण्ड दियो होतो;

7 पर पलटन को सरदार लूसियास न ओ ख जबरदस्ती छीन लियो,

8 अर मुद्दई हुन ख तोरो सामे आन की आग्या दी। इ सब बात हुन का जेके बारे म हम ओ पर आरोप लगावा हैं; तू तुम ही ओको परख कर ख जान लेगो।”

9 यहूदी हुन न भी ओखा संग देय ख कह्यो, बात इही प्रकार की आय।

CHAPTER 24 THE END OF THE JOURNEY

10 जब हाकिम न पोलुस का बोलन को संकेत कियो, ते ओ न उत्तर दियो:

मी यू जान ख कि ढेर सारो साल से इ जात को न्याय कर रह्यो हैं खुसी से अपन प्रत्युत्तर देहु हूँ।

11 तू कुद जान सका हैं कि जब से मी यरूसेलेम म आराधना करन ख आयो, मोखा बारा रोज से मोखा ऊपर नी भया।

12 मोखा नी मन्दिर म नी प्रार्थना घर हुन म, नी नगर म कोई से झगड़ा (विवाद) करत या भीड़ लगात पायो;

13 अर नी ते वी उ बात ख, जेको वी अब मोखा पर आरोप लगात हैं, तोरो सामे सच प्रमाणित कर सका हैं।

14 पर मी तोरो सामे यू मान लेहूँ हूँ कि जे पंथ ख वी रस्ता कहत हैं, उही की रीति पर मी अपन बापदादा हुन को परमेस्वर की सेवा करत हूँ; अर जे बात नेम अर भविष्यवक्ता हुन को किताब म लिखी हैं उन सब पा विस्वास करू हूँ।

15 अर परमेस्वर से आसा रखूँ हूँ जे वी तुम भी रखत हैं कि धर्मी अर अधर्मी दो ही जन को जी उठनो होगो।

16 एको मी तुम भी यत्न करत हूँ कि परमेस्वर की, अर इंसान हुन की तरफ मोरो विवेक सदा निर्दोस रया।

17 ढेर सारो साल को बाद म अपन लोग हुन ख दान (भिख) पहुँचानो, अर भेंट चढ़ान आयो हतो।

18 उन्होना मो ख मन्दिर म, सुध्द दसा म, बिना भीड़ को संग, अर बिना दंग करत हुया भेंट चढ़ात पायो हौँ आसिया को कई यहूदी हते उनख उचित हतो

19 कि अदि मोरो विरोध म ओको नजीक कोई बात होए ते यहाँ तोरो सामे आय ख मो पर आरोप लगावा।

20 या यू तुम ही बताए कि जब मी बड़ो सभा को सामे खडो हतो ते उनना मो म कोन सो अपराध पायो?

21 इही एक बात ख छोड़ जे मी न ओके बीच म खडो होयख पुकार ख कही हती: “मरो हुआ ख जी उठने को बारे म आज मोरो तुम्हारा सामे मुकदमा को रय्दो है।”

22 फेलिक्स न, जे इही रस्ता की बात हुन ठीक ठीक जानत हतो, उनना यू कह ख टाल दियो, “जब पलटन को सरदार लूसियास आएँगो, ते तुम्हारी बात को निर्णय करूँगो।”

23 अर सतपति ख आग्या दी कि पोलुस ख कुछ छुट म रख ख रखवाली करनु, अर ओको दोस्त हुन म से कोई ख भी ओकी सेवा करन से नी रोकन।

24 कुछ दिन हुन को बाद फेलिक्स अपन ओरत दुसिल्ला का, जे यहूदी नी हती, संग लेय ख आयो अर पोलुस ख बुलवा ख उ विस्वास का बारे म जे मसी यीसु पर आय, ओसे सुनो।

25 जब वी धर्म, अर संयम, अर आन वाले न्याय को चर्चा कर रय्दा हता, ते फेलिक्स न डर ख उत्तर दियो, “अभी तर जा; मी अवसर पा ख तोखा फिर बुलाऊँगो।”

26 ओ ख पोलुस से कुछ पैसा मिलन की आसा हती एकोलाने अर भी बुला-बुला ख ओसे बात कियो करत हतो।

27 पर जब दो साल बीत गया ते पुरकियुस फेस्तुस, फेलिक्स को जगह पर आयो; अर फेलिक्स यहूदी हुन ख खुस करन को चक्कर म पोलुस ख जेल म ही छोड़ दियो।

25

1 फेस्तुस उ देस म पहुँचन का तीन दिन बाद कैसरिया से यरूसलेम ख गयो।

2 तब पुजारी याजक हुन अर यहूदी हुन का खास अदमी हुन न ओखा सामने पोलुस कि नालिस करी;

3 अर ओ से प्रार्थना कर ख ओखा खिलाप म यी वर चावा कि वी ओ ख यरूसलेम म बुलन की किरपा करे, काहेकि वी ओ ख रस्ता म ही मर डालन की घात म लग हुए हता।

4 फेस्तुस न उत्तर दियो, “पोलुस कैसरिया म बन्दी म हैं, अर मी तुम जल्द ही वापस जाऊँगो।”

5 फिर कय्दो, “तुम म कोई अगुवा रखह हैं वी संग चले, अर यदि इ अदमी न कुछ बुरो काम* कियो आय ते ओ पर आरोप लगाए।”

* 25:5 अनुचित काम

6 ओके बीच म कोई आठ दस रोज रह ख वी कैसरिया चलो गयो; अर दुसरो रोज न्याय आसन म बैहिट ख पोलुस को लाने कि आग्या दी।

7 जब वी आयो ते जे यहूदी यरूसेलम से आया हता, उनना आसा-पास खडो होख ओ पर डेर सारो अपराध लगायो, जेको प्रमाण वी नी दे सकत हतो।

8 पर पोलुस न उत्तर दियो, “मी न नी ते यहूदी हुन की नेम को किताब को अऊर नी मन्दिर को, अऊर नी कैसर को विरूध्द कोई पाप कियो हाय।”

9 तब फेस्तुस न यहूदी हुन का खुस करन की इच्छा से पोलुस से कय्हो, “क तू चावा हैं कि यरूसेलम ख जाए अर वी मोरो सामे तोरो यू मुकदमा तय कियो जाए?”

10 पोलुस न कय्हो, “मी कैसर को न्याय-आसन को सामे खडो हाय; मोरो मुकदमा तय कियो जाए?” सजो तू अच्छी तरीका से जाना हैं यहूदी हुन को मी न कुछ बुरो नी करयो हाय।

11 अदि मी बुरो हाय अर मार डाले योग्य मी कोई काम कियो हैं, ते मरन से नी मुखर को; पर जे बात हुन को यु मोरो पर आरोप लगावा हैं, अदि उनमा से कोई भी बात सही नी ठहरे ते “कोई मोखा उनको हात नी सोप सका हैं। मी कैसर की दोहाई दे ख कहू हैं।”

12 तब फेस्तुस न मंतरी हुन को सभा को संग बात कर ख कहन लग्या, तू न कैसर को दोहाई दी हाय, “तू कैसर को ही कने जाहे।”

~~~~~

13 कुछ दिन बितान को बाद अग्रिप्पा राजा अर बिरनीके न कैसरिया म आय ख फेस्तुस से भेट करी।

14 ओके डेर सारो दिन उही रहन को बाद फेस्तुस न पोलुस का बारे म राजा ख बतायो: “एक अदमी आय, जेख फेलिक्स जेल म छोड़ दियो गयो हैं।

15 जब मी यरूसेलम म हतो, ते प्रधान याजक अर यहूदी हुन को सियाना न ओकी माँग कियो अर चाहा कि उ पर दण्ड की हुकुम दी जाहे।

16 पर मी न ओको उत्तर दियो कि रोमी कि यू रीति नी कि कोई इंसान का दण्ड को लाने सोप देहे, जब तक मुद्दा अलैह को अपन मुद्दई हुन को सामे खडो होय ख अपराध को उत्तर देन ख अवसर नी मिले।

17 अतः जब वी यू इकट्टा भया, ते मी न कुछ बखत नी कियो, पर दुसरा ही दिन न्याय-आसन पर बैहिट ख उ इंसान को लाने हुकुम दी।

18 जब ओको मुद्दई खडो भयो ते उनना असी अनुचित बात हुन आरोप नी लगायो जसा मी समझत हतो।

19 पर वी अपन मत को अर यीसु नाम कोई अदमी का बारे म, जे मर गयो हतो अर पोलुस ओको जिन्दो बतात हतो, विवाद करत हते।

20 मी उलझन म हतो कि इन बात हुन को बारे म कसो पता लगाऊ? एकोलाने मी न ओसे पूछो, क तू यरूसेलम ख जाएगो कि उही बात को न्याय होए?

21 पर जब पोलुस न दोहाई दे ख कहन लग्यो कि ओको मुकदमा म को फैसला महाराजा धिराज को यहाँ होए, ते मी न हुकुम दी कि जब तक ओ ख कैसर को नजीक नी भेजू, ओ ख हिरासत म रखो जाहे।”

22 तब अग्रिप्पा न फेस्तुस से कय्हो,

“मी भी उ इंसान की सुननू चाहूँ हूँ। ओ न कय्हो तू कल सुन लेगो।”

23 अतः दुसरो रोज जब अग्रिप्पा अर बिरनीके बडो धूम धाम से आयो अर अर पलटन को सरदार हुन अर नगर को प्रमुख लोग हुन को संग दरबार म पहुँचिया। तब फेस्तुस न हुकुम दी कि वी पोलुस का ले आवा।

24 फेस्तुस न कह्यो, “हे राजा अग्रिप्पा, अर हे सब इंसान हुन जे यहाँ हमारो संग हो, तुम इ इंसान ख देखत हो, जेको बारे म सब यहूदी हुन न यरूसलेम म अर यू भी कल्ला करत मोसे विनती की कि इको जिन्दो रहनू उचित नी हाय।

25 पर मी न जान लियो कि ओ न असो कुछ नी कियो कि मार डाला जाहे; अर जबकि ओ न तुम ही बड़ो राजा जा धिराज को दोहाई दी, ते मी न ओ ख भेजन को निर्नय कियो।

26 मी न ओके बारे म कोई निश्चय बात नी पायो कि अपनो मालिक को नजीक लिखूँ। एकोलाने मी ओ ख तुमरो सामे अर विसेस कर ख हे राजा अग्रिप्पा, तोरो सामे लायो हूँ कि जाँचन को बाद मोखा कुछ लिखन का मिलो।

27 काहेकि बंदी ख भेजनू अर जे अपराध उ पर लगायो गयो, उन न बतायो, मो ख पड़त हैं।”

## 26

~~~~~

1 राजा अग्रिप्पा न पोलुस न कह्यो, “तो ख खुद अपनो बारे म बोलन को हक हैं” इ पर पोलुस न अपनो हात उठायो अर अपनो बचाव म बोलन सुरु कियो,

2 अरे राजा अग्रिप्पा! मी अपनो खुद को खुस किस्मत समझू हूँ कि यहूदी हुन न मोखा पा जे आरोप लगायो आय, उन सब बात हुन को बचाव म मी तोरो सामे बोलन जा रह्ये हूँ।

3 खास कर ख एको लाने की तू हैं कि तोखा सभी यहूदी रीति रिवाज हुन अर उनका लड़ाई हुन ख ग्यान हैं। एकोलाने मी तोसे प्रार्थना करूँ हैं कि धीरज का संग मोरी बात सुनो जाहे।

4 मोरो जिन्दगी छोटो पन से अपनी जात ख लोग हुन का संग, अर यरूसलेम देस म ही गुजरो हैं। एकोलाने सारा यहूदी जानह हैं कि सुरू से ही मोरो रहन सहन को ढंग कसो हतो।

5 वी मोखा ढेर सारा बखत से जान हैं अर अदि वी चाहे ते ईच बात कि गवाही दे सका हैं कि मीन हमारो धर्म को एक सबसे जादा मजबूत धर्म ख जसो ही एक फरीसी को जसो म जिन्दगी जियो हैं।

6 अब उ वादा म आसा को लाने जे परमेस्वर न हमारा बापदादा हुन से कियो गयो हतो। मो पर मुकदमा चला रह्यो हैं।

7 उई वादा को पुरो होन की असो लगा ख हमारा बारा गोत अपनो पुरो मन से रात दिन परमेस्वर की आराधना करते आया हैं। अर हे राजा यही आसा को बारो म मो पर यहूदी दुवारा आरोप लगावा हैं।

8 जबकि परमेस्वर मरिया वाला ख जिन्दो करा हैं, ते तुमरो यहां यह बात काहे भरोसा को काबिल नी समझी जावा।

9 मी न भी समझो हतो कि यीसु नासरी को नाम को विरोध म मो ख बेजा कुछ करना चाहिए।

10 अर मी न यरूसलेम म यसो ही करियो हतो अर प्रधान याजक हुन से हक पा ख ठेर सारा सुध्द अदमी हुन ख जेल म डालियो, अर जब वी मर जात रा ते मी भी उनको विरोध म अपनी गवाही देत रा।

11 हर प्रार्थना घर म मी उन ख दुख दिला दिला ख यीसु की निन्दा करवा तर असो तक की गुस्सा को मारे असो पागल हो गयो कि बाहर का सहर हुन म भी जा ख उन ख सतात रा।

~~~~~

(~~~~~ 9:1-19; 22:6-16)

12 यही धुन म जब प्रधान याजक हुन से हक अऊर आदेस चिट्ठी ले ख दमिस्क म जात रह हतो।

13 अरे राजा रस्ता म दोपहर की बखत मी न बादल से सूरज की आच से भी बड़ ख एक आंच देखी, अपनो अऊर अपना संग चलन वाला हुन को चारी तरफ चमकते देखियो।

14 जब हम सब जमीन पर गीर गया ते मी न इब्रानी भासा म बोलते हुए यह सब सुनायो, अरे साऊल अरे साऊल तू मो ख काहे सतावा हैं। पैनो पर लात मारनो तोरो लाने कठिन हाय।

15 मीन न कहयो अरे प्रभु तो कऊन आय प्रभु न कहयो कि मी यीसु आय जे ख सतावा हैं।

16 पर अब तू उठ अपनो पाय पर खडो हो काहे की मी न तो ख एको लाने दर्सन दियो हैं कि तो ख वी बाप हुन को सेवक अर गवाह ठहराऊ जे तू न देखी हैं, अर उनको भी जिनको लाने मी तो ख दर्सन देऊ।

17 मी तो ख तोरा अदमी हुन से अर दुसरी जात हुन से बचातो रहूंगो जिनको जोने मी अब तो ख एको लाने भेजू हैं।

18 कि तू उनकी आँखी खोले कि वी अंधेरा से उजाला की तरफ अऊर सैतान को हक परमेस्वर की तरफ फिरे, पाप हुन की माफी अर वी अदमी हुन को संग जो मो पर भरोसा करनो से सुध्द करिया गया हैं वी छुटकारा पाय।

~~~~~

19 अतः हे राजा अग्रिप्पा, मी न ओ स्वर्गीय दर्सन की बात नी टाली आय,

20 पर पहलो दमिस्क ख, फिर यरूसलेम ख, अर तब यहूदिया को सारो देस ख रहन वाला ख अर दुसरी जात हुन का समझत रखा, कि मन फिराओ अर परमेस्वर को तरफ फिर ख मन मन फिराव के योग्य को काम करा।

21 इ बात हुन को कारन यहूदी मोखा मन्दिर म पकड़ ख मार डालन को प्रयास करत हते।

22 पर परमेस्वर को सहयोग से मी आज तक बनो आय अर छोटा बड़ा सभी को सामे भी गवाई देहु, अर उन बात हुन ख छोड़ कुछ नी कहू जे भविष्यवक्ता हुन अर मूसा न भी कही कि होन वाली हैं,

23 कि मसी ख दुख उठनो होएगो, अर उही सब से पहलो मरो हुओ म से जी उठ ख, “हमारो अदमी हुन म अर दुसरी जात हुन म प्रचार करेगों।”

24 जब वी इ रीति से उत्तर दे रह्यो हतो, ते फेस्तुस न ऊँचो आवाज से कय्हो, “अरे पोलुस, तू पागल आय। ढेर सारो ग्यान न तो ख पागल कर दियो हैं।”

25 पर पोलुस न कय्हो, “हे महामहिम फेस्तुस, मी पागल नी आय, पर सच्चाई अर अकल की बात करू हैं।

26 राजा भी जेके सामे बिना डरे होयख बोलू रह्यो हैं, यू बात जानत आय; अर मो ख विस्वास आय कि इ बात म से कोई ओसे छिपी नी, काहेकि यू घटना कोई कोना म नी भई।

27 हे राजा अग्रिप्पा, क तू भविष्यवक्ता हुन को विस्वास करा हैं? हाँ, मी जानू हूँ कि तू विस्वास करा हैं।”

28 तब अग्रिप्पा न पोलुस से कय्हो, “क तू थोड़ा ही समझानो से मोखा मसी बनानो चावा हैं?”

29 पोलुस न कय्हो, “परमेस्वर से मोरी प्रार्थना आय कि क थोड़ो म क ढेर सारो म, केवल तू ही नी पर जितना लोग आज मोरी सुन हैं, इ बन्धन हुन ख छोड़ वी मोरो समान हो जाएगो।”

30 तब राजा अर हाकिम अर बिरनीके अर ओके संग बैठन वाला उठ खड़ा भया;

31 अर अलग जाय ख आपस म कहन लगिया, “यू अदमी असो ते कुछ नी करा, जो मृत्यु दण्ड या जेल म डालन जाने योग्य आय।”

32 अग्रिप्पा न फेस्तुस से कहयो, “अदि यू अदमी कैसर की दोहाई नी देवा, ते यू छूट सका हैं।”

27

~~~~~

1 जब निनय यू पुरो पक्को हो गयो कि हम जहाज को दुवारा इटली जाहे ते उनका पोलुस अर कुछ अऊर बधिया वाला ख भी यूलियुस नाम को ओगस्तुस की पलटन को एक सतपति का हात सोप दियो।

2 अद्रमुत्तियुम को एक जहाज पर जे आसिया को किनारा की जगा पर जान वालो हतो चढ ख हम न ओ ख खोल दियो अर अरिस्तर्खुस नाम को थिस्सलुनीकियो को एक मकिदूनी हमरो संग हतो रहा।

3 दुसरो रोज हम न सैदा म लंगर डालो अर यूलियुस न पोलुस पर किरपा कर ख ओखा दोस्त को इते जान दियो कि ओकी इज्जत कारी जाहे।

4 उते से जहाज खोल ख हवा को उल्टो होन को लाने हम साइपरस कि आइ म होका चलिया।

5 अऊर किल्किया अऊर पंफूलिया को जोने को समुंदर से हो का लूसिया को मूरा म उतरियो।

6 उते सतपति ख सिकन्दरिया को एक जहाज इटली जान वालो मिल्यो। अर ओ ना हम ख ओपर बढाल दियो।

7 जब हम बेजा दिन लक धीरे-धीरे चल ख दुख सुख से कनिदुस को जाने पहुँचिया ते एकोलाने की हवा हमका आगे नी बढन देत रहा हती, हम सलमोने को सामे से होय ख क्रेते को आइ म चलो;

8 अर ओको किनारा-किनारा कठिनाई से चल ख “सुभलंगरबारी” नाम को एक जगा पहुँचिया, जहाँ से लसया नगर नजीक हतो।

9 जब ढेर सारो दिन बीत गयो अर पानी यातरा म जोखिम एकोलाने होत हती कि उपास काल को दिन बीत गयो हतो। अतः पोलुस न उनका यू कह ख समझायो,

10 “हे सज्जनो, मो ख असो जान पड है कि इ यातरा म विपत्ति अर ढेर सारो हानि होए, नी केवल माल अर जहाज को वरन हमार प्राह हुन को भी होन वालो है।”

11 पर सतपति न पोलुस को बात हुन से कप्तान अर जहाज को मालिक को बात हुन ख बढ ख मानो।

12 बी जहाज रुकन वाली जगह बन्दरगाह जाड़ा काटन को लाने चोक्खो नी हतो, एकोलाने ढेर सारो हुन को विचार भयो कि उते से नाव खोल ख अदि कोई रीति से हो सका ते फीनिक्स पहुँच ख जाड़ा काट यू ते क्रेते को एक नाव रुकन को जगह हाय जे दक्खिन-पस्विम अर उत्तर-पस्विम को तरफ खुलत हाय।

### CHAPTER 27 CONTINUED

13 जब कुछ कुछ दक्खिनी हवा बहिन लगियो, ते यू समझ ख कि हमार अभिप्राय पुरो हो गयो, लंगर उठायो अर किनारा धरो भया क्रेते को नजीक से जानो लगियो।

14 पर थोड़ी देर न जमीन को तरफ से एक बड़ी आँधी उठयो, “जे यूरकुलीन” कहलावा है।

15 जब जहाज प लगी ते बी ओको सामे रुक नी सकियो, अतः हम न ओ ख बहिन दियो अर यू तरह बहता भयो चलो गयो।

16 तब कोदा नाम को एक छोटो सो टापू को आइ म बहतो-बहतो हम मुसीबत से डोगो ख बंस म कर सकह

17 फिर मल्लाह हुन न ओ ख उठ ख हर एक उपाय कर ख जहाज को निचू से बाँधी अर सुरतिस को चोर बालू प चिक जान को डर से पाल अर सामान उतार ख बहतो भयो चलो गयो।

18 जब हम न आँधी से ढेर सारो हिचकोले अर धक्का खायो ते दुसरो रोज बी जहाज को माल फेकन लगिया।

19 अर तीसरो रोज उनना अपनो हात हुन से जहाज को साज-समान भी फेक दियो।

20 जब ढेर सारो दिन हुन तक सूरज नी, नी तारा दिखाई दिया अर बड़ी आँधी चलत रही, ते अन्त म हमार बचान को सारी आसा जात रही।

21 जब बी बेजा सारो दिन तक भुखा रया, ते पोलुस न उन ख बीच म खडो हो ख कय्हो, “हे लोग हुन, चाहिए थो कि तुम मोरी बात मान ख क्रेते से नी जहाज खोलह अर बी इते विपत्ति आवा अर नी यू हानि उठावा।”

22 पर अब मी तुम ख समझाऊ है कि धीरज धरो, काहेकि तुम म से कोई की जान की नुकसानी नी होन की पर सिरप जहाज की।

23 काहेकि परमेस्वर जे को मी आय, अर जेकी सेवा मी करू हैं। ओखा स्वर्गदूत न आज रात मोरो जोने आ ख मोसे बोल्या,

24 अरे पोलुस, मत डरा! तो ख कैसर को सामने खडो होनो जरूरी हैं। देख परमेस्वर न सबका जो तोरो संग सफर करा हैं। तो ख दियो हैं।

25 एकोलाने, अरे सज्जन हुन, धीरज धरनो; काहेकि मी परमेस्वर को ऊपर भरोसा करू हैं, जसो मोसे कय्हो गयो हैं, वसो ही होयगो।

26 पर हम ख कोई टापू पर जा ख टिकनो पडो।

27 “जब चऊदह वी दिन की रात आई, अर हम अद्रिया समुंदर म भटक रहा फिरत रह, ते आधी रात को निकट मल्लाह हुन न अनुमान लगा ख जानियो कि हम कोई देस को नजीक म पहुँचन वाला हैं।

28 गहिरो नापनो पर उनना बीस पुरुस गहिरो पायो, अऊर थोडो आगे बढ़ ख फिर से नापियो ते पन्द्रह पुरुस पायो।”

29 तब पत्थर वाली जमीन से टकरान को डर से उन ना जहाज की पिछाड़ी चार लंगर डाल्या, अर भूनसारो होन की आसा लगाया हता।

30 पर जब नावरीया हुन नाव (जहाज) पर से भागन की सोचत रह, अर आगे को भाग (गलही) से लंगर डालन को बहाना नाव समुंदर म उतार दी;

31 ते पोलुस न सतपति अर सैनिक हुन से कय्हो, “अदि यी जहाज पा नी रहन का, ते तुम मी नी बच सकन का।”

32 तब सैनिक हुन न रस्सा काट ख नाव गिरा दिया।

33 जब भूनसारो होन पा हतो, तब पोलुस न यू बोल ख, सब का खाना खान को लाने समझायो, आज चऊदह दिन गया कि तुम आसा देखते देखते भुखा रया अर कुछ भी खाना नी कियो।

34 एकोलाने तुम ख समझऊ हैं कि कुछ खा लेव, जेसे तुमारी बचाव हो सके; काहेकि तुम म से कोई को मुण्डी को एक बाल भी नी गिरन को।

35 असो कह ख ओ न रोटी ले ख सब को सामने परमेस्वर को धन्यवाद करियो अर तोड ख खान लग गयो

36 तब वी सब द्वादस बाँध ख खाना खान लगिया।

37 हम सब मिल ख नाव पर दो सब छिहत्तर जन हते।

38 जब वी खाना खा ख तृप्त भया, ते गहूँ का समुंदर म फेक ख जहाज हल्को करन लगिया।

39 “जब दिन निकलियो हे उनना उ देस का नी पहिचानी, पर एक खाडी देखी जेको किनारा चऊरस हतो, अर वी विचार कियो कि अदि हो सका ते इसी प जहाज का टिकाहे।”

40 तब उनना लंगरा हुन ख खोल ख समुंदर म छोड दियो अर उही बखत पतवारो को बंधन खोल दियो, अर हवा को सामे अगलो पाल चढा ख किनारा को तरफ चलन लगिया।

41 पर दो समुंदर को एक जगा मिलन की जगह देख ख उनना नाव को टिकायो, अर गलही तो धक्का खा ख गड गई अर टल नी सकी; पर पिच्छू की लहर हुन को हिसाब से टुटन लगी।

42 तब सैनिक हुन को यू विचार भयो कि, बन्धिया वाला इंसान ख मार डालो असो नी होय की कोई तीर ख बहार निकल ख भगे।

43 पर सतपति न पोलुस का बचान की इच्छा से उन्हे इ सोच से रोका अर यू कय्हो, कि जे तैर सका हैं पहले कुद ख किनारा म निकल जाहे;

44 अर बाकी हुन कोई पटरो पर, अर कोई जहाज की अन्य समान हुन को सहारो निकल जाहे। इ रीति से सब जन जमीन पर बच निकले।

## 28

????? ????? ? ?????

1 जब हम बच निकल्या, ते पता चल्यो कि यू व्दीप मालटा को नाम हतो।

2 वहा ख रहन वाला न हमारो संग अनोखी किरपा कियो काहेकि जाडो को दिन हतो अर पानी भी गिरन लगो ऐको लाने आगी जलाई हम सब ख समान दियो ।

3 जब पोलुस न लकड़ी हुन को गट्टा बटोर ख आगी पा धरीयो ते एक साँप आँच ले ख निकलो अर ओको हात से गुमंड गयो ।

4 जब वी रहन वाला हुन न साँप ख ओको हात पर गुमंडियो हुयो देखो, ते एक दुसरा से कहन लग्या “सही म यू अदमी हत्यारो हैं कि जसो समुंदर से बच गयो, ते मी न्याय न जिन्दो रहन नी दियो ।”

5 तब पोलुस न साँप ख आग क झटक दियो, अर पोलुस ख कुछ भी नुकसान नी भयो ।

6 वी रस्ता देखत रह कि उ सूज जाएगो या एकाएक जमीन गिर ख मर जाएगो पर जब वी बड़ी ढेर तक देखते रया अर देखो की ओको कुछ भी नी बिगडा ते अपनी सोच बदल ख क्य्हो, “यु तो कोई भगवान आया ।”

7 वा जगह को आजू बाजू उ टापू को मुखिया पुबलियुस की जमीन हती । ओ न हम ख अपनो घर ले जा ख तीन रोज तक प्रेम व्यवहार मिजवानी करी

8 पुबलियुस को दादा जुड अर खुन बहिन वालो से रोग से पडियो हतो । ऐको लाने पोलुस घर को भीतर गयो । ते पोलुस न ओखा ऊपर हात रख ख प्रार्थना करियो ते उ इंसान चोक्खो कर दियो ।

9 इ घटना को बाद उ टापू ख जित्ता झन बीमार हता वी सब चोक्खो होय गया ।

10 एकोलाने लोग हुन ढेर सारो भेट दियो जब हम नाव म से सामे चलन लग्या ते, जे कुछ हमरो लाने जरूरी सामन जहाज पा रख दियो ।

*~~~~~*

11 तीन माह को बाद सिकन्दरिया को एक जहाज म हम चल पडिया, यू जहाज सिनस्तु म उही रुको हता जहाज को अगलो भाग म जुडुवा ईस्वर असो निसान अंकित हतो ।

12 हम सुरक्छा सहर म पहुँचिया अर हम तीन रोज तक रूक्या हता ।

13 वहाँ से हम जहाज को व्दारा रेगियूस म आया पहुँचियो: अर फिर अगलो ही रोज को बाद दक्खिन वाली हवा लगी, ते अगलो रोज हम पुतियुली म आ गयो ।

14 वहाँ हम ख विस्वासी भई मिल्या, अर उनको कहना से हम उनको इते सात रोज तक रया; अर यू तरीका से हम रोम का चल्या ।

15 जब रोम का विस्वास भई हुन न हमारो आवन कि खबर मिली ते वी अप्पियुस बाजार अर तीन सराय गाँव लक हमेसा मिलन ख आयो जब पोलुस न उन ख देखो ते परमेस्वर ख आसीर्वाद दियो अर ढेर सारो बडाई करी ।

*~~~~~*

16 जब हम रोम म पहुँचिया, ते एक सिपाई कि देख रेख म पोलुस ख अपनो खुद अलग से रहन कि अनुमती मिल गई;

17 तीन रोज को बाद पोलुस न यहूदी अगुवा ख बुलायो अर उन ख इकट्ठा हो जानो पर वी उन से बोल्यो अरे, “भई हुन, चाहे मी न अपनो बाप दादा हुन को रीति रिवाज अर मोरो लोग हुन को खिलाप कुछ भी नी करियो आय ते बही उनना बंदी बना ख यरूसलेम से रोमी को हात म सोपो गयो ।

18 रोमन अधिकारी हुन न मो ख छोड़ देनो चाहयो, काहेकि मो म माऊत की सजा देन को लायक कोई दोस नी हतो,

19 काहेकि जब यहूदी हुन ऐका परेसान करन लग गया कि की मी कैसर की दोहाई देनो पडे: ऐको लाने नी कि मी अपनो ही लोग हुन पर कोई खिलाप लगानो चावत रह ।

20 एको लाने मी न तुम ख बुलायो हैं कि तुम से मिलू अर बातचीत करू; काहेकि इस्राएल की आसा को लाने मी या साँकल से बाँधी गयो हैं ।”



21 यहूदी अगुवा हुन न पोलुस कय्हो, “तुमारो विसय म यहूदिया प्रांत हुन से कोई चिट्ठी ही वहा लियो, अर न भई न तोरो कोई नी खबर दियो अर नी तोरो म कोई बुरी बात कय्हो।

22 ते तोरो विचार का हैं, उई हम तो से सुनो चाहवा हैं, काहेकि हम जाना हैं कि लोग सब कही ईच धर्म का खिलाप म बोल हैं।”

23 ते यहूदी हुन न पोलुस को संग एक दिन सलाह ठहरायो, अर ढेर सारा इंसान ओको यहाँ इकट्ठा भयो, पोलुस सबेरे से साम तक उनका लाने समझनो कर रह हैं। उन हुन परमेस्वर को राज को बारे म गवाही दी अर मूसा को नेम अर ख, भविष्यवक्ता हुन की किताब हुन का ओखा ऊपर उन ख यीसु को रस्ता म समझान ख कोसिस करियो।

24 ओ न जे कुछ कय्हो हतो, ओ ख कुछ ते मान लियो गया बल्कि कुई न ते भरोसा नी करिया।

25 जब वी आपस म एक मत नी भयो, ते पोलुस की या बात को कहनो पर चलो गयो: सुध्द आत्मा न यसायाह भविष्यवक्ता को दुवारा तुमरा बापदादा हुन से अच्छो ही कय्हो,

26 जाख यी अदमी हुन से बोल,

कि सुनते तो रहे पर न समझन का,  
अर देखते तो रहे, पर नी दिखन को

27 काहेकि यी अदमी हुन को मन मोरो  
अर उनको कान कुन्द हो गया हैं,  
अर उनना अपनी आँख बंद करी हाय,  
असो नी होय की वी कभी आँख से देखे  
अर कान हुन से सुने अर मन से समजे अर फिरे,  
“अर मी उन ख चोक्खो करूँ हैं।”

28 एको लाने खुद सब ख मालूम होय कि “परमेस्वर को यु उध्दार की बात गैर यहूदी हुन ख भेजो गयो हैं। वी जरूर ही सुनेगो।”

29 जब पोलुस यू कह चूको ते वी आपस म ज्यादा लड़ाई करन लग गया अर उते से चले गये।

30 पोलुस पूरा दो साल अपनो किराया को घर म रयो।

31 उ परमेस्वर ख राज को प्रचार करा हैं प्रभु यीसु मसी ख बारे म उपदेस देवा हैं। उ यू काम ख पूरो बे धडक अर बीना कोई रोक से जसो कियो करत राहा।

## रोमियो के नाम पोलुस का पत्र रोमियो को नाम पोलुस प्रेरित कि चिट्ठी भूमिका

रोमियो कि किताब सिखावन वालो पोलुस न करीब 54-58 साल को बीच यीसु मसी को जनम को बाद लिखी हती। पोलुस न रोम देस जानो से पहिले ओ ना या चिट्ठी रोम देस म रहन वाला मसी हुन ख खबर देन को लाने भेज्यो, जो कि दोई यहूदी अर दुसरा यहूदी को लाने। ओ ना कुरिन्थ सहर से या चिट्ठी लिख्यो रा जिते उ वा बखत उते रुकियो रा। पोलुस न यू एकोलाने लिखियो ताकि सभी देस यीसु मसी पर विस्वास अऊर ओकी बात को पालन करे। 16:26

रोमियो कि किताब सभी जगा कितीच भी घड़ी मसी हुन को लाने एक खास किताब हैं काहेकि पोलुस साप-सुतरो तरीका से अऊर अच्छो से समझावा हैं कि हमारो यीसु मसी को वजे से हमरो उद्धार हो सका हैं। पोलुस न यीसु मसी को सुसमाचार ख पुरानो नियम से भी जोड्यो। कई ग्यान वान हुन को कैहना हैं कि चिट्ठी म सबसे मेन पद 1:6 हैं जो कहा हैं, मोखा सुसमाचार सुनानो म कोई सरम की बात नी हाय, काहेकि यू सभी को लाने हैं। जो विस्वास करा उनको उद्धार करन को लाने परमेस्वर की सक्ती हैं: पहलो तो यहूदी हुन को लाने, फिर दुसरा यहूदी हुन को लाने। रोमियो को पहिलो भाग 1—12 म राज कि बात बाइबल म हैं अऊर दुसरो भाग 13—15 म विस्वासी जीवन को लाने कई व्यवहार वाला नियम हैं।

### रूप रेखा

1. पोलुस न अपनी चिट्ठी समान रूप से खुदको बारे म बताते हुए सुरू करा हैं कि उ कोखा लिखत रा। 1:1-15
2. एकोबाद उ यीसु मसी को जारिया से इंसान हुन कि परिस्थिति अऊर होन वालो उद्धार को बारे म लिखा हैं। 1:16—11:36
3. एकोबाद पोलुस विस्वासी जीवन जीन को लाने डेर सारी व्यवहारिक चितवनी देवा हैं। 12:1—15:13
4. उ रोम ख चर्च म इंसान हुन ख डेर सारो असीर्वाद दे ख रोमियो कि चिट्ठी ख लिख ख खतम करा हैं। 16

### ???????

1 अर यू चिट्ठी यीसु मसी को दास पोलुस कि तरफ से आये, जे परमेस्वर को वजेसे सिखान वालो प्रेरित होन ख लाने बुलायो गयो हैं अऊर परमेस्वर को उ समाचार ख लाने अलग करियो गयो हैं।

2 परमेस्वर न पहलो से ही अपना भविष्यवक्ता हुन ख दुवारा सुध्द साख्र म, उ सुभ समाचार को वादा कर दियो रहा,

3 अपनो पोरिया हमारो प्रभु यीसु मसी को बारे म वादा करयो रहा; उ सरीर को हिसाब से तो दाऊद को खानदान से पैदा भयो।

4 अर ओको पोरिया हमरो प्रभु यीसु मसी को बारे म हैं। पर सुध्द आत्मा को हिसाब से मुर्दा म से जिन्दो होन को वजे से सामर्थ्य को संग परमेस्वर को पोरिया आय साबित भयो।

5 ओको वजेसे हम ख किरपा अरे सिखावन ख मिल्यो कि ओको नाम को वजेसे पुरी जात ख इंसान हुन विस्वास कर ख ओकी माने,

6 जे मन से तुम भी हैं यीसु मसी का ही होन का लाने बुलायो गया हैं।

7 उन सब को नाम जो रोम म परमेस्वर ख प्यारो हैं अऊर सुध्द होन ख लाने बुलायो गया हैं: हमारो बाप परमेस्वर अर प्रभु यीसु मसी कि ओर से तुम ख किरपा अर सान्ति मिलती रैय।

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

8 सबसे पहले मी तुम सब को लाने यीसु मसी को वजेसे अपनो परमेस्वर कि बड़ाई करू हैं, काहेकि दुनिया भर म तुमारो विस्वास कि खबर फैइल गई हैं।

9 जो परमेस्वर को सेवा मी ओको पोरिया को सुभ समाचार को वजेसे पुरो मन से करू हैं, उ मोरो गवाह आय कि मी अपनो बिनती करनो म तुम ख लगातार याद कर हैं,

10 अऊर हमेसा असी बिनती करू हैं कि परमेस्वर कि मर्जी से कई न कई तरीका से मोखा आखरी म तुम अदमी हुन को नजीक आवन का अच्छो मऊका मिले।

11 काहेकि मी तुम से मिलन कि इच्छा करू हैं की मी तुम ख विस्वास म मजबुत बनान ख लाने तुमका भी एक आत्मिक वरदान देन कि सोचू हैं;

12 या असो कहे: मी सोचू हैं कि मी तुमारो यहाँ रह ख तुमरो विस्वास करनो से कुछ सीखु अऊर मोरो विस्वास करनो से सिखो।

13 अरे भई हुन मी नी चाहू हैं कि तुम असी बात हुन से अनजान रैव कि मी न बार-बार तुमारो जोने आन को पिलान बनायो ताकि, जसो दुसरी जात हुन म फल मिले, वसो ही तुम म भी मिले, ते भी अब तक वहाँ जान ख लाने रोको गयो।

14 म अपनो ख यूनानी हुन फिर गैर-यूनानी हुन, ग्यानी हुन अर निबुध्दी हुन ख कर्जदार माना हूँ।

15 अब म तुम ख भी जे रोम सहर म रवह हैं, सुसमाचार सुनान ख लाने तैयार रवह हैं।

॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

16 काहेकि म सुसमाचार से लज्जित नी होऊ, एकोलाने कि उ हर एक विस्वास करनवाला का लाने, पहले ते यूनानी फिर गैर यहूदी का लाने, उध्दार को लाने परमेस्वर कि सामर्थ्य हैं।

17 काहेकि ओ म परमेस्वर कि न्यायीपन विस्वास से अर विस्वास ख लाने प्रगट होय हैं; जसो लिखो हैं, “विस्वास से धर्मी ईसान जिन्दो रहे।”

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

18 परमेस्वर को यू घुस्सा स्वर्ग से वी सब पाप अऊर लोग हुन ख अधर्म काम ख विरोध म प्ररगट होवा हैं। जे को झूठो तरीका से सच ख जान न ख लाने रूक हैं।

19 यू कारन हैं कि परमेस्वर को बारे म जे कुछ जानो जा सक हैं, उ उन पर प्ररगट भयो। खुद परमेस्वर न ओ ख उन पर प्रगट करियो हैं।

20 अऊर जब से परमेस्वर न दुनिया ख बनायो हैं। तब से परमेस्वर को नी दिखाई देन वालो गुन ओको हमेसा सक्ति अर ओको देवीका आचरन दोई ख साफ साफ समझ अर देखो जा सक हैं, असो बतायो जाय हैं ते कोई बहाना नी हैं।

21 यू कारन कि परमेस्वर ख जानन पर भी उनना परमेस्वर को काबिल बड़ाई अऊर धन्यवाद नी कियो पर बेकार विचार करन लग गया, इत्तो तक कि उनको मन भीतरी से न समझ हो गयो।

22 वी अपनो आप ख बुद्धिमान समझ ख मुखे बन गया,

23 अऊर अविनासी परमेस्वर कि बड़ाई ख नासवान अदमी, अऊर चिड़िया हुन, अऊर चार पाय वालाहन, रेगनवालो अर जन्तु हुन कि मूर्ति को रूप म बदल डालो।

24 एकोलाने परमेस्वर न उनका उनको मन कि अभिलासा हुन ख अनुसार असुध्द हुन ख लाने छोड़ दियो कि वी आपस म अपनो सरीर हुन ख अनादर कर।

25 काहेकि उनना परमेस्वर कि सच्चाई ख बदल ख झूठ बना दियो, अर सृस्टी कि उपासना अर बिनती अर सेवा करी, नी कि ओ ख सृजनहार कि जो सदा धन्य हैं। आमीन।

26 एकोलाने परमेस्वर न उन ख बुरा काम हुन ख बस म छोड़ दियो; यहाँ तक कि ओकी ओरत हुन न भी स्वाभाविक व्यवहार ख ओ ख जो स्वभाव को खिलाप हैं, बदल डालो।

27 वसो ही तरीका से अदमी हुन न भी बाई हुन को संग प्राकृतिक संबध हुन ख छोड़ दियो अर एक दूसरा हुन ख लाने वासना हुन को संग भड़कायो गया अदमी हुन न दूसरा अदमी हुन को संग लाज को हर कते को तुम ख उनको गलती हुन ख दंड मिलो ।

28 अऊर काहेकि उनना परमेस्वर ख पहिचान न से इंकार कर दियो, ते परमेस्वर न उन ख वसो ही निबुध्द रहन दियो अर वी मन कि इच्छा से जिन्दो काम करन लगो ।

29 एकोलाने वी सब तरीका को अधर्म, अऊर दुस्तरता, अऊर लोभ, अऊर बैर भाव से भर गयो हैं; अर डाह, अऊर हत्या, अऊर झगडा अर धोखा, जलन से भरपूर होय गयो, अर चुगलीखोर,

30 बदनाम करनवालो, परमेस्वर से घुसा करनवालो, दुसरा का अनादर करनवालो, अभिमानी, डींगमार, बुरी-बुरी बात हुन ख बनान वाला, माय-बाप को केहना नी मानन वाला,

31 बेग्यानी, विस्वासघती, दया रहित अर बेरहमी होय गया ।

32 वी तो परमेस्वर की या विधि जानत हैं कि असो बुरो काम करन वाला ख अच्छो सजा मरनो हैं । ते भी वी नी अकेलो खुद यू ही काम कर हैं, पर असो बुरो करन वाला से खुस भी होय हैं ।

## 2

### XXXXXXXXXX

1 एकोलाने तोरो नजीक कोई बाहाना नी हैं तुम ते दूसरो पर दोस लगवा हैं जे से कि तुम जे निर्नय कर हैं उ ईच तुम खुद कि निंदा कर हैं, तुम जे निर्नय लेवय हैं ऐको उ ईच काम कर हैं ।

2 हम जान हैं कि उ ईच तरह को काम करन को खिलाफ परमेस्वर को तरफ से सच्चो निर्नय को हैं का न्याय सच्चाई पर आधारित हैं ।

3 अरे इंसान, तू जे असो काम करन वाला हुन पर दोस लगायो हैं, अऊर खुद उ ही काम करत आय, का यू समझत आय, कि तू परमेस्वर कि सजा या केहना से बच जाहे?

4 का तू परमेस्वर की किरपा, अऊर सहनशीलता, अऊर धीरज रूपी धन ख बेकार जान हैं? का यू नी समझ हैं कि परमेस्वर कि किरपा तो ख पस्चाताप करन की अगुवाई कर हैं?

5 लेकिन तू ही अपनो यू हठ अर अपनो मन पस्चाताप नी करन वालो तुम ही परमेस्वर को गुस्सा ख दिन को लाने खुद ख खिलाफ गुस्सा इकट्ठा कर रया हैं । जब ओको न्यायी पन निर्नय सामने आहे ।

6 परमेस्वर हर एक ख उनको काम को अनुसार बदला दहे:

7 अऊर जे लोग सान्ति पूर्वक भलाई कर हुयो बड़ाई, आदर अर अमरता की खोज म लगो रह हैं, परमेस्वर उन क अनन्त जिन्दगी देहे गयो; स्वार्थी रह हैं अर जे सच्चाई ख अस्वीकार कर हैं ।

8 परन्तु जे लोग हुन जे स्वार्थी कि खोज म रहन हैं अऊर सच्चाई कि खोज नी कर हैं, अर अधर्म पर चल हैं । अर ओ पर गुस्सा अर जादा भड़का पड़ेगो ।

9 अऊर परेसानी अऊर संकट हर एक अदमी ख जान पर जे बुरो करा हैं आहे, पहले गैर यहूदी पर फिर यूनानी पर ।

10 अऊर भलाई करन वाला हर एक अदमी ख कल्यान हर एक ख पहले यहूदी ख फिर यूनानी ख बड़ाई, आदर अऊर सान्ति मिले ।

11 काहेकि परमेस्वर कोई को भी पक्छपात नी कर हैं ।

12 एकोलाने जीन हुन बिना मूसा को नेम पाहे पाप कियो, वी बिना नेम ख खत्म भी होए; अऊर जीन न भी नेम पा ख अपराध कियो, ओकी मूसा को नेम को अनुसार न्याय कियो जाहे;

13 काहेकि परमेस्वर का यहाँ नेम ख सुनन वालो लोग परमेस्वर कि देखन म धर्मी नी हैं, पर मूसा को नेम पर चलन वालो न्यायी ठहरे जाहे ।

14 काहेकि जे गैर यहूदी हैं वी अपनो व्यवस्था से मूसा कि नेम नी होन को पस्चात फिर भी वी अपनो मन म मूसा की नेम को पालन करनो हैं ।

15 अऊर वी अपनो मन म लिखो हुयो नेम को कर्मी को दिखायो, उनको विवेक भी गवाही दियो, अर उनको मन उन ख कभी दास हुन ते कभी निर्दोस ठहरो हैं;

16 यू सब उ दिन प्रगट कियो जाहे, कि जब परमेस्वर, मोरो अच्छो समाचार ख जसो, यीसु मसी दुवारा लोग हुन को छुपी सलाह हुन ख न्याय करे।

~~~~~

17 अदि तू यहूदी कह हैं, ते नेम पर विस्वास रख हैं, अऊर परमेस्वर ख बारा म गर्व कर हैं,

18 अदि तुम ओ ख सिक्छा ख जान हैं, जे अच्छो हैं। अऊर जे परख कर सका हैं, जे कि तुम ख मूसा को नेम दुवारा निर्देस कियो;

19 अऊर अपनो पर विस्वास रख हैं; कि म अंधो ख अगुवा, अर अंधकार म पड़ो हुयो कि ज्योति,

20 अऊर समझदार ख सिखानवालो, अऊर पोरिया ख उपदेसक हैं; अऊर ग्यान, अऊर सच को नमूना, जो नेम म हैं, मोखा मिलयो हैं।

21 ते का तू जे दूसरा हुन ख सिखाव हैं, अपनो खुद ख नी सिखाव हैं? का तू जे चोरी नी करन को उपदेस देव हैं, तुम ही चोरी करा हैं?

22 तू जो कह हैं, “गलत काम नी करनो”, का खुद ही छिनालापन करा हैं? तू जे मुरती हुन से गुस्सा करा हैं, का खुद ही मन्दिर हुन ख लुट हैं?

23 तू जे नेम ख बारा म धमंड करा हैं, का नेम नी मान ख परमेस्वर को अनादर करा हैं?

24 “काहेकि तुमारो लाने गैर यहूदी हुन म परमेस्वर ख नाम कि बुराई की जाव हैं।” जसो लिखो भी हैं।

25 पर तू नेम पर चले हैं ते खतना से का फायदा ते हैं, पर अगर तू नेम ख नी माने ते तोरो खतना बिन खतना कि दसा ठहरे।

26 एकोलाने अदि खतना रहित गैर यहूदी इंसान नेम कि विधि हुन माना कर, ते का ओकी गिनती बिना खतना कि दसा खतना को सामने नी गिनो जाहे?

27 अर जो अदमी सारीरिक रूप से बिना खतना रहे, अगर उ नियम ख पूरो करिये, ते का तोखा जो लेख पानो अर खतना कियो जाने पर भी नेम ख माना नी करिये हैं, दोस नी ठहराएगो?

28 काहेकि यहूदी उ नी जो दिखन म यहूदी हैं; अर नी उ खतना हैं जो दिखन म हैं अर सरीर म हैं।

29 पर यहूदी उ हैं जो मन म हैं; अर खतना उ हैं जो मन ख अर आत्मा म हैं, नी की लेख को: असो कि खुसी अदमी हुन कि तरफ से नी, पर परमेस्वर कि तरफ से होवा हैं।

3

1 ते का दूसरा हुन कि इच्छा यहूदी का जादा का मिला? अऊर खतने से का फायदा?

2 हर तरीका से बेजा कई! पहले ते यू कि परमेस्वर को वचन उन ख सोप गयो।

3 अदि कुछ अविस्वास करन वाला निकले भी ते का भयो? का उनको भरोसा नी होनो से परमेस्वर की सच्चाई बेकार ठहरे?

4 कभी नी भलो ही हर एक व्यक्ति झूठो निकल जाहे, पर परमेस्वर सच्चो लिखो होए; जसो कि सुध्द सास्र म लिखो हैं तोरो वचन तोखा धार्मिकता ठहरायो हैं;

जब तोरो न्यायीपन होय हैं ते तू जीत मिले हैं।

5 अदि पर हमारो अधर्म परमेस्वर ख धार्मिकता रयो देवा हैं, ते हम का कहे? का यू कि परमेस्वर जो घुस्सा करिये हैं अधर्मी हैं? यू ते म अदमी की रीति पर कहू हैं।

6 कभी नी नी ते परमेस्वर कसो दुनिया को न्याय करे?

7 यू मोरो झूठ को कारन परमेस्वर को सच को ओकी महिमा ख लाने अधिकार ख प्ररगट होवा हैं, ते फिर काहे पापी ख जसो म न्याय ख तैयार रयो जाय हैं?

8 “तब काहे नी कहयो, कि हम ख बुराई कर हैं काहे भलाई आ सक?” कुल लोग हुन न वास्तव म मोपर यहाँ बात कहन को आरोप लगा ख मोरो अपनो कियो हैं कि उनकी बुराई करी जाय जसो मोरो जसो यहाँ होनो उचित हैं।

~~~~~

9 ते हम का? उपायए का हम ओ से अच्छो हैं? असो नी; काहे कि हम यहूदी हुन अऊर यूनानी हुन दूई पर यू दोस लगा चूको हैं कि वी सब ख सब पाप को फसो हैं।

10 जसो लिखो हैं;

“कोई धर्मी नी, एक भी नी।

11 कोई भी समझदार नी हैं;

कोई परमेस्वर ख दुनन वालो नी हैं।

12 सब भटक गया हैं;

सब ख सब बेवकूफ बन गया हैं;

कोई दया करन वालो नी हैं, एक भी नी।

13 उन को गला खुली हुई सामधी हैं

उनको अपनो जीभ हुन से धोखा कियो हैं,

ओ न होट हुन म सर्प को जहर हैं।

14 उन को मुँह बद्दुवा राप अऊर कड़वाहट से भरो हैं।

15 उन का पाय खून बहान ख जोसिलो हैं

16 उन का रस्ता म नास अऊर दुख हैं,

17 उन ख सान्ति को रस्ता नी मालूम।

18 उन कि आँखी हुन का सामने परमेस्वर ख डर नी हैं।”

19 हम ख मालूम हैं कि नेम जे कुछ कह हैं ऊईच से कह हैं, जे नेम को बस हैं एकोलाने कि हर एक मुँह बंद करियो जाहे हैं अऊर सारो दुनिया परमेस्वर को सजा का लायक रूके;

20 काहेकि नेम को काम हुन से कोई सरीर ओखा सामने धर्मी नी ठहरे, एकोलाने कि नेम ख अऊर पाप हुन ख पहिचान होए हैं।

~~~~~

21 पर अब नेम से अलग परमेस्वर कि उ धार्मिकता प्रगट भयो हैं, जेकी गवाही नेम अऊर भविष्यवक्ता हुन देवा हैं,

22 जसो कि परमेस्वर कि उ धार्मिकता जे यीसु मसी पर विस्वास करना से सब विस्वास करन वालो ख लाने हैं। काहेकि कुछ छुपो नी हैं,

23 एकोलाने कि सब न पाप कियो हैं अऊर परमेस्वर कि महिमा से दूर हैं,

24 पर ओको दया से उ छुटकारा ख दुवारा जे मसी यीसु म हैं, सेंटमेंट धर्मी ठहरायो जाहे हैं।

25 ओ ख परमेस्वर न ओको खून को कारन एक असो पचताप ठहरायो, जे विस्वास करन से कामकारी होव हैं, कि जे अपराध पहले कियो गयो अऊर जीन पर परमेस्वर न अपनो सहनशीलता का कारन याद नी दियो। उन को बारे म उ अपनो धार्मिकता प्ररगट करियो।

26 पर ऊईच बखत ओकी धार्मिकता प्ररगट हो कि जेसे उ खुद ही धर्मी रूको, अऊर जो यीसु पर विस्वास करा, ओको भी धर्मी ठहरानो होन वालो होए।

27 ते घमंड करनु कहाँ रहयो? ओको ते जगह ही नी हैं। कोन-सो नेम ख कारन से? कर्मी कि नेम से? नी, पर विस्वास का नेम को कारन।

28 एकोलाने हम ऊईच परिनाम पर पहुचो हैं, कि इंसान नेम को कामहुन से अलग ही विस्वास को दुवारा धर्मी ठहरायो हैं।

29 का परमेस्वर केवल यहूदी हुन को ही का हैं? का गैर यहूदी हुन को परमेस्वर नी हैं? उ पको ही गैर यहूदी हुन को भी परमेस्वर हैं।

30 काहेकि एक ही परमेस्वर हैं, जे खतना वालो ख भी भरोसा ख व्दारा धर्मी ठहरायो।

31 ते का हम नियम ख विस्वास को व्दारा बेकार ठहरायो हैं? कभी नी! पर नेम को पक्को करिये हैं।

4

?????? ?? ?????

1 एकोलाने हम ख का कह हैं हमारो सारीरिक बाप अब्राहम ख का मिलो हतो?

2 यदि अब्राहम अपनो काम हुन से धर्मी ठहरायो गयो हैं, ते ओ ख अपनो पर गर्व करन कि जगह होव, पर परमेस्वर को सामने असो नी कर सक।

3 काहेकि सुध्द सास्त्र का बोल हैं? यी कि “अब्राहम न परमेस्वर पर विस्वास करियो, अऊर यी उनका लाने धार्मिकता इंसान गिनो गयो।”

4 अऊर जब जे काम कर हैं उपहार को रूप म नी बल्कि अधिकार को रूप म दियो जाय हैं।

5 पर जे काम नी धार्मिकता इंसान काम करन ख बजाए ओ ख परमेस्वर पर विस्वास करनो हैं जे पापी हुन ख भी छोड देवा हैं ते ओको विस्वास ही ओको नेक इंसान होन ख कारन बन जाय हैं।

6 यूईच तरह दाऊद उ अदमी को अच्छो कह हैं, जे ख परमेस्वर बीना काम कियो भी धार्मिकता इंसान ठहरानो हैं:

7 “धन्य हैं उ जीन को अधर्म माप कियो हैं,
अर ओको पाप भी ढक दियो गयो हैं।

8 भलो हैं उ इंसान, जेको पाप ख हिसाब प्रभु नी रख।”

9 तब का जे को खतना नी हुओ: “अब्राहम अपनो विस्वास को दुवारा उ धार्मिकता इंसान गिनो गयो।”

10 ते उ कसो मानो गयो हैं? का खतना कि दसा म अऊर तब उ खतना म हतो नी बिन खतने कि दसा म? खतना म नी बल्कि खतना म।

11 अब्राहम लिग खतना करवायो विस्वास को नेक इंसान गिनो गयो ओको ऊपर मुहर को रूप म खतना को चिन्ह लग गयो ऐको का उ उन सब को बाप बनो जे खतना करवायो बिना विस्वास कर हैं जे ख उनको विस्वास को दुवारा उ नेम व्यक्ति मानो जाहे।

12 अर अब्राहम उन खतना वालो ख भी बाप बना जे नी अकेलो खतना पर निर्भर रह हैं पर हमारो बाप अब्राहम भी ओको विस्वास को रस्ता पर चल हैं जे अब्राहम खनना को पहलो विस्वास करह हतो।

???????? ?? ?????? ???? ? ???? ???? ?

13 काहेकि परमेस्वर न अब्राहम अर उनको खानदान से वादा करी कि वी दुनिया को उत्तराधिकारी होऐ। यू एकोलाने नी हुयो कि अब्राहम न मूसा को नेम ख पालन कियो, पर एकोलाने कि उनना विस्वास कियो अर परमेस्वर न उन ख न्यायीपन मानो हैं।

14 अदि मूसा को नेम ख बस रहन वालो ही उत्तराधिकारी बन न हैं, ते विस्वास बेकार हैं अर वादा खत्म हो जाय हैं।

15 नेम ते घुस्सा पैदा कर हैं, अर जहाँ नेम नी वहाँ ओको माननवालो भी नी हैं।

16 अऊर सब कुछ विस्वास पर अर दया म निर्भर रह हैं, उ वादा पर नी केवल वी लोग हुन पर जे नेम ख मान हैं पर समस्या पर लागु होवा हैं अर उन सभी को ऊपर जे दया नेक जसो विस्वास करनो हैं अब्राहम हम सबको बाप हैं।

17 जसो कि लिखो हैं, “मी न तुम क बेजा सी जाति हुन को बाप नियुक्त कियो हैं।” परमेस्वर कि देखन म अब्राहम हमारो बाप हैं। ओ ख परमेस्वर म विस्वास कियो, जे मुर्दा हुन म फिर से जिन्दो कर हैं अर उन वस्तु हुन ख अस्तित्व म लाय हैं मानो वी हैं;

18 अब्राहम से कय्हा गयो हतो कि सभी आसा हुन ख खिलाफ अब्राहम विस्वास कर रयो एकोलाने कोई सब जात हुन को बाप बनो जसो कि ओको कय्हा गयो हतो कि तुमारो असंख्य खानदान होऐ।

19 उ जो एक सऊ साल को हतो, अपनो मरो सो सरीर अर सारा की कोक की मरी सी दसा जान ख भी विस्वास म कमजोर नी भयो,

20 अऊर नी अविस्वास होयख परमेस्वर को वादा पर सक नी भयो, पर विस्वास म मजबूत हो ख परमेस्वर कि बडाई करी;

21 उन ख पक्को निस्वय हतो कि परमेस्वर न जिस बात कि वादा करी हैं, उ ओ ख पूरो करनो म भी समर्थ हैं।

22 यूईच कारन यू परमेस्वर न ओ ख धार्मिकता इंसान मानो हैं।

23 अऊर यू लाने हो गयो हतो, यू सब्द अकेलो उनको लाने नी लिखो गयो हतो।

24 पर हमारो लाने भी जिनको लाने विस्वास न्यायीपन गिनो जाहे, अर्थात हमारो लाने जो उ पर विस्वास करत हैं जिनना हमारो प्रभु यीसु को पर अपनो लाने भी लिखो हैं हम ख मरे हुआ म से जिन्दो कियो।

25 उ हमारो अपराध हुन को लाने पकड़ायो गयो, अर हमारा न्याय करन ख लाने जीवित उठो।

5

~~~~~

1 पर जब हम विस्वास से धर्मी ठहरे, ते हम अपनो प्रभु यीसु मसी ख माध्यम से सान्ति हैं परमेस्वर का संग मेल रख हैं।

2 जेको माध्यम से हम न विस्वास को माध्यम से, ओ ख दया न पहुँच प्रान करी हैं ऐ म हम अब खडो हैं अर हम परमेस्वर कि महिमा की आसा म गर्व कर हैं।

3 इत्तो ही नी हम संकट अर मुसीबत म भी गर्व करे काहेकि जान हैं कि संकट मुसीबत म धीरज पैदा होवा हैं।

4 अर धीरज से खरो चरित्र निकलो, अर खरा चरित्र से आसा पैदा होवा हैं;

5 अर आसा से लज्जा नी होव हैं, काहेकि परमेस्वर न हम ख सुध्द आत्मा दियो हैं, अर ओको लाने परमेस्वर को प्रेम हमारो मन म उडेलो गयो हैं।

6 काहेकि तब हम कमजोर हुन\* ही हता, ते मसी अच्छी बखत पर भक्तिहीन का लाने मरो।

7 कुई भी न्यायीपन व्यक्ति का लाने कुई मरे, यी ते दुर्लभ हैं; पर हो सक हैं कुई अच्छो अदमी का लाने कुई मरनो को भी हिम्मत करिये।

8 पर परमेस्वर न हम पर अपनो प्रेम कि भलाई यी रीति से प्रगट करिये हैं कि पर जब हम पापी ही हता जब यीसु मसी हमारो लाने मरो असो कर ख परमेस्वर अपनो प्रेम प्रगट कियो।

9 पर जब कि हम अब ओखा खून† का कारन धार्मिक रहयो, ते ओखा व्दारा परमेस्वर को घुस्सा से काहे नी बचे हे?

10 हम दुसमन ही हतो, जब परमेस्वर को संग हमारो मिलनो ओको पोरिया कि माऊत मो माध्यम हो गयो हतो; अर परमेस्वर को संग मेल हो जान को बाद ओको पोरिया ख जिन्दगी माध्यम निस्वय ही हमारो उध्दार होऐ?

11 अऊर इत्तो ही नी, अब ते हमारो प्रभु यीसु मसी को अर से परमेस्वर से हमारो मेल हो गयो एकोलाने हम ओ से परमेस्वर पर विस्वास रख ख गर्व करह हैं।

~~~~~

* 5:6 निर्बल † 5:9 लहू

12 एकोलाने जसो एक अदमी ख द्वारा पाप दुनिया म आयो, अर पाप को द्वारा माऊत आयो, अर यी तरीका से माऊत भी सब अदमी हुन म फैल गई, काहेकि सब न पाप कियो।

13 नियम को दियो जानू तक पाप दुनिया म तेहतो, पर जहाँ नेम नी वहाँ पाप गिनो नी जाव।

14 अऊर तेवी आदम से मूसा तक माऊत उन लोग हुन पर भी राज करहतो, जे न उ आदम को, जसो कोई कहना ख नी मानहतो अर्थात पाप नी कियो आदम उ इंसान को रूप आय जे आन वालो हैं।

15 पर अपराध वरदान को जसो नी, एक इंसान को अपराध को करन अनको कि माऊत हुई परमेस्वर को अनुग्रह सच्चो एक इंसान मसी यीसु को दया हम दियो हुआ वरदान अनेक हुन म स्थापित होगा।

16 जसो एक इंसान पाप अर परमेस्वर ख छुटकारे को वरदान कि तुलना नी हैं एक को पाप को कारन से सजा कि कहना ही दियो गयो पर पाप, को बाद छुटकारा को वरदान दियो गयो जे से न्याय मिले गयो।

17 काहेकि जब एक व्यक्ति को अपराध ख करन एक ही इंसान को माध्यम राज को सासन होऐ, ते ऐ से कही जादा फैलो हुआ किरपा अर धर्म को उ वरदान जे उनको जीवन म ओ पर एक इंसान यीसु मसी को माध्यम सासन करे।

18 एकोलाने जसो एक अपराध सब अदमी हुन का लाने सजा कि आग्या को कारन भयो, वसो ही एक धर्म को काम भी सब अदमी हुन को लाने जिन्दगी को पाप मुक्ति न्याय अर जीवन मिलो।

19 काहेकि जसो एक व्यक्ति ख आग्या न मानना से बेजा व्यक्ति पापी ठहरगो, वसो ही एक व्यक्ति को आग्या मानन से बेजा व्यक्ति हुन धर्मी ठहरे।

20 नेम बीच म आ गई कि पाप बेजा हो गयो, पर जहाँ अपराध बेजा भयो वहाँ दया ओ ख भी कही बेजा भयो

21 यूईच प्रकार पाप माऊत को माध्यम से, राज कर रयो; पर हमारो प्रभु यीसु मसी दुवारा दया, धर्म को माध्यम से अपनो राज्य स्थापित करे अर हम अनन्त जिन्दगी म ले जाहे।

6

~~~~~

1 ते हम का कह हैं? का हम पाप करह रह कि परमेस्वर को दया अपनो पर होनो हैं?

2 असो नी हैं! हम जब पाप का लाने मर गयो ते फिर सामने ख ओ म कसो जिन्दगी बितायो?

3 का तुम लोग यू नी जान कि यीसु मसी को जे बपतिस्मा हम सब को मिलो हैं, उ उनकी माऊत को बपतिस्मा हैं।

4 अऊर हम उनकी माऊत को बपतिस्मा मान ख उनका संग एकोलाने दफनायो गयो हैं कि जिस तरीका मसी बाप को महिमा मय सक्ति से माऊत हुन म से जिन्दो उठो हैं, ऊईच तरीका हम भी एक नयो जिन्दगी जीहे।

5 अदि हम यू ईच प्रकार मसी को जसो मर ख उनको संग एक हो गयो हैं, ते हम उन्ही को जसो जिन्दो होनू म भी उनको संग एक होऐ।

6 हम जाना हैं कि हमारो पुरानो अदमी हुन ओकी संग सुली पर चढायो गयो काहे पाप को सरीर बेकार हो जाहे, अर हम आगे से पाप को दास नी रहे।

7 काहेकि जो मर चुको हैं, उ पाप कि गुलामी से मुक्ति हो गयो हैं।

8 अऊर हम विस्वास हैं कि अदि हम मसी को संग मर गया हैं, ते हम उन्ही को जिन्दगी को भी भागी होऐ।

9 काहेकि यी जाना हैं कि मसी मर हुआ म जिन्दो उठ ख फिर मरन ख नी; ओ पर फिर माऊत कि प्रभुता नी होन की।

10 अऊर जब उ मर, ते पाप कि ओर से एक बार ही मर गयो; पर अब उ जीवित हो ख परमेस्वर ख लाने ही जीव हैं।

11 असो ही तुम भी अपनो खुद ख पाप का लाने ते मरो, पर परमेस्वर का लाने मसी यीसु म जिन्दो समझ।

12 एकोलाने पाप तुमारो नस्वर सरीर म राज नी करे, काहे कि तुम ओकी लालसा हुन ख बस म रहे;

13 अर नी अपनो आग हुन ख अधर्म का हथियार होन का लाने पाप ख दियो, पर अपनो तुम ख मरो भयो म से जिन्दो हुयो जाना क परमेस्वर ख दियो, अर अपनो सरीर हुन ख धर्म ख हथियार होन का लाने परमेस्वर ख दियो।

14 अऊर तुम लोग हुन पर को पाप कोई अधिकार नी रहे। अब तुम मूसा को नेम को नी, बल्कि किरपा को बस हैं।

~~~~~

15 ते का हम एकोलाने पाप कर कि हम मूसा कि नेम को नी, पर किरपा को बस हैं? कभी नी!

16 का तुम यू नी समझ कि तुम अपनो ख कहना ख मान वाला दास को जसो म जे को प्रति अरपित कर हैं अर जेकी बात ख पालन कर हैं, खुद ही ओको दास बन जाय हैं? यू गुलामी चाहे पाप कि हो, जेको परिनाम माऊत हैं चाहे परमेस्वर कि हो, जे को बात ख पालन को परिनाम धर्म हैं।

17 पर परमेस्वर को धन्यवाद हैं कि तुम जो पाप ख दास हतो अब मन से ओ ख सिखान ख मान वाला हो गयो, जेका रूप म ढाले गयो हतो,

18 अर तुम पाप से मुक्ति हो ख धर्म को दास बन गयो हैं।

19 मी तुमरी सरीर की कमजोरी को वजेसे इंसान हुन की परंपरा को हिसाब से कहूँ हैं। जसा तुमना सरीर हुन ख बुरो काम को लाने असुध्द अर बुरो काम का दास होन को लाने सोपयो रा, वसा ही अब अपना सरीर ख सुध्द होन को लाने धर्म को दास कर ख सोप देव।

20 तब तुम पाप का दास हतो, ते धर्मी कि तरफ से आजाद *हतो।

21 अब जीन बात हुन से अब तुम लज्जित होव हैं, ओ से उ बखत तुम का फल पायो हतो? काहेकि उन ख आखरी ते मरनू हैं।

22 पर अब पाप से आजाद हो ख अर परमेस्वर को दास बन ख तुम ख फल मिलो जेसे सुध्द हुन मिल होव हैं, अर ओको अन्त आखरी जिन्दगी हैं।

23 काहेकि पाप कि मजदूरी ते माऊत हैं, पर परमेस्वर को वरदान हमारो प्रभु मसी यीसु म आखरी जिन्दगी हैं।

7

~~~~~

1 अरे भई हुन, का तुम नी जाना हैं कि म नेम का जानावालो से कहूँ हैं कि जब तक अदमी जिन्दो रयो हैं, तब तक ओ पर नेम कि दया रखे हैं?

2 सादी तब तक अपनो बंधन नियम से बनी रखे हैं जब तक उ जीवित यदि मर जाय हैं ते उ अपनो पति को नेम से छुट गई।

3 एकोलाने अगर घर वालो को जीतो जी उ कुई दूसरो अदमी ख हो जाए, ते छिनालापन बोले, पर अगर घर वालो मर जाहे, ते उ नेम से छुट गई यहाँ तक कि अगर कुई दूसरो अदमी कि हो जाहे तब भी छिनालापन नी रहे।

4 वसो ही अरे मोरो भई हुन, तुम भी मसी को सरीर को दुवारा नेम हुन ख लाने मरे हुयो बन गयो, कि उ दूसरो को हो जा, जो मरे हुयो म से जिन्दो भयो: काहेकि हम परमेस्वर का लाने फल लाएँ हैं।

5 काहे कि जब हम सारीरिक हतो, ते पाप हुन कि लालचपन से जो नेम हुन ख व्दारा हतो, मरन का फल पैदा करन का लाने हमारो जिन्दगी म काम करत हता।

6 पर जे ख बन्धन म हता ओखा लाने मर ख अब नेम हुन से असो छुट गयो, कि लेख कि पुरानी रीति पर सेवा नी, पर आत्मा कि नई रीति पर सेवा कर हैं।

~~~~~

7 ते हम का कह हैं? का नेम पाप हैं? असो नी हैं! पर बिना नेम को म पाप ख नी चीन्न पर नेम अगर नी कह हैं, कि लोभ नी कर ते म लोभ ख नी जाना।

8 पर पाप नी मऊका देख ख आदेस को व्दारा मोखा म सब तरीका को लोभ उत्पन्न कियो, काहेकि बिना नेम पाप मुर्दा हैं।

9 म ते नेम बिना पहले जीवित हतो, पर अब आदेस आई, ते पाप जिन्दो हो गयो, अर म मर गयो।

10 अर उही आदेस जो जिन्दगी ख लाने हतो, मोरो लाने मरन ख लाने रयो।

11 काहेकि पाप हुन न देख ख आदेस को व्दारा मोखा बहकायो दियो, अर ओको व्दारा मोखा मार भी डालो।

12 एकोलाने नेम मुध्द हैं, अर आदेस भी उचित अर अच्छो हैं।

13 ते का उ ते अच्छो हतो, मोरो लाने मरनू रयो? असो नी! पर पाप ओकी अच्छी चीज ख व्दारा मोरो लाने माऊत ख पैदा करनवालो भयो कि ओको पाप होन दिखनू हो, अर आदेस को व्दारा पाप ही पाप मय रहे!

14 हम जाना हैं कि नेम ते आत्मिक हैं, पर म सारीरिक अर पाप ख हात बिक हुयो हैं।

15 जो म करू हैं ओ ख नी जाना: काहेकि जो म चाहू हैं नी कियो करू पर जेसे मोखा गुस्सा आय हैं उ करू हैं।

16 पर जो म नी चाहू हैं कि ऊईच करू हैं ते म मान लियो हैं कि नेम अच्छो हैं।

17 ते असो मजबुरी म ओकी करन वालो म नी, पर पाप हैं जो मोखा म बढो भयो हैं।

18 काहेकि मी जानू हैं कि मोखा म असो कि मोरो सरीर म कुई अच्छी चीज भीतर नी करिये। इच्छा ते मोखा म हैं, पर अच्छो काम मोखा से बन नी पड आय।

19 काहेकि जसो अच्छो काम कि मी इच्छा करू हैं उ ते नी करू हैं, पर जे ख बुराई कि इच्छा नी कर हैं उही कियो करू हैं।

20 अब अदि म उही करू हैं जेको इच्छा नी करू हैं, ते ओको करनवालो म नी रखो, पर पाप जो मोखा म बढो भयो हैं।

21 यी तरीका म यी नेम पायो हैं कि अब दया करन कि अच्छो करा हैं, ते बुराई मोरो नजीक आव हैं।

22 काहेकि मी अंदर अदमीत्व से ते परमेस्वर कि नेम से बेजा खूसी* रह हैं।

23 पर मोखा अपनी आग हुन म दूसरो तरीका को नेम दिखई पडह हैं, जे मोरो समझ को नेम से लडह हैं अर मोखा पाप को नेम ख बन्धन म डालो हैं जो मोरो आग हुन म हैं।

24 मी कसो अभागो अदमी हूँ! मोखा यी मरन का सरीर से कोन छुडा हे?

25 हमारो प्रभु यीसु मसी को व्दारा परमेस्वर को धन्यवाद हो। एकोलाने म स्वयं दिमाक से ते परमेस्वर को नेम ख, पर सरीर से पाप कि नेम को सेवा करू हैं।

8

~~~~~

1 पर अब जो मसी यीसु म हैं, ओ पर सजा\* कि आग्या नी हैं। काहेकि वी सरीर ख अनुसार नी पर आत्मा का अनुसार चल हैं।

2 काहेकि जिन्दगी कि आत्मा को नेम नी मसी यीसु म मोखा पाप कि अर मरन कि नेम से आजाद कर दियो।

3 काहेकि जो काम नेम से सरीर का लाने कमजोर होकर नी कर सक, ओ ख परमेस्वर नी कियो, असो कि अपनो ही पोरिया ख पाप मय को जिन्दगी ख समान म अर पापबलि होन का लाने भेज ख, जिन्दगी म पाप पर सजा कि आग्या दियो।

4 एकोलाने कि नेम कि रीति हम म जो सरीर ख अनुसार नी पर आत्मा ख अनुसार चल हैं; पुरी कि जाहे।

5 काहेकि सारीरिक अदमी सरीर कि बात हुन पर मन लगयो हैं; पर आध्यात्मिक आत्मा ख बात हुन पर मन लगाव हैं।

6 सरीर पर मन लगानो ते माऊत हैं, पर आत्मा पर मन लगानो जिन्दगी अर सान्ति हैं।

7 काहेकि सरीर पर मन लगानो ते परमेस्वर से बुराई रखनो हैं, काहेकि नी ते परमेस्वर कि नेम ख बस म हैं अर नी हो सक हैं;

8 अर जे सारीरिक मजबूरी म हैं, वी परमेस्वर ख खुसी नी कर सक हैं।

9 पर जब कि परमेस्वर को आत्मा तुम म बसो हैं; ते तुम सारीरिक मजबूरी म नी पर आत्मिक मजबूरी म होव। अदि कोई म मसी को आत्मा नी ते उ ओ ख जान नी।

10 अदि मसी तुम म हैं, ते सरीर पाप ख लाने मरी भई हैं; पर आत्मा धर्मी का लाने जिन्दो हैं।

11 अदि ओको आत्मा जे न यीसु ख मरो भयो म से जिन्दो कियो हैं, तुम म बसो भयो हैं; ते जे न मसी ख मरो भयो म से जिन्दो, उ तुमारो नासवन सरीर हुन ख भी अपनो आत्मा को ब्दारा जो तुम म बसो हुयो हैं, जिन्दो।

12 एकोलाने अरे भई हुन, हम ख जिन्दगी को कर्जदार नी कि सरीर ख समान दिन गुजारे,

13 काहेकि अगर तुम सरीर ख समान दिन काटे ते मरे, अदि आत्मा से सरीर कि क्रिया हुन ख मारे ते जिन्दो रहे।

14 जे व्यक्ति परमेस्वर को आत्मा ख चलायो चल हैं, उ ही परमेस्वर को पोरिया हैं।

15 काहेकि तुम ख गुलामी कि आत्मा नी मिली कि ते बिना डर पर कि आत्मा मिली हैं, जेसे हम अरे अब्बा, अरे बाप कह पुकार हैं।

16 आत्मा खुद ही हमारो आत्मा ख संग गवाही देव हैं, कि हम परमेस्वर कि पोरिया हैं;

17 अर अगर सन्तान हैं ते वारिस भी हैं, पर परमेस्वर कि वारिस अर मसी ख सगो वारिस हैं, कि जब हम ओखा संग दुख उठाएयो ते ओखा संग महिमा भी पाहे।

~~~~~

18 काहेकि म समझू हैं कि यी बखत को दुख अर संकट उ महिमा को जसो, जो हम पर प्ररगट होनवाली हैं, कई भी नी हैं।

19 काहेकि धरती बड़ी आसा भरी आँख से परमेस्वर को पोरिया हुन ख प्रगट होन का रस्ता देख रही हैं।

20 काहेकि धरती अपनी मन से नी पर बस करनवालो कि तरीफ से, बेकार ख अधीन यी आसा से कि गई

21 कि धरती भी खुद ही विनास को गुलामी से मुक्ति पा ख, परमेस्वर कि अवलाद हुन कि महिमा कि आजादी मिल करिये।

22 काहेकि हम जान हैं कि सारी धरती अब तक मिल ख कराह अर परेसानी हुन म पड़ी तड़प हैं;

23 अर अकेलो उ नी पर हम भी जेका नजदीक आत्मा को पहलो फल हैं, खुद ही अपनो म कराह हैं; अर लेपालक होन की, असो कि अपनो सरीर ख छुटकारा की रस्ता देख हैं।

24 यू आसा ख ब्दारा हमारो उध्दार भयो हैं; पर जी चीज की आग्या कि जाय हैं, जब उ देखन म आयो ते फिर आसा कह रयो? काहेकि जे चीज ख कुई देख रयो हैं ओकी आसा का करे?

25 पर जे चीज ख हम नी देखो, अदि ओकी आसा रख हैं, ते धीरे से ओकी रस्ता देख भी हैं।

26 यू रीति से आत्मा भी हमारो कमजोर म मदद करूँ हैं: काहेकि हम न जाना हैं कि विनती कसो रीति से करूँ चाहिए, पर आत्मा खुद ही असो आह भर ख जो बियाना से बाहर हैं, हमारो लाने प्रार्थना करूँ हैं;

27 परमेस्वर हमारो मन ख परख अर ओ ख पता हैं कि हमारो आत्मा विचार हैं। काहेकि आत्मा अपनो सुध्द लोग हुन ख ओर से अर अपनी इच्छा को अनुसार परमेस्वर से प्रर्थना कर हैं।

28 हम ख मालूम हैं कि जे व्यक्ति परमेस्वर से प्रेम कर हैं, उनको लाने सब बात हुन मिल ख भलाई ही ख पैदा कर हैं; पर उन को लाने जे ओकी मर्जी को समान बुलायो हुयो हैं।

29 काहेकि जीन न परमेस्वर ख पहले ही से चुनो कि हैं उन ख पहले ही से अपनो पोरिया को जसो ठहरायो भी हैं कि ओको पोरिया सरूप म होय।

30 फिर जीन ओ न पहले से ठहरायो, उन ख बुलायो भी: जीन ख बुलायो, जीन धर्मी भी ठहरायो, हैं: अर धर्मी ठहरायो, उन ख बड़ाई भी दियो हैं।

~~~~~

31 अब इन बात हुन ख देखते हुए हम का कह सक हैं अगर परमेस्वर हमारी ओर हैं अर हमारो विरोध कऊन कर सक हैं।

32 परमेस्वर न अपनो निजी पोरिया ख भी नी छोड़ ओ न हम सब ख लाने ओ ख समपित कर दियो ते इत्तो देन को बाद का उ मुक्ति म नी देहे?

33 परमेस्वर को चुनो भयो पर दोस कोन लगाएगो? परमेस्वर ही न्यायी ही ठहरान वालो हैं।

34 फिर कऊन हैं जो हम ख सजा को आग्या देहे? यीसु मसी ही हैं। जो मर गयो अर मुर्दो म से जिन्दो भी भयो हैं, अर परमेस्वर को दाहिनी ओर हैं, अर हमारा लाने निवदेन करह हैं।

35 कोन हम ख मसी को प्रेम से अलग करे? का दुख, का सकंट, का उपद्रव, का अकाल, का नांगई का जोखिम, का तलवार?

36 जसो लिखो हैं,

“तोरो लाने हम दिन भर मर कियो जाव हैं;

हम वध होनवाली भेड़ी हुन ख समान गिनो गयो हैं।”

37 पर इन सब बात हुन म हम ओखा व्दारा जेन हम से प्रेम कियो हैं, जयवन्त से भी बढ ख हैं।

38 काहेकि म पक्का म जान हैं कि नी माऊत, नी जिन्दगी, नी स्वर्गदूत, नी अधिकारी हुन, नी अभी को, नी भविष्य, नी सक्ति, नी ऊँचाई,

39 नी गहराई अर नी कोई अर धरती हम ख परमेस्वर को प्रेम से जे हमारो प्रभु मसी यीसु म हैं दूर कर सके।

## 9

~~~~~

1 मी मसी म सच कहूँ हैं, मी झूठ नी कह रयो मोरो विवेक भी सुध्द आत्मा मी गवाही दे हे।

2 कि मोखा बड़ो दुख हैं, अर मोरो मन सदा दु: ख रह हैं,

3 काहेकि मी यहाँ तक चाह रयो, कि अपनो भई हुन ख लाने जे सरिर ख भाव से मोरो कुटुम हैं, खुद ही मसी से बहुवा हो जाव हैं।

4 वी इस्राएली है, अर लेपालकपन को हक अर महिमा, अर वादा हुन, अर नेम हुन अर उपासना, अर वादा हुन उन्ही की आय।

5 सियना हुन भी उन को हैं, अर मसी भी सरिर को भाव से उन म से भयो। जे सब का ऊपर परम परमेस्वर हमेसा धन्य हैं। आमीन।

6 पर यी नी कि परमेस्वर को सब मिट गयो, एकोलाने कि जे इस्राएल को खानदान आय, वी सब इस्राएली नी आय;

7 अर नी अब्राहम को खानदान होन का कारन सब ओकी पोरिया रहे, पर लिखो भी हैं “इसहाक ही से तोरो खानदान कहलाएगो।”

8 असो कि सरीर ख पोरिया परमेस्वर को पोरिया नी, पर वादा को पोरिया खानदान गिनो जाहे हैं।

9 काहेकि वादा को वचन यू आय: “मी यू बखत को समान आऊगो, अर सारा को पोरिया होए।”

10 अर अकेलो यी नी, पर जब रिबका भी एक से पर हमारो बाप इसहाक से पेट हती,

11 अर अभी तक नी ते; पोरिया पैदा हतो, अर नी उनना कई अच्छो अर बुरो करियो हतो, एकोलाने कि परमेस्वर कि मनसा जे ओको चुन लेन ख समान हैं, कर्मी को कारन नी, पर बुलान वाला ख कारन हैं, बनी रहे:

12 ओ न बोल्यो कि, “बडो छोटो को दास होगो।”

13 जसो लिखो हैं, “मी न याकूब से प्रेम कियो, पर एसाव ख चोक्खो नी जानो।”

14 एकोलाने हम ख का कह हैं? का परमेस्वर को यी अधर्म हैं? असो नी!

15 काहेकि उ मूसा से कह हैं, “मी जे कुई पर तरस करनो चाहूँ ओ पर तरस करूँगो, अर जीन कई पर दया करनो चाहूँ ओ दया करूँगो।”

16 अब यी नी ते चाहन वालो कि, नी दऊड वाला कि पर दया करन वालो परमेस्वर कि बात हैं।

17 काहेकि सुध्द साभ्र म फिरोन से कय्दो गयो हैं, “मी न तोखा यी लाने खडो कियो हैं कि तोखा म अपनो सक्ति दिखाऊ अर मोरो नाम ख प्रचार सारी धरती पर होए।”

18 एकोलाने उ जे पर चाहे हैं ओ पर दया करे हैं, अर जे ख चाहूँ हैं ओ ख मजबूत कर दे हैं।

XXXXXXXX XX XXXXX XX XXX XXX

19 अब तू मोखा कहे, “उ फिर काहे दोस लगाव हैं? कऊन ओकी इच्छा को सामने करा हैं?”

20 अरे अदमी, भलो तू कऊन हैं जे परमेस्वर को सामने करा हैं? का गद्दी हुई चीज गढन वालो से बोल सक हैं, “तू न मो ख असो काहे बनायो हैं?”

21 का कुमार ख मिट्टी को अधिकार नी हैं कि एक ही लोद म से एक बर्तन लज्जित का लाने, अर दुसरो ख लज्जित का लाने बनायो हैं?

22 ते एम कोन सी गजब कि बात हैं कि परमेस्वर न अपनो गुस्सा दिखान अर अपनो साक्ति प्रगट करन कि इच्छा से गुस्सा का बर्तन हुन कि जे नास का लाने तैयार कियो हतो, बडो धीरज से सही हैं;

23 अर दया को बर्तन पर, जीन ओ न बड़ाई को लाने पहले से तैयार करियो, अपनो बड़ाई ख धन ख दिखा कि इच्छा करी हैं?

24 असो हम पर जीन ओ न न अकेलो यहूदी हुन म से, पर गैर यहूदी हुन म से भी बुलायो।

25 जसो उ होसे कि पुस्तक म भी कय्हे हैं,

“जो मोरी प्रजा नी हती,
उन ख मी अपनो प्रजा कहेगो;
अर जे नी हती,
ओ ख प्रेम कहेगो।

26 अर असो होगो कि जी जगह म ओ न यी कय्दो गयो हतो कि तुम मोरी प्रजा नी होए,
उ जगह वी जीवित परमेस्वर कि खानदान कहलाएगो।”

27 अर यसायाह इस्त्राएल को बारा म पुकार ख कय्दो हैं, “चाय्हे इस्त्राएल कि खानदान हुन कि गिनती समुंदर कि रेता का बराबर हैं, तेभी उन म से थोडो ही बचे हे।

28 काहेकि प्रभु अपनो वचन धरती पर पूरो करे, धार्मिक हुन से जल्दी ओ ख सिध्द करेगों।”

29 जसो यसायाह न पहले भी कय्दो हतो, “पर सेना हुन को प्रभु हमारो लाने कई अवलाद नी छोड़त, ते हम सदोम ख समान हो जात, अर अमोरा ख जसा ठहराता।”

?????? ?? ???????

30 अब हम का कह हैं? यी कि गैर यहूदी हुन न जो धार्मिक कि खोज नी कर हती, धार्मिक हुन मिलो कि पर उ धर्म ख जो विस्वास से हैं;

31 पर इस्राएली, जे धर्मी को नेम कि खोज करिय हता उ नेम तक नी पहुचे।

32 असो काहे भेयो? काहे इस्राएली विस्वास पर नी पर नी, कर्मो से ओकी खोज कर हता। उन न ओ ख ठोकर को पत्थर पर ठोकर खाई,

33 जसो लिखो हैं, देख,

मी सिध्दोन मी एक ठोकर लगन ख पत्थर,

अर ठेस खान कि पहाड़ रखू हैं,

अर जे ओ पर विस्वास करे

उ लज्जित नी होए।

10

1 अरे भई हुन, मोरो मन कि लोभ* अर उनका लाने परमेस्वर से मोरी विनती हैं कि वी उध्दार पाहे।

2 काहेकि मी गवाही देऊ हैं कि ऐको परमेस्वर का लाने धुन रवह हैं, पर समझदार का संग नी।

3 काहेकि वी परमेस्वर का धर्म से अनजान हो ख अर अपनो धर्म स्थापित करन कि कोसिस कर ख, परमेस्वर को न्यीय हुन को अधीन नी भयो।

4 काहेकि मसी नेम ख परिपूर्णता पहुँच हैं, अर हर एक विस्वास करन वालो ख धर्म प्रदान कर हैं।

?????? ?? ?? ?? ??

5 काहेकि मूसा न यी लिखो हैं कि जे अदमी उ धार्मिक हुन पर जो नेम से हैं, चल हैं, उ ओ से जिन्दो रहेगो।

6 पर जे विस्वास को दुवारा धर्म हैं उन ख लाने असो लिखो हैं कि तुम अपनो मन असो विचार मन कर कि स्वर्ग म ऊपर कऊन चढे। अऊर मसी ख नीच लान ख लाने।

7 अथाह कुण्ड या “अधोलोक म निच कऊन जाहे?” का मसी ख मरे हुयो म से हैं ऊपर लान को लाने।

8 परन्तु यू सच्चो सास्र का कह हैं “यू कि वचन तोरो नजीक हैं, अर उ तोरो मुँह म अर तोरो मन म यू ईच विस्वास को वचन आय जे हम प्रचार करन हैं,” यू विस्वास को वचन हैं जेको हम प्रचार कर हैं,

9 कि पर तू अपनो मुँह से यीसु ख प्रभु जाना ख अंगीकार करिये, अर अपनो मन से विस्वास कर कि परमेस्वर न ओ ख मरे भेयो मी से जिन्दो कियो, ते तू जरूर उध्दार पाएगो।

10 काहेकि धार्मिक का लाने मन से विस्वास करन से अच्छो इंसान ठहरयो हैं, अर मुँह से स्वीकार करन से ओ ख उध्दार मिल हैं।

11 काहेकि सुध्द सास्र यू कह हैं, “कि जे कोई ओ पर विस्वास करेगो उ लज्जित नी होगो।”

12 अब यहूदी हुन अर यूनानी हुन न कई पक्छ पात नी हैं एकोलाने उ सब को प्रभु आय अर अपनो सब नाम लेन वालो का लाने उध्दार मिल हे।

13 काहेकि, “जे कोई प्रभु को नाम लेहे या लेन ख होए, उ उध्दार पाएगो।”

14 जे पर उन न पर विस्वास नी कियो, वी ओको नाम कसो† लेहे? अर जेको बारा म सुन्यो नी उ पर कसो विस्वास करिये? अर प्रचारक हुन का बिन कसो सुने?

15 अर अगर भेजो नी जाहे, ते कसो प्रचार करे? जसो लिखो हैं, “उन का पाय का ही सुन्दर आय, जे भली बात हुन का सुसमाचार लाने हैं।”

* 10:1 अभिलासा † 10:14 कैसा

16 पर सब हुन न उ सुसमाचार पर कान नी लगायो: जोतिस यसायाह कह हैं, “अरे प्रभु, कऊन न हमारो अच्छो समाचार पर विस्वास रख हैं?”

17 एकोलाने विस्वास सुनना से, अर सुन्ना से मसी को वचन से होए हैं।

18 पर म कहूँ हैं कि उनना नी सुनो? सुन ते जरूरी हैं;

काहेकि लिखो हैं, “उनको आवाज पूरो धरती म,

अर उनको वचन दुनिया कि कोना तक पहुँच गयो हैं।”

19 मी फिर कहूँ हैं, का इस्राएली लोग हुन ख मालूम ही नी हता? पहले ते मूसा कह हैं,

“मी उन ख व्दारा जे जाति नी हैं,

तुमारो मन म जलन उपजाऊँगो;

मी एक मुर्ख जात को व्दारा तुम ख धुस्सा दिलाऊँगो।”

20 फिर यसायाह बड़ो हिम्मत को संग कहूँ हैं,

“जे मोखा नी ढूँढत हता, उन न मोखा पा लियो

अर जे मोखा पूछत भी नी हता, उन पर मी प्रगट होए गयो।”

21 पर इस्राएल को बारा म उ असो कह हैं, “मी बखत को दिन अपनो हात एक हुकुम नी पालन करनवालो अर झगडा करनवालो प्रजा की ओर फैलाए रयो।”

11

?????? ?? ??????? ?? ??

1 एकोलाने मी कहूँ हैं, का परमेस्वर न अपनो लोग हुन ख छोड़ दियो? असो नी हैं! मी भी ते इस्राएली आय; अब्राहम को खानदान को अर बिन्यामीन को खानदान म से आय।

2 परमेस्वर न अपनो उ प्रजा ख नी छोड़ोगो, जे ख ओ न पहले ही से जान। का तुम नी जान हैं कि सुध्द सास्र एलिय्याह को बारा मी का कह हैं, कि उ इस्राएली को खिलाप म परमेस्वर से प्रथाना करिये हैं?

3 “अरे प्रभु उनना तोरो भविस्यवक्ता हुन को मार डालो हैं, अर तोरी वेदी हुन ख तोड़ दियो हैं; अर मी ही बचो हूँ, अर वी मो ख मारन कि कोसिस म हैं।”

4 पर परमेस्वर से ओ ख का उतर मिलो? “मी न अपनो लाने सात हजार अदमी हुन ख रख छोड़ो हैं, जीन बाल देवता हुन को सामने घुटना नी टेको हैं।”

5 अच्छो असो रिती से यी बखत भी, दया से चुनो भेयो कई व्यक्ति बाकी हैं।

6 पर यी दया से भेयो हैं, ते फिर करम से नी; ते दया फिर नी र्ह्यो हैं।

7 एकोलाने परिनाम का निकलो इस्राएली जे कि खोज म हतो, ओ ख नी पा सक; किन्तु चुन हुयो लोग हुन न ओ ख पालन अर दूसरा हुन सुननो नी चाहव।

8 जसो कि सुध्द सास्र म लिखो हैं, “कि परमेस्वर न सुध्द आत्मा को दुवारा कि बुध्द को जड़ बना दियो हैं ओ म उन ख, असी आँखी दे दी जे नी देख हैं, अर असो कान जे नी सुननो नी अर ओकी यू हाल्त आज लक बनी हैं।”

9 अर दाऊद कह हैं,

“उन को खान उन का लाने जाल अर फंदा अर टोकर

अर दंड को लाने होए जाएगो।

10 ओकी आँख हुन पर अन्धेरा छाँय जाहे ताकि नी देखे,

अर तू सदा उन कि पीठ ख झुका ख रखा।”

??? ????? ?? ?? ?????

11 एकोलाने अब म पूछनो हैं का उन न एकोलाने टोकर खाई ख गिर पड़े? असो नी हैं! पर उन को गिरनु को कारन गैर यहूदी हुन का उध्दार मिले, कि उन ख जलन होए।

12 एकोलाने अदि उनको गिरन को संसार ख लाने धन अर उन ख कमी गैर यहूदी हुन ख लाने धन को कारन होऐ ते उन ख परिपूर्णता से का कुछ नी होऐ।

13 मी गैर यहूदी हुन से यू कहनो हैं। मी ते गैर यहूदी हुन म प्रेरित करन गयो, अर गैर यहूदी हुन ख लाने भेजो गयो अर मो ख सेवकाई महान देती हैं। कि कोई भी तरीका से अपनो कुटुम्बी हुन म जलन पैदा कर सक अर ऐको दुवारो ओ म से कोई ख छुटकारा हो सका।

14 काहेकि कई रिवाज से मी अपनो कुटुम्बी हुन म जलन पैदा करवा ख ओ म से कई एक को उध्दार कराऊगो।

15 काहेकि जब उनको छोड दियो जानू दुनिया को मिलन ख कारन भयो ते का उनको स्वीकार कियो जानो माऊत भयो म से जिन्दो उठान को बराबर नी होऐ?

16 जब दान को पहलो पेडा सुध्द ठहरो, ते पुरो गुँथो भयो आटा भी सुध्द आय; अर जब जड सुध्द ठहरे, ते डाली हुन भी सुध्द ठहरे।

17 पर अदि कुछ डगियान तोड दी जाय, अर तू जंगली जैतून हो ख ओमा कलम करो गयो, अर जैतून की जड कि चिकनई म सामिल हो गयो

18 ते तुम अपनो ख डाली हुन से बढ ख नी समझ अदि तुम गर्व करनो चाहव हैं, ते याद रख कि तुम जड ख नी संभाल हैं, हाल्कि जड तुम ख संभाल हैं।

19 फिर तू कहे, “डाली हुन एकोलाने तोडो गयो कि मी साटो जाऊ।”

20 चोक्खो हैं, वी ते अविस्वास का कारन तोडो गयो, पर तू विस्वास से बनो रह हैं एकोलाने घमंडी नी हो, पर डर मान,

21 काहेकि जब परमेस्वर न स्वाभाविक डगियान हुन ख नी छोडो ते तोखा भी नी छोडेगो।

22 एकोलाने परमेस्वर कि किरपा अर कठोरता पर ख विचार कर गिर हुयो इंसान हुन क लाने कठोरता अर परमेस्वर तुमारो लाने किरपा अदि तुम हकिगत म उनकी दया कि हद म बन्धो रहन हो नी ते तुम ख अलग कर दियो जाहे।

23 अऊर दुसरी ओर अदि वे अविस्वासी जन नी रहे ते वी भी कमल लगयो पाहे। काहेकि परमेस्वर उनख पुन लगानो को समर्थ रख हैं।

24 काहेकि अदि तू उ जैतून से, जे स्वभाव से जंगली हैं; काटा गयो अर स्वभाव को विरूध्द चोक्खो जैतून म छाटो गयो, ते यी जे स्वाभाविक डगियान हुन हैं, अपनो ही जैतून म काहे नी लगयो जाहे।

~~~~~

25 अरे भई अर बहिन, कही असो नी होऐ कि तुम अपनो खुद ख समझदार समझ ले, एकोलाने म नी चाहूँ कि तुम यी बात से अनजान रखे कि जब तक गैर यहूदी हुन पुरी रीति से भीतर नी कर ले, तब तक इस्राएल को एक हिस्सा असो ही मजबूत रहेगो।

26 अर यी रीति से सारो इस्राएल ख उध्दार पाहे। जसो लिखो हैं,
“छुडा न वालो सिय्योन से आएँगो, अर अभक्ति ख याकूब ख नास्तिक हुन से दूर करेगों।”

27 अर उनको संग मोरी उही वाचा होऐ,
जब कि मी उनख पाप हुन का दूर ख दूगो।

28 सुसमाचार* को भाव से ते तुमारो लाने वी परमेस्वर का दुसमन हैं, पर चुन लाने जान का भाव से वी बापदादा हुन का कारन प्यारो हैं।

29 काहेकि परमेस्वर अपनो वरदान हुन से, अर पुकारा से कभी पछतावा नी।

30 काहेकि जसो अपनो प्राचीन काल से परमेस्वर कि हुकुम नी मानो हैं, पर अब तुम लोगहुन पर परमेस्वर कि दया भई हैं

* 11:28 सुसमाचार

31 वसो ही उन न भी अब बात नी मानी, कि तुम पर जे दया होवा हैं असो ओ पर भी दया होवा ।

32 काहेकि परमेस्वर न सब ख हुकुम नी पालन को लाने कैदी बना ख रखो हैं, जे उ सब पर दया करे ।

~~~~~

33 आह! परमेस्वर को धन अर समझदार अर ग्यान को ही गभीर हैं ओको विचार कसो असो ही, अर ओको रस्ता कसो आवन अगम हैं!

34 प्रभु कि समझ को कोन जानो?

या ओको साहलकार कोन बनो?

35 या फिर कोन पहले ओ ख कई दियो हैं

जेको बदला ओसे ही दियो जाएगो?

36 काहेकि ओकी ही ओर से, अर ओको ही व्दारा, अर ओको लाने सब कुछ हैं । ओकी महिमा हमेसा होती रहे: आमीन

## 12

~~~~~

1 एकोलाने अरे भई हुन, म तुम से परमेस्वर कि दया याद दिला ख विनती करू हैं कि अपनो सरीर ख जीवित, अर सुध्द, अर परमेस्वर को खुसी करन लायक यू तुमारी बलिदान कर ख चढ़ाओ । यू तुम्हारो सच्ची सेवा हैं ।

2 अर यू दुनिया को सदस्य नी बन; पर तुमारी मन का नयो हो जानू से तुमारी चाल चलन भी बदलतो जाहे, जे से तुम परमेस्वर कि भली, अर भावती, अर पसन्द, अर अच्छी परख अनुभव से मालूम कर सका हैं ।

3 काहेकि म उ दया का कारन जो मोखा ख मिलो हैं, तुम म से हर एक से कहू हैं कि जसो समझनो चाहिए ओ से बढ ख कोई भी अपनो तुम ख नी समझे; पर जसो परमेस्वर न हर एक ख विस्वास नतिज्जा को अनुसार बाट दियो हैं, वसो ही सुबुध्दि का संग अपनो ख समझे ।

4 काहेकि जसो हमारी एक ही सरीर म बेजा से अंग हैं, अर सब अंग हुन को एक ही सो काम नी हैं;

5 वसो ही हम जे बेजा हैं, मसी म एक सरीर हो ख आपस म एक दुसरा को अंग हैं ।

6 अर ओकी दया का अनुसार जो हम ख दियो गयो हैं, हम ख अगल-अगल वरदान मिलो हैं, ते जेको भविष्यवानी को दान मिलो हैं, उ विस्वास को नतिज्जा ख अनुसार भविष्यवानी करे;

7 अदि सेवा को वरदान हैं, ते हम ख सेवा करन चाहिए; अगर हम ख सिक्छा देन को वरदान मिलो हैं, ते हम ख सिखानो चाहिए;

8 अदि एक दूसरा ख उत्साह करन को वरदान हैं, ते उत्साहित कर । अऊर एक दूसरा ख देन को वरदान हैं, ते उदारता से दे अर जे ख अगुवाई वरदान हैं ते खुसी से करो, जेख अनुग्रह करन को वरदान हैं ते ओ ख दया करनो चाहिए ।

9 प्रेम म कई कपट हो; पर बुराई से घृना कर; भलाई म लगो रह ।

10 भई म जसो प्रेम होवा हैं वसो ही एक दुसरा से प्रेम रख आपस म एक दुसरा आदर कर । अर एक दुसरा से चढ कर ।

11 अऊर कोसिस करन म आलस नी कर सुध्द आत्मा कि खुसी म भरो रह प्रभु कि सेवा करते रह ।

12 आसा म आनन्दित रह; दुख म पक्को रह; प्रार्थना म लगातार लगो रह ।

13 सुध्द व्यक्ति हुन ख जो कई जरूरत हो, ओ म ओकी सहायता कर; पहुनाई करन म लगो रह ।

14 अपनो सतान वाला ख आसीस दे; आसीस दे स्राप नी दे ।

15 आनन्द करन वालो का संग खुसी कर, अर रोन वालो का संग रोओ ।

16 आपस म एक सो मन रख; घमंड नी हो, पर सीधा का संग संगति रख; अपनी आँख म समझदार नी हो।

17 बुराई का बदला कोई से बुराई नी कर; सब ख दृष्टि सब को जे अच्छो हैं ऊईच करन को विचार कर।

18 जहाँ तक हो सका हैं, तुम अपनी ओर से सब को संग म मिल जुड सान्ति रखनू बनायो रख।

19 हे प्यारो, भई हुन अर बहिन हुन तुम न्याय नी कर, बल्कि ओ ख परमेस्वर को प्रकोप म छोड दे। काहेकि लिखो हैं, “प्रभु कह हैं बदला लेना मोरो काम हैं मी ही बदला लेहूँ।”

20 पर “यदि तोरो दुसमन भुखो हो ते ओ ख जोवन खिला, पर प्यासो हो ते ओ ख पानी पिला; काहेकि असो करना से तू ओको सिर पर आग को अंगार हुन को ढेर लगाएगो।”

21 बुराई से नी हार, पर भलाई से बुराई ख जीत ले।

13

~~~~~

1 हर एक व्यक्ति सासन को अधीन रवह अधिकारी हुन का बस रह, काहेकि कोई अधिकार असो नी हैं जे परमेस्वर कि तरफ से नी होऐ; अर जे अधिकार हैं, वी परमेस्वर का दुवारा ठहरायो गयो हैं अधिकारी हैं।

2 एकोलाने जे कोई अधिकार को विरोध करह हैं, उ परमेस्वर कि रीवाज को सामना करिये हैं, अर विरोध करनवालो दण्ड पाहे।

3 काहेकि सासक अच्छो काम करन वालो म नी, पर कुकरम करन वालो म डर पैदा करह हैं का तुम अधिकारी हुन को डर से बे फिकर रहवन चाहव हैं? ते ऊईच काम कर जे चोक्खो हैं वी तुमारी बड़ाई हैं।

4 काहेकि वी तुमारी भलाई ख लाने परमेस्वर को सेवक हैं। पर अदि तुम कुकरम करह हैं, ते उन से डर काहेकि ओको हात म तलवार बेकार नी हैं, अर वी परमेस्वर को चुनो हुओ सेवक आय। ओको गुस्सा को संग नी हो ख बुरो काम करनवालो ख सजा देवा हैं।

5 यूईच कारन से तुम ख अधिकारी हुन को बस म रहनो चाहिए, नी ही गुस्सा को वजे से बल्कि मन से भी।

6 एकोलाने कर भी दे काहेकि सासन करन वालो परमेस्वर का दास आय अर सदा यी काम म लगे रह हैं।

7 अऊर जे ख कोई को तो ख देनो हैं, ओको हक चुका दे। जे कर तो ख देनो हैं, ओ ख दे। जेकी चूँगी तो पर निकलह हैं, ओ ख चूँगी दे। जे से तो ख डरनो चाहिए ओको सम्मान कर।

~~~~~

8 अऊर एक दूसरा हुन से प्रेम करनो छोड ख दूसरी कोई भी बात हुन को कर्जा वालो नी होनो चाहिए काहेकि जे दूसरो ख प्रेम करह हैं उ मूसा को नेम ख मान लियो हैं।

9 काहेकि गलत काम नी करह, कोई को नी मरनू, चोरी नी करनू, लालसा नी करनू अर ऐको अलावा अदि कोई आदेस हो ते ओको सारो यूईच हैं, अपनो पड़ोसी ख लाने तुमारो प्रेम वसो ही हो वसो ही तुमारो खुद ख लाने होऐ।

10 प्यार पड़ोसी कि कुछ बुराई नी कर, एकोलाने प्रेम रखनो नेम ख पुरो करनू हैं।

~~~~~

11 बखत ख पहिचान ख असो ही कर, एकोलाने कि अब तुमारो लाने नींद से जाग उठनू कि बखत आ पहुचो हैं; काहेकि जे बखत हम न विस्वास कियो हतो, उ बखत का सलाह से अब हमारो उध्दार नजीक हैं।

12 अऊर रात गुजर चुकी हैं। सुबेरे होन वाली हैं, अर दिन निकल पर हैं; एकोलाने हम अन्धकार को काम हुन ख छोड कर उजाला को हथियार बाँध ले।

13 जसो दिन ख अच्छो देवा हैं, असो ही हम सिधी चाल चले, नी की लीला-क्रीडा अर पियक्कड पन म, नी छिनालापन\* अर भोग विलास, अर झगडा अर जलन से दूर रह।

14 पर तुम प्रभु यीसु मसी ख धारन कर, अर सरीर की बुरी इच्छा ख पुरो करन को कोसिस नी कर।

## 14

~~~~~

1 जे विस्वास म कमजोर हैं, ओ ख संग संगति म ले ले, पर ओकी न्याय करन कि छमता पर लड़ाई नी कर।

2 काहे कि एक ख विस्वास करह हैं उ सब कुछ खा सका हैं, पर जे विस्वास म कमजोर हैं उ सब्जी भाजी ही खाए हैं।

3 जे न खान वालो हैं ओ खान वालो ख बेकार नी जान खान वालो पर नी पर लगा अर नी खान वालो म कमी हुन नी खोज।

4 तू कोन आय जे दुसरा का दास पर दोस लगाव हैं? ओको मजबूत रहनू या गिर जानू ओको मालिक ही से रिस्ता रख हैं; पर उ पक्को ही कर दियो जाएगो, काहेकि प्रभु ओ ख स्थिर रख सक हैं।

5 अऊर जे कोई दिन ख खास मान हैं, अर कोई सब दिन हुन ख एक समान मान हैं। पर हर एक अपनो ही मन म ठान लेवा हैं।

6 जे कोई दिन को मान हैं, उ प्रभु का लाने मान हैं। जे खाए हैं, प्रभु का लाने खाए हैं, काहेकि उ परमेस्वर को धन्यवाद कर हैं, अर जे नी खाए, उ प्रभु का लाने नी खाए अर परमेस्वर को धन्यवाद करिये हैं।

7 काहेकि हम म से नी ते कोई अपनो लाने जीवित हैं अर नी कोई खुद ख लाने मरता हैं।

8 अदि हम जीवित हैं, ते प्रभु का लाने हैं, अर अगर मर हैं, ते प्रभु का लाने मर हैं; अब हम जिन्दो अऊर फिर मरे, प्रभु ही का हैं।

9 काहेकि मसी यी का लाने मरो अर जीवित भी उठो हैं कि उ मरो हुयो अर जीवतो दुई को प्रभु आय।

10 तू अपनो भई पर काहे दोस लगाव हैं? अर तू फिर काहे अपनो भई ख खराब जान हैं? हम पूरा का पूरा परमेस्वर को न्याय सिंहासन को सामने खडो होऐ।

11 काहेकि लिखो हैं,

“प्रभु कहत हैं, मोरो जिन्दी की कसम कि हर एक घुटना मोरो सामने झुकेगो,

अऊर हर एक जीभ परमेस्वर ख अंगीकार करे।”

12 एकोलाने हम म से हर परमेस्वर ख अपनो अपनो हिसाब* देहे।

~~~~~

13 एकोलाने हम एक दूसरो ख दोस लगान छुडा ख आपस म निस्वय कर ले कि कोई अपनो भई ख रस्ता म टोकर ख कारन म नी पैदा कर अर बनो।

14 मोखा मालूम हैं अर प्रभु यीसु म मोखा जरूर भयो हैं कि कोई चीज अपनो खुद से असुध नी, पर जे ओ ख असुध समझ हैं ओको लाने असुध हैं।

15 पर तोरो भई तोरो जोवन का कारन नाराज† होय हैं ते फिर तू प्रेम को तरीका से नी चले हैं ते जे को लाने मसी मरे, ओ ख तू अपनो जोवन को ब्यारा खत्म नी कर।

16 अब तुमारी सामने जे भलो हैं ओको बारा म बुराई नी करनु। पर न्याय अर सान्ति अर सुध आत्मा म आनन्द हैं।

17 काहेकि परमेस्वर को राज खान-पीवन को नी आय, पर धर्म अर मेलमिलाप अर उ सान्ति अर खुसी हैं जे सुध आत्मा से होवा हैं।

18 जे मसी कि सेवा कर हैं, उ परमेस्वर ख प्रसन्न कर हैं, अर लोग हुन को बीच विस्वास लायक हैं।

19 अऊर हम असी बात हुन म लगया रह जे न सान्ति ख बढ़ावा मिल अर जिनको दुवारो हम एक दूसरा हुन ख सुधार कर सक हैं।

20 अऊर जेवन को कारन परमेस्वर को काम हुन ख नी बिगाडो यू सच्चो हैं। सब कुछ अपनो म सुध्द पर जेवन को दुवारो दुसरो ख रस्ता म ठोकर को कारन बुरो हैं।

21 अच्छो ते यू हैं कि तू नी मांस खाए अर नी अंगूर को रस पीए नी अर कुछ असो करे जेसे तोरो भई ठोकर खाए।

22 तोरो जे विस्वास हैं, ओ ख परमेस्वर को सामने अपनो मन म रख हैं। धन्य हैं वी जे उ बात म, जेखा उ ठीक परखा हैं अपनो तुम म दोस नी ठहरायो हैं।

23 पर जे सक कर ख खाता हैं उ सजा को योग्य\* ठहर चूको, काहेकि उ विस्वास से नी खाए; अर जे कुछ विस्वास से नी, उ पाप हैं।

## 15

~~~~~

1 अब हम ताकतवार हुन ख जरूरी आय कि कमजोर हुन ख कमजोर हुन ख सहन, नी कि अपनो खुद ख खुस कर।

2 हम म से हर एक अपनो पड़ोसी ख ओकी भलाई का लाने सुधार ख जसो खुसी कर।

3 काहेकि मसी हुन अपनो तुम ख खुसी नी कियो, पर जसो लिखो हैं: “तोरो बुराई हुन कि बुराई मोपर आ पड़ी।”

4 जे बात हुन पहले से लिखी गई, वी हमारी ही सिखान का लाने लिखी गई हैं कि हम सान्ति अर सुध्द सास्र परमेस्वर को वचन ख प्रोत्साहन ख द्वारा आसा रखो।

5 अऊर परमेस्वर ही धीरज अर सान्ति को परमेस्वर खुद लोग हुन ख वरदान दे कि तुम यीसु मसी ख सिक्छा ख जसो आपस म मेल मिलाप को भाव बनायो रखो।

6 काहे कि तुम एक मन अर एक आवाज म हमारो प्रभु यीसु मसी को बाप परमेस्वर कि बड़ाई कर।

~~~~~

7 एकोलाने, जसो मसी हुन न परमेस्वर कि बड़ाई का लाने तुम ख स्वीकार करियो हैं, असो ही तुम ख भी एक दुसरा ख अंगीकार करना चाहिए।

8 एकोलाने मी कहू हैं कि जे वादा हुन बापदादा हुन ख दी गई हती उन ख सच करन का लाने मसी, परमेस्वर कि सच्चाई को नतिज्जा देन का लाने, खतना कियो भयो अदमी हुन को दास बनो;

9 अर गैर यहूदी हुन भी दया का लाने परमेस्वर कि बड़ाई कर; जसो लिखो हैं,

“एकोलाने मी जाति जाति म तोरो धन्यवाद करूँ,

अर तोरो नाम को भजन गाऊँ।”

10 ते फिर कह हैं,

“अरे जात-जात का सब अदमी हुन,

ओकी सेना का संग आनन्द करे।”

11 अऊर फिर,

यू जात जात को सब लोग हुन प्रभु की स्तुति करे,

“राज्य का सब इंसान हुन ओकी बड़ाई कर।”

12 अर फिर यसायाह कह हैं,

“यिसै\* कि एक जड़ प्रगट होए,

अर गैर यहूदी हुन को मुखिया होनू का लाने एक उठेगो,  
ओ पर गैर यहूदी हुन आसा रखेगो।”

13 परमेस्वर जे आसा को दाता आय तुमारो विस्वास करन म सब तरीका को खुसी अर सान्ति अर धीरज से परिपूर्ण करिये, कि सुध्द आत्मा कि सक्ति से तुमारो आसा बढ़ जाहे।

~~~~~

14 अरे मोरो भई हुन जहाँ तक तुम ख बारा, मी खुद विस्व्य कोच हैं अर विस्वास हैं कि तुम खुद ही भलाई अर समझो जानो से परिपूर्ण हो ख अर पूरी समझ से एक दुसरा ख सलाह दे सक।

15 तब म नी कही-कही याद दिलान का लाने तुमारो जे बेजा हिम्मत कर लिखू। यी ओ पर दया को करना भयो जे परमेस्वर न मोखा दियो हैं,

16 कि म गैर यहूदी हुन का लाने मसी यीसु को सेवक हो ख परमेस्वर को सुसमाचार की सेवा याजक का समान करू जेसे गैर यहूदी हुन को लाने चढायो जानो, सुध्द आत्मा से सुध्द बन ख स्वीकार[†] कियो जाएगो।

17 एकोलाने उन बात हुन का बारा म जे परमेस्वर से सम्बन्ध रखी हैं, मी मसी यीसु म गर्व कर सकू हैं।

18 काहेकि उन बात हुन ख छोड़ मोखा अर कोई बात का बारा म कह को हिम्मत नी हैं; जे मसी न गैर यहूदी हुन को बात हुन ख लाने वचन, करम से,

19 अर चिन्हान, अर अदभुत काम हुन कि सक्ति से, अर सुध्द आत्मा कि सक्ति से मोरो ही व्दारा कियो हैं; यहाँ तक कि मी न यरूसलेम से चारो तरफ इल्लुरिकुम तक मसी का सुसमाचार को पूरो प्रचार कियो हैं।

20 पर मोरो मन कि उमंग यी हैं कि जहाँ-जहाँ मसी को नाम नी लियो गयो हैं, वही सुसमाचार सुनाऊ असो नी होए कि दुसरो कि नीव पर घर बनाऊँ।

21 पर जसो लिखो हैं वसो ही हो,
“जे को नजीक ओको सुसमाचार नी पहुँचो हैं,
वी दर्सन करे अर जे न नी सुनो हैं यू ईच समझे।”

~~~~~

22 काहेकि मी बार बार तुम लोग हुन को नजीक आन से रुको रयो हैं।

23 पर अब इन दास हुन म मोरो काम का लाने अर जगह नी रय्हो, अर बेजा साल से मो ख तुमारो पास आन का इच्छा हैं।

24 एकोलाने जब मी स्पेन ख जाऊ ते तुमारो पास होए जाऊ, काहेकि मोखा आसा हैं कि उ सफर म तुम से मेल होए, अर तब तुमारी संगति से मोरो मन कुछ भर जाहे ते तुम मोखा कुछ दूर आग पहुँचा देनू।

25 पर अभी ते मी सुध्द अदमी हुन कि सेवा करन का लाने यरूसलेम ख जाऊ हैं।

26 काहेकि मकिदुनिया अर अखया का अदमी हुन ख यी अच्छो लग हैं कि यरूसलेम का सुध्द अदमी हुन म कंगाल हुन का लाने कुछ चन्दा करे।

27 उन ख अच्छो ते लगे, पर वी उन ख कर्जदार भी हैं, काहे कि अदि दुसरी जात ओकी आत्मिक बात हुन म सामिल भयो, ते उन ख भी जरूरी हैं कि सारीरिक बात हुन म ओकी सेवा करिये।

28 एकोलाने मी यी काम पूरो कर ख अर उनको यी चन्दा दे ख तुमारो पास होतो भयो स्पेन नगर ख जाऊँ।

29 अर म मालूम हैं कि तब मी तुमारो पास आऊ, ते मसी कि पूरी आसीस का संग आऊ।

30 अरे भई हुन, हमारो प्रभु यीसु मसी को अर सुध्द आत्मा का प्रेम को याद दे ख म तुम से विनती करूँ हैं, कि मोरो लाने परमेस्वर से प्रार्थना करन म मोरो संग मिल ख लोलीन रह्यो

31 कि म यहूदी हुन को अविस्वास हुन से बचो रह्यो, अर मोरी उ सेवा जो यरूसलेम का लाने हैं, सुध्द अदमी हुन ख पसन्द आहे;

32 अर म परमेस्वर कि इच्छा से तुमारो पास खुसी का संग आ ख तुमारो संग आराम पा हे।

33 सान्ति को परमेस्वर तुम सब का संग रह। आमीन।

## 16

~~~~~

1 मी तुम से फीबे का लाने जे हमारी बहिन अर किस्त्रिया कि कलीसिया कि सेविका हुन आय, प्रार्थना करूँ हैं।

2 कि तुम प्रभु म यू प्रकार से अंगीकार कर जसो कि परमेस्वर को सुध्द लोग हुन लायक हैं, ओ से तुमारो वजे जसा मददत चहिए वसा ही ओकी मददत कर काहेकि उ मोरो संग बेजा लोग हुन कि मददत करियो हैं।

3 प्रिस्का अर अक्विला ख भी जे यीसु मसी म मोरो संग बतायो हैं, नमस्कार।

4 अऊर उनना मोरो लाने अपनो जीवन परेसानी म डाल दियो हतो; अर अकेलो म ही नी, पर दुसरी जात हुन कि पूरी कलीसिया हुन ख भी उन ख धन्यवाद कर हैं।

5 उ कलीसिया हुन ख भी नमस्कार जे उनका घर म हैं। मोरो प्यारो इपैनिंतुस को, जे मसी का लाने आसिया को पहलो फल आय, नमस्कार

6 मरियम ख, जेन तुमारा लाने बेजा मेहनत करियो हैं, नमस्कार।

7 अन्ड्रीकुस अर यूनियास ख जे मोरो खानदानी आय, अर मोरो संग बंद भयो अर प्रेरित हुन म नामी आय, अर मोसे से पहले मसी भयो हतो, नमस्कार।

8 अम्पलियातुस ख, जे प्रभु म मोरो प्यारो आय, नमस्कार।

9 उरबानुस ख, जे मसी म हमारो संग बतायो हैं, अर मोरो प्यारो इस्तखुस ख प्रणाम।

10 अपिल्लेस ख जो मसी म विस्वास लायक निकलो, नमस्कार। अरिस्तुबुलस ख घरानो ख भी नमस्कार।

11 मोरो संबधी हुन ख भी हेरोदियोन ख प्रणाम। नरकिस्तुस का घराना ख जे अदमी प्रभु म आय, उन ख प्रणाम।

12 वृफैना अर वृफोसा ख जे प्रभु म मेहनत करियो हैं, प्रणाम। प्यारो पिरसिस ख, जेन प्रभु म बेजा मेहनत कियो, नमस्कार।

13 रूफुस ख भी जे प्रभु म चुनो भयो हैं अर ओकी माय ख, जे मोरी भी माय आय, दूई ख प्रणाम।

14 असुकितुस अर फिलगोन अर हिर्मेस अर पोरियाबास अर हिर्मास अर उनका संग का भई हुन ख भी प्रणाम।

15 फिलुलुगुस अर यूलिया अर नेर्युस अर ओकी बहिन, अर उलुम्पास अर ओखा संग का पूरा सुध्द अदमी हुन ख भी नमस्कार।

16 आपस म सुध्द चुमा से नमस्कार कर। तुम ख मसी कि सारी कलीसिया हुन ख तरफ से नमस्कार।

17 पर अरे भई हुन, बहिन हुन मी तुम लोग ख प्रोत्साह करूँ हूँ से विनती करूँ हैं कि जे अदमी उ सिखान का दूसरी, जे तुम न पायो हैं, फूट डालन अर टोकर खिलान को लाने होए हैं, उन ख ताड़ लियो कर अर उनमा दूर रह।

18 काहेकि असो अदमी हमारो प्रभु मसी को नी, पर अपनो पेट कि सेवा करियो हैं; अर चिकनी चुपड़ी बात हुन से सीधो-सादे मन का अदमी हुन ख बहका दे हैं।

19 तुमारो कहना हुन मान न कि खबर सब अदमी हुन म फैल गई हैं, एकोलाने भी तुमारो बार म खुसी करू हैं, पर म यी चाहू हैं कि तुम भलाई का लाने समझदार पर बुरो का लाने सिदो बनो ख रह।

20 सान्ति को परमेस्वर सैतान ख तुमारो पाय से सीध कुचल देगो। हमारो प्रभु यीसु मसी को दया तुम पर होतो रह।

21 मोरो संग बटायो तीमुथियुस ख, अर कुटुम्बी हुन लूकियुस अर यासोन अर सोसिपुस्रस ख भी तुम ख नमस्कार।

22 मोखा चिट्टी ख लिखन वाला तिरतियुस ख, प्रभु म तुम ख नमस्कार।

23 गयुस जो मोरो अर कलीसिया कि पहुनाई करन वालो हैं, ओको तुम ख भी नमस्कार। इरास्तुस जो सहर को भण्डारी हैं, अर भई क्वारतुस ख तुम ख भी नमस्कार।

24 हमारो प्रभु मसी को दया तुम पूरा पर बनी रहे। आमीन।

~~~~~

25 पर जे तुम ख मोरो सुसमाचार परन्तु यीसु मसी को सुसमाचार को प्रचार को जसो खडो कर सक हैं, सच्चो को प्रकासन को जसो जे हमेसा से छिपा हुआ हतो,

26 पर अब प्रगट हो ख अनन्त परमेस्वर कि बात से भविष्यवक्ता हुन कि पुस्तक हुन को ब्दारा सब जात हुन ख बतायो गयो हैं कि वी विस्वास से बात मान वाला हो जाहे।

27 उही एक अकलो समझदार परमेस्वर कि यीसु मसी को ब्दारा हमेसा तक महिमा होती रहे आमीन। \*

---

\* 16:27 असो ही होनू चाहिए।



## 1 कुरिन्थियो के नाम पोलुस का पहला पत्र 1 कुरिन्थियो को नाम पोलुस की पहली चिट्ठी भूमिका

कुरिन्थुस ख प्रेरित पोलुस न मसी ख जनम को करीब 55 साल बाद 1:1 लिखो रह। हमरो जोने जो दो चिट्ठी हुन हैं, उनमा से या पहली हैं जो पोलुस न कुरिन्थुस की कलीसिया ख लिखो रह। ओ न सायद या चिट्ठी इफिसुस म अपनो रहन को हिसाब से मैसेडोनिया से आन अऊर जान को रस्ता म कुरिन्थुस ख अपनो यातरा म जानो से पहले लिखो रह। 16:5-9

या चिट्ठी बी बता हुन कि हैं जे पोलुस की कलीसिया का कुछ मेन अदमी से कलीसिया म कई सारी प्रथा हुन को बारे म मिली थी, जेमेन फैलनो अर जवान इंसान हुन कि सादी बिहाव कि बात सामिल हैं अऊर गलत काम सामिल हैं। कुरिन्थ नगर अपनो गलत काम (योन अनैतिकता) को लाने अच्छी तरह से जानो जातो थो, एकोलाने या दुख की बात नी हैं कि वहा की कलेसीया ई मुर्दा हुन को सामनो कर रहत रह। 1. कुरिन्थि हुन म प्यार प प्रसिद्ध अध्याय भी सामिल आय। 13

**रूप रेखा**

1. पोलुस कुरिन्थि हुन को अनुवाद करह हैं अऊर उन को लाने परमेस्वर ख धन्यवाद करह हैं 1:1-9
2. फिर वाहा कुरिन्थि हुन की कलीसिया म विभाजन हुन को बारा म मिली सुचना हुन को संबोधित करह हैं 1:10—4:21
3. ऐको बाद वाहा गलत काम (योन अनैतिकता) अऊर एक दुसरा ख अदालत म ले जान को मुर्दा ख समजावा करह हैं। (5-6)
4. ओको बाद वाहा ब्याह, मुर्ति हुन की बलि, सार्वजनिक पुजा, आध्यात्मिक दान अऊर पुनरुत्थान को मामला हुन प आदेस देवा हैं। 7—15
5. अंत मी वाहा कही व्यवहार अऊर अदमी गत मामलो को संग खत्म होवा हैं। 16

1 पोलुस कि ओर से जे परमेस्वर कि इच्छा से यीसु मसी को प्रेरित होन का लाने बुलायो गयो अऊर भई सोस्थिनेस को तरफ से चिट्ठी,

2 परमेस्वर कि वा कलीसिया को नाम जीई कुरिन्थुस नगर म हैं, पर उनको नाम जे मसी यीसु म सुध्द करियो गयो, अर सुध्द होन ख लाने बुलायो गया हैं; अऊर उन सब का नाम भी जीई हर जगह हमारो अऊर अपनो प्रभु यीसु मसी को नाम से लेहे अर प्रार्थना करा हैं।

3 हमारो बाप परमेस्वर अऊर प्रभु यीसु मसी कि ओर से तुम ख दया अर सान्ति मिलेह हैं।

*~~~~~*

4 मी तुमारो बारा म अपनो परमेस्वर कि जय जयकार करू हैं, कि परमेस्वर ख यी दया तुम पर मसी यीसु म विनती आय।

5 कि ओमा, होय ख तुम हर बात म असो सारो वचन अऊर सारो ग्यान म धनी करियो गयो हैं

6 कि मसी कि गवाई तुम म पक्को निकलियो

7 यहाँ तक कि कई वरदान म तुम ख घटी नी हैं, अऊर तुम हमारो प्रभु यीसु मसी ख प्ररगट होन कि रस्ता देख रह हैं।

8 बी तुम ख आखरी तक मजबूत भी करे कि तुम हमारो प्रभु यीसु मसी ख दिन मी बेकसूर ठहरायो।

9 परमेस्वर सच्चो हैं, जे न तुम ख अपनो पोरिया हमारो प्रभु यीसु मसी कि संगति म बुलायो हैं।

*~~~~~*

10 अरे भई अर बहिन, मी तुम से हमारो प्रभु यीसु मसी का नाम से विनती करू हैं कि तुम सारा एक ही बात कह, अऊर तुम म फूट नी होय, पर एक ही मन अऊर एक ही मत हो ख मिलो रह।

11 काहेकि अरे मोरा भई-बहिन हुन, खलोए को घराना ख अदमी हुन न मो ख तुमारो बारा म बतायो हैं कि तुम म लड़ाई होय रही हैं।

12 मोरो कहनो को मतलब यू हैं कि तुम म कोई ते अपनो खुद ख “पोलुस ख,” ते कोई “अपुल्लोस ख,” ते “कैफा को,” ते कोई “मसी को” कह हैं।

13 का मसी बँट गयो? का पोलुस तुमारो लाने सूली पर चढ़ायो गयो? या तुम ख पोलुस को नाम पर बपतिस्मा मिलो?

14 म परमेस्वर ख सुक्रिया करू हैं कि किसपुस अऊर गयुस ख छोड़ मी न तुम म से कुई ख भी बपतिस्मा नी दियो।

15 कही असो नी हो कि कोई कहे कि तुम ख मोरो नाम पर बपतिस्मा मिलो।

16 अऊर हाव, मी न स्तिफनास को घराना ख भी बपतिस्मा दियो; इन ख छोड़ मी नी मालूम हैं कि मी न अऊर कोई ख बपतिस्मा दियो।

17 काहेकि मसी न मोखा बपतिस्मा देन ख नी, पर सुसमाचार सुनान ख भेजो हैं, अऊर यू भी मनुस्य को वचन हुन ख ग्यान को अनुसार नी, असो नी होय कि मसी ख सूली बेकार ठहरे।

\*\*\*

18 काहेकि सूली कि कथा बेकार होन वाला का लाने मूर्ख आय, पर हम उध्दार पान वाला का लाने परमेस्वर कि सक्ति आय।

19 काहेकि लिखो हैं,

“मी ग्यान हुन ख ग्यान ख बेकार करू,

अऊर ग्यान कि समझ ख बेकार कर दा हूँ।”

20 कहाँ रयो ग्यानवान? कहाँ रयो सासतिरी? कहाँ रयो यू दुनिया को लड़ाई हन? का परमेस्वर न दुनिया को ग्यान ख मूर्ख हुन नी ठहरायो।<sup>☆</sup>

21 काहेकि जब परमेस्वर ख ग्यान को जसो दुनिया न ग्यान से परमेस्वर ख न जानो, ते परमेस्वर ख यू अच्छो लगो कि यू प्रचार कि मुर्ख हुन ख व्दार विस्वास करन वालो ख उध्दार दे।

22 यहूदी ते चिन्ह माँग हैं, अऊर यूनानी ग्यान कि खोज म आयो,

23 अऊर हम ख ते ओकी सूली पर चढ़ायो हुयो ख मसी को प्रचार करिये हैं, जे यहूदी हुन ख लाने ठोकर को लाने अऊर गैर यहूदी हुन ख का लाने मूर्खाता हैं;

24 अऊर जो बुलायो हुयो हैं, का यहूदी का यूनानी, उनको नजीक मसी कि सक्ति अऊर परमेस्वर को ग्यान हैं।

25 काहेकि परमेस्वर कि मुर्खता बेकार अदमी हुन ख ग्यान वान से समझ दार हैं, अऊर परमेस्वर कि कमजोर अदमी हुन को ताकत से बेजा सक्ति साली हैं।

26 अरे भई हुन, अपनो बुलाए हुन जान ख ते सोच कि नी सरीर ख अनुसार बेजा ग्यान वान, अऊर नी बेजा सक्ति, अऊर नी बेजा अच्छो ख खानदार बुलायो गयो।

27 अदि परमेस्वर न दुनिया ख मुर्ख हुन ख चुन लियो हैं कि ग्यान हुन ख लज्जित करे, अऊर परमेस्वर न दुनिया को कमजोर हुन ख छाट लियो हैं कि सक्तिशाली हुन ख लज्जित करे;

28 अऊर परमेस्वर न दुनिया को नीच हुन अऊर बेकार काम हुन ख, अदि जे हता भी नी उन ख भी चुन लियो कि उन ख जो हैं, बेकार खडो करा हैं।

29 काहेकि जे कोई इंसान हुन परमेस्वर का नजीक घमण्ड नी कर सक।

30 अदि ओकी कि ओर से तुम मसी यीसु म हैं, जे परमेस्वर कि ओर से हमारो लाने ग्यान वान रयो हैं, अदि धार्मिक, अऊर सुध्दता करे, अऊर छुटकारा;<sup>☆</sup>

31 काहेकि जसो लिखो हैं, वसो ही हो, “जे घमण्ड करे उ प्रभु म घमण्ड करे।” ☆

## 2

????? ??? ?? ???? ??????

1 भई अर बहिन हुन, ते मी परमेस्वर ख भेद सुनाते भयो तुमारो नजदीक आयो, ते वचन हुन या ग्यान कि उतमता का संग नी आयो।

2 काहेकि मीन यू फैसला लियो हतो कि तुमारो बीच यीसु मसी पर सूली पर चढ़ायो हुयो मसी ख छोड अऊर कई बात ख नी जान।

3 मी कमजोर हुन अऊर डर ख संग, अऊर बेजा घबराते हुयो तुमारो संग रयो;

4 अऊर मोरो वचन, अऊर मोरो प्रचार म ग्यान कि लालच वाली बात हुन नी हैं, पर आत्मा अऊर सक्ति को नमस्कार हतो,

5 एकोलाने कि तुमारो भरोसा अदमी हुन का ग्यान पर नी, पर परमेस्वर कि सक्ति पर निर्भर होय हैं।

????? ?????? ?? ??????

6 फिर भी सिध्द अदमी हुन म हम ग्यान सुनत हैं; अऊर यू दुनिया को अऊर यू दुनिया नास होन वाला अदमी हुन मुखिया हुन ख ग्यान नी हैं;

7 पर हम ख परमेस्वर को उ छुपो ग्यान, भेद कि रीत रीवज पर बताये हैं, जसो परमेस्वर न सनातन युग से हमारी महिमा का लाने ठहरायो गयो हतो।

8 जे से यू दुनिया को मुखिया हुन म से कोई न नी जानो, काहेकि यदि वी जान हैं ते महिमामय प्रभु ख सूली पर नी चढ़ा तो। ☆

9 अदि जसो लिखो हैं,

“जो बात हुन आँखी न नी देख अऊर कान न नी सुनी,

अऊर जे बात हुन अदमी को मन म नी चढ़ी,

वी ही आय जे परमेस्वर न अपनो प्रेम रखन वालो का लाने तैयार करो हैं।” ☆

10 परमेस्वर न अपनो आत्मा का द्वारा हम पर प्ररगट कियो, काहेकि आत्मा सब बात हुन पर परमेस्वर कि गहरी बात हुन भी परख हैं।

11 अदमी हुन म से कोन कोई अदमी कि अधीन हुन जान हैं, अकेलो अदमी कि आत्मा जो ओ म हैं? वसो ही परमेस्वर कि बात हुन भी कोई नी जान, अकलो परमेस्वर को आत्मा। ☆

12 पर हम न दुनिया कि आत्मा नी, पर उ आत्मा पायो हैं जो परमेस्वर कि ओर से आय कि हम उन बात हुन ख जान सके कि जो परमेस्वर न हम ख दियो हैं।

13 जे ख हम अदमी हुन को ग्यान कि सिखाई हुई बात हुन म नी हैं, पर आत्मा कि सिखाई हुई बात हुन मिल ख सुनाए हैं।

14 पर दुनिया को अदमी हुन परमेस्वर कि आत्मा कि बात हुन मान नी करिये, काहेकि वी ओकी देखना म बेकार कि बात हैं, अर नी उ उन ख जान सक हैं काहेकि ओकी परख आत्मिक रीति से होए हैं।

15 आत्मिक अदमी हुन सब कुछ जाँचा हैं, पर उ अपना खुद ख परख हुन नी जाहे हैं।

16 काहेकि प्रभु को मन ख कोन जानो हैं

“कि ओ ख सिखाव हैं?

पर हम म मसी को मन आय।” ☆

## 3

\*\*\*\*\*

1 अरे भई अर बहिन हुन म तुम से यू रिवाज से बात हुन नी कर सक। जसो आत्मिक अदमी हुन से, पर जसो दुनिया अदमी से, अर उनसे जो मसी म नानू हैं

2 मी न तुम ख दूध पिलायो, खाना नी खिलायो; काहेकि तुम ओ ख नी खा सकत हैं; पर तब तक भी नी खा सकत हैं,

3 काहेकि अब तक सारीरिक हैं। एकोलाने कि जब तुम म जलन अऊर लड़ाई हैं, ते का तुम सारीरिक नी हैं? अऊर का अदमी कि रिती रिवाज पर नी चल हैं?

4 काहेकि जब एक बोल हैं, “मी पोलुस को आय” अऊर दूसरो, “मी अपुल्लोस को आय” ते का तुम सारीरिक नी आय?

5 अपुल्लोस कोन आय? अऊर पोलुस कोन आय? अकलो सेवक, जीन ख व्दार तुम न विस्वास करियो हतो, ते हर एक ख प्रभु न दियो हतो।

6 मी न रोपा लगायो, अपुल्लोस न ओ ख सीचो, अऊर परमेस्वर न बढ़ायो।

7 एकोलाने नी ते लगानवालो कई हैं नी सीचने वालो, पर परमेस्वर ही सब कई आय जे बढ़ान वालो आय।

8 लगान वालो अऊर सीचन वालो दूई एक ही आय; पर हर एक अदमी अपनो ही आराम को जसो ही अपनो मजदूरी पाहे।

9 काहेकि हम परमेस्वर ख संग म काम करन आय हैं;

तुम परमेस्वर कि खेती अऊर परमेस्वर की मन्दिर आय।

10 परमेस्वर ख ओकी दया का अनुसार जो मोखा दियो गयो, मी न हुसयार मिस्री का सामने नीव डाली, अऊर दूसरो ओ पर पर रदा रख्य हैं पर हर एक अदमी हुसयार रैय कि उ ओ पर कसो रदा रख हैं।

11 काहेकि वाह नीव ख छोड जो पडी हैं, अऊर उ यीसु मसी आय, कोई दूसरी नीव नी डाल नी सक आय।

12 अदि कोई नीव पर सोना अऊर चाँदी अऊर बेजा किमती पत्थर अऊर काठ अऊर घास अऊर फूस को रदा रख्यो हैं,

13 ते हर एक ख काम दिख जा हे; काहेकि उ दिन ओ ख बताएगो, एकोलाने कि सामने का संग दिखो जाहे अऊर उ सामने हर एक ख काम कि परखो होय कि कसो हैं।

14 जेको निर्मान को काम बनो रहे, ओ ख इनाम मिले।

15 पर कोई को काम पानी जाहे, ते उ नुकसान उठा हे; पर उ खुद उध्दार जाहे पर जलते जलते बच जाएगो।

16 का तुम ख नी पता हैं कि तुम परमेस्वर को मन्दिर आय, परमेस्वर को आत्मा तुम रवह हैं।

17 पर कोई परमेस्वर को मन्दिर ख नास करे ते परमेस्वर ओ ख नास करे; काहेकि परमेस्वर को मन्दिर सुध्द आय, अऊर उ तुम आय।

18 कोई अपनो स्वयं ख धोखा नी दे हैं। अदि तुम म से कोई यू दुनिया म अपनो स्वयं ख चलाक मान, हैं ते मुर्ख ओ ख हुसयार हो जा।

19 काहेकि यू दुनिया को ग्यान परमेस्वर का पास बेकार हैं, जसो लिखो हैं, “उ ग्यान वान हुन ख उनकी चालाकी म फँस देव हैं,”\*

20 अऊर फिर, “प्रभु चालाक हुन ख विचार हुन ख जान हैं कि वी बेकार हैं।”\*

21 एकोलाने अदमी हुन पर कोई घमण्ड नी कर, काहेकि सब कुछ तुमारो आय

22 का पोलुस, का अपुल्लोस, का कैफा, का दुनिया को जिन्दगी, का माऊत, का जल्दी को बखत म, का जोतिस सब कुछ तुमारो आय,

23 अऊर तुम मसी को आय, अऊर मसी परमेस्वर को आय।”

## 4

~~~~~

1 अदमी हम ख मसी को दास अऊर परमेस्वर को छुपी बात का भण्डारी समझे।

2 फिर यहाँ भण्डारी म बात हुन देखी जाहे। कि उ भरोसा लायक होय।

3 पर मोरी देखन म यू बेजा छोटी सी हैं कि तुम अऊर अदमी हुन ख कोई सजा देनवालो मोखा जावे, पर म खुद अपनो तुम ख नी परख हूँ हैं।

4 काहेकि म मोरो मन मोखा कोई बात म दोसी नी ठहरा हैं, पर असो मी बेकसूर नी रयो हैं, काहेकि मोखा परख वालो प्रभु आय।

5 एकोलाने जब तक प्रभु नी आये हे उ बखत से पहले कुई बात हुन ख फैसला नी करे उ अन्धकार कि छुपी बात हुन ज्योति म दिखाए, अऊर मन हुन ख अभिप्राय ख देखागो करेगो, तब परमेस्वर कि तरफ से हर एक कि स्वगत होय।

6 हे भई हुन, मन यू बात हुन म तुमारो लाने अपनो अऊर अपुल्लोस ख खबर उदाहरन का रीति पर हैं, एकोलाने कि तुम हमारो द्वारा यू सिख कि किन लिखो हुयो से सामने बडनो, अऊर एक का तरफ म अऊर दूसरो का खलाप म घमण्ड नी कर जे।

7 काहेकि ते म अऊर दूसरो म कोन भेद करिये हैं? अर तोरो पास का हैं जो तुना (दूसरो से) नी पायो हैं, अर जब तू न दुसरो से पायो आय? ते असो घमण्ड काहे करिये हैं कि मानो नी पायो।

8 तुम ते भरपूर हो चूको, तुम धनी हो चूको, तुम न हमारो बिना राज कियो; पर चोक्खो हो तो कि तुम राज करिये कि हम भी तुमारो संग राज करिये।

9 मोरो समझ म परमेस्वर न हम ख प्रेरित हुन ख सब बाद उन अदमी हुन का सामे खडो करियो हैं, जिन की माऊत को हुकुम हो चुको हो; काहेकि हम दुनिया अऊर स्वर्गदूत हुन अऊर अदमी को लाने एक तमासा बने हैं।

10 हम मसी का लाने बेकार हैं, पर तुम मसी म समझदार हैं; हम कमजोर हैं पर तुम ताकतवार हैं। तुम भीतर पाय हैं, पर हम अपमान हो हैं।

11 हम यू बखत भी भूखा अऊर प्यासो अऊर नंगा हता, फटे पुराना कपडा पहन हैं, अऊर मार खायो हैं अऊर मारो-मारो फिर ये हैं;

12 अऊर अपनो ही हात हुन से काम कर ख मेहनत* करा हैं। अदमी हम बुरो बोल हैं, कि हम आसीस देव हैं; वी परेसान करिये हैं, हम सहन कर हैं।

13 वी बदनाम करिये हैं, हम विनती करिये हैं। हम, आज तक दुनिया को कचरा अऊर सब सारी चीज हुन ख खुरचन का सामन रया हैं।

~~~~~

14 मी तुम ख लज्जित करन का लाने यू बात हुन नी लिखु हैं, पर अपनो अच्छो पोरिया समझ ख तुम ख बताऊँ हैं।

15 काहेकि यदि मसी म तुमारो सीखान वालो दस हजार भी हो, ते तब भी तुमारो बाप बेजा से नी; एकोलाने कि मसी यीसु म सुसमाचार ख द्वारा म तुमारो बाप हुयो हैं।

16 एकोलाने म तुम से विनती करू हैं मोरी जसी चाल चल।

17 एकोलाने मन तीमुथियुस ख जो प्रभु म मोरो अच्छो दोस्त अऊर विस्वास लायक पोरिया हैं, तुमारो पास भेजो हैं। उ तुम ख यीसु मसी म मोरो आचरन याद करूँ, जसो कि म हर जगह हर एक कलीसिया म सिक्छा लाऊ।

18 कई ते असा धुस्सा हो गयो हैं, मान कि म तुमारो नजीक आवन को नी हतो

\* 4:12 परिसरम

19 पर प्रभु न चाह्यो ते म तुमारो नजीक जल्दी ही आऊ, अऊर उन घुस्सा भेयो हुन का बात हुन ख नी, पर उनकी सक्ति ख समझ हैं।

20 काहेकि परमेस्वर को राज बात हुन म नी पर सक्ति काम हुन म हैं।

21 तू का चाह्ये हैं? का मी छड़ी लेख तुमारो पास आऊ, अऊर प्रेम अर दीनता कि आत्मा का संग म?

## 5

?????? ?

1 यहाँ तक सूना म आयो हैं कि तुम म गलत काम होय हैं, पर असो गलत काम जो गैर यहूदी हुन म नी होय कि अदमी अपनो बाप कि घरवाली ख रख हैं।\*

2 अऊर नाराज ते नी करिये, जे से असो काम करन वालो तुमारो बीच म से निकल जा हे, पर घमण्ड करिये हैं।

3 मी ते सरीर न का भाव से दूर हतो, अऊर आत्मा का भाव से तुमारो संग हो ख मान कि उपस्थिति कि मजबूरी म असो काम करनवालो का बारा म यू फैसला दे चूको हैं।

4 कि जब तुम अऊर मोरी आत्मा, हमारो प्रभु यीसु कि सक्ति ख संग जमा हो, ते असो अदमी हमारो प्रभु यीसु को नाम से।

5 उही अदमी ख सैतान को हात म दे दियो, जेख ओखा सरीर ख नास हो, अर प्रभु को दिन ओकी आत्मा को छुटकारा हो।

6 तुमारो घमण्ड करनो अच्छो नी; का तुम नी जान की थोड़ो सो खमीर तीन दिन को गूँधो हुयो आटा ख खमीर कर दे हैं।

7 पुरानो खमीर रोटी निकाल ख अपनो तुम ख सुध्द कर कि नयो गूँधो हुयो आटा बना जाय; काहे कि तुम अखमीरी आय काहेकि हमारो भी फसह जो मसी हैं, जो बलिदान हुयो हैं।

8 एकोलाने आ, हम तेवर दिन म खुसी माना, नी ते पुरानो खमीर अऊर नी बुराई अऊर दुसमन हुन को खमीर से, पर सीधाई अऊर सही कि अखमरी रोटी से।

9 मीन अपनी चिट्ठी म तुम ख लिखो हैं कि बुरो काम हुन का संग मेल जोल नी रख।

10 यी जरूरी नी कि तुम बिल्कुल यी दुनिया का बुरो काम करन वाला हुन अऊर लालच हुन, अऊर अन्धेरा करन वालो, अऊर मूर्ति पूजा हुन कि संग म नी रह जो, काहेकि यू मजबूरी म ते तुम ख दुनिया म से निकल जानो ही पड़ हैं।

11 पर मोखा यू बोलनू हैं कि पर कोई भई बोल-ख बुरो काम, अऊर लाची, अऊर मूर्ति पूजा क हुन अऊर गाली देनवालो, अऊर पियक्कड़ अऊर अन्धेर करन वालो होय, ते ओकी संग म नी रह पर अदमी ख संग खाना भी नी खा।

12 काहेकि मोखा बाहार वाला का फैसला करना से का काम? का तुम भीतर वाला हुन का फैसला नी करिये?

13 पर बाहर वाला हुन कस फैसला परमेस्वर करिये हैं। एकोलाने ओकी कुकर्मि ख अपनो बीच म से निकाल दे।

## 6

?????? ? ? ? ? ?

1 का तुम से कुई ख यी याद\* हैं कि जब दूसरो ख संग झगडा होय हैं ते फैसला ख लाने अधर्मी को काम कर वालो हुन का पास जाहे अऊर सुध्द अदमी हुन का नजीक नी जाय हे?

2 का तुम नी जानत आय कि सुध्द लोग दुनिया को फैसला करे? एकोलाने जब तुम दुनिया को फैसला करनो हैं, ते का तुम छोटा से छोटा लड़ाई हुन को भी निर्णय करन का लायक भी नी हैं?\*

3 का तुम नी जान कि हम स्वर्गदूत हुन को फैसला<sup>†</sup> करे? ते का जमाना कि बात हुन को फैसला नी करे।

4 पर तुम ख जमाना कि बात हुन का फैसला करनो होय, ते का उन्ही का बैठा हे जे कलीसिया म कुछ नी समझे जाय हे?

5 मी तुम ख लज्जा आवन का लाने यू कहूँ हैं। का सच म तुम म एक भी समझदार नी मिल हैं, जो अपनो भई हुन ख फैसला कर सके?

6 तुम म भई-भई म मुकदमा होय हैं, अऊर उ भी अविस्वास हुन का सामने।

7 पर सही म तुम म बड़ो दोस ते यू हैं कि आपस म फैसला करिये हैं, जसो अन्याय काहे नी सह हैं? पर अपनी हानि काहे नी सह हैं?

8 पर तुम ते स्वयं जुम करिये हैं अऊर हानि देवा हैं, अऊर उ भी भई हुन ख।

9 का तुम नी जान हैं कि अधर्मी को काम करन वालो अदमी परमेस्वर का राज ख अधिकारी नी होय? धोखा नी खा; नी छिनाला करन वालो (न वेस्यागामी), नी मूर्ति पूजक हुन, नी बुरो काम करन वालो, नी पुरुसगामी,

10 नी चोर, नी लोभी, नी पियक्कड़ नी गाली देन वालो नी लुट पाट करन वालो परमेस्वर का राज ख अधिकारी नी होय।

11 अऊर तुम म से कितना असो भी हता, पर तुम प्रभु यीसु मसी का नाम से अऊर हमारो परमेस्वर का आत्मा से धोए गयो अऊर सुध्द हुयो अऊर धर्मी रया।

~~~~~

12 सब चीज मोरो लाने ठीक हैं, पर सब चीज हुन लाभ कि नी हैं, सब चीज हुन मोरो लाने ठीक हैं, पर मी कुई भी बात का बस नी होऊ।

13 कोई यू भी कहे, “अऊर खानो पेट का लाने हैं अऊर पेट खानो का लाने।” हाव पर परमेस्वर दोई ख खत्म कर दे हे। सरीर गलत काम का लाने नी, पर प्रभु को लाने हैं अऊर प्रभु सरीर को लाने।

14 परमेस्वर न अपनी सक्ति से प्रभु ख जिन्दो करिये, अऊर हम ख भी जीवित करे।

15 का तुम नी जाना कि तुमारो सरीर मसी को अंग आय? ते का म मसी को सरीर ले ख उन ख छिनाला पना हुन को जीवन बनाऊँ? कभी नी।

16 का तुम नी जिन्दगी कि जो कोई गलत काम से रह हैं, उ ओखा संग एक सरीर हो जाहे हैं? काहेकि लिखो हैं: “वी दूई एक तन होए।”

17 अऊर जो प्रभु कि भक्ति म रह हैं, उ ओखा संग एक आत्मा हो जाए हैं।

18 गलत काम से बचो रह, जितनो भी पाप अदमी करिये हैं वी जीवन का बाहर ही हैं, पर सरीर गलत काम करन वाला अपनी ही जीवन का विरोध पाप करिये हैं।

19 का तुम यू नी मालूम हैं कि तुमारो सरीर सुध्द आत्मा को मन्दिर आय, जो तुम म बसो भयो हैं अऊर तुम ख परमेस्वर कि तरफ से मिलो हैं; अऊर तुम अपनो नी हैं?

20 काहेकि तुम लोग पैसा देख ख खरीदो लियो गयो हैं, एकोलाने तुम लोग अपनो सरीर ख दुवारा परमेस्वर कि बड़ाई करे।

7

~~~~~

1 इन बात हुन का बारा म जो तुम न लिखो,

यू चोक्खो हैं कि अदमी ओरत ख नी छू।

2 अदि गलत काम का डर से हर एक अदमी कि घरवाली, अऊर हर एक ओरत को घरवालो होय।

3 घरवालो अपनी घरवाली को हक पूरो करे; अऊर असो ही घरवाली भी अपनो घरवालो को।

4 घरवाली ख अपनी सरीर पर अधिकार नी पर ओको घरवालो कि अधिकार हैं; असो ही घरवालो को भी अपनी जीवन पर अधिकार नी हैं, पर घरवाली को हैं।

5 तुम एक दूसरा से दूर मत रह; मगर केवल थोड़ी देर बखत तक आपस की मर्जी से कि प्रार्थना का लाने जोतिस बतान मिले, अऊर फिर एक संग रखे; असो नी हो कि तुमारो उपस्ति नी रहना का सैतान तुम ख जाँचे।

6 अगर मी जो यी कहूँ हैं वी अनुमती हैं नी कि कय्हे।

7 मी यी चाहूँ हैं कि जसो म हूँ, असो ही सारा अदमी हो; अगर हर एक ख परमेस्वर कि तरफ से खास खास वरदान मिलो हैं; कोई ख कई तरीका को, अर कई को अर तरका को।

8 अगर मी जेका सादी सूदा हुन वाला हुन अर बुरो काम हुन का बारा म कहूँ हैं कि उनका लाने असो ही रह नो चोक्खो हैं, जसो मी हूँ।

9 अगर यदि वी स्वयं नी कर सके, ते सादी करे: काहेकि सादी कः कामातुर रहनु से चोक्खो हैं।

10 जीन को सादी हो गयो हैं, उनको मी नी, पर प्रभु हुकुम देवह हैं कि घरवाली अपनो घरवालो से दूर नी हो

11 अर अगर दूर भी हो जाहे ते बिना दूसरो सादी कियो रह; या अपनो घरवालो से फिर मेल कर ले अर नी घरवालो अपनी इ घरवाली ख छोड़।

12 दूसरा से प्रभु नी अगर म ही कहूँ हैं पर कई भई की घरवाली भरोसा नी रखे हो अर ओखा संग रहना से खुसी हो, ते उ ओ ख नी छोड़।

13 यी पारी को घरवालो विस्वास नी रख हो, अर ओखा संग रहना से खुसी हो; उ घरवालो ख नी छोड़।

14 काहेकि असा पति जो विस्वास नी रखा हो, उ पत्नी को कारन सुध्द रखह हैं; अर असी पत्नी जो विस्वास नी रखा, पति का कारन सुध्द रखह हैं; नी ते तुमारो पोरा पारी असुध्द रखह हैं, अगर अब ते सुध्द हैं।

15 अगर जो अदमी विस्वास नी रख, हैं पर उ अलग होव हैं ते अलग हो दूई, असी मजबूरी म कई भई या बहिन बन्धन म नी। परमेस्वर न हम ख मेल मिलाप का लाने बुलायो गयो हैं।

16 काहेकि हे पोरी, तू का मालू हैं कि तू अपनो घरवालो को उध्दार करा दे? अर हे अदमी, तो का मालू हैं तू अपनी घरवाली को उध्दार करा दे हे?

*~~~~~*

17 जसो प्रभु न हर एक ख बाँटो हैं, अर जसो परमेस्वर न हर एक क पुकार हैं, असो ही उ चलो। म सारी कलीसिया हुन म असो ही ठहराऊ हैं।

18 जो पूजा देनु\* कियो भेयो ख बुलायो गयो हैं, उ पूजा देनु (खतना रहित) नी बनो। जो बिना खतनाराहित बुलायो गयो हैं; उ खतना नी करिये।

19 नी तो खतना कुछ हैं अर नी खतना रहित, पर परमेस्वर कि आदेस हुन ख मान ही सब कुछ हैं।

20 हर एक अदमी जी मजबूरी म बुलायो गयो हैं ओ म ही रह।

21 पर तू दास कि मजबूरी म बुलायो गयो हैं, ते चिन्ता नी कर; अगर यदि तू आजाद हो सके, ते असो ही काम कर।

22 काहेकि जो गुलाम कि मजबूरी म प्रभु बुलायो गयो हैं, उ प्रभु स्वागत कियो भेयो हैं असो ही जो आजाद की मजबूरी म बुलायो गयो हैं, उ मसी को दास आय।

23 तुम ख दाम दे ख खरीद लियो गयो हैं; अदमी हुन का दास नी बन।

24 अरे भई बहिन, जो कोई जी दसा म बुलायो गयो हैं; उ ओ म ही परमेस्वर को संग रह।

*~~~~~*

\* 7:18 खतना



25 कुंवारी हुन का बारा म प्रभु की कोई कहना मोखा नी मिली, पर विस्वास योग्य होन का लाने जसो दया प्रभु न म पर कि हैं, ओखा अनुसार सम्मति दे हूँ।

26 एकोलाने मोरी समझ म यू चोक्खो हैं कि आज कल दुख का कारन, अदमी जसो हैं असो ही रह।

27 पर तोरी घरवाली आय, ते ओ ख दूर होन या तलाक कि कोसिस मत कर; अर अगर तोरी घरवाली नी, ते घरवाली की हूँन मत।

28 पर अदि तू ब्याह भी करे, ते पाप नी; अर अदि कुंवारी बयाही जाहे ते कोई पाप नी। पर असो को सारीरिक दुख होए, अर म बचनो चाहूँ हैं।

29 हे भई हुन, म यी कहूँ हैं कि बखत कम कर दियो गयो हैं, एकोलाने चाहिए कि जीन की घरवाली होए, वी असो ही मानो उन कि घरवाली नी हो:

30 अर रोन वाला असो होए, मानो खुसी नी करिये; अर मोल लेन वालो असो होए, मानो ओखा पास कुछ हैं ही नी।

31 अर यी दुनिया का संग व्यवहार करन वालो असो हो, कि दुनिया ही को नी हो ले; काहेकि यी दुनिया की रीति रीवाज अर व्यवहार बदल जाहे हैं।

32 अब म यी चाहूँ हैं कि तुम ख चिन्ता न हो। जेन कि सादी<sup>†</sup> नी भई (अविवाहित) अदमी प्रभु कि बात हुन की चिन्ता म रखे हैं कि प्रभु ख कसो खुस रखू।

33 पर जीन कि सादी हो गई (विवाहित) अदमी दुनिया कि बात हुन कि चिन्ता म रखे हैं कि अपनी घरवाली ख किस तरका से खुस रखू।

34 जीन कि ब्याह होए (विवाहित) अर जीन कि ब्याह नी भई ओ म भी कुछ पाप हैं: जीन की ब्याह नी भई उ प्रभु कि म रखे हैं कि उ सरीर अर आत्मा दूई म सुध्द होए, पर जीन की ब्याह होए दुनिया कि आसा म रखे हैं कि अपनो घरवालो ख कसो खुस रखू।

35 मी यू बात तुमरो ही फयदा का लाने कहूँ हैं, न कि तुम ख फँसान का लाने, पर एकोलाने कि जसो सोभा देव हैं, वसो ही कियो जाहे, कि तुम एक मन हो ख प्रभु कि सेवा म लगो रह।

36 अगर कुई यी जरूरी नी समझ कि म अपनी वा कुंवारी को हक्क माँग रखे हूँ, जेकी जवानी बुडी हो गई हैं, अर जरूत भी होए, ते जसो चाखे वसो कर, इन म पापी नी, उ ओको ब्याह होन दे।

37 पर जो मन म फैसला रह हैं, अर ओ ख जरूत नी होए, अगर अपनी इच्छा पर अधिकार रख हैं, अर अपनो मन म यी बात ठान ली हैं कि उ अपनी कुंवारी पोरी कि ब्याह नी करिये, उ अच्छो करिये हैं।

38 एकोलाने जो अपनी कुंवारी ख ब्याह कर दे हैं, उ चोक्खो करिये हैं, अर जो ब्याह नी करिये दे, उ अर भी चोक्खो करिये हैं।

39 तब तक कोई ओरत की घरवालो जीवित रखे हैं, तब तक उ ओ से बन्धी भई हैं; अगर पर कको घरवालो मर जाहे ते जे से चाखे सादी कर सक हैं, अदि केवल प्रभु म।

40 अदि जसी हैं वसी ही रखे, ते मोरो खयाल म अऊर भी चोक्खो हैं; अऊर मी समझू हैं कि परमेस्वर को आत्मा मोरो म भी हैं।

## 8

?????? ?? ?? ?????? ??? ???

1 अब मुर्ति हुन का सामने चढ़ाई ख हुई चीज हुन का बारा म हम जान हैं कि हम ख सब को समझ हैं। समझ घमण्ड पैदा करिये हैं, अऊर प्रेम से पैदा होय हैं।

2 अदि कोई समझ कि म कुछ जानु हैं, ते जसो जानो चाहिए हैं वसो अब तक नी जान हैं।

3 अदि कोई परमेस्वर से प्रेम रख हैं, ते परमेस्वर ओ ख जान हैं।

4 अब मुरती हुन का सामने चढ़ाई हुई चीज हुन ख खान का बारा म हम जान हैं कि मुर्ति दुनिया म कुई चीज नी हैं, अऊर एक ख छोड़ अऊर कई भी परमेस्वर नी हैं।

5 अदि आकास म अऊर धरती पर बेजा से प्रभु कह हैं जसो कि बेजा से ईस्वर अऊर बेजा से प्रभु हैं।

6 ते भी हमारो लाने ते एक ही परमेस्वर हैं: अदि बाप जेकी ओर से सब चीज हुन हैं, अदि यीसु मसी जेका दुवारा सब चीज हुन हुई, अऊर हम भी ओखा को दुवारा हैं।

7 पर सब ख यू ग्यान नी हैं, कि कुछ ते अब तक मुरती ख कुछ समझन का कारन मूर्ति हुन का सामने चढ़ाई हुई चीज ख कुछ समझ ख खाए हैं, अऊर ओखा समझ कमजोर होन का कारन खराब होय गयो हैं।

8 खाना हम ख परमेस्वर का निकट नी पहुँच हैं। पर हम नी खाएँ ते हमारो कुछ नुकसान नी हैं, अऊर पर खाएँ ते कुछ फायदा नी हैं।\*

9 अदि सतरक रैय, असो नी होय कि तुम हमारो यू आजादी कहीं कमजोर हुन का लाने ठोकर को कारन नी हो जाहे।

10 काहेकि पर कोई तोखा ग्यानी को मूर्ति ख मन्दिर म खाते देख अऊर उ कमजोर अदमी होय, ते का ओको विवेक को मूर्ति का सामने चढ़ाई हुई चीज खान ख हिम्मत नी होय हैं

11 यीई रीति रिवाज से तोरो ग्यान का कारन उ कमजोर भई जेका लाने मसी मरा नास हो जाहे।

12 ते भई बहिन हुन का विरोध पाप करन से अऊर उन ख कमजोर समझ ख चोट देन से, तुम मसी का विरोध पाप करिये हैं।

13 यू ईच कारन अदि खाना मोरो भई ख ठोकर खिलाएँ हैं, ते म कभी कुई रीति रिवाज से मांस नी खाऊँ हैं, नी होय कि म अपनो भई का ठोकर ख कारन बन जाऊ।

## 9

**000 000 00 00 00 0000 (000000)**

1 का म आजाद अदमी नी हूँ? का म प्रेरित नी? का तुम मीन प्रभु यीसु ख को जे हमारो प्रभु आय, नी देख? का तुम प्रभु म मोरो बनयो हुयो नी हैं?

2 अदि मी दूसरो को लाने प्रेरित नी आय, ते तुमारो लाने ते आय; काहेकि तुम प्रभु म मोरो सिखावन पर चिखान आय।

3 जो अदमी हुन मोखा परख हैं, उनको लाने यू मोरो कहना हैं।

4 का हम ख खान पीवन को अधिकार भी नी आय?

5 का हम ख यू भी अधिकार नी आय, कि कई मसी बहिन हुन का संग सादी कर ख ख ओ ख लाने घूमे, जसो दूसरो प्रेरित अऊर प्रभु का भई अऊर कैफा करिये हैं?

6 का मी अऊर बरनबास ही अपनो जिन्दगी निर्वाह का लाने काम करन ख रुकवाट हैं।

7 का यू कभी सुननो म आयो कि कुई अपनो पैसा खर्च ख सेना म सेवा कर हैं? कोन अंगूर कि बारी लगा ख ओको फल नी खाय हैं? कोन पालतू ढोर पाल ख उन ढोर हुन को दूध नी पीवा हैं?

8 वी मी साधो जीवन को उदाहरन को आधार पा ही नी कह रहे हूँ बल्कि नेम भी उही कहत हैं।

9 का नेम भी यीई नी कय्हे? काहेकि मूसा को नेम म लिलो हैं, “दावन करते बखत चलते हुए बईल को मुण्डो मत बाँन्धजे।” का परमेस्वर बईल हुन ही कि चिन्ता करिये हैं? \*

10 या खास कर ख हमारो लाने कहूँ हैं। हाँव, हमारो लाने ही लिखो गयो, काहेकि जरूरी हैं कि जोतन वालो आसा से जोत अऊर दाँवन वालो सामिल होन की आस से दाँवनी करे।

11 अब जब तक हम न तुमारो लाने आत्मिक चीज हुन बोई हैं, ते का यी कोई बड़ी बात हैं कि तुमारो सारीरिक चीज हुन की फसल काटे।

12 जब दूसरा अदमी हुन को तुम पर यू अधिकार हैं, ते का हमारो सामिल होने ये से बेजा जादा अधिकार नी होए?

पर हम ख यी अधिकार काम म नी लाजो; अऊर सब कुछ सहन करिये हैं कि हमारो अर मसी को सुसमाचार म कुछ रोकवाट नी होय।

13 का तुम अदमी यू नी जान हैं कि मन्दिर म देख भाल करन वाला हुन ख मन्दिर से खाना मिल हैं अऊर वेदी कि देख भाल करन वाला वेदी का चढन का हिस्सा दार हैं। \*

14 यी ही रीति से प्रभु न भी आग्या दियो कि जो लोग सुसमाचार सुनात हैं, कि उनकी जीविका को सुसमाचार से होय हैं।

15 पर मी इन म से कुई ख भी बात काम म नी लायो, अऊर मीन ते यी बात हुन एकोलाने नी लिखी हैं, कि मोरो लाने असो करियो जाय कि, काहे कि यी से ते मोरो मरनो ही अच्छो हैं कि कोई मोरो घमण्ड ख बेकार खडो करे।

16 अगर म सुसमाचार सुनाऊ, ते मोरो लाने कुछ घमण्ड की बात नी हैं; काहेकि यी ते मोरो लाने जरूत हैं। अगर म सुसमाचार नी सुनाऊ, ते म पर धितकार!

17 अदि मी अपनो विस्वास से से यू करू हैं, ते मोखा इनाम को अधिकार होय। अर म अपनी मर्जी से यू नी करू हैं। मोखा जे काम दियो गयो हैं, म ओ ख पूरो करू हैं।

18 ते मोरो कोन सी मजदूरी आय? कि यी सुसमाचार सुनाऊ म कि म मसी को सुसमाचार कर दूँ यहाँ तक सुसमाचार म जो मोरो अधिकार हैं ओ ख भी म पूरी रीति से काम म नी लाऊ।

19 काहेकि सब से स्वतर्त होना पर भी मन अपनो तुम ख सब का दास बना दियो हैं कि ड्रेर सारो अदमी हुन ख खीच लाऊ।

20 मी यहूदी हुन का लाने यहूदी बनो कि यहूदी हुन ख खीच लाऊ। जो अदमी नियम हुन का बस हैं ओखा लाने म नियम, ख बस नी होनू पर भी नेम का बस बन कि उनको जो नियम को बस हैं, खीच लाऊ।

21 जो अदमी नेम का बस नी हैं, उन ख हासिल करन को लाने मी उनको जसो बिन व्यवस्था को पापी बनीयो, फिर भी मसी की व्यवस्था को बस म होन को बजेसे मी हकीगत म परमेस्वर की व्यवस्था से आजाद नी भयो हैं।

22 म कमजोर हुन ख लाने कमजोर जसो बनो कि कमजोर हुन ख खीच लाऊ। म सब अदमी हुन का लाने सब कुछ बनो हैं कि कुई न कोई रीति से कुई एक को उध्दार कराऊँ।

23 मी यू सब कुछ सुसमाचार का लाने करू हैं कि अऊर हुन का संग ओखा सामिल हो जाऊ।

~~~~~

24 का तुम नी जाना की दऊड म तो दऊडा सब ही हैं, पर इनाम एक ही ले जावा हैं? तुम वसो ही दऊडो की जीते।

25 सब प्रतियोगी हर बात म संयम रखह हैं। वी मुरझान वालो मुकुट पावन को लाने असो करह हैं, जब कि हम अविनासी मुकुट को लाने।

26 एकोलाने म ते यू इच्छा से दऊड हूँ, पर इच्छा ही से नी; म भी यी इच्छा से मुकूट हुन से लूड हूँ, पर ओखा सामने नी जो हवा पीट हैं हुई लड हैं।

27 अदि म अपनी सरीर ख मार कूट अऊर बस म लाऊ हैं, असो नी होय कि उ दूसरा ख प्रचार करन म स्वयं ही कोई रीति से बेकार हो।

10

~~~~~

1 अर भई बहिन हुन, म नी चाहू कि तुम यी बात से अनजान रखे कि हमारो सब बापदादा बदल का नीचु हता, अऊर पूरा का पूरा समुंदर का बीच से निकल गयो, \*

2 अऊर पूरा हुन न बदल म अऊर समुंदर हुन म, मूसा ख अनुवाई को रूप म बपतिस्मा लियो हैं;

3 अऊर सब हुन न एक ही आत्मिक खान खायो; \*

4 अऊर सब हुन न एक ही आत्मिक पानी पीयो हैं, काहेकि वी वाह आत्मिक घाट हुन से पीवा हता जो ओखा संग संग चलत भी हता, अऊर उ घाट मसी हतो।\*

5 अदि परमेस्वर उन न से पूरा हुन से खुस नी भयो, काहेकि वी जंगल म मर गया।\*

6 यी बात हुन हमारो लाने उदाहरन रयो हैं, कि जसो उन न लालच करियो, वसो ही हम न भी बेकार चीज हुन ख लालच नी कर।;

7 अऊर नी तुम मूर्ति पूजा हुन बन, जसो कि ओमा से कि कई किता बन गया भी हैं, जसो लिखो हैं, “अदमी खा पीवन बैठ, अऊर आनन्द मानन को लाने उठे।”

8 अऊर नी हम ख गलत काम कर, जसो उन म से कई न कियो; अऊर एक दिन म तेईस हजार मर गया हता।\*

9 अऊर नी हम प्रभु मसी ख परखा, जसो कुछ लोग हुन करियो, अऊर साँप हुन को कटने अऊर नास करियो गयो।\*

10 अऊर नी तुम कुड हुन, जसो रिती से उन न मन से कई कुड कुडाए अऊर खत्म करन वालो ख अर दूत न उनख खत्म कियो गयो।

11 यी सब उदारन जसो रूप म उन पर गुजरो अऊर हम ख चेतावनी देन का लाने लिखो गयो हैं, जे दुनिया का अन्त म विधमान हैं।

12 एकोलाने जो समझ हैं, “मी पक्को हूँ,” उ हुसयार रैय कि कही गिर नी पड़े।

13 तुम कई असी परीक्छा म नी पड़ो, जो अदमी ख सहन से बाहर हैं। परमेस्वर विस्वास लायक हैं अऊर उ तुम ख सक्ति से बाहर परीक्छा म नी पड़न दे, पर परीक्छा का संग निकास भी करे कि तुम, सहन सके।\*

\*\*\*\*\*

14 उ ईच ही कारन, अरे मोरो प्यारो, मूर्ति पूजा से बचो रैय।

15 म तुम लोग हुन ख समझदार जानु ख यू बोल रयो हूँ। तुम स्वयं मोरी बात हुन पर सलाह कर।

16 उ धन्यवाद को कटोरा, जे पर हम धन्यवाद करिये हैं, का मसी को खून को सहभागी नी हैं? का वा रोटी जेख हम तोड़ हैं, हम ख मसी की सरीर की सह भागी नी हैं?

17 एकोलाने कि एक ही रोटी हैं ते हम भी जो बेजा सारी हैं, एक ही सरीर हैं; काहेकि हम पूरा ओ म कि ही एक रोटी म सामिल भैय्या हैं।

18 जो जिन्दगी का भाव से इस्त्राएली आय, उन ख देख: का बलिदान हुन को खान वालो वेदी का संग म भाग नी हैं?

19 फिर मी का कहूँ हैं? का यू कि मुरती पर चढ़ायो गयो बलि दान कुछ हैं, अर मुरती कुछ हैं?

20 नी, पर यू कि गैर यहूदी जे बलिदान करियो हैं; वी परमेस्वर को लाने नी पर दुस्तात्मा हुन को लाने बलिदान करिये हैं अऊर म नी चाहूँ कि तुम दुस्तात्मा हुन का संग हो।\*

21 तुम प्रभु को कटारा अऊर दुस्तात्मा हुन का कटारा दूई म से नी पी सक हैं। तुम प्रभु कि मेज अऊर दुस्तात्मा हुन कि मेज दोई म सामिल नी हो सका।

22 का हम प्रभु; ख घुस्सा दिलाएँ हैं? का हम ओ ख से ताकत वार हैं?\*

\*\*\*\*\*



14 का स्वाभाविक रीति से भी तुम नी जान हैं, कि अदि अदमी लम्बे बाल रख, ते ओखा लाने अपमान हैं।

15 अऊर अदि बाई लम्बे बाल रखे ते ओखा लाने सोभा हैं, काहेकि बाल ओ ख ओढनी का लाने दियो गयो हैं।

16 अदि अऊर कोई लड़ाई करनो चाहे, ते यी जान ले कि नी हमारी अऊर परमेस्वर कि कलीसिया हुन कि असी रिवाज हैं।

202020 2020 20 2020 2

(202020 26:26-29; 202020 14:22-25; 202020 22:14-20)

17 पर यी आदेस देते होय मी तुम ख नी सराह उ हैं, एकोलाने कि तुमारो इकट्टा होना से अच्छाई नी हैं, अऊर तुम ख बुराई होय हैं।

18 काहेकि पहले ते यह हैं कि मोरो सुनन म आयो हैं, कि जब तुम ख कलीसिया म जमा होय हैं, ते तुम म फूट होय हैं, अऊर म यी पर थोडा विस्वास भी कर हैं।

19 काहेकि दलबन्दी भी तुम म जरू होए, एकोलाने कि जो अदमी तुम म विस्वास लायक हैं वी देख ना म आ जाहे।

20 अब तुम जो एक जगह म जमा होय हैं ते यी प्रभु-भोज खान का लाने नी,

21 काहेकि खान का बखत एक दूसरा से पहले अपनो रोटी खा ले हैं, यी तरीका से कुई ते ख भूखो रह हैं अऊर कुई नसा वालो होय जाहे हैं।

22 का खान पीवन का लाने तुमारो घर नी हैं? ते परमेस्वर कि कलीसिया ख बेकार जान हैं, अऊर जेका पास नी हैं उन ख लज्जित करिये हैं? म तुम से का कहूँ हैं वा? का यी बात हुन म तुमारो खुसी करूँ? इ बात को लाने मी नी मेरी प्रसंसा करूँ हैं।

23 काहेकि यी बात हुन मोखा प्रभु यीसु न जी रात उ पकड़वायो गयो, रोटी ली,

24 अऊर धन्यवाद कर ख ओ ख तोड़ी अऊर क्य्हो, “यी मोरो सरीर आय, जो तुमारो लाने हैं: मोरो याद का लाने यी कियो कर।”

25 यू रीति से जो ओ न बियारी का पीछु कटोरा भी लियो अऊर क्य्हो, “यी कटोरा बर्तन मोरो खून म नई वादा हैं: जब कभी पीवा हैं, ते मोरो याद का लाने यी कियो कर।”✠

26 काहेकि जब तुम ख यी रोटी खाव अऊर यी कटोरा म से पीवा हैं, ते प्रभु कि मरन ख जब तक उ नी आगो प्रचार करते रहे।

27 एकोलाने जो कोई भूल चूक रिवाज से प्रभु कि रोटी ख खाव, ते ओकी कटोरा म से पीए, उ प्रभु कि सरीर की जीवन अऊर खून का अपराधी रहे।

28 एकोलाने अदमी अपनी तुम ख परखे ले अऊर यी तरीका से यी भोज म से खाए, अऊर यी कटारो म से पीए।

29 काहेकि जो खाव-पीते बखत प्रभु को सरीर ख नी पहिचाने, उ यी खाने अऊर पी से अपनो ऊपर सजा लाहे हैं।

30 यू तीरका तुम म बेजा सारा सो दुखी अऊर बीमार हैं, अऊर बेजा सारा मर भी गया।

31 अदि हम ख अपनो तुम ख परखे ते सजा नी मिले।

32 अऊर प्रभु हम ख सजा दे ख हमारी परख हैं, एकोलाने कि हम ख दुनिया को संग दोसी नी रह।

33 एकोलाने, अरे मोरो भई बहिन हुन, जब तुम ख खान का लाने इकट्टा होय हैं ते एक दूसरा का लाने रूको रह।

34 अदि कोई भूखो हैं ते अपनो घर म खा ले, जे से तुमारो इकट्टा होन का सजा को कारन नी हैं। अर बात हुन ख म आँख चोक्खो करूँ हैं।

## 12

~~~~~

- 1 अर भई बहिन हुन, म नी चाहूँ हैं कि तुम आत्मिक वरदान हुन का बारा म अनजान रैय।
 - 2 तुम ख मालूम हैं कि जब तुम दुसरी जात हुन हता, ते गूंगी मुरती हुन का पीछु जसो चल्ये जाए हता वसो चलते हते।*
 - 3 एकोलाने म तुम ख चेतावनी देवा हैं कि जो कोई परमेस्वर कि आत्मा की अगुवाई से बोलू हैं, उ नी कह हैं कि यीसु मजबूत हैं; अऊर नी कोई सुध्द आत्मा का बिना कह सक हैं कि यीसु प्रभु हैं।
 - 4 वरदान ते ढेर सारा ते हैं, पर आत्मा ते एक ही हैं;
 - 5 अऊर सेवा भी कई तरीका हैं, पर प्रभु एक ही हैं;
 - 6 अऊर सक्तिसाली काम भी कई तरीका का हैं, पर परमेस्वर एक ही हैं, जो सब म हर तरीका का प्रभाव भयो करिये हैं।
 - 7 लेकिन सब का फायदा पहुँचान का लाने हर एक ख आत्मा ख उजाला दियो जाए हैं।
 - 8 काहेकि एक आत्मा का दुवारा समझ कि बात हुन दी जाए हैं, अऊर दुसरा ख ओकी आत्मा का जसो समझदार कि बात करिये हैं।
 - 9 कोई ख उही आत्मा से भरोसा, अऊर कोई ख ओ ही एक आत्मा से चोक्खो करन को वरदान दियो जाहे हैं।
 - 10 फिर कोई ओकी ख सक्ति को काम करन की ताकत, अऊर कोई ख भविष्यव्दाणी की, अऊर कुई ख आत्मा हुन की जाँच कोई ख हर एक तरीका को भासा, अऊर कोई ख भासा हुन को मतलब बतानू देवा हैं।
 - 11 अदि यी सारी प्रभासाली काम हुन उ एक ही आत्मा करिये हैं, अऊर जे ख जो चाहे हैं उ बाट दे हैं।
- ~~~~~
- 12 काहेकि जे प्रकार सरीर ते एक आय अऊर ओखा अंग हुन ढेर सारा हैं, अऊर ओखा एक अंग हुन का ढेर सारा होनू हैं पर भी सब मिल ख एक ही सरीर आय, उही तरीका से मसी भी आय।
 - 13 काहेकि हम सब न का यहूदी होख का यूनानी, का दास होन पर का आजादी, एक आय आत्मा को दुवारा एक सरीर होख का लाने का बपतिस्मा लियो, अऊर हम सब ख एक ही आत्मा पिलायो गयो।
 - 14 एकोलाने कि सरीर म एक ही जिन्दगी नी हैं पर ढेर सारा अंग हुन हैं।
 - 15 अदि पाव क्यहे, “मी हात नी आय, एकोलाने जा सरीर को नी आय,” ते का उ यी लाने सरीर को नी आय?
 - 16 अऊर अदि कान क्यहे, “मी आँख को नी आय ते का उ यी कारन सरीर को नी आय?”
 - 17 अदि सारा सरीर आँख ही होय हैं, ते उ कसो सुन सक हैं? अदि सारा सरीर कान ही होय हैं, ते उ कसो सूँघ सक हैं?
 - 18 पर सही म परमेस्वर न अपनी मर्जी का जसो हर एक सरीर म जगह दियो हैं।
 - 19 अदि सब का सब एक ही सरीर होए, ते सरीर कसो होय हैं?
 - 20 पर सच म ढेर सारा अंग होना, पर भी सरीर एक ही हैं?
 - 21 आँखी हात से नी कहे सक हैं, “मोखा तोरी जरूरत नी हैं,” अऊर नी, माथा पाव हुन से कहे सक हैं, “मोखा तुमारी जरूरत नी हैं।”
 - 22 अऊर सरीर ख वी अंग हुन जे दूसरा से कमजोर लग हैं, बेजा ही जरूरत हैं:
 - 23 अऊर सरीर ख अनुसार सरीर हुन ख हम भीतर का लायक नी समझ हैं उन ही ख हम अधिकार भीतर दे हैं, अऊर हमारी सोभा हीन सरीर अऊर भी बेजा सारी सोभा यमान होय हैं।

24 फिर भी हमारो सोभा यमान अंग हुन ख ओकी जरूरत नी हैं। पर परमेस्वर न उन ख जादा आदर देते हुए सरीर ख एक जुट करियो।

25 यू एकोलाने हुयो कि सरीर म फूट पैदा नी होय, पर अंग हुन एक दूसरा कि चिन्ता करे।

26 एकोलाने अगर एक सरीर नाराज मिल हैं, ते सारो अंग ओखा संग नाराज मिल हैं; अऊर अदि एक अंग कि बड़ाई होय हैं, ते ओखा संग सब अंग खुसी माना हैं।

27 यी तरीका से तुम सब मिल ख मसी कि सरीर आय, अऊर अलग अलग ओखा सरीर होय;

28 अदि परमेस्वर न कलीसिया हुन म अलग अलग अदमी नियुक्त करियो हैं: पहले प्रेरित, दूसरो भविष्यवक्ता, तीसरो सिखान वालो, फिर सक्ति को काम करन वालो, फिर चोक्खो करन वाला, अऊर उपकार करन वाला, अऊर प्रबधन करन वाला, अऊर अलग अलग भासा बोलन वाला;

29 का सब प्रेरित हैं? का सब भविष्यवक्ता हैं? का सब उपदेसक हैं? का सब सक्ति को काम करन वालो हैं?

30 का सब ख चोक्खो करन को वरदान मिलो हैं? का सब अलग अलग तरीका की भासा बोलन वाला हैं?

31 का सब अनुवाद करा हैं? तुम बड़ो से बड़ो वरदान हुन कि धुन म रह।

अऊर म तुम ख अऊर भी सबसे चोक्खो रस्ता बताऊं हैं।

13

??????

1 अदि मी अदमी हुन अऊर स्वर्गदूत हुन की जसो बोलू अऊर प्रेम नी रखूँ, ते मी ठनठनातो पीतल, अऊर झंझनाती हुई झाँझ हैं।

2 अदि अगर म भविष्यव्दाणी करूँ सकूँ, अऊर सारी बात हुन अऊर सारी तरह को समझ ख समझूँ, अऊर मोखा यहाँ तक पूरो भरोसा है कि म टेकड़ा हुन ख अलग दे, पर अदि प्रेम नी रखूँ, ते म कुछ भी नी हैं।

3 अदि म अपन पूरी सम्पत्ति दान कर दूँ। अऊर प्रसिध्द पान का लाने अपनो सरीर दे दे; कि यदि मो म प्रेम को अभाव है, ते ए से मोखा कुछ भी लाभ नी हैं।

4 प्रेम सान्त रह है; अऊर दयालु रह है; प्रेम डाह नी करिये हैं; प्रेम अपनी बड़ाई नी करिये हैं अर घमण्ड नी करिये हैं,

5 उ अनरीति नी चल्ये हैं, उ अपनी भलो नी च्ये, हैं झुझलाता नी हैं, बुरो नी माना हैं।

6 अधर्म को काम हुन *से खुसी नी होए हैं, पर सच्चो से खुसी होए हैं।

7 उ सारो बात हुन ढाँक लेवा हैं, सब बात हुन को भरोसा करा हैं, सब बात हुन को आसा रखा हैं, सब बात हुन म धीरज धरा हैं।

8 प्रेम कभी खत्म नी हैं; भविष्यव्दाणी हुन होए, ते खत्म हो जाहे।

9 काहेकि हमारो ग्यान अधूरो हैं, अर हमारो भविष्य वानी अधूरो हैं।

10 पर अब सर्वसिध्द आएँगे, ते अधूरो मिट जाएँगे।

11 जब म पोरिया हतो, ते मी पोरिया हुन को जसो बोलत हतो, पोरिया का जसो मन हतो, पोरिया हुन कि जसी ग्यान वान हतो; पर जब कय्हो रयो ते पोरिया हुन कि बात छोड़ दियो।

12 अभी हम न आईना म धँधुलो सो दिखाई दे हैं, अदि ओ ख बखत आमने सामने देखे हैं: यू बखत ग्यान अधूरो हैं, पर ओ ख बखत असो पूरो रिती रिवाज से चीन ले, जसो मी चीन लूँ हैं।

13 पर अब भरोसा† से, आसा प्रेम यी तीन हन मजबूत हैं, पर इन म से सब से बड़ो प्रेम हैं।

* 13:6 कुकरम † 13:13 विस्वास

14

XXXXXXXXXX XXX XXX-XXX XXXXX XXXX XXX

1 प्रेम ख अनुकरण कर, अऊर आत्मिक वरदान हुन की धुन म रह हैं, पर खास रूप से भविष्यवानी को वरदान कि अभिलासा करिये हैं।

2 काहेकि जो दूसरी भासा म बात करिये हैं; वी अदमी से नी पर परमेस्वर बात हुन कुई नी समझ हैं, काहेकि उ रहस्य बात आत्मा म हो ख क्यहो हैं।

3 अऊर जो भविष्य बताया करिये हैं, उ अदमी हुन को सुधार अऊर उपदेस अऊर सान्ति की बात कह हैं।

4 जो दूसरी भासा म बोल हैं, उ अपनी ही बढ़ोतरी करिये हैं; पर जो भविष्य बताया करिये हैं, उ कलीसिया हुन की बढ़ोतरी करिये हैं।

5 मी ते चाहूँ हैं कि तुम सब दूसरी भासा हुन म बात करो पर असो बेजा यी चाह हैं कि भविष्यवदानी कर: काहेकि अदि दूसरी भासा हुन म बोलन वालो कलीसिया की सुधार करन लाने अनुवाद नी करे ते भविष्यवदानी करन वालो ओसे बढ ख हैं।

6 एकोलाने अरे भई बहिन हुन, अदि मी तुमारो नजीक आँख दूसरी भासा हुन म बात करूँ, अऊर उजालो अर समझ अर भविष्यवदानी अर उपदेस कि बात हुन तुम से नी कहे, ते मोखा से तुमारो क फयदा होय।

7 यी तरीका से अदि ओमा जान हो ते चीज हुन भी जे से आवाज निकल हैं, जसो बाँसुरी अर फिर बोन, अदि उनको आवाज म राज नी होय ते जो फूँको या फिर बजायो जाहे हैं, उ कसो पहिचानो जाहे?

8 अदि अऊर तुरही कि आवाज चोक्खी नी हैं, ते कोन लड़ाई का लाने तैयारी करे?

9 असो ही तुम भी अदि जीभ से भली-भली बात हुन नी कहे, ते जे कुछ क्यहो जाय हैं उ कसो समझो जाहे? तुम ते हवा से बात करन वालो ठहरे।

10 दुनिया म नी जाने कितना तरीका का सब्द हैं अर उन म एक भी बिना अर्थ नी हैं।

11 एकोलाने अदि म कुई भासा को अर्थ नी समझू, ते क्यहो वालो की देखन म दुसरो देस रह हैं अऊर कहन वालो मोरो देखना म दुसरो देस रय्हे।

12 एकोलाने तुम भी जब आत्मिक वरदान हुन की धुन म हैं, ते असो उपाय करे कि तुमारो वरदान हुन की सुधार से कलीसिया कि सुधार होय।

13 यी कारन जे दूसरी भासा कह, वालो उ प्रार्थना करिये कि ओको अनुवाद भी कर सक।

14 एकोलाने अदि मी दूसरी भासा म प्रर्थना करूँ हैं; ते मोरी आत्मा प्रार्थना करिये हैं पर मोरी दिमाक काम नी दे हैं।

15 ते का करनु चाय्हे? मी आत्मा से भी प्रार्थना करूँ हैं, अऊर समझ से भी प्रार्थना करूँ हैं: मी आत्मा से गाऊँ, अऊर समझ से भी गाऊँ हैं।

16 नी ते अदि तू आत्मा ही से धन्यवाद करूँ, हैं ते फिर नी अग्यानता तोरो धन्यवाद पर आमीन कसो कह हे। काहेकि उ ते नी मालूम कि तू का कह हैं?

17 तू ते चोक्खो तरह धन्यवाद कर हैं, पर दूसरो की आत्मिक बढ़ोतरी नी होय हैं।

18 परमेस्वर को धन्यवाद मोखा तुम सब से जादा दूसरी भासा हुन म बोलन को वरदान मिलो हैं।

19 पर कलीसिया म दूसरी भासा म दस हजार बात कह से यी मोखा अर भी चोक्खो मालूम पड हैं, कि दूसरो ख सिखान का लाने समझ से पाँच ही बात कहूँ।

20 अरे भई बहिन हुन सोच विचार म पोरिया नी बन। हाँ, बुराई का रिस्ता म पोरिया बनो रैय; पर सोच विचार समझ दार म सयानो बन।

21 अऊर नेम म लिखो हैं कि प्रभु कह हैं,

“मी अपरिचित भासा हुन बोलन वाला ख व्दारा,

अऊर परायो मुँह को दुवारा यू अदमी हुन से बात करूँ ते वी मोरी नी सुने।”

22 एकोलाने दूसरी भासा म अविस्वास हुन का लाने नी हैं, पर विस्वास नी कर हुन का लाने चिन्ह हैं; अर नी हैं, पर अविस्वास कर वालो हुन का लाने चिखान* हैं।

23 ते अब कलीसिया एक जगह जमा होय हैं, अऊर सब का सब दूसरी भासा हुन बोल हैं; अऊर बाहर वालो ते नी कर वालो हुन या अविस्वासी अदमी भीतर आ जाहे ते का वी तुम ख पागल नी कहे?

24 अऊर अदि सब भविष्यव्दानी करन लग लगिया, अर कोई विस्वास नी कर वाला हुन अऊर बाहर वालो अदमी भीतर आ जाहे, ते सब ओ ख पाप करे दे अर परख ले हे;

25 अऊर ओकी मन की बात हुन प्रगट हो जाहे, अऊर झुका पाय पढे करे, अऊर मान ले कि सच म परमेस्वर तुमारो बीच म हैं।

26 एकोलाने अर भई हुन, क करनु चाहिए अऊर बाई हुन क करनु चाहिए, जब तुम संगित अऊर

इकट्ठा होय? ते कोई भजन सुनना हैं ते कोई सिखा वा हैं, ते कोई अपनो पर प्रगट करियो हुयो सच बोल हैं, ते कोई दूसरी भासा म बोल हैं अऊर कोई ओकी अर्थ बताया हैं। अऊर यू सब आत्मिक सुधार को लाने होनी चाहिए।

27 अदि दूसरी भासा म कह हैं ते दो अऊर बेजा सारा हुन होय ते तीन अदमी एक-एक से बोले हैं, अऊर एक अदमी अनुवाद करिये हैं।

28 अऊर अदि अनुवाद करन वालो नी होय, ते दूसरी भासा बोलन वालो कलीसिया म चुप रह, अऊर अपनो मन से अऊर परमेस्वर से बोल हैं।

29 भविष्य बतान वाला हुन म से दो अऊर तीन बोले ख, अऊर बाकी अदमी हुन ओखा वचन ख परखे।

30 अदि अर बेठो हुयो अदमी हुन से कोई पर भी सच प्रगट करियो जाय हैं ते पहलो वक्ता चुप चाप रहे।

31 काहेकि तुम सब एक एक कर ख भविष्यव्दानी कर सक हैं, काहेकि सब सीखे अर सब सान्ति पाहे।

32 अऊर भविष्यव्दक्ता हुन कि आत्मा भविष्यव्दक्त हुन ख बस म हैं।

33 काहेकि परमेस्वर गड़बड़ी को नी जान हैं।

पर सान्ति को परमेस्वर हैं। जसो सुध्द अदमी को सब कलीसिया हुन म हैं।

34 बाई हुन कि कलीसिया म बैठक म चुप रखे, काहेकि उन ख बात करन की आदेस नी हैं, पर बस रह को कहना हैं, जसो नेम म लिखो भी हैं।

35 यदि वी कुछ सिखनो चाहे, ते घर हुन म अपनो अपनो अदमी हुन से पूछे, काहेकि पोरी का कलीसिया म बात हुन करना म लज्जा कि बात हैं।

36 का परमेस्वर ख वचन तुम म से निकलो हैं? अर केवल तुम ही अदमी हुन तक भेजन् हैं?

37 अदि कोई अदमी अपनो तुम ख भविष्यव्दक्ता अऊर आत्मिक जन समझ हैं, ते उ यू समझ ले कि जो बात हुन म तुम ख लिखो हूँ, हैं वी प्रभु की आदेस हैं।

38 अऊर अदि कोई यू माने, ते ओको नी मानन्।

39 अब मोरा भई बहिन हुन, भविष्य वाणी करन की धुन म रह अर दूसरी भासा कहन से मान नी कर;

40 यदि सब बात हुन सालीनता अऊर व्यवस्थित रूप से की जाहे।

* 14:22 चिह्न

15

~~~~~

1 अर मोरो भई बहिनी हुन, अब मी तुम ख लोग हुन ख उ सुसमाचार बताऊँ हैं, जे ख प्रचार मी ना तुमारो बीच करियो हतो, जेख तुम हुन माननो भी हतो अऊर जे म तुम मजबूत बना हता।

2 ओको ही दुवारा तुमारो उध्दार भी होय हैं, यदि उ सुसमाचार ख जे म तुम ख सुन्यो याद भी रख हैं, अऊर नी ते तुमारो विस्वास करनो बेकार हैं।

3 मी ना तुम लोग हुन ख सबसे पहलो उ विस्वास दियो हतो जे मोखा मिल्यो हुयो हतो, अर्थात सुध्द सास्र को जसो मसी हमारो पाप हुन का लाने मेरे,

4 अऊर गाडो\* गयो, अऊर सुध्द सास्र का जसो तीसरा दिन जिन्दो भी हुयो, ✧

5 यीसु कैफा ख अऊर बाद म बारा हुन म दिखाई दियो।

6 फिर उ पाँच सव से जादा भई ख एक संग दिखाई दियो, जीन म से बेजा सबसे जादा पूरा अब तक जीवित हैं पर कुछ मर भी गयो।

7 फिर उ याकूब ख दिखाई दियो तब सब झन प्रेरित हुन ख दिखाई दियो।

8 सब का बाद मोखा भी दिखाई दियो, जो मान लेनू अधूरा दिन को भेयो हैं।

9 काहेकि मी प्रेरित हुन म सब से छोटो हैं, प्रेरित कहन का लायक भी नी हूँ, काहेकि मी न परमेस्वर कि कलीसिया ख परेसान करियो हतो।

10 पर मी जो कुच भी कहूँ हैं, परमेस्वर को किरपा से हैं। ओको आसीवाँद जो मोखा पर भयो हैं, उ बेकार नी हुयो हैं; पर मी न उन सबसे बढ ख मेहनत भी करियो: तेभी यू मोरी तरफ से नी हुयो पर परमेस्वर का आसीवाँद से जो मो पर हतो।

11 एकोलाने चाहे मी हैं, चाहे वी होय हम यू प्रचार करू हैं, अऊर यी पर तुम न विस्वास भी करियो हैं।

~~~~~

12 एकोलाने जब कि मसी ख यी प्रचार कियो जाहे हैं कि उ मरो म से जिन्दो भयो, ते तुम म से कई असा कह हैं कि मरो को दूसरो बार जिन्दो होनू हैं ही नी?

13 अदि मरिया वाला हुन ख दूसरी बार जिन्दो होनू हैं नी, ते मसी भी जिन्दो† हुयो;

14 अदि अऊर मसी नी हैं जिन्दो होनू, ते हमारो प्रचार करनो भी बेकार हैं; अऊर तुमारो भरोसा भी बेकार हैं।

15 यानी कि हम परमेस्वर ख झूठो गवाह रह हैं; एकोलाने हम न परमेस्वर ख बारा म यू गवाही दी हैं कि ओ न मसी ख जिन्दो कियो, असो नी जिन्दो करियो अऊर अदि मरा हुयो हैं, ते मसी भी नी जिन्दो भयो हैं;

16 अऊर अदि मरिया हुन नी जिन्दो हुयो, ते मसी भी नी जिन्दो भयो;

17 अदि अगर मसी नी जिन्दो हुयो ते तुम लोग हुन विस्वास बेकार हैं, अऊर तुम अब तक अपनो पापी हुन म फँसा हुयो हैं।

18 इत्तो ही नी, जे लोग मसी म विस्वास करिये हैं हुयो मरियो हैं, उनको भी नास हुयो हैं।

19 अदि हम मसी पर हमारी आसा यू ही जिन्दगी तक ही आखरी हैं, ते हम सब अदमी हुन म सब से जादा अभागो हैं।

20 पर सही म मसी मरा हुन म से जिन्दो भयो हैं, अऊर जे मर गयो हैं ओ म उ पहलो फल भयो हैं।

21 काहेकि जब अदमी ख दुवारा मरन आयो हैं, ते अदमी ही ख दुवारा मरन हुयो ख दूसरी बार जिन्दो होनू भी आयो।

* 15:4 गाड्रा ✧ 15:4 होसे 6:2 † 15:13 जी

22 अऊर जसो आदम म सब मर हैं, असो ही मसी म सब जिन्दो कियो जाहे,

23 पर हर एक अपनी बाड़ी म से: पहलो फसल मसी का पास ला, फिर मसी को आवान पर ओको लोग।

24 एका बाद अन्त भयो। उ बखत उ सारी अधिकार, अर सारो हक, अर सक्ति को अन्त कर ख राज को परमेस्वर बाप का हात म दियो गयो।*

25 काहेकि जब तक उ अपनो दुसमन हुन क अपनो पाय हुन का नीच नी ले आऊ तब तक ओ ख राज करनु जरूरी हैं।*

26 सब से खास दुसमन जे नास कियो जाएगो, उ मर हैं।

27 काहेकि “परमेस्वर न सब कुछ ओको पाय हुन नीच कर दियो हैं,” पर जब उ कह हैं कि सब कुछ ओखा कर दियो गयो हैं ते प्रत्यक्स हैं कि जे न सब कुछ ओको हक म कर दियो, उ तुम ही अलग रह्यो।*

28 अर जब सब कुछ ओखा बस होए जाएगो, ते पोरिया तुम ही ओखा बस होए जाएगो, जे न सब कुछ ओखा बस म कर दियो, काहे कि सब म परमेस्वर ही सब कुछ हैं।

29 नी ते जे अदमी मर भयो का लाने बपतिस्मा ले हैं वी का करेगों? अगर मुर्दे हुन जिन्दो भयो हैं नी ते फिर काहे उन ख लाने बपतिस्मा ले हैं?

30 अर हम भी काहे हर बखत संकट म पड़ रह्ये हैं?

31 अरे मोरो भई बहिन हुन, मोखा ओ पर घमण्ड की कसम जो हमारो प्रभु मसी यीसु म मी तुमारो बारा म कर उ हैं कि मी हर दिन मर हैं।

32 अगर म अदमी की रीति रिवाज पर इफिसुस म जंगल का जानवर हुन से लडाई ते मोखा का फायदा भयो? अगर मुर्दे हुन जिन्दो नी होए, “ते आगो, खाएँ-पीए काहेकि कल ते मरनू ही जाएगो।”*

33 भोखा नी देनु, “बुरो संगति अच्छो व्यवहार ख बेकार कर दे हैं।”

34 नेक पान ख लाने जाग उठ अर पाप नी करे काहेकि कुछ असा हैं जे परमेस्वर ख नी जान मी तुम ख लज्जित करन ख लाने यी कहू हैं।

~~~~~ (2222) (2222)

35 अब कुई यी कहगो, “मर्दे हुन कुई तरीका से जिन्दो भयो हैं, कोई अर सरीर ख संग आए हैं?”

36 अरे मोरो मुख! जे कुछ तू बोय हैं, जब तक उ नी मरे जिलाव नी जाहे।

37 अर जे तू बोय हैं, यी उ सरीर नी जो पैदा होन वालो हैं, पर निरो दाना हैं, चाहे गहू ख चाहे कुई अर फसल ख।

38 पर परमेस्वर अपनी इच्छा ख अनुसार ओको सरीर अंग दे हैं, अर हर एक बीज ख ओकी खास सरीर।\*

39 सब जिन्दगी एक समान नी हैं: अदमी हुन ख सरीर अर हैं, जानवर हुन को सरीर अर हैं, पक्छी हुन को सरीर अर हैं: मच्छी हुन ख सरीर अर हैं।

40 स्वर्गिय सरीर हैं अर पार्थिव सरीर भी हैं। पर स्वर्गीय सरीर हुन ख तेज अर हैं, अर पार्थिव ख अर।

41 धूप का तेज अर हैं, चाँद को अर हैं, अर तारा हुन को तेज अर हैं, काहेकि एक तारा से दूसरा तारा को तेज म अन्तर हैं।

42 मुर्दा हुन को जिन्दो होनू भी असो ही हैं। सरीर नास वान दसा म बोय जाहे हैं अर अविनासी

43 उ लज्जित का संग बोय जाहे हैं, अर तेज का संग जिन्दो भयो हैं; दुखी का संग बोय जाए हैं, अर सामर्थ्य का संग जीवित भयो हैं।

44 स्वाभाविक सरीर बोई जाऐ हैं, अर आत्मिक सरीर जिन्दो भयो हैं: जबकि स्वाभाविक सरीर हैं, ते आत्मिक सरीर भी हैं।

45 असो ही लिखो भी हैं, कि “पहलो अदमी, यानी आदम जीवित प्राणी बनो” अर अनन्त<sup>‡</sup> म आदम, जीवन दायक आत्मा बनो।

46 पर पहलो आत्मिक नी हतो स्वाभाविक हता, एकोवाद आत्मिक भयो।

47 पहलो अदमी जमीन से यानी माट्टी को हतो; दूसरो अदमी स्वर्गीय आय।<sup>✧</sup>

48 जसो उ माट्टी को हतो, असो ही वी भी आय जो माट्टी को आय; अर जसो उ स्वर्गीय आय, असो ही वी भी हैं जो स्वर्गीय आय।

49 अर जसो हम न ओको रूप लियो जो माट्टी को हतो असो ही उ स्वर्गीय को रूप भी ले हैं।<sup>✧</sup>

50 अरे मोरो भई हुन, मी यी कहूँ हैं कि मांस अर खून परमेस्वर को राज अधिकारी नी होए सक, अर नी नासवान अविनासी को अधिकारी भेय सक हैं।

51 देख, मी तुम से गुप्त की बात कहूँ हैं: हम सब नी मरे, पर सब बदल जाहे,

52 अर यी कछुण भर म, पलक लगते ही आखरी तुरही फूँकते ही होए। काहेकि तुरही फूँकी जाहे अर मुर्दा हुन अविनासी मजबूरी म जिन्दो कियो जाहे, अर हम बदल जा हे।

53 काहेकि पक्को हैं कि यी नास वान सरीर अविनास ख पहिन ले, अर यी मरनहार जिन्दगी अमरता ख पहिन ले।

54 अर तब यी नासवान अविनास ख पहिन ले, अर यी मरनहार अमरता ख पहिन ले, तब उ वचन जो लिखो हैं पूरो होए जाहे: “जय ते मर ख निगल लियो हैं।”<sup>✧</sup>

55 अरे मर ख,  
तेरी जय कहाँ रखी? हे म?<sup>✧</sup>

56 मर ख डंक पाप हैं, अर पाप ख सक्ति नेम हैं।

57 पर परमेस्वर को धन्यवाद होए, जो हमारो प्रभु यीसु मसी ख व्दारा हम ख जयवन्त करिये हैं।

58 एकोलाने अरे मोरो प्यारो भई हुन, मजबूत अर बढ़ते जाहे, काहेकि यी जान हैं कि तुमारो महेनत प्रभु म बेकार नी हैं।<sup>✧</sup>

## 16

~~~~~

1 अब ओ ख दान का बारा म जे सुध्द अदमी हुन का लाने करो जाहे हैं, जसो कहनो मी न गलातिया कि कलीसिया हुन ख दियो हैं, असो ही तुम भी कर।

2 हफ्ता को पहलो दिन तुम म से हर एक अपनो सम्पति का अनुसार कुछ अपनो नजदीक रख छोड़ो रख कि मोरो आन पर चन्दा नी करनु पड़े।

3 अर जब मी आऊ, ते जे ख तुम परख करे उन ख मी चिट्ठी हुन देख ख भेज दे हैं कि तुमारो दान यरूसलेम पहुँचा दे।

4 अगर मोरो भी जानो अच्छो भयो, ते वी मोरो संग जाहे।

~~~~~

5 मी मकिदुनिया हो ख तुमारो नजदीक आयो हैं, काहेकि मोखा मकिदुनिया हो ख जानो<sup>\*</sup> ही हैं।

6 परंतु सम्भव हैं कि तुमारो यहाँ, पर ही रुक जाऊ अर सर्दी कि बखत तुमारो यहाँ रह हूँ: तब जे ख तरफ मोरो जानो हैं उ तरफ तुम मोखा पहुँचा दे जो।

7 काहेकि मी अब रस्ता म तुम से मिलनु नी चाहूँ हैं; पर मोखा आसा हैं कि अगर प्रभु चाहे ते कुछ बखततक तुमारो संग रहूँ।

8 अऊर मी पिन्तेकुस्त तक इफिसुस नगर म रहे,

9 काहेकि मोरो लाने वहाँ एक बड़ो अर काम म आवान वालो दरवाजा खुलो हैं, अर दुसमन ढेर सारो हैं।

10 अऊर तीमुथियुस आय जाहे, ते देख जे कि उ तुमारो यहाँ बे धडक रहगो, काहेकि उ मोरो जसो प्रभु ख काम करू हैं।

11 एकोलाने कोई ओ ख बेकार नी जाने, अर ओ ख सान्ति से यी तरफ पहुँचा दे जे कि मोरो पास आ जाहे; काहेकि मी ओकी रस्ता देख रखो हैं कि उ भई हुन का संग आएँगो।

12 भई अपुल्लोस से मी न ढेर सारी विनती करी हती तुमारो<sup>†</sup> पास भई हुन ख संग जाएगो; अर ओ न यी बखत जानो कि कुछ भी इच्छा नी करी, अर अब मऊका मिले तब आ जाहे।

*~~~~~*

13 तुम लोग जागते रह, विस्वास म बनो रह, उ जगह ख पा हे, ताकत वार हो जा।<sup>☆</sup>

14 जे कुछ कर हैं, प्रेम से कर।

15 अरे मोरो भई बहिन हुन, तुम स्तिफनास को घराना ख जान हैं कि वी अखया को पहलो फल आय, अऊर सुध्द अदमी कि सेवा का लाने तैयार रह हैं।

16 एकोलाने मी तुम से प्रार्थना करू हैं कि असो ख बस म रख, यानी कि हर एक ख जे यी काम म मेहनती अर संग काम करन वालो हैं।

17 मी स्तिफनास अर फूरतूनातुस अऊर अखइकुस ख आना से खुसी हैं, काहेकि तुमारो कमी ख पूरी करी हैं।

18 उनना मोरी अर तुमारो आत्मा ख सान्ति दियो हैं, एकोलाने असो ख मान।

19 आसिया की कलीसिया हुन ख तरफ तुम ख हात जोड़ू हैं; अक्विला अर प्रिस्का ख अर उनको घर की कलीसिया ख भी तुम ख प्रभु म ढेर-सारो नमस्कार!

20 सब भई हुन तुम ख नमस्कार:

सुध्द चमा लेन से आपस म नमस्कार कर,

21 मी खुद पोलुस को अपनो हात लिखो भयो हैं नमस्कार,

22 अदि कोई प्रभु से प्रेम नी रखे ते उ नास होव। अर कोई प्रभु से प्रेम नी रखे ते उ सापित होए। अरे हमारो प्रभु, आ।

23 प्रभु यीसु ख किरपा तुम पर होते रहे।

24 यीसु मसी म मोरो प्रेम तुम सब ख संग रहे।

## 2 कुरिन्थियो के नाम पोलुस का दुसरा पत्र 2 कुरिन्थियो को नाम पोलुस की दुसरी चिट्ठी भूमिका

2 कुरिन्थुस ख प्रचारक पोलुस न लगभग 55-56 को आजू बाजू मसी को जनम को बाद लिखो रह। 1:1 याहा हमारो जोने दो चिट्ठी म से दुसरी आय जो ख पोलुस न कुरिन्थ की कलीसिया ख लिखो थो। विद्वानो ख माननो हैं की पोलुस न पहलो कुरिन्थुस को एक गंभीर चिट्ठी लिखी थी। हमारो जोने या चिट्ठी कोइ प्रति नी आय जेको वाहा 2:3-4 म बताया करह हैं।

2 कुरिन्थि हुन को लिखो जानो की सब से जादा संभवना मानो जावा हैं की जब पोलुस मकिदुनिया म थो। 2:13 2 कुरिन्थि हुन यू मायने म अद्वितीय आय कि याहा एक बेजा ही अदमी गत अऊर भावनात्मक चिट्ठी हैं। पोलुस कुरिन्थुस की कलीसिया को बारा म तीतुस से मिली अच्छी सूचना को बारा म अपनी खुसी व्यक्त करह हैं। या चिट्ठी म, हम नयो नेम ख खुसी से दान देन को बारा म अच्छी सिक्छा पावा हैं, उ खंड म जाहा पोलुस यरूसलेम म भरोसा करन वाला हुन की मदद करन को लाने धन दान को संग्रह को लाने हुकुम देवा हैं। 8—9 असो दिखाई पड़ हैं कि कलीसिया का बाहर से कुछ झुटा प्रचारक कलीसिया म कुछ लोग हुन की विरोध भाव को उपयोग कर ख पोलुस को खिलाफ खुद ख बढ़ावा देवन को लाने कर रहया था। वी पोलुस को सत्ता प संदेह कर रहे थे, जे सायद उ 2 कुरिन्थुस को अंत म यीसु मसी को एक प्रचारक को रूप म अपनो सत्ता की मजबूती से अनुबोधन करन को लाने प्रचारक करत थो।

### रूप रेखा

1. पोलुस न अपनी चिट्ठी की सुरूआत कलीसिया को अभिवादन से करी। 1:1-17
2. अगलो पोलुस सफर योजना हुन म अपनो बदलाव अऊर उन को बारा म मिली सन्देश अऊर अपनो पिछलो चिट्ठी को प्रति उन की प्रतिक्रिया को बारा म बात करह हैं। 1:8—7:16
3. ओको बाद पोलुस यरूसलेम म विस्वास करन वाला हुन को लाने धन दान इकट्ठो करन को संबंध म सन्देश देता हैं, 8:1—9:15
4. अंत म, पोलुस अपनी प्रेरिताई को लाने एक बचाव देवा हैं अऊर अपनी अगली मुलाकात को बारा म चेतावनी देवा हैं। 10:1—13:10

### परमेश्वर की प्रेरिताई

1 पोलुस कि तरफ से जे परमेश्वर कि मजी से मसी यीसु को प्रेरित आय, अऊर भई तीमुथियुस कि तरफ से परमेश्वर कि वा कलीसिया को नाम, जे कुरिन्थुस नगर म हैं, अऊर पूरा अखया नगर को पूरा उ सुध्द अदमी को नाम:

2 हमारो बाप परमेश्वर अऊर प्रभु यीसु मसी कि ओर से तुम पर किरपा अऊर सान्ति मिलती रहे।

### परमेश्वर की प्रेरिताई की प्रेरिताई

3 हमारो प्रभु यीसु मसी को परमेश्वर अऊर बाप को धन्यवाद हो, जे दया को बाप अऊर सब तरीका को सान्ति को परमेश्वर आय।

4 उ हमारो सब संकट हुन म सान्ति देवा हैं; जेसे परमेश्वर कि ओर से हम ख जो सान्ति मिली हैं, ओको ही दुवारा हम दुसरा हुन ख भी, उनको हर तरीका का मुसीबत म सान्ति देन का लाने, समर्थ हो जाय।

5 काहेकि जसा मसी को दुख हुन म हम जादा सामिल होय हैं, असो ही हम सान्ति म भी मसी को दुवारा जादा सामिल होय हैं।

6 अदि हम ख दुख मिल हैं, ते तुम अदमी हुन कि सान्ति अऊर मुक्ति का लाने हैं; अर अदि हम ख धीरज मिल आ हैं, ते एकोलाने कि हम ख तुम अदमी हुन ख धीरज दे सक, जे से तुम धीरज का संग उ दुख सहन म मजबूत हो, जे ख हम भी सह लेव हैं।

7 तुम अदमी हुन का वारा म हमारी आसा पक्को भरोसा हैं; एको लाने कि हम जान हैं कि जसो तरीका तुम हमारो दुख म मिल्या हैं, उही तरीका तुम हमारी सान्ति म भी संग रहो।

8 अरे भई बहिन हन, हम नी चाय्हे कि तुम हमारो उ संकट से अनाडी\* रह जो आसिया नगर म हम पर गिरो; हम ख असो भारी बोझा से दब गयो हतो की, जे ख हमारी सक्ति से बाहर हता, यहाँ तक कि हम ख जिन्दगी से भी हात धो ख बठा हता।

9 अऊर हम न अपनो मन म समझ लियो हतो कि हम ख मरन को हुकुम मिल चूको हैं, यू ऐका लाने हुयो कि हम ख अपनो पर नी, अऊर परमेस्वर पर विस्वास रखे, जे मराया वाला ख जीवित करा हैं।

10 परमेस्वर ही हम ख मरन ख असो बडो संकट से बचायो, अऊर उ असो ही कर रहे; ओ पर हमारी या आसा हैं कि उ भविष्य म भी हम ख बचाते रहे।

11 अऊर तुम अदमी हुन भी मिल ख प्रार्थना को दुवारा हमारी सहायता करे कि जो वरदान बेजा झन ख दुवारा हम ख मिलो हैं, ओको लाने बेजा अदमी हमारी ओर से धन्यवाद करा हैं।

\*\*\*\*\*

12 काहेकि हम अपनो विवेक की या गवाई पर घमंड करह हैं, कि संसार म अऊर जरूर कर ख तुम्हारो बीच, हमारो चरित्र परमेस्वर को योग्य असी सुध्दता अऊर सच्चाई सहित थो, जे सारीरिक ग्यान से नी पर परमेस्वर कि दया को संग थो।

13 हम तुम ख अऊर कुछ नी, लिखत केवल उ जे तुम पढ हैं अऊर माना भी हैं, मो ख आसा हैं कि अनन्त तक मानना रह।

14 जसो तुम म से किता न मान लियो हैं कि हम तुमारो घमण्ड का कारन हैं, वसो ही तुम भी प्रभु यीसु को दिन हमारो लाने घमण्ड को कारन ठहरोगे।

15 यूही भरोसा से मी चहातो थो की पहले तुमरो जोने आऊ कि तुम ख एक अऊर दान मिले;

16 अऊर तुमारो नजीक से हो ख मकिदुनिया ख जाऊ, अऊर फिर मकिदुनिया से तुमारो नजीक आऊ; अऊर तुम न मो ख यहूदिया की ओर कई दूर लक पहुँचानो।

17 एकोलाने मी न जे या इच्छा करी हती ते का मी न छिछोरा पन† दिखायो? या जो करनु चाहू हैं का सरीर को अनुसार करन चाहू हैं कि मी बात म हाव भी करू अर नी भी करू?

18 परमेस्वर विस्वास लायक है कि हमारो उ वचन म जे तुम से कय्हो, हाव अर नी नी दोई ख नी पा हे जान का।

19 काहेकि परमेस्वर को पोरिया यीसु मसी जे को हमारो दुवारा एको मतलब मोरो अर सिलवानुस अर तीमुथियुस को दुवारा तुमारो बीच म प्रचार भयो, ओ म हाव अर नी दोई नी हते, अर ओमा हाव ही हाव हुई।

20 काहेकि परमेस्वर की जितनी वादा हुन हैं, वी सब ओमा मी हाव को संग हैं। एकोलाने यीसु दुवारा असो ही भयो (आमीन) भी भई कि हमारो दुवारा परमेस्वर कि बड़ाई हो।

21 अर जे हम ख तुमारो संग मसी म पक्को करह हैं, अर जेन हमारो अभिसेक कियो उही परमेस्वर आय,

22 जे न हम पर मोहर लगायो हैं अर बयाने म आत्मा ख हमारो मन हुन म दियो।

23 मी परमेस्वर को गवाह मान ख कहू हैं अपनो जान कि कसम खाऊँ हैं कि मी अब तक कुरिन्थुस म एकोलाने नी आयो, कि तुम ख पर दुख को कारन नी बनू।

\* 1:8 अनजान † 1:17 चंचलता



24 तुमारो विस्वास पर मन माना अधिकार जतानो हमारो उदेश्य नी हैं हम तुम अदमी हुन ख सुख सान्ति का लाने तुमारा मदद लायक हैं अऊर तुम अदमी ते यू भी विस्वास म पक्को हैं।

## 2

1 मी न अपनो मन म यू निर्णय लियो हतो कि फिर तुमारो नजीक नाराज करन नी आऊ।

2 यदि मी तुम ख दुख करू हैं, ते मो ख खुसी देन वालो कोन होय, अकलो उही जे ख मी न दुख कियो?

3 अऊर मी न यू बात तुम ख एकोलाने लिखो हैं कि कही असो नी हो कि मोरो आवन पर, जो न मो ख खुसी मिलनो चाहिए मी न ओसे नाराज होऊ; काहेकि मो ख तुम पूरा झन पर यू बात को विस्वास हैं कि जो मोरो खुसी हैं उही तुम पूरा झन ख भी आय।

4 बडो दुः ख अऊर मन को मुसीबत\* से मी ना बेजा सा आसू बाहा ख तुम ख लिखो हतो, एकोलाने नी कि तुम नाराज हो पर एकोलाने कि तुम उ बडो प्रेम ख जान ले, जो मो ख तुम से हैं।

~~~~~

5 यदि कोई न नाराज कियो हैं, ते मो ख ही नी पर कि ओखा संग बेजा कडाई नी करू कुई-कुई तुम सब ख भी नाराज करियो हैं।[†]

6 असो अदमी का लाने यू सजा जे भई हुन म से ढेर हुन न दियो, ढेर हैं।

7 एकोलाने ऐ अच्छो यू हैं कि ओको मुजरिम ख माफ करनु अऊर सान्ति दे, नी हो कि असो अदमी बेजा नाराज म डूब जाहे।[†]

8 एको कारन मी तुम से विनती करू हैं कि ओ ख अपनो प्रेम ख प्रमाण दे।

9 काहेकि मी न एकोलाने भी लिखो हतो कि तुम ख अजमा लू पर तुम मोरी सब बात हुन ख मानन ख लाने तैयार हैं कि नी।

10 जे ख तुम कई माफ करा हैं ओ ख मी भी माफ करू हैं, काहेकि मी न भी जे कई ख माफ कियो हैं, अदि कियो, ते तुमारो कारन मसी कि जगह म हो ख माफ कियो हैं

11 एकोलाने हम सैतान ख फन्दा म नी पडनो चाहे हैं। हम ओकी चाल ख, अच्छी तरह जानह हैं।

~~~~~

12 जब मी मसी को चोक्खो सुसमाचार सुनावन को त्रोआस आयो, अऊर प्रभु न मोरो लाने एक दरवाजा खोल दियो,

13 ते भी मोरो मन सान्ति † नी मिलो हैं, एकोलाने कि मी न वा अपनो भई तीतुस ख नी पायो; एकोलाने मी ना वा को अदमी हुन से बिदाई लेख मकिदुनिया ख चलो गयो

14 अऊर परमेस्वर को धन्यवाद हो, जो हम ख लगातार मसी कि जीत सफर म लेख चला हैं अऊर हमारो दुवारा अपनो नाम को ग्यान कि सुगन्ध जगह फैलो हैं।

15 काहेकि अदमी चाहे छुटकारा कर रह हैं अर नास हो रयो हैं, हम उनका बीच परमेस्वर का लाने मसी कि सुन्दर सुगन्ध हैं।

16 कई का लाने ते मर का खातिर मरन कि बुरी बास आव हैं, अऊर कितना ख लाने जिन्दगी को खातिर जिन्दगी कि खुसबू अच्छो यू बात हुन को लायक कोन हैं?

17 काहेकि हम उ ढेर सारो ख समान नी जे परमेस्वर को वचन म उलट फेर करा हैं; पर मन कि सच्चाई से अऊर परमेस्वर की ओर से परमेस्वर को उपस्थित जान ख मसी म कह हैं।

## 3

~~~~~

* 2:4 कस्ट † 2:5 गलातियो 4:12 † 2:7 इफिसियो 4:32 † 2:13 चैन

1 का हम फिर अपनी बड़ाई करन लगे? का हम ख दूसरा अदमी हुन ख जसो सिफारिस कि चिट्ठी हुन तुमारो नजीक लाने का तुम से लेनो हैं?

2 अऊर तुम लोग ते हैं हमारो चिट्ठी, जे हमारो मन पर लिखो रख हैं अऊर जेख सब लोग देख हैं अऊर पढ़ सक हैं।

3 यू सच्चो हैं कि तुम मसी की चिट्ठी आय, जे ख हम न सेवक हुन को जसो लिखो हैं, अर जो स्याही से नी पर जीवित* परमेस्वर को आत्मा से, पत्थर कि पट्टी हुन पर नी, पर मन की मांस जसी पट्टी हुन पर लिखो हैं।*

4 हम यी वादा एकोलाने कर सक हैं कि हम ख मसी को करन परमेस्वर पर ही विस्वास हैं।

5 एको मतलब यू नी हैं हमारी कोई अपनो योग्यता हैं। अऊर हम अपना ख कुई बात का आदर नी दे सक हैं। हमारी योग्यता परमेस्वर की ओर से हैं, *

6 जो न हमे ख नयो वादा को दास होन को लायक भी करियो हैं, सब्द को दास नी यानी आत्मा को; काहेकि सब्द मर हैं, पर आत्मा जिन्दो कर हैं।

7 अऊर अदि मरन की वा वादा जे को सब्द पत्थर हुन पर खोदो गयो हतो, यहाँ तक चमकिलो हुयो कि मूसा को मुँह पर को तेज को कारन जो घटता भी जाव हती, इस्राएली अदमी हुन मूसा मुँह ख देख नी सक हता,

8 ते फिर आत्मा की वाचा अऊर भी चमकिलो काहे नी होऐ?

9 काहेकि जब दोस लगान वाली सेवा चमकिलो हती, ते धर्मी रखन वालो सेवा अऊर भी चमकिलो काहे नी होगो?

10 अऊर जो चमकिलो हतो, उ भी तेज को कारन जो ओसे बढ़ ख चमकिलो हतो, कई चमकिलो नी रयो।*

11 काहेकि जब उ जो घटो जाय हैं ते चमकिलो हतो, ते उ जो मजबूत रहे अऊर भी चमकिलो होए।

12 एकोलाने असो आसा रख ख हम हिम्मत को संग बोल हैं,

13 अऊर मूसा को जसो नी, पर जेन अपनो मुँह पर परदा डालो हतो काहे कि इस्राएली वा नास होन वाले तेज को अन्त ख नी देखे।

14 अऊर वी मतिमन्द हो गयो, काहेकि आज तक पुरानो नियम पढ़ते बखत उनको मन हुन पर उ ही परदा पड़ो रयो हैं, पर उ मसी म जिन्दो हो जाय हैं।

15 अऊर आज तक जब कभी मूसा की पुस्तक पढ़ो जाय हैं, ते उनको मन पर परदा पड़ो रह हैं।

16 अऊर जब कभी उनको मन हुन प्रभु की ओर फिरे हैं, ते तब उ परदा अलग कर दियो जाय हैं।*

17 एको लाने प्रभु ते आत्मा आय: पर अऊर जहाँ कही प्रभु को आत्मा हैं वहा आजादी हैं।

18 पर जब हम पूरा ज्ञान का उघाड़ा मुडा से प्रभु को तेज असो तरीका से प्रगट होए हैं, ते प्रभु को दुवारा जो आत्मा आय, हम ओकी चमकिलो रूप म थोडो थोडो कर ख बदल जाय हैं।

4

1 एकोलाने परमेस्वर कि दया न हम ख यू सेवा काम दियो हैं, एकोलाने हम कभी भी हार नी मानो हैं।

2 पर हम नी लज्जा बस ख छिपाव काम हुन ख छोड़ दियो, अऊर नी हुसयार से चलह, अऊर न परमेस्वर को वचन म गड़बड़ी करिये हैं; पर सच्चो ख प्रगट कर ख, परमेस्वर को सामने हर एक लोग को समझ म अपनी भलाई बैठ हैं।

* 3:3 जीवते * 3:3 निर्गमन 24:12; यिर्मयाह 31:33; यहजकेल 11:19-20 * 3:5 निर्गमन 24:8; यिर्मयाह 31:31; 32:40 * 3:10 निर्गमन 34:29,30 * 3:16 निर्गमन 34:34

3 परन्तु अगर हमारो अच्छो सुसमाचार पर परदा पड़ हैं, ते यू नास होन वाला ही का लाने पड़ो हैं।

4 अऊर आज दुनिया का देवता अविस्वासी हुन* ख मन इत्तो अन्धोकार कर दियो हैं कि वी, परमेस्वर को जसो रूप म याने मसी को तेजोमय अच्छो समाचार कि उजाला ख देखन म असमर्थ हैं।

5 काहे कि हम अपनो ख नी, पर प्रभु यीसु को मसी प्रचार करिये हैं। कि हम यीसु कारन अपनो ख तुम अदमी हुन का नउकर आय समझो हैं।

6 एकोलाने कि परमेस्वर ही आय, जे न बोल्यो कि, “अन्धेरा म से उजालो चमके,” अऊर उही हमारो मन हुन म चमको कि परमेस्वर कि बड़ाई करी कि उजालो यीसु मसी को मुँह से चमकिलो होए।

7 परन्तु हमारो नजीक उ धन मिट्टी की ठाटी हुन म रखो हैं कि यू सबसे जादा सक्ति हमारी ओर से नी हैं, अऊर परमेस्वर ही कि ओर से रहे हे।

8 हम चारो ओर से दुख ही ते भोग हैं, अऊर परेसानी म नी पड़े हैं; हमारो नजीक ऐको कोई उपाय नी हैं, पर उदास नी होय हैं;

9 सतावा ते जाय हैं, पर छोड़ो नी जाय; गिड़ायो ते जाय हैं, पर नास नी होय हैं।

10 हम यीसु ख मर ख अपनो सरीर म हर बखत लाने फिरा हैं कि यीसु को जिन्दगी भी हमारो सरीर म प्ररगट होए।

11 काहेकि हम जीते जी हमेसा यीसु को कारन माऊत को सामना करनो पड़ हैं, जेसे यीसु ख जिन्दगी भी हमारो मरनहार सरीर म प्ररगट हो जाये हैं।

12 यू प्रकार माऊत ते हम पर जोर डाल हैं अर जिन्दगी तो पर अर तुम म काम करा हैं।

13 एकोलाने कि हम म वही विस्वास कि आत्मा आय, जे का बारा मी लिखो हैं, “मी न विस्वास किरियो, एकोलाने बोल्यो गयो हैं।” पर हम भी विस्वास करिये हैं, एकोलाने बोल हैं।[✠]

14 काहेकि हम जान हैं कि जे न प्रभु यीसु ख जीवित करियो हैं, उही हम ख भी यीसु म भागी जान ख जिला हे, अऊर तुमारो संग अपनो सामने खड़ो करे।

15 काहेकि सब चीज हुन तुमारो लाने हैं, काहेकि दया बेजा हुन ख दुवारा जादा होय ख परमेस्वर कि बड़ाई ख लाने धन्यवाद भी बढ़ाए।

~~~~~

16 एकोलाने हम हिम्मत नी छोड़ हैं; असा की हमारो बाहरी मनुस्यत्व नास हो जाय हैं, तेबी भी हमारी भीतरी वाला मनुस्यत्व हर दिन नयो होवा हैं।

17 काहेकि हमारो पल भर को हल्को सो दुख हमारा लाने बेजा ही खास हैं अऊर अनन्त बड़ाई उत्पन्न करिये जाय हैं;

18 अऊर हम ते देखी हुई चीज हुन ख नी पर अनदेखी चीज हुन ख देख ख रवह हैं; काहेकि देखी हुई चीज हुन थोडा ही दिन की रवह हैं, पर अनदेखी चीज हुन आखरी तक बनी रवह हैं।

## 5

~~~~~

1 काहेकि हम ख मालूम हैं कि जब हमारो धरती पर को डेरा जसो घर गिरायो जाहे, ते हम ख परमेस्वर कि ओर निर्मित एक घर मिले। उ एक असो घर हैं, जो हात हुन से बनो वालो घर नी होन को, अर हमेसा का लाने स्वर्ग म बनो हैं।[✠]

2 एकोलाने ते हम कनारा अऊर बड़ी आसा रख हैं कि अपनो स्वर्ग को घर (स्वर्गीय) ख पहिन ले

3 कि ऐको पहिन से हम गंगा नी दिखनू चाहे।

* 4:4 अविस्वासियो ✠ 4:13 भजन 116:10 ✠ 5:1 अय्यूब 4:19; इब्रानियो 9:11

4 हम यू डेरा म रवा हैं; काहेकि हम बिना पुराना पकड़ा उत्तानो भी हम ख ओखा ऊपर नयो धारन करनो चाह हैं; जेसे जो मरनहार हैं उ जिन्दगी म डूब जाय हैं।

5 परमेस्वर न स्वयं ऐको उदेस्य का लाने हम ख गाढो गयो अऊर अग्रिम पैसा जसा म हम ख सुध्द आत्मा वरदान करियो हैं।

6 एकोलाने अब हम हमेसा ही परमेस्वर पर भरोसा रख हैं। हम ख यू जाना हैं कि हम जब तक यू सरीर म हैं, तब तक हम प्रभु से दूर,

7 काहेकि हम आँख हुन देखी बात हुन पर नी, पर विस्वास कर ख चल हैं

8 एकोलाने हम हिम्मत बाँध रहा हैं, अऊर सरीर से अलग होय ख प्रभु को संग रहनो अऊर भी अच्छो समझ हैं।

9 एको कारन हमारो मन की इच्छा से यू हैं कि चाहे संग रहे चाहे अलग रह, पर हम ओ ख पसन्द* कर रक्ख हैं।

10 काहेकि अवस्य हैं कि हम सब को हाल मसी को न्याय आसन को सामे खुल जाएगो, कि हर एक अदमी अपना अपना भलाई बुराई का काम हुन को बदला जे ओ न सरीर को दुवारा किये हो पाये।*

~~~~~

11 एकोलाने प्रभु को डर मान ख हम लोग हुन ख समजाव हैं; पर परमेस्वर पर हमारो हाल परगट हैं, अऊर मोरी आसा याहा हैं कि तुम्हारो विवेक पर भी परगट हुआ होगा।

12 हम फिर भी अपनी बड़ाई तुमारो सामने नी करिये, पर हम ख अपनो बारा म तुम ख घमण्ड करन को मऊका† देव हैं कि तुम उन ख बोल दे सका, जो मन पर नी यानी दिखावट बात हुन पर घमण्ड करा हैं।

13 यदि हम अपनी बेसुध हैं ते परमेस्वर को लाने, अऊर यदि सजग‡ हैं ते तुमारो लाने हैं।

14 काहेकि यीसु मसी को प्रेम हम ख प्रेरित कर रह हैं; एकोलाने कि हम ख यू समझ हैं कि जब एक सब को लाने मरो ते सब मर गयो।

15 अर उ यू हमेसा सब को लाने मरो कि जो जीवित हैं, वी आगा ख अपनो लाने नी जीएँ पर ओखा लाने जे ओखा लाने मरो अऊर फिर जी उठो हैं।

~~~~~

16 एकोलाने अब से हम कुई ख जिन्दगी को जसो समझो नी हैं। परन्तु हम न मसी को सरीर को जसो मालूम हतो, तेभी अब से ओ ख असो नी पात होए।

17 एको मतलब यू हैं कि यदि कुई मसी को संग एक आय, ते उ नई दुनिया आय: पुरानी बात हुन बीत गई हैं; देख, सब बात हुन नई हो गई हैं।*

18 परमेस्वर न यू सब करियो हैं ओ न, मसी को दुवारा अपनो से हमारो मेल झोल कर लियो, अऊर मेल झोल कि सेवा हम ख सोप दियो हैं।

19 एको मतलब यी हैं कि परमेस्वर न अदमी हुन का अपराध उनको खात मत लिख ख मसी को अर अपनो से दुनिया को मिले करा अर यू मेल झोल ख बात हुन को जतान को हम ख दियो गयो हैं।

20 एकोलाने, हम मसी को राजदूत आय; मानो परमेस्वर हमारो अऊर विनती कर रक्खे हैं। हम मसी की ओर से विनती कर हैं कि परमेस्वर को संग मेल झोल कर ले।*

21 जो पाप से अनजान हतो, ओ ख ही परमेस्वर न हमारो लाने आरोपी हो ख रयो कि हम ओ म हो ख परमेस्वर कि धर्मी बन जाहे।

* 5:9 भाते ✧ 5:10 सभोपदेसक 12:14; इफिसीयो 6:8; मत्ती 16:27 † 5:12 अवसर ‡ 5:13 चैतन्य ✧ 5:17 यसायाह 43:18-19 ✧ 5:20 मलाकी 2:7; इफिसीयो 6:10

6

1 हम जे परमेस्वर को संग काम करन होन का नात से हम हुन तुम अदमी हुन से यू विनती करू हैं कि परमेस्वर कि जे किरपा तुम ख मिली हैं, ओ ख बेकार नी होन दे।

2 काहेकि उ ते बोल हैं,

“अपनो खुस खबरी को बखत मी न तोरी प्रार्थना सुन ली,

अऊर छुटकारा को दिन मी न तोरी मदद करी।”

अर देख, अभी उ खुस खबरी को बखत आय;

देख, अभी उ छुटकारा को दिन आयो है।

3 हम कोई बात म धोखा खान को कोई भी मऊका नी देव काहे कि हमारी सेवा पर कोई आरोप* नी है।

4 अऊर हम हर बात से परमेस्वर का दास हुन को सामने अपनो चोक्खो गुण हुन ख परगट करिये हैं, बडे धीरज से, दुख अर से, दुरदसा से, संकट हुन से,

5 हम ख मर खात से, जेल होना से, कल्ला से, महेनत से, जागते रहनो से, उपास करन से,

6 हम न अपनो अच्छो से, ग्यान से, धीरज से, दयालु से, सुध्द आत्मा से, सच्चो प्रेम से,

7 सच्चो को वचन से, परमेस्वर कि सक्ति से, धर्मी को हथियार से जो जेवनो बाएँ हात हुन म हैं,

8 इज्जत अर अपमान से, प्रसंसा अर बुराई यी सब हम ख मिलो हुयो। पाखंडी समझा गयो हैं, तब हम ख सच्चो कहनो हैं;

9 अनजान अदमी हुन को जसो हैं तेबी बडाई सम्मान† (प्रसिध्द) हैं; मरिया हुयो को जसो हैं अर देखो जिन्दो हैं; मार खान वाला को जसो हैं पर जान से मारो नी जाय हैं;*

10 हम ते सोक करन वाला को जसा हैं पर हमेसा खुस रह हैं गरीब हुन का जसा हैं पर बेजा हुन को धनी‡ बना देव हैं; असा हैं जसो हमारो जोने कुछ नी हाय तेबी सब कुछ रखो हैं।

11 अरे कुरिन्थुस नगर का रहन वाला हम न तुम लोग हुन से खुल ख बात हुन करी हैं, हम न तुमारो सामने अपनो मन खोल ख रख दियो हैं।

12 तुमारो लाने हमारो प्यार कम नी हुओ नी हैं, पर तुमारो ही मन हुन म सक हैं।

13 पर अपना पोरिया समझ ख तुम से कहूँ हैं कि तुम भी ओखा बदला म अपनो मन खोल दे।

~~~~~

14 जब तुम लोग अविस्वास हुन को संग आसमान जुआ म नी जीतनू, काहेकि धर्मी अऊर अधर्म को का मेल जोल? या फिर उजालो अर अधँलो को का संगति हैं?

15 अऊर मसी को बलियाल सैतान को संग का रिस्ता? अऊर फिर विस्वासी को संग अविस्वास से का नाता?

16 अऊर मुरती हुन का संग परमेस्वर को मन्दिर को का नाता हैं? काहेकि हम ते जीवित परमेस्वर को मन्दिर आय;

जसो परमेस्वर न क्यो हैं,

“मी ओ म बसगो अर ओ म चलो फिरा करू हैं;

अर मी उनको परमेस्वर आय,

अर वी मोरो लोग आय।”\*

17 एकोलाने प्रभु बोल हैं,

“उनको बीच म से निकल अऊर अगल रह;

अऊर असुध्द चीज ख मत छु,

ते मी तुम ख अपना लेहूँ;\*

18 अऊर मी तुमारो लाने बाप जसो होऊ,

\* 6:3 दोस † 6:9 प्रतिध्द \* 6:9 भजन 118:18; 1 कुरिन्थियो 4:9 ‡ 6:10 धनवान \* 6:16 लैव्य 26:11,12; यिर्मयाह 32:38; यहजेकेल 37:27 \* 6:17 यसायाह 52:11; यिर्मयाह 51:45

अऊर तुम मोरो लाने पोरिया हुन अऊर तुम मोरो पोरा पोरी हुन जसा होय ।

यू सबसे जादा ताकत वार प्रभु परमेस्वर को वचन आय ।”\*

## 7

1 अब अरे मोरो प्यारो भई हुन बहिन हुन, जब कि या वादा हुन हम ख मिली हैं, ते आ, हम अपनो तुम ख सरीर\* अर आत्मा की सारी बेकार† चीज हुन से सुध्द करे, अऊर परमेस्वर को डर रखते हुए सुध्दता को सीधो करे ।

????? ?? ???? ?

2 हम ख अपना मन म जगह दे । हम न नी कुई को संग बुरो अन्याय नी करियो हैं, अऊर नी कोई ख बेकार कियो, अर नी कोई ख लूटियो ।

3 मी तुम ख दोस लगा ख लाने यू नी कहू हैं । काहेकि मी तुम से कह चुको हैं कि तुम हमारो मन म असी बस गयो हैं कि हम तुमारो संग मर जीन का लाने तैयार हैं ।

4 मी तुम लोग हुन से खुल ख बोला करू हैं, मो ख तुम लोग हुन पर बडो घमण्ड करू हैं; ऐ से मोखा भरपूर कि सान्ति मिल हैं । अऊर मोरो सब दुख हुन म खुसी से बेजा भरपूर रहू ।

5 काहेकि जब हम मकिदुनिया म आया, ते तब भी हमारो सरीर ख आराम नी मिलो, पर हम चारो तरफ से डर मिलत रा; बाहर झगडा हती, भीतर बेजा ही बात हुन हती ।

6 तेबी सिधा साधा लोग हुन ख सान्ति देन वाला परमेस्वर न तीतुस ख आवान से हम ख सान्ति दी;

7 अऊर नी अकेलो उनका आवान से अर ओकी वा सान्ति से भी, जो ओ ख तुमारो ओर से मिली हती । ओ न तुमारो लोभ‡ तुमारो दुख, अऊर मोरो लाने तुमारी जोस को सुसमाचार हम ख सुनायो, जसो मोखा अऊर भी खुसी हुई ।

8 अदि मीन तुम लोग हुन ख उ चिट्ठी का दुवारा दुख दियो हैं, ते भी मोखा ओ पर पछतावा नी हैं । मोखा यू देख ख पछतावा हुयो हतो कि वा चिट्ठी न तुम ख कुछ बखत का लाने दुखी बन दियो हतो,

9 पर अब म खुसी हैं । मोखा एकोलाने लाने खुसी नी कि तुम लोग हुन ख दुख भयो, पर एकोलाने कि उ दुख को कारन तुमारो मन बदल गयो । तुम लोग हुन न उ दुख ख परमेस्वर कि मर्जी को अनुसार ग्रहण करियो अर यू तरीका तुम ख मोरी ओर से कोई नुकसान§ नी भई ।

10 काहेकि जे दुख परमेस्वर कि इच्छा अनुसार ग्रहण करियो जाय हैं, ओको परिनाम होय हैं मन पस्वाताप अर छुटकारा ओ म पछतावा नी पड़ हैं । पर दुनिया को दुख ख परिनाम हैं मरन ।

11 अब देख, या बात से कि तुम ख परमेस्वर भक्ति ख दुख भयो तुम म कित्ता कि धुन अर हर एक जवाब\* अर गुस्सा, अर डर, अर लालसा, अर धुन अर सजा देन ख विचार उत्पन्न भयो? तुम न सब तरह से यू पुरो कर दिख्यो कि तुम यू बात म बैकसूर हैं ।

12 फिर मी न जो तुमारो नजीक लिखो हतो, वाहा न ते ओको लाने लिखो जो न बुरो नुकसान कियो अर नी ओखा लाने जे पर बुरो न्याय कियो गयो, पर एकोलाने कि तुमारी खुसी जो हमारो लाने हैं, उ परमेस्वर को सामने तुम पर परगट होय जाहे ।

13 एकोलाने हम ख सान्ति मिली ।

हमारी या सान्ति को संग तीतुस को खुसी को लाने अर भी खुसी भयो काहेकि ओको मन तुम सब को लाने हरा भरा होय गयो हैं ।

\* 6:18 2 समूल 7:14; यसायाह 43:6; होसे 1:10

\* 7:1 सरीर

† 7:1 मलिनता

‡ 7:7 लालसा

§ 7:9 हानि

\* 7:11 प्रत्युत्तर

14 काहेकि यदि मी न ओखा सामने तुमारो बारा म कुछ घमण्ड दिखायो, ते अपमानत<sup>†</sup> नी भयो, पर जसो हम न तुम से सब बात हुन सच-सच कय्हो दियो हती, असो ही हमारो घमण्ड दिखानो तीतुस को सामने भी सच निकला।

15 जब ओ ख तुम सब को बात मानू होन को याद आयो हैं कि कसो तुम न डर हैं अर थरथरावा होवा हैं ओ ख मिली करी; ते ओको प्यार तुमारी ओर अर भी बढ़ जावा हैं।

16 मी खुसी हैं एकोलाने मो ख हर बात म तुम पर पुरो विस्वास हैं।

## 8

~~~~~

1 अब अरे भई हुन अर बहिन हुन, हम ख तुम ख परमेस्वर को उ ही किरपा को सुसमाचार देवा हैं जे मकिदुनिया कि कलीसिया हुन ख दियो गयो हैं।

2 कि दुख की बड़ी परीक्छा म उन ख बडो खुसी अर भारी कंगाल दसा म उनकी उदारता म बेजा बढ गई।

3 अऊर उनका बारा म मोरी यू गवाही हैं कि उन न अपनी सक्ति को अनुसार अर ओसे भी जादा खुद कि मर्जी से दान दियो हैं।

4 अर यू दान म अऊर सुध्द अदमी हुन की सेवा म सहभागी होन का दया को बारा म, हम से बार बार बेजा प्रार्थना करी,

5 अऊर जसो हम न आसा करी हती, असो ही नी याने उन न प्रभु ख फिर परमेस्वर कि इच्छा से हम ख भी अपनो स्वयं ख दे दियो।

6 एकोलाने हम न तीतुस ख विनती कियो कि जसो ओ न पहले से सुरवात करियो हतो, असो ही तुमारो बीच म यू दान को काम ख पूरो भी कर ले।

7 एकोलाने जसो तुम हर बात हुन याने कि विस्वास, वचन, ग्यान अर सब तरीका को कोसिस म, अऊर उ प्रेम म जे हम से रख हैं, बढते जाय हैं, वसो ही यू दान की खुसी म भी बढते जाओ।

8 मी यू सम्बन्ध म कोई आदेस नी दे रयो हूँ, पर दूसरा लोग हुन को खुसी से तुमरो प्रेम कि सच्चाई कि * परखन ख लाने कहू हैं।

9 तुम हमारो लाने प्रभु यीसु मसी को दया जान हैं कि उ धनी होय ख भी तुमारो लाने कंगाल बन गयो, काहेकि ओखा कंगाल हो जाना से तुम धनी होय जाव।

10 तेवी यी बात म मोरी विचार यी हैं: यू तुमारो लाने चोक्खो हैं, जे एक साल से नी ते अकेलो यू काम ख करन ही म, पर यी बात ख चाह म भी पहलो भयो हते,

11 एकोलाने अब यू दान काम पूरो कर कि जसो इच्छा करन म तुम तैयार हते, वसो ही अपनी-अपनी सम्पत्ति[†] को अनुसार पूरो भी कर।

12 काहेकि अदि ऐकी दान देवन कि इच्छा हैं ओकी इक्छा अनुसार माना भी होए हैं जो ओखा नजीक हैं, नी कि ओखा अनुसार जो ओखा नजीक नी हैं।

13 हम यू नी की चावा दूसरा हुन ख चैन अऊर तुम ख दुख मिले, पर बराबरी को विचार म

14 यू बखत तुमारी बढती ओ की घटी म काम आयें हैं, काहेकि ओकी बढती भी तुमारी घटी म काम आय है कि बराबर हो जाहे।

15 जसो सुध्द साझ लियो हैं, “जेन बेजा ढूँढ लियो हतो, अर ओखा नजीक जादा नी निकलो अऊर जेन थोडा म ढूँढ लियो हतो, ओखा नजीक कम ही नी निकलो।” ☆

~~~~~

16 परमेस्वर को धन्यवाद हो, जेन तीतुस को मन म खुद लोग हुन का लाने मोरो जसो खुसी पैदा करियो हैं।





8 परमेस्वर तुम लोग हुन ख बहुतायत से हर एक को तुम ख वरदान देना म राजी नी हैं, जेसे तुम ख कभी कुई भी तरीका की भली चिज कोई घटी नी होय, पर हर अच्छो काम क लाने भी तुमारो नजीक बेजा कई बच जाय हैं।

9 जसो सुध्द सास्र लिखो हैं,  
“ओ न बिखेरा, ओ न कंगाल हुन ख दान दियो हैं,

ओकी धार्मिक सदा बनी रहे।”<sup>☆</sup>

10 पर जो बोवन वालो ख बीज अऊर जोवन का लाने रोटी दे हैं, उ तुम ख बीज दे हे, अऊर ओ ख बढ़ाए करे; अऊर तुमारा धार्मिक ख फल हुन ख बढ़ाए हे।<sup>☆</sup>

11 यी तरीका से तुम लोग हर प्रकार को धन से पूरा होय ख उदार हुन दिखान म मजबूत होए। तुमारो दान, हमारो अर अगल होय ख, परमेस्वर को लाने धन्यवाद को कारन बने;

12 काहेकि यी सेवा को पूरो करने से नी हैं अकेलो सुध्द अदमी हुन जरूत हुन पुरी होए हैं, पर अदमी की तरफ से परमेस्वर को भी बेजा सुकिया होय हैं।

13 काहेकि यी सेवा को एको मतलब † मान लेनू ख वी परमेस्वर की स्तुति प्ररगट करिये हैं कि तुम मसी को सुसमाचार ख मान ख ओखा बस रवह हैं, अर उनकी अर सब की मददत करन म उदारता प्ररगट करह हैं।

14 अर वी तुमारा लाने प्रार्थना करह हैं; अर एकोलाने कि तुम पर परमेस्वर को बड़ो ही दया हैं, तुमारी इच्छा करिये रवह हैं।

15 परमेस्वर को, ओखा उ दान को लाने वर्णन से बाहर हैं, धन्यवाद हो।

## 10

~~~~~

1 मी वही पोलुस जे तुम्हारी साम दीन हूँ पर पीठ पीछे तुम्हारी ओर साहस कर हूँ हैं, तुम ख मसी की नम्रता अऊर कोमलता को वजे से समझाऊ हैं।

2 मी यू प्रार्थना करूँ हैं कि तुमारो सामने मो ख निडर होय ख हिम्मत करनो नी पड़, पर जसो मी कई ईसान हुन पर जो हम ख जिन्दगी को जसा चलन वाला समझ हैं, हिम्मत दिखान का सलाह करूँ हैं।

3 काहेकि हम यू सरीर म चलत फिरत हैं तभी सरीर को अनुसार नी लड़ते हैं।

4 काहेकि हमारो झगड़ा को हथियार सारीरिक हुन नी हैं, पर गढ़ हुन ख खत्म कर देन का लाने परमेस्वर को दुवारा सक्तिसाली हैं।

5 एकोलाने हम बिचार हुन म अऊर हर एक ऊँची बात ख, जो परमेस्वर की पहिचान को विरोध म उठ हैं, खण्डन हो कर हैं; अऊर हर एक भावना ख बन्द कर ख मसी को बात ख मानन वालो बना देव हैं,

6 अऊर जब तुम लोग हुन न ओ ख बस हुन को पूरो तरीका से स्वीकार करियो, ते हम कुई भी बात हुन ख सजा देन ख लाने तैयार हैं।

7 तुम उ इच बात हुन ख देख, जो आँखी ख सामने हैं। यदि कोई ख अपनो पर यू विस्वास होए कि मी मसी को आय, ते उ भी यू जान ले कि जसो उ मसी को आय वसो ही हम भी आय।

8 काहेकि यदि मी उ अधिकार को बारा म अऊर भी घमण्ड दिखाऊ, जो प्रभु न तुमारो बिगाड़न का लाने नी पर सुधार करन का लाने हमका दियो हैं, ते लज्जित नी होए।

9 यू मी एकोलाने कहूँ हैं कि चिट्ठी हुन को दुवारा तुम ख डरान वालो नी रहू।

10 काहेकि लोग हुन कह हैं, “ओकी चिट्ठी हुन ते गम्भीर अऊर सक्तिसाली आय; पर जब उ सामने होए हैं, ते ओको सरीर ख निर्बल लगह हैं अर ओकी बोलन कि सक्ति नी का बराबर हैं।”

11 जो लोग यू कह हैं, वी ऐ पर सलाह करे कि हम दूर रहते हुयो चिट्ठी हुन म जो बात हुन लिखा हैं, उन ख तुम का यहाँ विधमान रह हुयो काम म कर दिखायो।

12 काहेकि हम ख यू हिम्मत नी करी हम ख अपनो तुम ख ओ म से असो कुछ ख संग गिनती करी या फिर ओ ख अपना ख मिले, जो अपनी तुलना स्वयं करिये हैं, अऊर अपनो स्वयं ख आपस म नाप तऊल कर एक दुसरा से मिल कर ख ख बेकुप रह हैं।

13 हम ते सीवाना से बाहर घमण्ड असो कभी नी करिये, पर ऊईच सीवाना तक जो परमेस्वर न हमारो लाने रख दियो हैं, अऊर ओ म तुम भी आ गयो हैं, ओको ही जसो घमण्ड भी कर हैं।

14 काहेकि हम ख अपनी सीवाना से बाहर अपनो स्वयं ख बढ़नु नी चाह हैं, पर जसो कि तुम तक नी पहुँचन कि हालत म होय हैं, असो कि मसी को सुसमाचार सुन ते हुए तोरा तक जा चुकिया हैं।

15 हम सीवाना से बाहर दुसरी की महेनत पर घमण्ड नी करह हैं; पर हम ख आसा हैं कि जसो-जसो तुमारो विस्वास बढ़ते जाय हैं वसो-वसो हम अपनी सीवाना को अनुसार तुमारो लाने अऊर भी बढ़ते जा हे,

16 काहेकि हम ख तुमारी सीवाना से सामने बढ़ ख सुसमाचार सुनाए, अर यू नी कि हम दुसरा हुन कि सीवाना का अन्दर बनो बनायो काम हुन पर घमण्ड करे।

17 पर जे घमण्ड करे उ प्रभु म घमण्ड करे।

18 काहेकि जो अपनी बड़ाई करिये हैं उही नी, पर जेकी बड़ाई प्रभु करिये हैं, उही विस्वास लायक सिक्कार कर लियो जाहे हैं। ✧

11

1 अदि तुम मोरी थोड़ी सी मुखता बात हुन झेल भी लाने ते का ही भलो होए; हाव, मोरी झेल भी ले हैं। ✧

2 काहेकि मी तुमारा बारे म ईस्वरीय जोस लगे रह हैं, एकोलाने कि मी न एक ही अदमी से तुमारो बात करी हैं कि तुम ख सुध कुंवारी का जसो मसी ख दे दूँ।

3 पर मी डरू हैं कि साँप न अपनी चलाकी से हवा ख बहकायो, वसो ही तुमारा मन हुन वा सीधार्ई अर सुधता हुन से जो मसी ख संग होनू चाहिए, असो नी कि भ्रष्ट नी कियो जाहे।

4 अदि कुई तुमारा नजीक आय ख अऊर दुसरा यीसु को खबर करे ते, जेको खबर हम न नी करियो; या अऊर आत्मा तुम ख मिले, जो पहले नी मिलो हतो; अर कुई सुसमाचार सुनाए जे से तुम न पहले नी मनो हतो, ते तुम ओ ख सहन लेव हैं।

5 मी ते समझू हैं कि मी कुई बात म बड़ो से बड़ो प्रेरित हुन से कम नी हैं।

6 अदि मी इ बखत म अनाड़ी हूँ, तेबी ग्यान म नी। हम न ऐ ख हर बात म सब तरीका से तुमारो लाने परगट करियो हैं।

7 का ऐ म मी न कुई पाप कियो कि मी नी तुम ख परमेस्वर को सुसमाचार फुकट म सुनायो हैं; अर अपनो तुम ख नीचु करियो कि तुम ऊँचो हो जा?

8 जब तुम लोग हुन कि सेवा करन ला लाने मीन दूसरा कलीसिया हुन से भी अपनी जिन्दगी का लाने दान समझा ख मान कि उन ख लूट लियो।

9 अऊर जब मी न तुमारो संग हतो अर मोखा कमी हुई, तो मी न कुई पर वजन नी डालो, काहेकि भई हुन न मकिदुनिया से आ ख मोरी कमी ख पुरो करियो; अर मी न हर बात म अपनो तुम ख तुम पर वजन बनना से रूको रय्हो अर रोकू रहगो।

10 अदि मसी की सच्चाई मोरो म हैं ते अखया प्रदेस म ख कोई मो ख यी घमण्ड से नी रोकेगो।

11 कोके लाने? का एकोलाने कि मी तुम से प्रेम नी करू हैं? परमेस्वर यू जान हैं कि म तुम लोग हुन से कित्तो प्रेम करू हैं।

12 अऊर मी जो करत आय रैयो हूँ, उही कर रैयो हूँ, कि जो लोग मऊका दूढ़ हैं उन ख मी मऊका मिल नी दे हैं, काहेकि जी बात म वी घमण्ड करिये हैं, ओमा वी हमारो ही जसो ठहरे।

13 काहेकि असो लोग झूठो चेला, अऊर धोखा से काम करन वाला, अऊर मसी को प्रेरित हुन का रूप धारन करन वाला हैं।

14 यू कोई अचम्भा होन कि बात नी हैं काहेकि सैतान स्वयं भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत को रूप धारन करिये हैं।

15 एकोलाने अदि ओखा दास हुन को धार्मिकता जसो रूप धरो हैं, ते कोई बड़ी बात नी हैं, अर उनको हमेसा तक उनको काम हुन को अनुसार होए।

???????? ?? ??? ? ?????? ?? ??? ???

16 मी फिर कहू हैं, कोई मो ख बेकुप नी समझ; नी ते बेकुप ही समझ ख मोरी सहन ले, काहेकि थोड़ा सा मी भी घमण्ड कर सक हैं।

17 यू बे धड़क घमण्ड म जो कई म कहू हैं, उ प्रभु की आदेस का अनुसार नी पर मानो बेकुप झन ही से कहू हैं।

18 काहेकि बेजा से इंसान सरीर को अनुसार घमण्ड करिये हैं, ते मी भी घमण्ड करू।

19 तुम ते समझदार हो ख खुसी से बेकुप हुन की सह लेव हैं।

20 काहेकि जब तुम ख कोई दास बना लेव हैं, या खा जाव हैं, या फसा लेव हैं, या अपनो तुम ख बड़ो बतानू हैं, या तुमारो मुंडा पर थप्पड़ मार हैं, ते तुम सह लेव हैं।

21 मी लज्जा को संग स्वीकार करू हैं कि तुम लोग हुन को संग यी तरीका को व्यवहार करन ख मोखा साहस नी भयो। तुम ऐख मोरी नादानी समझ,

पर जिन बात हुन का बारा म वी लोग डींग मारन को साहस करिये हैं, म भी उन बात हुन ख बारा म उ ईंच कर सका हूँ।

22 का वी इब्रानी आय? मी भी आय। का वी ही इस्राएली आय? मी भी हैं। का वी ही अब्राहम को खानदान आय? मी भी हूँ।

23 का वी ही मसी को सेवक आय मी पागल का जसो कहू हैं मी उनसे बढ़ ख हूँ! जादा मेहनत करन म; बार-बार जेल जानो म; सोटा खान म; बार-बार मरन को हालत म।

24 यहूदी हुन न मोखा पाँच बार उन्तालीस सोटा* खायो।

25 तीन बार मी न लकड़ी से मार खाई; एक बार मो पर पत्थर हुन से मार खायो गयो; तीन बार असो भयो कि, जे नाव मी चढ़यो गयो हतो, उ टूट गयो; अऊर एक बार पूरा चोबीस घनटे खुलो समुंदर म इत्ते उत्ते बहत रयो एक रात-दिन मी न समुध्द म काटो।

26 मी बार-बार रस्ता हुन म; मोखा नदी हुन को जोखिम हुन; डाकू हुन को जोखिम हुन म; अपनो जाति वालो से जोखिम हुन म; दुसरी जात हुन से जोखिम हुन म; सहर हुन को जोखिम हुन म; जंगल को जोखिम हुन जोखिम म समुंदर को जोखिम हुन म; झूठो भई हुन का बीच जोखिम म रयो।

27 मी न बेजा मेहनत करियो अर बेजा सी रात हुन जागते हुए गुजारी हैं। मोखा अकसर जोजन ख नी मिल हैं। भूखो अर प्यासो, ठण्ड अर कपड़ा हुन को अभवा यू सब म सहे ते रयो;

28 अऊर दुसरा बात हुन ख छोड़ ख जेको उदाहरन मी नी करू, सब कलीसिया हुन की चिन्ता हर दिन मोखा दबाव हैं।

* 11:24 कोड़ा

29 जब कोई की कमजोरी हैं ते का मी ओकी कमजोरी से प्रभावित नी हूँ? जब कोई को ठोकर म पतन होय हैं, ते का मी ऐको तीखा अनुभव नी कर?

30 यदि कुई भी बात पर घमण्ड करना हैं, ते मी अपना कमजोरी हुन पर घमण्ड करू।

31 प्रभु यीसु मसी को बाप अऊर परमेस्वर जो सदा धन्य हैं। उ जान हैं कि मी झूठो नी कह रयो हैं।

32 जब म दमिस्क सहर म हतो, ते राजा अरितास सेना नायक न मो ख पकड़न ख लाने सहर पर रख वालो रखो हतो,

33 अऊर मी चारदीवाल का खिड़की से होयख बाउनडरी म बैठ ख नीचू उतारो दियो गयो अर यी तरीका ओखा हात से बच निकलो।

12

1 अऊर घमण्ड करना मोरो लाने चोक्खा नी तेभी करना पड़ हैं; एकोलाने मी प्रभु को दियो हुए सपना हुन अर चमक हुन कि बात हुन करू हैं।

2 मी मसी म एक भक्त ख जानू हैं; पर चऊदा साल भयो कि नी मालूम कि सरीर संग, नी मालूम सरीर संग म, परमेस्वर को मालूम हैं; असो अदमी ख तीसरो स्वर्ग तक उठा लियो गयो हैं।

3 मी असो अदमी का बारा म जानू हैं कि उ ईच स्वर्ग म उठा लियो गयो सरीर संग म या सरीर का संग, यी म नी जानू यी परमेस्वर ही ख मालूम हैं।

4 की स्वर्ग लोक हुन म उठा लियो गयो हैं; अऊर असी बात हुन सुनी जो कह को नी हतो; अर जीन हुन को मुडा पर लानू अदमी ख ठीक नी हैं।

5 म असो अदमी पर ते मी घमण्ड करू, अऊर अपनो पर अपनी कमजोरी हुन ख छोड़, अपनो बारा म घमण्ड नी करू।

6 यदि मी घमण्ड करनु चाहू मी तेबी बेकार नी होए, काहेकि म सच बोलू हैं; तेबी रूक जाय हैं, असो नी होय कि जसो कुई मोखा देख हैं अऊर मोसे सुन हैं, मोखा ऐसे बढ ख समझ हैं।

7 एकोलाने कि मी चमक हुन बेजा जादा हुन से फूल नी जाऊ, मोरो सरीर म एक काटा गाड़ो गयो हैं, असो कि सैतान ख एक दूत की मो ख मोखा मारो हैं काहेकि मी खुसी नी होए जाऊ। *

8 एको बारा म मी न प्रभु से तीन बार विनती करी हैं कि मोसे यू दूर होय जाहे।

9 पर प्रभु मोसे बोल्यो कि, “मोरो किरपा तुमारो लाने बेजा हैं; काहेकि तुमारी कमजोर हुन म मोरो सक्ति पूरी तरीका से दिख हैं।” एकोलाने मी बड़ो खुसी से अपनी कमजोरी पर घमण्ड करू हैं, कि मसी की सक्ति मोपर छाियो रह हैं।

10 एकोलाने मी मसी को कारन अपनी कमजोरी हुन म, अऊर बेज्जती हुन म, अऊर लाचार हुन म, अऊर उपद्रवो हुन अऊर दुख हुन म खुसी हैं; काहेकि जब मी कमजोर होए हैं, तभी ताकत वार होवा हैं।

11 मी बेकुप हुन जसी बात कर रयो हूँ तुम लोग हुन न मोखा ऐका लाने मजबुर करियो हतो। अर तुम ही न मोरी गुजारी करी हती, काहेकि यदि मी कई भी नी आय, तेबी उन ख बड़ो प्रेरित हुन से कुई भी बात म कमी नी हैं।

12 अऊर तुमारो यहाँ रहते बखत मीन, प्रेरित को सच्चो आदत दिखायो हतो, अऊर अचल धीरज, चिखान, अदभुत काम हुन अर सक्ति को काम ख दिखायो गयो।

13 दूसरा कलीसिया हुन कि काहे बराबरी म तुम लोग हुन कुई भी बात कि कमी नी रह गई हैं, हाँव, म तुम लोग हुन का लाने भार नी बनो। तुम मोखा अधर्म ख लाने माप कर।

14 देख, मी तीसरी बार तुमारो लोग हुन नजीक आवन का लाने तैयार हो रयो हैं, अर मी तुम पर कई भार नी रखू हैं, काहेकि मी तुमारी सम्पत्ति नी आय पर तुम ही ख चाहू हैं। काहेकि पोरिया हुन का माय-बाप का लाने धन इखटा करनु नी चाहिए, पर माय-बाप ख पोरिया हुन का लाने।

15 मी तो तुमरी जान हुन ख लाने खुसी अपनो सब कुछ खर्च करू। यदि मी तुम लोग हुन ख इत्तो प्यार करू हैं, ते का तुम मोखा कम प्यार करे?

16 असो हो सक हैं कि मीन तुम पर बोझा नी डालो, परन्तु हुसयार से तुम ख धोखा दे ख फसा दियो।

17 भलो, जिन ख मी न तुम्हारो जोने भेजो, का उन म से कोई को दुवारा मी न छल कर ख तुम से कुछ ले लियो?

18 मी न तीतुस ख समझा ख ओखा संग उ भई ख भेजो, ते का तीतुस न धोखा दे ख तुम से लियो? का हम एक ही आत्मा को चाल नी चलो? का एक ही मार्ग पर नी चले?

19 तुम ख अभी तक समझ रयो होए कि हम तुमारो सामने प्रत्युतर दे रयो हैं। हम ते परमेस्वर ख उपस्थित मालूम हो ख मसी म कह हैं, अऊर अरे प्यारो भई हुन, सब बात हुन तुमारी सुधार ही का लाने बोल हैं।

20 काहेकि मोखा डर हैं, कही असो नी हो कि मी आन पर मी तुम लोग हुन को जसो मिलो चाह हैं, पर वसो ही तुम ख पाए; अऊर कही असो नी होए कि मी तुमारो यहाँ फूट, जलन अर बुराई अर स्वार्थ पन अर अर तुम म लड़ाई, डाह, घुसा, जलन, चुगली, घमण्ड अर बखेडा होवा हैं;

21 अऊर कही असो नी हो की मोरो परमेस्वर मोरो फिर से तुमारो यहाँ आन पर मोम पर दबाव डालो अर मोखा हुन का लाने फिर सोक करनो पड़े, जीन हुन पहलो पाप कियो हतो अऊर असुध्द अर गलत काम अर लुचपन से, जो जीन हुन कियो, मन नी फिरायो।

13



1 अब तीसरी बार म तुमारे नजीक* आयो हैं: दो या तीन गवाह हुन को मुडा से हर एक बात रखी जाहे। *

2 जसो मी जब दुसरी बार तुमारा संग हतो, असो ही अब दूर रह हुए वी अदमी† हुन से जीन ख पहले पाप कियो, अर अन्य हुन सब अदमी हुन से अब पहले से कह दे हैं कि अदि मी फिर आऊ ते नी छोड़गो,

3 काहेकि तुम तो एको प्रमाण चाहते हो की मसी मो म बोलह हैं, जे तुम्हारो लाने निर्बल नी पर तुम म सामर्थी हो।

4 उ कमजोरी हुन ख लाने सूली पर चढ़ायो ते गयो, तेबी परमेस्वर की सक्ति से जो तुमारो लाने हैं, ओखा संग जीवित हे। हम भी ओ म कमजोर हैं, पर परमेस्वर कि सक्ति से जे तुम्हारो लाने हैं, ओको संग जीएँगो।

5 अपनो तुम ख जाँच ख विस्वास म होए कि नी। अपनो तुम ख परख। का तुम अपनो बारा म यू नी जानह हैं कि यीसु मसी तुम म हैं? नी ते तुम परख म बेकुप‡ निकले हो।

6 पर मोरी आसा हैं कि तुम जान ले हे कि हम बेकुप नी हैं।

7 हम अपनो परमेस्वर से यू प्रार्थना करिये हैं कि तुम कोई बुराई नी कर, एकोलाने नी कि हम विस्वास लायक दिख सके, पर एकोलाने कि तुम भलाई कर, चाहे हम बेकुप ही रहे।

8 काहेकि हम सच का लाने खलाप म कई नी कर सक, पर सच का लाने ही कर सक हैं।

9 जब हम कमजोर हैं अर तुम ताकत वार हैं, ते हम खुसी होए हैं, अर प्रार्थना भी करिये हैं कि तुम सिध्द हो जा।

* 13:1 पास * 13:1 व्यवस्था 19:15 † 13:2 लोगो ‡ 13:5 निकम्मे

¹⁰ एका लाने मी तुमारा पीठ पीछु यी बात हुन लिखू हैं, कि उपस्थित हो ख मो ख उ अधिकार को अनुसार जैसे प्रभु न बिगाड़न का लाने नी पर सुधार करन का लाने मो ख दियो हैं, कड़ाई महेनत से कुछ करनु नी पड़े।

~~~~~

<sup>11</sup> आखरी म, अरे मोरो भई बहिन हुन, खुसी रह; सिध्द बनते जा; धीरज रख; एक ही मन रख; मिल ख रवह। अर प्रेम सान्ति को दाता परमेस्वर तुमारा संग होए।

<sup>12</sup> एक दुसरा ख सुध्द से नमस्कार कर।

<sup>13</sup> प्रभु यीसु मसी कृपा, परमेस्वर को प्रेम सब सुध्द अदमी तुम ख नमस्कार कह हैं।

<sup>14</sup> प्रभु यीसु मसी को दया § अर परमेस्वर को प्यार अर सुध्द आत्मा कि सहभागिता तुम सब का संग होती रहे।

## गलातियो के नाम पोलुस का पत्र गलातियो को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

गलातिया की किताब प्रेरित पोलुस 1:1द्वारा लिखी गई होती। याहा एक चिट्ठी होती जसो पोलुस न गलातिया की कलीसिया हुन ख मसी को जनम को 48-57 सालो को बीच कोई बखत लिखो थो। गलातिया सायद रोमन प्रांत गलातिया म रहन वाला लोग हता। विध्दानो को यकीन नी हैं कि जब पोलुस न चिट्ठी लिखी होती, ते वाहा कह्यो थो, लेकिन इफिसुस अऊर कुरिन्थ को सहर दो संभावित जगह हैं।

पोलुस न गलातिया ख कलीसिया हुन म, यहूदी अऊर गैर यहूदी दोई, इसाई हुन को संबोधित करन को लाने लिखो। ओसे वैसेस रूप से एक झुठी सिक्छा को सामना करन को लाने लिखो थो जसो कह्यो गयो थो की इसाई हुन को पुरानो नेम ख यहूदी हुकुम हुन को पालन करन की आवस्कता हैं। जरूरी रूप से खतना इसाई हुन को बीच यहूदी नामक लोग हुन को एक समूह हतो, जिन ख गैर-यहूदी इसाई हुन को खतना करवान कि आवस्कता होती। उन न पोलुस ख प्रेरिताई अधिकार प भी सवाल उठायो। पोलुस न अपनी कुछ कायनी बता ख अपनो प्रेरितत्व को बचाव कियो। 1:11—2:14 अऊर ओ न यू समझातो हुआ सुसमाचार को बचाओ कियो कि उध्दार केवल यीसु मसी म भरोसा को दुवारा ही प्यास कियो जा सकह हैं। 2:16याहा उ दयालुता को परिनाम आय जे परमेस्वर दिखावा हैं न कि लोग जे करह हैं।

**रूप रेखा:**

1. पोलुस न अपनी चिट्ठी की सुरूआत गलातिया की कलीसिया हुन ख नमस्कार से कियो। 1:1-5
2. तब पोलुस न अपनो खुद ख कुछ पृष्ठभूमि की व्याख्या करन को अपनो अधिकार कि रक्छा करन को लाने अऊर याहा दिखावन को लाने कि ओ न व्यवस्था को अनुसार जीवन कि कोसिस करी होती, लेकिन वाहा काम नी कर रह्यो थो। 1:6—2:21
3. आगे वाहा उध्दार म व्यवस्था अऊर दया की भूमिका 3-4 को आगे बतातु हैं।
4. फिर वाहा अच्छो मसी जिन्दगी को लाने कुछ सामान्य निर्देस देहु हैं 5:6-10
5. पोलुस न अपनो चिट्ठी ख एक अभिवादन अऊर अतिम विनती को संग याहा याद रखन को लाने समास करियो कि परमेस्वर दुवारा एक नयो व्यक्ति म परिवर्तित कियो जानो बाहरी नेम हुन से कयी जादा महत्व पुर्न हैं, जसो की खतना कियो जानो। 6:11-18

~~~~~ (~~~~~)

- 1 पोलुस की जे न अदमी हुन कि तरफ से अर न अदमी को दुवारा, पर यीसु मसी अर परमेस्वर बाप को द्वारा, जे न ओ ख मुर्दा म से जिन्दो कियो, प्रेरित सिखान वालो हैं।
- 2 अर पुरा भई हुन कि तरफ से जे मोरा संगी हैं, गलातिया की कलीसिया हुन को नाम:
- 3 परमेस्वर बाप अर हमरो प्रभु यीसु मसी कि तरफ से तुम ख दया अर अर सान्ति मिलते रहे।
- 4 ओ न ही खुद ख हमरो पाप हुन को लाने दे दियो, एकोलाने हमरो परमेस्वर अर बाप कि मर्जी को जसो हम ख यू फिहाल बुरी दुनिया से बचाहे।
- 5 ओकी जय जयकार अर बड़ाई हमेसा को लाने होते रहे। आमीन।

~~~~~ (~~~~~) ~~~~

- 6 मो ख ताजुब होवा हैं कि जे न तुम ख मसी की दया म बुलायो ओसे तुम इत्ती जल्दी फिर ख अर उल्टो ही तरीका को सुसमाचार कि तरफ झुकन लग्या।

7 पर उ दूसरो सुसमाचार हईच नी हाय पर बात या हैं कि कित्ता असा हैं जे तुम ख घबरा देवा, अर यीसु मसी को चोक्खो संदेस ख बिगाड़नो चाहवा हैं।

8 पर अदि हम, या स्वर्ग से कोई दूत भी उ सुसमाचार ख छोड़ जे हम न तुम ख सुनाहे, ते पाप को भागी हैं।

9 जसा हम पहले कह चुक्या हैं, वसोच ही मी फिर अब बोलू हैं की वा सुसमाचार ख छोड़ जे ख तुम न स्वीकार कर लियो हैं, अदि कोई अर संदेस सुनावा हैं, ते पाप करा हैं।

10 अब मी का अदमी हुन ख मानू हैं या परमेस्वर ख? का मी अदमी हुन ख खुस करनो चाहू हैं? अदि मी अबा तक अदमी हुन ख ही खुस करते रहतो ते मसी को नउकर नी होतो।

~~~~~

11 अरे भई हुन, मी तुम ख बता देऊ हैं की जे सुसमाचार मी न सुनायो हैं, उ अदमी को नी।

12 काहेकि वा मो ख अदमी हुन की तरफ से नी पहुँचो, अर न मो ख सिखायो गयो, पर यीसु मसी को बतानो से मिलो।

13 यहूदी हुन को हिसाब से जो मोरो चाल चलन हतो ओको बारे म तुम सुन चुक्या हैं कि मी परमेस्वर कि कलेसिया हुन ख बेजा ही सतात अर मीटात रह।

14 मोरी डेर सारी जात वाला से जे मोरा बराबर ख हता, यहूदी हुन को हिसाब से मी सबसे जादा आगे बढ़ते जात रह अर अपना बाप दादा हुन की रीति रिवाज हुन को लाने बेजा ही धुन लगायो हतो

15 पर परमेस्वर की, जेना मोरी माय को पेट म से ही मो ख ठहरायो अर अपनी किरपा से बुला लियो,

16 जब इच्छा भई कि मोरो म अपनो पोरिया ख परघट करू कि मी दुसरी जात हुन म ओकी सुसमाचार को बारे म सुनाऊ ते न मी न मांस अर खून से मदत लियो;

17 अर न यरूसलेम ख उनको जोने गयो जे मोसे पहले प्रेरित सिखान वाला हता, पर तुरत अरब ख चल दियो अर फिर उते से दमिस्क ख लउट आयो।

18 फिर तीन साल को बाद मी कैफा से मिलन को लाने यरूसलेम गयो, अर ओको जोने पन्द्रह रोज तक रहयो।

19 पर प्रभु को भई याकूब ख छोड़ अऊर प्रेरित सिखान वालो म से कोई से नी मिलो।

20 जे बात मी तुम ख लिखु हैं, देखनु, परमेस्वर ख सामे जान ख कहू हैं कि वी झूठ नी।

21 ऐको बाद मी सीरिया अर किलिकिया को सिवाना म आयो।

22 पर यहूदिया की कलेसिया हुन न जे मसी म हती, मोरो मुंडो कभी नी देख्यो हतो;

23 पर असो सुनो करत रह कि जे हम ख पहले सतात रह हतो उ अब वसोच भरोसा की सुसमाचार सुनावा हैं जे ख पहले खत्म करत रह।

24 अर वी मोरो बारे म परमेस्वर को महिमा करत रह।

2

~~~~~

1 चऊदा साल को बाद मी बरनबास को संग फिर यरूसलेम ख गयो, अर तीतुस ख भी संग ले गयो।

2 मोरो भेज्यो जानो परमेस्वर की मर्जी को हिसाब से भयो; अर जे अच्छी खबर मी दुसरी जात या समाज हुन म परचार करते रहू हैं, ओ ख मी न उन ख बता दियो, पर अकेलो म उन ख जे बड़ा संमझीया जात रह, ताकि असो नी होय की मोरी या बखत की या पुरानी दऊड धाम बेकार ठहरे।

3 पर तीतुस ख भी जो मोरो संग हतो अर जे यूनानी हैं, पुजा देन को लाने मजबूर नी करयो कय्हो।



4 यू वी झूठ बोलन वाला भई हुन को कारन भयो जे चोरी से घुस आया रह, कि वा आजादी ख जो मसी यीसु म हम ख मिले हैं, भेद लेखा हम ख दास बनाहे।

5 थोड़ी देर को लाने उनको बस म होनू हम न नी मानो, एकोलाने कि सुसमाचार की सच्चाई तुम म बनी रहे।

6 फिर जे अदमी कुछ संमझीया जात रह (वी चाहे कसा भी हता मोखा ऐसे कुछ मतलब नी हाय; परमेस्वर कोई कि तरफ दारी नी करा उनसे जे कुछ समझीया जात रह, मो ख कुछ भी नी प्राप्त नी भयो)

7 पर एको उल्टो जब उन न विस्वास मान लियो कि मोखा उसी ही दुसरा यहूदी हुन म सुसमाचार को काम पतरस ख सोपियो गयो, वसोच ही खतना नी दिया वाला हुन को लाने मो ख अच्छी खबर सुनानो सोपियो गयो।

8 काहेकि जेना पतरस से खतना वाला म सिखावन को काम बडो होसला सहित करवायो, ओ न मोसे भी दुसरी जात हुन म बडो काम करवायो)

9 अर जब उन न वा दया ख जे मो ख मिलो हतो जान लियो, ते याकूब, अर कैफा, अऊर यूहन्ना न जे कलेसिया का खंमा समझीया जात रह, मो ख अर बरनबास ख संगति को जेवनो हात दियो कि हम दुसरी जात हुन को पास जाए अर वी खतना वाला को पास;

10 सिर्फ यू बोल्यो कि हम गरीब लचार कि चिन्ता करे, अर यूईच काम करन को लाने मी उनको संग म भी मेहनत करत रह।

~~~~~

11 पर जब कैफा अन्ताकिया म आयो, ते मी न ओको मुंडो पर जवाब दियो काहेकि उ दोसी हतो रह।

12 एकोलाने कि याकूब कि तरफ से कुछ अदमी हुन को आनो से पहले दुसरी जात हुन को संग खायो करत रह, पर जब वी आया ते खतना वाला अदमी हुन को डर को मारे उ पिछु हट गयो अर किनार होन लग्यो।

13 ओको संग म बचियो वाला यहूदी हुन न भी कपट करयो, असो तक कि बरनबास भी उनको कपट म पड गयो।

14 पर जब मी न देखो की वी चोक्खो या जिन्दो सुसमाचार कि सच्चाई पर सिधो तरीका से नी चला, ते मी न सब को सामे कैफा से कय्हो, “जब तू यहूदी हो ख दुसरी जात हुन को जसो चला हैं अऊर यहूदी हुन को जसो नी ते तू दुसरी जात वाला ख यहूदी हुन को जसो चलन ख काहे बोला हैं?”

~~~~~

15 हम तो जनम से यहूदी आय, पापी दुसरी जात वाला म से नी।

16 तेभी असो समझ ख कि इंसान नेम को काम हुन से नी, पर सिर्फ यीसु मसी पर भरोसा करन को द्वारा धर्मी ठहरा हैं, हम न तुम भी मसी यीसु पर भरोसा करो कि हम नेम का काम हुन से नी, पर मसी पर भरोसा करन से धर्मी ठहरे; एकोलाने कि नेम को काम हुन से कोई इंसान धर्मी नी ठहरन को।

17 अपुन जो मसी म धर्मी ठहरनो चाहवा हैं, अदि हम ही पापी निकले ते का मसी पाप को सेवक आय? कभी भी नी!

18 काहेकि जे कुछ मी न गिरा दियो अदि ओखा ही फिर से बनाऊं हैं, ते मी स्वयं ख पापी मानू हैं।

19 मी तो नेम को द्वारा नेम को लाने मर गयो कि परमेस्वर को लाने जीऊं या जिन्दो होऊ।

20 मी मसी को संग सुली पर चढायो गयो हैं, अब मी जिन्दो नी रयो, पर मसी मोरो म जिन्दो हैं; अर मी सरीर म अबा तो जिन्दो हैं ते सिर्फ उ भरोसा से जिन्दो हैं जे परमेस्वर को पोरिया पा हैं, जेना मोसे प्रेम करयो अर मोरो लाने अपनो तुम ख दे दियो।

11 मी परमेस्वर की दया ख बेकार नी जान देहु; काहेकि अदि नेम को हिसाब से धर्मी होतो, ते मसी को मरनो झुटो ठहरतो।

### 3

~~~~~

1 अरे बे अकली गलाती हुन, कोना तुम ख मोह लियो हैं? तुम्हारी तो समझनू आँख हुन को सामे यीसु मसी सूली पर चढ़ायो गयो!

2 मी तुम से सिर्फ यू जानन चाहूँ हैं कि तुम न आत्मा ख का नेम को काम हुन से या भरोसा को खबर से पायो?

3 का तुम असा बे अकली हैं कि आत्मा को हिसाब से सुरू कर ख अब सरीर को अनुसार पर खतम करेगों?

4 का तुम न इतो दुख बेकार म उठायो? पर असो कभी भी बेकार नी।

5 जे तुम ख आत्मा को दान देवा अर तुम म सक्ति को काम करा हैं, उ का नेम हुन को काम हुन से या चोखो संदेस पर भरोसा करनु से असो करा हैं?

6 “अब्राहम न तो परमेस्वर पर भरोसा करयो अर यू ओको लाने धर्म को काम गीनो गयो।”

7 एको मतलब समझ लेव की जे भरोसा करन वाला हैं, वीच ही अब्राहम की अवलाद आय।

8 अर सुध्दसास्र न पहलो से ही यू समझ ख की परमेस्वर दुसरी जात वाला ख भरोसा करनु से धर्मी ठहरायगो, पहले से ही अब्राहम ख या अच्छी खबर सुना दियो कि “तोमा पुरी जात आसीवांद पाहेगो।”

9 एकोलाने जे भरोसा करन वाला हैं, वी भरोसा करन वाला अब्राहम को संग आसीस पावा हैं।

10 एकोलाने जित्ता अदमी नेम को काम हुन पर भरोसा रखा हैं, वी सब सराप को बस म हैं, काहेकि लिखो हैं, “जे कोई नेम को किताब म लिखी वाली सब बात हुन को करनो म खडो नी रहवा, उ सरापित हैं।”

11 पर या बात उजागर हैं कि नेम को हिसाब से परमेस्वर को येमा कोई धर्मी नी ठहरा, काहेकि धर्मी इंसान भरोसा करनो से जिन्दो रहेगो।

12 पर नेम को भरोसा से कोई लेनो देनो नी; काहेकि “जे उन ख मानेगो, उ उनको कारन जिन्दो रहेगो।”

13 मसी न जे हमरो लाने सरापित बनीयो, हम ख मोल लेखा नेम को सराप से छुड़ायो, काहेकि लिखो हैं, “जे कोई काठ पर लटकायो जावा हैं उ सराप म हैं।”

14 यू एको लाने भयो कि अब्राहम को आसीवांद मसी यीसु म दुसरी जात हुन तक पहुँचे, अर हम उ भरोसा को व्दारा वा आत्मा ख पाहे जेको वादा भयो हैं।

~~~~~

15 अरे भैया हुन, मी इंसान हुन कि रीति रीवाज को हिसाब से बोलू हैं; इंसान को वादा (वचन) भी जो पक्को हो जावा हैं, ते न कोई ओ ख टाल हैं अर न ओमा कुछ बढ़ावा हैं।

16 एकोलाने वादा अब्राहम ख अर ओकी अवलाद ख दी गई। उ असो नी कहाँ, “खानदान हुन ख,” जसो ढेर सारा को बारे म क्य्हो; पर जसो एक को बारे म कि “तोरो खानदान ख” अर उ मसी आय।

17 पर मी असो कहूँ हैं: जे नेम परमेस्वर न पहले से पक्की करी रह, ओ ख नेम चार सब तीस साल को बाद आ ख नी टाल सका कि वादा झुटो ठहरे।

18 काहेकि अदि परमेस्वर को राज म जगह नेम से मिली हैं ते फिर वादा से नी, पर परमेस्वर न अब्राहम ख वादा को व्दारा सोप दियो हैं।

~~~~~

19 ते फिर नेम काहे दियो गयो हैं? वा तो को कारन बाद म दी गई कि वा संतान को आन तक रहे, जे ख वादा दियो गयो रह; अर वा स्वर्ग दूत हुन को द्वारा एक बिचवई को हात ठहराई गई।

20 बिचवई तो एक को नी होवा, पर परमेस्वर एक ही आय।

21 ते का नेम परमेस्वर को वादा को विरोध म हैं? कसो भी तरीका से नी! काहेकि अदि असो नेम दियो जातो जो जीवन दे सका हैं, ते सही म धर्मी नेम से होतो।

22 पर सुध्दसास्त्र न सब ख पाप को बस म कर दियो, एकोलाने उ वादा जेको उसुल यीसु मसी पर भरोसा करनु हैं, भरोसा करन वाला को लाने पुरी हो जाय।

23 पर भरोसा को आनो से पहले नेम को बस म हमारी रखवाली होवत रह, अर उ भरोसा को आनो तक जे परघट होन वालो हतो रह, हम ओको ही बंधन म रहे।

24 एकोलाने नेम मसी तक पहुँचावन को लाने गुरू भई हैं की हम भरोसा करनु से धर्मी ठहरे।

25 पर जब भरोसा आ गयो, ते अब अपुन गुरू को बस म नी रहन का।

26 काहेकि तुम सब उ भरोसा को द्वारा जो मसी यीसु पर हैं, परमेस्वर कि संतान आय।

27 अर तुम म से जित्त न मसी म बपतिस्मा लियो हैं। उन न मसी ख पहिन लियो हैं।

28 अब न तो कोई यहूदी रयो अर न यूनानी, न कोई नउकर न आजाद न कोई नर न नारी, काहेकि तुम सब मसी यीसु म एक हैं।

29 अर अदि तुम मसी का हैं ते अब्राहम की अवलाद अर वादा को अनुसार संतान भी हैं।

4

1 मी यू कहूँ हैं, कि संतान जब तक छोटी हैं, हलांकि सब चीज हुन को मालीक या प्रभु हैं, तेभी ओ म अर नउकर म कोई अन्तर नी।

2 पर बाप को ठहराया वाला दिन तक देख-रेख अर भण्डारी करन वाला को बस म रहवा हैं।

3 वसा ही हम भी, जब छोटा हता, ते दुनिया कि सुरू से कि रीति-रिवाज को ग्यान को बस म होका नउकर बनिया हता।

4 पर जब बखत पुरो भयो, ते परमेस्वर न अपनो पोरिया ख पहुँचायो जो ओरत से पैदा भयो, अर नेम को बस म पैदा भयो।

5 काहेकि नेम का गुलाम हुन ख मोल लेका छुड़ा ले, अर हम या हमरो ख पालक पोरिया होन को हक मिले।

6 अर तुम जे पोरिया आय, एकोलाने परमेस्वर न अपनो पोरिया को आत्मा ख, जे अरे भगवान, अरे बाप बोल ख पुकारा हैं, हमरी मन म भेजो हैं।

7 एकोलाने तू अब नउकर नी, पर पोरिया आय; अर जब पोरिया भयो, ते परमेस्वर को द्वारा अवलाद भी भयो।

~~~~~

8 पहले तो तुम परमेस्वर ख नी जान ख उनका दास हता जो स्वभाव से परमेस्वर नी,

9 पर अब जे तुम न परमेस्वर ख पहिचान लियो पर परमेस्वर न तुम ख पहिचानो, ते वा कमजोर अर निकम्मी सुरू कि सिक्छा कि बात हुन कि तरफ काहे फिरा हैं, जिनको तुम दुसरी बार गुलाम सेवक होनो चाहवा हैं?

10 तुम दिन हुन अर महीना हुन अर ठीक बखत का तो माना हैं।

11 मी तुम ख परमेस्वर म डराऊँ हैं, कभी असो नी होय की जे मेहनत मी न तुम्हारो लाने करी हैं वा बेकार ठहरे।

12 अरे भई हुन मी तुम से विनती करूँ हैं, तुम मोरा जसा हो जाव; काहेकि मी भी तुम्हारो जसो हो गयो हैं; तुम न मोरो कुछ हानि नी बिगाड़ा।

13 पर तुम जाना हैं कि सबसे पहले मी न सरीर कि कमजोरी को लाने तुमका सुसमाचार सुनायो।

14 अर तुम न मोरी सारीरिक दसा ख जो तुम्हारी परीक्छा को कारन हती, बेकार मत समझनू; न ओसे बुराई करी; अर परमेस्वर को दूत पर स्वयं मसी यीसु को समान मोखा अपनायो।

15 ते वा तुम्हारी खुसी मनानो किते गयो? मी तुमरो गवाह हँ कि अदि हो सका हँ ते तुम अपनी आँख भी निकाल ख मोखा दे देता।

16 ते का तुम से सही बोलन को लाने मी तुम्हारो बैरी बन गयो हँ?

17 वी तुम ख दोस्त तो बनानु चाहवा हँ, पर अच्छी सोच से नी, पर तुम ख अलग करनु चाहवा हँ कि तुम उन ख ही दोस्त बना लेहे।

18 पर यू भी चोक्खो हँ कि अच्छी बात म हर बखत दोस्त बनान की मेहनत करी जाए, नी सिर्फ उत्तीब बखत की जब मी तुम्हारो संग रहू हँ।

19 अरे मोरा पोरिया हुन, जब तक तुम म मसी को रूप नी बन जाय, तब तक मी तुम्हरो लाने फिर पोरिया-पारी पैदा होन की जसी दुख उठाऊ हँ।

20 इच्छा तो असी होय हँ की अब तुम्हारो पास आ ख अऊर ही तरीका से बोलू काहेकि तुम्हारो बारे म मी उलझन म हँ।

~~~~~

21 तुम जो रीति-रीवाज को हिसाब से चलनू चाहवा हँ, मो ख बताव, का तुम नेम की नी सुना?

22 यू लिखो हँ कि अब्राहम ख दो पोरिया भया; एक नऊकरानी या दासी से अर एक ओकी घर वाली से।

23 पर जो नऊकरानी दासी से पैदा भयो, उ सरीर कि रीति से पैदा भयो; अर जे ओकी घर वाली से पैदा भयो, उ वादा को हिसाब से पैदा भयो।

24 या बात हुन म कुछ मतलब हँ, या बाई हुन मान लेनू दो वादा हँ, एक तो सीने पहाड़ की जे म सेवा करन वाला ही पैदा होवा हँ अर वा हाजिरा हँ।

25 अर हाजिरा मानलेनु अरब को सीने पहाड़ हँ, अर नयो यरूसलेम ओको जसो हँ, काहेकि वा अपना पोरिया-पारी समेत गुलामी (सेवक) म हँ

26 पर ऊपर की यरूसलेम स्वतरत हँ, अर वा हमरी माय आय।

27 काहेकि लिखो हँ, “अरे बाँझ,
“तोसे जो अवलाद पैदा नी होत आय खुसी मना;

तू जेखा दुख नी उठा, गरो खोल ख जय जयकार कर।”

काहेकि छोडी वाली की अवलाद सुहागन की अवलाद से भी बढ ख हँ।

28 हे भैय्या हुन अर बहिन हुन, ते इसहाक को जसा वादा कि अवलाद आय।

29 अर जसा उ बखत सरीर की रीति-रीवाज अनुसार पैदा भयो वालो। आत्मा को अनुसार पैदा भयो वालो ख सतात रह वसो ही अब भी होवा हँ।

30 पर सुध्दसात्र का कहा हँ? “दासी अर ओखा पोरिया पारी ख निकाल दा, काहेकि दासी को पोरिया बिहाई वाली ओरत को पोरिया को संग जायजाद को वारिस नी होन को।”

31 एकोलाने भैय्या हुन, हम दासी का नी पर बिहाई वाली ओरत की अवलाद हँ।

5

~~~~~

1 मसी न मोक्छ को लाने हमका स्वतरत करयो हँ; एकोलाने ऐमा ही बनिया रहो, अर गुलामी कि बोझ म फिर से गुलाम मत बननू।

2 सुनो, मी पोलुस तुम से कहूँ हँ कि अदि खतना करायगो, ते मसी म तुम ख कुछ फायदा नी होन को।

3 फिर भी मी हर एक खतना करान वाला ख जता देऊ हँ, की ओखा पुरो नेम पालन करनो पड़े।

4 तुम जो नेम को व्दारा धर्मी ठहरनू चाहवा हँ, मसी से अगल अर दया से दुर हो गया हँ।

- 5 काहेकि आत्मा को कारन हम भरोसा से, आसा करो वालो धार्मिकता की रस्ता देखा हैं।
- 6 मसी यीसु म न खतना अर न ही खतना नी करनो महत्व कुछ काम को हैं, पर सिर्फ भरोसा, जो प्रेम को ब्दारा प्रभाव डाला हैं।
- 7 तुम तो अच्छी-भली दऊड दऊडत रह। अब को न तुम ख रोक दियो कि सही ख मत माननू।
- 8 असी सीख तुम ख बुलान वालो की तरफ से नी हाय।
- 9 थोडो सो बुर चड़ियो वालो आटा ताजो आटा ख बुर लगा देवा हैं।
- 10 मी प्रभु पर तुम्हारे बारे म भरोसा रखू हैं कि तुमरो कोई दुसरो विचार नी होन को; पर जो तुम ख घबरा देवा हैं, उ चाहे कोई भी काहे नी होय दण्ड पाहे।
- 11 पर भैय्या हुन भई, अदि मी अबा तक खतना प्रचार करू हैं ते काहे अबा तक सतायो जाऊ हैं? फिर तो सूली कि टोकर जाती रही।
- 12 भलो होतो कि जो तुम ख डाँबाडोल करा हैं, वी अपनो अंग ही काट डालता।
- 13 हे भैय्या हुन अर बहिन, तुम स्वतरत होन ख लाने बुलायो गया हैं; पर असो नी होय की या स्वतंतरता सारीरक काम हुन को लाने काम कि चीज बने, वरन प्रेम से एक दुसरा को लाने गुलाम बनो।
- 14 स्वतंतरता सरीर को काम हुन को लाने अवसर बने, पर प्रेम से एक दुसरा का सेवक बनो। काहेकि पुरो नेम एक ही बात से पुरो हो जावा हैं, “तू अपनो पडोस वालो से अपनो जसो प्रेम रखजो।”
- 15 पर अदि तुम एक दुसरा ख दाँत से चाबा अर फाड़ खावा हैं, ते सतर ख रहनु कि एक दुसरो को सत्यानास नी कर देनू।

~~~~~

- 16 पर मी कहू हैं, आत्मा को हिसाब से चलो ते तुम सरीर कि इच्छा कोई भी तरीका से पुरी नी करन का।
- 17 काहेकि सरीर आत्मा को विरोध म अर आत्मा सरीर को विरोध म लालसा करा हैं, अर यी एक दुसरा ख दुसमन हैं, एकोलाने कि जो तुम करनु चाहवा हैं उ नी कर सकन ख।
- 18 अऊर अदि तुम आत्मा को हिसाब से चला हैं ते नेम को बस म नी रया।
- 19 सरीर का काम तो उजागर दिखा हैं, एकोमतलब गलत काम, बुरा काम असुध्द, लुचवई,
- 20 मूर्ति का पुजनु, जादू-टोना करनु, बैर, झगडा, जलन रखनो, गुस्सा, बहस, फुट डालनो, विधर्म,
- 21 डाह, मतवालोपन, लीलाक्रीडा अर इनको जसा अऊर काम हैं, इनको बारे म मी तुम से पहले से कह देऊ हैं जसो पहले कैय भी चुक्यो हैं, कि असा-असा काम करन वाला परमेस्वर को राज की अवलाद नी होन का।
- 22 पर आत्मा को फल प्रेम, खुसी, सान्ति, सबर, किरपा, भलाई, भरोसा,
- 23 भोलो पन नमरता, अऊर संयम हैं असा-असा काम हुन को बदला विरोध म कोई भी नेम नी हाय।
- 24 अऊर जे प्रभु यीसु मसी ख हैं, उन न सरीर ख ओकी इच्छा हुन अर पान की आस समेत सूली पर चढ़ा दिया हैं।
- 25 अदि हम आत्मा की वजेसे जिन्दा हैं, ते आत्मा को हिसाब से चले भी।
- 26 हम घमण्डी हो ख नी एक दुसरा ख छेडे, अऊर न एक दुसरो जलान से जलान करे।

6

~~~~~

- 1 अरे भैय्या हुन अर बहिन, अदि कोई अदमी कोई अपराध म पकडा भी जाय ते तुम जे आत्मिक हैं, नम्रता को संग असा ख संभालो, अर अपनी भी देख भाल रखनू कि तुम भी परीक्या म मत पढ़नु।
- 2 तुम एक दुसरा को भार उठानो अर असो तरीका से मसी को नेम ख पुरो करो,

3 काहेकि अदि कोई कुछ नी होनो पर भी अपनो तुम ख कुछ समझा हैं, ते अपनो तुम ख धोका देवा हैं।

4 पर हर एक अपनो ही काम ख परख ले, अर तब ओको बारे म नी पर अपनो ही बारे म ओखा घमंड करन को मऊका मिलेगो।

5 काहेकि हर एक अदमी अपनो ही बोझ उठाएगो।

6 जो वचन कि सिक्छा सुना हैं, उ सब भली चिज हुन ख सिखन वालो ख भागी करियो।

7 धोका मत खानु; परमेस्वर मजाक म नी उडायो जावा, काहेकि जो कुछ इंसान बोवा हैं उईच काटेगो।

8 काहेकि जो अपनो सरीर को लाने बोवा हैं वई सरीर को व्दारा नास होन वाली कटनी काटेगो; अर जे आत्मा को लाने बोवा हैं, उ आत्मा को व्दारा अनन्त जीवन कि कटनी काटेगो।

9 हम भलाई करनो म हिम्मत नी छोडन का काहेकि हम ढीला नी होन का ते अच्छी बखत म कटनी काटेगो।

10 एकोलाने जहाँ तक मोखा मिले हम सब को संग म अच्छी तरीका से भलाई करे, खास कर ख भरोसा करन वाला भई हुन को संग।

**~~~~~**

11 देखनु, मी न कसा बड़ा-बड़ा अक्छर हुन म तुम ख अपनो हात से लिखो हैं।

12 जे अदमी सरीर को हिसाब से दिखानु चाहवा हैं विईच ही तुम ख रीति-रिवाज ख मानन को लाने दबाव डाला हैं, सिर्फ एकोलाने कि वी मसी की सूली को लाने सताया नी जाय।

13 काहेकि रीति-रीवाज ख मानन वाला स्वयं तो नेम पा नी चला, पर तुम ख रीति-रीवाज एकोलाने मानन की लगावा हैं कि तुमरो सरीर को हिसाब से चलनो पर घमण्ड करे।

14 पर असो नी होय की मी कोई अऊर बात को घमण्ड करूं, सिर्फ हमारो प्रभु यीसु मसी की सूली को, जेको व्दारा दुनिया मोरी नजर म अर मी दुनिया की नजर म सूली पर चढ़ायो गयो हैं।

15 काहेकि न रीति-रीवाज अर न खतना कुछ हैं, पर नई पृथ्वी।

16 जित्ता या बखत म चले उन को पर अर परमेस्वर को इस्राएल पर सान्ति अर दया होते रहे।

17 आगे ख कोई मोखा दुख नी देन का काहेकि मी यीसु का दाग हुन ख अपनो सरीर म लेखा फिरू हैं।

18 अरे भैया हुन, हमरो प्रभु यीसु मसी की दया तुमरी आत्मा को संग रहे। आमीन।

## इफिसीयो के नाम पोलुस का पत्र इफिसीयो को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

इफिसीया ख लिखी चिट्ठी लगभग उही बखत लिखी गई हती जब कुलुस्सियो ख मसी ख जनम को 60 साल बाद लिखी गई हती। लेखक खुद को प्रेरित पोलुस 1:1 को रूप म पहचान देवह हैं। अधिकास विध्वान या बात से सहमत हैं कि पोलुस न इफिसीयो ख लिखो, भलो ही येमा कुलुस्सियो म पायो जावन वालो व्यक्तिगत अभिवादन को अभाव आय। यू वजे से येखा प्रांत ख कई चर्चों म प्रसारित करन को इरादा हो सकह हैं। पोलुस न याहा भी उल्लेख कियो हैं कि जब ओ न चिट्ठी 3:1; 4:1; 6:20 लिखो थो तब वाहा जेल म थो। पोलुस न तुखिकुस ख इफिसुस ख कलीसिया ख यातरा प जावन को लाने चिट्ठी भेजी। 6:21-22

इफिसुस एसिया माइनर प्रांत को लाने एक बेजा बडो सहर अऊर रोमन राजधानी हती। इफिसुस अपनो मंदिर को लाने प्रसिध्द थो जे ग्रीक देवी आर्टेमीस ख समर्पित थो। प्रेरितो 19:23-31 इफिसुस ख कलीसिया न एक मजबूत सुरूआत करी थी लेकिन बाद म आत्मसन्तुष्ट हो गई। प्रकासितवाक्य 2:1-7 पोलुस यू चिट्ठी को पहलो भाग म समझावा हैं की कसो परमेस्वर न अपनो लोगो हुन ख चुन्यो अऊर उन ख यीसु मसी को दुवारा उन को पाप हुन से बचायो। वाहा कलीसिया हुन की तुलना एक सरीस से करह हैं जे म मसी सिर को रूप म अऊर मेन आधारसिला को रूप म मसी को संग एक इमारत को रूप म हैं। किताब को दुसरो भाग म पोलुस मसी जिन्दगी को लाने निर्देस देवा हैं।

### रूप रेखा:

1. अध्याय म पोलुस अपनो परिचय देवा हैं अऊर इफिसीयो को अभिवादन करह हैं। 1:1-2
2. फिर वाहा मसी को संग कलीसिया को सम्बन्ध की व्याख्या करह हैं। 1:3—3:21
3. तब पोलुस लिखह हैं कि मसी हुन ख किस तरीका कि जिन्दगी जिनो चाहिए। 4:1—6:20
4. अंत म पोलुस कुछ समापन टिप्पनी देता हैं। 6:21-24

### परिचय

1 इफिसुस प्रदेश ख संत यीसु अऊर उन सुध्द मसी म सच्चा विस्वासी हुन को नाम पोलुस कि चिट्ठी, जो परमेस्वर की मर्जी से यीसु मसी को प्रेरित चुनियो वालो हैं।

2 हमरो परमेस्वर बाप अर प्रभु यीसु मसी तुम सब इंसान हुन ख किरपा अर सान्ति देते रैय।

### धन्य हैं परमेस्वर, हमरो प्रभु यीसु मसी को बाप! ओ ना मसी को वजे से हम इंसान हुन ख स्वर्ग

3 धन्य हैं परमेस्वर, हमरो प्रभु यीसु मसी को बाप! ओ ना मसी को वजे से हम इंसान हुन ख स्वर्ग का हर तरीका का आत्मिक आसीस दियो हैं

4 ओ न हम ख संसार को बननो से पहिले मसी म हमका चुनियो,  
जसो हम मसी म एकजुट हो का ओकी नजर म सुध्द अर बेकसूर बने।

5 ओ ना प्रेम से भर ख सुरू ही म चुन लियो कि हम यीसु मसी को जरिया से ओखा पालक पोरिया बने यू परमेस्वर कि मर्जी से भयो,

6 कि ओकी वा दया की मेहमा कि बड़ाई होय, जे ख ओ न अपनो प्यारो पोरिया को वजे से फुकट म दे दियो।

7 जो हमका ओको खून को दुवारा छुटकारा, यनेकी पाप हुन कि छमा दिलावा हैं। या ओकी अपरंपार किरपा को धन आय।

8 जो ख ओ न पुरो ग्यान अऊर समझ सहित

हम प बहुतायत से करियो।

9 काहेकि परमेस्वर न अपनो मन को भेद वा सोच ख बतायो, जे ख ओ ना अपनो तुम म ठान लियो रह

10 परमेस्वर कि योजना बखत को सही मऊका आन पर स्वर्ग म की अर जे कुछ जमीन पा हैं, सब कुछ चीज यीसु मसी म एक जुट करे।

11 सब बात हुन पिलान अऊर परमेस्वर को निर्णय को हिसाब से करी जाय हैं। अऊर परमेस्वर न अपनो निजी निर्णय को वजे से ही हमका उईच मसी म संत बनन को लाने चुनियो हैं। असो ओको ही हिसाब से भयो जेखा परमेस्वर न कोई जमाना से ठान ख रख्यो रहा।

12 कि हम, जिन न पहले से मसी पर आसा रखी हती, ओकी महिमा की स्तुति को वजे हो।

13 अऊर ओ म ही तुम प ही, जब तुम न सत्य को वचन सुन्यो जे तुम्हरो उध्दार को अच्छो समाचार आय अऊर जे पर तुम न भरोसा करियो, वादा कियो हुआ सुध्द आत्मा की मोहर लगायो।

14 सुध्द आत्मा हमका छुटकारा हो सका हैं आगे असो सोच ख हमका मिलो हैं, कि परिपक हो जान को बाद हमरो पुरो छुटकारा हो गयो हैं, जो से परमेस्वर कि मेहमा अर बड़ाई होय।

~~~~~

15 मीना प्रभु यीसु म तुम इंसान हुन को विस्वास अर सब सुध्द लोग हुन को प्रति तुमरो प्रेम को बारे म सुनियो हैं,

16 तुम्हरो लाने धन्यवाद करनो नी छोड़, अऊर अपनी प्रार्थना हुन म तुम्हरो याद किया करें हैं।

17 महिमामय बाप, जो कि हमरो प्रभु यीसु मसी को परमेस्वर जो मेहमा या बड़ाई को बाप आय, तुम ख अपनी पहिचान म ग्यान म अऊर प्रकास कि आत्मा दे,*

18 अर उ तुम इंसान हुन कि मन की आँख कि ज्योत खोले, जसो तुम यू देख सके कि ओको वजे से बुलायो जान को लाने तुम इंसान हुन की आसा किती बड़ी हैं अऊर सुध्द लोग को संग तुम इंसान हुन ख जो जगह मिली हैं, वा किती ऐस आराम से मेहमामय हैं,

19 अर हम विस्वासी हुन को कल्यान को लाने ओकी सामर्थ्य हम म जो भरोसा करा हैं, किती महान हैं, ओकी सक्ति को प्रभाव को काम को अनुसार

20 परमेस्वर ने मसी म अपनी सक्ति ख तब दिखायो, जब ओ ना मूर्दा म से यीसु ख जिन्दो कर ख दिखायो अऊर स्वर्ग म अपनी जेवनो बाजू बिठायों।*

21 परमेस्वर न ओखा सब तरीका का प्रधानता अर अधिकार हुन, सक्ति हुन, अर प्रभुता को प्रभु को ऊपर सासन करा हैं; अर हर एक नाम को उपर, जो न सिरप यू लोक म पर आन वालो लोक म भी लियो जाहे, बिठायो;

22 अर ओ ना सब कुछ मसी को पाय को नीचु कर दियो; अर ओखा सब चीज को उपर सिरमणि ठहरा कर कलेसिया ख सोप दियो।*

23 कलेसीया मसी को सरीर आय, मसी कि भरपुरी हैं, जो सब कुछ सब तरीका से पूरो करा हैं।

2

~~~~~

1 तुम इंसान हुन खुदका पाप अऊर अपराधी हुन को वजेसे मर गया रहा;

2 काहेकि तुमरो सुभाव पहिले यू दुनिया की रीति को हिसाब से, आकास म हक जमाना वालो मुखिया को जसो थो। तुम वा आत्मा को अनुसार चलत हता, जो अब भी परमेस्वर ख बैरी हुन म काम करा हैं।



3 इनमा हम भी सब का सब पहिले वी बुराई करनो म सामिल हता, जब हम अपनी बुरो सुभाव को बस म होका अपनो सरीर अर मन कि इच्छा ख पुरी करत रह। हम दुसरा इंसान हुन का जसा अपनो सुभाव को वजे से परमेस्वर को डंड का हकदार हता।

4 पर परमेस्वर न जो दया को धनी हैं, अपनो उ बडो प्रेम को कारन जसो से ओ न हम से प्रेम करो,

5 जब हम पाप को कारन मरिया हता ते हम ख मसी को संग जिलायो (रहम ही से या दया से तुमरो उध्दार भयो हैं),

6 अर ओ ना यीसु मसी म ओको संग हम सब ख फिर जिन्दो करयो, अर ओको ही संग स्वर्ग म बिठाल्यो।

7 ओ ना हम ख यीसु मसी म जो दया दिखई, ओको वजे से ओ ना आवन वाली दुनिया को लाने अपनी दया को आपार धन उजागर करयो

8 काहेकि परमेस्वर की किरपा न भरोसा को वजेसे तुम इंसान हुन को उद्धार करो हैं। यू तुमरो कोई पुन्य को काम को फल नी आय यू तो परमेस्वर को वरदान आय।

9 यू कोई तुमारी मेहनत को फल नी आय अर एकोलाने एको कोई भी कोई घमण्ड नी सकन को।

10 काहेकि हम परमेस्वर को हात से बनिया वाला हैं, ओ ना यीसु मसी म हमारी रचना करी, जसो हम वी भली बात हुन को काम ख पुरा करते रहे, जिनका परमेस्वर न हमारो लाने तैयार कर ख रख्यो हैं।

~~~~~

11 असो तरीका से तुम याद करनु की तुम जे सरीर की रीति पर दुसरी जात का हैं (अर जे अदमी सरीर म हात को करिया वाला खतना से खतना वाला कहलाय हैं, वी तुम ख खतना रहीत काहा हैं),

12 तुम इंसान हुन वा बखत मसी से अलग हता, अर इस्राएल कि प्रजा को पद से अलग करिया वाला अर वादा कि वाचा हुन ख हकदार नी हता, अऊर आसा हीन अर दुनिया म परमेस्वर से दुर हता।

13 पर अब मसी यीसु म तुम इंसान हुन पहलो दुर हता, पर यीसु मसी को खून को वजेसे नजीक आ गया हैं।

14 काहेकि उईच हमरो सान्ति हैं जेना यहूदी अर गैर यहूदी हुन का एक कर दियो अर दोई ख जो अलग करन वाली दिवाल हती ओखा उनना गीढा दियो,*

15 नेम को आदेस ख रद्द कर ख। असो तरीका से उनना यहूदी हुन अऊर गैर यहूदी हुन अपनो म मिला ख एक नयी पिडी की रचना करी अऊर सान्ति बना ख रखी।

16 ओ ना सूली पा बैर ख नास कर ख दोई ख एक ही सरीर बना ख परमेस्वर को संग मेल करायो असो तरीका से बैर ख खत्म कर दियो।

17 ओ न आका दोई ख सान्ति को सुसमाचार सुनायो: तुम इंसान हुन ख, जो दुर हता अर वी इंसान हुन ख जो जोने हता;*

18 काहेकि ओको ही दुवारा हम दोई कि एक ही आत्मा म परमेस्वर बाप को जोने पहुँचा सका हैं।

~~~~~

19 एकोलाने तुम इंसान हुन अब परदेसी अर मुसाफिर नी रया, बल्कि सुध्द इंसान हुन का संगी संगी हैं अऊर परमेस्वर को घराना का हो गया।

20 तुम इंसान हुन को जनम उ भवन को रूप को लाने भयो हैं, जो प्रेरित अऊर भविष्यवक्ता हुन की नीव पा खडो हैं अऊर जेको कोना को पत्थर खुद यीसु मसी हैं।\*

21 उनको ही दुवारा पूरा भवन एकजुट हो ख प्रभु को लाने सुध्द मन्दिर को सरूप धारन करा हैं,

22 उनको ही वजेसे तुम इंसान हुन भी यू भवन म जुड़ जावा हैं, जसो तुम सुध्द आत्मा म परमेस्वर को लाने एक रहन की जगह बनिया हैं।

### 3

~~~~~

1 यूही वजह से मी पोलुस जे तुम दुसरी जात हुन को लाने मसी यीसु को बन्दी हूँ।

2 अदि तुम न परमेस्वर को उ दया को प्रबंध को समाचार सुना हो, जे तुम्हारो लाने मो ख दियो गयो,

3 अर्थात् याहा कि वहा भेद मो पर प्रकासन को दुवारा प्ररगट हुआ, जसो मी पहले ही संछेप म लिख चुको हूँ,

4 ओखा तुम पढ ख जान सका हैं कि मी मसी को उ भेद कहाँ तक समझू हैं।

5 उ भेद पिच्छु की पीढ़ी हुन ख इंसान हुन ख नी बतायो गयो रहा अऊर अब आत्मा को वजेसे ओखा सुध्द प्रेरित हुन अऊर भविष्यवक्ता हुन ख बता दियो गयो हैं।

6 उ भेद आसो हैं कि सुभ समाचार को दुवारा यहूदी हुन को संग गैर यहूदी हुन एक ही जायजात ख पान वाला हकदार हैं, एक ही सरीर ख अंग आय अऊर यीसु मसी म जो वादा हम ख दियो गयो हैं, ओमन संयोगी हैं।

7 मी परमेस्वर को अपनी सक्ति को प्रभाव को वजेसे मोखा या दया दिली हैं की मी उ सुभसमाचार को सेवक बनूँ।

8 मोरो ऊपर जे सब सुध्द संत हुन म से छोटो से भी छोटो हैं, या रहम या दया भई की मी सब दुसरी जात वाला हुन ख मसी को अगम्य धन को सुसमाचार सुनाऊ,

9 अर सब इंसान हुन ख या बात को भेद सुनाऊ कि, कि उ भेद को राज का हैं, जो सब ख रचन वालो परमेस्वर म सुरु से गुप्त हतो।

10 काहेकि अब कलेसिया को दुवारा परमेस्वर को अनेक तरीका को ग्यान वी प्रधानता हुन अर अधिकारी हुन पा जो स्वर्ग म हैं, परगट करो जाय।

11 परमेस्वर न सनातन काल से जो मनसा अपनो मन म रख्यो रहा, ओ ना ओखा हमरो प्रभु यीसु मसी को दुवारा पुरो करयो।

12 हम मसी पर भरोसा करा हैं, अऊर एको वजेसे हम पक्को भरोसा को संग बे फिकर हो ख परमेस्वर को जोने जावा हैं।

13 एकोलाने मी तुम से बिनती करू हैं कि जो दुख मी तुमरो लाने से रयो हैं, उनको वझे से तुम हिम्मत मत छोड़नो, काहेकि येमा ही तुमारी महिमा हैं।

~~~~~

14 मी एको ही लाने परमेस्वर बाप को जोने घुटना टेकु हैं,

15 जसो स्वर्ग अर जमीन पा, हर एक घराना को नाम रखो जावा हैं,

16 कि वाहा अपनी महिमा को धन को अनुसार तुम्हे यू दान दे कि तुम ओको आत्मा से अपनी भीतरी इंसान हुन म सामर्थ्य पा ख बलवन्त होतो जाओ;

17 जसो विस्वास दुवारा मसी तुमरो मन म राज करे, प्रेम म तुमरी जड़ हुन अऊर गहरी होय अर नीव पक्की मजबुत होय।

18 असो तरीका से सब सभी सुध्द इंसान हुन को संग मसी को प्रेम की चऊड़ाई, लम्बाई, उँचई, अर गहरी किती हैं समज जाहे।

19 तुम इंसान हुन ख ओको प्रेम को ग्यान मिल्यो होए, फिर भी उ ग्यान से परो हैं। असो तरीका से तुम इंसान हुन, परमेस्वर ख जान सका हैं अऊर तुम ओको बारे म पुरो जान सका हैं।

<sup>20</sup> अब जो असो सामर्थी हैं कि हमरी बिनती अर समझ से कही जादा काम कर सका हैं, वा सक्ति को दुवारा जो हमारो म काम करा हैं,

21 ओकी महिमा कलेसिया म अर मसी यीसु म ओकी महिमा पीढ़ी से पीढ़ी तक हमेसा काल होती रहे। आमीन।

4

[\[?\]\[?\]\[?\] \[?\]\[?\] \[?\]\[?\]\[?\]\[?\] \[?\] \[?\]\[?\] \[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#)

1 परमेश्वर न तुम इंसान हुन ख बुलायो हैं। तुम अपनो बुलायो जान को हिसाब से चाल चलो यू मोरो तुम से निवेदन हैं, जसो मी प्रभु को लाने गलामी म हैं।

<sup>2</sup>तुम पुरो तरीका से विनम्र, सैयम अर सहनशील बने, प्रेम से एक दूसरा ख सैय लेव

3 अर सान्ति को सुत म बंध ख वा एकता ख, जेखा सुध्द आत्मा हमका देवा है, बना ख रखन की कोसीस करते रहनु।

<sup>4</sup> एक ही सरीर आय, अर एक ही आत्मा; अऊर एक ही आसा, जेको लाने तुम इंसान बुलायो गया है।

<sup>5</sup> एक ही प्रभु हैं, एक ही भरोसा, एक ही बपतिस्मा,

6 अर सबको एक ही परमेश्वर हैं, अऊर बाप हैं, जो सब को ऊपर अऊर सब को बीच म अऊर सब म हैं।

<sup>7</sup>पर हम म से हर एक ख मसी को दान को परिनाम को अनुसार कृपा या दया भई हैं।

8 एकोलाने सुध्द सास्र कहा हैं:

“उ ऊपर पर चढ़ियो  
अर बन्दी हुन ख बाँध ले गयो,  
अऊर अदमी हुन ख वरदान दियो।”

<sup>9</sup> (ओको चढ़न को मतलब पायो जावा यू हैं कि उ पहिले जमीन को नीचे वाली जगह म उतरियो रहा।

10 अर जे उतरियो, यू उईच आय जो आकास से भी ऊँचे पर चड़ियो, जसो उ सब कुछ पुरो करे।

<sup>11</sup> ओ न कुछ ख प्रेरित नियुक्त कर ख, अर भविष्यवक्ता ठहरा ख अऊर कुछ ख सुसमाचार सुनान वाला ठहरा ख अर कोई ख अऊर कोई ख रखवालो अऊर उपदेस देन वाला ठहरा ख दे दियो.

<sup>12</sup> असो तरीका से उनना सेवा को काम को लाने सुध्द इंसान हुन ख काबिल बनायो, जसो मसी को सरीर सुधार करो जाय,

13 जब तक कि हम सबरा का सबरा भरोसा अर परमेस्वर को पोरिया को ग्यान म एक नी हो जाय, अर मसी को हिसाब से परिपक्वता नी हो जाय अरुर अच्छा इंसान नी बन जाय।

<sup>14</sup> एकोलाने हम आगे ख पोरिया पारी नी रहन ख जो अदमी हुन कि ठगन वाली बुद्धी अऊर चतुराई से, उनको ठग विद्या भ्रम कि युक्ति हुन को अर उपदेस को हर एक झोका से उछाला अऊर इते-उते घमाया जावा हैं।

<sup>15</sup> हम प्रेम पुरक सही म चलते रैय, अऊर मसी म सब प्रकार की बढ़ोत्तरी करते जाय। मसी ही कलेसीया को सिर आय,

16 अऊर जो से पुरो सरीर ख ताकत मिला हैं। तब सरीर अपनी हर एक जोड़ की मदत से एक संग मील ख अर एक संग गाँठ ख सभी जोड़ हुन कि मदत से अपनो सुधार होनो तक पहुँचा अऊर प्रेम से अपनो काम करा हैं।

???

17 एकोलाने मी तुम इंसान हुन से यू कहूँ हैं अर प्रभु को नाम म बिनती करूँ हैं कि तुम अब से दुसरी जात को जसो सुभाव मत करनो, बिन सार की बात हुन कि चिन्ता करा हैं।

18 काहेकि उनकी अकल पा पट्टी बंधी हैं। वी अपनो बे ग्यान अऊर मन को द्विटपन को वजेसे परमेस्वर कि ओर से मिलन वालो जीवन की तरफ से फिर गया हैं।

19 अर वी पुरा भलो बन ख बुराई करनो म लग गया हैं कि सब तरीका का बुरा काम मन कि मर्जी से करते रैय।

20 पर तुम न मसी को असो ग्यान नी पायो।

21 वरन तुम न हकीगत म ओको ही बारे म सुनियो अऊर, वा सत्य को हिसाब से ग्यान हासिल करयो भी हैं जो यीसु को वजेसे उजागर भी भई हैं।

22 कि तुम पिछलो चाल चलन को पुरानी ईसानीयत ख जो बहकान वाली मन की मर्जी को हिसाब से भ्रष्ट होते जावा हैं, उतार डालनू।

23 अऊर तुम इंसान हुन पूरो मन से आत्मिक स्वभाव म नया बनते जाव,

24 अर एक नयो सुभाव धरे, जेका परमेस्वर न अपनो हिसाब से सिरजीयो हैं अऊर जे धार्मिकता अऊर सच्ची की सुध्दता म दिखई देवा हैं।

25 एको लाने झुट बोलनो छोड ख हर एक अपनो पड़ोस वालो से सही या सत्य बोले, काहेकि हम आपस म एक दुसरा का अंग आय।

26 घुस्सा तो करनु, पर पाप मत करनु; सूरज दुबनु तक तुमरो घुस्सा नी रहनु चाहिये,

27 अर न सैतान ख अवसर देनु।

28 चोरी करन वालो फिर चोरी नी करन को, वरन भली बात को काम सुरू करनु म अपनो हात से मेहनत करे, एकोलाने कि जेको काम होए ओ ख देन ख ओको जोने कुछ होनु।

29 कोई बुरी बात तुमरो मुँडो से नी निकलनो चाहिये, पर जरूरत को हिसाब से वही निकले जो सुधार को लाने भली होय, ताकि ओसे सुनन वाला पर दया यू कृपा होय।

30 परमेस्वर कि सुध्द आत्मा ख मत दुखाव मत, जो से तुम पर छुटकारा को दिन को लाने मोहर लगायो रहा।

31 सब तरीका कि कडवाहट, अर प्रकोप अऊर घुस्सा, अर कलह, अर बुराई, सब बैरभाव समेत तुम तुम से दुर करी जाय।

32 एक दुसरो पर भलाई अऊर दया करन वालो होय, अऊर जसो परमेस्वर न मसी म तुमरी गलती छमा करी, वसा ही तुम भी एक दुसरा कि गलती माप करो।

## 5

~~~~~

1 एकोलाने प्यारो पोरिया-पारी को जसो परमेस्वर को हिसाब से चलो,

2 अऊर प्रेम म चलो जसो मसी न भी तुम से प्रेम करो, अऊर हमरो लाने अपनो तुम ख सुखदेन वालो सुगन्ध को लाने परमेस्वर को सामने भेंट कर ख बलिदान कर दियो।*

3 जसो सुध्द अदमी हुन को लायक हैं, वसो तुम म गलत काम अऊर कोई भी तरीका को असुध्द या लोभ की चर्चा तक नी होनू चाहिये;

4 अर न बिना सरम, न बेवाकुफ जसी बात करी, न मजाक कि; काहेकि या बात हुन सोभा नी देवा, पर आसीर्वाद ही सुनो जाय।

5 काहेकि तुम या जाना हैं कि कोई पाप करन वालो, या असुध्द अदमी, या लोभी अदमी की, जो मूर्तिपुजा को बराबर हैं, मसी अर परमेस्वर को राज म जगा नी।

6 कोई तुम ख बेकार की बात हुन से धोका नी दे, काहेकि ईच ही काम को वजे से परमेस्वर को घुस्सा कहेना नी मानन वाला पर भडका हैं।

7 एकोलाने तुम उनको संग म सहभागी मत होनु।

8 काहेकि तुम तो पहिले अन्धेरा म हता पर अब प्रभु म उजैरो आय, एकोलाने उजैरो कि अवलाद को जसो चलो।

9 (काहेकि उजैरो* को फल सब प्रकार की भलाई, अर धार्मिकता, अऊर हकीगत या सत्य हैं

10 अर यू परखनु कि प्रभु ख का भावा हैं।

11 अंधेरो को बुरो काम हुन म सहभागी मत होनु, लेकिन उन कि बुराई उन ख बताओ।

12 काहेकि उनका छिपिया काम हुन कि चर्चा भी सरम कि बात हैं।

13 पर जित्ता काम हुन पा गवाही दी जावा हैं वी सब उजैरो म प्रगट होवा हैं, काहेकि जो सब कुछ ख प्रगट करा हैं उ उजैरा आय।

14 एकोलाने उ बोला हैं,

“अरे सोवन वाला जग,
अऊर मुर्दा म से जग या जिन्दो उठ;

ते मसी को उजैरो तोरो ऊपर चमकेगो।”*

15 एकोलाने ध्यान से देखनु, कि कसी चाल चला हैं: बिना अकल वाला को जसो नी पर बुध्दवाला हुन को जसो चलो।

16 बखत का सही समझनो, काहेकि दिन बुरा हैं।*

17 एकोलाने बे अकली मत हो जो पर ध्यान से समझनू की प्रभु कि मर्जी का हैं।

18 अंगूर को रस से मतवाला मत बननु, काहेकि ऐसे बुरा काम होवा हैं, पर आत्मा से भरपूर होते जाव,*

19 अऊर एक दुसरो म भजन अर स्तुतिगान अर आत्मिक गाना गयो करनु, अर अपनो मन म प्रभु को जोने गाते अर कीर्तन करते रहनु।*

20 अऊर हमेसा सब बात को लाने हमरो प्रभु यीसु मसी को नाम से परमेस्वर बाप कि जय जयकार करते रहो।

21 मसी को डर से एक दुसरा को बस म रहो।

~~~~~

22 ओरत हुन, अपनो अपनो अदमी को असो बस म रहो जसो प्रभु को।\*

23 काहेकि अदमी ओरत की मुंडी आय जसो की मसी कलेसिया की मुंडी आय अऊर ऊईच ही सरीर को उध्दार करन वालो हैं।

24 पर जसी कलेसिया मसी को बस म हैं वसीच ही ओरत हुन भी हर बात म अपनो अपनो अदमी को बस म रहे।

25 अदमी हुन, अपनी अपनी ओरत से प्रेम रखनू जसो मसी न भी कलेसिया से प्रेम कर ख अपनो तुम ख ओको लाने दे दियो।

26 कि उन ख वचन को दुवारा पानी को सपडनो से सुध्द कर ख सुध्द बनाय,

27 अऊर ओ ख एक जोर दार उजैरो देन वाली कलेसिया बना ख अपनो जोने खडी करे, जेमा न कलंक, न झुरी, न कोई अऊर असी चीज होय पर सुध्द अर बेकसूर होनी।

28 असोच ही तरीका से जरूर हैं की अदमी अपनी अपनी ओरत से अपनो सरीर को समान प्रेम रखे। जो अपनी ओरत से प्रेम रखा हैं, उ अपनी तुम से प्रेम रखा हैं।

29 काहेकि कोई न कभी अपनो सरीर से बैर नी रखो पर ओको पालनो-पोसनो करा हैं, जसो मसी भी कलेसिया को संग करा हैं।

30 एकोलाने कि हम ओको सरीर का धड आय।

\* 5:9 ज्योति    ✧ 5:14 यसायाह 7:1; रोमियो 13:11-12    ✧ 5:16 आमोस 5:13; कुलुस्सियो 4:5    ✧ 5:18 नीति 23:31-32; गलातियो 5:21-25    ✧ 5:19 कुलुस्सियो 3:16    ✧ 5:22 कुलुस्सियो 3:18; 1पतरस 3:1; उत्पति 3:16

31 “एकोलाने इंसान अपनो माय-बाप ख छोड़ ख अपनी घरवाली से मिलो रहेगो, अऊर वी दोई एक तन या सरीर होयगो।”\*

32 यू भेद तो बडो हैं, पर मी असो मसी अर कलेसिया को बारे म कहूँ हैं।

33 पर तुम म से हर एक अपनी घरवाली से अपनो समान प्रेम रखे, अऊर घरवाली भी अपनो घरवालो को डर माने अऊर सम्मान करनो चाहिये।

## 6

222-222 222 222222 2222

1 पोरिया-पारी प्रभु हुन म अपनो माय बाप को कहेना सुनन वाला बनो, काहेकि असो उचित हैं।

2 “अपनी माय अर दादा की इज्जत कर या पहली आग्या हैं जेको संग म वादा भी हैं।

3 कि तोरो भलो होय, अऊर तू जमीन पा जुग जुग जीते रहे।”\*

4 अरे पोरिया-पारी वाला, अपना पोरिया-पारी ख गुस्सा मत दिलावो, पर प्रभु को ग्यान अर चितावनी देते हुए उनका पालनो पोसनु करनु। \*

22222 22 2222

5 अरे नउकर हुन, जे इंसान या दुनिया म तुमरा मालीक या प्रभु हैं, अपनो मन या सरीर कि सिधो चाल से डरते अऊर कौपते हुए, जसो मसी की वसोईच उनको भी कहेना मानो।

6 अदमी हुन ख खुस करन वाला हुन को समान दिखान को लाने सेवा मत करनु, मसी ख दास या नऊकर हुन को समान मन से परमेस्वर की मर्जी पर चलो,

7 अर वा सेवा का इंसान हुन की नी पर प्रभु की जान ख सच्चो मन से करो।

8 काहेकि तुम जाना हैं, कि जे कोई जसो अच्छो काम करे, पर मसी ख नउकर हुन को समान मन से प्रभु की मर्जी पा चलो।

9 अरे मालिक या प्रभु हुन, तुम भी धमकी देनो छोड़ ख उनको संग वसोच ही बरताव करो; काहेकि तुम जाना हैं कि उनको अर तुमरो दोई को मालिक स्वर्ग म हैं, अर उ कोई को पक्छपात नी करा।\*

22222 2 2222 22 22222

10 एकोलाने प्रभु म अर ओकी सक्ति को प्रभाव म सक्ति साली बना।

11 परमेस्वर का पुरा अऊजार बाँध लेव कि तुम भुत-प्रेत सैतान की चाल को सामने खड़ा रह सके।

12 काहेकि हमारो यू मल्लयुध्द सरीर से या खून अर मांस से नी पर प्रधानता हुन से अर अधिकारी हुन से, अर यू दुनिया ख अन्धकार को हाकिमो से अऊर उ दुराचारी कि आत्मिक सेना से हैं जो बादल स्वर्ग म हैं।

13 एकोलाने परमेस्वर का पुरा अऊजार बाँध लेव कि तुम बुरा दिन म मुकाबला कर सके, अर सब कुछ पुरो कर ख खड़ा रैय सके।

14 एकोलाने सत्य से अपनी कम्मर कस ख, अर धार्मिकता की झिलम पहिन ख;\*

15 अर पाय हुन म मेल को सुसमाचार की तैयारी का मोचड़ा पहिन ख; \*

16 अऊर इन सब को संग भरोसा कि ढाल ले ख खड़ा रहनू जसो तुम उ दुष्ट का सब जलन वाला तीर हुन ख बुझा सके।

17 अर उध्दार को टोपा, अर आत्मा कि तलवार, जो परमेस्वर को वचन हैं, ले लेव।\*

\* 5:31 उत्पति 2:24 \* 6:3 निर्गमन 20:12; व्यवस्था 5:16 \* 6:4 व्यवस्था 22:6-7; नीति 3:11-12; 19:18; 22:6; कुलुस्सियो 3:2 \* 6:9 लुका 6:31; व्यवस्था 10:17; 2 इतिहास 19:7 \* 6:14 यसायाह 11:5; 59:17 \* 6:15 यसायाह 52:7; नहूम 1:15 \* 6:17 इब्रानियो 4:12; यसायाह 59:17

18 एक बखत अर हर तरीका से आत्मा म प्रार्थना, अर बिनती करते रहनू, अर एकोलाने जगते रहनू कि सब सुध्द इन को लाने लगातार बिनती करते रहनू,

19 अर मोरो लाने भी कि मो ख बोलन को बखत असो मजबुत वचन दियो जाय की मी हिम्मत को संग सुसमाचार को भेद बता सकू,

20 जेको लाने मी साँकल से जकड़ियो वालो राजदूत आय; अर असो भी की मी ओको बारे म जसो मो ख चाहिये हिम्मत से बोलूँ।

~~~~~

21 तुखिकुस, जो प्यारो भई अर प्रभु म भरोसा करन वालो सेवक आय, तुम ख सबरी बात हुन बतायगो कि तू न भी मोरी दसा जाननो कि मी कसो रहूँ हैं।

22 ओ ख मी न तुमरो जोने एकोलाने भेजो हैं कि तुम हमरी दसा ख जाने, अर उ तुमरो मन ख सान्ति दे।

23 परमेस्वर बाप अर प्रभु यीसु मसी की तरफ से भई बहिनो हुन ख सान्ति अर भरोसा सहित प्रेम मिले।

24 जो हमरो प्रभु यीसु मसी से अमर प्यार रखा हैं, उन सब पा दया होती रहे।

फिलिप्पियो के नाम पोलुस का पत्र फिलिप्पियो को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

पोलुस न फिलिप्पियो म विस्वासी हुन ख यीसु मसी को जनम को करीब 61 बरस बाद चिट्ठी लिखी। जेल म रहन को करीब लिख्यो रहा, 1:13 सायद रोम म। या चिट्ठी फिलिप्पियो सहर म रहन वाली कलेसिया ख लिखो गयो रहा। फिलिप्पियो को बारा म हम प्रेरित को काम कि किताब से थोडो बेजा जान सका हैं। फिलिप्पियो मैसेडोनिया सिवानी कि राज धानी हती। या पहली कलेसिया भी हती जेखा मैसेडोनिया म बसायो गयो रहा। पोलुस अर सिलास न एक संग कलेसिया सुरू करी अऊर उन ख एक रात को लाने जेल म भी रख्यो गयो जब वी वहाँ हता। प्रेरितो 16

या चिट्ठी ख लिखनो म पोलुस को कई मकसद हो सका हैं। उन न उ मोखा को लाने कलेसिया ख धन्यवाद देन को लाने लिख्यो, जो उन न भेजो रहा जब उन न सुनियो कि उ जेल म हतो। 4:10-19 उन न जेल म उनकी परिस्थिति पा भी उन ख अधतन करयो अऊर तीमुथियुस अर एपाफ्रोडिटस को कलेसिया कि साहयता करी काहे वी उनकी इज्जत करे अऊर उनकी बात को सम्मान करे। 2:19-30

रूप-रेखा:

1. पोलुस फिलिप्पियो को कलेसिया का चिट्ठी नमस्कार का ख लिखनो सुरू करा हैं। 1:1-11
2. ये को बाद उ अपनी परिस्थिति को बारे म कुछ जानकारी अर कुछ चिन्ता हुन ख सुनावा हैं। जो ओको जोने हैं। 1:3—2:30
3. फिर उ मसी जीवन जीन को लाने कई तरीका ख नेम हुन ख देवा हैं। 3:1—4:9
4. पोलुस न फिलिप्पियो कि कलेसिया ख उनका भेट देन को लाने धन्यवाद देखा अऊर अपनो नमस्कार भेज ख खतम करयो। 4:10-23

1 मसी यीसु को नउकर पोलुस अर तीमुथियुस कि तरफ से, पूरा सुध्द अदमी हुन को नाम जो मसी यीसु म हो ख फिलिप्पी म रवह हैं, अध्यक्छ हुन अर सेवक हुन मिल ख।

- 2 हमारो बाप परमेस्वर अर प्रभु यीसु मसी कि ओर से तुम ख दया अर सान्ति मिलती रख्ये।

~~~~~

- 3 मी जब तुम ख याद करू हैं, तब तब अपना परमेस्वर ख धन्यवाद करू हैं;

- 4 अर जब कभी तुम पुरा को लाने विनती करू हैं, ते हमेसा खुसी को संग विनती करू हैं।

- 5 एकोलाने कि तुम पहले दिन से ले ख आज तक सुसमाचार का सुननो म मोरो संग म रखा हैं।

6 मोखा या बात का विस्वास हैं, कि जेन तुम म भली बात को काम सुरू कियो हैं, उही ओ ख यीसु मसी को दिन तक पूरो करेगो।

7 उचित हैं कि मी तुम सब को लाने असा ही विचार करू, काहेकि तुम मोरो मन म आ ख बसे हो, अर मोरी जेल म अर सुसमाचार का लाने जवाब अर नमस्कार देन म तुम सब मोरो संग सामिल हो गया हैं।

- 8 ऐ म परमेस्वर मेरो गवाह आय कि मी मसी यीसु कि प्रेम कर ख तुम पुरा कि इच्छा * करू हैं।

- 9 मी यहाँ प्रार्थना करू हैं कि तुमारो प्रेम ग्यान अर पूरो तरीका को ग्यान संग अर भी बढ़ते जाहे।

10 यहाँ तक कि तुम अच्छी से अच्छी बात हुन की परख करो, अर मसी को दिन तक सच्चो बनो रख्ये, अर ठेस मत खा;

11 अर उ धार्मिक हुन को फल से जो यीसु मसी को दुवारा होय हैं, पूरा होव जाओ जे से परमेस्वर कि बड़ाई अर प्रससा होती रहे।

* 1:8 लालसा

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

12 अरे भई हुन, मी चाहूँ हैं कि तुम या बात जान ले कि मो पर जे बीतो हैं, ओ ख सुसमाचार ही कि बढ़ती हुई हैं।

13 यहाँ लक कि कैसर को किला कि पूरी पलटन अर बाकी† पूरा अदमी हुन म यू प्ररगट हो गयो कि मी मसी को लाने मी जेल हैं;

14 अर प्रभु म जे भई हैं, उन म से बेजा सा मोरो जेल होन का लाने, विस्वास रख ख परमेस्वर का वचन बेधड़क सुनान ख अर भी हियाव करह हैं।

15 कई ते घुस्सा अर लडाई को लाने मसी को प्रचार करियो हैं अर कुछ भली इच्छा से।

16 कोई एक ते यू जान ख कि मी सुसमाचार को लाने जवाब देन ख ठहरायो गयो हैं, प्रेम से भासन करियो हैं।

17 अर कई एक ते सीधाई से नी पर खिलाप से मसी कि कथा सुनावह हैं, यू सोच ख कि मेरी जेल म मोरो लाने दुख पैदा‡ करा हैं।

18 ते का भयो? परन्तु यू कि हर प्रकार से, या बहाने से या सच्चाई से, मसी कि कथा सुनाई जाव हैं, अर मी ऐ म खुसी हैं अर खुसी रहूंगो भी

॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥

19 काहेकि मी जानूँ हैं कि तुमारी प्रार्थना को दुवारा, अर यीसु मसी कि आत्मा को दान को दुवारा, एको प्रतिफल मोरो मुक्ति होए।

20 मी ते उही लालसा अर आसा रखा हैं कि मी कोई भी बात म लज्जित नी होऊ, पर जसो मोरो सक्ति साहस को कारन मसी कि महिमा मोरी सरीर§ को दुवारा हमेसा होती रय्ह हैं, वसो ही अब भी हो, या मी जिन्दो रहू या मर जाऊ

21 काहेकि मोरो लाने जिन्दो रहनू अर मसी हैं, अर मर जानू फयदा हैं।

22 अदि सरीर म जिन्दो रहनू ही मोरो काम का लाने लाभ दायक हैं ते मी नी जानू कि को ख चुनू।

23 काहेकि मी दोई को बीच अधर म लटको हैं; जी ते चाहूँ हैं कि कूच कर ख मसी को नजीक जा रहू, काहेकि यू बेजा ही अच्छो हैं,

24 पर सरीर म रहनू तुमारो कारन अर भी आवस्यक हैं।

25 एकोलाने कि मो एको विस्वास हैं अब मी जानूँ हैं कि मी जिन्दो रहूंगो, याने तुम पूरा का संग रहूंगो जे से तुम विस्वास म पक्को* होव जाओ अर ओ म खुस रह;

26 अर जे घमण्ड तुम मोरो बारा म करिये हैं, उ मोरो फिर तुमारो नजीक आवन से मसी यीसु म बेजा बढ़ जावह हैं।

27 अकेलो इतनो कर कि तुमारो चाल-चलन मसी को सुसमाचार ख लायक हो कि चाहे मी आ ख तुम ख देखू चाहे नी भी आऊ, तुमारो बारा मी यू सुनु हैं कि तुम एक ही आत्मा म मजबूत हो, अर एक मन हो ख सुसमाचार को विस्वास ख लाने महेन्त करिये रवह हो,

28 अर कई बात म बुराई हुन से डर नी खाते। यू उन ख लाने मुक्ति का अर यू परमेस्वर कि ओर से हैं।

29 काहेकि मसी को कारन तुम पर यू दया भयो कि नी अकेलो उ पर विस्वास कर पर ओखा लाने दुख भी उठा

30 अर तुम ख वसो ही मेहनत करनु हैं, जसो तुम न मो ख करते देखो हैं, अर अब भी सुनह हैं कि मी वसो ही करू हैं।

2

॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥

- 1 पर अदि मसी म कई सान्ति, अर प्रेम से हियाव, अर आत्मा कि संग म हता, अर कई दया अर भलाई हैं,
 2 ते मोरो यू खुसी पूरा कर कि एक मन रह, अर एक ही प्रेम, एक ही चित, अर एक ही इच्छा* रख।
 3 विरोध या झूठी बड़ाई का लाने कई नी कर, पर नम्रता से एक दूसरो ख अपनो से अच्छो समझे।
 4 हर एक अपनो ही स्वार्थ की नी, यानी दूसरा का स्वार्थ कि भी चिन्ता कर।
 5 जसो मसी यीसु को स्वभाव हतो वसो ही तुमारो भी स्वभाव हो;
 6 जे न परमेस्वर को स्वरूप म हो ख भी परमेस्वर को तुल्य होन ख अपनो बस म रख कि चीज नी समझ।
 7 याने अपनो तुम ख असो सून्य कर दियो,
 अर दास को स्वरूप धारण कियो,
 अर अदमी का समान म हो ख गयो।
 8 अर अदमी को रूप म प्रगट हो ख अपनो तुम ख दीन करियो,
 अर यहाँ तक कि आदेस मानन ते रह्यो कि मरन हाव, सूली कि मरन भी सहन कर लियो।
 9 यू लाने परमेस्वर न ओ ख बेजा महान भी करियो
 अर ओ ख उ नाम दियो जो सब नामो म चोखो† हैं,
 10 कि जीई स्वर्ग म अर धरती पर अर धरती को नीचु हैं,
 वी सब यीसु ख नाम घुटना टेके;
 11 अर परमेस्वर बाप कि बड़ाई का लाने हर एक जुबा मानन ख ले कि यीसु मसी ही प्रभु आय।

~~~~~ § ~~~~~

- 12 एकोलाने अरे मोरो प्यारो भई, जो तरीका तुम हमेसा से आदेस मानते आयो हैं, वसो ही अब भी नी अकेलो मोरो संग रहते भयो पर विसेस कर ख अब मोरो दूर रहन पर भी डर हैं अर कापते भयो अपनो अपनो मुक्ति को काम पूरो करते जा।  
 13 काहेकि परमेस्वर ही हैं जे न अपनी जो भी इच्छा‡ निमित्त तुमारो मन म इच्छा अर काम, दोई बात हुन को करन को प्रभाव डाल दियो हैं।  
 14 सब काम बिना कुडकुडाए अर बिना लड़ाई का कियो कर,  
 15 काहे कि तुम बेकसूर अर सीधो हो ख टेढे अर ज़िद्दी अदमी हुन ख बीच परमेस्वर ख निस्कलक वारिस बने रह्यो, जेका बीच म तुम जीवन को वचन लाने भयो दुनिया म जलते दिया हुन का जसो दिखाई देव हैं  
 16 कि मसी को दिन मोखा घमण्ड करन का हो लाने कि नी मोरो दऊडनो अर नी मोरो मेहनत करनो बेकार भयो।  
 17 अदि मोखा तुमारो विस्वास रूपी बलिदान अर सेवा का संग अपनो लहू भी बहाना पडे हैं, तेबी मी खुसी हूँ अर तुम सब का संग खुसी करू हैं।  
 18 असो ही तुम भी खुसी हो अर मोरो संग खुस करा।  
 ~~~~~ § ~~~~~  
 19 मो ख प्रभु यीसु म आसा हैं कि मी तीमुथियुस ख तुमारो नजीक पर भेजूगो, काहे तुमारो हालत§ सुन ख मो ख सान्ति मिले।
 20 काहेकि मोरो नजीक असो स्वभाव को कोई नी जो सुध्द मन से तुमारो चिन्ता करा।
 21 काहेकि सब अपनो स्वार्थ कि खोज म रह हैं, नी कि यीसु मसी की।
 22 पर ओ ख ते तुम नी परख अर जान भी लियो हैं कि जसो पोरिया बाप ख संग करू हैं, असो ही ओ न सुसमाचार ख फैलान म मोरो संग मेहनत कियो।

* 2:2 मनसा † 2:9 सेरेस्ट ‡ 2:13 सुइच्छा § 2:19 दसा

23 एकोलाने मो ख आसा हैं कि जसो ही मो ख जान पडेगा कि मोरी का हालत होए, वसो ही मी ओ ख तुरंत भेज दूगो।

24 अर मोखा प्रभु म विस्वास हैं कि मी तुम भी जल्दी आऊ।

25 पर मी नी इपफ्रुदीतुस ख जे मोरा भई अर सहकर्मी अर संग सेना अर तुमारो दूत, अर जरूरी बात हुन म मोरी सेवा चऊकरी करन वाला आय, तुमारो नजीक भेजिनो जरूरी समझा हैं।

26 काहेकि ओखा मन म तुम सब म लगो हुआ हतो, यू कारन उ बे चैन रवह हतो काहेकि तुम न ओ की बिमारी ख हाल सुना हता।

27 अर निस्वय से *ही उ बीमार ते हो गयो हतो यहाँ तक कि मरन पर हतो, पर परमेस्वर ने ओखा ऊपर दया करी अर केवल ओ पर ही नी पर मो पर भी करी कि मो ख सोक पर सोक नी हो।

28 एकोलाने मी न ओ ख भेज को अर भी कोसिस कियो कि तुम ओ ख फिर मिल ख कर ख खुसी हो जा अर मोरो भी दुख कम हो जाहे।

29 एकोलाने तुम प्रभु म ओ ख बेजा खुसी का संग मिलनू, अर असो हुन ख आदर कियो करनो,

30 काहेकि उ मसी को काम ख लाने अपनो जान हुन पर जोखिम उठा ख मरन को नजीक आ गयो हतो काहे कि जो कमी तुमारो ओर से मोरी सेवा म भई ओ ख पूरो करा।

3

~~~~~

1 एका लाने अर मोरो भई हुन, प्रभु म खूब रहो। वी ही बात हुन तुम ख बार बार लिखन म मो ख ते कोई संकट \* नी होवा, अर ऐ म तुमारी कुसलता हैं,

2 कुत्ता हुन से हुसयार रहा, उन बुरो काम करन वाला से हुसयार रहो, उन काट पटी करन वाला हुन से हुसयार रहो।

3 काहेकि खतना वाला† वाला हुन ते हम ही आय जो परमेस्वर को आत्मा कि अगुवाई से आराधना करिये हैं, अर मसी यीसु पर घमण्ड करिये हैं, अर सरीर पर विस्वास नी रखा हैं।

4 पर मी ते सरीर पर विस्वास रख सका हैं। अदि कई अर ख सरीर पर विस्वास रखन का विचार हो ख, ते मी ओ ख भी बढ ख रख सका हैं।

5 आठवो दिन मोरो बुरो काम (खतना) भयो, इस्राएल को खानदान, बिन्यामीन को जाति ख आय; इब्रानियो ख इब्रानी आय; नेम का बारा म अदि कय्हो ते फरीसी आय।

6 उत्साह को बारे म अदि कय्हो ते कलीसिया ख सताव वाला; अर नेम कि धार्मिकता का बारा म अदि कह ते बेकसूर हतो।

7 पर जे जे बात हुन मोरो लाभ कि हती, उनकी ख मी न मसी को लाने नुकसान समझ लियो हैं।

8 याने मी अपनो प्रभु मसी यीसु कि पहिचान कि उतमता ख लाने पूरी बात हुन ख नुकसान समझा हैं। जे का लाने मी न पूरा चीज हुन कि नुकसान उठाई हैं, अर उन ख कूडा कचरा समझा हैं; जे से मी मसी ख ले सकू हैं।

9 अर ओ म मिल जाऊ; नी कि अपनी धार्मिकता ख संग, जे नेम से हैं, याने वा धार्मिकता का संग जे मसी पर विस्वास करन को लाने हैं अर परमेस्वर कि ओर से विस्वास करन पर मिला हैं;

10 काहेकि मी ओ ख अर ओखा फिर से जी उठनो कि सक्ति ख, अर ओको संग दुख हुन म सहभागी होन का मर्म ख जान हैं, अर ओकी मरन कि समानता हुन ख लियो करू

11 कि मी कोई ख भी रीति से मरा भयो म से जी उठन का पद तक पहुचू।

~~~~~

12 यू मतलब नी कि मी पा चूको हैं, का सिध्द हो चूको हैं; पर वा चीज ख पकडन ख लाने दऊडा चलो जाव हैं, जेका लाने मसी यीसु न मो ख पकडो हतो।

13 अरे भई हुन, मोरी इच्छा यू नी कि मी पकड चूको हैं; पर अकेलो यू एक काम करू हैं कि जो बात पिछु रह गई हैं उनको भूल ख, सामने कि बात हुन कि ओर बढ़ता भयो,

14 चिन्ह कि ओर दऊडा चला हैं, काहेकि उ इनाम पाऊ जे का लाने परमेस्वर न मो ख मसी यीसु म ऊपर बुलायो हैं।

15 हम म से जीतना सिध्द हैं, यू ही विचार रख, अर अदि कोई बात म तुमारो अर ही विचार होए ते परमेस्वर ओ ख भी तुम पर प्ररगट कर दे हे।

16 एकोलाने जहाँ तक हम पहुँचिया हैं, उही का अनुसार चले।

17 हे भई हुन, तुम से सब मिल ख मोरी जसी चाल चल, अर उन ख पहचाना भी हैं, जो यू रीति पर चल हैं जे को उदाहरन तुम हम म देख हैं।

18 काहेकि बेजा सी असी चाल चल हैं, जेकी चर्चा मी न तुम से बार बार करी हैं, अर अब भी रो ख कहू हैं कि वी अपनी चाल चलन से मसी को सूली कि बैरी हैं।

19 उन ख आखरी (अन्त) नास हैं, उन ख ईस्वर पेट हैं, वी अपनी लज्जा कि बात हुन धमण्ड करिये हैं अर पृथ्वी कि चीज हुन पर मन लगायो रहते हैं।

20 पर हमारी स्वदेस स्वर्ग पर हैं; अर हम एक उध्दार कर्ता प्रभु यीसु मसी को वहा से आवन कि बाट जोतू रवह हैं।

21 उ अपनी सक्ति को ओ पर प्रभाव को अनुसार जेको व्दारा उ सब चीज हुन ख अपनो बस म रख हैं, हमारी दीन हीन सरीर को रूप बदल ख, अपनी महिमा कि सरीर को अनुकूल बना दे हे।

4

1 एकोलाने अरे मोरो प्यारो भई हुन, जेन म मोरो मन लगो रखो हैं, जो मोरो खुसी अर मुकूट हो, अरे प्रिय भई हुन, प्रभु म यू ही तरीका से खडा रहो।

??????????

2 मी यूओदिया अर सुन्तुखे, दोनो बहिनो से निवेदन करत हूँ, कि वी प्रभु म एक मन रहो।

3 अरे सच्चा मददत करन वाला (सहकर्मी), मी तू से भी विनती करू हैं कि तू उन बाई* हुन कि मददत करा, काहेकि उन न ख मोरो संग सुसमाचार फैलान म क्लेमेस अर मोरा दुसरा भी संगी हुन का संग महेनत कियो, जे को नाम जीवन कि किताब म भी लिखो हुए हैं।

4 प्रभु म हमेसा खूस रहो, मी फिर कहू हैं, खूस रहो।

5 तुमारी कोमलता पूरा अदमी हुन पर परगट हो। प्रभु नजीक म हैं।

6 कुई भी बात कि चिन्ता मत करा; पर हर एक बात म तुमारो विनती, प्रार्थना अर विनती ख दुवरा धन्यवाद का संग परमेस्वर का समने उपस्थित करिये जाहे।

7 तब परमेस्वर कि सान्ति, जो पूरा समझ से पूरा हैं, तुमारो मन अर तुमारो विचार हुन ख मसी यीसु म चोक्खो रखे।

8 एकोलाने अरे भई हुन, जो जो बात सच हैं, अर जो जो बात हुन समान योग्य हैं, अर जो जो बात हुन उचित हैं, अर जो जो बात सुध्द हैं, अर जो जो बात हुन अच्छी हैं, अर जो जो बात हुन मन ख अच्छो हैं, याने जो भी सद्गुण अर महिमा कि बात हैं उन पर चित लगाया करा।

9 जो बात तुम न मो से सिखी हैं, अर स्वीकार करी, अर सुनी हैं, अर मो म देखी हैं, उन ही को पालन किया करा हैं, तब परमेस्वर जो सान्ति को सोता हैं तुमारो संग रहेगो।

???

10 म प्रभु म बेजा खूस है कि अब इतना दिन हुन का बाद तुमारी चिन्ता मोरा बारे म फिर उजागर भई हैं; निस्वय तुम ख सुरू म भी एको विचार हतो, पर तुम ख मऊका नी मिलो।

* 4:3 बाई हुन † 4:10 जागृत

11 यू नी कि मी अपनी कमी का कारन यू कहू हैं; काहेकि मी न यू सिखो हैं कि जिई स्थिति म हैं; ओ म ही म सान्ति रख।

12 मी नम्र होनू भी जानू हैं अर बदनो भी जानू हैं; हर एक बात अर सब स्थिति हुन म मी न भरपूर‡ होनू, भूखो रहनो, अर बदनो-घटना सिखो हैं।

13 जो मो ख सक्ति देवा हैं ओ म मी सब कई कर सका हैं।

14 तेबी तुम न अच्छो कियो कि मोरो दुख म मोरो संगी लोग हैं।

15 अरे फिलिप्पियो, तुम खुद भी मालूम हैं कि सुसमाचार प्रचार का सुरू म, जब मी मकिदुनिया से विदा भयो, तब तुम ख छोड़ अर कोई कलीसिया न लेन देन को बारा म मोरी मददत§ नी करी।

16 यू प्रकार जब मी थिस्सलुनीके म हता, तब भी तुम न मोरी कमी पूरी करन का लाने एक बार का याने दो बार कुछ भेजो हतो।

17 यू नी कि मी दान चाहू हैं पर मी असो फल चाहू हैं जो तुमारो लाभ का लाने बढवा जाहे।

18 मोरो नजीक सब कुछ हैं, याने बेजा हुन से भी हैं; जो चीज हुन तुम न इपफ्रुदीतुस का हात से भेजी हती उन ख पा ख मी भरपूर हो गयो हैं, उ ते सुखदायक, सुगन्ध स्वीकार करन योग्य बलिदान हैं, जो परमेस्वर ख भाव हैं।

19 मोरो परमेस्वर भी अपनो उ धन ख अनुसार जे महिमा संग मसी यीसु म हैं, तुमारो हर एक कमी ख पूरी करेगों

20 हमारो परमेस्वर अर बाप कि बड़ाई हमेसा हमेसा होती रखे। आमीन।

??????????

21 हर एक सुध्द दास ख, जो यीसु मसी म हैं नमस्कार बोल हैं। जो भई मोरो संग हैं, तुम ख नमस्कार कह हैं।

22 पूरा सुध्द लोग ख, खास कर ख जो कैसर का घराना का हैं, तुम ख नमस्कार बोल हैं।

23 हमारो प्रभु यीसु मसी को दया* तुमारी आत्मा का संग रहे।

कुलुस्सियो के नाम पोलुस का पत्र कुलुस्सियो को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

कुलुस्सियो कि चिट्ठी 1:1 द्वारा लिखी गयी थी। जब वाहा जेल म थो, संभवतः रोम म, मसी को जनम को लगभग 60 साल बाद ओ न याहा चिट्ठी लिखी रहा। कुलुस्सियो को संग इफिसीयो अऊर फिलेमोन ख जेल चिट्ठी कहयो जावह हैं काहेकि पोलुस न उन ख जेल म रहतो हुआ लिखो थो। ओ न याहा चिट्ठी कुलुस्सियो सहर म रह ख कलीसिया ख लिखी थी। पोलुस न कुलुस्सियो म कलीसिया सुरु नी करी, जसो उन न 2:1 म उल्लेख करियो हैं, लेकिन एकोलाने कुछ जुम्मेदारी महुसूस की होगी। असो मालुम पडा हैं कि एपफ्रास न कलीसिया की स्थापना करी काहेकि वाहा कुलुस्से से हतो।

पोलुस कुलुस्सियो से भी कलीसिया म कुछ गलत सिक्छा से चितित हता। उन न ओको बारे म चिट्ठी लिखन म बेजा खरचा करियो। हो सकह हैं की यहूदी इसाई हुन को एक समूह रहयो हो, जे दुसरा इसाई हुन ख पुरानो नेम से यहूदी कानुन को पालन करन को लाने मजबुत करन की कोसिस कर रहया था, खास कर ख खतना करन करवान को लाने। पोलुस वैसेस रूप से लिखह हैं कि मसी हुन ख मसी को अलावा कोई अऊर कि जरूरत नी हैं काहेकि यह भगवान 1:15-20 द्वारा गहन कियो हुआ हैं अऊर मानव तर्क पर आधारित वाहा सिक्छा बेकार हैं। 2:8

रूप रेखा

1. पोलुस न कुलुस्से म कलीसिया ख नमस्कार कर ख चिट्ठी सुरु करी। 1:1-23
2. फिर वाह मसी की महानता को बारा म लिखह हैं जरूरी रूप से कुलुस्से म झूठी सिक्छा ख जवाब म। 1:3—3:4
3. पोलुस ख कई चिट्ठी हुन म, वाहा चिट्ठी को आधो भाग म बताव हैं जे अच्छो इसाई जिन्दगी जीवन को लाने कुछ विसिस्ट निर्देस देऊ हैं। 3:5—4:6
4. चिट्ठी ख अन्य कलीसिया हुन म जोर से पढ़न को लाने अभिवादन अऊर निर्देस को संग समाप्त करह हैं। 4:7-18

~~~~~

1 पोलुस कि अर से, कि परमेस्वर कि मर्जी से यीसु मसी को अर प्रेरित, अर भई तीमुथियुस कि अर से,

2 मसी म उ सुध्द अर विस्वासी भई हुन को नाम जे कुलुस्से म रहतो हैं:

हमरो बाप परमेस्वर की ओर से तुम ख दया अर सान्ति प्राप्त होती रहे।

~~~~~

3 हम तुमरो लाने लगा तार प्रार्थना कर ख अपनो प्रभु यीसु मसी को बाप याने की परमेस्वर को धन्यवाद करते हैं,

4 काहेकि हम न सुनो हैं कि मसी यीसु प तुम्हारो भरोसा हैं, अर सब सुध्द अदमी हुन से तू प्रेम* रखते हो;

5 तुमरो भरोसा अऊर प्यार उ आसा पर आधारित हैं, जे स्वर्ग म तुमरो लाने वेक्सतीत हैं अऊर जोको बारे म तुम न तब सुनायो, तब चोक्खो सुसमाचार को सही को वचन सुन चुक्या हैं,

* 1:4 प्रेम

6 जे तुमरो कने पहुँचिया हैं, अर जसो दुनिया म भी फल लावा अर बढ़तो जावा हैं, वसो ही जे दिन से तुम न ओ ख सुनो अर सच्चई से परमेस्वर की दया ख पहिचानो हैं, तुम म भी असो ही करह हैं।

7 ओकी ही सिक्छा तुम न हमारो प्यारो सहकमी इपफ्रास से पाया, जो हमारो लाने मसी को लाने भरोसा लायक दास हैं।

8 ऊही न हम ख बतायो हैं की सुध्द आत्मा न तुम लोगो म कितना प्यार प्रेम कियो हैं।

9 ऐको लाने जो दिन से यू सुनो हैं, हम भी तुम्हारो लाने या प्रार्थना अर विनती करनो नी छोड़ हैं कि तुम सारे आत्मिक ग्यान अर समझ सहित परमेस्वर की इच्छा की पहिचान म परिपूर्ण हो जाओ,

10 ताकि तुमारो चाल चलन प्रभु को काबिल होय, अर उ सब तरीका से खुस होए, अर तुम म हर तरीका को भली बात हुन ख फल लगे, अऊर तुम परमेस्वर की पहचान म बढ़ते जाए,

11 तुम परमेस्वर की महिमामय सक्ति से अत्यधिक बल पा ख हमेसा मजबूत बना रहेय, सब कही खुसी को संग सह सकेगो।

12 अर परमेस्वर बाप को धन्यवाद करते रहो, जेना हमका यू काबिल बनायो कि ज्योति म सुध्द अदमी हुन को संग की विरासत म सहभागी बनो।

13 परमेस्वर हमे अन्धकार ख अधीनता से निकल ख अपनो प्यारो पोरिया को राज्य म छुड़ा ले आयो।

14 युही पोरिया दुवारा ही हम ख छुटकारा मिल्यो हैं याने कि हम ख मिले हैं हमारो पाप हुन कि छमा।

15 उ तो नी दिखन वालो† परमेस्वर को रूप अर पुरो दुनिया म पहिलोटा आय।

16 काहेकि ओको ही दुवारा पुरो दुनिया की रचना भई हैं, स्वर्ग की रैय या जमीन की दिखन वाली या नी दिखन वाली का सिंहासन का राज्य करन वालो ‡ का अधिकारी हुन का अधिकार सब चीज ओको ही व्दारा अर ओको ही दुवारा बनाई गई हैं।

17 उही सब चीज § म पहिलो हैं, अर सब चीज ओमा ही टीकी रहवा हैं।

18 मसी उईच सरीर, एकोमतलब* कलेसिया की सिर आय; उईच ही सुरूआत आय अर मरिया वाला म से जी ख उठन वाला म से पहिलो कि सब बात हुन म उईच ही सबसे बड़ो† ठहरे।

19 काहेकि परमेस्वर बाप की खुसी येमा ही कि ओमा ही पूरो पुरो स्वरूप वास करे,

20 मसी न सूली पर जे खून बहायो, ओको दुवारा परमेस्वर न सान्ति कि स्थापना करी। याहा परमेस्वर को सुभ संकल्प हतो की वाहा मसी को दुवारा सब कुछ ख, चाहे वाही जमीन पर हो या स्वर्ग म, अपनो से मेल करायो।

21 तुम जे पहिलो निकालया गया था अर बुरो काम को कारन मन से दुसमन हता;

22 ओ न अब ओको जिन्दो सरीर म माऊत को दुवारा तुमरो भी मेल मिलाप कर लियो ताकि तुम ख अपनो सम्मुख सुध्द अर बीना कलंक को, अर बेकसूर बना ख खड़ो करे।

23 अदि तुम भरोसा की नीव पर मजबूत बनी रहो, अर उ चोक्खो सुसमाचार की आसा ख जे ख तुम न सुनायो हैं नी छोड़यो, जेको प्रचार आकास को नीचू को पुरो दुनिया‡ म करयो गयो; अर जेको मी पोतुस सेवक बनो।

?????? ?? ???? ???? ?? ??? ???

24 अब मी वी दुख को लाने खुसी मना उ हैं, न जे तुम्हारो लाने उठा उ हैं अर मसी को क्लेसो खी घटी ओकी सरीर को लाने, अर्थात् कलीसिया को लाने, अपनो सरीर म पुरी करा हैं;

25 जेको मी परमेस्वर को उ प्रबन्ध को अनुसार सेवक बनू, जे तुम्हारो लाने मो ख सोपियो गयो, ताकि, मी परमेस्वर को वचन को पुरो-पुरो प्रचार करूँ

26 अर्थात् उ भेद ख जे टेमं अर पद्वियो हुन से गुप्त रह्यो, पर आबा ओ ख सुध्द अदमी हुन पर प्रगट हुआ हैं।

27 जे पर परमेस्वर न प्रगट करन चाहायो कि उन ख ग्यात हुआ की दुसरी जात म भेद की महिमा को मूल्य का हैं, अर उ यू हैं कि मसी जे महिमा की आसा हैं तुम म रह हैं

28 जेको प्रचार कर ख हम हर एक अदमी ख चेतावनी देवा हैं अर सारो ग्यान से हर एक अदमी ख सिखाव हैं, कि हम हर एक अदमी ख मसी यीसु म परिपग कर ख उपस्थित करहे।

29 ऐको लाने मी ओकी वा सक्ति को अनुसार जे मोरो म सामर्थ्य को संग प्रभाव डाला हैं, तन मन लगा ख मेहनत भी करा हैं।

2

1 मी चहु कि तुम जान लेओ कि तुम्हारो अऊर ओको लाने जे लउदीकिया म हैं, अर उ सब को लाने जे न मोरो सारीरिक म हैं, अर उ सब को लाने जे न मोरो सारीरिक मुँह नी देख्यो, मी कसो मेहनत करू हैं,

2 तेकी ओको मन म दिल हो अर वी प्रेम आपस म गटे रहे, अर वी पुरी समझ ख पुरो धन प्राप्त करे, अर परमेस्वर पिता को भेद ख अर्थात् मसी ख पहचान ले।

3 जे म बुध्दि अर ग्यान को पुरो भण्डार छुपयो हुआ हैं।

4 यू मी ऐको लाने कहू कि कोई अदमी तुम ख लुभान वाली बात से धोखा नी देय।

5 लेकिन मी सरीर को भाव से तुम से दूर हूँ तोभी आत्मिक भाव से तुम्हारो पास हूँ, अर तुम्हारो व्यवस्थित जिन्दगी ख अर तुम्हारो भरोसा की, जे मसी म हैं दृढ़ता देख ख परसन होवा हैं।

2:27-28 2:29-30 2:31-32

6 अतः जसो तुम न मसी यीसु ख प्रभु कह ख ग्रहण कर लियो हैं, वसो ही उसी म चलते रहो,

7 अर उसी म जड पकड़ते अर बढ़ते जाओ; अर जसो तुम सिखाए गए वसो ही भरोसा म मजबूती* होते जाहे, ज्यादा से ज्यादा† धन्यवाद करते रहो।

8 होसियार रहो कि कोई तुम ख उ तत्व-ग्यान अर बेकार धोखा को द्वारा अपनो अहेर नी बनो ले, जे अदमी हुन की रीति रिवाज हुन अऊर दुनिया की आदि सिक्छा को अनुसार ते हैं, पर मसी को अनुसार नी।

9 काहेकि ओ म देवता को पुरो परिपूर्णता हमेसा वास करा हैं,

10 अर तुम ओ म भरपूर हो गए हो, जे पुरी प्रधानता अर अधिकार को सिरामणि आय।

11 उ ही म तुम्हारो असो खतना हुयो हैं जे हात म नी होए, अर्थात् मसी को खतना जसो सारीरिक को सरीर उतार दी जाए हैं,

12 अर ओको संग म बपतिस्मा म गाड़े गयो अर उसी म परमेस्वर से सामर्थ्य पर भरोसा करे, जे न ओ ख मरियो हुआ म से जिन्दो कियो ओको संग जी भी उठो।

13 तुम लोग पाप हुन को वजे अऊर अपनो स्वभाव को खतना को अभाव को कारन मर गया था। परमेस्वर न तुम लोगो ख मसी को संग जी उठायो हैं। ओ न हमारो सब अपराध हुन ख माप करियो हैं।

14 अर विधि-विधान को उ लेख जे हमारो नाम पर अर हमारो विरोध म थो मिटा डालयो, अर ओ ख सूली पा खिल्ला से जड ख सामने से हटा दियो हैं।

15 अर ओ न प्रधानता हुन ख अऊर ऊपर से उतार ख उन ख खुल्लमखुल्ला तमासा बनायो अर सूली को द्वारा ओ पर जय जयकार की आवाज सुनाई।

16 ऐको लाने कोई ख यू अधिकार नी कि वाहा खान-पान, या पर्व या नयो चाँद या आराम को दिन बारे म तुम लोगो पर आरोप लगाये।

17 काहेकि यी सब आन वाली बात की छाया हैं, पर मुल चीज मसी की आय।

18 कोई अदमी आत्मा-हीनता अऊर स्वर्ग दूत की पुजा करा ख तुम ख दऊड को प्रतिफल से वचित नी करे। असो अदमी देखी वाली बात म लगो रह हैं अर अपनी सरीर कि समझ पर बेकार फूल्यो हैं,

19 अर उ सिरोमणि ख पकडे नी रहता जेसे पुरो सरीर जोडो अर पट्टों को द्वारा पालन पोसन पा ख अर एक संग गाँठ ख, परमेस्वर की ओर से बढ़ती जावा हैं।

2000 22 222 2222 222 2222

20 जब कि तुम मसी को संग दुनिया की आदि ग्यान की अर से मर गया हो, ते फिर काहे ओको समान जे दुनिया का आय जिन्दगी बितावा हैं? तुम असी विधि हुन को वंस म काहे रहते हो?

21 कि यू नी छूनी, ओ ख नी चखनी अर ओ ख हात नी लगानी?

22 या सब चीज काम म लाते-लाते खत्म[‡] हो जाए काहे कि यू अदमी की आग्या हुन अर सिक्छा को अनुसार हैं।

23 या विधि हुन म अपनी इच्छा को अनुसार गद्दी हुई भक्ति की रीति, अर आत्मा-हीनता, अर सारीरिक योगाभ्यास को भाव से ग्यान को नाम तो हैं पर सारीरिक लालसा हुन ख रोकन म इन ख कुछ भी फायदा[§] नी होए।

3

1 जब तुम लोग मसी को संग जिलायो गयो, ते स्वर्ग की चीज खोजते रहो, जाहा मसी परमेस्वर को जेवनो तरफ बैठो हैं।

2 तुम दुनिया की नी, स्वर्ग की चिज हुन कि चिन्ता किया करो।

3 तुम ते मर चुक्या हैं, तुमरी जिन्दगी मसी को संग परमेस्वर म छिपो हुआ हैं।

4 जब मसी जे हमारो जिन्दगी हैं, परगट होए, तब तुम भी ओको संग महिमा सहित परगट करियो जाहे।

222222 22222222 22 222222 22222222

5 एको लाने अपनी उ आग ख मार डाले जे जमीन पर हैं, छिनाला करन वाली असुध, बुरो काम, बुरी इकछा अर लोब ख जे मूर्ति पूजा को बराबर हैं।

6 एको ही कारन परमेस्वर को कोप कहेना नी मानन वाला पर पडह हैं।

7 अर तुम भी, जब इ बुराई हुन म जिन्दगी बितावा रह ते एको अनुसार चलत रह।

8 पर अब तुम भी इ सब ख, अर्थात् गुस्सा, कडवाहट दुसमनी भाव, बुराई अर मुँह से गाली देनो यी सब बात छोड देवो।

9 एक दुसरा से झूठ मत बोलनो, काहेकि तुम न पुरानो अदमी ख ओको काम सहीत उतार डाल्यो हैं

10 अर नऊवतो अदमी ख पहर लियो हैं, जे अपनो सृजनहार को स्वरूप को जसो ग्यान लेन को लाने नऊवतो बनते जावा हैं।

11 ओ म न ते यूनानी रया न यहूदी, न चड़वा दिया वाला न खतना वाला न जंगली न स्कूती, न नउकर अर आजाद सिरप मसी सब कुछ अर सब म हैं।

12 एको लाने परमेस्वर को चुनयो हुआ को जसो जे सुध्द* अर प्यारो हैं, बडी करुना अर दया अर दीनता अर धीरज, अर सहनशीलता धारण करे,

13 अर अदि कोई ख कोई पर दोस देन को कोई कारन हो, ते एक दुसरा कि सहन कर लेओ अर एक दुसरा ख गलती माप करो; जसो प्रभु न तुमरो अपराध माफ करयो वसो ही तुम भी करो।

14 इ सब को ऊपर प्रेम को जे सिध्दता को कटिबन्ध हैं बाँध ला।

15 मसी की सान्ति जेको लाने तुम एक सरीर हो ख बुलायो भी गयो हो, तुमरो मन म राज करे; अर तुम धन्यवादी बन्यो रहे।

16 मसी को वचन ख अपनो हृदय म अधिकाई से बसन दे, अर सिदो ग्यान सहित एक दुसरा ख सिखाओ अर चिताओ, अर अपनो अपनो मन म दया को संग परमेस्वर को लाने भजन अर स्तुति गान अर आत्मा गीत गाओ।

17 वचन म यू काम म जे कुछ भी करहे सब प्रभु यीसु को नाम से करो, अर ओको द्वारा परमेस्वर बाप ख धन्यवाद करो।

~~~~~

18 हे ओरत हुन, जसो प्रभु म उचित है, वसो ही अपनो अपनो पति को अधीन रहो।

19 हैं अदमी हुन, अपनी अपनी ओरत से प्यार रखो, अर उन को संग कठोर<sup>†</sup> व्यवहार न करो

20 हे बच्चो सब बात म अपना अपना माय-बाप को केहेना को पालन करो, काहेकि प्रभु ऐसे खुस होवा हैं।

21 अरे पोरिया पारी वाला, अपना पोरिया पारी हुन ख मत तगानो, असो नी होय की उन की हिम्मत टूट जाए।

22 हे नउकर हुन जे सरीर को अनुसार तुम्हारो मालिक हैं, पुरी बात म ओको आदेस को पालन करो अदमी हुन ख प्रसन्न करने वाला को समान दिखान को लाने नी, लेकिन मन कि सीधाई अर परमेस्वर को डरत से हे अरे सेवा करने वाला जे सरीर को हिसाब से तुम्हारो मालिक हैं,

23 जे कही तुम करह हैं, तन मन से करनु। यू समझ ख कि अदमी हुन को लाने नी पर प्रभु को लाने करते रहनू।

24 काहेकि तुम जाना हैं कि तुम ख ऐको बदला म प्रभू से मीरास मीलहे; तुम प्रभु मसी की सेवा करते रहनू।

25 काहेकि जे बुरो करा हैं उ अपनी बुराई को फल पाहे, वाहा कोई को भी पक्छपात नी होन की।

## 4

1 हे मालिक हुन, अपना अपना नउकर हुन को संग न्याय अर चोक्खो चाल चलन रखो, यू समझ ख कि स्वर्ग म तुम्हारो भी एक मालिक हैं।

~~~~~

2 प्रार्थना म लगीया रहो, अऊर धन्यवाद को संग ओ म सतरक* रहो;

3 अर ऐको संग ही संग हमारो लाने भी प्रार्थना करते रहनू कि परमेस्वर हमारो लाने वचन सुनान को असो दरवाजा[†] खोल देहे, कि हम राज मसी ‡ ख बता सके, जोको लाने मी जेल म हैं,

4 अर ओ ख मी असो बता सकू, जसो मो ख करनो उचित हैं।

5 मऊका को बेजा किमती समझ ख बाहार वाला हुन को संग बुद्धिमानी से व्यवहार करो।

6 तुम्हारो वचन हमेसा दया सहित अर सलोना हो कि तुम ख हर कोई अदमी ख बेजा बडिया रीति से उत्तर देनो आ जानो चाहिए।

~~~~~

7 प्यारो भई अर भरोसा लायक<sup>§</sup> दास; तुखिकुस\*, जे प्रभु म मोरो संगी हैं, मोरी पुरी बात तुम ख बता देहे।

8 ओ ख मी न ऐको लाने तुमरो कने भेजयो हैं कि तुम ख हमरी दसा मालूम चल जाए अर तुम्हारो मन ख सान्ति देहे।

9 ओको संग मी न उनेसिमुस ख भी भेजियो हैं जे भरोसा लायक अर प्यारो भई, अर तुम म से हैं, यू तुम ख याहा कि पुरी बात बता देहे।

<sup>10</sup> अरिस्तर्खुस, जे मोरो संग कैदी हैं, अऊर बरनबास को भांजा मरकुस तुम लोगो ख नमस्कार कहव हैं। मरकुस को बारे म तुम ख आदेस मिल चुक्यो हैं। अदि वाहा तुम लोगो ख याहा आये, ते उनको स्वागत करे।

<sup>11</sup> अर यीसु जो यूस्तुस कहलावा हैं, तुम ख नमस्कार कहव हैं। खतना कियो वाला हुन अदमी म से वीच ही को परमेस्वर को राज्य को लाने मोरो संगी† अर मोरी सान्ति को कारन रह हैं।

<sup>12</sup> इपफ्रास, जे तुम म से हैं अर मसी यीसु को दास हैं, तुम ख नमस्कार कह हैं, अर हमेसा तुमरो लाने प्रार्थना म प्रयत्न करह हैं, तेकी तुम सिध्द हो ख पुरो भरोसा को संग परमेस्वर की इच्छा पर खडा रहो।

<sup>13</sup> मी ओको गवाह हूँ की वी तुमरो लाने अर लउदीकिया अर हियरापुलिसवालो को लाने बडो मेहनत करते रह हैं।

<sup>14</sup> प्यारो वैघ लूका अर देमास को तुम ख नमस्ते।

<sup>15</sup> लउदीकिया को भई ख, अर नुमफास अर उन को घर की कलीसिया ख नमस्ते कहनू।

<sup>16</sup> जब या चिट्ठी तुमरो याहा पड लियो जाहे ते असो करनु की लउदीकिया की कलीसिया म भी पढो जाहे। अर वा चिट्ठी जे लउदीकिया से आहे ओ ख तुम भी पडनू।

<sup>17</sup> अर अरखिप्पुस से कहजो कि जे सेवा प्रभु म तुम ख सोपी गई, ओ ख सावधानी को संग पूरो करनो।

<sup>18</sup> मी खुद पोलुस को अपनो हात से लिखो हुओ नमस्ते। मोरी बन्धन ख स्मरण रखनू।

तुम पर दया होते रहे। आमीन।

† 4:11 सहकमी

## 1 थिस्सलुनीकियो के नाम पोलुस का पत्र पहेलो थिस्सलुनीकियो को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

थिस्सलुनीकियो कि पहली चिट्ठी दास पोलुस 1:1 दुवारा लिख्यो गयो थो। या पहली चिट्ठी हो सकह है जे पोलुस न लिख्यो थो जे बसिबल को हिसच्चा बन गयो आय अऊर यह इसा जनम को लगभग 51 साल को बाद लिख्यो गयो थो। पोलुस कुरिन्थि म थो जब ओ न थोस्सलुनीके ख कलीसिया ख या यह चिट्ठी लिख्यो। एक कलीसिया जे खा ओ न अपनो दुसरी चिट्ठी मिसरी यातरा प स्थापित करियो थो। प्रेरितो 17:1-10 प्रेरित को काम कि किताब म यू कहयो गयो हैं।

कि कलीसिया कुछ यहूदिया अऊर कई यूनानी हुन से बनी रह। कलीसिया ख स्थापना को बाद भी पोलुस थिस्सलुनीके म रहन म सछ्म न थी, एकोलाने ओ न बाद म या चिट्ठी ख वाहा ख भरोसा करन वाला ख प्रोत्साहित करन को लाने भेजी। चिट्ठी म कई विसय ख सामिल करियो गयो हैं अऊर इसाई हुन ख कसो रहनु चाहिए, मसी को दुसरो आगमन प कुछ ध्यान देवा हैं। सायद थिस्सलुनीकियो की कलीसिया ख भरोसा करन वाला यू बारा म वैसेस रूप से रुचि रखत रह। पोलुस न मसी ख दुसरो आगमन ख परमेस्वर को खुस करन वाली जिन्दगी जीवन को प्रेरना को रूप म इस्तेमाल करियो। 5:6-8

**रूप रेखा:**

1. पोलुस या चिट्ठी की सुरूआत कलीसिया को अभिवादन करनो अऊर उन को लाने परमेस्वर को धन्यवाद देवन को दुवारा करह हैं। 1
2. फिर वाहा अपनो काम हुन अऊर तीमुथियुस दुवारा लायो गयो अच्छो समाचर हुन को बारा म बतावा हैं। 2—3
3. अगलो पोलुस निर्देस देवा हैं कि कसो इसाई हुन ख यीसु को दुसरो आगमन ख उजियाला म रहनो चाहिए। 4:1—5:15
4. पोलुस न कलीसिया ख फिर से नमस्कार करतो हुआ अऊर यू सुनिस्चित करन को लाने कहयो कि कलीसिया म हर एक ईसान चिट्ठी ख पढ़ह हैं। 5:16-28

~~~~~\*

1 परमेस्वर बाप अर प्रभु यीसु मसी म थिस्सलुनीकियो सहर की कलेसिया को नाम पोलुस, सिलवानुस अर तीमुथियुस कि चिट्ठी से। तुम ख किरपा अर सान्ति मिलते रैय।

~~~~~†

2 हम जब तुम ईसान हुन ख हमरो बिनती हुन करनो म तुम ख याद करा हैं ते हम हमेसा तुम सब को लाने परमेस्वर ख धन्यवाद देवा हैं,

3 अर अपनो परमेस्वर बाप‡ को जोने तुमरो भरोसा को काम, अर प्रेम म करी वाली मेहनत, अर हमरो प्रभु यीसु मसी म आसा की धीरज ख हमेसा याद करा हैं।

4 अरे भैय्या अऊर बहिन हुन, परमेस्वर तुम ख प्रेम करा हैं। हम जाना हैं कि परमेस्वर न तुम ख चुनियो हैं,

5 काहेकि हमरो सुसमाचार तुमारो जोने न सिर्फ बोलनो भर से ही नी पर सामर्थ्य, सुध्द आत्मा म, अर बड़ो भरोसा को संग पहुँचो हैं; जसो तुम जाना हैं कि हम तुमारो लाने तुमरो बीच म कसा बन गया हता।

\* 1: अभिवादन † 1:1 थिस्सलुनीकी हुन को भरोसा ‡ 1:3 पिता

6 तुम न हमरो अर प्रभु को जसो पालन करियो अर बडी दुख मुसीबत को भोग ख सुध्द आत्मा कि मरजी से खुसी से सुसमाचार ख मान लियो।

7 असो परकार से तुम मकिदुनिया परदेस अर अखया परदेस ख सब विस्वासी हुन को लाने तुम नमूना<sup>§</sup> बन गया।

8 काहेकि तुमरो यहाँ से प्रभु को सुसमाचार न सिर्फ मकिदुनिया अर अखया यूनान म फैलियो बल्कि परमेस्वर म तुमारो विस्वास करन कि चर्चा सभी जगा होवा हैं। कि हमका कई बोलन कि जरूरत नी हाय।

9 काहेकि इंसान हुन खुद हमका बतावा हैं कि तुमरो इते हमारी कसी मान इज्जत भई अऊर तुम कसो तरीका से मुरती हुन ख छोड़ ख परमेस्वर कि तरफ फिरिया, जसो तुम सच्चो अर जिन्दो परमेस्वर का सेवा करन वाला बनिया,

10 अर ओको पोरिया कि स्वर्ग पर से आन की रस्ता देखते रहनू, जेखा परमेस्वर न मुर्दा म से जिन्दो कियो, युईच\* यीसु स्वर्ग से उतरेगो अर, हम ख आन वालो प्रकोप, से बचायगो।

## 2

~~~~~ 2 ~~~~~

1 अरे भेय्या अऊर बहिन हुन! तुम खुद ही जाना हैं कि तुम इंसान हुन को घर म हमरो आनो बेकार नी गयो।

2 पर तुम खुद ही जाना हैं कि हमका कुछ ही रोज पहिले फिलिप्पी सहर म दुख उठानो अर उपद्रा झेलनो पर भी हमारो परमेस्वर न हम ख असी हिम्मत दियो, कि हम परमेस्वर को सुसमाचार भारी सताव हुन को होनो पर भी तुम ख सुनाते रैया।

3 तुम से हमारी या सान्ति न तो सक, पा निरभर हैं, बुरा मक्सद से भरयो हैं अऊर न ओमन कोई छल-कपट की बात हैं।

4 पर जसो परमेस्वर न हमका काबिल ठहरा ख सुसमाचार परचार करन ख लाने सोपो हैं। एकोलाने हम इंसान हुन ख नी, बलकी हमरो मन ख परखन वालो परमेस्वर ख खुस करन को लाने ग्यान सिखावा हैं।

5 काहेकि तुम इंसान हुन जाना हैं अऊर परमेस्वर भी ऐको गवाह हैं कि हमारो मुडो से चुगली कि बात हुन कभी नी निकली अऊर न हमना लोभ लालच म आ ख कुछ करियो।

6 हम न इंसान हुन से कोई इज्जत पान की कोसिस नी करी। न तुम इंसान हुन से सम्मान अर न दुसरा से,

7 काहेकि हम मसी यीसु की तरफ से भेज्या वाला प्रेरित होन को नाते, हम तुमरो ऊपर अपनो हक जता सकत रा, पर हम तुमरो बीच म बाल बच्चा हुन को समान भलो भाला बन ख रया। अपना पोरिया पारी को पालन पोसन करन वाली माय को समान हमना तुम इंसान हुन को संग प्रेम से व्यवहार करयो।

8 तुमरो प्रती हमारो प्रेम इतो तक बढ़ गयो रहा कि हम तुमका परमेस्वर को सुभ समाचार को संग अपनी जान भी तुमका दे देन की सोचत रा।

9 काहेकि, भई अऊर बहिन हुन! तुम ख हमारो कडी मेहनत करनो याद होए। तुमरो बीच परमेस्वर को सुसमाचार प्रचार ख फैलाते घड़ी हम दिन-रात काम काज करते रया, जसो कोई पर बोझ नी डाले।

10 तुम तुम ही गवाह हैं, अर परमेस्वर भी गवाह हैं कि तुम विस्वास करन वाला हुन को बीच* म हमरो व्यवहार कसो सुध्द अर नेक अर बेकसुर रयो।

11 तुम जाना हैं, कि जसो बाप† अपना पोरिया पारी को संग म व्यवहार करा हैं, वसा ही हम भी तुम म से हर एक ख ग्यान सिखावा, अर उत्साह बढ़ावा, अऊर समझात रहा।

12 कि तुमरो चाल-चलन परमेस्वर को काबिल होनो चाहिए, जो तुमका अपनो राज्य अर महेमा म बुलावा हैं।

13 एकोलाने हम भी परमेस्वर को धन्यवाद हमेसा करते रहवा हैं कि जब हमरो दुवारा परमेस्वर को सुभ समाचार को वचन तुमरो जोने पहुँचियो, ते तुम न ओ ख अदमी हुन को नी पर परमेस्वर को वचन समझ ख अर सच्ची म यू असो ही हैं झेल‡ लियो अर उ तुम विस्वास करन वाला म विस्वास रखा हैं, सक्तिसाली हैं।

14 भैया हुन अऊर बहिन हुन! तुम इंसान हुन न यहूदा परदेस म रहन वाली परमेस्वर कि कलेसिया हुन को हिसाब से चलन लग गया हैं, जो यीसु मसी म हैं, काहेकि जसा तुमारा इंसान हुन को वजे से तुम ख सतायो गयो हैं वसो ही तुमारा इंसान हुन ख यहूदी हुन न सतायो रहा।

15 जिन्ना प्रभु यीसु ख अर भविष्यवक्ता हुन का भी मार डाल्यो अर हम ख सतायो, अर परमेस्वर उन से खुस नी हाय, अर वी सब इंसान हुन को विरोध करा हैं,

16 अर वी दुसरी जात वाला से उनको उध्दार को लाने बात हुन करन से हम रोका हैं कि हमेसा अपनो पाप को मटका भरते रैय; पर उन पा परमेस्वर को भयंकर प्रकोप आ पहुँचियो हैं।

17 अरे भैया अऊर बहिन हुन, जब हम थोड़ी देर को लाने, मन से नी पर उजागर रूप से, तुम से अलग हो गया रह, ते हम न बड़ी इच्छा§ को संग तुमरो मुडो देखन को लाने अऊर भी ज्यादा मेहनत करी।

18 एकोलाने हम न खासकर ख मी खुद पोलुस न एक बार नी पर दो बार तुमरो जोने आन की सोची, पर सैतान हमारो रस्ता रोक ख रखियो रहा।

19 भला हमरी आसा, या खुसी या बड़ाई को मुकुट का हैं? का हमरो प्रभु यीसु को जोने ओको आन को बखत तुम ही नी होन का?

20 हमरी बड़ाई अर खुसी तुम ही हैं।

3

1 एकोलाने जब हम से अऊर नी रयो गयो, ते हम न यू सोचियो कि एथेन्स सहर म अकेला रैय जाए;

2 अर हम न तीमुथियुस ख, जो मसी को अच्छो समाचार परचार म हमरो भई अर परमेस्वर को सेवक आय, एकोलाने भेजो कि उ तुम ख मजबुत करे, अर तुमरो भरोसा को बारे म तुम ख समझाय,

3 जसो कि कोई विस्वासी असो सताव को वजे से डगमगा नी जाय। काहेकि तुम खुद जाना हैं कि हमरो लाने असा दुख हुन को आनो जरूर ही हैं।

4 काहेकि पहिले ही, जब हम तुमरो इते हता ते तुम से बोलते जात रह कि हम का दुख उठानो पड़ेगो, अर असो ही भयो हैं, जसो कि तुम जाना भी हैं

5 एकोलाने जब मोसे अऊर नी रयो गयो, ते तुमरो भरोसा को हाल जानन को लाने मीना तिमूथियुस ख भेज्यो, कि कई असो नी होय कि परीक़्छा लेन वालो सैतान न तुमरी परीक़्छा लियो होय, अर हमरी मेहनत बेकार हो गई होए।

6 पर अब तीमुथियुस न, जो तुमरो जोने से हमरो जोने लउट ख आयो हैं, तुमरो विस्वास अर भली बात को सुसमाचार लायो हैं उ हमका बतावा हैं कि तुम हमेसा हमका प्रेम से याद करा हैं अऊर तुम हमका फिर से देखन को लाने उता ही उतावला हैं जिन्ना की हम तुम ख देखन को लाने।

7 एकोलाने अरे भैय्या अऊर बहिन हुन, हम न अपनो पुरो दुख अर सताव म तुमरो विस्वास से बेजा खुस भया हैं।

8 काहेकि अब अदि तुम प्रभु म मजबुत रहे ते हम ईसान जिन्दा हैं।

9 अर जसी खुसी हमका तुमरो कारन अपनो परमेस्वर को जोने हैं, ओको बदला तुमारो बारे म हम कसो तरीका से परमेस्वर को धन्यवाद करे?

10 हम रात दिन बेजा ही विनती करते रहवा हैं कि तुमरो मुण्डो देखे अर तुमरो भरोसा की कमी पूरी करे।

11 अब हमारो परमेस्वर बाप तुम ही अर हमारो प्रभु यीसु तुमरो इते आनो म हमरी अगुवाई करे;

12 अर प्रभु असो करे कि जसो हम तुम से प्रेम रखा हैं, वसो ही तुमरो प्रेम भी एक दुसरा म अर सब ईसान हुन को संग बढ़े अर बढ़तो जाय,

13 ताकि उ तुमरो मन का असो मजबुत करे कि जब हमारो प्रभु यीसु अपना सब सुध्द अदमी हुन को संग आहे, ते वी हमरो परमेस्वर अर बाप को सामने सुध्दता म बेकसूर ठहरे। आमीन

4

~~~~~

1 एकोलाने अरे भैय्या हुन, हम तुम से विनती करा हैं अर तुम ख प्रभु यीसु म समझावा हैं कि जसो तुम न हम से अच्छो\* चाल चलनो अर परमेस्वर ख खुस करना सिखो हैं, अर जसा तुम चला भी हैं, वसा ही अऊर भी बढ़ते जाव।

2 काहेकि तुम जाना हैं की हम न प्रभु यीसु कि तरफ से तुम ख कोन-कोन सो नियम पहुँचियो हैं

3 काहेकि परमेस्वर कि इच्छा या हैं कि तुम सुध्द बननो: एकोमतलब गलत काम से बचियो रहनो,

4 अर तुम म से हर एक ईसान धीरज धर ख अपनो सरीर ख सुध्दता बना ख रखो अर ओकी इज्जत करो।

5 अर यू काम मर्जी से नी, अर न वा जात को समान जो परमेस्वर ख नी जाना,

6 कि या बात म कोई अपनो भई ख नी ठगन को, अर न ओपर हुकुम चलाय, काहेकि प्रभु असी सब बात हुन को पलटा लेन वालो हैं; जसो की हम न पहिले ही तुम से बोल दियो अर जतायो भी हतो।

7 काहेकि परमेस्वर न हमका असुध्द होन को लाने नी, पर सुध्द होन को लाने बुलायो हैं।

8 असो कारन से जो एका बेकार† जाना हैं, उ ईसान का नी पर परमेस्वर ख बेकार जाना हैं, जो अपनो सुध्द आत्मा तुम ख देवा हैं।

9 भैय्या चारा हुन की प्रीति को बारे म यू जरूरी नी हाय कि मी तुमरो जोने कुछ लिखूँ, काहेकि एक दुसरा से प्रेम रखनो तुमना तुम ही परमेस्वर से सिखो हैं;

10 अर पुरा मकिडुनिया का सब भैय्या हुन को संग असो करते भी जावा हैं। पर भैय्या हुन, हम तुम का समझावा भी हैं कि अऊर भी बढ़ते जाव,

11 अर जसा हमना तुम ख नेम दिया हैं, वसा ही चुप चाप रहनु अर अपनो-अपनो काम काज करनु अर अपनो-अपनो हात से कमान कि मेहनत करो;

12 ताकि बाहर वाला से मान-सम्मान लेनो, अर तुम ख कोई चिज की कमी नी रहन की।

~~~~~

13 अरे भैय्या हुन, हम नी चाहवा हैं कि तुम उनको बारे म जो सोवा हैं, बेग्यानी रहे; असो नी होय कि तुम दुसरा को समान चिन्ता करो जिनका आसा नी।

14 काहेकि अदि हम भरोसा करा हैं कि यीसु मरिया अर जिन्दो भी हो गयो, ते वसो ही परमेस्वर उनका भी जो यीसु म सो गया हैं, ओको ही संग लेका आहे।

* 4:1 योग्य † 4:8 तुच्छ

15 काहेकि हम प्रभु को बचन को हिसाब[‡] से तुम से असा बोला हैं कि हम जो जिन्दा हैं अर प्रभु को आन तक बचियो रहेगो, सोया वाला हुन से कभी आगे नी बढन ख।

16 काहेकि प्रभु तुम ही स्वर्ग से उतरेगो; वा बखत ललकार, अर प्रधान दूत को सब सुनाई देगो अर परमेस्वर कि तुरही फूँकी जाएगो; अर जे मसी म मरीया हैं, वी पहिले जिन्दा होयगो।

17 तब हम जे जिन्दा अर बचीया रहेगो उनको संग बदल पर उठा लियो जाएगो कि हवा म मिले अर असो तरीका से हम सदा प्रभु को संग म रहेगो।

18 असो तरीका से यी सब बातहुन से एक दुसरा का सान्ति देते रवा।

5

1 पर भैय्या अर बहिन हुन तुम खुद अच्छी तरीका से जाना हैं कि प्रभु को दिन रात को चोर को जसो आहे। एकोलाने एको सही बखत को बारे म तुमरो लाने कुछ लिखन की जरूरत नी हाय।

2 काहेकि तुम खुद अच्छी तरीका से जाना हैं कि प्रभु को दिन रात म आन वालो एक चोर को जसो आन वालो हैं।

3 जब अदमी हुन बोलत होये, “सब कुछ सान्ति * हैं, अर कुछ डर नी हाय,” ते उन पा एकाएक अकाल आ जाएगो, जे तरीका से गरभ वाली पर दुख; अर वी कोई भी तरीका से नी बचन का।

4 पर भैय्या हुन अर बहिन हुन!, तुम तो इंधारो म नी हाय कि उ दिन तुम पा चोर को समान आ ख पकड़े।

5 काहेकि तुम सब ज्योति की संतान हैं अर दिन की संतान आय; हम न रात का हैं अर न इंधारो का हैं।

6 एकोलाने हम दुसरा को समान सोते नी रैय पर जगते अर भागते सोते रहे।

7 काहेकि जो सोवा हैं वी रात ही ख सोवा हैं, अर जो नसा म धुत[†] रहवा हैं, वी रात ही ख नसा म धुत रहवा हैं।

8 पर हम जो दिन का हैं, विस्वास अर प्रेम को कवच[‡] पहिन ख अर उध्दार की आसा को टोपा पहिन ख सतर ख ऽरहे।

9 काहेकि परमेस्वर न हम का घुस्सा को लाने नी, पर एकोलाने ठहरायो हैं कि हम अपनो प्रभु यीसु मसी को दुवारा उध्दार प्राप्त करे।

10 मसी हमरो लाने एकोलाने मरियो, जसो हम चाहे जिन्दा रैय या मर गया होय, सब मिलका ओको ही संग जीएँ।

11 एकोलाने एक दुसरा का सान्ति देव अर एक दुसरा ख बढान^{*} को काम करो जसा कि तुम करते भी जावा हैं।

12 अरे भैय्या हुन हम तुम से एक विनती करा हैं। तुम वी इंसान हुन कि इज्जत करनो, जो तुमरो बीच म मेहनत करा हैं, अर प्रभु म तुमारा अगुवा हैं, अर तुम ख ग्यान सिखावा हैं, उनकी इज्जत करो।

13 तुम प्रेम को संग उनकी खूब इज्जत करो, काहेकि वी तुमरो लाने मेहनत करा हैं। आपस म मिल जुल ख रहनो।

14 अरे भैय्या हुन अर बहिन हुन, हम तुम से विनती करा हैं कि तुम आलसी हुन ख समझाते रहनू, काम चोर हुन ख हिम्मत देव, कमजोर हुन ख समालो, अऊर सब को संग मेल जोल को व्यवहार करो।

15 सतर का रहनु! कोई, कोई से बुराई को बदला बुराई नी करन को; पर हमेसा भलाई करन पर तैयार रहनो, एक दुसरो म अर सब से ही भी भलाई की बात करनो।

16 हमेसा खुस रैयनो।

17 हमेसा बिनती करते रहनु।

18 हर बात म परमेस्वर को धन्यवाद करते रहनो; काहेकि तुमरो लाने मसी यीसु म परमेस्वर कि यई मरजी हैं।

19 आत्मा ख मत बुझानो।

20 भविष्यवानी हुन का बेकार मत समझनो।

21 सब बात हुन का परखो; जे अच्छी हैं ओखा पकड़ ख रहनू।

22 सब तरीका की बुराई से बचियो रहनु।

23 सान्ति को परमेस्वर खुद ही तुम ख पुरी तरीका से सुध्द करे; अर तुमरी आत्मा अर जान अर सरीर हमरो प्रभु यीसु मसी को आन तक पुरा-पुरो अर बेकसुर सभल ख रहे।

24 तुमका बुलान वालो परमेस्वर सच्चो हैं अर उ असो ही करेगो।

25 अरे भैय्या हुन, तुम हमरो लाने भी बिनती करनु।

26 सब भई बंद हुन ख प्रेम को सुध्द चुम्मा से सम्मान करनु।

27 मी तुम ख प्रभु की कसम देऊ हैं कि या चिट्ठी सब भई हुन ख पढ़ ख सुनाई जाय।

28 हमरो प्रभु यीसु मसी कि किरपा तुम पा होती रैय।

2 थिस्सलुनीकियो के नाम पोलुस को पस दुसरो थिस्सलुनीकियो को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

थिस्सलुनीकियो ख दुसरी चिट्ठी दास पोलुस 1:1 को दुवारा लिखी गई हती। ओ न यहाँ चिट्ठी 1 थिस्सलुनीकियो ख कुछ ही बखत बाद, मसी को जनम को लगभग 51 साल बाद लिख्यो रह। पोलुस अभी भी कुरिन्थ म थो जब ओ न थिस्सलुनीकियो की कलीसिया ख यहाँ चिट्ठी लिखी, एक चर्च जे खा ओ न अपनी दुसरी मिसनरी यातरा पा स्थापित करियो रह। प्रेरितो 17:1-10 प्रेरितो को काम कि किताब म यू कहयो गयो हैं कि कलीसिया कुछ यहूदियो अऊर क कई यूनानी से बनी हती।

थिस्सलुनीकियो कि कलीसिया को सम्बन्ध अखरी को बखत म अऊर मसी को दुसरो आगमन से रह्यो होयगो, काहेकि पोलुस न थिस्सलुनीकियो ख लिखी अपनो दोई चिट्ठी हुन म ऐको बारा म बेजा कुछ लिख्यो हतो। 2 थिस्सलुनीकियो म से लगभग आधा अन्त को बखत को बारा म हैं। पोलुस न आलस्य को खिलाफ भी चेतावनी दियो। हर एक इंसान ख अपनो खाना को लाने काम करना चाहिए। 3:6-10

रूप रेखा:

1. पोलुस म अपना अऊर अपना संगी हुन को परिचय देतो हुआ चिट्ठी की सुरुवात करह हैं। 1:1-2
2. तब वाहा 2 थिस्सलुनीकियो ख कलीसिया को लाने परमेस्वर को धन्यवाद करह हैं अऊर उन को लाने प्रार्थना करह हैं 1:3-12
3. पोलुस अंत बखत को बारा म बोलह हैं। 2
4. तब वाहा आलस्य अऊर काम करन की आवश्यकता को विरुद बोलह हैं। 3:1-15
5. पोलुस न कलीसिया ख फिर से नमस्कार कर ख खत्म करियो। 3:16-18

??????

1 पोलुस अर सिलवानुस अर तीमुथियुस की तरफ से थिस्सलुनीकियो सहर की कलेसिया को नाम, जो हमरो बाप परमेस्वर अर प्रभु यीसु मसी म हैं:

2 हमरो बाप परमेस्वर अर प्रभु यीसु मसी की तरफ से तुम ख किरपा अर सान्ति मिलती रैय।

????? ? ? ? ? ? ? ?

3 अरे भेय्या हुन, तुमरो बारे म हम ख हर बखत परमेस्वर ख भलो बोलनो जरूरी हैं, अर यू उचित भी हैं, एकोलाने कि तुमरो भरोसा बेजा बढ़ते जावा हैं अर एक दुसरा म तुम सब म प्रेम बेजा ही बढ़ते जावा हैं।

4 असो तक कि हम खुद परमेस्वर कि कलेसिया म तुम इंसान हुन को बारे म घमंड करा हैं, कि जित्तो दुख अर सताव तुम झेला हैं, उन सब म तुमरो धीरज अर विस्वास परघट होवा हैं।

5 यू परमेस्वर को सच्चो न्याय को उजागर परमान हैं; कि तुम परमेस्वर को राज को काबिल ठहरनो, जेको लाने तुम दुख भी उठावा हैं।

6 काहेकि परमेस्वर की नजर म यू न्याय हैं, कि जे तुम ख कलेस देवा हैं, उन ख बदला म कलेस दे।

7 अर तुम जो, दुख झेलते रहवा हैं, हमरो संग चैन दे; वा बखत जब कि प्रभु यीसु अपना सक्तिसाली दूत हुन को संग, धधकन वाली आग म स्वर्ग से परघट होयगो,

8 अर जे परमेस्वर ख नी पहिचानो अर हमरो प्रभु यीसु को सुभ समाचार ख नी माना उनसे पलटा लेहे।

9 वी प्रभु को जोने से, अर ओकी सक्ति को तेज से दुर हो का अनन्त विनास को दण्ड पाएँगे।

10 यू उ दिन होयेगो, जब उ अपना सुध्द अदमी हुन म महिमा पान अर सब भरोसा करन वाला म हयीब* का काम होन का आएँगे; काहेकि तुम न हमरी गवाई पर विस्वास करो।

11 एकोलाने हम सदा तुमरो लाने बिनती भी करते रहवा हैं कि हमरो परमेस्वर तुम ख या बुलाहट को काबिल समझे, अर भलाई की हर एक इच्छा अर विस्वास को हर एक काम का सामर्थ्य को संग पूरो करे,

12 ताकि हमरो परमेस्वर अर प्रभु यीसु मसी को किरपा† को अनुसार हमरो प्रभु यीसु मसी को नाम तुमरो मन म बड़ाई पाय, अर तुम ओ म।

2

परमेश्वर प्रभु यीसु मसी को आनो, अर ओको जोने अपुन

1 अर भैय्या हुन अर बहिन हुन, अब हम अपनी प्रभु यीसु मसी को आनो, अर ओको जोने अपुन इंसान हुन को एकजुट होन को बारे म हमरी एक विनती या हैं:

2 कि कोई आत्मा, या वचन या चिट्ठी को दुवारा, जे कि माननो हमरी तरफ से होय असो मालुम पड़े, तुम यू मत समझ लेनो कि प्रभु को दिन आ पहुँचियो हैं, तुमरो मन एकदम से हड़बड़ा नी जाय अर धरान नी लग जाय कि प्रभु को दिन आ गयो हैं।

3 कोई तुम इंसान हुन ख कोई भी तरीका से नी बैहकाय।, काहेकि उ दिन जब लक नी आ सकन को जब लक पहले धरम को त्याग नी हो जाय, अर उ अधर्मी इंसान परगट नी हो जाय, जेको नास हो जानो जरूरी हैं।

4 उ अपनो धमण्ड करनो म वी सब की बेज्जती करा हैं अर उन से खुद ख बड़ो माना हैं, जो देवता कहलावा हैं, या पुजनु का लायक समझा जावा हैं, यहाँ तक कि उ परमेस्वर को मन्दिर म बैठ ख खुद भगवान होन को दावा करा हैं।

5 का तुम इंसान हुन ख याद नी हाय कि जब मी तुमरो बीच म रहत रहा, ते तुम ख असी सब बात हुन समझाते जात रह?

6 तुम वा चीज ख जाना हैं, जे ओखा अबा रोका ख रखा हैं, जसो कि वा अपनो बखत से पहिले परघट नी होय।

7 काहेकि अधर्म को भेद अबा भी काम करते जावा हैं, पर उ जब लक भेद रहे, जब लक उ रोकन वालो नी हट जाय।

8 एकोबाद उ अधर्म करन वालो पापी परघट होयगो, जेखा प्रभु यीसु अपनी मुण्डो की साँस से मार डालेगो, अर अपनो आन वालो तेज से भस्म कर देहे।

9 पर अधर्म करन वालो को आनो सैतान को परभाव से हैं, जो कई परकार ख सक्तिशाली चिन्ह, अर झूटा अदभुत दिखा ख,

10 अर नास होन वाला इंसान हुन ख हर परकार ख अधर्म का भरम म डाला हैं; काहेकि उनना उ सत्य से प्रेम नी करयो, जो उनका वचन को लाने सक्तिशाली हतो।

11 यही वजेसे परमेस्वर उन म एक भटका देन वाली सक्ति ख भेजेगो, कि वी झुट को ऊपर भरोसा करे।

12 ताकि जिन्ना इंसान सत्य को ऊपर विस्वास नी करा, वरन अधर्म से खुस होवा हैं, वी सब सजा पाहे।

परमेश्वर प्रभु यीसु मसी को आनो, अर ओको जोने अपुन

13 अर भैय्या हुन अर बहिन हुन, प्रभु तुमका प्रेम करा हैं। हमका प्रभु परमेस्वर को बारे म हमेसा धन्यवाद करनु जरूरी हैं। परमेस्वर न पहिलो फल को रूप म तुमका चुनियो, जसो तुम सुध्द करन वालो आत्मा को दुवारा अर सच्चई पर भरोसा को वजे से उध्दार ख पाहे।

* 1:10 अदभुत † 1:12 अनुग्रह

14 ऊई मक्सद को लाने ओ ना हमरो सुभ समाचार को परचार दुवारा तुम ख बुलायो, जसो तुम हमारो प्रभु यीसु मसी की महेमा ख लेव ।

15 एकोलाने अरे भैय्या हुन अर बहिन हुन!, तुम विस्वास म मजबूत बनिया रहनो; अर वी रीति रिवाज हुन ख मानते रहनो जेको ग्यान तुम ख मुखादरे या चिट्ठी को रूप म हम से मिली हैं ।

16 हमरो प्रभु यीसु मसी तुम ही, अर हमरो बाप परमेस्वर, जेना हम से इतो प्रेम करयो अर हमका हमेसा रहन वाली सान्ति दियो हैं अर जेना हमका अपनी किरपा म भली आसा दियो हैं

17 तुमरो मन ख खुसी दे अऊर हर भली बात म जेखा तुम बोला हैं या करा हैं, तुमका कामियाब बनाय ।

3

1 आखीर म, अरे भैय्याहुन बहिनहुन!, तुम हमरो लाने विनती* करते रहनो कि प्रभु को वचन असो तेजी से फैले जाय अर महिमा पाय, अर सब जगा म असो फैईल जाय । जसो कि तुम ईसानहुन को बीच म भयो हैं;

2 अर हम टेढा अर दुस्ट ईसान हुन से बच ख रैय काहेकि सभी विस्वासी नी हाय ।

3 पर प्रभु भरोसा को लायक हैं । उ तुम ईसान हुन ख मजबूत कर ख रखेगो अर बुराई से तुमरी देखभाल कर ख रखेगो ।

4 हमका प्रभु म तुम ईसान हुन को ऊपर पुरो भरोसा हैं तुम हमरो कहेना ख माना हैं अऊर मानते भी रहे ।

5 प्रभु तुमरो मन हुन ख परमेस्वर को प्रेम अर मसी को धीरज की तरफ अगुवाई करे ।

6 अरे भैय्या हुन, हम तुमका अपनो प्रभु यीसु मसी को नाम से जतऊ हैं कि तुम वी भई-बन्द हुन से अलग रहेनो, जो काम नी करा अर वा रीति रिवाज को हिसाब से नी चला, जो तुम ईसान हुन ख हम से मिली हैं ।

7 काहेकि तुम ईसान हुन खुद जाना हैं कि कसो तरीका से हमारी जसी चाल चलनो चाहिए, काहेकि हम तुमरो बीच म रहते बखत कभी आलसी नी रया,

8 हम न कोई को यहाँ फुकट म रोटी नी खाया, बल्कि हम बड़ी महेनत से दिन-रात काम करते रया ताकि तुम ईसान हुन म से कोई पर बोझ नी बने ।

9 असी बात नी हाय की हमका हक नी हाय, बल्कि हम तुमरो सामने एक नमूना बन ख रहे, कि तुम हमरी जसी चाल चलो ।

10 काहेकि जब हम तुमरो इते हता, तब भी तुम ख हमना यू नियम दियो रहा; अदि कोई काम करनो नी चाहवा ते उ खानो भी नी चाहिए ।

11 अब हमारो सुननो म आवा हैं कि तुम म से कुछ ईसान हुन आलसी को समान जिन्दगी बितावा हैं । वी खुद काम नी करा अऊर दुसरो को काम म अदंगा डाला हैं ।

12 असा ईसान हुन ख हम प्रभु यीसु मसी को नाम से जता देवा हैं, अर उन से विनती करा हैं कि वी चुपचाप काम करते रैय अर खुदकी कमई की रोटी खाते रैय ।

13 तुम, अरे भैय्या हुन, भलाई करनो म हिम्मत मत हारनो ।

14 अदि कोई हमरी या चिट्ठी म बताई वाली बात ख नी माने, ते ओपर नजर रखे अऊर ओसे नाता टोड़ ले, जसो उ अपनो सुभाव पर सरमिन्दो होय ।

15 तेभी तुम ओको संग बैरी जसो बताव मत करनो, बल्कि ओखा भई या बहिन को जसो समझाव ।

* 3:1 विनती

???? ???? ?? ????????

16 अब प्रभु जो सान्ति को सोता आय तुम ईंसान हुन ख हर बखत अर हर तरीका सान्ति तुम ख देते रैय! प्रभु तुम सब को संग म रैय!

17 मी, पोलुस, अपनो हात से यू नमस्कार लिख रयो हैं। या मोरी सब चिट्ठी हुन कि निसान हैं। मी असो ही तरीका से लिखु हैं।

18 हमरो प्रभु यीसु मसी कि किरपा तुम सब पा बनी रैय!

1 तीमुथियुस के नाम पोलुस का पस पहेलो तीमुथियुस को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

1 तीमुथियुस कि किताब प्रचारक पोलुस दुवारा अपनो सिस्व तीमुथियुस ख लिखी गई एक चिट्ठी हैं। 1तीमुथियुस संभवतः मसी को जनम को 62-64 साल बाद लिखो गयो थो। याहा पोलुस की जिन्दगी को अंत जोने थो। पोलुस ख तीमुथियुस को संग बेजा अच्छो संबंध हतो, अऊर ओ न ओ ख कई बार पोरिया को रूप म संदर्भित करियो। फिलिप्पियो 2:22; 1तीमुथियुस 1:2; 1:18

याहा पोलुस ख चार चिट्ठी हुन म से एक हैं जे एक कलीसिया को बजाय एक अदमी ख संबोधित कियो जावा हैं। अन्य तीन चिट्ठी 2 तीमुथियुस, तीतुस अऊर फिलेमोन हैं। 1 तीमुथियुस म कलीसिया की आराधना 2:1-15 कलीसिया का अगुवो को लाने योग्यता 3:1-13 अऊर झुटा सिक्छा देन वाला हुन को खिलाफ चेतावनी 1:3-11; 4:1-5; 6:2-5 याहा दर्सावा हैं। की कसो पोलुस तीमुथियुस की कलीसिया हुन म अगुवा बनावन को लाने प्रतिक्रिया दे रहयो थो। 1तीमुथियुस म कई सिद्धांत हैं जे हमारो दिन हुन म कलीसिया ख नेता हुन ख स्थानीय कलीसिया ख सेवकाई को प्रबंधन करन म मदद कर सकह हैं।

रूप रेखा:

1. पोलुस तीमुथियुस को अभिवादन करतो हुआ सुरु करह हैं। 1:1-2
2. तब वाहा तीमुथियुस ख झुटा सिक्छा हुन को विरुद चेतावनी देवा हैं। 1:3-11
3. पोलुस यू बताते हुआ जारी रखह हैं कि वाहा यीसु मसी को लाने कितनो आभारी हैं। 1:12-19
4. ऐको बाद वाहा तीमुथियुस को आराधना अऊर कलीसिया को अगुवो को बारा म निरदेस देवा हैं। 2—3
5. पोलुस न तीमुथियुस को कुछ आखरी निर्देस दे ख पानी चिट्ठी खत्म करी। 4—6

1 पोलुस को तरफ से जे उध्दारकर्ता परमेस्वर, अर हमार आसा क आधार मसी यीसु को आग्या से मसी यीसु को प्रेरित आय,

2 तीमुथियुस को नाम जे भरोसा म मोरो सच्चो पोरिया आय:

बाप परमेस्वर, अर हमरो प्रभु मसी यीसु को तरफ से, तोखा अनुग्रह अर दया, अर सान्ति मिलत रहे।

~~~~~

3 जसो मी न मकिदुनिया ख जाते बखत मी न तोसे जे इफिसुस म रुक्यो रहन ख कहयो थो, मी अबो भी उही आयह ख दोहरा रहा हूँ। तेकी तू वाहा कुछ अदमी हुन ख झुठी सिक्छा न दे,

4 अर उ कायनी हुन अर अनन्त खानदान पर मन नी लगा, जसो विवाद होवह हैं; अऊर परमेस्वर को उ प्रबन्ध को अनुसार नी, जे भरोसा प आधारित हैं। वसो ही फिर भी कहव हूँ।

5 आग्या को सारांस यू हैं कि सुध्द मन अर अच्छो विवेक, अर निस्कपट भरोसा से प्रेम उत्पन्न होए।

6 इनका छोड ख कितना अदमी हुन फिर ख बकवाद को तरफ भटक गया हैं,

7 अर व्यवस्थापक ते होन चाहत हैं, प जे बात कहव अर जिनका मजबूत से बोलत हैं, ओखा समझत भी नी।

8 पर हम जानत हैं कि अदि कोई नेम को अनुसार प काम म लाय ते बी भली आय।

9यू जान ख कि नेम धर्मी जन को लाने नी पर अधर्मी या पापी हुन, निरंकुसों, भक्तिहीन, पापियो, अपवित्रो अर असुध्द हुन, अदमी हुन माय-बाप को मारन वाला, हत्यारो,

10बुरा काम करन वाला पुरुसगामी हुन, इंसान ख बेचन वाला, झूठा बोलन वाला, झूठी कसम खान वाला, अर ऐको अलावा खान वाला, ऐका अलावा खरो सिखान वाला ख सब बैरी हुन को लाने ठहराई गई हैं।

11उही परम धन्य परमेश्वर की बड़ाई को चोक्खो खबर को हिसाब से हैं, जे मोखा सोपियो गयो हैं।

12हमारा प्रभु यीसु मसी को मी धन्यवाद देऊ हैं, जेना मोखा सक्ति दी हैं, अऊर मोखा भरोसा को लायक समझ ख अपनी सेवा म धन्यवाद करू हैं कि ओ ना मोखा भरोसा को लायक समझ ख अपनी सेवा को लाने ठहरायो।

13मी ते पहले बुराई करन वालो, अऊर सतान वालो, अऊर अंधेरा करन वालो हतो, ते भी मोपर दया भई काहेकि मी ना अविस्वास करियो कि हालत म बगर समझियो-बूझियो असा काम करियो रहा।

14अर हमारो प्रभु को दया उ भरोसा अर प्रेम को संग जे मसी यीसु म हैं, बहुतायत से भयो।

15यू बात सही अऊर हर तरीका से मानन को काबिल हैं कि यीसु मसी पापी हुन को उध्दार करन को लाने दुनिया म आयो, जेमा सबसे बड़ो पापी मी आय।

16पर मोरो पर एकोलाने दया हुई कि मी सब से बड़ो पापी म यीसु मसी अपनी पुरी सहनशीलता दिखाय, कि जे इंसान ओपा अनन्त जिन्दगी को लाने भरोसा करेहे उनको लाने मी एक नमूना बनू।

17अब हमेसा को राजा एकोमतलब का अविनासी, नी दिखन वालो, अकेलो मातर परमेश्वर को सम्मान अर बड़ाई सनातन होती रहे। आमीन।

18अर पोरिया तीमुथियुस, उ भविष्यवानी हुन को हिसाब से जे पहलो तोरो बारे म करी गई रहा, मी यू हुकुम सोपू हैं। कि तू उनको हिसाब से अच्छी लडई ख लडते रहनू,

19अर भरोसा अर भली समझ की इच्छा ख पकड ख रख, जेका दुर करन को लाने कित्ता को भरोसा रूपी जहाज डुब गयो।

20उनी मा से हुमिनयुस अऊर सिकन्दर हैं, जो ख मी न सैतान (भूत) का सोप दियो हैं, कि वी परमेश्वर को बुराई करनो नी सिखनो चाहिए।

2

1अब मी सबसे पहलो यू आयह करता हैं, कि विनती, अऊर प्रार्थना, अऊर निवेदन, अऊर धन्यवाद पुरा इंसान हुन को लाने कियो जाहे।

2राजा हुन अर सब ऊँचो पदवाला को निमित्त एकोलाने कि हम आराम अर चैन को संग सारी भक्ति अर गम्भीरता से जिन्दगी बताए।

3यू हमार उध्दारकर्ता परमेश्वर ख चोक्खो लगह अऊर भावा भी हैं,

4जे यू चाहाव हैं, कि सब इंसान को उध्दार हो; अर वी सही को भली-भाँति पहचान लेवा।*

5काहेकि परमेश्वर एक ही आय, अर परमेश्वर अर इंसान हुन को बीच म भी एक ही बिचवई* हैं, अर्थात् मसी यीसु जे इंसान हाय,

6जेना अपनो तुम ख सब को छुटकारो को दाम म दे दियो; ताकि ओकी गवाई ठीक बखत हुन प दी गई।

* 2:4 यहजेकल 18:23 * 2:5 बीच करन वाला

7 मी सच कहता हूँ, झूठ नी बोलू, कि मी इही उद्देश्य से प्रचारक अर प्रेरित अर दुसरी जात हुन को लाने भरोसा अर सही उपदेसक ठहरायो गयो।

8 एकोलाने मी चाहूँ हूँ, कि हर जगह अदमी बिना गुस्सा अर विवाद को सुध्द हात हुन ख उठा ख प्रार्थना कियो करो।

9 वसो ही ओरत हुन भी संचोक अर संयम को संग सुहावन कपड़ा हुन से अपनो तुम ख संवारो; नी कि बाल गुँथनो, सोना, अर मोती हुन, अर मंहगा कपड़ा हुन से,

10 पर भली बात हुन से, काहेकि परमेश्वर को भक्ति करन वाला बाई हुन का इही उचित भी हैं।

11 अर ओरत ख चुपचाप पुरो अधीनता से सिखानो चाहिए।

12 मी कहता हूँ, कि ओरत न उपदेस करो अर नी अदमी प हक चलाए, पर वी चुपचाप रखे।

13 काहेकि पहले आदम। कि रचना हुई ओको बाद हवा ख बनायो गयो।*

14 अर आदम बहकायो नी गयो, पर ओरत † बहकाव म आय ख अपराधी हुई।*

15 ते भी बाई हुन बच्चा पैदा करन को दुवारा उध्दार पाहे, अदि वी संयम सहित विस्वास, प्रेम, अर सुध्दता म स्थिर रह्ये।

3

***** 2 ***** (2222)

1 या बात सही हैं कि जे अध्यक्छ होन चाहाव हैं, उ भलो काम की इक्छा करह हैं।

2 या आवस्यक हैं कि अध्यक्छ बेगुना अर एक ही ओरत को अदमी संयमी सुसील सभय, अतिथि सत्कार करन वाला, अर सिकान म भरपूर हो

3 पियक्कड़ या मार पीट करन वालो न हो; लेकिन कोमल हो, अर न झगड़ा करन वाला अर नी धन को लालच करन वालो हो।

4 अपनो कुकटुम ख चोखो से चलान वालो हो अर अपनो पोरिया-पारी की सारी गम्भीरता से अधीन म रखता हो।

5 जब कोई अपनो घर ही ख प्रबन्ध करनो नी जानह हो, ते परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली कसी करे?

6 उ एक नयो चेला नी होनू चाहिए तेकी उ अहंकार से फुल न जाये। अऊर ओ ख सैतान को जसो ही दण्ड पानो पड़े।

7 यु भी जरूरी हैं कि बाहरी जनता म ओको बारा म अच्छी बात कही जावह हो। कही असो न हो कि ओकी बदनामी हो अऊर उ सैतान को फंदा म पड़ जाहे।

***** 2 ***** (2222)

8 यूही तरीका कलीसिया को सेवक हुन ख भी सम्मानीय होनू चाहिए जेको सब्द हुन पर भरोसा कियो जावह हो। अंगूर को रस म ओकी रचि नी होनू चाहिए। बुरे रस्ता से उन ख पैसा कमान को इक्छुक नी होनू चाहिए।

9 उन ख ते सुध्द विवेक से हमारो भरोसा ख गहन सत्य ख धामे रखनू चाहिए।

10 अर यू भी पहले परखो जाए, तब अदि बेकसूर निकले ते सेवक को काम करे।

11 यु ही तरीका से बाई हुन ख सोचन वाली होनू चाहिए आरोप लगान वाली न हो, लेकिन सचेत अर पुरी बात म भरोसा को लायक हो।

12 कलीसिया ख सेवक की केवल एक ही ओरत होनू चाहिए तथा ओ ख अपनो बाल बच्चो तथा अपनो घराना हुन ख अच्छो प्रबन्धक होनू चाहिये।

13 काहेकि जे सेवा को काम अच्छी तरह से कर सकह हैं, वी अपनो लाने अच्छो पद अर उ भरोसा म जे मसी यीसु पर हैं, बड़ो साहस प्राप्त करह हैं।

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥

14मी या आसा को संग तुम ख या बाते लिख रहयो हूँ कि जल्दी ही तुमारो जोने आऊगो।

15अदि मो ख आवन म बखत लग जाहे ते तुम ख मालुम रहे कि परमेस्वर को घरानो म, जे जिन्दो परमेस्वर की कलीसिया हैं, कोई ख अपनो बताव कसो रखनो चाहिये। कलीसिया ही सही को नीव अऊर आधार खंमा हैं।

16एमा सन्देह नी कि भक्ति को भेद गम्भीर हैं:

लेकिन वह जे सरीर म प्रगट हुआ

आत्मा म धर्मी ठहरो

स्वर्ग दूत हुन ख दिखाई दियो,

दुसरी जाति हुन म उसको प्रचार भयो,

दुनिया म ओ पर भरोसा किरयो गयो,

अर महिमा म ऊपर उठाया गयो।

4

॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥

1पर आत्मा स्पष्टता से कहव हैं कि आन वालो बखत हुन म कितना लोग हुन भरमान वाला आत्मा, अर दुस्तात्मा हुन को सिक्छा प मन लगा ख विस्वास से बहक जाएगो,

2यू उ झूठो इंसान हुन को कपट को कारन होगो जेको विवेक माना जलत हुयो लोहो दागा गयो आय।

3जे बिबाव करन से रोकेगो, अर खान की कुछ चीज से परे रहन को आदेस देयेगो जिन ख परमेस्वर न एकोलाने सृजा की विस्वासी अर सही को पहिचानन वालो उन ख धन्यवाद को संग खाएँ।*

4काहेकि परमेस्वर की सृजी हुई हर एक चीज अच्छी आय, अर कोई वस्तु अस्वीकार करन को योग्य नी; प यू हैं कि धन्यवाद को संग खाई जाए,

5काहेकि परमेस्वर को वचन अर प्रार्थना को दुवारा सुध्द हो जावा हैं।

॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥

6अदि तू विस्वासी भई हुन का इ बात हुन को सिक्छा दिलात रहे, ते मसी यीसु को चोक्खो सेवक ठहरेगो; अर भरोसा अर चोक्खो सिखन वाला हुन को बात से, जे तू मानत आयो हैं, तोरो पालन-पोसन होत रहेगो।

7पर असुध्द अर बूढ़ी हुन को सी कायनी हुन अर अलग रहा; अर भक्ति म खुद का समझ कर।

8काहेकि सरीर को समझनू से कम फायदा होव हैं, पर भक्ति सब बात हुन को लाने फायदा मंद हाय, काहेकि इ बखत को अर आन वाला जिन्दगी को भी वादा इको लाने हाय।

9यू बात सही अर हर तरफ से मानन को काबिल हैं।

10काहेकि हम मेहनत अर यत्न एकोलाने करत हैं कि हमार आसा उ जिन्दो परमेस्वर पर हैं; जे सब इंसान हुन को अर विसेस रूप म से विस्वासी हुन को उध्दारकर्ता हाय।

11इन बात हुन की आग्या दे ख अर सिखात रह्य।

12कोई तोरी जवानी ख तुच्छ नी समझना पाए; पर वचन, अर चाल चलन, अर प्रेम, अर भरोसा, अर सुध्दता म विस्वासी को लाने नमूना बन जा।

13जब तक मी न आऊ, तब तक पढ़न अर सिक्छा देन अर सिखन म खुसी से रव।

14उ वरदान को मुताबित जे तो म हैं, अर भविष्यव्दाणी को दुवारा मुखिया याजक हुन को हात रखते टेम तो ख मिलो थो, वे फिकर मत रहजो।

15 यू बात ख सोचते रह अर इन म अपनो ध्यान लगायो रह, ताकि तोरी उन्नति पुरा पर परगट हो।

16 अपनो अर अपनी उपदेस की रखवाली रखह। इ बात पर मजबूत रह, काहेकि अदि असो करते रहेगो ते तू अपना अर अपना सुनन वाला को लाने भी उध्दार को कारन होय।

5

~~~~~

1 कोई सियाना हुन का नी डॉट; पर ओ ख बाप जान ख समझजे, अऊर जवान हुन का भई जान ख;\*

2 सियाना हुन माय हुन ख माय समझ ख; अर जुवान बाई हुन ख पुरी सुध्द रीति से बहिन समझ ख समझा दा।

3 वी विधवा हुन को, जो सही म विधवा हैं, इज्जत कर।

4 अदि कोई विधवा का पोरिया-पारी या नाती नतरा होय, ते वी पहले अपनो ही घरानो को संग भक्ति को बर्ताव करनो अर अपना माय-बाप हुन ख उनको हक देनो सीखे, काहेकि असो परमेस्वर ख भावा हैं।

5 जे सच्ची म विधवा हैं अऊर ओको कोई नी आय वा परमेस्वर पर आसा रखा हैं। अर रात दिन बिनती अर प्रार्थना म लोलीन रहवा हैं।\*

6 पर जो अपनो स्वार्थ म पड़ गई, वा जीते-जी मर गई हैं।

7 असी बात हुन को भी नेम दियो कर ताकि वी बीन कसुर वाली रहे।

8 पर कोइ खुद की अर खास कर ख अपनो घराना की फिकर नी करे, ते उ विस्वास से मुंडो कर गयो हैं। अर अविस्वासी से भी बुरो बन गयो हैं।

9 वई विधवा को नाम लिखो जाऐ जो साठ साल से कम की नी होए, अर एक ही अदमी की ओरत रही होय,

10 अर अच्छा भला काम म सुनाम रही होय, जे पोरिया-पारी को पालनो-पोसनो करो होय, मिजवान हुन की मिजवानी करी होय, सुध्द अदमी हुन ख पाय धोया होय दुखी अदमी हुन की मदत करी होय, अर हर एक भलो काम म मन लगायो होय।

11 पर जुवान विधवा हुन को नाम मत लिखजे काहेकि जब वी मसी की बुराई कर ख सुख विलास म पड़ जावा हैं। ते बिहाव करना चाहव हैं।

12 अर दोसी ठहरा हैं, काहेकि उन्ना अपनो पहलो भरोसा ख छोड़ दियो हैं।

13 ऐको संग ही संग वी घर-घर फिर ख आलसी होना सिखा हैं; अर सिरप आलसी नी पर फक्कड़-फक्कड़ करते रहव हैं अऊर दुसरो को काम म हात भी डाला हैं; अर बेकार की बात भी करा हैं।

14 एकोलाने भी असो चाहू हैं कि जुवान विधवा बाई हुन बिहाव कर ले, अर पोरिया पारी पैदा करे अर घर दुवार समाले, अर कोई विरोधी ख बदनाम करन वालो ख मऊका नी दे।

15 काहेकि कई सारी तो बहक ख सैतान को पिच्छु हो गई हैं।

16 अदि कोई विस्वासी को यहाँ या विधवा हुन होय, ते उई उनकी मदत करे कि कलेसिया पर भार नी होन की ताकि तू उनकी मदत कर सके जो सही म विधवा हैं।

17 जो सियाना चोक्खो प्रबन्ध करा हैं। खास कर ख वी जो वचन सुनान अर सिखानो म मेहनत करा हैं, दो गुना इज्जत को लायक समझा जाय।

18 काहेकि परमेस्वर को वचन कहाँ हैं, दावनो वालो बईल को मुण्डो मत बाँधजे, काहेकि “मजदूर करन वालो मजदूरी को हक दार हैं।”\*

19 कोई आरोप कोई सियाना हुन पा लगायो जाय ते बीना दो या तीन गवाह हुन को ओखा मत सुना।

20 पाप करने वाला ख सब को सामने समझा दा, ताकि अऊर अदमी हुन भी डरे।

21 परमेस्वर अर मसी यीसु अर चुनीया वाला स्वर्गदूत हुन को मऊजुदगी जान ख मी तो ख जता देऊ हैं कि तू मन खोल ख असी बात हुन ख माना कर, अर कोई काम पक्छपात को संग म मत करजे।

22 कोई पा तुरत हात मत धरजो, अर दुसरा को पाप हुन म सामिल मत होजो, खुद ख सुध्द बना ख रख।

23 आन वालो बखत म सिरप पानी को पीवन् वालो मत रैयजो पर अपनो पेट को अर अपनो बार-बार बीमार होन को कारन जरा-जरा अंगूर को रस भी काम म लाते जाओ।<sup>14</sup>

24 कुछ अदमी हुन ख पाप परघट हो जाय हैं। अर न्याय को लाने पहले से पहुँच जावा हैं। पर कोई ख पिच्छु से आवा हैं।

25 वसा ही कुछ भला काम भी परघट होवा हैं, अर जे असा नी होवा, वी भी लुक नी सका।

## 6

1 जिता दासता को बोझ को नीच्चे हैं, वी अपना अपना मालिक को बडो आदर को लायक जाने, ताकि परमेस्वर को नाम अर उपदेस की बुराई न हो।

2 जिन का मालिक विस्वासी हैं उन ख वी भई होन को कारन तुच्छ न जान, लेकिन उन की अर से सेवा करो, काहेकि इस से फायदा उठान वाला विस्वासी अर प्यारो हैं। उ बात की सिक्छा दियो कर अर समझाते रह।

~~~~~

3 अगर कोई अर ही तरीका की सिक्छा देवा हैं अर खरी बात को, ऐको लाने हमारो प्रभु यीसु मसी की बात ख अर उ उपदेस को नी मानन हैं, अर जे भक्ति को अनुसार चला हैं,

4 ते उ घमंडी हो गयो, अर कही नी जानन; पर ओ ख विवाद अर सब्द प नींद म बोलन को रोग हैं, जसो डाह, अर झगडा, अर बुराई की बात, अर बुरो-बुरो सन्देह,

5 अर उ अदमी हुन म बेकार को लडाई-झगडा पैदा होवा हैं जो की दिमाक बिगड गयो हैं, अर वी सही को विहीन हो गया हैं, जे समझा हैं कि भक्ति कमई को साधन आय।

6 लेकिन संतोस सहित भक्ति बड़ी कमई हैं।

7 काहेकि न हम संसार म कही लाया हैं अर न कुछ ले जा सकह हैं।¹⁵

8 अदि हमारो कने खावन अर पहिननो ख हैं, ते उन प ही चोक्खो रहनु चाहिए।

9 पर जे धनी होन चाहाव हैं, वी असी परीक्छा म फंदा म फसह हैं, अर बेजा बेकार अर हानि होन वाली लालच हुन म फसह हैं, जो अदमी ख बिगड देवह हैं अर नास को समुंदर म डुबा देवह हैं।¹⁶

10 काहेकि पैसा को लोभ पुरो तरीका से बुराई की जड आय, जे से प्राप्त करन को प्रयास करता हुआ बेजा न भरोसा से भटक ख अपनो तुम ख हर एक तरीका को दुः ख से छलनी बना लियो हैं।

~~~~~

11 पर हे परमेस्वर को जन, तू यू बात से भाग, अर धर्म, भक्ति, भरोसा, प्रेम, धीरज अर नम्रता को पीछु कर।

12 भरोसा की अच्छी लडाई लड; अर उ अनन्त जीवन ख धर ल, जे को लाने तू बुलायो गयो अर बेजा सा गवाह को सामे चोक्खो मान लियो रह।

13 मी तो ख परमेस्वर को, जे सब ख जिन्दो रखह हैं, अर मसी यीसु को गवाह कर ख जे न पुन्तियुस पिलातुस को समे चोक्खो अंगीकार कियो, यू आदेस देहु हैं,

14 कि तू हमारो प्रभु यीसु मसी को परगट होन तक यू आदेस ख बेदाग अर बेगुना रख,

15 जो ख उ ठीक टेमं प दिखाएगो, जे परम धन्य अर एकमात्र अधिकारी अर राजा हुन को राजा अर प्रभु ओखा प्रभु हैं ☆

16 अर अमरता केवल उही की हैं, अर वह अगम्य ज्योति म रहव हैं, अर न उसे कोई अदमी न देखो अर न कभी देख सकह हैं। उस की प्रतिष्ठा अर राज्य हमेसा हमेसा रहेगो। आमीन।

17 यू दुनिया को धनवानो को आदेस दे कि वे अभिमानी न हो अर चंचल धन प आसा न रखे, पर परमेस्वर पर जे हमारो सुख को लाने सब कुछ बहुतायत से देवा हैं। ☆

18 वी भलाई करे, अर भलो कामो म धनी बने, अर उदार अर मदद देन म तत्पर हो,

19 अर आगो को लाने एक अच्छी नीव डाल रखे कि सच्चो जीवन ख वंस म कर ल।

20 हे तीमुथियुस, यू धरोहर की रखवाली कर; अर जे अकल ख अकल कहनो ही भूल हैं, उसको असुध्द बकवाद अर विरोध की बाते से परे रह।

21 कितना यू ग्यान को अंगीकार कर ख भरोसा से भटक गया हैं।

तो पर दया होती रहे।

## 2 तीमुथियुस के नाम पोलुस का पत्र दूसरो तीमुथियुस को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

2 तीमुथियुस कि किताब प्रचारक पोलुस कि ओर से अपनो सिस्स्य तीमुथियुस ख लिखी दुसरी चिट्ठी है। 2 तीमुथियुस ख पोलुस की जिन्दगी को अन्त म लिखो गयो थो। वाहा यू बखत 1:16 को दऊरान रोम म कैद थो। पोलुस ख तीमुथियुस को संग बेजा अच्छो संबंध थो अऊर अक्सर ओ ख एक पोरिया को रूप म संदर्भित करतो थो। फिलिप्पियो 2:22; 1तीमुथियुस 1:2; 1:18

याहा पोलुस ख चार चिट्ठी हुन म से एक हैं जो एक चर्च को बजाय एक अदमी को संबोधित कियो जावा हैं। अन्य तीन असी चिट्ठी 1तीमुथियुस, तीतुस अऊर फिलेमोन हैं। 2 तीमुथियुस ख लिखो जानो को बखत, रोमन समराज म मसी विस्वासी हुन ख सतायो जा रहयो थो। सायद याहा वजे हती की पोलुस जेल म थो अऊर तीमुथियुस ख कठिनाई सहन को निर्देस दे रहयो थो। जसो कि 1 तीमुथियुस म हैं, पोलुस तीमुथियुस ख झुटा सिक्कह हुन को बारा म कई चेतावनी देऊ हैं। 1तीमुथियुस 1:16-18 वाहा तीमुथियुस से याहा भी कहता हूँ कि आगे कठिन बखत होगो। 3:1 रूप रेखा:

- 1 पोलुस तीमुथियुस को अभिवादन करनो अऊर फिर ओ ख प्रोत्साहन करन को दुवारा चालू करह हैं। 1:1-18
2. फिर वाहा तीमुथियुस ख धीरज धरन की चुनोती देऊ हैं। 2:1-13
3. ऐकोबाद वाहा ओ ख कही सामान्य निर्देस देऊ हैं। 2:14-26
4. फिर वाहा ओ ख भविष्य की घटना हुन अऊर प्रतिक्रिया ख सही तरीका को बारा म चेतावनी देऊ हैं। 3:1—4:8
5. पोलुस तीमुथियुस को लाने कुछ अदमी गत टिप्पनी हुन को संग खत्म करह हैं। 4:9-22

??????

1 पोलुस की अर से जे, उ जिन्दगी को वादा के अनुसार जे मसी यीसु म हैं, परमेस्वर को इच्छा से मसी यीसु को प्रेरित आय,

2 प्यारो पोरिया तीमुथियुस को नाम:

परमेस्वर बाप अर हमरो प्रभु मसी यीसु की अर से तो ख दया अर दया अर सान्ति मिलती रह।

?????? ?? ?????????

3 जे परमेस्वर की सेवा म अपना बाप दादा को रिवाज पर सुध्द विवेक से करता हूँ, ओको धन्यवाद हो कि मी अपनी प्रार्थना हुन म तो ख लगातार स्मरण करू हूँ,

4 अर तोरो आँसु हुन की सुधि कर कर ख रात दिन तोसे भेट करन की लालसा रखू हैं कि खुसी से भर जाऊ।

5 मो ख तोरो उ निस्कपट भरोसा की सुधि आवा हैं, जे पहले तोरी नानी लोइस अर तोरी माता यूनीके म थो, अर मो ख भरोसा हैं कि तो म भी हैं।

6 यही वजह म तो ख सुधि दिलाउ हैं कि तू परमेस्वर को उ वरदान को जे मोरो हात रखन को व्दारा तो ख मिलह हैं प्रज्वलित कर देहे।

7 काहेकि परमेस्वर न हमेय भय की नी पर सक्ति अर प्रेम अर संयम की आत्मा दी हैं।

8 एकोलाने हमारो प्रभु की गवाई से अर मो से जो ओको कैदी हूँ, सर्मीद न हो, पर उ परमेस्वर की सक्ति को अनुसार चोक्खो सुसमाचार को लाने मोरो संग दुख उठा।

9 परमेस्वर न हमारो उध्दार करयो अऊर हम ख सुध्द जिन्दगी बितावन को लाने बुलायो हैं ओ ना हमारो कोई पुन्य को कारन नी, बल्कि अपनो उदेस्य तथा अपनो किरपा को लाने असो करियो हैं। वही किरपा अनन्त काल से यीसु मसी दुवारा हमे प्राप्त हती,

10 लेकिन अब हमारो उध्दार करतो मसी यीसु को पैदा होन को व्दारा प्रकासित हुआ, जे न मरनो ख नास करियो अर जिन्दगी अर अमरता को उ चोक्खो सुसमाचार को दुवारा प्रकासमान कर दियो।

11 जे को लाने मी प्रचार अर प्रेरित, अर उपदेसक भी ठहरो।

12 यू वजह से मी इन दुः ख ख भी ऊठउ हैं लेकिन सरमऊ नी, काहेकि मी ओ ख जे पर मी न भरोसा कियो हैं, जानु हैं; अर मो ख भरोसा हैं कि वह मोरी धरोहर की उ दिन तक कि रखवाली कर सकह हैं।

13 जो खरी बात मोसे सुनी हैं उन ख उ भरोसा अर प्रेम को संग, जे मसी यीसु म हैं, अपना नमूना बना ख रख।

14 अर सुध्द आत्मा को दुवारा जो हम म बसो हुआ हैं, इस अच्छी धरोहर की रखवाली कर।

15 तू जानह हैं कि आसिया वाले सब मोसे फिर गया हैं, जे म फूगिलुस अर हिरमुगिनेस हैं।

16 उनसिफुरुस को घराना पर प्रभु दया करे, काहेकि ओ न बेजा बार मोरो जी को ठंडा कियो अर मोरी जंजीरो से सर्मीदो नी हुआ।

17 बल्कि ओ न रोम नगर पहुँच ख मोरो पता लगावन को कस्ट करियो अऊर उ मोसे मीलन आयो।

18 प्रभु ओ ख यू वरदान देय कि उ दिन प्रभु कि दया प्राप्त करे। ओ न इफिसुस नगर म किर्ती सेवा की हैं, तुम यु अच्छी तरह जानते हो।

## 2

~~19 जो खरी बात मोसे सुनी हैं उन ख उ भरोसा अर प्रेम को संग, जे मसी यीसु म हैं, अपना नमूना बना ख रख।~~

1 एकोलाने अरे मोरो पोरिया, तू उस दया से जे मसी यीसु म हैं, ताकतवर हो जा।

2 अर जे बात तू न बेजा गवाहो को सामने मोसे सुनी हैं, उन ख विस्वासी अदमी हुन ख सोप दा; जो दुसरो को भी सिखान को लायक हो।

3 मसी यीसु को चोक्खो योध्दा को सामने मोरो संग दुख उठा।

4 जब कोई सिपाई झगडा पर जावा हैं, ते एकोलाने कि अपनो भरती करन वाला ख खुस करो, अपना तुम ख दुनिया को काम मी नी फँसाता।

5 फिर अखाडे म लडाई वाला लेकिन नेम को अनुसार न लडे ते मुकुट नी पावा।

6 जे किरसान मेहेनत करह हैं, फल को हक पहिले ओ ख मिलनो चाहिए।

7 जे मी कहू हैं ओ पर ध्यान दे, अर प्रभु तो ख सब बात की समझ देह।

8 यीसु मसी को स्मरण रख, जे दाऊद को वंस से हुआ अर मरो हुआ म से जिन्दो भयो, अर यू मोरो चोक्खो सुसमाचार को अनुसार हैं।

9 जेको लाने मी कुकरम को समान दुख उठाता हूँ, यही तक कि कैद भी हूँ, लेकिन परमेस्वर को वचन कैद नी।

10 यू वजह म चुनो हुआ अदमी को लाने सब कुछ सहता हूँ, कि वी भी उ उध्दार को जो मसी यीसु म हैं अनन्त महिमा को संग पाएँ।

11 यह बात सच्ची हैं,

कि अदि हम ओको संग मर गया हैं,

ते ओको संग जीएँगे भी;

12 अदि हम धीरज से भी सहते रहेगे,

ते ओको संग राज भी करेगे;

अदि हम ओको मना करेगे,

ते वही भी हमारो ख मना करेगा;

- 13 अदि हम भरोसा नी भी हो,  
तेभी वी भरोसा लायक बनो रहव हैं,  
काहेकि वह तुम अपनो मना नी कर सकह।

~~~~~

14 यू बात कि सुधि उन ख दिला अर प्रभु को सामने चिता दे कि सब्दो पर छान बीन न किया करे,
जसो कोई फायदा नी होव लेकिन सुनन वालो बिगड़ जावा हैं।

15 अपनो तुम ख परमेस्वर को विस्वास लायक अर असो काम करन वालो रोखन की कोसिस कर,
जे लज्जित न होवन पाए, अर जे सही को वचन को ठीक रीति से काम म लावा हैं।

16 पर असुध्द बकवाद से बचा रह, काहेकि असा अदमी अर भी अभक्ति म बढ़ते जाएंगे,

17 अर ओको वचन सडो घाव की तरह फैलते जाएँगो। हुमिनयुस अर फिलेतुस उन म से हैं

18 जे यू कह कर कि जिन्दो हो चुको हैं सही से भटक गयो हैं, अर कितना को भरोसा को उलट
पुलट कर देवह हैं।

19 तेभी परमेस्वर की पक्की नीव बनी रहव हैं, अर उस पर या छाप लगी हैं: प्रभु अपना ख
पहचाना हैं, “अर जे कोई प्रभु को नाम लेवह हैं वह अधर्म से बचा रहे।”[☆]

20 “बडो घर म नी ही केवल सोने चाँदी ही के, पर काठ अर मिट्टी को बरतन भी होव हैं” कई
कई अनादर को लाने।

21 अदि कई अपनो तुम को ऊन से सुध्द करेगों, ते वी सम्मान को बरतन अर सुध्द ठहरेगो; अर
मालिक को काम आएँगो, अर हर एक भली बात को लाने तैयार रहेगा।

22 जिन्दगी की मन मन कि इच्छा अर भाग, अर जे सुध्द मन से प्रभु को नाम लेहे उनको संग
धर्म, अर भरोसा, अर प्रेम अर मेल मिलाप को पीछा कर।

23 अर बेकुप अर अविद्या का विवादो से दुर रह, काहेकि तू जानह हैं कि उनसे झगडा पैदा होवा
हैं।

24 प्रभु का दास को झगडा करन वाला नी होनू चाहिए, पर वी सब को संग चोक्खो होनू अर
ग्यान म भरपूर अर सहन करन वालो होनू चाहिए।

25 पर वी लडाई करन वालो ख चोक्खो से समझा, का जाने परमेस्वर उन ख मन फिराव को दे
कि वी भी सही ख पहिचाने,

26 अर ओको दुवारा सैतान की इक्छा पुरी करन को लाने सतरक हो ख सैतान को फंदा से छुट
जाए।

3

~~~~~

1 पर यू याद रख कि आखरी दिन हुन म कठिन बखत आएँगो।

2 काहेकि अदमी बे मतलबी, धन को लालची, डींगमार, हेकड़, बुराई, माय बाप की बात नी सुनन  
वालो, नी मानन वालो असुध्द।

3 दया नी करन वालो, माप नी करन वालो, आरोप लगान वालो, असंयमी कठोर, भलो को  
दुसमन,

4 भरोसा को लायक ठीठ, घमण्ड करन वालो, अर परमेस्वर को नी लेकिन सुखविलास ही को  
चाहान वालो होएगो,

5 वी धर्म को दिखावटी रूप को पालन ते करहे पर ओकी सक्ति ख नकार देहे। ओसे हमेसा दुर  
रहनु।

6 इन म से वी लोग हैं जे घर हुन म दबे पाय घुस आवा हैं, अर उन ख कमजोर बाई को वंस म  
कर लेवा हैं जे पाप हुन से दबी अर हर तरीका कि अभिलासा ओको वंस म हैं,

7 ही बाई हुन सिखन को जतन ते हमेसा करती रहव हैं, पर सही को पुरो ग्यान तक वी कभी नी पहुँच पावा।

8 जसो यतरेस अर यम्ब्रेस न मूसा को विरोध कियो थो, वसो ही ये भी सही को विरोध करह हैं; यी असा अदमी हैं, जी न की बुद्धि बेकार हो गई हैं अर वे भरोसा को बारे म निकम्मा हैं। \*

9 किन्तु यी अऊर जादा आगे नी बढ़ पाहे काहेकि जसो यतरेस अऊर यम्ब्रेस कि बेकुप प्ररगत हो गयी थी, वसो ही ऐकी बेकुप भी सबको सामे उजागर होय जाहे।

~~~~~

10 कुछ भी हो मोरो, तू न मोरी सिक्छा को पालन करयो हैं। मोरो चालचलन, जीवन पध्दति जिन्दगी को उदेस्य, भरोसा, सहनसीलता, प्रेम, धैर्य;

11 मोरी उन यातनाएँ अऊर पीडा हुन म मोरो संग दियो हैं तुम ते जानह ही हैं कि अन्ताकिया, इकुनियुम अऊर लुसा म मो ख कित्ती भयंकर यातनाएँ दी गयी थी जिन ख मी न सहयो। किन्तु प्रभु न उन सब से मोरी रक्छा करी। *

12 पर जितना मसी यीसु म भक्ति को संग जिन्दगी बितावन चाहाव हैं वी सब सताया जायेगे;

13 पर दुस्त अर बहकान वाला धोखा देतो हुआ अर धोखा खातो हुआ, बिगड़तो चलो जाएँगे।

14 पर तू उन बातो पर जे तू न सिखायो हैं अर भरोसा कियो हैं, यू जानकर मजबुत बनो रह की तू न किन लोगो से सिखायो हैं,

15 अर छोटो पन से सुध्द सास्र तोरो जानो हुआ हैं, जे तो ख यीसु मसी पर भरोसा करन से उध्दार प्राप्त करन को लाने बुद्धि मान बना सकह हैं।

16 पुरो सुध्द सास्र परमेस्वर की प्रेरना से रचो गयो हैं अर उपदेस, अर समझानो, अर सुधारनो, अर धर्मिकता की सिक्छा को लाने फयदा लायक हैं,

17 ताकि परमेस्वर को जन सिध्द बनो, अर हर एक भली बात को लाने तुरत तैयार हो जाओ।

4

1 परमेस्वर अर मसी यीसु को गवाह कर ख, जे जिन्दो अर मरो हुआ को न्याव करेगों, अर ओको पैदा हो न अर राज्य की सुधि दिला ख मी तो ख हुकुम देऊ हैं,

2 कि तू न वचन को प्रचार कर, बखत अर अबखत तैयार रहो, पुरो तरीका की सहनसीलता अर सिक्छा को संग उलाहाना दे अर डॉट अर समझा।

3 काहेकि असो बखत आएँगे जब अदमी सही उपदेस नी सह सकह, लेकिन कानो की खुजली को कारन अपनी अभिलासा हुन को अनुसार अपनो लाने बेजा सो उपदेसक बटोल लेगो,

4 अर अपनो कान सही से फेर ख कथा-कायनी हुन पर लगायेगो।

5 लेकिन तू पुरी बात म सावधान रह, दुख उठाओ, चोक्खो समाचार प्रचार को काम करो, अब अपनी सेवा ख पुरो करो।

6 काहेकि अब म अर्थ को समान उलेडो जातो हैं, अर मोरो कुच को टइम आ पहुँचियो हैं।

7 मी अच्छी कुस्ती लड चुको हूँ, मी न अपनी दऊड पुरी कर ली हैं, मी न भरोसा की रखवाली कर ली हैं।

8 भविस्य म मोरो लाने धर्म को उ मुकुट रखो हुआ हैं, जेसे प्रभु जे धर्मी को न्याय करन वालो हैं, मो ख उस दिन देगो, अर मो ख नी लेकिन उ सब ख भी जो ओ ख परगत होन कि रस्ता देखह हैं।

~~~~~

9 मोरो कने तुरत आन की कोसिस करजे।

10 काहेकि देमास न यू दुनिया को प्यार जान ख मो ख छोड़ दियो, अर थिस्सलुनीके को चला गयो हैं। क्रेसकेंस गलातिया को अर तीतुस दलमतिया को चला गयो हैं।



11 केवल लूका मोरो संग हैं। मरकुस ख लेकर चलो आ; काहेकि सेवा को लाने वह मोरे बेजा काम को आय।

12 तुखिकुस को मी न इफिसुस नगर भेजो गयो।

13 जे बागा म त्रोआस नगर म करपुस नगर को याहा छोड़ आयो हैं, जब तू आये ते ओ ख अर किताब जरूर कर ख चर्मपत्रो ख लेते आनु।

14 सिकन्दर ठठेरे न मो ख से बेजा बुराई करी हैं; प्रभु ओ ख ओको काम को अनुसार बदला देयेगो।<sup>☆</sup>

15 तू भी ओसे सावधान रहो, काहेकि ओसे हमारो बातो को बेजा विरोध करयो हैं।

16 सुरु म जब अपनो बचाव प्रस्तुत करन लगो ते मोरो पक्छ म कोई सामे नी आया। बल्कि उन न ते मो ख अकेलो छोड़ दियो थो। परमेस्वर करे उन ख ऐको हिसाब न देनो पड़े।

17 पर प्रभु मोरो सहायक रहो हैं कि अर मो ख सक्ति दी, ताकि मोरो दुवारा पुरो पुरो प्रचार हो अर पुरा दुसरी जात सुन ले। मी सिंह को मुंडो से छुड़ायो गयो।<sup>☆</sup>

18 अर प्रभु मो ख हर बुरो काम से छुड़ायो, अर अपनो स्वर्गी राज म चोक्खो तरह पहुचाएगो। ओ की महिमा हमेसा हमेसा होती रहे। आमीन

??????????

19 प्रिस्का अर अक्विला को अर उनेसिफुरुस को घरानो को नमस्कार।

20 इरास्तुस कुरिन्थुस म रह गयो, अर व्रुफिमुस को म न मिलेतुस म बीमार छोड़यो हैं।

21 जाड़ो से पहलो चल आन को प्रयत्न कर।

यूबूलुस, अर पूदेस, अर लीनुस अर क्लोदिया,

अर अर सब भई हुन ख तो ख नमस्कार।

22 प्रभु तोरी आत्मा को संग रहे। तुम पर दया होती रहे।

## तीतुस के नाम पोलुस का पत्र तीतुस को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

तीतुस की किताब पोलुस कि चार चिट्ठी हुन म से एक आय जो एक कलेसिया को बजाय एक इंसान ख सोपी जावा हैं। अऊर दुसरी तीन चिट्ठी 1 तीमुथियुस, 2 तीमुथियुस अऊर फिलेमोन हैं। पोलुस तीतुस ख लिखत रहा; लेकिन ओ ना यू भी लिख्यो रहा कि चिट्ठी ख सभी को बीच म जोर से पड़ो जा सका हैं। हम यू जान सका हैं काहेकि उ अपनी काबलियत ख एक गुरू को रूप म बतावा हैं; कुछ असो जो तीतुस ख पहले ही से मालूम हतो। पोलुस न करीब यीसु को जनम को 63-65 बरस को करीब या चिट्ठी लिखी रहा।

पोलुस न तीतुस ख क्रेते को टापू पर कलेसिया हुन ख समाल ख रखन को लाने आदेस दियो रहा। पोलुस न या चिट्ठी एकोलाने लिखी ताकि तीतुस कलीसिया ख ग्यान वान अऊर चुनिया वाला अगुवा हुन ख सिक्छा दे सके। ओ ना अपनी चिट्ठी हुन म आसई तरीका की सलाह तीमोथी का दियो। ओकी चिट्ठी हुन म बतायो गयो हैं कि कलेसिया ख अगुवा हुन ख एक उची पद पा कसो रखो जानो चाहिए करना रखो जानो चाहिए। कलेसिया हुन अऊर कलेसिया ख अगुवा हुन ख आज को जमाना को ध्यान देनो चाहिए।

### रूप रेखा

1. पोलुस न तीतुस ख परमेस्वर ख नेक अगुवा हुन ख चुनन को सिक्छा दियो 1:1-16
2. फिर ओ ना उनका इंसान हुन ख परमेस्वर को हिसाब से जिन्दगी जीन को लाने सही तरीका को ग्यान सिखायो हैं 2:1—3:11
3. आखरी म, पोलुस अपनी कुछ तरकीब हुन ख बतान कि सोचा हैं अऊर अच्छो समाचार भेज ख खतम करा हैं। 3:12-15

### ~~~~~ (~~~~~)

1 पोलुस की तरफ से जो परमेस्वर को दास अर यीसु मसी को प्रेरित आय,  
परमेस्वर ख चुनीया वाला अदमी हुन को भरोसा अर वा सच्चई कि पहिचान को जसो जो भक्ति को जसो हैं,

2 उ अनन्त काल को जीवन की आसा पर जेको वादा \*परमेस्वर न, जे झुट बोल नी सका सनातन से करते आयो हैं,

3 पर ठीक बखत पा अपनो वचन ख उ परचार को दुवार परघट करो, जो हमारो उध्दार करन वालो परमेस्वर को नेम को अनुसार मोखा सोपियो गयो।

4 तीतुस को नाम, जो भरोसा कि घड़ी म सहभागी को विचार से मोरो सच्चो पोरिया आय:  
परमेस्वर बाप अर हमारो उध्दार करन वालो मसी यीसु की तरफ से तोखा दया अर सान्ति मिलती रैय।

### ~~~~~ 2 ~~~~~ 22 ~~~~~

5 मी एकोलाने तो ख क्रेते म छोड़ ख आयो रा की तू बाकी बात हुन ख सुधारे, अर मोरो कहेना को हिसाब सहर-सहर सियाना अदमी हुन ख तैयार करे।

6 जे बेकसूर अर एक ही घरवाली को घरवालो होय, जोका पोरिया पारी यीसु को ऊपर भरोसा करन वाला होय अर उनमा लुच्चई पन अर नीरंकुसता को अरोप नी होय।

\* 1:2 प्रतिग्या

7 काहेकि अध्यक्छ ख परमेस्वर को भण्डारी होन को लाने बेकसूर होनो चाहिये; न हट करन वालो, न धुस्सा करन वालो, न दारू पिन वालो (पियक्कड, न मारपीट करन वालो, अर न नीच कमई को लोब करन वालो होय,

8 पर घर आया वाला मिजवान हुन की पोऊन चारी करन वालो अर भलई ख चाहन वालो, सहन करन वालो, न्याय करन वालो, सुध्द अर अपनी इन्द्री ख जीतन वालो होनो चाहिये।

9 अर उ भरोसा करन वालो वचन पा जो धरम कि सिक्छा को हिसाब से हैं, खडो रहे कि खरो ग्यान से समझा सके अर बहस करन वाला को मुण्डो का भी बंद कर सके।

10 काहेकि ढेर सारा अदमी निरंकुस, बहस करन वाला अर धोका देन वाला हैं; खास कर ख खतना वाला<sup>†</sup> वाला म से।

11 इनको मुण्डो बन्द करनो चाहिये। यी अदमी नीच कमई को लाने बुरी बात सिका ख घर का घर बिगड़ देवा हैं।

12 उन ही म से एक जन न, जे उन को भविष्यवक्ता आय बोलो हैं, “क्रेती का अदमी सदा झुटा, बुरा जानवर, अर आलसी पेटू होवा हैं।”

13 या गवाई सच्ची हैं, एकोलाने उन ख खरई से जता दियो कर कि वी भरोसा म पक्का हो जाय,

14 अर यहूदी हुन कि कथा कायनी हुन अर वी अदमी हुन को आदेस हुन पा मन नी लगाया, जो सच्चई से भटक जावा हैं।

15 सुध्द अदमी हुन को लाने सब सुध्द चीज सुध्द, पर असुध्द अर अविस्वास को लाने कुछ भी सुध्द नी, पर उनकी अकल अर समझ<sup>‡</sup> दोई असुध्द हैं।

16 वी कहाँ हैं कि हम परमेस्वर ख जाना हैं पर खुद ओको काम हुन से मना करा हैं; काहेकि वी धिन करन वाला अऊर कहेना नी मानन वाला आय, अर कोई भली बात को लाने काम को लायक नी होय।

## 2

?????? ? ???? ???? ?

1 अर तू असी बात बोला कर जो खरी (चाक्खी) बात को जसी होय।

2 एकोमतलब बुद्धा अदमी हुसयार\* अर सोचन<sup>†</sup> वालो अऊर धीरज धरन वालो होय, अर उनको भरोसा अऊर प्रेम अर धीरज पक्को होय।

3 असोच ही सियानी माय हुन को चाल चलन सुध्द अदमी हुन जसो होय वी आरोप लगान वाली अर दारू पिन वाली नी, पर अच्छी बात सिखान वाली होय

4 ताकि वी जवान बाई हुन ख जताती रैय कि अपना अदमी हुन अर पोरिया-पारी से प्रेम रखे;

5 अर धीरज रखन वाली, अदमी को धरम पुरो करन वाली, घर को कारोबार पुरो करन वाली, भली, अर अपनो-अपनो अदमी को बस म रहन वाली होय ताकि परमेस्वर को वचन की बुराई नी होनो चाहिए।

6 असोच ही जवान पोरिया-पारी ख विनती कर कि धीरज रखन वाला हो।

7 सब बात हुन म खुद ख भला काम को नमूना बना। तोरो ग्यान म सफाई बडी, सोचन वाली होनो चाहिए।

8 अर असी खरई पाई जानो चाहिए कि कोई ओखा बुरो नी बोल सका, जो से बैरी (विरोधी) हम पा कोई आरोप लगान को मऊका नी दुढ ख सर्मीन्दो होय।

9 दास हुन ख समझा कि अपनो-अपनो मालीक को बस म रहनू, अर सब बात हुन म उनका प्रसन्न रखो, अर पलट ख जवाब नी दे;

10 चोरी-चकोटी नी करा, पर सब तरीका से पुरा भरोसा करन वाला निकले, कि वी सब बात म हमरो उध्दार करन वालो परमेस्वर को सुसमाचार की सोभा बढ़ाय दे।

- 11 काहेकि परमेस्वर कि वा दया परघट हैं, जो सब अदमी हुन को उद्धार को कारन आय,  
 12 अर हमका जतावा हैं कि हम अभक्ति अर दुनिया की इच्छा से मन ख फेर ख या दुनिया म धीरज अर धरम अऊर नेक पन से जीवन बिताँय;  
 13 अर वा भलो आसा कि एकोमतलब अपनो महान परमेस्वर अर उद्धार करन वालो यीसु मसी की सक्ति को परघट होन कि रस्ता देखते रैय।  
 14 जेना अपनो तुम ख हमरो लाने दे दियो कि हम ख हर तरीका का अधर्म से छुड़ा लेहे, सुध्द कर ख अपनो लाने एक असी जात हुन बना लेहे जे भला भला कामहुन म सरगर्म होय।  
 15 पुरो हक को संग या बात हुन बोल, अर समझा अर सिखाते रैय। कोई तो ख मुरक नी समझनो चाहिए।

### 3

~~~~~

- 1 अदमी हुन ख अकल दे कि हाकिम हुन अर अधिकारी हुन को बस म रैय, अर उनको कहेना माने, अर हर एक भली बात को लाने तैयार रैय,
 2 कोई ख बदनाम करन वाला नी होय, झगड़ा करन वालो नी होय; पर सज्जन सुभाव को होय, अर सब अदमी हुन को संग बडो प्रेम पुरक रहन वालो होनो चाहिये।
 3 काहेकि पहिले हम भी बेग्यानी, अर कहेना नी मानन वाला, अर गलत फैयमी म पड़िया अर कई तरीका कि मन की मरजी हुन अर सुख सान्ति की गुलामी म हता अर बैरभाव, अर गुस्सा करनो म जीवन बितात रह अर घिन्न करन वाला हता। अर एक दुसरा से बैर रखत रहा।
 4 पर जब हमारो उद्धार करन वालो परमेस्वर कि किरपा अर अदमी हुन पा उनको प्रेम परघट भयो,
 5 ते ओ ना हमारो उद्धार करो; अर यू धर्म को काम हुन को लाने नी जो हमना खुद करीया, पर अपनी दया को अनुसार नयो जनम को पानी को सपड़नो से अर सुध्द आत्मा को हम ख नयो बनान को दुवारा भयो
 6 जेखा ओ न हमरो उद्धार करन वालो यीसु मसी को दुवारा हम पा भरपुरी से उंडेलीयो।
 7 जसो हम ओकी दया से धर्मी ठहर ख, अनन्त काल को जीवन कि आसा को अनुसार वारिस बने।
 8 या बात सही हैं,
 अर मी चाहू हैं कि तू असी बात को बारे म हिम्मत से बोले एकोलाने कि जिनना परमेस्वर पा भरोसा करो हैं, वी भला-भला काम हुन म लगीया रहन ख ध्यान रखे। या बात हुन भली अर अदमी हुन को फायदा की हैं।
 9 पर फालतु कि लड्डई झगड़ा, अर खानदान हुन, अर बहस अर झगड़ा से जो नेम को बारे म होय; बचो रैयजो; काहेकि वी अधूरो* अर बेकार हैं।
 10 कोई पाखंडी ख एक दो बार समजा बुजा ख ओसे अलग हो जा,
 11 असो जान ख कि असो ईसान भटक गयो हैं, अर अपनो तुम ख अरोपी बना ख पाप करते रहवा हैं।

~~~~~

- 12 जब मी तोरो पास अरतिमास या तुखिकुस ख भेजू ते मोरो जोने निकुपुलिस आन कि कोसिस करनो, काहेकि मी न वहीं जाड़ा काटन को निर्नय लियो हैं।  
 13 जेनास व्यवस्थापक अर अपुल्लोस ख कुछ कर ख आगे पहुँचा दा, अर देख कि उनका कोई भी चीज कि कमी नी होनो चाहिये।

---

\* 3:9 निष्फल

14 हमारा अदमी भी जरूरत का पुरो करन को लाने अच्छा काम हुन म लगीया रहनु सिखे ताकि बेकार नी रहन का।

15 मोरा सब संगी हुन को तोखा नमस्कार। जो भरोसा करनो पर हम से प्रेम भाव रखा हैं उनका नमस्कार।

तुम सब पा दया होती रैय।

## फिलेमोन के नाम पोलुस का पत्र फिलेमोन को नाम पोलुस की चिट्ठी भूमिका

फिलेमोन कि किताब प्रेरित पोलुस को दुवारा लिखी गई रहा। 1:1 पोलुस जब जेल म हतो, तब ओ ना एका लिख्यो रहा, जेको मतलब हैं। कि उ सायद रोम से लिखत होए। अदि उ रोम म हतो ते यू यीसु को जनम को करीब 61 साल बाद लिखो गयो होए, जो कि बई बखत को हैं जब ऊअसो लिख्यो हाये।

उन न या चिट्ठी फिलेमोन नाम को एक अदमी ख लिखी रहा। फिलेमोन कलेसिया को एक सदस्य हतो अऊर एक दास को मालिक भी हतो। पोलुस न ओ ख यू पृच्छन को लाने लिख्यो कि उ अपनो दास उनेसिमुस ख ज्यादा नी सतान को, उ जो फिलेमोन उनेसिमुस ख ज्यादा नी सतान को जो फिलेमोन से भग गयो रहा। रोमन कानून को हिसाब से फिलेमोन ख उनेसिमुस ख माऊत को घाट उतारन को अधिकार ख उनेसिमुस ख मसी भई को रूप म अपना न को लाने फिलेमोन ख बडान को लाने पोलुस प्रेरित बात चित को उपयोग करत रहा अऊर यू भी सलाह देत रहा कि उनेसिमुस ख पोलुस को संग सेवा कि इजाजत दी जाए। 1:13-14

**रूप रेखा:**

1. पोलुस म फिलेमोन को मान सम्मान करा हैं। 1:1-3
2. तब पोलुस उनेसिमुस ख पुछ। हैं कि फिलेमोन ओ ख एक मसी भई को रूप म अपना हैं। 1:4-21
3. पोलुस सफर करने को लाने अपनो इरादा ख बता ख खतम करा हैं। अऊर अच्छी खबर भेजा हैं। 1:22-25

~~~~~

1 पोलुस की तरफ से जो मसी यीसु को कैदी हैं, अर भई तीमुथियुस कि तरफ से हमरो संग अच्छो काम करन वालो दोस्त फिलेमोन।

2 अर बहिन अफफिया, अर हमरा बहादुर संगी अरखिप्पुस अर फिलेमोन को घर की कलेसिया को नाम:

3 हमरो बाप परमेस्वर अर प्रभु यीसु मसी की तरफ से दया अर सान्ति तुमका मिलती रैय।

~~~~~

4 मी हमेसा परमेस्वर को धन्यवाद करू हैं, अर मोरी विनती हुन म भी तोखा याद करू हैं,

5 काहेकि मी तोरो उ प्रेम अर विस्वास कि खबर सुनु हैं, जो सब सुध्द अदमी हुन को संग अर प्रभु यीसु पा हैं।

6 मी विनती करू हैं कि, भरोसा म तुमरो सहभागी होनो हर भली बात को ग्यान लाने प्रभाव कारी होय जो मसी म हमरो जोने हैं।

7 काहेकि अरे भई, मो ख तोरो प्रेम से बेजा खुसी अर सान्ति मिला हैं, एकोलाने कि तोरो दुवारा सुध्द\* अदमी हुन को मन हरो-भरो हो गयो हैं।

~~~~~

8 एकोलाने यद्वपि मसी म बडो हिम्मत हैं कि जो बात ठीक हैं, ओको आदेस तोखा देऊ।

9 तेभी मी सियानो पोलुस को जो अब मसी यीसु को लाने कैदी हैं, यू अऊर भी भलो जान पड़ियो कि प्रेम से विनती करू हैं।

10 मी अपनो पोरिया उनेसिमुस को लाने जो मोसे मोरी कैद म पैदा भयो हैं, तोसे विनती करू हैं।

* 1:7 सुध्द

11 उ तो पहिले तोरो कुछ काम को नी हतो, पर अब तोरो अर मोरो दोई को बेजा काम को हैं।

12 ओखा ही एको मतलब जो मोरी जान को टुकड़ा आय, मी न तोरो कने लउटा दियो हैं।

13 ओखा मी अपनो ही जोने रखन की सोचत रहा कि उ तोरी तरफ से या कैद म जो सुसमाचार को लाने हैं, मोरी सेवा करे।

14 पर मी न तोरी मरजी को बगर कई भी करनो नी चाहयो, कि तोरी या किरपा दबाव से नी पर मन से होय।

15 काहिक का जाने उनसिमुस तोसे कुछ रोज तक को लाने एकोलाने ही अलग भयो कि हमेसा तोरो जोने रहे।

16 पर अब से दास को जसो नी पर सेवक से भी बड़ ख, एको मतलब भई को जसो रहे, जो मोरो तो खास कर ख प्यारो दोस्त † आय ही, पर अब सरीर म अर प्रभु म भी, तोरो भी खास कर ख जीगरी दोस्त होय!

17 एकोलाने अदि तू मोखा अपनो संगी संगी समझा हैं, ते ओखा असो तरीका से अपना की जसो मोखा।

18 अदि ओ ना तोरो कुछ नुकसान करयो होय ते या उ तोरो कोई कर्जदार हैं, ते मोरो नाम पा लिख ला।

19 मी पोलुस अपनो हात से लिखु हैं कि मी खुद भर देहु; अर या कहन की कोई जरूरत नी कि मोरो कर्जा जो तोपर हैं उ तुइच आय।

20 अरे भई, या प्रेम मोखा प्रभु म तोरी तरफ से मिले। मसी म मोरो जीव का हरो भरो कर दे।

21 मी तोरो कहेना मानन को भरोसा रख का तोखा लिखु हैं, अर असो जानु हैं कि जो कुछ मी कहू हैं, तू ओसे कही ज्यादा बढ ख करेगो।

22 अऊर असो भी की मोरो लाने रुकन की जगा तैयार रखजो। मोखा आसा हैं कि तुमरी बिनती हुन को दुवारा मी तुम ख सोप दियो जाहूँ।

~~~~~ †

23 इपफ्रास, जो मसी यीसु म मोरो संग कैदी हैं,

24 अर मरकुस अर अरिस्तर्खुस अर देमास अर लूका जो मोरा संग म काम करन वाला हैं इनको तोखा नमस्ते।

25 हमरो प्रभु यीसु मसी कि किरपा तुमारी आत्मा पा होते रैय। आमीन।

## इब्रानियो के नाम का पत्र इब्रानियो को नाम की चिट्ठी भूमिका

इब्रानियो कि किताब एक उत्साजनक चिट्ठी आय जे दसावा हैं कि कसो यीसु न पुरानो नेम कि कई भविष्यवानी हुन ख पुरो करियो। यहाँ एक उपदेस कि तरह से लिख्यो गयो थो। इब्रानियो म पुरानो नेम ख 60 से जादा संदर्भ आए जे स्पष्ट रूप से दिखावा हैं कि कसो यीसु न भविष्यवानी अऊर यहूदी बडो याजक को कर्तव्य हुन ख पुरो करियो। यू वजह से या किताब यहूदी इसाई हुन ख उत्साहित रखन वाली आय। इब्रानियो न दिखायो कि कसो यीसु न नेम ख पूरी करियो ताकि याजक हुन ख फिर कभी बलिदान नी देनू पड़े। यीसु पुरा बाप हुन को लाने एक बार अऊर हमेसा को लाने बलिदान हुयो। हमारो बखत म इसाई भी इब्रानियो ख चिट्ठी म प्रोत्साहन पा सकह हैं कि बी यीसु मसी को अनुसरन करह हैं, जे हमारो लाने परमेस्वर प भरोसा करनु संभव बनावा हैं, अऊर संग ही ओ पर भरोसा करते रहनु। 12:2

इब्रानियो ख कोना लिख्यो कोई नी जानह, पर विध्वानो न प्रेरित पोलुस, लूका या बरनबास जसो सुझाव दियो हैं। लिखन की तारीक भी पता नी हैं पर अधिकास को मानो आय कि यहाँ ईसा मसी को जनम को 70 साल पहिले लिख्यो गयो थो। यरूसलेम ख 70 म खत्म कर दियो रह, पर या चिट्ठी ख लेखक यरूसलेम को बारा म बात करह हैं जसो कि यहाँ अभी लक खत्म नी हुआ थो। इब्रानियो ख रोम सहर 13:24 म लिख्यो गयो थो अऊर संभवतः की चर्चा हुन म प्रसारित करियो गयो थो।

**रूप-रेखा:**

1. लेखक दिखावा हैं कि यीसु परमेस्वर आय भविष्यवक्ता हुन अऊर स्वर्ग दुत हुन से बडो आय। 1:1—4:13
2. फिर बाहा दिखावा हैं कि यीसु न यू याजक हुन से बडो जे यरूसलेम म परमेस्वर को मन्दिर म सेवा करह आय। 4:14—7:28
3. संग ही यीसु न सेवकाई उ पुरानो वाचा से भी बडो अपनो लोगो को संग आय जे परमेस्वर न अपना इंसान हुन को संग उ नेम को दुवारा कि जो ओ न मूसा ख दियो रह। 8:1—10:31
4. यहाँ समझावन को बाद यीसु ख पुरी तरह से बडो आय, लेखक कई व्यवहारिक निर्देस देवा हैं। 10:32—13:17
5. अन्त म लेखक कुछ प्रोत्साहन अऊर अभिवादक को संग चिट्ठी को संग खत्म करह हैं। 13:18-25

**?????????? ?? ???, ??????? ???????**

1 पहले को जमाने म परमेस्वर न बापदादा से थोडो थोडो कर ख अर भाँति-भाँति से भविष्यवक्ता हुन को द्वारा बात करी,

2 इ आखरी दिन\* म ओ न हम से पोरिया को दुवारा बात करी, जिन ख उन न सब चीज को वारिस रखयो अर ओको दुवारा ओ ना सब दुनिया ख ओ न रची हैं।

3 यू पोरिया परमेस्वर कि महिमा वह उन की महिमा को उजाला अर उन को तत्व को छाप हैं, अर सब चीज अपनी सक्ति को वचन से संभालयो हैं। उ पाप ख थो ख ऊँचो जगह पर महामहिम परमेस्वर ख जेनो तरफ जा ख बठयो;

4 अर ओको पद स्वर्गदूत से उंचो ठहरो; काहेकि जे नाम ओ ख उत्तराधिकार म मिल्यो हैं, उ ओको नाम से कही गुना बडो हैं।

\* 1:2 आखरी दिन



?????????? ?? ??????? ??????????? ??? ?? ??????????????? ???

5 काहिकि परमेस्वर न कभी कोई स्वर्गदूत से यहाँ कह्यो,

“तू मोरो पोरिया आय,

आज मी न तो ख पैदा कियो हैं”

अऊर मी ओको लाने बाप बन जाऊँगो,

अऊर उ मोरो पोरिया होगा?

6 अर जब सबसे पहले पोरिया की दुनिया म फिर लावा हैं ते कवह हैं,

“परमेस्वर को पुरो स्वर्गदूत हुन ओ ख दण्डवत करहे।”

7 अर स्वर्गदूत को बारे म यू कहवा हैं,

“वह अपना दुते हुन ख हवा,

अर अपना सेवक ख धधक्ती आगी बनावा हैं।”

8 कि अपनी पोरिया को बारे म कहव हैं,

“हे परमेस्वर तोरो सिंहासन हमेसा हमेसा तक रखे:

तोरो राज को राजदण्ड न्याव को राजदण्ड आय।

9 तू न धरम से प्यार रखयो अर अधर्म से दुसमनी रखी;

एकोलाने हे परमेस्वर,

तोरो परमेस्वर न, तोरो संगी हुन से बड ख,

हसरूपी तेल से तोरो अभिसेक करयो।”

10 अऊर ओ न याहा भी कह्यो

“हे प्रभु, आदि म तू न जमीन की नीव डाली,

अर स्वर्ग तोरो हात की बनावट आय।

11 वी तो खत्म हो जाये, पर तू बन्यो रखे;

अर वी सब कपड़ा को समान पुराना हो जाहे,

12 अर तू उन ख चादर को समान लपेटेगो,

अर वी कपड़ा को समान बदल जाहे:

पर तू बदलेगो नी,

अर तोरो साल कभी खत्म नी होवन को।”

13 परमेस्वर न कभी कोई स्वर्ग दूत हुन से असो नी कह्यो,

“तू मोरो जेवनो तरफ बठ,

जब लक कि मी तोरा दुसमन ख तोरा पाय को नीचे की पीढ़ी नी कर दूँ?”

14 का वी सब सेवा टहल करन वाली आत्मा नी, जो उध्दार पावन वाला को लाने सेवा करन ख भेजी जावह हैं।

## 2

???? ???????

1 एकोलाने हम जे सन्देश मिल्यो हैं, ओ पर अच्छी तरह ध्यान देनो चाहिए। कही असो न हो कि हम रस्ता से भटक जाये।

2 अदि स्वर्गदूत हुन दुवारा दियो हुआ सन्देश ख इतनो योग्य थो कि ओको हर एक अतिक्रमण अथवा तिरस्कार ख उचित दण्ड मिल्यो,

3 ते हम अदमी असो बडो उध्दार से निश्चित रह ख कसा बच सकह हैं? जो की बात पहले पहल प्रभु को व्दारा भी, अर सुनन वाला को व्दारा हम ख ओको पक्को मालुम हुआ।

4 परमेस्वर न भी चिन्ह हुन ख तरह-तरह ख अदभुत काम अर करम अर सुध्द आत्मा ख वी दान दुवारा म जे ओकी इच्छा ख अनुसार उन ख दिया अर ओ न ओ ख प्रमाण कर ख दियो।

?????? ??????? ??? ?????

5 परमेस्वर न उ आवन वाली नई दुनिया ख, जोकी चर्चा हम कर रहया हैं, स्वर्ग दूत हुन को अधीन नी कियो हैं।

6 लेकिन कोई न कही या गवही दी हैं की,  
“अदमी का हैं की तू ओकी सुधि लेवह हैं?

यू इंसान को पोरिया का हैं की तू ओ की चिन्ता करह हैं?

7 तू न उन स्वर्गदूत से कुछ ही कम करयो;

तू न उन पर महिमा अर आदर को मुकुट रखयो,  
अर उन ख अपनो हात को काम पर अधिकार दियो।

8 तू न सब कुछ ओको पाय को नीचे कर दियो।”

ऐको लाने जब की उन न सब कुछ ओको निचे कर दियो, ते परमेस्वर न कुछ भी रखह नी छोडयो जो ओकी अधीन न हो। पर हम अबा लक सब कुछ उन को अधीन नी देखयो।

9 पर हम यीसु ख स्वर्गदूत हुन से कुछ ही कम करयो गयो, माऊत को दुख उठान को कारन महिमा अर आदर को मुकुट पहिनायो हुआ देखयो हैं, लेकिन परमेस्वर को दया से उ हर एक अदमी को लाने माऊत को स्वाद चक्यो।

10 परमेस्वर जेको कारन अर जिन को द्वारा सब कुछ होव हैं, उन ख वही चोक्खो लगयो कि जब वी बेजा सा पोरिया-पारी हुन ख महिमा म पहुचायो, ते यीसु न उध्दार को कर्ता को दुख उठावन को द्वारा सिध्द करयो।

11 काहेकि सुध्द करन वाला अर जे सुध्द कियो जावह हैं, वी एक ही बाप को आय; ओको कारन यीसु उन ख भई बहिन कहन से नी सरमावा हैं।

12 उ परमेस्वर से बोलह हैं,

“मी कलेसिया को बीच म अपना भई बहिन हुन को बीच म,  
तोरो नाम की बडाई को गीत गाहूँ।”

13 अर फिर उ, “मी परमेस्वर पर पुरो भरोसा रखूंगो।” अर फिर उ “देख मी उन पोरिया-पारी सहित जिन ख परमेस्वर न मो ख दियो गयो हैं।”

14 काहेकि कि पोरिया-पारी मांस अऊर खून म सामिल हता एकोलाने उ भी यीसु इंसान को जसो रूप म हो गयो अर ओ न ओ ख एकोमतलब सैतान ख खतम कर सके जेका पास म मारनु की शक्ति हती।

15 अर उन जिन ख माऊत को डर को मारे जिन्दगी भर गुलामी म फसया रह, उन ख छुड़ा ल।

16 काहे की उ पक्को हैं तो स्वर्गदूत ख नी बल्कि वरन् अब्राहम का दास ख संभालह हैं।

17 ऐको कारन ओ ख जरूरी हतो, कि सब बात म अपनो भई को समान रखे; जसो उन न बोली मी जो परमेस्वर से सम्बन्ध रखह हैं, एक दयालु अर भरोसा लायक बडो महा याजक बने ताकि अदमी ख पाप को लाने प्रायश्चित करे।

18 काहेकि यीसु जब उन न परीक्छा की दसा म दुख उठायो, ते उ ओकी भी मदद कर सकह हैं, जेकी परीक्छा होवा हैं।

### 3

**=====**

1 इन को लाने स्वर्ग को तरफ से बुलाहट म सामिल हैं उ प्रेरित अर महा याजक, यीसु कि तरफ लगाया ख रखनू जे परमेस्वर को चुनयो वालो अर हमारो भरोसा को हिसाब से याजक को जसो।

2 जसो परमेस्वर ख पुरो घराना\* म मूसा भरोसा को लायक हतो, वसो ही यीसु भी, जो न ओ ख चुनयो रह उ परमेस्वर को लायक थो।

---

\* 3:2 परिवार

3 काहे कि यीसु मूसा से इतो बड़ ख महिमा को लायक समझो गयो हैं, कि जितनो कि घर ख बनावन वालो घर से बड़ ख मान रखह हैं।

4 काहे कि सब घर ख कोई न कोई बनावन वालो रह हैं, पर जो न सब कुछ बनायो उ परमेस्वर आय।

5 मूसा ते परमेस्वर को सब घर म सेवक को समान भरोसा लायक रहयो कि जे बात की चर्चा होन वाली हती, ओकी गवाई देहे।

6 पर परमेस्वर को घराना म मसी तो एक पोरिया को जसो भरोसा करन लायक हैं अऊर अदि हम धीरज म अर वा आसा म भरोसा ख बनाय ख रखा हैं ते हम ही ओखा घर हुन आय।

~~~~~

7 ते जसो सुध्द आत्मा कवह हैं,

“अदि आज तुम ओको सब्द सुने,

8 ते अपनो मन ख ढीट मत करनो।”

जसो की गुस्सा दिलावन को बखत भयो

अर परीक़्छा को दिन जंगल म करयो रह।

9 जीते तुमरा बापदादा न मो ख जाँच ख परख्यो

अर चालीस बरस लक मोरो काम देख्या।

10 ऐको वजे से मी उ बखत ख ईसान हुन से घुस्सा रयो,

अर फिर मीना क्य्हो, “इनको मन हमेसा भटकते रहवा हैं,

अर इन न मोरी रस्ता ख नी जानयो

11 मी न घुस्सा म आ ख ईमान खई,

वी मोरा आराम म प्रवेस करन नी पाऐ।”

12 हे भई हुन हुसयार रहो की तुम म असो बुरो अर अविस्वास मन न हो, जे तुम ख जिन्दा परमेस्वर से दुर हटा ले जाए।

13 पर जो दिन तक आज को दिन काहा जावा हैं, हर एक दिन दुसरा ख समझाते रहो, असो नी होऐ कि तुम म से कोई जन अदमी पाप को छल म आ ख कठोर हो जाए।

14 काहेकि हम मसी का भागी दारी भया हैं, पर हम अपनो पहलो भरोसा पर आखरी तक दृढ़ता से स्थिर रहयो।

15 जसो कि बोलह जावा हैं,

“पर आज तू ओ की बात सुने,

ते अपनो मन ख कठोर नी करे,”

“जसो कि गुस्सा दिलावन को बखत करयो रह।”

16 भला इन अदमी न सुन ख भी गुस्सा दिलायो; का उ सब न नी, जे मूसा को व्दारा मिसर से निकलया रह?

17 अर वी चालीस साल तक कऊन अदमी से गुस्सा रहया? कि उन से नी जिन न पाप करयो, अर उन ख सब जंगल म पड़या रहया?

18 अर उन न जेसे कसम खई कि तुम मोरो विसराम म प्रवेस नी करन पाहे? का केवल उन से नी जो न आदेस नी मानी?

19 अतः हम देखह हैं कि वे अविस्वास को कारन प्रवेस नी कर सकया।

4

~~~~~

1 एकोलाने परमेस्वर जब कि उन को आराम म अन्दर आन को वादा प्रतिग्या अब तक हैं, ते हम ख डर नो चाहिए असो नी होऐ कि तुम म से कोई अदमी उन से वंचित रह जाए।

2 काहेकि हम ख उन कि तरह चोक्खो सुसमाचार सुनायो गयो रह, पर सुनाया वाला वचन से उन ख कही फायदा नी भयो; काहे कि सुनन वाला को मन म भरोसा को संग नी बठयो।

3 पर हम जिन पर भरोसा कियो हैं, वी आराम करन को दिन म भीतर नी आन का; जसो कि परमेस्वर न कहयो,

“भी न अपनो गुस्सा म ईमान खई कि वी मोरा आराम को दिन भीतर नी आ पाहे”

हाला कि दुनिया को पैदा वार को उ बखत से उन को काम पुरो हो गयो थो।

4 काहेकि साँतवा दिन को बारे म ओ न कही असो कही हैं,

“परमेस्वर न साँतवा दिन अपनो सब काम हुन ख निपटा ख आराम करयो।”

5 अर या जगह फिर उ असो कह हैं,

“वी मोरो आराम म भीतर नी आ पान का।”

6 ते जब या बात बाकी हैं, कि किता अऊर हैं जे उस आराम म प्रवेस करे, अर जिन ख ओको सुसमाचार पहले सुनायो गयो ओ न आदेस नी मानन को कारन ओ म प्रवेस नी करह पाहे,

7 एकोलाने परमेस्वर न कोई खास दिन ख ठहरा ख इतो दिन को बाद दाऊद को दुवारा परमेस्वर न उ दिन क बारा म किताब म बतायो थो। जसो पहले कहयो गयो

“अदि आज तुम ओकी आवाज सुने,

ते अपनो मन ख कठोर मत करनु।”

8 “काहेकि अदि यहोसू” उन ख आराम म प्रवेस करा लेतो, ते परमेस्वर बाद म कोई भी दुसरो दिन कि बात को बारा म नी करतो।

9 ते खेर जे भी होय। जान ल कि परमेस्वर क भक्त हुन को लाने एक वसो ही आराम रहव हैं जसो ही आराम को हफ्ता को दिन परमेस्वर को हतो।

10 काहे कि जो न ओको आराम म प्रवेस करयो हैं, उन न भी परमेस्वर को समान अपनो काम ख पुरो कर ख आराम करयो हैं।

11 अतः काहे कि जो न ओ कि आराम म प्रवेस करन कि कोसिस करे, असो नी होए कि अदमी हुन को समान आदेस नी मान ख गिर जाहे।

12 काहेकि परमेस्वर को वचन जिन्दो, अर मजबुत अर हर एक दोधारी तलवार से भी बेजा तेज हैं, अर प्रान अर आत्मा ख, अर गाँठ-गाँठ अर गुदा-गुदा ख अलग कर ख आर पार छेद देह हैं अर मन कि भावना ख अर विचार ख परख लेवह हैं।

13 परमेस्वर से कोई भी दुनिया कि चिज ओसे नी छिपी हैं लेकिन जो से हम ख काम हैं, ओकी आँख को सामने सब चीज खुली अर प्ररगट हैं।

~~XXXXXXXXXX~~

14 एको लाने काहेकि परमेस्वर को पोरिया यीसु एक असो बडो पुजारी हैं, जे स्वर्ग से हो ख गयो हैं, ते परमेस्वर को पोरिया हम ख, अपना अंगीकार ख घोसित म भरोसा ख दृढता को संग थामे रखन चाहिए।

15 काहे कि हमरो असो बडो पुजारी नी जो हमारो निर्बलता हुन म हमारो संग दुखी नी हो सकह, लेकिन उ सब बात म हमारो समान परखो तो गयो, तेभी नीस पाप निकल्यो।

16 एको लाने आव, अपुन अनुग्रह को सिंहासन को पास हियाव बाँध ख चले कि हम पर दया हो, अर उ अनुग्रह पाए जे जरूरत को बखत\* म हमारी मदद करे।

## 5

1 काहे कि हर एक बडो पुजारी अदमी ओ म से लियो जाए हैं, अर अदमी ही को लाने, उ बात को बारे म जे परमेस्वर से सम्बन्ध रखह हैं, ठहरायो जावह हैं कि भेट अर पाप बलि चढ़ाया करो।

2 वी अन्जानो अर भूलिया भटकता को संग नरमी से व्यवहार कर सकह हैं, एको लाने कि वी आबा भी निर्बलता से घिरयो हैं।

3 एको लाने ओ ख जरूरी हैं कि जसा अदमी को लाने वसो ही अपनो लाने भी पाप-बलि चढ़ायो करहे।

\* 4:16 बखत

4यू आदर को पद कोई अपनो तुम से नी लेवह, जब तक कि हारून को सामान परमेस्वर कि ओर से रोखयो नी जाए।

5वसो ही मसी न भी बडो पुजारी बनना को बडाई अपनो तुम से नी ली, पर ओ ख उन न दी, जो न ओसे कहयो थो,

“तू मोरो पोरिया हैं, आज मी न तो ख पैदा कियो हैं।”

6यू ही तरीका से उ दुसरी जगह म भी कह हैं,  
“तु मलिकिसिदक की रीति प हमेसा को लाने पूजारी आय।”

7यीसु न अपनी सरीर म रहन को दिन म ऊँची बात से बुला बुला ख अर आँसु बाहा-बाहा ख ओ से जे ओ की मोउत से बचा सकयो थो,, प्रार्थाना अर विनती कि अर भक्ति को कारन ओकी सुन ली।

8पोरिया होवन पर भी ओ न दुख उठा-उठा ख आदेस माननो सिखयो,

9अर सिध्द बन ख, अपना सब झन हुन ख हुकुम मानन वाला को लाने हमेसा काल को उध्दार को कारन हो गयो,

10अर ओ ख परमेस्वर कि तरफ मलिकिसिदक कि रीति पर बडो पुजारी को पद मिलयो।

???????? ???? ? ?? ??? ??? ????? ?????

11ओको बारे म हम ख बेजा सी बात कहनू हैं, जेको समझानो भी कठिन हैं, ऐको लाने कि तुम उँचा सुनन लगया हैं।

12टेमं (बखत) को विचार से ते तुम ख जरूर गुरू हो जानो थो, तेभी वी आवश्यक हो गयो हैं कि कोई तुम ख परमेस्वर को वचन की आदि सिक्छा फिर से सिखाए। तुम तो असा हो गया हैं कि तुम ख अनाज को बदला म आबा तक दुध ही होनू।

13काहे कि दुध पीवन वाला बच्चा ख ते धर्म को वचन कि पहचान नी होए, काहे कि वी बच्चा हैं।

14पर अनाज सहायता को लाने हैं, जोकी ग्यानेन्द्र अभ्यास कर ख भलो बुरो म भेद करन म निपुण\* हो गई हैं।

## 6

1ऐको लाने आओ मसी कि सिक्छा को सुरू कि बात ख छोड़ ख हम सिध्द बन कर आगे की ओर बडते जाए, अर मरीया वाला काम हुन से मन फिराव न, अर परमेस्वर पर भरोसा करे,

2अर बपतिस्मा को अर हात रखन की विधि, अर मरिया वाला हुन को जिन्दो होनू, अर आखरी न्याव कि ग्यान रुपी नीव फिर से नी डाले।

3अदि परमेस्वर की याहा हुकुम हैं ते हम असो ही करेगों।

4याहा उन अदमी हुन को लाने असंभव हैं ज्योति को प्रात हो गयो हैं। जिन न स्वर्गीय उपहार को स्वाद चखो हैं अऊर जे सुध्द आत्मा सह भागी हुया हैं।

5जिन न परमेस्वर अर जीन ख परमेस्वर को उत्तम वचन को अर आवन वाली दुनिया की सक्ति को सवाद चख चुक्यो हैं,

6अदि वी भटक जाए ते उन ख मन फिरान को लाने फिर नयो बननो उन ख बडो मूसकिल हैं, वी अपनो नुकसान को लाने वी हर बार परमेस्वर को पोरिया ख कूस पर चढा रहया हैं। अऊर उन ख सब अदमी हुन को सामे अपमान कर रहया हैं।

7काहे कि जे जमीन पर बरखा को पानी ख जे ओ पा बार-बार गीरा हैं, पी पी ख सोख लेवा हैं अर वा अदमी हुन को लाने काम की फसल उगावा हैं, जे ओपर खेती करा हैं, ते वा परमेस्वर कि तरफ से आसीर्वाद पावा हैं।

\* 5:14 सब चिज जानने वाला

8 पर अदि वी झाड़ी अर दंग धतुरा उगावा हैं ते वा बेकार हैं अर ओपर सराप पड़न को डर हैं, आखीर म ओ ख जलाय देहे ।

9 अरे प्यारो भई-बंद हुन चाहे हम असो तरीका से बोला हैं पर तुमरो बारे म ऐसे भी अच्छी बात को भरोसा हैं जे बात उ उध्दार को बारे म हैं ।

10 तुमना परमेस्वर ख जन हुन कि हमेसा मददत करते हुए जे प्रेम दिखायो हैं, ओ ख अर तुमरा दुसरा काम हुन क परमेस्वर कभी नी भुलन को । उ अन्याय करन वालो नी आय ।

11 पर हम बेजा चाहव हैं कि तुम म से हर कोई जिन्दगी भर असो ही कड़ी मेहनत करते रैय अदि तुम आसा की खुसी को लाने करा हैं ते हकिगत म ओखा पा लेहे जेकी तुम आस करा हैं ।

12 हम यू नी चाहव आय कि तुम आलसी हो जाय । बल्कि तुम उनको जसो चलो जे भरोसा अर धीरज को संग म वी चीज ख पा रया हैं जेको परमेस्वर न वादा दियो रहा ।

?????????? ?? ??? ???????????

13 जब परमेस्वर न अब्राहम से वादा करयो रहा, तब खुद ओसे बड़ो कोई नी हतो, जेकी कसम ख सके एकोलाने अपनी कसम खा ख उ ।

14 कहन लग गयो, “सही म मी तो ख आसीस देहु, अर मी तो ख ढेर सारी सन्तान देहु ।”

15 अर एका लाने ओ न धीरज को संग म ईतजार करयो, जेमा ओ ना उ हासिल करयो जेकी ओसे वादा हती ।

16 अदमी हुन अपना से बड़ा वाला को नाम लेखा कसम खावा हैं । ओमन खाई वाली कसम की बात पक्की होवा हैं अर पुरो लड़ाई झगड़ा खतम हो जावा हैं ।

17 परमेस्वर ऐखा वी ईसान हुन को लाने, पुरी तरीका से साफ-सुतरो कर देन कि सोचत रहा, जेखा ओखा हासिल करनो थो, जेका देन को ओ ना वादा करयो रहा कि उ अपनो करयो वालो वादा ख कभी नी बदलन को एकोलाने अपनो वचन को संग ओ ना अपनी कसम ख जोड़ दियो ।

18 ते फिर यी दो बात हैं ओको वादा अर ओकी कसम जे कभी नी बदलन कि अऊर जेको बारे म परमेस्वर कभी झुट नी बोल सका । एको लाने हम जो परमेस्वर को जोने सभल ख रहन आया हैं अर जे आसा ओ ना हमका वी हैं, हमरी सान्ति ओमा बंध जाय ।

19 या आसा हमारो आत्मा को लाने असो लंगर हैं जे स्थिर अऊर मजबूत गढ़ हैं, अऊर परदा को जोने तक पहुँचता हैं ।

20 जाहा यीसु न मलिकिसिदक कि रीति पर हमेसा काल को बड़ो पुजारी बन ख, हमारो लाने अगुवा को रूप म प्रवेस करयो हैं ।

## 7

?????????? ???

1 यु मलिकिसिदक सालेम को राजा, अर परमप्रधान परमेस्वर को पूजारी, सब याजक बनो रह हैं । जब अब्राहम राजा ख मार ख लउटो जावह थो, ते इन न ओसे भेट कर ख आसीस दियो ।

2 इन ख अब्राहम न सब चीज को दसवो अंस भी दियो । यु पहले अपनो नाम को अर्थ को अनुसार, धर्म को राजा, अर फिर सालेम अर्थात् सान्ति को राजा हैं ।

3 जो को बाप भी नी अर माँ भी नी वंसावली हैं, जोको दिन को न आदि हैं अर न जिन्दगी को अन्तः हैं, पर परमेस्वर को पोरिया को रूप रुख ख वी हमेसा को लाने याजक बनो रह हैं ।

4 अब ऐ पर ध्यान करो कि उ कसो बड़ो थो जो ख कुलपति अब्राहम न लूट ख चोक्खो से चोक्खो माल को दसवां अंस दियो ।

5 लेवी की सन्तान म से जो याजक को पद लियो रह, उन ख आग्या मिलियो रह कि अदमी हुन, अर अपनो भई से, चाहे वी अब्राहम ही की देह सरीर से काहे नी पैदा भयो, नेम को हिसाब से दसवां अंस ले ।

6 पर उन न, मलिकिसिदक लेवी जे ओको वंसावली म को भी नी थो, अब्राहम से दसवां अंस लियो, अर जे ख वादा मिलो रह उन ख आसीस दियो।

7 इन से सन्देश नी कि छोटो बडो से आसीवाद लेवह हैं।

8 अर यहाँ ते मरनहार अदमी दसवां अंस लेवह हैं पर वाहा वी लेवह हैं जोकी गवाही दी जावह हैं कि उ जिन्दा हैं।

9 ते हम भी यु बोल सकह हैं कि लेवी न भी, जो दसवो अंस लियो हैं, अब्राहम को दुवारा दसवां अंस दियो।

10 काहे कि जो टेमं मलिकिसिदक न ओको बाप से भेट करी, उ टेमं वी अपनो बाप की देहं म थो

11 यदि लेवीय याजक पद को द्वारा सिध्द प्राप्त हो सकी (जोको सहारो से अदमी ख इन्तजाम मिलो रह) ते फिर का जरूरत हती रह की दुसरो पूजारी मलिकिसिदक को रीति पर खडो हो, अर हारून कि रीति को नी कहलाए?

12 काहे कि जब याजक को पद बदलो जाय हैं, ते नेम ख भी बदलनो जरूरी हैं।

13 काहे कि जो को बारे म ई बात कही जाय आय की उ दुसरो गोत को आय, जो म से कोई न भी वेदी कि सेवा नी करी,

14 ते प्रगट हैं, कि हमारो प्रभु यहूदा को गोत म से पैदा भयो हैं, अर इस गोत को बारे म मूसा न पूजारी पद कि कोई बात नी करी।

15 हमारो दावा अर भी स्पसस्टता से प्रगट हो जाय हैं, जे मलिकिसिदक को समान एक अर पूजारी पैदा हो जाय हैं,

16 जे सारीरिक आग्या को नेम को हिसाब से नी, पर अविनासी जिन्दगी को सक्ति को हिसाब से नियुक्त हुआ हो।

17 काहे कि ओको बारे म यह गवाही दी गई हैं, “तु मलिकिसिदक कि रीति पर हमेसा-हमेसा याजक हैं।”

18 पहलो आग्या एकोलाने समाप्त कियो गयो काहेकि वाहा बेकार हतो।

19 काहेकि मूसा को नेम कोई ख सम्मान सिध्द नी कियो हमे ऐसे महान आसा दियो हैं। अऊर एको माध्यम से परमेस्वर को जोने पहुँचियो हैं।

20 परमेस्वर पहले बिना कसम खाए काम म नियुक्त करता था, लेकिन यीसु मसी ख कसम खा ख बडो याजक बनायो।

21 काहेकि यीसु ख नियुक्त को बखत प्रभु परमेस्वर न कसम खाई थी अऊर ओसे कहयो हे प्रभू कसम खाई हैं

अऊर वाहा अपनो मन ख भी नी बदलेगो।

तू हमेसा हमेसा याजक बनो रहेगो।

22 यु तरह यीसु एक चोखो वाचा को जमीन ठहरो।

23 वी तो बेजा बडी संख्या म पूजारी बनते आयो, ऐको मतलब यू हतो कि मरनो उन ख रहन नी देत रह,

24 पर यीसु सदा बनू \* रहव हैं, ऐको लाने ओको याजक पद अटल हैं।

25 यूही वजह हैं कि जे अदमी यीसु को दुवारा परमेस्वर सरन लेवह हैं वी पुरो तरीका से सक्ति कि सामर्थ रखह हैं काहेकि वाह ओकी ओर से निवेदन करन को लाने। हमेसा जिन्दो हैं।

26 अतः असो ही बडो पुजारी हमारो लायक थो जे सुध्द, अर निस्कपट, अर निर्मल, अर पापी हुन से अलग, अर स्वर्ग से भी ऊँचो कियो हुयो हो।

27 यु बडो पुजारी को समान ओसे जरूरी नी कि हर दिन पहले अपनो पाप अर फिर अदमी को पाप को लाने बलि चडाए, काहे कि ओ न अपनो तुम ख बलिदान चडा ख ओ ख एक ही बार म पुरो कर दियो

\* 7:24 हमेसा के लाने

28 काहे कि नेम ते निर्बल अदमी हुन ख बडो पुजारी नियुक्त करह हैं, पर उ कसम को वचन, जे नेम को बाद खई गई, उ पोरिया ख नियुक्त करह हैं जे सदा को लाने सिध्द करयो गयो हैं।

## 8

~~~~~

1 अब हम जे बात करह हैं ओ म से सब से बडी बात या आय कि हमारो असो बडो पुजारी हैं, जे स्वर्ग पर महामहिम परमेस्वर को सिंहासन को दाहिनो ओर जा बठयो हैं,

2 अर सुध्द जगह अर उ सच्चो तम्बू म जसो प्रभु न स्थापित करयो हतो नी कि अदमी न, सेवा को काम करह हैं।

3 काहेकि हर एक बडो पुजारी ख एको लाने चुन्यो जावह हैं कि वी भेट हुन अऊर बलिदान चढ़ान को लाने ठहरायो जावह हैं। अर एको लाने यू बडो पुजारी को लाने भी उ जरूरी हतो की ओको जोने भी चढ़ावन को लाने कही होय।

4 यदि वी जमीन पर होतो ते कभी पूजारी नी होतो, उ याजक नी हो पातो ते काहेकि वाहा पहेलो से ही असो अदमी हैं जे नेम को अनुसार भेट चढ़ावन वाला तो हैं

5 अदि वाहा एक असो आराधना कि जगह म आराधना करह हैं उ सही म एक प्रति रूप हैं अऊर स्वर्ग म जे कही छाया हैं वाहा उसी तरह आय जसो मूसा को संग थो एकोलाने तब मूसा सुध्द तम्बू आरम्भ करन वाला हता ते ओ ख परमेस्वर कि ओर से याहा हुकुम मिल्यो हैं देखो जसो तो ख परवत पर दिखायो गयो थो ओको हिसाब से सब कुछ बनाजो।

6 पर अब जे धर्म सेवा यीसु मसी ख मिली हैं, वाहा कही गुणा बडी हैं; काहेकि वह एक असो नेम को अधिन हैं जे सबसे महान हैं। अऊर उत्तम वादा हुन सहारो को दुवारा बाँधी गई हैं।

7 काहे कि यदि उ पहलो वाचा बेकसूर होती ते दुसरो को लाने अवसर नी ढुँढो जातो।

8 पर परमेस्वर उन पा आरोप लगा ख कह हैं,

“प्रभु कह हैं कि, देखनु वी दिन आवा हैं

कि मी इस्राएल को घराना को संग, अर यहूदा को घराना को संग, अर यहूदा को घराना को संग नई वादा बाँधूंगो।”

9 याहा वादा से नी होगा जसो मी न उनको सयाना हुन को संग उ बखत कियो थो

जब मी न उन ख मिसर देस से निकालन को लाने उन की सहायता करी रह प्रभु याहा कहव हैं उन न मोरो वाचा की नी मानी
एकोलाने मी भी ओकी सुधि नी ली।

10 फिर प्रभु कह हैं, कि जे वाचा मी वी दिन को बाद इस्राएल को घराना को संग बाँधूंगो,
वा या आय कि मी अपनो नयो नेम ख उन को मन म डालूंगो,

अर ओ ख उन को हृदय हुन पर लिखूंगो,

अर मी उन को परमेस्वर ठहरूंगो

अर वी मोरा अदमी ठहरे।

11 अर हर एक अपना देस वाला ख

अर अपना भई ख या सिक्छा नी देह,

कि तू प्रभु ख पहचान,

काहे कि छोटा से बडा लक सब मो ख जान लेहे।

12 काहे कि मी न उन को अधर्म को बारे म दयावन्त रहूंगो,

अर उन को पाप ख फिर याद नी करन को।

13 परमेस्वर यू नेम ख नयो कह ख पुकारह हैं एकोलाने ओ न पहली वाचा ख रद्द कर दियो हैं। जे पुराना अऊर व्यवहारिक असीम आय वाहा खत्म होन वाली हैं।

9

???????? ???? ???? ?????????? ?????????????

1 वा पहली वाचा म भी सेवा करन खा नेम हता, अर असी सुध्द जगह हती, जो यू दुनिया को हतो।

² एक तम्बू खडो कर दियो गयो। ओको अगलो कच्छ, म दीवट हती मेज हती अऊर भेट की रोटी हती। याहा सुध्द जगह कहलावा हैं रह।

³दूसरो परदा को पिछ्छे उ तम्बू थो, जे परम सुध्द जगह कहलावा हैं।

4 ओम म सोना कि धूपदानी, अर चारो तरफ सोना से मढ्यो वालो वाचा की पेटी हती अर ऐमा मन्ना से भरयो वालो सोना को मर्तबान अर हारून को छडी जे म फुल फल आय गया रहा अर वाचा की पढिया हती ।

5 सन्दूक को ऊपर दोई तेजोमय करूब हता, जे छमा कि जगह पर छाया किया हुआ हता इन ख एक एक कर ख समझान को अभी मऊका नी हाय।

6 असो ही विनती करन की जगह ख तैयार करयो गयो रह विनती करन कि विधि ख सुरु करन को लाने याजक हर बखत तम्ब जा ख सेवा को काम सुरु करत रह।

लेकिन भीतरी ककछ म केवल बड़ो ही याजक अन्दर आवत रह अऊर वाहा भी साल म एक बार। वाहा बिना उ खून को कभी अन्दर नी आवत रह जो ख वाहा खुद अपनो दुवारा अऊर अदमी हन को दुवारा अनजान म किया गया पाप हन को लाने भेंट चढ़ावत रह।

8 एको दुवारा सुध्द आत्मा यही दिखानो चाहव हैं कि अभी पहलो तम्बू खडो भयो हैं, तब लक सुध्द जगह की रस्ता परगट नी हओ ।

⁹यु आज को युग तम्बू तुरत टेमं को लाने एक उदाहरन हैं, जे म असी भेट अर बलि चढावा जाऐ हैं, जेसे आराधना करन वालो को विवेक सिध्द नी कर सकह।

10 काहेकि वी केवल खान पान की चीज अऊर नयो प्रकार से सुध्दी करन को नेम हैं । जे आसा उ बखत को सरीर ख सरीर ख पुननिर्मान को लाने नियुक्त कियो थो जे उपदेस को जे आखरी बखत लक लागू होन वाली बाहायरी नेम आय ।

???? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ?

11 पर अब मसी ओवन वालो भली चीज को बडो याजक हो ख आय गयो हैं ते ओ न उ डेर सारो अर बडा अर पुरो सिध्द तम्बू म से होय ख भीतर आयो, जे अदमी ख हात हुन से बनाई हुई नी हतो अर इस दुनिया को नी आय,

¹² अर बकरा अर बच्छा को खून को द्वारा नी पर अपनो ही खून को द्वारा एक ही बार म सुध्द जगह म प्रवेस कियो अर हमेसा को लाने छुटकारा अर उध्दार पायो।

13 काहे कि जब बकरा हुन अर बईल हुन को खून अऊर जलयो वाला बच्छा की राख ख असुध्दता अदमी पर छिडको जानो सरीर कि अच्छाई को लाने उन ख सुध्दता करयो हैं,

¹⁴ ते मसी को खून जे न अपनो तुम ख अनन्त आत्मा को दुवारा परमेश्वर को सामने बेकसूर चढ़ायो, तुमारे विवेक को मरो हुआ कामो से काहे नी सुध्द करेगों ताकि तुम जिन्दा परमेश्वर की सेवा करो ।

15 यही कारन वी नई वाचा को बिचवई हैं, ताकि ओकी मरने के द्यारा जे पहली वाचा को बखत को अपराध से छुटकारा पावन को लाने हुई हैं, बुलायो हुओ अदमी वादा को अनुसार आखरी मीरास ख प्राप्त करह।

16 काहे कि जे वाचा बाँधी गई हैं वाहा वाचा बाँधन वाली की मरन को समझ लेनो भी जरूरी हैं

17 काहेकि असी विसेस वाचा मरन पर पक्की होव हैं, अर जब तक वाचा बाँधन वालो जिन्दा रह हैं तब तक वाचा काम की नी होय ।

18 एको लाने पहली वाचा भी बिना खन को नी बाँधी गई।

19 काहेकि जब मूसा सब अदमी हुन को सामे कि हर एक नेम हुन ख पढ ख सुनायो ते उन न पानी लाल उन अऊर जूफे को संग बच्छा अऊर बकरा हुन को खून लियो अऊर पुस्तक पर अऊर हर एक अदमी हुन पर छिड़क दियो।

20 ओ न हुकुम दियो रह याहा उस वाचा को खून हैं जो ख परमेस्वर न तुम्हारो लाने रखो हैं।

21 अर यही रीति से ओ न तम्बू अर सेवा को सारो समान पर खून छिड़को।

22 मूसा को नेम को हिसाब से सब कुछ मूसा को दुवारा सुध्द कियो जावह हैं अऊर बिना खून बहाये पाप हुन से छमा नी मीलह।

23 एको लाने जरूरी हैं कि स्वर्ग म कि चीज को प्रति रूप या बलिदानो को द्यारा सुध्द कियो जाए,

पर स्वर्ग म की चीज स्वयं इन म उत्तम बलि को द्यारा सुध्द कि जावा।

24 काहे कि मसी न उ हात को बनायो हुओ सुध्द जगह म, जो सच्चो सुध्द जगह को नमूना हैं, प्रवेस नी कियो पर स्वर्ग ही म प्रवेस कियो, ताकि हमारो लाने आबा परमेस्वर को सामने दिखाई दे।

25 अऊर न ही अपनो बार-बार बलिदान चढ़ावन को लाने ओको स्वर्ग म उ तरीका से अन्दर आयो जसो बडो याजक उ खून ख संग जे ओको अपनो नी हैं। सुध्द जगह म हर साल प्रवेस करह हैं।

26 अदि असो होतो ते दुनिया को प्रारम्भ से उन ख बार-बार भोगनो पड़तो, पर अब युग को आखरी म वाहा एक ही उत्पन्न हुओ जसो वाहा ताकि अपने ही बलिदान को दुवारा पाप ख दुर कर देह।

27 अर जसो अदमी को लाने एक ही बार मारनो अर ओको बाद न्याय को होनो नियुक्त हैं,

28 असो ही मसी भी बेजा को पाप को उठावान को लाने एक ही बार बलि हुओ, अर जे अदमी ओकी रस्ता जोहते हैं उन को उध्दार को लाने दुसरी बार बिना पाप उठाए हुओ दिखाई देह।

10

1 काहे कि नेम जे म आँवन वाली भली चीज को प्रतिबिम्ब हैं पर उन को असली रूप नी, एको लाने वी एक ही प्रकार को बलि को द्यारा जेय हर साल उत्तम अच्छो चड़ाए जावा हैं, जोने आँवन वालो ख कभी भी सिध्द नी कर सकह।

2 अदि असो हो पावा ते का उन को ते उन को बलि चढ़ानो बन्द काहे नी हो जाय? काहेकि फिर ते सेवा करन वालो एक ही बार म हमेसा हमेसा को लाने सुध्द होय जावह हैं। अऊर अपनो पाप हुन को लाने फिर कभी खुद ख अपराधी नी समझा।

3 पर उन को द्यारा हर साल पाप ख याद दिलायो जावह हैं।

4 काहे कि यू अनहोनी हैं कि बईल अर बकरा हुन को खून पाप ख दुर करहे असो सम्भव नी हैं।

5 एको लाने जब यीसु यू दुनिया म आयो थो ते ओ न कहयो थो:

“तू न बलिदान अर कोई भेट तू न नी चाहायो,

पर मोरे लाने एक सरीर तैयार करयो हैं।

6 घर की बलि अर पाप-बलि से तू खुस नी भयो।

7 तब फिर मी न कहयो हतो,

देख, मी आय गयो हैं, सुध्द पुस्तक म मोरो बारे म लिखो हुओ हैं,

ताकि हैं परमेस्वर, तोरी इच्छा पुरी करूँ।”

8 ओ न पहलो कहयो थो, “नी तू न बलि अर भेट अर घर की बलि अर पाप बलि ख ते तू चाहवा हैं,” अर नी ही तू उन न खुस हुओ, लेकिन (यघपि) यू बलि तो नेम को हिसाब से चढ़ायो जावा हैं।

9 अऊर उसी बखत याहा कहव हैं, “देख मी आय गयो हैं, ताकि तोरी इच्छा पुरी करूँ,” अतः वी पहिलो को उठा देवह हैं, तेकी दुसरो ख नियुक्त करे।

10 सो परमेश्वर की इच्छा से एक बार ही हमेसा हमेसा को लाने यीसु मसी को सरीर को बलिदान को दुवारा हम सुध्द कर दियो गयो ।

11 हर याजक एक दिन को बाद दुसरो दिन खडो हो ख अपनो भक्ती हुन को काम हुन ख पुरो करह हैं । उ बार-बार एक जसी ही बलि हुन चढावा हैं जे पाप हुन ख कभी दूर नी कर सकह हैं ।

12 ते याजक को जसो म मसी ते पाप हुन को लाने हमेसा को लाने एक ही बलि चढाय आय ख परमेश्वर को जेवनो हात तरफ जा ख बढयो,

13 अर वईच बखत से ओ ख अपना बैरी हुन ख ओको; पाय को नीचु को पीढी बना देन को इन्तजार हैं ।

14 काहे कि ओ न एक ही बार बली को दुवारा, जे सुध्द होते जा रया हैं, उन ख सदा हमेसा को लाने पुरो सुध्द कर दियो ।

15 अर सुध्द आत्मा भी हम ख यही गवाही देवह हैं, काहे की ओ न पहले कय्हो रहा,

16 “प्रभु कह हैं कि जे वाचा मी वी दिन को बाद

उन से बाँधुगो वा या आय कि

मी अपनो नेम ख उन को मन म लिखुगो

अर मी उन को दिमाक म डालुगो ।”

17 फिर उ असो कहा हैं, “मी उनका पाप हुन ख अर उनका अधर्म का काम हुन ख फिर कभी याद नी करन को ।”

18 जब पाप हुन कि माफी मिल गई हैं, ते फिर पाप हुन को लाने बली चढान कि जरूत नी राई ।

~~~~~

19 अरे मोरा भई बहिन, अब हम ख पुरो भरोसा हो गयो हैं कि हम यीसु को खून से सुध्द जगह मे प्रवेस कर सकह हैं ।

20 यीसु न हमारो लाने जीवित रसता खोल दियो, जे ओकी सरीर रुपी परदा से हो ख जावा हैं ।

21 अऊर काहेकि हमारो जोने एक असो बडो याजक आय जे परमेश्वर को घराना को अधिकारी आय ।

22 ते आव, हम सच्चो मन से अऊर पुरो भरोसा को संग अऊर विवेक कि गलत फैमी ख दूर करन को लाने सरीर पर छिड़काव लेख ख अऊर सरीर ख सुध्द पानी से नहेलाय ख परमेश्वर को जोने जाए ।

23 हम अपनी आसा कि गवाही देनो म अटल अर मजबूत बनाया रैय, काहेकि हमसे वादा करयो रह, उ भरोसा को काबिल हैं ।

24 हम ख या बात को ध्यान रखनो चाहिए कि हम कसो तरीका से प्रेम अर दुसरा हुन ख लाने एक दुसरा ख बडा सका हैं ।

25 हम अपनी सभा हुन म मिलनो-जुडनो नी छोडनो चाहिए, जसो कि कुछ इंसान हुन करा हैं, बल्कि हम एक दुसरा ख धीरज दे । जब तुम उ दिन का जोने आते देख रया हैं, ते असो करनो अऊर भी जरूरी हो जाय हैं ।

26 काहेकि सही को ग्यान मिल जान को बाद भी अदि हम जान बूज ख पाप करते रहवा हैं, ते पाप की माफी को लाने फिर कोई बलिदान बाकी नी हाय ।

27 एक भयानक धुन बाकी रह जावा हैं न्याय की, अर एक भयानक आँग की, जो बैरी हुन ख सिदो ही गील लेन कि सोचा हैं ।

28 जे कोई मूसा को नेम को पालन करनो से मना करा आय, ओखा बीना दया को दो या तीन गवाह हुन कि गवाही पर मार डालो जाय हैं,

29 ते सोच ल कि वी कितना अर भी भारी सजा को लायक ठहरोगो, जे न परमेश्वर को पोरिया ख पाय से खुन्दियो अर वाचा को खून ख, जेको दुवारा उ सुध्द ठहरायो गयो रहा, असुध्द जान्यो हैं, अर दया कि आत्मा ख बेज्जती करियो हैं ।

30 काहेकि हम ओ ख जानह हैं, जे न कह्यो, “पलटा लेनो मोरो काम हैं, मीडच ही बदला लेहूँ।” अर फिर यु, कि “प्रभु अपनो इंसान हुन को न्याय करेगों,”

31 कोई पापी को जिन्दा परमेस्वर को हात म पड़ जानो एक भयानक बात हैं।

32 तुम इंसान वी बितीया वाला दिन हुन ख याद करो जब तुम ख उजैरो मिलन को तुरत बाद वा, बड़ी दुः ख मूसिबत संघर्ष भोगनो को बाद समना करते हुए, मजबूती से डटिया रहे।

33 कभी ते सब अदमी हुन को सामे तुम ख अपमान अऊर अत्याचार सहनो पड़ो अऊर कुछ अदमी हुन ख असी बेदसा म पडिया वाला को संग सामिल होनू पड़ो।

34 अपनो कैदी को अदमी हुन को संग दुख म उनको दुख बाटो अऊर जब तुम्हारो धन सम्पत्ति ख कबजा कर लियो ते अपनो अपनो म जे हानि हुआ हैं ओ ख खुस हो ख मान लियो काहेकि वी जानत रह की हमारो जाने अबा भी कुछ पैसा अऊर जमीन जाजयद हैं जे हमेसा को लाने रहे।

35 एकोलाने तुम लोग अपनो भरोसा अऊर धैर्य छोडो ऐको पुरस्कार महान हैं।

36 तुम इंसान हुन ख धीरज धरनो जरूरी हैं, जेसे परमेस्वर कि इच्छा ख पुरी करन को बाद तुम ख उ मिल जाये जेको वादा परमेस्वर कर चुक्यो हैं।

37 जसो कि धर्म सास्त्र म लिखो,

“जो आवन वाली वाहा

थोडी ही बखत बाद आवन वालो हैं।”

अऊर उ देर नी करन को।

38 मोरो धर्मी काम करन वालो लोगो भरोसा को दुवारा जिन्दगी बचायगो,

पर अदि कोई पिच्छु हट जाये,

ते मोरो मन ओसे खुस नी होन को।

39 पर हम वी इंसान हुन म से नी आय, जो पिच्छु हटन को वजे से नास हो जावा हैं, बल्कि हम वी इंसान हुन म से आय, जे अपनो भरोसा को दुवारा जिन्दगी ख पावा हैं।

11

~~~~~

1 भरोसा वी बात को पक्को प्रमाण हैं जेकी हम आस करह हैं, अऊर वी चीज को पक्को भरोसा को बारे म पक्की आसा हैं, जे ख हम नी देखा।

2 काहेकि येको ही बारे म हमरा सियाना हुन की अच्छी गवाही दी गई हैं।

3 भरोसा ही से हम जान जाव हैं, कि पुरी दुनिया की रचना परमेस्वर को वचन को वजे से भई हैं पर असो नी हाय की जे कुछ देखनु म आवा हैं, उ देखी वाली चीज से बन्यो होय।

4 हाबिल न भरोसा को वजे से ही परमेस्वर को कैन से उत्तम बलि चढ़ायो रह। भरोसा को वजे से ही ओ ख एक धर्मी इंसान को रूप म तब इंज्जत मिली रह जब परमेस्वर न ओकी भेट की बड़ाई करी रहा। अऊर भरोसा को वजे से ही उ आज भी बोलह आय पर उ मर चुक्यो हैं।

5 भरोसा की वजे से हनोक जिन्दो स्वर्ग म चलो गयो वाहा मऊत ख नी देखयो काहेकि परमेस्वर ओ ख स्वर्ग पर उठा लियो थो, अऊर ओको उठायो जानो से पहले ओकी यू गवाई दियो गयो हैं कि ओ न परमेस्वर ख खुस कियो थो।

6 अर भरोसा को बगर परमेस्वर ख खुस करनो बड़ो मुसकिल हैं ऐको लाने जे परमेस्वर को जोने जावन की सोचा हैं ओ ख भरोसा करनो चहिए कि परमेस्वर हैं वाहा उ उन लोगो ख आसीस देगो, जे परमेस्वर कि खोज म लगिया रहव हैं।

7 भरोसा से नूह उ बात को बारे म जे उ बखत परमेस्वर को दुवारा चेतावनी पावत रह नूह याहा चेतावनी पा ख महिमा को संग अपनो परिवार बचान को लाने नाव बनायो ओ न अपनो भरोसा को दुवारा दुनिया को दोसी ठहरायो अऊर वाहा नेक काम को अधिकारी बनो जे भरोसा पर अटल हैं।

8 भरोसा को वजह से ही, जब अब्राहम परमेश्वर को हुकुम मान ख उ देस जाय जो ख वाहा विरासत म करन वालो थो। अब्राहम नी सोचो कि मी काहा जा रह्यो हैं फिर भी वाहा चल्थो जावा हैं।

9 भरोसा को वजह से ही उन न वादा को देस म जमीन ख देन को ओ ख वचन दियो रह, ओ पर ओ न एक अजनबी परदेसी को समान अपनी तिरपाल की जुग्गी झोपडी बना ख रह्यो। उ अपनी तिरपाल जुग्गी झोपडी म असो ही जसा इसहाक अर याकूब रहत रह जे ओको संग म परमेश्वर को उ वादा को वारिस भया।

10 अब्राहम न असो करयो, काहेकि उ उ पक्को नीव वालो सहर को इंतजार म हतो, जेको रचन वालो अर बनान वालो परमेश्वर आय।

11 भरोसा को वजे से ही अब्राहम जे सियानो हो चुक्यो रहा अऊर सारा जे खुद बाँझ-बजली हती जेना वादा दियो रहा ओखा भरोसा करन वाली समझ ख पेट से राई अऊर अब्राहम ख वाप बना दियो।

12 एको वजे से एक ही इंसान से, जो मरीयल सो हतो, आकास ख तारा अर समुंदर कि रेता को कन हुन को समान अनगिनत अवलाद हुन पैदा भई।

13 इन सब की विस्वासी दसा म ही माऊत भई। उनका वादा करी वाली जगा नी मिली, सिरप दुर ही से ओखा देख्यो अर ओकी इज्जत करी। उनना मान लियो कि वी दुनिया म परदेसी अऊर बाहर ख रहवासी आय।

14 जो असो तरीका की बात हुन करा हैं, वी यू साबीत कर देवा हैं कि वी अपनो खुदको देस ख ढुंडनो म लग्या हैं।

15 अदि वी उ देस को बारे म सोचता जेखा वी छोड़ चुक्या हैं ते उनको फिर से लउटन को मऊका रहतो

16 पर नी, वी तो एक उत्तम अपनो खुद को देस एकोमतलब स्वर्ग ख ढुंडनो म लग्या हता; एकोलाने परमेश्वर ख वी इंसान हुन को परमेश्वर कहलानो म लाज-सरम नी आवा। ओ ना तो उनको लाने एक सहर ख बना ख रख्यो रहा।

17 जब परमेश्वर न अब्राहम को मन लियो, तब विस्वास को वजे से अब्राहम न इसहाक ख भेंट चढ़ायो। उ अपनो खुद को पोरिया ख बली चढ़ान को लाने तैयार हो गयो, फिर भी ओसे यू वादा कर लियो गयो रहा

18 अर बोल दियो गयो रह कि इसहाक ही से तोरो खानदान आगे बडे ते भी उ अपनो एक ठिया पोरिया ख बलि चढ़ावन को लाने तैयार हो गयो।

19 काहेकि अब्राहम जानत रह कि परमेश्वर मरिया वाला ख भी जिन्दो कर सकह हैं, अऊर एक उदाहरन रूप से इसहाक उन ख फिर से मिल गयो।

20 भरोसा को वजे से इसहाक न याकूब अऊर एसाव को भविष्य को लाने आसीवांद दियो।

21 भरोसा को वजे से ही याकूब न मरते घड़ी यूसुफ को हर एक पोरिया ख आसीवांद दियो अऊर उन न अपनी छडी की मूठ को सहारे झुक ख परमेश्वर की दण्डवत करी।

22 भरोसा को ही वजह से ही यूसुफ न, मरते घड़ी मिश्र से इस्राएल कि अवलाद हुन ख निकल जान कि बात करी, अपनी हड्डी हुन को बारे म हुकुम दियो।

23 जब मूसा पैदा भयो ते ओखा माय वाप ओ ख भरोसा से तीन महीना लक लूका ख रखिया; काहेकि उन न देखियो की पोरिया बडो अच्छो हैं। वी राजा को हुकुम से नी डरीया।

24 जब मूसा बडो भयो ते भरोसा से ओ न राजा फिरोन कि पोरी को पोरिया बन्नो से मना कर दियो।

25 उन न थोडा दिन पाप म सुख भोगनो से अच्छो, परमेश्वर की प्रजा को संग दुख भोगनु ऐसे उत्तम समझियो।

26 उन न मिसर कि धन दऊलत से बड़ ख मसी को लाने बेज्जती होनू जादा अच्छो समझियो, काहेकि उन को ध्यान होन वालो बखत म मिलन वाली चिज पर लगयो हतो।

27 भरोसा को वजे से उन न मिसर देस ख छोड़ दियो। उ राजा फिरोन को गुस्सा से नी डरीया, बल्कि हिम्मत से खडो रयो, मानलेव उ नी दिखई देन वालो परमेस्वर ख देखत होये।

28 भरोसा करन को वजे से मूसा न फसह को तिहार की विधि हुन को पालन करयो अर खून छिड़कियो, जो से बड़ा पोरिया हुन ख मार डालन वालो दूत इस्राएली हुन ख बड़ा पोरिया हुन पा हात नी लगान को।

29 भरोसा करन को वजह से वी इंसान हुन न लाल समुंदर ख पार करयो, मान लेव उ सुखी जमीन पर चलत होय। पर जब मिसतिरी न बसा ही पार करन कि कोसिस करी, ते वी डुब ख मर गया।

30 भरोसा ही से यरीहो सहर की बाउनडरी सात रोज लक ओको फेरा लगान को बाद वा गीर गई।

31 भरोसा करन को वजह से ही राहाब वेस्या परमेस्वर कि बात नी मानन वालो को संग खत्म नी भई, काहेकि ओ न परमेस्वर को दुवारा भेजियो वाला कि सान्ति से रखी रह।

32 जादा का बोलू? काहे कि बखत नी रहयो कि गिदोन को, अर बाराक अर सिमसोन को, अर यिफतह को, अर दाऊद अर समूएल ख, अर भविष्य वक्ता हुन को बारा म बतहु।

33 उन न अपनो विस्वास को दुवारा राज्य हुन ख अपनो बस म करयो, नेम हुन को पालन करया, वादा करी वाली हुन चिज ख हासिल करी सेर हुन को मुंडो बन्द करयो;

34 अऊर धधक्ती आगी बुझई। वी तलवाल कि धार से बच गया की ज्वाला ख ठंडी करी; तरवार की धार से बच ख निकलयो; अर कमजोर होनू पर भी सक्तिसाली हो गया। उन न युध्द म अपनो जोस दिखायो अर दुसरो देस वाला ख मार भगायो।

35 ओरत हुन न मरिया वाला ख फिर से जिन्दो देखयो;

अर कितना ते मार खाते खाते मर गया अर वी ओसे एकोलाने छुटकारा कि कोसिस नी करत रह कि उन ख वा मेन जगह हासिल करनो हतो।

36 कई को ते मजाक उडायो गयो; कोडा खानु अऊर बाँधी जानो, अर जेल म डाल दियो जानो पर परख्या गया।

37 कुछ इंसान हुन पत्थर से मारो गयो, अऊर कई ख ते आरा से चिरया अर कई ख तरवार से माऊत को घात उतार दियो। अर कई इंसान सताव अऊर दुख झेलन को लाने भेड़ अऊर बकरी हुन की खाल ओढ़ ख इते उते भटकते फिरते रया।

38 या दुनिया उन को लायक नी हती, वी बियाबान जंगल, अऊर पहाड़ हुन म घुमते रया अऊर गुफा हुन अर जमीन म पोल म, लुकते लुकते फिरया, की दड़ाड म भटकता फिरया।

39 अपनो भरोसा को वजे से ही, इन सब ख उठायो गयो। फिर भी परमेस्वर को जेको महान वादा दियो रह ओ ख इन म से कोई भी नी हासिल कर पायो।

40 परमेस्वर को जोने अपनी मरजी को हिसाब से हमरो लाने कुछ अऊर भली बात हती जेसे उन ख भी बस हमरो संग भी पुरो सिध्द करो जाहे।

## 12

~~~~~

1 काहे कि हम गवाही हुन की असी इत्ती बडी भीड़ से घिरया हैं, जो हम ख भरोसा को मतलब का होव हैं ऐकी गवही देवा हैं ऐको लाने आओ रोड़ा बनन वाली हर एक चिज ख अऊर उ पाप ख जो सहज ही हम ख उलझा देवा हैं झटक ख फेके अऊर वा दऊड जेय म हम ख दऊडनू हैं, आओ धीरज को संग म ओ ख उखाड़ ख फेके आओ ओ ख धीरज को संग म दऊडे,

2 अर भरोसा को करता कर सही करने वाला यीसु की तरफ देखते रहे, जे न उ खुसी को लाने जो ओको आगे धरो थो, लज्जा कि कोई फिकर नी कर ख सूली को दुः ख सह्यो, अर परमेस्वर को सिंहासन की जेवनो तरफ जा बठ्यो।

3 ऐको लाने उन पर याद करो, जे न अपनी बुराई म पापी हुन ख इतनी बुराई सह लियो कि तुम निरास हो ख साहस नी छोड़ दे।

4 तुम न पाप से लड़तो हुआ ओसे असी मुठभेड़ नी करी की तुमरो खून बहायो;

5 का तुम लोग उ वचन ख भूल गया हैं जो परमेस्वर न तुम ख तुम ख पोरिया मान लियो रह। मोरो पोरिया प्रभु को अनुसासन ख बेकार मत समझो अऊर ओकी फटकार से हिम्मत या सान्ति मत हारजो।

6 “काहे कि प्रभु जसो प्यार करह हैं, ओकी ताड़ना भी करह हैं,
अर जे ख पोरिया बना लेवह हैं, ओ ख कोडा भी मारा हैं।”

7 तुम दुः ख को ताड़नो समझ ख सहे ल, परमेस्वर तुम ख पोरिया जान ख तुमरो संग सलुप करह हैं उ कऊन सो पोरिया आय जे कि ताड़ना बाप नी करह?

8 यदि वा ताड़ना जे को भागी सब होए हैं, तोरी नी भई ते हम पोरिया नी, पर छिनाला को सन्तान ठहरिये।

9 फिर जब कि हमारो सारीरिक बाप भी हमारी ताड़ना कियो करतो थो अऊर हम न उन को सम्मान करियो, ते को आत्मा को बाप को अऊर भी अधीन नी रहे जेसे हम जिन्दा रहे।

10 वी ते अपनी-अपनी समझ को अनुसार थोड़ा दिन को लाने ताड़ना करत थो, पर उ ते हमारो फायदा को लाने करह हैं, कि हम भी ओकी सुध्दता को भागी हो जाए।

11 तुरत म हर तरह कि ताड़ना खुसी की नी, पर दुः ख ही कि बात दिखई पड़ हैं; तेभी जे ओ ख सहते-सहते मजबूत हो गयो हैं, बाद म उन ख चैन को संग धर्म को फल मीलह हैं

~~~~~

12 ऐको लाने ढील्लो हात अर निर्बल टोंगरीया ख सीधो करो,

13 अर अपनो पाय को लाने सिधो रस्ता बनाओ कि लंगड़ा भटक नी जाए पर भलो चोक्खो भलो हो जाए।

14 सब से मेल मिलाओ रखो, अर उ सुध्दता को खोजी हो जेको बिना कोई प्रभु को कभी नी देखोगो।

15 ध्यान से देखते रहो, असो नी होए कि कोई परमेस्वर कि दया से वंचित रह जाए, या कोई कड़ जड़ फुट ख दुः ख देहे, अर ओको व्दारा बेजा सा अदमी असुध्द हो जाहे।

16 असो नी होए कि कोई जन व्यभिचारी, या एसाव\* को समान अधर्मी हो जे न एक बार को खाना को बदला अपनो पहिलऊठो होन को पद बेच डालयो।

17 तुम जानह हैं कि बाद म जब ओ न धन्यवाद पावन चाहायो ते निकम्मो गिनो गयो, अर आसू बाहा-बाहा ख खोजन पर भी मन फिराव को बखत ओ ख नी मिलियो।

18 तुम ते उ पहाड़ को पास, जो छुओ जा सकतो थो, अर आगी से प्रज्वलित थो, अर काली घटा, अर इंधारा अर आँधी को पास,

19 अर तुरही की अवाज अर बोलन वाला को असो सब्द को पास नी आहे, जेको सुनन वालो न बिनती की कि अब हम से अऊर बात नी करी जाए।

20 काहे कि वी उ आदेस ख नी सहे सके: “लेकिन कोई जानवर भी पहाड़ ख छिए ते ओ पर पथराव कियो जाहे।”

21 अर उ दर्शन असो भयानक थो कि मूसा न कहयो, “मी खुब डर अर कँपु हूँ।”

22 पर तुम सिय्योन को पहाड़ को पास, अर जिन्दा परमेस्वर को नगर, स्वर्गीय यरूसलेम, को पास पर लाखो स्वर्गदूत हुन।

\* 12:16 इसहाक का बड़ा पोरया

23 अर उ पहिलऊठो हुन कि एक सभा अर कलीसिया, जेको नाम स्वर्ग म लिखो हुआ हैं, अर सब को न्याव करन वालो सुना परमेस्वर को जोने, असो सिध्द कियो हुआ धर्मी हुन कि आत्मा हुन,

24 अर नोवती वाचा ख बिचवई यीसु अर छिड़काव को उ खुन को जोने आयो रह, जे हाबिल को खून से चोक्खो बात कह हैं।

25 सावधान रहो, अर उ कहन वालो से मुँह न फेरो, काहे कि वी अदमी जब जमीन पर को चेतावनी देन वालो मुँह मोड़ ख नी बच सके, ते हम स्वर्ग पर से चेतावनी देन वालो से मुँह मोड़ ख कसो बच सके?

26 उ टेमं (बखत) तो ओकी बात न जमीन ख हला दियो पर आबा ओ न यु वादा कियो हैं, “एक बार फिर मी नी केवल जमीन ख वरन् आकास ख भी हला देहु।”

27 अर या वाक्य एक बार फिर या बात ख परगट करहु हैं कि जे चीज हला जावह हैं, वी सृजी भई चीज होन को कारन टल जायेगो; तेकी जे चीज हिलई नी जावह, वी अटल बनी रहे।

28 यू कारन हम यू राज ख पा ख जे हिलन को नी कतग्य हो, अर सेवा अर डर सहित परमेस्वर की असी आराधना करे जेसे उ खुस हो वा हैं।

29 काहे कि हमारो परमेस्वर भस्म करन वाली आगी आय।

## 13

???? ? ?????? ???? ?? ?????

1 भई चारा हुन की एकता बनी रहे।

2 मिजवान (अतिथि सत्कार) को सम्मान करनो नी भूलनो, काहे कि ओको द्वारा कई अदमी न अनजानो म स्वर्गदूत को सम्मान कियो हैं।

3 कैदी हुन की असी सुधि लो कि मानो उन को संग तुम भी कैद म बंद होया होए, अर जेको संग बुरो बताव कियो जावह हैं, ओकी भी यू समझ ख खबर लियो करो कि हमारो भी सरीर आय।

4 बिहाव ख सब म सम्मान कि बात समझी जाव, अर तुमारो बिहाव को बिछोना सुध्द होनो चाहिए जे न कोई पाप नी करयो (निस्कलंक) निर्मल रह, काहे कि परमेस्वर छिनाला अर पराई ओरत को संग म कु करम करन वाला हुन को न्याव करेगों।

5 तुम नी धन को लालच करन वालो हो, अर जे तुमरो पास हैं उसी पर संतोस करो; काहे कि ओ न तो ख ही बोलयो हैं, “मी तो ख कभी नी छोडन को, अर नी कभी तो ख त्यागूगो।”

6 ऐको लाने हम नी डर हो ख कवह हैं,

“प्रभु मोरो सहायक हैं,

मी न डरगो;

इंसान मोरो का कर सकह हैं।”

7 जे तुमरो अगुवो थो, अर जो न तुम ख परमेस्वर को वचन सुनायो हैं, उन ख याद रखयो; अर ध्यान से उन को चाल चलन को आखरी तक देख ख उन को भरोसा को अनुकरण करो।

8 यीसु मसी कल अर आज अर हमेसा एक-सो हैं।

9 कई तरह का विचित्र आदेस से नी भरमाए जाहे, काहे कि मन को दया से मजबुत रहनो चोक्खो हैं, नी कि वा खान कि चीज से जेसे काम रखन वालो ख कुछ फयदा नी हुयो।

10 हमरी एक असी वेदी आय जे पर से खान को हक वी अदमी ख नी, जे तम्बू कि सेवा करह हैं।

11 काहे कि जे जानवर को खून बडो पुजारी पाप बलि को लाने सुध्द जगह म ले जावह हैं, ओको सरीर छावनी को बाहार जलावा जावह हैं।

12 यू कारन, यीसु न भी अदमी हुन ख अपनो ही खून को द्वारा सुध्द करन को लाने फाटक को बाहार दुख उठायो।



13 ऐको लाने आओ, ओ की बुराई अपनो उपर लियो हुआ छावनी को बाहार ओको जोने निकल चलयो।

14 काहे कि याहा हमारो कोई जगह नगर नी, वरन् हम एक आवन वालो नगर की खोज म हैं।

15 ऐको लाने हम ओको व्दारा स्तुतिरूपी बलि, अर्थात् उ होठ को फल जे ओको नाम ख अंगीकार करह हैं, परमेस्वर ख हमेसा चढ़ायो करह।

16 भलई करनो अर उदारता दिखानो न भूलो, काहे की परमेस्वर असो बलि से खुस होव हैं।

17 अपनो अगुवो को आदेस मानो अर उन को अधीन रहो, काहे कि वी उन को समान तुमारी जान को लाने जगयो रह हैं, जिन ख लेखा देनो पड़े वी यू काम खुसी से रहे, नी की टंडी साँस ले-ले ख, काहे कि या दसा म तुम ख कोई फायदा नी।

18 हमारो लाने प्रार्थना करते रहनु, काहे कि हम ख भरोसा हैं कि हमरो विवेक सुध हैं: अर हम सब म बात अच्छी चाल चलन चावह हैं।

19 विनती करन को लाने मी तुम ख अऊर भी समझऊ कि मी जल्दी तुमरो जोने भी आ सकू।

20 अब सान्ति दाता परमेस्वर, जे हमारो प्रभु यीसु को जे भेड़ को बडो रखवालो आय आखरी वाचा को खून को गुन से मरो हुआ म से जिन्दो कर ख ले आयो,

21 तुम ख हर एक भली बात म सिध्द करहे, ऐसे तू ओकी इच्छा पुरी करहे, अर जे कुछ ओ ख भावा हैं ओ ख यीसु मसी को व्दारा हम म पैदा करहे। ओको महिमा युगयुग होते रहे। आमीन।

22 भैय्या अर बहिन हुन! तुम से विनती हैं कि तुम मोरी सान्ति का यी वचन हुन ख सान्ति को संग स्वीकार करनो। मीना साफ सुतरो म ही लिखो हैं।

23 तुम ख यू ग्यात होयो कि तीमुथियुस, हमारो भई छुट गयो हैं अर यदि वी जल्दी आ गयो ते मी ओको संग तुम से भेंट करूंगो।

24 अपना सब अगवा अर सब सुध्द अदमी ख नमस्कार कहे। इटली वाले तुम ख नमस्कार कहव हैं।

25 तुम सब पर दया होते रहे। आमीन।

## याकूब का पस याकूब की चिट्ठी भूमिका

याकूब कि किताब याकूब नामक कोई व्यक्ति द्वारा लिखी गई होती। याहा संभवतः यीसु को भई याकूब हतो, जे सुरूआती कलीसिया म एक अगुवा हतो अऊर यरूसलेम की परिसद को हिस्सा हतो। प्रेरितो 15:13 प्रेरित पोलुस न उसे गलातियो 2:9 म कलीसिया को खंमा भी कहयो। ग्यान वान हुन को माननो हैं कि याकूब कि किताब ईसा को जनम को लगभग 50 साल बाद लिखी गई होती। चूँकि याकूब यरूसलेम की कलीसिया को अगुवा थो, ओ न संभवतः वाहा रहतो हुओ किताब लिखी होती।

याकूब अपनी किताब ख दुसरी जाति हुन म बिखरे हुए बारा गोत्रो 1:1 ख संबोधित करह हैं। याकूब को पाट सभी मसी हुन प लागु होवा हैं लेकिन “बारा गोत्रो” सब्द हुन को उपयोग से याहा संभव हो जावा हैं की याकूब सिधो यहूदी मसी हुन ख लिख रहयो थो। चूँकि याहा किताब पाठक हुन की एक व्यापक समूह लक पहुँचन को लाने होती येना कई विसय हुन ख संबोधित करयो। याकूब भरोसा अऊर काम हुन को बीच संबंध प ध्यान केंद्रित करह हैं। सच्चो भरोसा कारंवाई म दिखायो जाएगो। 2:17 वाहा धनी ईसान हुन 2:1-4को प्रति पक्छपात दिखान को खिलाफ भी चेतावनी देवा हैं अऊर हम ख बतावा हैं कि हम जे कहव हैं ओसे सावधान रहो। 3:1-12

**रूप रेखा:**

1. याकूब म अपनो पाठक हुन को अभिवादन करह हैं। 1:1
2. ऐको बाद वाहा मसी हुन ख प्रोत्साहित करह हैं कि जब वी कस्ट सहे ते मजबुत बनिया रहे। 1:2-27
3. फिर वाहा कहव हैं कि करम को दुवारा भरोसा को परगट होनो कसो आवस्यक हैं। 2:1-26
4. ओको बाद वाहा कहव हैं कि मुँह से निकले सब्द किता सक्तिसाली हो सकह हैं। 3:1-12
5. तब याकूब समझावा हैं कि कसो परमेस्वर कि बुध्द दुनिया कि बुध्द से भिन्न हैं। 3:13—4:10
6. ऐको बाद वाहा अपनो पाठको ख घंमडी होवन को खिलाफ चेतावनी देवा हैं। 4:11—5:6
7. याकूब कुछ सामान्य निर्देस दे ख पानी किताब म समाप्त करह हैं। 5:7-20

~~~~~

1 परमेस्वर कि अऊर प्रभु यीसु मसी को दास याकूब की तरफ से उ बारा गोत हुन ख जे तितर-बितर हो ख रह हैं नमस्कार पहुँचे।

~~~~~

2 अर मोरा भई हुन अर बहिन हुन, जब तुम पर कई तरीका को दुख आहे, तब इसे बडी खुसी की बात समझनो।

3 तुम जानह हैं कि तुमरो भरोसा को असो तरीका से परखनो से धीरज पैदा होवा हैं।

4 पर धीरज ख अपना पुरो तरीका से काम देजे। तुम खुद ईसान पुरो तरीका से अच्छा बन जाहे अऊर तुम म कोई बात की घटी नी होन कि।

5 पर अदि तुम म से कोई कि बुध्द कि घटी होए ते उ परमेस्वर से विनती करे अर ओ ख बुध्द मिल जाहे काहेकि परमेस्वर खुल्लो हात से अऊर उदारता से सब ख देवा हैं।

6 पर ओ ख भरोसा को संग मागनू चाहिए अऊर कुछ सक नी होनू चाहिए काहेकि सन्देह करह हैं उ समुंदर कि लरह को समान होवा हैं, जे हवा से इते-उते उछाली जाय हैं।

7 असो अदमी यू नी समझन को की मो ख प्रभु कि ओर से कुछ मिले।

8 काहेकि असो अदमी दो मन को हैं। अर अपनी पुरी बात म चंचल आय।

~~~~~

9 जब परमेस्वर जे मसी भई अर बहिन हुन ख मसी गरीबी से ऊपर उठावा हैं उन ख खुसी होनू चाहिए।

10 अर जब परमेस्वर कोई भई बहिन ख धनवान से गरीब म लावा हैं तब भी ओको खुसी होनू चाहिए। काहेकि बी घास को फूल को जसो नास हो जाएगो।

11 काहेकि सूरज उगन से ही बेजा धूप पड़ा हैं अर घास ख सुखा देवा हैं, अर ओको फूल झड़ जावा हैं अर ओकी सोभा जाती रहव हैं, यू तरीका से धनवान भी अपनो काम पर चलते-चलते मिट्टी म मिल जाहे।*

~~~~~

12 धन्य हैं उ जो मूसिबत म विस्वास लायक रहवा हैं दुख से खडो निकलनो पर ओ ख जिन्दगी को उ मुकुट हासिल होय जे ख प्रभु न अपनो दास हुन ख देवन को वादा करयो हैं। अपन प्यार करन वाला से की आय।

13 जब कोई कि परीक्छा होए ते उ यु नी कहन को कि परमेस्वर कि तरफ से होवा हैं; काहेकि न तो बुरी बात से परमेस्वर कि परीक्छा हो सका हैं, न उ कोई की परीक्छा खुद लेवा हैं।

14 पर हर एक अदमी अपनी ही बुरी लालसा से खिच ख अर फँस ख परीक्छा म पड़ह हैं।

15 फिर लालसा पेट से हो पाप ख जनम देवा हैं अर पाप जब बढ़ जावा हैं ते माऊत ख पैदा करह हैं।

16 हे मोरा प्यारो भई हुन अर बहिन हुन, धोखा नी खानू।

17 काहेकि हर एक अच्छो वरदान अर हर एक उत्तम दान ऊपर से ही आय, अर उजारो को बाप की तरफ से मिलत हैं जे म नी ते कोई बदलाव हो सकह हैं, अर नी अदला बदला को कारन हो पर छाया पड़ हैं।

18 ओ न अपनी ही मरजी से हम ख सत्य को वचन को दुवारा हम ख जिन्दगी परदान कियो हैं, जेसे हम एक तरीका से ओकी दुनिया को पहलो फल बने।

~~~~~

19 अरे मोरा प्यारो भई हुन, या बात तुम जान लेनू; अर हर एक अदमी सुनन को लाने तत्पर अर बोलनो म धीर अर गुस्सा म धीमो हो,

20 काहेकि अदमी को गुस्सा से परमेस्वर को धरम ख निरवाह नी कर सके।

21 एकोलाने पुरी मलिनता अर दुसमनी भाव की बढ़ती ख दुर कर ख उ वचन ख धीरे से ग्रहण कर ले जे दिल म बोयो गयो अर जे तुमरी जान हुन ख उध्दार कर सकह हैं।

22 पर परमेस्वर को वचन पर चलन वालो बनो, अर केवल सुनन वाला ही नी जे अपना तुम ख धोखा देवा हैं।

23 काहेकि जे कोई वचन ख सुनन वालो होए अर ओ पर चलन वालो नी होए, ते उ उस अदमी को समान आय जे अपनो खुद को मुडो ख आईना म देखा हैं।

24 एकोलाने की उ अपनो तुम ख देख ख चलो जावा अर तुरत भूल जावा हैं कि वह कसो हतो।

25 पर जे अदमी स्वतंत्रता को सिध्द नेम पर याद करते रह हैं, उ अपनो काम म एकोलाने परमेस्वर से आसीस पाएगो कि सुन ख भूलहे नी पर वसो ही काम करा हैं।

26 अगर कोई अपनो तुम ख भक्त समझा अऊर अपनी जीभ पर लगाम नी देहे पर अपनो मन को धोखा देहे, ते ओकी भक्ति बेकार हैं।*

27 हमरो परमेस्वर अर बाप को जोने अर सुध्द निर्मल भक्ति यह आय कि अनाथ अर विधवा हुन को क्लेस म ओकी सुधि ले, अर अपनो तुम ख दुनिया से बेदाग रखे।

2

~~~~~

1 हे मोरा प्यारो भई हुन अर बहिन हुन, जसा कि हम हमारो महिमा पावन वाला प्रभु यीसु मसी पा भरोसा करत हैं। एकोलाने तुम कभी इंसान को बाहर को रूप देख ख अलग अलग तरीका से ओको पक्छपात करनु चहिए।\*

2 काहेकि यदि एक अदमी सोना को छल्ला अर चोक्खो कपडा पहिने हुए तुम्हारी सभा म आहे अर एक कंगाल भी मैला कुचलियो कपडा ख पहिनिया हुए आए,

3 अर तुम उ चोक्खो कपडा वालो को मुँह देख ख कहो, “तु वाहा अच्छी जगह बठ”, अर उ कंगाल से बोल, “तु याहा खडो रह;” मोरो पाय को जोने बठ।

4 ते का तुम न आपस म भेद भाव नी कियो अर बुरो विचार से न्याव करन वालो नी ठहरे?

5 हे मोरा प्यारो भई हुन, सुनो का परमेस्वर न या दुनिया को गरीब ख नी चुनियो। कि भरोसा म धनी अर उ राज को मुखिया हो, जेको वादा ओ न ओसे करी हैं, जे ओसे प्यार रखह हैं?

6 पर तुम न उ गरीब को अपमान कियो। का धनी इंसान हुन तुम पर दुराचार नी करह अर का वी ही तुम ख कचहरी म फैसला करन को लाने घसीट घसीट ख नी ले जावा?

7 का वी उ सुन्दर नाम की चुगली नी करह, जे यीसु मसी ख तुम कहलावा हो?

8 सुध्द सास्र कहवा हैं, “तुम अपना पड़ोसी ख अपनो समान प्यार रख, सच्ची म उ राज नेम ख पुरी करह हैं, ते अच्छो ही करह आय।”\*

9 पर अदि तुम तरफ दारी\* करह हैं ते पाप करह हैं; अर नेम तुम ख दुराचार ठहरावा हैं।\*

10 काहेकि जे कोई भी अदि पुरो नेम को पालन करह हैं पर एक ही बात म चुक जाहे ते उ सब बात म दोसी ठहर चुको हैं।

11 काहेकि जो न यू कहयो, “तू गलत काम मत करजो” ओ न यू भी कहयो, “कोई ख मारजे काटजे मत,” एकोलाने अदि तू न बुरो काम ते नी कियो करी पर तेभी तू नेम को उलघन करन वालो ठहरियो।\*

12 तुम उन इंसान हुन को समान बोलो अर काम भी करो जे को न्याव उ नेम को व्दारा कियो जाएगो। जे आजाद करा हैं।

13 जे दयालु नी आय, ओको लाने परमेस्वर को न्याव भी बिना दया को ही होये। पर रहम न्याव पर जीत होवा हैं।

~~~~~

14 अरे मोरा भई अर बहिन हुन, अदि कोई इंसान कहव हैं कि मी भरोसा करहु हैं, पर अदि वी करम नी करा हो, ते ओसे का फायदा? का असो भरोसा कभी ओको उध्दार कर सकह हैं?

15 अदि कोई भई या बहिन नंगा उघडीया हो अर उन ख रोज दिन खाना की घटी हो,

16 अर तुम लोगो म से कोई उन से कहे, “सान्ति से जाओ, तुम गरम-गरम कपडा पहिन अऊर भर पेट खाना खाओ”, पर वी उन ख सरीर को लाने जरूरत चीज नी देय, ते ऐसे का फायदा?

17 वसो ही भरोसा भी, अदि करम सहित नी होए ते अपना स्वभाव म मरीया हुआ हैं।

18 लेकिन कोई बोल सकह हैं, “तो ख भरोसा हैं अर मै करम कैरु हैं।” तू अपना भरोसा मो ख करम को बिना ते दिखा; अर मी अपना भरोसा अपने करमो को दुवारा तो ख दिखाऊँगो।*

19 तो ख भरोसा हैं कि एक ही परमेस्वर हैं; तू चोक्खो करह हैं। भूत† हुन भी भरोसा रखह, अर थर्राँय हैं।

20 पर हे नीकम्मो अदमी, “का तू यह भी नी जानह कि करम बिना भरोसा बेकार हैं?”

* 2:1 अय्युब 34:19; भजन 24:7-10

☆ 2:8 लैव्य 19:18

* 2:9 पक्छपात

☆ 2:9 लैव्य 19:15

☆ 2:11

निर्गमन 20:13-14; व्यवस्था 5:17-18

☆ 2:18 गलातियो 5:6

† 2:19 दुस्तात्मा, सैतान

21 जब हमारो बाप अब्राहम न अपनो पोरिया इसहाक ख वेदी पर चढ़ायो, ते का वह करमो से धर्मी नी ठहरो रहा?*

22 तुम देखह हैं कि उन को भरोसा उन का करम ख संग प्रभाव डाला हैं अऊर उन को करम को वजे से ही भरोसा पुरो करयो गयो रहा।*

23 इ प्रकार सुध्दसास्र को वचन पूरो भयो। “अब्राहम न परमेस्वर पा भरोसा कियो अर भरोसा को आधार पा ही वी धर्मी ठहरायो।” अर इ ही से ही वी परमेस्वर को दोस्त ठहरायो।*

24 तुम इंसान देखह हैं कि अदमी केवल भरोसा से नी पर करम हुन से धर्मी ठहरायो जावा हैं।

25 वसो ही राहाव वेस्या भी, जब ओ न दुतों को अपने घर म उतारियो अर दुसरी रस्ता से चलो गयो। ते का करमो से धार्मिक न ठहरी?*

26 अतः जसो सरीर आत्मा बिना मरी हुई हैं, वसो ही भरोसा भी करमो बिना मरो हुआ हैं।

3

~~~~~

1 अरे मोरा भई हुन, तुम म से बेजा उपदेसक न बनो, काहेकि जानह हैं कि हम उपदेसक अर भी अपराधी ठहरेगो।

2 ऐको लाने कि हम सब ढेर बार चूक जावा हैं; जे कई वचन म नी चुकह वीही ते सिध्द अदमी हैं अर सारी सरीर पर भी लगाम लगा सकह हैं।

3 जब हम अपनो वंस म करन को लाने घोड़ा हुन को मुंडो म लगाम लगावा हैं, ते हम ओकी पुरो सरीर ख भी घुमा सकह हैं।

4 देखो, जहाज भी, यघपि असो बड़ो होते हैं अर प्रचण्ड हवा से चलायो जावह हैं, तेभी एक छोटी सी पतवार को व्दारा माँझी को इच्छा को हिसाब से घुमाए जावह हैं।

5 वसो ही जीभ भी एक छोटी सी अंग आय अर वह बड़ी-बड़ी डींगें मारह हैं।

देखो, थोड़ी सी आग म कितनो बड़ो जंगल म आग लग जाय आय।

6 जीभ भी एक आगी आय; ओमा अधर्म को दुनिया से भरो पड़ो हैं; अर पुरो सरीर पर कलंक लगावा हैं अर जिन्दगी कि गति म आगी लगा देवा हैं, अऊर नरक कुण्ड कि आगी म से जलती रहव हैं।

7 काहेकि हर प्रकार का जंगल को जानवर पकछी, अर रेगन वाला जन्तु, अर पानी म रहन वाला अदमी जाति को वंस म हो सकह हैं अर हो भी गया हैं।

8 पर जीभ ख कोई इंसान बस म नी कर सका। या बेजा खतरनाक जहर से भरी एक असी बुराई हैं जे कभी चैन से प्राणनासक विस से नी रह सका।\*

9 ऐसे ही से हम प्रभु अर बाप कि प्रार्थना करह हैं अर येसे ही इंसान हुन ख जे परमेस्वर को स्वरूप म पैदा भया हैं अर बददुआ देवा हैं।\*

10 एक ही मूँह से धन्यवाद अर बददुआ दोयी नीकला आय अरे मोरा भई हुन, असो नी होनू चाहिए।

11 का झिरिया को एक ही मूँह से मीठो अर खारो पानी दोयी निकला हैं?

12 अरे मोरा भई हुन, का अंजीर को झाँड़ म जैतून या अंगूर कि बेला म अंजीर लग सकह हैं? वसो ही खारो झिरिया से मीठो पानी नी निकल सकह।

~~~~~

13 तुम म ग्यान वान अऊर समझदार कऊन आय? जे असो हो वाहा अपनो काम हुन को अच्छो चाल चलन से उ नम्रता सहित परगट करे जे ग्यान से पैदा होवा हैं।

* 2:21 उत्पत्ति 22:9 * 2:22 इब्रानियो 11:17 * 2:23 उत्पत्ति 15:6 * 2:25 यहोसू 2:1-21; इब्रानियो 11:31

* 3:8 भजन 140:3 * 3:9 उत्पत्ति 1:26

14 पर अदि तुम अपनो-अपनो मन म कड़वी जलन अऊर विरोध रखह हैं, ते सही को विरोध म घमण्ड नी करनो, अऊर न तो झुठ बोलनो।

15 यू ग्यान उ नी जे ऊपर से उतरहे लेकिन सांसारिक अर सारीरिक अर सैतानी आय।

16 काहेकि जाहा जलन अर बय़ीर होव हैं, वहा बखेडा अर हर प्रकार को दुस्कर्म्म भी होवा हैं।

17 पर जे ग्यान ऊपर से आवा हैं उ पहले तो सुध्द होव हैं फिर सान्ति से मिलनसार कोमल अर मृदुभाव अर दया अर अच्छो फल से लदो वालो अर पक्छपात अर मन कपट रहित होव हैं।*

18 मिलाप करान वालो धरम को फल मेल-मिलाप को संग सान्ति से बोवह हैं।*

4

~~~~~

1 तुम म लड़ाई हुन अर झगडा काहा से आ गया? का उ सुख विलासो से नी हैं जे तुम्हारो सरीर म लड़ते भिड़ते हैं?

2 तुम इंसान चाहव ते हो पर तुम ख मिल नी कर पावा। तुम म जलन हैं अऊर तुम दुसरो ख मार डाला हैं, फिर भी जे चाहवा हैं, मिल नी पावा। अऊर एकोलाने लड़ाई झगडा करा हैं, अपनी इच्छा की चीज हुन ख तुम ख नी मिल पावा काहेकि तुम उन ख परमेस्वर से नी माँगह।

3 तुम माँगा हैं अर तुम पाते नी, एकोलाने कि बुरी इच्छा से माँगह हैं, तेकी अपना भोग विलास म उड़ा दे।

4 हे छिनाला करन वाली, का तुम नी जानह की दुनिया से दोस्ती करनो परमेस्वर से दुसमनी करनु हैं? अतः जे कोई दुनिया को दोस्त होन चाहव हैं, उ अपनो तुम को परमेस्वर ख दुसमन बनाव हैं।\*

5 अर का तुम असो सोचा आय कि सुध्द सास्र बैकार म कहव हैं कि, “परमेस्वर न हमारो जोने जे आत्मा बसायो हैं,” काहेकि उ असी आसा करह हैं। जेको प्रतिफल बुरी बात आय?

6 पर परमेस्वर न हम पर बेजा जादा दया दिखई हैं, एकोलाने सास्र म कहयो गयो हैं, “परमेस्वर घमण्डी हुन को विरोध करह हैं, जब कि दया करन वालो पर अपनी दया दिखाव हैं।”\*

7 एको लाने अपना तुम ख परमेस्वर को अधीन कर दो; अर सैतान को सामना करो, उ तुम्हारो सामे से भाग खड़ो होये।

8 परमेस्वर को जोने आओ ते उ भी तुम्हारो जोने आएँगो। अरे पापी हुन, अपनो हात सुध्द करो, अर हे मार खान वाले दुचिन्ते अदमी, अपना मन ख सुध्द करो।\*

9 दुखी हो, अर सोक करो, अर रोनु। तुम्हारी हँसी सोक म अर तुम्हारो खुसी उदासी म बदल जाहे।

10 प्रभु को सामने दीन बनो। उ तुम ख ऊँचो उठायेगो।\*

~~~~~

11 हे भई हुन, एक दुसरा कि बदनामी मत करो। जे अपनो भई की बदनामी करह हैं या भई पर आरोप लगाव हैं, उ नेम पर आरोप लगाव हैं; अर अदि तू नेम पर आरोप लगाव हैं, ते तू व्यवस्था पर चलन वालो नी पर न्याव करन वालो का ठहरो।

12 नेम देन वालो अर हाकिम ते एक ही आय, जे बचानो म अर नास करनो म सामर्थ हैं। पर तू कोन आय, जे अपनो पड़ोसी पर दोस लगाव हैं?

~~~~~

13 तुम जे यू कह हैं, “आज या कल हम कोई अर नगर म जा ख वाहा एक साल बिताहे, अर धन्दा\* कर ख फायदा करेह।”

\* 3:17 इब्रानियो 12:11 \* 3:18 यसायाह 32:17 \* 4:1 यूहन्ना 2:15-16 \* 4:6 नीति 3:34 \* 4:8 यिर्मयाह 1:3; मलाकी 3:7 \* 4:10 भजन 147:6 \* 4:13 व्यापार

14 अर यू नी जाने कि कल का होएगो। सुन तो ल, तुम्हारी जिन्दगी हैं ही का? तुम ते भाप को समान आय, जे थोड़ी देर दिखई देवह आय, फिर लोभ हो जावा हैं।<sup>☆</sup>

15 ऐको उल्टो तुम ख यू कहनो चहिए, “अदि प्रभु चाहे ते हम जिन्दा रहेगो,” अर यू थो उ काम भी करेगो।<sup>☆</sup>

16 पर आवा तुम अपनो डींग मारन पर घमण्ड करह हैं; असो सब घमण्ड बुरो होव हैं।

17 एकोलाने जे कोई भलाई करनो जानह हैं। अर नी करह ओको लाने उ पाप हैं।

## 5

???? ? ? ? ? ? ? ?

1 अरे धनी अदमी हुन सुन तो लेव, तू अपनो आँवन वालो कस्ट\* पर चिल्ला चिल्ला ख रोहे।

2 तुम्हारो धन बिगड़ गयो हैं; अर तुम्हारो कपड़ा ख कीड़ा खा गयो हैं।<sup>☆</sup>

3 तुम्हारो सोना चाँदी म काई लग गई हैं; अर वा काई तुम पर गवाई देहे, अर आगी को समान तुम्हारो मांस खा जाएगो। तुम न आखरी यूग म धन जमा करियो हैं।

4 देखो, जे बनियार न तुम्हारो खेत काटो, ओकी वा बनियारी जे तुम न धोखा दे ख रख ली हैं चिल्ला रही हैं, अर काटन वालो की दोहई सेना हुन को प्रभु के कानो तक पहुँच गई हैं।<sup>☆</sup>

5 तुम यू धरती पर सुख को जीवन अर अपन खुद की मर्जी पुरो कर रखे हैं अर तू वध होनो को रोज को लाने अपन तुम ख मोटो ताजो बनायो आया।

6 तुम न धर्मी ख दोसी ठहरा ख मार डाल्यो, उ तुम्हारो समान नी करतो।

???? ? ? ? ? ? ? ?

7 एकोलाने अरे भई हुन, प्रभु को आँवन तुम भी धीरज रखो। देख, किरसान जमीन की उचीत फसल। कि आसा रखते हुयो पहलो अर आखरी बारिस होन तक धीरज रखह हैं।<sup>☆</sup>

8 तुम भी धीरज रखो, अर अपनो मन ख मजबूत करो, काहेकि प्रभु को आगमन जोने हैं।

9 अरे भई हुन अर बहिन हुन, एक दुसरा पर आरोप मत लगाओ, तेकी तुम आरोपी नी ठहरे; देख न्याव करन वालो ‡ दरवाजा पर खडो हैं। ताकि परमेस्वर भी तुम ख दोसी नी ठहराए।

10 अरे भई बहिन हुन, जिन भविष्य को बारे म न प्रभु को नाम से बात करी हैं, उन ख दुख उठानो अर धीरज रखनो को एक आदर्स समझो।

11 देख हम धीरज रखन वाला ख चोक्खो कहव हैं। तुम न अय्यूब को धीरज को बारे म तो सुनो ही हैं, अर प्रभु की तरफ से जे ओको प्रतिफल हुयो हो ख भी जान लियो हैं जसो प्रभू की बेजा करूना अर दया परगट होव हैं।

12 पर हे मोरा भई हुन, सब से बडी बात या आय कि कसम<sup>S</sup> नी खानो स्वर्ग की, नी दुनिया की, नी कोई अऊर चीज की; पर तुमरी बातचीत हाओ कि हाव, अर नी की नी हो, की तुम दण्ड को लायक नी ठहरो।

13 अगर तुम कोई भी दुः ख हैं ते उ प्रार्थना करहे। यदि खुस हैं ते स्तुति का भजन गाहे।

14 अदि तुम म से कोई रोगी हैं, ते कलीसिया का सियाना अदमी ख बुलाहे, अर वी प्रभु को नाम से ओ पर तेल मस ख ओको लाने प्रार्थना करे।

15 अर भरोसा की विनती को लाने रोगी बच जाएगो अर प्रभु उठा ख हो ख खडो करहे, अर अगर ओ न पाप भी करयो हैं ते ओकी भी माप करे जाहे।

16 एकोलाने तुम आपसी म एक दुसरा को सामने अपनो अपनो पाप ख मान लेव अर एक दुसरो को लाने प्रार्थना करो जसो चंगा हो जाओ धर्मी अदमी की प्रार्थना को सक्तिसाली से बेजा कुछ हो सकह हैं।

☆ 4:14 नीति 27:1    ☆ 4:15 प्रेरितो 18:21    \* 5:1 क्लेसो    ☆ 5:2 मत्ती 6:19    ☆ 5:4 लैव्य 19:13    † 5:7  
बहुमूल्य    ☆ 5:7 व्यवस्था 11:14    ‡ 5:9 हाकिम    § 5:12 सपथ

17 एलिय्याह भी ते हमरो समान दुख सुख भोगयो अदमी थो, अर ओ न गिड़गिड़ा ख प्रार्थना करी कि पानी\* नी बरसे अर साढ़े तीन साल लक धरती पर पानी नी बरसो।✧

18 फिर ओ न प्रार्थना करी, ते आकास से बारिस भई अर धरती फलवन्त भई।✧

19 अरे मोरो भई हुन अर बहिन हुन, अगर तुम म से कोई सत्य की रस्ता से भटक जाहे अर कोई ओ ख फेर लाए,

20 ते उ यू जान लेहे कि जे कोई किसी भटको हुयो पापी ख फेर लाएगो, उ एक जीव की मरनो से बचाएगो अर बेजा† पाप पर परदा डालेगो।✧

---

\* 5:17 मुँह ✧ 5:17 1 राजा 17:1; 1 राजा 18:1 ✧ 5:18 1 राजा 18:42-45 † 5:20 अनेक ✧ 5:20 नीति 10:12; 1पतरस 4:8



## पतरस का पहला पत्र पतरस की पहली चिट्ठी भूमिका

पतरस की चिट्ठी प्रेरित पतरस द्वारा लिखी गयी थी। पतरस न अपनी चिट्ठी की सुरुआत याहा कहते वाहा कोन हतो अऊर को ख लिख रहयो थो। ओ न न उन सभी मसी हुन की चिट्ठी संबोधित कियो जिन्हे ओ न, “अजनबी” 1:1; 1:17; 2:11 कहयो थो। उन न अपनो पाठको ख इस तरह कई बार संदर्भित करियो काहेकि वी विभिन्न देस हुन म बिखरा हुआ था। काहेकि याहा चिट्ठी कई मायना म इफिसीयो ख लिखी गई पोलुस की चिट्ठी से मिलतो जुलतो हैं, बेजा सा इंसान हुन माना हैं कि 1 पतरस इफिसीयो को बाद मसी को जनम को लगभग 65 साल बाद लिखो गयो थो। पतरस न याहा चिट्ठी रोम से लिखो थो जसो ओ न बबुल 5:13 कहयो थो।

पतरस कहव हैं कि ओ न या चिट्ठी तुम ख प्रोत्साहित करना अऊर या बात कि गवाही देवन को लाने लिखो हैं कि याहा परमेस्वर ख सच्ची दया 5:12; 1पतरस 2:11—3:7; इफिसीयो 5:18; 6:9; कुलुस्सियो 3:18—4:6को बीच कई समानताएं हैं। यी तीनी खंड पारिवारिक संबंध हुन अऊर हुकुम पालन अधिकारी हुन को बारा म निर्देस देवा हैं। वाहा मसी हुन ख भी प्रोत्साहित करह हैं कि जब दुख हो, ते मजबुत रहे काहेकि अन्त जोने हैं। 4:1

### रूप रेखा

- 1 पतरस अपनो परिचय देवा हैं अऊर अपनो पाठको ख संबोधित करह हैं। 1:1-2
2. फिर वाहा उ उध्दार को लाने परमेस्वर ख धन्यवाद करह हैं जे से वी सब साझा करह हैं अऊर जे उन की जिन्दगी को लाने मायना रखह हैं। 1:3—2:10
3. ऐको बाद वाहा विस्वासी हुन ख निर्देस देवा हैं कि कसो दुनिया म अच्छी तरह से रहनो हैं अऊर पति अऊर अऊरत अऊर दास अऊर मालिक को बीच विभिन्न संबंधो ख संबोधित करह हैं। 2:11—4:11
4. ऐको बाद पतरस उन्हे दुख सहन म लगे रहवन को लाने प्रोत्साहित करह हैं। 4:12—5:11
5. फिर वाहा अपनी चिट्ठी ख समाप्त करह हैं। 5:12-14

### ~~~~~

1 पतरस कि तरफ से, जे यीसु मसी ख प्रेरित आय,  
परमेस्वर का वी चुनयो भयो अदमी हुन ख नाम जे पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया, आसिया अर बिथुनिया का इते-उते होय ख रवाह हैं,

2 जे परमेस्वर बाप को आन वालो ख ग्यान को जसो, आत्मा ख सुध्द करन ख लाने कहना मान ख अर यीसु मसी को खून ख छिड़को जान का लाने चुनो गयो हैं।

तुम ख दया अर सान्ति ढेर सारा हुन से मिलती रहा।

### ~~~~~

3 हमारो प्रभु यीसु मसी ख परमेस्वर अऊर बाप को धन्यवाद होय। जो न यीसु मसी ख मरो हुआ म से जी उठन को दुवारा, अपनी बडी दया से हम ख जिन्दगी कि आसा को लाने नयो जनम लियो,

4 असो कि एक अविनासी, अर निर्मल, अर अजर मीरास का लाने जे तुमारा लाने स्वर्ग म रखी हैं;

5 जिन कि रक्छा परमेस्वर कि सामर्थ्य को भरोसा को दुवारा उ उध्दार को लाने, जे आवन वालो बखत म परगट होवन वाली हैं, की जावा हैं।

6 यूही तुम अदमी हुन ख लाने बडी खुसी कि खबर हैं, कि पक्को हैं कि अभी थोडा बखत दिन को लाने खुद ख हर एक तरीका को परेसानी सहन करनु पड़रैया हैं;

7 अर यू एकोलाने होवत आय कि तुमरो परखनो वालो विस्वास हैं, जो आग से तपायो हुए नास होन वाला सोना से भी कही जादा किमती हैं, यीसु मसी ख परगट होना पर खुसी अर बड़ाई अर आदर का लाने रहवा हैं।\*

8 ओसे तुम बिन देखे प्रेम करा हैं, अर अब तो ओपर बिन देख्यो भी भरोसा करा ख असो खुस अर मगन होय हैं जो कि कोई सीमा नी हाय अर महिमा से भरयो पड़ो हैं;

9 अर अपनो विस्वास को इनाम हैं, अपनी खुदकी आत्मा को उध्दार होनो।

10 यू ही मुक्ति का बारा म उन ख भविस्व्य बातान वाला\* न बेजा खोज बीन अर परख पड़ताल करी हैं, जीन न वा दया को बारे म जो तुम पा होन वाली हती, भविस्व्यवानी करी हती।

11 उन न या बात की खोज करी की कि मसी की आत्मा जे उन म थी, अऊर पहले ही से मसी ख दुख हुन कि ओर ओको बाद होवन वाली महिमा की गवाही देतो थो, वाहा कऊन से अऊर कसो बखत की ओर संकेत करतो थो।\*

12 उन पर यू परगट कियो गयो कि वी अपनी नी पर तुमारी सेवा को लाने यी बात हुन कय्हो करिये हैं, जीन को बारा अब तुम ख ओको दुवारा मिलो जीन हुन न सुध्द आत्मा को व्दारा, जो स्वर्ग से भेजो गयो, तुम ख सुसमाचार को बारा सुनायो; अर बात हुन का स्वर्ग दूत भी ध्यान से देखन कि लोभ रख हैं।

\*\*\*\*\*

13 यू वजे से अपनी अपनी बुध्द (मन) कि कमर बाँध ख, अर हुसयार रखे ख उ दया की पूरी आसा रख जो यीसु मसी को परगट होन का बखत तुम ख मिलन वाली हैं।

14 आदेस सुनन वालो पोरिया हुन को जसो अपनी ना समझ को बखत कि पुरानी लोभ हुन ख सदस्य नी बनी।

15 पर जसो तुमारा पुकारन वालो सुध्द हैं, असो ही तुम भी अपनो सारा चाल चलन म सुध्द बनो।

16 काहेकि सुध्द सास्र लिखो हैं, “सुध्द बनो, काहेकि मी सुध्द हैं।”\*

17 अर जब कि तुम अरे बाप कह ख ओ ख विनती करिये हैं, जो बिना तरफ दारी हर एक का काम को हिसाब से न्याव करह हैं, तो अपनो दुसरा देस होन का बखत डर से रहो।\*

18 काहेकि तुम ख मालूम आय कि तुमारा बेकार चाल चलन जो बाप दादा हुन से चलते आयो हैं, ओ ख तुमारी छुडानो चाँदी सोना अर पर नास होन वाली चीज हुन से दुवारा नी भयो;\*

19 पर बेकसूर अर बेदाग पिल्ला एकोमतलब मसी को किमती खून का दुवारा भयो।

20 ओको ग्यान ते दुनिया की सुरू से पहलो ही जानो गयो हतो, पर अब यू आखरी बखत म तुमारो लाने परगट भयो हैं।

21 ओको दुवारा तुम उ परमेस्वर पर विस्वास करिये हैं, जे न ओ ख मरो हुओ म से जिन्दो कियो अर बड़ाई करी कि तुमारा विस्वास अर आसा परमेस्वर पर होए।

22 अब जब कि तुम न भई चारा करी नी ते कोई कपट रीति को हिसाब से सच ख मानो से अपनो मान ख सुध्द† कियो हैं, ते तन मन लगा ख एक दुसरा से जादा प्रेम रख जो।

23 काहेकि तुम न खत्म होन नी वाली पर अविनासी बीज से, परमेस्वर को जिन्दो अर हमेसा रूकन वाला वचन को दुवारा नयो जनम मिलो हैं।

24 काहेकि हर एक जीव‡ घास का जसो हैं, अर ओकी सारी सुन्दरता हुन फूल का जसो हैं,

चारा सूख जाव हैं।

\* 1:7 अय्यूब 23:13; भजन 66:10; यसायाह 48:10; याकूब 1:12 \* 1:10 भविस्व्यवताओ \* 1:11 2 पतरस 1:21; यसायाह 52:13-14; लुका 24:25-27 \* 1:16 लैव्य 11:44; 19:2; 20:7 \* 1:17 2 इतिहास 19:7; भजन 28:4; यसायाह 59:18; यिर्मयाह 3:19; 17:10 \* 1:18 भजन 49:7-8; गलातियो 1:4; यसायाह 52:3 † 1:22 सुध्द ‡ 1:24 प्रानी

अर फूल झड़ जाव हैं,

<sup>25</sup> पर प्रभु को वचन सदा-सदा को लाने खड़ो रहह हैं।

अर यू अच्छो समाचार हैं जो तुम ख सुनायो गयो हतो। \*

## 2

~~~~~

¹ एकोलाने सब तरीका को बैरभाव अर छल अर कपट घुस्सा अर बुराई ख दूर रख क,

² नयो जनम भयो पोरिया हुन का जसा साफ आत्मिक दुध की लालच करिये हैं, काहेकि ओखा दुवारा उध्दार पान को लाने बढ़ते जाव,

³ काहेकि तुम न प्रभु कि भलाई को स्वाद चक लियो हैं। *

⁴ ओको जोने आ ख, जेय ख अदमी हुन न ते बेकार रखो पर परमेस्वर को जोने चुनो हुयो अर बेजा किमती जिन्दो पत्थर हैं।

⁵ तुम भी खुद जिन्दो पत्थर हुन को जसो आत्मिक घर बनाव जाव हैं, जे से पण्डित हुन को सुध्द जात बन ख असो आत्मिक बलिदान चढा जो यीसु मसी को दुवारा परमेस्वर ख अपना वा हैं।

⁶ यू कारन सुध्द सास्र म भी आयो हैं:

“देख, मी सिय्योन पर्वत म कोना सिरे को चुनो हुआ

अर बेजा किमती पत्थर रखू हैं:

अर जो कोई ओ पर विस्वास करेगो, उ कुई तरीका से लज्जित नी होनू पड़े। *

⁷ अब तुमारो लाने जो भरोसा करिये हैं उ ते बेजा किमती हैं,

पर जो भरोसा नी करिये उनका लाने

“जे पत्थर ख राजमिसतिरी हुन न निकम्मो * ठहरायो हतो,

उ कोना को सिरा हो गयो,” *

⁸ अर “झट लगन को पत्थर अर झट खान की टेकड़ा हो गयो हैं,”

काहेकि वी ते वचन ख नी मान ख ठोकर खाव हैं

अर यी का लाने वी ठहरायो भी गयो हते। *

⁹ पर तुम एक चुनो हुआ जाति अर राज-पदधारी पण्डित हुन समाज, अर सुध्द अदमी, अर (परमेस्वर कि) निज लोग हुन आय, एकोलाने कि जेना तुम ख अन्धकार म से अपनी अदभुत प्रकास म बुलायो हैं, ओखा गुना प्ररगट करियो। *

¹⁰ तुम पहले ते कुछ भी नी हते पर अब परमेस्वर कि अदमी आय; तुम पर दया नी हुई हती पर अब तुम पर दया हुई हैं। *

~~~~~

<sup>11</sup> अरे प्यारो भई हुन, मी तुम से विनती करू हैं कि तुम अपनो खुद ख दुसरा देस अर घूमन वालो फिर ख जान ख उन सारीरिक लालच हुन से जो आत्मा से लड़ई करिये हैं, बचे रहो। \*

<sup>12</sup> दुसरी जात हुन म तुमारो चाल चलन अच्छो होए; काहेकि जीन बात हुन म वी तुम ख बुरो काम जान ख बदनाम करिये हैं, वी तुमारा अच्छो काम हुन ख देख ख उन्ही का लाने दया दृष्टि का दिन परमेस्वर की महिमा करे।

<sup>13</sup> प्रभु का लाने अदमी हुन को ठहरायो भयो हर एक प्रबन्ध का बस म रहो, राजा का एकोलाने कि उ सब पर मेन हैं,

\* 1:25 यसायाह 40:6-8    \* 2:3 भजन 34:8    \* 2:6 यसायाह 28:16    \* 2:7 निकम्मा    \* 2:7 भजन 118:22; दानियेल 2:34-35    \* 2:8 1 कुरिन्थियो 1:23; यसायाह 8:14-15    \* 2:9 निर्गमन 19:5-6; व्यवस्था 7:6; यसायाह 9:2; 43:20-21    \* 2:10 होसे 1:10; 2:23    \* 2:11 गलातियो 5:24; 1पतरस 4:2

14 अर नऊकर चाकर हुन ख, काहेकि वी बुराई हुन ख सजा देन अर अच्छो काम काज वालो हुन ख अर कि बड़ाई का लाने ओको भेजा होए हैं।

15 काहेकि परमेस्वर कि मन यू हैं कि तुम अच्छो काम करन का दुवारा बे अकली अदमी हुन बे ग्यानी की बात हुन बन्द कर दे।

16 अपनो खुद ख जान, पर अपनी यी आजादी ख बुराई को लाने रूकावट नी बनो; पर अपनो खुद ख परमेस्वर को दास † मान ख चल।

17 सब को इज्जत कर, भई हुन से प्यार रख, परमेस्वर से डर, राजा को सम्मान कर। \*

??? ???? ???? (????)

18 अरे दास हुन, हर तरीका को डर को संग अपनो मालिक हुन का बस रह, नी अकेलो उनका जो अच्छो अर मन म दीन हो पर उन ख भी जो बुरे बेईमान हैं।

19 काहेकि अदि कोई परमेस्वर को सलाह मसोरा कर ख अन्याय से दुख उठा वा हुए संकट झल हैं ते यू अच्छो मऊका हैं।

20 काहेकि अदि तुम न पाप कर ख मार खायो अर सान्ति रखो, ते यू म का बड़ाई कि बात आय? पर अदि अच्छो काम कर ख दुख उठाए हैं अर सान्ति रख हैं, ते यू परमेस्वर को बड़ाई को योग्य आय।

21 अर तुम ऐको ही लाने बुलायो भी गयो हैं, काहेकि मसी भी तुमारो लाने दुख उठा ख तुम ख एक नमूना दे गयो हैं कि तुम भी ओखा चाल चलन पर चलो।

22 नी ते ओ न पाप कियो अर नी ओखा मुँह से छल की कोई बात निकली।\*

23 उ गाली सुन ख गाली नी ते रहे हतो, अर दुख उठा ख कोई ख भी धमकी नी देवत हतो, पर अपनो खुद ख सच्चो न्याव को हात म देत रह हतो।\*

24 उ अपना तुम ख ही हमारा पाप हुन ख अपनी सरीर पर लाने हुए सूली पर चढ़ गयो, जेना हम ख पाप हुन का लाने मर ख धार्मिकता को लाने जिन्दगी बताए: ओखा ही मार खाना से तुम चोखो भयो।\*

25 काहेकि तुम पहले भटकी हुई भेड़ हुन जसो हते, पर अब अपनी जान हुन ख रखवालो अर अध्यक्ष को नजदीक लउट आयो हैं।

### 3

?? ???? ?? ????

1 अरे घर वाली हुन, तुम भी अपनो घर वालो\* को बस म रहो, एकोलाने कि अदि इन म से कोई असो हैं जो वचन का नी माना हैं,\*

2 तेबी तुमारो डर संग सुध्द चाल चलन ख देख कर बिना वचन को अपनी-अपनी घर वाली ख चाल-चलन को दुवारा खिच जाहे।

3 तुमारो सजनू दिखान वालो नी होए, असो कि बाल गूँथनू, अर सोना का जेवर, या अलग-अलग का कपड़ा पहिननो,

4 यानी कि तुमारो छिपो हुआ अर लुकाम मनुस्यत्व, नम्र हुन अर मन कि दीन हुन कि अविनासी सजावट से सुसज्जित रखे, काहेकि परमेस्वर कि आँखी म एको किमत बड़ो हैं।

5 पुरानो जमाना म सुध्द बाई हुन भी, जो परमेस्वर पर आसा रखह हती, अपनो खुद ख यू रिति रिवाज से संवारती अर अपनो-अपनो घर वालो को बस म रह हती।

6 जसो सारा अब्राहम कि बात ख मानत रखह हती अर ओ ख मालिक कहत हती। यू तरीका तुम भी अदि भलाई कर अर कोई तरीका को डर से डर जो मत, ते ओकी पोरी हुन कहलायेगी।

† 2:16 दास \* 2:17 नीति 24:21; रोमियो 12:10 \* 2:22 यसायाह 53:9; 2 कुरिन्थियो 5:21 \* 2:23 यसायाह 53:7; 1पतरस 4:19 \* 2:24 यसायाह 53:4-5; गलातियो 3:13 \* 3:1 पति \* 3:1 इफिसियो 5:22; कुलुस्सियो 3:18

7 असो ही अरे पति हुन, तुम भी समझ दारी से पत्नी हुन संग जिन्दगी गुजार खां कर, अर ओरत को सुध्द बर्तन जान ख ओको आदर कर, यू समझ ख कि हम दोई जिन्दगी को वरदान का सन्तान हैं, जेसे तुमारी प्रार्थना हुन रूक नी जाहे।



8 अब: सब झन एक मन अर कृपामय अर भई चारा हुन को रखन वाली, अर करुनामय अर सिधो बनो।

9 बुरा का बदला बुरा मत कर अर नी गाली को बदला गाली नी दे; पर एका बदला आसीस ही दे, काहेकि तुम आसीस को सन्तान होन का लाने बुलायो गयो हो।

10 काहेकि

“जे कोई जिन्दगी से प्यार रखह हैं,  
अर अच्छो दिन देखन चाहू हैं,  
वा अपनी जीभ ख बुराई से,  
अर अपनो होठ हुन ख धोखा कि बात हुन करन से रोके रह।

11 उही बुराई का संग छोड़े, अर भलाई ही कर;  
वा मेल झुल करन दूँदे, अर ओखा तैयारी म रहो।

12 काहेकि प्रभु कि आँखी धर्मियो करन वाली का ऊपर पर लगी रह हैं,  
अर ओखा कान उनकी प्रार्थना करी तरफ लगा रह हैं;  
पर प्रभु बुराई करन वाली का विमुख रह हैं।”\*

13 अदि तुम भलाई करन का लाने परेसान रह हैं ते तुमारो बुराई करन वालो फिर कऊन हैं?

14 अदि तुम धरम को लाने दुख भी उठाओ, ते भलो हैं; पर अदमी हुन का डरान से मत डर, अर नी घबराओ,\*

15 पर मसी को प्रभु जान ख अपनो अपनो मन म सुध्द समझो। पर जो कोई तुम से तुमारी आसा को बारा म कई पूछे, ओ ख जवाब देन का लाने हमेसा तैयार रह, पर नम्रता अर डर का संग;

16 अर मन से भी सुध्द रख जो, एकोलाने कि जीन बात हुन का बारा म तुमारी बदनामी होय हैं उनके बारा म वी, जो मसी म तुमारो अच्छो चाल चलन की बेज्जती करह हैं, लज्जित हैं।

17 काहेकि अदि परमेस्वर की यू ही इच्छा हैं कि तुम भलाई करन का लाने दुख उठाओ, ते यू बुराई करन का लाने दुख उठाना से सही हैं।

18 एकोलाने कि मसी न भी, याने अधर्मी हुन को लाने धरमी न, पाप हुन का लाने एक बार दुख उठाओ, काहेकि हम ख परमेस्वर को नजदीक पहुँचाए; उ सरीर का भाव से ते जख्म कियो गयो, पर आत्मा ख भाव से जिलायो गयो।

19 ओ म ही ओ न जा ख बंदी हुई आत्मा हुन ख भी खबर कियो,

20 जिन न उ बीतो बखत म आग्या नी मानी, जब परमेस्वर नूह का दिन हुन म सान्ति रख ख रोको रय्हो, अर उ नाव बना रय्हो हता, जे म बैठ ख थोडा अदमी याने आठ प्रानी पानी को दुवारा बच गया।

21 उही पानी को उदाहरन भी, याने बपतिस्मा, यीसु मसी को जी उठन को दुवारा, अब तुम ख बचाव हैं; ऐ से सरीर को मईल ख दूर करन को मतलब नी हैं, पर भलो विवेक से परमेस्वर को बस म हो जान का मतलब हैं।

22 उ स्वर्ग पर जा ख परमेस्वर कि दाहिनो तरफ बैठ गयो; अर स्वर्ग दूत अर अधिकार अर सक्ति साली ओखा बस म कियो गयो हैं। \*

† 3:7 निर्वाह \* 3:12 भजन 34:12-16; यूहन्ना 9:31; नीति 15:29 ‡ 3:13 उत्तेजित \* 3:14 मत्ती 5:10 \* 3:22 इफिसियों 1:20-21; भजन 110:1

## 4

\*\*\*\*\*

1 एकोलाने जब कि मसी न आग म हो ख दुख उठायो ते तुम भी वही इच्छा को अवजार ख जसो धारण करियो हैं, काहेकि जे न सरीर म दुख उठायो उ पाप\* से छुट गयो हैं,

2 काहेकि आवन वालो (भविष्य) टेमं म अपनो बचो हुओ सारीरिक जिन्दगी अदमी हुन कि लोभ हुन का अनुसार नी पर परमेस्वर कि इच्छा को हिसाब से बिताया कर।

3 काहेकि दुसरी जात हुन कि इच्छा को हिसाब से काम करन, अर लुचपन कि बुरी लोभ हुन, दारू पीवन वालो, लीलाक्रीडा, पियक्कड पन, अर बुरो काम म मूर्ति पूजा म जहाँ लक हम न पहले बखत गँवाया उही ढेर भयो।

4 ऐ से वी गजब करिये हैं कि तुम असो भारी लुचपन म उनको संग नी देव हैं, अर एकोलाने वी बुरो अच्छो कह हैं;

5 पर वी ओ ख जे जिन्दो हुन अर मरो भयो ख न्याव करन ख तैयार हैं, हिसाब दे हे।<sup>☆</sup>

6 काहेकि मरो हुयो ख भी अच्छो समाचार बताव हैं एकोलाने सुनायो गयो कि सरीर † म ते अदमी हुन को हिसाब से उनको न्याव हो, पर आत्मा म वी परमेस्वर को हिसाब से जिन्दो रख हैं।

\*\*\*\*\*

7 सारी बात हुन ख आखरी हे पर होन वालो हैं; एकोलाने गंभीर‡ होय ख विनती का लाने हुसयार रह।<sup>☆</sup>

8 सब म अच्छो बात या हैं कि एक दुसरा से जादा प्रेम रख जो, काहेकि प्रेम हर एक पाप हुन ख छुपा दे हैं।

9 बिना कुडकुडाए एक दुसरा ख पोवनाई सत्कार कर।

10 जे ख जो वरदान मिला हैं, उ ओ ख परमेस्वर को हर एक तरीका को दया का लाने भण्डारी हुन को जसा एक दुसरा कि सेवा म लगे।

11 अदि कोई बोले, ते असो बोल मानो परमेस्वर को वचन आय; अदि कोई सेवा करे, ते ओ ख साक्ति से कर जो परमेस्वर देव हैं; जे से सारी बात हुन म यीसु मसी को द्वारा, परमेस्वर कि महिमा प्रगट होए। बड़ाई अर राज हमेसा को लाने ओको ही आय। आमीन।

\*\*\*\*\*

12 हे प्यारो, जे दुख रूपी आग तुमारी परखन का लाने तुम म भडकी हैं, यी से यू समझ ख अचम्भा नी कर कि कोई अनाखी बात तुम पर पड रक्की हैं।

13 पर जसो जसो मसी को दुः ख हुन म सह भागी होवा हैं, खुसी मनावो, जे से ओकी बड़ाई को प्रगट भयो बखत भी तुम खुसी से अर मगन हो।

14 फिर अदि मसी को नाम को लाने तुमारी बुराई की जाव हैं ते तुम भलो हैं, काहेकि बड़ाई को आत्मा हैं, जो परमेस्वर को आत्मा हैं, तुम पर छाियो करिये हैं।

15 तुम म कोन अदमी मरन वालो अर चोर अर बुरो काम करन वालो, अर परायो काम म हात डालन का कारन दुख मिले, ते बेज्जती नी होए, पर यू बात को लाने परमेस्वर कि महिमा कर।

16 पर अदि मसी होन का कारन दुख मिले, ते लज्जित नी होए, पर यू बात का लाने परमेस्वर कि बड़ाई कर।

17 काहेकि उ बखत आ गयो हैं कि पहले परमेस्वर को घरानो का न्याव कियो जाहे; अर जब कि फैसला का सुरू हम ही से होगो, ते उनको का खत्म होए जो परमेस्वर को अच्छो समाचार ख नी मानत हैं?<sup>☆</sup>

18 अर अदि,

\* 4:1 पाप ☆ 4:5 2 तीसुथियुस 4:1 † 4:6 सरीर ‡ 4:7 संयमी ☆ 4:7 याकूब 5:8; इफिसियो 6:18; नीति 10:12

☆ 4:17 इब्रानियो 12:24-25; यिर्मयाह; 25:29; यहजेकेल 9:6

धर्मी अदमी ही कठिनाई से उद्धार पाएंगे,  
ते भक्तिहीन अर पापी को का जगह?\*

19 काहेकि जो परमेस्वर कि मर्जी को हिसाब से संकट उठाए हैं, वी भलाई करते हुए, अपनो अपनो जान को विस्वास योग्य सृजनहार का हात म दियो गयो हैं।

## 5

~~~~~

1 तुम म जो सियाना हैं, म उन का जसो पुराना अर मसी हुन को दुख हुन ख गवाही अर परगट होन वाली बड़ाई म संग होय ख उन ख यू समझ हैं।

2 कि परमेस्वर उ झुंड करी, जो तुमारो बीच म हैं रख वाली कर; अऊर यू दबाव से नी अदि परमेस्वर कि इच्छा को हिसाब से खुसी से, अऊर नीच कमाई को लाने नी पर मन लगा ख।*

3 जो अदमी हुन तुम ख दियो गयो हैं, उन पर हक नी जताओ, पर *झुंड को लाने चोखो बन।

4 जब प्रधान रख वालो प्ररगट होय, ते तुम ख बड़ाई को मुकुट दियो जाहे ते उ मुरझान को नी।

5 यू ही तीरका अरे जवान हुन, तुम भी सियाना जमाना का अदमी हुन का बस म रहो, पर तुम सारा का सारा एक दुसरा कि सेवा का लाने नम्रता से कमर बाँधी रहो, काहेकि “परमेस्वर घमण्डी हुन को विरोध करह आय, जब कि दया करन वालो पर अपनी दया दिखाव हैं।”

6 एकोलाने परमेस्वर को ताकत वार हात का नीच नम्रता† से रह, जे से उ तुम ख उचित बखत पर उचो करिये।*

7 अपनी पुरी चिन्ता ओ पर ही डाल दे, काहेकि तुमारो ध्यान हैं।

8 होसियार हो, अर जागते रह; काहेकि तुमारो बुरी करन वालो सैतान गर्जन वालो सेर को जसो यू खोज म रह हैं कि कोई ख कब फाड़ खाए।

9 विस्वास म पक्को होय ख, अर यू जान ख ओको संग लड़ाई कर कि तुमारो भई जो दुनिया म हैं असो ही दुख सहन करिये हैं।

10 अदि परमेस्वर जो सारो दया को दाता हैं, जे न तुम ख मसी म अपनी अनन्त बड़ाई का लाने बुलायो हैं, तुमारो थोड़ी देर लक दुख उठान को बाद खुद ही तुम ख सच्चो अर खडो अर ताकत वार करेगो।

11 उही का समराज हमेसा हमेसा रहे। आमीन ‡

~~~~~

12 मी न सिलवानुस को हात, जेना मी विस्वास योग्य भई समझ हैं, छोटो सा म लिख ख तुम ख समझायो हैं, अर यू गवाही दी हैं कि परमेस्वर को सच्चो दया यही आय, यू म खडो रहो।

13 जो बेबीलोन म तुमारो समान चुनो हुआ अदमी आय, उ अर मोरो पोरिया मरकुस तुम ख नमस्कार कह हैं।

14 प्रेम को चुमा से एक दुसरा ख नमस्कार कर।

तुम सब ख, जो मसी म हो, सान्ति मिलती रह।

## पतरस का दुसरा पत्र पतरस की दुसरी चिट्ठी भूमिका

2 पतरस कि चिट्ठी कहव हैं कि याहा प्रेरित पतरस दुवारा लिखो गयो थो, लेकिन आज कई विध्वान येखा सच्ची नी माना। याहा संभव हैं कि कोई ओर न येखा पतरस की अऊर से लिखो हो। लेखक कहव हैं कि वाहा यीसु की जिन्दगी की ओर जरूरी रूप से रुपान्तरन 1:17-18 खुद हतो। अदि पतरस न चिट्ठी लिखी हती, ते संभव हैं कि ओ न ओ ख रोम म मसी को जनम को 65-69 सालो को बीच, मरन से पहलो लिखो हो। पतरस येखा दुसरी चिट्ठी 3:1 भी कहव हैं, जे 1 पतरस की चिट्ठी को बाद लिखन की तारीक रखह हैं। उन न सभी मसी हुन ख चिट्ठी ख संबोधित करियो।

पतरस न या चिट्ठी विस्वासी हुन ख अच्छी जिन्दगी जीवन को लाने प्रोत्साहित करन अऊर झुटा सिक्छक हुन को अनुसरन नी करन की चेतावनी देवन को लाने लिखो थो। 2 ओ न उन्हे उन लोग हुन ख उपेक्छा करन को लाने प्रोत्साहित करियो जो कह रहया हैं कि यीसु ख वापस आवन म बेजा टइम लग रहयो हैं। ऐको बजाय ओ न बतायो कि परमेस्वर धीमो नी आय बल्कि चाहाव हैं कि हर कोई बचायो जाए। 2 पतरस 3:8-9 याहा एक अच्छी जिन्दगी जीवन को एक वजह हैं। 3:14

**रूप रेखा**

1. पतरस अपनो परिचय देवा हैं अऊर अपनो पाठको ख संबोधित करह हैं। 1:1-2
2. फिर वाहा उन ख अच्छी जिन्दगी जीवन की याद दिलावा हैं काहेकि परमेस्वर न हमे सक्छम करियो हैं। 1:3-21
3. ऐको बाद वाहा झुटो सिक्छक हुन को खिलाफ चेतावनी देवा हैं अऊर कहव हैं कि अंत म झुटा सिक्छक हुन को का होगा। 2:1-22
4. ऐको बाद पतरस विस्वासी हुन ख यीसु को दुसरो आगमन की तैयारी को लाने अच्छी जिन्दगी जीवन को लाने प्रोत्साहित करते हुओ समाप्त करह हैं। 3:1-17

**\*\*\*\*\***

1 समोन पतरस कि तरफ से, जो यीसु मसी को दास अर प्रेरित आय, वी अदमी हुन को नाम जीन ख हमारो परमेस्वर अर उध्दार देन वालो यीसु मसी कि धार्मिकता को असो हमारो जसो बेजा किमती विस्वास मिल लो हैं।

2 परमेस्वर कि अर हमारो प्रभु यीसु कि चीन्न को असो दया अर सान्ति तुम म बेजा जादा से बढ़ती जाहे।

**\*\*\*\*\***

3 काहेकि ओकी परमेस्वर सक्ति न सब कई जो जिन्दगी अर भक्ति से नाता\* रखह हैं, हम ख ओकी ही पहचान को दुवारा दियो हैं, जेना हम ख ही महिमा अर सद्गुन को जसो बुलायो हैं।

4 जीन को व्दारा ओ ना हम ख बेजा किमती अर बेजा ही बडो प्रतिगया दियो हैं: काहेकि इनको व्दारा तुम वा सडाहट से छोड ख, जो दुनिया म बुरी लोभ हुन से होय हैं, परमेस्वर व्यवहार को संगी दार हो जा।

5 ऐको लाने तुम सब तरीका को कोसिस कर ख अपनो विस्वास पर सद्गुन, अर सद्गुन पर समझ,

6 अर समझ पर सहन कि सक्ति, अर सहन कि सक्ति, अर धीरज पर भक्ति,

7 अर भक्ति पर भई चारा कि इच्छा पर प्रेम बढ़ते जा।

\* 1:3 सम्बन्ध



8 काहेकि अदि यी बात हुन तुम म अभी रहे अर बढ़ती जाहे, ते तुम ख हमारो प्रभु यीसु मसी कि पहचान म बेकार अर निस्फल नी होन दे हे।

9 काहेकि जे म यी बात हुन नी आय, उ अंधो आये अर धुंधलो देखह हैं, अर अपनो पिछलो पाप हुन धोखा ख सुध्द होन को लाने भूल बैठो हैं।

10 ऐको लाने अरे भई बहिन हुन, अपनो बुलायो जान ख, अर चुन लियो ख जान ख सिधो करन ख अच्छी रिती कोसिस करते जाओ, काहेकि अदि असो करेगों ते सदा<sup>†</sup> को लाने ठोकर नी खाऐगो;

11 यानी यू ही रिती से तुम हमारो प्रभु अर मुक्ति देन वालो यीसु मसी कि आखरी म स्वर्ग राज म बड़ो सम्मान को संग अंदर आन पा हे।

~~~~~

12 एको लाने अगर तुम यी बात हुन मालूम हैं, अर जो सच वचन तुम ख मिल्यो हैं ओ म बनो रह, तेबी मी तुम ख यी बात हुन कि परखन जानन को लाने हमेसा तैयार रहूंगो।

13 मी यू अपनो लाने उचित समझू हैं कि जब तक मी यी डेरा म हूँ, तब लक तुम ख परख-परख ख दिला ख उभारता रहू।

14 एको लाने यू जानू आय कि मोरो डेरा को गिरायो जानो को बखत जल्दी आवनवालो हैं, जसो कि प्रभु यीसु मसी न मो ख पर प्रगट कियो हैं।

15 एको लाने मी असो कोसिस करूंगो कि मोरो कुछ जाने को बाद तुम इन सब बात हुन को हमेसा याद ख सक हैं।

~~~~~

16 काहेकि जब हम न तुम ख अपनो प्रभु यीसु मसी कि सक्ति ख अर आखरी बखत म आन को वारा म बता दियो हतो, ते हुसयार<sup>‡</sup> से गद्दी भई कायनी हुन को अनुकरण नी हतो असो कि हम न खुद ही ख ओखा घमण्ड ख देखो हतो।

17 काहेकि जब ओ न परमेस्वर बाप से सम्मान अर स्तुति मिली हैं अर उ घमण्ड हुन महिमा म से यू आवाज आई, “यू मोरो प्यारो पोरिया आय, जेस मी खुसी हूँ।”

18 तब हम न ओखा संग सुध्द टेकडा पर हते अर स्वर्ग से यही आवाज आती सुनी हैं।

19 हमारो नजदीक जो भविष्य बतान वाला हुन को वचन आय, उ यी घटना हुन से कडक खडो रयो। तुम यू चोक्खो करिये हैं जो यू समझ ख ओ ख पर ध्यान करिये हैं, कि उ एक दिया हैं, जो अन्धियारा जगह म ओ ख बखत लक उजाला दे देव रह हैं जब लक कि दिन नी निकले अर सुबह को तारा तुमारा मन हुन म नी चमक उठे।

20 पर पहलो यू जान ले कि सुध्द सास्र कि कोई भी भविष्य वानी कुई को अपनो ही सलाह धारा को आधार पर पूरो नी होए।

21 काहेकि कुई भी भविष्य वानी अदमी कि इच्छा से कभी नी भई, पर भक्त दास हुन सुध्द आत्मा को व्दारा उभारे जा ख परमेस्वर कि तरफ से बोलते हते।

## 2

~~~~~

1 जेय तरीका से उन अदमी हुन म झूटा भविष्यवक्ता हता, उही तरीका से तुम म भी झूठो सिखान वाला होऐ, जो नास करन वालो पापी को उद्घाटना छिप छिप ख करेगों, अर उ मालिक को जेना उन ख खरीद लियो हैं मना करेगों, अर अपनो खुद ख जल्दी नास म डाल दे हे।

2 बेजा से उन को जसो चुलपन करेगों, जेका लाने सच को रस्ता कि बुराई कि जाहे।[✱]

3 वी लालच का लाने बात हुन गढ ख तुम ख अपनो लालच को लाने बनाएगो, अर जो सजा को हुकुम उन पर पहले ही से हो चुको हैं ओको आवन म कुछ भी देर नी होए, अर उनको नास निकल* नी।

4 काहेकि जब परमेस्वर न उन स्वर्ग दूत हुन ख जीन न पाप करियो नी छोड़ो, पर नरक म भेज ख अन्धेरा का गडडा हुन म डाल दियो जाहे काहे कि न्याव को दिन तक बन्दी रहे;

5 अर पुरानो जमाना को दुनिया को भी नी छोड़ो असो कि भक्तिहीन दुनिया पर विसाल पानी प्रलय भेजो, पर धरम को खबर बतान वालो नूह अर सब मिल ख आठ अदमी हुन ख बचा लियो;*

6 अर सदोम अर अमोरा को नगर हुन म नास को असो सजा दियो कि उन ख खत्म† ख राख म मिला दियो काहेकि वी आन वालो भक्तिहीन अदमी हुन ख सिखान को लाने एक उदाहरन बन।*

7 काहेकि उ धर्मी लूत उनको बीच म रहते घड़ी अर उनको अधर्म ख काम हुन ख देख देख ख अर सुन सुन ख, हर रोज अपनो मन ख दुखी करत रा।*

8 काहेकि उ धर्मी उन ख बीच म रहते हुए अर उनको पापी काम हुन ख देख देख ख अर सुन सुन ख, हर दिन अपनो सच्चो मन को दुखित करह हैं।

9 ते प्रभु भक्त हुन ख परिक्रछा म से निकाल लेनू अऊर अधर्मी हुन ख न्याव को दिन लक दण्ड कि आस्था म रखनो भी जानह हैं,

10 खास कर ख उन ख जो असुध्द लालाच हुन को पीछे सरीर को हिसाब से चल भी अर प्रभुता ख बेकार जानह हैं।

वी दीठ, अर कड़कड़ हैं, अर ऊँचो जगह वालो ख बुरो अच्छो बोलन से नी डरह हैं,

11 तेभी स्वर्ग दूत जो सक्ति अर सामर्थ म उन से बड़ो हैं, प्रभु को सामने उन ख बुरो अच्छो कह ख दोस नी लगा वा।

12 पर यी अदमी खाली दिमाक जानवर हुन को जसो हैं, जो पकड़ो जान अर नास होन को लाने पैदा भयो हैं; अर जीन बात हुन ख जानह भी नी उन ख बारा म दूसरा ख बुरो चोखो कह हैं, वी अपनी सड़ाहट म खुद ही सड़ जाहे।

13 दुसरा को नुकसान करन का बदला म ही उन को ही बुरो होए उन ख दिन दोपहर अधर्म करनु भलो लगह हैं। यू कलंक अर दोस आय; जब वी तुमारो संग खावा अर पीवा हैं, ते अपनी ओर से प्रेम खानो कर ख भोग विलास करिये हैं।

14 उनकी आँखी हुन म बुरो काम ही दिखह हैं ‡ भरो भयो हैं, अर वी पाप करिया बिना भी रूक नी सका हैं; वी छिनाला वाला हुन ख काना फुसी कर लेव हैं। उनका मन को लोभ करन को लाने अभ्यास हो गयो हैं; वी वारिस कि वारिस आय।

15 वी सीधा रस्ता ख छोड़ ख भटक गयो हैं, अर बओर को पोरिया बिलास को रस्ता पर ही लाने हैं, जीन ख अधर्म कि मजदूरी ख प्यारो जानह हैं;*

16 पर ओखा पाप का बारा म उलाहना दियो गयो, यहाँ लक कि अबोल गदही ने अदमी कि कह से ओ ख भविस्यव्दक्ता ख ओखा पागलपन से रोक।*

17 यू अदमी सूखा कुवा, अऊर तूफान ख उड़ाए भयो बदल आया; उन को लाने आखरी अन्धकार रखो गयो हैं।

18 वी बेकार घमण्ड कि बात हुन कर ख लुचपन को काम हुन ख ब्दारा, उन अदमी हुन ख सारीरिक सुभाव म फँसा लेवह हैं जो भटको भयो म से अभी निकल ही रह हैं।

19 वी उन ख आजाद करन को वादा हुन ते करिये हैं, पर खुद ही विनास को दास आयु; काहेकि जो अदमी जे ख हार गयो हैं, उ ओको दास बन जावा हैं।

* 2:3 ऊँचता † 2:5 उत्पत्ति 6:5-8; 7:23 ‡ 2:6 भस्सा * 2:6 यहोसू 1:7; उत्पत्ति 19:24 * 2:7 उत्पत्ति 19:12-13-15 ‡ 2:14 व्यभिचार * 2:15 गिनती 22:5-7 * 2:16 गिनती 22:26-31

20 जब वी प्रभु अर उध्दार देन वालो यीसु मसी कि पहचान को व्दारा दुनिया कि हर एक तरीका कि असुध्द हुन से बच निकल, अर फिर ओ म फँस ख हार गयो, ते ओकी पीछली हालत पहली से भी बुरी हो गई हैं।

21 काहेकि धर्म को रस्ता को नी जाने ही ओखा लाने असो से चोक्खो होवा हैं कि ओ ख जान ख, उ सुध्द आदेस से फिर जाते जो उन ख दियो गई हती।

22 उन पर यू कहलावा सच्ची बैठ हैं, कि कुत्ता अपनी छाँट कि तरफ अर नहलाई भई सूअरनी कीचड़ म लोडने को लाने फिर चली जावा हैं।*

3

~~~~~

1 अरे प्यारो भई हुन, अब मी तुम ख यू दुसरी चिट्ठी लिखू हैं, अर दोई म परख दिला ख तुमारो सुध्द मन ख उभार हैं,

2 कि तुम उन ख बात हुन ख जो सुध्द \* भविष्य द्वक्ता हुन न पहलो से कही हैं, अर प्रभु अऊर उध्दार देन वालो वा असो आदेस ख याद कर जो तुमारो प्रेरित को व्दारा दी गई हती।

3 पहलो यू जान ले कि आखरी दिन हुन म हँसी ठट्ठा करन वालो आएँगो जो अपनी ही इक्छा हुन को हिसाब से चलेगो

4 अर बोलेगो, “ओखा आवन कि वादा कही भई हती? काहेकि जब से पुराना बुजुर्ग मर गया आय, सब कुछ असो ही आय जसो दुनिया को पहले ही से हतो?”

5 वी ते जान बूझ ख यू भूल गयो कि परमेस्वर को वचन को व्दारा आकास पुरानो जमाना से विघमान हैं अर जमीन भी पानी म से बनी अर पानी म खड़ी हैं\*,

6 ऐको को लाने उ जमाना का दुनिया पानी म डूब ख नास हो गयो।\*

7 पर आज को जमाना का आकास अर जमीन उही वचन को व्दारा ऐकोलाने रखो गयो हैं कि जलाए जाहे; अर यी भक्तिहीन अदमी हुन को न्याव† नास होन का दिन लक असो ही रखो रहगो।

8 अरे प्यारो हुन, यू बात तुम से छुपी नी रह कि प्रभु को यहाँ एक दिन हजार साल को बराबर आय, अर हजार साल एक दिन को बराबर हैं\*।

9 प्रभु अपनी वादा को बारा म देर नी करिये, जसो देर कुछ अदमी समझ हैं; पर तुमारो बारा म धीरज रखह हैं, अर नी चाह हैं कि कई नास होए, यानी यू कि सब को मन फिराव को मऊका‡ मिलह हैं।\*

10 पर प्रभु को दिन चोर को समान आ जाहे, उ बखत दिन आकास बड़ी हड़हड़ाहट कि आवाज से रह जाहे रहे अर जल्दी § सब ही गरम होय ख पिघल जावह हैं। अर जमीन अर ओ पर का काम हुन अर ग्यान सब खतम होयगो।\*

11 काहे कि यू सब चीज हुन से पिघलन वाली हैं, ते तुम ख सुध्द चाल चलन अर भक्ति म कसो अदमी होनू चहिए,

12 अर परमेस्वर को उ दिन कि रस्ता कोई रिती से देखनो चावह हैं अर ओको जल्दी आन का लाने कसो प्रयास करनू चहिए, जेको लाने आकास म आगी से पिघल जावा हैं, अर आकास को मेन ग्यान जादा ही गरम होय ख पानी जाएगो।\*

13 लेकिन प्रतिग्या को लाने हम ख नयो आकास अर नयो जमीन कि आस देख हैं जीन म धार्मिकता रख करे।\*

~~~~~

* 2:22 नीति 26:11 * 3:2 सुध्द * 3:5 उत्पति 1:6-9 * 3:6 उत्पति 7:11-21 † 3:7 न्याय * 3:8 भजन 90:4 ‡ 3:9 अवसर * 3:9 इब्रानियो § 3:10 तत्व * 3:10 मत्ती 24:43; लूका 12:39; 1 थिस्सलुनीकियो 5:2; प्रकासितवाक्य 16:15 * 3:12 यसायाह 34:4 * 3:13 यसायाह 60:21; 65:17; 66:22; प्रकासितवाक्य 21:1-21

14 एको लाने, अरे प्यारो हुन, जब कि तुम यी बात हुन कि आस देखह हैं, कि ते प्रयास कर कि तुम सान्ति से ओखा सामने बेदाग हैं अर बेगुना रह,

15 अर हमारो प्रभु को सान्ति को मुक्ति समझा हैं, जसो हमारो प्यारो* भई पोलुस न भी उ समझ ख अनुसार जो ओ ख मिलो हैं, तो ख भी लिखो हैं।

16 वसो ही ओ न अपनी सब चिट्ठी हुन म भी यी बात हुन कि खबर हुन कि आय, जे म कई बात हुन असो हैं कि जीनको समझनो कठिन हैं, अर अनपढ़ अर छिछोरा अदमी हुन उनका मतलब हुन ख भी सुध्द साझ कि दुसरी बात हुन को जसो खीच तान ख अपनो ही नास को लाने बनावे हैं।

17 एकोलाने अरे प्यारो हुन, तुम अदमी हुन पहले ही से यी ख जान ख हुसयार रह, काहे कि अधर्मी हुन ख भ्रम म फँस ख अपनी मजबूती ख कही हात से घूमा नी दे।

18 पर हमारो प्रभु अर मुक्ति देन वालो यीसु मसी को दया अर पहचान म बढ़ते जा। ओ कि ही महिमा अब भी हो, अर हमेसा लक होती रय्हे। आमीन।

* 3:15 प्रियो

यूहन्ना का पहला पत्र यूहन्ना की पहली चिट्ठी भूमिका

यूहन्ना कि चिट्ठी प्रेरित यूहन्ना द्वारा मसी को जनम को 50 से 100 सालो को बीच लिखो गयो थो। यूहन्ना खुद को लेखक को रूप म नी पहचानता हैं, लेकिन पहलो अध्याय दिखावा हैं कि वाहा यीसु कि जिन्दगी अऊर फिर से जिन्दो होनू एक देखन वालो गवाह हैं। 1:1-3 1 यूहन्ना म लिखन सैली भी यूहन्ना को अनुसार अच्छो सुसमाचार म मिली लिखन सैली से काफी मिलती-जुलती आय। असो मानो जावा हैं कि यूहन्ना न इफिसुस म रहतो हुओ यूहन्ना अऊर तीन अक्छर हुन 1यूहन्ना, 2 यूहन्ना, अऊर 3 यूहन्ना को अनुसार अच्छो समाचार लिखो थो।

यूहन्ना न याहा चिट्ठी सभी मसी हुन ख असो बखत म लिखो थो जब कलीसिया ख सास्री हुन नाम को एक समूह से परेसानी होवत रह। इन लोगो को माननो थो कि यीसु पुरी तरह से ईस्वर थो लेकिन जमीन पर रहतो हुओ वाहा वास्तव म मांस अऊर खून को सरीर वालो इंसान नी थे। यू वजे से यूहन्ना यीसु की जिन्दगी को जिन्दो होन को बारा म लिखा हैं अऊर याहा कि ओको अपनो हात हुन न यीसु ख छूआ। 1:1-3 या चिट्ठी ख लिखन म यूहन्ना को उददेस ओको आनन्द ख पुरो करनो थो, 1यूहन्ना 1:4 भरोसा करन वाला हुन ख पाप करन से रोखनू, 1 यूहन्ना 2:1 विस्वासी हुन ख झूठी सिक्छा से बचानु, 1यूहन्ना 2:26 अऊर पाप करनो से विस्वासी हुन को लाने वी बचाय गया हैं। 5:13

रूप रेखा:

1. यूहन्ना अपनी चिट्ठी को बारे म बतावा हैं (परिचय) अऊर ओ ख लिखन को एक उद्देश देवा हैं। 1:1-4
2. फिर वाहा बतावा हैं कि परमेस्वर कसो उजाला आय अऊर हम ख यीसु को जसो जीनो चहिए। 1:5—3:10
3. ऐको बाद वाहा हम ख एक दुसरो से प्यार करन को हुकुम को याद दिलावा हैं। 3:11—5:12
4. वाहा म अपनी चिट्ठी को समापन करह हैं। 5:13-21

~~~~~

<sup>1</sup> उ जिन्दगी को वचन को बारे म जो पहिले से हतो, जेसे हम न सुन्यो, अर जेय ख अपनी आँख हुन से देख, पर जेसे हम न याद से देखो अर हात हुन से छुवो

<sup>2</sup> यी जिन्दगी प्ररगत भयो, अर हम न ओ ख देखो, अर ओकी गवाह देवा हैं, अर तुम ख उ हमेसा\* को जीवन को समाचार देवा हैं जो बाप को संग हतो अर हम पर प्ररगत भयो

<sup>3</sup> जे कुछ हम न देखो अर सुन्यो हैं ओको समाचार तुम ख भी देवा हैं, एकोलाने कि तुम भी हमारो संग सहभागिता बाप को संग अर ओको पोरिया† प्रभु यीसु मसी को संग आय।

<sup>4</sup> अर यू बात हुन हम एकोलाने लिखह हैं कि हमारो खुसी पूरी हो जाहे।

~~~~~

⁵ जे अच्छो समाचार हम न ओ से सुन्यो अर तुम ख सुनवा हैं, उ यू आय कि परमेस्वर उजालो आय अर ओ म कुछ भी अंधाला नी हैं।

⁶ अगर हम कह हैं कि ओखा संग हमारी सहभागिता हैं अर फिर अंधेला म चल, ते हम झूठो आय अर सच पर नी चल हैं;*

* 1:2 अनन्त † 1:3 पोरया ✧ 1:6 यूहन्ना 3:21

7 पर यदि जसो उ उजाला म हैं, वसो ही हम ख भी उजाला म चले, ते एक दूसरा से सहभागी हैं, अर ओखा पोरिया यीसु को खून हम ख सब पाप हुन से सुध करिये हैं।*

8 यदि हम कह हैं कि हम म कुछ भी पाप नी, ते अपनो तुम ख धोखा देवा हैं, अर हम म सच नी।

9 अदि हम ख अपनो अधर्म हुन ख मान लेवा, परमेस्वर हमारो पाप हुन ख माप करन अर हम ख सब बुरी से सुध करन म विस्वास लायक अर धर्मी हैं।*

10 अगर हम कह हैं कि हम न पाप नी करियो हैं, ते परमेस्वर झूठो ठहरावा हैं, अर ओको वचन हम म नी हैं।

2

??? ????? ??? ??? ???

1 अरे मोरो पोरिया हुन, मी यी बात हुन तुम ख एकोलाने लिखू हैं कि तुम पाप नी करा; अऊर अदि कोई पाप करा, ते बाप* को नजीक हमारो एक मदत करन वालो हैं† याने धर्मी यीसु मसी हैं;

2 अर उही हमारो पाप हुन को छुमा करह हैं, अर अकेलो हमारो ही नी याने सारो दुनिया को पाप हुन ख भी।

3 अदि हम परमेस्वर को आदेस हुन ख मानेगो, ते ऐ से हम जान सका हैं कि हम ओ ख जान गया हैं।

4 जे कोई यी कह हैं, “मी न ओ ख जान गया हैं,” अर ओकी आदेस हुन ख नी माना हैं, उ झूठो हैं अर ओ म सच नी हैं;

5 पर जे कोई ओखा वचन पर चले, ओ म सच म परमेस्वर को प्रेम सच भयो हैं। यी से हम ख जान गया हैं

6 “जे कोई यी कह हैं कि मी न ओ म बनो रहू हैं,” कि यू जरूरी हैं कि खुद‡ असो ही चले जसो यीसु मसी चलह हैं।

?? ?? ????? ???

7 अरे प्यारो दोस्त, मी तुम ख कोई नई आदेस नी लिखू हैं। पर वा ही आदेस जो सुरू से तुम ख मिली हैं; यी पुरानी आदेस उ वचन हैं जे ख तुम न सुन्यो हैं।

8 फिर भी मी न तुम ख नई आदेस लिखू हैं, अऊर यी ओ म अर तुम म सच्चो मसी रखह हैं; काहेकि अधेला मिटावा जाव हैं अर सच्चो को उजाला अब जीगन लगी हैं।*

9 जो कोई यहा कवह हैं कि मी उजाला म हूँ अर अपनो भई अर बहिन से बुराई रखह हैं, उ ही अब लक अधेला ही म आय।

10 जेय कोई अपनो भई अर बहिन से प्रेम रखह हैं, उ ही उजाला म रखह हैं, अऊर टोकर नी खा सका हैं।

11 पर जो कोई अपनो भई से बुराई ख हैं उ अधेला म हैं अर अधेला म चलह हैं, अर नी जानह हैं कि कय्हा जावा हैं, काहेकि अधेला नी ओकी आँख हुन अधी कर दी हैं।

12 अरे पोरिया हुन, मी तुम ख एकोलाने लिखू हैं कि यीसु मसी को नाम से तुमारो पाप माप भयो हैं।*

13 अरे बाप, § मी तुम ख एकोलाने लिखू हैं कि जो सुरू से हैं तुम ओ ख जानह हैं। अरे जवान हुन, मी तुम ख एकोलाने लिखू हैं कि तुम न ओ ख दुस्ट पर जीत मिली हैं। अरे पोरिया हुन, मी न तुम ख एकोलाने लिखो हैं कि तुम बाप ख जान गयो हैं।

* 1:7 यसायाह 2:5 * 1:9 भजन 32:5; नीति 28:13 * 2:1 पिता † 2:1 सहायक ‡ 2:6 तुम § 2:8 रोमियो 13:12 * 2:12 भजन 25:11 § 2:13 पितरो

14 अरे बापदादा जो, मी न तुम ख एकोलाने लिखो हैं कि जो सुरू से हैं तुम ओ ख जान गयो हैं। अरे जवान हुन, मी न तुम ख एकोलाने लिखो हैं कि तुम ताकत वर हो, अर परमेस्वर को वचन तुम म बनो रवह हैं, अर तुम न ओ ख दुस्ट पर जीत मिली हैं।

~~~~~

15 तुम नी ते दुनिया से अर नी दुनिया म कि चीज हुन से प्रेम रख। अदि कोई दुनिया से प्यार रखह हैं, ते ओ म बाप को प्यार नी हैं।

16 काहे कि जे कुछ दुनिया म हैं, याने सरीर कि लालच अर आँखी हुन की लालच अर धन संपत्ति को घमण्ड, उ महान बाप कि तरफ से नी पर दुनिया ही कि तरफ से हैं।\*

17 दुनिया अर ओ कि लालच दोई खत्म हो जावा हैं, पर जो परमेस्वर कि मर्जी पर चलह हैं उ हमेसा बनो रहेगो।\*

~~~~~

18 अरे पोरिया हुन, यू आखरी बखत हैं; अऊर जसो तुम न सुन्यो हैं, कि मसी को दुसमन आनवालो आय ओखा हिंसा से अब भी बेजा से मसी दुसमन उठ खड़ा भयो हैं; ऐ म हम जानह हैं कि यी आखरी बखत हैं।

19 वी निकला ते पर हम ही म से, पर हम म का हता नी; काहे कि अदि वी हम म का होए हैं, ते हमारो संग रवह; पर निकल एकोलाने गया कि यू प्ररगट हो कि वी सब हम म का नी हैं।

20 पर तुमारो ते उ सुध्द से अभिसेक भयो हैं, अर तुम सब कुछ जानह हैं।

21 मी न तुम ख एकोलाने नी लिखो हैं कि तुम सच ख नी जानह हैं, लेकिन एकोलाने कि ओ ख जानह हैं, अर एकोलाने कि कोई झूठ, सच कि तरफ से नी हैं।

22 झूठो कोन आय? अकेलो उ जो यीसु कि मसी होन से मना करिये हैं; अर मसी को दुसमन उही आय, जो बाप को अर पोरिया ख मना करियो हैं।

23 जे कोई पोरिया ख मना करियो हैं ओखा नजीक बाप भी नी: जे पोरिया ख मान लेवा हैं, ओखा नजीक बाप भी हैं।

24 जे कोई तुम न सुरू से सुन्यो हैं, उही तुम म बनो रव्हें; जे तुम न सुरू से सुन्यो हैं, अदि उ तुम म बनो रव्हें ते तुम भी पोरिया म अर बाप म बने रहे।

25 अर जे कि ओ न हम से वादा करियो हैं उ आखरी जिन्दगी हैं।

26 मी न यी बात तुम ख उन को बारे म लिखी हैं, जे तुम ख भरमान की कोसिस मे रहते हैं;

27 पर तुमारो उ अभिसेक जे मसी कि ओर से कियो गयो, तुम म बनो रवह हैं; अर तुम ख ओको प्रयोजन नी कि कोई तुम ख सिखावा हैं, कि जसो उ अभिसेक जे ओकी तरफ से कियो गयो तुम ख पूरी बात हुन सिखाव हैं, अर यू कि सच्चो हैं अर झूटा नी हैं; अर जसा ओ न तुम ख सिखायो हैं वसो ही तुम ओ म बनो रवह हैं।

~~~~~

28 अब अरे पोरिया हुन, ओ म बनो रव्हें कि जब उ प्ररगट होव ते हम ख हिंमत होए, अर हम ख ओ कि आवन पर ओखा सामने समिदा नी हो।

29 अदि तुम जान हैं, कि उ सच्चो हैं, ते यू भी जान लो कि जो कोई धर्म को काम करिये हैं उ ओ से उत्पन्न भयो हैं।

### 3

~~~~~

1 देख, बाप हम से कसो प्रेम कियो हैं कि हम परमेस्वर कि वारिस कहलावा हैं; अर हम हैं भी। एको लाने दुनिया हम ख नी जानह हैं, काहेकि ओ न ओ ख भी नी जानो।

2 अरे प्यारो दोस्त, अब हम परमेस्वर को वारिस आय, अर अभी लक यी प्ररगट नी भयो कि हम ख कुछ होए हैं! इत्तो जानह हैं कि जब यीसु मसी प्ररगट होए ते हम ओखा जसो होए, काहे कि ओ ख वसो ही देखे जसा उ हैं।

3 अर जे कोई ओ मसी पर आसा रखह हैं, उ अपनो तुम ख वसो ही सुध्द करिये हैं जसो उ सुध्द हैं।

4 जे कोई पाप करिया हैं, उ नेम को खिलाप करिया हैं; अर पाप ते नेम को खिलाप हैं।

5 तुम जानह हैं कि यीसु मसी एकोलाने प्ररगट भयो हैं कि पाप हुन ख हर ले जाहे; अर ओको स्वभाव म ही पाप नी हैं।

6 जे कोई मसी बना रखह हैं, उ पाप नी करिये: जे कोई पाप करिया हैं, ओ न नी ते ओ म देखह हैं अर नी ओ ख जानह हैं।*

7 अरे पोरिया हुन, कुई का भरमा म नी आनो। जे धरम को काम करिये हैं, उही मसी को जसो धर्मी आय।

8 जे कोई पाप करिये हैं उही सैतान कि तरफ से आय, काहेकि सैतान सुरू ही से पाप करते आयो हैं। परमेस्वर को पोरिया एकोलाने प्ररगट भयो हैं कि सैतान को काम हुन ख नास करन आयो।

9 जे कोई परमेस्वर से भयो हैं उ पाप नी करिये हैं; काहे कि ओको बीज ओ म बनो रखह हैं, अर उ पाप कर ही नी सका काहे कि परमेस्वर से भयो* हैं।

10 ऐ म ही परमेस्वर को वारिस अर सैतान को वारिस पहिचानो जावा हैं; जे कोई धरम को काम नी करिये हैं उ परमेस्वर से नी, अऊर नी उ जे अपनो भई से प्रेम नी रख हैं।

२२ २२२२२ २२ २२२२२ २२२

11 काहे कि जो समाचार तुम न सुरू से सुन्यो, उ यू हैं कि हम एक दूसरा से प्रेम रख;

12 अर कैन को जसो नी बनो जो उ बुराई से हतो, अर जे न अपनो भई ख मार दियो। यी कारन कि ओखा काम बुरा हता, अर ओखा भई ख काम धर्म का हता।*

13 अरे भई हुन, अदि दुनिया तुम से बुराई करिये हैं ते सुरू नी करनु।*

14 हम जान हैं कि हम मऊत से पार हो ख जिन्दगी म पहुँचा हैं; काहेकि हम भई हुन से प्रेम रखह हैं। जे प्रेम नी रख हैं उ मऊत कि स्थिति म रखह हैं।

15 जे कोई अपनो भई से बुराई रख हैं, उ हत्यारो आय; अर तुम जानह हैं कि कई हत्यारा म ही हमेसा की जिन्दगी नी रखह हैं।

16 हम न प्रेम यी से जानो कि मसी हमारो लाने अपनो जिन्दगी दे दियो अऊर हम ख भी भई हुन को लाने जिन्दगी देनू चाय्हे।

17 पर जे न कुई का नजीक दुनिया कि धन संपत्ति हो ख अर उ अपनो भई ख कंगाल ख देखकर ओ पर दया खानो नी चाहव हैं, ते ओ म परमेस्वर को प्यार म कसो बनो रह सका हैं?*

18 अरे पोरिया हुन, हम वचन अर जीभ ही से नी, पर काम अर सच को दुवारा भी प्यार करा हैं।

२२२२२२२ २२ २२२२२ २२२२२

19 ऐ म से हम जानहे कि हम सच का हैं; अर जे न बात म हमारो मन हम ख दोस देगो, परमेस्वर को बारे म हम ओखा सामने अपनो अपनो मन ख हिम्मत दे सका हैं;

20 अरे दोस्त हुन, अदि हमारो मन हम दोस नी दे, ते हम ख परमेस्वर को सामने बडो होए हैं;

21 अरे प्यारो दोस्त, अदि हमारो मन हम ख दोस नी दे, ते हम ख परमेस्वर को सामने हिम्मत होवा हैं।

22 ओ कि आदेस यू हैं कि हम ओखा पोरिया यीसु मसी को नाम पर विस्वास करा, अर जसो ओ न हम ख आदेस दी हैं ओखा हिसाब से आपस म प्यार रखा हैं।

* 3:6 रोमियो 6:14 * 3:9 जन्मा * 3:12 भजन 38:20 * 3:13 मत्ती 5:11; यूहन्ना 18:19 * 3:17 व्यवस्था 15:7-8

23 ओको आदेस यू हैं हम ओखा पोरिया यीसु मसी को नाम पर विस्वास करा, अर जसो ओ न हम ख आदेस दियो आय ओको ही हिसाब से आपस म प्रेम रखजे।

24 जे परमेस्वर आदेस हुन ख मानह हैं, उ ओ म अर उ उन म बनो रवह हैं: अर यी से, याने उ आत्मा से जे ओ न हम ख दियो हैं, हम जानह हैं कि परमेस्वर हम म बनो रवह हैं।

4

????? ??? ? ???

1 अरे प्यारो दोस्त, हर एक कि विस्वास नी करह, यानी आत्मा हुन ख परख कि वी परमेस्वर कि तरफ से आय कि नी; काहेकि बेजा से झूटा भविष्यवक्ता हुन दुनिया म निकल खड़े भयो हैं।

2 परमेस्वर को आत्मा तुम यी रीति से पहिचान सक आय: जे आत्मा मान लेवा हैं कि यीसु मसी सरीर म हो ख आयो हैं उ परमेस्वर कि तरफ से आय,

3 अर जे आत्मा यीसु को नी मानह हैं, उ परमेस्वर कि तरफ से नी; अर उही ते मसी को दुसमन को आत्मा आय, जे को बारा म तुम सुन चुक्या हैं कि उ आवन वालो हैं, अर अब भी दुनिया म हैं।

4 अरे पोरिया हुन, तुम परमेस्वर का आय, अर तुम न उन पर जीत मिली हैं; काहेकि जो तुम म हैं उ ओ से जो दुनिया म आय, बडो हैं।*

5 वी संसार का आय, यू ही कारन वी दुनिया कि बात हुन बोलह हैं, अर दुनिया उनकी सुनह हैं।

6 हम परमेस्वर का आय। जो परमेस्वर ख जान हैं, उ हमरी सुनह हैं; जो परमेस्वर ख नी जानह हैं उ हमरी नी सुनह हैं। यू वजह से हम सच कि आत्मा अऊर भरमान कि आत्मा ख पहिचान लेव हैं।

????????? ????? ??

7 अरे भई हुन, हम आपस म प्यार रख; काहेकि प्यार परमेस्वर से हैं। जो कुई प्रेम करिये हैं, उ परमेस्वर से भयो हैं अर परमेस्वर ख जान हैं।

8 जो प्यार नी रख हैं उ परमेस्वर ख नी जान हैं, काहेकि परमेस्वर प्यार आय।

9 जो प्यार परमेस्वर हम से रखा हैं, उ यी कारन से प्रगट भयो हैं कि परमेस्वर न अपनो एकलोटो पोरिया ख दुनिया म भेजो आय कि हम ओखा वजह से ज़िन्दगी मिले।

10 सच्चो प्रेम ऐ म नी कि हम न परमेस्वर से प्यार कियो, पर ऐ म हैं कि ओ न हम से प्यार कियो अर हमारो पाप हुन ख छमा को लाने अपनो पोरिया ख भेजो आय।

11 अरे भई हुन, जब परमेस्वर न हम से असो प्यार कियो, ते हम ख भी आपस म प्यार रखनू जरूरी आय।*

12 परमेस्वर ख कभी कोई न नी देख्यो आय; अदि हम आपस म प्यार रखे, ते परमेस्वर हम म बनो रवह हैं अर ओको प्यार हम म सच्चो हो गयो हैं।

13 यी कारन से हम जानह हैं कि हम परमेस्वर म बना रवह हैं, अर उ हम म; काहेकि ओ न अपनो आत्मा म से हम सब ख दियो हैं।

14 हम न देखो भी लियो अऊर गवाही देवा हैं कि बाप न पोरिया ख दुनिया को उध्दार कर्ता कर ख भेजो हैं।

15 जो कोई यी मान लेवा हैं कि यीसु परमेस्वर को पोरिया आय, परमेस्वर ओ म बनो रवह हैं, अर उ परमेस्वर म।

16 अऊर जो प्यार परमेस्वर हम से रखो आय, ओ ख हम जान गयो अर हमे ओको विस्वास आय। परमेस्वर प्रेम हैं, अर जो प्यार म बनो रवह हैं उ परमेस्वर म बनो रवह हैं, अर परमेस्वर ओ म बनो रवह हैं।

17 यी से प्रेम हम म सच्चो भयो हैं कि हम ख न्याव को दिन हिम्मत हो; काहेकि जसो मसी आय वसो ही दुनिया म हम भी हैं।

18 प्यार म डर नी होव हैं; पर सच्चो प्यार डर ख दूर करा देवा हैं; काहेकि डर को सम्बन्ध दण्ड से होए हैं; अर जो डर करू हैं उ प्रेम म सच्चो नी भयो।

19 हम एकोलाने प्यार करिये हैं; कि पहले ओ न हम से प्यार कियो।

20 अदि कुई कहे, “मी परमेस्वर से प्यार रख हूँ,” अर अपनो भई से बुराई रखे ते उ झूठो आय; काहेकि जो अपनो भई से जेना ओ न देखो हैं प्यार नी रखा, ते उ परमेस्वर से भी जे न ओ न नी देखो प्यार नी रख सका।

21 मसी से हम ख यू आदेस मिल्यो आय, कि जो कुई परमेस्वर से प्यार रखह हैं उ अपनो भई से भी प्यार रखहे।

5

~~~~~

1 जे को यू विस्वास आय कि यीसु ही मसी आय, उ परमेस्वर से पैदा भयो हैं अऊर जो कुई होन से प्यार रख हैं, उ ओ से भी प्यार रख हैं, जो ओ से भयो हैं।\*

2 जब हम परमेस्वर से प्यार रख हैं, अर ओ कि आदेस हुन ख मान हैं, ते यी से हम यू जान लेव हैं, कि हम परमेस्वर कि वारिस हुन से प्यार रख हैं।

3 काहे कि परमेस्वर को प्रेम यू आय कि हम ओ कि आदेस हुन ख मान हैं; अर ओ कि आदेस बोझ दायक नी आय।\*

4 काहेकि जे कुई परमेस्वर से उत्पन्न भयो हैं, उ दुनिया पर जीत प्राप्त करिये हैं; अर उ जीत जे से दुनिया को ऊपर जीत मिल होवा हैं उ हमारो विस्वास हैं।

5 दुनिया पर जीत पावन वालो कोन आय? अकलो उ ही जे को यू विस्वास हैं कि यीसु, परमेस्वर को पोरिया आय।

~~~~~

6 यू ही आय जो पानी अर खून को दुवारा आयो हतो, याने यीसु मसी: उ नी पर पानी को दुवारा याने पानी अर खून दोई हुन ख दुवारा आयो हतो। अर यू आत्मा आय जे गवाह देवा हैं, काहेकि आत्मा सच आय।

7 अर जो गवाह देवन वालो आय, वी तीन गवाह आय।

8 गवाह देवन वाला तीन आय, आत्मा, अर पानी, अर खून; अर तीन हुन एक ही बात पर सहमत हैं।

9 जब हम अदमी हुन कि गवाई मान लेव हैं, ते परमेस्वर कि गवाही ते ओसे बढ ख आय यू आय कि ओ न अपनो पोरिया को बारा म गवाई दी हैं।

10 जो परमेस्वर को पोरिया पर विस्वास करिये हैं उ अपनो मन म गवाई रख हैं। जे न परमेस्वर पर विस्वास नी कियो ओ न ओ ख झूठो ठहर हैं, काहे कि ओ न ओ से गवाई पर विस्वास नी कियो जो परमेस्वर न अपनो पोरिया को बारा म दियो हैं।

~~~~~

11 अर उ गवाई यू है कि परमेस्वर न हम ख आखरी जिन्दगी दियो हैं, अर यू जिन्दगी ओको पोरिया म आय।

12 जे को नजीक पोरिया आय, ओको नजीक जिन्दगी हैं; अर जे का नजीक परमेस्वर को पोरिया नी हैं, ओखा नजीक जिन्दगी भी नी हैं।

~~~~~

13 मी न तुम ख, जो परमेस्वर को पोरिया को नाम पर विस्वास करिये हैं, एकोलाने लिखो हैं कि तुम जाने कि हमेसा जिन्दगी तुमारी हैं।

14 अर हम ख उ परमेस्वर ओको सामने जो हिम्मत होवा हैं, उ यू आय; कि यदि हम ख ओ कि मजी को अनुसार कुछ मांगे हैं, ते उ हमारी सुना हैं।

15 जब हम जानह हैं कि जे कुछ हम माँगह हैं उ हमारी सुनह हैं, ते यी भी जानह हैं कि जो कुछ हम न ओ से माँगो, उ पायो हैं।

16 यदि कोई अपनो भई ख असो पाप करते देखे जे को नतिजा मरनो नी होए, जिन्दगी देगो। पाप असो भी होव हैं जे को नतिजा मरनो हैं; ऐको बारा म मी विनती करन का लाने नी कह हैं।

17 पूरो तरीका को अधर्म ते पाप हैं, परन्तु असो पाप भी आय जे को नतिजा मरनो नी हैं।

18 हम जान हैं, कि जे कुई परमेस्वर से भयो हैं, उ पाप नी करा; पर जो परमेस्वर से भयो हैं, ओ ख उ बचायो रखा हैं, अर उ बुराई ओ ख छून नी सका।

19 हम जान हैं कि हम परमेस्वर से आय, अर पूरो दुनिया ओ ख बुराई को बस म गिरो रवह हैं।

☆

20 हम यी भी जान हैं कि परमेस्वर को पोरिया आ गयो हैं अर ओ न हम ख समझ दियो हैं कि हम ओ ख सच्चो को पहिचान; अर हम ओ म जे सच्चो आय, याने ओखा पोरिया यीसु मसी म रवह हैं। सच्चो परमेस्वर अर आखरी जिन्दगी यू ही आय।

21 अरे पोरिया हुन, अपनो तुम ख मुरती हुन से बचो रखो।

यूहन्ना का दुसरा पत्र यूहन्ना की दुसरी चिट्ठी भूमिका

1 यूहन्ना की चिट्ठी दास यूहन्ना दुवारा मसी को जनम को 50 से 100 साल को बीच लिखो गयो थो। यूहन्ना खुद ख लेखक को रूप म नी पहिचाना ऐको बजाय उ खुद ख सबसे बडो कहवा हैं। 2 यूहन्ना की सामग्री यून्ना को अनुसार यू अच्छो समाचार म मिली सामग्री से काफी मिलती-जुलती आय। याहा जरूरी रूप से उ तरह से भली हैं जे तरह से वाहा एक दुसरा से प्यार करन को लाने यीसु को हुकुम पर जोर देवा हैं अऊर जिस तरह से वाहा यीसु से प्यार करन कि तुलना ओकी ओको हुकुम हुन को पालन करन को संग करह हैं। 1:5-6; यूहन्ना 15:9-10 असो मानो जावा हैं की यूहन्ना न इफिसुस म रहतो हुओ यूहन्ना अऊर तीन अक्छर 1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना, अऊर 3 यूहन्ना को अनुसार अच्छो समाचार लिखो थो।

यूहन्ना न या चिट्ठी ख चुनी हुई ओरत अऊर ओखा पोरिया पारी ख संबोधित करियो। वाहा सायद एक चर्च की बात कर रहयो थो। या चिट्ठी ख लिखन म यूहन्ना को उद्देश्य कलीसिया ख प्रोत्साहित करनो अऊर उन ख झूठी सिक्छक हुन से सावधान करनो थो।

रूप रेखा:

1. यूहन्ना यू कह ख चिट्ठी को परिचय देवा हैं कि याहा कोको लाने हैं अऊर ऐका करत धरता ओको अभिवादन कर ख। 1:1-3
2. फिर वाहा कलीसिया ख प्रोत्साहित करह हैं अऊर उन ख सबसे बडो हुकुम को याद दिलावा हैं। 1:4-6
3. ऐको बाद, वाहा उन ख झुटे सिक्छको से सावधान करह हैं। 1:7-13
4. यूहन्ना अपनी पत्री ख उ कलीसिया ख विस्वासी हुन से, जाहा वाहा रह रहया हैं, अभिवादन दे ख समास करह हैं। 1:12-13

~~~~~

1 मो ख सियाना हुन की तरफ से वा बाई ख जो परमेस्वर कि ओर से चुनी वाली हैं अर ओखा बाल-बच्चा हुन को नाम जिनका मी सत्य ख जानन वाला इंसान हुन को रूप म प्रेम करू हैं। सिरप मीच ही नी तुम से प्रेम करत आय, बल्कि वी सब भी तुम से प्रेम करा हैं जो सत्य ख जान गया हैं।

2 उ ईदच सत्य को वजे से भयो हैं जो हमरो म रहवा हैं अर जो हमेसा-हमेसा हमरो संग म रहेगो।

3 परमेस्वर बाप, अर बाप को पोरिया यीसु मसी कि तरफ से ओकी अनुग्रह, दया अर सान्ति, सत्य अर प्रेम सहित हमारो संग रहेगो।

~~~~~

4 तुमरा पोरिया-पारी ख वा सच्चई को अनुसार जीवन जीते देख ख जेको आग्या हमका बाप परमेस्वर से मिल्यो हैं, मी बेजा खुस भयो हैं।

5 अऊर अब ओ बाई, मी तुमका कोई नयो आग्या नी बल्कि ईदच आग्या ख लिखु रयो हैं, जेखा हमना सनातन काल से पायो हैं हमका हमेसा एक-दुसरा से प्रेम करनो चाहिए।*

6 अर प्रेम यू आय कि हम उनकी आग्या को हुन को अनुसार चलो, यू उही बात आय, जे तुम न सुरु से सुनी आय अर तुम ख इही पा चलनो भी चलनो चाहयो।

~~~~~

* 1:5 यूहन्ना 13:34; यूहन्ना 15:12

7 काहेकि ढेर सारा भरमान वाला संसार म निकल ख आया हैं, जो यू नी माना कि यीसु मसी सरीर म होका आयो; भरमान वालो अर मसी-विरोधी यूईच आय।

8 खुद को बारे म सतर ख रहनो, कि जो मेहनत हम न करी हैं ओखा तुम गमा मत देनो, पर ओको पुरो फल पाव।

9 जे कोई मसी कि सिखई वाली बात से आगे बड़ जावा हैं अर ओमा बनीयो नी रहवा हैं, ओको जोने परमेस्वर नी रहवा हैं; जे कोई ओको सिखायो वालो म खडो रहवा हैं, ओको जोने परमेस्वर बाप भी रहवा हैं अऊर पोरिया भी।

10 अदि कोई तुमरो जोने आय अर असोईच नी सिखावा, ओखा न तो घर म आन देनो अर न नमस्कार करनो।

11 काहेकि जो कोई असा जन का नमस्कार करा हैं, उ ओखा बुरा काम म सामिल होवा हैं।

~~~~~

12 मोखा ढेर सारी बात तुमका लिखनो हैं, पर कागज अऊर स्याही से लिखनो नी चाहूँ, पर आसा हैं कि मी तुमरो जोने अऊगो अऊर आमने-सामने बातचीत करुगा, जसो से तुम्हारो खुसी पूरी होय।

13 तोरी चुनी वाली बहिन का पोरिया पारी तोखा नमस्कार बोला हैं।

## यूहन्ना का तीसरा पत्र यूहन्ना की तीसरी चिट्ठी भूमिका

3 यूहन्ना की चिट्ठी सेवक यूहन्ना दुवारा मसी को जनम को 50 से 100 साल को बीच लिखो गयो थो। यूहन्ना खुद को लेखक को रूप म नी पहचाना, बल्कि खुद को प्राचीन कहव हैं। 1:1; 2 यूहन्ना 1:1 म भी असो ही करह हैं। असो मानो जावा हैं कि यूहन्ना न इफिसुस म रहतो हुओ यूहन्ना अऊर तीन अक्छर हुन 1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना, अऊर 3 यूहन्ना को अनुसार अच्छो समाचार लिखो थो।

यूहन्ना न याहा चिट्ठी गयुस नाम को एक विस्वासी ख लिखो थो। वाहा गयुस ख एक दोस्त को रूप म संबोधित करह हैं अऊर ओ ख इसाई भई हुन को लाने महिमा बाज करन को निर्देस देवा हैं जे उ ऐरिया से यातरा कर रहया हैं।

### रूपरेखा

1. यूहन्ना अपनी चिट्ठी ख परिचय देवा हैं। 1:1
2. फिर वाहा गयुस ख प्रोत्साहित करह हैं उस भई हुन ख आतिथ्य दिखावन को निर्देस देवा हैं। 1:2-8
3. एको बाद वाहा दो अन्य अदमी हुन, दियुतुरफेस अऊर दिमेतुरयुस की बात करह हैं। 1:9-12
4. अंत मी वाहा अपनी चिट्ठी खतम करु हैं। 1:13-14

????????

1 मो ख सियाना की तरफ से

प्यारे गयुस, को नाम, जसो मी सच्चो प्रेम रखू हैं।

2 हे प्यारो, मोरी असी विनती हैं कि जसो तू आत्मा को हिसाब से चला हैं, वसो ही तू पुरी बात हुन म तरक्की करे अर भलो चंगो रहे।

3 काहेकि जब विस्वासी भई हुन न आकर तोरी उस सच्ची की गवाही दी,, जे पर तू सचमुच चलह हैं, ते मी बेजा खुस हुयो।

4 मो ख ऐसे बढ ख अर कोई खुस नी की मी सुनु कि मोरा पोरिया सही प चलह हैं।

???? ?? ?????

5 हे प्यारो, जे कुछ तू उन भई हुन को संग करह हैं, जे अजनबी हैं, ओ ख विस्वासी हुन को रूप म करह हैं।

6 उन न कलीसिया को सामे तोरो प्रेम की गवाही दी हैं। अदि तू उन्हे उ तरीका विदा करेगों जे तरीका परमेस्वर को अदमी को लाने उचित हैं ते चोक्खो करेगों।

7 काहेकि वे उ नाम को लाने निकल्या हैं, अर गैर-यहूदी हुन से कुछ नी लेवह।

8 एको लाने विस्वासी को स्वागत करनो जरूरी हैं, जसो हम भी सही को पक्छ म उन को सहभागी हो।

???????????? ?? ?????????

9 मी न कलीसिया को कुछ चिट्ठी हतो, पर दियुतुरफेस जे उन म बडो बननो चाहव हैं, हमे ग्रहण नी करह।

10 एको लाने जब मी आऊगो ते ओको कामो की जे वह कर राहा हैं, सुधि दिलाऊंगा, कि वह हमारो बारे म बुरी-बुरी बकह हैं; अर ऐ पर भी संतोस न कर ख तू ही भई हुन ख ग्रहण नी करा, अर उन ख जे ग्रहण करनो चाहाव हैं मना करा हैं अर कलीसिया से निकाल देवा हैं।

11 हे प्यारो बुराई कि नी पर भलाई को अनुयायी हो। जे भलाई करह हैं, वी परमेस्वर की ओर से हैं; पर जे बुराई करह हैं, ओ न परमेस्वर ख नी देखयो।

12 दिमेतुरयुस को बारे म सब न, लेकिन सही न भी तोरी ही गवाई दी; अर हम भी गवाई देवह हैं, अर तू जानह हैं की हमरी गवाई सच्ची हैं।

*~~~~~*

13 मो ख तो ख बेजा कुछ लिखनो हतो, पर स्याही अर कलम से लिखनो नी चाहाव।

14 पर मो ख आसा हैं की तो ख सीघ्र भेंट करुगो, तब हम आमने सामे बातचीत करेगों।

15 तो ख सान्ति मिलती रहे।

याहा का दोस्त तो ख नमस्कार कहव हैं। याहा का दोस्त हुन को नाम ले ले ख नमस्कार कह देजो।

## यहूदा का पत्र यहूदा की चिट्ठी भूमिका

यहूदा नामक चिट्ठी को नाम ऐको लेखक को नाम प रखो गयो हैं। यहूदा खुद ख यीसु को भई, याकूब को भई को रूप म पहिचाना हैं। एकोलाने ओ ख यीसु को भई हुन म से एक भी मानो जावा हैं 1। हम नी जानह कि का याहा चिट्ठी एक खास कलीसिया को लाने तैयार हतो अऊर पुराने नेम को वचन हुन को करन यहूदा को मेन लिखन वालो यहूदिया हुन से बनिया हता। हालाकी, वाहा अपनी चिट्ठी ख उन सभी ख संबोधित करह हैं जे बुलायो गया हैं, जे बाप परमेस्वर म प्यार कियो जावा हैं अऊर यीसु मसी को लाने रखो जावा हैं। 1 याहा चिट्ठी संभवतः यीसु को जनम 60 साल को आसपास लिखो गयो थो।

सभी मसी हुन ख चिट्ठी लिखन को उन को उद्देश उन्हे झूठो सिक्छक को दुवारा गुमराह कियो जानो को खिलाफ चेतावनी देनो हैं (यहूदा 4) वाहा अपनो तर्कों को बल देवन को लाने पुरानो नेम की घटना हुन अऊर वृत्तातो को संदर्भ देवा हैं। याहा चिट्ठी 2 पतरस को संग कई विचारो को साझा करह हैं जो म झुटा सिक्छक हुन को खिलाफ चेतावनी यहूदा 4; 2 पतरस 2:1 को संग संग स्वर्ग दुतो अऊर सदोम अऊर अमोरा को संदर्भ सामिल आय।

**रूप रेखा:**

1. यहूदा पहले अपनो पाठको ख संबोधित करह हैं। 1:1-2
2. ऐको बाद वाहा लिखन को अपनो वजे बतावा हैं जे उन ख झुटा सिक्छक को को खिलाफ चेतावनी देनो हैं। 1:3-4
3. ओको बाद वाहा पुरानो नेम म लोगो अऊर घटना हुन से उदाहरन देवा हैं। 1:5-16
4. फिर वाहा उन ख बतावा हैं कि चेतावनी को प्रति ओकी प्रतिक्रिया का होनू चहिए। 1:17-23
5. अखरी म उ परमेस्वर की महिमा करते हुए चिट्ठी ख बन्द करह हैं। 1:24-25

~~~~~

1 यहूदा की ओर से जे यीसु मसी को दास अर याकूब को भई हैं,
न बुलायो हुआ को नाम जे परमेस्वर बाप म प्यारो अर यीसु मसी को लाने वेक्सतीत हैं।

2 दया अर सान्ति अर प्रेम तो ख बेजा जादा से प्राप्त होती रहे।

~~~~~

3 हे प्यारो दोस्त, जब मी तो ख उ उद्धार को बारे म लिखन म अत्यन्त परिसरम सो प्रयत्न कर रहे थो जे म हम न हम सब सहभागी हैं, मी ओको बारे म बडी खुसी को संग तुम इंसान हुन ख लिखन की सोचू हैं जरूरी जानो कि उ भरोसा को लाने पुरो यत्न करो जे परमेस्वर ने सुध्द अदमी को एक ही बार सोपियो गयो थो।

4 काहेकि कितना असो अदमी चुपको से हम म आ मिल्या हैं, जिन को यू दण्ड को वरन पुरानो बखत म पहलो से लिखो गयो थो: या भक्तिहीन हैं, अऊर हमारो परमेस्वर को दया को लुचपन म बदल डालह हैं, अर मालिक अर प्रभू यीसु मसी ख मना करह हैं।

5 पर यध्यपी तू पुरी बात एक बार जान चुको हो, तेभी मी तो ख या बात कि सुधि दिलानो चाहू हैं कि प्रभु न एक कुल को मिसर देस से छुड़ानो को बाद भरोसा न लान वाला ख खत्म कर दियो। \*



6 अर फिर जे स्वर्गदूत हुन न अपनो पद को स्थिर नी रखयो लेकिन अपनो निजी निवास अधिकार ख छोड़ दियो, परमेस्वर उन को भी उ बुरा दिन म न्याय को लाने अन्धकार म, जे हमेसा काल को लाने हैं, बन्धन म रखो हैं।

7 जे रीति से सदोम अर अमोरा अर उन को आजू-बाजू को सहर, जे इन को समान आरोपी हो गये थे अऊर परायो अंग को पीछे लग गया था, आगी को आखरी दण्ड म पड़ ख दुस्तान्त रुखया हैं।

8 उ रीति से यू सपना दिख भी अपनो अपनो लोग हुन अर अपनो आग को पाप ख असुध्द करा, अर परमेस्वर ख अधिकार ख तिरसकार करा हैं, अर बड़ो पद वालो लोग हुन को बुरो भलो कह हैं।

9 पर मेन स्वर्गदूत मीकाईल न, जब भूत\* से मूसा को सब को बारे म लड़ाई-झगड़ा कियो, ते ओको बुरो-भलो बोल ख दोस लगान को साहस न कियो पर यू कहयो, “प्रभु तो ख डॉटें।”

10 पर यी अदमी जे बात ख नी जानह उन ख निन्दा करा हैं, अऊर जे बात ख बतदिमाक जानवर हुन को सामन व्यवहार ही से जानह हैं, उन म अपनो तुम ख खत्म करह हैं।

11 उन प धितकार। काहेकि वी कैन कि सी चाल चलो,\* अऊर मजदूरी को लाने बिलाम को समान खत्म हो गयो हैं, अर कोरह को समान विरोध कर ख खत्म हुआ हैं।

12 यू तुम्हारो प्यार सभा हुन म तुमारो संग खाव अर पीवा समुंदर म छिपी हुई चट्टान सरीखे हैं, अऊर बेधड़क अपनो ही पेट भरन वाला रखवाला हैं; वी बिना बादल हैं, जिन्हे हवा उड़ा ले जावह हैं; पतझड़ को अधूरो झाड़ हैं, जे दो बार मर चुको हैं, अऊर जड़ से उखड़ गयो हैं;

13 यू समुंदर को आंधी हिलकोरे हैं, जे अपनी सरम को फेन उछालह हैं; यू डाँवाडोल तारा हैं, जिन को लाने हमेसा काल तक घोर अन्धकार रखो गयो हैं।

14 हनोक न भी जे आदम से सातवी पीढ़ी म हात, इन को बारे म या भविष्यवानी की, “देखो, प्रभु अपनो हजारो सुध्द दुत हुन को संग आयो।

15 कि सब लोग हुन को न्याय करहे, अर सब भक्तिहीन को उन को अभक्ति को पुरो काम हुन को बारे म जे उन न भक्तिहीन हो ख कियो हैं, अऊर उ सब कठिन बात को बारे म जे भक्तिहीन पापी हुन न ओको विरोध म कही हैं, आरोपी ठहराए।”

16 यू ते नाराज, कुड़कुडान वाला हैं अऊर अपनो मुंह देखी बड़ाई कियो करह हैं।

~~~~~~~~~

17 पर हे प्यारो दोस्त, “तू यू बात को ध्यान रखो जे हमारो प्रभु यीसु मसी को प्रेरित पहले ही कह चुको हैं।

18 वी तोसे बोलह करह हैं, हम पिछलो दिनो म असो ठट्टा करन वाला होय जे अपनी अभक्ति की मन मरजी को अनुसार चलेगो।”*

19 यी वी हैं जे फुट डालह हैं; या सारीरिक अदमी हैं, जे म आत्मा नी।

20 पर हे प्यारो दोस्त, तू अपनो अति सुध्द विस्वास म उन्नति करते हुआ अऊर सुध्द आत्मा म प्रार्थना करते हुए,

21 अपनो तुम ख परमेस्वर को प्रेम म बनाए रखो; अऊर अनन्त जिन्दगी को लाने हमारो प्रभु यीसु मसी की दया कि बाट जोहते रहो।

22 ओ पर जे सका म हैं दया करो;

23 अऊर बेजा ख आगी म से झपट ख निकालो; अऊर बेजा पर डर को संग दया करो, पर उ कपड़ा कुरता से भी घृणा करो जे आँग को दुवारा कलंकित हो गयो हैं।

~~~~~~~~~

24 अब जे तुम ख ठोकर खान से बचा सकह हैं, अऊर अपनी महिमा की भरपुरी को सामे मगन अऊर बे बेकसूर कर ख खड़ो कर सकह हैं,

\* 1:9 इब्नीस सैतान    ✧ 1:11 उत्पत्ति 4:3-8    ✧ 1:18 2 पतरस 3:3

<sup>25</sup>उ एक मातर परमेस्वर हमारो उध्दार करता की महिमा अर गऊरव अर पराक्रम अर अधिकार हमारो प्रभु यीसु मसी को दुवारा जसो सनातन काल से हैं, अब भी हो अऊर हमेसा रहे। आमीन।

## यूहन्ना का प्रकाशितवाक्य यूहन्ना को प्रकाशितवाक्य भूमिका

प्रकाशितवाक्य कि किताब नयो नियम कि किताब हुन म से आखरी की किताब आय या यीसु मसी को जनम को करीब 95 साल बाद, यूहन्ना 1:1 को दुवारा लिखी गई हैं उनना यूहन्ना को दुवारा लिखियो वालो सुसमाचार अर 1 यूहन्ना 2 यूहन्ना अर 3 यूहन्ना कि तीन चिट्ठी हुन भी लिखी। यूहन्ना ख “जसो यीसु ख प्रेम हतो” ओको रूप म भी जानो पहिचानो जात रहा। यूहन्ना 13:23 ओ ना पतमुस टापू म प्रकाशितवाक्य कि किताब लिखी काहेकि यीसु मसी प्रकाशितवाक्य 1:9 कि खुसखबरी सुनान को लाने वहा भेजो गयो रहा।

प्रकाशितवाक्य कि किताब लिखनो म यूहन्ना को मतलब हतो कि यीसु मसी ख जानन वाला इमानदारी रहेनो अऊर उनका आसा दिलान को लाने उत्साहित करनो हैं काहेकि की यीसु को फिर से आन को बखत जोने ही आन वालो हैं। 1:3; 22:7उनना आम तोर पर सभी मसी अनुयायी अर अध्याय 2—3 म सात खास कलेसिया हुन ख लिखो रहा। यूहन्ना न अपनो बखत ख लेखक हुन ख भविष्यवक्ता को रूप म उनको नाम फैलायो 1:3अऊर उनना जो बीज हुन ख देखी उनको बारे म लिखन को लाने पूरी किताब हुन म कई तरीका से बतान कि कोसीस करी हैं। किताब परानो नियम को कुछ भाग हुन को समान हैं खास कर ख जकर्याह 6:1-8 सात तुरई अऊर सात कटोरा भी वी मुसीबत को समान हैं जिनसे परमेस्वर न मिस्र ख दण्ड देन को लाने भेजियो रहा निर्गमन 7—9प्रकाशितवाक्य, बखत को अंत को बारे म बात करा हैं, जोकी यीसु जीत हासिल करे, अऊर जो सब ओपर भरोसा करा हैं, उ हमेसा ओको संग म रहेंगो। या किताब तुम सब ख चेतावनी देवा हैं अर तुमका आसा दिलावा हैं कि यीसु जल्दी ही आवन वालो हैं।

### रूप रेखा:

1. यूहन्ना यू बोल ख सुरू करा हैं कि उ कोन आय ऊर ओखा या भविष्यवानी कसी मिली। 1:1-20
2. उ सिधो यीसु से सात कलेसिया। 1:1—3:22
3. फिर ओ ना सात मुहर हुन अऊर सात तुरई हुन को बारे म बतायो गयो हैं। 4:1—8:5; 8:6—11:19
4. एकोबाद यूहन्ना न सात सिर को संग सात इंसान पोरिया-पारी हुन को खिलाप अजगर को बारे म हैं। 12:1—14:20
5. तब उ घुस्सा का सात कटोरा को बारे म लिखा हैं। 15:1—16:18
6. आगे यूहन्ना बतावा हैं कि प्रभु परमेस्वर स्वर्ग म अपना बैरी हुन को खिलाप कसो जीत जीता हैं। 17:1—20:15
7. आखरी म उ नयो स्वर्ग अऊर नयी पृथ्वी कि रचना करा हैं जो आखरी म आन वालो हैं। 21:1—22:21

1 यू यीसु मसी को दर्शन आय, यू उनका परमेस्वर कि तरफ से मिल्यो जसो उ अपना चेला हुन ख आन वालो भविष्य म होन वाली घटना दिखाय। यीसु न अपनो स्वर्गदूत भेज ख यू दर्शन को ग्यान अपनो दास यूहन्ना ख बतायो,

2 यूहन्ना बतावा हैं कि ओ ना जो कई देख्यो हैं, उ परमेस्वर को वचन अर यीसु मसी कि गवाई हैं

3 भलो हैं उ इंसान जो या भविष्यवानी का पढ़ ख समझ रयो हैं, अर भला हैं वी जो एका वचन सुना हैं अर येमा लिखी बात हुन ख मनन करा हैं काहेकि उ बखत नजीक आ गयो हैं।

????? ???? ? ???? ?

4 यूहन्ना कि तरफ से आसिया कि सात कलेसिया हुन का चेतावनी

ओकी तरफ से जो हैं अऊर जो थो अर जो आन वालो हैं; ओकी तरफ से अर वी सात आत्मा कि तरफ से जो ओको सिहासन को जोने हमेसा रहवा हैं,

5 अऊर यीसु मसी कि तरफ से तुम सब इंसान हुन ओकी किरपा अर सान्ति मिलती रैय! जो भरोसा को काबिल अर गवाह अर मरीया वाला हुन म से जिन्दा होन वाला म पहिलऊठो अर दुनिया को राजा हुन को मुखिया आय,

उ हम से प्रेम करा हैं, अऊर ओ ना अपनो खून को दुवारा हमका पाप हुन से छुड़ायो हैं,

6 अर अपनो बाप परमेस्वर को लाने हम ख याजक हुन को राज्य बना भी दियो; ओकीच ही बड़ाई अर ओकी सक्ती हमेसा-हमेसा लक बनी रैय! आमीन!

7 देखनु, उइच बदल हुन म आन वालो हैं, सब इन उनका देखेगो जिन्ना ओखा भेदो वी भी ओखा देखेगो, अर दुनिया का पुरा गोत ओको कारन छाती पीटेगो। यू हकीगत हैं हाँ आमीन!

8 प्रभु परमेस्वर, जो हैं अऊर जो हतो अऊर जो आन वालो हैं, उइच सर्वसक्तिमान प्रभु, असो बोला हैं, “मीच ही पहिलो अऊर आखरी आय।”

????? ? ? ? ? ? ? ?

9 मी यूहन्ना, जो तुमरो भई आय अर यीसु को कलेस अर राज्य अर धीरज म तुमरो संग सामिल आय। परमेस्वर को वचन सुननो अर यीसु मसी की गवाई को कारन पतमुस नाम को टापू म हतो

10 मी प्रभु को दिन आत्मा म आ गयो, अर अपनो पिछु तुरई को जसो आवाज का बडी जोर से असो कहते सुनियो,

11 “जो कुछ तुम देख रया हैं ओखा किताब म लिख अर ओखा सात कलेसिया हुन का भेज दा, इफिसुस, स्मरुना पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलदिलफिया, अर लउदीकिया का।”

12 तब मी न ओखा, जो मोसे बोलत रह हतो, देखन को लाने अपनो मुंडो घुमायो; अऊर पिछु घुमका मी न सोना की सात दीवट देखी

13 अर दीवट को बीच म इंसान को पोरिया जसो एक अदमी ख देखो, जो पाय तक को कपड़ा पहिनायो हतो अर छाती पर सोना को पट्टा बाँधियो हतो रह।

14 ओकी मुंडी का बाल सफेद ऊन वरन पालो को समान उजरो हतो, अर ओकी आँखी आगी की लपेट को समान हती।

15 ओखा पाय उत्तम पितर को समान हता जो मानलेव भट्टी म तपायो गयो होय, अर ओकी आवाज समुंदर कि लहर को समान गरजत करत रहा।

16 उ अपनो जेवनो हात म सात तारा लेका खडो हतो, अर ओको मुंडो से झरझराट दो धार वाली तलवार निकलत रहा। ओको मुंडो असो चमकत रहा जसो सूरज भर दोपहर म चमका हैं

17 जब मी न ओखा देखो ते ओखा पाय हुन पा उभडो मुंडो गीड पडीयो। ओ ना मो पर अपनो जेवनो हात धर ख क्य्हो, “मत डरा मी पहलो अर आखरी मीइच आय।”

18 जीवन को सोता मीइच ही आय। मी मर गयो रह अर अब देख मी हमेसा-हमेसा जिन्दो हैं; अर माऊत अर अधोलोक कि चाबी मोरो ही जोने हैं।

19 एकोलाने तुमना जो कई देख्यो हैं अऊर जो अब हैं अऊर जो बाद म होन वालो हैं उ सब लिख ला।

20 एकोमतलब वी साती तारा को भेद जिनखा तुना मोरो जेवनो हात म देखो हतो, अर वी सात सोना की दीवट को भेद: वी सात तारा साती कलेसिया हुन का दूत आय, अर वी सात दीवट सात कलेसिया हुन आय।

1 इफिसुस की कलेसिया को दूत ख असो लिख

“जो साती तारा अपनो जेवनो हात म लेखा हैं।” अर सोना की साती दीवट हुन को बीच म फिरा हैं, उ असो बोला हैं कि

2 मी तोरो सुभाव तोरी मेहनत अर तोरी धीरज ख जानु हैं; अर यू भी कि तू बुरा अदमी हुन ख सैय नी सका, अर जे खुद ख चेला बोला हैं, अऊर प्रेरित आय नी, तुना उन खा परख ख झुटो पायो हैं।

3 तुम्हारो जोने धीरज हैं अर मोरो नाम को लाने दुख उठाते-उठाते नी थकियो।

4 पर मोखा तोरो बारे म असो कहनो हैं कि तुना मोरो से पहलो जसो प्रेम छोड़ दियो हैं।

5 एकोलाने याद कर की तू किते से गिद्धियो हैं, अर मन ख फिरा अऊर पहले को जसो काम कर। अदि तू मन नी फिरान को ते मी तोरो जोने आ ख तोरी दीवट हुन ख वा जगा से बगल कर देहूंगो।

6 पर हाँ, तोमा या बात तो हैं कि तू नीकुलइ हुन का काम हुन से छीत\* माना हैं, जसो मी भी छीत मानू हैं।

7 जोका कान हैं वी सुन ले की परमेस्वर कि आत्मा कलेसिया हुन से का बोला हैं। जो जीत हासिल करे,

मी ओखा उ जीवन को झाड़ म से जो परमेस्वर को स्वर्ग म हैं फल खान ख देऊंगो।

~~~~~

8 स्मुरना कि कलेसिया को दूत ख असो लिख:

जो पहिलो अर आखरी हैं, जो मर गयो रह अऊर अब जिन्दो हो गयो हैं उ असो बोला हैं कि

9 मी तोरो सताव अर गरीबी ख जानु हैं (फिर भी तू धनी हैं), अऊर मी यू भी जानु हैं कि वी इंसान तुमरी किच्ची बदनामी करा हैं जे खुद ख यहूदी कहा हैं अऊर यहूदी नी हाथ, पर सैतान (भुत) कि सभा का सदस्य आय

10 जो दुख तोखा भोगनु होये, उन से मत डरा। काहेकि देखनो, भूत† तुम म से कोई ख जेल खाना म डालन पर हैं ताकि तुम ख परखो जाय; अर तुम ख दस रोज तक दुख उठानो पड़े। जान नीकलन तक भरोसा करजो, ते मी तोखा जीवन को मुकुट देऊंगो।

11 जेको कान होये वी कान धर ख सुन लेहे कि आत्मा कलेसिया हुन से का बोला हैं। जो जीत ख आहे, ओखा दुसरी माऊत से कुछ नुकसान नी होन को

~~~~~

12 पिरगमुन कि कलेसिया को दूत का असो लिख:

“जोको जोने दोई तरफ धार वाली झरझराट तलवार हैं।” उ असो बोला हैं कि

13 मी असो जानू हैं कि तू उते रहवा हैं जिते भूत (सैतान) को सिंहासन हैं; तू मोरो नाम पा रूक ख रहवा हैं, अर मोरो ऊपर भरोसा करनो से वी दिन म भी पीछु नी हटियो जेमा मोरो भरोसा लायक गवाह अन्तिपास, तुमरो बीच वा जगा पर ओखा मारो गयो जिते सैतान रहवा हैं।

14 पर मोखा तोरो बारे म कुछ बात हुन बोलनो हैं, काहेकि तोरो इते कुछ असा इंसान हुन रहवा हैं जो बिलाम कि अकल‡ ख माना हैं जो बिलाम न पोरिया ख सिखायो कि उ इस्त्राएली हुन का गलत रस्ता चलनो सिखाया जसो वी मूर्ती हुन पा चढ़ाई वालो मांस खाय अऊर गलत काम (व्यभिचार) करे।

15 वसा ही तोरो यहाँ कुछ असा इंसान हैं, जो नीकुलइ हुन कि ग्यान ख माना हैं।

16 एकोलाने मन फिराव अर पस्चाताप करो, नी ते मी तोरो जोने तुरत ही आ ख अपनो मुंडो कि तलवार से उनको संग म लड़ूंगो।

17 जेका कान होए उ सुन ले कि आत्मा कलेसिया हुन से का बोला हैं। जो जीत ख आहे, ओखा मी लुकई वाली मन्ना म से देहूंगो,

\* 2:6 प्रणा † 2:10 सैतान ‡ 2:14 सिक्छा

अऊर ओखा एक सपेत पत्थर भी देऊगो; अर उ पत्थर पर एक नाम लिखियो होए, जेका ओको सिवाय अऊर कोई नी जानन का ।

~~~~~ 2 ~~~~

18 "थुआतीरा कि कलेसिया को दूत ख असो लिख ।"

परमेस्वर को पोरिया जोकी आँखी आग कि लपेट को समान, अऊर जोका पाय उत्तम पीतर को समान हैं । उ असो कहा हैं कि

19 मी तोरा काम हुन, तोरो प्रेम अऊर भरोसा अर सेवा अर धीरज, ख जानु हैं अऊर असो भी कि तोरा पिच्छु का काम पहले से बढ ख हैं

20 पर मोखा तोरो बारे म यू कहनो हैं कि तू वा ओरत इजेबेल ख रहन देवा हैं जो खुद ख भविष्यव्दक्तिन कहा हैं, अऊर मोरा दास हुन ख गलत काम (व्यभिचार) करन अर मूर्ती हुन को सामे चढ़ाई वाली परसाद खानो सिकाय ख भरमावा हैं ।

21 मी न उनका मन फिरान को बखत दियो, पर वा खुद का गलत काम से मन नी फिरानो चाहवा ।

22 देख, मी ओखा बडो रोग वाली खटिया म डालूगो हैं: अर जो ओको संग गलत काम करा हैं अदि वी भी ओखा जसा काम हुन से मन नी फिरान का ते मी उनका बडो कलेस म डालूगो ।

23 मी ओखा पोरिया पारी ख मार डालूगो; उत्ती बखत सब कलेसिया जान लेहे कि दिमाक अर मन ख परखन वालो मीइच ही आय, अर मी तुम म से हर एक ख उनका काम हुन को हिसाब से बदला देऊगो ।

24 पर तुम थुआतीरा का बाकी अदमी हुन से जित्ता असो ग्यान की बात नी माना अऊर वी बात हुन ख जिनका सैतान की गहरी बात हुन कहाँ हैं । नी जाना, असो कहूँ हैं कि मी तुम पर अऊर बोझ नी डालन को ।

25 पर हाँ, जो तुमरो जोने हैं ओखा मोरो आनो तक पकढ खा रैव ।

26 जो जीत ख आहे अर मोरा काम हुन को हिसाब से आखरी लक करते रहे, मी ओखा जात-जात ख इंसान हुन पा अधिकार देहु,

27 अर उ लोहा को राजदण्ड लेका उन पा राज्य करेगों, जसो तरीका से कुमार का मिट्टी का बर्तन चकनाचूर हो जावा हैं: मीना भी असो ही अधीकार परमेस्वर बाप से पायो हैं;

28 अऊर मी ओखा भुनसारो को तारा देऊगो ।

29 जेका कान होए वी यू सुन लेहे कि आत्मा कलेसिया हुन से का बोला हैं ।

3

~~~~~ 2 ~~~~

1 सरदीस की कलेसिया को दूत ख असो लिख:

"जेको जोने परमेस्वर कि सात आत्मा हुन अर सात तारा हैं ।" उ असो कहाँ हैं कि मी तोरो सुभाव ख जानु हैं: तू जिन्दो तो हैं पर हैं मरिया ।

2 चेत जा! तोमा जो जिन्दगी बाकी बच गई हैं अर खतम होन-होन पा हैं ओखा बचा ख रख; काहेकि मीना तोरा कोई भी काम का अपनो परमेस्वर को जोने पुरो नी देखियो हैं ।

3 एकोलाने याद कर कि तुना कसो ग्यान पायो हैं अर कसी सुनी रहा, अऊर उनमा बनो रयो अर मन फिरा । अदि तू चेत ख नी रहन को ते मी चोर को जसो आ जाहूँ, अर तू कभी नी जान सकन को कि कोन घड़ी तोरो जोने आ जाऊँगो ।

4 पर हाँ, सरदीस सहर म तोरो इते कुछ अदमी हुन असा भी हैं जिनना अपना कपड़ा खराब नी करिया, वी सुपेत कपड़ा पहिना मोरो संग फिरेगो, काहेकि वी यू लायक हैं ।

5 अदि तुम जीत का आहे ते तुमका भी उनको जसो सुपेत कपड़ा पहिनायो जाहे, अऊर मी ओको नाम जीवन की किताब म से कोई भी हालत म नी काटन को; पर ओको नाम मोरो बाप परमेस्वर को जोने अर ओखा स्वर्ग दूत हुन को जोने मान लेहूँ ।

6 जेका कान होए उ सुन लेहे कि आत्मा कलेसिया हुन से का बोला हैं।

~~~~~ 2 ~~~~

7 “फिलदिलफिया की कलेसिया को दूत ख असो लिख।”

“जो सुध्द अऊर सच्चो हैं, अर जे दाऊद कि चाबी रखा हैं।” जोका खोलीया वाला का कोई बन्द नी कर सका अर जेका बन्द करीया वाला का कोई खोल नी सका, उ असो बोला हैं की

8 मी तोरा सुभाव का जानू हैं; देख, मीना तोरो लाने एक दुवार खोल का रखियो हैं; जेका कोई बन्द नी कर सका; तोरी सक्ति जरा सी तो हैं, फिर भी तुना मोरो वचन को पालन करियो हैं अऊर मोरो नाम को इनकार नी करयो हैं।

9 देख, मी सैतान का वी प्रार्थना घर सदस्यहुन का तोरो बस म कर देऊगो जो अपनो तुम ख यहूदिया का रहन वाला समझा हैं, पर यहूदी नी हाय अऊर झूट बोला हैं देख मी असो करु कि वी आ ख तोरो पाय हुन पा गीङ्गो, अऊर वी जान लेहे कि मीना तोसे प्रेम रखो हैं।

10 तुना जो मोरो धीरज रुपी वचन का पकढीयो हैं, एकोलाने मी न भी तोखा परीकछा को उ बखत बचा ख रखूगो जो दुनिया पा रहन वाला ख परखन को लाने पुरी दुनिया म आन वालो हैं।

11 मी तुरत ही आन वालो हैं; जो कुछ तोरो जोने हैं ओखा पकढ ख रख कि कोई तोरो मुकुट छुडा नी ले।

12 जो जीत का आहे ओखा मी अपनो परमेस्वर को मन्दिर म एक खंमा बनाऊंगो; अऊर मी अपनो परमेस्वर को नाम अर अपनो परमेस्वर को सहर एकोमतलब नयो यरूसलेम को नाम, जो मोरो परमेस्वर को जोने से स्वर्ग पर उतरन वालो हैं, अर अपनो नयो नाम ओपर लिखूगो।

13 जेका कान होए उ सुन लेहे कि आत्मा कलेसिया हुन से का बोला हैं।

~~~~~ 2 ~~~~

14 लउदीकिया कि कलेसिया को दूत ख असो लिख।

जो आमीन अर भरोसा को काबिल अऊर सच्चो गवाह हैं, अर परमेस्वर की रचना को मेन कारन हैं, उ असो बोला हैं कि

15 मी तोरा काम हुन का जानू हैं कि तू नाते ठंडो हैं अर न गरम: भलो होतो कि तू ठंडो या गरम होतो।

16 एकोलाने की तू न गरम हैं, न ठंडो बल्कि कुनकुनो हैं, एकोलाने मी तोखा अपनो मुंडो म से उगलन पर हैं।

17 तू असो कहा हैं कि मी धनी हैं अर धनवान हो गयो हैं अऊर मोखा कोई चीज कि किमती नी हाय; अर तू यू नी जानत आय कि तू अभागो अऊर नीच अर कंगाल अर अंधो अर नंगो हैं।

18 एकोलाने मी तोखा सला देऊ हैं कि मोरी बात मान आग म तापायो वालो सोना मोसे मोल ले ला कि तू धनी हो जाय, अर सुपेत कपडा लेला की पहिन ख तोखा अपनो नंगोपन कि लाज नी आन कि, अर तोरी आँख म लगान को लाने सुरमा लेला कि तू देखन लग जाय।

19 मी जिन-जिन से प्रेम करु हैं, वी सब ख डाट अर फटकार देऊ हैं; एकोलाने अंधन जसो गरम हो जा अर मन फिरा।

20 देख, मी दरवाजा पर खड्डो हो का खटखटाऊ हैं; अदि कोई मोरो सब्द सुन ख दरवाजा खोलेंगो, ते मी ओको जोने भीतर आ ख ओको संग खानो करूंगो अर उ मोरो संग।

21 जो जीत ख आहे ओखा मी अपनो संग अपनी राज गद्दी पर बिठाऊंगो, जसो मी भी जीत ख अपनो बाप परमेस्वर को संग ओको सिंहासन पा बठ गयो।

22 जोका कान होए, “उ सुन लेहे कि आत्मा कलेसिया हुन से का बोला हैं।”

1 असी बात हुन को बाद जो मीना नजर घुमई ते मी का देखु हैं कि स्वर्ग म एक दरवाजा खुल्लो हैं,

अर जेका मी न पहिलो तुरही को सो सब्द से मोरो संग बात करते सुनियो हैं, उईच ही बोलू हैं, “यहाँ ऊपर आ जा; अर मी वी बात हुन तोखा बताऊँगो, जिनको असी बात हुन को बाद पुरो हानो जरूरी हैं।”

2 तुरत मी आत्मा म आ गयो; अर का देखु हैं कि एक सिंहासन स्वर्ग म रखियो हैं, अर उ सिंहासन पर कोई बठो हैं।

3 जो ओ पर बठो हैं उ यू सब अर माणिक्य को जसो दिखई देवा हैं, अर उ सिंहासन को चारी तरफ मरकत को जसो एक बददल म धनुस दिखई देवा हैं।

4 उ सिंहासन को चारी तरफ चोबीस सिंहासन हैं; अर यी सिंहासन हुन पा चोबीस पुराना सियाना सुरता सुपेत कपडा पहिन ख बठिया हैं, अर उनकी मुंडी पर सोना का मुकुट हैं।

5 उ सिंहासन म से बिजली हुन अर गर्जन निकला हैं अर सिंहासन को जोने आग का सात दीया पानी रया हैं, वी परमेस्वर कि सात आत्मा हुन हैं,

6 अर उ सिंहासन को जोने मानलेव बिल्लोउर को समान काँच को सो समुंदर हैं।

“सिंहासन को बीच म अर सिंहासन को चारी तरफ चार जीव हैं,” जिनको आगु पिछु आँख ही आँख हैं।

7 पहले वालो जीव सेर को समान हैं, अर दुसरो जीव बच्छा को समान हैं, तीसरो जीव को मुंडो अदमी को जसो हैं, अर चऊथो जीव उडन वालो उकाब को समान हैं।

8 चारी जीव हुन का छे: छे: पंख हैं, अर चारी तरफ अर भीतर आँखी ही आँखी हैं; अर वी रात दिन बिना आराम करो असा बोलते रहवा हैं,

“सुध्द, सुध्द, सुध्द प्रभु परमेस्वर, सर्वसक्तिमान,”

जो हतो अर जो हैं अर जो आन वालो हैं।

9 जब वी जीव ओकी जो सिंहासन पा बठियो हैं, अर जो हमेसा-हमेसा जिन्दो हैं, मान अर सम्मान अर इज्जत करेगो;

10 तब चोबीस सियाना प्राचीन सिंहासन पा बठन वालो को जोने गिढ पडेगो, अर ओखा जो हमेसा-हमेसा जिन्दो हैं, पाय पडेगो, अऊर वी अपनो-अपनो मुकुट सिंहासन को जोने यू कहते डाल देहे,

11 अरे हमारो प्रभु अऊर परमेस्वर,

तू ही मान अर इज्जत को अर सामर्थ्य को काबिल हैं;

“काहेकि तू ही न सब कुछ चीज बनायो,

अर वी तोरी ही मरजी से हती अर रची गई।”

## 5

???????? ???? ?? ?????

1 एकोबाद मीना देख्यो कि जो सिंहासन पा बठो हतो, मीना ओको जेवनो हात म एक लपटी वाली किताब देखी जो भीतर बहार दोई तरफ लिखी हती, अर ओखा सात मुहर लगा ख बन्द कर दी गई रहा।

2 फिर मीना एक बलसाली स्वर्ग दूत ख देखो जो बड़ी जोर जोर की आवाज से असो प्रचार करत रहा, “या किताब को खोलन अर ओकी मुहर टोडन को काबिल कोन हैं?”

3 पर न स्वर्ग म, न धरती पर, न जमीन को नीचु कोई वा किताब ख खोलन या ओपर नजर डालन को काबिल निकलो।

4 तब मी फुट-फुट ख रोन लग गयो, काहेकि वा किताब को खोलन या ओपर नजर डालन को काबिल कोई नी मिलो।



5 असो पर वी सियाना म से एक न मोसे असो कय्हो, “मत रोवा; देख, यहूदा को गोत को उ सेर जो दाऊद को मेन (मूल) हैं, वा किताब का खोलन अर ओकी साती मुहर हुन टोडन को लाने विजय भयो हैं।”

6 तब मीना उ सिंहासन अर चारी जीव हुन अर वी सियाना को बीच म, मानलेव एक बली चढायो वालो मेम्ना या पिल्ला देखो। ओकी सात सींग अऊर सात आँखी हती; यी परमेस्वर की साती आत्मा हुन आय जो पुरी दुनिया पर भेजी गई हैं।

7 ओ न आ ख ओको जेवनो हात से जो सिंहासन पर बढियो हतो, वा किताब ले लियो।

8 जब ओ न किताब ले लियो, ते वी चारी जीव अर चोबीस सियाना हुन उ मेम्ना को जोने गिड पडिया। ओमा से हर एक को हात म वीणा अऊर धूप, जो सुध्द अदमी हुन कि बिनती हुन हैं, बिनती से भरिया वाला सोना का कटोरा हुन हता।

9 वी यूनयो गीत गान लग गया,

“तू या किताब को लेन,

अऊर ऐकी मुहर हुन खोलन को योग हैं;

काहेकि तुना वध होका अपनो खून से

हर एक कुल,

अर भासा अर इंसान हुन अऊर जात हुन म से परमेस्वर को लाने अदमी हुन का मोल लियो हैं,

10 अर उनका हमारो परमेस्वर को लाने एक राज अर याजक बनायो;

अर वी दुनिया पर राज्य करा हैं।”

11 जब मीना देखो, ते उ सिंहासन अर वी जीव हुन अर वी सियाना\* को चारी तरफ ढेर सारा स्वर्ग दूत हुन को सब्द सुनो, जिन कि गिनती लिखो अर करोडो की हती,

12 अर वी बड़ी जोर से कहत रहा,

“बली चढियो वालो मेम्ना ही

सामर्थ्य अर धन अर ग्यान अर सक्ति,

अर इज्जत अर बड़ाई अर धन्यवाद को योग्य हैं।”

13 फिर मीना स्वर्ग म अर जमीन म अऊर जमीन को नीचू अर समुंदर कि सब रची वाली चीज हुन ख, अर सब कुछ ख जो उनमा हैं, असो कहते सुनियो,

“जो सिंहासन पा बढो हैं ओको अर मेम्ना को

धन्यवाद अर इज्जत अऊर बड़ाई

अर राज्य हमेसा-हमेसा रैय!”

14 अर चारी जीव हुन न आमीन कय्हो, अर सियाना न गिद्ध ख पाय पढियो।

## 6

~~~~~

1 फिर मीना देखो कि मेम्ना न वी सात मुहर हुन म से एक ख खोलो: अर वी चारी जीव हुन म से एक को गर्जन को जसो सब्द सुनो, “आ!”

2 मीना नजर घुमई, अऊर देखो, एक सुपेत घोडा हैं, अर ओपर सवार धनुसबान लेखा हैं; अर ओखा एक मुकुट दियो गयो, अर उ जीत हासिल करन को लाने निकलियो कि अऊर जय जीत हासिल करे।

3 जब ओ ना दुसरी मुहर खोलियो, ते मीना दुसरो जीव ख असो कहते सुनियो, “आ!”

* 5:11 प्राचीन

4 फिर एक अऊर घोड़ा निकलियो जो लाल रंग को हतो; ओपर सवार का असो हक दियो गयो कि धरती पर से मेल-जोल उठा ला, ताकि अदमी एक दुसरा ख मरनो काटनो करे; अर ओखा एक बड़ी जात तलवार दियो गयो हैं।

5 जब ओ ना तीसरी मुहर खोली, ते मीना तीसरो जीव ख यू कहते सुनियो, कि “आ!” मीना नजर घुमायो, अऊर देखियो, एक कारो घोड़ा हैं, अर ओपर बठियो वालो को हात म एक किलो तकड़ी हैं;

6 अर मीना वी चारी जीव हुन को बीच म से एक सब्द यू कहते सुनियो, “दीनार को सेर भर गहूँ, अर दीनार को तीन सेर जो, पर तेल अर अंगूर को रस को नुकसान मत करजो।”

7 जब ओ ना चऊथी मुहर खोली, ते मीना चऊथो जीव को सब्द यू कहते सुनो, “आ!”

8 मीना नजर घुमई, अऊर देखनो एक पिरो सो घोड़ा हैं; अर जो ओपर सवार हैं ओको नाम माऊत हैं, अर अधोलोक ओको पीछु पीछु हैं; अर उनका जमीन कि एक चऊथाई पर असो हक दियो गयो हैं कि तलवार, अर अकाल, अर मरी, अर पृथ्वी का जंगल ख जानवर हुन को दुवारा ईसान हुन ख मार डाले।

9 जब ओ ना पाँछवी मुहर खोली, ते मीना वेदी को नीचू उनको जान हुन ख देखो जो परमेस्वर को वचन को कारन अर वा गवाई को कारन जो उनना दी रहा मार दियो गयो रहा।

10 उनना बड़ी जोर से आवाज लगा ख क्य्हो, “अरे मालीक, अरे सुध्द अर सच; तू कब लक न्याय नी करन को? अर जमीन का रहन वाला से हमरो खून को बदला कब लक नी लेन को?”

11 उनमा से हर एक ख सुपेत* कपड़ा दियो गयो, अर उनसे बोलो गयो कि अऊर थोड़ी देर लक आराम† करो, जब लक कि तुमरा संग ख नऊकर या दास अऊर भई जो तुमरा जसा नास होन वाला हैं उनकी भी गिनती पुरी नी हो ले।

12 जब ओ ना छटवी मुहर खोली, ते मीना देखियो की एक बडो भुकम्प भयो, अऊर सूरज कामर‡ को जसो कारो§ अऊर पुरो चंदा खून को समान हो गयो।

13 आकास ख तारा हुन जमीन पर असा गीड़ पडिया जसा बड़ी जोर को तुफान से हल का अंजीर को झाड़ म से कच्चो अंजीर को फर* झड़ा हैं।

14 आकास असो सरक गयो जसो चिट्ठी लपटनो से सरक जावा हैं; अर हर एक पहाड़, अर टापू, अपनो अपनो जगह से सरक गयो।

15 जब जमीन को राजा, अऊर प्रधान, अर सरदार, अऊर धनी अर सामर्थी अदमी, अर हर एक दास अर हर एक, स्वतरत पहाड़ की पोल हुन म अऊर गुफा हुन म जा ख लुके,

16 अऊर पहाड़ हुन अर चट्टान हुन से कहन लग गया, “हम पा गिरो; अऊर हम का ओको मुंडो से जो सिंहासन पा बटो हैं, अऊर मेम्ना को घुस्सा से बचा लेव।

17 काहेकि ओको घुस्सा को भयानक दिन आ पहुँचियो हैं, अब कोन रुक सका हैं?”

7

144,000

1 एकोबाद मीना जमीन को चारी कोना पर चार स्वर्ग दूत खड़ा देखियो। वी जमीन की चारी तरफ को तुफान हुन ख लेका खड़ा हता ताकि जमीन या समुंदर या कोई झाड़ पर तुफान नी चला।

2 फिर मीना एक अऊर स्वर्ग दूत ख जिन्दो परमेस्वर कि मुहर लेका दिन नीकला उते (पुरब) से ऊपर की तरफ आते देखियो; ओ ना वी चारी स्वर्ग दूत हुन से जिनका पृथ्वी अऊर जमीन को नुकसान करन को हक दियो रह, बड़ी जोर से चिल्ला ख क्य्हो,

3 “जब लक हम हमरो परमेस्वर का दास हुन को माथा पर मोहर नी लगा दे, तब लक जमीन अर समुंदर अर झाड़ हुन का नुकसान मत पहुँचाजो।”

* 6:11 स्वेत † 6:11 विसराम ‡ 6:12 कम्बल § 6:12 कालो * 6:13 फल

5 तब स्वर्ग दूत न धूप दान लेखा ओमा वेदी की आग भरी अर जमीन पर डाल दी; अर गर्जन अर आवाज अर बिजली हुन अर भूकम्प होन लग गया।

॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥

6 तब वी साती स्वर्ग दूत जिनको जोने सात तुरही हुन हती उनका फूँकन को लाने तैयार हो गया।

7 पहिलो स्वर्ग दूत न तुरही फूँकी, अऊर खून से मिल्या वाला गार-पानी अर आग पैदा हो गई, अर जमीन पा डालो गयो; अर पृथ्वी को पोऊन हिस्सा करीब पानी गयो, अर झाड़ हुन को पोऊन हिस्सा (एक तिहाई) पानी गयो, अर सब हरो घास भी पानी गयो।

8 दुसरो स्वर्ग दूत न तुरही फूँकी, ते मान लेव आगी को जसो जलते हुए एक बडो पहाड़ समुंदर म डालो गयो; अर समुंदर को पऊन हिस्सा करीब खून बन गयो,

9 अर समुंदर को पऊन हिस्सा को करीब जीव जन्तु मर गया, अर पऊन हिस्सा करीब जहाज नास हो गया।

10 तीसरो स्वर्ग दूत न तुरही फूँकी, अर एक तारा जो धुंधरी को जसो जलत रहा स्वर्ग से टुटियो, अर नदी को पऊन हिस्सा पर करीब अर पानी को सोता हुन पा आ पड़यो।

11 उ तारा को नाम नागदऊना हैं; अर पोऊन हिस्सा पानी को करीब नागदऊना को जसो कड़ू* हो गयो, अर ढेर सारा इंसान हुन उ पानी को कड़ू हो जान से मर गया।

12 चऊथो स्वर्ग दूत न तुरही फूँकी, अर सूरज को तिसरो हिस्सा अर चाँद कि एक पोऊन हिस्सा अर तारा को तिसरो हिस्सा पा आफत आई, इत्तो तक कि उनको तिसरो हिस्सा आग को अंधेरो हो गयो अर दिन को तिसरो हिस्सा म उजरो नी रहयो, अर वसो ही रात म भी।

13 जब मीना फिर देखो, ते बददल को बीच म एक उकाब ख उडते अऊर बड़ी जोर से यू कहते सुनियो, “वी तीनी स्वर्गदूत हुन कि तुरही को आवाज को कारन, जिनका फूँकनो अबा बाकी हैं, जमीन पा रहन वाला पर धितकार”

9

1 जब पाँचवो स्वर्ग दूत न तुरही फूँकी, ते मीना न स्वर्ग से जमीन पा एक तारा गिड़ते देखियो, अर ओखा अथाह कुण्ड कि चाबी दियो हैं।

2 ओ ना अथाह कुण्ड ख खोल्यो, अर कुण्ड म से बड़ी भट्टी को जसो धुआँ उठियो, अर कुण्ड को धुआँ से सूरज अर हवा करोड हॉ अंधेरो को जसो हो गया।

3 उ धुआँ म से जमीन पा टिड्डी हुन निकली, अऊर उन ख जमीन का बिच्चु हुन कि सी सक्ति दी गई हैं।

4 उनसे कय्हो गयो कि न जमीन की घास का, न कोई हरियाली ख, न कोई झाड़ क नुकसान पहुँचायो, सिरप वी इंसान ख नुकसान पहुँचायो जिनको माथा पा परमेस्वर कि छाप नी हाँय

5 टिड्डी हुन ख वी अदमी हुन का मार डालन को हक तो नी हाय पर पाँच माह लक दुख देन को हक दियो: अर उनको दुख असो हतो जसो बिच्चु को डंक मारन से इंसान ख होवा हैं।

6 वी दिन म इंसान माऊत ख दुढेंगो अर नी मिलन कि; अर मरन कि इच्छा करेगों, अऊर माऊत उन से भेगेगो।

7 वी टिड्डी हुन इत्ती मोटी हती कि वी लड़ई को लाने तैयार करीया वाला घोड़ा को जसी हती, अर उनकी मुण्डी पा मानलेव सोना को मुकुट हतो; अर उनको मुंडो इंसान हुन को मुंडो जसा हता।

8 उनका बाल ओरत हुन का बाल जसा अर दाँत सेर हुन का दाँत जसा हता।

9 वी लोहा को जसी झिलम पहिनिया हता; अर उनका पंख हुन कि आवाज असी हती जसो रथ हुन अर ढेर सारा घोड़ा जो लड़ई म दऊडत होए।

* 8:11 कड़वा

10 उनकी पुच्छी बिच्चु हुन को जसी हती अर उनमा डंक हतो, अऊर उनका पाँच महा लक इंसान हुन का हानि पहुँचान कि जो सक्ति मिली हती, वा उनकी पुच्छी हुन म हती।

11 अथाह कुण्ड को दूत उन पा राजा हतो; ओको नाम इब्रानी म अबदोन, अर यूनानी म अपुल्लोस हतो।

12 पहले को दुख बीत गयो, देखो, अब एकोबाद दो विपत्ति हुन अऊर आन वाली हैं।

13 जब छटवो स्वर्ग दूत न तुरही फूँकी ते जो सोना कि जो वेदी परमेस्वर को जोने हैं ओकी सिंगी म से असो सब्द सुनियो,

14 मानलेव कोई छटवो स्वर्ग दूत से जोको जोने तुरई हती, कैय रयो हैं “वी चार स्वर्ग दूत ख जो बडी नदी फरात को जोने बधिया हता रहा, खोल देव।”

15 वी चारी स्वर्ग दूत हुन को बन्धन खोल दियो गयो जो वा घडी, अर दिन, अर महा हुन, अर साल को लाने इंसान हुन कि एक तिहाई ख मार डालन को लाने तैयार करीया वाला हैं

16 उनकी पलटन का सवार हुन की गिनती बीस करोड़ हती; मीना उनकी गिनती सुनी।

17 मोखा यू दर्सन म घोडा अर उनका असा सवार देखियो जिनकी झिलम हुन आग, अर धूम्रकान्त, अर गन्धक को जसी हती, अर वी घोडा हुन कि मुंडी सेर हुन कि जसी हती; अर उनको मुंडो से आगी, धुआँ अर निकला हैं।

18 यी तीनी बडी बिमारी हुन एकोमतलब आग अर धुआँ अर गन्धक से जो उनको मुंडो से निकलत रह इंसान हुन कि तीन परसेंट जनता मार डाली गई।

19 काहेकि वी घोडा हुन कि सक्ति उनको मुंडो अर उनकी पुच्छी म हती; एकोलाने कि उनकी पूच्छी हुन साँप हुन को जसी हती अर वी पुच्छी हुन की मुंडी भी हती अऊर इन्ही से ही वी, नुकसान पहुँचात रहा।

20 बाकी इंसान हुन जो वा बिमारी या मरी से नी मरिया रहा अपना हात हुन का काम से मन नी फिरायो, कि भूत आत्मा हुन की, अर सोना अर चाँदी अऊर पीतल अर पत्थर अर काठ की, मुरती हुन की दण्डवत नी करा जो न देख सका हैं न सुन सका हैं;

21 अर जे खुन, अर टोना, अऊर गलत काम (व्यभिचार), अऊर चोरी उनना करी रहा, उनसे मन नी फिरायो।

10

XXXXXXXX XX XXXX XXXXX

1 फिर एकोबाद मीना एक अऊर सक्तिसाली स्वर्ग दूत ख बददल ओढियो स्वर्ग से उतरते देखियो। ओकी मुंडी पा मेघधनुस हतो। ओको मुंडो सूरज को जसो अऊर ओखा पाय आग को खंमा को समान हता।

2 ओको हात म एक छोटी सी खुली वाली किताब हती। ओ ना अपनो जेवनो पाय समुंदर म अर डाकरियो पाय जमीन पा धरियो,

3 अऊर असो बडी जोर से चिल्लायो, जसो सेर गर्जा हैं; अऊर जब उ चिल्लायो ते गर्जन का सात सब्द सुनाई दिया।

4 जब साती गर्जन का सब्द सुनाई दे दिया, ते मी लिखन पा हतो, पर मीना स्वर्ग म से असो सब्द सुनियो, “जो बात हुन गर्जन को वी सात सब्द हुन से सुनी हैं उनका लूका ख (गुप्त) रख, अऊर मत लिखा।”

5 जो स्वर्ग दूत ख मीना समुंदर अर जमीन पा खडो देखियो रहा ओ ना अपनो जेवनो हात स्वर्ग कि तरफ उठायो,

6 अर जो युगयुग जिन्दो रवा हैं, अर जेना स्वर्ग ख अर जे कुछ ओमा हैं, अर जमीन ख अर जे कुछ ओपा हैं, अर समुंदर अर जे कुछ ओमा हैं रचीयो, उनकी कसम खा क क्यो, “अब तो अऊर देर नी होन की।

7 पर जे दिन सातवो स्वर्गदूत को तुरही फूकनो सुनाई पड़े उ दिन म परमेस्वर को गुप्त भेद पुरो हो जाहे सुसमाचार को हिसाब से जो ओ ना अपना दास भविष्यवक्ता हुन ख दियो, पुरो होयगो ।”

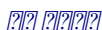
8 जो सब्द ख मीना स्वर्ग से बोलते सुनियो रहा, उ फिर मोरो संग बात करन लग गयो, “जा, जो स्वर्ग दूत समुंदर अर जमीन पा खडो हैं, ओको हात म कि खुली किताब ख लेला ।”

9 मीना स्वर्ग दूत को जोने जा ख क्य्हो, “या छोटी किताब मोखा दे ।” ओ ना मोसे क्य्हो, “ले, एका खा ला; या तोरो पेट ख कइ तो करेगों, पर तोरो मुंडो म सहदे को समान मीठी लगोगो ।”

10 एकोबाद मीना वा छोटी किताब उ स्वर्ग दूत को हात से लेका खा लियो । वा मोरो मुंडो म सहद को समान तो मिट्टी तो लगी, पर जब मी ओखा खा गयो, ते मोरो पेट कइ हो गयो ।

11 तब मोसे असो बोलो गयो, “तोखा ढेर सारा इंसान हुन, अर जाति हुन, अर भासा हुन अर राजा हुन को बारे म फिर भविष्यवानी करनो होए ।”

11



1 इकोबाद फिर * मोखा नापन को लाने एक छडी (सरकण्डा) दियो गयो, अर कोई न क्य्हो, “उठ, परमेस्वर को मन्दिर अऊर वेदी, अर ओमा उपास करन वाला हुन ख नाप ला ।”

2 पर मन्दिर को बाहर को आँगन छोड़ देजो; ओखा मत नापा काहेकि उ दुसरी जात वाला ख दियो गयो हैं अर वी सुध्द सहर का बियालीस महा लक रोदेगो ।

3 मी अपना दो गवाह हुन ख यू कह देऊगो कि पट्टा ओढ ख एक हजार दो सव साठ दिन लक भविष्यवानी करेगों ।

4 यी वीडिच ही जैतून ख दो झाड़ अर खंमा (दीवट) आय जो दुनिया को प्रभु को जोने खडा रहवा हैं ।

5 अदि कोई उनका नुकसान पहुँचानो सोचा हैं, ते उनको मुंडो से आगी निकल ख उनका बैरी हुन ख भस्म करा हैं; अर अदि कोई उनका नुकसान पहुँचानो चाहेगो, ते जरूरी हैं असोईच तरीका से मार डालो जाहे ।

6 उनका हक हैं कि आकास ख दरवाजा बन्द करे, कि उनकी भविष्यवानी को दिन हुन म पानी नी बरसन को; अर उनका सबरो पानी पा हक हैं कि ओखा खून बनाहे, अर जब-जब चाहे तब-तब जमीन पा हर तरीका कि गिरहदसह लाय ।

7 जब वी अपनी गवाई दे चुकिया, ते उ जानवर जो अथाह कुण्ड म से निकलेगो, उनसे लड़ ख उनसे जीतेगो अर उनका मार डालेगो ।

8 उनकी लास उ बडो सहर कि चऊक म पड़ा रहेगो, जो आत्मिक रूप से सदोम अर मिसर बोलो जावा हैं, जिते उनको प्रभु भी सूली पर चढ़ायो गयो रहा ।

9 सब इंसान हुन अर कुल हुन अर भासा हुन अर दुसरी जात हुन ख अदमी उनको सरीर ख सट्टे तीन दिन लक देखते रहेगो, अर उनको सरीर हुन ख समसान घाट म नी रखन देन ख

10 जमीन पर ख रहन वाला उनको मरनो से खुस अर मगन होयगो, अर एक दुसरा को जोने भेट भेजेगो, काहेकि यी दोई भविष्यवक्ता हुन न जमीन ख रहन वाला ख सतायो रहा

11 पर साट्टे तीन दिन को बाद परमेस्वर कि तरफ से यी दोई म जीवन को सुआस आ गयो अऊर यी अपनो पाय को बल उठ ख खड़ा हो गया । जिन्ना उनका देख्यो, वी बेजा डर गया रहा ।

12 अर उनका स्वर्ग से एक बडी जोर को सब्द सुनाई दियो, “इते ऊपर आ!” अऊर यी अपना दुसमन हुन को देखते-देखते बददल म से स्वर्ग चल दिया ।

13 फिर उत्तीच घडी एक बडो भूकम्प भयो, अर सहर को दसवो हिस्सा मिट्टी म मिल गयो; अऊर सात हजार इंसान हुन भूकम्प म मर गया अऊर जो बच गया, उनना डर ख स्वर्ग को परमेस्वर कि बड़ाई करी ।

* 11:1

14 अब दूसरी बड़ी मुसीबत को दुख बीत गया। देखनो, तीसरी बड़ी मुसीबत को दुख तुरंत ही आन वालो हैं।

~~~~~

15 जब सातवां स्वर्ग दूत न तुरही बजई। येपर स्वर्ग म सब्द हुन सुनाई पड़िया, जो बड़ी जोर से कहत रहा: “यू संसार को राज्य हमरो प्रभु अर ओको मसी को राज्य बन गयो हैं। अर उ युगयुग लक राज्य करेगों।”

16 तब चौबीसी सियाना हुन† जो परमेस्वर को जोने अपना-अपना सिंहासन पा बठिया हता, मुंडो को बल गिड पड़िया अर असो कैय ख परमेस्वर की बड़ाई करन लग गया।

17 असा कहन लग गया:

“अरे सर्वसक्तिमान प्रभु परमेस्वर, जो हैं अऊर जो हतो!

हम तोखा धन्यवाद देवा हैं, काहेकि कि तुना अपनी सक्ति ख दिखायो

अऊर राज्याधिकार ले लियो हैं।

18 दूसरी जात वाला घुस्सा से भरयो हता  
पर तोरो कलेस परगट होन को बखत  
अर न्याय को बखत आ गयो।

जब मरीया वाला को न्याय करो जाएगो;

जब तोरा नउकर हुन, तोरा भविष्यवक्ता हुन

अऊर तोरा सुध्द इंसान हुन ख इनाम दियो जाहे अऊर वी सब ख भी जो,

चाहे वी छोटा या बडा होय, जो तोरो नाम पा विस्वास रखा हैं। अऊर

उ बखत आ पहुँचियो जब वी इंसान हुन को खतम करो जाहे, जो दुनिया को नास करा हैं।”

19 तब परमेस्वर को जो मन्दिर स्वर्ग म हैं ओखा खोलो गयो, अर ओको मन्दिर म ओकी वाचा को पेटी दिखई दियो; अर बिजली अर सब्द अर गर्जन अर भुकम्प भया अर बडा गार पानी गिडिया।

## 12

~~~~~

1 फिर आकास म एक बडो चिन्ह दिखई दियो, यानेकि एक ओरत जो सूरज ओढी ख हती अर चाँद ओको पाय को नीचु हतो अर ओकी मुंडी पा बारा तारा हुन को मुकुट हतो

2 वा पेट से भई, अऊर चिल्लात रहा, काहेकि अवलाद पैदा को दुख म हती।

3 एक अऊर चिन्ह स्वर्ग म दिखई दियो; अऊर देखनो, एक बडो लाल अजगर हतो, जेकी सात मुंडी अर दस सींग हता, अर ओकी मुंडी हुन पा सात राजमुकुट हता।

4 ओकी पुच्ची न आकास ख तारा हुन की एक हिस्सा को तीसरो भाग ख खीच ख जमीन पर डाल दियो। उ अजगर वा ओरत को जोने जो पेट से हती, खडो भयो कि जब वा अवलाद ख जनम देहे ते वा अवलाद ख गील लेहे।

5 ओसे पोरिया पैदा भयो जो लोहा को छड़ी लेका सब जाती हुन पा राज करन पा हैं, अर उ पोरिया एकाएक परमेस्वर को जोने अर ओको सिंहासन को जोने उठा ख पहुँचा दियो गयो;

6 अर वा ओरत उ जंगल ख भग गई जीते परमेस्वर कि तरफ से ओको लाने एक जगह तैयार करी गई हती कि उते वा एक हजार दो सब साठ दिन लक पाली जाय।

7 फिर स्वर्ग म लडई भई, मीकाईल अर ओको दूत अजगर से लडन ख निकलियो; अर अजगर अर ओखा दूत ओसे लड़ीया,

8 पर ओसे जीत नी पाया, अऊर स्वर्ग म ओको लाने फिर जगा नी राई।

9 तब उ बडो अजगर, एकोमतलब उई पुरानो साँप जो इबलीस अऊर सैतान कहलाय हैं अर पुरी दुनिया ख मारन वालो हैं, जमीन पर गिडा दियो गयो, अर ओखा दूत ओको संग गिडा दिया गया!

10 फिर मीना स्वर्ग से यू बड़ो सब्द आते जसो सुनियो, “अब हमरो परमेस्वर को उध्दार अर सामर्थ्य अर राज ओको मसी को हक परघट भयो हैं, काहेकि हमरो भई हुन पा अरोप लगान वालो, जो रात दिन हमरो परमेस्वर को जोने उन पा अरोप लगायो करत रहा, गिड़ा दियो गयो।”

11 वी मेम्ना को खून को कारन अर अपनी गवाई ख वचन को कारन ओपर जीत पाया हैं, अर उनना खुद की जान को प्यारो नी जानो, इत्तो तक की माऊत भी भुगत लियो

12 एकोलाने अरे स्वर्ग हुन म रहन वाला, खुसी मनाव; अरे जमीन, अऊर समुंदर, तुम पा धितकार! काहेकि सैतान बड़ो घुस्सा को संग तुमरो जोने उतर आयो हैं, काहेकि जाना हैं कि ओको थोड़ो ही बखत बाकी रह गयो हैं

13 जब पंख वालो अजगर न देखो की मी जमीन पा गिड़ा दियो गयो हैं, ते वा बाई ख जोना पोरिया पैदा करो रहा, सतायो

14 वा बाई ख बड़ो उकाब ख दो पंख दिया गया कि साँप को जोने से उड़ ख जंगल म वा जगह पर पहुँच जाय, जिते वा एक बखत अर बखत हुन अर आधो बखत लक पाली जाय।

15 अर साँप न वा ओरत को पिच्छु अपनो मुंडो से नदी को जसो पानी बहायो कि ओ ख या नदी से बहा देऊ।

16 पर जमीन ख न वा ओरत की मददत करी, अर अपनो मुंडो खोल ख वा नदी ख जो अजगर न अपनो मुंडो से बहायो रहा पी लियो।

17 तब पंख वालो अजगर ख ओरत पा घुस्सा भयो, अर ओकी बची अवलाद से, जो परमेस्वर को आग्या हुन ख माना अर यीसु कि गवाई देनो पर खड़ा रहवा हैं, लडन ख गयो।

18 अर उ समुंदर की रैता पर जा ख खड़ो भयो।

13



1 तब मीना एक जानवर ख समुंदर म से निकलते देखियो, जेकी दस सींग अर सात मुंडी हती। ओको सींग पा दस राज मुकुट अर ओकी मुंडी हुन पा परमेस्वर कि बुराई को नाम लिखिया वाला हता।

2 जो जानवर मीना देखो उ चिंता को समान हतो; अर ओखा पाय रीच को जसा समान हता अर मुंडो सेर को समान हतो। उ अजगर न अपनी ताकत सामर्थ्य अर अपनो सिंहासन अऊर बड़ो हक ओखा दे दियो।

3 मीना ओकी मुंडी हुन म से एक पा असो खत्ता भयो देखियो मानलेव उ मरन पा हैं, फिर ओकी जान लेन वालो खत्ता चोक्खो हो गयो, अर पुरी दुनिया ख अदमी उ जानवर को पिच्छे-पिच्छे हईव करते चलिया।

4 अदमी हुन न अजगर कि पूजा करी, काहेकि ओ ना जानवर ख अपनो हक दे दियो रहा, अर असो कैय ख जानवर की पूजा करी की, “यू जानवर को समान कोन हैं? कोन येसे लड सका हैं?”

5 बड़ो बोल बोलनो अर बुराई करन को लाने ओखा एक मुंडो दियो गयो, अर ओखा बियालीस महा लक काम करन को हक दियो गयो।

6 ओ ना परमेस्वर कि बुरई करन को लाने मुंडो खोलियो कि ओको नाम अर तम्मू एकोमतलब स्वर्ग म रहन वाला कि बुराई करे।

7 ओखा यू हक दियो गयो कि सुध्द इंसान हुन से लडे अर उन से जीते, अर ओखा हर एक कुल अर अदमी हुन अर भासा अर जाति पा हक दियो गयो।

8 पृथ्वी ख वी सब रहन वाला, जिनको नाम उ मेम्ना कि जीवन किताब म लिखिया नी गया जो दुनिया को सिरजनों से पहले दुख झेलते आया हैं, उ जानवर कि पूजा करेगों।

9 जोका कान होये उ सुने।

10 जेका कैद म होनो हैं, उ कैद म पड़ेगो; जो तलवार से मारे, जरूर हैं कि उ तलवार से मार डालो जाहे।

सुध्द अदमी हुन को धीरज अर भरोसा ऐमन ही हैं।

11 फिर मीना एक अऊर जानवर ख जमीन पर से निकलते देखियो, ओको मेम्ना को समान दो सींग हता, अऊर उ अजगर को समान बोलत रहा।

12 यू उ पहले जानवर को पुरो हक ओको जोने काम म लात रहा हतो; अर जमीन अर ओखा रहन वाला से उ पहले जानवर की, जेको जान लेन वालो खत्ता चोक्खो हो गयो रहा, पूजा करत रहा।

13 उ बड़ा-बड़ा चिन्ह दिखात रह, इतो तक कि इंसान हुन को सामने स्वर्ग से जमीन पा आगी गिरा देत रहा।

14 वी चिन्ह हुन को कारन, जिनका उ जानवर को दिखान को हक ओखा दियो गयो हतो, उ जमीन का रहन वाला ख भरमात रहा हतो अर जमीन का रहन वाला से कहत रहा हतो कि जो जानवर ख तलवार लगी हती उ जिन्दो हो गयो हैं, उनकी रूप बनाव।

15 ओखा उ जानवर को रूप म जान डालन को हक दियो गयो कि मूर्ति बोलन लग जाय, अर जित्ता अदमी वा मूर्ति कि पूजा नी करन का, उनका मरवा डाले

16 ओ ना सब छोटा-बड़ा, धनी-गरीब स्वतरत-नउकर सब को जेवनो हात या उनको माथा पर एक-एक छाप करा दी,

17 कि ओखा छोड़ जेपर मुहर छाप एकोमतलब उ जानवर को नाम या ओको नाम को अंक होये, दुसरा कोई लेनो देनो नी कर सका।

18 अकल की बात येमा ही हैं: जेका अकल होय उ यू जानवर को अंक जोड़ ले, काहेकि उ इंसान को अंक हैं, अर ओको अंक छे: सब छैसट हैं।

14

144,000

1 फिर मी देख्यो, अर देखनो, उ मेम्ना सिय्योन पहाड़ पा खड़ो हैं, अर ओको संग एक लाक चऊवालीस हजार इन हैं, जिनको माथा पर ओको अर ओको बाप को नाम लिखियो वालो हैं।

2 मीना तेज धार से बहिन वाली नदी की धार को जसी अऊर बादल को बेजा गरजनो को जसो आवाज स्वर्ग से आते जसी सुनी। मीजो आवाज सुनत रहा, उ वीणा बजान वाला को जसो बजत रहा।

3 वी सिंहासन को जोने अर चारी जीव अर सियाना हुन को जोने एक नयो गाना गात रहा हता। वी एक लाक चऊवालीस हजार इंसान हुन ख छोड़, जो जमीन पा से मोल लियो वाला हता, कोइ उ गाना नी सिख सकत रहा।

4 यी वी इंसानहुन आय जो ओरत हुन को संग खराब नी भया, पर वी कुंवारा हैं; यी वीइच ही आय कि जीते कही भी मेम्ना जावा हैं; यी ओको पिच्छु हो लेवा हैं; यी तो परमेस्वर को हिसाब से पहलो फल होन ख लाने इंसान हुन म से मोल ले लियो वाला हैं।

5 उनको मुंडो से कभी झूट नी निकलो थो, वी बेकसूर हैं।

144,000

6 फिर मीना एक अऊर स्वर्ग दूत ख बददल को बीच म उड़ते देखियो। जेको जोने जमीन पर का रहन वाला कि एक-एक जात हुन, अर कुल, अऊर भासा, अर इंसान हुन ख सुनान को लाने अनन्त काल को सुसमाचार हतो।

7 ओ ना बड़ी जोर कि आवाज से कय्हो, “परमेस्वर से डरो, अर ओकी मेहमा करो, काहेकि ओको न्याय करन को दिन आ पहुँचिया हैं; अर ओकी मेहमा गाँव, जेना स्वर्ग अर जमीन अर समुंदर अर पानी का सोता बनाया।”

8 फिर एकोबाद एक अऊर, दुसरो स्वर्ग दूत असो कहते आयो, “ओको सत्यानास हो गयो! बडो सहर बेबीलोन को सत्यानास हो गयो! जेना अपनो गलत काम (व्यभिचार) की कोपमय दारू सबरी जात हुन ख पिलायो हैं।”

9 फिर ओको पिच्छु एक अऊर, तीसरो स्वर्ग दूत असो कहते हुए आयो, अऊर बडी जोर से बोल्हो, “जो कोई उ जानवर अर ओकी मूर्ति कि पूजा करे, अर अपनो माथा या अपनो हात पर ओकी छाप लगायगो,

10 ते ओखा परमेस्वर को परकोप कि नीरा मदिरा पिलायो जाहे, जो ओको घुस्सा को कटोरा म डाली गई हैं पीएगो। अर सुध्द स्वर्ग दूत हुन को जोने अर मेम्ना को जोने आगी अर गन्धक की पीडा भोगेगो।

11 उनको दुख कि तडप को धुआँ युगयुग उठते रहेगो, अर जो उ जानवर अर ओकी मूर्ति कि पूजा करा हैं, अर जे ओको नाम कि छाप लेवा हैं, उनका रात दिन चैन नी मीलन को।”

12 सुध्द अदमी हुन को धीरज एमा ही हैं, जो परमेस्वर कि आग्या हुन ख माना अर यीसु पा भरोसा रखा हैं।

13 फिर मीना स्वर्ग म कोइ ख असो कैहते सब्द सुनियो, “लिख: भलो हैं वी मुरदा जो अबा से प्रभु म विस्वास करते घडी मरा हैं!” आत्मा बोला हैं,

“असो ही होय, काहेकि वी अपनी पुरी मेहनत को बाद आराम करेगो, काहेकि उनका अच्छा काम उनको संग म जावा हैं।”

~~~~~

14 मीना देख्यो कि एक उजरो बददल दिखई दे रयो हैं।, अऊर उ बददल पा इंसान को पोरिया सरीको कोई बठियो हैं। जेकी मुंडी पा सोना को मुकुट हैं अऊर हात म एक चोक्खी पजी वाली दराती हैं।

15 फिर एक अऊर स्वर्ग दूत न मन्दिर म से नीकल ख ओसे जो बददल पा बठियो हतो, बडी जोर से चिल्ला ख क्य्हो, “अपनी दराती उठा अऊर कटनी कर, काहेकि कटनी को बखत आ गयो हैं, एकोलाने कि जमीन कि फसल आ गई हैं।”

16 एकोलाने जो बददल पा बठो हतो ओ ना जमीन पा अपनी दराती लगायो, अर पृथ्वी की कटनी काटी गई।

17 फिर एक अऊर दुसरो स्वर्ग दूत स्वर्ग को मन्दिर म से निकलियो। उ खुद एक पजी दराती लेका खडो हतो।

18 फिर एक अऊर स्वर्ग दूत, जोका आग पा अधिकार हतो, वेदी म से निकलो, अर जोको जोने उत्तम दराती हती ओसे बडी जोर से क्य्हो, “अपनी उत्तम दराती लगा ख जमीन का अंगूर का गुच्छा हुन काट ला, काहेकि ओकी फसल आ गई हैं।”

19 तब उ स्वर्ग दूत न जमीन पा अपनी दराती लगायो अर पृथ्वी की फसल का गुच्छा काट ख अपनो परमेस्वर को घुस्सा को बडो रसकुण्ड म डाल दियो;

20 अऊर सहर या नगर को बहार उ रसकुण्ड म फसल ख खुंदो गयो, अर रसकुण्ड म से इत्तो खून निकलियो कि घोडा हुन कि लगाम हुन तक पहुँचियो, अऊर सब कोस लक बह गयो।

## 15

~~~~~

1 फिर मीना स्वर्ग म एक अऊर बडो अर हईब को चिन्ह देखो, एकोमतलब सात स्वर्ग दूत जिनको जोने साती आखरी विपत्ति हुन हती, काहेकि उनको बजेसे परमेस्वर को घुस्सा पुरो सान्त हो जावा हैं।

2 तब मी न आग मिल्यो वालो काँच को जसो समुंदर कुछ देख्यो; अर जो अदमी उ जानवर पर अर ओकी मूर्ति पर अर ओको नाम को अंक पा जीतीया रहा, उनका उ काँच को समुंदर को जोने परमेस्वर कि वीणा हुन का लेका खडो देखियो ।

3 परमेस्वर को दास मूसा को गाना, अर मेम्ना को गाना गा-गा ख कहत रहा, अरे सर्वसक्तिमान प्रभु परमेस्वर!,

तोरा काम बडा अऊर गजब* ख हैं;

अऊर अरे जात जात को राजा!;

तोरी चाल भली अर उचित हैं ।

4 अरे प्रभु, “कोन तोपर भरोसा अर तोरो नाम कि महिमा नी करन को?

काहेकि सिर्फ तूईच ही सुध्द हैं ।”

पूरी जात हुन आ ख

तोरो जोने पाय पड़ेगो,

काहेकि तोरा न्याय ख काम परघट हो गया हैं ।

5 एकोबाद मीना देखो कि स्वर्ग म गवाई को तम्बू को मन्दिर खुलन वालो हैं ।

6 अऊर उ मन्दिर म से वी साती स्वर्ग दूत जिनको जोने साती विपत्ति हुन हती, सुध्द अऊर चमकदार कपडा पहिनिया अर छाती पर सोना कि पट्टा बन्धिया मन्दिर से निकलियो ।

7 तब वी चारी जीव हुन म से एक वी सात स्वर्ग दूत हुन ख परमेस्वर, जो युगयुग जिन्दो खा हैं, को परकोप से भरिया वाला सोना का सात कटोरा दिया;

8 अर परमेस्वर की महेमा अर ओकी सक्ति को वजेसे मन्दिर धुवा से भर गयो, अर अऊर जब लक कोइ मन्दिर म नी जा सका तबलक साती स्वर्ग दूत हुन की साती बिपत्ती हुन पुरी नी हो ले ।

16

~~~~~

1 फिर मी न मन्दिर म कोई ख बड़ी जोर से वी साती स्वर्ग दूत से असो बोलते सुनियो, “जाव, परमेस्वर को परकोप का साती कटोरा ख जमीन पा रूचा देव ।”

2 एकोलाने पहलो स्वर्ग दूत न जा ख अपनो कटोरा जमीन म रूचा दियो । तब वी अदमी हुन ख जिन पा जानवर कि छाप लगी हती अऊर जो ओकी मूर्ति की पूजा करत रहा, ओको सरीर पा एक परकार को बुरो अर दुख देन वालो खत्ता निकलो ।

3 दुसरो स्वर्ग दूत न अपनो कटोरा समुंदर पा रूचा दियो, अर उ समुंदर मरो वालो अदमी को खून जसो हो गयो, अर समुंदर म रहन वाला हर एक जीव मर गयो ।

4 तीसरो स्वर्ग दूत न अपनो कटोरा नदी हुन अर पानी को सोता हुन पा रूचा दियो, अर वी खून बन गया ।

5 एकोबाद मीना पानी को सोता को स्वर्ग दूत ख असो बोलते सुनियो,

“अरे सुध्द, जो हैं अऊर जो हतो, तू न्याय करन वालो हैं अऊर तुना यू न्याय करियो ।”

6 काहेकि उनना सुध्द अदमी हुन अर “भविष्यवक्ता न को खुन बहायो रहा, अर तूना उनका खून पिलायो, काहेकि वी एको ही लायक हैं ।”

7 फिर मीना वेदी से असो सब्द सुनियो, “अरे सबसे सक्तिसाली प्रभु परमेस्वर, तोरा निर्णय न्याय अऊर सच्चा हैं ।”

8 चऊथो स्वर्ग दूत न अपनो कटोरा सूरज पा रूचा दियो, अर सूरज ख अदमी हुन ख आगी से झुलसा देन की अनुमती मिल गई ।

9 ईसान हुन धाम को तपनो से झुलस गया, अर परमेस्वर को नाम की जीनका असी विपत्ति हुन पा अधिकार हैं, बुराई करी पर ओकी महेमा करन को लाने मन नी फिरायो ।

\* 15:3 अदभुत

10 पाँचवो स्वर्ग दूत न अपनो कटोरा उ जानवर को सिंहासन पा उद्वेल दियो, अर ओको राज्य पा अंधेरा आ गयो। इंसान हुन दुख को मारे अपनी-अपनी जीभ हुन चाबन लग गया,

11 अर अपना दुख हुन अर खत्ता हुन को कारन स्वर्ग को परमस्वर कि बुराई करी; पर उनना अपना काम हुन से मन नी फिरायो।

12 छटवो स्वर्ग दूत न अपनो कटोरा बड़ी नदी फरात पर रूचा दियो, अर ओको पानी सुख गयो कि पूर्व दिसा ख राजा हुन को लाने रस्ता तैयार हो जाय।

13 फिर मीना पंखदार अजगर को मुंडो से, अर उ जानवर को मुंडो से, अऊर झूटा भविष्यवक्ता को मुंडो से मेढक जसो तीन बुरी आत्मा हुन ख निकलते देखियो।

14 यी चिन्ह दिखान वाली दुस्तात्मा आय, जो पुरा दुनिया को राजा हुन को जोने से एकोलाने निकल ख आवा है कि उनका सर्वसक्तिमान परमस्वर उ बडो दिन कि लड़ाई को लाने पुरा संसार ख राजा हुन ख एक जुट करे

15 देखनु मी चोर को समान आऊ हैं; भलो हैं उ, जो जगते अर अपनो कपडा पहिन ख रवा हैं! कही असो नी होय की उ नंगो फिरे अर “अदमी हुन ओको नंगो पन ख देखे।”

16 अर उनना राजा हुन ख वा जगा पर एकजुट करिया, जो इब्रानी म हरमगदोन कहलावा हैं।

17 सातवो स्वर्ग दूत न अपनो कटोरा हवा म रूचा दियो, अऊर मन्दिर को सिंहासन से असो बडो सब्द भयो, “हो गयो!”

18 फिर येपर बिजली हुन चमकी, अर आवाज अऊर गर्जन भया, अर एक असो बडो भुकम्प आयो कि जब से इंसान हुन ख जमीन पर सिरजिया, तब से असो बडो भुकम्प कभी नी आयो रहा।

19 ऐसे उ बडो सहर ख तीन टुकड़ा हो गया, अर जात जात का सहर हुन को सत्यानास हो गयो परमस्वर न बडो सहर बेबीलोन ख याद करयो अऊर ओखा अपनो घुस्सा की तेज वाली दारू पिलायो।

20 अर हर एक टुकड़ा हुन अपनी जगह से टल गयो, अर पहाड़ हुन को पता भी नी चलियो।

21 अर आकास से अदमी हुन पा मन-मन भर ख बड़ा गारपानी गिड़ीया, अऊर गारपानी को संकट को वजेसे इंसान हुन न परमस्वर कि बुराई करी। काहेकि उ संकट भेजा भारी को हतो।

## 17

~~~~~

1 जे सात स्वर्ग दूत हुन को जोने वी सात कटोरा हता। उनमा से एक न आय ख मोसे कह्यो, “इते आ, मी तोखा वा बड़ी वेस्या कि सजा दिखाऊ, जो ड्रेर सारी नदी हुन को पानी को किनार पा बठी हैं।”

2 जोको संग म जमीन का राजा हुन न गलत काम करियो; अर जमीन ख रहन वाला ओको गलत काम कि दारू से दारू म धुत हो गया रहा

3 तब मी आत्मा म आ गयो, अर स्वर्ग दूत मोखा जंगल कि तरफ ले गयो। मीना एक ओरत ख एक लाल रंग को जानवर पर बटो देखियो। जानवर को पुरो आँग म परमस्वर कि बुराई करन ख नाम लिखिया हता। ओकी सात मुंडी अऊर सात सींग हता।

4 या ओरत बैजनी अऊर लाल रंग की साडी पहन ख हती, अर सोना अर बेजा महेगा मानी हुन अर मोती हुन से सज ख हती रहा, अऊर ओको हात म एक सोना को कटोरा हतो जो बुरी चिज हुन से अर जो ओको गलत काम ख असुध्द चिज हुन से भरीयो हतो रहा।

5 ओको माथा पर एक राज को नाम लिखो हतो: मानो जानो बेबीलोन। अऊर जमीन पर ख सभी बुरी चिज हुन की माय।

6 मीना वा ओरत ख देखियो कि वा सुध्द अदमी हुन को खून अर,

यीसु को गवाह हुन को खून पी ख धृत हैं; मी ओखा देख ख बडो सोच म पड़ गयो।

7 तब उ स्वर्ग दूत न मोसे कय्हो, “तू हैंरान काहे होवा हैं? मी तोखा वा ओरत को राज बताऊँगो अर उ जानवर को भी, जेपर उ बटो हैं अऊर जेकी सात मुंडी अर दस सींग हैं, तोखा राज बताऊँ हैं।”

8 तुना जो जानवर ख देख्यो, जो हतो अऊर अबा नी हाय, अर उ अथाह कुण्ड म से निकल ख ऊपर आएँगो अऊर उ खतम हो जाएगो। अर जमीन ख वी रहन वाला जिनको नाम * दुनिया को बननो से पहले जीवन कि किताब म लिखिया नी गया, जानवर ख देख ख सोच म पड़ जाएगो, काहेकि उ हतो अऊर अब नी हाय अऊर फिर आगे आन वालो हैं।

9 एका समझन को लाने ग्यान कि जरूरत हैं, वी साती सिर सात पहाड़ आय जीन पा वा ओरत बठी हैं। वी सात राजा भी आय,

10 उनमा से पाँच तो खतम हो चुकिया हैं, अऊर एक अबा हैं, अऊर एक आखरी वालो अबा लक नी आयो, पर जब उ आहे, ते कुछ दिन लक ओको राज्य भी करनो जरुरी हैं।

11 जो जानवर पहले हतो, अऊर अबा नी हाय, उ खुद आठवो नम्बर को हैं पर उ हकीगत म सात राजा म से एक आय अऊर उ खतम हो जाहे।

12 तुमना जो दस सींग ख देख्यो, वी दस राजा आय। जिनका अबा लक राज्य नी मिलीयो हैं, पर ओखा घडी भर को लाने ही उ जानवर को संग राजा को पद अधिकार दियो जाएगो।

13 उनको एक ही मक्सद हैं वी अपनी सामर्थ्य अर अधिकार उ जानवर ख सोपेगो।

14 वी मेम्ना से लड़ाई लडेगो, अर मेम्ना उनका हरा देहेगो, काहेकि उ प्रभु हुन को प्रभु अर राजा हुन को राजा आय। मेमना को संग ओखा मानन वाला जितेगो: जो बुलायो गया हैं अर चुनीया वाला अर विस्वासी भी हैं।

15 फिर स्वर्गदूत न मोसे कय्हो, “जो समुंदर तुना देख्यो, जिते मानी जानी वेस्या बठी हैं, उ समुंदर को मतलब हैं ढेर सारी जात, इंसान हुन कि भीड़ देस अऊर भासा हुन।

16 तुना जो दस सींग हुन अर जानवर ख देख्यो, वी वेस्या कि बुराई करेगो। वी ओखा नंगो कर ख अकेली छोड़ देहे, ओकी मांस खाए, अर ओखा आगी म जला देहे।

17 काहेकि कि परमेस्वर उनको मन म यु डालेगो कि वी ओकी मनसा पुरी करे, अर जब लक परमेस्वर को वचन पुरो नी हो ले तब लक एक मन हो ख अपनो अपनो राज्य जानवर ख दे दे।”

18 “तुना वा ओरत देख्यो, वा तो उ बडो सहर आय जो जमीन ख रहन वाला राजा हुन पा सासन करा हैं।”

18

~~~~~

1 एकोबाद मीना एक अऊर स्वर्ग दूत ख स्वर्ग से उतरते देखियो। ओखा बडो अधिकार मिलो हतो; अऊर जमीन ओको तेज से झकाझक हो ख चमकन लग गई।

2 ओ ना बडी जोर से चिल्लाया ख कय्हो,

“ओको सत्यानास हो गयो! उ बडो सहर बेबीलोन को सत्यानास हो गयो! वहाँ दुस्तात्मा को डेरा, कई तरीका की असुध को अड्डा, अऊर कई तरीका की बुरी चिड़िया हुन को गुड्डा अऊर असुध अर बुरा जानवर हुन को खोला बन गयो।

3 काहेकि पुरा जात का न ओको गलत काम कि तेज नसा वाली दारू पी ली हैं, जमीन ख राजा हुन न ओको संग म गलत काम करियो हैं, अर पृथ्वी ख बैपारी ओको अपरंपार धन, दऊलत से धनी हो गया हैं।”

4 फिर मोखा स्वर्ग म से एक अऊर सब्द असो कैहते सुनाई दियो,

“मिना बनाया वाला इंसान हुन बडो सहर बेबीलोन म से नीकल ख आव!

कई असो नी होय कि तुम ओखा पाप म सामिल

अर ओपर आन वालो काल को फंदा म तुम भी फस जाय!

5 काहेकि ओको पाप हुन कि पाई की सींग स्वर्ग लक पहुँच गई हैं,

अर ओखा पाप परमेस्वर ख याद आ गया हैं।

6 जसो ओ ना तुमखा दियो हैं वसो ही ओखा देव,

अर ओको काम हुन को हिसाब ओखा दो गुना बदला देव;

जो कटोरा म ओ ना भर दियो रहा

ओमा ही ओको लाने दो गुना भर देव।

7 जिंती ओ ना बड़ाई करी अर सुख चैन भोगयो,

उत्तोइच ओखा दुख अर दरद\* देव;

काहेकि वा अपनो मन म बोला हैं,

भी रानी बन ख बठी हैं, राइ† नी;

अर फिकर म कभी नी पड़न की।

8 एकोलाने एक ही दिन म ओपर बिपत्ती हुन आ जाहेगो,

एकोमतलब माऊत, अर चिन्ता, अर अकाल;

अऊर वा आग म भस्म कर दियो जाहे,

काहेकि ओको न्याय करन वालो प्रभु परमेस्वर सक्तिसाली हैं।"

9 "जमीन को राजा जिनना ओको संग म गलत काम‡ करियो अर सुक चैन से रया, जब ओको जलन को धुवा देखेगो, ते ओको लाने रोयगो अऊर छाती ठोकेगो

10 ओको दुख को दरद को डर मारे वी बड़ी दूर खड़ा हो ख कहेगो, अरे बड़ो सहर बेबीलोन! अरे मजबुत सहर, धितकार! धितकार! घड़ी भर म ही तोखा सजा मिल गयो हैं।"

11 "जमीन ख बैपारी ओको लाने रोयगो अर बिलकेंगो, काहेकि अब कोई उनको माल मोल नी लेन को।"

12 एकोमतलब सोना, चाँदी, रत्न मोती, अर मलमल, अर बैजनी, रेसमी, अऊर लाल रंग को कपड़ा, अर हर तरीका को महकन वालो काठ, अर हाथी को दाँत कि हर तरीका कि चीज, अर बड़ा महेगा काठ अर पीतर अर लोहा अर संगमरमर कि सब तरीका कि चीज,

13 अर दालचीनी, मसाला हुन, धूप, इतर, लोबान, दारू, तेल, मैदा, गहूँ, गाय-बईल, भेड़-बकरी हुन, घोड़ा हुन अर घोड़ा गाड़ी, अर सवारी, अर अदमी हुन कि जान।

14 अब तोरा मन को मुताबित फल तोरो जोने से जाता रया, अर चोक्खो सुवाद वाली अर चमकदार चीज तोरो जोने से दूर हो गई, अऊर वी फिर कभी नी मिलन की।

15 असी चीज हुन ख बैपारी जो उनको संग म धनी हो गया रहा, ओको दुख को डर को मारे दूर खड़ा रहेगो, अऊर रोते अर किलपते हुए कहेगो,

16 धितकार! धितकार! यू बड़ो सहर जो मखमल§, अर बैजनी अर लाल रंग को कपड़ा पहिन ख हतो।

अर सोना अर रत्न हुन अर मोती हुन से सजो हतो;

17 घड़ी भर म ही ओको असो भारी धन खतम हो गयो।

हर एक माझी अर सफर करन वालो\* अर नाव चलान वाला† अर जीत्ता समुंदर से कमावा हैं, सब दूर खड़ा भया,

18 अर ओको जलन को धुवा देख ख चिल्लाया ख बोलेगो, कोन सो सहर यू बड़ो सहर को समान हैं?

\* 18:7 दरद † 18:7 विधवा ‡ 18:9 व्यभिचार § 18:16 मलमल \* 18:17 यातरी † 18:17 मल्लाह

19 अऊर अपनी-अपनी मुंडी पा धूहर‡ डालेगो, अर रोते बखत अर किलपते हुए चिल्लाया ख कहेगो।

धितकार! धितकार! यू बड़ो सहर।

जोकी सम्पत्ति को दुवारा समुंदर ख सबरा जहाज वाला धनी हो गया रहा, घड़ी भर म ही उजड़ गयो।

20 अरे स्वर्ग, अऊर अरे सुध्द अदमी हुन, अर प्रेरित सिखान वाला §हुन अर भविष्यवक्ता हुन, ओपर आनन्द मनाव, “काहेकि परमेस्वर न न्याय कर ख ओसे तुमरो बदला लियो हैं।”

21 फिर एक ताकतवर स्वर्ग दूत न बड़ी चक्की को पाट को समान एक पत्थर उठायो, अर असो बोल ख समुंदर म फेक दियो, बड़ो सहर बेबीलोन असो ही बड़ी ताकत से गिड़ायो जाहेगो, अऊर फिर कभी ओको पता नी चलन को।

22 वीणा बजान वाला हुन, अर गायक हुन, अर बाँसुरी बजान वाला, अर तुरई फूँकन वालो को सब्द फिर कभी तोरो म सुनाई नी देन को; अर कोई उधम को कारीगर भी फिर कभी तोरो म नी मिलन को; अर चक्की को चलन को सब्द फिर कभी तोरो म सुनाई नी देन को;

23 अर दिया को उजेरा फिर कभी तोरो म नी चमकन को, अर दूला अर दुलन को सब्द फिर कभी तोरो म सुनाई नी देन को; काहेकि तोरा वैपारी जमीन ख राजा\* हता, अर तोरो टोना से सब जाती हुन भरमाई गई हती।

24 भविष्यवक्ता हुन अर सुध्द अदमी हुन, “अर जमीन पा सबरा मरिया-काटीया वाला हुन को खून ओमा ही मिला हैं।”

## 19

1 एकोबाद मीना स्वर्ग म मानलेव बड़ी भीड़ ख बड़ी जोर से असो कहते सुनियो, “हाल्लिलूय्याह! उध्दार अर महेमा अर सामर्थ्य हमारो परमेस्वर ही की हैं।

2 काहेकि ओखा निर्णय सच्चा अर भला हैं। ओ ना वा बड़ी वेस्या ख, जो अपनो गलत काम कि चाल चलन से दुनिया ख असुध्द करत रहा, न्याय करियो अर ओ ना अपना दास हुन को खून बदला लियो हैं।”

3 फिर दुसरी बार उनका क्य्हो, “हालेलूय्या! ओको जलन को धुआँ युगयुग उठते रहेगो।”

4 तब चौबीस सियाना अदमी हुन \* अर चारी जीव हुन न गिर ख परमेस्वर ख पाय पड़िया, जो सिंहासन पा बठो हतो, अर क्य्हो, “आमीन! हालेलूय्या!”

?????? ?? ???? ?

5 एकोबाद सिंहासन म से एक सब्द निकलो, “अरे हमरा परमेस्वर से डरनवाला दासहुन, का छोटो, का बड़ा; तुम सब ओकी महेमा† करो।”

6 फिर मीना बड़ी भीड़ को जसो डेर सारो पानी को सो सब्द, अर गर्जन को सो बड़ो सब्द सुनियो; “हालेलूय्या!” काहेकि प्रभु हमारो हैं परमेस्वर सक्तिमान राज्य करा हैं।

7 आव, अपुन खुस अर मगन होय, अर ओकी स्तुति करे, काहेकि मेम्ना की सादी आ गई हैं, अर ओकी दुलिन न खुद ख तैयार कर लियो हैं।

8 ओखा सुध्द अर चमकदार महीन मलमल पहिननो को अधिकार दियो गयो काहेकि उ महीन मलमल को मतलब सुध्द अदमी हुन को धर्मी का काम हैं।

9 तब स्वर्ग दूत न मोसे क्य्हो, “असो लिख, कि धन्य वी हैं, जो मेम्ना को भोज म बुलायो गया हैं।” फिर ओ ना मोसे क्य्हो, “यी वचन परमेस्वर ख सच वचन आय।”

10 तब मी ओखा पाय पड़न को लाने ओखा पाय हुन पा गिड गयो। ओ ना मोसे कय्हो, “देख असो मत करा,” मी तोरो अर तोरा भई हुन को संगी दास आय जो यीसु कि गवाई देन पा खडो हैं। परमेस्वर ही ख भजन करजे, ‡ काहेकि यीसु कि गवाई भविष्यवानी की आत्मा आय।

¶¶¶¶¶¶¶¶

11 फिर मीना स्वर्ग को खुल्यो देखो, देखु हैं कि एक सफेद घोड़ा हैं; अर ओपर एक सवार हैं, जो भरोसा को कबील<sup>§</sup> अर सच्चो कहलाय हैं; अर उ धर्म को संग न्याय अर युध्द करा हैं।

12 ओकी आँखी आग कि ज्वाला हैं, अर ओकी मुंडी पा ढेर सारा राजमुकुट हैं। ओपर एक नाम लिख्यो हैं, जेका ओखा छोड़ अर कोई नी जाना।

13 उ खून छिड़कियो वालो कपड़ा पहिन ख हैं, अर ओको नाम परमेस्वर को वचन हैं,

14 स्वर्ग की सेना उजरो<sup>\*</sup> घोड़ा पा सवार अर उजरो<sup>†</sup> अर सुध्द मलमल पहिन ख ओको पीछु-पीछु हैं।

15 जाति जाति ख मारन को लाने ओको मुंडो से एक चोक्खी तलवार निकला हैं। उ लोहा को राजदण्ड लेका उन पा राज करेगो, अर सर्वसक्तिमान परमेस्वर को भयानक प्रकोप की पानी जलाहट की मदिरा को रसकुण्ड म अंगूर खोदेगो।

16 ओको कपड़ा अर जाँघ पा असो नाम लिख्यो हैं, “राजा हुन को राजा अर प्रभु हुन को प्रभु।”

17 फिर मीना एक स्वर्ग दूत ख सूरज पा खडो होते हुए देख्यो। ओ ना बड़ी जोर से चिल्लाया ख बददल को बीच म से उडन वाला सब चिड़िया हुन से कय्हो, “आव, परमेस्वर को बडो भोज को लाने इकजुट हो जाव,

18 जसो तुम राजा हुन को मांस, अर सरदारहुन को मांस, अर बलसाली इंसान हुन को मांस, अर घोड़ा हुन को अर उनको उपर क सवारहुन को मांस अर का स्वतरत का दास, का छोटा का बडा, सब अदमी हुन को मांस खाव।”

19 फिर मीना उ जानवर, अर जमीन ख राजा हुन अर उनकी सेना हुन ख उ घोड़ा को सवार अर ओकी सेना से लड़न को लाने एकजुट देख्यो।

20 उ जानवर, अर ओको संग उ झूटा भविष्यवक्ता पकड़ा गयो जेना उनको जोने असा चिन्ह दिखायो रहा जोको दुवारा ओ ना उनका भरमायो जिन पा उ जानवर की छाप हती अर जो ओकी मूर्ति की पूजा करत रहा। यी जिन्दा ही वी आग की झील म, जो गन्धक से जला हैं, डाल्या गया।

21 बचियो वाला उ घोड़ा को सवार की तलवार से, जो ओको मुंडो से निकला हैं, मार डाल्या गया; अर सब चिड़िया हुन न उनको मांस हुन से पेट भर लियो।

## 20

¶¶¶¶¶¶

1 फिर मीना एक स्वर्ग दूत ख स्वर्ग से उतरते देख्यो, जोको हात म अथाह कुण्ड कि चाबी अर एक बड़ी साँकल हती।

2 ओ ना उ अजगर, एकोमतलब पुरानो साँप ख, जो इबलीस अर सैतान हैं, पकड़ ख हजार साल को लाने बाँध दियो,

3 अर ओखा अथाह कुण्ड म डाल ख बंद कर दियो अर ओपर मोहर लगा दियो कि उ हजार साल को पुरो होन तक जात जात ख इंसान हुन \*ख फिर नी भरमान को। एकोबाद जरूर हैं कि उ थोड़ी देर को लाने फिर खोलो जाहे।

4 फिर मीना सिंहासन हुन देख्या, जो उन पा न्याय करन को अधिकार दियो गयो। मीना वी इंसान हुन कि आत्मा हुन ख भी देख्यो,, जिनकी मुंडी यीसु की गवाई अर परमेस्वर को वचन को कारन



काटीया गया रहा, जिन न जानवर अर ओकी मूर्ति की पूजा नी करी रहा, अर अपनो माथा अऊर हात म उ जानवर कि सिल छाप नी दियो रहा। वी फिर से जिन्दो हो ख यीसु मसी को संग एक हजार साल लक राज्य करते रहे।

5 जब लक यी हजार साल पुरा नी भया तब लक यी मरीया वाला जिन्दो नी भया। यू पहलो पुन जन्म आय।

6 धन्य अर सुध्द उ हैं जो यू पहिलो जी उठनो को भागीदार हैं। असा पर दुसरी माऊत को कोई भी अधिकार नी हाय, पर वी परमेस्वर अर मसी ख याजक हुन होए अर ओको संग हजार साल लक राज्य करेगों।

~~~~~

7 जब हजार साल पुरा हो जाहे ते सैतान कैद से छोड़ दियो जाहे।

8 उ वी जाती हुन ख जो जमीन को चारी तरफ होए, एकोमतलब गोग अर मागोग ख जिनकी गिनती समुंदर कि रेता को बराबर होयगो, भरमा ख लड़ई को लाने एकजुट करन ख निकलेगो।

9 वी पुरी जमीन पा फैल ख सुध्द जनता हुन* भीड़ अर प्यारो नगर ख घेर लेगो; अर आग स्वर्ग से उतर ख उनका भस्म करेगों।

10 उनका बहेकान वालो सैतान आग अर गन्धक की वा झील म, जिनमा उ जानवर अर झूटा भविष्यवक्ता भी होयगो, डाल दियो जाहे; अऊर वी रात दिन युगयुग दुख म तडपते रहेगो

~~~~~

11 फिर मीना एक बड़ा उजरो सिंहासन अर ओखा, जो ओपर बठियो हैं, देख्यो; ओको जोने से जमीन अर आकास भग गया, अर उनको लाने जगह नी मिली।

12 फिर मीना छोटा बड़ा सब मरीया वाला ख सिंहासन को जोने खड़ा होते हुए देख्यो, अर किताब खोली गई; अऊर फिर एक अऊर किताब खोली गई, एकोमतलब जीवन कि किताब; अर जसो वी किताब हुन म लिख्यो हतो रहा, वसा ही उनको काम को अनुसार मरीया वाला को न्याय करो गयो।

13 समुंदर न वी मरीया वाला ख जो ओमा हता दे दियो, अर माऊत अर अधोलोक न वी मरीया वाला ख जो उनमा हता दे दियो; अर उनमा से हर एक ख काम हुन को अनुसार उनको न्याय करो गयो,

14 माऊत अर अधोलोक आग की झील म डाल्या गया। या आग की झील दुसरी माऊत आय;

15 अर जो कोई को नाम जीवन कि किताब म लिख्यो नी मिलन को, उ आग की झील म डाल दियो गयो।

## 21

~~~~~

1 फिर मी न नयो बददल अर नई जमीन ख देखी, काहेकि पहलो बददल (आकास) अर पहली जमीन जाते राई, अर समुंदर भी नी रयो।

2 फिर मीना सुध्द सहर नयो यरूसलेम ख स्वर्ग से परमेस्वर को जोने से उतरते देखियो। वा ओको जसी दुलन को समान हती जो अपनो घरवालो को लाने सिंगर ख होय।

3 फिर मीना सिंहासन म से कोई ख बड़ी जोर से असो बोलते हुए सुनियो, “देखो, परमेस्वर अदमी हुन* को बीच म आयो हैं। उ उनको संग म रहेगो, अर वी ओखा लोग होए, अर परमेस्वर खुद उनको संग म रहेगो अर उनको परमेस्वर होए।

4 उ उनकी आँख हुन से सबरा आँसु पोंछ डालेगो; अर एकोबाद माऊत नी रहन की, अर न सोक, न विलाप, न दुख रहेगो; पहले कि बात जाते राई।”

5 जो सिंहासन पा बठो हतो रहा, ओ ना कय्हो, “देख, मी सब कुछ नयो कर देहु हैं।” फिर ओ ना कय्हो, “लिख ला काहेकि यी वचन विस्वास योग्य अर सच हैं।”

6 फिर ओ ना मोसे कह्यो, “या बात हुन पुरी हो गई हैं।” मी अल्फा अऊर ओमेगा, सुरूवात अर अन्त आय। मी प्यासा हुन ख जीवन को पानी को सोता मा से सेंटमेंत पिलाऊँगो।

7 जो जय पाहे उईच ही इन चीज हुन को वारिस होयगो, अऊर मी ओको परमेस्वर होऊँगो अऊर उ मोरो पोरिया होयगो।

8 पर डरनवाला, अर अविस्वासी हुन अर घिनोना हुन, अर हत्यारा हुन अर व्यभिचारी हुन, अर टोना, अर मूर्ती पूजा करन वाला, अर सब झुटा हुन को भाग वा झील म मिलेगो जो आग अर गन्धक से जलते रहवा हैं: या दुसरी माऊत आय।

21:12-13

9 फिर जो स्वर्ग दूत हुन को पास सात आखरी विपत्ति हुन से भरिया वाला सात कटोरा हता, उनमा से एक मोरो जोने आयो, अर मोरो संग बात हुन कर ख कह्यो, “इते आ, मी तोखा दुलन एकोमतलब मेम्ना की घरवाली दिखाऊँगो।”

10 तब उ मोखा आत्मा म एक बडो अऊर ऊँचो पहाड पा ले गयो, अर सुध्द सहर यरूसलेम ख स्वर्ग से परमेस्वर को जोने से उतरते दिखायो।

11 परमेस्वर की मेहमा ओमा हती, अऊर ओकी ज्योति बेजा ही किमती पत्थर, एकोमतलब बिल्लोउर को समान यसब को जसो चोक्खी हती।

12 ओकी बाउनडरी बडी ऊँची हती, अर ओखा बारा फाटक अर फाटक हुन पा बारा स्वर्गदूत हता: अर वी फाटक हुन पा इस्राएली हुन का बारा गोत हुन को नाम लिख्यो हता रहा।

13 पुरब कि तरफ तीन फाटक, उत्तर की तरफ तीन फाटक, दक्खिन की तरफ तीन फाटक, अर पस्चिम कि तरफ तीन फाटक हता।

14 सहर कि बाउनडरी की बारा नीव हुन हती, अर उन पा मेम्ना का बारा प्रेरित हुन को बारा नाम लिख्यो हता।

15 जो मोरो संग बात करत रहा हतो। ओको जोने सहर अर ओखा फाटक हुन अर ओकी बाउनडरी ख नापन को लाने एक सोना को गज हतो

16 उ सहर गोलदम† बसायो हतो अर ओकी लंबई, चऊडाई को बराबर हती; अर ओ ना उ जग से सहर ख नापो, ते सट्टे सात सव कोस को निकल्यो: ओकी लंबई अर चोडई अर ऊँचाई बराबर हती।

17 ओ ना ओकी बाउनडरी ख इंसान‡ की मतलब स्वर्गदूत को नाप से नापियो, ते एक सव चऊवालीस हात निकली।

18 ओकी बाउनडरी यसब की बनी हती, अऊर सहर असो सुध्द सोना को हतो जो चोक्खी काँच को समान होय।

19 उ सहर की बाउनडरी हर तरीका को किमती पत्थर हुन से सजई§ हती; पहली नीव यसब की, दुसरी नीलमणी की, तीसरी लालडी की, चऊथी मरकत की,

20 पाँछवी गोमेदक की, छटवी माणिक्य की, सातवी पीतमनि, की, आठवीं पेरोज की, नव्वीं पुखराज की, दसवी लह सनिए की, ग्यारवीं धूम्रकान्त की, अर बारवी याकूत की हती।

21 बारा फाटक हुन बारा मोती हुन ख हता; एक एक फाटक एक एक मोती को बनीयो हतो। सहर की सडक साप सुतरी काँच समान सुध्द सोना की हती।

22 मीना ओमा कोई मन्दिर नी देखो, काहेकि सर्वसक्तिमान प्रभु परमेस्वर अर मेम्ना ओको मन्दिर हैं।

23 उ सहर म सूरज अर चन्दा को उजेलो की जरूरत नी हाय, काहेकि परमेस्वर को तेज से ओमा उजरा हो रयो हैं, अर मेम्ना ओको दिया आय।

24 जाति जाति ख अदमी हुन* ओको ज्योति म चला-फिरा करेगों, अर जमीन ख राजा अपनो अपनो तेज को समान ओमा लायगो।

25 वहा का फाटक दिन का कभी बन्द नी होन का, अर रात वहाँ नी होन की।

26 अदमी हुन जाति जाति को तेज अर वैभव को समान ओमा लायगो।

27 पर ओमा कोई असुध्द चीज, या बुरी काम करन वाला, या झुट ख गड़न वालो कोई भी तरीका से भीतर नी आन को, पर सिरप वी अदमी हुन जिनको नाम मेम्ना को जीवन कि किताब म लिख्यो होय।

22

1 फिर ओ न मो ख बिल्लोउर कि सी झलकती हुई, जीवन को पानी की नदी दिखी, जो परमेस्वर अर मेम्ना को सिंहासन से निकल ख

2 उ सहर को बीचो बीच बहुत रहा। नदी को एनो पार अर ओ नो पार जीवन को झाड़ हतो; ओमा बारा तरीका को फल लगत रहा, अऊर उ बारा महीना फरत रहा: अर झाड़ को पत्ताहुन से जाति-जाति ख अदमी* अच्छा होत रहा।

3 फिर स्राप नी होन को, अर परमेस्वर अर मेम्ना को सिंहासन उ सहर म होयगो।

अर ओखा दास ओकी सेवा करेगों।

4 वी ओको मुंडो देखेगो, अर ओको नाम उनको माथा पा लिख्यो होयगो।

5 फिर रात नी होन की, अर उनका दिया अर सूरज को उजरो कि जरूरत नी होन की, काहेकि प्रभु परमेस्वर उनका उजरो देहेगो, अर वी युगयुग राज करेगों।

~~~~~

6 फिर ओ ना मोसे क्य्हो, या “बात भरोसा करन को लायक अऊर सच हैं प्रभु न, जो भविष्यवक्ता हुन कि आत्मा हुन को परमेस्वर आय, अपना स्वर्ग दूत हुन ख एकोलाने भेजो कि अपना दास हुन की वी बात हुन, जिनको तुरत पुरो होनो जरूरी हैं, दिखाए।”

7 “देख मी तुरत ही आन वालो हैं! धन्य हैं उ, जो या किताब की भविस्वानी की बात हुन ख माना हैं।”

8 मी उईच यूहन्ना आय, जो असी बात हुन सुना हैं अर देखत रहा। जब मीना सुना अर देख्यो, ते जो स्वर्ग दूत मोखा असी बात हुन दिखात रहा, मी उनको पाय हुन पा पड़न को लाने गिड पड़यो।

9 पर ओ ना मोसे क्य्हो, “देख असो मत करा; काहेकि मी तोरो, अर तोरा भई भविष्यवक्ता हुन, अर या किताब कि बात हुन ख मानन वाला को संगी दास आय। परमेस्वर ही ख दण्डवत कर।”

10 फिर ओ ना मोसे क्य्हो, “या किताब कि भविष्यवानी की बात हुन ख बंद मत करा; काहेकि बखत नजीक आयो हैं।

11 जो बुरो करा हैं उ बुरो ही करते रैय; अऊर जो मलीन हैं, उ मलीन बनो रैय; अर जो धर्मी हैं उ धरमी बनो रैय; अर जो सुध्द हैं: उ सुध्द बनो रैय।”

12 “देख मी तुरत ही आन वालो हैं; अर हर एक को काम को अनुसार बदला देन को लाने एक एक फल मोरो जोने हैं।

13 मी अलफा अर ओमेगा, पहेलो अर आखरी, सुरूवात अर आखरी आय।”

14 धन्य वी हैं, जो अपना कपडा धो लेवा हैं, काहेकि उनका जीवन को झाड़ को जोने आन को अधिकार मीलेगो, अर वी फाटक से होका सहर †म भीतर जाएगो।

15 पर कुत्ता, अर टोना हुन, अर चोरी-छिनाला‡ अर हत्यारा अर मूर्ति ख पूजनवाला, अर हे एक झूट का चाहनवालो अर गढ़नवालो बाहर रहेगो।

\* 21:24 लोग \* 22:2 लोग † 22:14 नगर ‡ 22:15 व्यभिचारी,

16 मी खुद यीसु न अपनो स्वर्गदूत ख एकोलाने भेज्यो कि तुमरो आगु कलेसिया हुन को बारे म असी बात हुन की गवाही दे। मी दाऊद को मूल अर वंस, अर भुसारो को चमकन वालो तारा आय।

17 आत्मा अर दुलन दोई कहाँ हैं, “आ!” अर सुनन वालो भी बोले, “आ!” जोका प्यास लगी होय उ आय, अर जो ख लगा हैं जीवन को पानी फिरीऽ म ले।

\*\*\* \*

18 मी हर एक ख, जो या किताब की भविस्वानी की बात हुन सुना हैं, गवाही देऊ हैं: अदि कोई अदमी † असी बात हुन म से कुछ बढ़ाए ते परमेस्वर वी विपत्ति हुन ख, जो या किताब म लिखी हैं, ओपर बढ़ायगों।

19 अदि कोई या भविस्वानी की किताब की बात हुन म से कुछ निकाल डाले, ते परमेस्वर उ जीवन को झाड़ अर सुध्द सहर म से जेको बारे म ‡ या किताब म हैं ओको भाग निकाल देहे।

20 जो या बात कि गवाही देवा हैं उ असो कहाँ हैं, “हाँ मी तुरत ही आन वालो हैं।” आमीन। अरे प्रभु यीसु जल्दी आ!

21 प्रभु यीसु की दया सुध्द अदमी हुन को संग होती रैय। आमीन।